PRESENTATION

107

আগ্রা ও বঙ্গরাজধানীর

রাজস্বসম্পর্কার আইনের পথদর্শক গ্রন্থ।

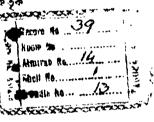
তন্মধ্যে রাজস্ব বিষয়ের যত আইন এইক্ষণে চলিত আছে তাহা

বিষয় বিভাগানুসারে সংগৃহীত হইয়া

এীযুত জান মার্লমন লাহেবক ঠ্ক

পুকাশিত হইল।

ASIATIC SOCIETY



১৮৩ঃ সালের ১ সেপ্তেম্বর তারিথপর্যান্ত যত আইন হইয়াছে সে সমুদায় এই গ্রেছ্র মধ্যে পাওয়া ∰ইবেু।

33m

প্ৰথম বালম।

27462 1972

ক্সিরামপুরের মৃদ্যাঘতে মৃদ্যাধিত হটল।
১৮ ১৮:

বিজ্ঞাপন।

এই গুল্বের মধ্যে সরকারী রাজস্ববিষয়ক যত আইন রূদ না হই য়। কলিকাতা ও আগ্রা রাজধানীর অধীন দেশের মধ্যে চলিত আছে তাহা দণ্গৃহীত হইয়াছে। বোধ হয় এক আইনও বাকী नारे अव १० राय मकेन आरेन को स्माल श्रीयुष्ठ काञ्चानि वारामू रत्त আজ্ঞাক্রমে তর্জমা হইয়াছিল তাহাই অবিকল মৃদ্যান্ধিত হইয়া ছে। এবণ প্রত্যেক প্রকরণের নিমুভাগে ঐ বিধি কোন্থ আইন হইতে **দ**্পগ্রহ হইয়াছে তাহা অতিষ্ণুষ্টরূপে লেখা গিয়াছে। কোন্থ স্থানে বঙ্গদেশে এক আইন জারী হইয়া তৎপরে তাহা অবিকল অন্যান্যপুদেশ অর্থাৎ বারাণস ও জয়প্রাপ্ত ও দত্তদেশে বিস্তারিত হইয়াছে। এই স্থলে ঐ বিধান বারম্বার পুকাশ না হই য়া কেবল তাহার নিমুভাগে এইমাত্র লেখা আছে যে কোন্থ আ ইনের দ্বারা এই দকল বিধান অন্যান্য দেশে চলন হইয়াছে। এবৎ তাহার পার্শ্বে ঐসকল দেশের নাম স্লফ্ট লিথিত আছে। অত এব যে স্থানের পার্ম্বে কোন দেশের নাম লিথিত নাই দে স্থলে এমত বোধ করিতে হইবে যে ঐ বিধান সর্ক্রাধারণ প্রদেশেই চলন আছে।

কেবল পশ্চিম প্রদেশে যে আইন চলন হয় তাহার মধ্যে কোনং আইন গবর্ণমেণ্টের আজ্ঞায় বঙ্গভাষাতে তর্জমা হয় নাই। তদ্ধপ আইনের স্থলে কেবল এইমাত্র লেথা গিয়াছে যে এই আইন তর্জ মা হয় নাই অতএব পাঠক মহাশয়েরা যে স্থলে ঐ কথা দেখিবেন সেই স্থলে বোধ করিবেন যে তাহা বঙ্গাদি প্রদেশে চলন না হওয়া প্রযুক্তই তর্জমা হয় নাই।

প্রত্যেক বিষয়ের যে২ বিধান তাহা নানা আইনহইতে দংগ্রহ করিয়া একই অধ্যায় বা একই প্রকরণের মধ্যে অর্পণ করা গিয়া ছে। অতএব নির্ঘটি পাঠ করিলে অন্বেষণীয় যে বিষয় তাহা একই স্থানে অনায়াদে পাওয়া যাইবে।

পুনশ্চ এই গ্রন্থের মধ্যে আইন অর্পণ হইয়াছে তাহা দূজি দেখিলেই অক্লেশে বোধণম্য হইবে ইতি।

প্রথম বালমের নির্ঘণ্ট।

১ অধ্যায়।

चूमित ताकरञ्चत तत्मावसः।

বাঙ্গালা ও বেছার ও উড়িষ্যা।

| | | 9) \$1 |
|-----------|---|------------|
| ১ ধারা। | বাঙ্গালা ও বেহার ও উড়িয়্যার বন্দোবস্থ—১৭৯১ | |
| | সালের ইশ্তেহার। | > |
| ২ ধারা। | यां हात्र महत्र महत्र वर्णनावयु हरें उ डाहा। - महत् | |
| | মালপ্রজার। | >> |
| ৩ ধারা। | মফঃসলী বন্দোবন্ত।—পেটার মফঃসলী ভালুকদার। | \$ > |
| ৪ ধারা। | রাজয় নির্দ্ধার্য্যকরণের সাধারণ বিধি । 🔐 🔐 | २ 8 |
| e ধারা। | বাঙ্গালার বিশেষ ছকুম। | ? 9 |
| ৬ ধারা। | বেহারের বিশেষ শুকুম। | ٥. |
| ৭ ধারা। | মেদিনীপুরের বিশেষ অকুম। | 95 |
| ৮ ধারা। | নিমকপোখানীর মহালাতের বিশেষ छকুম। 💮 \cdots | 98 |
| | ২ অধ্যায় ৷ | |
| | ভূমির রাজস্বের বন্দোবস্ত। | |
| | বারাণস। | |
| ১ ধারা। | বারাণসে ভূমির রাজবের চিরকাল বন্দোবন্ত। | ०५ |
| २ धाद्रा। | • | |
| | পুনশ্চ বিধি। | ७३ |
| ৩ ধারা। | বারাণদের রাজার নিজ জমীদারী বদুই ও কীরামল | |
| | রোর ও কসওয়ার প্রগনার কিয়দংশবিষয়ের বি | |
| | control Carlot I | |

| পৃষ্ঠা। | |
|---|--|
| ৩ অধ্যয়। | |
| ভূমির রাজস্বের বন্দোবস্তু। | |
| मस प्रमा | |
| ৬ ধারা। ফদলী ১২৩০ অবধি ১২৩৪ পর্যান্ত বন্দোবস্তু। ৭৫ | |
| ৭ ধারা। ফদলী ১২৩৫ অবধি ১২৩৯ পর্যান্ত বন্দোবন্ত। ৮১ | |
| | |
| ৪ অধ্যায়। | |
| | |
| ভূমির রাজ স্থের বন্দো বস্থ। | |
| জয়প্রাপ্ত দেশ। | |
| क्षादा। कमली >२७७ ज्यवि >२७१ भ्रशास्त्र वर्ष्मावस्त्र । , ७८ | |
| | |
| ৫ অধ্যয়। | |
| ভূমির রাজম্বের বন্দোবস্ত। | |
| ্ কর্টক। | |
| ৩ ধারা। আমলী ১২২০ অবধি ১২২২ প্রয়ম্ভ বন্দোবস্তু। ৮৮ | |
| | |
| ৬ অধ্যায়। | |
| | |
| বীরভূমের ঘাটওয়ালদিগের সহিত বন্দোবস্ত। ১১ ৮৯ | |
| | |
| ৭ অধ্যায়। | |
| ভূমির মালগুজারী বন্দোবস্ত করণ কিয়া তাহা | |
| পুনর্দৃষ্টিপূর্ব্বক শুধরণ। | |
| ১ धाता। वत्मावरखद निवस् | |
| ২ ধারা। পটিদারী ভূমির বন্দোবন্ত শ্বধরণবিষয়ক বিধি। ৯৭ | |
| ৩ ধারা। কালেক্টর সাহেবেরদের বন্দোবন্তকরণ কিবা অধর | |
| ণসময়ে যে আদালতসম্পর্কীয় ক্ষমতা থাকিবে ডা হা।—ভাঁহারদের বিচারের বিধি ও এলাকা। … ১০৪ | |
| হ। — তাহার দের বিচারের বিবি ও অলাকা। ১০০ ৪ ধারা। থাল্লানার বিষয়ে সরাসরীখননার্থ কালেক্ট্র সাহে | |
| (यत क्रमण वृक्षिकत्व। >०৮ | |
| ৫ ধারা। সরাসরী মতে মোকদ্মা না করিয়া জাবেভাষতে যো | |
| कमञ्जित्। >>२ | |
| ७ धार्त्रा। त्माकमबाह होडि ७ निश्च। >>> | |

| | | | अर् च। |
|-------------------|---|---------------|---------------|
| ৭ ধারা। | নিষ্পরিজারীকরণ। ··· ··· | ••• | >>9 |
| ৮ ধারা। | | ••• | 22k |
| ৯ ধারা। | | ••• | 25. |
| ৽ ধারা। | मश्रम विषयः विवासः। ··· ··· ··· | ••• | 255 |
| । হোষ ८० | সরাসরী বিচার অন্যথা করণার্থ জাবেডামতে নাবি | দশ | |
| | | ••• | 236 |
| | | | |
| | | | |
| | ৮ অধ্যায়। | | |
| রাজয | র আদায় করণ এব°৲ বাকী রাজস্ব আদায়ের বি স্কমি নীলাম। | নামস্ত | Ī |
| ১ ধারা। | ভূমি নীলাম। সাধারণ বিধি। ··· ··· ··· ··· | | 229 |
| ২ ধারা। | বাকী রাজবের বিষয়ে ভূমি নীলামকরণের বিধি | 1 | 252 |
| ৩ ধারা। | नीनामकत्रत्वत्र में जि। | ••• | 209 |
| ৪ ধারা। | বাকীদারের নিমিত্তে বা বিনামীতে বা কালেক্ট্রী | আ | |
| - 41K1 . | মলারদের নিমিতে নীলামে ভূমি ক্রয়করণ বি | स्या । | 202 |
| ৫ ধারা। | নীলামের উৎপদ্ম টাক্য আদায়করণ ও তাহা ল | <u>ট্</u> য়া | |
| - 412. | যাহা করিতে হইবে তাহা। | ••• | 285 |
| ৬ ধারা। | বোর্ড রেবিনিউর সাহেবকর্ত্বক অথবা মোকদমা | র স্বা | |
| · · · | ता नी लाग प्रश्रु त वा नागश्रुत घउन। ··· | ••• | \$88 |
| ৭ ধারা। | Company of the second second | ••• | 284 |
| ৮ ধারা। | ভূমির জমা ধার্যাকরণ। | ••• | 262 |
| ৯ ধারা। | রাজ্যর কমী দেওন বা রেয়াইডকরণ। | ••• | 26 € |
| ১০ ধারা। | বাকী রাজবের জরীমানা সুদ। | ••• | 262 |
| ১১ ধারা। | মালপ্রজারী ভূমিবাভিরেকে অনা ভূমি বিক্রয়ক | রেণ। | À |
| ১২ ধারা। | ভুমি নীলাম হউলে মফঃসলী ভালুকদার ও ভ | জার | |
| | मात् ও প্রকাবর্গের করারদাদ নাম श्रुत কর্ণ। | ••• | 263 |
| ১৩ ধারা। | মালওজারী দাওয়া ও ভূমি ক্রোক করণ্যারা র | ाज्य | |
| | আদায় করণ। | ••• | 289 |
| ১৪ ধারা। | অস্থাবর বস্ত ক্রোক ও নীলামকরণের দারা মাল | ভিজ। | |
| | वी च्यामायक दूर्ग। | ••• | >98 >95 |
| ১৫ ধারা। | वाकीमात भूगाधिकातितरमत् कर ग्रमकत् । | ٠٠٠ | 266 |
| ১৬ ধারা। | वाकोमात देखांतमात ଓ खांबियनत्तरमत करम्मक | 491 | |
| ১৭ খারা। | কালেক্টর সাহেবের নামে কয়েদছওয়। বাকীদ | ারে ব | * >>> |
| | (सर्व नालिमकर्व। ··· ··· ·· | | 2 W W |
| ১৮ ধারা। | ভূমাধিকারি ও অনা২ বাক্তিকে তলবকরণ বি | 14८% | २५१ |
| | কালেকটৰ সাহেবেৰ্দের ক্ষ্যা। | ••• | , , , , |
| ১৯ शहा। | म्ह (मृत्म उदमीनमाद्वत्त्वत्मत् कार्या ७ ऋ षण। | ••• | a a |
| ২ ০ ধারা । | | … কালাক | |
| ২১ ধারা। | ক্টক ও প্রগনা প্টাসপুরের রাজ্য আদায়বি | વયુવ | 200 |
| | विधान। | ••• | |

| | | | | | | अ के। | | | |
|-------------------|--|----------------|---------------|---------------|------|--------------|--|--|--|
| ২২ ধারা। | जाशावी मिवाद ও जाहा ज | দায়কর | েণর বি | ধি। | | 2.02 | | | |
| ২ ৩ ধারা । | इकामात ও मिপाशीमात्रत | | | | চরণ! | À | | | |
| ২৪ ধারা। | সরকারের নিমিত্তে ভূমি । | | | | ••• | २०० | | | |
| २६ शाहा। | বিবিধ বিধান। | ••• | ••• | ••• | | 208 | | | |
| | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | |
| ৯ অধ্যায়। | | | | | | | | | |
| | থাজানা আদা | য়করণ | 1 | | | | | | |
| | বন্দোবস্ত ও | পাউা। | | | | | | | |
| ১ ধারা। | জমীদার ও পেটাও তালুকদ | ারের দে | র মধ্যে | বদ্ধোব | मु । | २०५ | | | |
| ২ ধারা। | | ••• | | | ••• | >85 | | | |
| ৩ ধারা। | মাথোটওগয়রহ বেআইনী | আবও | য়াবের | বিষয় ৷ | ••• | ₹89 | | | |
| 8 ধারা। | ভূমির অংশাংশি বা বি | ক্ৰয় বা | হস্তান্তর | र्हे ल | পা | | | | |
| | ট্টার বিষয়ে যে বিধি চ | | | হা। | ••• | ₹8€ | | | |
| ৫ ধারা। | পাট্টা লিখনের প্রকার ও | | | ••• | ••• | ২৪ ১ | | | |
| ৬ ধারা। | পাট্টার মিয়াদ ও পাট্টা,বি | | | ••• | ••• | ર8૧ | | | |
| ৭ ধারা। | ৰাজানা দেওন বিষয়ে। | | | ••• | ••• | ₹8≯ | | | |
| ৮ ধারা। | পেটার তালুক অংশ বা | | | | র | | | | |
| | বেজিফীরি করণ। ··· | | | | ••• | 5 6 2 | | | |
| ৯ ধারা। | সুবে বারাণসের রাইয়তে | | | बदम्र विद | শ্য | | | | |
| | क्रक्ष। | ••• | ••• | ••• | ••• | २६२ | | | |
| | পত্তনী তা | লক। | | | | | | | |
| | | - | | | | | | | |
| ১ • ধারা। | সাধারণ বিধি। | ••• | ••• | ••• | ••• | २७२ | | | |
| ১১ ধারা। | পতনী তালুক হস্তান্তর্করণ | | | | ••• | २७৫ | | | |
| ১২ ধারা। | পত্নী তালুকের বাকী থা | | | | | | | | |
| | বীজ। | | | ••• | ••• | २७१ | | | |
| ১৩ ধারা। | বাকী খাজানা বিষয়ে পত | | | | ••• | 392 | | | |
| ১৪ ধারা। | পত্তনী তালুকের নীলাম ব | | | | | | | | |
| | | . | | | ••• | २१७ | | | |
| ১৫ ধারা। | প্রনী ভালুক ক্রেকর্ণিয | | | | | | | | |
| N. B. Action 1 | | | | | ••• | 298 | | | |
| ১৬ ধারা। | বিক্রেভার দিগকে প্রনী ভা | | | | | ২৭৬ | | | |
| ১৭ ধারা। | প্রনী ভালুক নীলাম হইলে - হা করিভে হইবে ভাহা। | | | | | ২৭৭ | | | |
| | ्र स्वापायाच्या स्थाप अपि। | ••• | ••• | ••• | ••• | < 7 T | | | |
| | গরাগরীতে ন | ानिम। | ` | | | | | | |
| ১ ধারা। | জাবেভামতে মোকদমা না | করিয়া | সরাস: | रीरड द | (†æ | | | | |
| , - | দ্যাক্রণ। | | | | | > A • | | | |

| | • | पृष्ठा । |
|----------------|---|-----------------|
| ২ ধারা। | সরাসরী মোকক্ষমা জজসাহেবের ছারা বিচার না হই | |
| | য়া কালেক্টর সাহেবের ছারা বিচার হওন বিষয় | ২৮১ |
| ৩ ধারা। | বাকী খাজানার বিষয়ে স্রাস্রী মোকদ্মা।—গ্রেক্তা | |
| | র করণের হুকুম। | २४२ |
| ৪ ধারা। | নিমকপোখানীরদের নামে নালিশ হইলে যাহা হই | |
| | বে ভাহা। | 149 |
| ৫ ধারা। | সরাসরী মোকদম। সরাসরামতে বিচার ও নি ম্পতি | |
| | कत्व। | २ 🔊 ८ |
| ৬ ধারা। | সরাসরী ডিক্রা অন্যথা করণার্থ জাবেতামতে নালিশ | |
| | করণ বিষয়। | ७०२ |
| ৭ ধারা। | এক বিষয় সম্পর্কীয় দুই কিন্তা ততোধিক নালিশ ভিমং | |
| | আদালত হইলে যাহা কর্ত্ব্য তাহা। | 2.8 |
| ৮ ধারা। | থাজান। আদায় করণবিষয়ে ভূম্যধিকারিরদের স্বঅ | |
| | ও ক্ষমতা। | |
| ৯ ধারা। | মিথ্যা ও ক্লেশদায়ক নালিশুও তলব। | ٥٥. |
| ১০ ধারা। | ফালেক্টরসাহেঞ্বর রিপোট। ··· ··· | 225 |
| | ্ ক্রোককরণবিষয়ক বিধান। | ٥. ٥ |
| ১ ধারা। | বাকীদার ও ভাহার জানিন। | |
| ২ ধারা। | কোককরণের ক্ষমতা ও অন্যায়রূপে কোককরণের | .0.0 |
| | म्खा | |
| ৩ ধারা। | ক্রোককরণবিষয়ক বিশেষ বিধি। ··· ··· ··· | |
| ৪ ধারা। | ঘর বাটীর ভল্লাস লওন বিষয়। | |
| ৫ ধারা। | ষে দুব্য ক্রোকের যোগ্য তদ্বির বিধি ও এবং ১৯ | , • ৩>৪ |
| | म् श्री (म्था | |
| ৬ ধারা। | ক্রোককরণিয়ার কর্ত্তর কার্য্য। | |
| ৭ ধারা। | ক্রোকহওরা দুব্য নীলামকরণের ক্ষমতা। | |
| ৮ ধারা । | নীলামের মতের কথা। | |
| ৯ ধারা। | Contact district and the second | |
| ১০ ধারা। | ক্রোককরণিয়ার্দিগকে পোলীসের দারোগা যে সং | । . ৩ ১ ২ |
| | য়তা ক্রিবে তাহা। | |
| ১১ ধারা। | ক্রোককরণিয়ার নামে অযথার্থ নালিশকরণের দও | 1 034 |
| | | |
| | • | |
| | ১০ অধ্যায় [°] । | |
| 787 | াদালতের ডিক্রীক্রমে নীলামে ভূমি বিক্রয়করণ। | |
| | বিক্ররের সাধারণ বিধি। | . ၁ 3A |
| ১ ধারা। | ্বিঞ্গের শাবারণ বিষয় ক্রিডে হয় ডাচা কোব | |
| ২ ধারু।। | ষে ভূমি নীলামে বিক্রার করিতে হয় তাহা কোব করণ বিষয়। | . ၁৫১ |
| | করণ বিষয়। ··· ··· ··· ·· ·· ·· ·· ·· ·· ·· ·· ·· | 1 |
| ৩ ধারা। | বে জুম নালামে।বিজ্ঞান্ত অনুষ্থিত বিজ্ঞান্ত বিশ্বনি | . ၁৫၁ |
| | निकाराक्रमः नोलाट्य श्रोताद ७ खूचित यूला। | |
| ৪ ধারা। | न्ति। तम् वावामाव उ व्यानम नूना | |

. .

| | | अका। |
|-----------|--|------|
| ৫ ধারা। | বারাণদ বিষয়ে বিশেষ বিধান। 🔐 🔐 | 267 |
| ৬ ধারা। | বাটীছর ও বাগান ও ফলের বাগান ও নিফার ক্ষুদুং | |
| | ভূমিশণ্ড নীলামে বিক্রয়করণ। | æ |
| ৭ ধারা। | বিবিধ বিধান। | C30 |
| | | |
| | | |
| | ১ ১ অধ ্যায় ৷ | |
| | জমিদারীর বাটওয়ারা। | |
| ১ ধারা। | জমিদারীর বাটওয়ারা কিস্বা একশামিলকরণ। | 035 |
| ২ ধারা। | যে নিয়মক্রমে জমিদারীর বাটওয়ারা ও জমা নির্দ্ধার্য্য | |
| | হইবে ডাহা। | 250 |
| ৩ ধারা। | অৎশাৎশকারী আমীনেরদের নিযুক্তকরণ ও মেহন | |
| | ভানা নির্দ্ধারিতকরণ। \cdots 🔐 🔐 🔐 | 990 |
| ৪ ধারা। | আমীনেরদের ও ভূমাধিকারিরদের কর্ত্তব্য কার্য্য। | 998 |
| ৫ ধারা। | আমীনের রিপোর্ট পাইলে কালেক্টর ও বোর্ডের | |
| | যাহা কর্ত্তব্য ভাহা। \cdots 🔐 \cdots \cdots | 393 |
| ৬ ধারা। | | |
| | বাটওয়ারাকরণ। | 992 |
| ৭ ধারা। | | |
| | থাকে তবে যাহা কর্ত্তরা তাহা। | 047 |
| ৮ ধারা। | | |
| <u> </u> | জমার তলব যাহার শিরে থাকিবে তাহা। | ०४० |
| ৯ ধারা। | | 040 |
| ১০ ধারা । | বাটওয়ারার পর কারসাজীক্রমে দখল দেওনের ব্যা | |
| | ছাত না হওনের বিধান। | Ì |
| ১১ ধারা। | | OF 8 |
| ১২ ধারা ৷ | দত্ত দেশে বাটওয়ার বিষয়ে বিশেষ বিধান। | À |
| ১৩ ধারা ৷ | | |
| | क्येतीत तमूम। | Orc |
| | | |

নিৰ্ঘণ্ট ।

এই গ্রন্থের মধ্যে যে২ দালের যে২ আইনের ধারা ও প্রকরণ অর্পিত হইয়াছে ভাষাএই গ্রন্থের কোন স্থানে পাওয়া যাইবে এই নির্মান্টের দ্বারা অনায়াদে বোধ হইবে।
এই নির্মান্টের মধ্যে যে স্থানে ক এই অক্ষর লিখিত আছে দেই স্থানে পাঠক মলায়য়
প্রথম বালম জানিবেন যে স্থানে থ লিখিত আছে দেই স্থান দ্বিতীয় বালম জানিবেন।

| | • | ८८१८ | | | | : | CEP | | |
|----|----------|------|------------|-------------|-----------|------------|-------------|------------|----------------|
| আ। | ধা। | প্র। | शृष्ट्या। | | আ। | ধা। | थ । | श्रुष्ठा । | |
| > | > | | > | ক | ર | ъ | 6 | ર્રક | -হা |
| ,, | ২ | | ,, | ক | , ,, | ,, | ۵ | ,, | -2[|
| ,, | • | | ২ | ক | ,, | ,, | ٥ د | ,, | 4 |
| ,, | 8 | | ,, | ক | , | ,, | 22 | ٠, | -2 1 |
| ,, | œ | | • | ক | 1 19 | ,, | 5 2, | ,, | → [|
| ,, | ৬ | | ,, | ক | ! , ,, | ٠, | 20 | 29 | -ગ |
| ,, | 9 | | ,, | ক | ,,, | ٠, | >8 | ,, | -0] |
| •• | ,, | | 8 | ক্ | ,, | ,, | 20 | ,, | ->া |
| ,, | ,, | | ., | ক | ,, | > | | c۵ | - 9i |
| ,, | b | | œ | ক | ,, | ٥ د | | 90 | -3[|
| ,, | ,, | 5 | ,, | ক | ,, | ,, | | 05 | -ગ[|
| ,, | " | > | •• | ক | ,, | >> | | Co | -2[|
| ,, | ,, | 0 | ,, | ক | ,, | >> | | 23 | -31 |
| ,, | ,, | 8 | ** | ক | ,, | 20 | | ۶ ۵ | - 3f |
| ,, | ,, | Œ | ՝ Ֆ | ক | ,, | ,, | | e 5 | -গ্ৰ |
| ,, | > | | 1,9 | ক | ,, | > 3 | | ₹\$ | -01 |
| ,, | > • | | ٩ | ক | ,, | 2 @ | | ૭ ૨ | -হা |
| ,, | ٠, | > | ,, | ক | ,, | ,, | | 30 | એ |
| ,, | ,, | ২ | ъ | ক | ,, | 29 | | ,, | -9[|
| ,, | ,, | 9 | ,, | ক | ,, | 23 | | ૭ ૨ | ◆ I |
| ,, | ,, | 8 | ۵ | ক | · ,, | ,, | | > 6 8 | ન્ગ[|
| ** | 22 | | •, | ₹ | ,, | 74 | | ૭૨ | -> 1 |
| ,, | ,, | 2 | ,, | ক | ,, | > 0 | | २४ | -01 |
| ,, | ,, | ২ | ٥ د | ক্ | " | >> | | 3 % | - 91 |
| ,, | ,, | 9 | >> | ক | ,, | >> | | ૭ર | -01 |
| 2 | 9 | | > 2 | -0] | ,, | ₹8 | | ٠ ډ | -0[|
| ,, | 8 | | > 0 | -21 | • ". | ₹ 🕜 | | २४ | -૦1 |
| ,, | œ | | ,, | -21 | ,, | ۶, ک | | ٠, | ન્ત્રા |
| " | ৬ | | ,, | ঠা | ,, | ২৭ | | 3.2 | -3[|
| ,, | ٩ | | 3.8 | -2[| ,, | ٥. | | 8 | ન્કો |
| " | b | > | ,, | •থা | ,, | 22 | 2 | ,, | •ગ |
| ,, | ** | 2 | ,, | - | ,, | 29 | ২ | ,, | -ગ |
| ,, | " | • | 29. | • | " | *** | 0 | Œ | •2(|
| ,, | ,, | 8 | ,, | • | 23, | " | 8 | ,, | -0[|
| " | ,, | œ | २७ | " 4 | ,, | ૭ ૨ | | 20 | ાં |
| " | ,, | ৬ | ,, | e t | ,, | ೨೨ | | ٩ | - ●i |
| ,, | ,, | 9 | " | -e [| ,, | 99 | | ٩ | 4 |

| | | | CGPC | | | | | | ८८१८ | | |
|---|------------|---------------|------|------------------|--------|--------|----|--------------|------|-------------|-------------------|
| • | আ। | ধা। | প্র। | পৃষ্ঠা | 1 | | আ। | | প্র | পৃষ্ঠ | 1 1 |
| | ₹. | 99 | | 34 | 吞 | İ | 4 | 22 | 7 | - J & | ' ক |
| | ;• | 97 | | 200 | ক | | , | રકે | | ,, | |
| | " | " | | ৮ | વા | i | ,, | > 9 | | | ক |
| | :, | 95 | | ,, | •থ | | ,, | ۶ <i>۴</i> - | | ,, | |
| | ٠, | 8° | | ٠, | খ | 1 | ,, | ২৯ | | ,, 59 | ক |
| | ** | 12 | | >> | ক | * | ,, | 90 | | 34 | ক |
| | 22 | 82 | | २७ | -01 | | ,, | 95 | | | ক — |
| | ,, | 8२ | | 200 | ক | 1 | ,, | 93 | | 79 | ক |
| | ,, | ,, | | ъ | ব | • | ,, | 99 | | ,, | ক |
| | ,, | 89 | | ,, | ঝ | | ,, | 38 | | २8 | ক - |
| | ,, | ;, | | 386 | ক | | ,, | . 30 | | •• | ক — |
| | ,, | 88 | | > 0 > | ক | | ,, | ૭૪ | | ,, | ক |
| | ,, | ,, | | b | ٠ | | •, | 39 | | > G | ক — |
| | " | 8 0 | | ۵ | -શં | 1 | ,, | ७৮ | | ,, | ক |
| | " | 85 | | ,, | એ | i | ,, | 92 | | ,, | ক |
| | " | 89 | | 5 0 | વ્ય | | ,, | 8 ° | | " | ₹ |
| | ,, | 84 | | ,, | -থা | | ,, | 85 | | २७ | ্ক — |
| | 0 | ٩ | | 222 | -શં | | ,, | 8 १ | | " | ক |
| | ,, | ъ | | ,, | ચો | > | ,, | 83 | | ,, | ক্ |
| | 8 | 26 | | ,, | ચા | | ,, | 8 <i>7</i> | | 24 | ক |
| | ,, | 39 | | >>> | থ | | | | | . | ক |
| | b | ર | | > | ক | | ٠, | ,, 8۵ | | 3 OF | ক |
| | ,, | 9 | | *1 | ক | 1 | ,, | - | | 35 | ক |
| | " | 8 | | 22 | ক | | ,, | ,, | | 3.01 | ক |
| | ,, | œ | > | | ক | i I | ,, | G o | | २७ | ক |
| | ,, | ,, | ર | × '' | ক | | " | ,, | | २७৮ | ক |
| | ., | 29 | • | 23 | ক | | ,, | ¢ 2 | | ২৩ | ক |
| | ,, | ,, | 8 | ,, | ₹ • | ı | ,, | ,, | _ | ২ ৩৯ | ক্ |
| | ,, | ,, | œ | ,. | ক | ĺ | 1) | " | 2 | ২৩ | ক — |
| | ,, | ৬ | | ₹5 | ক | | ,, | ", | ,, | २७৯ | ক |
| | ,, . | 9 | | • | ক | | " | ,, | 2 | २७ | ক — |
| | ,, | 4 | | 2,5 | क | | " | ,, وع | ** | २७৯ | ₹ |
| | ,, | 2 | | 5> | ক | | " | es | | २ 8२ | ক — |
| | , | ٥ د | | " | ক | | ,, | ¢8 | | २ 85 | ক — |
| | ,, | >> | | 50 | ক | | " | a a | | २88 | ক — |
| | , | > > | | ,, | • ক | | | æs | | " | ক |
| | ,, | 20 | | 58 | ক | | ,, | 6 9 | | २8 ७ | ক |
| | , , | >8 | | , , | ক | | ,, | | > | " | ক |
| , | • • | > œ | | ,, | ক | | ,, | ر, دی | 2 | ,, | ₹ |
| | ,, | > 5 | | ,, | ক | | ** | | | ₹8₽ | ক |
| | , | 39 | | ٠ ٥٠ · | ক | | ٠, | ৬৽ | > | २८८ | ক |
| |)) | 24 | • | ,, | ক | | ** | ,, | ર | ₹85 | ক |
| , | | >> | | ." ২ ২ | ক | | ,, | ৬১ | _ | ₹84 | ₹ |
| | ,, | ₹• | | >œ ´ | ₹ 7 | * | ,, | હ્ય | > | २७५ | 4 |
| | , | રંડ | | > 5 | ক | | " | ,, | ২ | ,, | क |
| | | • - | | | 4. | | ,, | ৬8 | | ₹@• | ক |

| | > | १३७ | | | | 59 | 20 | | |
|------|------------|-----|---------------|----------|--|------------|----|---------------|--------------|
| ভা। | ধা। | 엄니 | श्रुष्ठा । | 1 | আ। | ধা। | ध। | श्रुका। | |
| ъ | ે ૯ | | ૨ 8১ | ক | ٥ د | ર | | 20 | থ |
| ,, | ৬৬ | | 22 | ₹ | ,, | • | | >8 | અં |
| ,, | ৬৭ | > | " | ক | 15 | 8 | | ۵ ه | - > |
| ,, | ,, | 2 | 5 0 | ক | ,, | æ | > | ** | •0[|
| ,, | ,, | 8 | ,, | ক | ,, | ** | ર | ٠, | * |
| ,, | ,, | œ | ", | ক | •• | ,, | • | > 9 | •)[|
| ,, | ,, | ৬ | ٠, | ক | ** | ٠, | œ | 24 | એં |
| ,, | ৬৮ | | > 9 | ক | , | ** | ٠, | •• | 4 |
| ,, | ৬৯ | | ,, | ক | ,, | ક | | 22 | ->[|
| •• | 90 | | ,, | ক | •• | > | | 202 | থ |
| ,, | 95 | | ٠, | ক্ | ,, | > 0 | | 263 | -ગ |
| ,, | ዓ ኢ | | ٠, | ক | " | 22 | _ | ,, | -গ |
| ,, | 99 | | >4 | ক | ** | 2> | > | 202 | 이 |
| ,, | 98 | | ,, | ক | 19 | ••• | ર | ,, | -એ -એ |
| ** | 9 @ | | ,, | ক ক | ,, | 2.2 | | 22° 2°2 | -21 -21 |
| . " | ৭ ৬ | | > > | 4. | ′′ | 2 G 2 B | | 22 | -5[-21 |
| ,, | 99 | | ** | 不 | ,, | | | > > > | અ |
| ,, | 94 | | ** | ক ক | •• | ., ১ ১ | | , , | - 3 [|
| ,, | ዓ» | | ,, | | " | 59 59 | | ,, | થ • |
| ,, | P . | | 9. | ক | ,, | 3 <i>F</i> | | >>^ | એ |
| ,, | 42 | | ** | ক ক | , ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | >> | | 222 | -ગ[|
| " | ኮ ጳ | | ** | ক | ,, | ২ ০ | | 200 | ચા |
| ,, | ४० | | 3 5 | ক | · | 25 | | ,, | -2[|
| ,, | ₽8 | | | ক | ,, | 22 | | ,, | থ |
| 13 | ጉ ሮ | | ,, | ক | · ;, { | 20 | | >05 | •i |
| , ,, | ৮৬ ৮ዓ | | " | ক | ,, | ₹8 | | ,, | -01 |
| ,, | ውግ ውው | | ૭ ૨ | ক | ,, | ર¢ | | >09 | •থ |
| ,, | P 2 | | ,, | ₹ | , ,, | ২ ৬ | | ,, | 4 |
| ,, | 20 | | ,, | ক | ,, | २१ | | ** | - 2[|
| ,, | 22 | | ,, | ক | ,, | २ 🔊 | | 202 | •1 |
| ,, | ৯ ২ | | 99 | ক | , ,, | 9. | | 200 | એ |
| ,, | 20 | | ,, | ক | ,, | 92 | | 17 | -0[|
| ٠, | >8 | | ,, | ক | , ,, | 25 | > | 225 | ঝ |
| ,, | 26 | | ,, | ক | , ,, | ,, | ২ | ,, | -01 |
| פנ | ৯৬ | | *** | ₹ | • ;, | 99 | | 228 | - 하 |
| ,, | 29 | | 98 | ক | ,, | 98 | | 226 | থ |
| ,, | 24 | | " | ক | ,, | . 00 | | ,, | ⊅ [|
| " | 22 | • | ,, | ₹ | ,, | ৩১ | | >>> | એ એ |
| " | >•• | | ,, | 4 | 22 | 2 | | 2,2 | ব ি |
| ,, | 202 | | 20 | क | . " | 9 | | \$ 22 | 4 1 |
| 3 | ঽ | | 44 | • | " | · 8 | | 2> 2 | •)[|
| >> | 7 | | 922. | क | ,,, | æ | | 32 b | નાં |
| ,, | 2 . | | ,, | ₹ | , 22 | ૭ | > | 260 | 4 |
| 3. | > | | > 2 | ્ ના |) >0 | • | , | ~ ~ | |

| | | 2920 | | | | | | | | |
|-----------|----------------|------|------------------|-------------|-----|---------|---------------|------|---|-------------|
| আ ৷ | ধা। | প্ৰ | । श्रुका | t | 1 | আ। | ક લા . | 999 | بلام | |
| >8 | ર | | 3 X 9 | | | ٠. ٥ | 41 I | প্র। | शृष्ट | |
| ;, | • | | > > > | | 1 | - | ລັ | | २ ৫ ५ | |
| ,, | œ | | 399 | • | | ,, | ب د د | | " | |
| ,, | ৬ | | 396 | • | 1 | " | - | | २৫৮ | |
| ,, | ر الا | | 349 | • | i | ,, | 22 | | ; > ¢ > | •> |
| ,, | 25 | | 393 393 | - | 1 | >9 | 2 | | 350 | ক |
| ,, | 3 € | | | | 4 | " | 9 | | 9 >8 | ক |
| ٠, | ১১ | | ? > 0 | 4 | | " | 8 | | ,, | Φ |
| | 29 | | 22.2 | ক | 1 | ,, | œ | | 020 | ক |
| ,, | 37 38 | | 228 | ক | | ,, | ৬ | | 939 | ক |
| " | 22 | | 19 | ক | 1 | ,, | 9 | | 922 | ক |
| " | | | 22. | ক | - | " | . ৮ | | 924 | ক |
| ** | ર ૦ | | 220 | ক | | ,, | 2 • | | 929 | ক |
| " | ₹ 5 | | >>8 | ক | | ,, | >> | | 200 2 | ক |
| " | 50 | | 224 | ক | | ,, | 5 | | ७२७ | ক |
| •• | २.8 | | フシト | ক | | ,, | 20 | | 92.6 | ক |
| ** | >> | | 200 | ক | | ,, | 28 | | ૭૨ ૭ | ক |
| " | 9. | | 505 | ক | 1 | ,, | 20 | | ,, | ক |
| ,, | 92 | | २०७ | ক | 1 | ,, | ১৬ | | ૭ ૨૧ | ক |
| 1) | 0 7 | | २ ॰ ८ | क | · , | ,, | 39 | | 92. | ক |
| ,, | 20 | | ,, | ক | Ι, | , | 24 | | | |
| ,, | •8 | | ২০৫ | ক | 1 | , | 22 | | ,, | ক |
| ,, | 20 | | २०७ | ক | , | | ३ ० | | ,, | 4 |
| ,, | ૭૪ | | ,, | ক | | | ₹ \$ | | 3 5 ° | ক |
| ,, | ৩৭ | | १०१ | ₹ | i | | 3 | | Q52 | क् |
| ,, | 92 | | طود | - | " | | | | 20r | ℴ |
| ,, | 92 | | ` Ğ | ক ক | ,, | | ₹8 | | 222 | ক |
| ,, | 8。 | | २ ७ २ | | ,, | | ₹ @ | | ,, | ক |
| ,, | 82 | | 20X | ক | ,, | | ২৭ | | 228 | ₹ |
| ., | 8 २ | | | ক — | ,, | | ২৮ | | 929 | ক |
| " | 80 | | 52° | ক — | ,, | | 2 2 | | 99 8 | त्र |
| ,, | 88 | | | ₹ | ,, | | ٥٠ | | ७১७ | ক |
| ,, | 8 c | | 269 | ₹ , | ,, | | ૭ ૨ | | ७১१ | ক |
| " | 85 | | 242 | ক | ,, | | ೨೨ | | 98 • | ক |
| " | 89 | | 520 | ক | ,, | , | 9 8 | | ૭ 8૨ | ক্ |
| ,, | 8 b | | ₹>> | ক | २১ | | ર . | , | ১৬৭ | ચા |
| ٠, > و | | _ | 22.2 | ₹ | ,, | | • | | ,, | ঝ |
| | ર | > | २ ৫৫ | -9 i | ٠, | | 8 | | 3 5F | ચા |
| " | " | 2 | ,, | • | ,, | | æ | | ,, | • |
| ,, | " | 9 | 7, | ચ | | | ৬ | | • | ન્થ |
| ** | 9 | > | ,, | ચ | 1) | | ۹ ٬ | | ,, | ચ |
| ,, | " | ২ | ** | 41 | " | | ٢ | | ,, | 4 |
| " | " | 9 | 19 | 41 | ২৪ | | > | , | ა ი ° | শ্ব |
| 26 | 8 | • | २৫५ | નાં | ,, | | ২ | | | ન્થ ન્થા |
| ,, | æ | | " | 4 | •, | | ò | | • | 41 |
| ,, | ৬ | | ,, | 4 | ** | | 8 | | " | - |
| » » · | 9 | | ,, | -01 | ₹.9 | | ì | | ,,, | 4 |
| | | | | - | . • | | - | 3 | 95 | ঝ |

| | 3 | 420 | | | | > | ८८१ | | |
|-----------|------------|------|---|-------------|-------|------------|----------|-------------|-------------|
| জা। | ধাা | প্র। | श्रुका। | 1 | ত্যা। | श्वा | প্র। | श्रुका। | |
| ₹8 | • | • | 392 | -2 i | ೨೨ | > • | - • | 000 | • |
| " | 9 | | 390 | ના | ,, | >> | | 98. | વ્ય |
| " | 7 | | ,, | ન્શં | ,, | >> | | ,, | -2[|
| " | | | ,, | -ગ[| ,, | 30 | | ,, | • |
| ,, | 3, | | " | -21 | ,, | ۶s | | 285 | 41 |
| ,, | >> | | >98 | -21 | ,, | 2 @ | | ,, | -01 |
| •• | 25 | | ,, | -2[| 20 | > > | | 785 | ď. |
| ,, | 20 | | ,, | -21 | 25 | ž. | | 565 | -25 |
| ,, | 58 | | ,, | -21 | ,, | 8 | | > >> | 100 |
| ,, | 29 | | > 1 æ | -01 | ,, | a | | ,, | એ |
| بر و ج | ٠ ۲ | | 226 | -2[| " | પ્ર | > | •• | -0[|
| ٠, | ٥ | | ,, | থা | •• | • • • | 2 | ,, | ચા |
| ર ૧ | 2 | > | > > > | -2[| ,, | ** | 0 | 230 | -01 |
| ,, | ,, | ২ | • • | •থ | , | 9 | | ,, | •0] |
| ,, | ••• | 9 | ,, | -গ | , ,, | ъ | > | 228 | ₽ [|
| ,, | ,, | 8 | > > 8 | એ[| ,, | •, | ર | ,, | - 2[|
| 21 | ,, | œ | ٠, | -2[| ,, | ۵ | ٥ | ,, | -01 |
| ,, | ,, | ৬ | ,, | -থ | ,, | ,, | ર | ,, | -01 |
| 1) | " | 9 | • | -2i | ,,, | > • | | 286 | -হা |
| ,, | ,, | ь | २৯৫ | 4 | ,, | >> | | 299 | અ |
| ,, | ,, | ৯ | ,, | -21 | , ,, | 53 | | ٠, | •গ |
| ,, | ,, | ٥ د | ٠, | -0[| , , | >0 | | ,, | -0 [|
| ,, | ,, | 22 | २३५ | -01 | ,, | >8 | | ১৬৭ | -2 [|
| ,, | ,, | \$2 | ,, | -হা | ,, | 5 ¢ | | 280 | -21 |
| ,, | 1) | > 5 | २ ৯ १ | -3[| ,, | 2.5 | | 565 | -থা |
| ,, | ,, | >8 | ,, | -91 | ७४ | • ર | | 95 | - |
| ,, | ,, | 26 | ,, | বা | ,, | • | | 202 | •থ |
| ,, | • | | ,, | ~ 1 | ,, | 8 | | ,, | • |
| ٠, | 8 | | ンカト | -2[| ,, | ¢ | | 99 ¢ | -01 |
| ,, | æ | > | ゝゝゝ | -2] | ,, | ৬ | | ,, | -হা |
| ,, | ,, | ২ | ,, | • | . 80 | 00 | > | 2P P | • |
| ,, | ৬ | > | 900 | -গ্ৰা | ,, | ,, | ર | ८ ४८ | •গ |
| ,, | ,, | , | ,, | -21 | ' " | ,, | • | ,, | -3[|
| ٠, | ٩ | 2 | ,, | -গ | ,, | ,, | 8 | ,, | 3 [|
| ,, | ٠, | > | 2.7 | ••] | ,,, | ,, | Œ | ", | 4] |
| ,, | V | | " | -হা | • ,; | •• | ৬ | 220 | 4 |
| ,, | > | | 200 | থ | ,, | ,, | ٩ | , , | -হা |
| ,, | 2 . | > | ,, | -গ | ,, | • ,, | ь | ,, | -21 |
| ** | ,, | ž | ,, | -ર્ગ | ,, | •• | ۵ | " | -01 |
| ,, | ,, | • | 2.2 | - >1 | ,, | 99 | ٥ د | •• | •থ |
| २ | > • | 8 | " | •21 | ,, | " | >> | 222 | -21 |
| ** | 22 | | 2.8 | -0[| 11 | ** | >> | ,, | 4 |
| ** | 5 2 | | 3.6 | -9[| , ,, | ,, | > > | ,, | ** |
| 00 | ъ | | 222 | 4 | ž ,, | 1 9 | >8 | ,, | 4 |
| ". | > | | ;, | . •2 | 88 | 9 | | > 22 | <i>ላ</i> |
| | | • | | , | | | | | |

| | • | CKPC | | | | 292 | 3-3938 | | |
|---|---------------|------------|------------|------------|-------|--------------|--------|------------------|------|
| ত্যা। | ধা। | थ । | श्रुष्ठा । | | জ্বা। | ध ो । | প্র। | शृष्टा । | |
| 88 | 8 | | ર8ે∘ | ক | 81 | 24 | | `,, | ঝ |
| ,, | œ | | >@9 | ₹ | ,, | >> | | 38¢ | -থ |
| ,, | ১ | | 20 | ক | ,, . | ર ૦ | | ,, | • |
| ,, | ,, | | ২৪ ॰ | | , | २३ | - | 285 | ન્શ |
| ,, | 9 | | 20 | ₹5 | ,, | २२ | | ้ > 8 २ | ঝ |
| , . | ,, | | २८० | ক | ,, | २७ | | ,, | -શ |
| ,, | ъ | | ২৪৭ | ক | ,, | ২8 | > | ১৪৬ | •રૉ |
| £@ ` | ર | | 989 | क | ,, | ,, | ২ | ,, | -21 |
| ,, | ò | | ,, | ক | ,, | ,, | • | ,, | -0[|
| ,, | 8 | | 000 | ক | ,, | ,, | 8 | ,, | વ્ય |
| ,, | œ | | 200 | ক | ,, | ,, | æ | ,, | -থ |
| , | હ | | ७७२ | ক | ,, | ,, | ৬ | 589 | -21 |
| • | 9 | | ,, | ক্ | ,, | 1) | 9 | ,, | খ |
| 3) | ъ | | ,, | क् | ,, | २ क | | 784 | •থ |
| " | م | | " | ক | ,, | રક | | 204 | •থ |
| " | ٥, | | cse | क ं | ,, | 29 | | >8> | ৰ |
| •• | 22 | | 208 | ক | ,, | 3.6 | | 284 | ચ |
| ,, | 3 2 | | 284 | 亦 | ,, | 2,2 | | 209 | 41 |
| ,, | 20 | | 218 | ক | ,,, | 9. | | >00 | •থ |
| • | >8 | | ,, | ক | 68 | . . | | २১৪ | •থ |
| ,, | >@ | | 200 | ক | ,, | ં | | " | ৶ |
| ,, | 33 | | 000 | ক | ,, | 8 | | ₹ > 0° | -থ |
| •, | 39 | | 262 | ক | ,, | œ | | ,, | - হা |
| | 35 | | ৩৬৽ | ক | ,, | 5 | | " | -21 |
| ,, | 76 | | 923 | ক | 60 | ž | | >∘8 | ঝ |
| ., 8 b | 2 | > | 300 | ચા | ,, | • | | >>8 | -41 |
| ,, | ,, | ર | ३७३ | ચ | ,, | 8 | | ,, | ৰ্থ |
| ,. | " • | ` | 200 | •21 | ,, | Œ | | ۵۰8 | -থ |
| , | 8 | | " | শ্ | ,, | ৬ | | ,, | ঝ |
| ,, | œ | | ,, | থ | | - | | • • | • |
| ,, | <u>.</u> | | " | -21 | | | | • | |
| • | a' | > | > 28 | -হা | | | | | |
| " | ,, | ર | ,, | -গ | | | 5928 | | |
| ,, | n | Ó | ,, | -থা | 0 | ž | | \$ 29 | ক |
| ** | ,, | 3 | 300 | থ | ,, | 9 | | 393 | ক |
| ,, | ,, | œ | ٠, | . 21 | ,, | ъ | | २७२ | ক |
| ,, | ,, | ১ | २०५ | -থা | ,, | 25 | | 200 | ক |
| ,, | 6 | | , | থ | ,, | 30 | | ১্৭৪ | ক |
| " | ۶ | | 209 | 41 | ,, | >8 | | ১৭৬ | · 45 |
| •, | ٥. | | ,, | ঝ | ,, | 30 | | ৬৽ | થ |
| ,, | >> | • | ,, | ঝ | ,, | 29 | | ৬১ | -2[|
| ,, | > 2 | | 204 | -প্ | ,, | 39 | | ৬২ | 4 |
| ,, | 20 | | / ** | થ | ,, | 22 | | ,, | থ |
| ,, | 33 | | >82 | ese; | ,, | 22 | | ৬৩ | ঝ |
| | 39 | | >88 | ঝ | ١,, | ٤, | | | - |

| • | | 3928 | | | | | | | |
|---------|-----|----------|------------|-----------|-------------|------------|--------|--------------|------------|
| 'ঝা। | ধা। | | 314 | 51 I | 1 | | 2926 | | |
| 9 | २5 | | ક ે | '' খ | অয়। | ধা। | প্র। | अ क | 1 1 |
| ;, | २१ | | ₹9€ | ক | > | 28 | 2 0 | G o | ক |
| 8 | ২ | | >8€ | ক | ,, | 2 & | > | 13 | ক |
| ,, | æ | | ₹8৮ | ক | ٠, | ٠, | ર | 6.2 | ক |
| ,, | ৬ | | ₹85 | | ,, | ,, | 0 | ,, | ক |
| ,, | 9 | | ٠,٠, | क च | ,, | 29 | > | ઉ ર | ক |
| | | | •• | ক | ,, | ,, | ২ | CD | ক |
| | | | | | ,, | 29 | > | ٠, | ক |
| | | 592¢ | | | ,, | ٠, | > | ¢ 8 | क |
| > | > | | ૭૬ | | ,, | •• | c | a a | क |
| ,, | ર | | | <u>بة</u> | ,, | •• | 8 | ,, | 存 |
| " | ė | > | ., ••• | ₹ | ., | ** | æ | Q y | ক |
| ,, | ,, | ર | | ক — | ٠, | •• | ৬ | ٠, | ক |
| | | • | 94 | 4 | ,, | ,, | 9 | @ 9 | क |
| " | " | 8 | ,, | ক | ,, | ٠, | ৮ | ., | ক |
| ** | ,, | | ,, | ক | ,, | ٠, | ۵ | ,, | 存 |
| ,, | " - | œ | " | 季 | | 24 | | ,, | 76 |
| ,, | ,, | ৬ | 92 | ক | ,, | >> | | ٠, | 7 |
| '' ፟ | 8 | | ,, | ক | • ., | २ ० | | 84 | 亦 |
| | 2 | | 23 | ₹ <u></u> | ,, | ₹ 5 | | 82 | 亦 |
| " | ર | | 8 ° | | · ,, | >> | | a b | क |
| " | • | 2 | . '' | , | Ž ,, | 30 | | ,, | क |
| " | " | ż | 8.21 | ক | ,, | > S | | ¢ 5 | क |
| ,, | ** | • | | क | ,, | > G | | ৬৽ | 存 |
| " | 8 | | | ব | | > 5 | | હેંડ | æ |
| " | œ | | ,, | ক | , , | ২ ৭ | | ,, | 76 |
| ,, | ৬ | | 89 | ব্ৰু | | 74 | | ৬১ | ক |
| ,, | ٩ | | 88 | क | 8 | > | | 9.9 | -2[|
| ,, | ъ | 2 | ٠, | ক | •• | > | | 929 | અં |
| " | ,, | 2 | 8@ | संब | ,, | • | | ٠, | એ |
| ,, | ۵ | 2 | ٠, | ক | ,, | 8 | | ,, | શ્ર |
| " . | " | ર | ,, | ক | •• | œ | | 200 | ચ |
| ٠, | ٠, | 9 | 8 | ক | ٠, | 5 | | ,, | -থ |
| ,, | > 0 | | ,, | 布 | ,, | 4 | | ,, | ঝ |
| ,, | 22 | | 89 | ক | ٠, | ৮ | | ,, | ઝ |
| ,, | >5 | | ٠, | ক | • ,,, | 2 | | 0.5 | -থ |
| ,, | 20 | | 84 | ক | ,, | ٥, | | ,, | খ |
| ,, | 28 | > | ,, | क | Œ | ۶্ | > | ٠, ٢ ک | কা |
| " | ,, | ં ર | 85 | राज | ,, | 5 | ર્ | ર૦ | અ |
| ,, | ,, | • | ٠, | ক | 17 | 8 | ` | | ર્ચ |
| ,, | " | 8 | ,, | क | ,, | Œ | | ,, ২৪ | থ্য থ |
| ,, | \$8 | Œ | ,, | क | ,, | 5 | | | -হা -হা |
| ,, | 19 | ৬ | ,, | ক | " | 9 | 5 | ", | - |
| ,, | ,, | 9 | ,, | त | ,, | • | ર | ٠, | ঝ |
| " | ,, | 7 | ϡ | क | | ,, | ٠ • | ,, | থ |
| ,, | ,, | ۵ | ,, | क | ,, | ,, | 8 | ,, | ગ |
| | | | | . 1 | " | " | 65 | > (* | ન્ડ! |

| | | | | নিঘ | 1 | | | | | |
|---|---------------|--------------|----------------|-----------------|---|-------|---------------|------|--------------|----------------|
| | | 9 3 @ | | | | | 20 | 261 | | |
| -ser1 1 | ধা। | न अ अ। | अका। | i | l | ত্যা। | 811 | প্র। | अंधा। | |
| ত্যা। | 9 | er ' | ÷ | থ | | • | 2 | | २\$१ | ব্য |
| Œ | | <u>.</u> | ,, | ન્ત્ર | | ,, | > 0 | | ,, | To |
| " | " | 9 | ,, | খ | 1 | ., | >> | | 12F | ₹ |
| ٠, | ** | Ъ | > 5 | ન્યા | 1 | ,, | >0 | | ১৮ ٩ | ক |
| •• | 13 | ລັ | ,, | -21 | | ,, | ,, | | 274 | ক |
| •• | ٠, | > 2 | ,, | -গ | | ,, | >8 | | > >> | ক |
| •• | ** | 55 | •• | -গ | 1 | ٠, | 20 | | 350 | ক |
| ** | " | 2 <i>5</i> | > 9 | বা | 1 | ٠, | 55 | | 522 | ক |
| ,, | " | 55 | ,, | એ[| 1 | ,, | 59 | > | २२ ৫ | 4 |
| • | ,, | >8 | ,, | -21 | | ,, . | ,, | > | २२ ७ | ক |
| 1, | " b | • • | •• | ચા | | | 1, | 0 | २२१ | ক |
| ** | > | | ¢ S | -2[| | •• | 1, | 8 | ** | ক |
| ,, | 5 % | | 05 | - >)[| | ٠, | 24 | > | २२४ | T |
| •• | >> | | & 8 | -21 | | , | ٠, | > | ٠, | ক |
| ") •• | 25 | | 74 | ৵ [| 1 | ,, | 11 | • | 523 | 4 |
| ,, | ٠, | | 00 | -2[| | ,, | ** | 8 | " | Ţ |
| ,, | 20 | | > 2 | - >[| 1 | ,, | 30 | | " | 4 |
| ,, | 28 | | 3.5 | - 2[| 1 | ** | 3.7 | | 5 3 3 | ক |
| ,, | 2 @ | | 22 | - 2[| 1 | ,, | 3.5 | | 2 A 0 | T |
| " | ,, | | & o | ન્ય[| | , | ર ૭ | | 222 | ব্ |
| ,, | 5 b | | 1) | -21 | | ,. | > 8 | | 248 | ক |
| ••• | 39 | | 9> | -2 1 | 1 | ,, | > @ | | " | 4 |
| ,, | ., | | > @ S | ٠ | | ,. | ۶ ه | | >>0 | ক |
| " | 38 | | 9> | - > ; | | ٠, | ን ዓ | | >>8 | ব্য |
| ••• | > 2 | | > > | - >1 | 1 | ,. | > P | | 229 | 4 |
| ,, | 3.2 | | 9 2 | -গ | | ,, | 20 | | 222 | ব |
| ,, | > 3 | | 3 12 | -3[| | •• | 22 | | २७० | ব্য |
| , | > 8 | | •• | - 2)[| | ** | 9 C | | 3 0 5 | ক |
| ,, | > 0: | | ٥2 | 41 | į | ** | 99 | | 3 0 0 | すー |
| ,,, | २ १ | | 8 | -2 [| | ٠, | ৩৭ | | ২ • ৪ | ₹ |
| ,, | ۶ هـ | | 8 & | -3[| | • • | 97 | | ,, | ক — |
| ,, | > > | | ٩ | -2 | | * | 22 | | 2 ° & | ক |
| ,, | 90 | | ** | - >[| | " | 8 ° | | 202 | ক |
| ,, | 95 | | ъ | -5ţ | | " | 8.2 | | ٠, | ক |
| ,, | 00 | | ** | * ->1 | j | ,, | ۶۶ | | > 0 9 | ক |
| 3.0 | 20 | | > | -2[| 1 | " | c 3 | | • • • | ক — |
| •• | ,, | | 202 | di. | į | ,, | 88 | | ع. د د | ক |
| ,, | ૭૪ | | ۵ | -ગ | | ٠, | £ @ | | > 0 5 | ক |
| • | ર | | >> 5 | क | ! | ,, | 83 | | > 0 > | ন ক |
| ,, | 0 | | > > 8 | 75 | | • • | 89 | | 2 ° ¢ | ক |
| ,, | 8 | | ,, | 吞 | i | ,. | " | | 2 2 a | ক ক |
| ., | Œ | | > 2 @ | e ie | i | ,, | 8F | | | বুরু ব্যুক্ |
| 21 | ৬ | | ,, | ক | - | • | 82 | | " | रा रा• |
| • | ٩ | | 572 | 75 | , | ٠, | c 2 | | > 22 | -10 |

>>>

g >

ሎ

| | | 392¢ | | 2926 | | | | | | |
|------------|------------------|-------------|-------------|-------------|---|----------------|--------------|----------|-------------|-------------|
| জ্যা। | श्वा। | প্র। | श्रुका। | 1 | 1 | হ্যা। | ४ : । | ध। | मुक्11 | |
| હ | CD | | 248 | ক | | 7 0 | ۵ | - | 202 | 52 |
| >8 | ર | | २১५ | -গ | | ,, | ٥ د | | 233 | ð. |
| 39 | ខទ | | 3.03 | ক | } | ., | >> | | ٠, | 15 |
| 22 | 3 | 5 | >>> | ઝા | | ., | 5 2 | | 285 | ক |
| ,, | ,, | 2 | >0> | ઝા | l | , | 20 | | 208 | 4 |
| " | 9 | | > >> | কা | ı | | 28 | | 210 | 4 |
| ,, | 8 | | ,, | -21 | | ,, | 20 | | ., | 4 |
| ,, | Œ | | •• | ગ | i | ,, | > 5 | | 212 | ক |
| ,, | ٩ | > | >>8 | -গ | ! | ,, | 39 | | 303 | do |
| ,, | 19 | > | •• | -21 | | ,, | 24 | | ৩৬৽ | 7 6 |
| ,, | ,, | • | 300 | -হা | | • • • | >> | | 015 | Pis. |
| ,, ,, | " | 8 | ., | -21 | | 22 | 26 | ۵ | a S | 7. |
| | ,, | œ | > 0 5 | া | | 79 | 3 | | ५२ | 7 |
| ,, | у, Ъ | • | ٠, | খ | | ., | ર | | ડ્ડ | 7 4 |
| ,, | ລ | | 5 09 | -হা | | ., | • | | •• | 1 |
| ,, | ۶۰ | | ,, | ঝ | | ,, | 8 | > | ,, | 4 |
| 11 | 22 | | 204 | ગ | | ', | ,, | 7 | 58 | 16 |
| ,, | 22 | | ٠, | ٠ •2[| | •• | a. | > | ,, | 7, |
| ,, | 20 | | ,, | খ | • | •,, | ,, | ર | ,, | E, |
| ,, | > 5 > 5 | | >80 | ગ | | •, | *, | • | | 76 |
| ,, | 39 39 | | >8a | -থ | | ,, | ,, | 8 | ક્લ | 7, |
| ,, | 34 34 | | ٠, | ન્યાં | | ,, | •, | a | ,, | 7, |
| ••• | >> | | . '' ১৪২ | વ્ય | | ••• | y | | ,, | 4 |
| ٠, | 2 2 | | ,, | ચ | | •, | ъ | | <u> </u> | ą, |
| ** | 7.5 | | | | , | 3 3 | 5 | | 2 22 | •થ[|
| ,, | | | " \$8\$ | -21 | 1 | ,, | > | | ২৩৪ | ঝ |
| ** | >> | > | | -21 | | ,, | • | | ,, | ન્ગ(|
| •• | ,, | Ś | ** | 2 1 | | •• | 8 | > | २७৫ | থ |
| ••• | ,, | 8 | •• | -21 | | ., | ٠,, | > | ,, | - 9[|
| ,, | ,, | - | " >89 | -2] | | •• | ,, | • | 19 | ঝ |
| ", | •• | લ ક | | -3(| | | • | 8 | ,,, | •0[|
| ,, | ,, | 9 | ,, | ન્યું | i | ,, | ٠, | æ | ., | ચ |
| ** | ,, > 3 | ר | ,, >8৮ | -2 1 | 1 | " | 19 | 5 | 208 | અ(|
| ,, | | | 202 | -2] | | ,, | ,, | 9 | > 3 3 | -01 |
| " | ર8 ર α | | 232 | -2i | 1 | ,, | 1, | ъ | ,, | -ગ |
| ,, | २ <i>७</i> २७ | | 384 | -0[| | 417 . | ,, | a | ,, | ઝ |
| ** | | | 202 | -શ | | ,, | , | ٥ م | २७१ | નાં |
| ,, | ২ ৭ | | > 0 0 0 | ঝ | | ,, | ,, | 22 | ,, | -ગ્ર |
| ,, | २४ | | 389 | ক | | | ,, | >>. | ,, | ঝ |
| ર ૦ | ર | | | ক | | ,, | ,, Œ | | ,, | ঝ |
| " | | | ,, OBO | ক | | ,, | <u>.</u> | | •• | 4 |
| ,, | 8 | | 285 | ক | 1 | | 9 | 5 | 7 OF | એ |
| ,, | œ | | ૭ ૯૨ | ঞ ক | | ,, | ,, | ર્ | ,, | খ |
| ,, | ৬ | | - | ক ক | | ,, | ,, | Š | ,, | ગ |
| ,, | 9 | | " ৩৫২ | ব ক | | ,, | " | 8 | 201 | ঝ |
| 23 | 6 | | ∵ હ | € fe | | ", | ** | | | • |

| | | | | | | | 39 | 26 | | |
|-----------|---|-------------|---|--------------|-----|-------|------------|------|---------------|----------|
| | |)৯৫ প্র। | अका। | 1 | | ত্যা। | ধা ৷ | প্রা | श्रुका। | |
| আ। | श्री। भ | या। R | ל ס ל. | ঝ | | 88 | 8 | | 250 | ু |
| 00 | | `` | ,, | -2[| | ,, | œ | | •• | -৩1 |
| 37 | " ኮ | > | ,, | 21 | | 80 | ર | | 250 | ক |
| :, | - | 2 | • | -21 | | -,, | • | | 3 28 | ক |
| ٠, | ', | ò | ,, | -24 | | ٠, | 8 | | 2) (| ক |
| -, | " ລ | \$ | 280 | 21 | | ,, | y | | 929 | ক |
| " | | ž, | ,, | -21 | | ٠, | 9 | | 250 | ক |
| , | •• | • | •• | 2 | | ٠, | ъ | | 924 | ক |
| ** | 5 % | • | >85 | ٠) اد | | ٠, | 2 | | 222 | क |
| ., 38 | 3 | | 39¢ | শ্ব ' | | ., | 3 ° | | ૭ ૨૭ | ক |
| ", | , | | 595 | એં | | ٠, | >> | | ,, | ₹ |
| " | • | | ,, | 2 | | ٠, | >> | | ,, | ক |
| " | 8 | | ,, | ->[| | ٠, | 20 | | ৩১৭ | ক |
| •• | œ | | 299 | -)[| | ,1 | >8 | | ,, | ক |
| " | (8) | | ,, | -21 | | ٠, | 2 @ | | 3 > ° | Ø. |
| " | 9 | | 396 | અ | , | ,, | > > | | ,, | 4 |
| ,, | ъ | | ٠, | એ [| : | ,, | 29 | | ,, | 4 |
| ., | > | | ,, | ⇒ i . | | ,, | 24 | | ७२२ | क |
| ** | ٥ د | | ٠, | •গ | | ٠, | >> | | ,, | ক |
| , | >> | | 292 | -ગ | | ٠, | 30 | | 005 | ক |
| , | 52 | | ,, | ઝાં | | ,, | > > | | 202 | ক |
| ,, | >0 | | 220 | প | | •• | >> | | *, | ক |
| 17 | >8 | | | -গ | | •• | 20 | | ٠, | ক |
| 20 | ২ | | 977 | क | | ,, | 2 G | | \$\$ 8 | ক |
| ,, | • | | 972 | ক | | •• | > 5 | | 929 | ক |
| 29 | æ | | 200 | ক | | ,, | > 9 | > | 222 | ক |
| ,, | 9 | | 3 3° | ক | ¥ | ٠, | ₹8 | | 98 ° | ক |
| •• | ٦ | | 22> | ℴ | | 1) | \$ 5 | | 929 | ন্ |
| 63 | > | | 22> | কা | | ,, | 20 | | 92.2 | ক |
| ** | ঽ | 2 | - | শ | | ,, | 95 | | 982 | ক |
| ,, | •, | 3 | | প্র | | •, | 9 7 | | ৩৪২ | ক |
| ,, | •• | 9 | ., | া | ! | 85 | 3, | | 982 | খ |
| " | ٠, | 8 | | ঞ | I | 84 | ,, | | 92 | ગ |
| ** | ,, | æ | ., | 9 | | ,, | 9 | | 560 | -2[|
| ,, | ,, | 3 | • | • থ | | ٠, | 8 | | ,, | 4 |
| " | " | | | প | | ٠, | æ | | ર જે 8 | 41 |
| ינ | ٠, | b | | ગ | | • | ৬ | | ,, | 4 |
| " | • | | | ঝ | | G o | æ | | 269 | ব্ |
| ٠, | ž | ٥. | | কা | | 62 | \$ | | 5 G 5 | ক |
| ,,, | ** | >: >: | _ | je 14- | | ,, | 2 | > | ,, | ক — |
| " | " | • | | -0 [| | ** | 49 | ২ | २ ৫৩ | ক ~ |
| " | 8 | | •• | ગ • | , | ,, | ** | • | ,, | ক — |
| 88 | \$ | | 5 >> | -2 [| 1 | " | ,, | 8 | ₹ 68 | ক |
| ., | ં | | | 401 | - 1 | " | ** | Œ | ,, | ক ~ |
| | • | | | 401 | | , | ,, | • | | ক |

| | ; | ኃ ዓ ৯ œ | | | クリカト | | | | | |
|------------|--------|----------|---|-------------|---|------------|-----------------|-------------------------------|---------------|--|
| আ। | ধা। | 역기 | পৃष्ठा। | | আ। | ধা। | প্র। | क्षेत्र । | | |
| ¢ 2 | ২ | 9 | 200 | ক | > | 8 | | วัชว | 100 | |
| ,, | 9 | > | २ ৫ ७ | ক | ,, | Œ | | ٠, | ન્યું | |
| ,, | " | ২ | २ ৫ १ | ক | | | | | | |
| ,, | ,, | 0 | ,, | ক | ! | | 925 | | | |
| ,, | ** | 8 | •• | ক | ' Œ | ý | | 220 | -01 | |
| ,, | ,, | œ | ,, | ক | " | 0 | | >>8 | - >[| |
| ,, | ,, | ৬ | > 42 | ক | , | 8 | | •• | -গ | |
| ,, | " | 9 | ,, | ক | ,, | œ | | 2>6 | ->1 | |
| ,, | ,, | b | ,, | ক | | ড ১ | | ,, | থ | |
| ,, | ,, | 2 | २ 🕻 🔊 | ক | • | , 9 | | 27.0 | <i>ব</i> • | |
| ,, | " 8 | 2 ° | ,, | ক ক | | 8 | | <i>0</i> >0 | ক ক | |
| ** | œ œ | | ۰, مواد | ক | " | a | | 99F | ক | |
| ,, | હ હ | | • | ক | ", | ъ ъ | | 999 | ন | |
| " | 9 | | > 8 > | ক | ,, | 9 | | ၁၁ Ց | 4 | |
| " | ٠, | | >8> | क | • | ь | | ,, | ₹. | |
| a a | 7 | | 225 | -গ | ,, | 2 | | 270 | ক | |
| | | | | | ٠, | 20 | | 2>2 | ন্ | |
| | | | | | 11 | 22 | | ,, | Ti | |
| | 5 | ৭৯১ | | | ,, | 25 | | 050 | ক | |
| • | > | | >8 | -2 [| ,, | ,, | | 286 | ব | |
| •• | • • | | 509 | ক | ,,, | 20 | | 282 | 76 | |
| | | | | | ,, | 2 & | > | ゞ゙゙゙゚゙゙゙゙゙゙゙゙゙゙゙゙゙゙゙゙゙゙゙゙゙゙ヹ゚ | 7 | |
| | | | | | ' ,, | " | 3 | ०४९ | ক | |
| | | | | | ,, | ,, | 9 | 5 ₽ 8 | 76 | |
| | | ১৭৯৭ | | | ,, | ,, | 8 | २৯१ | ক | |
| 2 & | 5 | _ | 246 | ₹ | 1) | ,, | œ. | 722 | ক | |
| ,, | ž | > | ,, | ক | ,, | ,, | . ა ფ | 9 ° C 9 ° S | સં -=- | |
| • • | ,, | ર | ", | ক ~ | , ,, | ,, | 4 4 | ₹ ৫ ° | ক ক | |
| " | " | 9 | ,, | ক ক | ,, | ,, | ٠, | | ক | |
| ,, | 9 | 7 | ,, ৩৮৬ | रह | ,, | ,, | ., | २ ৫ ১ | ক | |
| ; , | " • | • | ,, | ক | ,, | > b | , | 9.8 | 4 | |
| ,, | 8 | • | ,, | क | ,, | 59 | | 200 | ক | |
| " | œ | | ,, | ক | , , | 24 | | 0.0 | 76 | |
| ,, | ৬ | | ,, | ক | ,, | 55 | | 200 | ক | |
| ,, | 9 | | ৩৮৭ | ক্ | · ,, | " | | 922 | 乔 | |
| ,, | ъ | | ,, | ক | ,,, | ,, | | 222 | -ગ | |
| ,, | ۵ | | ,, | ₹ | • | 5 0 | | 200 | \$ | |
| | | | | | ,, | २ ७ | 3 | 239 | 4 | |
| | | | | | ,, | " | •• | 266 | 存 | |
| | | ንዓቅ৮ | | | " | •• | 9 | 39 0 | ক — | |
| > | > | | >62 | থ | " | " | ,, | १८२ | 亦 ★ | |
| ,, | 2 | | २७० | એં | ,, | ,, | 8 | 59> 595 | ক ক | |
| ,, | ٠, | | 5 P2 | -3 [| ,, | , • | æ | 3-15 | e. | |

নিঘটি ৷

| | | 2922 | | | | | 2200 | | |
|-------|----------|----------|-----------------|-------------|---|------------|----------------|-------------|-------------|
| জ্ঞা। | 811 | প্রা | क्षं का। | } | আ। | ধা ৷ | ध । | शृक्ष | |
| 9 | 2.2 | ક | 224 | ক | ъ | • | > | 205 | ৰ্থ |
| , | " | 9 | 344 | ক | ,, | ,, | ર | 200 | 4 |
| ., | 33 | • | 220 | क | ,, | ", | 0 | ,, | થ |
| •• | > æ | | 390 | क | ,, | •• | 8 | ,, | ચ |
| ,, | 23 | | 200 | એ[| ,, | 8 | | 308 | ঝ |
| 29 | 29 | | ১৮১ | ক | ,, | œ | | 269 | খ |
| ,, | > 2 | > | 98 | ক ্ | ,, | ঙ | | 236 | •ા |
| ,, | 90 | | 590 | ক | ,, | ٩ | | " | -থ্য |
| | | | | | ,, | 6 | | 569 | • |
| | | | | | ,, | ٦. | | 26.2 | ঝ |
| | | 2400 | | | ۰, | 2 ° | | 56 9 | 4 |
| > | > | | > 2.8 | -)[| ,, | 22 | | 208 | ચ |
| ,, | ર | | 259 | •)[| ٠, | 20 | | 205 | વ્યાં |
| ,, | • | | ٠, | 4 | ٠, | >8 | | 280 | -2 [|
| ٠, | 8 | | 714 | -থা | ,, | > @ | | 280 | •থা |
| ,, | Œ | | •• | -ગ્રાં | ,, | > 5 | | ,, | -)[- |
| ,, | ৬ | | • • | ু | ٠, | 39 | | 260 | ঝ |
| ,, | ٩ | | 2>2 | ঝ | ,,, | 24 | | ,, | থা |
| 12 | ъ | | •• | ক | ,, | ર ૦ | | 262 | થ |
| æ | \$ | | 919 | ক | ,, | >> | | ,, | 4 |
| 1) | 0 | | 928 | ক | 20 | > | | 202 | ચાં |
| ,, | 8 | | 224 | ক | ,, | 2 | | ,, | খ |
| ,, | a | | ,, | ক | | | | | |
| " | ৬ | | 000 | ক | | | | | |
| 1) | 3 | | ၁၁ 8 | Φ | | | 2202 | | |
| ** | 7 | | ,, | 万 | > | ۲ 0 | | 3 3 b | ক ক |
| ", | 2 | | 0 ₹5 | ক — | ,, | 8 | | >9¢ | - |
| 19 | > 0 | | 250 | ক — | ,, | 5 | | 282 | ক ক |
| ,, | 2; 22 | | 98¢ 9>8 | ক | ,, | ٠, | | 784 264 | ক |
| ,, | 30 | | 985 | ক ক | ,, | | | २३२ | ক |
| ", | >8 | > | ७७३ | ক | " | ,, >8 | | २७५ २७५ | ₹ 70 |
| •• | ,, | ٠ ١ | 2.P.S | ্ব ক | ,, 2 | ź | | २४३ | ক |
| ٠, | ,, | ò | ২৮৪ | ক | ~ | • | | ₹₽₩ | 4. |
| ,, | ,, | . | 909 | ক্ | | | | | |
| ", | ΄, | 9 | 9.9 | ্ ক | | | 24°5 | | |
| ** | ,, | Ъ | 201 | ক | 2 | ર | 3 0 - 4 | 984 | ચ |
| ,, | 24 | • | 925 | ক | ,, | ò | | " | ચ |
| ,, | 22 | | २३৯ | ক | , ,, ,, | 8 | | ,, | ચ |
| ,, | २७ | | 500 | ক | ,, | œ | | 08 2 | খ |
| ,, | ٠, | | 222 | ক | ,, | ડ | | ,, | થ |
| ,, | २8 | | २२७ | ক | ,, | 9 | | ,, | ঝ |
| 11 | २৫ | | २ २8 | ক | ,, | , F | | oe• | થ |
| ** | २७ | | २२१ | क | 91 | ۵ | | ,, | ঝ |
| ٦ | ২ | | 205 | • | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | 20 | | ,, | -ગ |

| | | :407 | | | | 2 | ८०५ | | |
|-----|---------------|------|-------------|------------|-------------|------------------|------------|---------------------------|-------------|
| আ। | धा । | প্র। | श्रुका। | , | আ। | ধা। | প্র। | मुखः । | |
| ર | 22 | - • | 005 | 2 | २৫ | ٩ | ٩ | २.७ | -2 [|
| " | > 2 | | 1, | 4 | ,, | ,, | V | ,, | -21 |
| " | 20 | | ७ ७१ | থ | ,, | , | > | ** | -0, |
| ,, | >8 | | ,, | থ | ,, | ** | > 0 | ٠, | * 3[|
| ,, | 26 | | " | থ | ,, | » 1 | >> | ,, | ঝ |
| " | ১৬ | | ") | থ | ,, | ,, | 25 | ২৭ | -21 |
| " | 59 | | cre | থ | ,, | " | 20 | ,, | ચ |
| ,, | 22 | | ,, | থা | ,,, | ,, | 28 | ,, | ન્ગાં |
| ,, | >> | | ,, | খ | , ,, | ъ | | c s | એ |
| ,, | २ ० | | ٠, | •থ | ٠, | ۵ | | 92 | -গ |
| ,, | २ 5 | | " | -থ | " | 2 . | | 6 8 | •থ |
| ** | ર ૭ | | 968 | ঝ | ,, | 22 | | 44 | •থ |
| ٠, | ২৭ | | •• | ચ | , ,, | ** | | 90 | -2[|
| 13 | 24 | | ,, | -থ | ,, | >> | | २ ৯ | -2[|
| " | 5.9 | | ,, | ચાં | " | >0 | | ₹ 5 | -হা |
| ,, | 9. | | 200 | ચાં | ,, | 28 | | <i>აა</i> | থ |
| " | 92 | | " | থা থা | , ,, | ,, | • | 90 | ঝ |
| ,, | 95 | | " | •2∫ • | ,,, | 20 | | ,, | ન્ડો |
| " | 00 | | 1, | est . | ,, | 22 | | ર∉8 | એ[|
| | | | | | '' | ,, | | 9 3 | ঝ |
| | | | | | ٠, | " | | 0 89 0 7 | ক খা |
| | | 22.0 | >>> | ক | , , | ۶۹ ۵۵ | | 3) 23 | એ -ચા |
| 2 | > e > > | > | 2>8 | ચ | " | > ~ | | - | কা কা |
| • | - | S | ,, | ચ | ,, | >> | | ر, وي | ચ અં |
| ,, | " | 8 | ,, | ٠ | ,, | ٠, ١٥ | | 32 | ক। ক |
| ., | ,, | œ | >> @ | ચા | ,, | ₹ 3 ₹8 | | ? b | -ai |
| " | ,, | 9 | ,, | - গ | ,, | > (c | | ,, | -ai |
| e,, | 28 ., | • 2 | 322 | ক | ,, | 3 5 | | > > | -ei |
| 22 | ર | • | 92 | থ | ،'' ۶ ک | 59 | | 989 | ক |
| ", | ò | | २०० | -0[| ,, | - 36 | | 000 | 46 |
| ,, | 8 | • | ,, | 3 1 | ,, | 55 | | 202 | क |
| " | œ | | ₹@8 | থ | ,, | 20 | | 36 2 | क |
| ,, | 5 | | ,, | -গ | ,, | 2.5 | | ,, | क |
| રહે | ર | | 3,3, | থা | ,, | 2.2 | | ,, | 75 |
| ,, | • | | ২৩ | -থা | • .,, | २७ | | C DC | 76 |
| ,, | 8 | | ,, | ध | ,, | > 8 | | 003 | ক |
| ,, | œ | | २8 | •থ | ,, | २ ५ | | 203 | Ø |
| ,, | ৬ | | ,, | એ[| ,, | २ | | 35 0 | ক |
| ,, | ٩ | > | ,, | •2[| ২৭ | ર | 5 ર | २५8 | \$ |
| ,, | ,, | ۶, | " | • | ,, | 0 | | ,, | \$ |
| ,, | ,, | 9 | ٠, | • | ,, | 8 | | २५७ | ক |
| ,, | ,, | 8 | •• | 4 | , ,, | œ | | ,, | ক |
| ,, | ,, | Œ | २ 🛭 | া | , ,, | ৬ | | 522 | ক |
| ,. | ٠, | 5 | ;, | -21 | ,, | 9 | | २५१ | 4 |

| | 24 | .00 | | | | : | ८०५ | | |
|-------|--------------------------|--------|--------------------|------------|------|------------------|---------------|--------------|----------|
| ত্যা। | 811 | প্র। | न्त्रका। | 1 | আ। | ধ্য । | প্র। | পৃষ্ঠা। | |
| 29 | ъ | | રંડવ | ক | ২৭ | G o | | ১৮৬ | ক |
| ,, | ۵ | | ,, | क | ,, | ¢ > | | 782 | ক |
| ,, | ٥. | | २३४ | ক | ,, | co | 25 | २88 | ক |
| ,, | >> | | ,, | ₹ 1 | ২৮ | 2 | > | 256 | ক |
| ,, | 20 | | 572 | ক | ,, | " | ર | ७১७ | ক |
| ٠, | 28 | \$ | 350 | ক | " | 9 | | ૭ ૨8 | ক |
| 11 | 2 4 | > | २२५ | ক | ,, | 8 | | 95 G | ক |
| ,, | ", | • | २२8 | ক | 1) | · · | | <i>9</i> 28 | ₹ |
| ,, | ,, | 8 | २२.६ | ক | ,, | ৬ | | ७५१ | ক ~ |
| ,, | 22 | 2 | 535 | ক | ,, | ٩. | | 3 5 0 | ক — |
| , | ,, | 2 | 22 0 | ক | ,, | ٠ > | | ७०२ | ক — |
| ,, | 2.0 | > | २२७ | ক | " | 20 | | 9 59 | ক — |
| , , | ٠, | • • | ٠, | ক | ,, | 22 | | " | ক |
| ٠, | ,, | •• | २२१ | ক | ,, | > 5 > 5 | | ,, ৩২৭ | ক ক |
| " | ,, | 8 | " | ক * | ,, | 28 | | | ক |
| •• | 24 | 11 | २२५ २७० | ক ক | ,, | 26 | | ., ৩২ ৽ | ্ ক |
| •• | ₹° | | | ক | ** | 25 | | | ক ক |
| ,, | २ २ ° २२ | | 24 o ., | ₫ | ,, | 39 | > | , ,, | ক |
| ** | २ <i>२</i> २ ७ | | 248 | ক | ,, | ₽ 7 | 2 | 952 9 | বুং ক |
| " | > 8 | | " | ক | ,, | ን ኮ | •. | ७२२ | ক |
| *1 | ₹. 0 : | | ን ሖ ዌ | ক ক | ,, | 22 | > | ,, | ₹ |
| ,, | , . | | 220 | ٠ <u>٠</u> | ,, | ,, | <u>۔</u> ۲ | ر, و دو | क |
| ,, | ₹9 | | 228 | ক | ,, | ,, | ò | 3 28 | ক |
| ,, | ₹₩ | | 229 | ক | ,, | ২ ° | ž | 201 | ক |
| • | 9, | > | 222 | ক | | 25 | | 202 | ক |
| ٠, | ,, | _ ع | 1) | آه | ,, | ۲۶ | | ,, | ক, |
| 1) | ** | • | ,, | ক | ,, | २७ | | ,, | ক |
| ,, | 3 2 | | २०२ | T | ,, | ₹ \$ | • | 98° | ক |
| ,, | 22 | | 200 | क | ,, | २०€ | | 978 | ক |
| ٠, | 9 3 | | ` ২০৪ | ক | ٠, | २१ | > | ૭ ૦૯ | ক |
| ** | 20 | | ,, | क . | ,, | 1) | 8 | 228 | ক |
| ** | 92 | | 3.00 | 4 | ,, | ₹ ৮ | | 929 | 不 |
| ,, | ৩৭ | | २०५ | ₹ | 3, | 33 | | 929 | ₹ |
| ,, | 240 | | , | ক | , ,, | 5,9 | | " | ₹ |
| ,, | ৩৯ | | २०१ | · 💠 | ,, | 92 | | ૭ 8૨ | क |
| ,, | 8 ° | | ,, | ক | ,, | 93 | > | २४२ | ₹ |
| " | 53 | | ろっか グゥA | ক ক | " | ,, | ,, | २४७ | ₹ |
| • • | 8 5 | • | २०२ २०२ | | " | ,, | • | ২৮৪ | ক |
| ••• | 5 S | | २०२ २० २ | ক ক | , " | ** | ৬ | 9,5 | ক |
| " | 83 | | 230 | ক ক | ,, | ,, | 9 1- | 9:9 | क |
| ••• | 8 5 | | ., | ক | " | ,, , 9 | ৮ | 201 | ₹ |
| ,, | 81 | | 3 5 5 | ₹ 76 | 3. | <i>৩</i> ১ ৪ | | 929 | ক |
| ,, | 83 | • | ,,, | ক | | _ | | २ 88 | ক |
| ••• | ٠. | | ٠, ٠,٠ | 4 | ' 7' | œ | | ,, | 不 |

| | 24 | • • | | | C + 4C | | | | | |
|------------|---------------|-----|----------------|-------------|---|---------------|-----|--------------|--------------|--|
| ত্যা। | ४ १। | ध।' | श्रुक्ता । | | ত্যা। | રા : | প্র | श्रुष्टा । | | |
| 9. | 22 | | २८৮ | খ | 82 | રુવ | | 282 | અં | |
| 99 | ২ | > | ৬১ | থ | ,, | २४ | | 284 | -থা | |
| :• | 9 | | 93 | -2 [| ,, | >> | | 209 | એ | |
| ", | 8 | | ,, | * [| , ,, | ৩২ | > | 565 | ચા | |
| ,, | œ | | હ૭ | -3 [| ,, | ,, | ર | csc | -01 | |
| ,, | ৬ | | ,, | খ | ,, | ,, | • | ,, | -হা | |
| ,, | 9 | | ৬৪ | •ા | ,, | ,, | 8 | 208 | • | |
| ,, | 4 | | , , | •থ | ,, | 00 | | ,, | •1 | |
| ૭ ૩ | > | | > 6 % | •থ | ,,, | 98 | | 269 | - ⊘Γ | |
| ,, | >• | | ,, | -হা | ,, | 20 | | 206 | -থা | |
| 19 | 25. | | 5.22 | -21 | ,, | ७५ | | 262 | ঝ | |
| ,, | >0 | | ** | ન્ગ્રો | ,, | 94 | | > ¢ 9 | থ | |
| " | 28 | | २५२ | -2 [| • | 92 | | 262 | • | |
| ,, | 2 @ | | ", | •રા | · ,, | 92 | | 262 | -થાં | |
| 20 | > 0 | | > 0> | ক | ,, | 8 • | | 262 | ચા | |
| 8> | ٤. | > | 200 | 10- | ,, | 82 | | 2 C S | -31 | |
| ,, | 0 | | " | •)[| ٠, | 88 | | 260 | •ા | |
| ,, | 8 | | ** | কা • | 83 | 8 | | 002 | -ગ[| |
| •• | Œ | | *, | •2 [| ٠, | 2 | | " | -3[| |
| ,, | 4 | 2 | 203 | •0[| ,, | > 0 | | 280 | ঝ | |
| ,, | ** | ž. | 11 | 2 | ,, | >> | | ** | ન્ગ | |
| •, | 11 | 9 | 200 | ચા | ,, | > 2 | | " | ચ | |
| " | ,, | 8 | ,, | থ | ,,, | 20 | | ,, | থ | |
| ,, | ъ | | 505 | ঝ | ,, | 2 G 2 S | | 282 | থ থ | |
| ,, | , > | | 209 | અ | 89 | . u | | ,, ১৪০ | या स | |
| " | 20 | | ,, | থ গ | | 8 | | | 亦 | |
| " | 22 | | 202 | খ খ | ,, | œ | | " ১৫৭ | ₹. 75 | |
| ,, | 2.0 25 | | ,, | -ચ •થ | (°, | . | | 26.0 26.0 | 存 | |
| ,, | 3 y | > | " 3 | ચ ચ | ,, | 9 | | 28 | اره | |
| 19 | 39 | • | 288 | ચ ચ | ., | b | | ৯১ | ચ | |
| ** | 24 | | 200 | -21 | ٠, | à | ş | 29 | -0[| |
| " | 22 | | ", | -ગ | ,, | ٠, | • | ۵۶ | -ei | |
| ,, | ই • | | ,, | ચ | ,, | ,, | Œ | ,, | અ | |
| ,, | >> | | > 8२ | খা | • .,, | ,, | • | 22 | -গ | |
| ,, | 22 | | ,, | -থ | ,, | 2. | | ,, | •)[• | |
| ,, | 20 | | ,, | থ | ,, | 22 | | 205 | -2 [| |
| ,, | २8 | > | 585 | •থ | ,, | 28 | | ,, | -21 | |
| ,, | ,, | 2 | ,, | •1 | ,, | 2 @ | | 200 | গ | |
| ,, | ,, | 0 | ,, | અં | " | ১৬ | ২ | > > > | 10 | |
| ,, | ,, | 8 | ,, | ৰ্থা | " | ۶۹ | | 220 | •থ | |
| ,, | ,, | œ | >89 | •থ | ,, | 24 | | ,, | ঝ | |
| ,, | " | ৬ | ,, | শ | ,, | >> | | > • • | খা | |
| " | ,, | 9 | ** | -গ | ,, | ,, | | 200 | া | |
| ,, | ₹ @ | | 284 | -3 [| ,, | ۶,۰ | | ,, | ~ [| |

| | | . • | | | | | 24 | 8 ه | | |
|-----|-------------|--------------|---|--------------|---|-----|------------|------|----------------|-------------|
| | | r 0 3 | अंका। | 1 | | আ। | श्री । | প্রা | अका। | |
| অ।। | ধা। | • | 2 • 8 راهد (| 100 | | > | > | > > | ২ ০ ৬ | -হা |
| Œζ | ₹ \$ | | 222 222 | | | ٠, | ,, | 59 | 724 | থ |
| ,, | २२ | | 225 223 | কা ক | | ,, | ٥. | | ٠, | -থা |
| ,, | 30 | | 2.6 | ના | | 17 | 22 | | 222 | ા |
| ,, | ≥8 | | | ચ | | ,, | 5 2 | | ∑ ∘ € | -থা |
| ,, | રહ | | ,, | ઝ | | ,, | 20 | | ンタタ | ÷X |
| 17 | 2 9 | | 209 | খ | | ,, | 28 | | ** | ৺ |
| " | ર્વ | | 5°9 | श | | ,, | 26 | | ,, | ન)[|
| ,, | 22 | | | 100 | | ,, | ১৬ | | २ ०० | ক |
| ,, | >> | | ,, | -21 | | ,, | 39 | | 525 | •bĭ |
| ,, | 9. | | 2 · A. | 21 | | •, | 34 | | > 0 0 | -)[|
| 29 | 92 | | 226 | 21 | | ٠, | 33 | | ,, | -2[|
| ٠, | ૭ર | | 202 | কা | | ,, | 7.0 | | 5 0 2 | -2[|
| •• | 55 | | 200 | -71 | | • | 2,3 | 2 | ,, | -থা |
| -, | 98 | | - | 21 | | ,, | ** | י | ٠, | থা |
| >> | ૭૯ | _ | 22; , | ঞ | | ,, | >9 | | 7446 | -ગ[|
| ", | ૭૪ | 2 | 220 | 15. | | œ | • | | 43 | -গ |
| ,, | ,, | • | | -31 | | ,, | ٥, | | 8 2 | એ |
| 1) | ૭૧ | | 22¢ 228 | -21 | • | ., | 22 | | ,, | ধ্য |
| ** | 24 | | | -25 | | ,, | 20 | | G o | ঝ |
| •• | 22 | | 222 | কা | | ,, | 28 | | 62 | -21 |
| ,, | 8 ° | | >>3 | ٦. | | ,, | 3 € | | ,, | -31 |
| | _ | | | | | ,, | 3 5 | | (૧૨ | থ |
| | | 2 A . 8 | ১৯৬ | -01 | | •• | 51 | | ,, | ન્થ! |
| 2 | ' | | | -21 | | ,. | 24 | | CD | -21 |
| •• | 0 | | ٠, | -21 | | ٠, | >> | | ,, | <i>হ</i> |
| •• | 8 | | ** | -9 1 | | ,, | 30 | | æs | খ |
| ,, | رد (د | | ,, | - 3 1 | | ,, | >> | | @ 9 | ᆀ |
| , | ? 9 | | " >>9 | ચ | | " | >> | | " | •3[|
| *1 | | | ا ب <i>ه</i> ر | જાં | 1 | ٠, | २० | | & 3 | ক |
| *1 | b | > | ,, | শ | | , | > 8 | | aa | · 4 |
| •• | > | ર | • | -হা | | 79 | > @ | | 2.5 | * |
| •• | ,, | Ś | " | •ો | | ,, | 2 9 | | ٠, | 4 [|
| ** | ,, | 8 | ,, | ৵ | - | .5 | O | | ১ ॰ ৪ | * |
| ,, | " | œ | ر د ر | . 🗟 | 1 | 19 | 8 | | ,, | থ |
| ,, | ** | • | ., | ં એ | 1 | ,, | œ | | 3 · C | -21 |
| 3.5 | ,, | ٩ | ₹ 2 8 | ৵ | i | •, | ৬ | | " | એ. |
| ,, | | 7 | 324 | એ | | ,, | 9 | | ,, | એ |
| ,, | " | 2 | ર ∘ 8 | ચા | | ,, | ۵ | | ٠٠ ع | * |
| | ,, | ٥, د | 306 | -21 | | * 1 | ٥. | | ** | એ |
| ,, | ,, | ٠, | 1) | ન) | İ | ,, | >> | | ,, | • |
| •• | " | 52 | ર∘8 | * | ĺ | ,, | 52 | | ,, | અ |
| " | •, | 33 | 724 | ચ | 1 | ,, | 20 | | ৬৽৭ | •থ |
| ,, | , , 2 | 28 | > ∘ 8 | 4 | 1 | ,, | >8 | | ** | - 91 |
| ,, | ., | : a | > o @ | 41 | ; | ,, | > œ | | ,, | ٠į |
| ,, | | | | | | | | | | |

| | | 2 b • 8 | | | | ; | इ.च. | | |
|----------------|------------|----------|--|-------------|------------|----------|------|--------------|-----------------|
| আ। | 811 | প্র। | . अहा। | | আ। | क्षा । | প্র | 5) \$6:1 | |
| ৬ | > > | | 30 A | •)[| >> | • | > | > 48 | -ગ[|
| ,, | 22 | | ७०४ | -2[| >, | ,, | ২ | > p @ | •1 |
| •• | ック | | ., | -গ | ,, | 8 | > | ን৮ዓ | • |
| 2.7 | 9 | | 202 | • | ,, | ,1 | > | " | -থা |
| " | 8 | | 270 | o t | ,, | • | 3 | 17 | ન્ગ[|
| | | | | | ., | Œ | > | 5 A A | -2[|
| | | ጉ o G | | | ٠, | ,, | ۶, | ,, | એં. |
| 7 | 8 | 5 | 589 | ক্ | ,, | ৬ | | २४३ | - ≥1 |
| ,, | ,, | ર | ን ታ ው | ক | ٠, | 9 | | <i>n</i> | ->! ->* |
| ,, b | a c c | | 353 | | ,, | ∀ | | રે≽ે રેલે | ર્ચ ચ |
| | | 3 | 228 208 | খ | : 29 | Ś | | ,, | નાં |
| " | ,, | 8 | | থা থা | , ,, | 8 | | ,, | થાં |
| ,, | " | c s | >°3 | -গ | ,, | Œ | | ર ૯૪ | • |
| " | ,, | 3 | 300 | એ આ | , , | .s | | 5 6 5 | ચા |
| รา | " 2 | C, | シャカ | - | ! ., | 9 | | > 5> | ચ |
| ,, | ٠ | | 200 | • | | ъ | | २७၁ | -থ |
| ,, | 8 | | ,, | | . 5v | > | | 925 | -ગ[|
| ,. | æ | | • • • | યાં • | 1 | ž | > | ,, | -2[|
| | | | | | , | •• | ২ | 222 | -হা |
| | : | 5000 | | | ,, | 0 | | ٠, | -રા |
| ১ | 2 | | <i>58€</i> | -2] | ٠, | 8 | | ., | ঝ |
| ,, | • | | ,, | -21 | ,, | Œ | | ,, | -গ |
| ,, | 8 | | ** | প | ,, | ৬ | | •• | ન્શ[|
| ,, | Œ | ٥ | 0 8 0 | ~2 [| ,, | 9 | > | 978 | -> [|
| ٠, | " | ર | •• | •21 | ٠, | ,• | • | ,, | ⇒ [|
| ٠, | ٠, | 0 | ,, | -গ | ٠, | ٠, | 0 | ,, | থ |
| ,, | ,, | 8 | ,, | ধ | ,, | ** | 8 | ** | 4 |
| ٠, | ,, | œ | *1 | •থ | " | • | Œ | ,, | અ |
| ,, | ,, | ৬ | 238 | ચા | ,, | ٧ ۵ | | ٠, | → [|
| ,, | ક | | ٠, | ગ | ,, | : . | | 3.3 | -ગ્ |
| " | 9 | | ,, | -গ | ٠, | 22 | | | ચ ચ |
| ,, | 2 | | ⊅ 3€ | গ গ | ,, | ٠ > ۲ | | 925 466 | ચ |
| " | > ° | | - | -01 -01 | | 20 | | ,, | -0[|
| », | 22 | | °°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°°° | -গ | • > ?. | 3 | | | એ |
| " | ک ر | > | 3 8¢ | ব | ,, | • | | 292 | খ |
| ,, | ,, | , | . 985 | -) | ,, | 8 | | 592 | એ |
| ,, | 3) | 9 | ,, | ચા | ,, | œ | | 222 | ઝ |
| " | " | 8 | ,, | ન્શ | ,, | ક | | ,, | ગ |
| ,, | ,, | œ | ,, | ચા | ,, | 9 | | 22.5 | -ગ[|
| ,, | ,, | ৬ | ,, | -21 | ,, | 7 | | ,, | - 2[|
| ,, | ,, | ٩ | 989 | -01 | ٠, | ۵ | | 226 | - গ |
| ,, | 5.0 | ,, | ,, | ঝ | ,, | 2 ° | | 4245 | থ |
| 22 | >, | | २৮8 | 100 | , , | 22 | | ,, | ঝ |
| | | | | | | | | | |

ATIC SOCIETY

7915 27 MAR 1972

| | | | | | | 5 | ۶ ۵ ، | | - |
|----------|---------------|------------|--------------|--------------|---|------------|--------------|-------------|----------------|
| | | y 0 😘 | श्रुष्ट । । | l | ত্যা । | ধা ৷ | প্র। | श्रुष्ठा । | |
| আ। | ध ्र । | व्या | 2/8/1 | 21 | >> | 2 | | ર કેવ | থা |
| 33 | 25 | 709 | 300 | | ,, | • | | 384 | -গ |
| _ | | 7•7 | 5 0 | ক | ,, | 8 | | ,, | ા |
| 9 | > , | | , | 亦 | ,, | œ | | ,, | થાં |
| •• | 9 | | | ক | ,, | ৬ | | 11 | -> [|
| -1 | 8 | | ,, | ক | ,, | 9 | | २ ५৯ | ঝ |
| ** | e y | | ", | 亦 | ,, | ኮ | | ; , | -প্ৰ |
| • | , s | | > (° | ચ | ,, | ۵ | | ,, | খ |
| > | 2 ~ | | • | • | " | 5 " | | ** | -શ્ |
| | 31- | · o }r | | | ,, | >> | | ,, | o)[|
| | 2 | • • | ર • ૨ | থ | •• | 5 2 | | २१• | থ |
| 22 | 3 | | ,, | কা | ** | 20 | | ٠, | ન્શ |
| ,, | Š | | ,, | 10- | ,, | >8 | | ,, | থ |
| " | 8 | | 200 | -ગે | ,, | 2 (| | 293 | -গ্ |
| ,, ,, | 22 | 8 | 250 | 45 | ٠, | 2.3 | | ,, | a i |
| , , | • | _ | | į | | | | | |
| | • | 4040 | | | | | | | |
| ъ | ર ` | | Sb | 16 - | | | アトクラ | | |
| ,, | ٥ | | •• | -əţ ° | > | > | | २०५ | -2[|
| ,, | 8 | 7 | 2.0 | -2 [| ** | O | > | ** | -গ |
| •• | ٥٠ | > | 6 3 | એ[| ৬ | > | | 9 09 | -3[|
| 7.0 | ٠, | ર | • • | -21 | ,, | > | | ,, | ৩ [|
| ** | ,• | • | ,, | - 2[| >> | • | | 999 | क |
| 1) | •• | 8 | | -ચાં | ,, | 8 | 2 | ,, | ক |
| | | | | | •• | " | > | ,, | ক |
| | | 747. | | | 25 | \$ | | 2 0 | ન)[|
| 9 | 2 | | 929 | -91 | · •• | • | | 22 | -1 |
| ٠, | > | | ** | -21 | ** | 8 | | ,, | -21 |
| 79 | 0 | | 929 | 4 | , ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | Ġ | | ,, | 4 |
| ** | 8 | | ", | ન)[| | | | | |
| ,, | æ | | ,, | એ | 1 | | | | |
| ** | ৬ | | " | -2[| | _ | 2225 | | |
| 2 | 22 | 9 | ৬০৯ | •i | Œ | , | | 789 | क |
| ** | ,, | æ | ৬০৮ | থ | ,, | 0 | | ২৪১ | ক |
| 20 | 0 | 3 | 920 | , খ | ' ,, | 8 | | 69 ¢ | ক |
| 79 | ,, | 9 | ٠. | 4 | ,, | œ | | ১৬০ | ক — |
| ** | 8 | | ** 0 | ગ | ,, | ৬ | | ,, | क |
| •• | 2 | ર | 928 | વા | ' ', | 9 | | " | 布 |
| 29 | 8 | | ৬৽৯ | কা কা | 1 | ۶ ۶ | | ,, | ক ক |
| v | e e | | ,, | -গ | ,,, | | | > > > | ক ক |
| " | er ક | | " | -0[| ' " | > 0 | | ,, | رم 14 |
| ,, | 9 | | ۰, وزو | কা কা | ,, | 20 22 | | " دده | ঞ ক |
| ,, | - b | | 228 | | , | \$8 | | 92 t | ক ক |
| , ,, | 2 | | 239 | • 3 [| ,, | 2¢ | | 95F | 7F 75 |
| ÷ ~ | _ | | | -4 | , | - 4 | | ~ | |

| | | 2646 | | | | 21 | C 4 7 | | |
|----------|---------------|------------|-------------|--------------|--------|---------------|------------|-------------|-------------|
| আ। | ধা। | প্র। | श्रुष्ठा । | | আ। | ধা। | প্র। | श्रुका। | |
| œ | 24 | | 202 | ক | 2 ° | o | Œ | 250 | - 3(|
| ,, | >> | | 90r | ক | ,, | 8 | | ०५५ | ঝ |
| ,, | २० | | •80 | ক | ,, | Œ | | ,, | -ગ[|
| ,, | > > | | ,, | ক | ,, | ৬ | | ১ ১৭ | ঝ |
| ,, | २२ | | ,, | ক | ,, | ٩ | | 974 | -0] |
| ,, | २७ | | ,, | ক | ,, | 5 | | ८६७ | - 0[|
| ,, | 2.8 | | 20> | ক | , | ۵ | | ٠, | ঝ |
| ,, | ₹.@ | | 200 | ক | ,, | 20 | | 990 | কা |
| 74 | >, | | >89 | ক | ,, | 22 | | ,, | -0[|
| ,, | 9 | 2 | ₹8€ | ক | ,, | > 2 | | ٠, | 10 |
| २० | ર | > | > ५ œ | প | ,, | 20 | > | 092 | ઋ |
| " | ,, | ২ | ,, | -হা | ,, | ,, | ર | ,, | ঝ |
| ,, | ,, | • | " | থ | ,, | ,, | C | ,, | 4 |
| ,, | ,, | 8 | ,, | -হা | , | >8 | > | ,, | •া |
| " | ,, | Œ | , , | থা | ٠,, | ,, | > | 3.33 | ə [|
| ,, | • | > | > 6 2 | -0[| ٠, | ** | 0 | ,, | -গ |
| ,, | ,, | > | ,, | ঝ | ,, | ,, | 8 | •• | ->1 |
| ,, | ,, | 0 | ५ १० | -গ | ,, | ,, | œ | 266 | •গ |
| ;, | ,, | 8 | ,, | ર્ચા | ,, | ** | ৬ | 999 | ન્ગ[|
| , | ,, | æ | ,, | -2[| ,, | •• | ٩ | 59 @ | → { |
| ", | ,, | · b | ,, | -2 [| *** | ,, | ъ | ,, | -2[|
| ٠, | ,, | ٩ | C 2 ¢ | | , ,, | 2 & | 2 | ७ १७ | એ (|
| ** | ** | r | ,, | -3; | ٠, | ,, | > | ,, | -3[|
| | | | | | ** | 22 | 2 | ,, | ঝ |
| | | | | | 1 1 | ** | > | , | ગ |
| | | 7270 | | | ,, | 59 | > | ", | কা |
| > | 3 | > | 86 | 不 | • | ,, | , | ૭ ૧૧ | ঝ |
| ,, | ,, | > | ,, | 亦 | • • | 22 | > | " | -2ť |
| * 1 | ,, | 0 | ** | ক | , ,, | ,, | ž | ,, | •of |
| ર | Ś | | ¢ > | ગ | . ,, | ,, | 0 | ,,, | ক |
| ,, | 9 | | ,, | থ | , ,, | ,, | 8 | 397 | কা কা |
| " | 8 | | ,, | ঝ | . ** | ** | œ . | ٠, | ᆀ |
| ৬ | , | > | >>0 | એ | . ,, | '' | ১ | ,, | ચા ચા |
| ,, | ,, | ? | ,, | কা কা | ,, | 22 | ء ع | ,, | જા •કૉ |
| ,, | 0 | > | ,, | - | • " | ,, | ં | " «PC | અ |
| ,, | " | ۶ ع | ,, ২২৪ | -গ্ৰ -থ্ৰ | ', | ,, | 8 | | -3[|
| ,, | ,, | • | | খ | ,, | ,, | œ | ,, | ના |
| ,, | 8 c | > | ,, ২২৫ | -থ -থ | " | '' ኒ | 3 | " 3e 5 | -2 [|
| ** | | a b | | અ | '' | ,, | . . | 289 | એ |
| >> | ** | , 9 | " \$ > 5 | -at | ,, | ۶ <i>۶</i> | ` | 27. | ના |
| " > ° | ,, S | 3 | 939 | જો જો | ,, | રેર | > | 242 | -21 |
| _ | | ء ب | 958 | -3(| ,, | ,, | > | ,, | ঝ |
| " | " | Š | ૦ ૩૯ | -01 | ,, | ,, | c | ,, | কা |
| " | ,, | 8 | ,, | •গ | ,, | ,, | 8 | ,, | ગાં |

निर्घणे।

| | | 2420 | | | 2220 | | | | | | | |
|---------|------------|--------|-------------|-------------|------|--------|------------|------------|-------------|--|--|--|
| | 831 | 到1 | कोकी। | ! | জা। | क्षा । | প্র। | शृष्टा | | | | |
| ন্ত্যা। | 5 5 | Œ | OF2 | ા | 59 | >8 | | 8。 | 4 | | | |
| 20 | • | હ | ,, | থ | ,, | 26 | | ** | -2 (| | | |
| ,, | ,, | 9 | '' | -থা | ,, | 23 | | ,, | -2 [| | | |
| ,, | ,, ,, | ь Ъ | O + 0 | ચા | | | | | | | | |
| " | | à | ,, | -21 | | | | | | | | |
| ,, | ., > 3 | | ., | ঝ | | | | | | | | |
| ,, | >8 | > | •• | -21 | | : | o 5 ≥ 8 | | | | | |
| ,, | | , | , | ચ | | | | | | | | |
| " | " | • | ,, | ન્ગ્રા | ٦, | 0 | 2 | ડ૦ | ન્યું | | | |
| 1) | ,, | S | 9 73 | ન) | " | η, | , | ,, | ₹ [| | | |
| ,, | ,, | Œ | ,, | ঝ | ,, | ,, | 0 | " | কা | | | |
| ,, | > a: | 2 | " | -থা | ,, | " | 8 | 30 | એ [| | | |
| " | ,, | > | , | কা | ٠, | 8 | | ,, | •হা | | | |
| " | | 2 | OF A | ગ | 29 | 2 | | 227 | ચ | | | |
| ,, | " | 8 | , | -2[| 22 | O | | 333 | ₹. | | | |
| ,, | " | æ | , | ન્યાં | ,, | 8 | 2 | 285 | ব্য | | | |
| ,, | ٠٠ و د | • | ,, | - 2[| ,, | ,, | 7 | ,, | લ | | | |
| ,, | 3 3 | | ৩৮ ১ | -શ | ,, | ,, | Ċ | 030 | त्र | | | |
| " | 35 | | ,, | 4 | ٠,, | ,, | 8 | 978 | 2 | | | |
| ,, | 32 | | • | - 2[| ,, | Œ | | ,, | e) | | | |
| ,, | 9, | | 010 | - 2[| ٠, | ৬ | | ** | क् | | | |
| ,, | 92 | | ٠, | -21 | • • | ٩ | | 276 | 49 | | | |
| 22 | > | | :> 5 | কা | ٠, | V | | ,, | di | | | |
| ., | o | 2 | 11 | 45[| ٠, | 5 | | ૦૭૭ | 22 | | | |
| ., | ,, | > | ,, | 1. | ,, | 20 | | ,, | 35 | | | |
| • | 5 | | , | -0[| ,, | 5.5 | | ,, | ব | | | |
| ,, | g. | > | 25 S | শ্ | ٠, | 2, | | 210 | दह | | | |
| ,, | ,, | 2 | , | -2[| ,, | 20 | 2 | ٠, | रह | | | |
| ,, | 3 | | 326 | 100 | ,, | ,, | 2 | ,, | ₹. | | | |
| 59 | 2 | > | 53 | ক | ,, | \$3 | | 202 | 不 | | | |
| , | 8 | 5 | ૭ ૯ | • 2[| ٠, | ≥ ₹ | 2 | ,, | 7,5 | | | |
| 13 | •• | , | ,, | -3[| ,, | ,, | 3 | 333 | ক | | | |
| ٠, | œ | 2 | , | એ [| ,, | 1) | 0 | ** | \$ | | | |
| , | ,, | ર્ | 37 | - 2[| ,, | ,, | 8 | ,, | ক | | | |
| ٠, | ٠, | c | •• | ન્ડ્રા | ,, | ٠, | Œ | ,, | ক | | | |
| ,, | ,, | 3 | ,, | 3 | ,. | ** | ঙ | ., | \$ | | | |
| ,, | ৬ | > | ৩৭ | থ | ,, | ** | 9 | 298 | 级. | | | |
| •• | ,, | ž | ,, | -গ | ,, | ٠, | ъ | | रु | | | |
| ,, | 9 | | ٠, | 4 | ,, | 25 | | 17 | ₹\ē | | | |
| , | ৮ | | ৩৮ | •থ | ,, | 29 | 2 | 266 | ক | | | |
| • | 2 | | ** | -2[| ٠, | ,, | ২ | 17 | 4 | | | |
| ** | 2 0 | | , • | -2[| ,, | •• | 0 | ,, | ক | | | |
| • | 22 | | ۵۵ | •থ | ,, | 22 | | ৩৭১ | ক | | | |
| 11 | 2, | | ** | -3[| >1 | >> | 2 | ৩৭৭ | ক | | | |
| | 2.5 | | 22 | * | ,, | ,, | ર _ | ,, | ক | | | |
| | | | | | | | • | | | | | |

| | | 2428 | | | | > | ७८७ | | |
|----------|---|----------|---|------------|---|---------------------------------------|------------|---|--------------|
| আ। | ধা । | প্রা | क्षेत्र। | | আ। | ধা। | ध। | श्रुका । | |
| >> | 22 | 9 | 292 | ক | 20 | 20 | | S v 3 | 3 [|
| ,, | ه کر ه | > | ,, | \$ | ,, | 28 | | 5 v 8 | ન્કા |
| >> | ,, |) | 292 | ক | *** | : c | | •• | *1 |
| ,, | •• | 0 | ,, | ক | ,, | 3 5 | | • • | - >)[|
| ** | > 2 | | ७ १५ | क | ,, | 23 | | 143 | -0[|
| ,, | 3 J | | 292 | ক | •• | •• | | >8 5 | 20 |
| ** | > 2 | | ৩ ব | ক | ** | 24 | | { b & | •ાં |
| ٠, | > 8 | | 27.2 | ē;5 | ,, | 22 | | ८४७ | 41 |
| " | 3 Œ , | | ১৬৭ | ক ক | ٠,, | , | | ** | ٠٠; ازه |
| • | ÷ 3 | | ৩ ৭ ১ | ক ক | •• | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , | | ,, | 4)[4) |
| " | > q | | 342 342 | 亦 | ** | * * * *) | | ., S v 9 | থ। থা |
| ٠, | 23. | | · • • • • • • • • • • • • • • • • • • • | र ह | ,, | >8 | | 8 b b | એ અ |
| ٠, | 3 | | ., 0 % 5 | ক | , ,, | > G | | ., | -21 |
| ** | 95 | | 949 | क | ,, | 2 9 | | ,, | 4) |
| " | 93 | | ,, | 75 | ,, | 29 | | 27 > | -ગ |
| " | 3°. | | 91 5 | 75 | ., | 36 | | 820 | ٠ |
| ,, ,, | 98 | . 5 | ,, | ক | ** | >> | | • | 2)[|
| " | • | 2 | 272 | Sla. | • ., | 5 , | | 622 | -2[|
| ,, | 22 | • | ०५ ८ | ন | ,,, | 22 | | ,, | 41 |
| > 5 | > | | 9. | -১[| ,, | 2> | | •• | -গ |
| ,, | 0 | | 05 | か | , ,, | ৽৽ | | دھ ع | •হা |
| 24 | 20 | > | 205 | ক | • | •38 | | ٠, | -2[|
| ,, | 9> | | ,, | ক | ,,, | 20 | | c | • >1 |
| ২৯ | 2 | | トコ | 不 | ,, | ૭૪ | | ,, | 3 [|
| ,, | 2, | | ,, | ক | ,, | ৩৭ | | ६२३ | -21 |
| ** | 9 | | ** | ক | ,, | ७৮ | | 829 | ગ |
| ,, | 8 | | 2 . | रह | ,, | 22 | | (C o o | -21 |
| ,, | æ | | ,, | 76 | ,, | 8 ° | | १ ६३ | * |
| | | | | | ,, | 8.5 | | •• | -2[|
| | | | | | ,, | 8> | | 8>> | -21 |
| | • | 2229 | ۲۵ | 솨 | ,, | c 3 | | •• | ঞ |
|) S | <u>ড</u> ১ | | 893 | -21 -21 | ,, | 88 81 | | ,, C • D | - 21 |
| | ર | | 81.0 | -31 | ٠, | 8 Y | | (r°S | ના ના |
| " | ં | | ٠, | ગ | • ", | 89 89 | | u - 3 | એ |
| ,, | 8 | | ", | થ | ,, | 8 7 | | ar o ar | અ |
| " | Œ | | · 842 | ચ | ,, | 82 | | ,, | -2 |
| ,, | • | | ,, | ગ | ,, | 6.0 | | • | -»(|
| ,, | ٩ | | ,, | ক | ,, | œ5 | | 6.2 | -2 |
| ,, | ъ | | •• | ঝ | ,, | æ Þ. | | a - 4 | -2[|
| ,, | > | | ৪৮২ | •શ | ,, | co | | 622 | -2 |
| ,, | ٥ د | | ,, | ঝ | ,, | 4 8 | | ,, | ->(|
| ,, | >> | | ,, | প | ,, | a a | | ৫১२ | -01 |
| ,, | ક ર | | 873 | -01 | ,, | a 3 | | • | ->[|
| | | | | | | | | | |

, ~;

| | 3' | *>> | | | | | 759 | | |
|-------|------------|-------|---|--------------|---|-----------------|------------|------------------|-----------------|
| ত্যা। | ধা। | -क्षा | श्रुका। | 1 | আ। | ধা। | প্র। | शृक्षा । | |
| 30 | 69 | | હેર્ડર | 21 | | | | | |
| " | C b | | ,, | 41 | | ` > b | 59 | | |
| ,, | ¢ 3 | | ,, | 41 | | • | • | | |
| ,, | 5 0 | | 060 | 4 | æ | 2. | | १५३ | 4 |
| . , | ৬১ | | ,, | • | " | ર | | 1, | 4 |
| ,, | હુર | | ,, | ા | " | 9 | | २१२ | ** |
| ,, | ৬৩ | | ** | -3F | " | 8 | | " | et . |
| ,, | ৬ ৪ | | 8 6 3 | ગ | ,, | Œ | | ,, | • |
| 21 | કહ | | 1, | -21 | ,, . | • | | २ १७ | -2 1 |
| ,, | ৬১ | | ,, | -গ্ৰ | ,, | ٠٩ | | " | 10 |
| ** | ৬৭ | | 259 | 4 | " | 4 | | " | 4 |
| ,, | २४ | | ,, | -2[| ,, | > | | 1, | -2 (|
| ,, | ৬৯ | | ** | -স | , ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | 2, | | ২ 98 | -থ |
| ,, | 90 | | ,, | - 0[| ъ | , | | 82 | খ |
| ,, | 95 | , | C > B | -3[| ,, | 0 | | ,, | শ |
| ,, | ዓኒ | • | ,, | - 21 | ,, | 8 . | | 8 २ | থ |
| ٠, | 93 | | ८ ५ न | খ | " | œ | | " | থ থ |
| ,, | 98 | | " | খা , | ,, | y | | ¢3 | থ্য থ্য |
| " | 98 | | ,,, | -21 . | 25 | ર | | હ | ચ્ચ ા |
| ,, | 95 | | 6 0 2 | -2 1 | ,, | 9 | | ৬ <i>৬</i> | 4 |
| ** | 99 | | @59 | ન્થો | ,, | 8 c c | | | খ |
| •• | 94 | | *** | 4 | " | હ હ | | ,, ৬৭ | •ধ |
| ,, | ۹۵ | | 622 | * | ,, | 9 | | ,, | ચ |
| ,, | ъ° | | ** | ঝ | ,, | ৮ | | ., ይ ኮ | • |
| ** | b 2 | • | ,, | থ খ | " | a | | Š9 | 4 |
| ,, | ৮২ | | و٢٥ | • 2 [| ,, | > 0 | | ৬৮ | -থ |
| " | 64 | | " و ک ه | •થ •ર્ગ | ,, | รรั | | 59 | খ |
| •• | ъв ъв | | | -2 [| ,, | 32 | | ৬৯ | খ |
| ,, | ታ ያ ነ | | ,, | 41 | ,, | 20 | | ,, | খ |
| " | b 9 | | ر خ ی در | ঝ | ,,, | 58 | | 90 | শ্ৰ |
| , " | b b | | ,, | 4 | · | 20 | | ,, | -3 [|
| " | レン | | " | ঝ | ,, | ১১ | | ,, | খ |
| 1, | 20 | | 623 | -থ[| ,,, | ১৭ | | 92 | -থ |
| ,, | 22 | | ,, | . •2(| · ,, | 24 | , | 99 | •থ |
| ,, | ৯২ | | ,, | વ | 1) | دڙ | | ,,, | ચ |
| ,, | ०द | . , | ,, | * | ,, | ١,٠ | 4 | " | * |
| ,, | >8 | | ् •२० | খ | ,, | ₹5 | | 99 | •21 |
| ** | 36 | | ,,, | * | ,, | ३३ | | 92 | • |
| ,, | >> | | 19 | 4 | ,, | 30 | 2 | ** | 4 |
| ** | >9 | • | 649 | • | ,, | २ 8 | | 9-0 | 4 |
| ,, | 22 | | \$ 5 P | * | ,, | २० | | ,, | |
| 20 | > | | | क | - 4 | 2.5 | ٠. | 98 | 4 |
| 11 | ,, | | . 299 | 4 | ,, | 29 | | ,, | 4 |
| " | 2 | • | > | ₹ ' | · ', | 24 | | 96 | " •4 |
| · | | | • | , | v | | | ** .5 | |
| | | | | • | | | | | |

| | | | | | | | • | | |
|------------|----------------|------------|---|--------------------|---|-----------------|---------------|-------------------------|-------------|
| | ` | , , | , | े नि | ৰণ্ট ৷ | | | | ٤. |
| | | 659 | | • | | | , | | |
| क्या । | ंशा | 왕 : | প্রধা। | ı | ত্যা। | | A54 | ، بيليم | |
| 32 | 23 | ٠, ٠ | 96 | • | 3 | ধা। ৩ | প্র। | अंका। | |
| 3 , | 0. | | *** | 4 | 22 | ર | |) 0 | એ |
| ;, | 95 | | 93 | • | i | | > | @ • • | 4 1 |
| ", / | ૭ ૨ | | ,, | 4 | ,, | " | ۶ • | | એ એ |
| , | 99 | - | હ | વા | ,, | " | 8 | ,, | 4 |
| ,, | 98 | | 95 | ચ | ", | " • | 2 | (₹ ∘ ₹ | খ |
| ٠, | 20 | | 99 | એ | ,, | ,, | . | - | નાં |
| ,, | ૭૪ | | ,,, | খ | ., | ,, | ં | ,, | ચા |
| 20 | > | | ъъ | খ | ., | " | 8 | e • 5 | 97 |
| ,, | 2 | | 45 | -21 | ١,,, | 8 | > | a . h | -41 |
| ٠, | • | | ٠٠ ا | | ,, | ,, | ર | ,, | -4 |
| 24 | Ž. | | @9@ E | | | | • | ~ | • |
| ,, | 9 | | " | Y | 1 | | | | |
| ** | 8 | | C. D | -0[| 1 | | 6640 | | |
| ٠, | æ | | ,, | খ | > | 8 ' | ٠, | 64 | ø. |
| 5 . | >, | 2 | ¢ 9 | 4 | ,, | ,, | Þ | هم | - 0[|
| ,, | ٠, | \$ | ar | 4 | ., | •• | • | ४७ | -গ্ |
| ,, | ,, ' | • | ,, | কা • | ,, | ,, | 8 | ,, | એ[|
| >> | >@ | > | २৮इ | क | ,, | ,, | œ | 48 | અ |
| ,, | ,, | ર | > ra | ক | ,, | ,, | ৬ | ٥.4 | •1 |
| ,, | ,, | • | 329 | ₹ | ,, | œ | | 36 | -3[|
| ** . | ,, | 8 "1 | ,, | 4 | ,, | ৬ | | ৬৬ | -গ্ৰ |
| ,, | > 5 | 5 · | २ 🔊 ५ | ক | ,, | ٩ | | ৬৯ | -3 [|
| ,, | • | ્ર | ,, | ক | 8 | > | | 899 | -থ |
| ২ ০ | 2 6 | ٦, | 558 | એ | ,, | ર | 2 | 896 | એ |
| ,, | ,, | • | २२৮ | কা | ,, | ,, | > | " | ø |
| ,, | ٠, | 8 | ., | -2] | ,, | • | 2 | ** | -5[|
| ,, | ,, | œ | >>> | খ | ,, | ** | ર | 19 | ঝ |
| ,, | žΑ | 2 | 3 82 | ক | . " | ,, | 9 | ,, | ঝ |
| ,, | ** | > | ,, | ক | ,,, | " | 8 | 892 | 4) |
| ,, | ** | • | 080 | ক | ,, | ,, | Œ | " | 41 |
| ·, . | ٠, | 8 | 3 88 | ক | ৬ | > | > | 003 | কা |
| ** | ,, | æ | •• | ক্ | ,, | •, • | ર | ,, | থা থ |
| ** | ** | , b | ** | ক — | , | • | > | ** | |
| ,, | . ,, | 9 | ,, | ক | • " | ,, | , ২ | ر. وي | ન) •)[|
| ,, | ٠ ج ک | | 225 | কা কা | ,, | ,, 8 | > | ••• | -e! |
| ,, | ij | | ,, | -રા -થ ્ | " | | ે ર | • | -21 -21 |
| ,, | ,, | | •• | a . | , | ູ່ນ. `່າາ | ò | " | <i>ব</i> |
| "、 | ** | , 8 • | " C <c< td=""><td>ચ્ય અ</td><td>,,</td><td>er</td><td>_</td><td> 000</td><td>ঞ</td></c<> | ચ્ય અ | ,, | er | _ | 000 | ঞ |
| ্, ২৪ | • | Œ | 2 | જા -થાં | , ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, , | ક | 5 | , | -21 |
| ₹ 0 | • | | • | 4 | ", | ٠, | ر ج | ر خو _د ور | 2i |
| | | 7474 | ** | | ,, | 9. | • | ,, ,, | . থ |
| > | > | J- 30 | ۳٦° | -ai | " | ,, | ર | 228 | -2 [|
| | ર | | ,, | • | ,, | " | ò | • " | 4 |
| , | • | | • | ٠. | | | | | - |

| | | | | | | | 34 | 5 25 | | |
|---------------|---------------|----|--------------|----------|-----|-----------|----------|-------------|---------------------|-------------|
| | 24 | | | 1 | | আ। | ধা ৷ | প্র। | अके!। | |
| জ্ঞা। | ধা। | 丝! | अका। | | | b | 39 | 7 | 296 | ক |
| ৬ | ٩ | 8 | 200 | থ | | ,, | 34 | > | 200 | ক |
| ,, | ъ | | •• | ঝ | | ,, | ,, | > | 202 | ক |
| 31 | ۵ | | " | ঝ | | ,, | ,, | 0 | 7446 | ক |
| 2) | 2 0 | | 225 | 4 | | | ,, | ,, | 002 | ক |
| ,, | >> | | ,, | ঝ | | ,, | ,, | 8 | 95° | ক |
| ** | > 2 | > | ,, | ચા | | •, | " | Œ | ,, | ₹ |
| ,, | ,, | 2 | 229 | ঝ | | •, | >> | | २৮٩ | ক |
| ,, | 50 | > | 1) | 70 | | ٠, ٥ ، | 3 | | 000 | ঝ |
| ,, | ,, | 2 | ,, | -গ | | | ş. | | c03 | 刘 |
| " | 28 | | 224 | প | | ,, | • | | ,, | એ[|
| ъ | > | | २७२ | ক | · * | Æ | 8 | | 605 | 160 |
| ,, | 2 | | २७8 | ক | 1 | r | Q. | > | @3 2 | -0[|
| ,, | C | > | २ ७ 🛭 | S. | | • | • | , | ,, | • >[|
| ,, | ,, | 2 | " | Æ | | , | 9 | | ,, | -21 |
| 21 | ,, | • | २७४ | 不 | | , • | 9 | | cos | - 2[|
| ٠, | 8 | | > ७ € | क् | | ** | , & | | ,, | -গ |
| •• | œ | | ২ ৬৬ | ₹ | | ** | > | | 809 | એ |
| ,, | ৬ | | ** | ক | 1 | •• | > ° | | ,, | -21 |
| , | ٩ | | ,, | ক | 1 | , , | 22 | | \$0.0 | -21 |
| ,, | ъ | > | २ ७४ | ক | 1 | • | 25 22 | | ,, | ઝ |
| ,, | ,, | ર | 17 | ক | 1 | ,, | 50 50 | > | ,, | ٠ |
| | ,, | 9 | २ ५৯ | क | | •• | | , | ৫৩১ | -25 |
| ,, | ۵ | | २१ ० | 存 | | • • | ,, | 5 | ., | ঞ |
| ,, | ٥ د | | २१५ | ক | } | ٠, | " | | a ၁٩ | •25 |
| " | 22 | > | 2,98 | ক | 1 | •• | •• | 8 | | -2 |
| " | ,, | ર | ,, | ক | 1 | ,, | ,, | 4 5 | ,, ., | -ગ્ |
| 77 | ٠, | 2 | २५৫ | S. | | ٠, | " | 9 | | -શ્ર |
| ,, | ১২ | | ,, | ক | i | " | '', | ٦ | 40p | -ચ •શે |
| ,, | 20 | 2 | २ १७ | ক | | ,, | 28 | | | -হা |
| ,, | ,, | > | ,, | 4 | 1 | ** | 2 & | | رر دری | -21 |
| > > | ,, | • | ** | 香 | ! | , | > > | | | -2[|
| ,, | ,, | 8 | ,, | त् | 1 | •• | 39 | | «S° | ->[|
| ** | >8 | 2 | えるか | ऋ | ì | ,, | 24 | | ,, | -શ્ |
| ** | ,, | ২ | ২ ৬ ৭ | ক | | ٠, | 2 y | 2 | | খ |
| ,, | 26 | 2 | २ १ ५ | · 4 | | •• | | | ه د د | ت 15 |
| ٠, | •• | ર | •• | ক | | ٠, | 3, | ,. | | ক |
| ,, | ,, | 9 | २ १ १ | ক | | • ,, | " | ર | ,,, | ক |
| 21 | 22 | | २१२ | 4 | 1 | ,, | ٠, | " | ७ २ <i>७</i> | -e) |
| ,, | 29 | > | २ १ १ | 存 | | •• | 11 | ٠, | | -থা |
| *> | ,, | ર | ** | ক | 1 | ,, | 3.2 | 2 | ۰. در | ~\ 75 |
| ,, | ,, | 9 | | ቖ | ŧ | ,, | ,, | ,, | | ক |
| ,, | 11 | 8 | | 4 | ŧ | ,, | ,, | ২ | | 4) • |
| ,, | ** | Œ | | 存 | - 1 | ** | " | ,, | | ক |
| 13 | ,, | • | | 4 | - 1 | ,, | " | 9 | A 0.0 | -4 |
| 1346 | • •, | ٩ | ** | 4 | • | " | ,, | ** | 480 | |

ર હ

निर्घण ।

| | > | 472 | | | 2692 | | | | | |
|-----|------------------|----------|---------------------------|-------------|-------------|-------------------|-----|-------------------|------------|--|
| ভা। | ধা। | প্র। | श्रुष्ठा । | | আ। | ধা ৷ | ध। | श्रुका। | | |
| ٥, | २ ५ | œ | २৯२ | ক | 20 | 83 | 8 | eer | ঞ | |
| ,, | " | ,, | 689 | ચા | ,, | ,, | œ. | ,, | •থ[| |
| ", | ,, | ٩ | २ ५७ | ক | " | 89 | | ,1 | s) | |
| " | ,, | " | 688 | ঝ | ,, | 84 | | 602 | અ | |
| " " | ٠, | 6 | २৯७ | ক | ,, | 8> | 2 | ,, | ঝ | |
| •• | ** | ٠, | ¢ 83 | ঝ | ,, | • • • | ર | e5 • | 4 i | |
| ٠, | ٠, | > | ২৯৩ | ক্ থ | 1, | g o | | ,, «৬১ | ર્ગ રા | |
| •• | ,, | •• | €88 €8€ | ચ અ | 1, | ૯ ૪ ૯ ૨ | | | ঝ | |
| " | 5,5 | | પકષ ર>8 | 74 75 | " | Cs | | " | • | |
| '' | ,, ২ ৩ | | ∢≈s ¢s¢ | •2i | , | ¢8 | | ,, | થ | |
| •• | ₹8 | | 68 9 | એ | , , . , | 0.0 | | લ ઝ ર | એ | |
| " | રે લ | | ., | ના | , ') | ¢ 5 | | 000 | ગ | |
| •, | ર્ક | | ,, | ગ | ,, | & 9 | | ,, | ાં | |
| ,, | 29 | | ,,, | ચાં | ž ., | ev | | ,, | •া | |
| ٠, | 26 | | 68 9 | -0] | 37 | ¢۵ | | a 58 | -গ | |
| ,, | २ २ | | ,, | থ | , ,, | 5 ° | > | ,, | ચાં | |
| ,, | 93 | | ,, | ঝ | | ,, | ર | ,, | 4 | |
| ,, | 0> | | C3 F | ঝ | , | ** | • | a da | ঝ | |
| ,, | ७२ | | ,, | থ | ٠, | ٠, | 8 | ,, | ঝ | |
| ٠, | 99 . | | ,, | -2 [| ** | ,, | æ | ,, | খ | |
| ٠, | 98 | | 689 | ঝ | ٠, | ৬১ | | ७५५ | 4 | |
| ,, | 20 | | ** | খ | • | ७२ | | " | খ | |
| ** | ৩৬ | > | 6 6 3 | -গ | •• | ંક્ઝ | | " | ત્રા | |
| ,, | ٠, | ર | ,, | નાં | ,, | ৬৪ | | ৫ | ঝ | |
| ٠, | 11 | 0 | 662 | ঝ | " | ક લ | | " ዌ ኔ ৮ | গ্ গ | |
| •• | ,, | 8 | ,, | থ | •• | ৬ ৬ ৬৭ | | | থ থ | |
| ** | ,, | œ | @ @ ? | -3[| , | ያት ያ | | ,, | ચ અં | |
| •• | ,, | 5 | ,, | থ | ,, | ১৯ | | ,, | એ અ | |
| *, | ,, | 4 | " | એ •ો | ,, | 92 | | ৫ ৬৯ | જો | |
| ,, | " 3 9 | ۶ ۲ | C DD | -হা -হা | ,, ' ,, | 93 | > | ,, | ચ | |
| ", | V7 | ર | ٠, | - 2 | ,, ,, | ,, | , | ,, | ના | |
| ,, | ⊘ ≻ ′′ | • | ,, | ચા | ,, | 92 | | 49. | •া | |
| ,, | ೨ ৯ | | 668 | ঝ | • ". | 90 | | ,, | ચા | |
| " | 8 ° | | ,. | •থ | ,, | 98 | | 692 | থ | |
| •• | 82 | | ,,, | 4) | ,,, | 9 @ | ۵ | ,, | 4 | |
| ,, | 8२ | | aas | ঝ | ,, | ,, | ં ર | @ 97 | * | |
| ,, | 8-2 | | ,, | -গ্ | ,, | ٠., | 0 | ٠, | એ[| |
| " | 88 | | 1) | প | ,, | 93 | | " | અ | |
| ٠, | 84 | > | ٠, | -থ | ,, | 9 9 | | ** | -21 | |
| ,, | " | ২ | @ @ 9 _, | 41 | ,, | 98 | | 693 | • | |
| " | 85 | > | ,, | • | ,, | 95 | | " | শ্ব | |
| ** | ` ,, | 2 | ,, | •મં | 12 | b • | | " | থ | |
| " | ٠, | 0 | 662 | 4 | " | 42 | | 498 | খ | |

| | | | | | | | 24 | >> | | |
|------------|---|------|---|-------------|-----|----------|-----------------|--------------|---------------------|-------------|
| | 24 | | ، سک | 1 | | ত্যা। | क्षा । | <u>ध्</u> रा | अधा। | |
| আ। | শ্বা। | প্র। | अका। | ঝ | | ъ | 59 | 8 | २ | 不 |
| ৬ | 9 | 8 | 200 | | | ,, | 24 | 5 | 200 | ক |
| 23 | ъ | | ,, | ঝ | | ,, | ,, | ą. | 000 | ₹ |
| y 1 | > | | " | થાં . | | ,, | ,, | 9 | 744 | ক |
| ,, | 5 ° | | 225 | ના | | | ,, | ,, | 202 | ক |
| ,, | 22 | | ** | থা | | ,, | ,, | 8 | 050 | ক |
| •• | > 2 | > | ** | -2[| | ,, | ,, | æ | ** | ₹ |
| •• | ,, | ર | 229 | • | | , | >> | | ኒ ৮ዓ | ₹ |
| ,, | 20 | > | ٠, | ক্ | | ٠, ،, | 2 | | 000 | -)[|
| , | ,, | ঽ | ,, | -হা | | - | ş. | | cos | প্ |
| " | 28 | | 99r | -2 [| | ,, | Ś | | ,, | -0[|
| ъ | > | | २ ७२ | ক | 1 | 61 | 8 | | ر <i>و</i> ی | -স |
| " | ર | | ર્ | ক | 1 | _ | | 5 | 6.25 | એ |
| •• | • | > | २ ७ 🛭 | 4 | | , | æ | > | ٠, | -0[|
| ,, | ,, | ২ | ,, | Ø. | | • | •• | • | ", | -2 |
| ,, ,, | ,, | • | 294 | 存 | | ,, | 9 | | (3) | એ |
| ", | 8 | | २,७๕ | 76 | | ** | ٩ | | | -0[|
| " | œ | | २ ५ ५ | ক | | • | 7 | | ,. 8 <i>0</i> .9 | નાં |
| ,, | • | | ,, | ক | 1 | •• | * | | | -ai |
| | ٩ | | ,, | 不 | 1 | •• | 5 " | | " 3C | 41 |
| ٠, | ъ | 2 | २ ७४ | ক | 1 | • | 22 | | | ઝ (|
| ,, | ,, | ર | *** | ক | | •• | 25 | _ | ** | અ અ |
| ,, | ,, | 9 | २ ५৯ | त | 1 | ** | 20 | > | ,, | -থা |
| : ' | » | | ২৭ ৽ | 存 | | •• | ,, | > | ८०५ | |
| 21 | 2 ° | | 295 | 不 | | ٠, | ,, | 9 | ., | ঝ |
| •• | >> | > | 298 | 布 | | •• | ** | 8 | 6 S A | ক |
| ۳, | ,, | ર | ,, | To | | ,, | ,, | Œ | ,, | ો |
| 97 | " | • | २ १ क | ক | 1 | •• | 17 | ১ | ٠, | ચા |
| ,, | 5 2 | | ,,, | त् | | " | ** | ٩ | • • | -21 |
| ,, | >> | 2 | ২৭৩ | क् | | ,, | 28 | | 402 | কা |
| ** | ,, | 5 | 1, | क | | •• | 2 6 | | ,, | ગ |
| " | " | 9 | ** | 亦 | ļ | , | 29 | | CO2 | 41 |
| » | ٠,, | 8 | ,, | त् | i | ., | 59 | | ,, | ગ |
| | 28 | 2 | ২৭২ | ক | ì | ,, | 22 | | 68 ° | -হা |
| 7) | 3, | ঽ | ২৬৭ | ক | ! | ٠, | 23 | | 13 | -থ |
| ** | 5 0 | 3 | ২৭৬ | · 🍇 | | •1 | 3 0 | > | •• | 41 |
| 13 | ,, | ર | • | 存 | | | 1) | ••• | ه 🗢 د | 枣 |
| *, | " | ė | ২৭৭ | क | | ٠,, | ,, | ર | ,, | ক |
| 1) | ,, 5,9 | | 292 | 郡 | | ,, | ٠, | " | ७ २ ৫ | 吞 |
| ,, | 39 | 5 | | क | . ! | ,, | ,, | ,, | 682 | • |
| ,, | ٠, | ર | | ক | , | ., | 3.5 | > | | -9] |
| ** | ·, | ò | | خ | | ,, | ,, | ,, | 330 | क |
| ,, | ,, | 8 | | 4 | | ,, | ,, | ર | | ব |
| ** | " | 0 | | ক | - 1 | ,, | " | , | , ৫ ৪২ | -0 |
| " | | 3 | | | - 1 | ,, | ,, | • | | ক |
| 1) | • | ٩ | | | - 1 | ,, | ,, | | 680 | 4 |
| 120 | · ' | | | • | | | | | | |

নিৰ্ঘণ্ট।

| | 2 | P22 | | | | 51 | b > > | | |
|-----------------|-------------|---------------|----------------|----------|---|-------------|--------|------------------|-------------|
| জ্যা। | ধা। | क्ष। | श्रुष्ठा । | | আ। | ধা। | ध। | श्रुका। | |
| > . | २১ | Œ | २৯२ | ক | ٥٠ | 85 | 8 | aar | প |
| ,, | " | ٠, | C89 | থ | ,, | ,, | œ. | ** | ન્શ[|
| ,, | ,, | ٩ | २ ५७ | ক | 2) | 89 | | ٠, | અ |
| ,, | ,, | " | 688 | ঝ | , ,, | 84 | | 662 | -9[|
| ,, ⁻ | ٠, | ъ | २५७ | ক | 1) | 82 | 2 | ,, | ঝ |
| ,, | ,, | ٠, | 68 8 | ঝ | •• | *1 | ર | ৫৬০ | 4 |
| ٠, | ,, | 2 | २२७ | स् | •• | G o | | ,, | -)[|
| •• | •• | ,, | 688 | থ | ٠, | G.2 | | ¢ 52 | 21 |
| ,, | 53 | | @8 @ | -গ্ৰ | ,,, | ŒΣ | | ,, | প |
| ** | ", | | ₹\$8 | ক | •• | CD | | • | 4 |
| ٠, | ર ૭ | | 686 | খ | '' | 6 8 | | ••• | 4 |
| ,, | ₹8 | | 68 2 | থ | ,, | Q Q | | ৫৬২ | اه |
| 2) | ₹ @ | | •• | નાં | 31 | ¢ 5 | | 663 | ગ |
| ,, | ર્ષ્ક | | ٠, | ঝ | 1) | @ 9 | | ,, | কা |
| ,, | ২৭ | | ,, | •থ | ٠ | er | | ,, | 4 1 |
| ٠, | २४ | | ৫8 9 | া | ,, | 6 2 | | a 38 | ર્ગ મ |
| ,, | 22 | | ,, | থ | ,, | 90 | 2 | ,, | |
| ,, | 9, | | ,, | - শ | • | " | ٤ . | ,, e 5e | થાં ચાં |
| ,, | 92 | | G SA | -থ | , | ,, | 9 | | ৰ্থ হা |
| ,, | ७२ | | ;, | থা থ | 19 | ,, | 8 @ | ,, | ચ ચ |
| " | 99 . | | ,, | -2[-2] | | ,, ৬১ | • | ,, ৫১১ | 4 |
| ٠, | 98 | | 685 | ৰ ধ্ৰ | •• | ৬২ | | ,, | ঝ |
| ,, | 30 | | " (1) | ঝ | •• | ~ 5. | | | ঝ |
| ,, | 95 | > | - | એ | ٠, | 58 | | " ৫ ጛዓ | থ |
| ,, | ,, | ર ૭ | ,, @@\$ | *1 *2 | " | ৬৫ | | ,, | ગ |
| ٠, | ,, | 8 | ,, | -গ | " | ৬ ৬ | | 672 | ગ |
| " | ,, | Œ | (((2 | খ | ٠, | ৬৭ | | ,, | શ |
| ,, | ,, | 5 | " | ঝ | , | 36 | | ,, | એ |
| ••• | ,, | 9 | ٠, | ચ | ,, | ১৯ | | ٠, | ৵ |
| ,, | ,, | , 7 | •• | • | " | 90 | | 663 | ગ |
| ,, | 39 | 2 | ens | ঞ | ,, | 95 | > | ., | শ্ৰ |
| " | ,, | ર | ٠, | ચાં | • | ,, | , | ,, | એ |
| ٠, | 96 | | ,, | •গ | ,, | 42 | | 490 | ·et |
| ,, | 95 | | 899 | ঝ | • ". | 90 | | ٠, | ঝ |
| ,, | 8。 | | ,. | থ | ,, | 98 | | ces. | থ |
| ٠, | 85 | | , ,, | থ . | | 90 | > | ,, | * |
| " | 8२ | | aab | থ | ,, | " | ં ર | @ 9२ | એ |
| >1 | 80 | | " | -গ | , | ٠., | 0 | ,, | -স্ |
| ,, | 88 | | ,, | ગ | ,,, | 95 | | ** | ઝા |
| ,, | 84 | 2 | ٠, | •গ | ,, | 4 1 | | ** | খ |
| ,, | " | ર | 669 | খ | · ,, | 94 | | 690 | 4 |
| ,, | 85 | > | ,, | , থ | " | ۹۵. | | ,, | 4 |
| ,, | " " | ર | ,, | ঝ | ,, | b • | | " | -21 |
| " | ,, | 9 | 662 | •1 | , ,, | 4.2 | | 498 | ચ |

| | 53 | ر د د ر | | | | 21 | , 5 5 | | |
|----------|-------------------|------------|-------------|-------------|------|----------------|------------------|---------------|-------------|
| আ। | | | अका। | 1 | আ। | ধা ৷ | প্র ৷ | श्रुष्ठा । | |
| 20 | ₩ ? | | 898 | থা | ٥ د | >>> | • | 692 | থ |
| | 64 | | ,, | থা | " | ,, | 8 | ,, | ા |
| ,, | b 8 | | ,, | া | ,, | •• | Œ | ,, | 4 |
| ,• | ba. | | •, | S | ,, | ১২০ | | ,, | 4 |
|)) ;) | b 9 | | ৫ ባ | থ | ,, | 252 | | ¢ > ₹ ` | ঝ |
| " | ъ ^ሳ | | 699 | -গ | ,, | 252 | | ,, | •થ |
| ,, | 66 | | ٠, | o) t | ,, | 250 | | ,, | - 2[|
| ,, | 49 | > | ,, | - 2) | ٠, | > 28 | | ,, | -থা |
| ,, | ,, | > | @9b | থা | " | 256 | | ७८७ | খ |
| ,, | ,, | 9 | , | থা | ,, | 25.3 | | :> | ঝ |
| ,, | ۵. | | ,, | • 01 | | | | | |
| " | >> | | 492 | અ | | : | ጉ ^ረ የ | | |
| ,, | ৯২ | | •• | া | > | ą. | > | ۶, ۹ ه | ₹ |
| ,, | 20 | | ,, | •)[| ,, | ** | ২ | ", | ক |
| " | >8 | > | GA . | •1 | ,, | ,, | 0 | २१५ | 4 |
| ,, | ,, | 2 | ,, | અ | • | ২ | | 592 | ঝ |
| " | ,, | 0 | ,, | • 21 | ,, | • | | ,, | -21 |
| ,, | 20 | | ,, | থ . | | | | | |
| ,, | 2 5 | | 642 | -0[| | | 2252 | | |
| 2) | ۵۹ | | ,, | - >1 | > | 8 | | २४० | ক |
| >> | 24 | | ,, | - >1 | ٠, | 2 0 | > | २ 🛪 👁 | ক |
| ,, | 22 | | BA5 | •হা | ٠, | " | ٠, | २५५ | শ |
| ,, | 200 | | ,, | -থা | ,, | ,, | 9 | > > & | ক |
| ,, | 202 | | 640 | থ | | 11 | ,, | ११० | 4 |
| " | 3 • ₹ | | | • | 8 | , | | 49 | খ |
| •• | 200 | | 6 A 8 | -2[| ,, | • | 2 | ,, | প |
| ,, | 2 . 8 | | ٠, | - 3[| ٠, | ٠, | \$ | ,, | ঝ |
| ,, | 200 | | ,. | -21 | ,• | 8 | > | 42 | ঝ |
| ,, | 20.79 | | GAG | -থা | 1, | ,, | 2 | ,, | 41 |
| ,, | 200 | | " | -8 [| ,, | Œ | | ,, | -2] |
| 23 | 202 | | , | 4 | ,, | ১ | \$ | ٥ د | ચ |
| ,, | 2.2 | | ,, | থ | ,, | ,, | ર | ,, | ঝ |
| " | 22. | | GPA | • | 11 | 9 | | ٠, | -থ |
| " | >>> | | ,, | ঝ | ٠, | 7 | 2 | २० | 4 |
| ,, | 223 | | ৫ ৮ዓ | . •થ | " | ,, |), | ,, | 4 |
| ,, | >>> | | •, | থ | •• | " | 9 | 88 | ধ |
| ,, | >>8 | | 6 p p | 41 | " | ** | 8 | 8 & | -21 |
| ,, | 228 226 | | ,, | થાં જા | | " | æ | 37 | থ |
| 23 | 229 | | 642 | | | | | | |
| ,, | | ۶ ۶ | ,, | | ı | _ | 2455 | | |
| ,, | 79 | ં | | 4 | , 9 | 8 | 2 | > | થ |
| " | 22 <u>~</u> ,, | 3 | _ | | ,,, | ,, | . ২ | ,, | થ થ |
| ,, | | > | ,, | | , | ,, | 9 | ,, | થ શ્રં |
| , | | . . | " | | 1 ** | æ | > | ર | જા ના |
| , | , , , | ` | ,, | ~4 | ; ,, | ,, | ર | • | ત્ર |

४२२

| | | | | | | ١ | 5 < < | | |
|----------|-----|-----|---------|----------|---|------------|--------------|----------------|----------|
| ख्या । | ধা। | 型! | পৃষ্ঠা। | | ত্রা। | ধা। | 알 । | श्रुका। | |
| • | æ | • | œ | ঝ | ٩ | 20 | ٥ د | 2.2 | ক |
| ,, | ,, | . 8 | ৬ | গ | ,, | >> | | ,, | ক |
| ** | ,, | œ | " | খ | ,, | >> | > | ५० २ | ক |
| " | ,, | ৬ | " | থ | ,, | ,, | 2 | " | ক |
| ,, | " | ٩ | 0 | থ | ,, | 20 | | 2 . 8 | ক |
| ৬ | ર | | 20 | ঝ | ,, | 28 | > | ,, | ক |
| ,, | ,, | | 228 | -থ | " | ٠, | > | 2 . 6 | 42 |
| " | • | > | 229 | ા | 1, | ,, | 0 | ,, | क |
| " | ,, | ર | 222 | খ | ,, | •• | 8 | 2>8 | ₹6 |
| ,, | 8 | | ≥ € | -গ | ,, | ,, | ** | >> 0 | 4 |
| ,, | ,, | | >>> | থ | ,, | ,, | œ | 256 | क |
| ٩ | 2 | 2 | 90 | ক | ,, | ,, | ٠, | २२5 | ৵ |
| ,, | ,, | ২ | ,, | ক | ,, | 36 | | > 0 | \$12 |
| ** | ,, | 0 | ,, | क | ,, | ১৬ | | 202 | ቖ |
| 1) | " | 8 | 95 | ক | ", | 59 | | " | ক |
| " | ,, | æ | ** | ক | " | 72 | | >>> | ক |
| 19 | •• | ৬ | ,, | ক | " | >> | 2 | 226 | 4 |
| ,, | 9 | | 99 | ক | ,,, | ,, | ঽ | >>> | 存 |
| ,, | 8 | | ዓ৮ | ক | ** | , , | > | 202 | ₹. |
| ** | Œ. | 2 | ۹۶ | ক | *1 | ,, | ર | 202 | 4 |
| " | ,, | ર | ,, | ₹ | " | ** | • | 200 | 4 |
| ,, | ,, | • | 40 | ক | ,, | 5.2 | | 220 | ক |
| ,, | ৬ | 2 | 22 | ठा | , ,, | 3.5 | | ,, | ক |
| ** | 17 | 2 | ,, | ক | • | २७ | > | 228 | ক |
| ,, | ,, | • | ,, | ক | 11 | ,, | 3 | 25 G | ক |
| " | " | 8 | 25 | ক | ,. | ,, | • | 229 | ক |
| ,, | 9 | 2 | ,, | 存 | ,, | ** | ,, | 522 | 4 |
| ,, | ,, | > | ,, | ক | 11 | > 8 | > | 222 | 4 |
| ,, | ,, | 9 | 20 | ক | , , | ,, | Ź | >>9 | ক |
| ,, | ,, | 8 | " | ক | ,, | ,, | • | ,, | ক |
| ,, | 11 | œ | ** | ক | ,, | > 6 | | 228 | ক |
| ,, | ,, | ৬ | ,, | क | ,, | २५ | | " | 本 |
| ,, | 4 | | >8 | \$ | , , | 3 9 | | " | T |
| " | > | > | ,, | ক | •• | 3 12 | | 226 | ক |
| ,, | ,, | ર | 22 | ক | • ,,. | >> | > | 224 | ₹ |
| ** | ٠, | 9 | ,, | ক | ., | ,, | > | >>> | क् |
| ,, | 20 | > | 29 | ক — | , ,, | ** | • | ,, | ক |
| ,, | " | ર | " | ₹ | ,,, | ,, | 8 | " | ক |
| 19 | ,, | • | 24 | क् | ٠, | ,, | æ | ** | ক |
| ,, | ** | 8 | 22 | ক | ,, | ,, | ৬ | 25 G | ক |
| ** | ,, | Œ | " | क | ,, | ٥٠ | _ | >>> | ক - |
| " | " | ૭ | " | 夜 | " | 92 | > | > 25 | क |
| ** | ** | ٩ | 200 | ₹ | ,, | ,, | " | 9 . 8 | क |
| " | ,, | 7 | ,, | ₹ | ,, | " | > | 259 | ক |
| " | ,, | > | 2.2 | ক | ,, | 3 2 | | 225 | Q. |

| | _ | | | | | 27 | 1 22 | | |
|-----|------------|------|----------------|----------|-------|--|---------------|-------------|---------------|
| | | 2855 | अका। | 1 | ত্যা। | ধা। | 出り | श्रष्टा । | |
| আ:। | সা। | প্র। | • | 西 | >> | ২০ | 2 | 282 | ক |
| ٩ | 22 | > | 250 | ₹ · | ,, | ,, | • | >৪২ ⋅ | ক |
| ,, | ** | Ž. | ,, | ₹ | " | ૨ 5 | > | ,, | ক্ |
| ,, | ,, | 3 | 252 | 1 | ••• | ,, | 2 | 280 | ক |
| ,, | 9 8 | > | 5 22 | ক | | 22 | | ,, | ক |
| 21 | ,, | ર | 250 | ₹ | ,, | રેઉ | | \$88 | ক |
| ,, | ,, | 9 | > ₹8 | ₹ | ,, | ₹8 | > | >8¢ | ক |
| ,, | ", | > | 223 | 21 | " | , | 2 | ,, | अ |
| " | " | 3 | 255 | থ | ,, | ,, | ė | ,, | ক |
| " | ** | 9 | ,, | 4 | ,, | ,,, ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | - | ১৪৬ | ₹ |
| ,, | 90 | 13 | 259 | 枣 | ,, | ₹ ७ | | ,, | ক |
| 22 | > | , | 259 | ক | ,, | 39 | > | 589 | ক |
| ,, | 0 | 2 | 229 | 4 | ,, | | <u>.</u> ۲ | >84 | ক |
| ,, | ,, | > | 254 | 4 | ,, | " ₹ b ″ | , | >8> | ক |
| ** | ,, | ২ | 252 | ক | ,, | | ર | 11 | ক |
| •• | ,, | 9 | 259 | ক | ,, | ,, | Š | 262 | ক |
| ,, | ,, | ٠, | 500 | 吞 | ٠, | ,, | 8 | ., , | ক |
| •• | ,, | ,, | 0F5 | ক | ,, | ,, | 8 | ., ১৬২ | ₹ ₹ |
| ,, | ,, | 8 | 202 | ক | , ,, | 22 | | > & O | ক |
| ,, | 8 | | 200 | ক | ,, | 90 | | > 5 S | ক |
| ,, | œ | > | 202 | ক | ,, | 95 | • | > % c | ক |
| •• | ,, | 0 | ,, | ক | ,, | ૭૨ | | | ₹ |
| ,, | ,, | 8 | ,, | ক | ,, | 99 | | ,, >48 | ক |
| ,, | ,, | œ | ,, | ₹ | ,, | 98 | | | • |
| ,, | ٩ | 2 | 200 | ক | ,, | 26 | | 200 | ₹ — |
| ,, | •• | 8 | 205 | ক | ,, | 99 | | २ ०० | ক |
| ٠, | ,, | Œ | २०० | ₹ | ,, | ৩৭ | 2 | ২৩8 | क |
| ٠, | ь | > | ,, | क | ٠, | 1, | ર | " | ₹ ~ |
| ,, | ,, | ર | 208 | ₹ | ,, | ৩৮ | | 11 | ₹ |
| ,, | > | | ,, | ক | ,, | 95 | | २३२ | એ |
| ,, | 20 | 2 | 200 | ক | | | | | |
| ., | •• | \$ | ٠, | ক | | : | 0 × 2 0 | | |
| ٠, | ٠, | 9 | 205 | Ø | > | 2 | > | २०१ | •2(|
| ٠, | >> | | ,, | ₹ | ,, | ,, | ર | २०४ | • |
| ** | 25 | | 209 | ক | ,,, | ,, | • | くっち | 4 |
| ۰, | >0 | | 704 | 75 | ,, | " | 8 | ,, | -81 |
| ٠, | >8 | > | ,, | ক | ,, | ,, | Œ | २५५ | -5 [|
| ,, | ,, | ঽ | ** | ক | ৬ | > | | ২ ৪১ | -21 |
| ,, | ,, | o | ,, | क् | ,, | 2 | | २8२ | শ্ব |
| ,, | 20 | > | 502 | क | ,, | o | > | ২৪ ৩ | • |
| ,, | ,, | ર | ٠, | ø | ,, | ,, | ২ | " | 4 |
| ,, | 29 | | 25% | ক | ٠, | ,, | 0 | ,, | 4 |
| ,, | >9 | | २७१ | | ,, | ,, | 8 | ₹88 | * |
| ,, | 34 | | 28. | 4 | ,, | " | œ | ,, | 4 |
| ,, | >> | | ,, | ক | ,, | ,, | ৬ | ,, | * |
| •• | 2. | 2 | 282 | 7 | | ,, | 9 | ₹8¢ | અ |

| | | 2450 | | | | > | ▶ ₹8 | | |
|-------|------|----------|--------------|--------------|-------|----------|-------------|-------------|---------------|
| ত্যা। | ধা। | প্র। | श्रुका। | | জা। | श्व । | 역 । | श्रुष्ठा । | |
| ৬ | 0 | 4 | ₹8@ | •ાં | 2 | ۵ | ۵ | ۴à٩ | o [|
| ,, | " | ۵ | - ২৪৬ | -থ | ,, | ,, | 2 0 | ٠, | -21 |
| " | 8 | > | ,, | **(| ,, | " | >> | • • | ঝ |
| ,, | ,, | ২ | ,, | 2 | ", | ,, | 2> | 460 | -2[|
| 1, | ¢ | 2 | ,, | ન્યાં | ٠, | •• | 20 | • • | -৩] |
| ,, | ٠, | ર | ,, | •શ | ,, | 2 0 | 2 | ፈፈን | ঝ |
| 1) | ,, | • | २८१ | ન) | ,, | - • | > | ٠, | ⊅ i |
| ,, | ,, | 8 | ,, | কা | ,, | ٠, | • | .ტიი | -2[|
| ,, | ৬ | | ,1 | ન)[| ٠, | ,, | 8 | 303 | -গ |
| ** | ٩ | | >84 | ન્શ | ٠, | 22 | | ,, | প |
| ,, | ъ | | ,, | ঠা | ٠,, | 2> | | ,, | -ગ |
| | | | | i | *1 | >0 | | 90> | -41 |
| | | | | 1 | •• | >8 | > | ., | 3 [|
| | : | 6 14 | | | ,, | ** | > | P 0 Q | থ |
| > | ২ | | ২৭৪ | গ | • • | •• | • | ,, | -গ |
| ,, | • | 5 | २90 | খ | ٠, | •• | 8 | 11 | * |
| ,, | ,, | > | ,, | •া | ,, | 2 @ | | ৬ ॰ ৪ | ચાં |
| ,, | 8 | 2 | 248 | -গ | S | Œ | | 220 | কা |
| ,, | ٠, | ২ | ٠, | -2[| ** | • | | ٠, | ঞ |
| •• | ,, | 0 | ٠, | -হা | ٠, | ٩ | | 2 22 | 10 |
| ,, | ,, | 8 | 299 | -হা | Œ | > | | ₹8₽ | -21 |
| ٠, | ,, | œ | ,, | গ | ٩ | > | 2 | 269 | ক |
| ,, | ,, | ৬ | ,, | -2 (| ٠, | •• | > | 262 | খ |
| ,, | ,, | ٩ | ,, | -> | *, | ** | 0 | ,, | • >↑ |
| ,, | ** | ٦ | 298 | ঝ | ,, | ,, | 8 | , , | એ |
| 1) | æ | | ** | -থ | ,, | ,, | œ | • • | ->1 |
| ,, | ৬ | > | २ १ 🕽 | শ্ব | 11 | ** | ৬ | C DC | -0[|
| ,, | ,, | ź | ,, | • | ,, | • | > | ** | কা |
| ,, | ,, | • | 520 | 4 | ,, | • • | > | 900 | -0[|
| ,, | 31 | 8 | ,, | 4 | ٠, | 8 | 2 | ** | * |
| ** | ,, | œ | メ トラ | - 2 i | 11 | •• | > | ,,, | 4 |
| ,, | ٩ | 2 | र४र | -থ | •• | '', | 9 | 977 | -91 |
| 1) | ,, | ર | ,, | ঞ | ** | ٠, | 8 | ,, | -)[|
| " | ** | • | 320 | • | •• | œ | > | •• | ગ |
| ,, | " | 8 | **. | -থ | • 17, | ,, | > | ,, | কা |
| ** | " | œ | 1, | -2 i | ,, | y | | 3 58 | ચા |
| 17 | 4 | _ | " | થ | ** | ٩ | > | ०४७ | ગ |
| •• | ۵ | > | 026 | 4 | ,, | 1, | ٤ - | 249 | 4 |
| " | ,, | ર | " | 4 | ,, | 1) | 9 | ,, | 4 |
| ,, | ** | 9 | ৫৯৬ | 4 | " | ,, | 8 | , | ্ |
| ** | ,, | 8 | " | 4 | ** | ъ | > | 992 | એ ચ |
| ,, | ** | æ | ,, | 4 | ** | •, |). • | 9 | ના |
| ,, | " | ৬ | ** | 4 | " | ۵ | 2 | ७৮৮ | <i>ৰ</i> |
| " | . ** | 9 | " | અ ∤ | ,, | ". | " 2 | 978 | 4 |
| •• | | Y | @ 2 9 | 46 | •• | ** | • | ~ 75 | ₹4 |

| 5858 | | | | | > ৮₹8 | | | | | | |
|---|---|--------|--------------|-------------|-----------------|-------------|----------|------------------|------------|--|--|
| ত্যা। | ধা ৷ | ध। | शृक्ष।। | 1 | জ্ঞা। | ¥ 11 | প্র। | श्रुका। | | | |
| 9 | 3 | ٠ • | ว ัง8 | -2[| ٧ | ২ | > | 924 | એ | | |
| | | 8 | ૭ કે૯ | 21 | ,, | . ,, | ર | 660 | 4 | | |
| " | " | œ | ,, | 4 | ., | • | | ** | 2 [| | |
| ٠, | ,, > ° | > | 252 | -21 | ,, | 8 | | ,, | খ | | |
| ,, | - | ٠ ۲ | ৩৬২ | 21 | ,, | Œ | | ٠, | ঝ | | |
| ,, | 22 " | | ,, | -21 | ,, | ,, | 5 | 250 | •থ | | |
| ** | | > | 975 940 | ঠা | ,, | ,, | 2 | ,, | খ | | |
| ,, | 25 | , | ०४० | ઓ | ,, | ,, | • | ,, | খ | | |
| •• | , 2 2 | , | 390 | ના | •• | ৬ | 2 | 1, | খ | | |
| ,, | | , | 272 | એ <u>'</u> | 1.7 | ,; | ર | ,, | •থ | | |
| ,, | 28 '' | • | 22. | -3[| 11 | ,, | 3 | ,, | থ | | |
| '' | 3 t | | 379 | ન્કો ' | •, | ٠, | 8 | 952 | খ | | |
| ,, | 2 b | 3 | 53° | কা | ,, | J | | ٠, | খ | | |
| ,, | | • | ,, | ٠, | ъ | ъ | > | 9 >2 | •থ | | |
| •• | •• | 8 | ,, | -2 | ** | ,. | > | ٠, | •থ | | |
| ** | ,, 59 | > | 222 | -0[| j, | , | c | ७२० | •থ | | |
| " | ,, | 3 | ,, | খ | , ,, | •• | 8 | ,, | খ | | |
| | 11 | ,, | ८৯৮ | -21 | ** | •• | Œ | 13 | থ | | |
| ,, | " | 12 | 322 | -ગ | ', , | ,, | ৬ | ,, | থ | | |
| " | 2F " | 2 | 823 | -o! | ., | ,, | ዓ | 9,8 | •01 | | |
| ••• | ,, | , | 828 | -2 | ,, | •• | 7 | ., | ત્રા | | |
| ,, | ** | 9 | •, | -25 | ,, | ۵ | > | ** | •21 | | |
| ,, | . ", | 8 | ٠, | -2[| ,, | ••• | ž | ,, | খ | | |
| ,, | , | a. | ., | - >1 | ,, | 20 | | 2) (| খ | | |
| •, | , | 39 | 526 | থ | ٠, | >> | 2 | 9 2.8 | খ | | |
| • | • | 9 | ८३५ | - 21 | | •• | ž. | ,, | -হা | | |
| ,, | •• | ৮ | " | ન્શ[| | 2,5 | | ٠, | থ | | |
| ,, | ,, | ۵ | • | ન્ગ[| ,, | 20 | | ७२ १ | •থ | | |
| • • | 55 | 5 | હરે ક | - 9† | ,, | 28 | | 19 | 4 | | |
| ,, | | > | ., | -ગ | •• | 2 a | | 922 | -2[| | |
| ٠, | २ • | | 4 0 20 | -2 [| > | ર | 2 | F8 | ক — | | |
| ٠, | > 2 | > | G . 2 | - 2[| , ,, | , | ર | ,, | ক | | |
| •• | ** | 7 | ,, | -2[| ,, | ٠, | 9 | ь¢ | ₹ | | |
| ٠, | ** | • | 650 | -2[| , ,, | ** | 8 | ,, | ক ক | | |
| ** | ,, | 8 | ٠٠. | | •• | •• | ¢ | ., ৮ ৬ | ক | | |
| ** | ** | Œ | , | -2[| ,, | 0 | | 7 9 | ক | | |
| ,, | •• | ৬ | 622 | ঝ | ,, | 8 | | হও° | -হা | | |
| ** | ૨ ૨ | | @ º S | খ | 22 | > | | • | ચ ચ | | |
| ,, | २० | 3 | SF> | 4 | " | ۶ ع | | ,, | ચ | | |
| ,, | ** | 3. | 8a, | • | , ,, | | | ,, ২৩১ | ৰ | | |
| ** | २8 | 2 | ७ २० | •ধ | " | 8 | | | ৰ ৰ | | |
| ** | " | ર | " | ৰ | " | G. | | ,, ২৩২ | - প্র | | |
| ** | ,, | 9 | ७ २५ | •থ | ,, | ৬ ৪ | | 202 224 | ক | | |
| •• | " | 8 | *, | 160 | 28 | ১ | | . 0.5 | 2 | | |
| Þ | > | | 229 | -0[| ' " | 9 | | | ~ | | |

| | 21 | ر ا | | | ን ৮২৫ | | | | | | |
|----------|----------|----------------|-------------|------------|--------------|--------|--------|--------------------|------------|--|--|
| আ∤। | ধা। | প্র | श्रुष्ठा। | | আ। | ধা৷ | প্রা | श्रुका। | | | |
| >8 | 9 | _ | 229 | ক | 3 | æ | 2. | 339 | 4 | | |
| , | • 8 | | ,, | ক | ,, | > | | 950 | থ | | |
| ,, | ۵ | | २৯৫ | ক | >> | > | | ২ | 4 | | |
| ,, | ` > • | | ७०२ | ক | ,, | 2 | | ₹ % @ | 4 | | |
| 2 & | > | | २३१ | থা | ,, | • | | ., | 2 | | |
| ,, | ર | | ,, | -গ | ,, | 8 | > | ,, | থ | | |
| ,, | • | | ,, | -2[| ,, | ,, | ર | २७७ | 4 | | |
| ,, | 8 | | ,, | -হা | ,, | ,, | 9 | ,, | ক্ | | |
| ,, | œ | | २১৯ | • [| ., | ,, | 8 | ,, | - | | |
| ,, | ৬ | | ,, | ન્થ[| ,, . | ,, | œ | 19 | ঞ | | |
| | | | | | ,, | œ | | २ ५ भ | -হা | | |
| | | | | | 20 | 5 | | F 8 | -ગ[| | |
| | : | ७ ४८ | | | ,, | ર | | re | • | | |
| Œ | • | > | ۵۰ | ા | ,, | c | | ४५ | 4 | | |
| ,, | ,, | ર | 22 | থ | | | | | | | |
| હ | ર | | २५७ | -গ্ | l | | | | | | |
| ,, | • | | २৮७ | থ | | > | ४२५ | | | | |
| ,, | 8 | | ,, | ক | ર | > | > | 47 | 4 | | |
| ,, | œ | | ,, | ર્ગા | ,, | ,, | 2 | ,, | ₹ | | |
| ٩ | ર | 5 | 989 | ক | ,, | ,, | 9 | ,, | 季 | | |
| 19 | ,, | ,, | 220 | ক্ | ,, | 1, | 8 | ∀ ₹ | ቖ | | |
| ,, | ,, | 2 | 209 | ক | ,, | • | | ,, | ক | | |
| ,, | ,, | • | ,, | ক্ | ,,, | 8 | | 20 | ক | | |
| ,, | • | > | ,, | ক | 8 | • | | २५७ | -24 | | |
| ,, | " | ۶. | ,, | ক্ | 1 6 | 2 | | 6 . 2 | - প্ৰ | | |
| ,, | ,, | • | 262 | ক | ,, | • | | 622 | ঝ | | |
| ,, | ,, | 8 | ,, | ক | > . | ź | | ७३२ | •4 | | |
| ,, | ,, | œ | C3C | ক | ,, | ,, | | æ ን ° | વા | | |
| ,, | ** | ৬ | ,, | ক | ,, | 9 | | 689 | એ[| | |
| ,, | ,, | ٩ | 9 9 C | ক | ,, | 8 | | ৫ ५२ | 41 | | |
| ,, | 8 | > | ,, | ক | 25 | 2 | | 228 | থ | | |
| ,, | ,, | ২ | 38 6 | ক | ,, | ર | | " | ৰ ব | | |
| 19 | ,, | • | ,, | ক | ,, | 0 | | ,, | ঞ শ্ব | | |
| , | ,, | 8 | 985 | ক | ,, | 8 | _ | 260 | ৰ কা | | |
| ,, | ,, | œ | ,, | ক | • ". | Œ | > | ,, ,, | 4 | | |
| 11 | œ | > | • 90 | ক | ,, | ,, | ર | ૭৯৬ | শ্ব | | |
| ,, | ,, | ર | ,, | ব্ | ,, | ,, | • | " | ঝ | | |
| ** | ৬ | | 690 | ক | ,, | ৬ | 2 | ,, ۹ <i>۹</i> د | শ | | |
| 7 | œ | > | 82 | -থা | " | ,, | ર | | শ্ব শ্ব | | |
| ,, | ,, | 2 | ,, | 2 | ,, | G | 8 | ,, | শ্ব শ্ব | | |
| ,, | ৬ | | 88 | •থ | " | ,, | œ. | ,, | -વ -થ | | |
| > | ર | > | > 9 | ক | ,, | " 9 | ٠ 2 | ر. عدد | ય | | |
| ,, | ** | 2 | " | ক — | ,, | | ٠ ۲ | 922 922 | শ্ব | | |
| ** | " | 9 | ,, | रू | , , | ,, | • | | 4 | | |
| " | 8 | | २७५ | ক | , ,, | ,, | • | " | 4 | | |

| | | | | | | 24 | 24 | | |
|-----|---|--------------|------------------|-------------|------|---------------|----------|----------|-----------|
| | 24: | | | į. | আ। | शा | প্র। | श्रुका । | |
| আ ' | • | - • | श्रुका। | 1 | 9 | ર | | ેઙઙ | ক |
| 2> | ٩ | 8 | 8。。 | থা : গ | ,, | 9 | | ~ ,, | ক |
| ** | ,, | Œ | ,, | ચ ચ | ,, | 8 | | ,, | ক |
| 19 | ъ | > | " | খ শ | ,, | œ | > | ં ૭૧ | ক |
| ,, | ** | ર | 8 . > | থ | " | ,, | ર | ,, | ক |
| •• | > | 5 | •• | থ থ | ,, | ,, | • | ,, | ক |
| :, | ** | ; | ,, | -বা •গ | ,, | ,, | 8 | ,, | ক্ |
| •• | •• | 9 | ٤٥٤ ,, | ગ જો | ,, | ,, | Œ | ৬৮ | ক |
| ,, | ,, | 8 | , | খ | ,, | ,, | ৬ | ٠, | ক |
| 12 | " | e. | ,, | - গ | ,, | , | 9 | ,, | ক |
| ,, | ,, | ን ዓ | ., 8°3 | -oj | , | • | > | · 35 | ক |
| ** | ٠, | - | | ના | ,,, | ,, | > | ,, | ক |
| " | ,, | 7 | " | -રો •શ | ,, | ٩ | | ,, | ক |
| 1, | 31 | " | 8 2 8 | -থা | ,, | ъ | | 90 | ক |
| " | ,, | > . | ,, | થાં | ,, | ۵ | | ٠, | ক |
| , | ,, | >> >> | ,, | ના : | • | 5 ° | | ,, | ক |
| ", | ٠, | 20 21 | ,, | ો . | ,, | >> | | ,, | ক |
| ,, | 17 | 28 | 8 ° Ct | નાં . | 21 | 3 2 | | ,, | ক |
| " | ,, | > e | ,, | -থা | ,, | 50 | | 95 | ক |
| ,, | ,, | 3 b | 8°5 | એ | •• | 28 | | ,, | ক |
| " | " | 39 | ., | -থ্ৰ | ,, | 2 @ | | ,, | ক |
| ,, | ** | 24 | ,, | -શં | ,, | > > | | 92 | ক |
| " | ., >• | 3 | 8 2 9 | •2 [| 11 | 59 | | ,, | ক |
| , | ,, | , | ٠,, | -হা | ,, | 24 | | ,, | ক |
| ,1 | ,, | 9 | 8 - 6 | -2 [| •• | >> | | ;, | ক |
| 79 | 2.2 | > | ,, | -2 [| ,, | २ ० | | " | ক্ |
| " | ٠, | ঽ | 8 0 2 | -2 [| ٠, | ₹ 5 | | 99 | Ą |
| " | ,, | 0 | ,, | ા | ,, | >> | | ,, | 夜 |
| ,, | • | 8 | 823 | 4 | •• | 20 | | ,, | T |
| ۰, | ,, | a | ,, | ক | ,, | \$ 8 | | ,, | ক |
| • | >2 | 5 | 855 | - থ | " | 2 (3 | | ,, | क् |
| 17 | | , | , | → [| •• | > 9 | | 98 | ক |
| ,, | ,, | • | 822 | - গ | | | | | |
| ,, | >0 | | ,, | 4 | | | | | |
| ,, | >8 | | 8 <i>>0</i> . | | | | 22,2 | | |
| 1) | 20 | | •• | ચા | 2 | ý | | 28 | খ |
| | | | | | ** | 8 | 2 | ,, | -থ |
| | | ५५२ १ | | | ** | " | ર | 2@ | ঝ |
| a | ર | | २२ ७ | -2 [| ", | ,, | 0 | ,, | થ |
| ** | 3 | | 229 | | ; | . | | ১৬ | শ শ |
| | 8 | | " | 4 | , ,, | b | - | ,, | ৰ ৰ |
| | | | | | " | > | > | ,, 30 | થ થ |
| | | | | | ; | ٥. | > | 39 | •થ •શ |
| | | 2252 | | - | ,, | ,, | ,, | 2 ° 9 | વ્ય •થ |
| 9 | 3 2 | ٤ | 3 220 | क | ** | ,, | " | 522 | ~ |

| | | ८१४८ | | | | 2 | ケ える | | |
|-----|-----|---------------|-------------------|--------------|---|----------|-------------|--------------|------------------|
| আ। | ধা। | 설 1 | श्रुका। | | জ্ঞা। | ধা। | প্র। | श्रुका। | |
| > | > 0 | ર | 34 | અં | ٥. | >8 | 5 | 880 | d i |
| ,, | ,, | ,, | २०४ | -থ | ,, | ,, | ર | ٠, | ચાં |
| ,, | ,, | • | 22 | থা | ,, | ,, | 9 | 885 | ঝ |
| ,, | ,, | ,, | २ ३ २ | থ | ,, | ,, | 8 | •• | ગ |
| • | ১ | | २৯ | ન્યાં | ,, | ,, | œ | ,, | 2 [|
| > | 9 | ર | ২৮৪ | ক্ | ,, | 20 | 2 | 889 | 4 |
| 2 0 | 2 | | 80° | থ | ,, | ,, | ২ | ,, | ঝ |
| ,, | ર | | ,, | •ા | ,, | ১১ | | ٠, | → (|
| ,, | 0 | 2 | ,, | খ | ,, | 59 | | ,, | ঝ |
| ,, | " | ર | 8 <i>0</i> 2 | খ | ,, | 22 | > | 384 | 4 |
| ,, | ** | • | ,, | গ | " | ,, | ર | ,, | - 2 |
| ,, | 8 | | 17 | -থ | ,, | >> | | 885 | અ |
| ,, | Œ | 2 | १७३ | •થ[| ,, | > 0 | | "` | 4 |
| ,, | ,, | ২ | ,, | থা , | ** | > 2 | | 888 | -থা |
| ,, | ৬ | > | 8 00 | থা ' | ১৬ | • | 2 | ১১ ৽ | 4 |
| " | ,, | 3 | ,, | খ | ,, | ٠, | ર | ,, | એ[|
| ,, | ,, | • | " | -ગ | 1) | 8 | | ** | ચ |
| " | ٩ | | 808 | খ | " | œ | | 922 | • |
| ,, | ъ | > | ,, | •থ | • | ৬ | | 1) | -ei |
| ٠, | ,, | ર | " | থ[| ", | ٩ | | ,,, | એં |
| ,, | ۵ | > | ,, | থ , | " | ъ | | 970 | -0[|
| " | ,, | ý | 908 | •া | ,, | ۵ | | ७३२ | અ [|
| •• | 20 | > | ,, | •থ , | 1) | 2 ° | | ,, | * 0[|
| ٠, | ٠, | 2 | " | -গ্ৰ | 22 | 9 | 2 | 5 0 2 | ગ |
| ,, | ,, | 9 | 8 9 5 | -থ | " | ,1 | 2 | 5 2 0 | એ |
| ٠, | ,, | 8 | ,, | •থ | " | ,, | 0 | ,, | কা |
| •• | " | Œ | 809 | ঝ | ,, | ,, | 8 | ,, | a i |
| ** | ,, | ৬ | ,, | ঝ | " | ") | Œ | " | • |
| ,, | ** | ٩ | ,, | -થ | | | | | |
| ٠, | ,, | ъ | 804 | • 2 [| | | | | |
| " | " | > | ,, | -ગ | | | 2200 | | |
| ,, | " | 2 0 | ** | খ | Œ | > | | ₹8 ৮ | ঝ |
| ,, | ,, | >> | 80% | ø | ,, | ٤. | | ₹85 | ના ના |
| ", | ,, | 3 2 | ", | •થં | ,, | 9 | | " | થા વ ા |
| ,, | ,, | 20 | 88• | থ | • 13 | 8 | | 360 | <i>ক</i> |
| ,, | 22 | 5 | ,, | থ | 1, | Œ | > | " | -9 1 |
| " | ,. | ર | 882 | ঝ | ,, | " 9 | • | २७५ ५२३ | 亦 |
| ,, | *, | • | ,, | ঝ | ٩ | | | | 存 |
| " | ,, | 8 | ,, | থ | , ,, | 8 | | >88 * | ጥ ማ |
| " | 21 | œ | 8 8२ | থ থ | ,, | " Œ | | 300 313 | ₹ |
| " | ,, | ৬ ১ | ,, | ৰ খ | ,, | ક | | 200 | 亦 |
| ,, | ১২ | | ,, 88 3 | જા •શં | " | 9 | > | >80 | ₹ |
| ,, | ,, | ર ે | | * | , ,, | ,, | ર | ,, | م |
| •• | 20 | 3 | 88¢ | શ | ,, | <i>y</i> | , | 5¢ 5 | क |
| | | | | | | | | | |

| | >F3• | | | | 2F-Q5 | | | | | |
|----|------|------------|--------------|----------|-------|----------|------|-----------------|-------------|---|
| আ। | ধা ৷ | 역 1 | श्रृष्ठा । | | অবা। | ধা। | প্র। | श्रुका। | | |
| | | | | | 9 | b | | 25.5 | 4 | |
| | | | | | ,, | > | | ,, | ঝ | |
| | 2402 | | | | ,, | > 0 | | 9.84 | ক | |
| Œ | ৬ | ২ | ३ २० | 4 | , ,, | ১৬ | > | ২৭১ | ক | |
| ,, | ,, | • | 19 | খ | ,,, | ,, | ર | ,, | ক | |
| ,, | ,, | 8 | ,, | ঝ | ,, | ,, | • | २७৮ | ক | |
| 6 | ર | | २४५ | क | | | | | | |
| ,, | • | | ,, | ক | 1 | | | | | |
| ,, | 8 | | >>8 | ক | ; | 2400 | | | | |
| ,, | œ | | २४५ | ক | > | 2 | | ৯৬ | ক | |
| 1) | .5 | | 902 | ক | ,, | • | | 29 | ক | |
| ,, | 9 | | २ ৯ १ | ক | ,,, | œ | • | 252 | ₹ | |
| ٠, | 4 | | २४० | ক | ,, | ৬ | | ** | ক | |
| ** | ۵ | 2 | > 25 | ক | ,, | 9 | | > ? ? | ₹ | |
| ,, | ,, | ર | ,, | क् | ,, | ъ | | 1, | ক | |
| •• | 2 0 | | २४४ | ক | ,, | ۵ | | ,, | ক | |
| •• | >> | | २४० | ক | ,, | ٥ د | | ,, | ক | |
| •• | ,, | | 58 0 | ক | ,,, | 22 | | 64 | ক | |
| 10 | 20 | | ミヤン | ক | ,, | 52 | | 95 | •)[| |
| ٠, | 28 | | 3 • 8 | ক | ,, | 20 | | ** | •থ | |
| ٠, | 2 @ | | 200 | 4 | ,, | 28 | | ,, | খ | |
| 17 | 22 | | ,, | 不 | ,, | > @ | | ,, | -থা | |
| ,. | >9 | | 000 | ক | ,, | ১৬ | | 80 | খ | |
| ,, | 22 | | ७५१ | ক | ,, | 59 | | 85 | খ | |
| •• | 22 | | 200 | ক | ,, | 28 | | ,, | খ | |
| ., | > 0 | | 124 | ক | ,, | >> | | ,, | খ | |
| ٠, | > 2 | | メ ト> | ক | '' | ý • | | " | ঝ | |
| | | | | | ,, | २১ | | ,, | ঝ | 4 |
| | | | | | ,, | २२ | | ** | ঝ | |
| | 2405 | | | " | २७ | | 89 | খ | | |
| 8 | 2 | | 499 | * | ,, | २8 | | " | 4 | |
| ٩ | 8 | | 292 | 4 | 11 | 5 G | | 3, | ঝ | |

রেবিনিউ আইনের পথদর্শকু,৷

ভূমির রাজম্বের বন্দোবস্ত

বাঙ্গালা ও বেহার ও উড়িষ্যা।

১ ধারা।

বাঙ্গালা ও বেহার ও উড়িয়ার বন্দোবস্ত ১৭১৩ সালের ইশ্তেহার।

১। मन वाक्रमा ও मन कमनी अ मन विनाय़ कीत य मन या मुवाय চলন আছে দেই চলনের ১১৯৭ দালের শুরুহইতে সুবেজাৎ বান্ধা ও বিলায়তী ১১৯৭ লা ও বেহার ও উড়িষ্যার সমস্ত ভূমির বন্দোবস্ত ১০ দশসনের সাল ইন্তক ১০ দশ

ननी शुभाउ जुमित मुम्राउ इट्रेंदिक ट्रेंडि।—১१२० मा। ४ था। १ था। वरणावस इदेवाङ्

বাঙ্গলা ও ফদলী

[বাৎ বেৎ উৎ 1]

की मार्ट्यमिर्गित् म

জ্বরীক্রমে চিরকা

১০ দশসনী ব

২। বন্দোবন্তের কালে সমস্ত ভূম্যধিকারিকে এই সমাচার দেওয়া যাইবেক যে বিলায়তের কর্মকর্ত্তী সাহেবদিগের সঞ্মুরীক্রমে দশস নের ষদ্মোবস্তের অনুসারে মোকররী জমা দশসন মৃদ্দত গেলে পরেও দ্দোবস্তের মতে ভূ চিরকালের নিমিত্তে দ্বিরতর ও বহার রহিবেক যদি ঐ সাহেবদি মির মোকররী লম্ম গের মঞ্বী না হয় তবে বহাল থাকিবের না ইতি।--> ৭৯৩ না। বিলায়তের কুর্মক ৮ আ। ৩ ধা।

লৌ নিমিতে খির ৩। প্রায়ুক্ত গরর্নর্ জেনরল বাহাদুর কৌলেলের হজুরহইতে ও বিনা মধ্বরে অ সূবে ব্যঙ্গালা ও সুবে বেহার ও সুবে উড়িষ্যার মোডালক করনম দ্বির মহিবার সং কীয় সমস্ত ভূমির দ্বির রাজন অর্থাৎ মোকররী জমার ধার্যায়ুক্তে বাদ ভূমাধিকারিদ य य वित्मवे विषय ममस समीनात ७ ठानुकनात्रश्रकृषि कृमीधि श्वत मिवात कथा। কারিদিগের কারণ ইঙ্গরেজী ১৭১৩ লালের ২২ মার্চের ইশ্তে [বাৎ বেৎ উৎ 🛭 [वाक त्वर छैर ।] হারন্মাক্রমে প্রকাশ পাইয়াছে তাহা দেই ইশ্তেহারনামার তা রিখহউতে এইক্ষণে আইনের মতে নির্দিষ্ট হইয়া নীচের লিখনানু 'সারে চলন ও জারী হইবেক ইভি।--১৭১৩ সা ১ আ। ১ ধা।

🖇 👔 ইশতেহারনামার ১ প্রথম দকা। সুবেজাই, বালালা ও বে 🕝 দশদনী বন্দোব হার 🧐 উটিয়ার মোতালক করসমুর্বীয় সমন্ত ভূমির ১০ দশসনী ভ বিলারতের কম Vol. I.

মন্ধুর হউলে ভাহা চির্ক ল বহাল থা কিবার প্রস্তাব দশ वाव कथा।

[वा९ (वर डेर 1]

ফর্টা সাহেবদিগের বন্দোবয়ের নিমিত্তে যে সকল আইন ইঙ্গরেজী ১৭৮১ সালের ১৮ সেপ্তেম্বর ও ২৫ নবেম্বর এব^০১ ই**স্ব**রেজী ১৭১০ সালের ১০ ফেব্রু আরিতে নির্দিষ্ট ছত্রাছে তদনুসারে ভুমাপিকারিদিগেরে জানান যা ইতেছে যে যে সকল অধিকারী ঐ সকল আইনের মতে আপনার বর্গতে লেখা যাই নিগের ভূমির বন্দোবন্ত স্বর্গ কিয়া আপনারদিগের পক্ষের লোক দিগের ছারা সরকারে করিবেক তাছারদিগের ভূমির যে মোকররী জ্ঞার ধাস্য ঐ বন্দোবস্তের কালে হইবেক তাহা বিলায়তের কর্মা কতা সাছেবদিগের মঞ্ব হউলে দশদনের পরেও অস্থির ও ফের ফার না হইয়া চিরকাল স্থিরতর ও বহাল রহিবেক ইতি।—১৭১৩ সা। ১ আ। ২ পা।

मणमनी वरमाव স্বের আইনের মতে ভূমির মোকররাজ মা চিরকাল বছাল র্থিবার সংবাদ জা নাইতে খ্রীয়ুভ গবর্ নর জেনরল তাহা জ্ঞানিরে কথা। [ता९ (त९ डे९ 1]

৫। ঈশতেহারনামার ২ দ্বিতীয় দফা। সংস্থাতি বিলায়তের কর্মা কর্তা সাহেদদিগের হায়ুরহুইতে খ্রীয়ুত গ্রন্থর জেনরল মার্কুইস কর্ণওয়ালিদ দাছের বাহাদুরের প্রতি এমত কর্তৃত্ব অর্শিল যে সুবে জাৎ বাস্বালা ও বেহার ও উড়িয়ার মোতালক সমস্ত জনীদার ও হজ্রী তালুকদারপ্রভৃতি ভুগাধিকারিদিগেরে এই সমাচার দেন যে **म्मान**नी तत्मातरम् त योहनेनेकरलत मर्ड डाहात्रमिर्गत ज्ञित रय দুর্বের প্রতি ক্ষমতা মোকর্রী জমার পাঠা হইয়াছে কিয়া হয় তাহা চির্কাল স্থির্ত্র ও বহাল রহিবেক ইতি।—১৭৯৩ সা। ১ আ। ৩ ধা।

ভুমাধিকারি দি গের যে ভূমির ব ন্দোব্য হয় তঃহার উপর মোকররী জ মার ধার্যোর কথা। [বাণ বেশ উনা]

৬। ইশতেহারনামার ৩ তৃতীয় দকা। দণ্পুতি ঐ এীযুত উপ বের লিখিত কর্ত্ত্রতমে সমন্ত জমীদার ও হলুরী তালুকদারপ্রভৃতি ভূমাপিকারী যাহারদিগের নিজের সহিত কিয়া স্বপক্ষ লোকদিগের সঙ্গৈ ঐ সকল আইনের মতে তাহারদিগের ভূমির বন্দোবস্ত হই য়াছে তাহারনিগেরে এই সমাচার দিতেছেন যে নরকারের সহিত তাহারদিগের ভূমির উপর দশসনী বন্দোবদের ক্রমে যে মোকররী জমার ধার্য্য হইয়াছে তাহা ঐ বন্দোবস্তের মিয়াদ অর্থাৎ নিয়মকাল গতেও অস্থির ও ফেরফার না হইয়া সেই জমাতেই সে ভূমি তাহার দিগের উত্তরাধিকারী আদিক্রমে ভোগদথলে চিরকাল স্থিরতর ও বহাল রহিবেক ইতি।—১৭১৩ দা। ১ আ। ৪ ধা।

যে যে ভূমাধিকা রির ভূমি সরকারে র থাস ত০সীলে किया वैकादमाद मि গের ইডারায় রহে তাহার ভূমির উপর भाकर्वितिशत अ মার ধার্য্য হইবার কথা। [বাণ বেণ **উ**ণ i]

৭। ইশ্তেহারনামার ৪ চতুর্থ দফা। যে যে জমীদার ও তালুক দারপ্রভৃতি ভূম্যপিকারির ভূমির উপরে উপরের প্রমাবিত দকল আইনের মতে দরকারহইতে মোকররী জমার পার্য্য হইয়া তাহারদি গের মতে অধীকার ও না কনুলের নিমিত্ত সে ভূমি সরকারের থাস তহদীলে আদিয়া কিয়া তাহা দরকারহইতে অন্যথ লোককে ইজারা দেওয়া গিয়া থাকে তাহার মধ্যে যাহারদিগের ভূমি সরকারের থাস তহদীলে আদিয়া থাকে তাহারদিগেরে ঐ শ্রীযুত জানাইতেছেন যে ঐ দকল আইনের মতে দেই ভূমির উপর যে মোকররী জমার ধার্য্য হইয়াছে কিয়া হয় দে জমা যদি তাহারা শ্বীকার ও কবুল করে তবে". পুনরায় কে ভূমি তাহারদিংগের হস্তগতা হইয়া পরেও কে জমার

অম্ভিরতা ও ফেরফার না হইয়া দেই জমাতেই তাহারদিগের উত্ত রাধিকারী আদিক্রমে ভোগদখলে চিরকাল স্থিরতর ও বছাল থাকি বেক। আর যাহারদিগের ভূমি ইজারদারদিগের ইজারায় থাকে তাহারদিপেরেও জানাইতেছেন যে সেই ইজারার মিয়াদ গত হইবা পর্যান্ত ইজারদারেরা স্বেচ্ছাক্রমে বেই ইজারাহইতে হয় উঁচাইয়া সে ভূমি সেই ভূম্যধিকারিদিগেরে ছাড়িয়া নাদিলে এব॰**্ ঐ** এীযুতের হজুরেও মঞ্র না হইলে দে ভূমিতে দেই ভূমাপিকারিরা জামল পাইবেক না কিন্তু সেই ইভারার মিয়াদ গেলে যদি সেই ভূগ্যাপিকা রিরা তাহারদিণের ভূমির যে মোকররী জমার পাঠ্য হউয়া থাকে কিয়া হয় তাহা স্বীকার ও কবুল করে তবে দে ভূমি তাহারদিগের হ্রুগতা হইয়া পরেও দে জুমার অদ্বিরতা ও ফেরফার না হইয়া দেই জমাতেই তাহারদিগের উত্তরাগিকারী আদিক্রমে ভোগদথলে চিরকাল স্থিরতর ও বহাল রহিবেক ইতি।—১৭৯৩ মা। ১ আ। ৫ পা।

৮। ইশতেহারনামার ৫ পঞ্চম দফা। সরকারের থাসের যে ভূমি আছে ও পশ্চাৎ যে ভূমি থাদ হয় দে ভূমি যদি অন্য লোককৈ র যে ভূমি জনাকে দেওয়া যায় তবে দিবার কালে দে ভূমির উপর যে মোকররী জমার পার্য্য হয় সেই জমাতেই সে ভূমি সেই লোকের উত্তরাধিকারী আদি ক্রমে ভোগদথলে চিরকাল স্থিরতর ও বহাল রহিবেক ইতি।--১৭৯৩ সা। ১ আ। ৬ ধা।

সরকারের থাসে দেওয়া যায় ভাছার উপরে মোকর্রা এ মার ধার্য্য হইবার [বাৎ বেৎ উৎ]

১। ইশতেহারনামার ৬ ষষ্ঠ দফা। সমস্ত জমীদার ও হজুরী তা লুকদারপ্রভৃতি ভূম্যধিকারিরা বর্ণ সুবেজাৎ বাঙ্গালা ও বেছার ও দিনের অভাইক্রমে উঁড়িয্যানিবাদি দমস্ত লোকে জানিত যে অদ্যাবধি কথনো ভূমির জমার পার্য মোকররীমতে হয় নাই তমাৎ এ দেশের পূর্কোর হাকি র হইও তাহার ক মেরা প্রাচীন দাঁড়া ও চলনক্রমে কথনো২ ভূম্যাপিকারিদিণের স্থানে বেশী তলব করিয়া তাহা উসুলের কা**র**ণ মধ্যে২ প্রায়ই তাহার দিগের ভূমির উৎপন্ন নিশ্চয় ও তহকীক করাইয়াছেন এব ৭১ সময় বিশেষে তাহারদিগেরে দে ভূমিহইতেও উক্তাক্ত ও বেদখল করিয়া দে ভূমি অনাং **পোককে ই**জারা দিয়াছেন কি**য়া** তাহার প্রজারদি গৌর স্থানে থাজানা উদুলের কারণ মফঃ**দলে দা**জাওল পাচাইয়া ছেন। এই ক্লণে বিলায়তের,কর্মক ট্রা সাহেবেরা এমত সকল দাঁড়া কে দেশের পাত্তন আবাদের ব্যাঘাত ও থললের মূল অনুমান করিয়া কঠা নাচেবেরা থেই এ দেশের যাবদীয় লোকের কল্যাণ ও কুশলের বীজের প্রতি দৃষ্টি হেতুক প্রার্চন দ।ড়। রাথিয়া তাহারদিগেরে উপরের প্রস্থাবিত আপনারদিগের কৃত পরি রহিত ক্রিয়া মকল ন্ধার মর্মা জানাইবার জন্য হুকুম প্রচার করিলেন অতএব সমস্ত জমী স্থামর উপর মোক দার ও হলুরী তালুকদারপ্রভৃতি ভূমাধিকারী যাহারদিণের ভূমির ররী এমার থাগ্য ক বন্দোৰস্ত সরকারের সহিত হইয়াছে কিয়া হয় তাহারা নিশ্চয় জানি বেক যে তাহারদিগের ভূমির মোকররী জমার ধাগ্যের বিষয়ে বিলা.

পূৰ্বকালে হাকিম ভূমির জমা ফেরফা [319 (39 39 1)

বিলায়তের কর্ম রিয়াছেন ভাহার ক

(माक्द्रकी समाज য়তের কর্মকর্ত্তা সাহেবদিগের হজুরহাইতে যে চকুম হাইয়াছে তাহা ধার্যের বিষয়ে বি সাতেবদিগৈর ভাহা রহিত করিতে উত্তরভালের হাকি মদিগের শক্তিনা হ ইবার কথা।

ডোর স্বস্ত জানিয়া আপনারদিগের ভূ মি পতন ও আবা দের অভিশয় চেফী করণের কথা।

বাৎ বেৎ উৎ। [ढा९ ८४९ डे९ ।]

লায়তের কর্মকর্তা পরিবর্ত্ত ফেরফার করিতে বিলায়তহইতে যে সকল সাহেবকে যে এদেশের সকল কার্য্য প্রয়োজন করিবার ও তাহার বন্দোবস্তের ভার যে আজা হইয়াছে হয় তাঁহারদিগের কেহ কোনপ্রকারে সাধ্য রাথিবেন না।—১৭১৩ সা। ১ আ। ৭ পা।

১০। 角 যুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলে এই অভিপ্রায় ভ্যাধিকারিরা আ রাথেন যে সমস্ত ভূমাধিকারিরা আপনার দিগের ভূমির মোকররী পনীরদিগের ভূমি জমার পার্গ্যের ফলকে অতিসুন্দর জ্ঞান করিয়া আপনারদিগের ভূমির পরনের ফলকেনি উৎপন্নবৃদ্ধির নিমিত্তে যত চেম্টা ও তরদুদ করিবেক তাহা তাহার দিগের লাভ ও মুনাফার তরে পাইবেক এবণ ঐ উৎপন্নবৃদ্ধি তাহা র্দিনের ও তাহার্দিনের উত্তরাধিকারী ও ওয়ারিসানের স্থানে কমি ন্কালে কিছু বেশী তলব সরকারে হইবেক না।--১৭১৩ সা। ১ আ। ৭ ধা।

> ১১। এমত থাতিরজমায় স্বচ্ছদ্বে আপনার্দিগের ভূমির পত্তন আবাদে যথসাধ্য বিস্তারক্রমে চেষ্টা করে যদিস্যাৎ নিয়ত ভূমাধিকা রিদিগের এই কর্ত্তব্য আবশ্যক ছিল অভিপ্রায়ে জানা যায় যে সর কারের মালগুজারী বিনা শৈথিলা ও গাফিলীতে সময়শিরে দেয় এব°৲ ধর্মতো বিচলিত ও বিস্তৃর লোভী এব°৲ কর্কশ না হইয়া আপ नात्रिं परात्र (श्रोत ममस ठाल्कमात् उ भूजावर्गत् मञ्चल उपुमायक ও স্নেছকারক হয় কিন্তু এইক্ষণের হুকুমে ভুম্যাধিকারিদিগের সম্পর্কে যে দকল লাভ বর্ত্তিবেক তদ্ধেট পূর্ব্তাপেক্টা অতিশয়ভাক্রমে উপ রের লিখিত মর্মা সঙ্কলন সংস্থৈতি তাহারদিগের কর্ত্তব্য হয় অতএব

কৃষ্ণ অথব। মাধ্যের দর্থান্ত না শ্রনিবার 不引!

মালওজারী মৌ ঐ এীযুত অভিপ্রায় রাথেন যে ভূম্যাধিকারিরা ঐ মর্মের সঙ্কলন করা কেবল আপনারদিগের নিজের প্রতিই পরিসীমা না জানিয়া তাছার দিগের প্রয়ে যাহারা তাহারদিগের পেটার তালুকদার ও প্রজা বর্ণের স্থানে থাজানা উসুলের কারণ মফঃদলে যায় তাহারদিণোরও যথেষ্ট স্বরা ও তাকীদ করে যে তদনুসারে সর্ব্বতোভাবে ঐ মর্ম্মের সঙ্ক লন করিতে মনোযোগী হয় এতদ্ভিন্ন ভূম্যধিকারিপ্রভৃতিতে উপরের লিখিত ব্যবস্থায় বিচলিত নাহইয়া অবাধে সরকারের মালগুজারী সর্ম্বন্দণ বিনা শৈথিলো ও গাফিলীতে দিবার নিমিত্ত তাহার্দিগের ঐ শ্রীযুত এমত জানাইতেছেন যে উত্তরকাল অনাবৃষ্টি কিয়া অতি বৃষ্টি অর্থাথ শুকা কিয়া হাজা অধবা আকাশী অন্যোৎপাতে সর কারের মালগুজারী মৌকুফ কিম্বা মাফের বিষয়ের দর্থাস্ত গুনা যাই বেক না বরণ জমীদার ও হজুরী তালুকদারপ্রভৃতি ভূম্যাধিকারী যাহা রদিগের ভূমির বন্দোবস্ত উপরের প্রস্তাবিত দকল আইনের মতে দরকারে হইয়াছে কিম্বা হয় তাহারদিগের কেহ অথবা তাহার দিগের উত্তরাধিকারী ও ওয়ারিসানের কোন ব্যক্তি সরকারের মাল **छजाती ममश्रमित्त मिर्छ उक्की कर्**त्र छत्त सम्हे वाकीत जना इय ভাহার সমস্ত ভূমি না হয় সে ভূমির কিঞ্চিৎ অপশ সেই বাকী আদা য়ের অনুসারে নিতান্তই নীলাট্রে বিক্রয় করা যাইবেক ইহার ছাড়ান কদাচিত হইবেক না ইডি।—'১৭৯৩ সা। ১ আ। ৭ ধা।

১২ । इंশতেহারনামার ৭ मश्रुप्र एका। श्रीयुष्ठ शेयत्नम् (जनतम् वाशामूत कोल्मल উপরের লিখিত মন্মাধীন কাशারো কিছু मस्मर नाबान । काभी अ না জন্মিতে পারিবার কারণ আবশ্যক জানিতেছেন যে সমস্ত জমী দার ও হজুরী তালুকদারপ্রভৃতি ভূম্যধিকারিদিগেরে নীচের লিখনানু সারে জ্ঞাত করান।—১৭১৩ সা । ১ আ । ৮ ধা ।

٠,

ম্ভানলী তাল্ফ জাদিগের ভালর জ না সকল আটন নি र्षित्येत ও उम्रहो সরকারের মালওলা রী আদায়ের জ্যা ধিকারিদিগেরে কো ন আপত্তি করিতে নিষেধের কথা। [বাণ বেণ উন।] [वा९ (व९ डे९]

১৩। হাকিমের উচিত যে ছোট বড় দকল লোকের বিশেষতঃ দুস্ত ও গরীবদিগের রক্ষা নিয়ত করেন অতএব ঐ শ্রীযুত্ত সকল মফঃ मनी তাল্কদার ও প্রজাপ্রভৃতি চামী লোকদিগের কল্যাণ ও কুশ লের নিমিত্তে যে কালে যে আইন করা উচিত জানেন্সে কালে তা হাই নির্দ্দিষ্ট করেন কিন্তু এমত সকল আইন নির্দ্দিষ্ট হইবাতে কোন প্রকারে জমীদার ও হজুরী তালুকদারপ্রভৃতি ভূমাপিকারিদিগের শি রে যে মোকররী জমার ধার্যা রহে তাহা দিবার বিষয়ে তাহারদি গের কিছু আপত্তি ও ওজর হইবেক না।--১৭৯৩ দা। ১ আ।৮ ধা। ১ প্র।

১৪। শ্রীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের ভক্সমতে ইঙ্গরেজী ১৭৯০ সালের ২৮ জুলাইতে সায়েরের দান যগাৎ অর্থাৎ রের যে হাসিল মহ হাসিল মহসুল উটিয়াছে ও সেহেতুক ভূম্যধিকারিদিণের যে ক্ষতি সুল ধার্য্য হয় ডাহা ও নোকৃশান হইয়াছিল তাহার এওজ দরকারহইতে তাহার্দিণে বেও দেওয়া গিয়াছে অতএন এইক্ষণে ঐ এীযুত দকল লোককে এই জানাইতেছেন যে যদি উত্তরকাল সায়েরের হাসিল মহসুল পুর্বের মতে ধার্যা হয় কিয়া মতান্তরে হাসিল মহমূল লওন উচিত ल इहेरात दशा। জানা গিয়া ধার্যা হইলে তাহা উদুলের নিমিত্তে দরকারের তরফ लाक नियुक्त रय जरव ये मकन रामिन प्रश्नुतन ज्ञाधिकाविभिताव কিছু স্বত্যাধিকার থাকিবেক না ও দেজন্য আপনার্দিগের শিরের মোকররী জমাতেও কিছু কমী পাইবেক না।—১৭৯৩ দা। ১ আ। ৮ধা।২প্র।

উত্তরকাল সায়ে উসুল হইয়া ভাহা তে অনোর অংশ না রহিয়া সরকারে র থাজানার দাথি [বাৎ বেৎ উৎ।]

১৫। যে ভূমি নিষ্কর অর্থাৎ লাথেরাজীমতে এদেশি লোকদিগের ভোগদথলে আছে তাছার মধ্যে যাছা সনন্দানুসারে অসিদ্ধ ও গ্রুমা ভূমির উপর যে রী তবর কাহারো ভোগদখলে থাকনপ্রমাণ ও তহকীক হয় ভাহার উপর যে জমার ধার্য্যকরণ ঐ এরিয়ত উচিত জানেন তাহাই করিবেন ও সে জমা কেবল সরকারের মৃত্ব ও হক নোধ হইবেক ভাহার বি ভাগ ভুমাধিকারিদিগের অর্শিবেক না ।--১৭১৩ সা। ১ আ।৮ ধা। ৩ প্রা

উত্তরকাল নিফার জম ধাৰ্য্য হয় তাহা তে কেবল সরকা রের অভাধিকার হ ইবার কথা। [at < ca < 'B < 1]

১৬। ভূমাধিকারিদিগের শিরে উপরের লিথিত দফাওয়ারী ধারা ভূমাধিকারিরা যা ক্রমে যে মোকরব্বী জমার ধার্যা হইব্লাছে তাহার মধ্যে কে' কিছু হা থানাদারীদিগ

गाफू बबैनात या (धात कथा। (319 CAR 39.11 ল না হইয়া থানা দার্রীর আখরাজাথ

রের আগরাজাৎ নগদ ও ভূমিতে থানাদারী ওগয়রতের আথরাজাতে বন্দোবস্তের সময় নগৰ ও ভূমিতেৰ মিনাচ পাইয়াছে তাহা তাহার দিগের অপিকাবহুইতে থারিজ ও ন্দোরম্বে খিনাছ প' আলাছিদা জানা যায় এলনে ঐ শ্রীযুত পুজাবর্গের রক্ষণ ও নেঘারা <u> ইয়াছে তাতা থাজে</u> নীর কাস্য ভুসাপিকালিদিগের হস্তাড়া করিয়া ঐ কাষ্যে অন্যং लालक थर व कहिला अठभर थे बीगूरावर कई दे आहा स्व थे নিনাত্ত ওয়ানগার ও ভূমি নম্ম কিয়া উছার মধ্যের যে কিছু সর থানাদার্দিনরের কারে বাজেরাফুকরণ উচিত জানে। তাচা করেন। এবং ঐ এীয়ত আত্রালাং বালে জানাইতেকেন যে এমত বাকেরান্ত্রী ভূচ্যাদির যে উৎপন্ন সরকারে য়াকুঁ জমার শামি তহুগীল ছুইবেক তাছাল্যান্ট পোনীনের যাবদীর গ্রুচ জ্ঞাৎ থানা দারীর আথরাজাতে আবিবেক জন্ম থারচে লাগিবেক না। এবং সকল কালেক্ইরমাছেদকেই ভক্স হতীনেক্ষে ঐ বাজেয়াঞ্চী ভুস্সা দিবার কার্থ পুথক বিকে ভূমাপিক।রিদিগের ভূমির জমার শামিল মা ফ্রিয়া <mark>তাহা আ</mark> लाभिमा उरुभील करतन। - ১१२० मा। ১ आ। ৮ मा। ८ थ्रा

অনুপযুক্ত অধি কারিনিগের ভূমি ভাষার্দিগের অন ধিকার সময়ের বা কার কারণ নালাম না হইবার কথা। [वाद (वद छेरा]

১৭। এই আইনের লিখিত মর্মাক্রমে কাহারো এমত বোধ ना इत या (य मकल लाक रेज्यतको ১৭৯১ मालित ১৫ जूलाई তারিখের নির্দিষ্ট অনুপ্যুক্ত ভুনাপিক।রিদিগের বিষয়ের আইনের ১ প্রথম পারান্বারে অনুপযুজ চাঙ্রিয়া আপনার্নিংগ্র ভূমিতে অন্ত্রিকারী ও বেএিট্যার গাকে তাহার্দিগের ভূতির উপর ১০ দশ শনী বংকাবিষ্কের আইনের মতে যে মোক্র্রী জনার পাঠ্য হইয়াছে কিয়া হয় সেই বেএখিয়াগুকালে তাহার রাফী গড়িলে সে বার্ক,র কারণ তালারদিগের খুমি নীলালে বিজয় লয়। কিন্তু জানিবেক যে যে কালে ইফরেজী ১৭১১ মালের ১৫ জ্লাইর নির্দ্ধিট আইনের ১ প্রথন পারাজনে অলিকারিয়া অনুপাযুক্ততা গিয়া উপাযুক্ত হউ বাতে কিয়া ঐ আউন পরিব ্র অথবা মীগিত ও মৌকুফের জন্য যে কালে ঐ শ্রীসুতের হাজরহ ইতে আপন।রদিগের ভূমির গুণিয়ারী পায় দেই ভূমির মৃথিয়ারীর কাল ইফকের তাহার দিংগর ভূমির উপর নির্দ্ধা রিত মোক্ষরী জ্যার বাকীর কারণ হাঙার্দিগের ভূমি নীলামে বিক্রয় ছউতে পারিবেক যেমতে উপযুক্ত অপিকারিদিগের ভূমির উপর মোকররী জমার পাগ্য ছউলে তাছার বাকীর নিমিত্র তাহার দিগের পূমি এবং ইঞ্রেজী ১৭৯১ সালের ১৫ জ্লাইর আইনের ১ প্রগম পারাক লিখনানুসাকে অনুপযুক্ত হইবার গতিক ছাড়া যে সকল ভূমির অপিকারী আজন্ম রোগী কিয়া জন্মিরা ব্যাপিএস হইয়া আপনারদিগের ভূমি দর্বরাহের অযোগ্য হয় তাহারদিঁগের নিজেব নহিত কিয়া তাহ।রদিগের পক্ষের লোকদিগের মঙ্গে দশমনী বন্ধে। বস্তের মতে তাহারদিগের ভূমির মোকররী জমার পাঠ্য হইয়া থাকিলে তাহার বাকীর জনা যেমতে তাহারদিগের ভূমি নীলামে বিক্রয় হয় ইতি। 🗝১৭২৩ মা। ১ আ। ৮ পা। ৫ প্র।

ভুমাধিকারিরআ ১৮। ইশতেহারনামার ৮ অইটম দফা। ভূমাপিকারিরা এইক্ল প্নার্দিগের ভূমি পের সকল আইনের মতে এীযুত গ্রব্নর্জেনরল বাহাদুর কৌন্সে

লের হাজুরের বিনাত্তকুমে আপনার্নিগের ভূমি অন্যকে অর্পণ করি অন্যকে দিতে লাগি তে পারে কি না এই সন্দেহ ভণ্ডনার্থে ঐ এীয়ুত সমস্ত জমীদার ও লে তাহা শরা ও হজুরী তালুকদারপ্রভৃতি ভূম্যধিকারিদিগেরে জানাইতেছেন যে ঐ শাস্ত্র ও অন্ত গংর इ जुरत्त क्रुम ना इहरेन अ ममभु कमीमात अ र ज्ती जानक रात्र अ न् ि ज्ञाधिकारिकार्तक कमठा जाष्ट्र य जाश्रमात्रिक्तात ज्ञी ममुनस किया किथिय हाट्य निकार किया मान करत अथना अकार विकास अना কে দিতে পারে ও এমত বিক্রয় ও দানাবি ও মোদলমান ছাতির মধ্যে লে এ এলতের হল শ্রার মতে ও হিন্দু জাতির মধ্যে শাস্ত্রানুসারে হইলে ও এই গণের রের বিনা ভ্রুমেও ও উত্তরকালের সকল আইনের বাতিক্রমে না ছইলে সাবায় ও মঞ্র ভাষা দিতে পারি থাকিবেক ইভি।-১৭৯৩ সা। ১ আ। ১ ধা।

১১। ইশতেহারনামার ১নবম দফা। যে ভূমির বন্দে বন্ধ মোক ররী জনার ধায়াত্রমে সরকারে হটয়াডো কিয়া হয় সে চুমি তাহার। অংশক্রমে হুমি বি অপিকাড়িৰ এক মহালে অথবা পৃথকং মহাল নিদিডিটিগৰা রহিয়া ওমাদি ২য় ওথেৱ তাহার মোটে এক তাহুত হয় কিয়া এক তহুতে মহালং মোকররী ত্যার প্রভেদ অর্থাই তফ্রিক থাকিয়া যদি কালক্রমে সে ভূমি দমু দ্যু তাছার অপিকারির য়েচ্চায় অথবা নীলামে বিক্রয় হয় তবে সে ভূমির মধ্যের পাত্তন জাবাদ ক্ষবার যোগাঁ পতিত ভূমাদি ছাড়া জ্মার দায়। দে অ ভংকালের উত্থিত ও হানিল ভূগাদির উৎপন্ন পরিয়া তাহাতে মর নুমারে ১ইলা চির ঞামি বাব বিয়া বাকী স্থিত নেই মোকর্রী জ্যার মিলন করিলে কাল অটলভ্যে থা তাহার মর্মা ও ফলবোপ হউতে পারিবেক ও দে ভূমি একের গ্রাপ কিংকে অহার ক কার্হ্টতে অন্যের হয়গতা চটলেওসে ভূমির উপর যে মোকররী ^{থা।} জন্মার পায্য থাকে তাহার ফেরফার ১ইতে পারিনেক না কিন্তু এনত ভূমি হিস্যাওয়ারীতে এতাবতা অংশক্রমে স্বেড়ায় কিয়। নীলামে বিজ্ঞা কিয়া দান হউলে অথবা সাপারণ থাকিয়া তা•শি দিগোর মহি ও অৎশ হইতে লাগিলে তাহার একং অৎশের মোকররী ক্যার পায় যে দাঁড়ায় করা যাইবেক তাহা প্রকাশকরণ এইতেত্বক উচিত হয় যে ইহার মোকররী জ্ঞার পাগ্যের নিমিত্ত দাঁড়া স্থির না হইলে উপ রের লিথিত কালক্রমে অর্থাৎ বিক্রয়াদি হউপার দময় দেউ একং অপশের মর্ম্মের অন্ত ও ফলের নিরূপণ কিছুই না ছইয়া মোকররী জুমার পাঠা হইবার অনুসারে যে ফলবোপ আছে তাহা সর্পতো ভাবে লাভ হইতে পারিনেক না অতএন যে সক্ল দাঁড়ায় উপরের লিথিত কালক্রমে মোকররী জমার পাগ্য ছউবেক তাছা এীযুত গবর মর্ জেমরল বাহাদুর কৌন্সেলে নীচের লিথনানুসারে নির্দ্ধিষ্ট করি লেন।--১৭৯৩ সা। ১ আ। ১০ ধা।

২০। জমীদার কিয়া হজুরী তালকদারপ্রভৃতি ভূমাধিকারি দিগের [বাৎ বেৎ উৎ।] যাহার ভূমির বন্দোবস্ত ১০ দশসনী বন্দোবস্তের আইনের মতে সর কারে হইয়াছে কিয়া হয় দে ভূমি সরকারের মালগুজারীর নিমিত্তে ঐ এীবুতের হন্ধুরের ত্কুমে কিয়া কারণান্তরে আদালতের ডিক্রা মতে অংশক্রমে নীলামে বিক্রয়,হইলে সেকালে তাছার একং অং

নর ডেনরল বাতা मृत् (कोरम्भः) ह इत्त्र आहे नहारम বার কথা। [दा९ (८९ छेर ।]

(य (म क'रल অংশিদিধ্যের সহি 5 অংশ করা যায় (भड़ेर कारल भक्स অংশের মোকরবী

[**বাৎ** বেৎ উৎ1]

শের মোকররী জমার ধার্য এইরপে হইবেক যে সেই সমুদ্য ভূমির তৎকালের উৎপন্ধক্রমে তাহার মোকররী জমার যে ধার্য ও মিলন রহিত তাহার খুঁটে সেই একং অংশার উৎপন্ধক্রমে সেই একং অংশার মোকররী জমার ধার্য ও মিলন করা যাইবেক ও সেকারণে সেই সমুদ্য ভূমির উৎপন্ধ এইক্ষণের ও উত্তরকালের আইন হায়ের লিখিত দাঁড়াক্রমে বিবেচনা ও তহকীক করিতে হইবেক এবং সেই একং অংশার ভূমি সেই জমাতেই তাহার খরীদারের উত্তরাসিকারী আদিক্রমে ভোগদখলে চিরকাল স্থিরতর ও বহাল বহিবেক।—১৭৯৩ লা।১ আ।১০ ধা।১ প্র।

[ता९ (त९ डे९ ।]

২১। যদি জনীদার কিয়া গল্বী তাল্কদারপ্রভৃতি ভূম্যপিকারিদি গোর কাহারে। ভূমির কিঞিৎ অংশ অর্থাৎ কিসমই সরকারের মাল ওজারীর বাকীর নিমিত্ত ঐ শ্রীযুতের হজুরের হকুমে কিয়া কারণান্তরে चामालर उत् जिक्कीमर मीलारम निकश र ए उत्न रम निमम स्मार्ट একতা বিজ্ঞায় হইলে সেকালে তাহার মোকর্রী জমার ধার্য্য এই রূপে হউবেক যে সেই ভুমাধিকারির সমৃদ্য ভুমির তৎকালের উৎ পল্লক্রমে তাহার মোকর্রী ক্মার যে পাঁগ্য ও মিলনর্ছিত তাহার থুঁটে দেই কিসমতের তৎকালের উৎপন্নক্রমে দেই কিসমতের মোক ররী জমার যে পাগ্য ও মিলন করা যাইবেক। আরু যদি দেই কিস মৎ মংশক্রমে বিক্র হয় তবে সেকালে তাহার একং অংশ্র मांकत्री जमात भाषा अडेकरश इडेरतक या चुमाभिकातित ममुमस ভূমির তৎকালের উৎপন্নক্রমে তাহার মোকর্রী জ্ঞার যে পাষ্ট্রী ও মিলনরহিত তাহার খুঁটে সেই কিসমতের সকল অংশের তৎকা লের উৎপন্নক্রমে দেই কিসমতের সকল অপশের মোকররী জমার পার্যা ও মিলন করা যাইবেক আর সেই ভূম্যাপিকারির ভূমির কিষ মং মোটে একতা কিয়া অংশক্ষে বিক্ৰয় হইলে ভাছীৰ মোক ররী জ্মার পাথ্যের কারণ সেই ভূমাপিকারির সমুদ্য ভূমির তৎকা লের উৎপন্ন এইক্সণের ও উত্তর্কালের আইনসকলের লিথিত দাঁড়াক্রমেই বিবেচনা ও ভহকীক করিতে হইবেক এব॰১ দেই থরীদা ভূমি দেই জমাতেই দেই থরীদারের উত্তরাধিকারী আদিক্রমে ভোগদর্থলৈ চিরকাল স্থিরতর ও বহাল রহিবেক। এমতে ভূম্যধি কারির ভূমির কিন্নমৎ বিক্রয় হউলে পর তাহার অবশিষ্ট যে ভূমি থাকে তাহার মোকররা জমাতেই দেই অবশিষ্ট ভূমি দেই ভূমা পিকারির উত্তরাধিকারী আদিক্রমে ভোগদথলে চির্কাল স্থির্তর उ वहांन तहिरदक।-- ५१२० मा। ५ जा। ५० मा। ६ श्रा

[दार (तर डेर 1]

২২। যে কালে জমীদার কিম্বা হজুরী তালুকদারপ্রভৃতি ভূম্যধি কারিদিগের কেছ আপনার সমুদয় ভূমি অ° শক্রমে দুই কিম্বা অধিক জনকে বিক্রয় অথবা দান করে কিম্বা মতান্তরে দের অথবা আপন ভূমির কোন অ° শ মোটে এক জনকে কিম্বা সাধারণক্রমে জনকুএ ককে বিক্রয় অথবা দান করে কিম্বা মতান্তরে দেয় সে কালে সেই

এক ১ অপ্শের মোকররী জমার ধার্য্য এইরপে হইবেক যে দেই সম্ দয় ভূমির তৎকালের উৎপরক্রমে তাহার মোকররী জমার যে পার্য্য ও মিলনরহিত তাহার ৠুঁটে সেই একং অংশের তৎকালের উৎপন্ন ক্রমে সেই একং অংশের মোকররী জমার পার্য্য ও মিলন করা যা ইবেক ও সে কারণে সেই সমৃদয় ভূমির তৎকালের উৎপন্ন এই ৮ ণের ও উত্তরকালের আইনসকলের লিথিত দাঁড়াক্রমে বিবেচনা ও তহকীক করিতে হ**ইবেক** এব°৲ সেই একং অ°শের ভূমি যাহার্থ হস্ত্রণতা হয় সে ভূমি সেই জমাতেই তাহার্থ উত্তরাপিকারী আদি ক্রমে ভোগদথলে চিরকাল স্থিরতর ও বহাল রহিবেক। এমতে ভূম্যাধিকারী আপন ভূমির কোন কিম্মৎ মোটে এক জনকে অথবা দাধারণক্রমে জনকএককৈ বিক্রয় কিয়া দান করিলে অথবা মতান্তরে দিলে পর সেই ভূমাধিকারির অবশিষ্ট যে ভূমি থাকে তাহার মো কর্রী জমাতেই দেই অবশিষ্ট ভূমি দেই ভূমাধিকারির উত্তরাধি काती आफ्रिक्टा एडा भाग थाल हित्रको ल श्वित उत्ते ও वहान वृहि रिक । ->920 मा > जा। > o প। 2 थ।

২৩। যে ভূমির বন্দোবস্তু মোকররী জমার ধার্যাক্রমে মরকারে । বাৎ বেৎ উ🕬 ছইয়াছে কিয়া হয় সে ভূমির অধিকারী মদি দাধারণক্রমে একশা भिटल मुट्टे किया अधिक जैने शांक अथना म ज्ञि आएने अकजरनत অপিকারে রহিয়া পশ্চাৎ দুই কিম্বা অপিক জনের সাপারণ হয় তবে সে ভূমি তাহার অংশিদিগের সহিত অংশহইলে সেই একং অং শের মোকররী জমার ধার্য্য এইরূপে হইবেক যে সেই সমুদ্য ভূমির তংকালের উৎপল্লক্রমে তাহার মোকররী জমার যে গাঁহ্য ও মিলন র্ছিত তাহার খুঁটে সেই একং অংশের তৎকালের উৎপন্নক্রমে দেই একং অংশের মোকররী জমার পার্যা ও মিলন করা যাইবেক ও সে কারণে সেই সমুদয় ভূমির তৎকালের উৎপন্ন এই ক্লণের ও উত্তর कारलं आइनमकरेलं लिथिउ माँ जाकराम निरंतिका ও उर्कीक करि তে হইবেক এবং সেই একং অংশের ভূমি সেই জমাতেই একং অৎশির উত্তরাপিকারী আদিক্রমে ভোগদঐলে চিরকাল স্থিরতর ও বহাল রহিবেক ইতি।—১৭১৩ সা। ১ আ। ১০ ধা। ৪ প্র।

২৪। ইশ্তেহারনামার ১০ দশম দফা। যে কালে জমীদার কিয়া। হলুরী তালুকদারপ্রভৃতি কোন ভূমাধিকারির ভূমি দরকারের থাদ কিন্তা অংশিদিগের তহসীলে অথবা ইজারদারের ইজারায় থাকিয়া নীলামে বিক্রয় হয় সহিত অংশ হইলে কিয়া সেই অধিকারির স্বত্নাপিকারহইতে অন্যের হস্তে যায় অথবা সেভূমির মোকররী দে ভূমি সাধারণ থাকিয়া অংশিদিণের সহিত অংশ হয় এমত ভূমির মোকররী জমার ধার্ঘ্যার্থে নীচের লিথনাৰুদারে কএক দাঁড়া बिर्षि**री इडेन।—১**৭৯৩ मा। ১ আ। ১১ ধা।

গে ভূমি সরকারে র খাদ তহণীলে কি ষাইজারা থাকে তা হা নীলামে বিক্রয় জমার ধার্য্যের ডৌ লের ও সেই জামা চিরকাল স্থির থাকি বাব কথা।

[বাৎ বেৎ উৎ।]

২৫। ভূমাধিকারির স্থানে তাহার ভূমির মোকররী জমা দশদনী (বাৎ বেৎ উৎ।]

বন্দোবস্তের আইনের মতে তলব হইয়া তাহার অস্বীকার ও না কর্ লের নিমিত্ত যে ভূমি সরকারের থাস তহসীলে কিয়া ইজারদারের ইজারায় রহিয়া থাকে সে ভূমি যদি আদালতের ডিক্রীক্রমে সমুদ্য অথবা অংশক্রমে কিয়া দে ভূমির কিছু কিসমৎ মোটে অথবা অংশ ক্রমে নীলামে বিক্রয় হয় তবৈ ভূমি থাস তহসীলে থাকিলে প্রায়ত গবর্নর্ জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরহইতে তাহার উপীর যে মোকররী জমার পার্ঘ্য হয় সেই জমার নির্দিষ্টেই বিক্রয় হইবেক ও সেই জমাতেই সে ভূমি সেই থরিদারের উত্তরাধিকারী আদিক্রমে ভোগদখলে চিরকাল স্থিরতর ও বহাল রহিবেক ও যে ভূমি বিক্র रात कारल इकातमारतत इजातार धारक म ज्ञि ममुमस किया अ० শক্রমে বিক্রয় হইতে লাগিলে নীচের লিথিত মতানুসীরে বিক্রয় হই বেক। তাহার বেওরা এই যে সেই ভূমি বিক্রয়ের সময়হইতে সেই ই জারদারের ইজারার মিয়াদের বাকী যৈ কাল থাকে সেই কালের অ পিকারিত্ব স্বত্ব এতাবতা মালিকানা হক্ যাহা পূর্ব্বাপিকারিকে অর্শিত সেই মিয়াদ যাবৎ গত না হয় তাবৎ সেই মালিকানা হকু সেই ভূমির থরীদার পাইবেক ইহাতে সেই থরীদারের কর্ত্তব্য যে সেই ভূমি নীলামের কালে আদৌ একরার করে যে দেই ইজারার মিয়াদ গেলৈ ঐ এীয়তের হজুরহইতে দে ভূমির উপর যে মোকররী জমার ধার্য্য হওন উচিত হয় সেই জমা কবুল করে। তাহাতে ইজারার মিয়া দের বাকীকালের যে মালিকানা হক্ থরীদারকে অর্শিবেক তাহার ও ই জারার মিয়াদ গেলে যে মোকররী জমা সেই এরীদারের দেওয়া সঙ্গত হউবেক উছার নিরূপণ ও তায়দাদ ভূমি নীলামের সময় জানা ইতে হইবেক ও দেই[•]ভূমি দেই জমাতেই দেই এরীদারে**র উ**ত্তরা ধিকারী আদিক্রমে ভোগদ্খলে চিরকাল স্থিরতর ও বহাল রহি বেক।—১৭১৩ সা। ১ আ। ১১। ধা। ১প্র।

[বাণ বেণ উৎ 🗓

২৬। জনীদার কিয়া হজুরী তালুকদারপ্রভৃতি ভূন্যাধিকারি দিগের কাহারো ভূনি সরকারের থাস তহসীলে কিয়া ইজারদারের ইজারায় থাকিলে অথবা উত্তরকালে আদিলে যদি সেই অধিকারী আপুন ভূমিসমুদ্য কিয়া অৎশক্রমে দুই কিয়া অধিক জনকে অথবা ভিন্ন কিছা অৎশক্রমে জনকএককে বিক্রয় অথবা দান করে অথবা মঙান্তরে অন্যকে দেয় তবে যাহারদিগের হন্দে সে ভূমি যায় তাহারা তাহার মালিকানা হক্ক যাহা পুর্বাধি কারিকে অর্শিত তাহা সে ভূমি সরকারের থাস তহসীলে থাকিলে সরকারহইতেও ইজারা রহিলে ইজারদারের স্থানহইতে পাইকের ও তাহারদিগের গতিকে অর্থাৎ আহ্বাল ৪ চতুর্থ ধারার লিথিত লোকদিগের গতিকের ন্যায় হইকেক এবং তাহারদিগের ভূমির যে মোকররী জন্মার পার্যাদশ্যনী বন্দোবন্তের আইনের মতে হইয়া থাকে সে জন্মা তাহারা কবুল না করণপ্রযুক্ত সে ভূমি সরকারের থাস তহ সীলে কিয়া ইজারদারের ইজারায় থাকনঅভিপ্রায় হইয়া ঐ ছতুর্থ

ধারার লিথিত দকল ছকুম তাহারদিগের প্রতিও চলন ও জারী হই বেক। ১৭৯৩ দা।১ আ। ১১ ধা। ২ প্র।

২৭। যে ভূমি অ[ং]শিদিগের সহিত সাধারণ থাকে কিয়া উত্তর কালে দাগারণ হয় দে ভূমি যদি দরকারের থাদ তহদীলে অথবা ইজারদারের ইজারা রহে তবে এমতে দে ভূমি তাহার অংশদিদেরে সহিত অ°শ হইলে সৈ সকল অ°শের গতিক 8 চতুর্গ **পারার** লিখিত লোকদিগের গতিকের ন্যায় হইবেক ও তাহারদিগের ভূমির य মোকররী জমা দশদনী বন্দোনস্তের আইনের মতে তলব হইয়া থাকে সে জমা তাহারা কর্ল না করণপ্রয়ুক্তেও সে ভূমি সরকারের থাস তহসীলে কিয়া ইজারদারের ইজারায় থাকনঅভিপায় হইয়া ঐ ৪ চতুর্থ পারার লিথিত সকল হুকুম তাহারদিগের প্রতিও চলন ও জারী হইবেক ইতি।—১৭১৩ সা। ১ আ। ১১ পা। ৩ প্র।

[বাণ বেণ উণ।]

২ ধারা।

যাহারদের সঙ্গে সদর বন্দোবস্ত হইত তাহা।—সদর মালগুজার।

২৮। যে সকল হুকুমের বেওরা তফসীল এই আইনে লেখা আছে তদ্দেষ্টে কি জ্ঞাদার কি চৌধুরী কি তালকদার যাবদীয় ভূম্যাপিকা কুমের বেওরাদৃষ্টে রির সহিত ভূমির বন্দোবস্ত করা যাইবেক ইতি।—১৭৯৩ সা। ৮ আ। ৪ পা।

২১। যে **দকল** তালুকদার আপনারদিগের তালুকের কর্ত্তা বোধ হইবেক তাহারদিগের ভফঃদীল নীচে লেখা গেল। — ১৭৯৩ সা। ৮ আ। ৫ ধা। ১ পু।

৩০। যে সকল তালুকদার ভূমি উভয় স্বেচ্ছায় অর্থাৎ থোসথরীদ কিয়া নীলামক্রমে থরীদ করিয়া থাকে কিয়া এইক্লণে যে দকল জমী দারের নিকটে মালগুজারী করে সেই দকল জমীদারের স্থানে কিয়া অন্যং ভূমাপিকারির স্থানে অথবা তাহারদিগের পূর্বেপুরুষদিগের স্থানে দনিক্রমে পাইয়া থাকে ও ভুমাধিকারিদিগের কোবালা এতা বতা বিক্রয়পত্র কিয়া দানপত্র অথবা থালিসা শরিফার সনন্দ এপ্র কার যে দকল নিদর্শনলিপি ভূমির স্বত্তাধিকারকরণের যোগ্য হয়

তাহা নেই ভূমির হক্ দ্থলকরণের অর্থে হন্তে রাথে।--> ৭৯৩ সা।

৮ আ। ৫ ধা। ২ প্র।

৩১। যে সকল তালুকদারের তালুকাতের মালগুজারী এইক্ষণে যে [বাৎ বেৎ উৎ।] ভূমর্মধকারির নিকটে করা যার দেই ভূমাধিকারী আপন ভূমিতে

এই আইনের ছ ख्याधिकाति मिरशत **স**িত ভূমির বন্দো ट्यु इडेटात् क्या। [বাৎ বেৎ উৎ 🗓

যে গে প্রকার ভা ল্কদার আপমার দিগের ভূমির অধি কারী বোধ হইবেক ভাচার কথা।

[বাণ বেশ উপ 🛚 [বাৰ্থ বেৎ উৎ।]

অধিকার করিবার পূর্বেে কিয়া দে ভূমিতে তাহার পূর্ব্বপুরুষেরা দুখ লীকার হইবার অগ্রে দে তালুকাই হইয়া থাকে ইতি। -- ১৭১৩ সা।৮ আ। ৫ ধা। ৩ পু।

৩২। যে দকল তাল্কদারের তালুকাতের মালগুজারী এই ক্লণে ित:९ (तर छेर । যে ভুমাধিকারির নিকটে করা যায় সেই ভূমাধিকারী কিয়া তাহার পূর্ম্বপুরুষদিগের অধিকার কথনো সেই তালুকাতে না থাকে।— ১৭৯৩ সা।৮ আ। ৫ ধা। ৪ পু।

[বাৎ বেৎ উৎ।] ৩৩। যে দকল তালুকদারের তালুকাৎ উপরের লিথিত প্রকরণ দকলের ন্যায় ক্রয় কিম্বা দান অথবা উত্তরাপিকারিত্বক্রমে পূর্বাপি কারিদিগের হমুহইতে তাহার্দিগের ভোগদথলে আমিয়া থাকে ইতি।—১৭৯৩ দা। ৮ আ। ৫ ধা। ৫ পু।

যে**> খেৱাদ্রী আ** ও যে২ আয়**মা** যে দদ্দরে ভ্যাধিকারি র ভূমির শামিল র লেখা আছে ভাষা 211 [বাৎ বেৎ উৎ 🗓

৩৪। তালকাতের ভূমির সম্লুর্কে যে সকল দাঁড়া ৫ পঞ্চম ধারায় য়মা গারিজ হ^{ট্}রেক লেথা আছে দেই সকল দাঁড়। যে আয়মা ভূমির উপর জমা মোকর রীমতে নির্দ্ধার্য্য ও থেরাজী আয়মানামে থ্যাত আছে তাহার প্রতিও বহাল হইবেক ভাগা ঐ পঞ্চম গারার লিথিত তালুকাতের রক্মের হিংকে ভাহার প্রতি বিবেচনাক্রমে হুকুম হুই রাছে যে যে খেরাজী আয়ুমা ভূমির পুরস্কার ভালুকাতের সক্ষা দান এীযুত কোম্পানী বাহাদুরের সরকারের দেওয়ানী ইইবার তারি কে হৈ সকল দাঁড়। থের পূর্বের হইয়া থাকে কিয়া সেই তারিথের পরে যে টাকার বদলে ভূমাপিকারিদিণের স্থানহইতে পুরস্কারদান হইয়া থাকে দে ভূমি বহাল বহিবার ক আয়মাদারেরাযে ভূমাধিক।বিদিগেরে মালগুজারী দেয় তাহারদিগৌর म्रानश्रेष्ठ थातिक शरेरातक अरेरश्कृक या या मकल जालुकमात আপনারদিগের তালুকাতের অধিকারী তাহারদিগের ভূমি থারিজ হইবার অর্থে যে সকল দাঁড়া ধার্য্য আছে উপরের লিথিত সকল আয়মাও দেইদকল দাঁড়াভুক্ত হইয়াছে কিন্তু যে থেরাজী আয় মার পুরস্কারদান নিশ্চয় পতিত ভূমি পত্তন আবাদের কারণ সাব্যস্থ হয় এমত আয়মা যে ভূমির শামিল আছে তাহার শামিলেই পূর্বা নুসারে রহিবেক এইনিমিত্তে যে জঙ্গলবুরী ভালুকাভের সম্বন্ধে যে সকল দাঁড়া ৮ অফীম পারায় লেথা আছে সেই সকল দাঁড়া**র ডুলে** এমত আয়মাও গিয়াছে ইতি।—১৭১৩ দা। ৮ আ। ১ ধা।

डालु कमा, मिरश করণের অর্থে যেং চকুম জারী করিছে যে সকল দাঁড়া ধাৰ্য্য আছে ভাষা কালেক রাথিবার কথা।

৩ও। যে দকল তালুকদার ফলিতার্থে আপনার্রদিণের তালুকা র ভালুকাৎ থারিল তের ভূমির কর্তা আছে ও থারিজ হইবার শক্তি রাথে ভাছারা ভা হারদিনের তালুকাৎ থারিজ করিবার অর্থে যে সকল **চ্কু**ম নির্দ্ধার্য্য আছে তদনুসারে কার্য্য করিতে নীচের লিথিত বিশেষ দাঁড়াসকল কাহ্যকরণের নীতির মত কালেক্টরসাহেবদিগের নিমিত্তে নির্দিষ্ট हेत्रमात्हरत्ता मुक्ते रहेन हेडि।-११३० मा। ৮ जा। ३० था।

[तार (वर डेर 1]

৩৬। যাব**ৎ কোন তালুকদারের তালুক কাহারো শ্বন্নির্দিষ্টে** আদালতে ডিক্রী না হয় তাবৎ দেই তালুকদার আপন তালুকের বের প্রকৃত অধিকারী বোধ হইবেক অতএব উপরের ধারায় যে সকল গের সকল সনল হুকুমের প্রস্তাব আছে তাহা জারীকরণের অর্থে কালেকুট্রসাহেবদি গের কিছু একাকা তাঁহারদিগের মোতালক জিলাসকলের তালুক দারদিগের ভৌগদখলের স্বস্থাধিকার তাহারদিগের তালুকাতে থাক নের বিবেচনা ও তছকীকের প্রতি নাই কিন্তু ঐ সাহেবেরা কেবল ইহাই বিবেচনা করিবেন যে যদি তাহার্দিগের তালুকাৎ এমত হয় যে ৫ পঞ্চম ও ১ নবম ধারার লিথিত দাঁড়াসকলের অনুসারে তাহা রিজ করেবার কথান রদিগের থারিজ হইবার অধিকার আছে কি না এই বিবেচনার নি মিত্তে কালেক্টরসাহেবদিগের কত্তব্য যে সেই সকল তালুকদারের স্থানে তাহারদিগের সনন্দপত্র তলব করিয়া তাহা অবগত হইলে পর যে তালুকদারকে ঐ দকল ধারার লিখনক্রমে তালুকের ভূমির অধিকারী বুকেন্ তাহাকে ভুমাধিকারির শামিলাতহইতে থারিজ করাইয়া অবশিষ্ট তালুকদার্দিগেরে ভূম্যধিকারিদিগের শামিলে शूर्खप्रा**र तार्थन्।** यनि कान जानुकमारितृत निकरि किन्नु मनन्मश्रज **প্রস্তুত না থাকে তবে কালেক্টরুসা**হেবের কর্ত্তর্য যে সেই তালুকদা কিছু সন্দ্র নারা রের থারিজ হইবার অধিকার স্বাস্রীমণ্ডে তহকীক করিয়া এব · থিলে ইচাতে কালে সেই তালুকদার আপন ছত্মাপিকারের প্রমাণার্থে যে দকল নিদর্শন কটর সাচ্চের সে উ লিখন ও দলীল দশায় ও ভূমাধিকারী তাহার জওয়াবের যে কাগজ দোল করিবেন আ পত্র ও দলীল উপস্থিত করে তাহাসমস্ত্র জাত হইয়াও খনিয়া আপন বৃদ্ধি ও বিধেচনাক্রমে সেই তালুকদার থারিজ হইবার শক্তি রাথে কি না যথাসাধ্যে তাহার নিষ্পত্তিজনক হন ও তদনুসারে ধন্দো বস্তু করেন ইভি।—১৭১৩ দা।৮ আ। ১১ ধা।

কালেকটর মাডে ালুকদার্দি দুষ্টি করিয়া ডাংবর দিগের যাহাকে ভা লুকের অধিকারী জা নেন ভাষাকে জগা দার কিয়া অন্যভ ম)ধিকাবিহুইডে কা বাৎ বেৎ উৎ 📗

কোন তালুকদার इ।त् कथा।

৩৭। যে **দকল** তালুকদারের হকে কালেক্টরনাহেবেরা এমত নিম্পত্তি করেন যে তাহারা আপনার্দিগের তালুকের ভূমির অধি দার আপনার্দিগে কারী নছে ও তদনুসারে পূর্ব্বমতে ভূমাপিকারিদিগের শামিলাতে থা র ভালুকের অধিকা কে ভাহাতে কালেকুটরুসাহেবদিগের কর্ত্তব্য যে ভাহারদিগেরে ইহা জানান যে যদি দেই নিষ্পত্তিতে মন্যত না হয় তবে তাহার্দিগের **লাগ্ন্য আছে যে আপনারদিগের তালুকের ভূমির শ্বত্তাধিকারের দা** ওয়ায় ভূম)ধিকারিদিগের নামে জিলার দেওয়ানী আদালতে নালিশ করে তাইাতে যদি তাহারদিগের শ্বত্তাধিকার আদালতে প্রমাণ হয় তবে তাহারা ভুমাধিকারিদিগের শামিলাতহইতে থারিজ হইয়া লিশ করিতে পারি আপনারদিগের তালুকাতের মালগুজারী হজুরে করিবেক। এবং যে बाর কথা। কালে কালেক্টরসাহেবেরা তালুকাতকে ভূমাধিকারিহইতে থারিজ করেন্ও দেই ভূম্যধিকারী যদি এমত আপত্তি করে যে দেই তালু কদারেরা ফলত আপনারদিগের তালুকের এমত অধিকারী নহে যে তদন্দারে ঐ ৫ পঞ্চম ও ১ নৰম ধারাক্রমে থারিজ হয় তবেঐ দাহে বিজহটতে মন্ত না বদিপোর কর্ত্তব্য যে সে কালে তাহাকেও ইহা জানান্যে সেই তালু ১র তাহারাও সেই কাতের কর্তৃত্বের দাওয়ায় ভালুকদার্দিগের নামে আদালতে নালিশ ভালুকাৎ শামিল রা

रा गक्ल उल्क রা নাহইবার অথে কালেক্টর সাজেবে द्वा निक्शिंख करवंग দে নিষ্পান্তিতে তা হারা মন/ড নাহই লে আদালতে না

[বাৎ বেৎ উৎ।] जभोनादत्त्र। उ যেং অন্যংভ্যাধি কারী তালকাৎ থা

রু নিষ্পৃত্তিতে উভয়ে द है (स ८ उथा ग्राप्ति

মে সকল হালুফ দার পারিজ হয় তা হার: আপনার্দিগে র তালকের মাল্ড তির মারফতে নাক রিবার কথা।

তে পারিকার কথা।

्रार ८४२ छर।

যে তালুকদারেরা আপনার্দিগের তা ল্কের মালগুড়ারা থে জিলায় ভাত। ১ হসীলের কারণ ৩১ বার কথা।

[वा९ ८व९ छेर ।]

যে ভূমাধিকারি কাথ থারিজ হয় ভা ধারা তালুকাতের মালওজারার ডংগী লদারাতে নিগুজ না হটবার কথা।

[वाय दवय देव ।]

থিবার দাওয়ার আ করিতে তাহার ক্ষমতা আছে তাহাতে যদি তাহার কর্তৃত্ব স্বত্ব দালতে নালিশকরি প্রমাণ হয় তবে সেই তালুকাৎ পূর্বেমতে তাহার ভূমির শামিলে তে পারিবার কথা। ছন্টবেক অভএব ইহাতে যে কালে যে কোন তালুকের স্বত্তাপিকারের জিলার আদালতে বিষয়ে বিবাদ জন্মে সে কালে দেওয়ানী আদালতে এীযুত গবর্নর র একে মনতে নাত্র জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরের আইনের মতে বিচার ও লে ভাষার আপীল নিম্পত্তি ছইবেক। আর সে মোকদ্দমা জিলার আদালতছইতে মফঃদলআপালআ নিক্সত্তি পাইলে উভয় বিবাদির একের অম্বীকার ও নারাজীতে দালতেওসেখানহই তাহার আপাল মফঃসল আপাল আদালতে এবং তথাহইতে সদ্র তে সদর্দেওয়ানা দেওয়ানী আদালতেও তথাকার যোগ্য মোকদ্মা হইলে হইতে জাদালতের গোগ্য পারিবেক ইতি।- ১৭১৩ সা।৮ আ। ১২ ধা।

৩৮। যে দকল তালুকদার থারিজ হইবার বিষয়ে হুকুম হয় তাহা। র্দিগের সাপ্য থাকিবেক না যে আপনার্দিগের তালুকের মালগু জারী পূর্দ্দতে জমীদার কিয়া অন্য ভূমাধিকারির মারফতে করে জারী জমীদারপ্রভূ ইতি।—১৭৯৩ সা।৮ আ।১০ পা।

৩১। যে সকল তাল্কদার ৫ পঞ্চম ও ১ নবম পারানুসারে জ্মী খারিজ হর ভাহার। দার ও অন্য যে ভুগ্যাপিকারির মারফতে আপনারদিগের তালুকের মালওজারী করে তাঁহার শামিলাতহইতে থারিজ হ্য় তাহারদিগের কওনা যে আপনার দিণের তাল্কের মাল ওজারী বরাবর কালেক্ ট্রসাহেরের থাজানাথানায় পঁত্ছাইতে থাকে কিন্তু যে জিলায় তথা मोलनात (নম্জু না কার তালকাতের বাছলাপ্রযুক্ত কিয়া কারণান্তরে **এ দাঁ**ছা ব্যামো হয় তথায় কঁলেক হের তরে হউতে পারে তথায় সেই তালুকাতের মালগুজারীর তহ টরসাহেবের আজা সীলের নিমিত্তে এদেশি লোক তহ্সীলদার নিযুক্ত হইবেক ইতি। নাখানার পঁলছাই —১৭১৩ সা।৮ আ।১৪ পা।

৪০। যে সকল জগীদার ও অন্য ভূম্যধিকারিদি**গের শামিলাত**হ দিগের খানে অলু ইতে তালুকাৎ থারিজ হয় তাহারা দৈই তালুকাতের মা**লগুজারী** উमुलেत कारण उरमोलमातीरा नियुक्त रहेरातक ना तत्र मर्खमारे অন্য যশস্থান ও মতিবর লোককে তহুদীলদারী কার্য্য অর্পণ হইবেক ও দেই उस्मी नपारत्त मकल थत्र मत्कारत्त्त भिरत्न श्वाकिरवक इंछ । —১৭৯৩ সা।৮ আ। ১৫ পা।

৪১। যে ভূগির সনন্দ মোকররীমতে সেই ভূমির অনধিকারিদি কারী মৌকর্রীদার গোর নামে ছহীয়া থাকে সে সনন্দ্যদি সরকার্ছইতে ভাহারদিগেরে দেওয়া গিয়া থাকে কিয়া দরকারে মঞুর হইয়া থাকে অথবা ঞীযুত কোষ্ণানী বাহাদুরের দেওয়ানীর পুর্বেই ইয়া থাকে তবে দেই দকল নরল বাহাদ্র কৌন

যে ভূমির অন্ধি দিগের মোকর্রী দন ন্দ প্রায়ত গবর্নর জে

মোকররীদারেরা আপনার্দিগের প্রমাযুর শেষপর্যান্ত দেই ভূমিতে দেলের চল্রচ ইতে ভোগবান্ রহিবেক কিন্তু তাহারা আপনারদিগের মোকররী জমাতে দেওয়া গিয়াগ'কে माम्ली नारस्टत्त्र मामूरलत् य अक्ष वार्कसासु किञ्चा (मोकूक रहेसार्छ তাহী মল্পুরা পাইবেক ও দেই মোকররীদার্দিগের মৃত্যু হইলে পর সেই ভূমির বৃন্দোবস্তু সেই ভূমির অধিকারির সহিত এই আইনের পানা বাংগাব্রের দেওয়ানীর পুরে অনুসারে হইবেক ইতি। -- ১৭১৩ সা। ৮ আ। ১৬ পা।

৪২। যে কোন ভূমাধিকারির নামে মোকররী সনক সরকারহইতে দেওয়া গিয়া থাকে কিয়া সরকারহইতে মঞ্র হইয়া গাকে তাচাও বহাল রহিবেক এব॰ উপরের পারার লিখনগতে সায়েরের মাসুলের যে অঙ্ক বাজেয়াফ্ত কিয়া মৌকুফ হউয়াছে তাহা দেই ভূমির মোক तती जमार प्रजुता इडेरतक किन्छ जानिस्तक स्य এडे भाता अने ५ ५ ষোড়শ ধারার লিখিত দাঁড়াসকলের অস্থিরতা ও স্থিরত। বিলামতের অখিরগওন বিলায় কর্মকর্ত্তা সাহেবদিগের মঞ্বীর প্রতি তাৎপর্যা রহিবেক ইতি। - তের কর্মকর সা ১१२० मा। ৮ जा। ১१ मा।

৪৩। যেই মোকররীদার আপনার্দিগের ভোগদখলের ভূমির অপিকারী নহে কিয়া তাহারদিগের মোকররী সনন্দ এীযুত কোয়ানী বাহাদুরের দেওয়ানীর পরে হইয়া কখন তাহার মগুরা শ্রীযুত গ্র র্নর্ জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হলুরহইতে না লইয়া গাকে তাহারা সেই মোকররীহইতে নেদখল হইনেক এনণ সেই ভুমির বন্দোবস্ত এই আইনের মতে সেই ভূমির অধিকারির স্থিত করা যাই বেক কিন্তু এপ্রকার যে সকল মোকররীদার ১২ দ্বাদশ বৎসরের অপিক আপনারদিগের মোকররীতে ভোগদথল রাথিয়া গাকে তাহারা সেই ভূমাপিকারির সহিত হালের যে জনার পার্যা হয় তাহাতে সাবেক মোকররী জমাহউতে যাহা বেশী হউবেক সেই না হটয়া খাকে তা বেশী মানুলী সায়েরের মাসুলের যে অস্ক বাজেয়ায়ু কিয়া মৌকুফ হারদিগের অথে হইয়াছে তাহার থ্রচাবাদে যে পাওনা তাহাসমেত আপনার্দি মেসকলদাঁড়া ধার্য গের পরমায়্র শেষপর্যান্ত পাইবেক। কিন্তু ইহাও বিলায়তের কর্মকর্ত্তা সাহেবদিগের মঞ্বীর অপীন হউবেক ইতি।— ১৭৯৩ সা। **५ जा। ३৮ था।**

88। ৪ ততুর্থ ধারায় ত্রুম আছে যে যে দকল লোক ভূমির অপিকারী তাহারদিগের সহিত দশসনী বন্দোবস্তের পার্য্য করা যাই রুদশসনী বন্দো বেক কিন্তু যে কোন ই ভূমাধিকারী দেই ভূকুমের বাহির আছে তাহা বন্তের অর্থে চহুথ রদিগের বেওরা তক্ষীল এই যে। আদৌ জীয়ুত গবর্নর জেনরল ধারার দিগিত ছ

কি**য়ামণ্ড**র হ ইয়াখা কে অথব প্রয়ুত্ত কো চট্ট্রা থাকে তাগ্র দিগের প্রতিয়ে মুক ল দাঁড়াধায়া আছে • তাহার কথা।

[वां९ त्वर हेरा] মোকররী সমন্দ ব হাল থাক্ষের্কথা। এই ধারা এরং ১১ ধারার লিখি उभक्त में 🖫 चित् হেবদিগের অর্গান ত্রীবার কথা। | ता९ (त९ छे१ । | ভূমির অন্ধিকারী মোকর্রীদার যাতা রদিগের মোকররী সনন্দ এয়ত কোন্দা মা বাহাদ্রের দেও য়ানীর পর হইয়া ছে ওতাহার মঞ্রী শ্রম্ভ গ্রাম্নর জেন রল বাহাদুর কৌন মেলের হজুরুহইতে হইল ভাচার কথা। [বা**ৎ বে**৭ উ৭ i] মোক্ররীদারের দের যে পাওনার বিষয়ে বিলায়তের कर्मकर्वः। माट्याम গের মণ্ডুরীর আব শাক ভালার কথা।

ভ্রমাপিকারি দিগে

পিন্ট আছে ভাহার मिटशद्भ कथा। [वा९ (त९ छे९।]

কুমের বাহির যে স বাছাদৃর কৌন্সেলে যে সকল ক্রীলোককে তাহারদিগের ভূমির সমু কূল অধিকারী নি ক্রীয় কার্য্য প্রয়োজনকরণের উপযুক্তা জানেন তন্ডিল্লা ক্রীলোকের। দ্বিতীয় অল্পনয়স্ক লোকেরা। তৃতীয় যাহারা আজন্ম হতজান। চতুর্থ বাতুল এবণ অন্য যে দকল ভূম্যধিকারী শরীরাদির দোষের নির্মিত্তে আপনারদিগের ভূমির বিষয়ব্যাপারের কর্তৃত্ব না রাথে ও य मकल ज्ञाधिकातिक बीयुं ज भवत्नत् (जनतल वाशोद्धत क्लेस्स्य দুট্টতা কিম্বা তাহার্দিগের অপর স্বাভাবিক লম্মুটতাপ্রযুক্ত অনুপ যুক্ত বোপ করেন। কিন্তু যে সকল লোক জ্ঞানবান্ ও উপযুক্ত ●তাহারা যদি উপরের লিথিত অধিকারিদিগের সহিত ভূমির অ∾শী থাকে তবে দেই নকল অধিকারী কিয়া তাহারদিগের দংসারের অধ্যক্ষদিগের ক্ষমতা থাকিবেক যে সেই অংশির ঐক্যক্রমে বন্দো বস্তের করারদাদ করিয়া পশ্চাৎ যে সকল মর্ম্মের প্রসঙ্গ হইতেছে তদ্যে জনেককে আপনার্দিগের ভূমির সর্বরাহকারীর নিমিত্তে চাইর করে ইতি।—১৭৯৩ मा।৮ আ।২০ ধা।

আয়ু তগবরুনর জে ন্রল বাহাস্র কৌ ন্সেলের হজুরহুই তে गে मकल मृत्व রাহকার নিযুক্ত হট দেক ভাগার্দিগের भावकरण डेशरवत ধারার লিখিত ৭মা ধিকারিদিগের ভুমি র সরবরাংকারী কা যা হ'ইবার কথা। [बार दवर छेरा]

৪৫। ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১০ দশম আইনের লিথনানু সারে যে সকল সরবরাহকার নিযুক্ত হয় তাহারদিগের মারফতে উপরেক্ত পারার লিথিত অনুপযুক্ত অধিকারিদিণের ভূমির সরবরা হকারী কার্য্য হউনেক অতএব সেই আইনে সেই সকল নরবরাহ কারের চাহর এবণ সরবরাহকারী কাহ্যনির্বাহ এবণ সেই অপিকা রিদিগের ভরণ পোষণের রূপ নির্দ্ধিটকরণের অর্থেও কএক দাঁড়া নির্দারিত আছে ইতি।—১৭৯৩ দা।৮ আ।২১ ধা।

যে সকল ভাধিকা রী সরকারের রাকী मात्र इश अवाकी छ। কা দিবার শক্তিনা वार्थ जाग्य मिरश्र ভূমি ইজারায় কিয়া খাস তহসীলে রাখা যাইবার কথা।

৪৬। যে ভূমাপিকারিরা দরকারের বাকীদার হয় ও বাকী টাকা দিবার সাপ্য না রাথে তাহারাও ৪ চতুর্থ ধারার লিথিত ছ্কুমের বাহির জানা মাইবেক তমাঙ এপ্রকার অধিকারিদিগের সহিত তাহা র্দিগের ভূমির বন্দোবস্তু করা যাইবেক না বর্ৎ কালেক্টরসাহে বের বিহিত বিবেচনানুসারে তাছারদিগের ভূমি তিন বৎসরপর্য্যন্ত ইজারদারের ইজারায় কিয়া সরকারের থাস তহসীলে রাথা যাই বেক ইতি।—১৭১৩ সা।৮ আ। ২২ পা।

[বাণ বেণ উৎ 1]

৪৭। সাপারণ ভূমির উপর সরকারের যে জমার ধার্য্য হয় তাহা ষীকার কিয়া অস্বীকারের বিষয়ে সেই ভূমির সকল অংশির মধ্যে যাহারদিগের মন্ত্রণা অনেকের দক্ষে ঐক্য পায় তাহারদিগের মন্ত্রণা ২৩ ত্রয়োবি॰ শতি ধারার* লিখিত দাঁড়াদৃষ্টে মাত্রর হইবেক কিন্তু দেই ভূমির উপর যে জমার ধার্য্য হয় তাহাতে **যদি দেই অ**ৎশিরা

সাধারণ ভূমির উ পর গে জমার ধার্যা হয় ভাষা কবুল ও না কবুলের **অর্থে স** কল অংশির মধ্যে

মীকৃত না হয় তবে তাহারদিগের দাধ্য আছে যে দেই ভূমি অ**ংশ** যাহারদিগের বিকে করাইয়া লয় ও একং অপ্শের জমা পৃথক্ নির্দিষ্ট করায় কিন্তু চনা অনেকের নলে সেই অণশ করাইবার থরচ তাহারদিগের শিরে রহিনেক ইতি 🛏 ১৭৯৩ সা।৮ আ। ২৬ পা।

একায় ভাষাং নিগে ব্ৰ বিবেচনাট খাড ব্রুটেবার কিন্দুনা বাজ হউলে সেই ভূমি হিভাগ করাই য়লেইটে পারিবার [বাৎ বেৎ উ°়]

৪৮। যদি কোন সাধারণ ভূমির অংশ দুই কিয়া ততোধিক অধি কারিদিগের নামে নিদিষ্টি থাকে কিয়া দুই অথবা ততোপিক অপিকা মং দুই কিয়াতেও রিদিগের সাধারণ কোন ভূমির কিসমৎ তাহারদিগের পুস্থে একের নামে নির্দিষ্টি রহে কিন্তু প্রত্যেক অংশির কিসমৎ পার্থক্যক্রমে তা হারদিগের ভোগদথল এতমামে কিয়া তাহারদিগের গোমামাদিগের এতমামে থাকে তবে একং কিষমতের বন্দোবস্ত পৃথক্ং ভোগদথল কারদিগের সহিত হইবেক এব< একং কিসমতের মালগুজারীর নিশা তাহারদিগের জনাজাতের শিরে ভিন্নং রহিবেক ইতি।— বান রতে তবে ভা ११२०मा ৮ जा। ११ भा।

যদি ভূমির কিস ধিক শরিকদিগের নামে কিন্তা ভাংাব দিগের পক্ষে এক ৮ নেব নামে নিজিট থাকে ও জনে তা পন অংশে ডোগ হার বন্দোবন্ধ যে রা পে হটাবেক ভালার

৪১। যদি কোন ভুমাপিকারির ভূমি বন্ধকে থাকে ও বন্ধকলও নিয়া সে ভূমিতে ভোগবান রহে তবে তাহার বন্দোবস সেই বন্ধকল ওনিয়ার সহিত করা যাইবেক। ও যে কালে সে ভূমির অপিকারী আক্রিল ভাচার ব কি বন্ধকী টাকা দেওয়াতে কি আদা**লতে**র ডিক্রীক্রমে দেই ভূমিতে ন্দোবন্ধ যে রূপে ক ভোগদথল পায় সে কালে সে ভূমি সেই বন্দোব্যে তাহার হয়ে রামাইবেক ডাহার त्हिरतक यमि (महे तक्ककल अनिया क्रेडिन क्रिड मिंग ने भी है या থাকে তবে দে ভূমির বন্দোবস্ত তাহার অধিকারির দঙ্গে করা যাই বেক পশ্চাৎ দেই বন্ধকলওনিয়া যে কালে দেই ভূমিতে দথল পায় সে কালে সে ভূমি সেই বন্দোবয়েই তাহার হয়ে থাকিবেক ইতি।— ১१२७मा। ৮ व्या। २৮ भा।

[বাৎ বেৎ উৎ ৷] কোন ভূমি বন্ধক

[বাৎ বেৎ উৎ 🛭

৫০। যদি কোন ভূমির মোকদ্দমায় আদ্যোপান্ত বিবেচনা ও তহকীকাৎ ও দকল দফুর দৃষ্টিক্রমে বেওরা বোধ না হয় যে তাহার মোক্ষমায় জানা অধিকারী কোন ব্যক্তি কিয়া তাহার অধিকারী উপস্থিত না থাকে তবে সে ভূমি সরকারের থাস তহসীলে রহিবেক। আর ইহাতে কর্ত্তব্য যে এক ইশ্তিহারনামা এই নিদর্শনে হয় যে সেই ভূমির অধি কারী ৬ মাদের মধ্যে হাজির হয় যদি দে মিয়াদের মধ্যে হাজির না হয় তবে তাহার পর সে ভূমির বন্দোবস্ত কোন ইজারদারের সহিত ১০ দশ ব**ংসরের মৃদ্তে করা যাইবেক ও সে ভূমি ইজারা লইবার** যেউদ্যোগকর যাই বিষয়ে সে ভূমির নিকটবর্ত্তী যেভূমাধিকারির ভূমি থাকে তাহার শাপা রহিবেক যে সে জমা কবুল করিবার নিয়মেও যে সকল নিয়ম

যদি কোন ভ্ৰ'মর না যায় যে তাহার অধিকারী কোন হ্য ক্তি কিন্তা ভাষার অ ধিকারী হাজিরুনা থাকে তবে ভাচার বন্দোবদ্ধের অর্থে टिक डाहोत् कथा। [বাং বেং উং ৷]

যদি ভূমাধিকারী কালেক্টর সাহেব পার্যা করেন্ তদনুসারে সে ভূমি ইজারা লয় ইতি। ইশতিহারনামাক্রমে --- ১৭৯৩ সা। ৮ আ। ২৯ ধা।

হাজির নাহয়তবে তাহার ভূমি ইজা রা দেওয়া যাইবার

वरमावस ब्हेवाव क 411

৫১। যদি কোন ভূমির অধিকারিত্বের বিষয়ে বিরোধ হয় তবে বে ভূমির অধি কর্ত্তবা যে তাহার বন্দোবস্ত যে অধিকারী সে ভূমিতে দুখল রাখে কারিজের বিষয়ে তাহার সহিত করা যায় কিন্তু বন্দোনস্তের সময়ে সেই ব্যক্তিকে ইহা বিবাদ থাকে দে ভূ জানান যায় যে দে ভূমির অধিকারিত্বের প্রতি অন্যের দাওয়াহইতে মি যে অধিকারির ভাহার ছাড়ান রহিবৈক না বর্ণ পশ্চাৎ সে ভূমিতে যাহার অধি দৰলে থাকে ভা^{হা} কারিত্ব প্রমাণ হইবেক তাহার ভোগদথলে দে ভূমি রহিবেক ইতি। র সহিত দে ভূমির —১৭৯৩ সা।৮ আ। ৩০ ধা।

[বাৎ বেৎ উৎ 🗓 তে দখল না পায় কথা। [ता९ ८व९ छे९।]

৫২। যদি এমত হয় যে কোন ভূমির অপিকারিত্বের বিষয়ে জন কোন ভূমির অ কএকের মধ্যে বিরোধ উপস্থিত হুইয়া তাহারদিণের সকলের মধ্যে ধিকারিজের প্রতি কাহারো দথল দে ভূমিতে না থাকে তবে দে দকল লোকের দাধ্য বিবাদ জন্মিলে যা থাকিনেক যে যাবৎ দেই দাওয়া জিলার দেওয়ানী আদালতে নি^{ফ্} বং কেছ দেই ভূমি ত্তি না পায় তাবৎ দেই ভূমির ব্যাপারের নিমিত্তে জনেক সরবরাছ কারকে নিযুক্ত করে যদি তাহারা দরবরাহকার নিযুক্ত করিতে খী যে কটবা তাহার কৃত না হয় তবে দে ভূমি থাদ তহদীলে থাকিবেক ও তাহার উৎ পন্ন মালগুজারী দিয়া পরে যাহা বাকী হইবেক তাহা আমান রহি বেক ইতি।-১৭১৩ দা। ৮ আ। ৩১ ধা।

কোন জ্যার্গী মানার বিবাদ থাকি ल डेअग्न दिदामित् ভূমির বন্দোংস্ভ যে व कथा।

৫৩। যদি কোন ভূমির দীমাদরহন্দের বিষয়ে বিরোধ উপস্থিত থাকে তবে তাহার নিষ্পত্তি জিলার দেওয়ানী আদালতে হইবেক ও ইতিমধ্যে উভয়ের যাহার ভোগদথলে যে ভূমি থাকে দেই ভূমির রূপে হটবেক ভালা বন্দোবস্থ তাহার সহিত পার্থকাক্রমে করা যাইবৈক ইতি।—১৭১৩ না।৮ আ। ১২ ধা।

[বাৎ বেৎ উৎ :]

যদি কোন ভূমা র যে **জ**মাধার্য হয় ভাছা কৰুল না করে **उद्य (य**ें डेरम्) ! भ व ইবেক ভাহার কথ।।

৫৪। যদি কোন ভূমাধিকারী আপন ভূমির বন্দোরম্ভ যে জমায় ধিকারী ছাহার ছুমি চাহ্র হয় তাহাতে কবুল না করে তবে কালেক্টরসাহেবের কর্ত্তব্য যে সেই অধিকারী তাহার যে আপত্তি ও ওজর রাথে তাহার বেও র। আপন বিবেচিত বিবরণসৃদ্ধা বোর্ড রেবিনিউর সাছেরদিগের নিকটে লিথেন্ ঐ বোর্ডের সাহেবেরা বিবেচনান্তে সেই ভূমির যত জমা ধাৰ্ঘ্যকরণ আবশ্যক জানেন তাহাই করিবেন তাহার পরেও

🧝 সেই জমার কনুলের বিষয়ে সেই অধিকারির সম্মতি চাহিয়া যদি সে কবুল না করে তবে তাহার ভূমি ইজারা কিয়া থাস তহসীল যাহা ঐ ৰোর্ডের সাহেবদিগের মঞ্র হয় ভাছাভেই রাথা ঘাইবেক ও যে ভূ মির অধিকারী কবুল না করে ভাহার কর্ত্তব্য যে আপন নাকবুল লি থিয়া দেয় ইতি।—১৭৯৩ দা। ৮ আ। ৪৩ ধা।

সরকারের মাল ৫৫। যে সময় ভূমির বন্দোৰম্ভ জমীদার কিছা হস্কুরী ভালুকদার

অথবা অন্য ভুমাধিকারিদিণের কিয়া তাহারদিণের পক্ষের লোকদি ওজারীর কারণ ভুষা গের সহিত সরকারে হয় সে সময় সরকারের মালগুজারীর জামীন ^{ধিকারিদিণের} খানে তাহারদিগের দেই ভূমিই হইবেক কিন্তু যে সময় কোন ভূমি ইজারা দেওয়া যায় সে সময় সরকারের মালগুজারী সময়শিরে ইইবার কা রণ সেই ইজারদারের স্থানে মালজামিন লওয়া যাইবেক ইতি। ১৭৯৩ সা। ২ আগা ৩৭ ধা।

জামিন না লটবার এবং ইজাব্দাক্দি গের স্থানে জামিন লইবার কথা। [বাণ বেণ উণ ৷]

ইনসকলের মতে ভূমাধিকারী কিম্বা ইজারদারের সহিত ভূমির বন্দো হইলে 🖲 যুভ গবর বস্তু হইলে পর বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের কর্ত্তরা যে ঐ 🖫 যু তের হল্পুরের বিনাছকুমেই মাফিক মামুল দে ভূমির বন্দোবসী পর ওয়ানা সেই ভূমাধিকারী অথবা ইজারদারকে দৈন এবং ঐ ত্রীযু তের হন্তুরে তাহার সমাচার করেন ইতি।--১৭১৩ সা। ২ আ। ৪০ খা।

ভূমির বন্দোবন্ত নর জেনর ল বাহাদ্র कोन्रमला विना **ত**কুমে**ই সে** ভূমির রন্দোরস্ত্রী প্রওয়া না ৰোভ রেবিনিউ ইউতে দিবার কথা। [বাৎ বেৎ উৎ।]

৫৭। সদরের মালগুজার সকল জমীদারেরা ও হজুরী তালুকদার ও অন্যথ ভুমাধিকারী ও মফঃদদী তালুকদারেরা ও ইন্ধারদারেরা এব প ঐ সকলের স্থানে যাহারা ইজারা লইয়া থাকে তাহার এব প তাহার্দিগের জনাজাতের গোমাস্তারা ও কার্য্যকারক ওচাকর ও অনুগত ও প্রজারদিগৈর সকলকে নিষেধ আছে যে জিলার দেওয়ানী আদালত এবং দায়ের ও সায়েরের আদালতের মোতালক এবং ফৌজদারীর সাহেবের এলাকার মোকদমাসকলের কোন মোকদ মায় কোন প্রকারে হস্ত না দেয় যদি ইহাতে অন্যথা করে তবে যে কোন আদালতের সাহেবের নিকটে ইছার নালিশ হইবেক সেই সাহের যন্ত দণ্ড উচিত জানেন তাহা সরকারে লইবেন এবণ ফরিয়া দীর নোকসানের টাকাও দেওয়াইবেন ইতি।—১৭৯৩ সা। ৮ আ। ৬৬ পা।

আদালত সকলে র মোডালক কোন মোকেদ্যায় চন্তু দি তে ভূমাধিকারিপ্র ভৃতিকে নিষেধের কথা।

বাি বে৭ উৎ।

৫৮। मनरत्त्र भानश्रकात मकन जुभाधिकाती ও ই कातमारत्त्रस्त কর্লিয়তের লিখিত যে সকল একবার ইঙ্গানেজী ১৭৯৩ সালের শারা ক্রুলিয়তের ৪১ আইনের লিথনানুসারে ছাপা ও জারীছওয়া কোন আইনের লিণিত যে একরার মতে মৌকুফ না হইয়া থাকে তাহ। স্থিরতর ও বহাল জানা যাইবেক। ইত্তি।—১৭৯৩ সা।৮ আ। ৬৭ ধা।১ প্র।

৫৯। যে ভূম্যধিকারিদিগের ভূমির বন্দোবস্ত হইয়াছে তাহারদি शोत या रकर ेमरे तान्मावास्त्रत छोतिथ अव° > ० मनमनी तान्मावस চির্কাল থাকিবার নিদর্শনে যে ইণ্ডেহারনামা হইয়া ডাহা ইঙ্গ রেজী ১৭৯৩ দালের ১ প্রথম আইনে লেখা গিয়াছে তাহার তারিথ ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ২২ মার্চ এই উভয় তারিথের মধ্যে অপিন ভূমির মাভবরীতে কর্জ লইয়া থাকে তাছা এবং সে কালে যে সকল দাঁখা ও হকুম জারী ছিল তদমুলারে আপন ভূমি বিক্রয় C 2

কোন আইনের মৌকুফ না চইয়া থাকে তালা বহাল থাকিবার কথা। [বাৎ বেৎ উৎ।]

যে ভুমাধিকারী ভূমির বন্দেবস্থের ভাবিথ ও উল্বে जी ১৭৯৩ म:स्लब ২২ মার্চ এই দুই তারিপের মধ্যে ক জ্জ লইয়া থাকে কি

धारक स्म कड़्ड उ থাবিজ দাখিল মাত বর হইবার কথা। [दा९ (व९ उ९)]

इन्ट्रजी २१४१ भारतत् ৮ खुरनत् রিজদাথিল হ'ইয়া ছে ভাহাও মাতবর বহিবার কথা।

ষা আপন ভূমি খা কিয়া মতান্তরে চলবিচল অর্থাৎ থারিজনাথিল করিয়া থাকে এমত বিজ্ঞা দাখিল করিয়া বিক্রয় ও থারিজদাথিল সিদ্ধ হইবেক। এবণ কোন ভূম্যধিকারী ও মফঃদলী তালুকদার ইঙ্গরেজী ১৭৮৭ দালের ৮ জুনের পর আপন অধিকার ভূমি কিয়া মফঃদলী তালুক নিশ্চয় থারিজদাথিল করিয়া থাকিলে এপ্রকার ভূমির থারিজদাথিল যাহা ঐ তারিথেরছওয়া আইনের মতে বোর্ড রৈবিনিউর সাহেবদিগের বিনাঅনুমতিতে হই বার হকুম আছে ও তদনুসারে হইয়া থাকে তাহাও মাতবর জানা পর যে ভুমির খা যাইবেক আর ইঙ্গরেজী ১৭৯০ সালের ২৯ অক্তোবর হইতে যে ভুমাধিকারী ও মফঃদলী তালুকদার ঐ বোর্ডের দাহেবদিগের হুকুম নী পাইয়া কর্জ লইয়া থাকে এপুকার কর্জও মাতবর বোধ ইইবেক। — ১৭১৩ मा । ৮ जा । ७१ ४। । २ ४। ।

जभीमात मिरशत হমু হইতে থানাদা রীর এথ্তিয়ার দর থাসু হ্ইবার কথা। [119 639 391]

৬০। ১০ দশসনী বন্দোরস্ত্রের আদি আইনে হুকুম আছে যে সকল জমীদারেরা আপনার্দিণের সীমাসরহদ্দে উৎপাত ও আপদ না হই বার বিষয়ে জওয়াব দেওনওয়ালা থাকিবেক এব এ বিষয়ে পশ্চাৎ যে সকল ত্কুম হয় তদনুসারেও কার্য্য করিবেক সে ত্কুম ইঙ্গরেজী ১৭৯২ সালের ৭ দিসেম্বরের নির্দিষ্ট আইনের মতে মৌকুফ হই য়াছে ও দে আইনের মর্মবিশেষের পরিবর্তে আমূলহইতে দুরস্ত হইয়া ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ২৩ ত্রেয়োরিণ্শিতি আইন নামে নিষ্কারিত হইয়াছে।—১৭১৩ সা।৮ আ। ৬৭ ধা। ৪ প্র।

যে ভূমির বন্দো নাই তাহার বন্দোব **ভের ধার্য্যে যদি** এই আইনের লি থিত ছকুমদকল ত থাকার গতিকে না যথার্থ মন্সানুসারে কার্য্য করিবার ক िताय दवय देया

(य रय काटन डेञ्च (वजी ১৭৮৮मा लिव ২৫ আপ্রিলের জা ইন্মতে কালেক্ট্র সাহেবদিগের ভূমি র বন্দোব**ন্ত ক**রিচে হউবেক ভাহার ক

বাৎ বেশ্ব উৎ।

৬১। ১০ দশসনী বন্দোবস্তের আদি আইনে হুকুম আছে যে যদি বস্তু অদ্যাবধি হয় দৈবাৎ কথন কোন স্থানের গতিক ও আহওয়াল এমত দর্শন হয় যে দে গতিকে দেই আইনের লিখিত মগ্মানুসারে কার্য্য করা যায় না তবে কালেক্টর দাহেবের কর্ত্তব্য যে দেই আইনের যথার্থ মর্ম্মে দৃষ্টি রাথিয়া কার্যা করেন্ এবং তৎকালে দেই আইনের মর্মোর যাহা ন্াাধিককরণ আবশাক জানেন্ তাহার বেওরা সম্বাদ বোর্ড রেবি চলে তবে কালেক নিউর সাহেবদিগেরে দেন এইক্সণেও সেই ত্রুম যে ভূমির বন্দোবস্ত দর দাহের তাতার অদ্যাবধি হয় নাই সেই ভূমির বন্দোবস্তের ধার্য্যে চলন ও জারী রহি বেক কিন্তু সেই ত্রুমের দ্বীরা কালেক্টরসাহেবের প্রতি এমত ত্রুম জ্ঞান হয় না যে আদালতের কর্চত্ব কিছু আপনার প্রতি রাথেন্ ই তি।—১৭১৩ দা, ৮ আ। ১৭ ধা। ৫ প্র।

> ৬২। উপরের লিথিত আইনে অপর এমত হ্রুম জারী হইয়া ছিল যে যদি কালেক্টর দাহেবেরা নিদর্শনী কাগজপত্র প্রস্তুত না থাকিবাতে কিয়া আবশ্যক দকল বেওরা সম্বাদ না পাইবাতে অথবা **অন্য প্রতিবন্ধ**কেতে না পারেন যে নির্দারিত নক্<mark>শাক্রমে সকল</mark> পর গনার বন্দোবন্ত প্রতি সুবার চলিত ১১৯৭ সাল গত ছইবার পুর্বে পূর্ণ করিতে না পারেন্ উবৈ তাহাতে কালেক্টর সাহেবদিগের কর্ত্তুন্ত যে তাহার বন্দোবস্ত বন্দোবস্তের প্রথম সনের অব্যবহিত্পুর্বে নির্দিষ্ট विश्रमा ১১৯৬ मालित तत्मातस्युत अर्थ (य मकन भाषा इन्नात जी

১৭৮৮ সালের ২৫ আপ্রিলের নির্দারিত আইনে নির্ণীত আছে দেই সকল দাঁড়াক্রমে কেবল এক সনের জন্য করেন ইতি।—১৭১৩ সা।৮ আ। ৬৭ পা। ৬ পু।

৩ ধারা।

प्रकालो तत्मतावस्र ।—(शठात प्रकाशनो जान्कतात ।

৬৩। যে সকল তালুকদার এইক্ণে আপনার্দিগের ভূমির মাল গুজারী অনা ভূমাধিকারির মারফতে করে ও তাহারদিগৈর সনন্দ শাবেক দশুরে আ সকলে যদি এমত লেথা থাকে যে আপনার্দিগের তালুকাতের মাল **গুজা**রী সেই ভূম্যধিকারির মারফতেই করিতে থাকে **তবে** তাহার। পূর্ম্বানুসারে সেই ভূমাধিকারির মারফতেই আপনারদিগের তালুকা তের মালগুজারী করিবেক ইতি।—১৭১৩ দা।৮ আ। ৬ ধা।

ষে যে তাল্কদার পনার্দিগের তাল্ কের মালওজারী অ ন্য ভূমাধিকারির মা রফতে করিবেকভা হার কথা। [বাণ বেণ উৎ।]

৬৪। যে দকল ভালুকদারের ভালুকাত কোন ভূম্যপিকারির নি**দ** শ্নলিপি কিয়া সনন্দক্রমে নির্দিষ্ট থাকে ও ত্রদনুসারে সেই তালুকা গতিকে ভূমাধিকারি তের কর্তৃত্ব তাহারদিগেরে না অর্শে বর্ণ কেবল তাহার মালগুজারী দিগের স্থানে গণ্য দিবার মতে কি**য়া সেই সকল সনন্দ**পত্রের লিথিত কটে সেই তাল্ কাতে তাহারদিগের ভোগাধিকার থাকে তবে তাহারা কমস্ত পাউ। দার্দিগের ন্যায় জ্ঞান হইবেক ভুমাধিকারিদিগের ন্যায় জানা যাই বেক না অতএব সেই ভালুকদারেরা তাহারদিগের ভালুকাতের মাল গুজারী এইক্লণে সেই ভূম্যপিকারির নিকটে করে এ কারণ সেই ভূম্য ধিকারির ভূমিহইতে সেঁই তাল্কাত থারিজ রাথিবার শক্তি তাহার দিগের হইবৈক না ইতি।—১৭৯৩ সা।৮ আ। ৭ পা।

ভালুকদারের।যে না হইয়া কেবল পা द्वीषात्रीप्रधात नाम জান হইবেক ভাহা

[वार (वर डेर ।]

৬৫। জঙ্গলবুরী ভূমির তালুকদারেরা দেই ভূমির পাউ। নীচের লিখিত মতের ইইলে যে ভূচাধিকারির স্থানে দেই পার্টা পাইয়া নের মতের জঙ্গলবু থাকে তাহার স্থানহইতে দেই ভূমি থারিজ করিবার শক্তি রাথিবেক রী ভূমির জালুক্দী ना। यनि मिर्टे शाँखी ज्ञित जेक्टनत्ती किया आवानी कटि थारक তবে তদনুসারে সেই তালুকদার ও তাহারদিগের ওয়ারিসদিগকে দেই ভূমির চিরকালের কর্তৃত্ব এব°৲ বিক্রয় ও দামের ক্ষমতাও অর্শে কথা। এবং মিয়াদপর্যান্ত তাহারদিগেরে দে ভূমির মালগুজারী দেওয়াতেও ক্ষমা আছে অর্থাৎ যত কাল নিম্নরের নিয়ম থাকে তত কাল কর দিতে হয় না কিন্তু সেই মিয়াদ গেলে পর আদৌ যে ভূমি তাহারা আবাদ করে ডাছার মালগুজারী প্রগনার শরেমাফিক বেশী ও স্থাব ওজার ও মাথোটসমেত আসল জমার নায় তাহার্দিগের দেওয়া সঙ্গত হয় এব° যাহা নজর ও সেলামী ও রসুমওগয়রহ আপনার দিন্নোর প্রজালোকের স্থানে পায় দে সকলের অন্দরেও কিছুং দেই গেঁর পার্টামকলের পাঁটার অনুসারে নির্মারিত মালগুজারী সেওয়ার তাহারদিণের দে ওয়া যথার্থ হয় ও সেই পার্ট্টায় যদিলা 🗢 ভূমির দীমাদরহদ লেখা

এই ধারার লিখ রেরা ভূমাধিকারিচ টতে থারিজাংটতে শক্তিনা রাখিবার

[वार ८वर छर।]

ঐ ভালুকদারদি লিখিত কটের কথা। থাকে তথাচ তাহার দপ্রা যাবৎ আবাদ না হয় তাবৎ নির্ণয় হয় না ইতি।--> ৭১৩ সা। ৮ আ। ৮ পা।

रम मकल डेमुम ভালুকদারেরদের ন্যার জানা যাইবেক ভাতার কথা। [419 609 391]

৬৬। যে সকল মোকররীদারের প্রস্তাব ১৮ অফ্টাদশ পারায় রারীদার পাটাদার আছে তাহারা ভূম্যধিকারিদিগের বশতাপন্ন নহে অতএব দে মতের মোকররীদারছাড়া যে দকল ইস্তমরারীদার ভূম্যধিকারিদিগের স্বে চ্ছা ও অনুমতিক্রমে আপনার্দিণের ভূমিতে ভৌগবান থাকিয়া আপ নার্দিগের ভূমির পাউ৷ কিয়া তাহুতের অনুসারে সেই অধিকারির স্থানত্ইতে ভূমিতে দথল পাইয়া থাকে এমত ইস্মরারীদারেরা পা छोमात जानुकमारत्रत्रम् नाग्र खान इहरवक अव॰ जाहात्रमिरशत ভূমির বন্দোবস পশ্চাৎ যেমত প্রদাব হইতেছে দেইমতে করা যাই বৈক ইতি।-----১৭১৩ দা। ৮ আ। ১১ ধা।

ভ্ৰমাধিকারিরা আ পনার্দাগের পেটা त्रकःमनी अनुक मान्। मरशत् याले ध জারীর ক্রার্দাদ ভাহার কথা। [रा९ (४९ डेरा]

৬৭ ভূমির বন্দোবস্ত জমীদার ও হজুরী তালুকদার ও অন্য ভূম্য ধিকারিদিগের সহিত হইয়াছে অতএব তাহারদিগের কর্ত্ব্যথে ভাহারদিগের পেটার মফঃদলী যে সকল তালুকদার থাকিয়া তাহার দিগের মারফতে মালগুজারী করে দে দকল মফঃসলী তালুকদারের গেরুপে করিবেক সভিত মালগুলারীর করারদাদ সরকারে যে মিয়াদের উপার আ**প** নারা করিয়াছে সেই মিয়াদের উপর করে এই নিয়মে যে তাহারা যে মালগুজারী ওয়াজিনী সেই মফঃসলী ভালকদার্দিগের স্থানে কি রসদের ক্রমে কি ডম্ভিয়ে তলন করে তাহা সেই মফঃদলী তালুক দারেরা করুল করে আর জমীদারপ্রাভূতি ভূমাধিকারি দিগের কর্ত্রন্য যে আপনার্দিগের পেটার মফঃসলী ভাত্রদার্দিগের সহিত যে করার দান করে তাহার কৈ ফিয়ৎ তাহার দিগের জনাজাতের নাম ও তালুক ও জমার নিদ্দনে লিথিয়া দেই ক্রার্দাদের তারিথহইতে তিন মা **দের** মধ্যে কালেক্টর সাহেদের নিকটে দের ইতি।——১৭৯৩ সা।৮ আ। ৪৮ খা।

এই ধারার লি निर्धात स्थान जम। বেশীনা চাহিব'র কথা।

[बार ८वर डेरा]

৬৮। জানিবেক যে ১৮ অফীদশ পারার লিথিত যে মোকররীদা গিত মোকররীদার রেরা আপনার্দিগের ভূমি ১২ দাদশ বৎসরের অধিক মোকররী জমায় রাথিয়া থাকে তাখাতে তাজার্দিগের স্থানে কিছু জমা বেশী কি সরকারের কাশ্যকারকেরা কি ভুমাধিকারিরা তলব করিবেক না বর°৲ যে সোকররীদারেরা আপনার্দিগের ভূমি যত দিনপ্র্যান্ত মোকররो জমায় কেন না রাথিয়া দিয়া থাকে তথাচ যদি ভূম্যাধ কারী তাহারদিগের কাহাকেও এমত করারদাদ লিথিয়া থাকে যে পশ্চাৎ তাহার স্থানে জমাবেশী তলব করিবেক না তবে সে করার দাদের উল্লত্নকরণ সঙ্গত হইবেকনা কেবল যে জ্ঞার করারদাদ **इ**ड्या शास्त्र जाहार सार्वे स्मान्द्रवीमास्त्र स्नास उनव क्रियक ह তি।—১৭৯৩ সা।৮ আ। ৪৯ ধা। 8.3

৬১। ভূম্যপিকারিদিগের প্রতি মোকররীদারেরদের স্থানে জগা কে'ন স্থ্যাধিকা

বেশী তলব করিবার নিষেধ ছকুম যাহা ৪১ ধারায় লেখা আছে দে রির ভূমি খান তল হুকুম কোন ভূম্যধিকারির ভূমি থাস তহ্সীলে কিম্বা ইজারায় থাকিলে দীল কিমা ইজার য় मत्रकारत्त्र कोधाकात्रक किया इजातमारत्त्र श्रां वशाम थाकिरक না ইছাতে সরকারের কাহ্যিকারক ও ইজারদারেরা সেই মোকরুরী দারের ভূমির জমা দেই পরগনার শরেমাফিক ধার্য্য ও তলব করিতে পাবিবেক ইতি।—১৭১৩ সা।৮ আ।৫০ ধা।

৭০। মফঃসলী তালুকদার্দিগের স্থানে গরওয়াজিবী টাকা তলব না হইবার কারণ তাহার সকল দাঁড়া নীচের কএক প্রকরণানুসারে দার্দিণের স্থানে নির্দিষ্ট হইল।--১৭১৩ দা। ৮ আ। ৫১ ধা।

৭১। কোন জমীদার কিয়া অন্য ভুমাধিকারির উপর সরকারের জনা বেশী তলব ওয়াজিবী হইলে ইহাতে যদি সেই জনীদার কিয়। অন্য ভ্রমাধিকারী প্রগনার দম্বন্মাফিক কিম্বা তালকদারের সহিত যে করারদাদ হইয়া থাকে ভাহার নিয়মানুসারে জ্লমা বেশী তলবের শক্তি রাথে অথবা পূর্মেনেই তাল্কের জন্য আপন জনায় কিছু ক্মী পাইয়াছে এনিমিত্তে সেই তালুকদারের স্থানে জমা বেশী তলব করিতে পারে ও সেই তালকদারের তালকে তাহা দিবার জায়দাদ থাকে এমত নহিলে তাহার সাগ্য থাকিবেক না যে আপন পেটার কোন তালুকদারের স্থানে জমা বেশী তলব করে ইতি।---১৭৯৩ সা। ৮ আ। ৫১ ধা। ১ প্র।

৭২। যদি দেওয়ানী আদালতের জজসাহেবের নিকটে প্রমাণ হয় । বিশ্ববেশ উপ। যে কোন জমীদার কিয়া অন্য ভূম্যাধিকারী আপন পেটার কোন তাল্কদারের স্থানে অসঙ্গত টাকা লইয়াছে তবে ইহাতে সেই জঙ্গ সাহেব এইরূপে ডিক্রী করেন যে সেই জমীদার কিয়া অন্য ভূম্যাধ কারী সেই অসমত টাকার দ্বিগুণ দণ্ডক্রমে আদালতের থরচা সমেত সেই তালুকদারকে দেয় ইতি।—১৭১৩সা।৮ আ।৫১ ধা।২ প্র।

৭৩। এই আইনের অনুসারে এমত নিষেধ অনুমান না হয় যে কোন জমীদার কিয়া হজুরী তালকদার অথবা অন্য ভূম্য ধিকারী আ তে ভূম্য ধিকারিতে পনার ভূমির কিছু স্বেচ্চায় বিক্রয় কিয়া দানক্রমে অথবা মতান্তরে আপন ভূমি মফংস মফঃদলী ভালুকরপে অন্যকে না দেয় ইতি।--> ৭১৩ সা। ৪৪ আ। দী ভালুকরপে অ ৬ ধা।

৭৪। এই আইনের অনুসারে এমত বিধি ও চ্কুম অনুমান না হয় ষে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৮ অন্টম আইনের ৫১ গারার প্রথম তে দশসনী বংশার प्रकार विश्वेनकराम मनमनी तरमातरस्ता मारत (य प्रकाशनी (अत करम प्रकाशनी)

থাকিলে ৪৯ গ র:র লিখিত মমাদুংমী তা হার মোক্ররীদার দিগের শ্বানে জমা বেশী চাহিতে পারি বার কথা।

बार ८वर डेर ।

प्रकामधी उ।लक অসম্ভ টাকা চাহি তে বার্ণের নিমি रह भगल में इं। धा (र्गात कथा।

[बार (वर डेर ।] [ता९ (तर उँ९।]

এই আইনের ম ন্যকে দিতে নিষেধ না জানিবার কথা। [319 (34 31)]

এই আইনেরম

ইয়াছে তাহার উ পর ইলাফা হটবার তক্ম না জানিবার কথা। [बार त्वर डेरा]

ভালকের যে মোক ভালুকদারদিগের ভূমির জমা মোকররীমতে নির্দ্ধায়ি হইয়া **থাকে** রর্ন ভষার ধার্য হ তাহার উপর বেশী হয় বর্ৎ দেই তালুকদারদিণের ভূমির দেই জমা চিরকালের নিমিত্তে বহাল রহিবেক এব ে যে জমীদারীর মধ্যে এমত ভূমি থাকে সে জমীদারী বিভাগ হইলে সে ভূমি জমা মোকর রীর প্রস্তাবে গণ্য হইবেক অর্থাৎ মোকররী জমার ভূমি বলা যাই বেক ইতি।—১৭৯৩ সা। ৪৪ আ। ৭ ধা।

৪ ধারা।

রাজস্ব নির্দ্ধর্য্য করণের সাধারণ বিধি।

তিন সুবার জমা ধার্য্যের বিষয়ে যে मकल माउ! निर्मिष्ठे **इडेल डाहा** कथा। [वार त्वर डेर।]

৭৫। তিন সুবায় সরকারের জমা নির্দ্ধার্য্যের বিষয়ে সেই একং দুবার গতিকের উপর চিহ্নিতকরা যে সকল দাঁড়া নির্দিষ্ট ছইল তাহার বিবরণ ৬৮ ধারাহইতে আরম্ভ আছে আর যে দকল দীড়া নীচের লিথিত অনাথ পারায় লেথা আছে তাহা তদতিরিক্ত ইতি। — ১৭৯৩ সা।৮ আ। ৩৩ পা।

সরকারের নির্দ্ধা রিত যে সকল যো শাহেরা আদ্যাবধি ভ্যাধিকারি দিগের শ্বিহইতে দেওয়া ওয়া যাইবার কথা। [बाद (अर छर।]

৭৬। সকল কাজী ও কানুনগোদিগের মোশাহেরা এবৎ সরকা রের নির্দ্ধারিত অন্য যে প্রকার মোশাছেরা অদ্যাবধি ভুমাপিকারি দিগের স্থানহইতে দেওয়া যাইতেছে দে দকল মোশাহেরা উত্তর কাল জমার শামিল হইয়া যে দকল হুকুম ও দাঁড়া দেই মোশাহেরা গেল ভাষা পশ্চাথ দিবার বিষয়ে ইঙ্গরেজী ১৭১১ সালের ১০ জনে ধার্য্য হইয়া পুন লমার শামিল হইয়। ব্রার তাহার মর্মারিশেষের পরিবর্ত্ত ও শোপনে ই**রু**রেজী ১৭৯৩ কালেক্টর সাহের সালের ২৪ চতুর্বিৎশতি আইনের অনুসারে নির্দ্ধারিত হইয়াছে ত দিগের মারফতে দে দৃষ্টে কালেক্টরসাহেবদিগের মারফতে দেওয়া যাইবেক ইতি।— ১৭১৩ সা।৮ আ। ৩৪ ধা।

সায়েরের চাসিল মাসুল ৰাদে সরকা বের জয়া নির্কার্য্য হটবার কথা। [बार ८वर डेरा] ने छक्राव्य हा হির কথা।

৭৭। যে দকল রমুম ও হাদিলওগয়রহ দায়েরের নামে ডাকে তাহা বাদে সরকারের জমা নির্দ্ধার্য্য হইবেক। কিন্তু শহর কলিকা তার সরহদে যে সকল গঞ্জ ও হাট ও বাজার আছে এব•১ যে সকল গঞ্জ ও হাট ও বাজারের হাদিল মাদুল শ্রীযুত গবর্নর্জেনরল विरामुक कोल्मालक रुक्तक रेक्टकको ১৭৯० मार्लक ১১ जुरुक ছকুম মতে সেই সকল গঞ্জওগয়রছের কর্ত্তা ও ভোগবানদিগের মুস্বা ধিকার নির্দিষ্ট হইয়াছে তাহা উপরের লিথিত হুকুমের বাহির আছে। সেই সকল হকুম যে সকল দাঁড়া আবকারী অর্থাৎ মদিরা আদি মাদক দামগ্রীর মাসুল ও দায়েরের হাদিল বাজেয়াফুর বিষয়ে এব^ সেই হাসিলের এওজে যত টাকা ভূম্যধিকারী ওইজার দারদিগের **জমার** মজুরা হইয়াছে তাহার অর্থেও ধার্য হইয়াছিল তাহার সহিত মর্মাবিশেষের পরিবর্ত ও শোধনে ইন্সরেজী ১৭১৩ मालित ११ मश्रविभागित ও ৩৪ চতু ब्रि॰ मध्य आई सङ्ख्र अनुमीरत আদিহইতে নির্দারিত হইল ইতি।—১৭৯৩ না। ৮ আ। ৩৫ পা।

৭৮। যে ভূমি নিম্কর নির্দিষ্ট আছে সে ভূমির রাজম্ব কি সম্বত কি অসমতরশে যদি মাফ হইয়া থাকে তবে তাহার জনাহইতে খা লাখেরাজা ভ্রিবা রিজ হইয়া সরকারের জমার ধার্যা হইবেক ইভি।—১৭১৩ সা। ৮ আ। ৩৬ ধা।

সরকারের জমা দে নির্মাণ্ড ইবার কথা। [ata can 321]

৭১। জানিবেক যে মূবে বেহারের মধ্যের মালিকানা জমীন এবং সুবে বাঙ্গালা ও মেদিনীপুরের জমীদার ও তাল্তদার ও অন্য ধোর মালিকান এ ভুনাধিকারিদিণের নিজের নানকার ও গাঘার ও নিজ্যোত ওগ্যারহ ভূমি উপরের লিথিত দাঁড়াসকলের বাহির আছে এপ্রকার ভূমির প্রতি নীচের কএক পারার লিখিত দীড়াসকল নির্দ্ধাঠ্য হইল ইতি। —১৭৯৩ সা।৮ আ।৩৭ ধা।

মুবে বেহারের ম वर मुख बाङ्गाला उ মেদিনীপুরের ফলে র নানকার থামার ওগয়রছ ভুমি উপ রের লিখিত দাঁড়া गकरलव दारिएवव

৮০। সুবে বেছারের যে স্থানে জমীদারের। কিয়া অন্য ভুগাধিকা ক্লা। রিরা আপনারদিগের ভূমির ব্যাপার কাথ্য ছাড়িয়া থাকে কিয়া তাহারদিণের ভূমির সর্বরাহকারী কাফা অন্যাকে সোপদ হইয়া থাকে ও তাহারা যদি তাহার দশমাপশ মালিকানামতে স্বহয়ে রাথে তবে দেই দশমাৎশ মালগুজারীর ভূমির শামিল ছউনেক আর কর্ত্তব্য যে সেই জমীদার ওগয়র হ আপনার দিগের সেই মালি ২৯ মা সে ভূমির ব কানা ভূমিসমেত সম্দর ভূমির করারদাদ করে কিন্তু যদি সেই মালি লোবন ভুমাধিক। कान। क्रिप्ति श्रीयुक्त शेवतुनेत् (जनतल वाशामृत क्लो कालत शक्तुरतत (तृत मध्य धरतात কিয়া কালক্রমের সরদার এতাবতা অপিপতির পুরস্কারদানক্রমে কথা। তাহারদিগের ভোগদথালে থাকে জথবা এপ্রকার ভূমি বিক্রয় হইয়া [বাৎ বেৎ উ১।] থাকে কিন্তা বন্ধক হইয়া বন্ধকল ওনিয়ার ভোগদখলৈ রহিয়া থাকে তবে দে ভূমি উপরের লিখিত হরুম হইতে বাহিস হইবেক ও যে মালিকানা ভূমির পুরস্কারদান ঐ এীযুতের হজুরহইতে কিয়া 🗳 <u> এীযুতের হজুরের মঞ্রীতে কিয়া কালত্র মের অপিপতির স্থানছ ইতে</u> না হউয়া থাকে দে ভূমির পুরস্কারদান ইঙ্গরেজী ১৭৮৮ সালের ৮ আগন্তের আইনের মতে অনিদ্ধ কিন্তু যদি কোন কালেক্টর সাহে বের বিবেচনার চিত্তে লয় যে উপরের লিখিত তুকুমদকল জারী হই বাতে কাহারো অভিশয় ক্ষতি হয় তবে দেই সাহেবের কর্ত্তরা যে

[ता९ (त९ उँ९ ।] भूरत रतकारत मा লিকানা দে ভূগিথা (क उठा घ'लयंका রীর ভূমির শামিল

৮**১। মূবে বাঙ্গা**লা ও মূবে উড়িষ্যায় জ্ঞাদারেরা ওছজুরী **ভা**ল কদারেরা ও অন্য ভূম্যাপিকারিরা নানকার ও থামার ও নিজ্যোত্তর র নিজ্ঞাশব্দীয় নান ররহ যে ভূমি আপিনার দিগের ও আপনার দিগের পরিবারের ভরণ কার ও খামার ও নি পোষপের নিমিত্তে ভোগদখলের তলে রাথে সে সমস্ত ভূমিও সরকা त्तर मालक्षणातीत भामिल इहरवक ও मरतावस कृषिक मेनननी क्या নীচের লিথিত মর্মা**দৃষ্টে হই**বেক। সেই মর্মের বৈওরা এই সে যে ভূমিৰ অপিকারিরা আপনারদিণের ভূমির বন্দোবস্ত করিতে কবুল দ্বির বন্দোবস্ত হুই ন। করে তাহারদিগের কর্তৃত্ব পূর্ব্বমতে উপরের দিথিত নানকারওঁণ বার কথা।

তাহার বেওরা সমাচার বোর্ড রেবিনি**উ**র দাহেবদিগেরে দেনুই**তি**।

-> १३० मा b जा। ०৮ था।

ভ্যাধিকারিদিগে জযোত **৪**গায়র হভূমি মালগঞ্চারীর ভূমির শামিল হউয়া ভাহা क्रिरशंत मधुमन छ

[दार (४९ डेर.)]

न कथा।

ঐ তুকুমের বাহি যুরহ ভূমি ভোগদখলের বিষয়ে এতদনুসারে রহিবেক যে যদি তাহা রা বোট রেবিনিউর সাহেবদিগের নিকটে প্রমাণ জানায় যে এীয়ত কোয়ানি বাহাদুরের সরকারের দেওয়ানী হইবার তারিথ ইঙ্গরেজী ১৭৬৫ দালের ১৯ আগম্বের পূর্দের দেইরূপে দে ভূমি তাহার্দি গের ভোগদখলে ছিল এবপ অধ্যাবপিও যে২ কালে তাহার্দিগের মালওজারীর ভূমি থাস তহসীল কিয়া ইজারা হইয়া থাকে সেইং কালেও তাছারদিনের ভোগদখলে রহিয়াছিল তবে এমত প্রমাণ হউলে তাহারা দেই নানকারওগয়রহ ভূমিতে ভোগদথল রাখিতে পারে কিন্তু মালিকানা যে সকল বিষয় ৪৪ ধারাক্রমে বৈদ্থল অধি কারিদিগের লাভার্থে গাগ্য আছে তাহার মধ্যে সেই নানকারওগয় রহ ভূমির উৎপন্ন যত টাকা হয় তাহা মিনাহ হইয়া বাকী তাহারা नगम शोहरतक इंडि।—>१२० मा। ৮ वा। ७२ था।

যে সকল ভাল নাৎ প্রসাতে ভ্রমা ধিকারিদিগের পো টায় সহাল থাকে তাহাতেও মালওজা রীর ভূমি ও নান কার ওগয়রহ ভূমি राजा।

[रा९ त्त्र९ छेर।] চাক্রানা ভূমি মালওজারীর ভূমি র শামিল হইয়৷ মা লওজারীর কুলাত জায়দারের মধ্যে [319 (44 **39** 1)

৮২। যে দকল তালুকাৎ পূর্ম্বমতে ভূমাধিকারিদিগের পেটায় বছাল থাকে তাছাতেও মালওজারীর ভূমি ও নানকারওগয়রহ ভূমি উপরের লিখিত সকল দাঁড়াক্রমে এক শামিল হইবেক কিন্তু ইহা তালুকদার্দিগের মালগুদারীর বেশীর অভিপ্রায়ে না হইয়া কেবল এইতে মুক্তী হউ**ল যে সেই তালুকাতের উপর সরকারের যত** জমা পাঠ্য আছে তাহার স্থিত জায়দাদ সেই তালুকাতের দরোবস্ত এক শামিল হট্রবার ভূমিত্ইতে দৃষ্ট হয় ইতি।—১৭৯৩ দা।৮ আ। ৪০ ধা।

৮৩। যেথ চাকরানা ভূমি ভূমাপিকারিদিগের নিজের আমলা ও চাকর্দিগের ভোগদ্থলে মাহিয়ান। তলবের এওজে তন্থা রহিয়া থাকে যে সমস্ত ভূমিও ৩১ পারার লিখিত ভূমির বাহিরে থাকি বেক। একং জিলার মধ্যের চাকরামা সমস্ত ভূমি মালগুজারীর ভূমির শামিল হইয়া জমীদার ও হলুরী তাল্ফদারপুড়তি যে সকল জানা যাই নার কথা। অপিকারির জনীদারী ওগয়রছের মধ্যে নেই ভূমি থাকে তাছার্দিগের কুলাতের মালওজারীর অক্টর জন্য মালওজারীর ভূমির ন্যায় জানা যাইবেক ইতি। -১৭৯৩ দা। ৮ আ। ৪১ পা।

সর্কারের জ্যার मकल कवादनाम मि ক্কা টাকার উপর क्रेंग्रेश किस शांदर সিক্ত টাকার দেও য়া ও লওয়ার চলন সারত না হয় ভাবৎ রী অন্যংরক্মটা काश टाउँ। टारम इ ইতে পারিবার এবং কালেক্টর সাকেবে র। সেই বাট্টা থেও

৮৪। কতুরা যে কি ভুমাপিকারিদিগের কি ইজারদারেরদের সহিত সরকারের জ্যার সমষ্ট্র করারদার সিক্লা টাকার উপর এই নিয়মে হয় যে ভাহারা আপনার্দিগের মাল্ওজারীর টাকা হয় শি**ন্তা** টাকায় দেয় নাহ্য় যাব**ু এত শি**ঞ্চানাজনো যে **শিক্ষা** টাকা দেওয়ায় কোন রকম টাকা দকল দেশে না চলনের বিষয়ে এীযুত গবর্বর জেনরল বাহাদ্র কৌন্সেলের হজ্রের ত্রুমহইতে পারে সরকারের মালওজা তাবং আপনার্রদিগের তাবের ইজার্দার ও কট্কিনাদার ও প্রজাব র্গের স্থানে যে দকল রক্ম টাকা পায় তাহার বাউ। যাহা বাজার চলন থাকে তাহা বাদে দেয় আর কালেক্টর সাহেবদিগোর কর্ত্তব্য যে

^{&#}x27;১৮২২ সালের ৭ আইনের 🕈 ধারার দ্বারা ৪৪ ধারা র্শা হইল।

সিক্তা টাকা সেওয়ায় যত টাকা তাঁহার্দিগের থাজানাথানায় দাখিল রা আপনার হিন্ হয় তাহার বাউার বেওরা আপনারদিগের হিসাবে লিথেন্ ইতি। বে লিথিবার কথা। वि१९ (२९ छेरा) -- ১१२० मा। ৮ जा। ४२ भा।

৫ ধারা।

বাঙ্গালার বিশেষ হকুম।

৮৫। মোটে ভূমির মালগুজারীর তায়দাদ পার্য্যের দাঁড়া এই যে কালেক্টর সাহেবেরা ভূমির আহওয়ালের কৈফিয়তের সে সকল দের সকলদাঁড়ার ক বেওরা ও হিমাব বোর্ড রেবিনিউতে দেন তাহার সহিত গত সনেব জমা মিলন হইয়া তদুটো ঐ বোর্ডের দাহেবেরা মত জমা চাহবেন তত জমাই নিৰ্দ্ধায়্য হুইবেক কিন্তু এবিষয়ে যে কোন মৰ্ম্ম বিশেষের বিবেচনা কর্ত্তব্য ভাহার বেওরা নীচের কএক পারায় লেখা আছে ইতি। ১৭৯৩ সা।৮ আ। ৬৮ পা।

অ্মির জগার রিণ

शिकाल ।

৮৬। যদি বোর্ড বেবিনিউর সাহেবদিগের বিবেচনায় আইসে যে কোন কালেকুটর সাহেবের দেওয়। কোন ভূমির হিসাব সম্বত নঙে ও অপিকন্ত দে ভূমির উৎপল্লের তত্ত্ব লওয়া আবশ্যক জানেন ও সেই তত্ত্ব যে হস্তবুদ ও জরীব করিতে নিষেধ হইয়াছে তাহা নহিলে भिरल करत यात[्] स कबू ना भिरल कात्र स वृधित म्यमनी तस्त्रा तम् गत्तम्रुत्त त्रांशा गाँडेरतकं डेडि।—५१२० मा । ৮ আ। ५२ भा।

प्रभागनी टान्माटस মবেশ্ববে বালিতে (म भक्लकारल (१) ई রেপিনিউর সংকেব দিগের ক্ষতা আ (ছ ভালার কথা । সাজ লো।

৮৭। এীযুত গ্রন্নর জেনরল বাহাদ্র কৌন্সেলের হল্পরের বি নাত্রুমে ধন হালে গত ধনের জ্যার ক্যী বহাল রহিবেক না ইতি। ন্রল বাহাদুর কৌ ─>१२० मा। ৮ আ। १० भा।

শ্রীসূত গবরুনর জে नरगरलत् एक्ट्रत् বিনাতকুমে জমায় ক্ষা না হইবার ক

৮৮। যে স্থানে আকাশী আপদহ ওয়াতে মত কাল মিয়াদের জন্যে জ্মায় ক্রমী দেওয়া কর্ত্রা হয় তথায় সেই ক্রমী রুস্দক্রমে প্রক্রির দেব জ্বো জ্যায সরকারে লওয়া ঘাইবেক কিন্তু সেই রুসদের মিয়াদ তিন সনের অপিক হউবেক না ইভাতে যদি বোর্ড বেবিনিউ**গ সা**ফেবেরা **উ**চিত জানেন্ যে থারিজী তালকাৎ ও এপ্রকার প্রদিয়া অনা মহালাতে তিন সনের উপর রুমদের মিয়াদ দে ওয়া কর্ত্তপ্য হইসেক তবে ঐ রুম দের মিয়াদু অধিক হইতে পারিবেক ইতি। - ১৭১৩ দা। ৮ আ। 93 811

বিজ্ঞালা। ভাকাশী জাপ (म कभी वस डाव: त्रमणकरम श्रीनर्यात **अ**उमा शाहितात क

[राज्याला ।

৮১। কর্ত্তব্য যে সুবে বাঙ্গালার ভূমির বন্দোবস্থ নির্দারিত মো भारहता ও जभीमाती जामलात माहियोगा अ श्रुलतन्त्री अ काष्ट्रातीत रहता । आमलात আথরা ছাৎওায়রত্ দকল অস্কভাড়া যত টাকা দাথিল তইয়া থাকে মাহিয়ানা ও পুল

নির্দ্ধারিত মোশা

সন্দোহসু যত টাকা য় ১ইতে পারে ভত টাকায় হউবার ক था।

[বাঞালা।]

ক্রনীওগয়রুই আৰু তত টাকায় **দাধ্যান্**দারে পার্যা হ**য় এইহেতুক যে দরকা**রের বাঞ্চা রাজাৎ বাদে ভূমির এই যে সরকারের কার্যাক**র্ত্তাদিগের মোশা**হেরা সেওয়ায় ভূমির রাজম্ব উদ্বলের মোতালক অন্য দকল এরচ এবণ দরকারের মাল ওজারী তহমীলের আথরাজাৎ ভুমাপিকারিদিগের স্থানহইতে তাহা রদিগের ভূমির উৎপন্নমুথে আদায় হ্য় ইতি।—১৭১৩ সা। ৮ আ।

ভ্রমাধকারিদিগে জনদিগের মোশা তের। মৌকুফের ক

[राञ्चाला ।]

২০। কর্ত্তরা যে ভুমাপিকারিদিগের সমুর্কীয় সকল লোক ও র মঁম্পনীয় ওপরি পরিজনদিগের কালছরণের মোশাছেরা এতারতা ভরণপোষণের টাকা যাজা অদ্যাবপি পৃথক্ নির্দ্ধিট আছে তাহা যে স্থানে নির্দ্ধায়া থাকে তথায় মৌকুফ হউয়া তাহার্দিগের প্রতিপালন দেই অধিকারি দিগের কর্ত্তন্য হইবেক।—১৭১৩ সা।৮ আ। ৭৩ ধা।

महकाही द्वां आ বন্দীওগয়র্হ **অঙ্গে** র ন্দায় জমীকারী 🗝 রহ কালেক্টর সা ে বের মারফতে দেওয়া যাইবার ক

[ताञाला ।]

२३। त्राक्तनमी अभग्रत्य थ्यत्राट्यत चास्कृत नाम् क्रिमाती त्य সকল মোকররী আথরাজাতের বহালী থাকে মে সকল আথরাজাৎ দেওয়া কালেক্টর মান্ডেরের কন্তব্য হউরেক ও ভুমাধিকারী ও ইভ। রদার্দিগের কিছু দ্থাল তাহাতে থাকিকেক নীয়দি কোন সময়ে কোন বিশিষ্ট কারণে ক্লেই আগরালাৎ ভূমাপিকারী কিয়া ইজার দার দিগের দারা আদায় হাওন উচিত না জানা যায় ইভি।—১৭১৩ मा। ৮ আ। १८ भा।

रा रा कारन अ ধারার লিখিত দাঁ **ই**্রিম সরকারের ৬মা ধার্যাকরণ অনু হিত হাহার কথা। [ताथाल:।]

১২। ভূমির জমার তায়দাদ পায়্যের দাঁড়া ৬৮ পারায় এমত লেখা আছে যে কালেক্টর দাছের ভূতির কৈফিয়তের যে দকল বেওরা ও হিসাব বোর্ড রেবিনিউতে দেন ঐ সোক্তের সাহেবের। তাহার সহিত সেই ভূমির গত সনের জন্মা নিল।ইয়া ভদ্দুটো যত জন্ম চাহরেন তত গমাই সেই ভূমির উপর প্রায় ছইরেক অত্তর সেই দাঁড়া যে গারিকী তাল্ক(তের মালওজারী অধ্যাবপি সরকারে না হইয়াথাকে তাহার বিবরে বহাল হউতে পারে না এরণ যে ভূমির উৎপন্ন পূর্মা বুপি প্রকৃত প্রস্থাবে জানা গিয়া থাকে দে ভূমির বিষয়েও **দেই** দাঁড়া চলিবেক না কিন্তু যে কালে জানা গায় যে এপ্রকার কোন ভূমি কিয়া থারি গী তাল্কের সাবেক জমা যে প্রগ্নার মধ্যে সেই ভূম্যাদি থাকে দেই প্রগনার শ্রেহইতে কম গাগ্য হইয়া**ছে ত**নে তাহার জনা প্রগনার শ্রেমাফিক এইরপে নির্দ্ধান্য হইবেক যে সেই জনা মেওয়ায় যে **বে**শী হয় তাহাতে সেই সূম্যাদির সদর মালগুজারীর উপর ফিশতে ১০ দশটাকা দেই ভূমাধিকারিদিনের ও ভাহারদি গের পরিজন লোকের কালছয়ণের নিমিত্তে তাহা**রদিগের হ**স্তে রকে কিন্তু জানিবেক যে সেই অধিকারিদিগের নিজ্থারীচের নানকা র ওগররহের যে ভূমি উৎপন্ন সরকারের করসমুর্বীয় ভূমির শামিল হউবার আর্থ ৩১ পারায় হ্রুম আছে দে উৎপন্নেরে হিদাব উপ

যে ওানুকদারে রের লিথমানুসারে করে। যাইরৈক। আ**র যে সকল তালুকদা**রের রা আরিজ ইইরাথা তাল্কাই উপরের লিথিত দী**ড়ার অনুসা**রছাড়া **হয় ভাহাতে** যদি তাছারা সেই বেশীর নির্দ্ধায় ভাছার্দিগের তালুকাতের যে করার কে ও চালার কিলে দাদ পূর্বে ভুমাধিকারিদিগের সহিত ছইয়াছে তাহার একরারের র ভাল্কাতের জয় ব্যতিক্রমে হওন জানে ও মুফ্টতঃ তৎকালে সেই একরার পাগ্যের সাপ্য সেই ভূমাধিকারিদিগের না থাকে তবে এরপে সেই তালুকদা বের্দের ক্ষমতা হইবেক যে নোক্ষানের দাওরায় সেই ভূমাপিকারি দিগের নামে জিলার দেওখানী আদালতে নালিশ করে ইভি। ১৭৯০ সা।৮ আ। ৭৫ পা।

এই ধারার লিখিড দাঁড়াছাড়াড়াড়া রা যে ভূমাধিকারি রা প্রের ভয়ার ধা য়া করিয়াছিল তা ধারদিগের মাধ্যে (माकभारमन मा छग। य जामानर गानि শ করিতে পারিবা

১৩। যে দকল থারিজী তালকাৎ ও অন্য ভূমির মালগুজারী অদ্যাবধি বরাবর সরকারে দাখিল হউতেছে সে তালুকাৎ ও গুমি যে খালুকনার আ যদি ১২ দ্বাদশ বৎসর্হইতে মোকর্রী জনায় র্ফিয়া থাকে তবে তাহা উপরের লিখিত দাঁড়াভাড়া হইয়া তাহার দশসনী বন্দোবস্ত দেই সাবেক জনাতেই সেই তালকাৎ ও ভূমির অপিকারির সহিত इन्दिक किन्छ मार्यदात प्रामुल्लत (प्रोकुक ও नाटक आधु) शक्त यांडा সম্বত হয় তাহা সেই জন্মা হইতে নিনাহ হইনেক ইতি 🗀 ১৭৯৩ ना । भूजा। १७ भा।

ৰ বিজী ওগয়র হ পনার্দিগের ভূমি ইছার প্রেয় ১২ সং মর্পণার মোক্র রী জমায় রাখিয়া शांदक उत्तराया ५५ রের লিখিত ঘারা র দাঁড়ে'র বাহির ২ हेटाव कथा। [বাফালা]

১৪। যে স্থানে ভুমাপিকারির ভূমির প্রকৃত উৎপন্ন জানিয়া তা হার জনা পাঠা হয় তথায় সরকারের জনার ফি শতের উপর ১০ র ভরণপোষণের নি দশ টাকার হিসাবে ভূমাপিক।রির ভরণপোষণের নিমিত্তে দামা মিতে যে এক নিজি নাতঃ নিদ্ধাস্য আছে কিন্তু সকল ক্মীণারী ও হতুরী তালকাতের কোন স্থানের জমা যদি এত জল্ল চ্যু যে তালার আছ ওয়াল দুষ্টে এমত উচিত জানা যায় যে সেই ভরণপোদণের অল্প দেই হিমানহ ইতে অধিক করিতে হয় তবে এীয়ুত গ্রবন্ত্র জেনরল নাহাদ্র পৌ লেলে তাহাতে মনোযোগী হইবেন ইতি। ১৭৯৩ সা। ৮ আ। था। 99 911

স্থম্যধিকারি দিরো को जाएक खोराहर গে গে কালে ফিশ তে ১০ টাকার ভ भारतत् अधिक ४३ তে পারে ভাষার ক বাজ জান

১৫। ৬৮ ধারার লিখিত জমাবদ্দী পার্য্যের দাঁড়া করিবার কারণ এ বিষয়ে জাতহওন আবশ্যক হইকেক যে সে আগদালাতের প্রস্তাব ত ক্ষমাবলী ধার্ষে উপরে হইল তাহা সরকারের জমা দেওয়ায় ভূমাধিকারি দিগের র দাঁড় করিতে গে **স্থানে আদায় হইতেছে कि मत्रकात्रहेरेड (ए उग्नी गाँडेटेडेड अंडेटे** তুক যে তদনুসারে দেই ভূমাপিকারিদিগের জমায় দেই আথরাজা তের আহ্ব মিনাছ ছয় কি না এমত নির্গৃহইতে পারে ইতি।— ১৭১৩ সা।৮ আ। ৭৮ ধা।

১৮ ধারার লিথি (म मर्भ का १ : उन উচিত ভাষার কথা। | दाञ्चालाः।

का श्रीकार उत ১১। যে দকল স্থানে **উপদের ধারার লিথিত** আথরাজাৎ দর পারের জমানেওয়ায় ভূম্যধিকারিদিগের মারফতে দেওয়া গিয়া থাকে মিনাগা অঙ্ক যে বি ক ভাহার কথা। [ताक्राका।] ভ্রমাধিকারি দিগে র মোশাহেরার দাঁ৷ ডার কথা।

সন্মেসক্ষত ও যে বি সে অপিকারিদিগের ভূমির জমায় সেই আথরাজাৎ মিনাহের হক্ সয়ে অসমত হইবে তল্স অর্থাৎ দাওয়া থাকিবেক না কিন্তু যে বিসয়ে সেই আথরাজাৎ সরকার্ছইতে দেওয়া গিয়া থাকে সে বিষয়ে যত দেওয়া গিয়া থাকে তাহা তাহারদিণের জমায় মিনাহ হইবেক যদি দেই আথরাজাতের জায়দাদ সাবেক জন্মাদেওয়ায় না জানা যায়। আর ভূম্যধিকারিদি গের মোশাহেরার বিষয়ে ইছার প্রতি দৃষ্টি রহে যে যে স্থানে কোন ভুমাপিকারির ভূমি অদ্যাবপি ইজারায় রহিয়া এইক্লণে তাহার দুগ লৈ আসিতেছে তাহার যে কেফাইত ইজারদার পাইত তাহা এই ক্লণে সেই ভুমাধিকারিকে অশিয়া তাহার মোশাহেরার স্থানে গণ্য হউতে পারিরৈক ইতি।—১৭১৩ সা।৮ আ। ৭১ পা।

যে কালে ভূমির প্ৰকৃত উৎপন্ন দ্বানি য়া সরকারের জমার পাৰ্য্য হ'বকৈ তাহা র মতের কলা। [বান্ধালা।]

১৭। যে স্থানে দরকারের জমা ভূমির প্রকৃত উৎপন্ন জানিয়া পার্য্য হয় কর্ত্রন্য যে তথায় কি মৌজেহায়ী কি পর্যানাতীওগয়রহ যেপ্রকার আথরাজাৎ থাকে তাহার মফঃদল বেওরাদৃষ্টে ধার্য্য করা যায় অতএব কালেক্টর সাহেবের উচিত যে সেই ভূমির কুলাতের জায়দাদের ও দেই জায়দাদ মাফিক যত জমা ঠাহরেন্ তাহার বেও রা কৈফিয়তের ফর্দ্ধ নোর্ড রেবিনিউতে পাঠান ইতি।—১৭৯৩ সা। ৮ আ।৮০ পা।

জমার তায়দাদ ধার্য্যে যে২ বিষয় কণ্ডব্য ভাষা **দপ্তরে** লেগা যাইবার ক था।

[राज्ञाना।]

৯৮। দরকারের জ্ঞার ভায়দাদ পাগ্যে যে২ বিষয় কর্ত্তব্য হয় ভাগতে উচিত যে দেই দকল বিষয় বিবরিয়া দরকারের দম্ভুরে লেখা যায় এইছে তুক যে উত্তরকাল তাহা অল্ল হইবার দাওয়া ভূমা ধিকারী ও ইজারদার্দিগের হইতে না হয় ইতি।—১৭৯৩ সা i ৮ আ।৮১ পা।

৬ ধারা।

বেহারের বিশেষ হ্রুম।

ভূমির জমার ভা য়দাদ ধাৰ্য্যের বিষ (य (य मकनामाँ) इ। দৃষ্ট হইবেক ভাহার কথা।

[ধেহার।]

১১। কালেক্টর সাহেবদিগের কর্ত্তব্য যে একং ভূমাধিকারির যত জ্ঞা তাহা বোট রেবিনিউর দাহেবদিগের কৃত নিয়ম ও বিবেচ নাক্রমে নির্দায়ি করেন্ অতএব কালেক্টর সাহেবেরা একং ভূমির জমা যেরূপে পাণ্ট করেন্ তাছার তায়দাদ ঐ বোর্ডের দাহেবদিগৈরে জানান্ আর কালেক্টর সাহেবদিগের ক্ষমতা আছে যে যদি পরামর্শ ও উচিত জানেন তবে ভূম্যাপিকারিদিগেরে ত্কুম করেন্ যে তাহারা আপনার্দিগের ভূমির জমার ভায়দাদের বিষয়ে সওয়াল দাথিল করে কিন্তু ভূমির জিমার তায়দাদের পাগ্য প্রথম কালেক্টর সাহেবদি গের দ্বারা তাঁহারদিগের মন্ত্রণাক্রমে হওন কর্ত্তব্য হইবেক ইতি।— ১৭১০ সা।৮ আ।৮২ ধা।

১০০। ক্লুম্ ভূমাধিকারী এবং ভারী ভূমির অধিকারী কিয়া কালেক্টর সাহে

811

ইজারদারদিগের মধ্যে জমার ধার্যা ও ভূমির জায়দাদ ব্ফিবার কারণ বদিগের ভূমির জ অদাবিধি যে সকল দীড়া ও দম্ভৱ চলন ও জারী রহিয়াছে তাহাতে মার ধার্ঘ করিতে কালেক্টর সাহেবদিগের কর্ত্তরা যে ভূমির জমার ধাস্য করিতে সেই পূর্ব দাঁড়া সকলকে সকল দাঁড়া ও দম্ভর দৃষ্টি রাখিতে থাকেন্ এব ে যে স্থানে কর্ত্তব্য হয় আপনার্নিগের দ स्त्रम आयल वर् তথায় জমার ধার্যার্থে এ বিষয়কে আপনার্দিগের কার্য্যোপদেশ তে থাকিবার ওকু জানিতে থাকেন্। তাহার বেওরা এই যে ভূমির তিন চারি বংস মের কথা। বের উৎপন্নক্রমে মধ্যের এক বংশরের উৎপন্ন ব্রিক্যা এতাবতা (दर्शक्रा) তিন চারি বৎসরের উৎপন্ন হার করিয়া এক বৎসরের উৎপন্ন বিবে জমার ধার্যোর কা চিয়া তাছাকে বন্দোবস্তের মূল নির্দিষ্ট করিয়া তাহার মধ্যে মালি রণ যে । কানা ও থয়রাৎ অস্ক মিনাই করিয়া বাকী সরকারের জনা পাখ্য ডা দৃষ্টি রাখণ উচি করেন্ আর এীযুত গবর্নর্ জেনরল বাছাদুর কৌলেনলের ইছাতে ত ভালার কথা। कालक्ष्य अतीन বিষয় বিশ্বাস আছে যে কালেক্টর সাহেবের সেই কার্য্যোপদেশে করিতে নিতান্ত শুদ্ধ ও সূক্ষাভৌলে দৃটি রাখিবেন ও মানিবেন। এবং ঐ কথা। সাহেবদিগের শক্তি আছে যে কোন ভূমির উৎপরে অভিশয় সন্দেহ হইলে তাহা জরীব করেন কিন্তু এমত সন্দেহ হইলে কর্ত্রা যে তা হার **বেওরা বোর্ড** রেবিনিউতে সমাচার দেন ও বিনাজরীবে যদি মন্দেহ মিটে তবে জরীব না করেন ইতি।—১৭৯৩ মা।৮ আ।৮৩

১০১। य ভृমित মালগুজারী অদ্যাবধি বরাবর মরকারে দাথিল হয় সেই ভূমি যদি ১২ দাদশ বৎসরপধান্ত মোকররী জমায় রহিয়া র প্রাপ্ত মোকররা গাকে তবে উপরের লিথিত দাঁড়াসকলের বাহির জ্ঞান হইয়া তাহার ১০ দশসনী বন্দোবস্ত সেই সাবেক জ্ঞায় সেই ভূমির অপিকারিদিগের সহিত হইবেক কিন্তু সায়েরের মাসুল বাজেয়াথা ও মৌকুফা অস্ক মাছা সম্বত হয় তাহা সেই জনায় মিনাং হইবেক ইতি। - ১৭৯৩ আ। সা।৮ আ।৮৪ গা।

১০২। ভূমির যে সদর জমা বাঙ্গলা ১১৯৭ দালে গার্গ্য হউয়াছে তাহার কমা এযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হ স্রের জেনরল বিনাহকুমে হইতে পারে না ইতি।—১৭৯৩ দা। ৮ আ। ৮৫ ধা।

১০৩। কর্ত্তব্য যে সদর কিস্কিবন্দীর পার্গ্য যাহাতে সরকারের মালগুজারীর উদুলের প্রতি ছদ্বোপ ও থাতিরজমা হয় তাহা নজর র দাঁ। চার কথা। আন্দাজে না হইয়া যথাসাপ্যে ভূম্যধিকারিরা সর্কুারের মাল ওজারী অতিস্বচ্ছদে ও অনায়াদে দিতে পারে এমত বিকৈচনায় হয় ই 🖜। -- ১৭৯৩ সা।৮ আ।৮৬ ধা।

১০৪। কালেক্টর সাহেবদিগের কর্ত্তব্য যে উপরের দকল ধারার কালেকটর মাতে লিথিত যে সকল দাঁড়াকে কাৰ্য্যের মূলনিয়ম গণিতে পারা যায় তদ বের। এই ধারার

যে ভূমি ১২ /৭ শ अधाम जाएक त्म -ভূমি উপরের ধারা র লিখিত দাঁ¦ার বাহির হইবার ক [হেছারা]

<u>জ্ঞার</u> शरत्मात appra কৌন্দেলের বিনা छक्रा ३५२१ भारल র ঋমায় কমীনা হ इटाव कथा। 🐭 [বেহার ৷]

किञ्चितकी धार्या

(25131)

ষ্টা করিবার অর্থে এবং তাঁহারা আপ নার্দিগের কার্য্য কারিতেরে জওয়াব দিঙে থাকিবার বিষ রে ভকুমের কথা। [বেহার ৷]

লিখিত দাঁড়া ছারী ৰুসারে কার্য্য করিতে ভা্রন্ত না হইয়া আদ্যোপান্তের সকল বিষয়ের করিতে মথেট টে বেওরা জ্ঞাত হইয়া করেন আর এ বিষয়ের প্রার্থনা ও ওম্মেদ এই যে বিশিষ্ট প্রকারে জমার তামদাদ পার্য্যের বিষয়ে তাঁহারদিগের কার্য্যকারিত্ব ও কার্য্যের বেওরা জিজ্ঞাদিলে সুন্দররূপে তাহার বেওরা কহিতে পারেন ইতি।—১৭১৩ সা। ৮ আ। ৮৭ ধা।

৭ ধারা।

মেদিনীপুরের বিশেষ হৃত্বম।

১০৫। যদি কালেক্টর নাহেবেরা নিজে কিয়া লোকদিগের দ্বারা যে কালে বাঙ্গলা ১১৯৬ সালের জন্ম। সমাচার পাইয়া নিশ্চয় ও মাত্তবর ব্রেন্যে জনীদার ও হজুরী তাল্ র কমী হওন উচিত্র কদার ও মন্য ভুমাপিকাপির দিগের জমা তাহার দিগের ভূমির হিত সে কালে কা**লেক্ট** ও জায়দাদের অনুসারে পাগ্য হয় নাই তবে ঐ লাছেবদিগৌর ক্ষমতা র মাহেরেরা ভাছা আছে যে আবশ্যকক্রমে এ বিষয়ের ভাল হইবার কারণ সেই ভূমির জানিবার কারণ যে বাঙ্গলা ১১১৬ দালের জমায় যাহা কমী ও বেশীকরণ আবিশাক উদ্যোগ কবিবেন তদনুসারে সে ভূমির জমার পার্য্য করেন ইতি।—১৭১৩ সা।৮ আ। ভাহার কথা। **bb** 41 1 [মেদিনীপুর।]

কালেকটর সাহে লের জমার কমী দে ওয়া উচিত হয় তাখা জানিবার কারণ যে উদ্যোগ করিবেন তা হার কথা।

[মেদিনীপুর i]

১০৬। যে যে কালে বাঙ্গলা ১১১৬ সালের জমায় কমী হওয়া বেরা যে যে, কালে উচিত ইছা জানিবার কারণ কালেক্টর সাহেবদিগের কর্ত্তরা যে ওয়া বাঙ্গলা ১১৯৬ সা দিলাৎ ও আখবাজাৎ বিবেচনা ও তহকীক করিয়া এবং এ দুইকে মিলাইয়া সেই আখরালাতে যাহা অধিক চাহর করেন তাহা কমী দেন আর ঐ সাকেবনিগোর উচিত্র যে যে কানো কোন জমীদার কিয়া হজুরী তাল্কদার অথবা অন্য ভূম্যবিকারী আপন শিরের মালগুরা রীর নিশার কারণ আপনার কিছু ভূমি কিয়া বস্তু বিক্রয় করি**ডে** নাচার হইয়া থাকে ইহা আপনার। নিশ্চয় করিয়া জানেন্ ইতি।---১৭১৩ সা।৮ আ।৮১ প।

জমীদারওগয়র লেক[়]র সাহেরের। ভাহার প্রতি দণ্নি রূপণ করিবার ক था।

[মেদিন পুর।] **क्षित उँ०भ**८म

১০৭। জমীদারেরা ও তাল্ফদারেরা কথন তলব করা হিসাবের হের খানে ওলংক কাগজ দানিল করিতে শৈথিলা ও টালমটাল না করিতে পারিষার ও রা হিসাব দিতে টা *হ'***হার ভ**দারকের কারণ কালেক্টর সাহেবদিগের ফমতা আছে *যে* লমটাল হইলেক। জমীদার ওগয়রহের যে কেছ ছিদার দিতে টালমটাল ও ওজর করে তাহার উপর নহজ দণ্ড করিয়া দে বিবরণ বোর্ড রেবিনিউর সাহেব দিগেরে অনগত করান ইতি।--১৭৯৩ মা। ৮ আ। ১০। ধা।

১০৮। কোন ভূমির উৎপন্নের সৎখ্যার বিষয়ে নিতান্ত সন্দেহ অগ্রুত্ত সন্দেহ হই হইলে ও সর্ক্রভোড়াবে নিশ্চয় না হইলে কালেক্টর সাহেবদিগের লে তাহা লানিবার শক্তি আছে যে তাহা জানিবার কারণ জরীয় করান কিয়াুএ নিমিত্তে কারণ যে উদ্যোগ সে ভূমির যে তহকীকাৎ আবশ্যক জানেন্ তাহাই করেন্ইজি।— কর্রনা ভাহার কথা। ১৭৯৩। সালচ আল। ১১ পল।

১০১। কালেক্টর সাহেবদিগের ক্ষমতা আছে যে যে কোন ভূমির বাঙ্গলা ১১৯৬ সালের জমায় কমী দেওয়া উচিত হয় তাহার উৎ লের জমায় কমী দি পন্নের বেওরা উপরের ধারার লিথানুসারে জ্ঞাত হইয়া কমী দেন কিন্তু ইহাতে 🕮 যুক্ত গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্দেলের হজুরের হুকুম আছে যে এমত কমী দেওয়া কর্ত্তব্য হইলে যাবৎ ইহার বেওরা ব্রীপ না হয় তাবৎ ঐ সাহেবেরা কমী না দেন অতএব কর্ত্তব্য যে ভুমির বন্দোবস্ত পার্য্য ও অধার্য ঐ শ্রীযুতের হজুরের মঞ্জুরের উপর করা যায় এবং ইহার সমাচার সেই ভূমির অধিকারিকে দেওয়া হজুরের মঞ্রীয় প্র যায় ইতি \iint ১৭৯৩ সা।৮ আ। ১২ ধা।

वाजला ३३३५ मा তে কালেক্টর সাহে বদিগের সাধ্য থা কিবার কিন্তু সেই ক্ষীর বহালী জীয়ত গ্রহনর জেন্ত্রল বা হাদ্র কৌন্সেলের তি থাকিবার কথা। [মেদিনীপুর 🗓

১১০। পুর্বাবধি জিলা মেদিনীপুরের জন্মায় যে ১৩০৪৭৭ এক লক্ষ ত্রিশ হাজার চারি শত সাতাত্ত্র টাকা নোক্সানের আন্দাকী রের দরে।বস্তু ৯মা হিসার হইয়াছে পশ্চাৎ সে নোক্সানী টাকা ঐ জিলার বাউাবাদে যে সৌদী জনা ১৬৮৪৮৬৮ / ৫ সোল লক্ষ চৌরাশী হাজার আট শত আটিষ্টি তক্কা পাঁচ আনা এক পাই আছে তাহার উপর ফিশত ৩ তিন টাকার হিসাবে একুনে ৫০৫৪৬ পঞ্চাশ হাজার পাঁচ শত ছচল্লিশ টাকার হিসাবে ধরা যাইবেক অর্থাৎ কমী হইবেক ইতি।— ১৭১০ সা। ৮ আ। ১৩ ধা।

জিলা মেদিনীপু র নোক্সানের আ मारख क्यी व्हेवात अ यंज कभी के दिक ভাহার কথা।

[क्रिक्सीश्रुत ।]

১১১। পুণ্যক্রিয়ার আথরাজাতের যে জমা এই ফণে মাফ **আ**ছে তাহাও অতিশয় জ্ঞান হয় অতএব তাহালো কনী হইবেক কিন্তু দেই পরাঞ্জাতের যে এমা কনী কক হইবেক তাহা প্রিসূত গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌলে মাৰু আছে তাহা লের হজুরে নিশ্চর হয় নাই তগাচ ঐ প্রীযুত্তের চিত্তে কথর্ম লয় যে হালে যে টাকা মাফ হয় তাহাতে ৩৫০০০ পৈঁতিশ হাজার টাকা कभी इहैरा भारत अञ्चल के कारल क्षेत्र मारह विषया कर्हका যে, ভূমির জমার তায়দাদ গাঁগ্য ঐ আথরাজাৎ উপরের লিথিত আন্দলি বুকিয়া কমী করেন ইহাতে প্রগনা কাশীলোড়াও শাহা পুর ও মেদিনীপুর ও ময়নাটোরায় ঐ আথরাজাৎ অনাং স্থানা পেন্দা অপিক আছে অতএব উচিত যে ঐ দকল স্থানে তাহার কমী অতিরিক্ত করেন ইতি।--> ৭১৩ দা। ৮ আ। ১৪ ধা।

পুণ)ক্রিয়ার আ उठक्यी रहेतात में। ডার কথা। [মেদিনীপুর 🗓

শহর মেদিনীপু নওগয়রছের গো

১১২। শহর মেদিনীপুরের তৈনাৎ পল্টনের থোরাক ধরীদের থরচ ও কুচের সময়ে কাষ্ঠ ও থড়ের থরচ যদাপি তথাকার ভুমাধি ^{রের} কারিদিগের স্থানে দেওয়ান গিয়া গাকে তাহা মৌকুফ হউবেক ও পশ্চাৎ এমত থরচ ভাহারদিগের জিয়া হইবেক নাইতি ৷-- ১৭১৩ সা।৮ আ। ১৫ ধা।

বিদিগের জিমা না ছইবার কথা। [মেদিনীপুর ৷]

বাকী ঋরচ পশ্চাৎ

তথাকার ভূমাধিকা

<u>ডিনাৎপ</u>ষ্ট

১১৩। কর্ত্তব্য যে জিলা মেদিনীপুরের ভূমির ব্রুদ্ধাবস্তু জমীদারী আমলার দেবদী ও মোলাহেরা ও পুলবদ্দী ও কাছারীর আথরা জাৎওগয়রই যাহা তাছাতে ভুক্ত থাকে তাহী বাদে যত টাকায় হয়

আমলার দেবদা ও মোশাহেরা ও পু লবন্দী ওগয়রহ আ

वैवाद कथा।

[মেদিনীপুর ৷]

শরাজাৎ বাদে যত তাহাতেই করা যায় এইহেতুক যে দরকারের বাদনা এই যে দরকা টাকার বন্দোবস্ত হ রের কর্মাকর্তাদিণের মোশাহেরা সরকারের মালগুজারী তহ্সীলের ^{ইতে পারে ঠালা হ} আথরাজাৎভাড়া এব°৲ ভূমির জমা **উমুলের মোতাল**ক অন্য স্ময় আথরাজা ছাড়া ভুমাধিকীরিদিগের মার্ফতে তাহারদিগের ভূমির উম্পন্নহইতে আদায় হয় ইতি।—১৭৯৩ সা।৮ আ। ১৬ পা।

সরকারের অঞ্চ ८ : त नाात अभीम : ही খুর্চ কলেক্টর স। েবের মার্ফতে দে ওয়া যাইবার কথা। [(यक्तिश्रेत्र ।]

১১৪। মোকর্রী আথরাজাৎ **যাহার বহালী মঞ্জুর পড়ে** সে বে:এ বন্দীওগ্যার সকল আথরাজাৎ রোজবন্দওগয়রহ থয়রাতের অক্টের ন্যায় কালে ক্টর সাহেবের মারফতে দেওয়া যাইবেক তাহাতে ভুমাধিকারিদি গের কিছু এলাকা থাকিবেক না যদি কোন সময়ে কিছু হে ১ ত সেই আথরা ছাৎ ভুমাধিকারির মারফতে দেওয়ান উচিত না হ্র ই তি।—১৭১০ সা।৮ আ। ১৭ ধা।

আকাশী **আপ** যে কমী হয় ভাহা র্মদক্রমে পুনর্মার লওয়। যাইবার ক

[श्रिमिनीशूत ।]

১১৫। সে স্থানে আকাশী আপদ উপস্থিতছওনপ্রযুক্ত কিছু দের নিমিত্তে জমায় কাল মিয়াদের জন্য জমায় কমী দেওয়া উচিত হয় তথায় সৈই কমী রসদক্রমে পুনরায় সরকারে লওয়া যাইবেক কিন্তু সেই রুসদের মিয়াদ তিন বৎমরের অধিক মুদ্দতে হইবেক না যদি থারিজী তালু কাৎ ও অন্য খুরদিয়া মহালাতে রুমদের মিয়াদ তিন বৎসরের অপিক মৃদ্দতে হওন বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা উচিত না জানেন हिडि। ११२०मा । म् आ। २५ था।

জমার তারদাদ থা যাইবার কথা।

[মেদিনীপুর ৷]

১১৬ ৷ উচিত যে সরকারের জমার তায়দাদ ধার্য্যে **সকল** বিষয় থাখো যে সকল বি কেন্দ্রবা হয় তাহ। সমস্ত বেওরাইয়া সরকারের দফুরে লিখা যায় এই ষয় কওঁবা ডাহা সূর হেতুক যে পশ্চাৎ তাহাতে কর্মা হউবার দাওয়া **ভূমির অ**পিকারী ও কারের দম্তরে লি ই্জারদার্দিগের ইইতে না হয় ইতি।— ১৭৯৩ দা। ৮ আ ১১ গা।

৮ পার।।

নিমকপোণানীর মগালাতের বিশেষ হকুম।

এই আইনের উ পরের সম্ভ ধারা ୍ (ଜ(ୟଞ ନାଞାକ কলের মধ্যে যে যে माञ ভূমাধিকারি দিগের স্থিত বন্দো ২য়ের মিরাদ ও তা ধার ধার্যোর কারণ में ज्ञानिमक्दभागा ⊲::নঙহসীলে ভা *एक* कोकार**क दक्ताले** া আকিবার জ্ঞা। ্বিহক হালে।

১১৭। নিমকপোঝানীর সকল মহালাতের মধ্যের যেং মহাল নিমকপোথানীর কাষ্যা সুন্দররূপে চলনের নিমিত্তে গুজয়া কএক দাল খাদ তহদীলে রাখা গিয়া থাকে দেই মহালের গতিকের দহিত এই আইনের উপরের ধারা**দকলে**র লিথিত যে যে দাঁড়া ভূচ্য ধিকারি দিগের সহিত ভূমির বন্দোবস্তের মিয়াদ ও তাহার আন আছে সে মুকল ওয়ান ধাথোর বিষয় নিদিট আছে তাহা সমুক রাখিবেক না অত এব দেই মহালের অর্থে এমত নির্দায় চুইল যে দেই মহাল ন'র গে থে মুহাল পুর্বামতে থাসতহসীলে থাকিয়া তাহার বন্দোবস্ত প্রতি সন হইবেক যাবং জ্রীযুত গবর্নর জেমরল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরহইতে এ বিধয়ে মৌকুফের আইন নির্দ্ধিট নাছয় ইতি:-- ১৭২৩ লা। ৮ আ। ১০০ ধা।

১১৮। যে দকল কালেক্টর সাহেবের এলাকায় উপরের গারার লিখিত যে যে মহাল আছে তাঁহার্দিগেরে হকুম হইল যে সেইং পাটা দিবকে নিম মহালেবু প্রজাদিগেরে এই আইনের লিখিত দকল দাঁড়ামতে জিলা মেদিনীপুরে পাট্টা দিবার অর্থে যে মিয়াদ পাহ্য আছে সেই মিয়াদের নিক্ষিট আছে এন ব মধ্যে পাটা দেন ইতি। - ১৭১৩ মা। ৮ আ। ১০১ পা।

জিল। হে দিনীপুরে **(व रागकल** ४१७) মারে নিমকপে এ डॉनीत महात १८४ श्रकामिरशस्त्र भाषे। দিতে কালেকটন मादः विभित्यद्व छ क् ম হউবার কথা। [নিমক মহ'ল।]

২ অধ্যায়।

ভূমির রাজস্বের বন্দোবস্ত।

বারাণস।

১ शाता।

বারাণসে ভূমির রাজস্বের চিরকাল বন্দোবস্ত।

[বারাণস 🗓

 ১। এী

রুত গবর্

রর্

জনরল বাহাদ্রের

য়লুর

কৌ

সোল

এলাকা বারাণদের রাজার দহিত ঐক্যক্রমে স্ক্রি হইয়াছে যে সুবেজাৎ বাসা লা ও বেহার ও উড়িসার মধ্যের রাজকাগ্য হইবার অনুসার্ট্রে এলাকা বারাণদের রাজকীয় ব্যাপার যেপথ্যন্ত হইতে পারে করা খায় এব 🗠 ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ২ দ্বিতীয় আইনের হেতুবাদের লিথিত কথানুসারে ঐ এলাকরি সরকারের করসমুর্কীয় ভূমির জমা নির্দ্ধাগ্য করণ ঐ রাজকীয় ব্যাপারের অবশ্য কর্ত্তব্য এক কর্ম্ম অতএব নীচের 🎢 লিখিত হুকুম নির্দিষ্ট হুইল ইতি।—১৭৯৫ সা। ১ আ। ১ ধা।

এলাকা বারাণ্যে সম্প্রীয় ভূমিসক লের আদ্যোপান্তে র বন্দোবস্তের মতে ৰ কথা।

[বারাণস।]

্থ। ঐাযুত গরর্নর্জেনরল বাছাদ্রের **ছজুর কৌন্সেলছই**তে ফস র সরকারের কর সী ১১১৫ সালের আথিরীতে এলাকা বারাণ্রের বেসিডেণ্ট সাহে বের প্রতি হকুম হইয়াছিল যে আগামী ফ**দলী 🗱 🥸** দালের নিমি ত্তে ঐ এলাকার বন্দোবস্ত আপন এতমামে বক্ষেত্র তদনুসারে রেসি ভেণ্টসাহে ব তথাকার কোন আমিলের জিমা। এক বৎসরের মুদ্ধভের ও কোন আমিলের জিমা পাঁচ সনের মিয়াদের পাউ। করিয়া বন্দো বস্তুও করিয়াছেন ও তাহারা যে মালগুজারীর সরুবরাহ দিবেক তা হার তায়দাদমুক্তেও একরার হইয়াছে কিন্তু ঐ হজুরের বাসনা ছিল যে সুবেজাৎ বাঙ্গালা ও বেহার ও উড়িয়ার মধ্যে দশসনী বন্দোর স্তের যে মত স্থির হইয়াছে সেই মতে যেপগ্যন্ত হক্কতে পারে ফদলী ১১১ 🖣 দাল প্রবৃত্ত হইতে ঐ এলাকার বন্দোবন্ধ 🖏 যায় এপ্রযুক্ত যে আমিলদিগের জিমা পাঁচ সনরে মিয়াদী পাট্টা হইয়াছে তাহার সহিত্ত পুনরায় দশসনীমতের বন্দোরীয় করা গিয়া করুলিয়ৎ লওয়া গিয়াছে যে মিয়াদের বাকী ৪ চারি সনপর্যান্ত জাহারদিগের তাবে তালুকদার ও গ্রামসকলের জমীদার ও ইজারদারীদিগকে যে পাটা দিতে হয় তাহ। রেদিডেণ্ট দাহেবের ও তাঁহারদিগের মোহর ও দম্ভথতে দেওয়া যাইবেক এব ে সেই পাট্টায় মালগুজারীর নিরূপণ এমত লেখা থাকিবেক যে তাহা আমিলদিগের নিকটে পঁছছিয়া তা হারদিগের মারকতে সরকারে দাথিল হইবেক এডদ্ভিন্ন যে আমিল দিগের জিমার এক বংশক মুদ্দতী প্লুটোর মিয়াদ গত হইয়াছে তা

হারদিগের ভীঁবে যে তাল্কদার ও গ্রামদকলের জমীদার ওই হার দারদিগের মালগুজারী আমিলদিগের মারফতে আদায় হউবেক তা হারদিগের বন্দোবন্ত দশসনীমতে হইয়া সে বন্দোবস্থী পাটা রেসি ভেণ্ট সাহের এব° রাজা উভয়ের দস্ত্র্যাতে দেওয়া গিয়াছে। আরু রেসিডেণ্ট সাহের আপন কৃত বন্দোরস্কের যে সকল কাগজ পত্র ইঞ্চ রেজী ১৭৮১ সালের ২৬ আপ্রিল ও ৩০ নবেম্বর ও ২৬ দিসেম্বরে এব॰ ১৭৯০ দালের ২৫ নবেম্বরে ঐ হলুরে পাঠাইয়াছেন তাহাতেও একেং একসনী ও চৌসনী ও দশসনী মতে বন্দোবন্ত হইবার নিদর্শন আছে এব॰৲ ঐ হজুরেও সে সকল কাগজ পত্র দৃষ্ট হইয়া ইঙ্গরেজী ১৭৯১ সালের ১১ ফেব্রুআরি তারিখে সে চৌসনী ও দশসনী বন্দো বস্তু মঞ্জুর পড়িয়া হুকুম হুইয়াছে যে চৌদনী বন্দোবয়ের মিয়াদগতে সেমত বন্দোবস্তী মহাল সকলের একং সাল তামামী জ্যার নিদ্র্শনে আগামী অতিরিক্ত ৬ ছয় সনের মিয়াদে বন্দোবস্তু এমত করা মায় যে তদনুসারে আদ্যোপান্তে দে সকল মহালের বন্দোব্য পূরা দশস নীমকেইওয়া বোধ হয় এব॰ দে দকল মহালের ভালকদার ওগয় রহকেও এ প্রকার ভরদা ও থাতির্জ্মা দেওয়া যায় যে তাহারা তাহারদিগের মহালাতের বন্দোবস্থী পাট্টার মিয়াদ আথিরী সনে সমেত রুসদ যে জমার ধার্য্য থাকে তাহার সরবরাহ দিতে থাকিলে দে জমার কমী ও বেশী তাহারদিগের জীবনাবপি না ছইয়া দর্মকাল একসমান থাকিবেক ও এমত ছকুম পুনঃপুনঃ এলাকাদার্দিগের গো চরার্থে ইশ্তিহার দেওয়া গিয়াছে ও এতদ্নুদারে কোনং প্রগনার কোনং পাট্টাদার ও কোনং প্রগ্নার কোনং জ্মীদার ও ইজার দার ছাড়া অ্রাই যে দকলে মাফিক পাউ। মালগুজারীর দরবরাই দিয়াছে **অহাঁরহিনের** হক্ তালুকওগয়রহ উপরের লিথিত **চ**কুম ক্রমে তাহারদি**গের ভী**বনাবধি বহাল রাগন সম্পত হয়। অতএব এই কৰে ঐ হজুরহইতে নির্দ্ধায় হউল যে চৌদনী ও দশদনী বল্পোবদ্ধী ভ্লা মুঠাদ: দলান জমার নিদর্শনী কি জমীদারী কি ইজারদারী পাউার অনুসারে সর্ফা প্রকারে যে কেছ চলিয়া যে মহাল ভোগ করিয়াছে পশ্চাৎ যে কোন আইনের মতে সে মহাল গাহার দথলে থাকন যথার্থ হয় তাহার স্থানে সে মহালের বন্দোবস্তী পাটার মিয়াদ আথিরী সনে নমেত রদদ 😝 জমার ধার্য্য রহে তাহার বেশী তাহার স্থানে কথনো তলৰ না হইট্রা সেই জমাতেই দে মহাল তাহার ভোগদথালৈ সর্পা বহাল থাকিবেক। ও এই ছুকুম শীঘু সকল এলাকাদারের জাতসা रात कात्र रातिए के नार्श्यंत्र डेविंड य नीरवत निथनानुमारत है न তিহার দেন ইভি।—১৭৯৫ সা। ১ আ। ২ ধা।

পাটার লিখিত থাকিবার ওভাচার মতের বিচলিত না হটবার কথা। [বারাণস+]

৩। এরিযুত গবর্নর্জেনরল বাহাদ্রের হজুর কৌন্সেলহইতে ইঙ্গরেজী ১৭১১ দালের ১১ ফেব্রুআরি তারিথে চ্কুম ইশ্তিছার মতের কগা। হইয়াছিল বে কদলী ১১৯৭ সাল মোতাবেকে ইঙ্গরেজী ১৭৮৯ मान ও ১৭৯० मान्न अनाका वाजागतमञ्जू ८ होति मत्कारंत्रत जत्म **क्रिया अपनामी य बल्याबुड इहेबार्फ खादा इब्रुट्ड प्रश्नुत अप्राठ**

উশতিহার নামার বার্ণণস। চৌসনী ও দশ বন্দোবস্থের

নিষ্কারিত জন্ম দক্ষ বর করা গিয়া চৌদনী বন্দোবন্ধী পাট্টার অর্থে হুকুনী হইয়াছে যে দা বতাল বৃহিবার সেই চৌদুনী পাড়ার শেষ দনে যে মহালের যে জমার নিদুর্শন থাকে कथा।

বিব্রাণ্য 🗓

সে সহালের সেই জ্যা আগামী ছয় সনের কারণেও বহাল থাকি বেক যে তাহাতে চৌসনী ও দশসনী বন্দোবস্তী জঘা একরমান জানা যায়। এইক্ষণেও ঐ হজুরুহইতে তুকুম হইতেছে যে চৌদনী ও দশদনী বন্দোৰত্বী পাটাৰ মতে যে মহালেৰ যে জমাৰ পাৰ্য্য থাকে এতাৰতা আথিরী সনে যে জ্যার নিদ্রশন রহে সেই জ্যার সর্বরাছ যে কেহ দিয়া ও সেই পাড়ীর অনুসারে চলিয়া থাকে ও উত্তরকাল যাহাকে সে মহাল অর্শে সে যদি বন্দোবস্থী সন আথিরির নির্দারিত জ্ঞার সরবরাহ দেয় ও তাহার পা**ড়া**র মতে চলে তবে তাহার **সমু**র্কে সেই জ্যা সর্বাবাদের তবে বহাল বহিবেক তাহার বেশী কদাচ তলর इडेरनक ना!-->१२४ मा। > आ। ७ था। > था।

৪। উপবের লিখিত ইশতিহারনামা নীচের লিখিত প্রস্তাব ছা গে প্রস্থার ছ ডি য়া উপরের লিখি ড়িয়া নির্দ্ধায়্য করা গেল।—১৭৯৫ সা। ১ আ। ৩ পা। ২ পুর। ও উপতিহারনামা পাৰ্য্য হুইল ভাছার

বারাণস।

कथी।

ড়া কথা। [বারাণস।]

উপরের লিশিত ^{্রা}ও। জানিবেন যে ঞীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর রশ্তিগার নামাছ। কৌন্সেলছউতে উপরেজী ১৭৯৩ সালের ৪১ একচন্দারিণ্শৎ আই নের মতে যে দকল আইন দমস্ পটীদার ও অধিকারভূমির অং শিদিগের ও প্রজাবর্গের স্বত্নাধিকার অর্থাৎ হক বজায় রাথিবার ও আদালতের অর্থে নির্দ্ধিউ হয় তাহার মতাচরণকরণ সকল পাউ। দারের উচিত হইবেক।—১৭৯৫ সা।১ আ। ৩ ধা। ৩ প্র।

शाकारकर अजीका রী যে মেরূপে আ শিবেক ভাষার ক 211

७। এलाका नातानरम हलिनात जत्म इन्धरत्की ১৭৯৩ मालित ৪১ আইনের মতে যে দকল আইন ছাপা ও জারী হইয়াছে ও হই বেক তদনুসারের হকুম এবং শরা কিয়া শাস্ত্রের মতে ও দেশাচার ক্রমে যাহার্থ হক যে যে জমীদারীতে থাকে তাহা তাহার্দিগেরে অশিবৈক।—১৭৯৫ সা। ১ আ। ৩ ধা। ৪ প্র।

(दाद्रांगम्।)

নে জমীদাবের ৭। এলাকা বারাণসের রাজার সহিত ঐক্যক্রমে নির্দ্ধার্য্য হইয়। स्रमीमाती डेक्ट(वर्डी) ছে যে এীয়ত কোম্লানী বাহাদুরের এথিয়ারে ঐ এলাকা আদিবার ১৭৭৫ দালের ১ জু তারিথ ইফরেজী ১৭৭৫ দালের ১ পহিলাজ্বলাইর পুর্বে যে কোন লাইর পুঝে ভাচা জমীদারের জমীদারী মহাল তাহার হস্তছাড়া হইয়া কোন ইজার রা ফেদখল হট্যা मारत्व रेजाता जुक र्रेशास्त्र म रेजातमात प्रतिरम किशा कात्रभा অনোর ইলারাহই য়াছে দে ক্লমালারী তবে তাহার ইজারার পাউ। বাজেয়ায়ু হইলে দেই ক্লমীদার বর্ত প্ৰবায় হৈ কালে মান থাকিলে সে কিয়া অন্য যাহাকে সেই মহাল অৰ্শিতে পারে সে যে মতে দেই লমী যদি দেই বাজেয়াক্ত্রী পাড়ীর অনুসারে সে মহালের জনার সরবরাহ मारवह नगरम प्य फिर्ड अव॰ प्रामश्रमाती उर्शीम उ स्वामानर्जन अर्थ उ जनार नि সয়ের বিমিক্টেখি মকল আইন ইমরেজী ১৭৯৩ দালের ৪১ আই শিতে পারে এতার নের অনুসারে নির্দিষ্ট হইয়া ছাপা ও জারী হইয়াছে ওছয় তাহার কথা। মতাচরণ করিতে খীকার ও কবুল করে তবে দেই মহাল তাহার হমেই রাথা যাইবেক কদাচ অন্য ইজারদার কিয়া পুরুষ ইজারদারের ওয়ারিসদিগকে গতান খাইবেক না।--১৭৯৫ সা। ১ আ। ৩ পা। ৫পু।

৮। ঐ এলাকার চলনমতে যে কোন জমীদারের জমীদারী মহাল ইপ্রেজী ১৭৭৫ সালের ১ পহিলা জুলাইর পর নির্দ্ধারিত বন্দো জর্মাদারী । अपर्रं श्री বস্তের কালপ্যান্ত তাহার দুখলে থাকিয়া সেই নির্দ্ধারিত বন্দোর ১৭৭৫ মালের ১ ফ্ স্তের কালে অন্য পাট্টাদারের দ্থালে গিয়া থাকে দে জমীদার মদি লাইর পর কিছু কা দে ওয়ানী আদালতে এমত প্রমাণ করিতে পারে যে ভাহার দেই জমী দারী মহাল ঐ তারিথের পর নির্দ্ধারিত বন্দোব্য হইবার কালপ থান্ত তাছার হয়ে রহিয়া সেই নির্দ্ধারিত বন্দোবস্তের কালে সেই থাকে সে এম দার অন্য পার্ট্টাদারের দথলে গিয়াছে তবে পুনরায় দে জনীদারীতে পুনরায় দে মতে শেই **জমী**দার আমল পাইবেক। ইহাতে জজসাহেবের উ(১০ যে মেই জ্যাদার। পা একপে প্রমাণকারক জমীদারের হক নির্দ্ধিষ্ট তাহার দখলে সে মহাল 📑তে পারে 🗵 🖽 আসিবার অর্থে ডিক্রী করেন কিন্তু সেই ডিক্রীতে এমত নিদর্শন রা কণ্টা থেন যে সরকারের দেওয়াপাড়া পাইয়া আদ্যোপায়ে সেই অন্য পাট্টাদারের যে অপচয় ও নোকৃশান হইয়া থাকে তাহার দা**রী** দেই জমীদার হয় বিশেষ কত্তব্য যে দেই জমীদার দে মহালে দথল পাইবার পুর্বেষে সেই নোকশানের সাবৃদ্দেই অন্য পাড়ীদারের স্থানে লইয়া ও তহকীক করিয়া পাউদারকে দেওয়াইয়া জমীদারকে জগা দার্থতে দ্থাল দেওয়ান ইতি।—১৭১৫ দা। ১ আ। ৩ পা। ৬ প্র।

त्य क्षत्रीभारत्य ল ভাহার দৰালে থাকিয়া ত্রা পাট্টা मारत्व रस्य शिश

[राहाभग]

১। ইন্সরেজী ১৭১৩ দালের ৪১ একচড়ারিপশৎ আইনে খিযুত কোম্লানী বাহানুরের সরকারের অধিকার মুবেছাৎ বাঙ্গলা সালের ৪২ আইন ওগরুরহের সমস্ত কার্য্য চলনের নিমিত্তে জারী হইবার সকল আইন এলাকা বারাগনে চ এস্ক্রমে রচনের যে ত্রুম লেখা যায় তাহা এই ধারানুসারে এলাকা ^{লিবার কল।}। বারাণদে চলিবেক ইহাতে যে যে আইন ঐ এলাকায় চলিবেক কি না তাহার সন্দেহভঞ্জনার্থে স্লস্ট করা যাইতেছে যে এই আইন জারী ংউবার **তারিথে ও** পূর্বাপরে যে দকল আইন জারী হই**ল** এব**ং** হউয়া **থাকে ও হইবেক তাহা**র যে কোন আইনের শিরনামা কিয়া কোন ধারায় যদি দেই আইন সমৃদয় কিয়া তাছার মধ্যের কোন মর্মা ঐ এলাকায় চলিবার প্রয়াব না থাকে তবে দে আইন ঐ এলাকায় চলিবেক না ইক্টি।—১৭৯৫ সা। ১ আ। ৪ ধা।

देशहरत्रकी अभवत [বারাণস ৷]

১০। এীয়ুত কোম্লানী ইঙ্গরেজ বাহাদুরের সরকারের ভরফ রে। সিডেণ্ট সাহের এলাকা বারাণসে পদস্ত হইয়াও ইঙ্গরেজী ১৭৮১ দালের পুর্বেষ্ট তথাকার জমীদারীর বন্দোবন্ত ও মাল ওয়াজিবী তহ দীলের এলাকা কিছুই রাগ্রিভেন না ঐ সনে রাজা মহীপনারায়ণ

হোৱাণ্স ।

রাজ্যাভিষিক্ত হইবার সময়ে তইসীলের ভার রাজীজ উরী পক্ষের নায়েবদিগেরে অর্পণ হইয়া তাহারা প্রকারবিশেরে রেসিওে টি.সাুছে বের তাবে রহিয়াছিল তদনন্তর ইঙ্গরেজী ১৭৮৭ সালে ঐ জর্মাদী রীর বন্দোবস্থ ও মালওয়াজিবী তহদীলের ভার রেসিডেট দাহে বের প্রতি হইয়াছিল পরে ফদলী ১১৯৫ দাল মোডাবেকে ইঙ্গরে জী ১৭৮৭ সালের সেপ্তেম্বর মাসহইতে তথাকার বন্দোবন্ত ও মাল ওয়াজিবী তহসীলের অর্থে যে সকল উপায় করা গিয়াছে তাহা এই আইনে লেখা যাইতেছে ইতি।—১৭৯৫ দা। ২ আ। ১ ধা।

कमली ১১৯৫ मा লে আমিলদিগের দেয়তা কব্লিয়তে র কথা।

[বারাণসা]

১১। ফদলী ১১৯৫ দালে আমিলেরা নিজে ইজারদার ছিল সেই সনে বন্দোবস্থের সময়ে তাহারদিগের স্থানে রেসিডেণ্ট মাহে বের যুক্তিক্রমে রাজাজীউ নয়া ভৌলে যে কবুলিয়ত লইয়াছিলেন তাহাতে এমত একরার লেখা ছিল যে তদখাদমতে অর্থাৎ হস্তব্দ দুটে যে জমা তাহারা কবুল করিয়াছে তাহার সরবরাহ নজরআনা ও সরকারের নিস্কিররায়ী ও রসুম থাজানাসমেত করিবেক ইহা দেওয়ায় মজুরায়ী অঙ্ক মাফীক মামূলী আর থারিজজমা ঋই দুই রকম ইহার মধ্যে থারিজ জমার বিতি মোশাহেরা ও ইউমিয়া যাহা কতকং নিশ্ধর ভূমির উপর ও কিঞ্চিৎং নগদে সরকারের থা জানাহইতে দেওয়া যায় এ অস্ক সে কবুলিয়তের শামিলে না আসি 🕷 কেবল ঐ কবুলা জমার সরবরাহ বিৎসর ভরিয়া 🛣 রিবার নি অসঙ্গতাবধানে দশনে বন্দোবস্তের কালে কিস্তিবন্দী হইয়াছিল আর লিথিয়া দিয়া ছিল যে রকম নির্দিষ্ট স্থিত জায়দাদছাতা কিছু তহসীল করিলে যত দিতে হইবার কথা। বেশী তহসীল ক**রে** প্রমাণপূর্বকে **তাহা**র তিন**গুণ দণ্ডক্রমে স**রকারে দাথিল করিবেক ইতি।—১৭১৫ সা। ২ আ। ২ ধা। 🖫

থাজানা লটলে দও

সরকারী মালপ্ত থা।

[বারাণস।] পাট্টায় নলের 4411

চ্ছিবার কথা।

১**২**।—সরকারের মালওজারী ভহ্**সীলে যে কুদাঁ**ড়া হইয়াছিল আর্টাতহ্নীলে কুদা তাহা না থাকিবার জন্যে রেসিডেণ্টসাহেব ইঙ্গরেজী ১৭৮৮ সালের ড়ান। থাকিবার ক ২৫ জুনে রাজা জীউকে কহিয়াছিলেন যে নয়াএমত এক নক্শা করিয়া পাউ। প্রজাদিগেরে দেন্যে ভাহাতে বউাই ভূমির মাপের नरलत नाम ও मीर्चित निमर्भन लिथा थारक। वर्डी इ जुमित अर्थ अह নিদর্শন থাকিবার যে ভাহার উৎপন্ন শুদ্যাদি কদলের ভাগ যাহা সরকারে কিয়া অন্য স্বস্থ্ৰানকে অর্শে তাহার মূল্য নির্দ্ধারিত বাজার ভাওক্রমে যত টাকা হয় তাহা সৈ ভূমির যেতিদার **প্রজা নগন্ধ দাবিল ক**রে আর নলের নিদর্শন পাউ।
ই থাকিবার ভার 🌉ই যে ফদল:তৈয়ারমুথে কানকুত করিবার কালে সরকার কিয়া আন্সা স্বত্বান অধবা প্রজা জিনিদের দর বা কেহ ভূমি মাপিতে চাহিলে দেই নলে মাপিয়া ব্রুষা যায়। আর অনেক স্থানের দাঁড়া আছে যে তথাকার ভূমির জমাবন্দী সনবসন কানকুতের অঁদুসারে হইয়া তাহার থাজানা সরকারে দাথিল হয় কিন্তু তাহার উৎপন্ন ফদলের মধ্যে দরকারী ভাগের মূল্য কি নি রিথে ইক্টিরা লওয়া ষাইবেক ইহার নৈত্য না থাকনহৈত্ব আমি নান্ ও প্রজারদিগের উভয়**ত** আপ**্রি**ক্রন্মিত এজনো নির্দ্ধায় হইল

য সরকারের ছুকুমমতে ফসল গরিফ জিনিসের দর মাখ্যমাসে ও চদলরবী জিনিদের দর জৈ। শুমাদে এই নিয়মে প্রতিসন দুই ফুনল ্রেথ দুইবার প্রগনায়ং বান্ধা যায় এবং এ সমাচার ইশ্তিহার ৰুমে **সকল লোককেও জ্ঞাত করাণ** যায় জানি**বেন** যে কানকুড ক্রিয়া ও জিনিসের দর বান্ধিয়া সন্বসন ক্রমানন্দী করিবার যে গতিক উপরে লেখা গেল এই গতিকে উত্তরকাল কাগ্য হইনেক ও 🕫 ফুৰুলমুখে যুত টাকা জুমার ধাষ্য হয় তাহা আললহিদারে মাদেং _{पक्षम}ल किम्बिरमीत अनुमारत किम्बि किम्बिएड लउग यहिरतक। এতন্তির যে আগোর বড়াই ভূমির জনা তাছার উৎপর ফমলের চলন না থাকিবার ভাগে লইবার দাঁড়া ছিল তাছা লইতে নিষেধ হইল কারণ এই মে কথা। তাহার যে ভাগ সরকারের প্রাপ্তব্য তাহা কেহ্থ শ্চতাত্রমে তফাৎ ও उमकुफ कृतिछ। ইছাদেওয়ায় छ्कूम छिल पा वर्छ। है पा ज्ञीन ফদলের ভাগ সমানক্রমে কিয়া নানাধিকমতে আমিল ও প্রজা সাহ। কে যত প্রণনার চলনমাফিক অর্শৈ তাছার প্রনি দিয়া দে ভূমির পা টায় লেখা যায়।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ৩ ধা। ১ প্র।

১৩। যেথ কোন ব্রাহ্মণ ও অতিথি আদ্যোপান্ত আপনার্দিগের মাল্ওজারী ফদল মুখে আগোর বউটি মতে দিত তালারা দে পদা ২ দিলের মালওজারী দ্বিতীয় পারার লিখনানুসারে মৌকুফ হউবাতে প্রতিবন্ধক হউয়া বু দাঁও আগোর ক্হিয়াছিল যে তাহার্দিগের সেরপে মালওজারীর পদা মৌকুক গ্রাইমতে হইলে আত্মহাতী হইবেক অতএব রেসিডেণ্টমাহের ইন্সরেকী ১৭৮১ দালের ১৭ জানুলারিতে ইশতিহারনামা জারী করিয়াছি লেন এব॰৲ তাহারদিগের দাঁড়া অতিমন্দ দেথিয়া জানাইয়াচিলেন যে এই আইনের ছকুমমতে কার্য্য হউবেক আরু আগোর বড়াইর দাড়া অল্পই স্থানে চলন ছিল একারণ এমত বোপ ছিল না যে অন্যং স্থানে কেছ এ দাঁড়ার মৌকুফে প্রতিবাদী হউবেক এপ্রযুক রেসিডেণ্টসাহেব বিহিত জানিয়া আঁমিলদিগকে শক্তার্পণ করিয়াছি লেন যে যদি ব্ৰাহ্মণ ও অতিথিগণে নগদ টাকা মালওজারী করিতে আপত্তি করে ওঁবে তাহারদিগের স্থানে তাহার বদলে মালগুজারী আগোর বউটিক্রমে তাবং লয় যাবং সে প্রকার লোকেরা নগদী মোকররী নিরিথমতে মালগুলার দিতে দ্বীকার না করে। এ ভ্রুম এীযুত গ্রব্নর জেন্রল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলেও মঞ্কুর হই ग्राष्ट्र इंडि।->१३६ मा। र आ। २> धा।

ষ্টাহ্মণ এ ডাডিথি

১৪। নগদী যে ভূমির জমা বিখার প্রতি নির্দ্ধার্যা আছে তদর্থে ত্কুমুহইয়াছিল যে যে নলে সে ভূমি মাপ হয় তাহার নাম ও স্থামর পাটায় সংয দার্ঘের নিদর্শন তাহার পার্টায় লেখা যায় এবং তাহাতে ইহাও উত্থাবওয়াব জন লেখা রহে যে ইঙ্গরে জী ১৭৮১ সাল মোতাবেকে ফসলী ১১৮৭ দালের পর যে কএক রকম দরী অক্ক ও ধরচা বৃদ্ধি হইয়াছিল তাহা ফদলী ১১৯৬ দালহউতে মৌকুফ জানগৰাইবেক ইহাদেও য়ায় যে আসল জনা ও আরুপুরার ফদলী ১১৮৭ সালে নির্দিউ ১০১. চ

জাব'দী নগদী दाव कथा। [टाडा**गम**।]

ছিল তাহা একত্র মোট হইয়া বেলমোক্তাক্রমে পার্টী হয় যে তদনু সারে প্রজারা নগদী ভূমির একং বিঘার নিদর্শনী জমার হারে মাল छजाती करत्। — ১१२ ७ मा। २ व्या। ७ था। २ था।

পতিত ভূমির জ [বারাণস 🛚

১৫। পতিত ভূমি আবাদের জন্যে হুকুম হুইয়াছিল যে প্রজারা মার নিরিখের কথা। তাহার যত জমা দিতে কবৃল করে তাহাই অপঞ্চকে নির্দ্ধার্য্য হউ বেক এতাবতা তাহার উপর আবওয়াব চড়িবেক না ইতি।—১৭১৫ मा। १ जा। ७ था। ७ था।

উপরের লিখিত করিতে তকুমের ক था।

[বারাণস।]

১৬। ইঙ্গরেজী ১৭৮৮ সালের ১ জুলাইতে এই আইনের উপ উপায়ক্রমে কার্যা রের লিথিত দকল হকুম কানুনগোদ্গিকে জ্ঞাত করাণ গিয়াছিল এব॰ হকুম দেওয়াগিয়াছিল যে তাহারা রাজাজীউর ঐ সকল হকুম মতে কার্য্য করিবার কারণ যে আমীনদিগেরে নিযুক্ত করিয়া পাচাই য়াছেন সে আমীনদিগের সহকার থাকিয়া নগদী ভূমির জমার পার্য্য ও বউটাই ভূমির ভাগের নিরূপণ করে। আর **ত**ইকালে ইহা ও হুকুম ছিল যে রাজা চেত দি° হের আমল ফদলী ১১৮৭ সালে মাপের নল এলাহী তিনদেরাঅপেক্ষা বেশী কিয়া কমী যত বড় থাকে সেই নলেই উত্তরকাল ভূমি মাপ হইয়া ঐ সনের যথাকার যে চলন কুড়ি কাঠার বেশী কি কমীতেই বা বিঘা ধরিয়া দেই নল ও বিঘার বেশী ও কমী বিবেচিয়া নগণী ভূমির জমার প্রার্য্য ও বট্টাই ভূমির ফদল ভাগের নিরূপণ দমেত আবওয়ার বেলমোক্তামতে ঐ ফললী ১১৮৭ সালের নিরিথের ছারহারিতে যত ছইতে পারে তাহা করে ও সেই নিরিথের নিদর্শনে পাট্টা হয়। এই **হুকু**মের অনু সারে রাজাজীউর তর্ফ আমীনেরা যে সকল পা**উ**া দিয়াছিল তাহাতে উপরের লিথিত নিরিথবন্দিও ছিল কিন্তু দে সকল পাউ। এমত পরিষ্কারক্রমে দেয় নাই যে তদ্ধে তাহারদিগেরে নিযুক্ত করিয়া পাটাইবার বাঞ্চা সর্বতোভাবে সফলা হয় এবং তাহারা **লাবেৰু** ও হালের মাপের নল ও বিষার বিবেচনানুলারেও জমার ধার্য্য 🕶রে নাই ইতি।—১৭৯৫ সা। ২ আছ। ৪ ধা।

এলাহী ডিনদেুরা র পরিমাণীনলের মাপে ফি বিঘ:র নি ষ্ঠার্য্য হইবার কথা। [বারাণ্স :] मारवक अ शालाइ িনলের ইডর বিশেষ বিবেচনা যে২ সম্ য়ে করিতে হইবেক তাহা**র প্র**থা।

১৭। উপরের লিথিত হকুমমতে ভূমির মাপের নির্ণয় এলাহী তিনদেরার পরিমাণী নলকমে হইয়াছিল ইহাতে আমিল ও কানু নগোদিগের অনুমান ছিল যে ভূমি স্থাপিরার নির্ণীত নল সাবেক মাপের নলঅপেকা যত কমী হয় তদুকে বিবেচিয়া হালের আবাদী হরেক রকম ভূমির জমার ধার্যা কুম নিশ্বিংখ 💐 ইবেক। অতএব ইহার মর্ঘ জ্ঞাত করাইবার কার্ণ রেসিভেট্ট সাহেব ইঙ্গরেজী ১৭৮১ নালেৣর ১২ মাই তারিথে ইশ্তিহার দিয়াছিলেন যে কসলী ১১৮৭ সালে ভূমি মাপের যে নল নির্দিষ্ট ছিল জনপেকা কমী নলে যে ভূমি মাপা গিয়া থাকে দে ভূমির জমা দেই মাপের নলের ক্মীদৃক্তে কি বিহার উপর নগদী ভূমির ও রসী কানকুতী জমীন অর্থাৎ যে ভূমির ফদল ভাগের নির্ণশ্ধ প্রাকে কিয়া স্থানবিশৈষের চল

নমতে অণ্শ ধরিতে হয় তাহার মতে ধার্যা হইবেক। এতদন্দারে যে কোন স্থানের কানকৃতী জমীনের জমা ফদলী ১১৮৭ সালেত নির্দ্দিষ্ট নিরিথমতে নির্ণীত ভাগক্রমে অথবা ফদলের রকম এউঅল ও দুয়ম ও দিয়মদৃষ্টে ফি বিঘা ৩/ তিন মোন কিয়া ৪/ চারি মোন অথবা অন্য যে কোন হাবে লওয়া গিয়া থাকে সে জমীন যদি আমিল কিয়া প্রজার মনম্বক্রমে হালের নিরূপিত নলে মাপা যায় তবে সাবেক ও হালের মাপের নলের কমীদ্ধ্টে নগদী ভূমির নিরিথের পার্য্য করিবার অর্থে যে দাঁড়া উপরে লেথা গেল সেই দাঁড়া এমত কানকৃতী জমীনের জমার পার্গ্যের বিষয়েও কমীর বিবেচনার প্রতি গ্রাহ্য **হইবেক।** আর যদি এমতে কানকৃতী কোন জমীন উভয় সম্ম তিতে নয়া নলে না মাপিয়া তাহার ফদল কত জনেক গোরো এতা বতা কৃতকারক কিয়া কানুনগোর গোমাস্তার মারফতে নজর আন্দাজে হইয়া তাহার জনার ধার্য্য হয় তবে তদর্থে উপরের লিখিত ভুমি মাপের ন**লে**র কমীর বিবেচনা করিতে হ**ই**বেক না কারণ এই *যে* সৈ জমীন বিনামাপে নজরআন্দাজে কৃত হইশ ইহাতে নলের ক্মীর বিবেচনার তাৎপর্যা নাই। সকল আমলা ও প্রজাদিগের কর্ত্তরা যে উপরের লিথিত হুকুমমতে কার্য্য করে এতদ্ভিন্ন তাহারদিগের প্রতি ন্তক্ম ছিল যে যথায় দানাবন্দী কানকৃতক্রমে অর্থাৎ ভূমি না মাপিয়া তাহার ফদল তহকীক করিয়া জমার ধার্য্য করা যায় তথায় দাবেক ও ছালের নলের কমীর বিবেচনা না করে কারণ এই যে এমত গতিকে দরকারী জমার ধার্যা ভূমির মাপের মুথে না হইয়া তাহার উৎপন্নদৃষ্টে হইবেক। পরে জানা গেল যে আমিলেরা পূর্বে মাপের রসীর দুই মৃড়ায় দুই মোড় যাহাকে তাহা কান্দা বলা যায় তাহা অনেক করিয়া দিয়া রসী থাট করিয়া ভূমি মাপিয়া প্রজা দিগের সহিত দাগা করিত এপ্রযুক্ত প্রজাদিগের বিহিতের জনো ত্কুম হইয়াছে যে কোন ভূমি মাপিতে হইলে দেই দুইমোড ছাড়ি য়া দিয়া সরাসরক্রমে রুসী ধরিয়া মাপিয়া সানেক ও ছালের মাপের কমীর বিবেচনা করা হাইবৈক ইতি।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ৫ ধা.।

১৮। তহসীলের সিরিষ্কার বন্দোবস্তুকারণ এই আইনের ৩ হুতীয় ধারার লিখিত যে হ্রুম ইঙ্গরেজী ১৭৮৮ সালের ২৫ জুনে নি্দার্গ্য লের বন্দোরন্ত্রে ক হুইয়াছে, তাহা সমস্তই নয়া দাঁড়াক্রমে জমার ধার্য করিয়া মালগু **খ**া জারী উসুল তর্হীক্তুকরাইবার পূর্বে ঐ সনের ৩ অক্টোবরে এীযুত গবর্নর জেনর বিভিন্তির হজুর কৌন্সেলে মঞুর হইয়া পরে সেই দাঁড়া স্বাক্টার, জন্মে রেসিডেণ্টসাহেবের প্রতি ভারার্পণ হইয়া ছিল যে **वे नाल्ह्यें** कमली \$ \$ \$ \$ मार्ग ममस तस्मावस आशन कर्जुरच्च करतन्। उपनुमारत थे मारहत कानूनशामिशात पाथिण कता ফর্মলী ১১৮৭ সালের ভৌলী কাগজদৃষ্টে ভূমির ফর্মলী কুতের এবং টে নন্দোবস্ত চট্ট্যা थे সনের নির্দিষ্ট আসল জমা ও আবওয়াবের অনুসারে স্থার তাহার। ছিল ভারুর কথা। নেমত যে কাগৰ ফদলী ১১১৫ সালে কিয়া ভাহার আছাৰ্ছতৈ পূৰ্ব্ব বন্দোৰম্ভী দৰে দিয়াছিল তদ্ভৰুদারে ক্লিড ও জায়দাদ বৃত্তিয়া বন্দো

कमली ১১৯५ मा

[বারাণস।]

দে সকল স্থিতদ্

বস্তু করিয়াছিলেন ও তৎকালে হুকুম ছিল যে পশ্চাৎ প্রজারা ঐ ফদলী ১১৮৭ দালের নির্কারিত নিরিগক্রমে মালগুজারী দিবেক। তদন স্তুর কানুনগোদিগের দাথিল করা ঐ দুই সনের ভৌলী কাগজের লিথিত স্থিতের দঙ্গে তাহারদিগের দেওয়া ফদলী ১১৯৬ দালের ফদল কৃত নিদর্শনী ভৌলী কাগজের অনুসারে জায়দাদের খুঁট মি লানকরাও গিয়াছিল ও এই দকল ভৌলের নিদর্শনী স্থিতের মধ্যে আমিলদিগের লাভ ও মফঃদল দরঞ্জামী থরচা শতকর। দহএক অর্থাৎ দশোত্তরা এবণ অপর মিনাহী ও মৌকুফী অঙ্ক যাহার নাম মাফী ও মজুরায়ী ও কানুনগোদিগের যে মুশাহেরা নানকার ভূমি ক্রমে প্রগ্না প্রগ্নায় আছে তাহা এব ে নিস্ফিবরায়ী এতাবতা থাজানা ইরসালী যে থরচা পূর্বে আমিলেরা তহসীল করিত ইহা সমস্ত বন্দোবস্তমুথে বাদ পড়িয়া কানুনগোদিগের দেওয়া ফদল কুতের মিদুর্শনী ভৌলী কাগজের লিথিত বাকী স্থিত সমুদ্য সরকারে দাথিল করিবার দায় আমিলদিগের শিরে ছিল ইতি।—১৭১৫ **না**। ২ আ। ৬ ধা।

गर्कारी अलाहा ন্ডার আনাওগায়র रु अ म'ओ भराल भोतुक दहेदात क

িব 'রাণসা।

क्मली ১১৯७ मा লে আহি**লদিলে**র ক্রুলিয়ৎ উপরের লি'খত ধারার মনে; नुगाद २ हेवाद क 40.1

[काक्रांबन ।]

১১। উপরের লিখিত নিস্ফিবরায়ীদেওয়ায় অন্য যে নিস্ফিব র নিশিফবরায়ী ও রায়ী পুর্দের সরকারে উদুল হইত আর নজরআনা ও রদুল থাজানা ওগয়র হ ও যে সাজীমহাল রাজা জীউর আমলারা পূরের ইজারা দিত তাহা সমস্ত্রই বন্দোবস্তুকালে মৌকুফ হইয়াছিল ইতি। --১৭৯৫ मा। २ जा। १ भा।

> ২০। ফদলী ১১৯৬ দালে বন্দোবস্তের সময়ে হুকুম হইয়াছিল যে আমিলদিগের স্থানে এমত এক নয়া নক্শাক্রমে করুলিয়ৎ লওয়া যা**য় ও দেই** কবুলিয়তের নক্<mark>শায় কানুনগোদিগের তৈ</mark>য়ারকরা ভৌলী জায়দাদ ও নিম্কর ভূমির মিনাহী অঙ্ক এবৎ প্রজাদিগের নয়া পাউার নকৃশা লেথা থাকে। ইহাতে আমিলের। একরার করিয়াছিল যে **শেই ক**বুলিয়তের লিথিত মর্মাকে বন্দোবস্তের ছ্কুমের মূল জ্ঞান করিয়া তদনুসারে কার্য্য করিবেক এবপ ফ্রনলী ১১৮৭ সালের পর যে সকল অন্ধ বৃদ্ধি হইয়াছিল তাহা প্রজাদিগের স্থানে তলব করি বেক না। আর ৬ ষষ্ঠ পারার প্রস্তাবিত কানুনগোদিগের মূশাছেরা এন॰৲ পোতদারদিগের সারফতে থাজানা ইরদাল করিলে ভাছারদি গের পাওনা যে নি'ফিচবরারী আমিলেরা তহ**দীল** করিত ইহার কোন অরু প্রজাদিগের ভানে কর্তুন করিয়া **লইবেক না। এই দুই** অঙ্ক অর্থাৎ কানুনগোদিগের মুশাহেরা ও যে নিসিক্ররায়ী পুরের প্রজাদি গের স্থানে মিলিয়া তাহী বন্দোবদ্ধের মুধে মৌকুফ হইয়া জমায় **ঝারিজ পড়িয়াছে এব°৲ ইহাদেওয়ায় সরকারের পাওনা ৭ সপ্তম** পারার লিথিত নিস্ফিবরায়ী মৌকুফ হইয়াছে **একারণ তৎ**কালে করার ছিল যে কানুনগোদিগের মুশাহেরা সরকারের তহসীলী মাল ওয়াজিবী**হই**তে দেওয়া যাইবেক। আমিলেরা পোডদারী যে নিস্ফি বরায়ী তহ্সীল করিত তাহা কানুনগোদিগের দাপিলকরা তস্থীসী

জায়দাদের মধ্যে বন্দোবস্তের মুথে মিনাছ পাইয়াছে। উপরের লিথিত এই সকল দাঁড়া ও উপায়ক্রমে এলাকা বারাণসের ক্রমাদারী সন মিয়াদা হন্দো সমূদ্যের মধ্যে কমবেশ তেহাই জ্যাদারীর বন্দোবসূ এক সনের জনো ব্যেষ্ঠ কথা। ও বাকী দুইতেহাই জমীধারীর বন্দোবস্ত ও পাঁচসনের নিমিত্তে ফরা গিয়াছিল।—১৭৯৫ गা। ২ আ। ৮ ধা। ১ প্র।

২১।—কোন মহালের ইজারদার মাল আঝিরীর পুরের আপন ইজারা ইস্বাফা করিলে ভাষার পাওনা হয়েলিত্যসীল পাইবার ইডেইজার্মার বর লার্থে যে হকুম ইজারেজী ১৭৮২ সালের ১২ ফিক্রেজারীতে হইয়া খাও হুইলে ংকে। ছিল তদনুসারে তুকুম হইল যে সন আথিরীর পুরের মে ইজারা মহাল ইস্কাৰ্য হয় তাহার জমা যদি দালিআনা পাঁচ হাজার টাকার গ্রাপক না হয় তবে তাহাতে মেই ইয়াফাকার ইজারদার যে মহা লের ইজারদারী হয়োল্ডহমীল কিজুই পাইবেক না কেবল তাখার আমলের তহদীলের নিকাধ তাহার স্থানে নির্দিষ্টিছ ওয়া দরী ইজার দারকে দিবেক ও দরী ইজারদার কেহা না হইয়া গাকিলে দে নিকাস আমিলের নিকটে দাখিল করিবেক এতভিন্ন যদি সে মহালের জনা দালি মানা পাঁচ হাজার টাকার অপিক হয় তবে তাহাতে আপন <u>ক্রোল্ডহসীল আমিলের নিজয় রসুম দহওক এতারতা শতকর।</u> দশোত্তরার মধ্যহউতে পাঁচ টাকার হারে সেই ইয়াফাকার ইডার দার পাইনেক এইছেত্ক যে এমতে মনের মধ্য ইজারা ইন্মাফা হই বাতে বারেং এমত অন্ধ তহমীল করিবার দ্বারা তথাকার প্রজারদি গের সম্রুকে কিছু অত্যাচার ও ক্ষতিগতরা সে মতে না হইতে পারে যেমতে পুর্বের্ম ঐ জমীদারীতে রাজাজীউর এথিয়ারে মোকররী ভৌ নী জমাছাড়া এমতের অস্ক আবওয়ার দফায়ং লওয়া যাইত ইতি। - ১१२ ७ मा । र जा । भ्रा । र थ्रा

সাল আথিব নাচ लउरमील स्म आहे বেক ভাকার কথা। (दादाधमः)

 ফদলী ১১৯৬ দালছইতে পাঁচসনী যে বনের্বিফ ছইয়াছে তাহার দ্বিতীয় দনে আমিলেরা মফঃদল বন্দোবন্ত করিবার দাঁড়ার বন্ধের জনে। বিশেষ জনো নীচের লিথিত যে সকল হকুম হইয়াছিল তাহা ইঙ্করেজী ওণুমের কলন ১৭৮১ সালের ১৪ জুনে জারী হইয়াছে।—১৭৯৫ সা। ২ আ।। ১ ধা। ১ প্র।

इक्किश्वाल १८-५ [शहानम् ।]

২৩। আমিলদিগের কর্ত্তনা যে যদি কোন গ্রাম কিয়া ভূমির চৌ রুষী জমীদার অ**থবা অধিকারী অপদস্ভ হউ**য়া বর্ত্তমান থাঁকে তবে পদও এর্ম দারপ্রভূ তাহাকে সেই গ্রাম কিয়া ভূমি আপনার্দিগের আমিলী মিয়াদের টিকে পদ্র করিব বাকী চারি সনের নিমিত্তে ভৌলমতে ইজারা দেয় ও সে গ্রাম কিয়া র কণ:। ভূমি ইজারদারী ফেরকাকে না দেয় কিন্তু যদি মৌকুদী অপিকারিরা কানুনগোদিগের ভৌলমতে বন্দোবস্ত কর্ল না করে ও জামিন না দেয় তবে তাহার গ্রাম কিয়া ভূমি সেই মিয়াদের জন্য মোকররী পার্টার অনুসারে ইজারদারী ফেরকাকে দেওয়া ঘাইকেঞ্চ ও দেই পাটার যে যে বারুতের জমা আমিলদিগের স্থানে দেওয়া কর্তুন্য

গ্রাম্যকলের ভা [वादाधमा]

তাহা সমস্ত লেখা যাইবেক এতডিন্ন কোনপ্রকারে নজরআনা ও আব ওয়াব লওয়া যাইবেক না।--> ৭১৫ দা। ২ আ। ১ ধা। ২ প্র।

অপদস্তায়মা করিতে নিয়েধের **で**切11

[বারাণস ৷]

২৪। প্রীযুত নওয়ার উজীরদাহেরের আমলে আয়মা কএক গ্রাম দার্দিগ্কে পদস্থ জন্ম হউয়া সৈই সকল গ্রামের অপিকারিদিগোর কএক জন তাহার বদলে কিঞ্জিৎ নগদ তন্থা ও মুশাহেরা পাইয়াছিল পশ্চাৎ দেই আমলে সেই বদলপ্রাপকদিগের মধ্যে এক জনের মুশাহেরা মৌকুফ হইয়াছিল অতএন দেই আয়মাদারেরা যত কাল অপদস্থ হইয়াছে তাহা বিবেচনা করিয়া এমত পার্য্য হইল যে যদি সেই আয়মাদারদি গের কেহ আপন ভূমি বহালের দাওয়া পূর্বপ্রাপ্ত পুরস্কারের নি দর্শনে করে তবে তাহী শুনা যাইবেক না ইতি।--১৭৯৫ সা। ২ আ। 2 থা। তথা।

মোকর্রী বন্দো कथा।

[বারাণস 🗓

২৫। ফদলী ১১৯৬ দালে একদনী ও পাঁচদনী যে বন্দোবস্ত হই বঙ্চ করিবার তে হুর য়াছিল তাহা এীয়ুত গ্রন্ন্র জেনরল বাহাদুরের হ জুর কৌন্সেলে ইঙ্গরেজী ১৭৮১ সালের ১৭ জুনে মঞ্র হইয়া তৎকালে রেশি ভেণ্ট সাহেবকে ক্ষমতার্পণ হইয়াছিল যে সুবে বেহারের মোকররা বন্দোবস্তুর দাঁড়া যেমতে করা গিয়াছে দেইমতে এলাকা বারণদের বন্দোরম্বের দাঁড়াও চেফ্টাপূর্ম্বক করেন সে বন্দোরম্ব করিবার মর্ম্ম এই ছিল যে সরকারের জমার সংস্থান নিম্নুরক্রমে হয় ও এমত পথ থাকে যে সমস্ত লোক ও পুজারা সরকারী জমাছাড়া আপনারদিগের শুম ও মেহনতের ফলভাগী চিরকাল হইতে পারে কিন্তু তৎকালে এলাকা বারণসের বন্দোবস্ত করিবার যে উপায় চাহর হইয়াছিল তাহাতে স্লফ্টতঃ উপরের লিথিত ফলোদয়ের সঙ্গতি ছিল না আর যে সকল জমা দিবার দায় কট্কিনাদার ও প্রজাদিগের শিরে ছিল তাছাতে এই ক্লের নক্শামতে আবাদমুথে কমী ও বেশী দৃষ্ট হয়। जात मुगता (म कमरलत मण्डा तती म कमल शांकितात शूर्ख তাহার আন্দাস হইতে পারে না এ কারণ আমিলেরা সে কালে ্রামসকলের জমীদারেরা ও ইজারদারেরা সালতামামী যে উৎপ ন্নের ভৌলে কবুলিয়ৎ দিত তদ্ধ্যে আটদাতী করিয়া দে ফদল না পাকিবাপ্যান্ত জমীদার কি ইজারদার্দিণের নিকটে অথবা তাহার দিগের তরফ কট্কিনাদারদিগের স্থানে থাজানা **তহদীল অলল**হি সাবে করিত'ও এমত তহদীলে বিস্তর বিরোধ ও বিসম্বাদ হইত আৰ যে সময়ে আমিলের। অনুমান করিত যে ভাছারদিগের কট্রিক নাদারেরা সঙ্গত থাজানা দিতে চাহে না সে সময়ে সেই কট্কিনাদার দিগের এলাকার মহালাৎ ছাড়াইয়া লইয়া অনাং কট্কিনাদারকে দিত কিয়া নিজে তহদীল করিবার জন্যে মনস্থ করিত একারণ

সাবেক বন্ধোবন্ধ আবাদের ক্ষতি অনেক হইত। আর তাহাতে আমিলেরা ও যাহারা আ'মল ও কটকিনা গ্রাম ইজারা রাথিত ইহারদিণের উভয়তঃ সতত বিরোধ হয় এই ুদার্দিগের উভয়তো কদ্**র্যাতা দ্**র হইবার জন্যে উচিত ছিল যে সরকারের মঞ্জরীতে

মকঃদল প্রত্যেক ভালুক ও গ্রাম গ্রামের বন্দোবস্ত পৃথক্থ করা যায় হিরোধের চেতৃ হট ইতি।—১৭৯৫ मा। २ আ। ১০ ধা।

বার কথা।

২৬। এীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদরের হলুর কৌলেমলের ইঙ্গরেজী ১৭৮ ১ সালের ১৭ জুনের হওয়া ত্রুম রেশিতেণ্ট দাহের সমী পাইয়া হকুম দিয়াছিলেন যে আমিলেরা ও কানুনগোরা মকঃমলে র বন্দোবন্ত করে ও তাহার। এমত জানে যে তাহার্দিগের করা বন্দোবস্ত বিবেচনা ও মঞ্জুর করিবার কর্তত্ত সে সাহেবের আছে। এইছেতুক যে তৎকালে এমত নির্দ্ধাগ্য ছিল যে জ্ঞাদার ও ইজার দার্দিগের স্থানে গ্রাম দকলের স্থিত জায়দাদী ওয়াজীরী তলরী থাজানার আটিশাটা ফদল ব্নিবার সময়ে ছইয়া তদ্বুসারে সেই গ্রামসকলের জমার ধাষ্য যথায়ং আমিলদিগের সহিত পাঁচসনী বন্দোবস্ত হইয়া থাকে তথায়২ তাহার মিয়াদের বাকী চারি সনের নিমিত্তে হইবেক। এব° তৎকালে প্রগ্নাসকলের ভ্রম্থীস ও জায়দাদ তহকীক করিবার আশয় এই ছিল যে ফসলী ১১৯৭ সা লছইতে মফঃদলের চারিদনী যে বন্দোবস্ত মঞ্র ২ইবেক তাছার মিয়াদ দশসনপ্যান্ত বহাল থাকিতে পারে তদ্ভিন্ন পুর্বে যে২ স্থানে अकमनी तत्मानमु इडेग़ाछिल (मडेर मुख्यत तत्मानमु अडेक्रत দশ সনের কারণ নির্দ্ধায়্য হইল ও রেসিডেণ্ট সাহেরের পুতি হুকুম ছিল যে এইরূপে আপন এলাকার বন্দোবস্ত সুবে বেহারের বন্দো বস্তের ভৌলে যত করিতে পারেন করেন এরপ তদবীরের কৈফি য়ং ঐ হন্ধুরে পঁহুছিয়া ত্রুম হইয়াছিল যে সুবে বেছারের দশ मनी तत्पत्तातरस्रत कात्रंग (य मकल इकुप्त इक्षरत्रकी ১৭৮১ माल्लत् ২০ মাই ও ২৮ সেপ্তেম্বরে হইয়াছে সেই সকল তুকুমমতে এলাকা বারাণদের দশসনী বন্দোবস্ত করা যাইবেক ইতি।—১৭৯৫ সা। ১ আ ১১ ধা।

চারিস্নী ওদশ रहमारहभूत खारचे कर्वता है। भग (शत कथा। [वादांगम ।]

২৭। উপরের ধারার লিথিত ত্রুম রদকরণ আবশ্যক ছউল এই হেতুক যে রাজা বলবন্তুদিপহ ও রাজা চেতদিপহের রাজাল্লদ মাল মোডালেকে থাকিতে গ্রামদকলের যে জমীদারেরা আপনারদিগের জমীদার্রা পদচ্যুত অর্থাৎ বেদথল হইয়া চাসীগণের অনুসারে দিনপাত করিত তাহারদিগের মধ্যের অনেককে বন্দোবস্তের কালে বহাল করিতে রাজা মহীপনারায়ণ স্বীকার করেন্ নাই এপ্রযুক্ত প্রায়ুত কোম্লানি ইঙ্গরেজ বাহাদুরের কর্তলে এলাকা বারাণ্য আদিবার তারিগ ইঙ্গরেজী ১৭৭৫ সালের ১ জুলাই মোতাবেকে ফসলী ১১৮২ সা লের পূর্ব্বে বেদথলহওয়া ভূম্যাধিকারিগণের সম্পর্কে দশসনী বন্দোবস্ক নিরূপণ হইবার প্রদাদাৎ যে ফল আছে তাহা তাহার্দিণের ভাগ্যে উদয় হইতে পারে না। কিন্তু তদনত্তর ঐ রাজা মহীপনারায়ণ দেই বেদথল জমীদারদিগকে যে গতিকে বহাল করিতে শ্বীকার করিয়া ছেন। তাহার বৃত্তান্ত ইন্নরেজী ১৭৯৫ সালের ১ প্রথম আইনে লেখা গিয়াছে ইতি।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ১২ ধা।

डेझरत् की ३११६ कमली ১১৮२ मा स्त्रं भुरकात् रामण ल क्रमीमात्रमिटशत् दिमग्नी कथः। [হারাণ্স।]

(भाकद्वी वरमा ক্ম জারীহট্রাছি ল ভাতার কথা। [বারাণস।]

২৮। গ্লোকররী বন্দোবস্তের পর্য্যবদানজন্যে রেসিডেণ্ট সাহেব বন্ধের অর্থে যে ছ ও আসিফ্টাণ্ট সাহেবেরা ইঙ্গরেজী ১৭৮১ সালের নবেম্বর মানে এলাকা বারাণদের চারি দরকারে স্থানে২ পার্থকাক্রমে ভুমণ করিয়া ছিলেন ও তাঁছার্দিগের আশয় এই ছিল যে ফ্সলী ১১৮৭ সালের আসল ক্রমা ও আবওয়াবদৃষ্টে আমিলেরা ও কানুনগোরা যে বন্দো বস্ত চারি সনের নিমিত্তে করিয়াছে তাহাতে তফাৎ হইয়াছে কি না ইহার বিবেচনা এবং-১২ দ্বাদশ ধারার প্রস্থাবিত বেদথল জমীদার লোকছাড়া অন্য বেদথল জ্মীদার্দিগের কাছারো সহিত বন্দোব্য করিয়াছে কি না ইহার তহকীক করেন। সে বন্দোবস্তের অর্থে हकुम अडे फिल या गितिमनी कि म्यमनी या भिशास तस्मातमु इस তাহার দালিয়ানা জমার পার্যা এইরূপে করা যায় যে গ্রামসকলের জমীদারেরা কিয়া পটীদারেরা তাহারদিগের মালগুজারীর সরবরাহ

त्मदात् कथा।

ফদলী ১১৮৭ দালের নিরিএমতে করিতে পারে। আর যে স্থানে অনেক ভূমি বনজর কিয়া পতিত থাকে সে স্থানের পাউ। উত্তরকাল मत्रकारतते श्रञ्ज प्रिलिवात कांत्रग श्रथप्र मन कथरकत जत्मा तमह नि র্দিটে দেওয়া যায় ও সেই রুসদী অঙ্ক ইজারদারের কৃত আবাদমুগে

षाती ও अएशी होज्ञ খাম ডেম্বাল হ'ই বার কথা।

আনকারী ওছর তাছার লাভের মপাহইতে সরকারে দাখিল ছয়। অধিকন্ত ভ্রুম ছিল যে মদিরার কার্নারের ও দোকানদার্দিগের ও ব্যাপারিরদের ও তাঁতিগণের স্থানে তলবী আবকারী ও ঘর্দ্বারী ও থড্গী নামের টাক্ল ইজারদার্দিণের তহ্মীলহইতে থারিজ হইয়া যে জিলায় যত টাকা টাক্ল বহাল থাকে তথায় তাহা আমিলদিনের দারা উমূল করা যাইবেক ও মধায় টাক্ল বহাল না রহে তথায় তাহা ল্ওয়া যাই বেক না ইতি। -- ১৭৯৫ সা। ২ আ। ১৩ ধা।

২১। এায়ুত গ্রন্নর জেনরল বাহাদুরের **হজুর কৌল্পেলে** ইঞ

राक्षावय मत्का ভাগ পাট্টাদার্দি গের জীবদশাপর্য্য छ दशम धाकितात् ও ঋড়গী সংজ্ঞার বার কথা।

[বারাণস।]

রে মঞ্জুর হইবার ও রেজী ১৭৯১ দালের ১১ ফেব্রুআরিতে উপরের প্রস্তাবিত যাবদীয় বন্দোবস্তের মধ্যে ১৩ ত্রয়োদশ পারার লিথিত ঘর্ষারী টাক্লের অন্দ রের থড্গী দণ্জার যে টাক্ল অস্ক তাঁতিদিগের স্থানে লওয়া যাইত তাহা মৌকুফ হইয়া বাকী বন্দোবস্ত সমস্ত মঞ্র হইয়া পাট্টাদার্দি টাঙ্গ মেকুফ হই গের পাউার মিয়াদ তাছারদিগের জীবদ্দশাপায়ন্ত ধার্যোর ছকুম হইয়াছিল ইতি।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ২০ ধা।

रामा वर्षे व क्या।

[বারাণস।]

৩০। উপয়ের লিথিত সমস্ত উদ্যোগের অনুসারে এব॰ গত দশ গজ দিবার ও তাহা দনী তদ্থীদের বেওরা আর অন্য হিদাব ও স্থানস্থানের কৈফিয়ৎ তে দখনৎ করিবার যাহা কানুনগোদিগের ঘারা কোনপ্রকারে মিলিতে পারে তদ্ধট मकः मल तत्मातस गति मन ও एन मत्नत ज्ञान निर्काश रहेशां जिल এবং চারিদনী বন্দোবন্তী পাউাদকলে আমিলদিগের মোহর হইয়া তাহার উপার রেসিডেণ্ট সাহেব কিম্বা আসিষ্টাণ্ট সাহেব ইঙ্গরেজী অক্ষর ও ভাষায় নম্বর দাগ ও দম্ভথৎ করিয়াছিলেন আরু দশসনী পার্টাদকলের উপর রাজাজীউ ও রেদিডেটে দাছের উভয়ে দস্তথৎ মোকররী বন্দো করিয়াছিলেন। আর গ্রামদকলের জমীদারেরা ও ইজারদারের।

দশসনী বন্দোবস্তের সময়ে যে কবৃলিয়ৎ দিয়াছিল তাহাতে এমত বত্তের কালে মাল একরার ছিল যে তাহারা নীচের প্রকরণের শিথিত ত্কুমমতে কার্য্য ওজারদিনের কর্লি করিবেক।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ১৪ পা। ১ পু।

৩১। প্রতিদন ইম্বক মাহ কার্ত্তিক মোতাবেকে মাহ অক্টোবর दोकीत कादग व লাগাইৎ মাহ জৈছে মওয়াফেকে মাহ জুন দালিয়ানা থাজানা অবা মি ৪ দুবাদামগ্রী বি দে দিবেক ও তাছা না দিলে বাকীর আন্দাজে ম্বাবর ও মামাবর ক্রের গোগা টে দ্ব্যাদি বিক্রয় করিয়া বাকী আদায়ের পথ করা যাইবেক।--১৭১৫ বার কথা। [বারাণসাম] मा। र जा। ১৪ धा। र धा।

নিফার ভূমির অ ছিল ভাষার কথা।

[বার্ণেস+]

৩২। মাফী ও মজুরায়ী ও কৃষ্ণার্পণআদি যে কোন নিয়ুর ভূমি কেছ বিনাকরে ফদলী ১১৯৫ দাল আথিবীপর্যান্ত ভোগ করিয়া ^{থো মে ভরুম ১ইয়া} থাকে সে ভূমি দরকারের বিনাত্ত্রমে ক্রোক হইবেক না আরু যদি দরকার কোন নিষ্কর ভূমি বাজেয়াস্ত করেন তবে তাহার উপর যে জমার ধার্য্য হয় সে জুমা আপনার্দিগের করারী জুমা সেও্যায় पितिक। **এব° निम्नुतृक्ता नता मान किलू** हे पितिक ना गपि (प्रा তবে দে ভূমি দরকারে জব্দ হইবেক ও তাহার উপর যত জ্মা লওয়া উচিত হয় তাহার দ্বিগুণ সেই গ্রহীতার স্থানে সে যত কাল ভোগ করিয়া থাকে তত কালের জন্যে লওয়া যাইবেক।--১৭১৫ সা। ই আ। ১৪ ধা। ৩ প্র।

৩৩। এই আইনের ৩ তৃতীয় ও ৪ চতুর্গ ধারার প্রস্তাবিত যে ত্কুমনামা ইঙ্গরেজী ১৭৮৮ সালের ২৫ জুন ও ১ জুলাইতে জারী র জানে। যে ছবুম হইয়াছিল তদনুসারে প্রজাদিগের স্থানে থাজানা তহসীল করিবেক। ^{ছইয়াছিল} ও। গর --> ৭৯ c সা । ২ আ । ১৪ ধা । ৪ প্র ।

शाकान: उठभीत বোরাণস।]

৩৪। প্রজাদিগেরে থাজানার দাথিলা প্রতিকিম্নিতে দিবেক ও তাহা না দিলে যদি দে প্রজা প্রমাণ করে যে দে কিন্দির টাকার ^{তে যে ভকুম চই}রা দাথিলা পায় নাই তবে যত টাকা থাজানার দাথিলা না পাইয়া থা কে তাহার দ্বিওণ দণ্ডক্রমে তাহার্দিগের স্থানে লইয়া সেই প্রজাকে দেওয়া যাইবেক।---১৭৯৫ সা। ২ আ। ১৪ পা। ৫ পু।

দাণিল'র নিমি ছিল ভাষার কথা। [বারাণ্য ৷]

৩৫। কানুনগোদিগের প্রতি যে কার্য্যের ভার আছে ভাহার পর্য্য বসান করিবার নিমিত্তে সহকার হইবেক।—১৭৯৫ সা। ২ আ। সহকারিতা করিবার ১৪ ধা। ৬ প্র।

কানুনগোদিগের কথা। [বারাণস:]

৩৬। যে মৌকুফী সায়েরাৎ এবণ ১৩ ত্রয়োদশ ধারার প্রস্থা বিত থানারমরী ঘর্ষারী ও আবকারী টাব্লু এই যে দুইপুকার ^{ব্কারী} ওগ্রুব্রু শায়েরী অন্ধ বন্দোবস্তুর সময়ে জনাহইতে থারিজ হইয়া তাহার তহদীল দরকারের তরফ আমিলদিগের জিমা হইয়াছে ইছার किछूडे उरमीन कतिरावक ना हेरारु जनाथा कतिरान ये उरमीन Vot. I.

मारम्बा ८ ८ आ क्रीक्ष उर्मील ना ক্রিবার কথা। [वाजांशम |]

করিবেক তাহার তিনগুণ দশু নিরূপণ হইবেক।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ১৪ ধা। ৭ প্র।

জগীদারপ্রস্থার ব য়ী হইবেক ভাছার कथा।

বারাণস।

৩৭। আপনারদিগের দীমাদরহদের মধ্যে বিরোধ ও বিদয়াদ গে গে বিষয়ের দা হইলে তাহার জওয়াব আমিলদিগের স্থানে দিবার দায়ী হইবেক এব চোর ও ডাকাই দিগেরে আশুয় দিবেক না ও তাছার দিগেরে ধরিয়া বিচারের কারণ সোপদ করিয়া দিবেক এব০১ তাহারদিগের দীমানার মধ্যে যত ধনসমুত্তি অপহরণে ও লুঠে যায় তাহ। বাহির করিবেক নতুবা তাহার মূল্যের নিশা করিবেক।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ১৪ ধা।৮ প্র।

মারিপিট ও বি বিষয়ের কথা। [वादाणम।]

৩৮। যাহারা মারিপিট ও বিরোধ বিসম্বাদ কিম্বা থুন অথবা চুরী রোধ ও হতাদির কিয়া অনা কুক্রিয়ার মোকদ্দমায় ধরা পড়ে তাহারদিগের মোক্দ মার রোয়দাদ দুরস্ত করিয়া আপন দস্তথতে দেই দকল কুক্রিয়াম্বি তের সহিত বিচারার্থে পাচাইবেক।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ১৪ ধা। 2 थ।

তলবচিঠী ও ছ কুম মানিবার কথা। [বারাণস।]

৩১। দরকারহইওেঁ যে তলবচিচী ও হুকুম যাইবেক ভাহা মানি বেক ও তাহা না মানিলে দরকশী অর্থাৎ মাতাহেলান দুষ্টতার নিমিত্তে যেমত হকুম আছে তদনুসারে তাহারদিগের সম্পৃত্তি জব্দ ছইবেক ইতি।--১৭৯৫ সা। ২ আ। ১৪ ধা। ১০ প্র।

সংলের কার্য্য রাখে তাহারদিগের শক্তি त् कथा। [বারাণসং]

যে আমিলেরা

दिश क्यी कविषेत দিগের স্থানে লওরা দলত হয় তাহাই লইবার ধার্য্য করিবেক ও

৪০। মোকররী বন্দোবস্তের সময়ে আমিলদিণের প্রতি দুই বিষ ফৌজদারী ও তহ যের ভার হইয়াছিল এক হাকিমী দিতীয় জমীদার ও ইজারদারদি গকে দেওয়া পাউার অনুসারে মালের তহসীলদারী। আমীলে রাও একরার করিয়াছিল যে সময়শিরে সেই মালগুজারীর সরব রাছ করিবেক এব ে আপনারদিগের ফলোদয়ের জন্যে পাট্টার বন্দোবস্তের মতে করারঅপেক্ষা কিছু বেশী লইবেক না। এবণ্ড ভুমাধিকারিণণ ও শান্ধানা তহসীল ক ইজারদারদিগকে ১৪ চতুর্দশ ধারার লিথিত একরারমতে চালা রিবার ও ভাহার আ ইবেক। এব॰ ইঙ্গরেজী ১৭৮৮ দালের ২৫ জুনের নির্দিষ্ট থিক ন। লইবার ক আইনমতে জমীদারদিগের স্থানহইতে প্রজাদিগেরে পাউ। দেওয়াই ভুমাধিকারী ওই <u>বেক। এব॰ সেই আমিলদিগকে শক্তি দেওয়া গিয়াছিল</u> যে ফ্রনলী ১১৮৭ সালের নিরিথমতে যে থাজনা লওয়া যায় তাহাতে করারমতে চালাই কোন স্থানের প্রজাদিগের কটা হয় এমত বুকিলে তৎকালে দেই বার ও ভাহারদি নিরিথে কমী করে কিয়া অন্যের ঘারা করায় কিন্তু নিষেধ ছিল যে 'গের স্থানছইতে প্র **তথ্যকক্রেমে সেই** নিরিথঅপেক্ষা কিছু বেশী না করে। আর যত আদিলেরে পাউ। টাকা সরকারের থাজানাথানায় দাথিল হয় তাহার দাথিলা মালও দেওয়া^ছবার ^{হুতা।} জারদিণেরে দেয় যদি না দেয় কিয়া দিতে শৈথিলা করে তবে রেসি ফদলা ২১৮৭ সা ভেটে সাহের যত দণ্ডকরণ উচিত জানেন তাছাই করিবেন। আর লের খালালার নি অমত শক্তি থাকে যে পরগনার শরেমাফিক যে তলবানা বাকীদার

তাহারা যাহা উদুল করে তাহা সরকারে দাখিল করিবেক। আর শক্তির ও ভাগর সায়েরাম ও গঞ্জিয়াতের সমস্ত তহসীলছইতে হস্ত উচাইনেক ওছ্কু নেশী করিতে বার মের অন্যথায় তাহা লইলে যে রূপে গ্রামসকলের জমীদারেরদের ^{গের কথা।} ও ইজারদার্দিগের উপর এমত গতিকে ১৪ চত্দশ পারার ৭ সপ্তম প্রকরণের অনুসারে দণ্ড লওয়া উচিত সেইরপে তাছারদিগের স্থা নেও লওয়া কর্ত্রা হইবেক। আর ১৪ পারার ৮ অফীম পুকরণের মতে যে প্রকারে জমীদারেরা ও ইজারদারেরা বিরোধ ও বিসম্বাদা দির জওয়াবের দায়ী ছিল সেই প্রকারে তাহারাও প্রথম আপনার দিগের মোতালক সীমাসরহদের মধ্যে বিরোধ ও বিসম্বাদ ও চুরী ও ডাকাইতী হইবাতে তাহার জওয়াবের দায়ী সরকারে হইয়া পশ্চাৎ ওগররহ দুটক্রিয়া শক্তি রাখিবেক যে যে জমীদার ও ইজারদারদিগের সরহদের মধ্যে র জওয়াবের দায়ী এমত দুষ্ট ক্রিয়া হয় তাহারদিনের উপর আপন দণ্ডের দাওয়া করে। ·->१२० मा। २ जा। ३० ४।। > पू।

থাজানার দাখি লাদিবার কথা। ভলবানার কথা। मारग्रहा ९ अ अ য়াতের হাসিল না लहेवात् कथा। ह्वी छ डाका है हो

বিস্থাদিদিগেরে

[বারাণস ৷]

৪১ ৷ ফৌজদারী কার্য্যের পর্য্যবসানজন্যে আমিলদিগকে তকুম ছিল যে সমস্ত বিরোধী ও বিসম্বাদিদিগেরে ধরিয়া সে মোকদ্দমার ধরিবার কথা। বিচারকারণ যে যে কৈফিয়তী কাগজপত্র প্রপ্রমাণপ্রয়োগের আব শ্যক থাকে তাহাসুদ্ধা পাচাইয়া দিবেক আরু মালগুজারীসমুকীয় যে সকল মোকদ্দমা তাহারদিগের নিকটে জমীদারেরা ও ইজারদারেরা ও প্রকারা উপদ্বিত করে তাহার বিচার ও নিষ্পত্তি কানুনগোদিগের সহিত ঐক্যক্রমে ইম্বরেজী ১৭৮৮ সালের ২৫ জ্বনের হওয়া হুরুম মতে করিবেক কিন্তু ফরিয়াদী কি আসামী যাহার ইচ্ছা সে সকল মোকদ্মার আপীল রেসিডেণ্ট সাহেরের নিকটে করিতে পারিবেক আর এমত শক্তি ছিল যে বাদী ও প্রতিবাদী উভয় সম্মতিতে জাত্য শপ্ত বিবাহ ও নিকা ও ভূমির অংশ ও কর্জের মোকদমার নিষ্পাত্তিকারণ মধ্যস্থাচরণ করে ইহাতে যদি উভয়ে মধ্যস্থদিণের নিকটে যাইতে না চাহে তবে কহিবেক যে তাহারদিগের মোকদ্দমা মূলকী দেওয়ানী আদালত কিন্তা শহর বারাণসের দেওয়ানী আদা লতে উপস্থিত করে এব॰ আমিলদিগের নামে হকুম হইয়াছিল ও তাহারাও ইহা করুল করিয়াছিল যে ঐ সকল আদালত কিয়া অন্য যে কোন আদালতহ্ইতে অথবা রাজাজীউ কিয়া রেসিডেণ্ট সাহে বের নিকটছইতে যে কোন ডিঞ্লী কিয়া হুকুম ছইবেক তাহা তৎক্ষ ণাৎ মানিবেক নতুবা আপন কাগ্যহইতে তগীর হইবেক।—১৭৯৫ সা। হ আনা ১৫ ধা। হ প্রা

৪২। পশ্চাৎ জানা গিয়াছিল যে আমিলেরা আপনারদিগের প্রাপ্ত শক্তির দারা বারং অপ্রকাশে বাকীদারদিগের ভূমি নিজনামে ভূমি লাইবার ভুরে কিয়া আপনার্দিগের অন্তর্জের নামে লেথাইয়া লইয়াছে একারণ সরকারের মালগুজারী কিছু কিয়া সমস্ত মিলে নাই অতএব ইলরেজী ১৭১৪ সালের ১১ সেপ্তেম্বরে এযুত গ্রন্থনর জেনরল বাছাদুরের হজুর কৌন্দেলের হস্কুম হইয়াছে যে ইহার পশ্চাৎ যভ ভূমি তাহার

वाकीमात्र मिरगद আমিলদিগের উপ র যে অকুম হটয়া (ছল ভাৰার কথা। [বারাণস ।]

দিগের নামে কিয়া তাহারদিগের অন্তর্জের নামে লেখা ঘাইবেক তাহা অদাব্যস্থ ইইবেক আর ঐ দনের ৩১ অক্টোবরে অন্য হকুম এইমতে হই য়াছিল যে যাহারা আপনারদিনের ভূমি ঐ মতে বিক্র করিয়াছে কিয়া দিয়াছে তাহারা ও তাহারদিণের উত্তরাধিকারিগণ ও পটীদারেরা দেই ভূমি হস্তান্তর হইবার তারিথহইতে পাঁচ বৎদ রের মধ্যে তাহা থালাদের জন্যে দেওয়ানী আদালতে নালিশ করিতে পারিবেক ও তাহাতে সেই বিক্রয়াদির সকল কাগজপত্র অদিদ্ধ হইবেক ইহাতে দেই ভূম্যধিকারিকে দেই আমিল কিয়া তাহার অন্তরঙ্গ যত টাকা দিয়া দৈ ভূমি লইয়া থাকে তত টাকা যত দিন দে ভূমিতে দে অধিকারির দ্থল না থাকে তত দিনের এমত আনওয়ান সুদসমেত যে তাহাতে সুদের সুদ বোধ না হয় সেই আ মিল কিম্বা তাহার উত্তরাধিকারিকে সেই অধিকারী দিলে সে ভূমি দেই আমিলপ্রভৃতির দথলহইতে থালাস হইয়া সেই পূর্বাধিকারি কে অশিবৈক ইতি।—১৭৯৫ সা। ১ আ। ১৫ ধা। ৩ প্র।

कथा। [বারাণ্য।]

ভূম্যধিকারিগণে

৪৩। বিরোধের ভূমির নিষ্পত্তিকরণ মোকররী বন্দোবস্ত করি র অধিকার বছাল বার বিষয়ে সর্জাপেক্ষা বলবৎ প্রতিবন্ধক ছিল কথনং একং গ্রা করিবার অকুমের মের পটীদার অর্থাৎ অংশিদিগের উভয়তঃ তাছারদিগের প্রাপ্ত ব্যাণ শের বিরোধ হইত ও অংশিছাড়া এক গ্রামস্থ অন্যথ লোকে রও মধ্যে তদ্বিষয়ে বিবাদ হইত অতএব যে জমীদারেরা পূর্বকালে কিয়া এলাকা বারাণদ এীযুত কোয়্লানী ইঙ্গরেজ বাহাদুরের কর তলে আদিবার দন ১৭৭৫ ইঙ্গরেজীর পর বহাল ছিল তাহারদি গেরই বহাল রাথা গিয়াছিল আর যাহারা জানিত যে বন্দোবস্তী হকুমের অনুসারে বহালের যোগ্য আছি তাহার৷ মূলকী দেওয়ানী আদালতে নালিশ করিতে পারিত আর যে জমীদীরেরা ঐ সনের পুর্বের্বেদখল হইয়াছিল তাহারদিগের নিমিত্তে এীযুত গবর্নর্ জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলে ইন্সরেজী ১৭৮৮ সালের ১১ আপ্রিলে ত্রুম হইয়াছে যে তাহারা বহাল হইবেক না কারণ এই যে তাহারদিগের বহালের জন্য রাজাজীউ আপত্তি করিয়াছিলেন পরে তাহাহইতে ১২ ছাদশ ধারার প্রস্তাবক্রমে নিরাপত্তি হইয়া

भ रा रामारकुर ইরাছিল তাহার ক था।

জমীদার ওইজ'র ছেন। আর যেহেতুক মধ্যে ধনেনাবস্ত করিবার কালে এমত সকল ্দার্নিদের্ সহিত বিরোধের একপ্রক্লার নিষ্পান্তির হুকুম মোটামোটি দিবার আবশাক মোটামোটিতে খা হইত সেইহেতুক বাদি প্রতিবাদিগণকে জানান গিয়াছিল যে বন্দো বস্ত্রী পার্ট্টাসকলের মর্য্যাদা কেবল ভূমির জমার সংস্থানের প্রতি বর্ত্তে কাছারে৷ স্বত্তাধিকারের দাওয়ার প্রতিবন্ধকতার নিমিত্তে নহে সে দাওয়ার নালিশ যেরপে এপাট্টা না দিলে ঐ আদালতে হইতে পারিত দেইরূপে পাউ। দিলে পরেও হইতে পারিবেক ও তদনুসারে আদাশতসকলের দেশি জজদিগেরে এমত সকল মোকদ্মার বিচার ও নিষ্পত্তি করিতে চ্কুম হইয়াছিল এবং কি জমীদার কি ইজার দার সমস্ত পাউ।দারদিগের স্থানে একরার পওরা গিয়াছিল এই মতে যে এমত সকল মোকল্মায় যে কালে আদালতের জজ কিয়া

আপীল আদালতের সাহেব তলব করেন তৎকালে রুজু হইয়া সর্ব্ দাই তাঁহারদিগের হকুমমতে চলে। আর আমিলদিগকে ইছাই বারণ হইয়াছিল যে ঐ সকল আদালতহইতে পাট্টার অনুসারে যে সকল উচিত হুকুম হইবেক তাহাছাড়া সে পাট্টার কিছু ফেরফার না করে আর জমীদারী বারাণদের বন্দোবসের নির্ণয় এই প্রকারে হই য়াছিল যে তাহার ১২ দ্বাদশাপশের অফ্টাপশের বন্দোবস্তু জমী দারদিগের সহিত ও তিন অ॰ শের বন্দোবস্ত ইজারদারদিগের মঙ্গে হইয়া বাকী এক অংশ আমানতী বহিয়া তাহার তহদীল আমিলদি গের দ্বারা হইয়াছিল কারণ এই যে সেই এক অংশের সর্বরাহ ক রিতে কেহ কর্ল করে নাই।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ১৬ ধা। ১ প।

৪৪। চারিসনী ও দশসনী বন্দোবস্তুর মতে চলিবাতে গ্রামসক লের অনেক ইজারদার ছাড়া হইয়া সে সকল গ্রামে যে যে জমীদারে দার্দিগের মৃতি ব রা স্বস্তাপিকারী ছিল তাহারা বহাল হইয়াছিল ও যে সন তাহারা বহাল হইয়াছিল মেই সনের ওয়াসিলাতের যে আপত্তি তাহার্দি গের সহিত বর্থাস্তা ইজারদার্দিগের জ্মিয়াছিল তাহা মিটাই বার কারণ ইঙ্গরেজী ১৭১০ দালের ২১ ফ্রিকুআরিতে এমত দাঁড়া নির্দাগ্য হইয়াছিল যে ইজারদারেরা মত তাগানী প্রজাদিগেরে দিয়া থাকে তাহা প্রমাণপূর্মক জমীদার্দিগের স্থানে পাইবেক আরু যত টাকা থাজানা তহসীল করিয়া থাকে তাহার উপর শতকরা ৩ তিন টাকা রুদুমক্রমে দে মহাল বড় কিয়া ছোট হইলেও পাইবেক ও এসকল আথরাজাৎ সেই জমীদারেরা নিজহইতে দিবেক তাহার দাওয়া কোনপ্রকারে প্রজাগণের উপর করিতে পারিবেক না কিন্ত তাগাবীর যে টাকা প্রজারা ইজারদারদিগের স্থানে লইয়া থাকে তাহা দেই জমীদারেরা প্রজাদিগের স্থানে উদুল করিতে পারিবেক আর যদি দেই ইজারদারেরা তাগাবী না দিয়া ছলক্রমে বকেয়া বাকী থাজানার থত তাগাবীর নিদর্শনে লইয়া থাকে তবে তাহা সে জমীদারদিগের স্থানে পাইবেক না ও আদালতেও তাহার নালিশ ক রিতে পারিবেক না ইতি।-১৭৯৫ সা। ২ আ। ১৬ ধা। ২ প্র।

श्विरही हैकान राली खंधीमावमिरश র হিসাব নিম্পতি হটবার কথা। [বারাগ্য ৷]

৪৫। এলাকা বারাণসে গ্রামসকলের জমীদারেরা অনেকে এমত আছে যে আপনার্দিগের অংশী পটীদার্দিগ্রের সহিত এক লা ববের মতের জ্ঞা মিলে রহিয়া সরকারের মালগুলারী করিতেছে ও কোনং পটীদার দিগের পটী থারিজ হইয়াছে কিন্তু বিস্তুর পটীদার শামিলাৎক্রমে আছে ও তাহারদিনের পটীর পাটা ও কব্লিয়ৎওগ্রুর কাগ্রু জনেক কিয়া দুই জন প্রধানা শা পটীদারের নামে লেখা যায়। এই দাঁড়া বন্দোবস্তুর কালেও পটীদার্দিগের স্বেচ্ছামতে বহাল রাখা গিয়াছে এবণ ভাহারদিগেরে শক্তার্পণ হইরাছে যে যদি কেছ শামিলাৎ থাকিতে আপন ক্ষতি জ্ঞান করে কিম্বা ধারিজ হইতে চাহে তবে সে নিমিন্তে আ**দালতে নালিশ করিতে পারিবেক।** ও এমত নালিশ করিলে **ধারিজ হইবার**ি**আটক হইবেক না** তাহার

মোকর্রী বন্দো माती अ भर्षीमातीत [বারাণস ৷]

পটীর পাউ। তাহার অংশের থুটমিলানী জমার নিদর্শনে আপন নামে পাইবেক কিন্তু যাবৎ তাহার পটী থারিজ না হয় তাবৎ দেই শামিলাৎ মহালের পাউা যে প্রপানদিগের নামে লেথা যায় তাহারা সে সমস্ত পটীর যে সরকারী মালগুজারী আমিলদিগের স্থানে দিত তাছার দায় সেই প্রধানদিগের শিরে থাকিবেক কিন্তু এ সকল দাঁড়া প্রগনা ক্রন্দার কেবল তথাকার ক্রন্দা প্রগনায় চলন ছিল না। ঐ প্রগনার

क इंदाद कथा।

সরবরাহকার নিযু জমীদারেরা এমত একরার করিয়াছিল যে সরবরাহকারিক্রমে লোক নিযুক্ত করিয়া আপনারদিণের অধিকারের মালগুজারীর সরবরাহ দিবেক। এই একরার এমত কটের উপর মঞ্জর হইয়া তাহারদি গের বন্দোবস্ত দশসনী ভৌলে করা গিয়াছে যে অপর জমীদারেরা य मकल विषएम् नामी इस जाहाता उ मह मकल विषएम् नामी হইবেক এব° সরবরাহকারকে তগীর করিতে চাহিলে হিসাবমতে তাহার যাহা পাওনা হয় তাহাকে দিয়া তগীর করিতে পারিবেক। --- ১৭৯৫ मा। ২ আ। ১৭ ধা। ১ প্র।

এলাকা বারাণসে ন্দোবস্তের কথা। [বারাণ্য 🕕

৪৬। জমীদারী বারাণসের ৪ চারি সরকারের মধ্যে অনেক তাল্ র ভালুকদারীর ব কদার এমত আছে যে তাহারদিগের কাহারো পেটায় গ্রামসকলের অনেক জমীদার ও কাহারে৷ পেটায় অল্প জমীদার রহিয়াছে ইহাতে অদ্যাবধি দেই পেটার জমীদারেরা আপনার্দিগের জমীদারী অধিকার বিক্রয় ও দান করিবার সাগ্য রাথে ও তাহা করিলেও পূর্ব্ব মতে সে জমীদারীর মোকররী জমার মরবরাছ মেই তালুকদারের নিকটে তাহার নব্যাপিকারী দিবেক এবং উঙ্গরেজী ১৭৯৫ সালের ২১ আইনের ৩৫ পঁয়ত্রিশগারার ১ নবম প্রকরণের* লিখিত নিয়ম তাছারদিণের প্রতি চলিবেক। আর অন্যথ জমীদারদিণের সহিত্ বন্দোবস্ত করিবার মতে সেই তালুকদারদিগের সঙ্গেও বন্দোবস্ত করা গিয়াছে এব॰১ তাহারদিগের শক্তি দেওয়া গিয়াছে যে তাহারা আপনারদিগের পেটার সেই জমীদারদিগের সহিত এরপে বন্দো বন্দ করে যে আপনার্দিগের সদর মালগুজারীর খুঁটমিলানের উপর আগরাজাৎকারণ কিছু বেশী দায় ধরিয়া সময়শিরে কিয়া ফদল মুথে উৎপন্নদৃষ্টে তথাকার চলনক্রমে অথবা অন্য যদনুসারে উভয় সীমাতিতে ধার্যা হয় তদনুসারে নির্দ্ধার্যা করিয়া লয়।—১৭৯৫ সা। र जा। ১१ धा। ३ था।

কোন ভুমাধিকা কিনাইহার ডহকী কৈর অকুমের কথা।

*[১৫ পঞ্চল ধারার লিখিত জমীদারী বহালের মিয়াদের পূর্বেষ ধদি রী অ:পন[°]অপিক। কে:ন ভূমাধিকারির অধিকার সমুদর কিলা ভাহার কিদমৎ কোন ভালুকদা বের উল্লাৱদার ডা বের কৃত উল্লাৱার শামিলে আদিয়া থাকে ও তৎকালে তাহার মালগুলারির লুক্দংক্র'ন্ত বাক্তি সর্বর্তি সে অধিকারী সেই তালুক্দারের ছামে অথবা তাভার মার্ফতে রঁ ছানে কিছা মারু সরকারে দিয়া থাকে ও সেই মিয়াদের মধ্যে কোন পূরা এক সন ভাহার ফতে মালওজারী মালওজারী সরকারে আলাহিদ। দাখিল না করিয়া থাকে ভবে দে অধি দিয়। তাত:হইতে থা কারা আপন অধিকার সেই মহালকে সেই তালুকস**্**কা**ত ইয়া**রদার্হইতে খারিজ করিতে পারিবেক না।-১৭৯৫ সা। ২২ আ। ৩৫ ধা। ৯ প্রা

৪৭ । সরকার চণ্ডালগড় ডাকে চুনারের মোতালক প্রগনা আগোরী বর্ছরের বন্দোবস্ত অন্যথ স্থানের অপেক্ষা প্রকারবিশেষে বহরের বন্দোব্য প্র হয় কারণ এই যে অন্য এক জন রাজা ঐ পর্যানার রাজতের বহাল কার থকে চইবার ছিল তাহাকে রাজা বলবস্তুসিণ্ছ বেদ্রথল করিয়াছিল পশ্চাৎ ইঙ্গরেজী ১৭৮১ দালে দেই বেদ্থল রাজার দন্তানেরা উপস্থিত হইয়া সরকারের সহায়তা করিবাতে হুকুম হইয়াছিল যে সেই রাজ সন্তানদিগের মধ্যের প্রধান রাজা আদিলশাহাকে ঐ প্রগ্নাব রাজত্বে বহালকরা যায় কিন্তু শেষে জানা গেল যে সে চকম রাজা মহীপনারায়ণের বন্দোবদ্ধের ব্যতিক্রমে হইয়াছে গ্রত্থন ইঙ্করে জী ১৭৮৮ সালের ১১ আপ্রিলে অন্য হকুম হইয়াছিল যে দেই রাজা আদিলশাহা আপন জীবদ্দশাপ্রযান্ত বহাল থাকিবেক। ও ভাবৎ ঐ পর্গনার মফঃদল বন্দোবন্ত দেই বাজার সমাতিতে বেসিডেট শাহেবের মোহর ও দম্বথতে সেই সকল লোকের সহিত হইবেক যাহারা সেই রাজার গোষ্ঠা তালুকদার ও জ্যাদার ও পূর্মারাজদত্ত ব্রতিভোগী ও বন্ধকগ্রহীতা হয়। এবণ তাহাতে এমত সকল লো কের স্বত্নাপিকার অটলজ্ঞানে তাহারদিগের নাম অপর জগীদার্দি গের বন্দোবস্থী কাগজের শামিলে লেখা গিয়াছে ও যাইবেক। এত ডিন্ন সে প্রথমার বাকী মহাল ঐ চারি স্বকাবের বন্দোর্যের অনু শারে অনাথ ইজারদার্দিগকে ইজারা দেওয়া গিয়াছিল তদনমুর দেই রাজা আদিলশাহার মৃত্যু হইলে দরকার রাজা মহীপনারায় ণের সম্মতিতে সেই মৃত রাজার উত্তরাপিকারিগণকে সেই পরগনার রাজত্বে বহাল করিয়া হুকুম করিয়াছিলেন যে তাহারা সেই রাজ্যের বন্দোবস্তু করিতে আমিলদিগের প্রতি বন্দোবস্তুর চলবিচল না করি বার জন্যে যেরূপ নিষেধ হুকুম আছে সেইরূপ নিষেধ মানিয়া বন্দো वस्र करवा । - ১१२७ मा। २ व्या। ১१ धा। ७ श्र।

প্রগনা আগোরী | दावांगम । |

৪৮। সরকার গাজীপুরের বালিয়া পরগনার বন্দোবস্তের কৈফি য় শীচের বেওরাক্রমে প্রগনা আগোরী বহ'রের সহিত তুল্যতা বের বালিয়া প্রগ রাথে কেননা রাজা বলবন্ত দি^হের আমলে বেদ্থল্ছ ওয়া ঐ নার বন্দোবন্ধ প্রকা বালিয়া প্রগনার রাজার সম্ভানদিগের প্রধান ভয়াত্রল দেবকে রাওবে হটবার ক হাহার পৈতৃক রাজত্বে বহাল করিবার মনস্থ সরকারের হইয়াছিল কিন্তু সে বহাল না হইয়া সেই প্রগনায় বৃদ্ত ক্রিয়া দ্রকার হইতে মুশাহেরা পাইতেছে তাহার জ্ঞাতি তথাকার পূর্বে রাজার বংশোদ্ভব যাহারা ঐ বালিয়া প্রগনার যে যে স্থানে আপনার্দি গের মৃত্যাধিকার রাথিবার প্রমাণ করিয়াছিল তাহারদিগের সঙ্গে সেই২ স্থানের বন্দোবস্তু করা গিয়াছিল আর যথাকার২ এমত স্বস্থা পিকারের দাওয়া উপদ্বিত না হইয়াছিল কিয়া উপশ্বিতমুথে দে দাওয়া প্রতিপন্ন হইতে না পারিয়াছিল তথাকার্থ বন্দোবস সেই দকল মোকদ্দমা অর্থাৎ গ্রামদকলের প্রধান প্রজাদিগের সহিত হই য়াছিল যে দকলে দেই২ স্থানে বসতি রাখে এবণ আদ্যোপাস্ত মাল ওলারী করে। ইহাতে আশয় এই ছিল যে সেই মোকদ্মদিগের হক

সরকার গাজীপু [বারাণ্স 🗓

চিরকাল বহাল থাকে আর জমীদারদিগের সহিত যে সকল করার দাদ করিতে হয় তাহা তাহারদিগের দঙ্গেও করা গিয়াছে এতদ্ভিন্ন যে যে স্থানে উপরের লিথিত বন্দোবস্তকার লোক না মিলিয়াছিল সেই২ স্থানের বন্দোবস্ত ইজারদারেরদের সহিত হইয়াছিল এ সকল ছাড়া যে কএক মহালের বন্দোবস্ত কোন ইজারদার করিতে স্থীকার করে নাই সে কএক মহাল আমানীক্রমে রাথাগিয়াছিল।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ১৭ ধা। ৪ পু।

মজেওয়া ভালুকে র বন্দোবস্থ প্রকারা থরে হইবার কথা। [বারাণস।]

8 >। সরকার বারাণসের মোতালক কসওয়ার পরগনার মজেওয়া তালুককে কিসমৎ বিলি করিয়া তথাকার প্রধান তালুকদার যে পহলওয়ানসিংহ সরকারের তরফ আমিল ছিল সে আপন মোহরে ইজারার পাউ। করিয়া কিছু নিজে লইয়াছিল ও কিছু আপনার জ্ঞাতি কুইমুদিগেরে দিয়াছিল রেসিডেণ্ট সাহেব ও তাঁহার আসি উট্টেসাহেব সেই সকল ইজারার পাউ। মঞ্চুর করিয়াছিলেন ইছাতে যেমতে পরগনা আগোরী বহুরের রাজা আদিলশাহার উত্তরাধিকা রিগণকে এই ধারার তৃতীয় প্রকরণে নিষেধ আছে যে সরকারের বিনান্থকুমে কোন প্রকারে বন্দোবস্তের চলবিচল করিবেক না সেই মতের নিষেধ এবিষয়েও চলিবেক।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ১৭ ধা। ৫ প্র।

করণাওঁড়ি তালু কের বন্দোবন্ত প্র কারান্তরে হইবাত্ত্বক থা।

[বারাণস।]

৫০। পরগনা ক্সওয়ার ডাকে গঙ্গাপুরের করণাভাঁড়ীর বন্দোবস্ত করিতে অন্যান্য স্থানাপেক্ষা এই বিশেষ হইয়াছিল যে তাহার বন্দো বস্তের পর রাজা মহীপনারায়ণ জাহির করিয়াছিলেন যে যাহারদি গের সহিত বন্দোবস্ত হইয়াছে তাহারদিগেরে রেসিডেণ্ট সাহেব পাউ। দিবেন না এইহেতুক যে ঐ তালুক রাজাজীউর মৌকুনী জমী দারী গঙ্গাপুর কিয়া তাহার কিসমতের শামিল আছে একারণ ইঙ্গ রেজী ১৭১৪ সালের অক্টোবরমাসে রাজাজীউ ও রেসিডেণ্ট সাহেব উভয়ে পার্য্য করিয়াছিলেন যে ঐ করণাভাঁড়ী তালুকের মালপ্তজা রেরা করুলিয়ৎ দিয়া সরকারহইতে পাউ। পাইবেক না কিন্তু রাজাজীউ পরকারের কর্মকর্ত্তার বিনাহকুমে তাহারদিগেরে ছাড়াইতে পারিবেন না যদি কাহারো স্থানে কিছু করারদাদের অধিক লন্তবে তাহার নালিশ ও বিচার অন্যং স্থানের মোকদ্মার মতে হই বেক এইপর্যান্ত রাজাজীউর মৌকুদী অধিকারভূমির বন্দোবস্তের বিশেষ আছে মাত্র।

রাজাজীউর মৌরুদী অধিকারেব্র তফদীল।

জায়গীর বদুই।———কীরামঙ্গরোর ————— পরগনা ক্সওয়ার তালুক গঙ্গাপুরের ঐ কিসমৎসমেত তালুক থকুণা।

রাজাজীউর আপত্তিজন্মে তাহার কোন বন্দোবস্ত সরকারহইতে

হইল না ইহাতে রাজাজীউ ও মালগুজারদিনের মধ্যে বিরোধ জন্মি লে তাহার নিষ্পত্তির দাঁড়া যাহা ধার্য হইয়াছে তাহা ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ দালের ১৫ পঞ্চদশ আইনে প্রকৃষ্ট করিয়া লেখা আছে। —>१२०मा १ जा। ५१ ४। ७ थ।

এই ধারা ১৮২৮ সালের ৭ আইনের দারা মতান্তর হইল তাহা এই অধ্যায়ের ৩ সংখ্যাতে দেখ।]

৫১। সরকার গাজীপুরের পরগনা লক্ষ্ণেশ্বরেরনিবাসী সি॰>ছ্থ্যা তিতে থ্যান্ত জাতি রজপুতদিগের জমার সাশা আছে একারণ তাহা খরের বন্দোবদ্ধপ্র রা আপোদ পরিমিতে দেই জমার উপর উহদীলদারী মূশাহেরা চড়াইয়া আপন্থ জ্লার আপিকা ও অল্পতাদৃষ্টে মাথোট করিয়া ातकारतत **उत्रक नियुक्तर** अया उरमीलमात मिश्रेक (मय । এव॰ शृर्स्क থনো মূলকী হাকিমেরা ও কোম্লানি ইঙ্গরেজ বাহাদুরের সরকার এ পর্গনার মফঃসল বন্দোবস্ত করেন্ নাই এই দকল কার্ণে ভাছার বন্দোবস্ত চারিদনী ও দশদনী বন্দোবস্তের সময়ে অন্য মহালের শামি ल इय नाइ।-->१२७ मा। १ खा। ১१ धा। १ थ्रा।

পর্গনা লক্মণে কারাস্তরে হইবার [বারাণস+]

৫২। পর্গনা নিজ জওয়ানপুর এব॰ ঐ সর্কারের যে সকল কিদমৎ বথিশয়াৎ দণ্জায় আছে তথায় অনেক গ্রাম এমত আছে পুরের গ্রামদক্লের যে মুসলমানেরা আলতমগা ও মদদমাশ ও জায়গীরক্রমে বাদশাছের ^{মধ্যের পোশকশী} ম দরগাঁর কিম্বা সুবে আওদের নাজিমদিগের স্থানে পাইয়াছে ও তাহাতে মূলকা হাকিমদিগের আমলে কিছু জমা পেশকশীর অনু সারে ধার্য্য হইয়া সেই পেশকশী জনা মোকর্রী বন্দোবস্তের কালেও বহাল রাথা গিয়াছে। -- ১৭৯৫ সা। ২ আ। ১৭ ধা। ৮ পু।

महकात मध्यान रालाएउत् दरकावय প্রকারান্তরে ছটবা य कथी। বিরোগস।]

৫৩। সোহন নদীর দক্ষিণক্লছইতে বালিয়াথালপর্য্যন্ত যে স্থানের নাম সিঙ্গরোলী তাকা যায় সে স্থান জমীদারী বারাণসের তাবে আছে 3 সেই বালিয়াথালের দক্ষিণ পার যে ভূমি আছে তাহা বরদীর রাজার অধিকার তথাকার মালগুজারী সেই বরদীর রাজার সংসারে দাথিল হয় ইভি।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ১৭ ধা। ১ প্র।

সিঙ্গরোজীর সী মা নিরূপণের কথা। [বারাণস 🗓

৫৪। সরকার জওয়ানপুরের মধ্যের লবণ জন্মিবার যে কএক মহালে লবণ জ্মান যায় ভাহার কোনং মহাল তথাকার মালের শা **থ**া। মিলে ইজারা দেওয়া গিয়াছে ও কোনং মহালকে তথাকার মালের শামিল না করিয়া পৃথক্ রাথা গিয়াছে ইতি।—১৭৯৫ দা। ২ या। ३৮ था।

নিমকমহালের ক

[বারাণস 🖠

 ৫৫। এইক্সণে যে জমীদার্দিগ্রে বহাল রাথা গেল তাহার্দি গের রীতিচরিত্র দেথিয়া ও ন্তনিয়া এমত চিন্তে লইল যে তাহারদি গেরে কিছু কালের জন্যে সরকারের তরক যে আমিলেরা পোলীস ও তহদীলের কার্য্যে নিযুক্ত আছে ভাহারদিগের ভাবে রাথা যায়

আমিলদিগের দৌ রায়াপ্রযুক্ত পাট্টা मार्अमरगत रख्ती করিবার উদ্যোগের কথা।

[বারাণস।]

কিন্তু আমিলদিগের দৌরাত্ম্য জনীদারদিগের উপর না হইতে পারে ও অসমতাবপানে কিছু টাকা না লইতে পারে ইহার রক্ষার কারণ যে দণ্ডের প্রস্তাব ২ দিতীয় ধারায় লেথা গিয়াছে তাহাছাড়া হুকুম ছিল-যে সরকারের কোন পার্টাদার তাহার উপর আমিলদিনের কাহারো কৃত দৌরাস্ম্য প্রমাণ করিতে পারিলে দাপ্য রাথে যে আপ নার শিরের মালগুজারী তহসীলদারদিগের তাবেহইতে থারিজ হইয়া হজুরে দেয় ও পুনরায় তাহারদিগের শিরের মালগুজারী তহ **শীলের এলাকা কোন প্রকারে আমিলদিগের সহিত রহিবেক না ই** তি।—১৭৯৫ সা । ২ আ । ১৯ পা।

कमली ३२०२ मा दब्रजी ১৭৯৪ ১৭৯৫ সালহ্টতে মোকর্রী বদ্দোর তের সিরিস্কা বিরুদ্ধ না হইতে পারিবার কারণ রেসিডেণ্ট সা **ट्रिंग्ड्र** डेप्सार्श्व কথা।

[বারাণদ।]

ও চুস ও চৌনসা ও তপ্পে শক্তীশগড় ও জমানিয়ার নয়া

বন্দোবদ্ধের কথা।

৫৬। ইঙ্গরেজী ১৭৯১ দালের ১১ ফিক্রুআরির হওয়া ত্রুম ল মোতাবেকে ইঙ্গ মতে যে ইজারদার ও ভূম্যধিকারিগণের জীবদ্দশাপর্যান্ত তাছার্দি গের পাটা বহাল রাথিবার সাগ্য ছিল সেই ইজারদারদিগের অনেকে এবং ভুগ্যপিকারিগণের কেহু চারিসনী বন্দোবস্তের মিয়াদ ফদলী ১২০০ দাল উত্তীর্ণ হইলে পর আপনারদিগের পাট্টা বছাল রাথিতে স্বীকার করে নাই একারণ তাহারদিগের ইজারা ও অধি কারভূমি আমানী মহালভুক্ত হউয়াছিল। আর কএক জন ইজার দারের মরণ এবণ আমিলদিগের দৌরাজ্মপ্রযুক্ত ও কোনং স্থানের জমা শক্তহওনপ্রযুক্ত ঐ চারিসনী বন্দোবস্তের মধ্যে কএক মহাল থাদ হইয়াছিল এই দকলহে তুক রেদিডেণ্ট দাহের ইঙ্গরেজী ১৭১৪ দালের ১১ দেপ্তেম্বরের হওয়া ত্তুমক্রমে পুনরায় দেই দকল মহা লের নয়া বন্দোবস্ত করিয়া তাহাতে অনর্থক বেআমল হওয়া ইজার দারদিগ্কে ও দেই মৃত ব্যক্তিদিগের উত্তরাধিকারিগণকে দথল अत॰ इकातमात्रिमित्रत् इस्राकाकता प्रशासकतम ও आधिलिमित्रात् জিমার আমানী মহালাতে তথাকার পূর্ব্বাধিকারি জমিদার্দিগকে বহাল করিয়াছিলেন। আর সেই নয়া বন্দোবস্তী পাউ। দিবার পুর্বে চাদের বাহলা হইবার অর্থে যথোচিত চেষ্টা পাইয়াছিলেন। পরগনে নরওন তদনন্তর পরগনা নরওন ও চুদ ও চৌনদা এই তিন স্থানের ফদলী ১১১৭ সালের যে বন্দোবস্ত জমা শক্ত ও অনাবৃষ্টি ও আকাশী অন্যোৎপাতের কারণ বৃধা হইয়াছিল তাহা গুধরিবার নিমিত্তে মোকররী ভৌলে নয়া পাউা তথাকার ভুমাধিকারিগণ ও ইজারদার **पिशाक पिशां फिल्मिन**। আর শক্তীশনিড়ের বন্দোবস্তও উপরের গতিকে কদর্য্য হইয়াছিল এপ্রযুক্ত ইঙ্গরেজী ১৭১২ সালের অক্টো বর মানে পুনর্কার সেই গড়ের বন্দোবস্তু করিয়াছিলেন। এব॰ সর কার গাজীপুরের মধ্যের পরগনা জমানিয়ার কএক মহালের সনক একের কৈফিয়ৎদৃষ্টে জানা গিয়াছিল যে ড্রুপাকার জমাও শক্ত হুই য়াছে অতএব তাঁহাতেও কমী দিয়াছিলেন ইতি।—১৭৯৫ দা। ২ আ। ২২ ধা।

৫१। कमली ১२०२ मानश्चवर्त्व (भाजात्वत्क इन्द्राजी ১१১८ আমিলেরা রেসি ভেন্ট সাহেতের অ সালের ১ নবেম্বরে সচরাচর ত্রুম ছইয়াছিল যে আমিলদিগের কেছ সরকারের পার্টাদারদিগের কাছাকেও রেসিডেণ্ট সাহেবের গোচরে পাটু দার অগোচরে ছাড়াইতে ও বদল করিতে পারিবেক না যদি করে তবে দিগকে ছাড়াইতে আপন আমিলী কার্য্যহইতে তগীর হইবেক। আর ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ নিমেপের কথা। সালের ২০ জুলাইতে কানুনগোদিগ্কে স্কুম দেওয়া গিয়াছিল যে যে সময়ে সরকারী পাউদিরিদিগের কাহারো মরণ হয় সে সময়ে মরণসংখ্যাদ কানুন তাহার সন্থাদ শীসুদেয় কারণ এই যে তাহার ভূমি আমিলেরা সর কারের বিনাএত্তেলায় আমানী মহালভুক্ত না করিতে পারে ইতি। —১৭৯৫ সা। ২ আ। ২৩ পা।

[বারাণসা] গোৱা দিবার কথা।

পাট্টাদারেরা হজ

[বারাণ্য 🛘

৫৮। ১১ ঊনবি॰ শ পারায় লেথা যায় যে कमलो ১১১৭ मालে त বন্দোবস্তের নিদর্শনী আইনের হুকুমমতে সরকারের মালগুজার পাটা রী হইছে পারিবার দার ভূমাধিকারিগণ ও ইজারদারদিগের কেহ যদি প্রমাণ করিতে পারে যে আমিলদিগের কোন ব্যক্তি তাহার স্থানে অসঙ্গতাবধানে কিছ টাকা লইয়াছে কিয়া মতান্তরে দৌরাঝা করিয়াছে তবে দে আমিলের তাবেহইতে থারিক্র হইয়া হজুর তহসীলে আইসে অর্থাৎ তাহার মালগুজারীর টাকা আমিলদিগের স্থানে না দিয়া মোকাম বারাণদে কালেক্টর সাহেবের নিক্টে সরকারের থাজানায় দাথিল করে কিন্তু সরকারের পাউাদারদিণের রক্ষা অশেষপ্রকারে করিবার কারণ ইঙ্গরেজী ১৭১৪ দালের ৩ অক্টোবরে এইমতে ইশ্তিহার নামা জারী হইয়াছিল যে জনাজাৎ পাট্টায় যদি মালজামিন ও ফেয়া লজামিন ও হাজিরজামিন এতাবতা সময়শিরে সরকারের মালগু জারী দিবার ও সুন্দররূপে কার্য্য করিবার এব॰ হ জুরের তলবসতে কৃত্র হইবার থাতিরজমা ফদলী ১২০২ সালের পূর্মে দেয় তবে ঐ সন প্রবর্ত্তে হজুরে মালগুলার হইতে পারিবেক আর পাট্টাদার্দি গের বলদানের নিমিত্তে হুকুম ছিল যে তাহারদিগের যে কেহ এমতে জামিন দেয় তাহার জমার উপর যে দহএক ও বরায়ী আমিলদিগের পাওনা তাহার অর্দ্ধেক সে পাটাদার পাইবেক। এমতের ইশতি হারনামা ইঙ্গরেজী ১৭১৪ সালের ১১ সেপ্তেম্বরে এীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌ**লেলে** মঞ্র হইয়াছিল। কিন্তু এ হকুমের এলাকা ১৭ সপ্তদশ ধারার ৬ ষঠ প্রকরণের লিগিত যে দী ভূমির সহিত্যে সকল ভূমি রাজাজীউ ও তাঁহার গোষ্ঠী জ্ঞাতি কুটুম্বের অধিকার অকুমের দায় নাই তাহাতে এব° প্রণনা রালহুপুর ও তালুক জালুপুর এব° বারাণ ভাহার কথা। শের সন্নিকটম্ব আমানত নামে যে গ্রামসকলের আঁমলদারী কার্য্য রাজাজীউর জিম্মা আছে তাহার সহিত রাথিবেক না এতডিন্ন ১১ উনবিৎশ ধারার লিথিত মর্মানুসারে সর্মস্থানের পাউটাারদিনের ও রাজাজীউর মোতালব্ধ অন্য যেথ মহালের বন্দোবস্ক সরকারে হই য়াছিল তথাকার পা**টাখা**রেরা আপনার্দিণের উপর রাক্সানীউর কৃত অন্যায় সাব্যস্থ করিলে হজুরী হইতে পারে। অতএব রাজার্জী উর আমলদারী মহালাৎ অন্যথ সকল মহালঅপেক্ষা এই বিশেষ আছে যে উপরের লিথিত ইশ্তিহারনামাক্রমে পাট্টাদারেরা অত্যা চার সাব্যস্থ না করিয়া রাজাজীতর আমলদারীহইতে থারিজ হইতে

বাজাজীউর খৌক

পারে না। কিন্তু তথায় আদালতসকলের হুকুম অনাথ মহালের মতে চলিবেক ইহাতে রাজাজীউর মৌরুদা ও স্বোপার্জিত ভূমির প্রতি আদালতের যে যে হুকুম চলিবেক তাহার দাঁড়া ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ সালের ১৫ পঞ্চল আইনে নির্দিষ্ট হইয়াছে ইতি।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ২৪ ধা।

[৫১। ৬০। ৬১। ৬২। ৬৩ স^ থ্যা বাঙ্কলা ভাষায় তর্জমা হয় নাই। তাহার স্কুল এই যে]

[৫৯। ১৭৯৫ সালের ২ আইনের ২৪ ধারার যে ভাগে অধবা কোন আইনের যে ভাগে লেখা আছে যে সুবে বারাণসের জনীদা রেরা হজুরী হইলে জামীন দিবে তাহা রদ হইল।—১৮০৭ সা। ৭ আ।২ ধা।]

[৬০। সুবে বারাণসের জুমীদারেরা ছজুরী ছইলে দেয়াক ও ভরা য়ের বিষয়ে কোন দাওয়া করিতে পারিবে না।—১৮০৭ সা। ৭ আ। ৩ ধা।]

[৬১। বারাণসের জমীদারেরা হ**জুরী** ছইলে কালেক্টরসাছেবের নিকটে দর্থাস্ত করিবে এব° যদ্যপি কোন আপত্তি না থাকে তবে কালেক্টর সাহেব তাহারদের দর্থাস্তঅনুসারে কার্য্য করিবেন আপ ত্তি ছইলে যে বিধি থাটিবে তাহা।—১৮০৭ সা। ৭ আ। ৪ ধা।

[৬২। সুবে বারাণসের জমীদারেরা হজুরী হইলে আপন২ ভূম্যাধি কারের এলাকার মধ্যে অপরাধিব্যক্তিকে দৃতকরণবিষয়ে এবং পোলীদের এরচাবিষয়ে দায়ী হইবে।—১৮০৭ সা। ৭ আ। ৫ ধা।]

[৬৩। উপরিউক্তপ্রকার ভূমাধিকারিরদের মধ্যে দেয়াক ও ভরা য়ের টাকা তহুদীলদারেরা পাইবেনা।—১৮০৭ সা। ৭ আ। ৬ ধা।]

পটীদার্দিগের দাওয়ার নিক্পণ্ডি করিবার মতের ক থা।

[বারাণসা]

৬৪। মোকররী বন্দোবস্থহইলে পর জমীদারীর অংশি পটীদার দিগের অংশের দাওয়ার নিষ্পত্তির বিষয়ে এমত ধার্য্য হইয়াছে বে কেহ কোন সাধারণ ভূমির অংশের কিয়া অসাধারণ ভূমিরমুদ্যের দাওয়া রাথিলে তাহার নিষ্পত্তি না হইবাপর্যাপ্ত সে জমীদারীর উত্ত রাধিকারিজ্জুমে কিয়া মতান্তরে এক শামিলে থাকা পটীদারদিগের মধ্যের যে ব্যক্তির নাম সরকারের পার্টায়ৢয়হে সেই ব্যক্তিকেই সে সকল পটীদারের প্রধান এবং সরকারের মালগুজারীর দায়ী জানা বাইবেক ও তাহার অন্য পটীদারদিগ্রেক যে মতে ক্সলী ১১৯৭ সালের পর রাথা গিয়াছে সেই মতে রহিবেক ইহাতে যদি সম্মত না হয় তবে সাধ্য রাথে যে আপন দাওয়া আদালতে উপস্থিত করে ইতি।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ২৫ ধার্মী

৬৫। সরকারের স্বস্থ মালগুজারীর বাকীউসুলের কারণ ভূমি নী লাম করিবার নির্ণয় জমীদারদিণের একরারমতে আছে ও তাছার ভূমি নীলাম করিতে পুসঙ্গ ১৪ চতুর্দশ ধারার দিতীয় পুকরণে লেখা গিয়াছে কিন্তু ^{সর্কারের} ক্ষমতা এলাকা বারাণদের দাঁড়াদৃষ্টে অদ্যাবধি তথাকার কোন স্থান নীলাম হয় নাই ইতি।--> ৭৯৫ সা। ২ আ। ২৬ ধা।

বাকীদাবদিগের থাকিবার কথা। বোৱাণস।)

৬৬। ফদলী ১৭৯৪ দালে বন্দোবস্থের সময়ে আমিলেরা আপ নার্দিগের স্বশ্বধর্মানুসারে একরার লিথিয়া দিয়াছে যে তালুকদার তের জায়দাদের ও ও গ্রামসকলের জমীদার ওইজারদারদিগ্রে যে সকল পার্টা দৈওয়া গিয়াছিল তাহার লিথিত জমাদ্ধ্টে সরকারের মালগুজারী তহ্নীল ক্রিয়া দহ এক ও ব্রায়ীর অর্দ্ধেক বাদে বাকী সমস্ত্র সরকারের থাজা নাথানায় দাথিল করিবেক আর যে কএক মহাল ও গ্রামের জমার পার্য সেই সমর্হইতে অদ্যাব্ধি হয় নাই তাহার থাজানা তহদীল কানুনগোদিগের তদ্খীদী স্থিত জায়দাদের অনুসারে করিবার ভার আমিলদিগের প্রতি হইয়াছিল ও সে সকল মহাল ও গ্রামের জায় দাদ তদ্থীদের মুথে দর্বদা একপ্রকারে স্থির থাকিত না এপ্রযুক্ত পাঁচসনী বন্দোবস্থী পাড়ার মিয়াদ ফদলী ১২০০ সাল উত্তীর্ণ হইলে পর যে সকল মহাল ও গ্রাম আমিলদিপের জিমা ছিল তাহারা সেই সকল মহাল ও গ্রামের অস্থিত মিনাছ পাইবার দাওয়া করিয়া মিনাছ পাইয়াছে। কিন্তু তদ্ধীদের অনুসারাপেক্ষা তাহার মধ্যের যে সকল মহাল ও গ্রামের স্থিত বেশী অনুমান হইয়াছিল তাহা তহুসীল কবিয়া দে আমিলেরা কিয়া তাহার্দিগের তাবে আমলারা নিজে থারচ করিয়াছে এমত বোধ হয়। এই হেতুক এব ৫১ দহ এক ও বরায়ীর অর্ধেক আমিলদিগের পাওনাবাদে আমানী মহালাতের বাকী উৎপন্ন সমস্তই সরকারে দাথিল হইবার বিষয় এজনো রেসি ডেণ্ট সাছের ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ সালের ১২ জানুআরিতে ইশ্তিহার দিয়াছিলেন যে ফসলী ১২০২ সালছইতে সকল প্রগনাতেই আমানী মহালাতের স্থিত বুকিবার কারণ সরকারের পক্ষে আমিল কিয়া অন্য যাহাকে ভার দেওয়া যায় দে গিয়া তহকীক করিবেক ও তাহারদিগের তহকীকের অনুসারে যে মহালের যে স্থিত চাহরে তাহার মধ্যে দহএক ও বরায়ীর অর্দ্ধেক আমিলদিগের পাওনাবাদে ৰাকী সমস্ত সরকারে দাখিল হইবেক। তমাৎ শ্বিত তহকীকের কারণ আমীনদিগোরও পাচান গিয়াছিল ও তাহারদিগেরে হকুম কীকের কারণ আ ছিল যে গ্রামসকলছইতে কর্মচারিদিগেরে তলৰ করে এবং কানু মীন পাঠাইবার ক নগো ও আমিলের আমলাদিগের সাক্ষাৎ তহকীক করিয়া সে সকল মহাল ও গ্রামের যে জমা ফদলী ১১৭৭ দালের নিরিথমতে ঠাহর হয় তাহাই ধার্য্য করে ওঁ তদনস্তর সকল গ্রামের জমাবন্দী কানুনগো ও কর্মচারী ও আমিলের আমলাদিগের দস্তথতে পরিষ্কার ও তৈয়ার করিয়া লইয়া আইলে কারণ এই যে যত জমার দরবরাহ দেওয়া আমিলদিগের কর্ত্তব্য ভাহা ভাহার অনুসারে নির্দ্ধার্য্য হইবেক আর

আমিলদিগের প্রতি চ্কুম ছিল যে তহুকীক করিবার সময়ে যদি

আমানী মহালা হক্ষীক পশ্চাৎ বারু ২ করিবার কথা। [বারাণস+]

হালের স্থিত তচ

প্রুয়াণ হয় যে কোন আমিল তাহার গণের কাহাকেও সেই আমানী ভুমির পাট্টা সেই পর্যনার শরেনিরিথের ক্মীতে দিয়াছে তবে সে পীক্টা মিখ্যা ও অগ্রাহ্য হইবেক হেতু এই যে ফদলী ১১৯৭ দালের বন্দোরস্তের পর সরকারের মালগুজারীর সংস্থান নম্ট করিবার সাধ্য আমিলেরা কেব আমিলদিগের ছিল না। তাহারা কেবল তহসীলদারদিগের মতে ল মালপুজারীর নি সরকারী মালপুজারীর নিশার দায়ী ছিল ইতি।—১৭৯৫ সা। ১

শার দারী থাকিবা আ। ২৭ ধা। ব কথা।

মদীদওগয়রহ বা (श्राकी जभीरनत् म রথাস্তের বিষয়ে ছ কুমের কথা। [বারাণস+]

৬৭। হিন্দুস্থানের অনেক প্রধান লোক ও বড় মনুষ্য ও ধনবানেরা নাইবার কারণ লা রেসিভেণ্ট সাহেবের নিকটে শহর বারাণসের সল্লিকট দিগ্নিদিকের ভূমি নিম্বুরক্রমে পাইয়া বাগাত ও মদীদ ও দেউলাদি দেবালয় নির্মাণ করিবার জন্যে দর্থাস্ক করিত একারণ রুপ্রাট হইত অতএব প্রীয়ত গবরুনর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলহইতে ইঙ্গরেজী ১৭১৪ সালের ২৭ জুলাইতে নির্দ্ধার্য হইয়াছে যে রেসিডেণ্ট দাহের 🔊 যুত কোম্লানি বাহাদুরের হজুরের বিনাত্রকুমে এমত ভূমি কাহাকেও দিতে পারিবেন না ইতি।—১৭৯৫ সা। ২ আ। ২৮ পা।

২ পারা।

वातानरमत ভृभित ित्रकालीन तत्मावरम्ज विषयः श्रून कि विधि।

[বারাণ্য।]

৬৮। এলাকা বারাণদের ভূমিসকলের রাজস্ব ১ এক সন ও ৪ চারিসন ও ১০ দশ সনের নিমিত্তে ধার্য্য হইবার দাঁড়া ইঞ্বেজী ১৭৯৫ দালের ১ প্রথম ও ২ দ্বিতীয় আইনে লেখা গিয়া দেই ১ প্রথম আইনের অনুসারে লেখা যাইতেছে যে ১০ দশসনী বন্দোবস্ত **वित्रकारलत जात्या जित्र थाकिरतक अडेक्स्ट के मुलमानी तरमानस्जुत** অর্থে যে কিছু হকুম হইতেছে তাহা সমস্ত তালুকদার ও জমীদার ও অন্যান্য ভূম্যধিকারী ও সমস্ত লোকের জ্ঞাতসারের কারণ নীচের কএক ধারার লিথনক্রমে নির্দিষ্ট হইল ইতি।—১৭৯৫ দা। ২৭ আ। ১ ধা।

যে ভুমাধিকারি দিগের ভূমি সরকা **दित थाम उ**रमीरल অথবা ইজারদ র্দি গের ইজারায় থা কে ভাহার রাজধ ধ্যের কথা।

[বারাণস :]

৬৯। কোনং জমীদারপ্রভৃতি ভূমাধিকারির অধিকারভূমির যে तांकश्च कमा होननी ও मनननी तत्मावरस्तत अनुमारत मतकात्र इहेर उ পার্য্য হইয়াছিল তাহা তাহারা দিতে স্বীকার না করণপ্রযুক্ত সেইং ভূমি সরকারের থাস তহসীলে আসিয়াছে কিয়া সর্কারহইতে তাহা ব্যক্তান্তরকে ইন্ধারা দেওয়া গিয়াছে অতএব ঘাহারদিগের মোকর্রীমতে ধা ভূমি দরকারের থাদ তহদীলে আদিয়াছে তাছারদিগেরে এীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলহ্ইতে জানান যাই তেছে যে ঐ বন্দোবন্তের অনুসারে তাহারদিগের ভূমিতে যে জমার ধার্য্য **হইরাছে তাহা যদি তাহারা করুল করে** তবে পুনরায় সে ভূমি তাহারদিগের ভোগদথলে আসিরা সমীরান্তরে সে জ্ঞার চলবিচল না

ছইয়া তাছার দিগের পুল্রপৌল্রাদি উত্তরাধিকারিক্রমের হস্তে চির কাল স্থিরতর ও বহাল রহিবেক আর যাহার দিগের ভূমি ইজারদার দিগের ইজারায় আছে তাহার দিগেরে দ^নাদ দেওয়া যাইতেছে যে সেই ইজারদারেরা স্বেছাক্রমে ইজারা ছাড়িয়া তাহার দিগেরে সেভূমি না দিলে এব পঐ হজুরেও তাহা মঞ্বর না হইলে যাব পইজারার মুদ্দ গত না হয় তাব দে ভূমিতে তাহারা দথল পাইবেক না কিন্তু সেই ইজারার মুদ্দ গতে কিন্তা বাকার জন্যে অথবা কারণান্তরে ইজারার পাউ। মৌকুফ হইলে সে ভূমির নির্দারিত যে জমা থাকে তাহা যদি তাহারা কবুল করে অথবা ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ সালের ৬ ষঠ আইনের ১৮ অফ্টাদশ পারার ১ প্রথম প্রকরণে বাকী আদায়ের যে যে মত লেখা আছে তাহাতে স্বীকৃত হয় তবে সে ভূমি তাহারদি গের ভোগদথলে আসিয়া সে জমার চলবিচল না হইয়া সেই জমা তেই তাহার দিগের পুল্রপৌল্রাদি উত্তরাধিকারিক্রমের হস্তে চিরকাল স্থিরতর ও বহাল থাকিবেক ইতি।—১৭৯৫ সা। ২৭ আ। ২ পা।

৭০। যে কোন অধিকারভূমি সরকারের থাস আছে অথবা পশ্চাৎ হয় এমত ভূমি যে কালে ব্যক্তান্তরকে দেওয়া যায় সে কালে সে ভূমির যে জমা ধায়া হয় সেই জমান্তেই সে ভূমি সেই ব্যক্তির পুল্রপৌল্রাদি উত্তরাধিকারিক্রমের ভোগদথলে চিরকাল স্থিরতর ও বহাল রহিবেক ইতি।—১৭১৫ সা।২৭ আ।৩ ধা।

৭১। ৭১। প্রীযুত গবর্নর্ জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌম্পেলের দর্ম তোভাবে এই বাঞ্চা যে যাবদীয় ভূম্যাপিকারী আপনারদিগের মোক ররী জমা পার্যাের ফলোদয় সুন্দররূপে জ্ঞাত হইয়া এমত ছ্খোপে যে আপনারদিগের ভূমির উৎপন্ন অপিক হইবার কারণ যত্ন ও তর্ দুদ করে ততই তাহার লাভ লব্ধ হইবেক ও সেই আধিকাের নিমিত্তে কিছু বেশী তাহার স্থানে ও তাহার উত্তরাপিকারিদিগের নিকটে কথনা দরকারে তলব হইবেক না আপনারদিগের ভূমির আবাদ ও তর্তুদে অতিশয় চেটা করে।—১৭৯৫ না। ২৭ আ। ৪ পা ১ প্র।

৭২। যদ্যপি সমস্ত ভূম্যধিকারী ও পটীদার ও কটুকিনাণার ও প্রজাবর্গের সর্ব্বকাল কর্ত্তব্য আছে যে সরকারের মালওয়াজিনী অবাদে সময়শিরে দেয় এব॰ আপনারদিগের পেটার জমীদার ও প্রজাপ্রভৃতির সম্বন্ধে অধর্মাচরণ না করিয়া অনুগ্রহ ও কৌশল রাখে কিন্তু এই জণের হ্বুম হইবাতে তাহারদিগের সম্পর্কে যে লাভোদয় ইইবেক তদ্প্টে তাহারদিগের প্রভি উপরের লিখিত ক্রিয়া যথেষ্টা চারে কর্ত্তব্য হয় অতএব প্রাযুত গবর্নর জেনরল বাহাদর হত্ত্বর কৌন্দেলে মনস্থ রাথেন যে ভূম্যধিকারিরা ঐ ক্রিয়া করিবার তাৎ পর্যা কেবল আপনারদিগের প্রতি না জানিয়া আপনারদিগের পেটার জমীদার ও প্রজাপ্রতির স্থানে রাজস্ব গ্রহণের জন্যে আপ নারদিগের পক্ষে লোক নিযুক্ত করিতে হইলে তাহারদিগেরে তাকীদ

সরকারের গে ঝা স ভালুক ব)কাওর কে দেওরা সায় ভা হার রাজন্ব মোকর র্মিডে ধার্যের ক থা।

বারাণস। বির্যাপন। কুমাধিকারিরা আপনার্দিগের অধিকারের উৎপাহকে ফনীয় যতর জানিরা ভাগার আতিশার মতন বান ভাইবার কথা।
বির্বাধ্য বি

ভূমাধিকারী ওপ টাদার ও এটকিনা দার ও প্রভারা আ পনার্দিগের পেটা র লোকদিগের সহি ত যে কৌশল করি বেক ভাচার কথা। [বারাণস।]

करत य जननुमारत वे कियाकतर यरशाहिज प्रतारयां शे इसे है जि -- ५१२७ मा। २१ जा। १ था। २ था।

পটীদার ও চাসী अशात्रकत् मङ्ख्य র জনো আইন নি र्फिक्ट कित्रात छ এ মত আইন নিদিষ্ট তওনপ্রযুক্ত ভ্রমাধি কারিরা সরকারের সেধের কথা।

[दाहाधमा]

পশ্চাথ সায়েরের যে হাসিল ধার্মা হ য় ভাকা উসুল কইয়া অনোর বিনাসৎশে সর্কারের গাজানা থানায় দাথিল হউ বার কথা।

বারাণস।]

৭৩। সাময়িক দেশাপিপতি হাকিমের কর্ত্তব্য যে অসম্ভ্রন্ন ও দুঃথি দকল লোকের রক্ষা করেন একারণ এীযুত গবর্নর জেনরল বাহা पूरतत र जुत क्लोरमाल পरीमात ও कर्ने किमामात्र अनुि कृषि जीव দিগের সঙ্গলের জন্যে যে কালে যে আইন জারীকরণ উচিত জানেন ভাছাই নির্দ্ধার্য্য করিবেন কিন্তু এমত সকল আইনের নির্দ্ধার্য্যে কোন প্রকারে হলুরী তাল্কদার ও জমীদারপ্রভৃতিতে আপনার্দিগের শি মালওজারী দিতে বের কবুলা মোকররী জমার সরবরাছ দিতে কিছু আপত্তি ও ওজর আপত্তি করিতে নি করিতে পারিবেক না।---১৭১৫ সা।২৭ আ।৫ পা।১ প্র।

> ৭৪। এীযুত গ্রন্ন র জেনরল বাহাদুরের হাজুর কৌলোলের হুকু মমতে ইঙ্গরেজী ১৭৮৭ সালের ২৬ দিসেম্বর সায়েরের হাসিল উচিয়াছে তদনন্তর ভূম্যপিকারিদিগের সহিত যে বন্দোবস্ত হইয়াছে তাহার শামিলেও দায়েরের জমা আইদে নাই অতএব ঐ 🗟 যুত দ°্পত্রতি দকল লোককে এই বার্ত্তা জানাইতেছেন যে যদি পশ্চাৎ সায়েরের হাসিল পূর্মমতে কিয়া মতান্তুরে লওন উচিত বোপক্রমে ধার্য হইয়া তাহা উদ্লের কারণ দরকারের পক্ষে লোক নিযুক্ত হয় তবে ভুমাপিকারিদিগের কিছু মৃত্র দে হাসিলে থাকিবেক না এবং তজ্জনো আপনার্দিগের শিরের মোকর্রী জমাতেও কিছ কমী পাইবার দাওয়া করিতে পারিবেক ন। — ১৭৯৫ সা। ২৭ আ। ৫ भा । र প्र।

অসিশ্ব সনন্দ্র রাজ্য ধার্যাহইতেক ७: हा मध्य महक। রে দাখিল হটবার 7.271

[राजागम।]

दरकादरमुद क গের ভূমির উৎপঞ্চে র যাতা পে ল'মের যোতালক চৌকীদা র পরোসওগয়রতে [বারাণ্য।]

৭৫। এলাকা বারাণদের লোকদিগের ভোগদখলে যে নিষ্কুর না নিক্ষর খুমির যে ভূমি আছে তাহার মধ্যে যাহা অধিদ্ধ সন্দানুষারে কাহারো ভোগে থাকন দাব্যস্থ হয় তাহাতে যত রাজস্ব পায়াকরণ শ্রীযুত গ্রের্নর জেনরল বাহাদুর হজ্র কৌন্সেলে উচিত জানেন তাহাই করিবেন ও সেই রাজ্য্ব কেবল দরকারের ম্বত্ত বোপ হইবেক তাহার অংশ ভূম্যধিকারিকে অশিবৈক না।—১৭৯৫ দা। ২৭ আ। ৫ ধা। ৩প্র।

१७। উপরের 'পারাসকলের লিথনানুসারে ভূম্যাপিকারি দিগের লে ভ্যাবকারি'দ শিরে যে মোকররী জমার ধার্যা হইয়াছে তাহার মধ্যে যাহা পরোদ ও গোড়ায়েতওগয়রছ পোলীদের মোতালক চৌকীদারদিগের আ থরাজাতে ভূমির উৎপল্লের মধ্যে বন্দোবস্তের কালে মিনাহ পাই য়াছে তাহা থারিজ জ্ঞান আছে এইক্সণে এীযুত গবর্নর (জনরল র আগরাজাতে মি বাছাদুরের ছজুর কৌন্সেলে প্রজাদিগের রক্ষণ ও নেঘাবানী ভূমাধি নাহ পাইয়াছে তা কারিদিণের হস্তছাড়া করিয়া এতৎকর্মো অন্যান্য লোকদিগৈরে হা বাজেয়াফ্তের নিযুক্ত করিলেন অতএব ঐ হলুরের কর্তৃত্ব আছে যে সেই মিনাহী যোগ্য হটবার কথা। উৎপন্ন সমস্ত কিয়া ভাছার যে কিছু সরকারে বাজেয়াফুকরণ উচিত

জানেন তাহা করেন্ আর ঐ এীযুত রাষ্ট্র করিতেছেন যে এনত ভুম্মা দির যত উৎপন্ন সরকারের তহুদীলে আসিনেক তাহা সমন্ত্র পোলী মের থরতে লাগিবেক অপর বায় হউবেক না। -> ৭৯৫ সা। ২৭ মা। ৫ ধা। ৪ প্র।

৭৭। এই আইনের কিয়া অন্যান্য আইনের লিখিত মর্মানুসারে কাহারো এমত বোপ না হয় যে যাহারদিগোর ভূমি বেদখল থাকে ও পেদখলী সংযোগ হাহারদিগোর ভূমির মোকররী জমা যে চৌদনী ও দশদানী বন্দোর শানী আদানের জ ধের আইনমতে পাধ্য হইয়াছে কিয়া হয় তাহার বাকী যদি তাহার সের আইনমতে পায় হইয়াছে কিয়া হয় তাহার বাকাষাদ এহার ভুগি বিভয়ের ন্যা দিগের বেদখলী সময়ের হয় তবে সেবাকীর কারণ তাহার্দিগের গ্রাইইবার্কথ ভূমি বিক্রম হয় কিন্তু জানিবেক যে যদি এীযুক্ত গ্রাবনার জেনরল বালাদ্রের হাজুর কৌন্সেলে সেই সেদ্যালী অধিকারিদিগোর অনুপ যুক্ত। দুর হুগ্রাতে তাহার্দিগের অধিকারের মালও্জারীর সরুব াজ তাজারা দিবার জন্যে জ্কুম করেন অথবা তাজার্দিগের অনুপ যুক্ততার অর্থে আইনসকলের মধ্যে কিছু পরিবন্ত ওকেরফার কিয়া নন্দ্য মৌকুফ করেন ও তাহারা দ্থল পায় তথে তাহার্দিগের দুগল হইলে পর যে সময়ে যাহা বাকী পড়ে সে সময়ে ভাহার নি শার দায় তাহারদিগের শিরে পড়িবেক ই'ডি। ১৭১৫ সা।২৭ গা। ৫ পা। ৫ প্র।

नुमाधिका दिल्हा নে। তাহারদিগের [बाताभगः]

৭৮। ভুগাধিকারিরা এই ক্লণের আইনসকলের মতে আপনার্দি। গের ভূমি স্বকীয় অপিকারহ ইতে জীযুত গবর্নর জেনরল বাহ।দ বশানের বিনাধকু রের ছাজুর কৌলেমলের বিনাজকুমে হামান্তরে চালান করিতে পারি ^{মোজাপনার দিগোর} বেক কি না এই সন্দেহ ভগুনাগে ঐ হ জুরছইতে সমস্ত ভালকদার ও ^{স্থাম} হয় হব ক'ব জনীদারপ্রাজ্তিতে ভুমাপিকারিদিগেরে জ্ঞাত করাইতেছেন যে তা ারা আপনার্দিগের অপিকারভূমি সমুদ্য কিয়। তালার অপশ বিক্র কিয়া দানক্রমে অগবা মতান্তরে ঐ হলুরের বিনাত্রুমে *'নোর হস্তগত করাইতে পারে। 'ও এগতের বিক্রয় ও দানাদি মুস লনান জাতির মধ্যে শ্রার **মতে ও হিন্দু**জাতির মধ্যে শাস্থানুসারে ই টলেও তাহা এইক্লণের চলিত আইন ও পশ্চাৎ যে কোন আইন ারী হইবেক ভাহার মতের বৈলকণানা হইলে সিদ্ধ ও সঞ্র ১ই বেক ইতি।--১৭৯৫ সা।২৭ আ। ৬ পা।

্দ্রমাতিকারিক স তে পারিসার কথা। [ব:র:গ্রাণ্য 🗆]

্টিতার পর ভূমির নানা অংশের উপরে জমা নির্দাণ্ডকরণবিষয়ক বিধি লিখিত আছে। তাহা বঙ্গদেশের নিমিন্ত নির্দারিত বিধির মঙ্গে ঠিক মিলে। এবং তাহা এট অধ্যায়ের ১৯। ২০। ২১। ২২। ২৩ সংখ্যাতে পাওয়া যাউবে। কেবল এইমাত্র বৈলক্ষণ্য যে ভাহার শেষ কথা ধারান্সের আই নে নাই।]

৭১। জানিবেক যে এই আইনের অনুসারে কিয়া এই সাইন জারীর তারিথের পুরের কিয়া জারীর তারিথে যে কোন আইন চলি ^{রা যাবৎ আপনার} Vol. I.

(वृज्जी ১৭৯৫ সালের ুরাক্রমে বেদখল থা কে তাবৎ ভাহার্দি গের ভূমি নীলামে বিক্রম না হইবার क्शा

[বারাণস।]

দিগের ভূমিতে ইল রাছে তাহার মতে যে কোন তালুকদার কিয়া জমীদার ইল্বরেজী ১৭৯৫ সালের ২ দ্বিতীয় আইনের ১২ দ্বাদশ ধারাক্রমে আপন ২ আইনের ১২ ধা অধিকারহইতে বেদখল হইয়া থাকে তাহার অধিকার যাবৎ তাহার বেদথলী দ্র ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ দালের ১ প্রথম আইনের ৩ তৃতীয় পারার লিথনানুসারে কিয়া ঐ সনের ষষ্ঠ আইনের ১৮ অফীদশ ধারার লিথিত উদ্যোগক্রমে অথবা তদর্থে অন্য যে কোন ছুকুম হয় তদনুসারে না হয় ও আপন অধিকারের অধিকারিত্বরূপে দাবায় ও বহাল হইয়া সরবরাহ না দেয় তাবৎ তাহার অধিকারসম্পর্কীয় কিছ ভূমি নীলামে বিক্রয় হ্ইতে পারিনেক না ইতি।-১৭৯৫ দা। ২৭ জ্যা।৮ ধা।

৩ ধারা।

বারাণসের রাজার নিজজমীদারী বদুই ও কীরামঙ্গরোর ও কসওয়ার পর্গনার কিয়দ° শবিষয়ের বিশেষ বিধি।

इम्रावजी ১৭৯৫ ৮০। ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ সালের ২ আইনের ১৭ ধারার ৬ প্রক সালের ২ আইনের রণ এব০১ ১৭৯৫ সালের ৫ আইনের ৮ ধারা এব০১ ঐ সালের ১৫ ১৭ ধারার ৬ প্রক আইন এই ধারার দ্বারা নীচের লিথনক্রমে শুধরা যাইতেছে ইতি। त्व उ c आहेरनत् - ১৮२৮ मा। १ आ। २ था। ৮ ধারা ও ১৫ আইন

[বারাণসা]

1 19

অধরা যাওনের ক

বারাণদের রাজা কর্ম শীগুতের নিয়ে। जिंड गोटिएटड ज র্পিত হইবার কথা।

[বারাণস।] মালওজারী সম্প রু কথা।

[বারাণস ৷] বিশেষ ছকুবৈয় কথা।

৮১। উপরের লিথিত মহালাতের সুপরিণ্টেণ্ডেণ্টী কার্য্যকারিত্ব র পৈতৃক জমীদারী জীযুত নওয়াব গাবরুনর জেনরল বাহাদুর হজুর কৌন্সেলে হুকুমদারা বদুইইডাদি মহালা যেথ সাহেবকে সময়েথ নিযুক্ত করেন্ সেইথ সাহেবেতে থাকিবেক তেরসুপরিক্টেণ্ডেন্টী ইতি।—১৮২৮ সা। ৭ আ। ৩ খা।

৮২। प्रामधकाती उरमीलत मञ्जूकीय जानामाउत मप्तस कार्या अ কার আদালতের থনো নীচের লিখিত নিষেধদৃষ্টে ঐ রাজার কর্তত্ত্তে নির্ব্বাহ হই সমন্ত কার্য্য রাজার বেকু কিন্তু ঐ কর্তৃত্ব ঐ রাজাকৈ সমর্পণ করাতে এমত বোধ হয় না করণ কি স্বত্ত্বরাথণ কি তাহা হস্তান্তরকরণবিষয়ে যে অধিকার ও স্বত্ত পূর্ম্বছইতে রাথে এবং ঐ দেশের অন্যং স্থানে তত্ত্বা লোকেতে যা হা উপযুক্ত আছে তাহার অধবা ঐ ভূমির উৎপল্লের বিষয়ে ও যেং মত্ব ও অধিকার লোকেরা রাথে তাহাহইতে দ্বাহারা রহিত হয় ইতি।—১৮২৮ माः १ च्याः 8 धाः

৮৩। উপরের উক্ত মহালেতে দরকারের হৃত্বমন্বার মফঃদল অর্থাৎ জনাজাৎ বন্দোবস্ত না হইয়া থাকিলে ঐ ভূমির জমা ধার্য্য ও দারে রাজার দারী তাহার মধ্যগত গ্রামদকলের বন্দোবস্ত তথাকার রাজার দ্বারা ছয় ভূমির বন্দোবস্ত হট বেক এব ে বারাণদদেশে ঐথ কার্য্যকরণের বিষয়ে সামান্য যে সকল তুকুম সম্রক রাখে তদ্যে ঐ রাজা ঐং কার্য্য করিবেন ইতি।---১৮২৮ ना। १ ज्या। ८ था। ১ थ्रा

চলিত আইনানু বার কথা। [বারাণস।]

৮৪। **ঐ মহালাতের মধ্যগত ভূমির মালগুজারী করিবার কব্**লি ए॰ पितात लाकपिशातक श्वितकतेगितियात इन्रातको ১৭৯৫ नालित আইনানুসারে ঐ মহালাতের জনাজাৎ বন্দোবস্ত করিতে হইলে জমী দারম্বরূপে যাহারা গ্রাহ্য হইত তাহারাই অগ্রগণ্য হউবেক এবং ঐং লোকেরা রায়ী খ্যাতীতে খ্যাত হইবেক ও ঐ কব্লিয়ৎ দেও নের সময়ে ঐ ভূমির যে জমা নির্দ্ধাগ্য হইয়া তাহা আদীয় করিবার যেথ নিয়ম হয় ও যদ্ধেট তাহারা ঐ কর্লিয়ৎ দেওনবিসয়ে গ্রাহ্য হয় তাহার মতাচরণকরণের অধীনতায় ঐ ভূমি তাহারদিণের উত্তরা পিকারিগামী আর হস্তান্তরকরণযোগ্য বোধ হইবেক আর তদর্থে ্রাহ্য হইবার দর্থাস্তকর্ণিয়া কোন রায়ী না থাকিলে অথবা থাকিয়া উপসুক্তরূপে বন্দোবস্ত করিতে স্থীকার না করিলে ঐ রাজা রাইয়ৎ ওয়ারী বন্দোবস্ত করিতে এবণ আপন আমলার দারা রাইয়তেরদের স্তানে থাজানা আদায় করিতে স্বীকারকরণবাতিরেকে ঐ বন্দোবস্ত নিরূপিত সময়ের কারণ ইজার্ধার্দিগের সহিত করা ঘাইবেক ইতি। - - ১৮২৮ મા । ૧ जा । ૯ ધા । ર છા ।

মালওজারী করি বার কুবুলিয়ৎ দেও নিয়াদিগকে খিব ক রিবার নিয়মের ক

[বারাণ্য ।]

৮৫। ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ দালের ৪১ আইনের স্কুমঅনুসারে যে২ ভূমি নিষ্কুর সাব্যস্ত না হয় ঐ সকল ভূমির জমাধার্যু ঐ বন্দোবস্তের পুনর্দৃষ্টির সময়ে ঐ ভূমিতে যত উৎপিন্ন হইতে পারে তদ্যে করা যাইবৈক কিন্তু ঐ ভূমিতে যে গুদ্ধ উৎপন্ন তাহার জমীদার পায় দেই উ॰পন্ন যদি তথাকার দম্বরমতে এব॰ তদিষয়ে যে২ ত্রুম নির্দিষ্ট আছে তদনুসারে পূর্মনির্জারিত জমাহইতে কিছু বেশী করা যাও নের উপযুক্ত বোধ না হয় তবে ध পুর্বনির্দারিত জমার উপর কিছু বেশী করা যাইবেক না ইতি।—১৮২৮ সা। ৭ আ ৫ ধা। ৩ 업1

মালওডারীর সূ মির জমা পার্য্য করি বার ভবুমের কথা। [বারাণ্য 🗓

৮৬। ঐ কবুলিয়ৎ দেওয়া লোকেরা সরকারের মালগুজারী আদা যুকরণের নিমিত্তে আইনেতে যাহা লিথিত আছে তাহার অতিরিক্ত অবর্গত অংশি ও আপনারদিগের অন্তর্গত অংশি ও প্রজাদিগের উপর আর কোন অধিকার ও কর্তৃত্ব রাথিবেক এমত বোধ হইবেক না অতএব যে পটীদার কি অণ্শিরা সাধারণে কি পৃথকরূপে আপন্য অণ্শের অধিকারী আছে কিম্বা তাহার অধিকারের দাওয়া করে তাহারদের 👊 মধ্যে যে সকল বিবাদ উপস্থিত হয় তাহার সমাধা তাহারদিগের মধ্যে কোন জন সরকারে কবুলিয়ৎ দিতে গ্রাহ্য হইয়া থাকিলেও ঐ

কব্লিয়ৎ দেওন আইনের লেখনাতি विका कर्ष्ट्रकारण्य কারণ না হটবার ত

[वादायम ।]

বিবাদের বিষয়ে তদেশেতে যে২ রীতি ও ব্যবহার চলে তদনুসারে করা যাইবেক এব°৲ থোদকমা ও ছপ্পরবন্দ রাইয়তেরদের দখলের অধিকারের বিষয়ে যে সকল বিবাদ উপস্থিত হয় তাহারো নিষ্পত্তি ঐ রীতি ও ব্যবহার দৃষ্টে করা যাইবেক ইতি 🛏 ১৮২৮ সা।৭ আ। ৫ ধা। ৪ প্র।

ব্যুদ্ধ কৈ ভা হা পুন্দুফি কর্ণস ময়ে গাহাং নিকপণ কর। ও বহাতে লেখা। যাউরেক তাহার ক

[বারাণসা]

৮৭। ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ দালের ১৫ আইনের লিখিত কোন মহ: লের ভূমির মালওজারীর বন্দোবস্ত কিয়া তাহার পুনর্দৃষ্টি কর रुटेल थे ताजात कछना रुटेराक रम थे महारलत जमात बस्मानस्य বিবরণের এবণ ঐ ভূমির দণখ্যা এবণ উৎপত্নের বিবেচিত পরিমা ণের দহিত আপন নানাজাতীয় রাইয়তের মৃত্র ও উপস্থত্ব এব॰ অপিকারসম্লুকীয় সকল বিষয়ের নিরূপণ ও তাহা বহীতে লেখা যাও নের তাৎপ্রা লিখেন অতএব ঐ বহাতে ঐ ভূমির সময় দ্থালকার লোকের যথার্থ বিবরণ এব॰ তাহারদিগের ভুক্ত বিষয় যাহা ২ থাকে

हैबान कथा।

এবং লাখেরাজ তাঁহার প্রকার এবং পরিমাণের বেওরা লৈখা যাইবেক এবং ভূমি গুলার মুদ্রল প্রত্যেক গ্রামের প্রত্যেকপ্রকার ভূমির প্রতিবিঘার আজামার সংখ্যা বিষয়ের বেওরাসু ও উৎপল্লের বেওরাও তাহাতে লেখা যাইবেক এবং নিষ্ণুরে দুখল দ্ধা বঠাতে লেখা যা করা দকল ভূমির ও **ত**ৎসম্প্রকীয় দকলপ্রকার বেওরাও তাহাতে লে থা যাইবেক এবং তাহাতে প্রত্যেক গ্রামের পাটওয়ারী ও চৌর্কাদ, রদিগের নাম ও তাহারদিগের বেতনের প্রকার ও সংখ্যা লেখা মা ইবেক ইতি।--- ১৮২৮ मा। ৭ আ। ৫ ধা। ৫ পু।

माधावर्य मशल क কুমের কথা। [বারাণসা]

৮৮। কোন মশলাতে কিয়া তাহার গাজানা কি উৎপন্নেতে দই র: ভূমিদম্পকীয় ছ কি ততোপিক জন দাগারণে স্বস্কু রাখিলে অথবা দাপারণে কত্যা কাধ্যের অপীন হায় পৃথক্রপে দ্থালকার থাকিলে রাজার ক্ষমতা আছে যে ঐ সমুদ্ধ জনের শহিত কিয়া গ্রামের মালগুজারীর মহু কীয় কথানিস্লাহের নিনিত্তে নিরূপণকরা কোনং জনের ষ্ঠিত ঐ মহালের বন্দোবন্ধ করেন কিন্তু তাহা করণেতে সনুদয় তাৎশিদিগের সমাতিতে দৃটি রাখিতে হউবেক কেমনা তাহারা তথাকার পুর্বর্রাতি মত কি বারাণসদেশের নিমিত্তে নিদ্দিস্টিছ ওয়া আইনের লিখিডমত ছারে মালওজারীর দারী হউরা যেপায়ার উপায়ুক্তরূপে বিভক্ত না হয় সেইপিয়ান্তই পেটা ও অপিকারির ন্যায় বোপ হইবেক ইতি।— ১৮२৮ मा। १ जी। ७ भा। ७ श्रा

কৰ্লিয়ৎ দেওনি ব দিতে হইবার ক થા

[বারাণস।]

৮৯। কোন মহালের সফপূর্ণ অধিকারীনা ছইয়া যাহারাসকল য়া ও পটাদার ও অংশার সম্মতিতে ঐ গহালের সকল কর্মানির্জাহকরণবিষয়ে স্থির অংশিরদের জওয়া করা গিয়া কর্লিয়ৎ দাথিল করে ক্রুলিয়তে দ্সুথৎ না করা অনাং অংশিরা আপনং মালগুজারী দেওনের বিষয়ভিন্ন অন্যং বিষয়ে ভাহার দিনের কৃত ত্রুটি ভোগী হইবেক না ঐ কবুলিয়তের দ্বারা ভাষাবদিনের ম অন্য কোন বিষয়ে পটীদার কিয়া অংশিদিনের ভিন্ন কি দাপারণ খো ছওয় বিতাদের স্বাহ্ন কি উপায়ত্ত্বের হানি হইবেক না এবণ ঐ অংশিরদের ও কবু

লিয়ৎদেওয়া অধিকারিদিগের মধ্যে যেং বিবাদ উপস্থিত হয় নিক্ষার তুর্বন্দ তাহার নিম্পত্তি ঐথ লোকদিগের প্রত্যেকের অধিকারিত্ব কি মৃত্রের তেরক্র । যে নিশচয় হইতে পারিবে তদ্ধৌনায় এব॰ আইন ও ঐ দেশের রীতি ও ব্যবহারানুসারে করা যাইবেক ইতি। - ১৮২৮ সা। ৭ আ। ৫ পা। ৭ প্র।

৯০। বারাণসদেশের সমস্ত ভূম্যাধিকারিদিগের এ অধিকার আছে যে তাহার। সরকারের আইনেতে দৃটি রাথিয়া হিন্দু হউলে শাস্থানু বিজ্ঞাবিজ্ঞানি দান মারে কি মুসলমান ছউলে শ্রার মতে আপনার্দিগের ভূমিসমুদ্যের কি তাহার কোন অ≏শের হজ্বিক্য কি দান্কমে কিয়া বন্ধকাদি অন্য কোন প্রকারে যাহাকে ইচ্ছা তাহাকে অর্পণ করিতে পারে গত এব এই প্রকর্ণদারা জানান যাইতেছে যে এই আইন যেং মহালের মহিত সমুক রাথে সেইং মহালের মধ্যের যাহাং হস্তান্তর ইয় উপযুক্তপে রাছ নেই২ হস্তান্তরকরণ ভাহা পাউার ও জমার হারহারির বিষয়ে আই কে দিতে ১ইবার নেতে যেমত লিখিত আছে তদনুদারে করা ও তাহার সমাচার উপ কথা। যুক্তরূপে তথাকার রাজাকে দেওয়া গেলে অন্যান্য স্থানের করা হয়। एरतत साथ ध्रतल इंडेरनक थे हमाचुतकत्राव मधाम थे ताकारक দিতে ত্রুটি করিলে অন্য স্থানের হাওয়া হাখাণ্ডরের ময়াদ কালেকটস ষাছেবের নিকটে দিতে ক্রটি করিলে যেমন দোন হয় সেইমত দোন श्रुवेतक किन्नो काटलक्वेद्वत महाकीत निरंत्रपतिति मुश्तिर्देशक সাহেবের হুকুমের অধীন ঐ রাজার সভিত সমূর্ক রাগে এবং এন বিশয়েতে ঐ সুপরিণ্টেণ্ডেণ্ট সাজের রো 5 রেবিনিউর সাঙেরবিন্যা কমতা ও কর্ঠস্থাপ্ত ইতি। -১৮২৮ না। ৭ মা। ৬ পা। ১ প্র।

ভূমির ও,পিক: কি বন্ধকইডানিভ মে হস্তাধন হটটে [हातापन ।] ভাহার সমাচার

৯১। ছমি হয়ান্তর কি উত্তরাপিকারিতাক্ষে তাহা ক্যাপিকা বির হস্তর্যত হউলে তাছার বে ওরা রাজার মিরিশভার বহুটিত লেখা। পিকারিতাত্রয়ে 🤫 ইবার দর্থাম করা গেলে ঐ রাজা তাচা ঐ বহীতে লেগান্সেন মিংম্বের হুংলেদ এব॰ বারাণদদেশের অন্যথ স্থানে ঐ প্রকার কর্মা ছউলে দরকারের এবং বিশেষ ব্যক্তিরদের স্বন্ধ এবং উপার্বন্ধ রক্ষার নিমিত্রে যে কর্মা করণ কালেক্টর সাহেবের আসশ্যক তাহা ঐ রাজা করিবেন ইতি। -- १५२৮ मा। १ जा। ५ मा। १ श्रा

मानामि कि डेस्ट: तथायुक्तमास्त ता 51 3101 2673 विशिवात । अ कारल कर्वजारक्रस्य कर् टा कश्किल्लान क

| दाजावम । |

১২। উপরের লিখিত তকুমশমুর্কীর দকল বিষয়ে রাজ্য তাথবা ভাগার আমলার কৃত নিজ্পত্তি সুপরিটেওেট সাজেবের দৃষ্টিগোচর বে রাছার করা নি করা যা**ইবেক এব॰ কোন জন্মদারীর** বন্দোবস্করণের কি ভাগা ইস্যান্তরকরণের সমস্ত কাগ জপত্র ঐ সুপরিটেওেণ্ট সাহেবের নিকটে পাচাইতে ছইবেক এব এ সাহেব অনা যে বিষয় জ্ঞাতহ গনের সুনি ভেডের ত ইচ্ছা করেন্ ভাহার বেওরা আনাইয়া আপন বিবেচনাক্রমে ভাহা 🐉 🛍বুংহর ৩কু সাবাস্ত কি মতান্তর কি রদ করিবেন এব॰ সুপরিটেওটে সাহেবের মের দার রদ না थेर विषयात हकूम ध्वीयुष्ठ न उग्नाव भवत्न त् । जनतृ ल वाहामातृतृ

পুৰ্ব্ব লিখিত বিষ काहि मुपरिर्ण्ड ণেট্র পুনধুফির অ ধান হটারে এবং তইলে চূড়ান্ত ইই হজুর কৌন্সেলে মতান্তর কি রদ না হইলে চূড়ান্ত হইবেক ইতি। বার কথা। - — ১৮২৮ সা। ৭ আ। ৭ পা। [বারাণ্য।]

মালগুজারী তহ ১৩। মালগুজারী তহসীলকরণের বিষয়ে ঐ রাজা ও তাঁহার আম দীল করিবার হুকু লালোকের কর্ত্তব্য কর্ম নিরূপণার্থে নীচের লিথিত হুকুম নির্দিষ্ট মের কথা। করা যাইতেছে ইতি ৮১৮২৮ সা। ৭ আ।৮ ধা। [বারাণসা]

वाजागमामा म **১৪। ভুমার্দিকারিদিগের এব°৲ ইজারদারেরদের অনায়াদে প্র**জা রকারী মালওজারী मिरागत स्रोति थाजाना उस्मीलकत्रागत अत° ज्ञामत य मालधजाती ভৃহসালকরণের বি সরকারে দেয় তাহা তহসীলকরণের ভারাক্রান্তেরা যেংরূপে তাগ ষয়ে গে২ আইন চ তহসীল করিবেন ভাছার এবং বাকীদার্দিগ্রে কয়েদকরণের ও লিত আছে ভাহ, ই করেজা ১৭৯৫ সা যে ভূমির উপর মালগুজারীর বাকী পড়ে তাহা শেষকল্পে নীলাম করণদ্বারা ঐ বাকী আদায়করণের বিষয়ে বারাণসদেশে যে২ আইন লের ১৫ আইনের ধিথিত মহালাতের এক্ষণে চলিত আছে তাহা ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ দালের ১৫ আইনের সহিত সম্পর্ক রাখি লিখিত মহালাতে যেপগান্ত সম্মর্ক রাখে সেইপগান্ত পূর্ব্বোক্ত মহা বার কথা। লাতেও এই ধারার দ্বারা সম্রুক রাখিবেক ইতি।—১৮২৮ সা। ৭ [বারাণ্স।] আ ৷ ১ ধা ৷

জমীদার স্বরূপে ১৫। আইনের লিথনানুসারে ঐ রাজা জমীদারম্বরূপে পেটাও রাজার যে কণ্ডুজ জমীদার কি ইজারদার কিয়া প্রজারদের অথবা ভূমির অনা দ্থীল আছে ডাহার অতি কার্দিগের স্থানে বাকী আদায়করণের নিমিত্তে তাহার্দিগের বয় রিজ মালওজারী ত কোক ও বিক্রয়করণে যে কঠ্ছ রাথেন তাহার অতিরিক্ত এই হসীলের বিষয়ে রা আইনে কি ইহার পরে যে২ আইন নির্দিষ্ট হয় তাহাতে যে২ নিষে জা কালেক্টর্মাতে ধবিপি আছে কি হইবে তাহার অপীনতায় 🗳 রাজা এই পারার বের ক্রতা প্রাপ্ত হ দারা ঐথ মহালাতেতে মালওজারী তহসীলের বিষয়ে <mark>কালে</mark>ক্টর ইবার কথা। [दात्रांशमा] সাহেবের ন্যায় ক্ষ্মতা রাখিবেন ইতি।--১৮২৮ সা। ৭ আ। ১০ भा ।

মালওজারীর বা ১৬। মালগুদারীর বাকী আদায়করণের কি আদালতের ডিক্রী কী আনায়ের কি জারীর নিমিত্তে ভূমি নীলামকরণ আবশ্যক তউলে সেনীলাম ঐ ডিক্রী জারীর নি.ম রাজার কি ভাঁছার নায়েবের সাক্ষাৎ সরকারী কাছারীতে অথবা যে তে ভূমির নীল¦ম পর্গনায় ঐ ভূমি থাকে সেই পর্গনার মধ্যগত ইশতিহারনামাতে রাজার কি ঠাহ র নায়েরের সাক্ষা বিশেষিয়া লি থিত সকল লোকের দৃষ্টিগোচর উপযুক্ত স্থানে করা हरेतात এবং এই যাইবেক এব° ইন্সরেজী ১৮২২ সালের ১১ আইনেতে ভূমি নীলা কম্মেতে উপরেজী মের বিষয়ে যে সকল ত্রুম লিথিত আছে তাহা ঐ প্রকার নীলা ১৮২২ সালের ১১ মের বিষয়ে সম্মর্ক রাখিবেক ও ঐ আইনের লিখিত নিয়মমতাচরণ আইনের মতাচরণ করণ ও অকরণক্রমে ঐ নীলাম প্রবল ও অপ্রবল হইবেক ইতি।— করিতে হ**ইবায় কঁ ১৮২৮** লা। ৭ আ। ১১ পা। Qi I

[दाद्राषम ।]

অর্থিনীলামের ও ১৭। ভূমি নীলামকরণের বিষয়ে এব∾ ভূমির মালওজারী তহ

দীলের সম্প্রকীয় অন্য দকল কার্য্যের বিষয়ে কালেক্টর দাহেবদি মালওছারী তুহুগা গের প্রতি বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা যে কর্তৃত্ব রাখেন ঐ মহালা লের কালোর দিয় তের বিষয়ে তাছা এই পারার দ্বারা সুপরিণ্টেণ্ডেণ্ট মাছেবকে অর্পণ যে কোর্ড রাক্রিড করা <mark>গেল এব॰ কালেক্টর সা</mark>ছেনেরা যেমত ৰোড রেনিমিউর মা^{্র} ^{জুমতা} সুপ্রিটে হেবদিগের অপীনতায় কাগ্য করেন ঐ রাজা সেই মত সুপ্রিটেণ্টেণ্টে ওড়ি সাহেবের অধীন থাকিয়া কাঠ্য করিবেন ইতি।—১৮২৮ সা। ৭ আ। ১২ ধা।

অপণ হট্টবার এমৎ कारलक्षेत्र भारः स्व রা দেমত বে'ডের তাবে থাকেন এ রা গাদেই মত সুপ'র व्यद्भिष्ठे अप्राद्धत्त् উটেব থাকিবার ফ

৯৮। উপরের লিথিত বিষয়ে সুপরিণ্টেণ্ডেণ্ট মাছেবের দেওয তকুমের উপর শ্রীযুত নওয়ার গ্রন্নর জেনরল বাহাদ্রের হছর কৌন্সেলব্যতিরেকে অন্য কাছারু নিকটে আপীল ছউতে পারিবেক না এবং ঐ মহালাতের মপ্যগত ভূমির নীলামের প্রবলতার বিষ যের অথবা ভূমি কি তাহার গাজানার সমুদ্ধীয় যুত্র কি উপাধ্যের দা ওয়ার নালিশ গ্রাহ্য করিবার ক্ষমতা কোন আদালতে থাকিবেক বিষয়ের নালিশ আ ना हेि । -- ১৮২৮ मा। १ जा। ১० भा।

्र तानम्। স্পরিটেট গেড মা कररत छत्रधत है প্র হাঁমুডের হলুরে অ'পাল চইতে পা রিবার এবং ভূমির भालार ब्राह्म क(त তে নিষেধের কথা। [বারাণস।]

১১। ঐ রাজা ও তাঁহার আমলালোককে যে ক্ষমতা অর্পণ করা গেল সেই ক্ষমতাচরণের নিমিত্তে এই আইনেতে নির্দ্দিস্টছওয়া চকুম লঞ্চনের বিদয়ে মের অন্যথাচরণকরণের কি ভাহার মতাচরণকরণেতে আবশাক কচি মতাকরণের বিষয়ে যে সকল নালিশ হয় তাহা সুপরিণেটণ্ডেণ্ট গাহের গ্রাহ্য করিতে পারিবেন এবং ঐং নালিশ কোন আদালতে গ্রাহ্য করা গেলে আইনানুসারে যেমতে তাহার ন্যায় করা গ্রাহত হইবার কথা। সেই মতে সুপরিণ্টেণ্ডেণ্ট সাহেব তাহার প্রকৃত ন্যায় করিবেন কিন্তু কান লোকের উপর ফৌন্দারী আদালতের বিচারযোগ্য অপরাপ দরণের অপেবাদের নালিশ হউলে ঐ নালিশ মাজিস্টেট্ সাহেবকে জদারীর বিচার্যো সমর্পণ করা যাইবেক এবং ঐ মাজিট্টেই সাছের ঐ নালিশ পুগমতঃ গ্যু ১ইলে মাজিট্টে ভাঁহার নিকটে উপস্থিত ছউলে আইনানুমারে যেমত করিতেন সেউ ট্ মাণেরের 'নক মতে তাহার বিচার ও নিচ্পত্তি করিবেন ইতি। ১৮২৮ সা। ৭ টে ভালার মোকদ আ। ১৪ ধা।

মুলের লিখিত ওকু রাদা ও ভালার আ मलात डेलत मुल तिरक्षरप्रकृत निक ष्ट्रे नामिण कतिएड

[বার্গেস্।] এ ভাপরাধ ফৌ মা সম্পণ করিতে হটবার কথা।

১০০। এই মহালের মধ্যে মালগুলারীর ওরা জয়ের বাকী আদার করণের নিমিত্তে যন্ত্রণা ও ব্যামোহ এব॰১ সকল প্রকার শারীরিক কী আদারের নিমি ক্লেশদেওন দৃঢ়কপে নিসিদ্ধ হইল এব<> কোন জন এই নিষেপের ভেঞ্ছেশআদিদিতে অন্যুগা করাতে ঐ ক্লেশপ্রাপ্ত লোক নালিশ করিলে তাহার বিচার পুচনিবেধ হওনের क्षिजनाती आमामार इंश्वान त्यांना इंदेरक भव भे क्रिमाम अने प्रकृतिमा

মালওজারীর বা

আদালতের বিচার সানাম হউলে তদর্থে আইনেতে যে দণ্ড নিরুপিত আছে তাহা দেও ও দখলোগ্য হইবার নিয়ার দেই দণ্ড হইবেক ইতি।—১৮২৮ না। ৭ আ। ১৫ পা। কথা।

[বারাণস।]

মালওজারী সম্প ১০১। ঐ মহালের নিবাসি লোকেরদের ঐ দেশের অন্যথ স্থানের কীয় মোকদ্দমার বি যেরপ দেওয়ানী ন্যায় করা যাইবার নিমিত্তে নীচের লিখিতবা মাল চারার্থে ঐ মহালা ও গারীসম্রাজীয় মোকদ্বমার প্রথম বিচার করিবার নিমিত্তে ইঙ্গরেগী তের প্রত্যেক পর্গ ১৭৯৫ সালের ১৫ আইনের লিথিত প্রত্যেক পর্গনাতে ঐ রাজার নায় তদ্দেশীয় এক ২ ক্ষিমানর রাজার দারা ঐ দেশীর একং ক্ষিমানর নিযুক্ত করা যাইবেক ইতি।-দারা নিযুক্ত করা ১৮২৮ দা। ৭ আ। ১৬ পা। যাইবার কথা।

[বারাণদ।] এ পদের নিমিত্তে রাড়া লোক স্থির ক রিবার ও ভাহারদি গের নিয়োগ সুপ विराक्ति ५ वह मार रव র সমাভিতে হটবার क्था।

[दादांशम।]

১০২। ঐ ক্মিদানরী পদের নিমিত্তে রাজা লোক স্থির ক্রিয়া नाम लिथिया मुश्रतिराष्ट्रेरछण्डे मार्यस्तत निकर्छ शाठाङ्गरान किन्न তাহারা পদে নিযুক্ত হইবার পুর্শে ঐ রাজা তাহারদিগের বয়ন এবং আচার এবং পূর্দাকৃত কর্মোর বিষয়ে যাহাং জ্ঞাত হন তাহা ঐ সাহেবের নিকটে লিখিয়া পাঠাইবেন এবৎ ঐ নাম লিখিয়া পাচান কোন লোক অতিদুরাচার কি অকর্মণ্য হ্ইলে মুপরিণ্টেণ্ডে ণ্টিদাছের রাজার মান ও প্রতাপে দৃষ্টি রাথিয়া তাছার নিম্কু হও নেতে সন্মত হইবেন না ইতি।—১৮২৮ লা। ৭ আ। ১৭ ধা।

্উণযুক কেত্ৰি ন: ক্মিদানর পদ চ্ছে না হইবার ও ওলিষয়ে রাজাসুপ विश्लिएअले मारकरव র মংগোগেও পরা পা। মশেতে কার্য্য করি देशिक्षा।

[दाजांशभा]

কে:নং অপ্রাধ দের ন'মে ফৌজনা রাতে নালিশ ১ই বার ও অপ্রাধ প্রমাণ ১ইলে ভাগে রা জরীমানা ওক্ষে দের যোগা হইবার

1 1 P 15 [বারণেসাটী

তদ্দেশীয় ক্রমিদান কর্মজের কথা। [আরাণ্য 🗓

১০৩। এই আইনানুসারে নিযুক্ত হওয়া কোন কমিসানর উপ যুক্ত হেতুর্যাতিরেকে পদচ্যুত হুইবেক না এব**ং ঐ** পদচ্যুত্তকরণের मकल निमर्य ताजा मुश्रतिराग्रेर एक मार्क्ट महस्यारम ও जाँकात প্রামশানুসারে কাগ্য করিবেন ইতি।— ১৮২৮ সা। ৭ আ। ১১

১০৪। ঐ কমিদানরেরা গৃষ কি বলক্রমে কিছু ল ওন কিয়া অন্য প্রাযুক্ত কমিসানরের গুরুত্র অপরাধকরণপ্রযুক্ত কৌজদারী আদালতের বিচারযোগ্য হউ বেক এবং দায়েরসায়েরী আদালতে তাহারদিগের ঐ অপরাধ প্র মাণ হউলে ঐ অপরাধের পুকারাদি অনুসারে তাহারা জরীমানা ও करम्प्राप्तत योगा इहरतक हेजि।-- ১৮২৮ मा। १ আ। ১৯ धा।

১০৫। এই আইনানুসারে কমিদ্যনরী পদ্পাপ্ত লোকদিগের ক্ষম রদিণের ক্ষমতাও তা আছে যে তাহারা আপনং এলাকার মধ্যের সকল প্রকার ভূ মির কি তাহার থাজানার কি উৎপন্নের বিষয়ে যে সকল মোকদ্দমা ভাষার হেতৃহওনকালারপি দ্বাদাশ বংশরের মধ্যে উপস্থিত ছব তাহা গ্রাহ্য করিতে ও ভাহার বিচার ও নিফাত্তি করিতে পারিকেক ङेकि। ১৮২৮ मा। १ जाः २० आ।

১০৬। এই মোকদ্মা গ্রাহা ও তাহার বিচার ও নিস্পাত্তিকরণ বিষয়ে ঐ কমিদানরের। উন্সরেজী ১৮১৭ সালের ২০ জারানর লিখনমতে কাঠ্য করিবেক এবপ ঐ আইনেতে যে বিষয়ে ১ ইনৈ প কোন হকুম নিদিস্টি হয় নাহি ভাহাতে জিলা ও শৃত্রুর দেওয়ান আদালতে উপস্থিতহওয়া মোকদ্দ্যাসকলের বিষয়ে আখনেতে যে মতং লিথিত আছে তাহার মধ্যে যেপ্যান্ত হইতে পারে তাহারি গতে কাষ্য করিবেন উতি : -১৮২৮ দা: ৭ আ। ২১ পা।

म (मेर्नाम क्रिया নবদিগের তাচে ্ প্রাদেশের তার্যাস

विद्यापम् ।।

১০৭। যেথ মোকদ্দমায় বিউনীয় প্রভারা কি ইউলোপের জন্ম দেশীয় অথবা আমেরিকা দেশীয় লোকেরা এক পঞ্চর ভাচার কথ।। विष्ठात ও निक्श विकत्रण असमीय विष्ठातक शता एव छक्षणाता নিষিদ্ধ শে হুকুম এই আইনের ধারা নিযুক্তহ ওয়া কমিদানর্দিরের নহিত সম্প্রক রাথিবেক না ইতি। - ১৮২৮ সা। ৭ জা। ২২ সা।

বিশেষ ওর্মার (टाजाभग ।)

১০৮। ডিক্রী জারী করিবার নিমিত্রে যেং কাইন চলিত কাডে গাঁগার নির্দিষ্ট তকুমান্দারে ঐ ক্মিল্যন্তের: গাপনার্দিগোর কুত নিম্পত্তি গারী করিবেক কিন্তু মোকল্লমার দাপীল ১৬বে ক্লিম্নিন্ন রুও নিম্পত্তি ছাবা মপ্রিটেটেণ্ডেট সাহেরের নিক্টর্ভাতে মেং উপ্রদেশ পায় হাতার মতে কাষ্য করিবেক ইতি। -১৮২৮ মান্য আন্হত্তান

ध (मनीय क्य 2.2774. 3114.00 করিটে পারিবার िस डंड्रांत उभन 3. (4'c) . Free 3.44 दिराच १९१९ ते केन (भन्याहकार्य) द्व

১০১। সুপরিণ্টেণ্ডেণ্ট সাজের ঐ কলিসানর্দিগের কুরকারী দুন্তি প্রস্তুক বিবেচনা করিবেন এবণ ভাড়ার্দিগের কর। নিক্ষান্ত্রির ভারি ^{এ৬ ইতে} ছয় মা**দের** মধ্যে তাগার উপর ঠাগার নিকটে লাপলি হইলে তিনি তংশমুর্কীয় কাগজপত্র তলার করিবেন ও জান্য গেং বিবেচনা কর্ত্তব্য তাজা করিয়া ঐ কমিদানর দিগের নিষ্পত্তি দাব্যস্ক প্রকেটেণ্ডেও নাতে কি মতান্তর কি রদ করিবেন কিন্তু উভয়পক্ষের কোন পক্ষ ঐ স্পরি ফের দুফিগোচর ০ প্টেপ্তেপ্ট মাছেদের দেওয়া ত্কুম রূদ করাইবার নিমিত্তে জ্রীয়ু ১ ন ও ইবর কথ । য়াব গ্রন্ব জেনরল বাহাদ্রের ছজ্ব কোল্সেলে দর্খাদ্র করিলে ঐ এীয়ুত তাহা রদ করিতে পারেন ইতি। ১৮২৮ দা। ৭ গা। र 8 भा।

(4:41-311) ভর মাধের হলে৷ আপলৈত প্রয়া (১) ক্ষমার ক্ষিয়ালর (मध्यक कुरकार्ता भ

[द:ब्राममा] अभाउत राज्य मन्योग्र (मरल 'इति મુલાંદ્રદાઇલકાઉ મ ८३ तम् । ७०५ म सम 4(5534) GAIA A

১১০। মালপ্রজারী ও আদালতসমুর্কীয় হকুন ভারীকরণের গুভি জকুম জারীর প্র বন্ধকতার যেং দণ্ড চলিত আইনেতে নির্পাত আছে তাছা এই তিংককতার দওএই Vol. I.

আইনের মতে হও আইনানুসারে হওয়া হুকুম জারীকরণের প্রতিবন্ধকতার সহিত সমুর্ক য়া তকুম জারীর বা রাখিবেক ইতি। - ১৮২৮ সা। ৭ আ। ২৫ পা। ধকতার স্থিত স ম্পর্ক বাখিবার ক থা।

বিবাণ্য 📗 এই আইনে প্রকা কর। যাইবার কথা।

১১১। এই ধারাক্রমে ইহাও জানান ও নির্দিষ্ট করা যাইতেছে বাস্ত্র জক্ম না হ যে এই আইনের দারা প্রকারান্তর হাকুম না হইয়া থাকিলে এই আই ইয়া থাকিলে চলেত নের লিথিত মহালাতের মালওজারী ও আদালতসমুক্ষ্য দক্ল আইনানুদারে রা কর্ম চলিত আইনের অভিপ্রায় ও তাৎপর্যানুদারে করা যাইতেক अत्र ও আদালতদ এব০ তাহা ঐ বিষয়ে সমুক্ না রাখিলে ন্যায় ও সুবিবেচনানুসারে প্রকার সমন্ত কার্য করা যাইবেক ইতি। - ১৮২৮ সা। ৭ আ। ১৬ ধা।

বারাণস ।

৩ অধ্যায়।

ভূমির রাজস্বের বন্দোবস্ব।

मख (मन्धा

৬ পারা।

ফদলী ১২৩০ অবপি ১২৩৪ পর্য্যন্ত বন্দোরম।

ি অপ্যায় দত্ত দেশের বন্দোবস্ত বিষয়। প্রথম কএক দালের ৰন্দোৰস্তের বিধি ৰাজালা ভাষায় অনুবাদ না হইয়া কেবল পার্য্য ভাষার তর্মা হইয়াছিল এইপ্রযুক্ত ১ মংখ্যা মর্সি ৮৪ মংখ্যা প্ৰান্ত এই গ্ৰন্থে দেওয়া হউল না।

৮৫। ইহার পরে যেথ স্থান বৃদ্ধিত করা সাইবেক তাহাধাতি রেকে দত্ত দেশদকলেতে যে জনীদার কি অন্য ন্যক্তিকে সে যে মহল কলেবযু আৰু পঁচ লের মালগুজারী আলায় করিবার কৌলকরার পরিয়াছে সেই মহা <u>ণের সন্দর্কালের স্বাস্থাপিকারী কি দ্থীলকার স্বীকার করিয়া ভাচার</u> শহিত সেই মহালের ভূমির জমার যে হাল বন্দোর্য করা গিয়াছে দেই বন্দোবস্ত ইহার পরে যেং নিয়ম লেখা যাইবেক হাহাতে দুষ্টি রাখিয়া ফুমলী ১২৩৪ সালের শেষপ্রমান্ত বহাল রাখা মাই र्तिक ङेखि।—১৮२२ मा। १ बा। २ था। ১ था।

में छ मिट्टान राज देशमृत्र(भ) ४ ७० (ल রাজা সাইবার কথা। [भ्रष्ट । भूगाः]

৮৬। জিলা কউকের ভূমির জমার গ্রাল বন্দোরস উপরের লি থিত যে সকল লোকের স্থান্তি করা গিরাতে ঐ সন্দোস্থ উপস্বের উক্ত মতে এব ে উপরের প্রয়াবিত নিয়মেতে দৃষ্টি রাগিয়া সামলী ১২ 98 मालित (भम्भभाषु वहाल ताथा गांगेरतक शेंडि I-- ১৮২২ মা। ৭ আ। ২ ধা। ২ প্র।

কটক জিলার হা वार्तमाद्युस मञ् महाल ता गामा हैतात (मक (मना)

৮৭। দত্ত ও জয়করা দেশের বোর্ড কমিদানর দাহেরেরা এর 🔨 কটক জিলার কমিসানর **সাহে্ব এীযুত নওয়ার গবর্নর জেনর**ল বাহাদুরের হলুর কৌন্সেলের হকুমুমতে আপুন্ধ হকুমের তারে মাতেকেরা কলেব জিলানকলেতে এই অর্থে ইশতিহারনামা দেওয়াইয়াছেন যে মরক। রের মনস্থ এই যে হালের পাড়ী আদি উপরের লিখিত মত লার পাঁচ বংসরপর্যান্ত বহাল থাকে এবং পূর্ব্বোক্ত যে সকল জ্ঞীদার अगर वाक्तिता आध्यात्रिक्तित कता क्लोलकतात आत थाँ। तथ শরপর্যান্ত বহাল রাখিতে অসন্মত হয় তালার্দিগের এ বিষয়ের শম্বাদ জিলার কালেক্টর সাহেবকে দিতে হউবেক। এই আইনের ^{দার।} ঐ **ইশুভিহারনামা মঞুর ও প্রবল করা গাইতে**ছে এব∾ পুর্নোক্ত যে সকল জমীদার ও অন্যথ রাক্তি ঐ ইশতিহারনামার লিখিত ত্রুমমতে তাহার উক্ত মিয়াদের মধ্যে ঐ সম্বাদ না দেয় হাল

বোর্ড রেবিলিউর उ दर्ग के किमान्त म रहाम वाकरपुर বিষয়ে যে উপাত তার দেওয়াইয়াছে ন ভাজসম্ক ও প্র বল হউতার কথা ৷ [मञ्जू (मन्।] ঐ উশতিহারের লিখনমতে যেড়গা भ (देव) रहमारम् व তাল ৱাথিতে অস

তে এটি করে তাহা নালে তাহার দিগের যে মালগুজারী দাতব্য দেই মালগুজারী তাহার রা আগামীপাঁচ দ্ দিনোর আগামী পাঁচ বৎসরপর্যান্ত অর্থাৎ যেথানে যেমন হয় ১২৩৪ সরপর্যান্ত ফালের ফালনীর কিয়া ১২৩৪ আমলীর শেষপর্যান্ত বৎসর্থ দিতে হইবেক জমার দায়ী হ^{ইবার} ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ২ ধা। ৩ প্র। कथी।

৮৮। জিলা গোরক্ষপুর ও আজিমগঢ় এই ধারার উপরের উক্ত জিলা গোরকপ র ও আজিমগঢ় পূ প্রকরণসকলের লিথিত হকুমের বহিষ্ঠত। ঐং জিলাতে পূর্ফ্রোক্ত ব্বোক্ত তিন প্রকর জন্মীদার ও অনাথ ব্যক্তিরা যেথ মহালৈর মালগুজারী আদায় করি ণের জবুমের বহি বার কৌলকরার করিয়াছে ঐথ মহালের বন্দোবন্ত মালগুজারী তহ ভুত হউবার কথা। দীলের ভারাক্রান্তসাহেবেরা যতুক্রমে পুনর্দৃষ্টিপূর্ম্বক শুধরণের আরম্ব मिस सम्भा] নুহন বন্দোবন্ধ হ করিতে যাবৎ প্রস্তুত না হন তাবৎ তাহার হাল সালে যে জমা তাহার ওনপ্রান্ত এই জি দিগের দাতব্য তাহার দায়ী হইয়া সন্থ ঐথ মহাল দথল করিতে লার জমীদারেরা দ পারিবেক এব ১ ঐ জমীদারেরা ও অনাথ ব্যক্তিরা পূর্ব্বোক্তমতে ন> ভাম দথল করি আপনার্দিণের পাটা আদি বহাল রাথণের নিমিত্তে তত্তদেশীয় মালগুজারী তহসীলের ভারাক্রান্ত দাহেবদিগের দহিত যেথ কৌল করার করিয়াছে কি করিবেক সে মকল এই প্রকণের দ্বারা প্রবল হইবেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ২ পা। ৪ প্র।

৮১। ঐ মত পরগনা পটাদপুর ও তংশয়ুর্কীয় মহালাতেতে পটাদপুর ও তৎ সম্পর্কীয় মহাল'তে পূর্ব্বোক্ত যে জসীদার এবং অন্যথ ব্যক্তিরা যেথ মহালের নিমিত্তে তে চাল বন্দোবদ্ধের যে২ কৌলকরার করিয়াছে যেপধ্যন্ত তাহারদিগের ঐং মহালের পাটা ঐ মতসন্থ উপযুক্ত বন্দোবস্ত করা যাইতে না পারে তারৎ তাহারা উপরের বহাল থাকিবার ক প্রকরণের উক্ত মতে দন্ধ দেই ২ মহাল দ্থল করিতে পারিবেক था। ∛তি।—১৮২২ সা।৭ আ∶া২ ধা।৫ প্র। [महात्मा]

পাটাআদির মি থাকে তাহার্দিগের বিষয়ে সামান্য হ কুমের কথা।

रात् कथा।

[দ্ভ দেশ।]

১০*। এই প্রকরণেতে ইহাও জানান যাইতেত্তে এব° সাধারণ য়াদ পূরা হইলে নিয়মম্বরূপ ত্রুম করা যাইতেছে যে পূর্বোক্ত যে কোন জনীদার পরে যে জমীদারদি কিয়। অন্য মালগুজার কোন মহালের নিমিত্তে দরকারে যে মালগু গের দখলে ভূমি জারী দাতব্য তাহা আদায় করিবার নিমিত্তে সরকারের সহিত কৌল করার করিয়াছে কিম্বা ইছার পরে করিবেক দেই জমীদার কি অন্য ব্যক্তি যদি ঐ কৌলকরারের মিয়াদ পুরা ছইলে পর মালগুলারী তহ্পীলের তারাক্রান্ত সাংহ্বদিগের বাধানা করণপ্রযুক্ত সেই মহা লের কর্তৃত্ব করিতে থাকে এব ১ ঐ কৌলকরারের মিয়াদ গত ছইলে পরে কোন সনে কি কোন সনের নিমিত্তে ঐ মহালের কৃষিকার্য্য কি কঠ্ব কিম্বা জমার বন্দোবস্ত অথবা রাজম্বের নির্দ্ধার্য্য কি তহসীলক রণের বিষয়ে কোন কার্য্য করে কিয়া করায় ভবে অন্য প্রকারে বিশে ২রূপে উভয় নম্মতি ছওনব্যতিরেকে ঐ পুর্বোক্ত জমীদার কিয়া অন্য মালগুজার গুজন্তা সনে যে মালগুজারী তাহার দাতব্য ছিল ঐ

[°] ১৮২৫ সালের ৯ আইনের ২ ধারাতে এই স্থকুম আছে,যে ইন্তক ৯০° লাগাউদ ৯৬ সংখ্যার বিধি এবং এই ১৮২২ সালের তৎপরে লিখিত সমস্ত পারা চিরকালের বন্দোবস্থ না ছ**ওয়া সকল ভূমির সঙ্গে স**ম্পর্ক রাখিবে।

দনের নিমিত্তে দেই মালগুজারীর দায়ী হইবেক। ইছাও হুকুম করা যাইতেছে যে কালেক্টর নাহেবেরা কিয়া কালেক্টনের ক্ষমতাপন্ন ক্রমে কালেক্টর দা অন্য কার্য্যকারক সাহেবেরা যে বোর্ডের কিয়া ক্মিস্যন্র্সাহেবের ব্বের্থ জ্যাদার্নি অধীন থাকেন দেই বোডের কি কমিদ্যানর্মান্ডেবের সন্মতি লইয়া ^{গকে ভাষ}র মাধ কোন বন্দোবস্তের মিয়াদ পূরা হইবার পূর্দ্ধে ছয় মাদের অধিক হাল রাখিতে চাহে না হয় এমন কোন সময়ে পুরের্বাক্ত জনীদার কিয়া মালগুলারেরদি কি না ইছার খরে গকে জানাইবার নিমিত্তে হুকুম দিতে পারেন যে তাহারা আগামি দিতে ছুকুম দিবার সনের নিমিত্তে আপনং করা কৌলকরার বহাল রাখিতে মন্মত বটে কথা। কি না এবণ ঐ জমীদারেরা কি অন্য মালগুজারেরা যদি তাহা কবি তে আপনাবদিগের অসমাতি তৎক্ষণে না জানায় তবে বেধ করা যা ইবেক যে তাহারা হালের জমাতে আপনার্দিগের পাউাআদি বহা ল রাথিতে **দমাত** হইয়াছে এব° পর্মোক্ত মত দন্থ ঐ মতই। যে জনীদার কি অন্য মালপ্তজারেরা সন্ই ভূমি দ্থাল করিতে অনুমতি র ভূমি দ্থালকরেনে প্রাপ্ত হইয়া থাকে তাহার্দিগকে যদি মেই কালেকট্র কি কালেক র ^{রাধা নাহ্য} ডাল টরের ক্ষমতাপন্ন অন্য কার্য্যকারক মাহের ঐ সনের আরম্ভে কি আ বা কেনে প্রকারতা রয়ের পুর্বে ঐ জমা পুনর্দৃষ্টিপূর্বক শুপরণেতে আপনার মনস্ক না প্রচারীর মার্লি জানান তবে বিশেষরূপে অন্য প্রকার ত্রুম না হউলে ঐ জ্ঞাদার টেরার কথা। িয়া আন্তা মালগুজারেরা কোন সনের নিমিটের বেশী মালগুজারীর দায়ী হইবেক না ইভি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ২ পা। ৬ প্র।

तार्द्धत मध्यक्ति

रग अभीमाविम्दर्भ

৯১। যেথ মহাল একণে ইজারাবিলিতে আছে তাহার বিষয়ে। ইন্ধারাধিলিতে গা এইং হুকুল করা যাইতেছে যে হালের পাউটা আদির নিয়াদ গত কা জমীদারীর ব স্টলে শ্রীমুত নওয়ার গরর্নর জেনরল বাহাদুর হজুর কৌসেলহ^{্দেন্ত্র} ইতে যে মিয়াদ নিরপণ করিবেন সেই মিয়াদে এই মহালের বন্দো নের মতের কথা। বস্থ করা যাইবেক ও যে জমীদারেরা কি অন্য ব্যক্তিরা দেই মহা লেতে সর্মানালের যাত্র রাথে তাহারা যদি তাহার উপযুক্ত মালও জারী আ**দায় ক**রিবার কৌলকরার করিতে সমতে হয় তবে অন্য লোকঅপেকা সেই জন গ্রাহ্য হইবেক এব 🗸 এ হকুমও করা যাই তেছে যে ঐ পুকার মহাল ইজারা দেওয়া গেলে ইজারদারকে যে পাউাআদি দেওয়া যায় তাহার মিয়াদ ১২ খাদশ বৎসরের অধিক হউবেক না ও যেং জমীদারী এক্ষণে থাস তহসীলেতে আছে উপ রের লিথিত ত্কুমসকল তাহাতেও গাটিবেক ঐ মতও জমীদার ও কা এমাদার র ব ভূমির অন্য অধিকারিরা আপনারদিগের হালের করা কৌলকরার স্মোবস্থের মতের ক বহাল রাথিতে কিয়া উপযুক্ত কমায় নূতন কৌলকরার করিতে অস था। মত হইলে মালগুজারী তইসীলের ভারাক্রান্ত সাহেবেরা এীযুত নও দিনের জমীদারীর য়াব গ্রন্থ জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলের হৃত্বসমতে ১২ acmicrae কথা। দাদশ বৎসরের অধিক না হয় এমত মিয়াদে সেই২ ভূমি ইজারা দিতে পারেন্ কি **ঐ পুর্ব্বোক্ত মিয়াদ কিম্বা তদপেক্ষা কম** যে মিয়াদ উপযুক্ত বোধ হয় এমত মিয়াদের কারণ সেই ভূমি আপনার্দিণের ক্রিড়াডলে আ**নিয়া তাহা থান ডহসীলেতে** রাথিতে পারেন ৷ এ ইকুমও করা যা**ইভেছে যে যে কোন** রাজা কিয়া জমীদার কি তালুক

मिछ (मण।]

शाभउठमीरम धा

অসমত জগদার

পন জমীদারীর ক ৰ্ত্তাহীন হট্যার ক श्री।

জমীদারেরা আ দার কিয়া অন্য ব্যক্তি কোন মহাল কি মহালাতের কারণ কৌলক রার করিয়া থাকে কিম্বা করিবার দর্থাস্ত করিয়া থাকে সেই মহাল দেই জনের কর্তত্বে রাখাতে কিয়া তাহা তাহার হাতে সমর্পণকরাতে দেশের শান্তির ব্যাঘাতহওনের কিয়া আর কোন অতিশয় হানিছও নের আশস্কা আছে মালগুজারী তহদীলের ভারাক্রান্ত সাহেবদিগের ইছা বোপ হাইলে সেই সকল বিষয়ের সম্বাদ শ্রীযুত নওয়ার গররুন্র জেনরল বাগাদুরের হজুর কৌন্সেলে দিতে হউবেক এব ১ ঐ 🗐 য তের হারুর কৌন্সেলের ত্রুমেতে উপরের উক্ত মিয়াদহইতে অগিক না হয় এমত যে মিয়াদ উপযুক্ত বোপ হয় দেই মিয়াদে ঐ কি এং মহাল থাস তহসীলে রাখিতে কিয়া ইজারা দিতে হুকুম দিতে পা রেন ইতি।--১৮২২ সা। ৭ আ। ৩ পা।

বিশেষ লোকদি গ কে আদায়ের কৌলক রার করিতে গ্রাহ্য কর্থেতে ভছসীলের ভারাকার সাহের দিগের অন্যান্সের নিম্পত্তিকরণের বা ধা না হইবার কথা। [महंदम्म।]

১২। বিশেষহ লোকদিগকে সরকারের মালগুজারী আদায় মালগুড়ারী করিবার কৌলকরার করিতে গ্রাহাকরণেতে কোন প্রকারে সরকা রের এ অভিপ্রায় নহে যে কাছারো শ্বত্তের কি উপশ্বত্তের ছানি হয় কিম্ব। সদর মালওজারেরা যে ভূমির মালওজারী আদায় করিবার কৌলকরার করিয়াছে দেই ভূমিতে তাছার দিগের যে২ স্বস্থাকে সর কারের রাজস্বের পরিমাণের নিরূপণহ ওয়াতে ঐং স্বত্বের দারা কিয়া ষজ্যের বিবেচনাও ধ্রয়∾ মরুকারের যে মৃত্র পূর্ন্সে ছিল তাছার্দিগের পুর্তি অনুগ্রহ করিয়া দেই ম্বত্র তাহারদিগকে অপণকরণেরও দ্বারা ভাহারদিগের যে২ অপিক লাভোদয় হইয়াছে তদ্যতিরেকে কিয়া মরকারের রাজ্য নির্বিয়ে পাইবার নিমিত্তে বিশেষ আইনের ছারা দদর মালগুজার দিগ্রে প্রজাদিগের দুবাজাত ক্রোককরণের কিয়া বলক্রমে অন্য প্রকারে তাহারদিগের ম্বানে থাজানা উদুলকরণের ক্ষমতা দিবার যে প্রয়োজন হ'ই য়াছিল তদ্বাতিরেকে ঐ সদর মালপ্রজার দিগুকে পুর্সের ষত্রহাইতে কিছু অধিক দেওয়া যায় বর্ণ সরকারের অতিশয় বাঞ্চ এব° সরকারের কার্য্যকার**ক সাহে**বদিগের অতিক**র্ত্তরা যে** প্রত্যেক জনের যে স্বন্ধ ও উপস্থ আইনানুসারে হইয়াছে কি হওনের সন্ধ বনা আছে তাহা তাহারদিণের প্রত্যেকের দথলে নির্ধিষ্মে রাথেন ্ এই মূল দাঁড়ান্ধারে এই ধারাক্রমে জানান যাইতেছে ও হুকুম ক্রা যাইতেছে যে হালের পাউাআদির মিয়াদ বাড়াইবার কারণ যে হুকুম করা গিয়াছে তাহার মধ্যে কিয়া হাল বন্দোবন্তের নিয়মের মধ্যে কোন কথার অভিপ্রায় এমত নহে যে তাহাতে সদর মালগুজা तितरमत ও তাङातमिरभत প्रकामिरभत शतस्त्रत नागा अधिकारत्त् বিবেচনার ও নিম্পত্তিকরণের ক্ষমতাপ্রাপ্ত মালগুজারী তহুসীলের क्छ उदमीलाइ जाताकाच मारहनिष्ठात थे क्यांकतर्गत ताचा इस उथे विषय ভারাক্রার লাছেবে কোন নিক্পত্তি কিয়া হকুম হওনহেতুক জমার মাফ কি কমী পাও রদের কো**ন ছ**কুম নের কোন দাওয়া গ্রাহ্য হইবেক না কিন্তু কোন জমীদার কিয়া মাল গুজার যে মহালেতে অধিকার ব্লাথে একি তাহা দথল করে স্কে

তাহাতে যে মুনাফা পাইত ঐ নিষ্পাল্তিভে কি হ্রুমেতে যদি তাহার

অনেক ক্ষতি হয় তবে সেই জমীদার কি মালগুলার সেই মহালের

কি নি**শ্বাহিতে** কে। ন জমীদ**ারের মু**না ফার কমী অধিক হ ইলে সে আপনক

কৌলকরার আলিতে পারে এব॰১ তাহা হউলে মালওজারী তহমী রা কৌলকরার আ লের ভারাক্রান্ত সাহেবেরা সেই মহালের নৃতন বন্দোবস্ত করিবেন লিতে পারিবার ক ইতি।—১৮২২ मा। १ जा। ৪ ४।।

১৩। যে জমীদারেরা কি মালগুজারেরা আপনার্দিগের অধিকার ভুক্ত কিয়া দাওয়া করা মহালের কঠু হুইইতে বেদখল ইইয়া থাকে নামকারের কিয়ের মালিকানা কিয়া নানকার্রপে তাহার্দিগের ঐ মহালের বাবৎ যে গ্লিড প্রাপ্তির বিষয়ে চলিত আইনেতে যে তুকুম লেখা গিয়াছে তাহা এই ^{যেই} জন্ম আছে প্রকরণের দ্বারা রদ হউল উতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ৫ সা। ১ পু।

১৪। ইজারাতে কি থাস তহসীলেতে থাকা ভূমির অপিকারির। বোর্ড কমিদ্যানর সাহেবেরা কিয়া তাঁহারদিগের ক্ষমতাপন্ন আন্য কি আন ডংগ'লে দাহেবলোকেরা যেমত নিরপণ করেন দেই মত মালিকানা চলিত আইনেতে তাহার প্রতিবন্ধক কোন কথা লেখা থাকিলেও পাইকেক ও যে কোন জমীদারীর জমা অনেক অংশিতে দাধারণক্রমে আদাধ করে সে অ° শিরা সম্মিলিত দ্থীলকাররূপে কিয়া আর কোনরূপেই বা সেই ভূমি ভোগ করুক তাহারদের পরস্কুর অংশানুসারে ঐ মালি কানার অণ্ম করিয়া দেওয়া যাইবেক এবণ 'ইছাও হুকুম করা যাই তেছে যে কোন মহালের অপিকারিকে কিম্বা অপিকারির দিগ্রে যে মালিকানা দেওয়া যায় তাহা ঐ মহালের রুদ্ধ উৎপল্প যত সরক। রেতে পাওয়া যায় ভাছার উপরে শতকরা পাচ টাকার কম ও যে প্রকারে কর য জীয়ত নওয়াৰ গৰরনর জেনরল বাহাদুরের ইজর কৌন্সেলের বিশেষ হুকুমৰাভিরেকে দশ টাকার বেশী হুইবেক না এব॰ এ হুকু মও করা যাইতেছে যে পুর্নোক্ত অধিকারিরা এ সরকারভিন্ন গুন্য সর কারহইতে যে নানকার পাইয়াছিল কিয়া ভাহার্দিগের অপিকারি স্প্রযুক্ত আর যে কিছু পাইয়াছিল তাহার বদলে যদি কোন ভূমির উপস্বত্ত কিয়া উৎপন্ন পাইতে থাকে তবে এই প্রকরণানুষারে তাহারা যে মালিকানা পাইবেক তাহাহইতে ঐ উপদ্তরণত্যাদি বাদ ২° টাকার বেশা দেওয়া যাইবেক ও ইছাও জানান ঘাইতেছে যে কোন মছাল সুৰুকা না হটবাৰ কলা। রের থাস তহসীলে কিয়া ইড়ারাবিলিতে থাকনের সময়ে যে জ্মীদা রেরা সেই মহালের মধ্যগত আপনারদিগের ভূমি আ**প**নারদিগের ভোগদখলেতে রাখে অর্গাৎ যে জ্মীদারেরা আপনার্গদেগের ভৃতির কৃষিকার্য্য করে কি পাউ। মাদির দারা অন্যেরে গোঁত করিতে দেয় अत॰ महकारतत डेजानमारतत कि काम्यकानरकत निकरि नाज्य দাথিল করে তাহারদিনের প্রতি এই প্রকরণের লিথিত ভুকুম থাটি রুকের তারে থাকি বেক না এবং সরকারের বিশেষ হকুম না হউলে যে কোন মালও য়া আপনং ভূমি দ জার কিয়া জনীদার কি ভূমির অন্য অধিকারী কি দ্থালকার ঐ শুলু করিতে থাকে ইজারা দেওয়া কিয়া থাসতহসীলে রাথা ভূমির প্রজাদিগের নিকট ^{এই} প্রকরণানুষারে ইউতে নিজে কিয়া **অন্যের ঘার**া কিছু পাঁয় তাহার্দিগের প্রতিও শাটিবেক না ও ইছাও জানান যাইতেছে যে যে মালগুলারেরা যে জ্মীদারীর মালগুজারী আঁদায় করিবার কৌলকরার পূর্নের করিয়া

उचि। तम र हैवान क

मिन (मना) डेकादा शिक्ट তে থাকা ভাষির অ ধিকারিদিগ্রে মা लिकानः (मध्यागः টবার কথা।

[मछ (ममा) এক পুলির আধি কারী অনেক গুন হ डेटल डाबात्मिरशत মালিকানার ভংগশ ইবেক তাহার কথা। এ মালিকানা সর কারের জমার উপ্র गउक्दा ६ भाउता কার কম ওসরকা রের বিশেষ ওক্ষ ব্যতিরেকে শতকরা

डाठारड माठा ना দ পড়িবেক ভাহার त्रश्री।

रंग अभीकारत्वा সরকারের ওর্ফ ই জাদারর কি কুয়েক। ভাগার্দিগ কে কিছু भाजिकाना मिरङ्गा হইবার কথা।

त्य क्रमीमार्वता

তিরেকে ভাহারাও মালিকানা নাপাই ্বার কথা।

> শে মালওঁ জাব যে অৎশের অধিকারী হটয়া ভাহার মাল **अक्ष:ती जानार**त्त् কৌলকরার করিয়া থাকে ভাহারদিগের বিষয়ে বিশেষ গুকু মের কথা।

প্রজাদিগের স্থানে জিল তাহারদিগের নাম পুর্নের বন্দোবস্তের বহীতে জমীদার ফি এ মত কিছুপার বি তালুকদার ইত্যাদিরপে লেখা গিয়া থাকিলেও যদি ঐ ভূমির প্রকৃত শেষ অকুমহওন ব্য অধিকারী নাহয় কিয়া ঐ ভূমির কেবল এক অংশের অধিকারী হয় তবে জমীদারীর জমার উপর উপরের উক্ত প্রাপ্তির অস্ক পাই বেক না কিন্তু তাহারা যে ভূমিতে প্রকৃত মৃত্যাধিকার রাথিয়াও তাল

আপনার্দিগের দ্থলে রাথে না তাহার কারণ যে মালিকানা পাইতে মহালের অধিকারী পারে তাহার দহিত তাহার দিগের ঐ জমীদারীর কর্তৃত্বপদের বদলে না হটনা কিলাকে সরকার যাহা দেওয়া উপস্তুক বুরোন তাহা পাইবেক এব০১ সে বল তাহার এক ভূমিতে যে কোন সদর মালগুজারের স্বস্তাধিকারিত্ব সেই ভূমির দর্যা লকারেরা স্বীকার করে না দেই মালগুজার যেপগ্যন্ত কোন আদালতে জাবেতামতে নালিশকরণের দ্বারা কিম্বা বোর্ডের সম্মৃতি যাহাতে হয় এমত অন্য প্রকারে আপনার তাহাতে স্বত্বাধিকার রাখণের প্রমাণ না দেয় তাৰ্প্পৰ্যান্ত তাহাকে কোন মালিকানা দেওয়া যাইবেক না কিন্ত এমত ছউলে ঐ মালগুজারের তৎকালের ভরণপোষণার্থে বোর্টের মাহেবদিগের লিখনক্রমে এীযুত নওয়ার গ্রুরনর জেনরল বাহাদুর হলুর কৌন্সেলহউতে তদর্থে যাহা দেওয়া উপযুক্ত বুকিয়া হুকুম দেন এমত ভবণ পোষণ তাহাকে দিতে হইবেক ইতি।--১৮২২ সা। ৭ আ ৷ ৫ পা ৷ ২ প্র ৷

জমীদারেরা গে জম। আদায় করি বার কেলৈকরার ক রিতে সমত হয় ডা হা জানাইতে সুরুকা রহইতে তকুম পাই বার ও ভাহার্দিগে র সময়ত জমার উপ লিকানার হিসাব ক রা যাউধার কথা। [म्छ (मग।]

র বিষয়ে আপন মালওজার পূর্যোক্তমতে আপন সমতি জানাইতে কসুর করে তবে সম্বিনাজানাইলে কালেক্টর দাহেব কি পূর্বোক্ত অন্য কোন দাহেব যে দনে তাহা পূর্ণর সনের শুদ্ধ রা জানাইবার ছকুম দিয়া থাকেন্ তাহার পূর্বসেনে সরকার ঐ মহালছ জ্যানুসারে মালিক। নার হিসাব করা যা ইবার কথা।

৯৫। ইহাও জানান যাইতেছে যে যদি কোন জনীদার কি সদ্ধ মালগুজার কালেক্টর সাছেবের কি কালেক্টরের ক্ষমতাপন্ন অন্ দাহেবের নিকটহইতে দেই জমীদার কি দদর মালওজার যত জ্যা দিতে সম্মত হয় তাহা জানাইবার নিমিত্তে হুকুম পাইয়া তাহা জানা ইয়া থাকে তবে সেই জমীদার কিয়া সদর মালগুজার জমা যত দিতে আপন সমতি জানায় সেই জমার উপর মালিকানা পাইবেক ও শেষেতে দরকারের যে জমার নির্দ্ধায়্য হয় তাহার উপর পাইংব--র খাহারদিগের মা না ও তাহার সমতে জমায় বন্দোবস্ত ছউলে মালগুজারী তছুদীলের ভারাক্রান্ত সাহেবেরা ঐ মোট জমার উপর কিয়া ঐ জ্মীদার ঠি সদর মালজার সেই জমীদারীতে যে স্বস্থাধিকার রাথে ভাছার পরি মাণানুদারে ঐ জমার কোন অংশের উপর শতকরা ৫ পাঁচ টাকার অধিক না হয় এমত পরিমাণে ঐ মালিকানার হিদাব করিতে পারি জমীদারেরা জমা বেন এবণ ইহাও জানান যাইতেছে যে যদি কোন জমীদার কি সদর

> ইতে শুদ্ধ রাজস্ব যত পাইয়া থাকেন তাহার সংখ্যার উপর শতকরা ৫ পাঁচ টাকার কম ও ১০ টাকার বেশী না হয় এমত পরিমাণে তাহার মাল্লিকানার হিদাব করা যাইবেক ইতি।—১৮২২ দা। ৭ আ। ধো। ৩প্র।

মালিকানার বিষ **১৬। এক্ষণে জানান যাইতেছে যে মালিকানার বিষয়ে ইঙ্গ**রেঞী ১৮২২ সালের ৭ আইনের ৫ পারার যে হাকুল আছে তালা ঐ য়ে ঈশরেজী ১৮১১ হক্ম <mark>জারীহওনের তারিখের পর হ</mark>ওয়াবিষয়ের উপর এব≏ কেব**ল** সালের ৭ আইনের ঐ আউনানুসারে হওয়া বন্দোবন্তুর উপর এব∾ ঐ বন্দোব্যু মুলা ¢ পারায় যে ৬৫ৢম গ্রির পর যাহারা পলায়ন করে কেবল তাহারদের উপর থাটিয়েক গাত অভিপ্রায় ছিল ইতি।—১৮৩৩ সা। ১ আ। ১১ পা।

আছে একার জাব आदित्य दशा ।

मिछ (मणा)

৭ পারা।

ফদলী ১২৩৫ অবপি ১২৩৯ পগ্যন্ত বন্দোৰস্থ।

ইহার পরে যেথ বিষয় ও নিয়মের কথা লেখা চাইতেক তাহাব্যতিরেকে দত্ত দেশে যে বন্দোবয় জমীদারেরদের কি ময়ুবদা বন্দোবয় আর পাত বেরদের কিয়া যে জন যে মহালের নিমিত্তে বন্দোবন্ধ করিয়াছে ও ডা हात नाम थै नहारलत इम्मिकाती कि भोक्सी म्थीलकात्युक्श कि তাহারদিগের স্তলাভিষ্টিক জনস্বরূপে বহীতে লেখা গিয়াছে এমত অনাথ লোকেরদের সহিত হইয়াছে ঐ বন্দোরস তাশার্দিগের মলিত আর পাঁচ বৎমরপায়ান্ত অর্থাৎ ফদলী ১২৩৫ সালের আর মুম্বর্ধি ১২৩১ দালের শেষপ্রয়ন্ত বহাল থাকিবেক ইভি।---১৮२७ मा। २ जा। २ ४।। ১ थ।

দত্ত দেশের হ'ল বংস্কুপ্রয়ায় বহাল থাকিবার কথা। मिछ (मणा)

৯৮। যদি কোন জমীদার কিয়া পর্ম্বোক্ত অন্যং লোক এই গা উনের বিশেষ করিয়া লিখিত নিয়মানুষারে আর পাচ বৎসরপগ্যন আপন কৰুলিয় থবহাল রাখিতে অসমত হয় তবে তাহারা যে কা লেকটরসাহের কি কালেক্টরের ক্ষমতাপন্ন অন্য সালেরের তাবে হয় তাঁহার নিকটে আপন অসমতির কথা আগামি ৩১ জুলাই তা রিথে মোতাবেকে ফদলী ১২৩৩ মালের ১২ শাুুুরণে জানাইবেক अत य मकल जभीमात कि शृद्धां क जनार लातिका शृद्धां क মিয়াদের মধ্যে আপন অসম্মতিজ্ঞাপক সম্বাদ না দের তাহারা এক্সণে চার দিগার কথা। যে বন্দোবস্ত চলিতেছে ইহার পরের পাঁচ বৎসর অর্থাৎ ফসলী ১২৩৫ সালের প্রথমাবধি ১২৩৯ সালের শেষপর্যান্ত প্রতিবৎসর ফ্রলী ১২৩৪ সালের নিমিত্তে তাহার্দিগের কর্লিয়তেতে যেমন আগামি পাঁচ বংস লেথা থাকে সেই মত মালওজারী দিবার দায়ী হউবেক ইছা এই বের প্রতিবংশর সা প্রকরণদারা জানান যাইতেচে এবং ইছা হইলে ইছার পরে যাহা শেখা যাইবেক ভদ্যভিরেকে ঐ পূর্ম্বোক্ত পাঁচ্চ বৎসরের শেষপগ্যস্ত ঐ লোকের দথলে থাকা মহালের মিমিত্তে যে ক্রমা সরকারের প্রাপ্ত ব্য তাহার কিছু মতান্তর হইবেক না ইতি।—১৮২৬ সা। ২ আ। र धा। र थ्रा

अभीमादन ना जान পাঁচ বৎসর মিয়াদ পর্যান্ত আপনার্দি গের কর্লিয়ৎ বছা ল বাথিতে অসমত চউলে নিক্পিড ম ময়ে কালেকট্রসা তেহকে ভাগার সমা

विक तम्म । তাহা না দিলে বেক জমার দায়ী হ हेटातु कथा।

১১। ইঙ্গরেজী ১৮২২ সালের ৭ আইনের ২ ধারার ৪ পুকর ণেতে জিলা গোরক্ষপুর ও আজীমগড়ের নিমিত্তে বিশেষ করিয়া গোরক্ষপুর ও আ **ত্রুম লেখা গিয়াছে অতএব উপরের লিথিত হুকুম তাহার সহিত জীমগড়ের এবং চা** শমুক রাখিবেক না এব ুকোন জিলাতেও এই ক্লণে সামান্য যে বন্দো Vol. I.

পুর্মোক অকুম न ररमारस्कृत मि **ভাষের পর কোন**

সম্পর্ক না রাথিবার ক शो।

मिस समा]

डेंडरतकी ३४२२ সালের ৭ আইনানু সারে যে২ মহালের বন্দোবয় পুনর্ঘটি পূৰ্বক শ্বধৰা গিয়া ছে কি ভাহাকরি বার উদ্যোগ হই তেছে দে সকল ম হাল উপরের লি থিত তকুমের বাহি র রাখিতে কালেক

मिछ (मण।] এমত চইলে কা লেক্টরসাহের মাল গুজার্দিগকে সমা চার দিবার কথা।

বৎদরের নিমিত্তেবি বস্তু চলিতেছে তাছার পরের কোন কিয়া কএক বৎগরের নিমিত্তে শেষকপে দেওমা বিশেষকপে যে কবুলিয়ৎ দেওয়া ছইয়া থাকে তাছারো হৃতি বৃদ্ধি কবুলিরতের শহিত করিবেক নাইতি।—১৮২৬ দা।২ আ।২ ধা। ৩ প্র।

১০০। কালেক্টর সাহেবেরা এব
কালেক্টরের ক্ষমতাপর অন্য সাহেবেরা তাঁহারা যে বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের হুকুমের তাবে হন তাঁহারদিগের হুকুমেতে দৃষ্টি রাথিয়া যে কোন মহাল কি यर प्रशास्त्र तत्मानरस्त्र श्वनेष्ठि रहेशास्त्र किया है अद्भान ১৮২২ সালের ৭ আইনের অনুসারে তাহাকরণের উদ্যোগ হট তেছে কিম্বা ঐথ ক্ষমতাপ্রাপ্ত দাহেবেরদের বিবেচনানুদারে যেথ মহা লের পুনর্কার বন্দোবস্ত অবিলম্বে করণের বিশেষ হেতু বোধ হয় দে দকল মহাল উপরের লিখিত ত্কুমদকলের বাহির রাখিতে পারি বেন এব ে শেষের উক্ত মহালের বিষয়ে কালেক্টর সাহেবেরদের কি পুর্ব্বোক্ত অন্য কর্মকারি সাহেবেরদিগের ক্ষমতা আছে যে বোর্ডের দাহেবেরা যেমন ত্রুম করেন্ দেইমত হালের পাড়ার টর সাহেবকে হুম মিয়াদ পূর্ণ হইবামাত্র তাহার বন্দোবস্ত পুনর্কার করেন্ কিয়া পাঁচ তার্পণ হওনের ক বৎসরের অধিক না হয় এমত অন্য মিয়াদের নিমিত্তে ঐ কবুলিয়ৎ দেওনিয়াদিগ্কে নৃত্তদ পাউ। দেন্ কিন্তু ইহাতে দৃষ্টি রাথিতে হট বেক যে কোন মহাল কি মহালাতের বিষয়ে উপরের লিখনানুসারে বিশেষ কার্য্যকরণের কল্প করা গেলে কালেক্টর সাহেব কিপুর্ব্বোভ অন্য কর্মাকারি দাহেব লিখনের দ্বারা ঐ কল্পের সম্বাদ ঐ কবুলিয়ং দেওনিয়াকে ইন্ধরেজী ১৮২৭ দালের ১ মার্চে কিয়া তাছার পূর্ফে भिरवन भानश्रकारतत वामञ्चारन शतु अहाना मिरल कि ताथिरन कि কালেক্টর সাহেবের ভ্রুমেতে মহালের মধ্যে সকল লোকের দুর্ফি গোচর কোন স্থানে সম্বাদপত্র লট্কাইয়া দিলে সম্বাদ দেওয়া সিদ্ধ হইবেক ইতি।--১৮২৬ দা। ২ আ। ২ ধা। ৪ প্র।

যে জমীদার এবং দের নিমিত্তে আপ নারদিগের কবুলি য়ৎ বহাল রাখে তা হারা পাট্টার মিয়াদ পুরিলে পর ডাছার,

[मरा (मण।] কথা।

১০১। উপরের শিখনমতে যে২ জমীদার এবণ পুর্ব্বোক্ত অন্যং অনা লোকের৷ অ লোকদিগের কবুলিয়ৎ অন্য পাঁচ বৎসর মিয়াদের কারণ বহাল ন্য পাঁচ বংসর মিয়া রাথা যায় ভাছারা এবণ অন্য যে সকল লোকেরা ইছার পরে স্বত্তা পিকারিম্বরূপে কি মুত্তাধিকারির মূলাভিষিক্তম্বরূপে বন্দোবস্তের কর্লিয়ৎ লিথিয়া দিবেক তাছারাও ঐ মত বহালরাখা কি দেওয়া পাঁটার মিয়াদ পূর্ণ হইলে পর তাহারা যে মহালের নিমিত্ত করুলি য়ৎ দিয়াছে কি ইহার পরে দিবেক সে মহাল তাহারদিগের ভোগদ লিখিত শেষ বংস খলে থাকিবেক এবণ তাহারা যেপগ্যস্ত কালেক্টর সাহেব কি কালে রে যে জমার দায়ী ক্টরের ক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেব ইঙ্গরেজী ১৮২২ সালের ৭ আই ছিল দেই জনা ঐ নের লিথিত হ্কুমমতে বিশেষরূপে পুনদৃষ্টিপূর্বক বন্দোবন্ত না ভগ পাঁচ বংসরের প্রভি রেন্ কিয়া সরকারছইতে নুতন জমা ধার্য্য করিবার বিশেষ হুকুম না বৎসর দিবার কথা। ছয় সেপ্যান্ত ভাছার দিগের পাউার মিয়াদের শেষ বৎসরের নিমিত্তে যে জমা সরকারে দাতবা হয় বৎসর্থ তাহার দায়ী হইবেক কিন্তু বিশেষ অকুমের ইহাতেও দৃষ্টি রাথিতে হইবেক যে পুর্বোক্ত কোন জমীদার কি আন

গালপ্তজার উপরের লিথিত হুকুমানুসারে যে জমা দেয় তাহার অধি কের দায়ী কোন বৎসরে হইবেক না যদি তাহার পুর্বে চৈল্ল মাসে কি তাছার পূর্বেবে বার্ডের দাহেবেরদের নূতন জমা পার্য্যছওয়া মঞ্ বহওনের **নয়াদ** না পায় এব°৲ অন্য কোন জন ঐ মহালের মুপি কারিত্বের দাওয়া করিলে আদালতহইতে তাহার অধিকারহওয়ার নিম্পত্তিপত্তের মতাচরণ হওনদারাব্যতিরেকে উপরের উক্ত সম্বাদ না পাইলে কোন জমীদার কি অন্য মালওজার আপন কর্লিয়ৎ দেওয়া মহালহইতে বেদ্থল হইবেক না ইতি।—১৮২৬ সা। ই আ। ৩ ধা।

১০২। যে২ মহাল একণে ইজারাবিলিতে আছে ভাহার ইজা রার হাল পাউার মিয়াদ পূর্ণ হইলে প্রায়ুত নওয়ার গরর্নর জেন মানারী রল বাহাদুর হজুর কৌন্সেলহইতে যে মিয়াদের ত্রুম করেন দেই লিভে আছে ভাগ মিয়াদে সেই২ মহালের বন্দোবস্ত করা যাইবেক যে জমীদার কি অন্য লোকেরা ঐথ মহালাতে মৌকুদী স্বত্বাধিকার রাথে তাহারা যদি উপযুক্ত পরিমাণে সরকারের মালগুজারী আদায় করিবার করু নিয়মের কথা। লিয়ৎ দিতে স্বীকৃত হয় তবে দেই২ মহালের বন্দোবন্ধের বিষয়ে তাহারাই সর্বাপেক্ষা গ্রাহ্য হউবেক আরো ভূকুম দেওয়া মাইতেজে যে এই মহাল ইজারাবিলিতে থাকিলে ইহার পরে যে বর্জনের লিতে থাকিলে যে কথা লেখা যাইবেক ভদ্যভিরেকে ইজারদারকে যে পাট্টা দেওয়া যায় তাহার মিয়াদ ১২ দ্বাদশ বৎসরের অধিক হউবেক না ও উপ বের লিখিত হুকুম থাসতহস্টলে থাকা মহালসকলের বিষয়ে এমত শমুর্ক রাথিনেক যে জগীদারেরা এব**ং অন্য ভুমাপিকারিরা উপযুক্ত** জমাতে হালের কবুলিয়ৎ বহাল রাথিতে অদ্মত ছউলে রাজস্বের কাগ্যভারাক্রান্ত্র দাহের্দিগের ক্ষমতা আছে যে এই পারার বিশেষ রপে লিথিত নিষেপেতে দৃষ্টি রাথিয়া শ্রীযুত নওয়ার গররনর জেনার কথা। রল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলহইতে যে মিয়াদের তকুম হয় সেই মিয়াদে ঐ ২ মহাল ইজারাবিলি করেন্কিয়া ঐ ২ মহাল থাসতহ দীলেতে রাথিয়া তাহার সরবরাহ নিজে ঐ মিয়াদপগ্যন্ত কি তাহার কম যে মিয়াদ উপযুক্ত বোধ ও নিরূপণ হয় দেইপগায় করেন গারো হকুম দেওয়া যাইতেছে যে যদি জানা যায় যে জমীদারের। ইচ্ছাপুর্ব্বক আপন জমীদারীর আবাদ কম করাইয়াছে মিম্বা আর কোন প্রকারে আপনার্দিগের দর্বরাহে কি দ্থলে থাকা মহালের কিছু হানি করিয়াছে তবে মালগুজারী তহসীলের ভারাক্রান্ত সাহে বদিগের ক্ষমতা আছে যে সেই২ জমাদারী সেই২ দোসি জমীদার্দি গের হাতছাড়া করিয়া অন্য ১৫ পঞ্চদশ বৎসর মিয়াদের নিমিত্তে र्रे जाता विलि करतन् अव॰১ जन्नला इपि आवामकत्रांगत निभिरतः उ কৃষিকর্মা বর্জনার্থে আবশ্যক উপায় করিবার জন্যে অথবা দেশের মঙ্গলবৃদ্ধির কারণ তত্ত্বংস্থানের বিশেষ কোন কারণপ্রযুক্ত আবশাক त्निध रहेरल थे भिशारन कभीनात अव रे हे जातनात निगरक शाउँ। रन उ য়া যাইতে পারিবেক ইতি।—১৮২৬ সা।২ আ। ৪ ধা।

এইফণে যেওজ **इ**भागांग র ইজারার পাটার মিয়াদ পূর্ণ ১টলে ভাচার বন্দোরদের

मिन (मृथ्। মহাল ইজাবাবি নিয়মমত কাম্য করা যাইেকে ভাতার ক

উপরের লিখিড छक्ष ग्राभण्डमीरल षाका अभीमातीत म হিত সম্পক্রাথিৱা

অ:পনার্দিগের ভূমির আবাদ কম क्रवध्युक ज्योमा রের। জমীদারীর ক कुंड्य ६ है (७ वर्षिक), ত হটবার কথা।

৪ অধ্যায়।

ভূমির রাজস্বের বন্দোবস্ত।

জয়প্রাপ্ত দেশ।

৫ ধারা।

ফদলী ১২৩৩ অবধি ১২৩৭ পর্যান্ত বন্দোবস্ত।

[জয়প্রাপ্ত দেশের প্রথম কএক বন্দোবস্ত বাঙ্গালা ভাষায় তর্জাল হয় নাই এইপ্রযুক্ত এই গ্রন্থে দেওয়া গেল না।]

কোন২ বিষয় হ मकरमञ् ও नुरम्भन এতে হাল বন্দোবস্ত আর ৫ পাঁচ বৎস র মিয়াদপর্যান্ত ব কথা।

[জয়প্রাপ্ত দেশ।]

৪৫। ইহার পরে বিষয় ও যেথ নিয়ম লেখা যাইবেক সেইথ 🖟 ইলে জয় করা দেশ ষ্যুব্যভিরেকে ও নিয়ন কৃকা ক্রিয়া জয়করা দেশসকলে ও বুদেন থাওে যে জনীদারেরদের ও নম্বরদারেরদের কিম্বা অন্য লোকেরদের নাম তাহারা যেথ মুহালের নিমিত্তে কবুলিয়ৎ লিথিয়া দিয়াড়ে সেই২ মহালের দর্মকালের অপিকারি কিয়া দ্থীলকার কিয়া তাগ হালরাখা ঘাইবার রদিণের স্থলাভিধিক্ত জনস্বরূপে বহীতে লেখা গিয়াছে সেই জনী দারইতাদির সহিত ঐ বন্দোবস্ত আর ৫ পাঁচ বৎসরপর্য্যন্ত অর্থাৎ ফদলী ১২৩৩ দালঅবপি ১২৩৭ দালের শেষপর্যান্ত বহাল রাখা याङरतक इंजि।─১৮२৪ मा। ১ আ। २ ४।। ५ थ्र।

य अभोनाद्वता মিল্লে আপন্থ ক্রু লিয়ৎ বহাল রাখি তে না চাহে ভাছারা আগামি ১৫ অকো বরে কি ভাষার পু त्य बामधकाती उर ঞানাইবার কথী। [জয়প্রাপ্র দেশ।]

যাহারা ভাইা জা न:हे**८७ कजू**द करव ভাহারা আরে পাঁচ বৎসরপর্যায় হাল

क है थे दि क्यो।

৪৬। যদি পুর্ম্পোক্ত কোন জ্ঞাদার এব॰ অন্যথ লোকেরা এই অন্য মিয়াদের নি আইনের লিথিত বিশেষ নিয়মানুসারে আর পাঁচ বৎসর মিয়াদণ র্যান্ত আপন করুলিয়ৎ বহাল রাখিতে অসমত হয় তবে তাহার আগামি অক্টোবরের ১৫ তারিখের পুর্দের্ব কি সেই তারিখে তাহারা যে কালেক্টর সাহেবের তাবে থাকে সেই কালেক্টর সাহেবের কিম্বা তাঁহার ক্ষমতাপ্রাপ্ত অন্য কোন দাহেবের নিকটে তাহা নিবে দন করিবেক এবং পূর্ম্বোক্ত যে সকল জমীদারেরা এবং অন্য সীলকারি সাহেবদি লোকেরা উপরের লিথিত মিয়াদের মধ্যে ঐ অর্থে নিবেদন না করে গের নিকটে তাহ। তাহারা হাল বুন্দোবস্তের মিয়াদ পূরাহওনের পর আর ৫ পাঁচ বং সরের প্রত্যেক বৎসরের মালগুজারীর দায়ী হইবেক এব•্ এই পুত রণক্রমে জানান যাইতেছে যে ঐ মালগুজারী তাহারদিগের দিতেই হইবেক অর্থাৎ কসলী ১২৩২ দালের নিমিত্তে তাহারদিগের করুলি য়তে বিশেষ করিয়া যে মত লেখা থাকে দেইমত ফ্রালী ১২৩৩ সালঅবধি ১২৩৭ সালের শেষপর্যান্ত মালগুজারীর দায়ী হইবেক জমার দায়ী হইবার ' এব°় তাহা হইলে ইহার পর যাহা বিশেষ করিয়া লেখা যাইবেক ত্বাতিরেকে ঐ ৫ পাঁচ বৎসর মিয়াদ পূর্ণ না ছইলে ঐং লোকদি ভাহা হইলে লমা গোর দথালে থাকা মহালাতের বাবৎ সরকারের ওলবা জমার কিছু র্ন্দাডিরেক নান্নাধিক হইবেক নাইতি।—১৮২৪ সা। ১ আন। ২ ধা-ি২ প্র।

৪৭। যে কালেক্টর, সাহেবেরা এব॰ কালেক্টরের, ক্ষমতাপ্রাপ্ত অন্য সাহেবেরা যে২ বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের ভাবে থাকেন তু থাকিলে কোন্য তাঁহারা 🗳 বোর্ডের দাহেবেরদের ত্রকুমের অধীনতায় ইঙ্গরেজী ১৮২২ পালের ৭ আইনের ত্রুমানুসারে যে কিয়া যে২ মহালের বন্দোবস্ত পুনর্দৃষ্টিপূর্ব্বক শুধরা গিয়াছে কিম্বা এক্সণে শুধরা ঘাইতেছে किया थे मार्ट्यमिर्गत विरवन्नानुभारत অविलाम यथ प्रशासनत বন্দোবস্ত পুনর্দৃষ্টিপূর্ব্বক শ্রধরা যাওনের বিশেষ হে তু থাকে ঐ সকল মহাল উপরের লিখিত হকুমের বহির্ভূত করিতে পারেন এবং জের বন্দোব্য গুন শেষের উক্ত মত মহাল হউলে কালেক্টর সাহেদেরা কিয়া পূর্বোক্ত ঝার করিতে কি অ অন্য কর্মকারি সাহেবেরা বোর্ডের সাফেবেরা যে মত ছকুম দেন্ তদ नुमारत शालत शास्त्रात प्रिमान भून इहेरल से महारलत तरनातस भून র্বার তৎক্ষণে করিতে কিয়া ৫ পাঁচ বৎসরের অধিক না হয় এমত অন্য মিরাদের নিমিত্তে ঐ কবুলিয়ৎদেওনিয়া লোকেরদিগ্কে নূতন পাটা দিতে ক্ষমতা রাথেন্। আরো হুকুম করা যাইতেছে যে কোন করণের মন্ধাদ কা মহাল কি কোন ২ মহালের বিষয়ে বিশেষরূপে পূর্ব্বোক্ত মত কাষ্য লেক্ট্র সাংহরণ করা স্থির হইলে কালেক্টর সাহেব কিয়া পূর্ম্বোক্ত অন্য কর্মাকারি গের দিতে হুইবার সাহের ইঙ্গরেজী ১৮২৫ সালের ১ পহিলা মার্চে কি তাছার পূর্ফো বিশেষ ছবুম। ঐ কব্লিয়ৎদেওয়া জনের নিকটে তাহা স্থির করা যাওনের জ্ঞাপন পত্র পাঁচাইবেন ও কালেক্টর সাহেবের হুকুমানুসারে ঐ মালগুজা রের সামান্য বাসস্থানে দেওয়া কিয়া রাখা কিয়া ঐ মহালের মধ্য গত সকলের দৃষ্টিগোচর কোন স্থানে লট্কান পরওয়ানাই তাছার উপযুক্ত সমাচারপত্র বোধ হইবেক ইতি।—১৮২৪ সা। ১ আ।২ পা।৩পু।

বিশেষ কোন হে मेरान उपरत्त एक অকুমের বহিছত ক রিতে কালেকটর্যা হেবের ক্ষাভার ক

ध्य र्षे भव्य ন্য মিয়াদের নি'্য তে ন্তন পাউটা দি তে ক্ষমতা রাখিবার

ঐ কার্যাকরা থির

৪৮। হালবন্দোবস্তু করা গেলে ভাহার পরের কোন বৎসর কিম্বা কোনং বৰ্মরের নিমিত্তে যেথ বিশেষ কর্লিয়ৰ দেওয়া গিয়া গাকে উপরের লিথিত তুকুম ঐথ করুলিয়তের কিছু হানি করিবেক না ইতি।—১৮২৪ দা। ১ আ। ২ ধা। ৪ প্র।

8**२। शृ**र्ख्वाञ्च य क्रमीमारतत्रामत अतः जाना लास्कित्रमत कत् লিয়ৎ উপরের লিথিত হকুমমতে অন্য ৫ পাঁচ বৎসর মিয়াদপগ্যন্ত দ গত হওনের পর বহাল রাথা যাইবেক তাহার।এব° জানা যে সকল লোকেরা ইহার যে২ এখাদারইডা পরে ভূমাধিকারিরদের কিয়া ভূমাধিকার্কিদিগের স্থলাভিয়িক্তয়রপে দির করুলিয়ৎ বর্ণা क्वूलिये लिथिया पिरवक ठाहोता उत्थर प्रहारलंब निमिर् कव्लि মৃৎ দিয়াছে কিম্বা ইহার পরে দিবেক সেই২ মহাল বহাল রাথা কি ন্ত্রন দেওয়া পাটার মি**রাদ গত হও**নের পরেও দ্থল করিতে থাকি বেক এব ে কালেক্টর কিছা কালেক্টরের ক্ষমতাপন্ন অন্য কর্মা কারি দাহের উন্সরেজী ১৮২২ দালের ৭ আইনের লিথিত হকুমা নুহ ভূমিদুখল করি নুসারে যাব< ঐ বন্দোবন্ত পুনর্দৃষ্টিকরণ ও তাহার বেওরা লিখনপু বার কথা। র্ব্বক শুধরিতে না পারেন কিয়া সরকারহুইতে নূতন বন্দোবস্ত করিতে বিশেষ চ্কুম না পান্ তাবংপ্যান্ত পাটার লিখিত মিয়াদের শেষ আদ না পাইলে জ

উপরের ভসুম ই হার পুরের দেওয়া ক্রুলিয়তের কিছু হানি নাকরিবার ক

[क्राधाथ (मण।] ঐং পাট্টার মিয়া ল রাঝা যায় ভাষা পুনদুটি প্রাক হন্দোবস্ত অধরা না যাওনপৰ্যান্ত পূৰ্বের র জমাদিয়াআপ

উপযুক্ত সময়ে স

র বিশেষ হুকুম।

य ना इहेटल के मना দ পাওনব্যতিরেকে

মীদারেরদের বেশী বৎদরের নিমিত্তে যে জমা তাহারদিগের দানত্ব্য বৎসর্থ সেই জমার জমা দিতে না হইবা দায়ী হইবেক আরো হুকুম করা যাইতেছে যে পুর্কোজ কোন জমী দার কিম্বা অন্য মালগুজার জৈয়েগ্যাদে কি তাহার পুর্বের বোর্ডের আদালতের অকু দাহেবদিগের হজুরে নৃত্ন জমা নির্দ্ধায্যহওয়া মঞ্জুরহওনের দয়াদ না পাইলে উপরের হুকুমানুসারে যে জমার দায়ী আছে কোনপুকারে এ লোকেরা আপ কোন বৎসরে তাহার অধিকের দায়ী হইবেক না এব ে ঐমত কোন নারদিগের ভূমির জমীদার কিয়া অন্যকোন মালগুজার অন্য কোন জন তাছার দ্থালে কর্বৃত্তহ ইতে বেদ্ধ থাকা ভূমির অধিকারিত্বের দাওয়া করাতে আদালতের হুকুম ভাহার ল না হইবার কথা। পাওনের অর্থে হওনব্যতিরেকে আপনার কবুলিয়ৎ দেওয়া কোন মহালের কর্তৃত্বহইতে ঐ প্রকার সমাচারপত্র না পাইলে বেদখল হইবেক না ইতি। -- ১৮২৪ সা। ১ আ। ২ ধা। ৫ প্র।

त्यर जभीमाती अ তে আছে তাহার হালপাট্টার মিয়াদ পূর। হইলে ভাহার वस्मावस श्रमकात् করিবার এবৎ যে

[জয়প্রাপ্ত দেশ।] এই পাট্টার মি शांक ३२ वश्मदत्त् বিশেষ হুকুম।

জমীদার ইত্যাদি আপন্য কর্লিয়ৎ

मधन रहेवात हिल्ला ষ প্রক্ষ।

৫০। যেই জমীদারী এক্ষণে ইজারা দেওয়া গিয়াছে তাইার হাল ক্ষমে ইজারাবিলি পাটার মিয়াদ পূর্ণ হইলে এীযুত নওয়াব গবর্নর জেনরক বাহা দুর কৌন্সেলে যে মিয়াদের হুকুম দেন্ ঐ মিয়াদের নিমিত্তে তাহার বন্দোবস্ত করা যাইবেক ও যে জমীদারেরা কিয়া অন্য জনেরা ঐং মহালেতে সর্মকালিক স্বত্তাপিকার রাথে তাহারা যদি সরকারের উপযুক্ত মালগুজারী আদায় করিবার নিমিত্তে কবুলিয়ৎ লিথিয়া জমীদারেরা ঐ১ ম দিতে সমাত হয় তবে তাহারা অন্যাপেক্ষা অগ্রগণ্য ইইবেক আরো হালেতে সর্বকালি ত্রুম করা যাইতেছে যে এই মহাল ইজারা দেওয়া গেলে এ ইজার ক ৰঅ রাখে তাহ। দারেরদের পাউার মিয়াদ ইহার পরে যাহা লেখা যাইবেক তদ্বাতি রা অগ্রগণ্য হইবার রেকে ১২ ছাদশ বৎসরের অধিক হউবেক না ও যে২ জমীদারী এক্ষণে থাস তহ্দীলে আছে উপরের লিথিত নিয়ম ঐং জমীদারী তেও দম্বর্ক রাখিবেক ও ঐ মত জমীদারেরা এবং অন্য ভূমির অন্য অধিকারিরা উপযুক্ত মালগুজারী আদায় করিবার নিমিত্তে হালের অধিক না ছইবার ক্রুলিয়ৎ বহাল রাথিতে অসমতে হইলে এীযুত নওয়ার গবর্নর জেনরল বাছাদুর হজুর কৌন্সেলে যেমন নিরূপণ করেন সেইমত খাদ ওছদীলে ইছার পরে যে নিষেধ লেথা যাইবেক তাছা দৃষ্টি করিয়া মালওজারী থাকা মহালের সহি তহসীলকারি সাহেবেরা ঐং ভূমি ঐ মিয়াদের নিমিত্তে ইজারা দিতে ত উপরের উক্ত কিয়া ঐ পুর্বোক্ত মিয়াদপর্যান্ত কিয়া যেরূপ উপযুক্ত বুঝা যায় কুম সম্পর্ক রাখিং। সেমত তাছাইইতে কম মিয়াদপর্যান্ত ঐ ভূমি থাস তইসীলে রাথিয়া তাহার কর্তৃত্ব আপুনারা করিতে ক্ষমতা রাথিবেন আরো হ্রুম করা যাইতেছে যে জমীদারেরা ইচ্ছাপূর্বক আপনারদের ভূমির আবা বহাল রাখিতে জ দের কমা করাইলে কিয়া আপনারদের দথলে থাকা যে ভূমির সমত হইলে যাহা নিক্তিত কবুলিয়া লিয়া দিয়া থাকে ভাৰা আর কোন প্রকারে অপ করিতে হইবেক ভা কৃষ্ট করিলে ভহসীদের ভারাক্রাক্রাইইবরা ঐ অপরাধি জনেরদি গ্রেক ঐ ভূমিষ্টতে বেদথল করিতে এবং ১৫ বংসর মিয়াদে ঐ যাহারা ইচ্ছাপু ভূমি ইজারা দিতে ক্লমতা রাথিবেন ও জন্তা ভূমি আবাদ করিবার ক্ষক আপনং জুমি নিমিত্তে কিয়া দেশের হিতার্থে কৃষিকাগ্যের আধিকা কি আর কোন অপকৃষ্ট করে ভালা কার্য্য করিবার জন্যে কোন কার্থানাইত্যাদি করিবার নিমিত্তে ঐ স্থানের বিশেষ কোনং অবস্থাপ্রযুক্ত ঐ ভূমির পাউ। দিবাঁর আব

শাক হইলে ঐ মিয়াদের নিমিত্তে জমীদারেরদিগ্কে এব॰ ইজারদা তাহা চইলে এ বেরদিগ্কে তাহার পাট্টা দেওয়া যাইতে পারিবেক ইতি।—১৮২৪ বং বিশেষ অবস্থাপ্র সা। ১ আ। ৩ ধা।

ভাষা চইলে এ
বং বিশেষ অবস্থাপ্র
যুক্তা আবশ্যক চই
লে ১৫ বংসর মিয়া
দে ঐ ভূমির পাট্টা
দেওটো ঘাইবার ক

৫১। ইঙ্গরেজী ১৮২২ সালের ৭ আইনের ৩ তৃতীয় এবং তা इंबद्धी ३४२२ হার পরের অন্যথ ধারার লিথিত ছকুম উপরের লিথিত স্তধরণের সালের ৭ আইনের ৩ ও ডাচার পরের এবং তারিথ ও মিয়াদের আবশাকরপ মতান্তরহওনের দহিত যেমন অনাং ধারার হক দত্ত দেশসকলেতে সমুর্ক রাথে সেইমত জয়করা দেশসকলে ও বন্দে ম উপরের উক্ত মধ লথণ্ডেতে সমুর্ক রাথিবেক আরো হুকুম করা যাইতেছে যে ঐ আই রুণ ও মডাস্করের স নের ১ ধারার ৩ প্রকরণের লিখিত যেথ কথা ঐ প্রকরণের লিখিত হিত সায়করা দেশ বিশেষ প্রকারেতে দেওয়া কবুলিয়ৎ ৫ পাঁচ বৎসরের অধিককাল करम्बन्धर अर्द्री পুরল থাকনের প্রতিবন্ধক হয় সেইং কথা উপরের ধারার বিশেষ সহিত সম্পর্ক রাখি লিখনানুসারে ইজার্দার্দিগ্রে দেওয়া পার্টার সহিত সমুর্ক রাখি राज्ञ कथा। [জয়প্রাপ্ত দেশ।[]] বেক না এবণ বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা বিশেষ কোন্থ অবস্থাপ্র বিশেষ আগস্থা চ যুক্ত আবশ্যক বৃক্তিলে সরকারের অনুমতি লইয়া দত্ত দেশসকলের हेटन के चाहित्य মত জয়করা দেশসকলেও ১৫ পানের বৎসংধ্র অধিক না হয় এমত ১ ধারার ৩ প্রকর কোন মিয়াদের নিমিত্তে জমীদার্দিগকে কিয়া ইজার্দার্দিগকে ণের কোন্য কথা ভূমির পাটা দিতে ক্ষমতা রাথিবেন ইতি। - ১৮২৪ সা। ১ আ। ৪ যাচাতে আটিবেক श्रो । ভাহার কথা।

৫ অধ্যায়।

ভূমির রাজস্বের বন্দোরস্তা

কটক ৷

৩ ধারা।

আমলী ১২২০ অবপি ১২২২ পর্য্যন্ত বন্দোবস্তু।

[কটক দেশের প্রথম কএক বন্দোবস্ত বাঙ্গালা ভাষায় অনুবাদ হয় নাই এইপ্রযুক্ত এই গ্রন্থে দেওয়া যায় নাই।]

কটক জিলাইতা।

৩৬। জিলা কটক ও পর্ণানা পটাসপুর ও তাহার সম্মুর্জীয় মহা
দির ভূমির জমাব্ধ এ লাতের ভূমির জমার একসালা বন্দোবস্ত এতাবতা আমলী ১২২০
ক্লালা বন্দোবস্ত হ
ইবার কথা।

[करेंक।

আমলী ১২২০ ৩৭। আমলী ১২২০ দাল গত হইলে পর পুনরায় উপরের জ্মতে পুনরায় দু উক্ত ভূমির দুইদনা বন্দোবস্ত এতাবতা আমলী ১২২১ ও ১২২২ ইদনা বন্দোবস্ত হইবেক ইতি।—১৮১৩ দা।১ আ।২ ধা। ইবার কথা।

[কটকা]

আমলী ১২২২ ৩৮। জানা কর্ত্তব্য যে আমলী ১২২২ সাল গত হইলে বোর্ড সাল গত হইলে এ বিনিউর সাহেবলোকের উচিত যে উপরের উক্ত ভূমির উত্তর যে বোর্ড কোলের বিষ্ণালের বন্দোবস্তের অর্থে ইঙ্গরেজী ১৮১২ সালের ১০ আইনের র সাহেবলোকের ও পারাতে যে২ দাঁড়া লেখা গিয়াছে তদনুসারে কার্য্য করেন্ ইতি। যে কর্ত্তব্য ভাহার —১৮১৩ সা। ১ আ। ২ ধা। ৩ প্র। কর্ত্তব্য ভাহার কি

[कर्षक ।]

অধ্যায় ৷

বীরভূমের ঘাটওয়ালদিগের সহিত বন্দোবস্ত।

 যে ব্যক্তিরদিগকে লোকের। ঘাটওয়ালা বলে ভাহারা জিলা বীর হুমের মো<mark>তাল</mark>ক কএক মহাল এ প্রকারে ভোগদখল করে যে তাহার সহিত এক্ষণকার চলিত আইনের লিথিত দাঁড়া সমাক প্রকারে **সম্লর্ক** রাথে না ও সর্ব্ব প্রকারেতে ইহা!বোধ হইতেছে যে **ঐ** দকল ব্যক্তিরা তথাকার দাবেক দম্বর ও রেওয়াজমতে ঐ দকলমহালের মোকররী মালগুজারীর বীরভূমের জমীদারের নিকটে দেওনের ও পোলীদের সিরিশ্তার সুধারী হইবার নিমিত্তে যাহাথ কর্ত্তব্য তা হা করণের নিয়মে ঐ সকল মহাল পুত্রপৌদ্রাদিক্রমে ভোগদথলকর ণের হক রাথে ও যেহেতৃক মালগুজারীর কার্যাভারাক্রান্ত সাহেবেরা ঐ সকল ব্যক্তিদিগের যে মালগুজারী দিতে হইবেক পুরা তহকীক করণের পরে তাহার বন্দোবস্থ,করিয়াছেন•ও ঐ দকল ব্যক্তিদি গের দহিত দংশ্রতি যে বন্দোবস্ত হইয়াছে তাহা দাবাস্ত ও কায়েম রাথা আবশ্যক জানা গেল অতএব প্রীযুত বৈদ প্রদীডেণ্ট দাছেব বাহাদুরের ছজুর কৌন্সেলহইতে নীচের;লিথিত দাঁড়া নির্দিষ্ট হইল যে এই আইন জারীহওনের তারিথঅবধি ঐ সকল দাঁড়া জিলা বীর সুমেতে জারী ও চলন হয় ইতি।—১৮১৪ সা।২১ আ।১ ধা।

टिड्वाम । [बीवस्य।]

২। সৎপ্রতি সরকারের তরফহইতে জিলা বীরভূমের ঘাটওয়াল দিগৈর সহিত বন্দোবস্ত হইয়াছে এ কার্ণ এই ধারীনুসারে জানান তে ুঘাটওয়ালেরা যাইতেছে যে এক্ষণে যে জমা তাহারদিগের ভূমির উপর মোকরর হইয়াছে তাহারা যাবৎ তাহা আদায় করিবেক তাবৎ পুত্রপৌল্রা দিক্রমে 🗗 ভূমিতে ভোগনান ও দ্থীলকার থাকিবেক ও যাবৎ সময় শিরে মালগুজারী আদায় করে ও ভূমি ভোগদথলকরণের সম্মুর্কীয় অম্যিং নিষুম্মতে কাৰ্য্য করে ভাবৎ ভাছার্দিগের স্থানে বেশী তলব আজানা ভলব না ছ হইবেক না ইভি।--১৮১৪ সা। ২৯ আ। ২ ধা।

 হাটওয়ালী মহাল জিলা বীর ভূমের জমীদারীর শামিল বোধ হইবেক কিন্তু **ঐ দকল মহালের মালগুজারীর টাকা ঘাটও**য়া**লের। বীরভ্**ষের জ্ঞান। অন্যের মারাব্যতিরেকে আপনি যে আদিষ্টাণ্ট কালেক্টর সাছের রীর শামিল ছইবা শিউড়ী মোকামেতে থাকেৰ ভাঁছার নিকটে কিছা এযুত নওয়াব গব র্নর্ জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলের অনুমতিক্রমে বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের তরফহইতে অন্য যে সাহেব মালগুজারী তহ্নীলের নিমিন্তে মোকরর হন তাঁহার নিকটে দাখিল করিবেক ইভি।—১৮১৪ সা।২৯ আ। ৩ পা।

জিলা বীর্ডমে যে নিয়মে আপনং ভূমিতে পুশ্রপৌদ্রা দিক মে ভোগবান থাকিবেক ও ভাহার ইবেক ভাছার কথা।

[वोद्रख्य।] षाचे अग्रामी महाम র ও ভাহার থাজা না আদায় হওনের মতের কথা।

[वीद्रखम ।]

৪। ঘাটওয়ালদিগের উপর ঘাটওয়ালী মহালের বাবৎ মং লের বাবং সরকা টাকা মালগুজারী মোকরর হইয়াছে তাহাহইতে ঐ মহালের বাস রের মোকররী জম। যত টাকা জমা সরকারে বীর ভূমের জমীদারের দিতে হয় তাহা কাটি বাদে মাহা বাকী থা য়া লইয়া যাহা বাকী থাকে তাঁহা বীর ভূমের জমীদার ও তাহার ও রিসানকে পুত্রপৌজ্রাদিক্রমে দেওয়া যাইবেক ইতি ৷—১৮১৪ সা র জমীদার ও তাল ১৯ আ। ৪ পা। র ওয়ারিসানকে দে ওয়া যাইবার কথা

दीत च्या 🗎

[বীরভূম ৷]

 ৫। যদি ঘাটওয়াল লোকদিগের মধ্যে কাছার শিরে সরকারের ঘটিওঁয়ালের: মালগুজারীর টাকা বাকী পড়ে তবে এীযুত নওয়াৰ গ্ৰৱন্ত কেন মালওজারীর টাকা রল বাহাদুরের ঋমতা আছে যে সেই বাকীদার ঘাটওয়ালের সুমি বাকী পাড়িলে কওঁ বাকী আদায়ের কারণ সরকারের থেরাজী ভূমি নীলাম করা যা ওনের মতে নালামে বিক্রয় করিবার হুকুম দেন কিয়া দেই বাকীদার ঘাটও য়ালের ভূমি অন্য যে ব্যক্তিকে মালগুজারীর বাকী টাকা আদায়কর ণের নিয়মে হজুরের পদন্দ হয় তাহার জিম্মা করিয়া দেওয়ান কিয় ঐ ভূমি তাহার যে জমা মোকরর আছে মেই জমাতে কিয়া জলাল

দেওয়া যাইবার ক

কমী কি বেশী করিয়া অন্য ব্যক্তিকে গছান অথবা আরু যে কোন মতনের উক্ত ব প্রকারে ঐীয়ুত নওয়ার গবর্নর জেনরল বাহাদ্র উচিত বুকেন দেই ন্দোৰতে জ্যায় বে প্ৰকারে ঐ ভূমি বিলি লাগান ও জানা কতুৰা যে যদি উপরের জি শা হউলে বার মূলে থিত বন্দোনমেতে জনায় কিছু বেশী হয় তবে সেই বেশী টাক। উপ র জমাদার ও তালা বের পারার লিখিত হুকুমমতে বীরভূমের জমীদার ও তাহার ওফ ওয়ারিমানকে রিমানের পুল্রপৌল্রাদিক্রমে দেওয়া যাইবেক ইতি।—১৮১৪ দ २३ जा। ७ शा।

৭ অধ্যায়।

ভূমির মালগুজারীর বন্দোবস্তকরণ কিয়া তাছ। পুনর্নিগুপুক স্থপুক্ত :

১ পারা।

বন্দোব্যুর নিয়্য।

১। এই আইনের ২ পারার নিভিত্তকুমানুষাকে ভূমির জুমার এট আটামের ১ কিংয়ে হালের করা কৌলকরার বহালা রাখা গেলে বোও কমিয়া প্রানুষ্টের কোন নর সাহেব**লো**কের সম্মতিতে কালেকট্রসাহেরেরা ছালের পাট্টি। গর্মারীর রালের আদি বছাল রাখা গেলে ও তাছার নিয়াদের মধ্যে কোন মন্নয়ে পাট্ট বহাল র'ল' নেই ভূমি**র বন্দো**নম গুনার্টিপুর্ত্তক স্থপরণের আরম্ম করিতে পার্ক্তির গেলে দীপাট্টার মি ন এব**ং সেই ভূ**মির পরিমাণ ও তাহার উৎপন্ন এবং ভাহার উপর श्रीत श्रुता वा कनेंद्र ह उञ्मीत्स्य हाता का যে জমা তলৰ কর। ওয়াজিবী তাহার পরিমাণ নিশ্চয় ও নিজ্পণক। य भारदरद्या वा फशी तरभत निजिट्ड अउ९ सार्वे ५भि कशिकातकारभंत अधिकात ४ मुद्र भ त'त रामारय पु ও উপয়ন্ত্র ও বিষয় জানিতে পাশবার ও ভাষ। সহিতে লিখিবার नपुष्णिभूकक अपनि নিনিত্র যেথ কাস্যের প্রয়োজন হয় ভাষা ক্রিতে পায়িনেন এবপ তে পারিকার কলা। ভাগারদির্গের যে ক্ষমতা ওভকুমাৎ একণে আছে কিয়া ইহার পরে ংগরেক যে জনিদারদিগের নির্দারিত জনা পুন্ধুটিগুরুক খুপ্রগের শোগ্য তাহার দিগের ঐ জ্যার বন্দোব্য ঐ জনতা ও লক্ষাত্র ঘার করিতে পারিনেন ইতি।--১৮২২ সা। ৭ আ। ৬ পা। ১ প্র।

২। গ্রাম গ্রামে ও মহালেই ঐ বন্দোবন্ধ পুনির্কৃতিপ্রক্ত শুপর। সভ্যাত্র পুনিষ্
যাইবেক এবং শ্রীয়ুত নওয়ার গ্রন্থর কেন্দুল বাহাদুক্তে হজুর চিপ্তক্ত মধ্য স কৌন্দোলের তকুমান্ধারে বোডের মাজেবেরা যত মহালের বন্দোবন্ধ ইয়ার ২০০১ করা। প্রক্তাত্র ত্রুম করেন প্রতিবংশর তত মহালের বন্দোবন্ধ প্রদৃষ্টি পুর্কিশ্রধ্যা যাইবেক ইতি।—১৮২২ মা। ৭ সা। ১ সা। ২ প্র।

৩। এই আইনের ২ পারার ভক্মান্যারে কোন সুমির মালও रादलत दर्भलक ছারী আদায়ের বিষয়ে ভালের করা কৌলকরার যে মিয়াদপায়ত্ব রারের লিখিও খুলি ৰহাল রাখা যায় ওাহার বন্দোৰ্ম পুনর্টিপুর্কে ্রপরা যাওনেতে। त उन्हों क्यांत कि गिर्के गिरामि शृता ना क उन्नश्नाच मत्कारतंत्र उन्तरी क्यांत किछू कभी कृत्या दिना रक्ता लिमी इडेरेनक ना किन्नु (भगवारन्ति स्य नरमानमुकना गागु डोडान रेस प्रश्रामा ए गर <u>কূৰকারী কিয়া বশীতে বিশেষ করিয়া যেই গ্রাম কিয়া ভূমি লেখা।</u> না হউরার কথা। श्रुका नरमान्द्रस গা**কে কৌলক**রারেতে তাহাব্যতিরেকে আর কিছু লেখা যায় নাহি तु कारल एम भूभि इ ইছা জ্ঞান করিতে হউবেক এব॰ কোন মহালের বন্দোবস্থ পুন্দৃটি धभोदलत अधारत পূর্বকৈ ভাষরণেতে যদি উছা জানা যায় যে দেউ মহালের বন্দোরতের স্কুত্রের ভিন্ত কালেতে **ল্লন্ত জাতি** কইনাছে কি কোন ভূমি ছাপান রুখি গোচ্_{ত বা}খা গিয় য়াছে **তবে** বোর্ডের সাহেবদিগের তকুমের অধীনতায় কালেকটর ছিল ভাগর উপর শহ্রের ক্ষমতা থাকিবেক যে ঐ কালেক্টর দাঙের সেমতে ও যে আলানি ৬মানে।

কর্ক্রা ঘাইবার ক্রমতাক্রমে বন্দোবস্তু না হওয়া মহালের জমার নির্দ্ধার্য করেন নেই কথা।

ভহসীলের ভারা
ক্রান্ত সাহেবেরা ব
ক্রোন্ড সাহেবেরা ব
ক্রোন্ড না হওয়া
মহালের জ্ঞয়া মোক
রর্করণেতে গে ক্র
মতাচরণ করেন ব
ক্রোন্ড পুনদৃ্টিপু
বর্ধক শ্বর্ধরণের কালে
তে বিশেষ ব্যক্তিদি
গের প্রস্পার মতের
র স্থিরকরণেতেও এ
ক্রমতাচরণ করিতে
পারিবার কথা।

মতে ও দেই ক্ষমতাক্রমে মালগুজারী তহলীলের কার্যাভারাক্রাথ
নাহেবদিগের অগোচর রাথা ঐ ভূমির আলাহিদা জ্বমা মোকরর
করেন্। ও ইহাও জানান যাইতেছে যে এই ধারার কিয়া ইহার
পূর্বের কোন ধারার কোন কথার অভিপ্রায় এমত নহে যে মালও
লারী তহলীলের ভারাক্রান্ত লাহেবেরা বন্দোবস্ত না হওয়া মহালের
লারী তহলীলের ভারাক্রান্ত লাহেবেরা বন্দোবস্ত না হওয়া মহালের
লারী কার্যা করাইতে ক্ষমতা রাথেন হাল বন্দোবস্ত যে মিয়াদপগ্যম
লারহাল রাথা যায় দেই মিয়াদপর্যান্ত কোন মহালদম্বন্ধীয় কোন লো
লাকের কিয়া লোকবর্গের তাহাতে রাথা কোন অধিকার কি স্বস্থে
বিষয়ে তাহার দিলের দেইমত ত্রুমদেওন ও তাহার মত কার্যা কর্
ভীবার কিছু প্রতিবন্ধক হইবেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ৬ সা
ত প্র।

জয়করা দেশের কালেক্টর সাতেরে রা হালের পাট্টাদি র ঘিয়াদ গত না হ ইতে পুনদৃটিপুরকে বন্দোবস্থ শুপরিতে পারিবার কথা।

8। ঐ মত জরকরা দেশসকলে ও জিলা বুন্দেলথণ্ডে কালেক্টর সাহেবদিগের ক্ষমতা আছে যে তাঁছারা ছালের পাট্টার মিয়াদ গড় না হইতে এই পারার পূর্ববর্ত্তি কোন প্রকরণের তকুমানুসারে ঐ সকল দেশের ও জিলীর বন্দোবস্ত পুনদৃষ্টিপুর্বক শুপরণের তারঃ করিতে পারেন ইতি। -১৮২২ সা। ৭ আ। ৬ পা। ৪ পু।

পুনর্ফিপৃর্বাক ব ন্দোরস্থ শ্বংরা সারা হউলে দ্বু দেশে ও জিলা কটক ও পর গনা পটাসপুর ও থাহার সম্পর্কীয় ম হালেছে ১২১৪ সা লের পরে অন্য মি রাদের নিমিধে পা টা দিবার কথা।

৫। দত্ত দেশের কি জিলা কটকের কোন কালেক্টর সাভের উপরের পারার তকুমান্নারে কোন মহালের বন্দোবস্থ পুনর্কৃতি পুর্কক স্থপরণ সমাধ্য করিয়া বোড কমিসানরসাহেদদিগের ও সরকারের ত্বুমের অপানতায় ঐ ভূমির অপিকারিরা তাহার উপযুক্ত রাজস্ব দিতে স্বীকার করিলে ঐ অপিকারিদিগ্কে এযুক্ত নওয়ার গবর্নর জেনরল বাহাদুর হাজ্ব কৌন্সেলহাইতে ক্সলী কি আমলী ১২৩৪ সালের পর যে অপিক মিয়াদের ত্বুম দেন সেই মিয়াদের ন্তুন পাউ। দিতে পারিবেন ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ ৭ ধা। ১ প্র।

১০৩৪ সালের পর জমার নির্দায় গেমতে করা যাইরে ক ভাঙার কথা। ১। ফগলী ১২৩৪ সালের পরে যে সালপগার উপরের উক্ত নূচন পাউদির মিয়াদ ১ গরেক সেই মিয়াদপূর্ণ না হওয়াপগান্ত সরকারের রাজর্ধ উত্তরকালে বেশীহওনের বিশেষ ভাবগতিক থাক নবাতিরেকে বন্দোবস্থ পুনর্দমিপূর্দ্রক শুপরণের সময়ে ভূমির একণ কার উৎপন্ন ও ঐ ভূমিতে উৎপন্ন যত হইতে পারে ইহার নির্নপণা নুসারে জমার নির্দ্ধায় করা যাইবেক ও ইহাও জানান যাইতেছে যে যদি ইহা স্প্রফ্রীক্রপে জানা না যায় যে যে জমীদারেরা এবং অন্য ব্য ক্রিরা সরকারের জমার পরিমাণের নির্নপণহওনেতে যে মুনাফা চাহরে ভাগীহওনের যোগ্য সেই জমীদারেরদের ঐ মুনাফা হালের জমার পাচ অংশের এক অংশহউতে অধিক হউবেক তবে যে জমার নির্দ্ধায় করা যাইবেক তাহা হালের জমার অধিক হউবেক না এবং

জ্মা বেশী তলব করিতে হইলে সেই জ্মার নিরপণ এইমতে করা যাইবেক যে জমীদার এব ে অন্য ব্যক্তিদিগের যে জনের নিজের কি অন্যের বাবৎ যত জমা সরকারে দাতব্য হয় তাহার সপ্যাার উপর শতকরা ২০ কুড়ি টাকা করিয়া তাহারা মুনাফা পাইতে পারে ও অতি**র্যুক্তপে অত্যাবশ্যক** জানা না গেলে হালের জ্ঞায় কিছু কল্লী করা যাইবেক না ইতি।— ১৮২২ সা। ৭ আ। ৭ গান ২ প্র।

৭। পুনর্দৃষ্টিপূর্দ্রক বন্দোরমু খুগরণেতে মেং পাটা দেওয়া মায় দেইং পার্টা তাহাতে কিয়া কালেক্টর মাহেবের বন্দোবন্ধের ক্রব বন্দেবিয় খহরন কারীতে বিশেষ করিয়া যে২ ভূমি লেখা থাকে ভাছার নিমিত্র যে জ্যা দিতে হইবেক ঐং পাট্টার মিয়াদ পূরা না ১ ওয়াপগ্যন মাল্ড ছার্দিগ্রে বন্দোবস্তের সময়েতে মুফ্টরূপে প্রকাশকর। ভুাদ্ধি রুপরা যাইবাতে যাহা হ'ইতে পারে তাহাব্যতিরেকে ঐ জ্যাত্মপ্রেলা বেশী (দওনহউতে বাঁচায় অতএর যে জমীদারেরা এরণ অন্য ব্যক্তিরা মাল ওছারী আদায় করিবার কৌলকরার করে তাহারা যে২ মহালের কারণ কৌলকরার করে সেইং মহালের ক্যারার বিষয়েতে সম্পুণ ও মুগার্থ সম্বাদ তাহার্দিগের দিতে হইবেক ইতি ৷ ১৮২২ সা : ণ আ। १ ধা। ৩পু।

भुगमुचित्रका 化氯化钠 机连 研究 भा भागा ७ । । । র লিখিত খমিমানে র নিমিলে এবং র

৮। ঐ মত জয়করা দেশেতে এব॰> জিলা ব্দেলখাংগ্রে উপবের প্রকরণেতে দত্ত দেশের বিষয়ে যে নিষেপ ও তকুম ও নিষম লেকা গিয়াছে তাই। রক্ষা করিয়া কালেকটর সাহেবেরা হাল সন্দোর্থের মিয়াদভিন্ন অন্য কএক বৎসর মিয়াদে নতন পাউ। দিতে পারিবেন ই তি ৷--১৮২২ সা। ৭ আ। ৭ গা। ৪ প্র।

ই। যে কোন জন্মীদারের কি জন্ম দদর নালগুজারের জন্মীদারীর 🙈 🗔 বন্দোবস্থ উপরের লিথিত ভ্রমান্সারে পুনর্নটিপুর্মক খুপ্র যার যদি সেই জমীদার কি সদর মালগুজার হালের পাটাদির মিরাদের জেবেড ওপরণের মতিরিক্ত অন্য মিয়াদের নিমিত্তে মালগুজার্বা আদায় করিবার উপ প্র মে^{চ মহাতের} যুক্ত কৌলকরার করিতে সমাত নাজ্য কিয়া ঐ পুনন্টিপূরকে খুস ^{চুডার} বলোবে ক রণের পর যদি মালগুজারীতহসীলের ভারাক্রাত্মাঙে ধেরা আর কোন ভার ও গতিকপ্রযুক্ত উপযুক্ত ব্যেন যে হালের পাটাদির মিয়াদ পূরা না হওনপাঠান্ত কোন মহালের মালওজারী আদায়কর ণের নিমিত্তে নৃত্র পাউটি তাদি দেওনের বিলম্ব করা উচিত তবে তার কথা। ঠীহার। তাহা ক্রিতে পারিনেন এবণ তাহ। হইলে যেং মহালের বন্দোরস্কের মিয়াদ হালসালে পুরা হউরেক সেই২ মহালের বিসয়ে একুম আটিবে ডাল এই আইনের ৩ পারাতে যে সকল হকুম লেখা গিয়াছে দেই সকল ব কগা। গুরুম ঐ২ পাট্টাদির মিয়াদ পুরা হউলে ঐ২ মহালেতে থাটিবেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ৭ পা। ৫ প্র।

3 6 416417649 মিয়াদ থাকিতে তা ২ পুরা হওনের প त्र अप्रा किस्टारनर् নিমিটের নুতন পা क्रि. (मध्या माउँवात બુગમુચિ*ં*બુક્ક ટ বিতে হালের পাট্টা র মিয়ান পূর না र पुराश्वराषु (रक्षय নবিতে ভইতেক ডা ভাহ' এইলে মেণ

১০। জিলা গোরক্ষপুরের ও চাক্লা আজিমগড়ের ও পর্গনা ल्यांत्रकाश्व । अ ক নুডন বন্দোবস্তক রণের যোগ্য হইলে তাহাতেও উপরের লিখিত হুকুম খাটি বার কথা।

আজিম গড় ও পটা পটাসপুরের ও তৎসমুর্জীয় মহালাতের মধ্যে যে সকল মহাল আছে দপুরাদির মধ্যণত দেই দকল মহালের নৃত্ন বন্দোবস্তকরণের দময় ক্রমেং উপস্থিত মহাল পুনৰ্দ্ফিপূৰ্য ছইলে কিয়া তাহা করা উপযুক্ত ইহা জানান গেলে এই হুকুম ঐ मकल प्रशालात शाहितिक इंडि।-- ১৮२२ मा। १ आ। १ भा। ७

১১। কোন মহালের মধাগত কিয়া নিকটবর্ত্তি গরআবাদী ভূমি সরকার যেহ প্র যদি এমন অতিবিস্তর থাকে যে তাছাতে পশুচারণ কিয়া অন্য কৌন কারে গরআবাদী উপযুক্ত কর্মোর নিমিত্তে যত ভূমির প্রয়োজন হয় তাহার অতিশয় ভূমির পাটাদিতে অতিনিক্ত তবে মালগুজারী তইসীলের ভারাক্রান্ত সাছেবেরা সেই পারেন্ তাহার ক ভূমির কৃষিকার্য্য করিতে যাহারা সমত হয় তাহারদিগ্কে সর্পকা লৈর নিমিত্তে কিয়া খ্রীয়ত নওয়াব গবর্নর্ জেনরল বাহাদুর হজুর कৌल्जिल इरें उ यि प्रियोर्गित इकूम (मन् मिरे प्रियोर्ग वे इमित পাউা দিতে পারেন্ এব ে ঐ মত পাউাদেওয়া ঐ ভূমির স্বতাপিকার রাখণের প্রমাণ যে জমীদার কি অন্য ব্যক্তিরা দিতে পারে তাহারা ঐ গরআবাদী ভূমিতে যে দকল দাওয়া করে তাহার বদলে ও প্রতি বন্ধকতার নিমিত্তে এব ে সেই দেশের দম্বরমত তাছারা ঐ ভূমিতে যে মুদ্র কি উপম্বন্ধের অধিকারী বোধ হয় তাহার পরিবর্ত্তি ঐ ভূমির পাটাদার লোকদিগের সরকারের রাজস্ব যত দাতবা হয় তাহার উপর শতকরা ১০ দশ টাকা করিয়া পাইবেক ইতি।— ১৮২২ সা। ৭ আ। ৮ পা।।

বন্দোবস্তক্রণের ব্যক ওপর্ণের ভার প্রাপ্ত কালেক্টর কি অন্য কাৰ্য্যকার ক সাতেবেরা যে২

*কুবকারী*তে ক ভাহাব কথা।

১২। কালেক্টর সাহেবদিগের ও তাঁহার দিগের ক্ষমতাপন্ন অন্য কি ভাহা পুনদ্টিপূ কাগ্যকারক সাহেবদিগের কূর্ত্তব্য যে ভূমির মালগুজারীর বন্দোবস্ত করণের কিয়া তাহা পুন দৃষ্টিপূর্ব্বক স্তুপরণের সময়ে সেই ভূমির জমার নিরপণের এব ে দেই ভূমির পরিমাণের ও উৎপল্পে অনুসন্ধা নের সহিত কৃষিকারকবর্গের অর্থাৎ যে সকল লোকেরা ভূমিতে বিষয়ের অনুসন্ধান কি ভূমির উৎপল্লেতে কোন প্রকারে সমুর্ক রাথে তাহারদিগের করিবেন ডাহার ক পাউাদির এবণ অধিকারের ও স্বত্বের ও উপস্বত্বের ও লভ্যের প্রকারের বেওরা যত জানা যাইতে পারে তাহার নিশ্চয় করিয়া তাহা বহীতে লিথেন অতএব ঐ সাহেবদিগের রুবকারীর বহীতে ্যা ভূমির পাট্টাদির প্রকারসম্পর্কীয় সেই২ স্থানের যে২ রীতি ওব্যবহার হাথ লেখা ঘাটবে থাকৈ তাহা এবং যাহারা ভূমিতে ভোগদখল ও স্বস্ত রাথে কিয়া সেই ভূমিতে কি তাহার থাজানাতে মৌরুদী কিয়া হস্তান্তরকরণযোগ্য অপিকার রাথে দেই দকল লোকের নাম যথাদাধ্য বিশেষরূপে লিখিতে হইবেক এবণ্ তাহাতে ভোগদর্থল এবণ্ স্বত্ত্বের ভিন্ন২ প্রকারের প্রভেদ করিতে এব॰১ এক ভূমিতে অনেক লোকের ভিন্ন২ প্রকার কি পরিমাণে মত্ত্র থাকিলে বিশেষরূপে দেই২ স্বত্ত্বের প্রকা রের যাথার্থ্যের এবণ পরিমাণের প্রভেদ যতুপূর্বক লিথিতে হই বেক ও পটীদারী কিয়া ভাইয়াচারইত্যাদি গ্রীম হইলে ঐ বহীতে তাহার অংশিসকলের নাম বিশেষ করিয়া লিথিতে হইবেক কেবল

পটী ও থোক ও বহরীইতাদি অংশের প্রধান অংশির নাম নছে বর্ণ যথাসাধ্য প্রত্যেকে যত জন ভূমি দথল করে ও তাহার উৎপন্ন বিক্রুয়াদি করে কিয়া তাহার অধিকারির মত কি সেই ভূমিতে যে এক কিম্বা অনেক জন অধিকার রাথে ও তাহার উৎপন্ন বিক্রয়াদি করে কি দাধারণরপে তাহার থাজানা লয় তাহারদের মোখারের মত ভূমি দথল ও তাহার উৎপন্ন বিক্রয়াদি করে তাহারদিগের নাম বিশেষ করিয়া লিখিতে হইবেক এবণ্ সেই অশ্শাণ্শিতে লাভের দাধারণ মূল যদি থাকে তবে দেই লাভের অংশকরণের নিমিত্তে ঐ অ°শিরী যে দাঁড়া স্থির করিয়াছে তাহারো বেওরা এব॰১ দরকা রের জমার ও গ্রামদরঞ্জামীর মধ্যে প্রত্যেক অংশির যত করিয়া দিতে হইবেক তাহার নিরূপণের বেওরা এব•৲ যে অ৽৲শী সরকা রের দহিত কৌলকরার করিয়া থাকে দেই অংশী কিয়া মধ্যবর্ত্তি পটीमारवता ও वहतीमारवता कृषिकातकिमिराव स्नानहरू एयक्रि থাজানা তহদীল করে তাহার বেওরা বিশেষ করিয়া ঐ বহীতে লিখিতে হইবেক এব॰ যে কৃষিকারকেরা তথায় বাদ করে ও ভূমিতে হস্বান্তরকরণযোগ্য স্বস্থ না রাথে তাহারা ঐ ভূমিতে দথলক্রণের গৌরদী অধিকার রাখে বা না রাখে প্রত্যেক প্রকার ভূমির এবং প্রত্যেক প্রকার উৎপন্নের ভূমির ফিবিঘাতে ফত করিয়া থাজানা দেয় ভাহা এব°৲ কনকুত ও বাটাইত্যাদি কৌলকরারের দ্বারা যে ভূমির ক্রিকাঠ্য করা যায় তাহার সদর মালগুজার কি অন্য অধ্যক্ষ এবং কৃষিকারকেরা পরস্ত্রর যে২ অণ্শ পায় তাছা এবণ্ মালগুজার কি গ্রামের অধ্যক্ষ কিয়া আর কেছ প্রজারদের স্থানে আবওয়াব বলিয়া বংসর্থ যাহা তহদীল করে কিয়া আর কিছু বলিয়া কথন যে উপ রাস্ক টাকা লয় বিশেষ করিয়া তাহাও ঐ বহীতে লিখিতে হইবেক এব॰ গ্রামের পাটওয়ারীদিগের ও চৌকীদারলোকের নাম এব॰ তাহারা যেমাহিয়ানা পায় তাহার দংখ্যা এবং পুকারও তাহাতে লিথিতে হইবেক এবণ্মসন্ত লাথেরাজ ভূমির এবণ্ডাহার সন্দা দির প্রকারের বেওরা দাবধানপূর্বক ঐ বহীতে লিথিতে হইবেক ও লতে যে রূপ গ্রাহ্য ঐ২ সকল বিষয়েতে যে সকল বেওরা পাওয়া যায় তাহা এইমত হইবেক তাহার ক বিলি করিয়া বহীতে লেথা যাইবেক যে তাহার মধ্যে কোন কথা ^{থা।।} কোন আদালতের সাহেবের দেখিবার আবশাক হইলে তাহা দেখি বামাত্র পাইতে পারেন কেননা এমত বোধ হইতেছে এবণ পুকাশ করা যাইতেছে যে ইহার পরে জমীদারেরা প্রজারদিগের স্থানে যাহা তহুদীল করিবেক তাহার বিষয়ে উপস্থিতহওয়া যে দকল মোকদ্দমার নিষ্পত্তি করা যাইবেক দেই২ নিষ্পত্তি থাজানার যে শ° থ্যা এব° তাহা আদায়করণের যে প্রকার বন্দোবস্তের সময়ে স্থির ও নিশ্চয় করা গিয়াছে এব॰১ কালেক্টরসাহেবের রুবকারীতে লেখা গিয়াছে দেই দংখ্যা ও প্রকার যেপর্যান্ত পরম্বর সমাতিক্রমে কিয়া জাবেতামতে নালিশ করণেতে পূর্ণ বিবেচনা হওনের দ্বারা মতা ত্তর করা না যায় দেইপর্যান্ত তদনুসারে হইবেক এবণ যে সমস্ত আব ওয়াব কিয়া উপরান্ধ লওয়ার কথা দরকারের জমা নির্দ্ধার্য্যকরণের ও উপরান্ধ আইন

ঐ বেওরা আদা

যে২ আবওয়াব

911

বিরুদ্ধ বোধ করা সময়ে কহা না গিয়াছে এব পদরকারের ছকুমেতে তাহা সঙ্গত না যাইবেক ভাহার ক হইয়াছে এব০১ হিসাবের মধ্যে না আসিয়াছে তাহা এক্ষণে কিম্বা ইহার পরে বিশেষরূপে সরকারের হকুমেতে সঙ্গতহওনক্যতিরেকে লওয়া সরকারের আইনের ও তুকুমের বিরুদ্ধ বোধ করিতে হই বেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ১ ধা। ১ প্র।

বন্দোবস্তকারী কা সাহেধেরা মফঃসলে রদিগ্কে পাট্টা দি তে পারিবার কথা।

১৩। ইহাও জানান যাইতেছে যে কালেকুটর *দাহেবেরা* এব**ু** লেক্টর কি অন্য পূর্ম্বোক্ত অন্য কার্য্যকারক সাহেবেরা বোর্ড কমিদ্যনর সাহেবদিগের क्कृत्यत अभीनजार प्रकःमनी क्यीमात्तता ও প्रकाता এव॰ ভূমित র জ্ঞাদার ও প্রজা অন্য অধিকারিরা কি দ্থীলকারেরা যে ভূমিতে অধিকার রাথে কি তাছা দথল করে দেই ভূমির নিমিত্তে তাহারদিগে যত মালগুজারী দিতে হইবেক তাহার দণ্থ্যা এবণ্ড সিদ্ধলকরণেতে যেথ নিয়ম থাকে তাহা সমস্ত বেওরা করিয়া লিথিয়া ঐ মফঃদলী জমীদার ও প্রজালোককে কিয়া ভূমির অন্য অধিকারিদিগ্কে কিয়া দ্থীলকার লোককে ঐ ভূমির পাড়া দিতে পারিবেন এবণ এই প্রকারে দেওয়া সমস্ত পাঁড়ার প্রদঙ্গ কালেক্টরীর বন্দোবস্তের রুবকারীর মধ্যে লেথাইবেন ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ১ ধা। ২ প্র।

১৪। ইহাও জানান যাইতেছে যে কোন জিলাতে এক সময়ে

যে২ রূপে উপ বের উক্ত অনুসন্ধা অনেক পাউার মিয়াদ পূরাহওনপ্রযুক্ত কি আর কোন বিশেষ কারণ ন করা পূর্না হই প্রযুক্ত দরকারের রাজস্বের হানি না হওনের নিমিত্তে উপরেতে পূর্বরীতিমতে বিশেষ করিয়া যে দকল বিষয় লেখা গিয়াছে তাছার অনুসন্ধান রাজবের কৌলকরা করা পূর্ণ না হইতে কোন জমীদার কি মালগুজার কিয়া ইজারদা র লেখাইয়া লওয়া র কথা।

যাইতে পারে ভাষা রের স্থানে কৌলকরার লওনের প্রয়োজন যদি হয় তবে বোর্ড বেবিনিউর সাহেবেরা কিয়া ঐ বোর্ডের ক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবেরা পূর্কের চলিত রীতিমতে কৌলকরার লেথাইয়া লইবার হুকুম দিয়া ঐকৌলকরারের এীযুত নওয়াব গবর্নর্জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলে ঐ বি মিয়াদপাঁচ বংসরে ষয়ের সম্বাদ দিবেন কিন্তু এই মতে যে কৌলকরার লেথাইয়া লওয়া র অধিক না হইবা যায় তাহার মিয়াদ পাঁচ দনের অধিক হইবেক না এব॰ এই আই র এবং ঐ মিয়াদে নের ২ ধারার হকুমানুসারে যে২ মহালের পাটা আদি অন্য মিয়াদ পর্যান্ত বহাল রাখা গিয়াছে দেই ১মহালের বন্দোবন্ত পুনর্দৃষ্টিপুর্ব্বক অধ্বিবার প্রতিবন্ধ প্রধরণের বিষয়ে যে দকল হুকুম আছে ঐ দকল হুকুম যেই মহালৈর ক না হইবার কথা। নিমিত্তে ঐ কৌলকরার লেথাইয়া লওয়া যাইবেক সেই২ মহালেতে কোন মহালের ও সেইমতে থাটিবেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ১ আ। ৩ প্র।

ন্ত পুনদুষ্টিপুৰ্বক উপর যে জমা দাও য়া করা ঘাইবেক তা হা ধার্য্য করিবার প্রকারের বিষয়ে देवद्वजी ३५११ मा

লের ৭ আইনে

যেং হুকুম আছে

था।

১৫। ইফরেজী ১৮২২ দালের ৭ আইনের যে২ ভাগে হকুম আছে অথবা অর্থকরণের দ্বারা লোকদিণের বোধ হইয়াছে যে যে কোন মহালের উপর যে জমা দাওয়া করা যায় তাহা ঐ মহালের উৎপন্ন দ্রব্যের দণ্ম্যা ও মূল্য নির্ণয় করিয়া অথবা উৎপন্নকরণের থরচা ও উৎপন্ন দুব্যের মূল্যের দংখ্যা থতাইয়া ধাষ্য করা যাইবেক ভাহা द्रम इहेराद के जोही द्रम इहेन हेजि।—३৮७० मा। ३ আ। १ था।

১৬। উপরের লিথিত আইনের যে ভাগে হুকুম আছে অথবা অর্থকরণের দ্বারা লোকদিগের বোধ হইয়াছে যে প্রজারদের যে রের জমা নির্গর ক কোন বিরোধি নিজবিষয়ের বিবেচনা ও নিষ্পত্তি করিতে হয় তাহা রিতে হয় সেই সম দরকারী রাজম্বের দাওয়ার নির্ণয় ও নিষ্পত্তিকরণের সঙ্গেই কর্ত্তব্য তাহা রদ হইল ইহার পর উপরের উক্ত বিষয়ের বিচার ও নিচ্প ত্তি যে ক্রমে হইবেক এীযুত নওয়ার গবর্নর্ জেনরল বাহাদুর হজুর क्लोत्मल **डाहा निर्फिस्ट क**रियन इंडि।—১৮৩৩ मा। ১ আ। ৩ 811

य गमर्य मृत्कः য়ে প্রজাদিগের বি রোধি বিষয়ের নি ষ্ণান্তি করিতে হই বেক ইহার বিষয়ে উপরের লিখিত আ ইনে যে২ হুকুম আ ছে তাহা বৃদুহই বাব কথা।

১ ধারা।

পটিদারী ভূমির বন্দোবস্ত শুধরণবিষয়ক বিধি।

১৭। যদি কোন মহালেতে কি তাহার উৎপন্ন কি থাজানাতে অনেক জনের মৌরুদী ও হস্তান্তরকরণযোগ্য ভিন্নং প্রকার স্বস্তু নেক জন ভিন্নং প্র থাকে ও তদ্বারা যে লাভ হয় তাহাও ভিন্নং প্রকার হয় তবে এীযুত নওয়াব গবর্নর জেনরল বাহাদুর হজুর কৌন্সেলে ঐ সকল অধি কারিদিগের মধ্যে যে জন সরকারের মালগুজারী আদায়ের কৌলক রার লিথিয়া দিবার নিমিত্তে মঞ্জর হইবেক তাহার নির্ণয় করিতে ও হুকুম দিতে পারিবেন ও ইহা হইলে অবশিষ্ট অধিকারিদিগের ম্বব্রের রক্ষাহওনের নিমিত্তে উপযুক্ত উপায় করিতে হইবেক ও এই আইনেতে ইহাও জানান যাইতেছে এবণ হকুম করা যাইতেছে যে <u> এীযুত নওয়াব গবর্নর জেনরল বাহাদুর হজুর কৌন্সেলে কোন</u> महोत्नत इन्द्रमताती किया भिशामी वत्मावस भक्षतकत्वत्वत मभरश শেই মহালের ভূমিতে কিয়া দেই মহালের ভূমির **থাজানা কি**য়া উৎপন্নেতে ভিন্নই যে লোকেরা স্বস্তু রাথে দরকারের রাজস্বের পরি মাণের নিরূপণেতে থাজানার মধ্যে যাহা অবশিষ্ট থাকে কি মুনাফা চাহরে তাহা তাহারদিগের মধ্যে যে২ প্রকারে ও যে২ পরিমাণে বিভাগ করা যাইবেক তাহারো নির্ণয় করিতে ও হুকুম দিতে পারি त्ति हेि ।—১৮१२ मा। १ जा। ১० ४।। ১ थु।

১৮। যে কোন মহাল এক কিয়া তাহাহইতে অধিক সদর মাল ওজারেরদের তালুক কি জমীদারীইত্যাদিরূপে এপগ্যন্ত জানা যাই তেছে সেই মহালের মধ্যে কোন ভূমিতে সদর মালগুজার কি মাল _{বিবার কথা।} গুলারেরদের তাবে অন্য কোন জনেরা অধিকার কি ভোগদখল রা থিলে ও তাহাতে মৌরদী এবণ হস্তান্তরকরণযোগ্য স্বস্ত্ব কিম্বা নিরু ধিকা্ঠী কি ঐ ভূম পিত থাজানা কি নির্দ্ধারিত মূলদাঁড়ানুসারে যে থাজানা নিরূপণ হইতে পারে তাহা দিয়া দথলকরণের মৌরুদী অধিকার রাথিলে শরকারের মালগুজারী জমীদার কিয়া তালুকদার অথবা মৌরুদী অন্য কোন মধ্যবর্ত্তি মালগুজারের স্থানে তহুদীল করা যাউক কিয়া দেই মহাল ইজারা দেওয়া গিয়া থাকুক অথবা থাস তহসীলে বা হিত মফাসল *বং*শা थोकूक यपि भे नपत प्रानश्चकारतत मत्रकारत प्रानश्चकाती आपासकत वस्र कतिवात कथा। Vol. I.

এক ভূমিতে আ কার খতৰ বাথিলে তাহারদিগের মধ্যে যে জন কৌলকবার লিখিয়া দিতে গ্ৰা হ্য হইবেক সরকার্ তাহার নির্ণয় করি তে পারিবার কথা। অবশিষ্ট অধিকা বিদিগের উপায়কর ণের কথা।

সরকারের রাজ স্ব বাদে যাহা বাকী থাকে তাহা এবৎ অন্য লভা ইন্তম্বা রী কি মিয়াদী ব ন্দোবস্তুগওয়া কো ন ভূমর ভিন্নং আ ধিকারিদিগের: ধ্যে বিভাগহওনের প্রকার ও পরিমাণে র নির্ণয় সরকার ক

সরকার ও ভুমা व धोक्नी प्रशीनका রের মধ্যবর্তি মাল গুজারেরদের পাউ। দি বহাল রাখা গে লে তাহাদিগের স

ণের নিমিত্তে কৌলকরার লিথিয়া দিবার অধিকার দাবাস্থ রাখা যায় এব°৲ দামান্যতঃ দরকারের ও ভূমির অধিকারিদিগের কিম্ব মৌরুদী দথীলকারেরদের মধ্যবর্ত্তি মালগুজারের পাউাদি বহাল রাথা যায় তবে যে কালেক্টর দাহেব কিয়া অন্য কার্য্যকারক দাহেব ঐ মহালের উপর যে জমা নির্দ্ধার্য্য করা যাইবেক তাহা নির্দ্ধার্য্যকর ণের ভার রাথেন সেই দাহের প্রথমতঃ বোর্ডের দাহেবদিগের হুকুম लहें यो अत्र भूटर्जी क जुगाधिकातिता कि मधीनकादत्ता (यर जुगि দএল করে তাহারদের প্রত্যেক অধিকারি কি দ্থালকারের দাইত ঐ বোর্ডের দাহেবদিগের হুকুম ও অনুমতির তাবে থাকিয়া দেইং ভূমির মফঃসল বন্দোবস্ত করিতে এব < ঐ ভূমাধিকারিরা কি দ্থীল কীরেরা যেথ নিয়মক্রমে ভূমি ভোগদথল করিবেক ঐ দথল দদর भालश्रकारतत তাবেতে किश्वो मतकारतत थाम उरमीरलत रेकातमात কিম্বা অন্য কোন কার্য্যকারকের তাবে থাকিয়াই বা করুক দেই ২ নিয়মের বেওরা লিথিয়া ঐ ভূম্যাধিকারি কি দ্থীলকারদিগ্কে পাউ। দিতে পারিবেন এব েতাহা ইইলে যদি ঐ মধ্যবর্ত্তি মৌরুদী মালগু জারের স্থানে ঐ মহালের বাবৎ সরকারের মালগুজারী আদায়ক্র ণের কৌলকরার লিথিয়া লওয়া যায় তবে ঐ মফঃদল বন্দোবঁস্ত বোর্ডের সাহেবদিগের সম্মতি হইলে তাহার বেওরা সদ্র মালগুজা রকে যে পাটাদি দেওয়া যাইবেক তাহার পৃষ্ঠে লেখা যাইবেক কিয়ু৷ তাহারস্থানে যে কৌলকরার লিথিয়া লওয়া যাইবেক তাহার বেও রার শামিলে ঐ বেওরা লেথা যাইবেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ্ ১০ ধা। ২ প্রা

এক ভূমিতে অ ণ স্বত্যাধিকার থা কিলে ও ঐ ভূমিন স্পৰ্কীয় কাৰ্য্য ভাষা রদিগের সাধারণ কর্মত হ উলে।

তহদীলের ভারা ক্রান্ত সাহেবেরা ও অধিক জনের কি তাহারদিগের ভর্ফ লোকের সহিত এজ याली वरमावस्य क রিতে পারিবার ক था।

र्याक्तरणत् निशिष्ट

১১। দুই জন কিয়া তাহাহইতে অধিক জন কোন গ্রামে কি নেক জনের দাধার মহালে কিয়া ভূমির অন্য কিদমতে কিয়া কোন গ্রাম কি মহাল কি ভূমির থাজানা কি উৎপন্নে কিয়া ঐ গ্রাম কি মহাল কি ভূমির কি থীজানার কি উৎপন্নের কোন অং শে সাধারণ স্বস্তাধিকার রাথিলে ঐ জনেরদিগের স্বস্ত পরিমাণে দমান হউক বা না হউক তাহার প্রকার এক হইলে এবণ আবহমানের রীতিমতে যে জনেরদের অবশ্যকর্ত্তব্য বর্ত্তমান কিয়া ঘটনীয় কার্য্য দাধারণ হয় তাহারা কোন মহাল কি গ্রাম কিয়া ভূমি কি উৎপন্ন কি থাজানাতে ঐ স্বত্তাধিকার নমুদ্য জনের কি তা পৃথকরপে রাথিলে কালৈক্টরসাহেব কিয়া কালেক্টরের ক্লমতা হারুদিগের মধ্যে পাল অন্য দাহেব বোর্ডের দাহেবদিগের ও 🖲 যুক্ত নওয়াব গবর্নর্ জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলের হুকুম ও অনুমতির অধীন তায় ঐ সমস্ত লোকের সহিত কিয়া তাহারদিগের মধ্যের অধিক জনের দহিত অথবা ঐ জনেরদের কি তাহারদিগের মধ্যের অধিক জনের মোকরর্ করা মোখারের দহিত এজমালী বন্দোবস্ত করিতে পারেন্ কিয়া অংশি দকলের মত লইয়া ও ঐ মহালের মধাগত কিন্বা সদর মাল গ্রাম কি গ্রামসকলের আবহুমানের রীতি রক্ষা করিয়া ভাহারদিগের প্রজারের ন্যায় ক। মধ্যে এক জন কি তাহাহইতে অধিক জনকে দদর মালগুজারের মত

ঐ মহালের কর্তৃত্ব করিতে দ্বীকারকরণের নিমিত্তে পদন্দ করিতে ঐ জনেরদিগের ম পারেনইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ১০ ধা। ৩ প্র।

২০। কোন গ্রাম কি মহাল কি ভূমির অন্য কিসমতের মধ্যে যাহারা পুর্বোক্তমত দাধারণরূপে স্বত্তীধিকার রাথে তাহারদিণের সহিত ঐ গ্রাম কি মহাল কি কিদ্মতের নিমিত্তে এজমালী বন্দোবস্ত করা স্থির হইলে কালেক্টরুসাহেব কি অন্য যে কোন কাগ্যকারক দাহেব ঐ বন্দোবস্ত করিতে ভারপ্রাপ্ত হন্ দেই দাহেব ঐ গ্রাম কি মহাল কি কিন্মতের মধ্যে সকল লোকের দৃষ্টিগোচর কোন স্থানে আপনার মনস্থের কথা লিখিত এক ইশ্তিহার লট্কাইয়া তাহা প্রচার করিবেন এবণ পূর্ব্বোক্তমত যেথ লোক ঐ মহালইত্যাদিতে স্বত্যাধিকার রাথে তাহারদিগ্কে হুকুম দিবেন যে উপযুক্ত মিয়াদের মধ্যে নিরূপিত স্থানে ও কালে তাহারা স্বয়ণ কিয়া তাহারদিগের উপযুক্তরূপে মোকরর করা মোধার হাজির হইয়া ঐ গ্রাম কি ভূমির উপর যে জমা নির্দ্ধার্যাকরণের কথা হয় সেই জমা তাহারা থীকার করে কি না করে ইহাজানায় ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ১০ ধা। ৪ প্রা

ধ্যে এক কি ততো ধিক জনকে পদদ করিতে পারিবার

এজমালী বন্দোব স্ত করিতে হইলে তৎসম্পর্কায় লোক দিগকে তলব করা যাওনের মতের ক

২১। উপরের লিথনমতে তলবহওয়া জনেরদের মধ্যে কোন জন কি জনেরা যদি স্বয়ণ্ কি মোগ্রারের দারা হাজির হইতে অদ্বীকার রদের মধ্যে যে কি কিয়। গাফিলী কি কসুর করে তবে যে জনেরা হাজির হয় তাহার। কি তাহারদিণের মধ্যে অধিক জনেরা ঐ জমা স্বীকার কি অস্বীকার করা ইহার যাহা নিশ্চয় করে তাহাতে ঐ গরহাজিরথাকা জনেরদের স্বীকার কি অম্বীকার বোধ করা যাইবেক এবণ বিশেষরূপে অন্য প্রকার **হকুম** না হইলে তাহার কিয়া তাহারদের ম্বস্ত্ব ও ভূমি সর কারের রাজস্বের দায়ী হইবে এবং ঐ বন্দোবস্তের নির্দ্ধারিত মাল ওজারীর কিছু বাক। পড়িলে তাহা আদায়ের নিমিত্তে নীলামকরণের দায়ী হইবার কথা। যোগ্য হইবেক ইতি।—১৮২২ দা। ৭ আ। ১০ ধা। ৫ প্র।

 ११। यनि অ° শিनि । রের মধ্যে কোন জন কি জনের। হাজির হইয়া যে জমা নির্দার্যকরণের কথা হয় তাহা দ্বীকার না করে তবে হাজির**থাকা অন্য অ°৲শিরদের সহিত বন্দোবস্ত করা গেলে ঐ** অম্বী কারকরা অণ্শিরা ঐ মহাল সরকারের ইজারাবিলিতে কি থাস তহ দীলে থাকিলে তাহারা যে য়ৢত্ব ও মুনাফার অধিকারী হইত দেই রীকার না করিলে ষ্বস্ব ও মুনাফা তাছারদিগের ভোগদখলে থাকিবেক এব॰ যেং ও যে অংশিরা তা ভূমিতে ঐ রপ অধিকার ও মুনাফার দ শঘটন হয় যদি দেই ২ ভূমি হা দ্বীকার করে তা थना ख° मिनिरात कोनकतीरतत प्राथा निथिष इस उरव मिहे शतिमरात অ°শিরা সেই ভূমির বিষয়ে সরকারের মালগুজারী আদায়ক করার অবীকারকা রণের ইজারদার বৌধ হইবেক এব° যে ভূমির অধিকারিরা তাহার বিরদের ভূমির স মালগুজারী আদাস ক্রিবাস কৌলকবার লিঞ্জিল দিকে সীকার বা মালগুজারী আদায় করিবার কৌলকরার লিথিয়া দিতে শ্বীকার না লে শ্বীকারকারিরা করে সেই ভূমিতে সাধারণ যে২ ছকুম সমুক রাথে সেই২ ছকুমানু অভীকারকারিদিগে

তল্বহওয়া জনে যাহারা হাজির হই তেকসুর করে তাহা রাহাজির হওয়াজ न्तरमञ्चकता निक য়েতে বন্ধহইবার ও তাহারদিগের স্বীকা রকরা মালওজারীর বিশেষরূপে অ নাপ্রকার তকুমহও

নহাভিরেকে। কোন ভূমির অৎ শিদিগের কোন কি কোন২ জ ন নির্দ্ধারিত জমা র ভূমির ইজারদার সারে নিরূপিত ও উভয়সম্মত মিয়াদ্যুক্ত পার্টার দ্বারা ঐ ভূমি দথল স্বরূপ বোধ করা যা করিবেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ১০ ধা। ৬ প্র। ইবার কথা।

ইড়ারাবিলিতে ২৩। যে কোন মহাল কিয়া মহালের অংশ পটীদারী কিয়া কি থাস তহসীলে ভাইয়াচারইত্যাদিরূপে অনেক অপিকারির নিজ যোতে থাকে ঐ তে থাকা কোন ভূ মহাল কি মহালের অংশ ইজারা দেওয়া কি থাস তহসীলে রাথা মির অধিকারির। গেলে ঐ মহাল কিয়া মহালের অংশের মধ্যে তাহারা নিজে যে দেই ভূমি আপনা ভূমি দথল ও যোত করে তাহার নিমিত্তে যে থাজানা ঐ মহাল কিয়া বুদিগের নিজ গো মহালের অংশের অধিকারিদিনের স্থানে তহুদীলকরণের যোগ্য তে রাখিলে তাহার খাজানা যে হারে হয় তাহার হারের নিরূপণ তথাকার কি তথাকার লাগাও গ্রামস দিতে হইবেক তাহা কলে ঐমত ভূমির নিমিত্তে তথাকার যে প্রজা ও বাসিন্দা লোকেরা ঐ ভূমিতে মৌরুদী ও হস্তান্তরকরণযোগ্য অধিকার নারাথে তাহারা ব কথা। যে হারে থাজানা দেয় দেই হারে হইবেক এবণ-সরকার্হইতে যেরপ নিরপণ হয় দেইমত মালিকানা কি অন্য যে কোনরপ প্রাপ্তি শতকরা ৫ পাঁচ টাকার কম না হয় তাহার নিমিত্তে ঐ থাজানাহ ইতে শতকরা পাঁচ টাকা করিয়া নাদ দেওয়া যাইবেক ইতি।—

২৪। উপরের লিথিত ঐ প্রকার মহালের বন্দোবস্তু সদর মাল সাধাবণ অধিকা র ওে কার্য্যসৎক্রান্ত গুজারের মত সরকারের মালগুজারীর সর্বরাহকরণ ও তাহা তহ কোন মহালের ব দালকরণ ও তাহার হিদাব দেওনের নিমিত্তে বাচনিকরা এক কি তাহাহইতে অধিক অংশির দহিত করা স্থির করা গেলে বিশেষ অংশিদিগের মধ্যে রূপে হুকুম হওয়া বিষয়ব্যতিরেকে দদর মালগুজারেরদের ক্রটিপ্র ঐ মহালের কর্তা যুক্ত কৌলকরার লিথিয়া না দেওয়া অংশিরদের ম্বত্রের প্রতি সর কি সদর মালওজা কারের মালগুজারীর দায় থাকিবেক না ও ঐ অংশিরা উপযুক্ত বুল্রপে প্রদক্রা রূপে যত দিন বিভক্ত না হয় তাবৎ পূর্দ্বহুইতে যে হারে এবং যে এক কি ভতোধিক অংশির সৃতিত ক প্রকারে সদর মালগুজারকে থাজানা কিয়া মালগুজারী দিয়া আসি রা গেলে অন্য অং য়াছে দরকারের রাজ্যের পরিমাণের নির্পণহওয়াতে থাজানার শিরা যেরূপে ভূমি যে অবশিষ্ট থাকে কি মুনাফা ঠাহরে তাহা বিভাগকরণের বিষয়ে দখল করিবেক ভা নরকারহইতে যে হকুম হ্য় তাহাতে কিয়া দদর মালগুজারের পুজা হার কথা। দিগের স্থানে যে থাজানা কি মালগুজারী তহনীল করিতে হয় তাহা তহুদীলকরণের নিমিত্তে প্রজারদিগের প্রতি সদর মালগুজারদিগকে বিশেষ ক্ষমতা অর্পণ করিবার অর্থে যে২ ন্তুকুম এক্ষণে চলিত আছে

३৮२२ मा। १ जा। ५० धा। १ था।

জারী দিতে থাকিয়া পেটাও অধিকারিদিণের মত আপনারদিণের সদর মালগুজার ভূমি দথল করিবেক ও সদর মালগুজার হইবার নিমিত্তে যে জনেরা দিগের পাট্টাদির পাসদ হয় তাহারদিগের শিরে যে২ বিষয়ের জওয়াব দিবার দায় প্রকার ও নিয়ম জা থাকিবেক তাহা এব ১ যে২ নিয়মে তাহারা ঐ কর্তৃত্বপদ রাথিবেক নাইতে হইবার ক তাহা ঐ বন্দোবস্ত মঞ্জুরকরণের সময়ে কিয়া তাহার পরে বিশেষ থা।

রপে জানান যাইবেক এব ১ পেটাও অধিকারিরা যে২ নিয়ম ও

কি ইহার পরে করা যাইবেক সেইং হুকুমেতে ঐ হার ও প্রকারের মতান্তর হওনবাতিরেকে সেই হারে ও প্রকারে থাজানা কি মালগু নিরপণক্রমে আলাহিদা কৌলকরার লিথিয়া দিবার নিমিত্তে গ্রাহ্য **হউবেক দেই**২ নিয়ম ও নিরূপণও ঐ মত জানান যাইবেক ইতি।— ১৮१२ मा। १ जा। ১० भा। ৮ প्र।

২৫। ইহাও জানান যাইতেছে যে কোন মহালের ভূমির ভিন্ন২ কিন্মতেতে ভিন্ন অধিকারী কিয়া ভিন্ন অধিকারিনমূহ ভিন্ন মহালেতে তালার কপে অপিকার কিয়া ভোগদখল রাখিলে বোর্ড রেবিনিউর সাহে বেরা কি ঐ বোর্ডের ক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবেরা তাহার প্রত্যেক অপি কারী কি অপিকারিসমূহ যে২ ভূমিতে অধিকার রাথে কি ভোগদথল করে নেই২ ভূমির নিমিত্তে ভিন্নই বন্দোবস্ত করিবার হুকুম দিতে পা রিবেন এব^ থাতোকে যেথ কিদ্মতের ভিন্নথ বন্দোবস্ত করা যায় সেই২ কিন্মতের উপর যে২ রাজস্বের নির্দ্ধার্য করা যায় তাহার দায়ী ঘাইতে পারিবার ঐং কিসমতই হইবেক ও ইহাও জানান যাইতে*ছে যে কোন* সাধারণ ভূমিতে যে২ অণ্শিরা অধিকার রাথে কিম্বা পূর্ব্বোক্ত মত সাধারণ নিয়মের অধীনতায় পৃথকরূপে অপিকার রাখে সেই২ অংশিরা কিয়া তাছারদিগের কোন অংশী কালেক্টর সাহেবের কিয়া অন্য যে সাহের বন্দোরম্ব করিতে কি তাহা পুনর্দৃষ্টিপূর্ম্বক শুপরিতে ক্ষমতা রাথেন্ সেই সাহেবের নিকটে ঐ সাধারণ ভূমিতে আপন্থ অংশে কি অণ্শসকলেতে ভিন্নং রূপে অধিকার রাখিবার নিমিত্তে কিয়া ভিন্নং কৌলকুরার লিথিয়া দিবার নিমিত্তে গ্রাহ্য হইবার কারণ যদি দ্র্থান্ত করে তবে ঐ কালেক্টর কি অন্য কার্য্যকারক সাহেব বোর্ডের নাহেবদিগের কিম্বা অন্য যে সাহেবলোকের তাবে থাকেন্ দেই সাহেবদিগের সন্মতি লইয়া ঐ ডিন্নং অৎশিরদের ডিন্নং স্বস্থানুদারে ঐ ভূমির বিভাগ করিতে পারিবেন এবণ তাহারদের প্রত্যেকের দহিত কিয়া তাহারদিগের মধ্যে যত জন ভিন্নং কৌল করার লিথিয়া দিতে চাহে তাহারদের সহিত ভিন্নথ বন্দোবস্ত করি তে পারিবেন ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ১০ ধা। ৯ প্র।

এপর্যান্ত যে কো অধিকারিরা ভিন্ন ২ রূপে অধিকার কি ভোগদখল রাখে তাহার অধিকারি দিগের সহিত ভি ন্ন বন্দোবস্ত করা

সাধারণ মত্ত কি সাধারণ নিয়মযুক্ত मञ्ज रगर প্রকারে প্থক করা যাইবে ক ভাহার কথা।

২৬।কোন ভূম্যধিকারিরা ঐ ভূমির মালগুলারী আদায় করিবার কৌলকরার লিথিয়া দেওনের বিষয়ে অগ্রাহ্য ছইলে কালেক্টর কৌলকরার লিথি দাহেব দাবধানপূর্ব্বক ইহা প্রচার করিবেন যে দেই মহালে যে দকল লোকের স্বস্তাধিকার থাকে তাহারা বন্দোবস্তের রুবকারীতে আপ নার্দিগের নাম এবণ্মপুত্যেক জনের যে জমা দাতব্য তাহার দণ্যা ও হার লেথাইতে পারিবেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ১০ ধা। ১০ প্র।

ভুম্যধিকারিরা য়া দিতে অগ্ৰাহ্য হ ইলেও আপনার্হদ গের নাম রেজিফীরী কবাইতে পাবিবা ব কথা।

২৭। উপরেতে যে রেজিষ্টরী করিবার হুকুম লেখা গিয়াছে তাহা করণেতে কালেক্টর সাহেবের কর্ত্তব্য যে প্রকৃতার্থে যাহার হেবেরা ঐ রেজিউ যেরপ অধিকার থাকে তাছাই মূল জ্ঞান করিয়া দেইমতই লেথান্ ^{এব}্ তাঁহার বহীতে যে২ বিষয় লেখা যায় তাহার প্রত্যেক বিষয় যে২ প্রমাণেতে লেখা গিয়াছে তাহার স্বরূপ কথা যতুপূর্বকে লেখাই

যে কালেক্টর সা রী করেন্ ভাঁহারা বান্তব ভোগদ্ধল মুল জান করিয়া ভাহা করিবার কথা। বেন ও উপরের উক্ত মূল দাঁড়ানুসারে কালেক্টর সাহেবের। কিয়া অন্য কাষ্যকারক সাহেবেরা কোন ভূমির বন্দোবস্তকরণ কিম্বা তাহা পুনর্দৃষ্টিপূর্ম্বক শুপর্ণের সময়ে কি কোন মহালের বেওরার এবং তাহা দথলকরণের পাউাইত্যাদি নিদর্শনপত্রের প্রকারের বিবরণের অনুসন্ধান ও তদন্ত করিবার নিমিত্তে নিযুক্ত হইয়া যাহারা প্রকৃতার্থে ভূমি ভোগদখল করিতেছে কি অপিকারিত্বপ্রযুক্ত ভূমির খাজানা लें তেছে তাহারদিগ্কে তাহার মালগুজারী আদায় করিবার কৌল ক্রার লিথিয়া দিবার নিমিত্তে গ্রাহ্যকরণের কি তাহারদের নাম সরকারী বহীতে লিখনের দ্বারা পূর্ফের ফরা বন্দোবস্তের ভ্রান্তি ও কর্ত্রার অকরণ গুধরিতে পারিবেন এব তাহা করিতে হউলে ফালেক্টর সাহের কুরকারী করিয়া আপন করা কাথ্যের হে তুসকল বেওরা করিয়া জানাইবেন ইতি। -- ১৮২২ মা। ৭ আ। ১১ সা।

যে মহাল পটাদা রী কি ভাইয়াচার ইত্যাদি পাটোদির দারা ভোগদখল ক র। যায় কালেকটর সাতেবেরা সেই ম হালের ভিন্ন২ অং র কথা।

২৮। পটীদারী কি ভাইয়াচারইত্যাদিরূপে ভূমি দথলকরণের পাউ।ইতাদি নিদ্শনপতের ছারা ভোগ দ্থলহওয়া মহালের মধ্য গত ভিন্নং পটী ও বছরী কি ভূমির অন্য কিস্মতের প্রত্যেক অধি কারী এব॰ প্রত্যেক অধিকারিসমূহের সরকারের জমা এব॰ গ্রাম সর্ঞামী যে পরিমাণে দাত্র্য হয় তাহা আবাদ হওয়া সমুদ্র ভূমিত মধ্যে প্রত্যেক অপিকারী কি অপিকারিসমূহের দথলে যত২ ভূমি থা শিদিগের রাজ্য ও কে তাহা জরীব করণানুসারে পূর্ব্বেতে নিরপণ করা গিয়া থাঁকিলে গ্রামসরঞ্জামা যতক এবং সেই হেতুক সেই দেশের দম্বরমতে নিরুপিত সময়েতে তাং স্থ বিয়া দিতে হইবেক প্রণের যোগ্য হইলে কালেক্ট্রসাহের কিয়া অন্য যে সাহের বন্দে। তাহার মূতন বিভা বন্ধ করেন কিয়া তাহা পুনদৃষ্টিপূর্লক শুধরেন শেই মাছেবের যদি গ করিতে পারিব। পাটওয়ারীদিগের কাগজ দৃষ্টিকরণদ্বারা কি আর কোন প্রকারে নি শ্চর সোপ হয় যে পূর্ফোক্ত কোন অধিকারী কি অধিকারিশসূহ মর কারের জনা ও গ্রামদরঞ্জানী পূর্ব্বহুইতে যাহা দিতেছে তাহাতাহার কি তাহারদিগের উপযুক্ত দাত্ব্যহইতে অতিঅধিক তবে প্রথমতঃ বোর্ডের সম্মতি লউয়া ঐ সাহেব উপরের লিথিত মূলদাঁড়া এবং সরকারের জমার পরিমাণের নিরপণেতে থাজানার মধ্যে যাহা অব শিষ্ট থাকে কি মুনাফা ঠাহরে তাহার বিভাগের বিষয়ে সরকারহই তে যে হুকুম হুইয়া থাকে তাহাও দৃষ্টি করিয়া দরকারের রাজস্ব ও গ্রামদরঞ্জামী প্রত্যেকের শিরে যত করিয়া উপযুক্ত হয় তাহার নূতন বিভাগ করাইতে পরিবেন ও কানুনগোকে এবং অন্য যে জন কি জনেরদিণের নিযুক্ত করা উপযুক্ত বৃক্তেন্ তাহারদিণ্কেও ঐ কর্ম্মের ভার দিতে পারিবৈন এবং ঐ ব্যক্তির কি ব্যক্তিরদের নিষ্পান্ত্যানুসারে কিম্বা অন্য যে কোন প্রকারে উপযুক্ত ও ন্যায্য বোধ হয় তদনুসারে ভিন্ন২ জনেরদের সরকারের জমা যত করিয়া দিতে হইবেক তাহার নিরূপণ করিতে পারিবেন ইতি।—১৮২২ সা। ৭ অ।। ১২ ধা। ১ थ।

২১। ঐ মত ভিন্ন ২ অধিকারিরা তাহারদিগের দ্থলের ভূমির কালেক্টর্মাহে

জন। যত করিয়া দাতব্য হইয়া থাকে সময়ে সময়ে তাছার সংখ্যা ব কথনং ভূমির নূ খুপর। যাওনমাত্রের অপিকার না রাখিয়া তাছারদিগের প্রত্যেকের তন বিভাগ করিতে নামে যতং ভূমি লেখা গিয়া থাকে তাহার দৃষ্টে সময়শিরে ঐ পারিবার কথা। গ্রামের মধাগত ভূমির নৃত্তন বিভাগহওনেরো অপিকার রাথিলে কালেক্টর সাহেব উপরের লিখিত হুকুমমত ভূমির নূতন বিভাগ করাইতে ও তাহার জমার সংখ্যা গুপরাইতে পারিবেন এবং ঐ সময়ে শেষে করা ভূমির বিভাগ ও জমার হারহারি যে সময়হুইতে চলিবেক তাহার নিরপণ করিতে পারিবেন এবণ তাহা করণের মপ্যে যে জনের যে রাজস্ব দাতব্য তাহার বিষয়ে উপস্থিত দাওয়ান কলের নিম্পত্তি যাহা ন্যায়্য বোপ হয় তদনুরূপ করিতে পারিবেন কিন্তু ইহাও জানান যাইতেছে যে ঐ প্রকার কোন বিভাগ কিয়া শুধ রণ যেপার্যান্ত বোর্ড কমিদ্যানরদাহেরদিগের কিম্বা ঐ বোর্ডের ক্ষমতা পন অন্য সাহেবলোকের ছারা মঞ্ব না হয় সেপগান্ত তাহা চূড়ানু ফটবেক না ও ইহাও জানান যাইতেছে যে যে দ্যুর অনু**সারে ঐ** ভুমি বিভাগ করা গিয়া থাকে ঐ জনেরদের মধ্যে যদি কেছ কছে যে এমত দম্বর নহে এবং কালেক্টর দাছেব যে ভূমি তাছার স্থানছই বের নিষ্পাতিতে যা তে লইয়া অন্য কোন জনকে দিয়া থাকেন দেই ভুমিতে পুনর্জার দথলা হার হানি হর সে পাইসার নিমিত্তে দাওয়া করে কিয়া ঐ মহালসয়ন্ধীয় কোন লোক ^{আদালতে} নালিশ ভাছার মধ্যগত যে কোন ভূমির নূতন বিভাগের হুকুম দিতে কালেক্ কুরিতে পারিবার ক ট্র দাহের অস্থীকার করিয়া গাকেন্ ঐ ন্তন বিভাগেতেযে ফলোদ্য হুইতে পারে তাহার অধিকারী হুওনের দাওয়া করে ভবেয়ে জনকে কি জনেরদিগকে ঐ ভূমি দেওয়া গিয়া থাকে কিয়া যে জন কিয়া জনেরা ঐ বিভাগহওনের প্রতিক্লাচরণ করে কালেক্টর সাহেবের নিফারি ন্যায় বটে কি না ইহার প্রীক্ষা ক্রিবার নিমিত্তে ঐ জনে র্দিগের নামে জাবেতামতে জিলার আদালতে নালিশ ক্রিতে পারে কিন্তু যদি ঐ দয়র থাকার স্থীকার করা যায় কিন্তা নিশ্চয় হয় হণীলের ভারাক্রাও ডবে আদালতের সাহেবেরা ঐ ভূমির বিভাগের কিয়া জনার গুপর সুংহেবদিগের[নাজ ণের যাথার্থ্যেতে আপত্তি করিতে পারিবেন না এব° কোন ভূমির তি চূড়ান্ত হইবেক বিভাগের বিষয়ে কালেক্টর সাহেব যে নিম্পত্তি করিয়া থাকৈন তাহা যদি কোন সময়ে আদালতে অগ্রাহ্য হয় তবে ঐ আদালতের চুড়ান্ত নিম্পত্তিপত্তে ঐ জনেরদের স্বব্জের বিবরণ এবং নিরূপণ যেমত লেখা যায় তাহাতে ও পাউটাদির নিয়মেতে এবণ সরকারী জ্যার পরিমাণের নিরূপণেতে থাজানার মধ্যে যাহা অবশিষ্ট থাকে কিয়া মুনাফ। ঠাহরে ভাহার বিভাগের বিষয়ে সরকারহইতে দামান্য কি বিশেষ যে হুকুম হয় তাহাতেও দৃষ্টি রাথিয়া মাল্ওজারী তহ্সী লের কার্যাভারাক্রান্ত সাহেবদিগের ঐ জমা পুনর্দৃষ্টিপূর্দ্ধক গুপরা কর্ত্তকা ইতি।—১৮২২ দা। ৭ আ। ১২ ধা। ২ পু।

কালেক্ট্রমাহে

যে২ বিষয়েতে ভ তাহার কথা।

৩ পানা।

কালেক্টর সাহেবেরদের বন্দোবস্তুকরণ কিয়া শুপরণসময়ে যে আদা লতসমুর্কীয় ক্ষমতা থাকিবে তাহা।—তাঁহারদের বিচারের বিধি ও এলাকা।

কালেকটর সাহে ওনব্যতিরিও দখলে ৰ আঘাত নাকরি বার কথা।

৩০। কালেক্টর সাহেবেরা এব ে কালেক্টরের ক্ষমতাপন্ন অন্য ব বিশেষ গুরুমপা সাহেবেরা এই আইনের কি অন্য কোন আইনের দ্বারা বিশেষ ক্ষম তাপ্রাপ্ত না হইলে যাহাতে ভোগদখলের হানি হয় এমত কোন কাষ্য করিবেন না কিন্তু যে জনেরা ভোগবান ও দ্থীলকার না হইয়া আপনার্দিগকে ভোগদ্থলের অধিকারী জ্ঞান করে তাহারা এ বিষ য়ের দাওয়া জাবেতামতে আদালতে উপস্থিত করিতে চাহিলে কালে ক্টর সাহেব তাহার বাধা করিবেন না ইতি।—১৮২২ সা। ৭ জা। 1 B C ?

বন্দোবস্থ করণ কি পুনদৃষ্টিপুরাক তা হা অধ্রণের ভারা ভান্ত কালেকট্রস। হেবের। ভূমির দথী লকার্দিগের স্বত্যে র প্রকার ও পবি মাণ জানাইতে পা রিবার কথা।

পটীদারী কি ভা ইয়াচারইড্যাদি পা ট্রাদির দ্বারা ভোগ দখল করা ভূমির কোন অংশির স্ব পরিমাণের বিষয়ের বিবাদের নিঞান্তি করিতে ও তদনুসারে কায়্য ক রাইতে কালেকটর সাংহেবের ক্ষমতার কথা ৷

এ নিফাতির উপ রে আদালতে আ পীল হইতে পারি বার কথা।

৩১। যে কোন জন ভূমি দথল করে তাহার পাট্টাইত্যাদি নিদ শ্নপত্রের প্রকারের বিষয়ে কোন বিবাদ উপস্থিত হইলে যে কালে ক্টর সাহেবেরা বন্দোবস্তু করেন কি তাহা পুনদৃষ্টিপূর্দ্রক শুপরেন তাঁহারা বন্দোবস্তের রুবকারীতে লিখিবার নিমিত্তে কাছারীর বৈচ কেতে পূর্বে ঐ দ্থালকারের যে খ্যাতি ছিল তাহা তাহার মৃত্রের প্রকারের প্রমাণের এক দাধনমাত্র জ্ঞান করিয়া কিন্তু ঐ জনের সরে। যের নিমিত্তে অন্য যে কোন অনুসন্ধান করা যায় তাহার বেওরাস্হিত আপনার নিফ্পত্তির মূলকারণের বিষ্ণারিত করিয়া ঐ দ্থীলকার বস্তুতঃ যে স্বন্ধের অপিকার রাথে তাহার প্রকার এব॰৲ পরিমাণ জানা ইবেন ও ঐ মত পটীদারী ও ভাইয়াচারইত্যাদি পাটাআদি নিদুর্শন পত্রের দারা ভোগদখলকরা কোন গ্রাম কি কোনং গ্রামের মধ্যগত ভূমির কোন অংশির ম্বজ্বের পরিমাণের বিষয়ে বিবাদ উপস্থিত হুইলে ঐ অপশী যদি ঐ গ্রাম কি ঐং গ্রামের কোন অপশের বাস্ত্র দ্থীলকার হয় কিয়া ঐ ভূমিতে যে সাধারণ মুনাফা হয় বস্তুতঃ তাহার অংশ লইতে থাকে তবে কালেক্টর সাহের খ্রিগমতঃ তাহার নিফ্পত্তি করিয়া তাহার কথা আপন বন্দোবস্তের ক্রকারীতে লেখাইয়া তদ নুসারে কাণ্য করাইতে পারিবেন ও তাছাতে যে জন আপনাকে অন্যা য়গ্রস্থ বোপ করে দে লোক তাহা ন্যায় কি অন্যায় ইহা জানিধার নিমিত্তে জাবেতামতে আদালতে নালিশ করিতে চাহিলে তাহার প্রতিবন্ধকতা করিবেন না কিন্তু ইহার লিথিত কোন কথার অভি প্রার এমত নহে যে কোন ভূমির কিন্সতের উপর নির্দ্ধায়্যকরা মোট জমার কি হারহারিমত তাহার অপশের বিষয়ে কি সাধারণ মহা লের বিশেষ কোন অংশের দ্থীলকারকে বিভাগের সময়ে যত ও যেপ্রকার ভূমি দিতে হউবেক তাহার বিষয়েই বা কালেক্টরসাহেব যে নিফাত্তি করেন তাহাতে হাত দিতে আদালতের সাহেবদিগের ઋমতা আছে ইতি।—১৮২২ मा। ৭ আ। ১৪ ধা। ১ প্র।

৩১। উপরের প্রকরণের এ অভিপ্রায় নহে যে কালেক্টর সাহে বেরা অন্য প্রকারকরণের হুকুম পাওনব্যতিরেকে কোন দাওয়াদার দাধারণ মুনাফার মধ্যে যে রকম অৎশ এপগ্যন্ত পাইয়া আদিতেচ্ছে তাহা বেশী হইবার নিমিত্তে কি ঐ গ্রাম কি ঐং গ্রামের যে অংশ এপগ্যন্ত দথল করিয়া আদিতেছে তাহার রকম বেশী হইবার নি মিত্তে যে দাওয়া করে তাহা গ্রাহ্য করিতে তাঁহারদিগের ক্ষমতা আছে ইতি। - ১৮২২ সা। ৭ আ। ১৪ ধা। ২ প্র।

৩৩। উপরের উক্ত ক্ষমতাক্রমে কালেক্টর দাহেবেরা যে নিফ্প ত্তি করেন তাহা যদি বোর্ডের সাহেবদিগের কি এীযুত নওয়ার গরন্ নর জেনরল বাহাদ্রের হজুর কৌল্সেলের ত্রুমেতে মতান্তর কিন্তু। বদুনা হয় তবে ঐ নিম্পত্তির দারা যে অপিকার হইয়া থাকে তাহা অষ্থার্থ ইহা জাবেতামতে নালিশহ ওনপূর্বক বিচার্দ্বারা জানা না গেলে ঐ নিফপত্তি আদালতের সাহেবেরা বহাল রাখিবেন এবং ইহার লিথিত কোন কথার তাৎপ্য্য এমত নহে যে কোন মহালের কি মহালের অ°\শের উপর যে জমার নির্দ্ধার্য্য করা যাইবেক তাহার কিয়া কোন মহালের মধ্যগত যত ও যেপ্রকার ভূমি তাহার বিভা গের সময়ে তাহার ভিন্নং অংশির্দিগকে দেওয়া মাইবেক তাহানো বিষয়ে মালগুজারী তহদীলের কাষ্যভারাক্রান্ত সাহেবেরা যে নিহণ ত্তি করেন তাহাতে হাত দিতে আদালতের দাহেবেরদিগের ক্ষমতা আছে ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ১৪ পা। ৩ প্র।

৩৪। পূর্বের অধিপতিদিণের কি তাঁহারদিণের সরকারের কোন আমলে কি অন্য কোন কাগ্যকারকের দেওয়া সন্দাদির দ্বারা তোগ দ্যলকরা কি ভোগদ্যলে আছে ইহা কহা বাজেয়াফ্টা কোন ১২০ লের ভূমি তাহা দকর কি নিম্নরই বা হউক তাহার বন্দোবস্তুকর ণেতে কালেক্টর সাহেবের কিয়া বন্দোবস্তকারি অন্য সাহেবের ক্ষমতা আছে যে চলিত আইনের লিখিত কোন কথা ইহার পুতির ম্বক হইলেও ঐ সাহেৰ ঐ মহালের মধ্যের ভূমির কি তাহার থাজানা লাখেরাছ ভুনির ব কি উৎপল্লের বিময়ে উপস্থিতহওয়া সমস্থ দাওয়া এবণ ও তাহার বিচার ও নিষ্পাত্তি করেন এব° বেটি রেবিনিউর কিম্বা তৎক্ষমতা পন্ন অন্য দাহেবদিগের আজ্ঞ, ও অনুম্তিক্রমে ঐ রহালেতে অন্যুং হটতে যে জনের অধিকার ন্যায্য বোধ হয় সেই জনকে ঐ মহালে দ্থল দেওয়ান্ ও তাহার বন্দোবস্ত তাহার সহিত করেন্ এবং৲ তা হার অনাথ দাওয়াদারদিগকে জাবেতামতে জিলার আদালতে কি ্রবিন্স্যল কোর্টে নালিশ করিয়া আপনার্দিগের দাওয়া সাব্যস্তকর ণের ব্যাঘাত করিবেন না ও এই ধারানুসারে মালগুজারী তহ্সীলের যাহার অধিকার কার্যাভারাক্রান্ত দাহেবদিগ্রহতে যে দকল নিষ্পত্তি হয় তাহার ন্যায্য বোধ হয় তা উপর দাওয়ার বন্ধর মূল্যানুসারে জাবেতামতে ঐ আদালতে নালিশ হাকে দখল দেও ^{ক্}ইলে ঐ নালিশী আরজী সমাক্প্রকারে শুনা ও তাহার বিচার ও Vot. I.

উপরের প্রকর ণানুসারে কালেক ট্র সাহেব কোন দাওয়াদারের সে যে মনাফা পাইতে ছেও যে ভূমি দথ ল করিয়া আসিতে ছে তাহার আধি কোর দাওয়া গ্রাহা করিতে না পারি सात रुथा।

ওহসীলের ভারা ক্রান্দাহের দিগের করা নিষ্পত্তি আদা লতে জাবেতামতে হ ওয়া নালিশেব হিষ্পত্তিপ্রাক অ ন্যায় বোধনা হই লে আনালতের সা হেরের ভাহা বহা ল রাখিবার কথা। কালেকট্র সাহে বের করা জমার হারহারি কি জ মির বিভাগের বি হয়ে তাঁহার মিষ্প তির মূল আউন ধি য় শ্বহণ্ডনত্যতিরেকে আদালতের সাহে বেরা ভাহাতে হাত দিতে না পারিবার Z-211

বাজেয়াফ হওয়া নোরস্তর্গের সম নে কালেক্টর সা হেব তৎসম্পর্কার স্ব তেওর বিষয়ের দাও য়ার বিচার ও নি ষ্পত্তি করিতে পারি বার কথা।

এবং অন্যহইতে য়াইতে পারিবার বিবার কথা।

ভোগ দখল করা ভ মিতে উপরের লি রাখিবার কথা।

🖄 মূত নওয়াব গ বর্নর জেনরল বা मुक्थि পुर्वक संधरगढ़ টর সাহেবের্দিগ কে ভূমির স্বস্তাও বার কথা।

ঐ দেওয়া দথ নিষ্পত্তি হইলে পর তাহা শুধরা কি রদ কিয়া মতান্তর করা যাইতে লের উপর আদা পারিবেক ও তাহা নহিলে করা যাইতে পারিবেক না। ও ম্বয়ং লতে জাবেতামতে ভুম্যধিকারিদিগের কি তাহারদিগের মোধারকারদিগের দত্ত সনদা আপীল হইতে পা দির দারা যে ভূমি নিম্কররূপে ভোগদথল করা যায় দে ভূমির দহিত ার কথা। ভুমাধিকারিদি উপরের লিথিত কথা সমুক রাথিবেক না ও সামান্যত ঐ ভূমির র্প্রাম্বাদ নের কি তাহারদি দুর্থীলকারেরা তাহার উপযুক্ত রাজস্ব দিবার কৌলকরার লিথিয়া গের অনুম্তিক্রমে দিতে সমত হইলে তাহারদিগের সহিত ঐ ভূমির বন্দোবস্ত করা प्रत जनमापित बाता याहरतक हेिछ।—>৮११ गा। १ खा। ১৫ धा।

৩৫। লাথেরাজ বাজেয়ায়ী কোন মহালের বন্দোবস্ত কিয়া কা থিত ওকুমসম্পর্ক ন। র্য্যের গতিকে থেরাজী কোন মহালের পুনর্কার বন্দোবস্তু করিতে হইলে এীযুত নওয়াব গবব্নর্জেনরল বাহাদুর হজুর কৌন্সেলহ रेंद्र थे प्रशास्त्र वत्सावस कि ठारा श्रू न किश्वर्यक एथत्र वात হাদর হজুর কৌ প্রাপ্ত কালেক্টর সাহেবকে এমত বিশেষ ক্লমতা দিতে পারিবেন যে ন্সেলহইতে বন্দো ঐ মহালের মগাগত ভূমির ম্বতাধিকার ও দ্থলের ও তাহার থাজা বস্তু কি তাহা পুন না কিয়া উৎপল্লের বিষয়ে যে দকল দাওয়া উপস্থিত হয় তাহা শ্রবণ ও তাহার বিচার ও নিষ্পত্তি পূর্ব্বোক্তমতেতে করেন্ এবং ভার প্রাপ্ত কালেক্ বোর্ডের হুকুম ও অনুমতিক্রমে এব॰ তদতিরিক্ত ও জিলার আদা লতে কি প্রবিন্সাল কোর্টে জাবেতামতে নালিশ হইলে তথায় যে দখলের বিষয়ের নিষ্পাত্তি হয় তদনুসারে ঐ ভূমিতে অনাহইতে যাহার অধিকার প্রবল দাওয়ার বিচার ও বোধ হয় তাহাকে দেই ভূম্যাদিতে দ্থল দেওয়ান ও ইহাও জানান করিবার যাইতেছে যে পূর্ব্বোক্তমত বিশেষ ক্ষমতা কোন কালেক্টর সাছে ক্ষমতা দিতে পারি বকে দেওয়া গোলে যে মহালেতে ঐ সাহেবের প্রাপ্তক্ষমতা চলিবেক সেই মহালের মধ্যে ঘোষণার দ্বারা সরকারহইতে দেওয়া ঐ তুকুম প্রচার করা যাইবেক এব ে কালেক্টর সাহেবদিগের ও বোর্ডের দাহেবদিগের কর্ত্তন্য যে ঐ ঘোষণা উপযুক্তরূপে দেওয়ান কিন্তু এই ধারানুসারে কিম্বা অন্য যে কোন ধারাতে ঐ ঘোষণা দেওয়া যাও নের হুকুম থাকে তদনুসারে কোন কালেকুটর সাহেব যে কোন নিষ্পত্তি করেন তাহা ঐ ঘোষণা না দেওয়া যাওনের আপত্তিতে তাহার অনুসন্ধান নিয়মমত সমপূর্ণরূপে করা যাওনব্যতিরেকে কোন আদালতে রদ করা যাইবেক না ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ[।] ১৬ ধা।

যে প্রকারেতে ব লোবত কি পুনদু যি পূৰ্বক তাহা শ্বৰ্থ রণের ভারপ্রাপ্ত কা লেকটর সাহেবেরা

৩৬। যে কালেক্টর সাহেবেরা কি অন্য কার্য্যকারক সাহেবেরা কোন পর্গনা কি মৌজা কিয়া তথাকার ভূমির অন্য কিসমতের বন্দোবস্তুকরণের কিম্বা পুনর্দৃষ্টিপূর্ব্বক তাহা শ্রধরণের ভারপ্রাপ্ত হন দেই দাহেবেরা ঐ পরগনা কি মৌজা কিয়া তথাকার ভূমিদমৃদ্ধীয় মাতবর সনদাদির অন্য কিসমতের মধ্যে কিয়া আশপাশে তথাকার পূর্বাধিপতির কিয়া ৰারা দখলকরা লা তাঁহার সরকারের কোন আমেল্ অথবা অন্য কর্মকর্তার দ্ভ মাতবুর থেরাজ কি মোকর সনদইত্যাদির দারা লাথেরাজরূপে কি মোকররী জনাতে দথলকরা রী জমার দখলকরা ভূমির মধ্যগত কোন ভূমিতে অধিকার রাখণের দাওয়া কোন লোক

কি লোকেরা উপস্থিত করিলে ঐ দাওয়া গ্রাহ্য ও তাহার বিচার ও ভূমির মধ্যগত ভূ নিক্পত্তি করিতে পারিবেন এব॰ যদি ঐ সাহেবদিগের ইছা বোধ মিতে স্বতাধিকার হয় যে ঐ ফরিয়াদীরা ঐ ভূমিতে কিয়া তাহার থাজানা কি উৎপল্লে রাখণের দাওয়ার মৌকুসী ও হস্তান্তরকরণযৌগ্য স্বন্ধাপিকার রাখে কিয়া তাছা পাই লাখেরাজদার কি বার যোগা বটে তবে ঐ কালেক্টর কি অন্য কার্যকারক দাহেব মোক্র্রীদারের নি পুর্বে সরকারের অনুমতি লইয়া এীযুত নওয়াব গবর্নর জেনরল মিতে ঐ অধিকারি বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলহইতে যে মিয়াদের ত্কুম হয় সেই মি দিণের সহিত ব য়াদে ঐ লাথেরা জদার কিয়া মোকররীদারের নিমিত্তে তাহারদিগের স্দোবন্ত করিতে পা সহিত বন্দোবস্ত করিতে পারিবেন এব°৲ ঐ লাথেরাজদার কি মোক রেন তাহা**র কথা** । র্রীদারের তাবে থাকিয়া তাহারা যে২ নিয়মেতে আপনার্দিণের ভূমি ভোগদথল করিবেক তাহার বেওরা লিথিয়া ঐ প্রত্যেক অপি কারিতে পাউ। দিতে পারিবেন এব॰১ ঐ অধিকারিরা আপনারদি গের ভূমিতে দ্থল ও কঠ্বুরহিত হইলে কালেক্টর সাহেবেরা বোর্ড কমিদ্যনরের হুকুমের অধীনতায় ঐ লাথেরাজদারেরা কি মো ক্রবীদারেরা তাহার্দিগকে মালিকানা কিয়া অধিকার্সম্বন্ধীয় অন্য লাভ যাহা দিবেক তাহার পরিমাণের নিরূপণ ও হুকুম করিতে পারিবেন কিন্তু ইহাও জানান যাইতেছে যে ঐ লোকদিগের মধ্যে কোন জন ঐ ভূমির স্বস্থাধিকারের বিষয়ে কালেঁক্টর সাহেবের করা নিষ্পত্তিতে অসমত হইলে সে আদালতে জাবেতামতে নালিশ বিষয়েতে আদাল করিয়া তাহার মোকদ্দমা করিতে পারে কিন্তু অধিকারিরদের দহিত তে আপীল হইতে কালেক্টর সাহের যে বন্দোবস্ত করিয়া থাকেন্ তাহার নিয়মের কিয়া ঐ নোকদিগের নিমিত্তে নিরূপণহওয়া মালিকানার পরিমা ণের বিষয়ে আদালতের সাহেবেরা হস্তক্ষেপ করিতে পারিবেন না ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ । ১৭ ধা।

স্বত্তাধিকারের পারিবার কথা।

৩৭। ইঙ্গরেজী ১৮২২ দালের ৭ আইনের ২ ধারার ৬ প্রকর ণের এবণ তাহার পরে যে তেত্রিশ ধারা আছে ঐ সকল ধারার निथिত छ्कूप अरे धाताकरम य मकन जमीमातीत रेमुमताती वरना বস্তু ইঙ্গরেজী ১৭১৩ সালের ৮ আইনের লিথিত হুকুমানুসারে ও ১৭১৫ দালের ২ ও ২২ আইনের লিথিত হুকুম যেপগ্যন্ত ঐ নিষ য়ে সম্লুক রাথে তদনুসারে হইয়াছে তদ্যতিরেকে নিম্নররূপে কি বি শেষ সনদের দারা কম জমাতে দথল করা জায়গীর ও মোকররী রপে এবং অনাং রপে দথল করা ভূমিসুদ্ধা সমস্ত ভূমির সহিত মির বহির্ভুত সমস্ত *দম্লর্ক রাখিষেক ইডি।*—১৮২৫ দা। ১[°]আ। ২ ধা। ১[°]প্র।

৩৮। যেসকল জমীদারী এক্সণে থাসতহসীলে রাথা গিয়াছে কি ইহার পরে রাখা যাইবেক দে দকল জমীদারী যেপর্য্যন্ত ঐরপে রাখা যায় সেপর্যান্ত উপরের লিথিত হকুম ঐ সকল জমীদারীরো সহিত সম্বর্ক রাথিবেক ইতি।—১৮২৫ সা।১ আ। ২ধা। ২ প্র।

इक्रद्बजी ১৮२२ সালের ৭ আইনের ২ ধারার ৬ প্রকর ণের ও তাহার পরে যে তেত্রিশ ধারা আ ছে তাহার লিথিত ছকুম ইন্তমরারী ব त्मावस ग्डा ज् ভূমির সহিত্সম্পর্ক রাখিবার কথা।

ঐ ছকুম থাস ত হসীলে থাকা সমস্ত ভূমির সহিত্ত সম্পর্ক - ক্লাথিবার কথা।

৩১। বন্দোবস্তের সময়ে যে সকল মহালের জমা মোকরর করা

এব৭ जुन्ददरनद

বার কথা।

ভূমির ও ভাগল গিয়াছে ঐথ মালের মধ্যগত বিশেষ করিয়া লেখা পর্ণনা কি পুঁরের নিকটবুর্ত্তি মৌজা কিয়া মালগুজারী তহদীলকরণার্থে হওয়া অন্য কোন ভূমি পাহাজিয়া ভূমির থত্তের বহিভূত ভূমির সহিত অর্থাৎ সুন্দর্বনের এব ে ভাগলপু প্র সামান্যতঃ বন্দো বের নিকটস্থ পাহাড়িয়া ভূমির এব॰ অন্য বিস্তারিত জঙ্গলা এব॰ থা না থাকা ভূমির আরণ্যভূমির সহিত এব॰ ঐং জঙ্গল কি অরণ্যের নিকটস্থ সকল সহিত উপরের উক্ত জ্মীদারীর সহিতও উপরের উক্ত ভ্রুম সমুর্ক রাখিবেক ইতি।— छक्म मम्भकं রাখি ১৮২৫ मा। ১ আ। ২ ধা। ৩ পু।

৪ ধারা

থাজানার বিষয়ে সরাসরী খননার্থ কালেক্টর সাহেবের ক্ষমতা বৃদ্ধি করণ। *

এই আইনের 3 5 1 391 361 ১৯। ধারার বিশে ষ করিয়ালেখাক নৰ্ফিপৈক্ষক ভাহা র কথা।

কিন্তু বিশেষ কা রণ হইলে প্রীম্তন

মা কমাইতে পারি বার কথা। বন্দোবস্তকরণ কি পে অর্পণ করিবার কথা।

৪০। এই আইনের ১১ ও ১২ ও ১৪ ও ১৬ ও ১৭ ও ১৮ ও ১১। ১২।১৪। ১৯ ধারাতে যে২ ক্ষমতার কথা বিশেষ করিয়া লেখা গিয়াছে যে काटनक्षेत्र मारहरवता ভृभित भानश्चातीत तस्मावस्कतरणत कि তাহা পুনদ্ফিপুর্কক উপরণের ভারপ্রাপ্ত হন দামান্যতঃ তাঁহারা মতা সামান্যতঃ ব সেইং ক্ষমতানুসারে কার্য্য করিবেন এবং তাঁহারা যে প্রবর্গনাতে ন্দোবস্তুকরণ কিপু 🍕 কার্য্য করিতে থাকেন তাহার শামিল সমস্ত ভূমিতে তাঁহারদি গের ঐ ক্ষমতা বর্ণিবেক কিন্তু এীযুত নওয়াব গবর্নর কেনরল বাছা ধর্ষর ভারপ্রাপ্ত দুর ছজুর কৌন্সেলে সময়েং যেপ্রকারে এব॰ যেপাগ্যন্ত উপাযুক্ত কালেক্টর সাহেব বুকেন তদনুমারে জিলায় প্রচার করিবার নিমিত্তে হজুর কৌন্সেলহ নিগকে অর্পণহইবা ইতে দেওয়া হকুমের দারা বন্দোবস্তকারি কালেক্টর লাহেবদিগের এব॰৲ অন্য কার্য্যকারক সাঙ্গেবদিগের ক্ষমতাচরণের সীমার ন্যুনতা করিতে পারিবেন ও ঐমত সময়েং যেমত উপযুক্ত বুকা যায় সেই ওয়াবগবর্নর জেন মত পূর্পোক্ত কালেক্টর সাহেবেরা ভূমির মাল্ওজারীর বন্দোবস্ব রল বাহাদুর হজুর করণের কিম্বা তাহা পুনর্দ টেপ্রুক শুপরণের ভারপ্রাপ্ত না হইলেও কে,দেল হইতে ঐ জীযুত নওয়াৰ গৰৱনৰ জেনৰল ৰাহাদুৰ হজুৰ কৌন্সেলহইতে ঐ অপিতি ক্ষমতার সূী কালেক্টর সাহেবদিগের এমন বিশেষ ক্ষমতা দিতে পারেন যে তাঁ হারা পুর্বোক্ত ধারাদকলের লিখনমত যে দকল মোকদ্দমা উপ স্থিত হয় সেই সকল কিয়া তাহার মধ্যে কোন মোকদুমা প্রথমতঃ পুনর্দ্টিপুর্বক খব গ্রাহা ও তাহার বিচার ও নিষ্পত্তি করিতে পারেন কিন্তু তাহাতে র্বের ভার প্রাপ্ত তাঁহারদিগের করা নিষ্পত্তি উপরের লিখনমতে জাবেতামতে আদা না হইলেও কালে লতে নালিশকরণদ্বারা হওয়া নিম্পত্তিতে রদ বহাল হইতে পারি ক্টরসাহেবনিগকে বেক এন°৲ জমীদারেরা কি তালকদারেরা কি অন্য সদর মালগুজা ঐ ক্ষমতা বিশেষক রেরা কি ভূমির ইজারদারেকা কিয়া তাহারদিগের মোঝারকার অন্য

* সরাসরী মোকদমা খনন বিষয়ে এই ধারার অন্তর্গত যে নানা বিধান বোধ করি যে তাহা ৯ অধ্যায়ের মধ্যে দিলে ভাল হইত যেহেতৃক ঐ অধ্যা য়ের মধ্যে সরাসরী মোকদমার অন্যান্য বিধান সকল আছে। কিন্তু বদ্দো বস্তুকরণ বা "এধরণ বিষয়ে যে অভি বিস্তারিত ১৮২২ সালের সপ্তম কানুন আছে তথ্যে সরাস্রী মোকদমার এই সকল বিধান পাওয়া গেল এই প্র যুক্ত বন্দোবন্ত করণ বা শুধরণের অধ্যায়ের মধ্যে ভাহা দেওয়া গেল।,

কোন জন থাজানার নিমিত্তে মফঃদলী তালুকদার কি জমীদার কি মালগুলার কি রাইয়ৎ কিয়া যে খ্যাতিতে খ্যাত হউক এমন আরু হেবেরা মালগুলা কোন পেটাও লোকের উপর যে নালিশ করে তাহা এব॰৲ রাইয়ৎ রী সম্পর্কীয় মোক কিয়া আর কোন পেটাও প্রজা ভূম্যধিকারিদিগের কি ইজারদার্দি গের কি তাহারদিগের মোঝারকার কি স্থলাভিধিক্টেরদের নামে দুব্যাদি ক্রোক করিয়া বিক্রয়করণ কি অন্য কোনপুকারে উপযুক্তহ ইতে বেশী থাজানা কিয়া অযথার্থরূপে থাজানা লওনের বাবৎ যে नालिय करत जाशा अव॰ ज्ञापिकाति पिरान जात ज्ञात हे जातमात কিয়া কোনপ্রকার পেটাও প্রজারদের কিয়া তাহারদিগের জামিনে রদের কিম্বা ভূমিসমুর্কীয় কর্মো কিম্বা ভূমির থাজানা তহসীল কি রফাহওনের। দাথিলকরণে তাহারদের নিযুক্তকরা কোন মোধার কি অন্য জনের দের মধ্যে হিসাব রফাহওনের বিষয়ে হওয়া বিবাদের ষে নালিশ হয় তাহা এবণ দকর কি নিম্কর ভূমির কিম্বা ফলকরুও বনকর ও জলকর এই নামেতে থ্যাত ফলের বাগান ও পন্তচারণের ভূমির ও মৎসাধরণের জলাশয়ের থাজানা তলব কি তহসীল কি দাথিলকর ণের বিষয়ে কিম্বা রদকরা দায়েরের মধ্যগত নহে ভূমির ঝাজানাসম্ম ৰ্কীয় এমত অন্য কোন জায়দাদের বিষয়ে এবপ আইনানুসারে যে২ পাড়ী অবশ্য দিতে হয় তাহা না দেওনের কিয়া থাজানা পাইয়া তাহার দাখিলা না দেওনের এবণ সামান্যত আইনের ও উপরের উক্ত বিষয়সকলে দেশের আদ্যোপাস্তের যে রীতি আছে তাহার অনামত আচরণকরণের এবণ্ম জমীদারদিনের কিয়া ইজারদারের দের আর কোন থ্যাতিতে থ্যাত তাহারদিগের পেটাও প্রজাদিগের মধ্যে ভূমির থাজানার ও তাহা দথলের বিষয়ে যে বিবাদ উপস্থিত কথা। হয় তৎসমুকীয় লেথাপড়ার ব্যতিক্রমকরণের বিষয়ে যে২ নালিশ উপস্থিত হয় সামান্যতঃ কি সময়বিশেষে যেমত নিরূপণ হয় তদ্রু দারে ঐ দকল নালিশ গ্রাহ্য করিতে ও দরাদরীমতে তাহার বিচার ও নিম্পত্তি করিতে ঐ খ্রীযুত যেমন উপযুক্ত বুকেন তেমন ক্ষমতা ঐ কালেক্টর সাহেবদিগ্কে দিতে পারেন্ ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। २०४। १ थ।

কালেকটর দ্মাসকলের।

ও অন্যায়পর্বাক থাজানা লওনের। এবৎ জমীদার ও প্রজার ও তাহারদি গের জামীন ও মো খারেরদের হিসাব

এবৎ ভূমির কি ভূমির খাজানা কি উৎপক্ষের ও পাউ। দেওয়ার এবং নিয় মল জ্যনের এবং সা মান্যতঃ সদ্ব মাল जात्मारत्त्रमत् अ তাহারদের প্রজার দের মধ্যে হওয়া विवादमञ् मन्भकीय মোকদমা সকলের বিচার ও নিষ্পান্তির ক্ষমতা রাখিবার

৪১। ঐীযুত নওয়াব গবর্নর জেনরল বাহাদুর হজুর কৌন্সেল হইতে যেমন হ্রুম দেন্ তদন্দারে উপরের লিথিত ঐ সকল কার্য্য কার্য্যকরণের নিমি করণের ভারে অমৃক কালেক্টর দাহেব নিযুক্ত হইলেন ইছাও তাঁহার অধিকারের সরহদ্দ ঘোষণাক্রমে তাহার অধিকারেতে জানান যাইবেক এব ে তাহা জানান গেলে পর ঐ কালেক্টর সাহেবের নিরূপিত সরহদের মধ্যের ভূমির কি থাজানার কিম্বা উৎপন্নের কি **ঐ সরহদ্দভৃক্তহও**য়া ভূমির বিষয়ে সরাসরী বিচারের নিমিত্তে যে শকল নালিশ ও মোকদমা ও দর্থাস্ত ও ফরিয়াদ কোন সদর মাল ওজার কি জমীদার কি তালুকদার কি ইজারদার কিয়ু। রাইয়ৎ অথবা ভূমির অন্য দ্থীলকার কি পেটাও প্রজা জিলা কি শহরের আদা লতৈ উপস্থিত করে তাহা উপস্থিত হইবামাত্র বিচারের নিমিপ্তে

উপরের লিখিত তে কালেক্টর সা হেব নিযুক্তহওনের কথার প্রচার যে রূপে কর। যাইবে ক ভাহার কথা।

এই আইনানুসা क्टरता स्य मगर পর্যাও জড়ের ন্যায় ক্ষতাচরণ করিবে ন শীক্ষনওরার গ বর্নর জেনর্ল বা করিবার কথা।

কালেক্টর সাহেবের নিকটে পাচান যাইবেক এব ৩১ ঐ সময়েতে স্রা রে কালেক্টর সা সরী বিচারের নিমিত্তে যেথ মোকদ্দমা আদালতে উপস্থিত থাকে তাহাও ঐ কালেকট্র দাহেবের নিকটে পাচান যাইবেক ও ইহাও জানান যাইতেছে যে উপরের লিখনমতে যে২ মোকদ্মা কি ফ্রি য়াদ গ্রাহ্য করিতে কালেক্টর সাহেবদিগকে ক্ষমতার্পণ হয় সেইং মোকল্মা কি ফরিয়াদকর্ণিয়া প্রথমেই তাহা ঐ কালেকট্র সাতে হাদ্র ঘোষণার দা বের নিকটে উপান্থিত করিতে পারে এবং উপারের লিখনমতে যে রা ভাহার নিরুপণ বিশেষ ক্ষমতা কোন কালেক্টর সাহেবকে দেওয়া যায় ভাহার ও বন্দোবস্করণের বিষয়ে কালেক্টর সাহেবেরা যে ক্ষাডাক্রমে কাগ্য করেন দেই ক্ষমতার শেষ ও নিবৃত্তি যে সময়ে হইবেক তাহার নির পণ এীযুত নওয়ার গ্রন্ত্ জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলের হকুমের দ্বারা হইবেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ।২০ গ্রা।২ প্র।

উপরের প্রকরণ লিশ তাহার হেতৃহ ওনাবধি একরৎস রের মধ্যে উপস্থিত না করিলে কালেক **টর সাতের তা**ঞ গ্রাহ্য না করিবার কথা।

৪২। উপরের প্রকরণসকলের বেওরা করিয়া লেখা কোন নালিশ সকলের লিখিত না কি দর্খাস্ত তাহার বিষয়হওনাব্দি এক বৎসরের মধ্যে উপস্তিত না করা গেলে তাহা এই সাইনানুসারে কোন কালেক্টর সাহেবের নিকটে গ্রাহ্য হউবেক না ইতি। ১৮২২ দা। ৭ আ। ২০ পা। 221

इक्षरत्न १ २५२२ ২০ ধারার বি**শে**ষ করিয়া লিখিত ক্ষম তা কোন কালেকট व मार्क्तरक रम म রহদের মধ্যে উপস্ ক ববেনে তথাকার কার্গোর নিমিত্তে **उ:** शांकियात्र रुथा । তাতা হটলে ঐ

৪৩। এীযুত নওয়াৰ গৰর্নর্ জেনরল বাহাদুর হল্পর কৌন্সেলে এ ক্ষমতা রাথেন যে সুবে বাঙ্গালা ও বেহার ও উড়িষ্যার ও বারাণ সালের ৭ আইনের সদেশের কোন কালেক্টরসাহেসকে কিয়া কালেক্টরের ক্ষমতাপর অন্য কোন সাফেবকে ইঙ্গরেজী ১৮২২ সালের ৭ আইনের ২০ পারার বিশেষ করিয়া লেখা ক্ষমতা ঐ ধারার ২ প্রকরণের বিশেষ করিয়া লিথিত প্রকারে সময়েথ প্যথ সরহদ্দের মধ্যে উপযুক্ত বোপ হয় সেই২ সরহদের মধ্যে অর্পণ করেন এরণ ঐ আইনের ২১ ধারার এবণ তাহার পরে যে চৌদ ধারা আছে তাহারো লিথিত হুকুম ঐ কালেক্টর মাহেবের কি পূর্বোক্ত অন্য কর্মকারি মাহেবের দিতে জ্রীনতের ক্ষম তাবে ঐ মত রাখা প্রগনা এব েত্ত ছেম্মানীয় অনাং ভূমিথণ্ডের मिंड मग्लर्क ताथिरतक रेडि। - ১৮২৫ मा। ১ আ। ७ था।

আইনের ২১ ধারা র লিখিত ভকুম ঐ সরহদের মধ্যগত ভুমির সহিত সক্প ঠে রাখিবার কথা।

৪৪। যে২ মহালের বন্দোবস্ত করা গিয়াছে কি করিতে হইতেছে তাহার বিষয়ে কালেক্টর দাহেবদিগের কি পূর্ন্বোক্ত অন্য দাহেব দিগেরে যে২ ক্ষমতার্পণ করা গিয়াছে ঐ২ সাহেবদিগের ঐ২ ক্ষমতা থাকিবার কালের বিষয়ক সন্দেহ ভঞ্জনার্থে এই প্রকরণক্রমে জানান ও নির্দিষ্ট করা যাইতেছে যে ঐং সাহেবেরা তাঁহারদিগের ঐং মহা লের যে দীমানিরপণের কি ভূমি জরীরকরণের কিয়া ভাছার মধ্যগত কোন গ্রামের কি গ্রামের কৌন অংশের নিবাসিরদের সংখ্যানির

কালেক্টর সা হেব যে কালপর্যান্ত বন্দোবস্ত কি তাহা পুনদৃষ্টিকরণের কা ৰ্য্যে নিযুক্ত থাকি

পণের সম্বাদ ঐ গ্রাম যে জিলার মধ্যে থাকে সেই জিলার মাজিষ্টেট্ বেন তাহার নিশ্চয় কি জাইণ্ট মাজিষ্টেট্নাহেবকে দেওন আবশ্যক সেইং কর্ম্ম করিবার হুকুমনামার তারিথঅবধি ঐ্থ সাহেবের করা কি প্লন্দ্যি করা বন্দো ব্যু চুড়ান্তরূপে এীযুত নওয়ার গ্রুর্ব্জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলেতে মঞ্রহওনের সম্বাদপত্র পাওনের তারিএপগান্ত ঐ বন্দোবস্করণ এবঁণ তাহার পুনর্টিকরণের কর্মেতে নিযুক্ত আছেন বোপ করা যাইবেক ঐ পুর্ফোক্ত সময়ের মধ্যে ইঙ্গরেজী ১৮২৪ मालत ১৫ आहेत्तत बाता भाजित्यु ए अहि के भाजित्यु देशाद्य नत्त नभराय इशिव व অপ্নিছওয়া ক্ষমতা মে২ মহালের মন্দোরমু করা যাইতেছে সেই২ মহালের সম্বন্ধে স্থগিত থাকিবেক এব° ঐপ্রকার মহালের বিধ্যে ^{তেবের দের} ১৮১২ ঐ২ সাহেবেরা ইঙ্গরেজী ১৮২২ সালের ৭ আইনের ৩৪ পারার যে २ विजीय श्रकतरावत बाता ज्ञिम कि घतवाँगी कि कमन कि जरनत নালাইত্যাদির বিষয়ের যেই বিবাদ উপস্থিত হয় তাহা রাজস্বের কর্মাকারি সাহেবেরদের নিকটে সমর্পণ করিতে হুকুম হইয়াছে তদ নুমারে কার্য্য করিবেন এবং পোলীদের সকল কর্মকারিকে ছকুম কারিদিগের কালে দেওয়া যাইতেছে যে তাহারা কালেক্টর সাহেবদিগের কিরাজন্তের ক্টর্মাহেবনিগের অন্য কর্মাকারিদিণের কর্ত্তরা কর্মাকরণে অবিলম্বে ফলজনক সহায়তা। করে ইতি।—১৮২৮ সা। ৪ আ। ২ পা। ৪ 🕰।

৪৫। কোন মোকদ্দমার নিষ্পত্তি কাহার কন্তব্য এমত সন্দেহ জিয়ালে বোর্ডের এবং শ্রীগৃত নওয়ার গররুনর জেনরল বাছাদুরের হার ২৬২া ছাহার হজুর কৌন্সেলের হুকুমের অধীনতায় তাহার নিশ্চয়করণের কর্ট্য নিশ্চয় কালেকট্র কালেক্টর সাহেব রাখিবেন এব^ জাবেতামতে আদালতে নালিশ সাহেব করিবার ক হ ওনপূর্ক্ত্রক অধিকারের বিষয়ে নিষ্পাত্তিহওনব্যতিরেকে আদালতের থা। সাঙে বেরা কালেক্টর সাহেবের দেওয়া দখলের প্রতিবন্ধকতা করি তে পারিবেন না ইতি ।--১৮২২ সা। ৭ আ। ১৮ পা।

৪৬। কোন কালেক্টর সাহেব কিয়া কালেক্টরের ক্ষমতাপল অন্য কোন সাহের প্রের্মাক্তমত বন্দোবস্তুকরণ কিয়া তাহা পুনর্দাট পূর্ব্যক শুধরণের পূর্ব্যে জমীদার কি ইজারদারের আমলদখলে কিয়া রিবার নিমিতে কা সরকারের থাসতহসীলে থাকা কোন গ্রাম কিয়া মহালে এই আই লেকট্র সাহেতের নেতে বন্দোবয়করণের বিষয়ে যেমত ছকুম লেখা গিয়াতে সেই ছকু দিগকে পাচাইতে মমতে ঐ বন্দোবন্ত করিবার নিমিত্তে ঐ কালেক্টর কি জন্য লাভেব পারিবার কথা। যে সকল বিষয়ের অনুসন্ধান ও তদন্ত করিতে হুকুম কি ক্ষমতা পাইয়া থাকেন সেই সকল বিষয়ের অনুমন্ধান ও তদন্ত করিবার নিমিত্তে ঐ গ্রামে কি মহালে কোন তহসীলদার কি কানুনগো কি আমীন কিয়া মোকররী কিয়া চিকা অন্য কোন কার্য্যকারক জনকে পাচাইতে পা রেন ও উপরের লিথিতমতে দেশীয় যে কোন কাগ্যকারক পাচান যায় সেই কাৰ্য্যকাৰক পাটওয়াৰী কি গোমাস্তা কিয়া অন্য যে কোন েলাক ঐ গ্রাম কি মহালের হিসাবের কাগজপত্র রাথে তাহারদিগ্কে ইঙ্গরেজী ১৮১৭ সালের ১২ আইনের ২৫ ধারানুসারে নিযুক্তকরা

করিবার কথা।

डेक्ट्रको २**४**२८ দালের ১৫ আই নের ছারা মাজি স্ত্রেট ও জাইন্ট মাজি ত্রেট সাহেবকে ভা পিত ক্ষতা ঐ কা हेटात এट९ धर मा সালের ৭ আইনের ৩৪ ধারার ২ প্রক রণানুসারে কাহ্য করিবার কথা।

পোর্লামের কর্মা কর্ত্তর্য কর্মাকরূপে অ বিণয়ে ফলছনক স হায়তা করিতে হই বার কথা।

যে নিষ্পত্তি যা

বন্দোর যুকর গের পূৰ্বের অনুসদ্ধান ক দেশীয় কাহ্যকারক

কার্য্যকারকদিগকে যে ক্ষমতা দেওয়া গিয়াছে ঐ ক্ষমতাক্রমে ও দেই মতে তলব করিবার ও তাহারদিগের জোবানবন্দী লইবার ক্ষমতা পন্ন বোধ হইবেক এব॰ কালেকট্র সাহেব কি অন্য কার্য্যকাবক শাহেব হুকুম দিলে ঐ তহসীলদার কিয়া অন্য জন যে গ্রাম কি মহা লেতে পাঠান যায় ঐ গ্রাম কি মহাল জরীব করিতে এবণ কোন মো কদম কি প্রধান কিয়া রাইয়ৎ কিয়া তথাকার নিবাদী অন্য কোন জনের্দিগকে তলব করিতে এব ১ প্রাম কি মহালের স্বহদ্ধ নিক পণ করিতে এব° তাহার মধাগত ভূমি ও তাহাতে যে২ স্বস্তু কি উপ স্বস্থাকে তাহার বিষয়ের সমস্ত বৈওরা জানাইবার হুকুম দিতে ক্ষমতা রাখিবেক ও কোন জন একওঁয়ামী করিয়া পুর্কোক্তিমত নিক পিত কোন কাৰ্য্যকারককে কোন বেওরা জানাইতে যদি অসম্মত হয় তবে ঐ বিষয়ে কালেক্টর সাহেবের ছাদোপজনক প্রুমাণ পাওয়া ণেলে পাটওয়ারীদিণের হাজির হইতে ও দাক্ষ্য দিতে অসম্মতহও নের বিষয়ে যে দণ্ডের হুকুম করা গিয়াছে দেই দণ্ডেতে দণ্ডনীয় হই विक इंडि।->৮११ मा। १ जा। १ ८ ४।। > ४।

কালেকটর সা হেবের 1 বোর্ডেতে মোকদ মার বেওরা পাই বার কথা।

৪৭। কালেক্টর দাহেবদিণের নিকটে যে২ মোকদ্মার নিষ্পত্তি সময়ে ২ ছইয়া থাকে কি উপ**্রিত** থাকে বোর্ডের সাহেবদিগের হুকুমানুসারে নিরূপিত সময়ে ঐ সাছেবদিগের ঐথ বোর্ডে তাহার বেওরা লিথিয়া পাচাইতে হইবেক এব ে বোর্ডের সাহেবেরা এীযুত নওয়াব গবর নর জেনরল বাহাদুর হজুর কৌন্সেলে সময়েং সেমত হুকুম করেন্ সেইমত ঐথ বেওরার সংক্ষেপ কথা লিথিয়া এবং যেথ মোকদ মাতে তাঁহারদিগের নিকটে আপীল হইয়া তাহার নিষ্পত্তি পাইয়া থাকে তাহারো বেওরা ঐ শ্রীযুতের হন্তুর কৌন্সেলে পাচাইবেন ইতি।—১৮২২ সা।৭ আ । ৩২ ধা।

৫ পারা।

সরাসরী মতে মোকদ্দমা না করিয়া জাবেতামতে মোকদ্দমা কর্ণ।

কালেকটর সাহে য়ার বিষয়ে যাথারা ভাঁহার সরাসরী বি চার ও নিক্পত্তি না চাহে তাহারা জা য়া প্রথমেই আদাল পারিবার কথা।

৪৮। এই আইনানুসারে কালেক্টরসাহেবেরা যে সকল নালিশ বের বিচার্য দাও ও দাওয়ার বিচার ও নিষ্পত্তি করিতে পারেন যে লোকেরা ঐ না লিশ ও দাওয়ার বিষয় রাথিয়াও কালেকটরসাহেবের কাছারীর সরাসরী বিচার ও নিম্পত্তি চাহে না তাহারা ন্যায় ও বিচারের বিষ য়ে চলিত আইনের লিথিত হুকুমানুসারে এং নালিস কি দাওয়া विजाभरत के मां उथाकांत मूनामारक वामानर किया जिला कि महरत्त वामानर অথবা তথাকার প্রবিদ্যাল কোর্টে ইহার যে আদালতের বিচারযোগ্য তে দরপেশ করিতে হয় সেই আদালতে প্রথমেই জাবেতামতে দরপেশ করিতে পারিবেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ৩০ ধা।

৬ ধারা।

মোকদ্দমার রীতি ও নিয়ম।

৪৯। মালগুজাবীইতাদি বিষয়ে দ্বাদ্রী বিচারের নিমিত্তে যেং মোকদ্দমা উপস্থিত হয় তাহার বিষয়ে আদালতের কার্যোর নিয়ম বেরা যেই নিয়মান করিবার নিমিত্তে বিশেষরূপে যে২ হুকুম নির্দ্ধিট করা গিয়াছে সারে কার্য্য করি এবং জিলা ও শহরের জজসাহেবেরা ঐই মোকদ্দমার বিষয়ে যেই ক্ষমতা ও ছকুমের ব্যাপার করেন ও করিতে পারেন কালেকট্রদা হেবেরা ঐং মোকদ্মার বিষয়ে ঐং ক্লমতা ও হুকুম রাথিয়া তদ্নু র কথা। দারে কাগ্য করিবেন ও এই আইনানুদারে অন্য যে২ মোকল্মা কা লেকটরসাহেবদিগের নিকটে উপস্থিত হয় তাহাতে আসামীকে কি অনা যাহার প্রতি দাওয়া দরপেশ হয় তাহাকে হাজির ক্রাইতে হউলে সামান্যত এক এত্তেলানামা ভাহাতে ঐ মোকদ্দমাৰ সকল ৰে ওরা এব পকালেকট্রসাহেব ঐ মোকদ্মার বিচারের নিমিত্তে যে কাল ও স্থান নিরূপণ করেন দেই কালে ও স্থানে আসামী কি ঐ অন্য ব্যক্তি স্বয়ণ কিয়া তাহার মোথার হাজির হইবার হুকুম লেখা গিয়া আসামী কি ঐ অনা বাজিব নিকটে পাচান যাইবেক ও যদি উপবেব লিখিত বেওবাক্রমে লেখা এত্তেলানামা দেওয়া যাওনের পর কোন আসামীইত্যাদি হাজির হউতে কসুর করে কিয়া নাজির কি যে লোককে ঐ এত্তেলানামা পঁত্ছাইবার নিমিত্তে পাচান গিয়া ছিল দেই লোক আদিয়া কহে যে অতিযত্তপূর্ত্তক ঐ আদামী কি আদামী র্দিগকে তালাশ করিয়াও পাওয়া গেল না তবে এক ইশতিহার নামা তাহাতে তাহা জারীকরণের তারিথঅবধি ১৫ পানের দিবদের পরে ঐ মোকদ্দমা বিচার ও নিষ্পত্তি করিবার নিমিত্তে উপস্থিত করা যাইবেক এব ১ ঐ মোকলমাসমূর্কীয় যে কোন জন কি জনেরা পর্মোক্ত এত্তেলানামা পঁত্ছাইয়া দেওনের পর হাজির হইতে ক্সুর করে কিয়া ঐ মোকদ্দমার নিষ্পত্তিহওনপর্যান্ত গরহাজির থাকে ঐ জন কি জনেরা সওয়াল ও জওয়াব করিবার নিমিতে হাজির হইলে ঐ মোকদ্দমার নিম্পত্তিক্রমে তাহার কি তাহারদিগের যাহা হইত ইহাতেও তাহাই হইবেক এই সকল কথা লিথিয়া ঐ আসামীইত্যা দির বসতবাটীতে কিয়া তাহার নিকটে লটকান যাইবেক ইতি।— ১৮২২ সা। ৭ আ । ২১ পা।

কালেকটর সাছে বেন এবং যে২ প্র কার তলবচিথী জা বী করিবেন তাহা

৫০। ইন্সরেজী ১৮১৯ সালের ৮ আইনের ১৮ ও ১৯ ধারার লিথিত হকুমদকল এই ধারার লিথনদারা ফোট উলিয়ম অর্থাৎ সালের ৮ আইনের কলিকাতা রাজধানীর তাবে সমস্ত দেশেতে চলিবেক এবণ্ ঐং ধারার লিথিত সমস্ত হকুম এই আইনানুসারে কালেকটরসাহেবেরা ^{লিথিত ও}কুমসকল যে সকল কর্মের ভার প্রাপ্ত হন তাহার নির্বাহকরণেতে থাটিবেক কুলিকাতা রাজধা এব ্ হকুম করা যাইতেছে যে মালগুজারীর বাকীর বাবৎ যে মোক দ্দার বিচার যে কালেকটরসাহেবের করিতে হয় তাহাতে ঐ বাকী

इक्रात्की ১৮১৯ ১৮ ও ১৯ ধারার নীর তাবে সমস্ত দে এবং এই আইনান সারে বালেকটর দার যদি ঐ কালেকটরমাহেবের অপিকারের মীমার বাহিরে থাকে সাহেবদিগের বি তবে ঐ বাকীদার নে যে জিলার অধিকারে থাকে সেই জিলার জজ চার্য মোকদমাতে নাহেদের হুকুমনামার দ্বারা ধরাইয়া আনা যাইদেক ইতি। - ১৮২২ থাটিবার কথা। मा। १ जा। २२ था।

কালেকেটর সাহে লতম্বনপ ও ডাঙার করা নিষ্পত্তি আ मालएउन निम्शालिक ন্যায় জান করা যা ইবার কথা।

৫১। এই প্রকরণের দ্বারা জানান ও হুকুম করা যাইতেছে যে এই বের কাছার্রা আদা আইনের কিয়া অন্য যে কোন আইনের দারা ভূমির মালগুজারীর কালেকট্রসাহেবেরা জজের ক্ষমতাপ্রাপ্ত হন এই কি ঐ অন্য আই নের ছারা তাঁহারদিগকে অপ্ণকরা ক্ষমতার প্রভাবে ঐ কালেকটর মাহেব্দিগের নিকটে উপস্থিত হওয়া মোকদ্মাদকলেতে দাক্ষির দিগকে ভলব করিবার ও তাহাবদিগের জোবানবন্দী লইবার বিষ য়ে ও মিথ্যানাক্ষ্যদেওন ও ভক্মের বিপরীতাচরণকরণ ও ভক্ম ওছ করণ অপ্রাধের বিষয়ে এব ১ ঐ সকল মোকল্বমানম্পর্কীয় ঐ২ রূপ অন্য সকল অপ্রাপের শাস্ত্রির হুকুম দিবার বিষয়ে ঐ কালেকটর ইত্যাদি সাহেবের কাভারী কি দফুর্থানা ঐ সময়ে আদালতস্বরূপ জানা ও বোপ করা যাইবেক ইতি। ১৮২২ সা। ৭ আ। ২৩ পা।

কালেক্ট্র সা क्टरव निकेटी डेब স্থিতহওয়া মোকল भारत कतियानी कि অন্যামী আপন্ত সমাত উকলি কি মোখার নিযুক্ত ক রিতে পারিবার ক था।

 ৫২। যে দকল মোকদ্দ্যার বিচার ও নিফাত্তি করিবার ভার মাল গুজারী তহুসীলের কালেকট্রুসাহে বদিগের প্রতি আছে সে সকল মোকদ্দমার ফ্রিয়াদী কি আসামী যে কোন মোথার কিয়া উকীল কি আপনার মূলাভিষিক্ত যে কোন লোককে আপনার তর্ফুইতে কার্য্যেতে সওয়াল ও জওয়ার করিবার কারণ নিযুক্ত করা উপযুক্ত ব্রে সেই মোখার কি উকীল কিয়া স্থলাভিষিক্ত জনকে গুমতাপ্রীপ্ত ক্রিয়া নিযুক্ত করিতে পারে ও ঐ মোখার কি উকালের মেছনতা নার পাঠ্য তাঁহারদিগের উভয়সমাতিকেমে হইবেক কিন্তু কালেকটর দাহের ঐ মোগারের হাজিরথাকা ও কার্যাকরার দৃষ্টে যাহা উপযুক্ত ব্যেন তাহাহইতে অধিক মেহনতানা যে ব্যক্তির প্রাক্তয়ে নিফাত্তি করা যায় তাহা দিতে হউবেক নাউতি।—১৮২২ সা। ৭ আ।২৫ ধা।

যে সওয়াল জ ওয়াবের আবশ্যক তাহার কথা।

৫৩। ঐ সকল মোকদ্বমাতে ফরিয়াদী ও আদামীর দাখিলকরা আর্জী ও জওয়াবব্যতিরেকে আরু কোন প্রয়াল জওয়াবের প্রয়ো জন হউবেক না কিন্তু যদি কোন সময়ে ফরিয়াদী কি আসামী শুপরা আরজী কিয়া শুপরা জওয়াব কিয়া বিবরণজ্ঞাপক আর কিছু লিথি য়া দিতে চাফে তবে তাহা গ্রাহ্য হইবেক ইতি।—১৮২২ দা। ৭ আ। ২৬ গা।

যাহা লেখা নাই কাগজে লিখিতে হ ইহার কথা।

৫৪। ঐ সকল মোকদমার দাওয়ার সংখ্যা যাহাই হউক তাহার কেক তাহা ইফ্টাম্প সমুঞ্জীয় নোগ্রারনামা ও ওকালৎনামা ও সওয়াল ও জওয়ার এবং নিম্পত্তিপত্র ॥০ আট আনা মূল্যের ইস্টাম্প কাগজে লেখা যাইবেক এব ে ঐ সকল মোকদ্মাতে যেথ কাগজ দ্রপেশ করা যায় ভাছার

৬ ধাবা ী

ক্রিয়া ফরিয়াদী কি আসামী যে সাঞ্চী তলব করাইতে চাহে তাহার ভলবের বাবৎ কিজ ফীদ লওয়া যাইবেক না এবণ ঐং কাগজ দা থিল কবিবার কিয়: এই সাঞ্চী তলব করিবার দর্থান্ত ইন্টায় কাগ জে লেখা ঘাইবার আবশাক নাহি। - ১৮২২ সা। ৭ আ। ২৭ ধা।

৫৫। যদি সরকারী কোন কাছারীতে কি সকল লোকের দুটি গোচর অন্য কোন স্থানেতে এবৎ ফ্রিয়াদী ও আসামীর কি তাহার দিগের নিযুক্তকরা মোথার কি উকীল হাজির মউলে তাহারদিগের সাক্ষাৎকারে করা হয় তবে কালেক্টরসাহেবেরা আপন জিলার মধ্যে যে কোন স্থানে যান কি বাস করেন সেই স্থানেই মোকলমা ন্তনিতে ও তাহার বিচার ও নিম্পত্তি করিতে পারিবেন ইতি।— ১৮ १ र मा। १ जा। २ ৮ था।

কালেকটর সা হেব আপন জিলাব যে স্থানে থাকেন ত থাতেই মোকদ্মা শ্বনিতে ও ভাহার বিচার ও নিঞ্চারি করিতে পারিবার

৫৬। যে কালেক্টরুসাহেব যে বোর্ডের অপীন থাকেন তিনি উপ রের উক্ত অনুসন্ধানকরণ কিয়া উপরের লিথিত নালিশশ্রবণ ও তাহার বিচারকরণের সময়ে ঐ বোর্ডের হুকুমক্রমে তাঁহারা যে মহা লের বিষয়ে অনুসন্ধান করেন ঐ মহালের মধ্যগত কি তাহার নিক টবর্ত্তি ভূমির সদর মালগুজারদিগকে এবণ্১ ঐ ভূমির অন্য অধিকারি কি দুখীলকার কিয়। কাইস্কুকারি অথবা কৃষিকার্কদিগকে কিয়া যে । লোক তাহার উৎপন্ন দংএহ কি বিক্রয়াদি করে তাহারদিগকে কিয়া ঐ ভমিহইতে যে কোন থাজানা কি বাজয় উৎপন্ন হয় তাহা যে জন তহদীল করে কিয়া ভোগ করে কি তাহার বিষয়ে কর্তন্ত রাথে তাচার্দিগকে এবপ ঐ লোকের্দিগ্রুইতে ঐ ভূমির কর্তন্ত কিয়া ক্ষিকাণ্য কিয়া তাহার থাজানা কি রাজ্য কিয়া উৎপন্ন তহসীল করিবার নিমিত্তে নিযুক্তহওয়া গোমান্ত। কি অন্য কর্মকারিদিগকে হলফন।মা হাজির হইয়া ঐ ভূমির ও তাহার উৎপন্ন ও থাজানা ও রাজস্বের বাবৎ যে দকল হিদাব কি অন্য কাগ্ৰপত্ৰ তাহারা আপনার স্থানে রাথে তাহা দাখিল করিয়। দিনার নিমিত্তে হুকুম দিতে পারেন এবৎ ঐ দাখিলকরা হিসাবের সত্যতার নিমিত্তে কিয়া ঐ হিসাবের সম্লুঠীয় অন্য কোন বিষয়ে কিয়া ঐ ভূমি কি মহালের উৎপন্ন কি গাজানা কি রাজস্বের বিষয়ে কিয়া ঐ ভূমির কি তাহার উৎপন্নের কি থাজানা किया ताजश्वमञ्जूकीय অधिकाते ७ श्वरञ्जत विষয়ে তাহাत्रमिशस्क मिया করাইয়া কিয়া তাহার্দিগের স্থানে হলফনামা লইয়া জোবানবন্দী লইতে পারেন কিন্তু ইহাও জানান যাইতেছে যে যে জন ভয়েতে কিয়া অনুগ্রহ পাইবার কি কিছু ফলোন্য হইবার আশাতে কিয়া অন্য কোন জনের সহিত মিলিয়া কার্নাজী করাতে লাভের প্রত্যাশা করে দে জনব্যতিরেকে যে জন সত্যের অপলাপ করিয়া কিয়া মিথ্যা কথা কহিয়া তৎক্ষণে কিছু লাভ করিতে চাহে দে জনকে দিব্য করা ইয়া কি তাহার স্থানে হলফনামা লেথাইয়া লইয়া জোর করিয়া কেহ কোন জিজাদার উত্তর লইতে পারিবেক না ইতি। --১৮২২ সা। ी च्या। ३२ आ। ३ था।

কালেকটর সাতে বেরাসাক্ষির্দিগকে ও হিসাবের কাগল তলব করিতে পারি বাৰ কথা।

দিশকরাইয়া কি সালিদিগের জোবা নবন্দী লইতে পারি ধার কথা।

যাহাতে যাহার লাভালাভের বিষয় থাকে ভাগতে দি ব্য করাইয়া তাহার জোৱানকে নাল ওয়া যাইবার কথা।

इक्रावजी ১৮১৯ ছকুম এই আইনা নুসারে কালেকটর সাহেবদিগের ডলব চিঠী জারীহওনের विषया मन्धर्य दा থিবাব কথা।

নুসারে বিচার্য্য মো কদমাতে তলবহও য়া কিয়া জিজাসা যোগ্য পাটওয়ারী है जानि स्नाक्तिश থিবার কথা।

র্দিগের ওলব কর। যায় ভাহারদিগে রো সহিত সম্পর্ক রাথিবার কথা।

৫৭। ইঙ্গরেজী ১৮১৯ দালের ২ আইনের ১১ পারাতে ঐপারা সালের ২ আইনের নুসারে হাজির হইয়া হিসাবের কাগজপত্র দাখিল করিবার নিমিত্তে যাহার্দিণের তলব হয় তাহার্দিণের প্রতি তলবচিঠী জারী করি বার বিষয়ে যে২ হুকুম লেখা গিয়াছে এই আইনানুসারে কালেক্ টর কি অন্য কার্য্যকারক সাহেবেরা যে২ তলবচিঠী জারী করেন্ তাছার সহিত ঐথ হুকুম সমূর্ক রাখিবেক ও ঐ মত যে সকল পাটও য়ারী কি গোমাস্তা কি অন্য লোকেরা যে ভূমির বিষয়ে পূর্কোক্ত এবং এই আইনা অনুসন্ধানকরণের তৃত্বম হইয়া থাকে সেই ভূমির হিসাবের কাগজ পত্র রাথে এব পরের্বাক্তমতে তলব হইয়া তাহার্দিগের স্থানে তল বকরা কোন হিসাবের কাগজ দিতে কিয়া তাহার বিষয়ে সাক্ষ্য দিতে গাফিলী করে কিয়া তাহা না দেয় কিয়া দিন্য করিয়া কিয়া হলফ নামা দিয়া জিজ্ঞাদার পরে স্বেচ্ছাপূর্ব্বক মিথ্যা দাক্ষ্য দেয় কিয়া যে র সহিত্সম্পর্করা হিসাবের কাগজ দাখিল করিবার নিমিত্তে তলব করা যায় ঐ হিসা त्वतं काशक उवलील करतं कि मुख्य वामारं कि प्रिथा। करतं किश्वा ছাটে সেই সকল লোকের সহিত ঐ আইনের ১২ পারার লিখিত হুকুম সম্লুক রাখিবেক ও আরে। হুকুম করা যাইতেছে যে ইঙ্গরেজী এবং অন্য যাহা ১৮১১ সালের ২ আইনানুসারে কালেক্টর সাহেবেরা আপনার্দি গের নিকটে উপস্থিতহওয়া মোকদ্দদাদকলেতে যে২ ক্ষমতা ও হুকু মুহ্ন বাথেন ভূমির মালগুজারীর বন্দোবস্কুকরণের কিয়া এই আই নেতে যে অনুসন্ধানকরণের কথা বিশেষরূপে লেখা যায় তাহ। কর ণের ভারপ্রাপ্ত কালেক্টর কি অন্য কার্য্যকারক সাহেবেরা সেই সকল ক্ষমতা ও হুকুমুখ রাখিবেন এবপ যে সকল লোকেরা পূর্ফোক্ত কোন কালেক্টর কিয়া অন্য কাহ্যিকারক সাহেবের দারা তলব করা সায় কিয়া এই আইনের হকুমানুদারে পাচান তলবচিচী জারীকর ণের প্রতিবন্ধক হয় কিয়া হুকুম পাইয়া দিব্য করিতে কি হলফনা মাতে দমুগৎ করিতে অসমত হয় অথবা দিবা করিয়া কি দিবোর वमरल जनकरामा निथिया मिया मिथा माक्ता रमय किया निरक कि অন্যের দ্বারা অন্য জনকে দিয়া মিখ্যা সাক্ষ্য দেওয়ায় এই সকল

কালেকটর সাহে বদিগের বিচারকরা মোকদমার সহিত যে২ ভ্রুম সম্পর্ক

৫৮। রাজস্বেরকার্যভারাকান্ত সাহেবদিগের নিকটে নিষ্কররূপে দথলকরা ভূমির উপর জমা মোকরর করিবার দাওয়ার কালেক্টর কি সরকারের অন্য কাগ্যকারক সাহেবের উপস্থিতকরা মোকদ্দমাতে রাখিবেক তাহার যে সকল রুবকারী হয় ও যে সকল কাগজপত্র দাখিল হয় তাহার নিমিত্তে ইন্টাম্লকাগজের আবশ্যক নাহি কিন্তু ঐ রাজম্বের কার্য্যভারা কালেকটর সাহে জান্ত সাহেবেরা চলিত আইনানুসারে অন্য যে সকল মোকদ্মাতে বের উপস্থিতকরা জজের মত ক্ষমতাচরণ করেন্সে দকল মোকলমাতে যেমত ক্ষমতা মোকদমাতে যে স রাথেন সেই মত ঐ উপরের উক্ত মোকদমাতেও সাক্ষিরদিগুকে कल कागजनब (में उ जेन युक्त थे बहे पिनाव अ मनकारत्व भान शकातीत वाकी जामाय कवि

লোকের প্রতি ঐ পূর্ম্বোক্ত আইনের ১৩ ধারার ৩ প্রকরণ ও ১৪ ও ১১ ধারার লিথিত হুকুম সম্লুক রাথিবেক ইতি।—১৮২২ সা।

৭ আ। ১৯ পা। ২ প্র।

বার নিমিত্তে আইনানুসারে যেমন্থ করিতে হয় সেই মত করিয়া ঐ য়া যায় তালার নি এরচ এব > আপনার্দিণের ত্রুমক্রা অন্যথ এরচের টাকা উসুল মিত্তে ইফাল্পকার করিবার হুকুম দিতে ক্ষমতা রাথেন্ ইতি।—১৮২৫ দা। ১ আ। জের আবশ্যক না ৪ ধা। ১০ প্র।

হটবার কথা।

৫১। আরো ত্রুম করা যাইতেছে যে যে কোন জন বলক্রমে বাকী উসুলকরণের কিয়া তর্জনগর্জন করিয়া কোন কালেক্টর কি তহসীলের ভারাক্রান্ত অন্য কোন সাহেবের নিকট্ছইতে আইনমতে হওয়া নিষ্পত্তিপত্রের কিয়া অনুমতি কি হুকুমের মত কাগ্যকরণের ব্যাঘাত কি বিপরীতা চরণ করে সেই জন চলিত আইনানুসারে ঐ মত কর্মোর নিমিত্তে যে দণ্ড নিরূপণ করা গিয়াছে তাহার অতিরিক্ত ২০০ দুইশত টাকার অধিক নাহয় এমত দণ্ডের কিয়া দুই মাদের অধিক নাহয় এমত মিয়াদে দেওয়ানী জেলথানাতে কয়েদ রাথণের যোগ্য হউবেক ও কালেক্টর্সাহের কাছার্নতে বসিয়া বিবেচনাপুর্ব্ধক ঐ দণ্ডের কি

শান্তির ছকুম দিবেন ও তাহা কৃবকারীতে লেথাইবেন এবং ঐ সা হেব যে নোর্ডের অপীন হন দেই নোর্ড তৎক্ষণে ঐ হুকুমদেওনের রিপোর্ট পাঠাইবেন ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ২৪ ধা। ২ প্র।

সাক্ষির্দিগের উ পযুক্ত থরচ দেওয়া যাউবার এবং ঐ 🐠 রচ ও মোকদমার থর্চা মালওজারীর মতে উসুল করা যা हेटात् कथा।

কালেকটর সাছে বের করা নিষ্পত্তির কাহ্য হওনের প্রতি হুলাচরণ কি ব্যাঘা ত করিলে যে দণ্ড হ ইবেক তাহার কথা।

৬০। আরো হুকুম করা যাইতেছে যে কোন কালেক্টর কিয়া পুর্ব্বোক্ত অন্য কোন কাগ্যকারক সাহের কাছারীতে বসিয়া যে নি গ্যকারকেরা কালে ষ্পাত্তি কি হুকুম করেন ঐ নিষ্পাত্তি কি হুকুমের মত কাগ্য হওনের ভাল মন্দের জওয়াব দিবার দায়ী ঐ হুক্মদাতা কি তাঁহার মত কাম্য করণিয়াকে জ্ঞান করিয়া পোলীদের সমস্ত কাষ্য কার্কেরা ঐ বিষ য়েতে তাহার সহায়তা ও উপকার করিবেক এব॰১ কালেকটবসাহের কি তহুদীলের ভারপ্রাপ্ত অন্য কোন সাহের কাছারীতে বসিয়া যে নিষ্পত্তি কি হুকুম করেন তাহার মত কাগ্যকরণেতে কোন বিপরী তাচরণ কি ব্যাঘাত কিয়া তাহার উপক্রম করণপুযুক্ত যদি কোন কক্ডা কিয়া হঙ্গামা উপস্থিত হয় তবে যে জনেরা ঐ নিম্পত্তিপত্রের কি হুকুমের মত কাযাহওনেতে বিপরীতাচরণ কি ব্যাঘাত করে তা হারা ঐ কক্ড়া কি হঙ্গামাকরণের নিমিত্তে দণ্ডের যোগ্য হইবেক ও মালপ্তজারী তহসীলের কাঠ্যভারাক্রান্তদিগের নামে তাহার না मिंग इहेर्डि भातिरदक ना हेर्डि।— ১৮२२ मा। १ खा। १८ धा। ৩প্র।

পোলীদের কা কটর সাহেবের ক রা নিষ্পাত্তি কি তক মমতাত্রণের সহা য়তা করিব,র কথা।

৭ ধারা।

নিম্পত্তি জারী করণ।

७১। এই আইনের দারা ভূমির মালগুজারী তহসীলের কালেক

হেবেরা আপনার বার ক্ষমতা রাখি বাব কথা।

ট্রুদাহেবদিগকে এ ক্ষমতা দেওয়া যাইতেছে যে এই আইনেব লি নিগের নিশ্পতানু গনানুসারে সংখ্যা নিরূপিত কতক টাকা কিয়া থরচা অথবা ক্ষতি সারে কার্যা করাই পুরণ দেওয়াইতে হইবার অর্থে কালেক্টরসাহেব যে**২ নি**ম্পত্তি করেন তাহাতে মালওজারীর বাকী আদায়করণের কারণ যে কপ করা যায় সেই রূপ যে কালেকটবুসাহের ঐ নিম্পত্তি করিয়া থাকেন সেই সাহের ঐ টাকা যাহার পাইবার অর্থে নিম্পত্তি হইয়া থাকে তাহার নিমিত্তে উদল করিবেন কিন্তু দরাদরী বিচারপূর্ব্বক কোন জনের পাইবার অর্থে যে নিষ্পত্তি করা যায় ঐ নিষ্পত্তির টাকা উ সুল করিবার নিমিত্তে ঐ সাহেব কোন ভূমি কি বাটী কিয়া অন্য স্থা। বর বম্ব বিক্রয় করিতে পারিবেন না ও ভীমি কি বাটী কিয়া জলের শোঁতাইত্যাদি ভোগদথলের বিষয়ে যদি কোন নিষ্পত্তি হয় তবে তাহা অবজা কিয়। তাহার বিপরীতাচরণ হইলে যে কালেকটরুমা হেব ঐ নিষ্পত্তি বরেন সেই সাহেব আদালতের সাহেবেবা নীলা মের থরীদারদিগকে থরীদাবম্বতে দখল দেওয়াইবার নিমিত্তে আই নানুসারে যেমত ও যে ক্ষমতাচরণ করেন সেই মতে ও সেই ক্ষমতা क्रा थे चिमिरे ग्रामिर्ट मथन (म उशारेट शास्त्र अत्र फिला कि শহরের আদালতের সাহের কালেকটরসাহেরের ঐ ক্ষমতাচরণেতে মহারতা করিবেন এব ১১ ঐ ক্ষমতাক্রমে কালেক্টর্নাহেবেরা যে কোন হকুম করেন ঐ হকুম আদালতের মাহেরেরা নিজে করিলে যেমত করিতেন দেইমত করিয়া ঐ ভক্ষের কার্য্য করাইবেন এবং কালেক্টর নাহেবেরা আবশ্যক কি উপযুক্ত ব্কিলে যে জনকে ঐ ভুমাদিতে দথল দিবার নিষ্পাত্তি হউয়া থাকে সেই জনকে ভাহার ভোগ দথলকরণেতে স্থিররাথিবার নিমিত্তে এক কি তাহাচইতে অ পিক পোরাদ। কিয়া মিরপা অথবা সওয়ার ইত্যাদিরাথিতে পারেন্ ইতি।--১৮২২ সা। ৭ আ । ২ ০ পা। ৩ প্র।

৮ পারা।

কমিদ্যনর দাহেবের নিকটে আপীল।

थ घटडर करल রা নিম্পত্তির উপর বের্ডে আপীল হই বেক ভাহার কথা।

৬২। ঐ সকল মোকদ্দমাতে কালেক্টরসাহেরদিগ্রুইতে যে নি ক্টর সাহেদের ক ফ্পত্তি হয় তাহার উপর বোর্ড রেবিনিউর * সাহেবনিগের কিছা ঐ বোর্ডের ক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবদিগের নিকটে আপাল হউতে পারি বেক ও ঐ আপীলকরণিয়া আপন ইচ্ছামতে কালেকটর্সাহে বের কিয়া ঐ বোর্ডের সাহেবদিগের নিকটে ঐ আপীলের দ্রুথাস্ক দিতে পারিবেক ও ঐ দর্থামু ২ দুই টাকা মূল্যের ইফ্টাম্প্রকাগজে লেখা যাইবেক কিন্তু ঐ আপীলের দর্খান্ত দিতে গৌণ হইবার বিশিষ্ট হেতু বোর্ডের নাহেবদিগের গোচর ও মঞ্জুরহ ওনব্যতিরেকে ঐ নিম্প ত্তির তারিথহুইতে তিন মাদের পরে তাহা গ্রাহ্য হুইবেক না ও

^{*} ১৮২৯ সালের ১ আইন প্রকাশ হওনঅবধি আপীল প্রথমত: রেবি নিউ ক্ষিদানর সাহেত্বের নিকটে ক্রিতে হইতে।

ইহাও জানান যাইতেছে যে সামান্যতঃ বোর্ডের সাহেবদিগের আপী লহওয়া ঐথ মোকজ্মার বিষয়ের অনুসন্ধান ও তদন্তকরণের আব শাক নাজি বরণ কালেক্টর দাহেরের করা শেষ রুবকারী দৃষ্টি ও বিবেচনা করিয়। যে২ মোকদ্দমাতে তাহারা ঐ কালেক্টরুমাছৈবের করা নিম্পত্তি অন্যায়েতে কি ভাত্তিক্রমে কি দন্দেহযুক্ত ছওনের কিয়া ঐ মোকদ্দমাতে ঐ কালেক্টর সাহেব যে । কাহ্য করিয়া থাকেন তাহা আইনের অন্যমত কি অসমপুর্ণ হওনের কোন কারণ না পান দেই২ মোক্দ্মার আপীল আরু কোন অনুসন্ধান ও বিবেচনাক্রণ ব্যতিরেকে ডিস্মিষ্ করিতে পারেন ও ইহাও জানান যাইতেছে যে কালেক্টরসাহের গরহাজিরহ ওন কি অন্য ক্রটিকরণপ্রযুক্ত মোকদ্দ র্ভের সাহেবের মো মার বিষয়ের যাথার্থ্যের অনুসন্ধানকরণব্যতিরেকে তাই। ডিসমিস ক্রিলে বোর্ডের সাহেবের। তাহার পুনর্বার বিচার ও নিক্পত্তি করি বার ত্রুম ঐ কালেক্টর দাতেবকে দিতে পারেন এবণ উপযুক্ত হেত্ থাকনব্যতিরেকে কলেক্টর্সাহের কোন মোকদ্মার ভদ্য কি নিম্পত্তি করিতে ডাচ্ছলা কি বিলম্ব করিলে বোর্টের মাহেবের। আপ নার্দিগের হুকুমক্রনে ঐ কালেক্টর সাহেরকে দিয়া অবিলম্বে ঐ মোকদ্মার তদন্ত ও নিষ্পত্তি করাইতে পারিবেন ইতি 🗀 ১৮২২ मा। १ जा। १३ था। ५ था।

ঐ আপীল হই ल लार्डित मार्छ বেরা যেমত করি দেন ভাছার কথা।

যাহা হইলে বো কদমার পুনবিংচার করণের ভক্ষ দিতে পারেন ভাহার ও গুৰাতে গুৰুলা ও গৌণকরার নিবার ণার্থে যাহা করি বেন ভাহার কথা।

৬৩। ঐং আপীলের মোকদমাতে আপীলের দর্থাস্তব্যতিরেকে আর কোন মওয়াল জওয়াবের আবিশাক নাছি এবং যে কাগজ হইলে যে মওয়াল প্রথমেতে দাঝিল হইয়া থাকে তাহার কিয়া বোর্ডের সাহেবেরা অন্য যে লিথিত নিদর্শন তলব করা উপযুক্ত ব্কেন তাহার কোন ফাস লওয়া যাইবেক না ইতি।—১৮২২ সাঁ। ৭ আ। ২৯ প্রা। ২ প্র।

বোর্চে আপীল ও জওয়াবের আব শ্যক্ হইদেক ভাষা

৬৪। ঐ ফরিয়ারী কি আদামী প্রথমে ঐ মোকদ্দমাতে যে মোখার কি উকীলদিগ্কে তাহার সওয়াল জওয়ার করিবার নিমিত্তে নিযুক্ত করিয়াছিল ঐ মোগ্রার কি উকীলেরদিগকে ঐথ মোকদ্বমার আপী লের কালে নিযুক্ত করা যদি উপযুক্ত বুমে তবে তাহার্দিগের স্থানে সে নিমিত্তে নৃতন কোন মোখারনামা কি ওকাল্থনামা তল্ব করা যাইবেক না ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ২১ গা। ৩ প্র।

৬৫। আসামীকে ঐ আপীলহওনের এত্তেলানামা দিতে হইবেক কিন্তু তাহাকে স্বয়° কি উকীলের দারা হাজির হইবার তুকুম হই বেক না এব ে ঐ আসামী গ্রহাজির হইলে ও হাজির হইলে যেমত করা যাইত দেই মত ঐ মোকদমার ভাবগতিক দেখিয়া তাহার আ পীলের নিষ্পত্তি করা যাইবেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ২১ গা।

আসামীদিগকে এরেলানামা দেও য়া যাইবার কিন্তু তাহার দিগকে ডিব হটবার ভক্ম মা হইবার কথা।

৬৬। কালেক্টর সাহৈব**দিগের** সরাসরী বিচারপূর্ম্বক করা নিষ্প ত্তির বিষয়ে বোর্ডের সাহেবদিগের নিষ্পত্তি চূড়ান্ত হইবেকও তাহার র নিষ্পতির বিষয়ে

সরাসরী বিচারে

বোর্ডের নিষ্পত্তি চু রুবকারী পারদী ভাষাতে ২ দুই টাকা মূল্যের ইফ্টায়ু কাগজে শেখা णान्न बहेरात कथा। तारा मिख्या याहेरतक हेकि।—১৮২२ मा। १ আ। २२ था। ৫ প্র।

৯ ধারা।

সালিসীতে মোকদমার অর্পণ করণ।

কালেক্টর সাহে फ्या मालिमिनिशदक অর্পণ করিতে পা রিবার কথা।

৬৭। এই আইনানুসারে যে সকল মোকদ্দমা কালেক্টর সাহেব বেরা কৌন থ মোক দিগোর এব ে কালেক্টরের ক্ষমতাপায় অন্য সাছেবলোকের বিচার যোগ্য হয় এবং ভূমির কিয়া তাহার পাটাদির কিয়া তাহাতে যেং মুত্র থাকে তাহার বিষয়ে যে কোন মোকল্লমা কি বিবাদ উপস্থিত করা যায় তাহার উভয় পক্ষ যদি সালিসের দ্বারা তাহার নিম্পত্তি হাওনেতে সন্মাত হয় তবে ঐ সাহেবেরা ঐথ মোকলমা নিষ্পত্যার্থে মালিমেতে সমর্পণ কবিতে পাবিবেন এবণ মালিমের দ্বারা ভাহার নিষ্পত্তি হইলে তাহার মতাচরণ করাইতে পারিবেন ও এই প্রকর ণানুসারে সালিনের বিচারেতে মোকজ্যা সমর্পণের বিষয়ে এবং ঐথ মোকদ্দদাতে তাহারা যেথ কর্ম করিবেক তাহার বিষয়ে ইঙ্গরে জী ১৭৯০ সালের ১৬ আইনেতেও তদনুরূপ অন্যথ আইনে এবং ১৮১৩ সালের ৬ আইনেতে যেথ হুকুম লেখা গিয়াছে তাহার যে পায়ান্ত ঐ বিষয়েতে সম্লুর্ক রাথো সেই পাষ্ট্যন্ত কালেকটর সাহেব আ পন কগ্যোপদেশ জ্ঞান করিয়া তদনুসারে কাগ্য করিবেন এব ১ মা

দ্মার নিষ্পত্তিয়ে মত প্রবল হইথেক তাহার কথা।

ঐ সমর্পিত মোক ঞির্দিগকে তল্য করিবার ও তাহার্দিগের জোযানবন্ধী লইবার এব ে তাহার্দিগকে দিব্য ক্রাইবার বিষয়ে মালিস্দিগকে ঐং আ ইনের লিথিত ক্ষমতাপণি করিতে পারেন এব॰৲ আদালতের সাহেব দিগকে অর্পণহওয়া ক্ষমতাক্রমে ঐ ক্ষমতাপন্ন সালিদেরদের করা হুকুমের মতাচরণ করাইতে পারিবেন ও দালিদদিগকে দমর্পণকরা মোকদ্দমাতে যে দকল নিষ্পত্তি হয় তাহা কালেক্টর্সাহেবের নিক টে মঞ্র হউলে আদালতের হুকুমের মত প্রবল হউবেক এব॰১ ঘূর ইত্যাদি লওন কিয়া স্লুফ্ট পক্ষপাতকরণ কি সালিসীতে সমর্থণছওঁয়া মোকদ্দমার উভয় পক্তে দালিদদিগকে যে ক্ষমতা ওভার অর্পণ ক রিয়া থাকে তাহার অতিক্রমকরণ অপবাদরূপ হেত্বাতিরেকে সালি দেরদের করা নিম্পত্তি রদ কি মতান্তরহওনের যোগ্য হউবেক না এন ১ ঐ অপবাদের হেডু জিলা কি শহরের আদালতে কি তাহাহ ইতে বড় অনা যে আদালতে তাহার মোকদ্দমা বিচারযোগ্য হয় সেই আদালতে জাবেতামতে নালিশ করিয়া প্রমাণ করিতে হইবেক ইতি--১৮২২ সা। ৭ আ। ৩৩ ধা। ১ পু।

সালিসেরদের দ্বা গ্য মোকদ্দমার বি ষয়সকল কালেক্ট র সাহেবের ফ্রকা

৬৮। দালিদেরদের নিকটে বিচারার্থে কোন মোকদ্মা সমর্পণক রা নিষ্পরিহওনযো রণের কালে কালেক্টর সাহেব আপন রুবকারীতে ও উভয় বিবাদির দন্তথাৎ করণীয় সালিসনামাতে ঐ মোকদ্দ্যাসমুকীয় যেং বিষয় নিষ্প ন্তার্থে তাহারদিগ্কে সমর্পণ করা যায় তাহার বেওরা বিশেষিয়া লে থাইবেন এব॰ সালিসেরদের প্রথম করা নিচ্পত্তিযদি তাহারদিগের

নিকটে সমর্পণকরা সকল বিষয়ব্যাপক না হয় কিম্বা আর কোন প্র রীতে বিশেষিয়ালে কারে অসমপূর্ণ হয় তবে কালেকটর সাহেব তাহারদের প্রতি ঐ খাইতে হইবার ক निष्णानि मञ्जूर्वेत्राय कतिवात क्रिका किया थे (प्राक्रम्म जाहातरम्ब था। নিকটে পুনর্বার সমর্পণ করিতে পারেন ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ ৷ ৩৩ ধা ৷ ২ প্র ৷

৬১। উপরের লিথিত হুকুমানুসারে যে কোন মোকদ্বমা সালিস দিগকে সমর্পণ করা যায় চলিত আইনের মধ্যে বিরুদ্ধ কোন কথা দীলদারেরা দালি থাকিলেও প্রগ্নার কানুনগোদিগ্কে ও তহ্সীলদার্দিগ্রে সালি দীতে নিযুক্ত করা যাইতে পারিবেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ৩৩ পা। ৩ প্র।

কানুনগো ও ভচ সীতে নিযুক্ত হইতে পারিবার কথা।

৭০। ইঙ্গরেজী ১৮২২ দালের ৭ আইনের ৩৩ ধারার অতিরিক্ত একণে তুকুম হউতেতে যে ১৮২২ দালের ৭ আইনের তুকুমক্রমে দালের ৭ আইনে যে কালেক্টর সাহেব অগবা অন্য কোন কাগ্যকারক সাহেব বন্দো বস্তু করিতে নিযুক্ত হন তাঁহারদের সন্মুখে কোন বিষয় উপস্থিত হুইয়া থাকিলে যদি **ঐ** দাহেবদিগের এমত বোপ হয় যে ইহার নিফাত্তি দালিদদিগের দারা মথার্থ হউবেন্ধ তবে ঐ কালেকটরপ্র ভতি সাহের কর্তস্কারিরেবিনিউর সাহেরদিগের হুকুমক্রমে যত দিব সের মধ্যে দালি দদিগের করা নিষ্প ন্তি উভয় বিবাদির দাখিল করিতে ছউবেক এমত এক মিয়াদ নিরূপণ করিতে ক্ষমতাপন্ন হউলেন ইতি। রিডে নিযুক্ত হন তাঁ -- ১৮ ৩৩ সা। ১ আ। ৫ পা।

इस्टबजी ३४२२ র ৩৩ ধারার অতি রিক এফণে হুক্ম হইতেছে যে ঐ আ ইনের ভক্মক্রমে যে কালেকট্র কি অন্য কাহ্যকারক সাহেব বন্দোরস্ক ক হার সমক্ষে উপস্থি ত হওয়াকোন বি বর সালিসের হা তে সোপদ করিয়া কড়জ্জ কারি রেকি নিউর সাহেখদিগে র ভক্ষমতে উভয় दिवामी ये मालिएम র করা নিঞ্পত্তি দা থিল করিবার মিয়! দ নিরূপণ কবিতে ক্মতাপন হইবাব

৭১। তাহা হইলে যদি উভয় বিবাদী ঐ নিরূপিত মিয়াদের মধ্যে শালিসের করা নিষ্পত্তি দাখিল করিতে অম্বীকার বা ত্রুটি করে তবে কালেক্টর বা অন্য কার্য্যকারক সাহেব ঐ বিবাদের নিষ্পত্তিকরণের অর্থে তিন বা পাঁচ অপক্ষপাতি এব॰ উপযুক্ত ও মাতবর ব্যক্তিকে অম্বীকার বা ক্রটি

উভয় বিবাদী নি রূপিত মিয়াদেব ম থ্যে সালিদের ফয় সলা দাখিলকবণে করিলে কালেকটর বা অন্য লাহ্যাকার ক সাহেব ঐ বিষ য়ের ভলবীজ কবি

কথা।

বং যে প্রকার লো ত্ৰ পঞ্চাইত পাৰ্য্য ক ता महित्यक अहरि কথা।

এইমতে ধার্যাফ

থোইত যেক্রপে কা হ্য করিবেন ভাষার ১ আ। ৭ গা। বিষয়ি জকম ঠাল तरमञ् উপদেশের নিমিয়ে নিৰ্দিট ক বিবাব কথা।

র্যাক্রা পঞ্চিত্রের র কথা।

নার অর্থে পঞ্চাইত পঞ্চাইতরূপে আহ্লান করিয়া ভাঁছারদের হাতে ঐ বিষয় সোপর্দ আন্ধান করিবার এ করিবেন ইতি।—১৮৩৩ দা। ১ আ। ৬ পা।

৭২। উভয় বিবাদির কথা ও সাক্ষ্য শুনিয়া অথবা উভয় বিবাদির রা পাঞ্চিত যে প্র মধ্যে কোন এক জন সাক্চাইত্যাদি না দিয়া গরহাজির থাকিলে কে কারে হলবীজ ও ফ বল হাজির্থাকা ব্যক্তির কথা ও সাক্ষ্য শুনিয়া পঞ্চাইত আপনার দি য়সলা করিবেন হা গোর মত জানাইবেন এবং তাধিকাংশ ন্যক্তির করা মতান্সারে ডি ক্রী লেখা যাইবেক কর্তৃত্বকারি রেবিনিউর সাহেবেরা সময়ক্রমে এই কতৃত্বকারি রে কার্য্যে নিয়ক্তহ ওয়া কর্মাকারক অথবা পঞাইত যেরূপে কাষ্য নি বিনিউর সাহেতবেরা ফাত্তি করিবেন তাহার তকুম তাহারদের উপদেশের নিমিত্তে যেমত কার্য্যকারক বা প উচিত বোপ করেন্ সেইমত নির্দিষ্ট করিবেন ইতি।—১৮৩৩ সা ।

৭৩। এই প্রকারে নিক্সভিত ওয়া বিষয়ের উপর কোন আপ এই প্রকারে পা ভুটলে ভাছা খুনা ঘাইনেক না এবং ঐ নিফাত্তি তৎক্ষণাই হ হউয়া বহাল পাকিবেক কিন্তু ক্মিদ্যুন্ত্ৰাছেৰ বিশেষ কাৰ্ণপুত্ ত্রা কর্মলার তব র যে আপীল হট ঐ বিষয় অমা পঞ্চাইতের ছাতে নিসেচ্যার্থে গোপদ করা উ তে পারিকেক তাতা বোপ করিলে ঐ নিজ্পতি তারী কউবেক না যদি মদর বোড রেনি উর সাহেরেরা ঐ বিষয়ের তকুম দেন ইতি ।--১৮৩৩ সা। ১ ব 1-1N d

উপরের উক্ত छ मुला । अत्यक्षीतम् ণের অথে নালিশ উপস্থিত হউলে এস চাসমেত তাত, নন जुष्ठे बङ्गेद(तु दर्था ।

যার অর্থে নালিশ উপস্থিত হুইলে খার চাসমেত তাহা মন भूषे बहेबात कथा।

৭৪। উপরের উত্তত্তকুদানুদারে যাখার নিক্পরিভার ডাছা ৰ কুল্লতে করা ফল থাকরণার্থে সদি কোন আনালতে কোন মোকজ্লা উপস্থিত স যাম তবে খবচাসমেত ঐ মোকজমা নন্মট হইবেক ইতি। ->৮ मा। 2 जा। 2 था।

৭৫। ঐ পুকারে নিদিষ্ট হকুমক্রমে যে নালিমেরা নিযুক্ত এ মত্র _{মালিসের} তাঁহারদের ক্রমলার দৃষ্টে ডিক্রীর দ্বারা ক্ষতিহ ওয়া শমুত্তি পুন ফুরা ফ্রুসলার দু পাইবার নিমিত্তে তাঁচার্দিগের নামে স্বতন্ত্র অথবা একত ে টে ফ্ডিইওয়া স আদালতে নালিশ উপত্তি হাইলে গ্রচাধ্যেত ঐ মোক্দমা নন্ শ্বিপুনরায় পাই হইরেক ইতি।—১৮৩৩ না। ১ আ। ১০ পা।

১০ ধারা।

দথল বিষয়ে বিবাদ।

৭৬। যদি কালেক্টর সাহেব কিয়া ভূমি ও বাটীইত্যাদি বেদ मशास्त्रका विश्वस বিবাদ ১ইলে কা কি দ্ধালের প্রতিবন্ধকতাকরণের দাওয়ার বিষয়ে এই আইনানুষ

কালেক্টর সাহেবদিগের যে ক্ষমতা আছে সেই ক্ষমতাপ্রাপ্ত অন্য লেক্টর সাফের আ কোন সাহেব মাজিষ্টেট সাহেবের কিয়া সরকারের অন্য কোন কার্য্য প্রন^{্তি বিশে}ন্দানুসা কারকের দেওয়া স্মাচারেতে কি অন্য কোন প্রকারে ইহা জানিতে ^{রে মাহাণ করিতে} পারেন যে তাঁহার অপিকারের শীমার মধ্যে কোন ভূমি কি বাটা পারেন ভালার ক ইত্যাদি কি ফদল কিয়া ফলের বাগান কি পণ্ডচারণের ভূমি কিয়। মংস্যাপরণের অলাশয় কিয়া কপ কি জলের নৌতাইত্যাদি কিপ্নয় বিণী কি খোদা থাতইত্যাদির বিষয়ে এমত বিবাদ উপস্থিত হইয়াছে যে তাহাতে হলামাহওনের মন্তাবনা আছে তবে ঐ কালেক্টর কি প্রের্জি অন্য কাহ্যকারক সাহের ঐ বিবাদের উভয় পঞ্চেরে নির পিত সময়ে ও স্থানে স্বয়ৎ কি মোখারের দার। হাজির হইতে ছকম দিতে পারিবেন এব^ ঐ উভয় বিবাদির কিয়া তাহারদের গোগ্রার দিগোর কিয়া ভাষার নিগের মধ্যে যেথ জন ছাজির হয় ভাষারদের দাক্ষা≗কারে ঐ ধিবাদের বিষয়ের অনুসন্ধান ও তদন্তুকরণানন্তর কিয়া উপরের নিথিতমত দালিদেরদের ম্বানে তাহা সমর্পণকরণা न एत थे छे जप निवासित भारता रकान एन छ। जात निकरणे थे नियरण নালিশ দরপেশ করিলে যেমত করিতেন নেই মত ঐ বিবাদের নিজ্পত্তি করিতে পারিষেন ও ইছাও জানান যাইতেছে যে ঐ তুনি র কোন পক্ষেত্রদে ইত্যাদির পুর্সের উচিত ভোগদখলের নির্ণায় হইতে না পারিলৈ খুল দেওয়াইটে পা কালেক্টর শাহের বোর্ডের হুকুমের অধীন চায় হাছার স্বস্তাধিকারের ^{বিহার কথ}ে। নির্ণয় কবিতে ও তাহা উভয় পক্ষের এক পঞ্চের দুখলে রাখিতে পারেন ও অনা পক্ষ ঐ নিফ্পত্তির বিরোধে আদালতে জাবেডাগতে নালিশ কবিতে পারে কিন্তু কোন কালেকটর সাহের ঐ ভুম্যাদির ভোগদখলের অনুসন্ধান সাবধানপূর্দ্ধক কর্ণব্যতিরেকে ঐ প্রকার নিক্পত্তি করিতে পারিবেন না ও বোর্ডের নাছেবেরা এ বিষয়ে বিল ব বিবাদের ভ্রম্যা ক্ষণ মনোযোগ রাখিবেন যে ঐ অনুসন্ধান করা যায় ও ইছাও জানান^{িদ} জোক করিছে যাইতেছে যে **এং প্র**কার হইলে কালেক্টর সাহেব পূর্কোক্ত বিবা ^{পারিব।}র কথা। দের ভূমি ও বাটীইত্যাদি ক্রোক করিতে ও তাহার কাগ্যের কর্তৃত্ব করিবার নিমিত্তে উপযুক্ত কোন জনকে নিযুক্ত করিতে পারেন্ এবণ্ম ঔ ভূম্যাদির বাবঁৎ থাজানা কি উৎপন্ন কিয়া তাহাতে সরকা বের যে রাজিম্ব পাওয়া যায় তাহা ও তাহার কার্য্যের কর্টন্মের এরচ আদায়হওন বাদে অবশিষ্ট যাহা থাকে তাহা ঐ বিবাদের বিষয় উভয় পক্ষের এক পক্ষের দগলে রাগণপগান্ত আমানৎ রাথিতে পাবিবেন না ইতি। - ১৮২২ সা। ৭ আ। ৩৪ খা। ১ প্র।

এবৎ উভগ প্রফ্রে

ক'লেক্ট্র সাজে

৭৭। যদি কোন মাজিয়েট্ট কি জাইণ্ট মাজিয়েট্টেমাহেবের নিকটে ভূমির কি বাটীইত্যাদির কি ফসলেরকি জলের সোঁতাইত্যাদির বি ^{জিত্টুেট} ও ভাইট ষয়ে এমত কোন বিবাদ যাহাতে হঙ্গামা হইতে পারে কিয়া অন্য হে মাজিফুট সাহেব তুতে এমত বোধ হয় যে ঐ বিবাদের নিষ্পত্তি শীঘু করা আবশ্যক তাহার বাবৎ কোন মোকদ্মা কি নালিশ কি আর্জী উপস্থিত হয় মা সমর্পণ করিবেন তবে কালেকটর দাহেব ঐথ মোকদমার বিচার ও নিম্পাত্তি করি ভাগার কথা। वात क्रमण ताथिल ये माजिए हो कि जा है ऐ माजिए हो मारह व ये का

যাতা হউলে মা কালেকটর সাহেরে র নিকটে মোকদ লেক্টর সাহেবকে তাহা জানাইবেন এবণ কালেক্টর সাহেব তৎ ক্লণে উপরের লিখিত হুকুমমতে ঐথ মোকদ্মার বিষয়ের অনুসন্ধান ও নিষ্পত্তি করিতে পুরুত্ত হইবেন ও ইহাও জানান যাইতেছে যে বলক্রমে বেদখল কি দখলের ব্যাঘাতকরণের বিষয়সকলে কালেক টর সাহের ঐথ মোকলমাতে প্রথমতঃ আপনি যাহা করিয়া থাকেন তাহার এবণ তাহার শেষ নিষ্পাত্তির কুবকারীর নকল মাজিষ্টেট্ কি জাইণ্টমাজিষ্টেট্ সাহেবের নিকটে অবশ্য পাঠাইবেন ইতি।---১৮२२ मा। १ जा। ७८ था। २ थ।

কালেকটর সা ৭৮। ঐং মত মোকলমা উপস্থিত হইলে যেমত দেওয়ানী আদাল মোকদমার তের সাহেবদিগের নিমিত্তে ত্কুম আছে সেইমত কালেক্টর সাহেব নিম্পত্তি সালিসের তাহার উভয় পক্ষেরে ঐথ মোকদ্দমা নিষ্পাত্তার্থে দালিদের্দিণের নি কর্টিবার দারা কটে সমর্পণ করিতে উপযুক্ত যতুপূর্ব্যক প্রবৃত্তি লওয়াইবেন ইতি। প্রবৃত্তি দিবার কথা। ->৮२१ मा। १ जा। ७८ था। ७ था।

নাহা হইলে কা লেকটর সাহেবের। অন্যায়পুর্বাক প্রাহ্য করিতে পারি বেন ভাষার কথা।

৭১। যে কোন কালেক্টর কি অন্য কাগ্যকারক সাহেব কোন মহালের বন্দোবস্থ করেন কি তাহা পুনদ্টিপূর্মক খপরেন দেই দা হেনের নিকটে যদি কেই এমত দাওয়া করে যে আমি ঐ মহালের ল হওনের নালিশ মধ্যের অমুক ভূমি কি বাটীইত্যাদি কিয়া ফদল কি ফলকরার বাগান অথবা প্রস্তারণৈর ভূমি কিয়া মৎনাগরণের জলাশয় কি কৃপ কিয়া জলের শোঁতা কি প্রারিণী কি অন্য কোন জলাশয় কিয়া প্রেরাক্ত ঐ ভূমি কি বাটীইত্যাদির থাজানা কি উৎপন্ন কিয়া তাহাতে যে মুনাফা হয় তাহাহ্টতে অনাায়ক্রমে বেদ্ধল হইয়াছি কি তাহা দ্থলকরণেতে অন্য জনহইতে ক্লেশ পাইতেছি তবে কালেক্টর কিয়া পূর্ব্বোক্ত অন্য দাহেব তাহার তজবীজ করিতে পারিবেন এব°১ যদি বোধ হ্য যে ঐ ফরিয়াদী যে দনে ঐ ফরিয়াদ করিয়াছে তাহার পূর্বাসনে ঐ ভুমাাদিতে দথীলকার ছিল এবণ তদ্ভিন্ন যদি ইহা বোধ হয় যে ঐ ফরিয়াদী বলক্রমে কি অন্যায়েতে বেদখল হইয়াছে কিয়। ক্লেশ পাইয়াছে তবে কালেক্টর সাহেব তাহাকে ঐ ভুম্যাদিতে পুনর্কার দথল দেওয়াইতে কি তাহার দথল বহাল রাখিতে পারি বেন ও আপনার করা নিষ্পত্তির যে২ হেতু থাকে তাহা রুবকারীতে লেখাইবেন এবণ তাহা হইলে তাহার প্রতিবাদী তাহা ন্যায় কি অনাায় ইহা জানিবার নিমিত্তে আদালতে জাবেতামতে নালিশ করিতে পারিবেক ও ঐ মত কোন কালেক্টর কি পূর্ব্বোক্ত অন্য কার্য্যকারক সাহেব যে মহালের বন্দোবস্তু করিতে কি তাহা পুনর্দৃষ্টি পূর্মক শুধরিতে থাকেন্ দেই মহালের মধ্যের ভূমি কি বাটীইত্যা

> দির দথলের বিষয়ে এমত কোন বিবাদ আছে যে ভাছার নিষ্পত্তির প্রয়োজন আছে ইহা ঐ কালেক্টর কি অন্য কার্য্যকারক সাহেব যদি জানিতে পান তবে ঐ সাহেব তাহা যাহার দ্থলে থাকন উপযুক্ত তাছার দুখলে রাখিবার নিম্পত্তি করিতে পারিবেন ও যদি তাছার অপিকারিত্বের বিষয়ে আরু কোন বিবাদ উপস্থিত থাকে তবে তাহার

তাঁহার করা নিম্প ত্তির উপর আদাল তে আপীল হউতে পারিবার কথা।

নিষ্পত্তি জাবেতামতে আদালতে নালিশহওনের দ্বারা হইতে দিবেন ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ১৪ ধা। ৪ প্র।

৮০। যে জমীদার কিম্বা তাবে পার্টীদার সে ইজারদার কি রাই র্থ হউক পাটাইত্যাদি বিশেষ নিদর্শনদ্বারা কিয়া আবহুমান ভোগ দথলের দারা দথলের অপিকারপ্রাপ্ত হইয়া থাকে দেই জ্যাদার কি পাউাদার পূর্ব্ব দনে তাহার দথল এবং আবাদকরা ভূমিহইতে অন্যা য়েতে বেদখল হইলে কিয়া ঐ বেদখলছওয়া ব্যক্তি পূর্ম দনে ঐ মত কোন ভূমির যে থাজানা কিয়া মুনাফা পাইয়াছে তাহা ত্যাণ কি পরিতাান যাহাতে হয় আদালতের এমত কোন ছকুম কিয়া ঐ নেদ্থলহওয়া ব্যক্তির স্বেচ্ছাপূর্ব্বক কোন ক্রিয়াকরণবাতিরেকে তাহা হইতে অন্যায়ক্রমে বেদখল হইলে উপরের লিখিত হুকুম তাহার নিসয়ে সম্লুক রাখিবেক কিন্তু দখলের দাওয়াদার ব্যক্তি য়দি তাহা দশলের ইস্থাকা দিয়া থাকে তবে ঐ ইম্থাফা বলক্রমে কি ভয় দর্শা রেতে সম্পর্ক রাখি ইয়া লওয়া গিয়াছে ইহা কোন আদালতের বিচারদ্বারা নিশ্চয় না হইলে ঐ পূর্মোক্ত হকুম তাহাতে থাটিবেক না এবং যে দনে দাও য়া উপস্থিত করা যায় তাহার পূর্ম্ম দনের আরষ্ট্রের পূর্ম্মে ঐ দাওয়া দার ঐ দথল ছাড়া হইলে কি ছাড়িলে তীহাতেওঁ থাটিবেক না ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ১৪ পা। ৫ প্র।

যে প্রকারেতে উ পরের লিখিত ভর ম সম্পর্ক রাখিতেক তাহার কথা।

ঐ হুকুম যে প্রকা বেক না তাহার ক

১ ১ পারা।

সরাসরি বিচার অন্যথা করণার্থ জাবেতাগতে নালিশ করণ।

৮১। যে কোন জন কালেকটর সাহেবের কিম্বা বোর্ডের সাহেব দিগের <mark>দরাদরীমতে করা বিচার ও নিম্পত্তিতে অসন্মত হইয়া তাহা বং</mark>কালেক্টরের অপেক্ষা পূর্ণরূপে ও দাঁড়ামতে বিচার ও নিষ্পত্তি হইবার ইচ্ছা নিষ্পত্তির করে দেই জন জিলার আদালতে কিয়া তাহার মত কি তাহাহইতে বড় আর যে কোন আদালতে সে মোকদ্দমা গ্রাহ্য হইতে পারে সেই আদালতে ঐ মোকদমার বিষয়ের যথার্থ জানা যাইবার কারণ জাবে তামতে নালিশ করিতে পারে এব^ তাহা হইলে কালেকটর দাহে বের করা সরাসরী নিষ্পত্তি যদি বোর্ডেতে মতান্তর কি রদ করা না গিয়া থাকে তবে তাহার উপর জাবেতামতে আদালতে নালিশ উপ স্থিত হইলেও ঐ কালেক্টর সাহেবের করা সরাসরী নিচ্পান্তির মত কার্য্য হইবেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। ২৯ পা। ৬ প্র।

কিন্তু বোর্ডের এ আদালতে জাবেতা মতে নালিশ হউতে পারিবার কথা।

৮২। ইহাও জানান যাইতেছে যে এই আইনের ১১ ও ১২ ও ১৪ ও ১৫ ও ১৬ ও ১৭ ও ১৮ ও ১১ ও২০ ধারানুসারে কালে ক্টর দাহেবদিগ্কে যে ক্ষমতাপণ করা গিয়াছে দেই ক্ষমতাক্রমে তাঁহারা কোন মোকদ্দমাতে নিষ্পত্তির ছকুম দিলে যদি উভয়ের কোন পক্ষ তাহাতে অসমত হইয়া জানেতামতে আদালতে তাহার নালিশ উপদ্বিত করে তবে দেই নালিশ দেওয়ানী আদালতে সরা

স্রীরূপে হওয়া নিষ্পত্তির উপর জারেতামতে হওয়া আপীলের ন্যায় বোধ করা যাইবেক অতএব এমত মোকল্মাতে কালেকটল পাহেবের কি দরকারের অন্য কোন কার্য্যকারক মাহেবের বাদী কি প্রতিবাদী হওনের প্রয়োজন নাহি ইতি। - ১৮২২ সা। ৭ আ ২৩ ধা। ২ পা

কালেকটৰ সাহে ৰ আমালতে আপী ল হউলে মোকদমা ব সহয়ে কাগড় ওল য হট্যার ও ভাষা মিদিনের মধোরা থা সাইবার কথা।

ঐ প্রহার আপী গা কোন রেজিফীর মাণ্ডের ও সদর আ भीन उ भनत्मरकत् निकट्डे टिइ.ध्रा कि हेरात द्रथा ।

৮৩। কোন কালেকটর সাহেবের সরাস্বী বিচারপর্বাক কল। বের নিখ্পতির উপ নিক্পত্তি মতান্তর কি রদ করিবার নিমিত্তে আদালতে যথন তাবেত। মতে নালিশ দরপেশ হয় তথান ঐ আদালভহইতে ঐ সরাম্রী বিচা রসমুর্কীয় সমস্ত কাগজ তলবের ছকুম হইবেক ও ঐ কাগজ ঐসোক দ্নার মিদিলের শামিলে রাথা যাইরেক ইতি। -১৮২২ সা। ৭ আ। १३ ४। १ थ।

৮৪। ইহাও জানান যাইতেছে যে ঐ মত কোন গোকদ্বনা কোন লের কোন মোকন্দ রেজিউর কি সদর আমীন কি মুন্সেকের বিচার্যোগ্য ও ভাহার্দের নিকটে সমর্পণেরো যোগ্য হইবৈক না এবপ এই আইনের ভ্রুচান মারে কালেকটর কিয়া তহমীলের ভারাক্রান্ত অন্য মাহেরের করা নিষ্পত্তি এব॰১ রুবকারী ভাষা বোর্ডে কিয়া জিলার কি ভাসার ভ্রা ষা সম্প্রীয় না হ কিয়া তাহা অপেঞা বড় অন্য কোন আগালতে জাবেতায়তে না লিশ হউয়া রদ কি মতান্তর না হউলে তাহ। কোন বেজিইট্রসাহের কি শদর আমীন কি মূনদেফ আপনার্দিগের নিকটে উপস্থিতহত্ত মোকদমার বিচারকরণে উল্লহ্ন করিতে পারিবেন ইতি। -১৮২১। ना। १ जा। ७५ सार था।

এই আইনের কি ধা অনা কোন আ ইনের লিখিত বোর্ড ক্মিসান্ত ইত্যাদি শদের অর্থের ক

বার কথা।

৮৫। বোর্ড রেবি**নিউর কি বো**র্ড কমিদ্যানর এইং শব্দ এই আই নেতে কিয়া আর কোন আইনেতে যে২ স্থানে লেখা যায় দেউ২ স্থানে ঐই শব্দে কোন বোর্ডের কিয়া কমিটির কি কমিদ্যানের সাত্তে (वत्। धन॰ थे বোর্ডের কি কমিটির কি কমিদ্যনের সাহেবদিগের মধ্যে যে কোন দাহেব এীয়ত নওয়াব গবর্নর জেনরল বাহাদুরের কালেকটর সাহে হজুর কৌন্সেলের হুকুমমতে বোর্ড রেবিনিউর ক্ষমতাপ্রাপ্ত হন সেই বের সম্পর্তীর ছক্ম সাহের বিশেষরূপে অন্য প্রকার কহন এবং ত্রুমকরণবাভিরেকে নকল নরকারের ত বোপ করা যাইবেক ও ঐ মত এই আইনে কিয়া আরু যে কোন কুমের দারা কালে আইনেতে কালেক্টর দাহেবদিগের বর্ত্তব্য কর্মানিরপণের কিয়া ক্টরের ক্ষমতাপ্র। তাঁহারদি**গ্কে ক্ষমতা**র্পণের অর্থে যে সকল ভ্**কুম লেখা** যায় সেই ও অনাং সাহেৰের সকল হকুম এয়াত নওয়াত গবন্নন্ জেনরূল বাহাদ্রের হজুর কৌন্সেলহইতে অন্য যে সাহেবেরা কালেক্টরের ক্ষমতাপ্রাপ্ত হন্ তাঁহারদি**গের দহিত সম্মর্ক রা**থিবেক ইতি।—১৮২২ সা। ৭ আ। এঃ ধা।

৮ অধ্যায়।

রাজয় আদায় করণ এবং নাকী রাজয় আদায়ের নিমিত্ত ভূমি নীলাম।

১ ধারা।

সাগারণ বিপি।

১। আইনের মধ্যে ভূমাপিকারী যে শব্দ লেখা যায় তাদার অর্থ এই যে২ জমীদার ও ইছুরী তালুকদার ও অন্যু২ ভূমির কতা রীওইছারদারের: भीयनर इभित्र मालधनाती राजुरत करत अशाता**र इ**माधिकाती उलटिशीत जल्प সনিবেন ও দেই দকল ভূমাপিকারী এব°৲ উভারদারেরা আপনার ^{জ্ঞানা} করিয়া আ নিমের ফরারথাদের মাস্থ কিস্বিক্ষী মাফিক মালগুজারীর যে টাক। ভালা খান্স কিস্তি ৰেবা ভাষা ভলৰচি**টার অপেকা না** করিয়া আ**লামি মাদের ১ পহি**্দী মানিক আলা ন। ভারিথে কিন্তা তাহার পূর্বে কালেক্ট্র মাহেন্দিগের থাজানা মি মানের ২ প্রি এমির অথবা ভাঁছারদিগের ভর্জ সজাওল কিয়া ভছ্সীল্ধার ওগর জা ভারিখে অথবা এই যাজারা **ডালার**লি**গের এলা**কার তহ**দীলের কার্য্যে নিযুক্ত থাকে** অভার পূর্ণে দাঝি াঁচারদিংগর নিকটে বিভাগ ত্বরা ও তাকীদে বেবাক দিবেঁক ইতি। -১৭১৪ না। ৩ জা। ২ ৯।।

সকল ভ্যাবিটা ল করিবার কথা।

২ । ধৰি কোন ভুলাধিকারী অথবা ইজায়দার কোন মাদের কিস্তির ীক। নমূদয় কিয়া কিছু তাহার প্রমাদের প্রথম দিনপ্র্যান্ত না দের শিরের। তল্ধী টা ১বে যে টাকা না দের তাহা বাকীর ন্যায় জানা যাইবেক ইতি।--११२०मा। १८ जा। १ था।

মালও গারের ক। যে সময়ে বাকী জানা গাইবেক তা হার কথা।

 । * ইফরেজী ১৭৯৬ দালের ১২ আইনের ও ১৮০০ দালের ৫ আইনের মধ্যে মালগুজারীর বাকী আদায়ের নিমিত্তে ভূমি নীলা মো বিনয়ে মাসাং লেখা গিয়াছে তাহা এব॰ ১৭৯৩ মালের ১৪ আইনের ৩ও ২৪ ও ২৫ গারার এবণ ১৭৯৫ সালের ৬ আইনের ৭ ও ৩১ ধারার এব ১ ১৭১১ দালের ৭ আইনের ২৩ ধারার ও ১৮০৩ সালের ২৭ আইনের ৩১ ধারার এবং চলিত অন্য যে২ আইনের যেথ কথার অনুসারে কালেক্টর সাহেবদিগ্কে হুকুম আ

জ্নাে তুক্ম রদ হটবার কথা।

^{&#}x27; রেবিনিউ সম্পর্কীয় সাহেব লোকের। বিবেচনা করেন যে এই বিধানের দারা রাজম্ব আদায় করণার্থে পূর্ব্ববৎ দাওয়া ও ভূমি ক্রোক্করণের নি গান্ত নিষেধ হয় নাই এইপ্রযুক্ত এই অধ্যায়ের ১২ এবং তাহার পর লি থিত ধারার মধ্যে রাজয় দাওঁয়া ক্রাতে ও ভূমি ক্লোক্করণের ভাবং বি ধান লেখা পিয়াছে।

ছে কি তাহার যে২ কথার অভিপ্রায়ে বোধ হয় যে তাঁহারা যাহার দিগের শিরে মালগুজারীর টাকা বাকী পড়ে কিয়া আর কোন পা ওনা চাহরে তাহারদিগের নামে তলবচিচী ও দস্তক কিয়া আর কোন হকুমনামা পাচাইতে পারেন কিয়া সেই বাকীদারদিগের অধিকার ভূমি কিয়া ইজারার ভূমি নীলামে বিক্রয়হওনের পূর্ব্বে কোক করি তে পারেন সে সকল কথা এবং পুর্বোক্ত আইনে কিয়া চলিত আর কোন আইনেতে মালগুজারীর বাকীর নিমিত্তে নীলাম হইবার কারণ ভূমি নির্দিষ্ট করিতে কিয়া তাহা নীলামকরণের সময় নির্ণয় করিতে কালেক্টর সাহেবিদিগের ক্ষমতা নির্পণকরণের কারণ যে২ কথা লেখা যায় কিয়া ঐ২ আইনের যে২ কথার অভিপ্রায়ে তাহা বোধ হয় সেই২ কথা যদি এই আইনেতে পুনর্বার তাহা বহাল থাকনের হকুম না হয় তবে রদ হইল ইতি।—১৮২২ লা। ১১ আ। ২ ধা। ২ প্র।

মালগুলারীর বা কীর নিমিতে যেং ভূমি নীলামহইতে পারিতেক তাহার কথা।

 ৪। ইপ্রেজী ১৭১৪ সালের ৩ আইনের ২ পারাতে এব° বারা ণদ ও দত্ত ও জয়করা দেশের বিষয়ে দরকারহইতে যে২ আইন নির্দিষ্ট হইয়াছে তাহাতে এমত লেখা গিয়াছে যে যে জমীদার দিগের সরকারেতে মালগুজারী করিতে হয় যদি তাহারদিগের শিরে মালগুজাৰীৰ মাছওয়াৰী কিমির টাকা বাকী পড়ে তবে প্রথমতঃ তাছার্দিগের জমীদারী তাছার দায়ী হউবেক এবণ যে দকল লো কেরা সরকারের সহিত বন্দোবস্ত করিয়া থাকে তাহারা আপনং ভূমির অধিকারী হউক অথবা ভূমির ইজারদার কিয়া কর্মাপ্যক্ষ ইউক তাহারদের ও তাহারদের জামিনেরদিগের সম্পত্তি ঐ মালগুজা রীর বাকীর দায়ে দায়ী হইবেক এক্ষণে এই আইমের দারা ইহা জানান ও হুকুম করা যাইতেছে যে ভূমির মালগুজারীর কালেক্টর সাহেবেরা বোর্ড রেবিনিউর সাহেবিদিগের কি**য়া ঐ** সাহেবদিগের ফ্মতাপন্ন অন্য সাহেবদিগের সম্মতিতে এই আইনে কিয়া অন্য কোন আইনেতে বিশেষরূপে নিষেধ ও বিধির অর্থে যে২ হুকুম লেখা যায় কেবল তাহাই মানিয়া যাহারা দরকারের সহিত বন্দেবিদ্ধ করিয়াছে তাহারদের স্থানে মালগুজারীর বাকীর কিয়া তাহার দুদের অথবা রাজম্বস্থরপ আর কোন পাওনার টাকা উদুলের কারণ তাহারদিগের নিকটে তাহা তলবের নিমিত্তে হুকুমনামাইতাদি পা ঠান গিয়া থাকে বা না থাকে বৎসরের মধ্যে কোন সময়ে সেই বাকী আদায় না হইলে উপরের লিখিতমত আচরণ করিতে পারিবেন ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ। ৩ ধা। ১ প্র।

্রন্ধানীর কোর্ট ৫। যে২ জমীদারী কোর্ট ওয়ার্ডদের তাবে থাকে দেই২ জমীদারী ওয়ার্ডদের তাবে কার্কি ওয়ার্ডদের তাবে থাকনের সময়েতে তাহাতে যে বাকী পড়ে থাকনের সমরে দে নিমিত্তে এ২ জমীদারী নীলামের যোগ্য হইবেক না ইতি।—
নীলামের যোগ্য না
১৮২২ লা। ১১ আ। ৩ ধা। ২ প্র।

৬। অবিভক্ত ভূমি বাটওয়ারা অর্থাৎ বিভাগের দময়ে তাহাতে যে বাকী পড়ে তাহীর নিমিত্তে যে বৎসরেতে ঐ বাকী পড়ে সেই বৎ রী এবং জোককরা সরের শেষপর্যান্ত ঐ ভূমি নীলামের যোগ্য ছইবেক না ঐ মতে যে জমীদারী ভূমি আদালতের হুকুমমতে ক্রোক করা যায় দেই ক্রোক থাকনের সময়েতে তাহাতে যে বাকী পড়ে তৎপ্রযুক্ত সেই ভূমি সেই বৎসরের শেষ না হইলে নীলামের যোগ্য হইবেক না ইতি। -- ১৮২২ সা। ১১ আ। এ ধা। এপ্র।

অবিভক্ত জমীদা কেবল বৎসরের শেষ হট লে নীলাম কর। যা ইবার কথা।

 ৭। এই আইনেতে যে২ স্থানে বাকীদারশব্দ লেখা যায় সেই সকল স্থানেতে ঐ শব্দে যে২ লোককে বৃকা যাইবেক তাহা নীচে বিশেষরূপে লেথা ঘাইতেছে অর্থাৎ যে জন কিয়া জনেরা ম্বয়ং কিয়া ম্বপক্ষ জনান্তরের ছারা আপন কি আপন্থ ভূমির জ্যার নন্দোনস্ত সরকারের সহিত করিয়াছে সেই জন কিয়া জনেরা কিয়া ঐ বন্দোরস্ক্রের দ্বারা ঐ জনের কি জনেরদিগের যে দায়াদেরা কি উ ত্তরাধিকারিরা ঐ ভূমির ভোগপ্রাপ্ত হইয়া থাকে কি তাহা ভোগ করিতে স্থির রহিয়া থাকে তাহারা কিয়া ঐ জনের কি জনেরদের स्रात्न माना मिक्तरम थे ज्ञिश्रीश्च जत्नता किन्नु थे वत्मावरम् त ममरस्रठ यर ज्ञाभिकाती अ शेष्ठीमात अधारमत जमीमात्रेजामि ये ज्ञिरि পৃথক্< স্বিত্বের অপিকারী হইয়াও যে মালগুজারের নাম রেজিষ্টরী বহীতে লেখা যায় তাহার মারফতে মালগুজারী করিতে থাকে তাহা রা সরকারেতে সুস্লফ লেথা পড়ার দারা মালগুজারীর দায়ী ইওন ব্যতিরেকে বাকীদার বোধ হইবেক না ইতি।—১৮২২ मा 🗀 🕉 আ। ১৬ ধা।

বাকীদার শব্দে যাহারা সর্কারের সহিত বন্দোবস্ত ক রিয়াছে তাহারা কি ভাহার দিগের স্থলাভিষিক্ত জনে ুরুঝা যাইবার

২ ধারা।

বাকী রাজস্বের বিষয় ভূমি নীলামকরণের বিধি।

৮। রাজস্বের কমিনারসাহেবের প্রাথমিক অনুমতির কারণ কালে ক্টর নাহেবের ছারা নীলামের ইশ্তিহারনামা পাঠান আগামিতে রহিত হইবেক ইতি।—১৮৩০ সা। ৭ আ। ৩ ধা।

১। উত্তর কালে কালেক্টর সাহেবদিগের প্রতি ক্ষমতা থাকি বেক যে কমিদ্যানরদাহে বের অনুমতিপাওনব্যতিরেকে বাকীপড়া ভূমি নীলামের কারণ ইশ্তিহার দেওয়ান্ ও তাহা নীলাম করান্ কিন্ত কমিদ্যানরদাহেবের কিয়া আপীল হইলে দদর বোর্ড রেবিনিউর मार्ट्रविपरिशत प्रश्रुतीयाजिरतरक रकान नीलाप हृषाञ्च इहरवक ना ইভি।—১৮৩০ দা। ৭ আ।। ৪ ধা।

১০। কালেক্টর সাহেবের কাছারীতে কিয়া ঐ সাহেব জিলার যে স্থানে কর্ম্ম করেন্ তথায় সকল লোকের দৃষ্টিগোচর কোন এক Vol. I.

নীলামের ইশতি হার্নামা পাঠান আগায়িতে রহিত হইবার কথা। |राष्ट्राला। दरश র। বারাণস। উড়ি ষ্যা □

ক্মিস্যনর্সাহে বের অনুমতিব্যতি -রেকে কালেক্টর সাহেব নীলাম করি তে পারিরার কিন্ত মঞ্রীব্যতিরেকে নী লাম চূড়াস্ত না হই বার কথা।

[4 4] इक्र द्वाजी ३५२२ ধারার ২ প্রকরণের লিখিত নীলামের নিরূপিত দিনের পূর্ব্ব ৩০ ত্রিশ দিনের কম মিয়াদ হইবেক ব কথা।

বিঙ্গালা। বেছা র। বারাণস। উড়ি ষ্যা।]

মত ইশ্তিহারনামা না আরু যে জিলাতে এমত ভূমি কিয়া তাহার অংশ থাকে সেই যে প্রকারে জারী জিলার আদালতের জজসাহের কিয়া ঐ আদালতের কার্য্যকারক করা যাইবেক তাহা অন্য সাহেবের নিকটে তাহার এক নকল পাচান যাইবেক এব**ং** ঐ জজসাহেবইত্যাদি তাহা পাইলে দকল লোকের জ্ঞাপনার্থে প্রকাশ রূপে পূর্ব্বোক্তমত আপন কাছারীতে লট্কাইয়া দেওয়াইবেন ও ইঙ্গরেজী ১৮২২ সালের ১১ আইনের ৭ ধারার ২ প্রকরণের লি থিতমত এক ইশ্তিহারনামা মৃনদেকের কাছারীতে কিয়া যে এলা কার মধ্যে ইশ্তিহারের ভূমি কিম্বা তাহার কোন অণ্শ থাকে দে থানকার পোলীদের থানাতে প্রকাশ করিবার জন্যে এক জন পেয়া দার মারফৎ পাঠান যাইবেক আর ঐ পেয়াদার কর্ত্তব্য যে যথাসাপ্য পুর্ব্বোক্ত পুকারে পুকাশপুর্ব্বক ঐ ইশ্তিহারনামা জারী করিয়া দে থানকার আমলার স্থানে তাহার রুসীদ লয় ইতি।-১৮৩০ সা। ৭ আয়াও ধা।

নীলামের উশ্তি লিখিতে হইবেক তা হা এব৲ তাহা যে প্রকারে জারী করা যাইবেক তাহার ক शः ।

১১। ঐ নীলামের যোগ্য ভূমি যদি সুবে বাঙ্গালার কি কটক হারনামাতে যাহাথ ব্যতিরিক্ত দুবে উড়িয়ার মধ্যের হয় তবে দেই নীলামের ইশ্তি হারনামা পারদী ও বাঙ্গলা ভাষাতে লিথিতে হইবেক যদি কটকের মধ্যের হয় তবে পারদী ও উড়িয়া ভাষাতে লিখিতে হইবেক কিয়া হিম্মেরানের মধ্যের আর কোন দেশের হইলে পার্সী ও নাগ্রীতে লিখিতে হইবেক। সেই নীলাম যে বাকীর নিমিত্তে করা যাইবেক **দেই বাকীর দংখ্যা এবং** ক্রোক্করা জমীদারীর দকল বেওরা ও তাহার সদরজমা ও নীলাম করিবার তারিথ ও স্থান ঐ ইশ্তিহার নামাতে লিখিতে হইবেক ইতি।—১৮২২ দা। ১১ আ। ৭ ধা। र थ्रा

১২। যে দকল ভূমিতে বাকী পড়িয়া তাহার নীলাম কমিদ্যনর

বাকীহওনের তা রিশ্বঅবধি এক মা সাহেব কিয়া সদর বোর্ডের সাহেবদিগের বিশেষ হুকুমক্রমে মাফ দু গত হইলে ভূমি না হইলে বাকী পাওনা হইবার দিনহইতে এক মাদ গত হ**ইলে** নীলাম হইবার ও অপরিবর্ত্তনীয় হুকুমমতে তাহা নীলামের নিমিত্তে ইশ্তিহার দেওয়া কালেক্টর সাহেব যাইবেক আর ঐমত ইশ্তিহারনামার তারিথহইতে এক মাদের মৌকুফ না করিলে এ ইশ্তিহারনামা পরে তাহা নীলাম হইবেক কালেক্টর সাহেবের প্রতি সম্লুতিকার র ভারিখের এক মতে ক্ষমতা থাকিবেক যে কোন বিশেষ ভূমি নীলাম করিতে আরো মাস পরে তাহা নী কোন তারিথপর্যান্ত বিলম্বকরা উপযুক্ত বোধ হইলে তাহা করিতে লাম হইবার কথা। পারেন ইতি।—১৮৩০ সা। ৭ আ। ৬ ধা।

[B B]. মালওজারীর বা 🐪 ১৩। মালগুজারীর বাকী আদায়ের নিমিত্তে ভূমি নীলাম নীচের কীর নিমিছে মালও লিথিতবা ত্রুমমতে কালেক্টর সাত্েবদিগের দ্বারা কিয়া সরকার জারীতহ**পীদের** ভা হইতে ক্ষমতাপ্রাপ্ত অন্য কোন কার্য্যকারক **দাহেবদিগের দ্বারা করা** রাক্রাঞ্জ সাহেবদি যাইবেক এব ১ এই হুকুমানুসারে ভূমি নীলাম করা গোল তাহা যদি গের হারা ভূমি নী ঐ मাহেবদিগের উপরের পুদস্ত দাহেবদিগের দ্বারা মঞ্জুর হয় তবে লাম হইবার কথা

দেই নীলাম তাহাতে কোন **ভান্তি হইয়া থাকনপু**যুক্ত কি দেই বাকী আদায়ের নিমিত্তে কর্ত্তব্য আঁচরণে নিয়মের ব্যতিক্রম হওনপ্রযুক্ত রণ না থাকিলে ভা কি বিক্রম সিদ্ধ হওনের নিমিত্তে ইহার পরে যে সকল নিয়ম বিশেষ হা রদ না হইবার করিয়া লেখা যাইবেক তাহার কোন নিয়মের ত্রুটি যাহাতে না হয় এমন কোন ভ্রান্তি কিয়া আজ্ঞাব্যতিক্রম অথবা কর্ত্তব্য কর্মোর অক রণপ্রযুক্ত কৌন আদালতের হুকুমেতে নিষিদ্ধ কিয়া অসিদ্ধ কি মতান্তরকরণের যোগ্য হইবেক না কিন্তু এমত ভুান্তি ইত্যাদিযুক্ত বিক্রয়ের বিষয়ে যে কোন কর্ম করা গিয়া থাকে তাছাতে যদি কেছ আপনাকে অন্যায়গ্রস্ত জ্ঞান করে তবে যাহার দোষেতে তাহার ক্ষতি হইয়া থাকে তাহার নামে আদালতে নালিশ করিলে সেই ক্ষতিব প্রতিকার হইতে পারিবেক ইতি।—১৮২২ সা।১১ আ।৪ ধা।

এবৎ বিশেষ কা

১৪। यে जभीमातीरा भान धात्रातीत ताकी পड़िया थारक के ताकी আদায়ের নিমিত্তে যে ভূমি কি মহাল নীলাম করা যায় আবশাক যে টুবার নিমিত্তে যেং मि कि प्रशास (मरे ज्योगातीत प्रधागं इस वव॰ वह जाहता তে যেই দাঁড়া কি হুকুম লেখা যায় তদনুসারে সেই ভূমি কি মহাল नीलाप्पत खांगा इस किया यिन थे ज्ञिप कि महाल महे जभीनाती मन দয় কি তাহার মধ্যগত কোন অৎশ না হয় ক্লবে আবশ্যক যে সেই ভূমি কি মহাল দেই বাকীদারের কিম্বা তাহার জামিনের হয় কিম্বা তাহাতে সেই বাকীদারের কি তাহার জামিনের মত রহিয়া ঐ বাকী আদায়ের নিমিত্তে বিশেষরূপে বন্ধক হইয়া থাকে।—১৮২২ দা। ১১ আ। ৫ ধা। ১ প্র।

নীলাম প্রবল হ নিয়মের আবশ্যক তাহার কথা।

- ১৫। আবশ্যক যে ইহার পরে যেমন্থ লেথা যাইবেক তদ্নু मारत थे वाकीत कथा अव प्रश्नि नीनाम कतिरा कारनकृष्टेत मारह বের মনস্ত্তনের কথা এব ১ নীলামকরণের সময় ও স্থানের নিরূপণ উপযুক্তরূপে ইশৃতিহার দিয়া প্রচার ও প্রকাশ করা রায়।—১৮২২ সা। ১১ আ। ৫ ধা। ৩ প্র।
- ১৬। আবশ্যক যে যে কালে সেই ভূমির লাট অর্থাৎ অৎশ নালাম করিতে উদাত হওয়া যায় দেই কালেতে উপরের উক্ত ইশু তিহারের লিথিত বাকীর কোন অপশ কিয়া তাহার সুদের কোন অপশ পাওনা থাকে।—১৮২২ সা।১১ আ।৫ ধ্ব।৪ প্র।
- ১৭। আবশ্যক যে ইণ্তিহারনামাতে নীলামকরণের নিমিত্তে যে সময় ও স্থান নিরূপণ করিয়া লেখা গিয়া থাকে সেই কালে ও স্থানেতে এবণ ইহার পরে যেমনং লেখা যাইবেক সেই মত উপযুক্ত প্রকাশরূপে ও যাহাতে কাহারো আদা যাওয়া ডাকার বাধানা থাকৈ এরপে নীলাম করা যায়।—১৮২২ না।১১ আ। ৫ ধা। ৫ প্র।
 - ১৮। ইহাও জানান যাইতেছে যে মালগুজারীর বাকীর নিমিত্তে ভূমি নীলামের Q 2

বিষয়ে সরকার কি ভূমি নীলামের বিষয়ে এীযুত নওয়াব গবর্নর জেনরল বাহাদুর বোর্ডহইতে অন্য কৌন্সেলের বৈচকে বোর্ড রেবিনিউর দাহেবদিগ্রৈও তাঁছারদিগের নিষেপ বিধির ছকু তাবে কার্যাকারক সাহেবলোককে অন্যথ নিষেধ আরু বিধির অর্থে র ব্যতিক্রমে নীলা যে হতুম সময়ক্রমে উপযুক্ত বুকোন্ তাহা দিতে পারিবেন এবং ম হইলে তিন বংস প্রকার হইতে দেওয়া কোন হুকুম কিয়া বিধিবিরুদ্ধে কোন কালেক রের মধ্যে সরকার টর কি অন্য কোন কার্য্যকারক সাহেবের দ্বারা ভূমি নীলাম হইলে তাহা অসিদ্ধ করি ৫ ধারানুদারে দেই নীলাম নিষিদ্ধ নয় বটে তথাপি দেই নীলামের তে পারিবার কথা। তারিথ অবধি তিন বৎদরের মধ্যে এীযুত নওয়াব গবর্নর্ জেনর ল বাহাদুর হন্তুর কৌন্সেলে ঐ নীলাম অসিদ্ধ করিতে পারেন ইতি। ->৮२१ मा। >> जा। ७ धा। ८ थु।

नीलांग প্रदल इ তাহার কথা।

১১। যে ইশ্তিহারনামা পুকাশ করিবার নিমিত্তে আদালতে ইবার কারণ যে২ পাচাইতে হয় সেই ইশ্তিহারনামা নীলাম হইবার তারিথের ৩০ প্রকারে ইশ্ডিহার দিনের পূর্বে জজসাহেব কিয়া আদালতের অন্য কোন কার্য্যকারক দাহেব পাইয়া থাকনের কথা যদি বিলক্ষণ প্রমাণ হয় এবং যে ইশ তিহারনামা মফঃদলেতে পাঠাইবার হুকুম হইয়াছে দে ইশতিহার নামা নীলামের তারিথঅপেকা ২০ দিনের কম না হয় এত পূর্বেষ যা হারদের নিমিত্তে তাজা পাচান গিয়া থাকে তাহারা কিয়া তাহারদি গের পক্ষের কোন কর্মাকর্ত্তা কিয়া মোখারকার পাইয়া থাকনের কথা কিয়া হুকুমমতে কোন কাছারীতে প্রকাশ ও প্রচার করা যাওনের কথা প্রমাণ হয় কিয়া যদি আর কোন প্রকারে প্রমাণ হয় যে নীলাম হওনের তারিথের পূর্মে পূর্মোক্ত নিরুপিত কালের পুর্মে তাছার দিগের সেই মহালেতে এত বাকী পড়নের কথা এব ে নীলাম হও নের উদ্যোগের কথাও জ্ঞাত হইয়াছে তবে দেই ইশ্তিহার দেও য়ার বিষয়ে দাঁড়ার ব্যতিক্রম হওনের কথা কহনপ্রযুক্ত নীলামের নিবারণ হইবেক না ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ। ৭ পা। ৪ প্র।

সাধারণ জমীদা রীইত্যাদি ভূমির ব য় নামা তাহার কো ন অংশী কি অংশি वा रिमार्ड प्रश्ल না পাইয়া থাকন বার কথা।

जभीनाती**है आ**नि সমাক্ কি ভাহার ফোন অংশ **নীলা**ম করাইরার বিষয়ে বোর্ডের সাহেবদি বার কথা।

২০। জানা কর্ত্রকা যে উত্তরকালে সরকারের মালগুজারীর বাকী উদুলের নিমিত্তে জমীদারীইত্যাদি দাধারণ যে কোন ভূমি দমাক্ নীলামে বিক্রয় হয় তাহার কোন অংশী কিয়া অংশিরা আপন হিদ্যাতে দথল না পাইয়া থাকনপ্রযুক্ত দেই জনীদারীইত্যাদি ভূমির नौलाभी नशनाभा आमालराउत निष्ठान्तित अनुमारत तम कतिराउ शीति হেড্ক রদ না হই বার ক্ষমতা দেওয়ানী আদালতের সাহেবদিগের প্রতি থাকিবেক না ও মালগুজারীর বাকী উদুলের নিমিত্তে দাধারণ কোন জমীদারী কি অন্য ভূমি স্মাক্ নীলাম ইউবেক কি প্রথমতঃ কেবল তাহার কোন এক অণ্শ এ বিশয়ের বিবেচনার ক্ষমতা বোর্ড রেবিনিউ ওবোর্ড কমি দ্যানরের দাহেবদিগের প্রতি থাকিবেক কিন্তু জানা কর্ত্তব্য যে 📵যুত নওয়াব গবর্নর্ জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলেতে মালগুজা গের ক্ষমতা থাকি রাসমুর্কীয় ব্যাপারকার্য্যের বিষয়ে যে কর্তৃত্ব আছে তদনুসারে যথন বিহিত বোধ হয় তথন ঐ ক্ষমতামতাচরণ করিতে ঐ দাহেবদিণের নামে হুকুম হুইবেক ইতি। -- ১৮১২ দা। ৫ আ। ২৪ ধা।

২১। কোন জমীদারী কিয়া হজুরী তালুক অথবা জমীদারী কিয়া। इजुरी ठालूरकर अ॰ म महकारतर प्रामधजातीर वाकी उमुरलर नि र वाकी है। का अपन মিত্তে নীলামহওনের পূর্নের তাহার প্রকৃত মূল্য যত ও নীলামহওনে তে যে মূল্য পাওয়া যাইবেক তাহাতে ও ঐ জমীদারী কি তালুকের কি অপ্পের প্রকৃত মূল্যেতে যে তারতমা হইবেক ইহার হিসাব ও নিশ্চয় প্রকৃত প্রস্তাবে হইতে পারে না একারণ এই ধারানুসারে তুকুম হইল যে উত্তরকালে যে ভূমি মালগুজারীর বাকী উদুলের निभिट्ड नीलाम इस ठाहात वसनीमा थे जृपि नीलामह् असा मृत्लात টাকা তাহার অধিকারির শিরের মালগুজারীর বাকী টাকাইউতে অনেক অধিকহওনহেতৃপ্রযুক্ত আদালতের নিষ্পত্তির অনুসারে বা তিল ও রদ করিতে পারিবার ক্ষমতা দেওয়ানী আদালতের সাহেব দিণের প্রতি থাকিবেক না ও এমতং বিষয়েতে বোর্ড রেবিনিউ ও বোর্ড কমিদ্যনরের দাহেবলোক আপনার্দিণের বিহিত বিবেচনা ক্রমে ও এীযুত নওয়ার গবরুনর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেল হউতে কোন্থ সময়ে যেথ হুকুম তাঁহার্দিণের নামে হ্য় তাহাতে দৃষ্টি রাথিয়া কার্য্য করিবেন ইতি।—১৮১২ সা। ৫ আ। ২৫ ধা।

মালিকের শিরে ক্ষা নীলামে পাও য়া মুল্য অনেক অ ধিকহওনপ্রযুক্ত নী লামের বয়নামার দ না হইবার কথা।

২২। কিন্তু মালগুজারীর বাকীর নিমিত্তে কালেকটর সাহেব যে ভূমি নীলামকরণের কথা বোর্ডে লিথিয়া পাচান দেই ভূমি যাহারং नोर्प्त लिथा याय मिट्टे लिथिड अधिकातिनिर्धात मस्य यपि क्ट अड्टे রাজধানীর অধীন দৈনাসমূহের মধ্যের এদেশীয় কোন **হ**দাদার কি সিপাহী হয় এবং ইঙ্গরেজী ১৮১৬ সালের ১৫ আইনের ১ ধারার > शुक्त्रणानुमारत * यिष (महे जन काल्लकिंद्र माहित्रक (महे कथा) জ্ঞাত করাইয়া থাকে তবে দে ভূমি নীলামকরণের পুর্ব্বে কালেকটর সাহেবের ঐ পারার লিথিত হুকুমমতে কাগ্য করা কর্ত্তব্য ইতি।— তাহার কথা। ১৮२२ मा। ১১ जा। १ ४। । ७ ४। ।

ভুমির লিখিত অধিকারী যদি এই রাজধানীর অধীন দৈন্যসমূহের মধ্যে র ছদাদার কি সি পাহী হয় ওবে কা লেক্টর সাকের যে মতাচরণ করিবেন

২৩। বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের কি তাঁহারদিগের ক্ষমতা পন্ন অন্য সাহেবদিগের হ্কুমহওন প্রযুক্ত কিয়ানীলাম করিতে আর বিলম্ব করিতে হই কোন তারিথপর্যান্ত বিলম্ব করা উপযুক্ত ইহা কালেক্টর দাহেবের বিবেচনাতে বোপছওনপ্রযুক্ত যদি কোন ভূমি নীলামে বিলম্ব হয় তবে পুর্বের নিরূপিত নীলামের দিনের পূর্বের কালেক্টর সাহেব (मरे विलाम्बत कथा अव॰ एमरे विलाम्बिङ नीलाम य छातिया रहे বেক তাহার নিরূপণ লেথাইয়া এক ইশ্ডিহারনামা আপন কাছা রীতে লটকাইয়া দেওয়াইবেন এবণ তাহার নকল সেই জিলার জজসাহেবের নিকটে পাচাইয়া দিবেন ও তিনি আপন আদালতের কাছারীতে সেই প্রকারে তাহা প্রকাশ করিবেন কিন্তু নীলামের নি মিত্তে ইশ্তিছার ছওয়া ভূমির ফেরফার কি তাহার জমার ন্যুনাতি

নীলাম করিতে লে যে উশ্তিহার मिट्ड इडेटवक डा হার কথা।

মেণ প্রকার হই লে মৃত্য ইশতিহার

এতদেশীয় সিপাহী ও হুদাদারেরদের ভূমিবিষয়ক বিধি এই অধ্যা য়ের পশ্চাৎ লিখিত এক ধারার মধ্যে পাওয়া যাইবে।

নামা জারী কর। রেক হইলে কিয়া দেই নীলামের স্থানান্তর হইলে এই প্রকরণের যাইবেক তাহার ক লিখিত কথা তাহাতে খাটিবেক না তাহা হইলে পুর্মের লিখিত মত নতন লাটবন্দীকরণের ও ইশ্তিহার দেওনের আবশ্যক হইবেক ইতি। - ১৮११ मा। ১১ আ। ৮ धा। ১ थ।

নিক্রিত দিনে লাম থৌকুফ রাঝি লে যাহা জানাইতে ভাহার इ हे दिक #21 I

২৪। ঐ নীলামের দিন উপদ্বিত হইলে এবং গ্রাহকেরা একত্র অন্য দিনপর্য্যন্ত নী হউলে ও যদি কালেক্টর দাহেব আপন পীড়াপ্রযুক্ত কিয়া বেলা শেষ হওনপ্রযুক্ত অথবা অন্য কর্ম্মেতে ব্যস্ত থাকনপ্রযুক্ত কিম্বা সেই বাকীদারেরদের কিয়া তাহারদিণের মধ্যে কাহারো ঐতি অনুগ্রহক রণার্থে কি তাহারদিগের নিবেদনকরণপ্রযুক্ত কি তাঁহার বিবেচনাতে অন্য কোন বিশিষ্ট ও উপযুক্ত কারণ থাকনপ্রযুক্ত দেই নীলামহ ওনের নির্ভর অন্য দিনের প্রতি যদি রাখেন কিয়া গতিক্রিয়া করিয়া তাহাতে বিলম্ব করেন তবে ইহার যে কোন কারণ ঘটে তাহার ক থা যে ভূমি নীলামে বিক্রয় করা যাইবেক দেই ভূমি নীলামের যে আসল ইশ্তিহারনামা তাঁহার কাছারীতে দেওয়া গিয়াছে নেই ইশ

ডাক আরন্তের তিহার নামার মধ্যে সেই ভূমির নামের পার্খে লেখান কালেক্ট্র পরে মৌকুফরাথি সাহেবের কর্ত্তর্যা কিন্তু কোন লাটের ডাক আরম্ভ হইলে পর নীলাম লে যাহ। করিতে হ সাব্যস্ত্তনের ঘা পড়নের পূর্বে যদি কালেক্টর সাহেব নীলাম ^{ইবেক ভাহার কথা।} মৌকুফ রাখেন্ তবে কালেক্টর সাহেব আপন আমলার দ্বারা যে ব্যক্তি শেষ ডাক ডাকিয়া থাকে তাহার নাম এব॰১ দে যত টাকা ডা কিয়া থাকে তাহার দ°্খা কবকারীতে লেখাইবেন আর মৌকুফ রাথণপুযুক্ত পরে যে দিন নিরূপণ হয় সেই দিন যদি কালেক্টর गাহেব সেই নীলাম করিতে পুনর্কার প্রবৃত্ত হন্ তবে যে ব্যক্তি পূর্ক্ দিনে শেষে ডাকিয়াছিল সেই ব্যক্তি আপন সেই ডাক লিখনের কি কথার ঘারা নিরুত্তকরণ কিয়া তাহার নাম করিয়া ভিনবার ডাকিলে সেই ব্যক্তি হাজির না হওনব্যতিরিক্ত তাহার ঐ পূর্ম্ব দিনের ডাক প্রথম গণনা করিয়া দেই দিনের নীলামের ডাক করাণ ঘাইবেক ইতি।— ১৮২২ সা। ১১ আ ।৮ পা।২ পু।

পূর্ব্দে করা যাও য়ে উপরেরলিখিত ধারাসকলের কথা সেহ কলে খাটিলে ক ভাহার কথা।

২৫। এই আইন নির্দিষ্ট হওনের পূর্ফো যে২ ভূমি নীলামে বি हा बीलारमत विष कर कनाशिशोष्ट निरुध विकरमत विसरम स्मिर मञ्चामश्रीक वाकीमारतन নিকটে পাচান গিয়া থাকে কিয়া আর যে কোন প্রকারে ভাহার কথা জানান গিয়া-থাকে তাহা দেওয়াকি জানান উপযুক্তরূপে হওয়া না ছওয়াতে নীলাম দিদ্ধ কি অসিদ্ধ হওনের বিষয়ে আদালতে থে নিক্পত্তি করা যাইবেক তাহা এই আইনের ৭ ধারার ৪ প্রকরণের লি থিত তাৎপর্যামতে হইবেক অর্থাৎ যদি ইহা প্রমাণ হয় কিয়া কোন কারণেতে বৃক্ষা যায় যে আইনে নিরূপণ করা কোন ভাষাতে লিথিও ইশ্তিহারনামা দেই নীলামের তারিথের এক মাদ পূর্ফ্রে দেই বাকী দারকে দেওয়া গিয়াছিল কিয়ানীলামহওয়া জমীদারীর কোন স্থানে লটকান গিয়াছিল কি অন্য কোন প্রকারে প্রচার করা গিয়াছিল এবং সেই ব:কীদার কিম্বা তাহার গোগ্যার কিম্বা ইশ্তিহার দেওয়া

যাওনের সাক্ষী সেই স্থাননিবাসি দুই জন কিয়া তাহাহইতে অপিক জন দেই ইশ্তিহারনামার তাৎপ্যা অবগত হইয়াছিল তবে উপ যুক্ত মতে সম্বাদ দেওয়া না হওনের ওজরে সেই নীলাম কোন আদা লতে অসিদ্ধকরণের যোগ্য হউবেক না কিন্তু ইছাও জানান যাইতে ছে যদি ইছা প্রমাণ হয় যে এই আইন নির্দিষ্টকরণের পুর্বে যে কোন ভূমি নীলাম হউয়াছে সেই নীলাম ইশ্তিহারনামার লিথিত তারিএইইতে পুনর্কার কালেক্টর মাহেবের কাছারীকরণের দিন প্র্যান্ত প্রকাশরূপে মৌকুফ রাখা গিয়াছিল এব ে নীলামের নিমিত্তে দ্যাগত লোকেরা নীলাম মৌকুফ্থাকনেতে বিলক্ষণরূপে জ্ঞাপিত হইয়াছিল এব॰ সেইপ্রযুক্ত দ্বিতীয় সমাগমের সময়েতে এত লোক উপস্থিত এবণ এইরূপে একতা হইল যে তাহাতে বিলগ্ধণ বৃদ্ধা গি গাছিল যে এই দিতীয় সমাগম প্রথম মৌকুফ রাথা নীলামের কাস্য করণের উপযুক্ত হইয়াছে তবে সেই মৌকুফ রাখণের সম্বাদ উপ যুক্তরূপে দেওয়া হয় নাহি কিয়া প্রকাশ করা যায় নাহি ইহা কহনে তে সেই নীলাম অধিদ্ধ হওনের যোগ্য হইবেক না ইতি।—১৮২২ मा। ३३ व्या। २ था।

২৬। কোন ভূমি নীলাম করিতে পুরুত্ত ওানর পূর্দ্ধে কালেক্টর ণাছেৰ কিন্তু। অন্ট যে কোন মাছেৰ নীলামকরণের ভারপ্রাপ্ত হন ত। বাকা থাকনের নি হার এ বিষয় বিলক্ষণ বিবেচনা করিয়া নিশ্চয় করা উচিত যে ইশু শ্চয় করিতে হইবা তিহারনামার লিথিত বাকীর কি তাহার মূদের কি সেই বিষয়ে যে থ্রচ হইয়া থাকে তাহার মধ্যে কতক তথনো আদায় হয় নাহি যদি দেই বাকীদার কি ভাহার তরফের কোন লোক দেই বাকী অম্বীকার করে তথাপি ঐ তলবকরা টাকা আদায় না ছইলে কিয়া ঐ সমৃদয় টাকা শতকরা ৫ পাঁচ টাকা করিয়া সুদদমেত যত হয় তত টাকার কোয়ানির কাগজ কিম্বা বাঙ্গাল বাঙ্ক নোট না দিলে কিয়া দেই বা কীদারের ভূমি যে জিলার হয় সেই জিলায় আদালতে ঐ টাকা সমু দর আমান ইরাথা যাওনের কথা লেথা এক সটিফিকট ঐ আদালতের জজনাহেবের মোহর ও দন্তথতে না পাইলে দেই কালেক্টর কিয়া অন্য কার্য্যকারক সাহেব সেই ভূমি নীলাম করিতে পারিবেন ইতি। - ১৮२२ मा। ১১ जा। ১० शो। ५ था।

নীলামের পুরের

২৭। ইহাও জানান যাইতেছে যে বোর্ড রেবিনিউর নাহেবদিগের কিয়া তাঁহারদিগের ক্ষমতাপল্ল অন্য সাহেবদিগের সেক্রেটারি সাহে রীতে যে২ নীলাম त्वत मसुत थानारु (यर नीलाम इस ठाहारु यिन नीलारमत ठाति থের পূর্ব্ব এত দিন পূর্ব্বে তলবকরা টাকা জিলাতে আদায় কি আ মানৎ না করা যায় যে কালেক্টর দাহেব কিয়া অন্য কার্য্যকারক শাহের শামান্য ভাকের দ্বারা তাহার সম্বাদ বোর্ডের সাহেবদিগ্কে নীলামের পূর্ব্বে পঁত্তছাইতে পারেন কিষ্বা দেই বাকীদার ম্বয়ণ উপ স্থিত হইয়া নীলামের কর্ত্তা সাহেবকে সেই তলবকরা টাকা আদায় করণের কি আমানৎ রাথণের এক সটিফিকট সেই জিলার কালে

বোর্ডের কাছা হয় তাহাতে যে ম তাচরণ করিতে হর বেক ভাহার কথা

কৃটর কিয়া জজনাহেবের মোহর ও দম্ভথতে ঐ নীলামেতে প্রবৃত্তহও त्नित शूर्ट्स ना (मग्र उटर जिलांटि आमाग्र करा किश्वा आमान्ये ताथा দেই নীলামেতে বিলম্বকরণের কি তাহা অসিদ্ধ হওনের কারণ হই বেক না ইতি।—১৮২২ সা।১১ আ। ১০ ধা।২ প্র।

২৮। পুর্ব্বোক্ত মতে যে লোকেরা তলব করা টাকা আদায় করে

যাহারা মালও দায় কি আমানৎ করে তাহারা তাহা ফিরিয়া পাইবার কারণ আদালতে নালিশ করিতে পা রিবার কথা।

জারীর বাকী আ কিম্বা আমানৎ রাথে তাহারা যদি দেই দময়েই এক লিথনদ্বারা দেই তলবকরা বাকী টাকা যথার্থ ছওন অম্বীকার করে এবং নিরূপিত কালের মধ্যে তাহার মোকদ্দমা উপস্থিত করে তবে এই আইনের ২৩ ধারার লিথিত নিয়মানুসারে মোকদ্দমা করিতে পারিবেক কিন্তু বাস্তব আমার শিরে কিছু বাকী নাই এ কথা নীলামের পূর্ব্বে কিয়া বোর্ডে ঐ নীলাম মঞ্জুরছওনের পূর্বের যদি কালেক্টর দাছেবকে কিন্তা

বিশেষ কথা।

বোর্ডের সাহেবদিগকৈ না জানায় কিয়া ঐ অস্বীকারের কথা জ্ঞান করাইতে না পারণের বিশিষ্ট ও উপযুক্ত হেতু কহিতে না পারে তবে নীলামের পরে ঐ কথাতে কোন আদালতে সেই নীলাম অসিদ্ধ করা যাইতে পারিবেক না। ইহাও জানান যাইতেছে যে সরকারের হুকুমের দ্বারা মঞ্জুর হওন বিনা জমায় কমী কিয়া মাফ্ পাওনের কোন দাওয়াকরণেতে কিম্বা জমীদারের সরকারের স্থানে কিছু পাওনা থাক নের কিম্বা সরকারের সহিত মোকদমাকরপের কোন কারণান্তর থাক নের কি আছে এমত জ্ঞানকরণের কথাতে যাবৎ সেই জমীদার কিয়া কালেক্টর সাহে তাহার তরফের অন্য কোন লোক মালগুজারীর বাকী যাহা পুকৃত দেনা হয় তাহা দমুদয় আদায় না করে তাবৎ দরকারের কার্য্যকারক

দাহেবদিগের দেই বাকীদারের ভূমি কি অন্য কোন বস্তু বলক্রমে

বিক্রয়করণের দারা দরকারের মালগুরুারী আদায়করণের ক্রমতার

ব্যাঘাত কিয়া হানি কোনরূপে হইতে পারিবেক না ইতি।-১৮২২

मा। ३३ जा। ३० था। ७ था।

ব যে প্রকার হইলে শেষ ডাক ডাকনি য়ার সহিতনীলাম সাব্যস্ত করিতে অ সমত হইবেন তা হার কথা।

ভূমি ক্লোকথাক খল না থাকনের স मरग्र वाकी পড़िल ভাহাতে যাহা হই বেক তাহার কথা।

২১। যে লোক কিয়া লোকেরা আপনং ভূমির বন্দোবস্তের বি নের কি ভাহাতে দ ষয়ে সরকারের সহিত নিয়ম করিয়াছে সেই নিয়ম যেরপ বন্দোব ষ্টের আইনের দারা মোকরর্ ও স্থির করা গিয়াছে তদনুসারে তাহা রদিগের এব ে তাহারদিগের স্থানে যাহারা দেই ভূমির স্বস্থাপ্ত হইয়াথাকে বিশেষরূপে অন্য হুকুম না হইলে ভাহারিদিগেরো দর काद्भरु य भानधकाती (मर्खेश कर्त्वता मिह भानधकाती ममुम्य আদায়করণের দায়ী তাহারদিগের ঐথ বন্দোবস্তী ভূমি হয় অভএব জমীদার যদি এমত ওজর করে যে যে সময়ে ঐ ভূমি আমার কিয়া আমার মোথারের আমলু দথলে ছিল-না দেই সময়ে কোন জনের কিয়া কালেক্টর দাহেবের কিয়া আদালক্ষ্ইতে নিযুক্ত অন্য কোন কার্য্যকারকের দোষেতে কিয়া এই আইনের অথবা আর কোন আইনের দারা ক্ষমতাপ্রাপ্ত কোন জনের সেই ভূমি ক্রোকৃকরণেতে ৰাকী পড়িয়াছে তবে তাহাতে নীলাম অনিদ্ধ হুইবেক না ইতি।--३৮२२ मा। ३३ जा। ३३ धा।

৩০। কালেকুটর সাহেবেরা কিয়া বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা অথবা তৎক্ষমতাপন্ন অন্য দাহেবেরা নীলামেতে হওয়া কোন ক্রয় য় দিম্ব হওনের দা মঞ্জুর হওয়া না হওয়ার বিষয়ে যে কোন রুবকারী কি হুকুম করেন্ তৎপ্রযুক্ত কোন নীলাম অদিদ্ধ হইবেক না এবণ দেই রুবকারী কি ভুকুম ইওনপ্রযুক্ত দরকারের নামে নালিশ গ্রাহ্য হইবেক না ইতি। ->৮१२ मा। >> जा। >१ था।

নীলামে করা ক্র ওয়া করিলে যদি ক রগ্রাহক সাহেবেরা তাহা অসিদ্ধহওনে র ছকুম দেন তবে তাহাতে নীলাম অ সিদ্ধ না হইবার ক

৩ ধারা।

নীলামকরণের দাঁড়া।

৩১। সমস্ত নীলাম ইশ্তিহারনামার লিথিত স্থানে ও কালেতে করা যাইবেক যদি ইশ্তিহারনামাতে এমত লেখা যায় যে বোর্ড অনুসারে নীলাম ক বেবিনিউতে কি ঐ বোর্ডের সাহেবদিগের ক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবদি রা ^{যাইবার কথা।} ণের কাছারীতে করা যাইবেক তবে বোর্ডের দাহেবেরা কি তাঁহার দিগের ক্ষমতাপন্ন অন্য দাহেবেরা যে ঘরে কিয়া তায়তে কাছারীর মতে কর্মানির্বাহ করেন তথায় কিয়া আর কোন উপযুক্ত এব^ দকল লোকের দৃষ্টিগোটর ঘরেতে অথবা তাহার নিকটবর্ত্তি আর কোন উপযুক্ত ও প্রকাশ স্থানে ব্যের্ডের সেক্রেটারিসাহেবের কিয়া বোর্ডের সাহেবদিগের অথবা তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবদিগের মধ্যে কোন সাহেবের কিয়া বোর্ডহইতে ঐ নীলামকরণের ভারপ্রাপ্ত কোম্লানির সরকারের অবধারিত কার্য্যকারক আর কোন সাহেবের সাক্ষাৎকারে নীলাম করা যাইবেক। যদি জিলাতে নীলামহওনের হকুম হয় তবে কালেক্টর সাহেবের কিয়া নীলাম করিবার ভার য় তবে যাহার দারা প্রাপ্ত কোষ্ণ্রানির সরকারের অবধারিত চাকর অন্য কোন সাহেবের হইবেক তাহার ক **শাক্ষাৎকারে কাছারীতে অর্থাৎ যে কোন ঘরে কিম্বা তাম্বতে তাঁহারা** রাজকার্য্য করেন তাহাতে কিয়া তাহার নিকটবর্ত্তি কিয়া লাগাও অন্য কোন প্রকাশ ও উপযুক্ত স্থানে নীলাম করা যাইবেক। ইহাও জানান যাইতেছে যে নীলামের দিন প্রাতঃকালে এবণ নীলামের সময়েতে ও কালেক্টর সাহেব কিয়া অন্য কোন কার্য্যকারক সাহেব এক নিশান কিয়া তাছার মত আর কোন দৃষ্টিগোচর দুব্য বোর্ড রেবিনিউর হুকুমমতে সেই নীলামহওনের কাছারীর দ্বারেতে থাড়া রাথাইবেন ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ। ১২ ধা।

ইশভিহারনামার বোর্ডের কাছারী তে নীলাম করিতে হইলে যাহার দা র। ও যে স্থানে হই বেক ভাহার কথা।

যদি জিলাতে হ

৩২। নীলামের ডাক আরম্ভ হইলে যে২ লোক ডাকে কালেক্ টর দাহেব কোন জিজ্ঞাদা না করিয়া কাহারদিগের ডাক গ্রাহ্য করি বেন কিন্তু নীলামক্ষাব্যস্তহওনের ঘা পড়ন ও নীলাম দারা হওনের পূর্বেযে লোক ক্রীয়ে ডাকিয়া থাকে যৈং বিষয় নীচে লেথা যাই তেছে নেই বিষয় স্থাপন হদোধহওনের কারণ কালেক্টর সাহেক বিষয়ে যেং বিষয়ে **দেই লোককে ডাকিয়া এই২ বিষয়ের নিশ্চ**য় করিবেন।

প্রত্যেক জনের ডাক গ্রাহ্য হইবার कथा किस नीलाम সমাপ্তহওনের পু আপন হলোধ ক বিবেন তাহার ক 971

Vol. I.

১ ভাকনিয়ার বা ১ প্রথম ৷— যে সেই ডাকনিয়া নিরূপিত বায়নার টাকা দিতে মনা দিবার সঙ্গ পারে। তি।

২ ডাক্নিয়া এক য় করিতে নিষিশ্ব

২ দিতীয় ৷— যে দেই ভাকনিয়া ঐ নীলামের ভূমির মালগুজ রীর বাকীদার নহে ও আপন আমলালোকের মধ্যের কেছ নথে ও বাকীদারের তরফ কিয়া আপনার আমলালোকের তরফ কোন লোক নহে।

৩ ডাকনিয়াই য থার্থ ক্রেভা বটে।

৩ ততীয়।— ঐ ডাকনিয়া লোক কিম্বা লোকেরা আপনার্দিগে? নিজের নিমিত্তে এব ে আপন লাভ নোক্সান শ্বীকার করিয়া তাহাং যথার্থ ক্রেতা হইয়াছে ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ। ১৩ ধা।

ক্রেতার যে বায় না দিতে হইবেক তা হার কথা।

৩৩। যে লোকের ডাকেতে নীলাম দাব্যস্ত হওনের ঘা পড়িয় থাকে তাহার স্থানে নীলাম দাব্যস্ত হইল কালেক্টর দাহেব এই কথা কহিবামাত্র কিয়া তাঁহার বিবেচনানুদারে যত শীঘ্ হইতে পারে এমত অন্য যে কোন সময় উপযুক্ত বোধ হয় সেই সময়ে যত টাকার ডাকেতে নীলাম সাব্যস্ত হইয়া থাকে তাহার শতকরা ১৫ পুনর টাক কিয়া বোর্ড রেবিনিউর কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবেরা যে সময়ে যত টাকার হকুম দেন্ সমুদয়ের শতকরা তত টাকা করিয় वारमा ग्रहिरवन इंडिं।- ১৮२२ मा। ১১ আ। ১৪ था। ১ थ्रा

চাহিবামাত্র বায় লাট পুনর্বার নীলা ম করা যাইবার ক था।

৩৪। যে ব্যক্তি শেষবারে ডাকিয়া থাকে তাহার নাম করিয়া নার টাক। না দিলে যথন ডাকা যায় দেই ব্যক্তি যদি তৎক্ষণাৎ নিরুপিত বায়নার টাকা উপস্থিত না করে তবে কালেক্টর সাহেব তাহার ডাক নামঞ্জুর করিতে পারেন এবণ তাহার অব্যবহিত পূর্ব্বে যে ব্যক্তি যত টাকা ডাকিয়া থাকে দেই ব্যক্তির দেই ডাক প্রথম গণনা করিয়া পুনর্বার নীলামের ডাক করাইতে পারিবেন ও যে ব্যক্তি ঐ ডাক ডাকিয়া থাকে সে ব্যক্তি যদি তাহার উপর আর কোন ডাক না হয় তবে আপন ডাকেতে যে ফল হইতে পারে তাহা পাওনের যোগ্য হই বেক ও নিরূপিত বায়নার টাকা উপস্থিত করণদ্বারা তাহারি ডাকে নীলাম সাবাস্ত করিতেই হইবেক ও সেই ব্যক্তিও যদি বায়নার টাকা উপস্থিত না করে তবে তাহার অব্যবহিত পূর্ব্বে যে ব্যক্তি ডাকিয়া থাকৈ তাহার ডাক প্রথম গণিয়া পুনর্বার কালেক্টর সাহেব নীলাম করাইতে পারিবেন কিন্তু দকল সময়েতে কালেক্টর সাহেব আপন বিবেচনামত দেই অব্যবহিত পূর্বের ডাকনিয়ার ডাক প্রথম গণনা না করিয়াও পুনরায় ন্তন নীলাম আরম্ভ করিতে পারিবেন ইতি। ->৮२२ मा। >> जा। > ४ स्था। २ थ्रा.

যে লোক বায়না র করে তাহার যে শান্তি হইবেক ডা হার কথা।

৩৫। নীলামেতে যে কোঁন ব্যক্তি শেষবারে ডাকে দেই ব্যক্তি র টাকা দিতে কমু নীলাম সাব্যস্ত করাইতে ও বায়নার টাকা দাখিল করিতে হকুম পা ইয়া তাহা করিতে যদি না পারে কি তাহা করিতে সম্মত না হয় তবে দে ব্যক্তি অবজ্ঞাকরণের দোষে দোষী বুকা যাইবেক ও কালেক্টর দাহেব যে ব্যক্তি যতবার **ঐ প্রকার** দোষ করে তাহার প্রত্যে**ঞ্জ**দোষ

প্রযুক্ত একং শত টাকার অধিক না হয় এমত জরীমানা করিতে পা রিবেন ও 🗳 ব্যক্তি যদি 🗳 জরীমানার টাকা না দেয় তবে কালেক্ টর সাহেব সেই দোষিকে জিলার জজসাহেবের নিকটে পাচাইবেন ও তিনি ঐ জরীমানার টাকা দেওনপর্যান্ত কিয়া ১৫ দিনের অধিক না হয় এমত কালপৰ্য্যন্ত তাহাকে দেই জিলার জেল্থানাতে কয়েদ রাথিকেন ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ। ১৪ ধা। ৩ পু।

৪ ধারা।

বাকীদারের নিমিত্তে বা বিনামীতে বা কালেক্টরি আমলারদের নিমিত্তে নীলামে ভূমি ক্রয় করণ বিষয়।

৩৬। মালগুজারীর বাকীর নিমিত্তে ভূমি নীলামকরণেতে যদি কালেক্টর সাহেব বিবেচনা করিয়া বুরুন্ যৈ শেষ ডাকনিয়া লোক ব যে প্রকার হইলে কিয়া যে জনের ডাকেতে নীলাম সাব্যস্ত করিতে উদ্যন্ত থাকেন দেই লোক বাকীদারের নিমিত্তে ক্রয় করিতেছে কিয়া যথার্থ ক্রয়কর্তার দিগের নাম অপ্রকাশ রাথিয়া বিনামীতে ক্রয় করিতেছে কিয়া যাহার টাকাতে কিয়া লাভ নোক্সানের নিমিত্তে কিয়া হিতার্থে দেই ভূমি ক্রয়করা যায় তাহার কিয়া ইহার মধ্যে কোন কাহারু নাম অপ্রকশি রাথিয়াছে তবে কালেক্টর দাহেব দেই নীলাম অসাব্যস্ত করিতে পারিবেন কিন্তু ইহা হইলে ঐ কালেক্টর সাহেব আপন আমলার দারা পারদী ভাষায় এক ক্রবকারীতে ঐ নীলামী এরীদা লাম অসাব্যন্তের রের ছলকরণেতে আপন বিশ্বাসহওনের এব ে নীলাম অসাব্যস্তুকর কারণ রুবকারীতে ণের কারণ বেওরা করিয়া লেখাইবেন এব ে এপুকার হইলে সেই লেখাইতে হইবার ডাক্নিয়ার ডাক্তেে নীলাম সাব্যস্ত হইলে তাহার যত টাকা বায়না দিতে হইত তত টাকা কিয়া বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা এ বিষয়ে কালেক্টর সাহেবের রিপোর্ট পাইয়া ঐ বায়নার টাকার অন্ধিক মে ডাক্নপ্রযুক্ত নী যত টাকা উপযুক্ত বুকেন্ তত টাকা ঐ ডাকনিয়ার জরীমানা হই লাম অসাব্যস্ত হই বেক ও এইমত যে দকল জরীমানার টাকা লইবার ত্রুম বোর্ডের লে যে দণ্ডইবৈক সাহেবেরা দেন্ তাহা সদর ইজারদারদিণের কিয়া তাহারদিণের তাহার কথা। জামিনেরদের স্থানে মালগুজারীর বাকী টাকা উসুলকরণের আচরণ মতে উসুল করা যাইবেক ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ। ১৫ ধা। ১ প্র।

কালেক্টর সাহে শেষ ডাক্নিয়ার স হিত নীলাম সাব্য ন্তু করিতে অসমত হইবেন ভাহার ক

তাহা হইলে নী

বাকীদারের না মে ফি অন্য বিনা

৩৭। যে লোকের ডাক নামগুর করা যায় সে লোক কালেক্টর শাহেবের দেওয়া হকুমেতে অসমত হইলে তাহার উপর বোর্ড রেবি নিউর সাহেবদিগের কিম্বা তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবদিগের নিকটে আপীল করিতে পারিবেক এব ে যদি দেই ব্যক্তি কাছারীভাঙ্গনের পূর্ব্বে কিয়া পরে যে দিন কালেক্টর সাহেব কাছারী করেন্ সেই দিন তাঁহার নিকটে ঐ লাট আপনার পাইবার দাওয়ার আরজী লিথিয়া দেয় কিয়া নীলাম সমাপ্তহওনের পর ইঙ্গরেজী ২৪ ঘড়ী অর্থাৎ বাঙ্গলা ৬০ দণ্ডের মধ্যে যদি ঐ অর্থে এক আরক্তী বোর্ড রে বিনিউল্লত পাচায় তবে ঐ বোর্ডের দাহেবলোক কি তৎক্ষমতাপন্ন

কালেক্টর সাহে ব যাহার ডাক নাম **এ**র করেন্সে বো র্ডে আপীল করিডে পারিবার কথা।

অন্য সাহেবেরা অন্য যে কোন থরীদার ঐ আরজীদেওনিয়াহইতে কম টাকা ডাকিয়া থাকে তাহার সহিত নীলাম অসাব্যস্ত করিয়া ঐ নামগুরহওয়া লোকের সহিত সেই নীলাম সাব্যস্ত করিবার হকুম मिर्ल পারিবেন ইতি।—১৮২২ मा। ১১ আ। ১৫ ধা। ২ **প্র**।

আমলার মধ্যে কেহ জুমি খরীদ ক রিলে কালেক্টর সাহেবের যে কর্ত্ত ব্য তাহার কথা।

৩৮। ঐ নীলাম সাব্যস্তকরণের সময়ে কিয়া তাহার পরে সেই নীলাম বোর্ড রেবিনিউতে কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবদিগের নিকটে মঞ্জুর হওনের পূর্ব্বে যদি কালেক্টর সাহেবের অথবা নীলাম করণের ভারপ্রাপ্ত অন্য কোন সাহেবের এমত বোধ হয় যে প্রকৃতার্থে যে ব্যক্তি নীলামের থরীদার দে তাঁহার আমলালোকের মধ্যের কোন জন কিয়া নীলামকরা লাট যে জিলার কি পরগনার মধ্য গত হয় সেই জিলা কি পর্গনার তহসীলের কর্মসম্প্রকীয় কোন লোক তবে ঐ কালেক্টর কি অন্য কার্য্যকারক দাহেব তাহা হই লেও তাহার দঙ্গে নীলাম দাবান্ত করিয়া মূল্যের টাকা তাহার म्रात्न लहेरवन ও यपि আवभाक इय उरव मपत हैजातपारततरपत কিয়া তাহারদিগের জামিনেরদের স্থানে মালগুজারীর বাকী আদায় করিবার নিমিত্তে যে মত আচরণ করণের ত্রুম করা গিয়াছে সেই মত আচরণ করিয়া ঐ থরাদারের স্থানে নীলামের মূল্যের টাকা আদায় করিবেন এবণ্ম ঐ মত বোধ হইলে তৎক্ষণে তাহার প্রমাণের কারণের অনুসন্ধান করিবেন এবণ সেই অনুসন্ধানকর ণেতে যাহা জানা যায় তাহা বোর্ড রেবিনিউর কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবদিগের নিকটে লিথিয়া পাচাইনেন ও ঐ সাহেবেরা ইহা নিশ্চয় করিবেন যে ঐ সকল কথা যথার্থ বটে কি না যদি ঐ দাহেবদিগের বিচারেতে ইহা প্রমাণ হয় যে ঐ প্রকৃত থরীদার নীলামের সময়েতে কালেক্টর সাহেবের আমলার মধ্যে কোন জন কিয়া নীলামহওয়া লাট যে জিলা কি পর্গনার মধাগত হয় তাহার তহদীলের কর্মানম্পর্কীয় কোন জন বটে তবে তাঁহারা এ কথা এীযুত নওয়াব গবর্নর্ জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলে নিবেদনার্থে এই মত্ত্রাব গ লিথিয়া পাচাইবেন ও ঐ এয়িয়ত য়িয় উপয়ুক্ত বুয়েন্ তবে আপন

করিতে পারিবার কথা।

থরীদার আদাল রিবার কথা।

বর্নর জেনরল বা ইচ্ছামত দেই লাট দরকারের নিমিত্তে ক্রোক করিয়া রাখিতে কিয়া হাদ্র ঐ ভূমি জন্প পুনর্বার নীলাম করিতে অথবা দরকারের থাদ করিতে কিয়া অন্য কোন প্রকার ক্রিতে হুকুম দিতে পারিবেন ও এমত হইলে নীলাম মঞ্জুর হইলে যে মত হইত সেই মত ঐ থরীদারের টাকা বাকীদারের তে আপন টাকার নামে জমা করা যাইবেক আর যদি সেই ধরীদার ক্রয় করিতে আপ নালিশ করিতে পা নার নিষিদ্ধ হওয়া স্বীকার না করে তবে তাহার যে টাকা ত্রেজুরীতে দাঝিল হইয়া থাকে সুদদমেত দেই টাকার এব ে ঐ বিষয়ে হওয়া অন্য ক্ষতির বাবৎ নালিশ আদালতে করিতে পারে ইতি ৷—১৮২২ সা। ১১ আ। ১৮ ধা।

 ৩১। নীলাম সাব্যস্তহওনের পরে এব॰ বোর্ডে তাহা মঞ্বরহও বিনামীতে খরীদ করা জানা গেলে ৰ নের ও থরীদারকে ভূমির স্বত্তার্পণকরণের পুর্বের যদি কালেক্টর

সাহেবের বোধ হয় যে নীলামের সময়ে এরীদার কিয়া এরীদারদি আর্পণের পর্ব্বে কা গের যে নাম কথিত হইয়াছিল সে নাম তাহার কিয়া তাহারদিগের *লে*ক্টর নাহেব যা প্রকৃত নাম নহে তবে ঐ দাহেব দেই থ্রীদার কি থ্রীদারদিগকে হা করিবেন তাহার মুত্বার্পণ করিতে গৌণ করিতে পারেন এব ১ ঐ বিষয়ের প্রমাণার্থে অনুসন্ধান ও তদন্ত করিতে পারিবেন তাহা করা সারা হইলে বোর্ড রেবিনিউর সাহেবলোকের কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবদিগের নিকটে তাহা করণেতে যাহা জানা গিয়া থাকে তাহা লিথিয়া পাঠাই বেন ও তাঁহারা সেই নীলাম অসিদ্ধ করিতে এবং সেই লাট পুন রায় নীলাম করিতে এবণ্৲ নীলামের সময়ে যে ব্যক্তি শেষে ডাকিয়া ছিল তাহার উপর আপনার্দিগের বিবেচনানুসারে এমত জরী মানার হুকুম দিতেও পারেন যে যে মূল্যেতে নালাম দাব্যস্ত হুইয়া ছিল তাহার দৃষ্টে যত টাকা বায়না তাহার দিতে হইত তাহার অধিক না হয় ও যদি ঐ বায়নার টাকা দাথিল হইয়া থাকে তবে দেই টাকাহইতে ঐ জ্বীমানার টাকা আদায় হইবেক ও যদি তাহা দাথিল না হইয়া থাকে তবে সদ্র ইজার্দার্দিগের ও তাহার্দিগের জামিনেরদের স্থানে মালগুজারীর বাকী যে মতে আদায় করা যায় দেই মতে ঐ জরীমানার টাকা উদুল করা যাইবেক ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ। ১১ ধা।

৪০। বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহে বেরা নীলাম মঞ্জর করিলে এব প নীলামী থরীদার স্বস্থপ্রাপ্ত হইলে র স্বস্থার্পণ করা গে পর নীলামের বিষয়ে আইনের অন্য মতে কোন কর্ম হইয়া থাকনের লে আদালতের ছ দাওয়াতে তাহা আদালতহইতে বিচারপুর্বকে প্রমাণহওনের হুকুম হওনব্যতিরেকে ঐ থরীদার দে ভূমিহইতে বেদথল হওনের যোগ্য হইবেক না ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ। ২০ ধা। ১ প্র।

থ্রীদারকে ভূমি কুমব্যভিরেকে সে তাহাহইতে বেদ্ধ ল না হইবার কথা।

৪১। নীলাম মঞ্জুর এব॰ থ্রীদারকে স্বত্তাপণকরণের পরে যদি বোধ इय य मह श्रेतीमाती वाकीमात किया नीलाम्बत ममरस्ट य लाक विनामी খরীদার খ্যাত হইয়াছিল তদ্যতিরিক্ত অন্য জন এবং ইহা যদি সর বোধ হটুলে আদা কারের কিয়া অন্য কাহারু নালিশেতে আদালতের ডিক্রার দারা নিশ্চয় হয় তবে সরকার কিয়া সরকারের কর্মাকর্তারা যদি সেই না লিশের ফরিয়াদী না হইয়া থাকেন তবে বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদি গের কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবেরদের সম্মতিতে কালেক্টরসা হেব দেই দোষি থরীদারের ঐ থরীদের সমৃদয় টাকার শতকরা ২৫ টাকার অধিক না হয় এমত জরীমানা করিতে পারিবেন কিম্বা যদি উপযুক্ত বোধ হয় ও নীলামের তারিথঅবধি দুই বৎসর গত না হইয়া থাকে তবে ঐ সাহেবদিগের সমাতিতে সেই নালাম অসিদ্ধ করিতে পারিবেন, এবং সেই ধরীদারকে কিয়া তাহার স্থলাভিষিক্ত কি স্থলাভিষিক্তেরদিগকে সেই নীলামের মূল্যের টাকার চাব্লি অং শের তিন অপশ ফিরিয়া দিয়া সেই এরীদার কিম্বা তাহার স্থলাভি ষিক্ত কিয়া স্থাভিষিক্তেরা স্বস্থাপ্ত হইয়া থাকিলে তাহারদিগ

মত্ত্রার্পণের পরে লতে নালিশ করি তে হইবার কথা।

কে সেই ভূমিহইতে বেদখল করিতে পারিবেন ও জানা কর্ত্তব্য যে উপরের উক্ত ঐ নালিশেতে সরকার ব্যতিরিক্ত অন্য কেছ ফরিয়াদী হইয়া থাকিলে তাহা যে আদালতে হইয়া ডিক্রীর ত্কুম হয় সে আ দালতের নাহেবের ঐ হকুম হওয়ার সম্বাদ কালেক্টরসাহেবকে দি তে হইবেক ইতি।--১৮২২ সা।১১ আ।২০ ধা।২ প্র।

ভূমির তহসীলে আমলা তাহা থরীদ করিলে যে কর্ত্তব্য তাহার কথা।

৪২। স্বত্তার্পণের পর যদি আদালতের ডিক্রীর দ্বারা ইহা নিশ্চয় র সম্পর্কার কোন হয় যে আইনের অন্যুমতে কোন জমীদারী কালেক্টর সাহেবের কার্যাকারকদিণের মধ্যে কোন জনের দ্বারা থরীদ ছইয়াছে তবে ঐ থরীদারের নামে এ বিষয়ের নালিশ যদি সরকারের তর্ফহইতে কালেক্টর সাহেব কিয়া ঐ বিক্রয়হওয়া ভূমির সাবেক জমীদার অর্থবা কিছু ইনাম পাইবার আশাতে অন্য কোন জন করে। কেননা ইহার মধ্যে কোন জনহইতে পূর্ব্বোক্ত জরীমানার টাকা আদায়ের নিমিত্তে আদালতে নালিশ হইতে পারিবে। তবে ঐ আদালতহইতে হওয়া হুকুমের উপর কোন আপীল যদি না হয় কিয়া যদি আপীল হয় তবে যে আদালতহইতে ঐ বিষয়ের শেষ ডিক্রী হয় দেই আদাল তের সাহেবেরা ঐ ভূমি সরকারের থাস হইবার হুকুম হওয়ার নি মিত্তে এীযুত নওয়াব পবর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সে লেতে আপনারদিগের করা ঐ ডিক্রী পাচাইবেন। যে কোন ভূমি এই প্রকারে থাস হয় তাহা এীযুত নওয়ার গররুনর জেনরল বাহা দূর হজুর কৌন্সেলে যাহা ইচ্ছা তাহা করিতে পারেন্ ইতি।— ১৮२२ मा। ১১ আ। २०। ७थ्र।

৫ ধারা।

নীলামের উৎপন্ন টাকা আদায়করণ ও তাহা লইয়া যাহা করিতে হইবে তাহা।

প্রথম খরীদারে পুনর্কার নীলাম ক রা যাইবার কথা।

80। मर्खना प्रामधकातीत वाकी आनारसत निधिरत नीमाप्रइत्रा র জোখমেতে ভূমি ভূমির মূলোর সমুদ্য টাকা নীলামের পরে দশ দিনের মধ্যে দিতে হইবেক এবণ বায়নার যে টাকা দাথিল হইয়া থাকে ভাছা ধরিয়া বেবাক টাকা যদি ঐ দশম দিন দুই প্রহরের মধ্যে দাখিল না হয় তবে সেই দশম দিন বৈকালে কিয়া তাহার পর আর যে কোন সময়ে বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহে বেরা সময়ক্রমে ছারুম দেন সেই সময়ে কালেক্টর সাছের ঢেঁড়রা দিয়া কি ইশ্তিহারনামা দিয়া কিয়া বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা কি তাহারদিগের ক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবেরা আর যে প্রকার চ্কুম করেন দেই প্রকার করিয়া ইহা প্রচার করিবেন যে অন্যং ভূমি যে দিবদ নীলাম হইবার ত্রুম হইয়াছে দেই দিবদে ঐ ভূমি পুনর্জার नीनाम करा याहरतक उ थे श्रथम थतीनात यनि मृतनात नेमूनस है।का না দেওনের এমত হেতু জানাইতে না পারে যে তাহা কীলেকুটর সাত্বে কিম্বা বোর্ডের সাহেবেরা গ্রাহ্য করেন্ তবে কালেক্টর পাঁহেব পুনর্বার নীলাম করিবার ইণ্ডিহারকরা ঐ ভূমি পুনরায়

নীলাম করিতে পারেন্ও করিবেন ও তাহাতে যে ক্ষতি হয় তাহা ঐ প্রথম থরীদারের হইবেক ও ঐ প্রথম থরীদারের দাথিল করা বায়নার টাকা নীলামের মূল্যের সমুদয় টাকা দিতে কসুরকর্ণপ্রযুক্ত দওম্বরপে লওয়া যাইবেক এব॰ সৈই ভূমিতে তাহার কিছু অধি কার থাকিবেক না ও দিতীয় নীলামেতে প্রথম নীলামহইতে অধিক টাকা পাওয়া গেলে তাহাও পারিবেক না এব॰৲ দ্বিতীয় নীলামেতে যদি প্রথম নীলামহইতে মূল্যের টাকা কম হয় তবে যত কম হয় তাহা মালগুজারীর বাকী আদায়ের নিমিত্তে যেমতং করিতে ছকুম আছে দেই কোন মতে ঐ কমহওয়া টাকা ঐ প্রথম এরীদারের স্থানে আদায় করা যাইনেক এব॰ সেই টাকা আদায় হইলে পর তাহা বাকীদারের হিতের নিমিত্তে থরীদের টাকার দহিত তাহার নামে জমা করা যাইবেক ও যদি দিতীয় নীলামে মূল্য বেশী হয় তবে সে বেশী টাকাও বাকীদারের হিনাবে জমা করা যাইবেক ইতি।— ১৮२२ मा। ১১ जा। २১ था। ১ था।

৪৪। ইঙ্গরেজী ১৮২২ সালের ১১ আইনের ২১ ধারার ১ প্রক রণ ঔপরা যাওনেতে এমত হকুম হইয়াছে যে মালগুজারীর বাকী নরসাহেবেরু যে আদায়ের নিমিত্তে নীলামহওয়া ভূমির মূল্যের সমুদ্ধ টাকা নীলা মের পরে দশ দিনের মধ্যে দিতে হইবেক তাহা শুধরিবার নিমিত্তে হার একামতে মুলা এই ত্কুম হইল যে রাজস্থের কমিদ্যানর্দাহেবলোক যে ক্ষমতার অধীন থাকিবেন তাঁহার ঐক্যমতে যে ভূমি নীলাম হইবেক তাহার মূল্য টাকা দিবার কাল ও প্রকারের বিষয়ি নিয়ম নির্দ্ধারণ করিতে নিয়মমতাচরণ করি ক্ষমতাপন্ন হইবেন আরু থরীদারের তরফহইতে নির্দারিত নিয়ম তে বুটি হইলে নী সকল সমপূর্ণ করিতে ত্রুটি হইলে সে নীলাম অন্যথাকরণের যোগ্য লাম অন্যথা ও আ হইবেক এব°৲ যে টাকা আদায় হইয়াছে তাহা জব্দের যোগ্য <u>হই</u> দায়হওয়া টাকা জ বেক ইভি।—১৮৩০ দা। ৭ আ। ৭ ধা। ১ প্র।

৪৫। এব॰ আদালতের ডিক্রী জারীহওয়াতে যে ভূমি নীলাম হইবেক তাহাতেও ঐ ১ প্রথম প্রকরণের লিথিত ছকুম থাটিবেক ইতি।—১৮৩० मां। १ खा। १ धा। १ धा।

৪৬। ইহাও জানান যাইতেছে যে নীলামী থরীদার মূল্যের টাকা দিতে যদি কসুর করে তবে কালেক্টর সাহেব বোর্ডের দাহৈবদিগের শমতিতে ঐ নীলামকরা ভূমি পুনর্বার নীলাম না করিয়া দেই সা বেক অধিকারী ভাহার শিরের বাকী টাকা ভাহার সুদ এবণ ঐ নীলামেতে যে থরচথরচা হইয়া থাকে তাহা ও আর কোন ন্যায্য থরচসুদ্ধা আদায় করিবীর নিমিত্তে গ্রহণোপযুক্ত বন্দোবস্ত করিলে ফিরিয়। দিবার ক দেই ভূমি তাহাকে ফিরিয়া দিতে পাবেন্ ইতি।—১৮২২ সা। ১১ ज्या १३ धा १ छ।

রাজম্বের কমিস্য ক্ষমতার অধীন ওঁ৷ রণ করিতে পারিবা র কিন্ত নির্দ্ধারিত ৰ হুইবার কথা। [वाकाला। হার।উড়িষ্যা। বা

১ প্রথম প্রকর ণের লিখিড ছফুম ডিক্রী জারীহওয়া তে ভূমি নীলাম হ ইলে তাহার উপরও থাটিবার কথা।

[16 (26) কিয়া ভুমি সা বেক অধিকারিকে

৪৭। মালগুজারীর বাকী আদায়ের নিমিত্তে যে ভূমি নীলাম করা থরীদের টাকা যেরপে দেওয়া যা যায় কিয়া ঐ নীলামের থরীদারের মূল্যে টাকা দিতে কসুর হওন ইবেক তাহার ক প্রযুক্ত পুনর্কার নীলাম করা যায় তাহার মূল্যের টাকা পাওয়া থা। গেলে ঐ ভূমি যত টাকা বাকীর নিমিত্তে নীলাম হইয়া থাকে তাহা

বাবেণ অ ভূমি থও চাকা বাকার নিমন্তে নালাম হহরা থাকে তাহা এবং তাহার পুর্বের যে কোন বাকী সেই ভূমিতে থাকে তাহাও নী লামের তারিথপ্যান্ত সমুদ্র সৃদ্ধ ও ঐ নীলামেতে হওয়া থারচথরচা এবং তান্য কোন নিরম না হইয়া থাকিলে ঐ তারিথপ্যান্ত যত কিন্তির টাকা পাওনা হইয়া থাকে তাহাও ঐ টাকাহইতে কাটিয়া লইয়া সরকারের নামে জমা করা যাইবেক অবশিষ্ট টাকা সেই বাকীদারের কিয়া বাকীদারদিগের এবং সেই বাকীদার কিয়া বাকী দারেরা চাহিলে ও রমীদ দিলে টাকা তাহাকে কি তাহার্দিগ্রে

খরীদার যে কা দিতেই হউবেক। যে মাদেতে নীলাম করা যায় অন্য প্রকার বিশেষ লাবধিসরকারে মা নিয়ম না ছউয়া থাকিলে সেউ মাসেতে ঐ ভূমির উপর সরকারের লওজারীর দায়ীহ মালগুজারীর কিস্তির যত টাকা পাওনা হয় তাহা এবপ তাহার বেক ভাছার কথা। পরের সমৃদয় কিস্তির টাকা গরীদারের দিতে হউবেক এবৎ এই পা কালেকটর সাহে বের ভকুমবিনা নী রাতে লুকুম করা সাইতেছে সে নীলামের তারিখের পারে কিয়া সে মাদে নীলাম হয় দেই মাদের যে মালগুজারী দেনা হয় দেই মালগু লামের তারিখের জারীর টাকা সেই বাকীদারকে কিয়া আর যে কোন লোক আপনা প্র প্রজারা কোন জনকে মালওজারী কে সদর মালওজার ব্রিয়া তাহা তহ্মীল করিতে যায় সে যদি ঐ তহদীল করিবার নিমিত্তে কালেকটর দাহেবের গোহর ও দযুখৎ র টাকানাদিবার কথা। করা হুকুমনামা কিয়া আমলনাম।কিয়া সেই ইশ্তিহাৰকৰা বাকী

আদায় হওনের রুণীদ না দেখায় তবে তাহাকেও মফঃদলের কোন প্রজা কিয়া তাহার্দিগের পেটার কোন রাইয়ৎ না দেয় ইতি।— ১৮২২ সা। ১১ আ। ২২ পা।

8৮। नीलारमत ममरग्रर अवाकीमारतत श्रकात्मर भारत भारत माल প্রজানিগ্রের নিক ওজারীর যত টাকা বাকী পড়িয়া থাকে সেই বাকী টাকার নিমিত্তে টে বাকীদারের বা কী থাকা টাকা থ দস্তুরমতে আদালতে নালিশ করিলে পাইতে পারিবেক কিন্তু মদি রীদারকে না দেও তালা সেই বাকীদার নীলামী এরীদারকে আপন সম্মতিপূর্ম্বক আ রা গেলে দদ্র মত দায় করিয়া লইতে দেয় তবে দেই থরীদার ঐ মহাল আপনার পা আদালতে নালিশ ওনের পরে প্রভার শিরে বাকী পড়িলে যেমত করিত দেই মত ঐ করিলে পাওয়া যা इटड शाहिरात क वाकी जामारसंत कात्र वाकीमात शुकामिरशत नारम नालिश करिएड পারে ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ।২৩রা। থা।

৬ ধারা।

বোর্ড রেবিনিউর সাহেবকর্ত্ক অথবা মোকদ্মার দারা নীলাম মঞ্র.বা নামগুরহওন।

কমিদ্যানর দাহে ৪৯। উত্তর কালে কালেক্টর সাহেবদিগের প্রতি ক্ষমতা থাকি বের অনুমতিব্যতি বেক যে কমিদ্যানরদাহেবের অনুমতি পাওনব্যতিরেকে বাকীপড়া রেকে কালেক্টর ভূমি নীলামের কারণ ইশ্তিহার দেওয়ান্ ও তাহা নীলাম করান দাহেব নীলাম ক কিন্তু কমিদ্যানর দাহেবের কিম্বা আপীল হইলে দদর বোর্ড রেবি নিউর পাহেবদিগের মঞ্রীবাতিরেকে কোন নীলাম চূড়ান্ত হইবেক রিতে নাইতি। -- ১৮৩০ সা। ৭ আ। ৪ পা।

৫০। মালগুজারীর বাকী আদায়ের নিমিত্তে কোন ভূমি নীলাম হউলে কালেক্টর সাহের সেই নীলামের মূল্যের সমুদ্র টাকা পা ব নীলামের স্থাদ ওয়া গেলে পর যত শীসু ছউতে পারে তওঁ শীসু সেই নীলামের সম্বাদ ও হিসাবের কাগজ ও সেই বিগয়েতে আপনার করা কাগ্যের ক্রকারী বোর্ড কেবিনিউর সাচেবদিগের কিয়া তৎক্ষমতাপল অন্য না পাইলে খ্রাদা মাজেবেরদের নিকটে * তাঁহারদিগের মঞ্রীর কারণ পাচাইয়া দি বেন এব্🖇 বোড় রেবিনিউর সাহেদদিগের কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবদিগের মঞ্রী না পাইলে কোন নীলাম সিদ্ধ হইবেক না ও এরীদার সে ভূমির স্বস্তাধিকারী হইবেক না ইতি।- ১৮২২ ना। ১১ আ। २८ मा। ५ था।

পাবিবার किन्छ मञ्जूतीवाडिएक কে নীলাম চুডাৰ না হইবার কথা। राष्ट्राला। ८८ হার। উড়িষ্যান তা রাণস।]

কালেকটর সাচে বের্টে পাঠাইবার ও তথাকার মঞ্রী রকে স্বস্থাপণ না করিবার কথা।

০০ দিন মিয়াদের মধ্যে কোন সময়ে সেই ব্যক্তি বোড রেবিনিউর হারা বোর্ছে আর শাংহ্রেদিণের কিয়া তৎশ্মতাপন্ন অন্য সাহ্রেদিণের নিকটে তা ার আরজী লিথিয়া দিতে পারে এব ১ ঐ ৩০ দিনপ্র্যান্ত বোর্ড রেবিনিউর সাজেবলোক কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবেরা কোন নীলাম মঞুর হইবার শেষ হুকুম দিবেন না। ইহাও জানান যাই ভেছে যে বোর্ড রেবিনিউর সাহেবলোক কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য মাণ করিতে মিয়াদ নাছেবেরা সদি বিবেচনার নিমিত্তে কি অন্য কোন উপযুক্ত কারণেতে দিতে পারিবার ক ওচিত বুকেন্ তবে তাহাহইতে অধিক মিয়াদ দিতে পারেন ইতি। -->५२२ मा। ১১ जा। २८ मा। १२ थ्रः।

৫১। যাছার ভূমি নীলাম হউয়া থাকে স্বে যদি নেই নীলাম রুদ

যাহার: নীলামে করিবার নিমিত্তে নীলিশ করিতে চাহে তবে নীলামের তারিথছউতে তে অসমত হয় তা भी निष्ठ পाরিবার ও বেডের সাফেরে রা মশুরীর ভকুম দিবার পূর্ব্বে তাহা রদিগকে দাওয়া প্র

 ৫২। কালেক্টর সাহেবের পাঠান রুবকারী কিয়া ঐ নালিশকর ণিয়ার দর্থাস্ত দৃষ্টি করিয়া বোর্ড রেবিনিউর দাহেবলোক কিয়া রানীলামরদ করি পুর্বেজি তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবেরা যদি নীলাম মঞ্র না কর তে পারিবার এবং ণের উপযুক্ত কারণ আছে বুফেন তবে তাঁহারা আর যেং জিজ্ঞা শা ও অনুসন্ধান করা উচিত ও বিহিত বুকেন্ তাহা করণের পরে मह नीलाम অभिक्ष क्रिट्ड शाहित्वन अव॰ मह विभएएक वित्वकन। করিতে যে কাল আবশাক বুকেন্ দেইপর্যান্ত আপনার্দিণের মঞ্জ

বোর্টের সাহেকে ঐ বিষয়েতে তাহার দিগের দেওয়া ভ কুম চূড়াত হইবাক কথা।

* ১৮১৯ সালের ১ আইনের ১ ধারার ৪ প্রকরণে লিখা আছে যে রে বিনিউর ও দায়েরসায়েরীর কমিসানর সাহেব লোকেরা ম্বং এলাকার ^{মধ্যে} বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেতে অর্পিত যে ক্ষমতা তদনুসারে কার্য্য করি বেন এবং ঐ কমিদানর সাহেবলোকেরা এক সদর বোর্ডের অধীনে থাকি শ কার্য্য করিবেন ঐ বোর্ড সামান্যতঃ কলিকাত। রাজধানীতে থাকিবে।

রীর শেষ হুকুম দিতে বিলম্ব করিতে পারিবেন। ও যদি বোর্ড রে বিনিউর সাহেবলোক কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবেরা কোন নী লাম অদিদ্ধ হওনের ত্রুম করেন্ তবে তাহা করণের কারণ যাহাই ছউক দেই হুকুম চূড়ান্ত হইবেক ইতি।— ১৮২২ সা। ১১ আ। ২৪ ধা। ৩ প্রা

तार्ड नीलाम मश्र অন্যায়ের বিষয়ে নালিশ করা যাই বার কথা।

৫৩। যদি বোর্ড রেবিনিউর সাহেবলোক কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য র হইলেও আদাল সাহেবেরা ঐ নীলাম মঞ্জর করেন তথাপি পূর্ব্বাপিকারী কিয়া পূর্ব্বা তে সেই নীলামের প্রিকারিদিগের মধ্যে কেই তাহা রদ হইবার নিমিত্তে আদালতে নালিশ করিতে পারে এবং সেই আদালতের সাহেবেরা যদি প্রতায় যোগ্য প্রমাণের দ্বারা ইহা নিশ্চয় ব্রেন্থে নীলাম প্রবলহওনের নিমিত্রে উপবের লিখিত যেং নিয়মের আবশাক তাহার মধ্যে কোন এক কি একহইতে অধিক নিয়ম মত আচরণ হয় নাহি তবে সেই আদালতের সাহেব সেই নীলাম রদ করিতে পারিবেন কিন্তু ইহাও

রজীতে লেখাব্যতি বিক্ত অন্য কথা আ দালতে গ্রাহ্য না হটবার কথা।

বোর্ডে দেওয়া আ জানান যাইতেছে যে দেই ফরিয়াদী বোর্ড রেবিনিউর সাহেবলোকের কিয়া তৎক্ষমতাপন অন্য সাহেবদিগের নিকটে যে আরজী দিয়াছিল তাহাতে ঐ নিয়ম মতাচরণ না হওনের কথা যদি না লিথিয়া থাকে কিয়া তাহা না লিথনের প্রতায়যোগ্য কারণ না জানায় তবে আদাল তের নাহেব এই মত নালিশ গ্রাহ্য করিবেন না ইতি।—১৮২২ সা ১১ আলাই ৫ ধা।

আবশ্যক কোন नदार्डिद्दरक मा उरा হইবার ডিস্মিস तुन्धी ।

তকুম দিতে পারি বার কথা।

৫৪। ফরিয়াদী যদি আদালতের সাহেবের সমাত এমত প্রমাণ নিয়ম মত কাঠ্য না দিতে না পারে যে পুর্ফোক্ত কোন নিয়ম মত আচরণ না ছওনপ্র তওনের প্রমাণ হও যুক্ত সেই নীলাম প্রবল নহে তবে তাছার দাওয়া ডিদ্মিদ্ হইবেক কিন্তু যে আদালতে প্রথম নালিশ হইয়া বিচারপূর্ব্ধক নিম্পত্তি হয় किया या जानानराउ वे शाकक्षमात जाशीन श्रेश निष्मिति शरा (मर्डे আদালতের সাহেবদিগের যদি বোধ হয় যে কালেক্টর সাহেবের কি ব্যতিক্রম ইত্যাদি য়া তাঁহার আমলালোকের মধ্যে কোন জনের ধারা অনুপযুক্ত কর্ম ছৰলে আদালতের কিয়া নিয়মের ব্যতিক্রমে কার্য্য ছইয়াছে এবণ তাহাতে ফরিয়াদীর ' সাহেতেরা ক্ষতিপ ক্ষতি হইয়াছে তবে তাহার **যে** ক্ষতি হইয়া থাকে তাহার প্রতিকা রণের টাকা দিবার ব্লার্থে যত টাকা আদালতের সাহেবদিগের উপযুক্ত বোধ হয় তত টাকা ফরিয়াদীর পাইবার ভকুম দিতে পারিবেন এবং এমত হইলে আদালতের দাহেনেরা স্লফ্ট করিয়া ইহা ডিক্রীতে লেথাইনেন যে ঐ ক্ষতিপূরণের টাকা সরকারহইতে দেওয়া যাইবেক কি কালেক্টর

कोत्मल जानाइ তে পারিবার কথা -

ও তাহারা ধরী সাহেব নিজহইতে দিয়েন কিয়া তাঁহার আমলার মুখ্যে কোন জনের দারের জেশের ক দিতে হইবেক ও ইহাও জানান যাইতেছে যে এপ্রকার মোকদমাতে / থা প্রায়ুতের হজুর আদালতের সাহেবেরা প্রায়ুত নওয়াব গবর্নর্জেনরল বাছাদুরের হজুর কৌন্সেলে এমত প্রামশের কথা লিখিত নিবেদনপত্র পাচাই তে পারিবেন যে ঐ নীলামকরা জমীদারী পুনর্ব্বার ফরিয়াদীকে ফি রিয়া দেওয়া যায় এবণ্মরীদারকে প্রতিদান অর্থাৎ তাহার বদল যত

খারীদারকে প্রতি টাকা দেওয়া উপযুক্ত বোধ হয় তাহাও তাহাতে লিথিবেন এব^০১

তাছাকরণের কারণসকল বেওরা করিয়া ডিক্রীতে লেথাইবেন এব০১ দানের টাকা দিলে যদি কোন আদালতছইতে কোন মোকদ্দমার বিষয়ে এীযুত নওয়ার পর সাবেক জমাদা গবর্নর্জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলে এমত নিবেদনপত্র পাচান যায় ও ঐ নিষ্পত্তির হুকুমের উপর অন্য আদালতে আপীল না হয় তবে এীযুত নওয়াব গবর্নর জেনরল বাহাদুর হজুর কৌ ন্সেলে যদি ইহা মনে স্থির করেন যে ঐ বিষয়েতে আপন অভিনি বেশ করা উপযুক্ত তবে এমত হুকুম দিবেন যে ফরিয়াদী আদালতের সাহেবের লিথিয়া পাচান প্রতিদানের টাকা থরীদারকে দিলে সেই জ্পীদারী তাহাকে ফিরিয়া দেওয়া যায় কিন্তু যদি থরীদার ঐ থরীদ বিষরের করা ভূমি দিতে না চাহে ও চলিত আইনানুসারে সে মোকল্লমার হইবার আপীল হইতে পারে তবে ঐ গোকদ্দমার আপীল হওনের যোগা কথা। আদালতে শ্রীযুত নওয়ান গবর্নর্ জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌ ন্সেলে আদালতৈর সাহেবের পাচান নিবেদনপত্রের উপযুক্ততার বিরোধ করিবার নিমিত্তে আপীল করিতে পারে যদি তাহা হুর তবে যেপর্যান্ত আদালতেতে তাহার শেষ নিফপত্তি না হয় সেই পর্যান্ত ঐ খ্রীযুত হজুর কৌন্সেলহইতে হুকুম দিতে বিলম্ব করিবেন কিন্তু থরী দার ঐ প্রতিদানের যত টাকা পাইবার স্থির করা গিয়াছে তাহা ক্ল তির সমান না হওনমাত্রের বিষয়ে যদি সে নালিশ করে তবে যে আদালতহইতে প্রথম ডিক্রী হইয়াছে দেই আদালতের প্রামর্শের নিবেদনপ্রানুসারে কাহ্যকরা যদি এীযুত নওয়ার গ্রন্নর্জেনরল বাহাদুর হজুর কৌন্সেলেতে স্থির করেন তবে তৎক্ষণে হুকুম দিতে পারেন্ যে দাবেক জমীদার দেই থরীদারকে বিবেচনার দ্বারা প্রতি দানের যত টাকা দিবার হুকুম হইয়াছে তত টাকা তাহাকে দিলে জ্মীদারী ফিরিয়া দেওয়া যাইবৈক এব॰১ ইহা হইলে দেই আপীল করিতে যে রদুম লাগে তাহার হিদাব হুকুমহওয়া প্রতিদানের টাকা ও থ্রীদার যত টাকা চাহে তাহা একুন করিয়া যত হয় তাহার অর্দ্ধে কের উপর করা যাইনেক কিন্তু এমতে যে ব্যক্তি আপীল করে সে ন্যক্তি আপনকরা আপীলের দাওয়ার বিষয় অর্থাৎ হুকুমকরা প্রতি দানের টাকা ক্ষতির সমান না ছওয়ার বিষয়ব্যতিরিক্ত আর কোন বিষয়ে আ**দালতহইতে হুকুম পাইৰেক না ও এপ্ৰকারে শে**ষেতে যে হুকুম হইবেক তাহা আমলে আদিবার নিমিত্তে ঐ ভূমি বন্ধকরূপে থাকিবেক ইতি।--১৮২২ সা। ১১ আ। ২৬ ধা।

৫৫। কেহ ভূমি নীলামের মূল্যের টাকাহইতে কিছু লইলে পর मह नोलाम बहोलथाकरनत विरंतारथ नालिश कतिरु शांतिरवक ना पाकात किए शाह এব॰১ ঐ ভূমির নীলাম বহালথাকনের বিরোধে নালিশ উপস্থিত হ ইয়া যত দিন তাহার নিষ্পত্তি না হয় দে পর্যান্ত নীলামের মূল্যের টাকার কোন অংশ দাবেক জমীদারের আর কোন দেনা শোধের কারণ দেওয়া যাইবেক না ও ইহাও জানান যাইতেছে যে দেই নীলাম বহালথাকনের বিরোধে নালিশ উপস্থিত হইলে পর এরীদার কিয়া শেই ভূমিদম্বন্ধীয় আর কোন লোক ঐ নীলামেতে সরকারের বাকী

র ভূমি ফিরিয়া পা ইবেক এ ভকুম 🖺 गुरुत रज्तुरुहेरु

ঐমত নিবেদিত আপীল বিশেষ

কেহ খবীদের নীলামের বি রোধে নালিশ না করিতে পারিবার মুলোর মধ্যে সর কারী বাকীর অতি রিক্ত টাকা দিয়া কোম্পানির কাগজ বার কথা।

ঐ ভূমিসম্পর্কায় হইতে অধিক যত টাকা পাওয়া গিয়া থাকে সেই অধিক টাকা দিয়া লোকেরা নীলামের তৎকালীন কোম্লানির কাগজের যে দর থাকে দেই দরে কোম্লানির কাগজ কেনা যাইবার কারণ কালেক্টর সাহেবদিগের কিম্বা বোর্ড রেবিনিউর সাহেবলোকের কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবদিগের নিকটে দর্থান্ত করিতে পারিবেক ও যদি ইহা হয় তবে ঐ মোকদ কিনিবার অর্থে দর মার নিষ্পত্তি হইলে ঐ টাকা তাহার দঞ্চিত সুদসুদ্ধা তাহা পাওনের খান্ত করিতে পারি যোগ্য ব্যক্তিকে দেওয়া যাইবেক ও এপ্রকার দর্থান্ত না দেওয়া গে লে সরকারের তেজরীতে ধাকা সেই অধিক টাকার উপর যে সুদ হইতে পারে তাহা দেওয়া যাইবেক না ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ ৷ ২৭ ধা ৷ ১ পু ৷

নীলাম অসিদ্ধ হ য়ে য়ত বাকী ছিল তাহা সুদসুদ্ধা আ माय कर्ने भे ख्रि কিরিয়া পাইবার কারণ হইবার ক था।

সরকার বাকীদা রের স্থানে যে হা রে সুদ লইয়া থা কেন বাকী আদা য়ের নিমিছে রাখা টাকার সুদ সেই হারে দিবার কথা।

৫৬। ইহাও জানান যাইতেছে যে এই আইনের ৫ ধারাতে নীলা ইলে নীলামের সম মের বিষয়ে যেথ নিয়ম লেথা গিয়াছে তাছার মধ্যে কোন নিয়ম মত কার্য্য না হওনপ্রযুক্ত যদি আদালতের ত্রুমেতে কোন জমীদা तीत नीलाम অमिक रेंग्र अव॰ ইरा अ निक्त रंग्र (य नीलामित मम য়েতে পড়া বাকী দাবেক জমীদারের শিরে আছে তবে যে পর্যান্ত সেই বাকী সুদসুদ্ধা দাখিল না হয় সেপর্যান্ত সে জমীদারী ঐ বাকীদা রকে ফিরিয়া দেওয়া ধাইবেক মা এবণ্ম সরকারহইতে এরীদের টাকা থরীদারকে ফিরিয়া দেওয়া যাইবার সময়ে তাহাকে বাকীদারের স্থানে পাওনা বাকী শোপের নিমিত্তে সরকারে যত টাকা রাথা গিয়া থাকে তত টাকার উপর শতকরা যত করিয়া সুদ বাকীদারের স্থানে লওয়া গিয়া থাকে তত করিয়া দুদ দেওয়া যাইবৈক ও এই মত যেং বিষয়েতে ইহাও নিশ্চয় জানা যায় যে নীলামের সময়েতে মালগুজা রীর কিছু ৰাকী ছিল না দেই২ বিষয়েতে সরকারী বাকী শোপের নিমিত্তে সরকারে যত টাকা রাথা গিয়াছিল তত টাকা তাহার সুদ मुक्ता थतीनातरक मतनात्रहरें छितिया निरं हरेरवक रेडि ।---১৮े-२२ मा। ५५ **खा। २**१ धा। ३ थु।

৭ ধারা

ভূমির দথল দেওন ও বিবাদ ভঞ্জন।

কালেক্টর সা হেবেরা আবশ্যক বুঝিয়া ভূম্যধিকা রি প্রভৃতিকে রুজু আনাইতে পারিবা রু কথা।

🗳 । নীলামী ভূমিদকলের ক্রেতাদিগেরে হকুম আছে যে তাহার। আঁপন্থ ক্রতি ভূমিথাকা জিলার কালেক্টর সাহেবের সমীপে নিজে রুজু হইয়া কিয়া আপন্ধ গোমাস্তা লোককে সমুর্ণ ভার দিয়া রুজু করিয়া সেই সকল ভূমির অর্থে কবুলিয়ত ও ভাইত কিস্তিবন্দী দা थिল করে। ইহাতে যদি কালেক্টর সাহেবদিগের কেহ সেই ক্রে তাদিগের কোন ব্যক্তিকে স্বয়°১ ক্রেডা জ্ঞান না করেন কিশ্বা নীলামী কোন ভূমি ইঙ্গরেজী ১৭১১ সালের ৭ সপ্তম আইনের ২১ ধারার ৩ তৃতীয় তথা ৪ চতুর্থ প্রকরণের * লিখিত ছকুমের ব্যতিক্রমে ক্রয়

[📍] এই আইনের ২৯ ধারার ও। ৪ প্রকরণ ১৮২২ সালের ১১ আইনের ছারারদ হইয়াছে।

হইয়াছে এমত বুকেন্ তবে দে দাহেবের ক্ষমতা আছে যে দেই স্বয়°৲ ক্রেতা তাঁহার সণ্∿ক্রান্ত জিলার নিবাসী হইলে তাহাকে আ পন কাছারীতে রুজু আনান্ অথবা যদি সে ব্যক্তি অন্য জিলার নি বাসী হয় তবে দর্থান্ত লিথিয়া ভথাকার কালেক্টর সাহেবের স্থানে পাঠান তদ্যেউ সে সাহেব সেই স্বয় ে কেতাকে তলব করিয়া আপন কাছারীতে আনাইবেন এবণ্ তাহার বিচার ও বিবেচনার্থে দে ভূমি থাকা জিলার কালেক্টর সাছেব যে মত দরথাস্ত করেন্ কিয়া বৌর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা যে রূপ হুকুম দেন তদনুসারে বিচার ও বিবে চনা করিয়া তাহার হকীকৎ বেওরা করিয়া লিখিয়া তাহাতে ঐ ৭ দপ্তম আইনের ২১ ধারার ৪ চতুর্থ প্রকরণানুসারে শ্রীযুত গবর্নর্ জেনরল বাহাদ্রের হজুর কৌন্সেলের ত্রুম হইবার কারণ ঐ বোর্ডে পাচাইবেন ইডি।—১৮০১ সা। ১ আ। ১০ ধা।—দত্ত দেশ —১৮০৩ সা।২৭ আ।৫১ ধা।

৫৮। বোর্ড রেবিনিউর দাহেবলোকের কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবদিগের হজুরহইতে নীলাম মঞুরহওনের হুকুম পাইয়া কালে । এর নিয়ম। কুটর সাহেবেরা আপন্থ জিলার সর্হদের মধ্যগত নীলাম বিক্রয় হওয়া পরগনার কিয়া মহালের প্রধান কাছারীতে এব ে যে দেও রাকোনং কাছারী য়ানী আদালতের হকুমতের মধ্যে ঐ মহাল কিয়া জমীদারী কিয়া তেপ্রচার করিবার তাহার কোন অণ্শ থাকে শেই আদালতের কাছারীতে নীলামের সময়ে যেমন ইশ্তিহার দেওয়া গিয়াছিল সেইমত নীলামে বিক্রয় করা ভূমির সমস্ত বেওরা ও থরীদারের নাম ও তাহার থরীদের তা রিথ ও সেই ভূমিতে পূর্বাধিকারির যেং স্বত্ব ছিল থরীদার সেই ভূমিতে দেই ইত্বপ্রাপ্তহওনের কথা ইশ্তিহারনামা দেওনাদির দ্বারা প্রচার করিয়া এরীদারকে তাহার স্বত্বার্পণ করিবেন ও যদি সেই থরীদারকে স্বস্থার্পণের জন্যে আর কোন কার্য্যের আবৃশ্যক হয় তবে র কোন কার্য্যের কালেক্টর দাহের দেই ভূমি যে জিলার কি শহরের অধিকারেতে থাকে সেই জিলা কি শহরের জজ্ঞসাহেবকে এত্তেলা করিবেন এবং ঐ জজদাহের পুর্বোক্ত ঐ ইশ্তিহারনামা দৃষ্টি করিয়া তাহাতে বি শেষ করিয়া যাহাথ লেখা থাকে তদনুসারে আদালতের চ্কুমেতে বিক্রয়হওয়া ভূমির স্বত্বার্পণকরণার্থে যেমতং করা যায় দেই মত করিয়া ঐ থরীদারকে সেই থরীদকরা ভূমির স্ব্তার্পণ করিবেন ≷िः ।—১৮২২ मा। ১১ আ। २৮ ४।। ১ थ्रे।

৫১। यपि प्रानश्चकातीत वाकी जामारत्रत निप्रिरत्न नीनाप्रकता ভূমির স্বত্তার্পণকরণের কিছু প্রতিবন্ধক হয় তাহা দাবেক জমীদার দিগের প্রতিকূলাচরণ করাতে এব॰৲ তাহারদিগের সেই নীলামহ ওয়া ভূমির কোন অংশতে ম্বত্বের যে অবশেষ থাকে তাহার নির পণকরা সুস্করহওয়াতে বা হউক কিয়া দেই ভূমির মধ্যে আমার

ভূমির মত্তার্প ও তাহার বেও

স্বজার্পণার্থে আ আবশ্যক যদি হয় তবে আদালতের জজ সাহেবের নিক টে এত্তেলা করিতে হইবার এবং আদা লতের ভকুমে বি ক্রীত ভূমির আৰ্পিণাৰ্থে যেমন২ যায় সেই মতে ৰজাৰ্পণ করি বার কথা।

পৃথক্ ৰজ্ঞ কি मीभात विवासिएड কি অন্য কোন উপ যুক্ত কারণেতে ব আপিণকরণেতে বা

র কথা।

ধা জিমিলে যাহা এমন তালুক কিয়া অন্য কোন মৃত্ব আছে যৈ নীলামেতে তাহার করা যাউবেক তাহা হানি হইতে পারিবেক না এমত বাকাবাদি কোন লোকের বিবাদে বা হউক কিয়া দেই ভূমির নিকটবর্ত্তি ভূমির অধিকারিদিণের সহিত गोमानात विवापरे जामिर अशास्त्र वा रेडेक किया थे ज्ञिमसूकी श এমত কোন বিষয় উপস্থিতহওয়াতেই বা হউক যদর্থে কিমিদানর নিযুক্তকরণের আবশাকতা হয় যে তিনি সেই স্থানে যাইয়া উভয় বিবাদিদিণের পরস্তার দাওয়ার বিচার করিয়া নিষ্পত্তি করেন যে কোন্ ১ ভূমি থরীদারকে দেওয়া যাইবেক এব ে কোন ২ দাওয়ার নি মিত্তে থরীদারের বিবাদের উপর নালিশ করিতে হইবেক কিয়া বি এমুত নওয়াব গবর বাদী থরীদারের উপর নালিশ করিবেক তবে এ সকল প্রকারেতে

लश्हेरड थे विवास র সরাসরী নিম্প ভির নিমিতে সরকা রের চাকর কোন কাৰ্য্যকাৰক সাহে বকে কমিস্যান্র নি বার কথা।

নর্জেনরল বাহা প্রীযুত নওয়াব গবর্নর জেনরল বাহাদুর হজুর কৌন্সেলহইতে দেই দুর হজুর কৌলে নিমিত্তে কোয়ানি বাহাদুরের সরকারের অবধারিত রাজকীয় কাগ্য কারক কোন সাহেবকে কৈমিদ্যানর করিয়া নৈই স্থানে পাচাইতে পা রিবেন এব এই ধারানুসারে যে সাহেব কমিস্যানর হন্ তিনি প্রথ মতঃ নীলামে ক্রয়করণের দারা যে ভূমিতে থরীদার প্রাপ্তাধিকার জ্ঞান করা যায় দেই ভূমির দীর্মানিরূপণ এবণ্ তাহার অধিকারী পদবী পাওয়াতে তাহার তাহাতে যে২ স্বস্কু ও অধিকার ছইবেক যুক্ত করিতে পারি সেই২ স্বস্তু ও অধিকার যেপ্রকার এব॰ যেপ্র্যান্ত তাহারো নিরূপণ করিয়া তদনুসারে থরীদারকে ভূমির শ্বস্তার্পণ করিবেন এবৎ কমি দানর দাহেব যে নিষ্পত্তি করেন্ তাহাতে যে ব্যক্তি অদমত হয় দেই ব্যক্তি ভূমি যাহার পাইবার অর্থে নিষ্পত্তি হয় তাহার উপর আপ

ষেশ ভকুম নাহই লে কমিদ্যনর সা হেব আদালতম্বরূপ হইবার এবং আদা लट्डित मममग्र कम তাপন হইবার ক था।

নার দাওঁয়ার নালিশ আদালতে করিতে পারিবেক এবং যেপগ্যন্ত সেই কমিদ্যনর দাহেবের করা নিষ্পত্তি আদালতের হুকুমেতে রদ অনা প্রকার বি না হয় দেপগান্ত তাহা বহাল ও স্থির থাকিবেক ও সরাসরী এবং যাহাতে দওয়াল ও জওয়াবওগয়রহ হয় এমত সমস্ত নিফ্পন্তি ও হ কুম করণেতে দকল আদোলতে তদনুসারে কার্য্য করা যাইবেক। পূর্ব্বোক্তমতে নিযুক্ত কমিদ্যানর লাহেব যদি প্রীযুত নওয়াব গবরুনর জেনরল বাহাদুর হজুর কৌন্সেক্ত্ইতে বিশেষরূপে অন্য হকুম না পান তবে জিলার আদালতেতে সরাসরী মোকদ্মাসকলের বিচার ও নিষ্পত্তি করিবার বিষেয়ে যে২ নিয়মমত কার্য্য করা যায় সেই২ নিয়মানুদারে আপন ভারের কার্য্য করিবেন এবণ তাঁছার নিকটে যে২ বিষয় উপস্থিত হয় দেই২ বিষয়েতে যেই লোকের কোন প্রয়োজন হয় তাহারা ফরিয়াদী কি আসামী কিয়া তাহারদিগের মোঁখার অথবা তাহারদিগের বিষয়ের তক্তবীজ হইবার জন্যে তলব 🖫 ওয়া দাক্লীই বা হুউক তাহারদিগেরো প্রতি তিনিই আদালতম্বরূপ র্দান্য হইবেন *প্*রণ জিলার ইদওয়ানী আদালতে যাহা করিবার ক্ষম 🕏 আছে কমিদানর দাহেব উপরের উক্ত বিষয়েতে ও লোকদকলের প্রতি এব°৲ তাঁহার কাছারীতে নিযুক্ত কিম্বা উপস্থিতহওয়া লোক দিগেরো প্রতি দেই ক্ষমতা স্থাধিবেন ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ। राम्या । र প्रा

৬০। অমুক ভূমি নীলামে বিক্রয়হওয়া ভূমির শামিল নহে এই আপত্তি कतिया येषि मारतक जभीमात थतीमात्ररक थे भीलामकता भित ভূমির মধ্যণত কোন ভূমির স্বস্তার্পণ করণপ্রযুক্ত বিবাদ করে তবে मिंदे नात्वक जमीनात मिटे ज्ञिम कितिया शाहैवात निमित्त (मध्या নী আদালতে নালিশ করিতে পারে ও ঐ মত যদি থরীদার বোধ করে যে জজদাহের কিয়া উপ্তিরে লিখিতমতে নিযুক্ত কার্য্যকারক সাহেব যে ভূমি আমাকে অপণি করিয়াছেন আমি নীলামের দারা তডিন্ন অন্য ভূমিরো স্বত্তাধিকারী হইতে পারি তবে দেই এরীদার দেওয়ানী আদালতে সাবেক জমীদারের উপর ভাহার কারণ না লিশ করিতে পারে ইতি।—১৮২২ সা।১১ আ।২৮ ধা। ৩ প্র।

নীলামহওয়া জু পরি মাণের বিষয়ে খরীদার ও मार्क जभीमार्क उ दिवाम रहेल যাহার কর্ত্তা হাহা

৬১। যে মহাল নীলামে বিক্রয় হইয়াছে তাহার উপর সরকা त्त्र (य जमा निर्कातिष আছে उप्नाशी (य जमि जारात मार्थ) अमृक र वाकि नीनामरेख ভূমি নহে তাহা নীলামের লাটের শামিল হউক বা না হউক এ রা ভূমির পুরিমা কথা কহিয়া যদি সাবেক জমীদারভিন্ধ আন্যাকেহ এমত দাওয়া করে যে নীলামী থরীদারকে দেওয়া যাওয়া ভূমির মধ্যগত ঐ অমুক ভূ ক্লান্তি যে মতে করা মিতে আমার স্বত্ব আছে তবে দেই নীলামহওয়া মহালের পূর্ব্বাধি যাটবেক ভাহার ক কারী এব ে ঐ থরীদার এই দুই জনের নামে ঐ ভূমি ফিরিয়া পাই थ।। বার কারণ আদালতে নালিশ করিতে পারে যদি আদালতের বিচা রেতে ফরিয়াদীর দাওয়াকরা ঐ ভূমি কিয়া অন্য বস্তু ফরিয়াদীর পাইবার অর্থে ডিক্রী হয় তবে নীলামহওয়া মহালের পূর্বাধিকা রির তাহাতে হওয়া আদালতের সমস্ত এরচা দিতে হইবেক এবং যদি আদালতে ইহা জানা যায় যে যে ভূমির কিয়া অন্য বস্তুর দাও য়ায় নালিশু হইয়াছে তাহা বিক্রয়হওয়া মহালের কোন অংশের ন্যায় পূর্ব্বাধিকারির ভোগদখলৈ ছিল কিয়া স্লয়ক্তপে নীলামের লাটবন্দীর শামিল হইয়াছিল তবে আদালতের সাহেব পূর্ব্বাধিকা রির স্থানহইতে থরীদারের হওয়া ক্লুতিপুরণের টাকা তাহাকে দেও য়াইবেন ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ। ২৮ ধা। ৪ প্র।

থরীদার ও তৃতী ८१व विषयः विवास করিলে ভাহার নি

৮ ধারা। ভূমির জমাপাগ্যকরণ।

৬২। যে কোন অধিকারভূমি নীলামে বিক্রর হর কিঁয়া তদধিকা রির স্বেচ্ছায় হস্তান্তরে যায় দৈ ভূমির মোকররী জমা ধার্য্যের দাঁড়া ফৌন অধিকার হ ইঙ্গরেজী ১৭১৩ সালের ১ প্রথম আইনের ১০ দশম ধারায় লেঝা ভাততে গেলে তা আছে অর্থাৎ সন্মুদায় অধিকারের জমার ধার্যা ষেরূপে তাহার তাৎ হাতে ইং ১৭৯৩ কালিকউৎপন্নের সহিত থুঁট মিলাইয়া করিতে: হয় সেইরুপৈ হস্তা ন্তরগত কিসমতের জমার ধার্যাঞ্চ ভাহার তাৎকালিকউৎপল্লের সঙ্গে খুঁট মিলাইয়া করিতে হইবেক। ,এ, হুকুম কোন অধিকারের কিদ মৎ নীলাম ছইলে কিয়া তদ্যাধিকারিক স্থেচ্ছায় হস্তান্তরে গেলে অ থবা কোন সাধারণ অধিকার তদধিকারিগণের কিন্তা তাহারদিগের হার। উজিল্লা। বা

नीमा यथा पिट ७ সাজের ১ আইনের ১০ ধারাদুফৌ সাব ধানে কার্য্য করিবা র কথা।

বিহ্লোলা। বে রাণস।

ব্যুৎপত্তির কথা।

উৎপদ্দ শব্দের উত্তরাধিকারিদিণের আপোদে অৎশাৎশি ছইলে অথবা প্রকারা ন্তরে বাঁটওয়ারা করিলে ভাহাতে সর্বনা থাটিবেক। এ ধারাক্রমে উৎপন্ন শব্দের অর্থ এই জানিবেন যে অজ্থাজানাআদি নানাপ্রকা রে যত রাজস্ব সমুৎসরে ভূমাধিকারিগণের প্রাপ্য হয় তাহাতে তহ দীলের এরচদিগর নিয়মিত দরজামী ও পুলবন্দীপ্রভৃতির যে এরচ পত্র ভূমাধিকারিগণের মোট উৎপন্নছইতে দিতে হয় তাহা বাদে যে থাকে তাহাই উৎপন্ন বলা যায়। কিন্তু তাহার মধ্যে মালিকানা এতাবতা অধিকারিতা লভ্য এবণ্ম অপর যে কিছু অধিকারিগণ নি জথরচ করে তাহা মজুরা পড়ে না। হেতু এই যে অধিকারের উৎ পন ধরিয়া সমান হারহারিতে অংশাংশি করিতে লাগিলে এবং তাহার সরকারী জমার ধার্য্য নিরূপিত দাঁড়ায় করিতে হইলে তৎকা লে এমত দাওয়া সম্ভব ও গ্রাহ্য হয় না। এব ০১ ঐ আইনেও তৃকুম আছে যে অধিকারের যে উৎপন্নদৃষ্টে জমার ধার্য্য করিতে হইবেক তাহার বিবেচনা ও তহকীক্ যেরপে করিবার অর্থে এীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর নির্ণয় করিয়াছেন কিয়া করিবেন সৈই রূপেই করা যাইবেক। আর ঐ ১৭১৩ সালের ১ প্রথম আইনের লিথিত দাঁড়ায় সরকারী জমার ধার্য্যার্থে যে হিসাবকিতার কর্মচারিগণ ঐ ১৭৯৩ দালের ৮ অফ্টম আইনের ৬২ ধারার ৪ চতুর্থ * প্রকরণানু সারে যোগায় তাহা প্রায় সর্বাদা অন্তদ্ধ ও অকর্মাণ্য হয় এবং তাহা সময়বিশেষে সরকারী আমলার হস্তেও আদিতে পারে না। অতএব এ ধারাক্রমে হুকুম আছে যে যদি কথন কোন কালেক্টর সাহেবের কিম্বা অধিকার ভূমির কিদমতের জমা ধার্য্যের ভারপাওয়া সরকারী অনা আমলার এমত বোধ হয় যে ঐ ৮ অফ্টম আইনের ৬২ ধারার ৪ চতুর্থ প্রকরণের কিয়া অন্য আইনের অনুসারে গ্রামসকলের কর্মা চারিগণ যে হিসাবকিতাব দিয়াছে ভাঁহা প্রকৃত ও ওদ্ধ নহে অথবা যদি সে কাগজ ঐ ৬২ ধারার ৮ অফ্টম প্রকরণের লিখনমতে তহ কীক করাতে গণতায় হওয়া কিষ্বা ফেরফারকরা ঠাহরে অথবা অপ্র কৃত জ্ঞান হয় কিয়া যদি সে অধিকারের জগীনের ও জমার ও উসু লের ও এরচের কাগজপত্র প্রস্তুত না থাকে তবে সে কালেক্টর সা হেব কিয়া দরকারী অন্য আমলা ইঙ্গরেজী ১৭৯১ দালের ৭ দপ্তম আইনের ২১ ধারার ১ প্রথম প্রকরণের অথবা অন্য আইনের অনু দারে পাওয়া ক্ষমতাক্রমে যদি দে অধিকার ক্রমীদারী কি তালুক কি অন্য যে দ ্জাধ হউক তাহা সমুদায়ের গত তিন সনের তথা হকী ক পাইয়া থাকেন্ও তন্মধ্যে যে মহালের কি মহালাতের জনার ধার্য্য করিতে হইবেক তাহার নিদর্শন রহে তবে দেই মহালের কিয়া মহালাতের উপর তত জমার ধার্য্য করিবেন যত জমার ঠাহ্র আপ নার পাওয়া দে অধিকার দমুদায়ের তথ্য হকীকৎদৃষ্টে উৎপন্নের

^{*} ১৭৯৩ সালের ৮ আইনের ৬২ ধারা ১৮১৭ সালের ১২ আইনের ছারা রদ হইল। এই গ্রন্থের পশ্চাৎ লিখিত যে অধ্যায় পাটওয়ারিবিয মক তাহা দেখা।

দহিত খুঁট মিলাইয়া নির্দারিবার নিদর্শনী সচরাচর ত্রুমের অনু সারে হয়। আর আপনার পাওয়া হকীকতী কাগজ শুদ্ধ বটে কি না কেবল ইহাই বৃকিবার কারণ কর্মচারিগণের দেওয়া কাগজের প্রতি প্রতায় রাথিবেন। কিন্তু কালেক্টর সাহেবের কি ঐ ভারপ্রাপ্ত দরকারী অন্য আমলার দর্ম্বদা কর্ত্তব্য যে প্রকৃত ও শুদ্ধ কাগজ পাই বার কারণ যে উপায় আইনমতে করা আবশাক ভাহা করিতে মনোযোগী থাকেন্। এতদ্ভিন্ন উচিত যে অণ্শাণ্শিহওয়া অধি কারের একং কিসমতের জমার ধার্য্য সেই অধিকার সমুদায়ের যে উৎপন্নদৃষ্টে করিতে হয় দে উৎপন্নের কাগজ এমত আলোচন ও তহকীক্ করিয়া বুকেন যে তাহার দহিত থুঁট মিলাইয়া জমার ধার্যা করাতে সরকারের ক্ষতি না দর্শে। আর কর্ত্তব্য নছে যে কোন কা লেক্টর সাহেব এমতে প্রতীতি না জিমলে পৃথকং কিসমতের জমা পার্যা করিবার পরামর্শ বোর্ড রেবিনিউতে লিথেন্ কি ঐ বোর্ডের সাহেবেরা তাহা মঞ্জুর করেন এব°৲ এ আইনমতে কালেক্টর সাহে বেরা যে কোন অধিকার নীলামে বিক্রয় হয় কিয়া তদধিকারিতে স্বেচ্ছায় হস্তান্তর করে তাহার জমার ধার্যাও ঐ বোর্ডের বিনামগুরী তে করিতে পারিবেন না। এব॰ অ॰ শিদিগের আপোসে কোন অপিকার অণ্শাণ্শি হইলে তাহার একং কিসমতের জনার ধার্য্য বেরা বোর্ড রেবিনি ভূলচুক ও গণতা শুধরিয়া করিবার যে দাঁড়া ইঙ্গরেজী ১৭১৩ সা লের ২৫ আইনের ২৫ ধারায় আছে তাহার এবণ যে কোন ভূমি নীলাম হয় তাহার জমার পার্য্য ভুলচুক ও গণতা দারিয়া করিবার যে দাঁড়া ইঙ্গরেজী ১৭৯৯ সালের ৭ সপ্তম আইনের ২৯ ধারার ২ দ্বিতীয় প্রকরণে আছে তাহাও ঐ বোর্ডের বিনাআদেশে ফেরফার कतिएक भक्क इडेरन ना। अव॰ श्राममकरलत कर्मागतिनार मञ्जरक যে বিধি ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ৮ অঊম আইনের ৬২ ধারার লিথনানুসারে আছে তাহাও এ আইনমতে নিবর্ত্ত করা গেল না। বর°৲ সে ত্রুম অতিশয় গুণকারক হইবার কারণ এ ধারাক্রমে আদেশ আছে যে কর্মচারিগণের বাহির এদেশীয় লোক যে সকল আমলা অধিকারের জমীন ও জমার ও উদুলতহ্দীলের ও থরচ পত্রের হিদাবকিতাব রাখিবার কারণ ও তৎসপক্রান্ত অন্যথ ব্যা পার চালাইবার নিমিত্তে আবৃত থাকে তাহারদিগের প্রতিও ঐ ৬২ ধারার ৩। ৪। ৫। ৬। ৭। ৮ প্রকরণের হুকুম চলিবে। ইহাতে যদি কথন কোন আদালতে প্রমাণ হয় যে দে সকল আমলার কেহ ঐ হিসাবকিতাবী কাগজ কৃত্রিম কিয়া ফেরফার করিয়াছে অথবা কোন প্রকারে অন্তন্ধ কাগজ জ্ঞাতদারে দিয়াছে তবে মিখ্যা দিব্য করিলে যে শাস্তি পাইবার বিধান ঐ ৬২ ধারার ৮ অফীম প্রকর ণের অনুসারে আছে তদতিরিক্ত আদালতের হুকুমমতে আপন মনি বের কার্য্যহইতে অবদর হইবেক। এবণ্৲ ভাহার মনিবের প্রতিও বল বিং হকুম দেওয়া যাইবেক যে সে আমলাকে পুনরায় কথন চাকর না পরাধকরিলে মুলে तात्थ यिन तात्थ जत्व विषय बुक्षिया जजनात्ह्य यज मध निर्वय करतन् व निधनकरम मध তাহার দায়ী তদ্য মনিব হইবেক ইতি।—১৮০১ দা।১আ।৮ ধা।

কালেকটর সাহে উর বিনা ছকুমে জ মার ধার্য্য করিতে এবৎ মুলের লিখি ত ভ্লচ্ক খধরিবা র দাঁড়া ফেরফার করিতে না পারিকা র কথা।

গ্রামসকলের ক মাঁচারিগণের সং काछ उत्रदिकी ५१ ৯৩ সালের ৮ আ ইনের ৬২ ধারার বিধিসাব্যস্ত থাকি বার কথা।

মুলের লিখিত কএক প্রকরণের ছ কুম কর্মচারিছাড়া অন্যং আমলার স ম্পর্কেও বাছলা হই বার কথা।

কোন আমলা অ হইবার কথা।

নীলামকরা ভূমি তাহার জমা নিরূপ ণের প্রকার ও অ নাথ বেওৱা জানা ইবার কথা।

ব্যস্তের বিষয়ে প্রা মাণ্য না হইবার ক QT 1

না হইবার কথা।

য়মানুসারে দশবৎ কথা।

কোন মহালের কতক ভূমিতে নিরু জানা গেলে ও থবী না হইলে দশবংস লেলে সেই নীলাম রশ করিতে পারেন ও কোন নীলাম এই প্রকারে রের মধ্যে সেই নী লাম রদ হইতে পা রিবার কথা।

ণহওয়াতে যে পক্ষে द्र लाख रहेशा था কে তাহার পক্ষাস্ত রকে ক্ষতিপূরণের ष्टें का मिर्टे श्रिष्ट ণের নিমিত্তে কত টাকা দিবেক কিম্বা ঐ এরীদার কি তাহার স্কুলাডি

৬৩। যদি নীলামকরা কোন লাট জমার বন্দোবস্তুছওয়া কোন কোন মহালের ম মহালের মধাহইতে নীলামের নিমিত্তে পৃথক্ করিয়া ভাহাতে পৃ ধ্যের কতক হউলে থক্রপে জমার নিরপণ করা গিয়া খাকে তবে নীলামের সময়েতে থরীদারদিগের জ্ঞাপনার্থে ঐ জমা যে প্রকারে নিরূপণ হইল তাহার বেওরা লেথাইয়া এক জ্ঞাপনপত্র প্রকাশ করা যাইবেক ও যে কা ছারীতে ঐ নীলাম হয় দেই কাছারীতে থাকা যে কোন কাগজপ কিন্তু ঐ জ্ঞাপন ত্রের দ্বারা ঐ লাটের মূল্য অনুমান করা যাইতে পারে দেই কাগজ পত্র ইত্যাদি থরীদা পত্রও থরীদারেরা দেখিতে পারিবেক কিন্তু ঐ জ্ঞাপনপত্র কিন্তা রের পক্ষে বাকীদা আর কোন প্রকারে পাওয়া অন্য কাগজপত্র সাবেক ভূম্যধিকারী ভা রের অধিকার দা হাতে লিথিত ভূমি ঐ বাকীপড়া মহালের অংশস্থ্রপে যে অধি কারক্রমে ভোগদ্থল করিত সেই অধিকারের কিয়া সেই ভূমিতে যে উৎপন্ন হইত তাহার কিয়া ঐ ভূমির পরিমাণের বিষয়ে প্রামাণ্য নিরপিত জমানী হইবেক না। ইহাও জানান **যাইতৈছে যে নীলামের পরে যদি**

লামের পরে অতি ইহা জানা যায় যে ঐ নীলামকরা অপ্শের উপর যে জমা নিরূপণ শয় বোধ হউলে করা গিয়াছে দে জমা অতিশয় কিয়া দেই মহালের বাকী ভূমির ভাহাতেও প্রামাণ্য জনার দৃষ্টে অত্যধিক তবে সেই থরীদার কিয়া তাহার উত্তরাধিকারি দিগের অথবা স্থলাভিষিক্তেরদের মধ্যে কেছ ঐ নীলামের তারিথ বাটওয়ারার নি হইতে দশ বংশরের মধ্যে দ্রথাস্ত ক্রিলে এীযুত নওয়াব গবর্নর সরের মধ্যে নৃত্র জেনরল বাহাদুর হজুর কৌল্সেলহইতে ঐ নালামকরা ভূমির ও যে করিয়া জমা নিক মহালহইতে ঐ ভূমি পৃথক করা গিয়া থাকে তাহার বাকী ভূমির পণ করিতে প্রায়তে জমার বিভাগ নূতন করিয়া বাটওয়ারার বিষয়ে লিখিত নিয়মীনুসা র হজুরহইতে ছকু রে করিতে হুকুম দিতে পারিবেন এবং তাছা করা হইলে নীলামের ম হউতে পারিবার সময়ে কিয়া নীলামের পরে যাহাথ পৃথক্ করা গিয়া থাকে সে সমস্ত রদ হইবেক। ইহাও জানান যাইতৈছে যে যদি কোন মহাল হইতে পৃথক্ করা কোন লাট নীলামে বিক্রয় করা গিয়া খাকেও পণকরা জমা কম তাহার জমা স্বাম্ট ভ্রান্তিক্রমে অতিশয় কম নিরপণ করা গিয়া থাকে তবে দেই লাটের থরীদার দেই ভূমির জমা নতুন করিয়া বিভাগক দার বুতন জমানি রাতে সমতে না হইলে নীলামের তারিথঅবধি দশ বৎসরের মধ্যে ক্লপণ্ছওনে সমত কোন সময়ে এীয়ত নওয়াব গবর্নর্জেনরল বাহাদুর হজুর কো

যাইবেক ও যদি দাবেক ভূম্যধিকারী তলব ছইলে ঐ টাকা দিতে অদমতে হয় কিছা ত্রুটি করে তবে ঐ নীলামকরা ভূমি দরকারের থাস হইবেক। ইহাও জানান যাই**ভে**ছে যে নীলামকরা কোন লাটের জমা যদি উপরের লিথিত প্রকারেতে কম নিরূপণ করা নুতন জমানিরূপ গিয়া থাকে তবে জ্রীযুত নওয়াব গবর্নর জেনরল বাহাদুর হজুর কৌন্সেলে ইহা নির্মণ করিতে পারেন্যে ঐ জনা কম করাতে মুনাফা পাইয়াছে যে এরীদার কিয়া তাহার স্থলাভিষিক্ত ব্যক্তি যাহার কি যাহারদিণের ভূমির জমা বেশীকরা গিয়াছে ভাহাকে কি তাহারদিগ্রে ঐ এরীদার কৈ তাহার স্থলাভিষিক্ত ব্যক্তি ক্ষতিপুর

রন হইলে থরীদের টাকা সুদব্যতিরেকে থরীদারকে ফিরিয়া দেওয়া

বিক্ত সেই তলবকরা টাকা দিতে যদি অসম্মত হয় তবে সেই লাট র হলুরহইতে ছকু পুনর্বার নীলাম করিবার ছকুম দিতে পারেন ও তাছাতে যে মৃল্য ম হইবার কথা। হয় তাহাহইতে পূর্বোক্ত থরীদারকে কিয়া তাহার স্থলাভিষিক্তকৈ তাহার এরীদের টাকা সুদব্যতিরেকে ফিরিয়া দিলে পর যাহা অব শিষ্ট বাকে তাহা যাহার কি যাহারদের ভূমির জমা বেশী করা গি য়াছে তাহাকে দিতে কিম্বা তাহারদিগ্কে উপযুক্তরূপে অণ্ম করি य़ा पितांत हकूम पिरा शास्त्रन् हेि ।—১৮१२ मा। ১১ আ। ৩৪ খা।

১ ধারা।

রাজস্ব কমী দেওন বা রেয়াইত করণ।

৬৪। এই ধারাক্রমে জানান যাইতেছে ও ত্কুম করা যাইতেছে যে সরকারের মালগুজারী তহসীলের কার্য্যভারাক্রান্ত সাহেবদিগের দারা ভূমির যে জমা নির্দ্ধার্য চ্ইয়া থাকে শ্রীযুত নওয়ার গরর্নর্ জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলের হুকুমব্যতিরেকে তাহাতে কিছু কমী দেওয়া যাইবৈক না এব ে এই ধারাতে ইহাও জানান যাইতৈছে যে যে ভূম্যধিকারী আপন ভূমির মালগুজারী কাহারো পেটাতে না করিয়া স্বয়ং সরকার বরীবর দাখিল করে তাহার অন্য কেহ জমার ভূমির উপর যে জমানিরূপণ হইয়া থাকে তাহার পরিমাণের বিষয়ে বিষয়ের কোন অনু যে কোন অনুসন্ধান ও তদন্ত করিতে হয় তাহা সরকারের মালগুজারী তহদীলের কার্য্যভারাক্রান্ত দাহেবব্যতিরেকে অন্য কেহ করিতে পারিবেন না এবণ সেই ভূমির জমারধার্য্যকরা কিম্বা প্রকারাম্বরকরা অথবা তাহা শুধরা যাওয়া এীযুত নওয়ার গবর্নর জেনরল বাহাদু রের হজুর কৌন্সেলের হুকুমের অধীনতায় কেবল ঐ সাহেবেরা করিতে পারিবেন ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ। ৩৫ ধা।

শ্রীযুত্তর ত্তুম ব্যতিরেকে জমার কিছুকমীনাদেও য়া যাইবার কথা। মালওজারী তহ **পীলের ভারাক্রান্ত** সাহেব ব্যতিবেকে সন্ধান ও বিবেচনা করিতে না পারি বার কথা।

৬৫। বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের শক্তি আছে যে সরকারের মালওয়াজিবীর যে টাকা সময়শিরে তহুসীল না করিয়া তাহার শৈ দারে শৈথিলা দি থিল্য ভূম্যধিকারিকে দেওন যে কালে অত্যাবশ্যক জানেন দেকালে শৈথিলা দিয়া যে টাকার কারণ শৈথিলা দেন্ তাহার সংখ্যা ও সেই শৈথিলোর হেতু জীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্সে লের হজুরে সমাচার করেন কিন্তু যে সন সেই শৈখিলা হয় সে সন সা দেওয়া যায় সে শেও যায় তাহার মেয়াদ অধিক না হয় ইতি।—১৭৯৩ দা। ২ আ। বৎদরের উর্দ্ধ তা 8 र धा।

মালগুজারীর আ তে বোর্ড রেবিনিউ **সাহেবদিগের শক্তি** র কথা।

যে বৎসর শৈথি হার মেয়াদ অধিক নাহইবার কথা।

হজুরের বিনাহ কুমে বাকী মাফ না হইবার কথা।

৬৬। 🖎 যুত গ্রন্নর্জেনরেল বাহাদুর কৌন্সেলের বিনাহকুমে। মালগুজারীর বাকী আদায়ে কিছু রেয়াইত হইবেক না ইতি ৷— ११२०मा १ जा। १० था।

৬৭। 🕲 যুত গবর্নর্ জেনেরল বাছাদুর কৌন্সেলের বিনাছ্কুমে কোন ভুমির ব ন্দোবত্তে কমী নাদি বোর্ড রেবিনিউছইতে কি গুজস্তা সনের কি সন হালের কি আইন্দা দনের বন্দোবস্তে কথন কোন মতে কমীর ছকুম দেওয়া যাইবেক না বার কথা। ইতি।—১৭৯৩ সা। ২ আ। ৩৮ ধা।

नमी भिक्छी ग्रहा

৬৮। বন্দোবস্ত হইলে পর যদি কোন জমীদার কিয়া ইজারদা লাতের অর্থে ছকু রের মহাল এমত নদী সিকস্তী হয় যে তল্লিমিত্তে সে মহালের মো কররী জমার দরবরাহ হউতে পারে না তবে কালেক্টর দাহেবের কর্ত্তব্য যে তহকীক করিয়া পশ্চাৎ দে মহালের যত অস্থিত ও না যাই ঠাহরে তাহার বেওরা কৈফিয়ৎ বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদি গের নিকটে লিথেন্ ভাছাতে এীযুত গবর্নর্ জেনরল বাহাদুরের হজুরে কর্তৃত্ব আছে যে ঐ বোর্ডের সাহেবদিগের মারফতে তাহার বেওরা অবগত হইয়া সেই মহালের অর্থে যাহা কমী দেওয়া বিহিত জানেন্ তাছা দিবার দ্বারা আনুকূল্য করিতে কালেক্টর সাহেবের প্রতি হকুম পাচান ইতি। - ১৭৯৫ সা। ৫ আ। ৩৫ ধা।

১০ ধারা।

बाकी ताजस्त्रत जीत्रमाना मूम।

সালিয়ানা শত ও সুদ মোট হইবা ব কথা।

বার কথা।

৬১। জরীমানা ও সুদ লওনের বিষয়ি আইনের লিথিত যেদকল কুরা ২৫ টাকার ত্রুম চলিত আছে তাহার পরিবর্তে এই ত্রুম হইল যে উত্তর हिमात अतीमाना काल अतीमाना अ मूलित स्मिष्ठि माउगा रहेगा ठारात नाम अतीमाना ও সুদের মোট দাওরা হইবেক আর যে দিনে কিস্তির টাকা পাওনা ক্ষিস্যানর ও স ইইবেক সেই দিনাবধি বাকী আদায় না হওনের দিনপ্র্যান্ত মাল্ঞ দর বেতের সাত্রে জারীর বাকীর উপর দালিয়ানা শতকরা ২৫ পাঁচিশ টাকার হিসা रवता जतीमाना **छ रव वांकीमारत** तरमत स्थान थे माउया माउया याहरतक अव॰ वांकीमात পুদ মাফ ও কম না কিয়া অন্য কোন ব্যক্তি উপযুক্ত হেতু দর্শাইলে কমিদ্যানর সাহে করিলে কালেক্টর বের কিয়া সদর বোর্ডের সাহেবদিগের বিশেষ অনুমতিবাতিরেকে সাহেবেরা নিরিখা কালেক্টর সাহেবের এমত ক্ষমতা থাকিবেক না যে জরীমানা ও সূ নুসারে তাহা লই দের মোট দাওয়া মাফ করেন্ এব॰ ঐ মোটদাওয়া হালের নির র কথা। যে প্রকারে হিসা পিত নিরিথহইতে কম করেন্ আর এীযুত নওয়াব গবর্নর জেন व निक्शवि इहेरवक तम वाशामूरतत क्रमण আছে य रजूत कोल्जरनत हकुमानुमारत তাহার প্রকৃষ হজুর প্রতিসপ্তাহে কিয়া আর যে কোন সময়ে উপযুক্ত বুষেন্ জরীমানা কৌন্সেলহঁইতে নি ও সুদের মোট দাওয়ার হিদাব পরিষ্কার করিতে ছকুম দিতে পা র্নিউ হইবার কথা। রেন্ কিন্তু ঐ মোট দাওয়ার নিরিথ কোন সপ্তাহের হিসাবে টাকা প্রতি ইঙ্গরেজী এক পাই কিয়া গড়ে সালিয়ানা শতকরা ২৫ পঁচিশ টাকার বেশী হইবেক না ইতি।—১৮৩০ সা। ৭ আ।৮ ধা।

১১ ধারা।

মালগুজারী ভূমিব্যতিরেকে অন্য ভূমি বিক্রয়করণ।

नीनाभी खुभिद्र ৭০। এই আইনের মতে দরকারের বাকীদার কোন ভূম্যধিকারী মুল্যের টাকাট ব। কিন্তা ইজারদার অথবা তাহারদিগের মালজামিন কিন্তা নীলামী ভূ মির থরীদারের সকর ভূমি নীলাম হইয়া তাহার মূল্যের টাকায় সে কী শোধ না পড়ি वाकी (भाध ना इस उत्वे (भाध वाकी है। का जानारसने कान्न (मह वा क जविम है) वाकी कीमारतत অना वृद्धि ও मुनामामधी त्कांक इहेशा नीमाम इहेरवक ও বাকীদারের ভূমি নীলামের বিষয়ে এই আইনে যেমত্থ হুকুম আছে তাহার মধ্যে যাহা দেই বৃত্তি ও দুবাসামগ্রী নীলাম হইতে পারে তাহাই জারী হইবেক। এব॰ যে সময়ে কোন বাকীদারের ভূমি কিয়া অপর বৃত্তি ক্রোক ও নীলামের বিষয়ে এীযুত গবর্নর্জেন রল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরহইতে ত্কুম হয় সে সময়ে সেই বাকী টাকা আদায় হইবাতে অথবা কারণান্তরে তাহার নীলাম মৌ হইলে কৃফ হইলে তাহাতে বাকীদারের কর্ত্তব্য যে আপন ভূমি ও বৃত্তি ক্রোকের থরচা যেমতে সেই ভূমি ও বৃত্তি নীলাম হইলে পর তাহার দেওয়া সঙ্গত হইত এমতেও তাহাই সঙ্গত জানিয়। দেয় ইহাতে যদি *সে* বাকীদার সেই থরচা না দেয় তবে তাহা সেই বাকীদারের স্থানে যে বাকী টাকা উসুলের কারণ তাহার ভূমি নীলামের যে মত হ্কুম इहेगाछिल त्महे प्रेरंड **डेमू**ल करा याहेरतक हेडि।—১१৯० मा। ১৪ আ। ৪৪ ধা।

আদায়ের কারণ বাকীদারের অপর বস্তু নীলাম হইবার কথা।

ভ্যাদি নীলামৈ র ভকুম হইয়াপ রে সে তুকুম রহিড ক্রোকের থরচাদে ওয়া ভুম্যাদির ক द्यां मिटशत यथार्थ र ইথার কথা।

১২ ধারা।

ভূমির নীলাম হইলে মফঃসলী তালুকদার ও ইজারদার ও প্রজাবর্গের করারদাদ নামঞুরকরণ।

৭১। যদি কোন জমীদার কিয়া হজুরী তালুকদার অথবা অন্য ভূমাপিকারির ভূমি সমুদয় কিয়া তাহার অংশ সরকারের মালগুজা রের মালগুজারীর রীর বাকী আদায়ৈর কারণ নীলামে বিক্রয় হয় তবে তাহার যে মফঃ দলী তালুকদার কিয়া ইজারদার অথবা প্রজাবর্গের সমুর্কীয় ভূমি নীলামের ভূমির শামিলে রহে তাহারদিগের যে সকল করারদীদ নীলামের পূর্ব্বে দেই জমীদারপ্রভৃতির সহিত হইয়া থাকে তাহার যাহা এই আইনের ৭ সপ্তম ও ৮ অইটম* ধারার লিথনানুসারে হইয়া থাকে তাহাছাড়া সমস্তই নীলামের দিনহইতে নামঞুর হইবেক। আর যদি দেই নীলামের পূর্ফে এমত করারদাদ না হইয়া থাকে তবে যে স্থানে দে ভূমি থাকে দেই পরগনা কিয়া জিলার শরে ও দাঁড়া মা ফিক পূর্ব্বাধিকীরিকে যে রাজম্ব অর্শিত সেই রাজম্ব সেই এরীদার নী লামী ভূমির মফঃসলী তালুকদারওগয়রহ মালগুজারদিণের স্থানে গাইবেক ইতি।—১৭১৩ দা। ৪৪ আ। ৫ ধা।—বারাণদ ১৭১৫ সা। ৫০ আ। ৫ ধা।—দত্ত দেশ ১৮০০ সা। ৪৭ আ। ৫ ধা।

৭২। এই ধারানুসারে প্রচার করা যাইতেছে যে ইজারদারদিগের যাহার ইজারার যে ভূমির কিছু সরকারের মালগুজারীর বাকী আ দায়ের কারণ নীলামে বিক্রয় হয় তাহার ইজারার দে ভূমিসমুদয়ের পাটা বাজেয়াফু করিবার প্রতিইঙ্গরেজী ১৭১৩ দা। ১৪ চতুশ্চত্ত্বা

যে কালে সরকা বাকী আদায়ের কা রণ ভূমি নীলাম হ য় সেকালেনীলা মের সেই নীলামী ভূমির পূর্বাধিকা রির সহিত মফঃস লী তালুকদার ও ই জারদার ও প্রজাদি গের যে সকল করা রদাদ হইয়া থাকে তাহা নীলামের দি নহইতে নামগুর হ ইবার কথা।

এই ধারার হুকু মের বতন্ত্র কথা।

ইজারদার দিগে র ইজারা ভূমিসমূ দায়ের পাট্টাবাজে য়াফু করিবার অ

র্থে ইন্সরেরী ১৭ রিণ্শৎ আইনের ৫ পঞ্চম ধারার লিখিত ত্রুম সম্মর্ক রাখিবেব ৯৩ সালের ৪৪ আ ইতি।—১৭৯৬ সা। ৩ আ। ৩ ধা। हैरान्द द शक्ष्म था রার লিখিত হক্ষ **ठिनवात् कथा।**

৭৩। যদি বাকী আদায়ের কারণ কোন অধিকারসমুদায় নীল ৵কালেক্টর সা হেবেরা আগামিস মের আবশাক হয় ও সে অধিকার ভারি হওয়াহেতুক কিয়া অ নপ্রবর্ত্তে প্রথম কি পর কোনহেত্ক তাহা ইঙ্গরেজী ১৭৯৬ সালের ৫ পঞ্চম আইনের **ছি**তীয় মাদের ম লিখিত এব ১ এ আইনের ৬ ষষ্ঠ তথা ৭ সপ্তম ধারার উল্লিখিত দঁ ধ্যে অব্যাজে ভূমি নীলাম হইতে পা ডার অনুসারে দুই কিয়া ততোধিক থণ্ড কিসমৎ করিয়া লাট বাহি রিবার অর্থে হকী বার প্রয়োজন না থাকে তবে তাহার জমা **ধার্য্যের আবশ্যক** নাই কং করিয়া বোর্ড ইহাতে দে অধিকার দেই বাকীপড়া দন গতে ইঙ্গরেজী ১৭৯১ দ রেবিনিউতে চালা লের ৭ সপ্তম আইনের ২৩ ধারার এবণ ১৮০০ দালের ৫ পঞ্চ ইবার কথা।

বিহ্লালা। রাণস।]

আইনের অনুসারে অবিলম্বে নীলাম করিবার কোন বাধা থাকি েবে বেক না। ও তাহাতে কেবল ইহাই করিবার তাৎপর্য্য রহিবেব হার। উড়িঘা। বা যে নীলামের কালে যে বেওরা ফর্দ দর্শাইতে হয় সে ফর্দে সেই অধিকারের নাম ও তাহার পেটায় যত মহাল থাকে তাহার প্রস্তাব ও তাহার মোকররী থত জমা রহে তাহার নিদর্শন ত্সা অব্যবহিত शृर्खित थाति जनाथिली वशेम् एक लिथिया (मथाहरू इहरतक। छेन রের লিথিত উপায়ক্রমে এবং নীলাম হইবার পুর্বের ভূমি ক্রোক **इरे**वार निमर्भनी रेक्टर की ১৭৯৯ माल्यत १ मक्षप्त आहेरान उथा ১৮০০ দালের ৫ পঞ্চম আইনের ছকুমদৃষ্টে জানা গেল যে কা লেক্টর দাহেবেরা এমতে নীলামহওয়া অধিকারের কিদ্মতের জ মার ধার্যা অব্যাজে করিতে পারিবেন। আর ঐ ৭ সপ্তম আইনের ২১ ধারার ২ দিতীয় প্রকরণানুসারে যে বেওরা ফর্দ্র নীলামের সম য়ে দর্শাইবার হকুম আছে অর্থাৎ নীলামী মহালাতের আট্যাউ উৎপন্ন ও যত দদর জমা ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ১ প্রথম আই নের ১০ দশম ধারানুসারে ধার্য্য পড়ে তাহার নিদর্শনে বেওরাফর্দ লিথিয়াও অবিলম্বে বোর্ড রেবিনিউতে পাচাইতে পারেন। ও ইহাতে বৃকা যায় যে উত্তরকালে মালগুজারীর বাকীর কারণ আগা মি বৎসরের প্রথম মাসের মধ্যে একান্ত না হয় দিভীয় মাসের মধ্যেও ভূমি নীলাম হইতে পারে। কিন্তু ঐ ৭ সপ্তম আইনের ২৩ ধারার 🖒 অইটম প্রকরণের অনুসারে কিম্বা এ আইনের কোন ধারা ক্রমে নীলাম হইবার ভূমি দনপ্রবর্ত্তে দুই মাদগতে দেই দময়ে নী লাম হইবেক যে সময়ে ভূম্যধিকারী নিজাধিকার ক্রোক হইবার পুর্ব্বে আপন পেটার ইজারদারদিগকৈ ও পুজাগণকে দেই বর্ত্তমান সনের জন্যে পাউটা দিয়া কিয়া অন্য কোন প্রকারে ভাছারদিগের দহিত বন্দোবস্ত করিয়া অবদর হইয়া থাকে। ইহাতে ইঙ্গরেজী

ইঙ্গরেকী ১৭৯৩ ১৭৯৩ সালের ৪৪ আইনের ৫ পঞ্চম ধারার তথা ১৭৯৬ সালের সালের ৪৪ আই ৩ ভৃতীয় আইনের ৩ ভৃতীয় ধারার অনুসারে কার্য্য করিলে ইজারদা মের 🗣 ধারা ও ১৭ রদিণের ও প্রজাগণের যে অহিত হয় তাহা না হইবার কারণ এবং

পন্তনবৃদ্ধির প্রবৃদ্ধি লোকদিগের জন্মিবার নিমিত্তে প্রীযুত গবর্নর্ ৯৬ সালের ৩ আ জেনবল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলহইতে এ ধারাক্রমৈ চ্কুম নি ইনের ওধারা সম र्मिये इहेल य अप्रठ काल छे भारत छ जिल्ली एक एक भारती जान प्रतिरम्प कार्या সারে সরকারের বাকী আদায়ের জন্যে ভূমি নীলাম হয় এব॰ পূর্বা না লাগিবার কথা। ধিকারির দেওয়া করারদাদ ও পার্টা কএক বিশেষ বিষয়ব্যতীত নী লামের দিনহইতে অকর্মণ্য চাহরে দে দুই ধারা দেই নীলামহওয়া যথাকার যে চলন সন বাঙ্গালার কিয়া ফসলীর অথবা বিলায়তীর আথিরীতক স্থকিত থাকিবেক। এবণ্ম নীলামী ভূমির ক্রেডার্দিণে রেও ইহার মধ্যে এতারতা দন আথিরীতক আদেশ থাকিবেক না যে দিগরের ও দনপ্র প্রজাবর্গের স্থানে যন্ত তল্ব তদ্য পূর্বাধিকারিগণ যথার্থ করিতে পা বর্ত্তে দিনীয় মাদে রিত তাহার অধিক তলব করে। কিন্তু জানিবেন যে যে সকল ক রারদাদ কিয়া পাটা গণতাক্রমে হইয়া থাকে তাহার সমুর্কে এবং যথাকার যে চলন দনের দ্বিতীয় মাদের পর যে ভূমি নীলাম হয় তা हात विषय थे मूहे धातात हुकूम हिनवात आहेक हहेरवक ना हेछि। ह ना हहेवात क —১৮০১ সা।১ আ।১ ধা।

গণভার পাট্টা র পর নীলামহও য়া ভূমির বিষয়ে মুলের লিখিত দই ধারার হুকুম নির্

সরকারের তর্ফ या नीलाशी थड़ीमा র সাবেক পাট্টা কা বসাজীর বলিয়া আদালতের তজঠী

৭৪। জানা কর্ত্তব্য যে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ৪৪ আইনের ৫ ধারা ও ১৭৯৫ সালের ৫০ আইনের ৫ ধারা ও ১৮০৩ সালের কোনু সাজাওল কি ৪৭ আইনের ৫ ধারাতে এ বিষয়ের হুকুম লেখা গিয়াছে যে সর কারের মালগুজারীর বাকী আদায়ের নিমিত্তে যদি কোন স্থুম্যধিকা तित जृति नीलाम रय जत्व नीलात्मत शूर्व्सल वे ज़माधिकाती ও जा হার পেটার মফঃদলী তালুকদার কিয়া ইজারদার অথবা প্রজাই জ বিনা সমুৎসরের ত্যাদি লোকদিগের মধ্যে যে দকল করারদাদ হইয়া থাকে তাহা মধ্যে রদ করিতে বাতিল হইবেক ও দে ভূমির পূর্ব্বের অধিকারী পর্গনা কি জিলার না পারিবার কথা। শরে ও দাঁড়ামতে যে থাজানা পাইত ঐ নালামী থরাদারো নালাম হওয়া ভূমির ইজারদার ও প্রজাইত্যাদি এলাকাদারদিণের স্থানে मिहे हाँदे श्रीजाना পाইदिक ও ইहाও जाना कर्ल्वा य हे इदिजी ১৭৯১ সালের ৭ আইনের ২৩ ধারার ৩ প্রকরণ ও ১৮০০ সা লের ৫ আইনের ২৪ ধারা ও ১৮০১ দালের ১ আইনের ১ ধারা ও ১৮০৩ সালের ৪৭ আইনের ৫ ধারাতে এবিষয়ের হুকুম লেখা গিয়াছে যে যদি বাঙ্গালা কিয়া ফসলী সনের দ্বিতীয় সালের শেষ দিবসের পরে ভূমি নীলাম হয় তবে সরকারের তরফহইতে যাহারা ঐ ভূমিতে ক্রৌকৃ দাজাওদী কি দরবরাহকারীতে নিযুক্ত হইয়া थारके छाज्ञातमालात विरवननारछ किया नीमामी थत्रीमारतेत विरवन নাতে নাবেক যে দকল পাঞ্জা দ্বইডঃ কারদাজী ও চক্রান্তের বোধ না হয় সে সকল পাট্টা সাল ভামাম অর্থাৎ বৎসর পুরাহওন পর্যান্ত বহাল থাকিবেক ও এক্ষণে তাহার উপরাম্ভ এই ধারানুসারে হকুম দেওরা যাইতেছে যে যদি উপরের উক্ত তারিথের পরে ভূমি নীলাম হয় তবে ইলরেজী ১৭৯৯ সালের ৭ সপ্তম আইনের নির্ণীতমতে সরাসরীরপে দেওয়ানী আদালতের বিচারানুসারে সাবেক পাউা কা রদারী ও চক্রান্তের না ঠাহরিলে সরকারহইতে নিযুক্ত হওয়া ভূ

মির কোন ক্রোক্সাজাওলের কিম্বা ভূমির কোন নীলামী থরীদারের ক্ষমতা থাকিবেক না যে ক্রোকের কি নীলামের বৎসর সাবেক কোন পাটা রদ করে ইতি।—১৮১২ সা। ৫ আ। ৪ ধা।

সাবেক পাট্টা র म रहेटल नीलाशी **থরীদার যে হারে** খাজানা পাইবেক তাহার বিষয়ের দাঁ ড়ার কথা।

৭৫। ইঙ্গরেজী ১৭১৩ দালের ৪৪ আইনের যে ৫ ধারা ও ১৭৯৫ সালের ৫০ আইনের যে ৫ ধারা ও ১৮০৩ সালের ৪৭ আইনের যে ৫ ধারার প্রস্তাব উপরেতে করা গেল তাহাতে এবিষ য়ের ছকুম লেখা গিয়াছে যে সরকারের মালগুজারীর বাকী আদা য়ের নিমিত্তে ভূমি নীলামহওয়াতে যদি দাবেক পাটা বার্তিল হয় তবে সে ভূমি যে পরগনা কি জিলার হয় সেই পরগনা কি জিলার শরে ও দাড়ামতে যে থাজানা পুর্ম্বের অধিকারী পাইত ঐ নীলামী থরীদার নীলামের সনের আথেরীপর্য্যন্ত ঐ নীলামী ভূমিসমুর্কীয় ম कश्नली जालूकमात ও জোजमात ও ইजातमात्रहेजामि वलाकामात দিগের স্থানে সেই হারে থাজানা পাইতে পারিবেক কিন্তু অনেকং স্থানে প্রণনার শরে অর্থাৎ হারের নিশ্চয় হয় না এমত দৃঢ় বোধ হইল একারণ কর্ত্তব্য যে এমতং স্থানেতে নীচের লিথিত দাঁড়াসক লের মতে কার্য্য হ্য় ইতি।—১৮১২ সা। ৫ আ। ৫ ধা।

প্রগনার হারে র ঠিক পাওয়া গে লে সরকারের তর फ माजाउन कि नी লামী খরীনার সে ই হারে থাজানা তহসীল করিবার

পরগনার হারে त ठिक ना रहेला যে মতাচরণ হইবে ক তাহার কথা।

৭৬। যদি পর্গনার শরে অর্থাৎ হারের নিরূপণ ও ঠিক পাওয়া যায় তবে সরকার হইতে নিযুক্তহওয়া ক্রোক্সাজাওলেরা কিম্বা নী लामी थरीमारत्त्रा मिर शास्त्र थाजाना उर्मील कतिएउ शाहिरवक ইতি।—১৮১২ সা।৫ আ∶।৬ ধা।

৭৭। যদি পরগনার শরে ও দাঁড়ার কিছু নিরূপণ ও চিক না পা ওয়া যায় তবে নীলামী ভূমির নিকটবর্ত্তি স্থানসকলেতে তাহার মত অন্য ভূমির থাজানার যে শরে ও দাঁড়া থাকে দেই শরে ও দাঁড়া মতে ঐ নীলামী ভূমির পাটা দিয়া থাজানা লওয়া যাইবেক কিন্তু নীলামী ভূমি যদি সমাক্ গ্রাম কি মহাল কি পরগনা হয় ও তাহার সমুর্কীয় ইন্সারদার ও প্রকাইত্যাদিদিগের সমস্ত পাট্টা উপরের উক্ত দাঁড়ানুসারে বাতিলহওনের যোগ্য হয় তবে গুজস্তা তিন সনের মধ্যে যে কোন দনে ঐ ভূমিতে বেশী থাজানা উদুল হইয়া থাকে দেই দনের থাজানার হারহইতে অধিক না হয় এমত হারেতে ন্তন পা টা লিঞ্জিয়া দেওয়া গিয়া থাজানা তহ্দীর্ল ইইতে পারিবেক ইতি। —১৮১২ সা। ৫ আ। ৭ ধা।

মসংসলী তালু র দাঁড়ার কথা।

৭৮। মফঃদলী কোন তালুকদারের ভূমির থাজানার হার তাহা কের জমার বিষয়ে রি মত অনা ভূমির থাজানার হারেতে ধরা গেলে, সে তালুকের জমার বন্দোবস্ত এই হিসাবে হইবেক এতাবতা ভূমির উৎপল্লের মুথে শতকরা ১০ দশ টাকা করিয়া তালুকদারের নানকার ও তা লুক বুফিয়া তহদীলের এরচা যত উচিত হয়: ভাইন মিনাছ ছইয়া

যাহা বাকী থাকে তাহা ঐ মফঃদলী তালুকের জনা ঠাহরিবেক ইতি।—১৮১২ সা। ৫ আ। ৮ ধা।

৭১। পুর্বের ও এক্ষণকার আইনানুসারে ভূমির নীলামী থরীদার কবলিয়ত লি খি দিগের ক্ষমতা আছে যে ঐ ভূমির পূর্ফের অধিকারির ও তাহার য়া দেওনবিনা কি পেটার ইজারদার ও প্রজাইত্যাদিদিনের মধ্যে যে করারদাদ হইয়৷ ভূম্যধিকারী আবা থাকে কএক প্রকরণব্যতিরেকে তাহা রদ করে কিন্তু এই ধারানুসারে 🖣 ভরদুদের সময়ে এত্তেলানামা পাঠা তুকুম হইল যে চলিত আইনাৰুদারে জমীদারের তরফহইতে কোন ইয়া দেওনবিনা ই ইজারদার কি প্রজাইত্যাদির স্থানে বেশী থাজানা তলব হইতে পারি জাবদার ইত্যাদি কা লেও উভয়ের মধ্যে ঐ বেশী থাজানাদেওনের কথাসম্বলিত লেথা হারো বেশী মাল পড়াহওনবিনা কিয়া বাঙ্গালা হাল সালে কি ফদলী আইন্দা দনে ওজাৱী দিতে না যে বেশী থাজানা ঐ ইজারদার কি অন্য ব্যক্তির দিতে ছইবেক ডা হইবার কথা। হার পরিমাণ লিথিয়া এক এত্তেলানামা ঐ ইজারদার কি প্রজাই ত্যাদির নিকটে আবাদ তর্দুদের সময়ে এতাবতা জ্যৈষ্ঠ মাসে কি তা হার পুর্ন্বে পাচাইয়া দেওনবিনা কিছু বেশী থাজানা তাহার শিরে দেনা চাহরিবেক না ইতি।--১৮১২ সা। ৫ আ। ১ ধা।

৮০। ভুম্যধিকারির পেটার কোন ইজারদার কিপুজাইত্যাদির নিকটে উপরের উক্ত এত্তেলানামা পাচান না গেলে পুর্ফের করার দাদমতে যে মালগুজারী তাহার ওয়াজিবী দিতে হয় তাহাহইতে বেশী থাজানা জিনিস ক্রোক্করণ কি তাহাকে কয়েদ করণ কিয়া দেওয়ানী আদালতে নালিশকরণের দ্বারা তাহার স্থানে উদূল হই বেক না আরু যদি তাহার স্থানে বেশী মালগুজারী উদুল হয় তবে আদালতের কোন কাছারীতে একথা প্রমাণ হইলে সে ব্যক্তি ঐ বেশী টাকা ও তাহাতে তাহার যে ক্ষতি ও থরচ হইয়া থাকে তাহাসমেত পাইতে পারিবেক অতএব ঐ এত্তেলানামা থোদ ইজারদার কি প্র জাইত্যাদির হাতে দেওয়া কর্ত্তব্য কিন্তু সে ব্যক্তির অমুষ্ট থাকন কি ছিনা দিবার মতে পলাইয়া যাওনপ্রযুক্ত তাহার হাতে দেওয়া যাইতে না পারিলে তাহার বাসম্ভানে লট্কাইয়া দেওয়া কর্ত্তব্য ইহাতে এত্তেলানামা তা ছার ছাতে দেওয়া যাওনের মত বোধ হইবেক ইতি।--১৮১২ সা। ৫ আ। ১০ ধা।

যে ইজারদার ও প্রজাইত্যাদিদিগের निकरि अरहलाना মানাপঁলছে তাহা রদিগের স্থানে কি ছ বেশী থাজানা ত লব না হইতে পা রিবার কথা।

এত্তেলানামা পঁছ

৮১। জানা কর্ত্তর যে সরকারহইতে নিযুক্তহওয়া ক্রোক্সাজা ওল লোক ও কোট ওয়ার্ডেসের সাহেবদিগের নিযুক্তকর। সরবরাহ কার লোকদিগের সহিত শ্রেবোর্ড রেবিনিউ ও বোর্ড কমিদানরের দাহেৰলোক যে কোন ভূমি কি ভূমির অণ্শ ইজারা দিয়া থাকেন্ তাহার ইজারদারদিগের সহিত উপরের ধারাসকলের লিথিত হ কুম সমভাবে দুষ্কুর্ক রাখিবেক ইতি।—১৮১২ সা। ৫ আ। ১১ ধা।

উপরের উক্ত দাঁ **प्रामकल** माजाउन ও সরবরাহকার ও সদ্রী ইজারদার্দি গের সহিত সম্পর্ক রাখিবার কথা।

৮৮২। যে ভূমির উপর মালগুজারীর টাকা বাকী বড়ে তঘাতিরে क्षि कृत्राधिकेरित किश्व। তাহার জামিনের অন্য কোন ভূমি বাকী যে ৰঅ জন্মে ভাহা 411

কী অ'নায়ের নিমি **ত্তে** অন্য ভূমি নীলা ম হইবার কথা। কোন জমীদাবী

র উপর নির্দার্য্যছ ওয়া জমা আদায় র কথা।

বিশেষ বাক্য।

ইশ্তিহার করা

ভূমিতে স্বজ্ঞরাথ

ণের কথা যে লো

ক কহে তাহারা

যে২ রূপে তাহা পা

ইতে পারে ভাহার

কথা।

র পরিমাণের ক আদায়ের নিমিত্তে যদি নীলামে বিক্রয় করা যায় তবে সেই নীলাম

করা ভূমি সকর কিয়া নিয়ুর হউক সেই ভূমিতে বাকীদারের কিয়া

এক মহালের বা তাহার জামিনের যে স্বস্তু কি অধিকার ছিল থরীদার তাহাইমাত স্বেচ্ছাপূর্ত্তক বিক্রয়ের দার। কিয়া কোন দেনা শোধের নিমিত্তে আ

দালতের হকুমে নীলামে বিক্রয়হওনের দারা পাওনের মত প্রাপ্ত

হইবেক কিন্তু যে জমীদারীর উপর সরকারের মালগুজারীর টাকা রাকী পড়ে ঐ বাকী আদায় করিবার নিমিত্তে যদি সেই জমীদারী নী

লাম করা যায় তবে ঐ ভূমির বন্দোবস্তহওনের সময়ে সেই ভূমির করণার্থে সেই জমী অধিকারির তাহাতে যেথ স্বস্ব ও অধিকার হইয়াছিল নীলানৈর

দারী নীলাম হইবা দ্বারা মেই২ স্বস্ত্র ও অধিকার ঐ বন্দোবস্তের পরে দেই ভূমির উপর यर घटेना ও माराम राग करा शिरा थाक किया घरियो थाक छ।

হা অর্থাৎ বিক্রয় কিয়া দান অথবা অমা কোনরূপে হস্তান্তবকরা

কিয়া বন্ধকদেওয়া অথবা বিবাহনিমিত্তে পণস্বৰূপ স্ত্ৰীকে দেওয়া অথ

বা লেখাপড়ার দ্বারা অন্য কোনরূপে হস্কান্তরকরাইত্যাদি বা হউক

সে সমস্ত রহিত হইয়া থরীবারের হয় কেননা পূর্কোক্ত ঐ ভূমি ও

ইবেইতাদি তাহার উপর সরকারের যে জমা নির্দ্ধাগ্য হইয়াছে তাহা আনায়ের নিমিত্তে দর্মকাল দরকায়েতে নিবদ্ধ থাকে অতএন

কোন ভূমির যে মালওজারী দেয় হয় তাহা আদায়ের নিমিত্তে যদি

ঐ ভূমি নীলাম করিতে হয় তবে সেই আসল বন্দোবস্ত করণিয়ার

কিয়া তাহার স্থলাভিষিক্তের ঐ ভূমির বিষয়ে করা কোন ক্রিয়া ও

ব্যবহার মালগুজারী তহমীলের ভারাক্রান্ত সাহেবদিগের সেই ভূমি

নীলামকরণের প্রতিবন্ধক হইতে পারিবেক না ও সেই নীলামেতে

থরীদার যে২ স্বত্বের অধিকারী হইতে পারে তাহারে। হানি করিতে

পারিবেক না কিন্তু কোন ভূমির বন্দোবস্তহওনের পরে যদি তাহার স্বস্ব সরকার পাইয়া থাকেন কিম্বা লইয়া থাকেন্ এবণ্ পরে সেই

মুত্র অন্য কোন ব্যক্তিকে অর্পণ করিয়া থাকেন্ তবে তাহা অর্পণকর

ণের সময়ে ঐ ভূমির উপর যেথ যথার্থ দাওয়া রহিয়া থাকে তাহার দায়ী দেই ভূমি হয় অতএব দরকারেতে দেই ভূমি লওন কি পাও

নের সময়ে যে বাজি তাহাহইতে বেদ্থল হইয়া থাকে তাহার সর

কারেতে পূর্ফ্রোক্তমতে লওয়া কিম্বা পাওয়া ভূমি সরকারছইতে ফি রিয়া পাইবার দাওয়ায় আদালতে নালিশ করিবার ক্ষমতার বাধা

ঐ ভূমি পূর্কোক্ত অর্পণের পর হওয়া নীলামের দ্বারা হইবেক না ও

ইহাও জানান যাইতেছে যে কোন মহালেতে অধিকারিত্বের দাও য়াকারী কোন ব্যক্তি দেই মহাল ফিরিয়া পাইবার দাওয়াতে আদা

লতে নালিশ করিলে যদি সেই মহালের দ্থীলকার তাহার মাল্ও

জারী আদায় করিতে ত্রুটি করে এব ে বোর্ড রেবিনিউছইতে কিয়া তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবেরদিগ্রুইতে তাহার মালগুজারীর বাকী

আদায়ের নিমিত্তে দেই মহাল নীলামকরণের হুকুম হয় তবে দেই

ফরিয়াদী ঐ মালগুজারীর বাকী টাকা ও তাহার সুদ ও দেয় খরচা দিয়া এব েইহার পরে যেপ্রকার লেখা যাইবেক দেই প্রকার জামি

নও দিয়া ঐ বিরোধের মহালে দথল পাইবার জন্যে আদালতে দর

থাস্ত করিতে পারিবেক ও জঙ্গনাহেব ঐ দর্থাস্ত পাইয়া আসামী কিয়া তাহার নিয়ক্ত মোথার কিয়া উকালকে থবর দেওয়াইবেন এবং মালগুজারীর যে বাকীর নিমিত্তে নীলামের হুকুম হয় আসামী যদি সেই বাকী ও সুদ ও এরচা নীলামের নিরূপিত দিনের পুর্ব্বে যে দিন কাছারী হয় সেই দিন দুই প্রহরের পর্মের দাখিল না করে তবে ফ্রিয়াদী যে টাকা দিতে প্রস্বত থাকে তাহা লইবেন এবণ ইঙ্গরেজী ১৮০৮ সালের ১৩ আইনের ১১ ধারার ৪ প্রকরণে * আপেলাণ্ট ও আসামীর জামিনলওনের বিষয়ে যে২ নিয়ম লেথাগিয়াছে সেই সকল নিয়মমত কার্য্য করিয়া তাহাকে ঐ মহালের স্বত্তার্পণ করিবেন এব॰৲ কালেক্টর সাহেবের নিক্টে ফ্রিয়াদীর দাখিলক্রা ঐ টাকা এব॰৲ আবশ্যক হুকুম লিথিয়া পাচাইবেন ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ। ২১ ধা।

[* মালগুজারীর ভূমি আপীলের কালে আপেলান কি বিস্পাণ্ডেন্টের ভোগদখলে থাকিলে সে ভূমির ভোগবান তাহার মোকররী জমার টাকা স্থাতে বিরোধীয় ভূ দিতে গয়ক্ষণত ও বিলম্ব করে আর দেইতেতৃক সে ভূমির নীলামের অক্স মির মালওজারী নী হয় তবে এমতে তাহার তরফসানী অর্থাৎ প্রতিবাদি বাক্তি যদি নীলামের দিলে যে মতাচরণ পূর্বে সরকারের মালগুজারীর প্রকৃত বাকী টাকা দেয় ও নির্ণীত জামিনী ইইবেক তাহার ক দাখিল করে তবে তৎক্ষণাৎ তাহাকে সে ভ্রিতে দখল দেওয়ান যাইবেক আর সেই তর্ফসানী যত টাকা দিবেক সে মোকদমার চুড়ান্ত ডিক্রীর হি সাব রফা যে মতে হয় সেই মতে সে টাকা শতকরা মাসে এক টাকার হি সাবে সুদ সমেত হিসাব কৈরা হাইবেক ইতি। ১৮০৮ সা। ১৩ আ। ১১ था। ८ छ। ो

৮৩। এদেশ সরকারের অধিকৃতহওনের সময়ে ভূমাধিকারিদি গের যেথ স্বত্ত ছিল বন্দোবস্তের সময়েতে সরকারের করা পূর্বের সময় কৌলকুরার লোপছওয়াতে অন্যপ্রকার বিশেষ নিয়ম হইয়া থাকনব্যতিরেকে দরকার দেই২ স্বত্তপ্রাপ্ত হইয়াছেন অতএব দেই বন্দোবস্তের সময়ে সরকারের রাজস্ব যাহা নির্দ্ধার্য্য হইয়াছে তাহা আদায়ের নিমিত্তে বাকীদারের ভূমি তাহার দায়ী হয় এই মূল নীতি অনুসারে প্রথমেতে যে ব্যক্তি সরকারের সহিত বন্দোবস্ত করিয়াছে কথা। তাহার স্থলাভিষিক্ত কি লিখনাদির দাবাতৎস্বত্বপ্রাপ্ত বাকীদার কিয়া তাহার পূর্ব্ববর্ত্তি লোকেরা যেথ নিদর্শনপত্রাদি দিয়াছে এব েব বন্দে। ওয়া পাউ।দির দ্বা বম্বের পরে সেই প্রথম বন্দোবস্তকারী কিয়া তাহার স্থলাভিষিক্ত লোকেরা প্রজাইত্যাদিকে যেথ পাটা দিয়া থাকে কিয়া বহাল রা থিয়া থাকে এব॰ প্রথম বন্দোবন্তকারী আপন ভূমির বন্দোবন্তের নিয়মানুসারে যে২ পাট্টাইত্যাদি রদ করিতে কিম্বা মতান্তর অথবা পুনর্তন করিয়া দিতে পারিত মালগুজারীর বাকী আদায়ের নিমিত্তে সেই জমীদারী কিয়া মহাল নীলামে বিক্রয় হইলে ঐ নীলামের এরী দার সে সমস্ত পুর্ব্বোক্ত বন্দোবস্তের সময়ে থাকা যে২ পাউ।ইত্যাদি নিদর্শনপত্র পুনর্জার ন্তন করিয়া লওনের নিয়ম নির্দিষ্ট হইয়! ছিল কেবল তাঁছাব্যতিরেকে রঙ্ডিও ও রদ করিতে পারিবেক কিন্ত

ভুমি মালপ্রজারী র বাকীর নিমিতে নীলামের বি ক্রন্থ হইলে সনদ ওপা টোদির দারা জনি ভাধিকারের যেক প হইবেক ভাছার

वाकीमारवृत् **रम** রা জনিতাধিকারে র যাহা হইবেক তা হার কথা।

বসহবাটী এবং তৎসম্প্রকীয় কার্য্যার্থে অন্য গৃহ কিয়া বাগান অথবা পুণ্ধরিণী কি খোদা খাল কিয়া জলের নালাহত্যাদি নিমিত্তে ভূমির যেই পাটা হইয়া থাকে যাবৎ কাল ঐ ভূমি ঐই কার্য্যে আইসেও তাহার নির্দ্ধানিত থাজানা দেওয়া যায় তাবৎকাল কথনো সেইই পাটা রদ করিতে পারিবেক না ইতি।—১৮২২ সা। ১১ আ। ৩০ পা।

জীযুত নওরাব গবর্ নর জেনরল বাহা দূর পাট্টাদির কারা যে অধিকার জন্মে ভাহা বহাল রাখি তেপারিবার কথা।

৮৪। পাউ।ইতাদি নিদর্শনপত্রের বিষয়ে উপরেতে সেং নিয়ন লেখা গিয়াছে সরকারের রাজস্ব পাওনের কোন ন্যাঘাত না ছওনের নিমিত্তে দেইং নিয়মের অত্যাবশ্যক এবৎ তৎপুযুক্ত দেইং নিয়ম এই রাজপানীতে কর্প্রহণের রীতির মাপারণ ও মূল দাঁড়া জ্ঞান कतिया अनुमारत मर्सामा कार्य कता शिशास्त्र किछ और निरामप्रस् কাস্যন্ত ওয়াতে এই দোষোৎপত্তি হয় যে বিশাদ্বিকোধ জন্মিতে পা রে কেননা কোন জমীদার তৎক্ষণাৎ কিছু টাফা পাইবার আকাষ্ট্রা তে ভূমির পাটা কিয়া নিয়মিত কালের নিহিত্তে স্থবা সন্ধ কালের নিমিত্তে আপন ভূমির উপান্তরভোগের নিদর্শনপত্র অন্যেরে অর্পণ ক্রিয়াও তাহা অনিদ্ধ ক্রিতে পারে অতএন এই গারামুনারে ইহাও জানান যাইতেজে যে এীযুত ন ওয়ার গবর্নর জেনগুল বাচাদুর হ গুর কৌন্সেলে যথন উপযুক্ত বুকেন মালওজারীর বাধী আদায়ের निभिट्ड प्रि नीलास्मित शूट्य कान ममस्य थे पृतित उरकारलन অগিকারী কিম্বা তাহার পিভূপিতামহইত্যাদিরা অথব। তাহার পূক্ বর্ত্তি লোকেরা দেই ভূমিসমুঞ্জীয় যেই পাট্টা কিম্বা হলান্তর করণের পত্র দিয়া থাকে কিয়া ঐ ভূমিতে আর যে কোন দার্মণ যোগ কবিধা থাকে দে সমস্থ কিয়া তাঁহার মধ্যে যাগা ঐ প্রায়ুত্ত উপযুক্ত বুথেন তাহা বহাল রাখিয়া নীলাম করিবার হুকুল দিতে পারেন মদি উহ্ হয় তবে এীয়ুত নওয়াৰ গৰস্নৰ জেনসল ৰাচাদ্ৰ হ'ল্ব কৌলেলে ঐ ভূমিতে যেই নিরম বছাল রাখাণের তকুম করেন মেই ভূমির লাট भीलोभकत्राव्य नगरत् कारलक्ेत्रनारा व तमरूर भिग्रदमत् केशा नकल লোককে জানাইবেন এবা ঐ নীযুত হায়ুর কৌলেয়লে ঐ ভূমির বি ষয়ে আর সেং হ্রুম করেন তাহাও প্রচার করাইবেন কিন্তু এই প্রকার নিয়মযুক্ত ভূমি নীলামকরণেতে যে টাকা পাওয়া যায় তাছা যদি নীলামের ভারিঝপ্যার ঐ ভূমির উপর মালগুজারীর যত টাকা বাকী হয় ভালার কম হয় কিয়া দেই ভূমিতে এই নিয়মযুক্ত থাকি লে উত্তর কালে তাহার রাজখপাওনের ব্যাসাত হইতে পারিসেক এমত বোপ হয় তবে ঐ ীয়ুত হাজুর কৌন্সেলে ঐ নিয়মযুক্ত ভূমির नीलाम मन्तर्अत्नत् शृत्यं कान मगर्य अने बान्तित् रेर भोतान् সারে ঐ নীলাম রদ করিতে এব ে সেই সকল নিয়ম ছাড়াইয়া পুনর্পার নীলাম করিতে ছকুম দিতে পারেন এবপ যদি নীলাম মঞ্র হওনের পরে ঐ পুর্সোক্ত নিয়মযুক্ত নীলামকরা ভূমি মালগুডারীর বাফীর নিমিত্তে পুনর্কার নীলামক্রণের প্রয়োজন হয় তবে এীযুত নওয়ার গরর্মর্ জেমরল বাহাদুর হজুর কৌলেলে সর্ফান ছবুম

দিতে পারেন্ যে আদল বন্দোবস্তকরণের সময়ে দেই ভূমিতে থাকা যেং নিয়ম বহাল রাথা গিয়াছে তদ্যতিরেকে অন্যথ নিয়ম বর্জিত ক রিয়া কিয়া পুর্বোক্ত নিয়মযুক্ত করিয়া সেই মহাল নীলাম করা যায় এই দুই কল্পের প্রথম কল্প হইলে ঐ নিয়মবর্জিত নীলামেতে যে মল্য পাওয়া যায় তাহা যদি নিয়মযুক্ত নীলামেতে পা ওয়া মূল্যের টাকা হইতে অনেক অধিক হয় তবে ঐ ঞীবৃত হজুর কৌন্সেলে ঐ অধিক টাকার কোন অংশ কিয়া তাহা সমূদ্য প্রথম নীলামেতে যাহারদি গের উপশ্বত্ব বহাল রাথা গিয়াও দ্বিতীয় নীলামেতে র্ভিত হইল দেই •লোকেরদিগকে দিতে আজ্ঞা করিতে পারেন ইতি া—১৮২২ সা। ১১ আ। ৩১ পা।

৮৫। উপরের লিথিত যেথ নিয়মের কিয়া চলিত আইনের নি থিত অন্য যেথ কথার দ্বারা ইছা জানান পিয়াছে যে ভুল্লারিক। দিগের পাট্টারারা বিশেষরূপ নিবারণের অধীন হইয়া পূর্ব্র ভুমার্দিকারি দিগের ও তা হারদিণের পাউদার প্রজারদের মধ্যে যে করারদাদ ও পাযাকায় হরীয়া থাকে তাহা রুজিত করিতে এবং তালার্দিগের যে খালানা দিতে হয় সময়বিশেষে তাহার *বেশী করি*তে গারে সেই২ নিয়ম ও কথার তাৎপ্রা এমত নহে যে যাহারা নীলামে ভূমি এরীদ করে তাহারা কোন গ্রামের জমীদার কিয়া পটীদার অগরী মকঃবলী তাল কদারকে কিয়া আদল বন্দোবদ্যের লেখাপড়াকারক ভুম্যাপিকারি দিগের মধ্যের কোন জন কিয়া তাহার স্কলাভিষিক্ত কোন জনব্যতি রেকে মন্য যে কোন লোকের দেই ভূমিতে কি তাহার গাজানাতে নৌরুদী অথচ হস্কান্তরকরণের যোগ্য অপিকার থাকে তাহার্দিগকে ভূমিহইতে বেদ্থল করিতে পারে এবণ তাহার তাম্প্যা এমতও নহে যে পুর্ব্বোক্ত কোন এরীদার থোদকস্কা ও কদিমী রাইয়ত কিস্কা গৌরুণী অধিকার রাখিয়া যে২ প্রজারা সেই স্থানে পুরুষানুত্রমে বান করেও পুরুষানুক্রমে জমী যোত করে তাহারদিগুকে তাহারইতে বেনগল করে এবং পূর্ফের মালগুজার উপরের উক্ত পাটাগার প্রজাদিগের স্থানে যে থাজানা লইত কোন এরীদার ঐহ প্রজানিগের স্থানে তাহার বেশী লইতে পারিবেক না কিন্তু যেথ প্রকারেতে ইহা বোপ হয় যে বিশেষ অনুগ্রহগ্রাক্ত কিয়া কোন লাভইত্যাদিপ্রযুক্ত পূর্বের মালগুজারেরা পূর্বের নিরূপিত জ্যার কিছু কমী দেওয়াতে পটিাদার প্রজারা ওয়াজিবী জমাহইতে কম জমার পাটার অনুসারে ভূমি ভোগ করে কিয়া এমত প্রমাণ হয় যে ঐ ভূমি ≀য প্রগনার কিয়া মৌজার কিয়। ভূমির অন্য কিপ্মতের মধ্যীরত হয় তথাকার যে দন্তর থাকে তদনুসারে সেই পাউদার প্রজাদিগের স্থানে সরকা রের আইনের অনিষিদ্ধ কিছু বেশী জমা কিয়া আরু কিছু তলব করা যাইতে পারে তাহাতে লইতে পারিবেক ইতি।—১৮২২ সা। ১১ या। ७२ धा।

পাউদার প্রজা হওয়া ভাষিকার ব হাল রাখা যাইসংক

৮৬। যেথ নীলামী এরীনার আপনার্দিগের পাউালার প্রভার্দি बाबीनाव प्रकास

লের প্রজাদিগের দ গের জমা বেশী করিতে চাহে বিশেষ লেখাপড়া না হইয়া থাকিলে হিত্যেরূপে জুমার পুর্বের রীতিমতে ইঙ্গরেজী ১৮১২ দালের ৫ আইনের ৯ ধারাতে ধার্যাকার্য্য করিবে যেমত লেখা গিয়াছে তদনুসারে তাহারদিগের ঐ মনস্থের জ্ঞাপন পত্র ঐ প্রজাদিগের নিকটে পাচাইতে হইবের্ক কিন্তু ঐ ধারার লি থিত কোন কথার অর্থ এবং তাৎপর্য্য ইহা নছে যে যে ব্যক্তি কোন ভূমিতে হস্তান্তর করণযোগ্য কিয়া মৌকুদী অধিকার রাথে তাহার জুমা বেশীকরণের দাওয়া যথার্থ হওয়া না হওয়ার বিষয়ে নালিশক রণের এব^ তাহা হওনের যোগ্য আদালতের নিষ্পত্তির দ্বারা অন্য প্রকারকরণের হুকুম নাছওনপর্যান্ত পূর্দ্বমত থাজানা দেওনের বাধা হইবেক এব ে তাহার তাৎপর্য্য ইহাও নহে যে যে থাজানা নির পিত থাকে তাহা দিলে কিয়া দেই স্থানের দাঁড়া ও দম্ভরমতে যে থাজানা নিরূপণ হয় তাহা দিলে প্রজারদের ভূমি ভোগ দথলকরণের অন্ধিকার কিয়া হানি হইবেক ইতি।--়১৮২২ সা। ১১ আ। **၁**೨ था।

১৩ ধারা।

মালুগুজারী দাওয়া ও ভূমি কোক করণ দ্বারা রাজস্ব আদীয় করণ।

পরওয়ানার দা ব করিবার ও দে প্রওয়ানার কালে কটরী মোহর ও কালেকটর সাহে তাহা লিখিবার ও তাহা বাকীনারের স্থানে পঁহছিবার কথা।

৮৭। যে সময়ে কালেক্টরসাহেব কোন জমীদার কিয়া হজুরী রা বাকী টাকা তল তালকদার অথবা অনা ভূমাধিকারী কিছা ইজারদারের স্থানে মাল धकातीत ताकी होका उनवे करतन ता मारा कै। ताक्रेती ताक्त अ আপন দস্তথৎ ও কালেক্টরীর দেওয়ানের সহীযুক্তে সে বাকীদারের নামে এক পরওয়ানা বাকী টাকার দংখ্যা ও যে ভারিখে দে টাকা বের ও কালেকট্রী দেওয়া যথার্থ ছিল সে তারিখানিদর্শনে ও কালেকট্রী দফুর্থানা র দেওয়ানের দস্ত হইতে সেই বাকীদারের টিকানা যত দরে হয় তদনুসারে দে পরওয়ানা শংহইবার ও পর পঁত্রভিলে বাকীদার তথাইইতে ত্রাক্রমে যত দিনে সরকারের থাক্রা ওরানার পাচের ও নাথানায় সে বাকী টাকা দাথিল করিতে পারে তাঁহার মিয়াদ বিবেচ নাক্রমে নির্দিষ্ট করিয়া লেখাইয়া ১ এক পেয়াদার হাওয়ালে করিয়া তাহাকে যথোচিত ত্বরা করিবেন যে সে পরুওয়ানাসুদ্ধা দেই কালেক্টর সাহেবের জিলার দাঁড়ামতে সেই বাকীদারের সদ্র কাছা রীতে কিয়া যথায় তাহার অবস্থিতি থাকে তথায় যায় ও দে পেয়াদা সেই বাকীদারের সদর বাছারীতে কিয়া তাহার অবৈশ্বিতির স্থানে গেলে দে বাকীদার আপনি কিয়া তাহার যে প্রধান আমলা দে কা ছারীতে হাজির থাকে দে দেই পরওয়ানা যে তারিথে পঁছছে দেই তারিথ নিদর্শনে তাহার রসীদ লিথিয়া সেই পেয়াদাকে দেয় এবং দে পেয়াদা দেই পরওয়ানা দেই বাকীদারের স্থানে পঁছছাইতে ও তথাহইতে পুনরায় কালেক্টর দাহেবের নিকটে আদিতে যে কএক দিন ঐ সাহেবের স্থানহইতে নিরপণ হয় সেই কুএক দিনের তল বানা দিন প্রতি প ০ দুই আনার হিসাবে সেই পেয়াদাকে দেয় কিন্তু যে সকল জিলায় পেয়াদার তলবানা দিন প্রতি দুই আনার কম

দ্ৰুর থাকে সে সকল জিলায় সেই দ্ৰুর মতে পাইবেক ইহাতে সেই পরওয়ানার পৃষ্ঠে পেয়াদার নাম ও মিয়াদ নির্দিষ্টে তাহার তলবা নার প্রস্তাব দেখা যাইবেক তাহাতে দেই পেয়াদা দেই বাকীদারের সদর কাছারী **কি**ম্বা তাহার অবস্থিতি স্থানে যে দিবদে উপস্থিত হয় ভাহার প্র দিবদ দন্ধ্যাকালপর্য্যস্ত নেই বাকীদার কিম্বা ভাহার প্র ধান আমলার দহিত দে পেয়াদার দাক্ষাৎ না হইলে অথবা দেই বাকীদার কিয়া তাহার প্রধান আমলা দেঁ পেয়াদার সঙ্গে দেখা হই লে ও পরওয়ানা পঁত্ছিলে শীলু ভাহার রদীদ না দেয় তবে দে পে য়াদা দেই পরওয়ানাকে দেই বাঁকীদারের সদর কাভারীতে কিয়া তাহার অবস্থিতির স্থানে লট্কাইয়া ক্রালেক্টর সাহেবের নিকটে উপস্থিত হইয়া যে তারিথে সেই পরওয়ানা লট্কায় তাহার সমা চার দিবেক তাহাতে উপরের লিখনানুমারে সে পরওয়ানা লট্কান দেই বাকীদার কিয়া তাহার প্রধান আমদার হত্তে দে পরওয়ানা **पिय़ा तमीप**ः लहेवात नााग्न खान 'हहेरवक ইতি।—১৭৯৩ मा। ১৪ আ। ৩ ধা।

৮৮। যদি ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৪ আইনের ২ পারাক্রমে কিস্তির বাকী কিছু টাকা যে মাসে তাহী দেওয়া ক ইব্যু ছিল তাহার কালে দাওয়া ক পর মাদের প্রথম দিনপর্যান্ত না মিলে তবে কালেক্টর নাছেব রিবার মতের কথা। কিয়া তহদীলদার অথবা তহদীলের দণ্কান্ত অন্য যে আমলার নিকটে দে মালগুজারী দাখিল হইত তাঁহার কর্ত্তব্য যে ঐ ১৪ আ ইনের ৩ ধারানুমারে সৈঁ**ই বাকী** টাকা মাদে শতকরা এক টাকার * হারে সুদদমেত তলব করেন্। ও তলবমতে যদি তাহা না দেয় কিয়া তাহাদিবার অর্থে কালেক্টর সাহেবের প্রবোধ জিন্মবার যোগ্য এক উসুল না হউলে কি রার না করে তবে সে মাহের তৎক্ষণাৎ সে বাকীদারের অধিকার স্থাভাহার বোধ না সমুদয় কিম্বা তন্মধোর যত ভূমি বিক্রয়েতে সেই তলবী টাক। সুদ্দ মেত শোধ পড়িতে পারে তত ভূমি ঐ ১৪ আইনের ৫ পঞ্চম ও ৬ ষষ্ঠ ধারাদৃষ্টে ক্রোক্ করিবেন। ও দে বাকীদার ইজারদার হইলে ধিকার ক্রোক্ হই ডাহার ইজারার ভূমি ক্রোক্ও তাহাকেও কয়েদ রাথিবেন। এব॰ বার কথা। দে মালজামিন দিয়া থাকিলে দে জামিনদারের সমুক্তিও ক্রোক্ করি বেন। ও জানিবেঁন যে ঐ ১৪ আইনের ৪ ধারায় যে যে হকুম জারার ভূমি কোক্ ছিল তাহার মধ্যে ভূম**র্দ**ধকারিশাণের দুরুকীয় ত্রুম ইঙ্গরেজী ^{এবৎ ইজারদার ও} ১৭১৪ সালের ৩ আইনৈর ৩ ধারার অনুসারে রদ ইইয়াছে এ ধা রাজমে তাহার অবশিষ্ট হকুম সমস্তই রদ হইল। কিন্তু তহসীল দারপ্রভৃতি তহসীলের সংকাত আমলারা ভূমাধিক বিগণ ওইজার দার্দিনের স্থানে বাকী তলব কালেক্টর সাহেবদিগের ক্রিবামতে সালের ১৪ আইনে করিবার ও নির্দ্ধারিত মিয়াদের মধ্যে কোন ভূমাধিকারী কিয়া ইজা র ৪ ধারা রদ হই রদার বাকী না দিলে তাইনর বেওরা তংসীলনারপ্রভৃতিতে লিথিয়া বার কথা। অব্যাজে কালেক্টর সাহেঁবের সমীপে পাচাইবার অর্থে যে হুকুম.

বাকী পড়িলে তৎ

তলবমতে বাকী পাইলে যে কর্ত্তব্য তাহার কথা।

ইজারদারের ই তাহার মালজামিন কয়েদ হইবার ক

[°] ১৮৩ - সালের ৭ আইন ছারা সুদের হার মতান্তর হইয়াছে व्यथात्वद ७२ म॰ था। तस्य।

ঐ ৩ আইনের ১৩ ধারায় লেখা আছে তাহা রদ হইল এমত না বুকিবেন।—১৭৯৯ দা। ৭ আ।২৩ ধা।২ প্র।

বোর্ড রেবিনিউ সের মধ্যে এবং ভ দিত্র বিশেষ সময় ছাড়া কোন ভূমি কথা।

৮১। ইঙ্গরেজী ১৭১১ দালের ৭ দপ্তম আইনের ২৩ ধারার ১ র বিনাছকুমে কা প্রথম প্রকরণের অনুসারে ছকুম আছে যে যে ভূমাধিকারিগণ ও ই লেক্টর সাহেবের। জারদারেরা যথার্থ দেন। মালগুজারীর মাসড়া কিস্তির টাকা আগামি সনপ্রবর্ত্তে তিন মা মাদের প্রথম দিনে কিয়া তৎপূর্ব্বে না দিবেক তাহারদিণের শিরে দেই বাকীর উপর মাদে শতকরা ১ এক টাকার হারে সুদ চড়িবেক। আর ঐ ২৩ ধারার ২ দ্বিজীয় প্রকরণানুদারে হুকুম আছে যে ইঙ্গ জোক্না করিবার রেজী ১৭১৩ দালের ১৪ আইনের ৩ ভূতীয় ধারার লিখনমতে বা কীদারের অধিকার কিয়া ইজারার ভূমির দুরাদুরদুষ্টে মালগুজারীর বাকী টাকা দাঞ্জিল করিবার মিয়াদ্নিদশ্রনী পর্ওয়ানা গেলে পর যদি দেই বাকী টাকা সুদসমেত না মিলে কিয়া তাহা ত্বরায় মিলি বার অর্থে কালেক্টর সাহেবের প্রবোধ না জন্মে তবে সে সাহেব দেই বাকীদার ভুমাধিকারী হইলে তাহার অধিকার ভুমি সমুদার কিয়া তন্মধ্যের যত কিন্মতে সুদ্দমেত দেই বাকী টীকা আদায় হইতে পারে তাহা ক্রোকু করিবেন। আর দে বাকীর দায়ী ইজার দার হইলে ভাহার ইজারার ভূমি ক্রোক্ এবণ তাহাকেও সে জা মিন দিয়া থাকিলে দেই জামিনদারকেও দেইরূপে কয়েদ করিবেন যে রূপ এই ১৪ আইনের ৫ পঞ্চম তথা ৬ ষষ্ঠ ধারায় নিয়ম আছে। অথবা ঐ ৭ সপ্তম আইনের ২৩ ধারার ৭ সপ্তম প্রকরণের অনুসারে ক্ষমতা বর্ণ ছকুম আছে যে যদি দে বাকী দেই বাকীদারের শৈ থিলা কিয়া নফামীয়াতীত প্রকা ও হাজাআদি আকাশী উৎপাতে পড়ে তবে দেই ক্রোকৃপ্রভৃতি না করিবেন। এতদ্ভিন্ন হকুম ছিল যে এমত গতিকে তাহার বৈওরাহকীকৎ বোর্ড রেবিনিউতে লিথি য়া তথাকার স্কুমমতে কার্য্য করিবেন। এই উপায়ানুসারে এবৎ কালেক্টর সাহেবদিগকে অর্পণহওয়া ভারক্রমে জানা গেল যে তাঁ হারা নিজ বিবেচনাই অথবা অন্যের স্থানে তত্ত্ব পাইবার দ্বারা বাকী দারদিগের যত্মক্রমে শৈখিলা ও নম্টামা না হওঁয়া বুরিলেও দে হকী কং ঐ বোর্ডে লিথিবেন এবং তাহারদিগের অধিকার কি ইজারার ভূমিও তাবৎ ক্রোক্ করিবেন না। যদাপি ঐ ১৭৯৯ সালের ৭ সপ্তম আইন জারী হুইবাবধি এ[®]রূপ আনেক হইয়াছে বিশেষতঃ ্সন প্রবর্ত্তে ভূম্যধিকারিগারণর ও ইজারদারদিগের সহিত তাহারদি राज (भोग मान अजात पिराज मकः मनी वर्ष्मावस इहेवात कारन তাহারদিগের অধিকার কি ইজাব্লার ভূমি দরকারের ক্রোকে আদি লে তাহারদিণের বিস্তর ক্ষতি 🕷 অকল্যাণ দর্শে এপ্রযুক্ত এমত প্র কার যথেষ্টই হইয়াছে কিন্তু ইইার হকীকৎ অন্নই কালেক্টর দা হেবদিগের দারা ঐ বোর্ডে পঁত্রিয়াছে। অতএক এ ধারাক্রমে ছকুম আছে যে কালেক্টর সাহেবদিগের কেহ কোন ভূম্যধিকারির অধিকার কিম্বা ইজারদারের ইজারার ভূমি আপন্থ দিংকান্ত জি লার চলন দন বাঙ্গলার কিয়া ফদলীর অথবা বিলায়তীর প্রবর্ত্তে

তিন মাদের মধ্যে তাবৎ ক্রোক করিবেন না যাবৎ তাঁহার পাচান হকীকৎ দৃষ্টে ঐ বোর্ডের সাহেবেরা সে ভূমি ক্রোকের অর্থে হকুম না দেন। এবণ ঐ তিনমাস মৃদ্দৎগতেও ঐ বোর্ডের বিনাহকুমে কোন ভূমি কোক করা অনুচিত জানিবেন। কিন্তু যদি ঐ তিন্মাস মুদ্দৎগতে কোন কালেকটর দীহেব বাকীদারের স্থানে বাকী টাকা ক্ করিতে হইলে আদায়ের কারণ কিছা সে সনের তলবের বাকীর সংস্কান বাকীদার ভাহার কিছু কিসম উড়াইতে না পারিবার নিমিত্তে অথবাসনআথিরীতে সে ভূমি নীলাম ত কোক্ না করিয়া করিবার জন্যে তাহার স্থিত প্রকৃতপ্রস্তাবে বুকিবার আবশ্যক জানেন্ তবে তৎকালে ঐ বোর্ডের হকুমের অপেক্ষিত না হইয়া উপরের লি থিত আশয় একাইবার নিমিত্তে ঐ ১৭১১ সালের ৭ সপ্তম আইনের ২৩ পারার ২ দ্বিতীয় প্রকরণের অনুসারে এতদ্বিশেষে যে সে ভূমির আর জানিবেন যে যদি কোন ভূমি বাকী আদায়ের কারণ নীলাম মাদের মধ্যে ভূমি হইবার অর্থে গত দনে ক্রোক হইয়া দেই ক্রোক দন হালেও দাবাস্থ থাকে তবে তাহাতে দন প্রবর্ত্তে তিনমাদের মধ্যে কোন ভূমি ক্রোক না হইবার অর্থে যে হুকুম আছে ভাহা থাটিবেক না। আরু কালে কটর সাহেবদিগের কেছ এব॰ ঐ ব্লোর্ডের সাহেবেরা কোন বাকী দার যত্ত্রক্রমে আপন শিরের মালগুজারীর টাকা বাকী পাড়িয়াছে কিয়া তাহার শৈথিলা ও ন্টামীতে দে বাকী পড়িয়াছে বুকিলে ও হেবের। কোন ভু তাহাতে তাহার ভূমি ক্রোক করা অকর্ত্তব্য জানিলে উপরেব উল্লিমি ক্রোক করা অ থিত আশয় একাইবার কারণ ঐ বোর্ডের সাহেবদিগের সাধ্য আছে নুচিত জানিলে তা যে সেই বাকী পড়িবার কালহইতে ভাহার উপর নিয়মিত সুদের হার হকীকং ঐ কো বাহির মাদে শতকরা ১ টাকার হারে দণ্ড চড়াইয়া লইবার নির্ণয় ভাৰৎ করেন্ যাবৎ 'দে বাকীদার দেই বাকী টাকা শোধ না দেয় দণ্ড নিগর হইবার কিয়া তাহার যে ভূমি কোকের বদলে ঐ দণ্ডনির্ণয় হয় দে ভূমি যে ও দে দণ্ড যত ও যা পর্যান্ত ক্রোক নাকরা যায়। ও তাহা ক্রোক করা গেলে পর ঐ দণ্ড বং লইতে হইবে নিবর্ত্ত করেন্ ইহাতে যেরপে সুদের টাকা উসুল করা যায় সেই ভাষার কথা। রূপে ঐ দণ্ডের টাকাও উদাল করিবেন। অর্প্রাই তাহা বহালী আ ইনমতে মালগুজারীর বাকী টাকা উদুল করিবার নিয়মানুসারে লই বেন। আর যদি কালেকটর সাহেবদির্গের কেহ কোন বাকীদারের অধিকার কি ইজারার ভূমি ক্রোক করা অনুচিত জানেন ও তাঁহার জ্ঞাতহওয়া তথ্য বৃত্তান্তক্রে বুকেন্ যে দে বাকীদার ভূম্যধিকারী কিয়া ইজারদার স্বযতে শৈথিলা কিয়া নুষ্টামী করিয়া দৈই বাকী পাড়িয়াছে তবে তাহার হকীকৎ আপনার বিবেচিত দংক্রেপ তত্ত্ব সুদ্ধা ঐ বোর্ডে দেই রূপে লিথিবেন যেরূপে তাঁহারদিগের প্রতি ঐ ১৭১১ দালের ৭ দপ্তম আইনের ২৩ ধারার ৭ দপ্তম প্রকরণের অনুসারে কোন বাকীদারের শৈথিকা কিয়া নফ্টামীব্যতীত আকাশী উৎপাতে বাকা পড়িলে তাহ্মর অধিকার কিয়া ইজারার ভূমি ক্রোক কি সে বাকীর উপর সুদের তলব মৌকুফ করা উচিত জানিলৈ তাহার হকীকৎ ঐ বোর্ডে লিথিতে চ্কুম আছে। আর যদি কালে কটর সাহেবদিগের কেহ কোন সনের আদৌ তিন মাস মৃদ্ধগতে বেরা সন্প্রতে ডি

কোন ভূমি ক্ৰো এক কালে সম্দায় ক্রোক করিবার ক

সনপ্রবর্ত্তে তিন ক্রোকের নিষেধহু কুম গত সনের ক্রো ক্হওয়া ভূমির বি यरंग ना शाहियात

কালেকটর সা র্ভে লিখিবার ও ড থায় তাহার বদলে

কালেক্টর সাহে

লে ভাহার হকীকৎ

বার হেতৃর তজ্ঞ য করিয়া পাড়িয়াছে কি তাহার যথার্থ পাওনা রাজস্থ না পাওনছে था।

ন মালের পরেও ও ভূমি ক্রোকের সচরাচর হকুমমতে কার্য্য না করেন্ তবে কর্ত্তব্য কোন ভূমি জোক যে তীহারে। হকীকৎ উপরের নিয়মানুসারে লিথিয়া পাচান। এত করা অনুচিত জানি ভিন্ন এইক্ষণে ঐ বোর্ডের সাহেবদিগের সমাতিক্রমে কালেকটর সা ও বার্ছেলিথিবার হেবদিগকে সমপূর্ণ ভারাপণ হইলে যে যে সময়ে উচিত জানেন্ সেই সময়েই ক্রোকের হকুম মৌকুফ করেন। অতএব কালেকটর কালেকটর সা সাহেবদিগের কর্ত্তব্য যে কোন ভূমির মালগুজারীর বাকী পড়িলে হেবেরা বাকী পড়ি সে বাকী তাহার অধিকারী কিয়া ইজারদার শৈথিল্য কিয়া নষ্টামী

থাসাধ্য লইবার ক তুক সে বাকী দিতে অপারক হইয়াছে ইহার নিগ্ঢ় তত্ত্ব যথাসাধ্য লন। তাৎপর্যা এই যে দেই তত্ত্বের দারা যে মত বুঝা যায় তদুপ যুক্ত শাসন করা উচিত কেননা অ্যথা ক্ষমা দিলে সরকারের মৃত্য লোপ হয় ও অসঙ্গত শক্তি করিলে বাকীদার পীড়া পায় অতএব কোনমতে ইহা না হইতে পারে। আর যদি কালেকটর সাহেবদি গের কেহ আপনার মফঃদলী আমলার পাচান হকীকৎ দৃষ্টে কিম্বা প্রকারান্তরে তত্ত্ব পাইবাতে বৃফেন যে বাকীদার আপন শিরের বাকী দিতে যথোচিত চেষ্টা পাইয়াছিল কিন্তু নিতান্ত অপারকতাহে

> কিয়া নফামীতে হয় নাই তবে এ গতিকে তাহার ভূমি ক্রোককর ণেতে কেবল তাহাকে এরচাস্ত করা ও ক্লেশ দেওয়া হয় এক ই হাতে দরকারের লাভপ্রদক্তিও দৃষ্ট হয় না। কিন্তু যদি ব্যেন যে

> তুক সে বাকী দিতে পারে নাই ও সে অপারকতাও তাছার শৈথিলা

সে বাকীদার বাকী টাকা দিবার সম্ভাবনা রাথে কিয়া তাছার ভূমি ক্রোক করিলে সে বাকী আদায়ের সংস্থান মিলিনেক ও ক্রোক না করিলে সেই বাকীদার সে সংম্পান উড়াইয়া দিবেক তবে এমতে সে

ভূমি ক্রোক করা সম্ভব ও অত্যাবশ্যক। ও তাঁহাতে সে বাকীদার যত থ্রচান্ত হয় ও ক্লেশ পায় তাহা তাহার আপন শৈথিল্য ও নষ্টা কালেক্টর সাহে মীর ফল জানিবেক। ও বাকী পড়িবার ঐ দুই হে তুর মধ্যে কোন

> হেতু তথা তাহা কেবল মফঃদলে স্থায়ি দরকারের কর্মকর্তারা जानिएक शाहिएतन। अव° थे त्वाएकंत माह्यत्वता कालक् हेत् मा হেবদিগের চালানী ভৌজীর দঙ্গে যে হক্তীক্ত হন্তুর কৌন্সেলে পা

ঠাইবেন তাহাতে ঐ সকল কর্ত্তন্য কর্ম্মে কালেক্ট্র সাহেবেরা মনো

যোগী ও সাবধান থাকেন কিনা তাহার বেওরা লিখিবেন ইতি। —১৮০১ দা। ১ আ। ২ ধা।

ইবার কথা। উপরের দাঁডাক্র লে পর যে সময়ে থালাস হইতে পা বিবেক ভাহার ক

eT 1

বেরা কর্ত্তব্য কর্মে

মনোদোগী থাকেন

কি নালিখিয়াঐ

বোর্ডে সাহেবের

তৌজীর সঙ্গে হজ

র কৌন্দেলে পাঠা

১০। উপরের প্রকরণের লিখনানুসারে কোন ভূম্যপিকারির অ মে ভূমি ক্রোক্ হট পিকার কিয়া ইজারদারের ইজারার ভূমি ক্রোক ইইলে পর যদি সে বাকী টাকা ও দে ভূমি কোক হইলৈ পর আর যে বাকী পড়ে তাহাসুদ্ধা মোটহওয়া বাকী এব ে সে মোটের উপর মাসে শতকরা এক টাকার হারে * সুদ ও ক্রোক ইম্ভক যত থরচা হয় তাহা সমস্ত তথাকার চলন নেই সন বাঙ্গলা কিয়া ফদলীঅথবা বিলায়তী গত

সুদের ও জরীমানার হার ডৎপরে সংশোধিত হইয়াছে।

হইবার পুর্বেরে কোন সময়ে সেই ভূমির উপস্বত্বেতে কিম্বা সেই অধি কারী অথবা ইজারদারের দারা প্রকারান্তরে উদুল হয় তবে তৎ কালে কে ক্রোক বর্থান্ত হইবেক। ও সেই অধিকারিপ্রভৃতির স্থানে সে ভূমির ক্রোকী আমলের নিকাশ প্রকৃত প্রস্তাবে বুকাইয়া দিতে হসীলদিগরের নি হইবেক। ও ক্রোককালীন যত টাকা উদুল ঠাহরে তাহার মধ্যে কাশ দিতে হইবার ভৎকালের ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৪ আইনের ৬ ধারার লিথ নানুসারে ধার্যাছওয়া তহদীলের আমলার এরচবাদে যে বাকী রহে তাহী সমেত সুদ সেই বাকীর হিসাবে মজুরা পড়িবেক।* ও তাছাতে ঐ ৬ বারার হকুম সমস্তই সাব্যস্থ রহিবেক ও ক্রোকী আমীনেও ভুমাধিকারিগণ ও প্রজাদি মালগুজারেরদের আপোদে হওয়া করা तेमाममृत्से प्रामधकातीत उरमोन उमून कतित्वक। किस्र यमि अप्रज বোধ হয় যে সেই বাকীদার সে ভূমি কোক হইবার উপক্রম দেথিয়া সালের ১৪ আই সরকারী মালওয়াজীবীর তহসীলৈ ভগুল পাড়িবার আশয়ে দিন নের ৬ ধারার ছ থাকিতে গণতাক্রমে সেই করারদাদ ফেরফার করিয়াছে তবে সে ^{কুম গণতার লিখন।} করারদাদের অনুসারে তহসীল না করিয়া সেই পরগণার শরে অর্থাৎ দাঁড়ামতে তহ্নীল সেই রূপে করিবেক যে রূপে বাকীদারের বার কথা। সহিত প্রজাদির আপোদে কোন করারদাদ না হইয়া থাকিলে করি তে হইত। এতন্তিন্ন বুকিবেন যে এ আইন জারী হইলে পর যে কোন ভূমি ক্রোক হয় তাহার মালগুজারেরা হালভঞ্জিতের আপত্তি ইতে পারিবার উ क्रिलि जारा खना गारेरिक ना अव ९ ज्ञाधिकारिका उ रेजातमात দিগকে হুকুম আছে যে তাহারা কোন প্রজা কিয়া অপর যোতদা রের স্থানে কিস্তিবন্দীর কিয়া অন্য লিখন প্রচনের অথবা যে খান রিলে ও প্রজাদিতে কার যে দাঁড়া সেইমতে থাজানা তলবের নির্ণীত সময়ের পূর্ব্বে কাহার তাহা দিলে যে দও স্থানে কিছু মালগুজারী তলব না করে ও না লয় এবণ্ প্রজাদিগেও হইবেক তাহার ক সেমতে মালগুজারী দিতে বারণ আছে। ইহাতে যদি প্রজাদির কেহ থা। পশ্চাৎ এই নিষেধের অন্যথায় নির্ণীত সময়ের পূর্ব্বে কিছু মালগুজা রী কাহাকেও দেয় ও পশ্চাৎ দে ভূমি দরকারে ক্রোক হয় কিয়া ভূম্যধিকারী অথবা ইজারদার ক্রোক করে তবে দেই পূর্ব্বে দেওয়া মালগুজারীর দাখিলা সরকারের তরফ ক্রোকী আমলা কিয়া ক্রোক করণিয়া ভূমাধিকারী অথবা ইজারদার যাহার নিকটে দর্শাইবেক তাহার নিকটেই দে দাথিলা প্রকৃত কি অপ্রকৃতইবা হউক কদাচ মৃঞ্জুর হইবেক না। আরু যদি কোন মালগুজার কোন ভূমি কোক হইবার যে ইশ্তিহার স্থানে২ দিবার ছেকুম আছৈ তাইা দেওয়া লে পর কেহ কাহা গোলে পর ও দে ভূমির ক্রোক বরথাস্ত হইবার ইশ্তিহার দিবার ^{কেও} মালধজারী পূর্বে কিছু মাল্ওজারী কাহাকেও দেয় তবে তাহাও মজুরা পাইবে দিলে তাহা মজুরা না। কিন্তু যদি বিশিষ্টরূপে এমত ব্যাইতে পারে যে দেই ইণ্ডি হার হইবার সমাচার সে জ্ঞাত ছিল না তবে সেই পূর্বের দেওয়া মা _{শেষ কথা।} লগুজারী মিনাহ পাইবেক। কিন্তু বাকীদার যত টাকা মালগুজা রের স্থানে হালভঞ্জিতক্রমে আগামি কি ভূমি ক্রোক হইলে পরেই যের উপর প্রভেদ

ক্রোকীকালের ড

ক্রোকের কালের উসুলহওয়া টাকা যেমতে মজুরা পড়ি বেক তাহার কথা।

इन्नर्दिकी ১৭৯৩ দিছাড়া যাবদীয় বি यरत माठा इथी कि

হালভঞ্জিত নাছ পায়ের কথা। ভূমাধিকারিপ্রভূ তিতে হালভঞ্চিত্ৰ

ভূমি ক্ৰোক্ হই না পাইবার কথা। ঐ হুকুমের বি

ঐ হুকুমের বিশে

^{🕈 &#}x27;'ও ডাহাতে ঐ ৬ ধারার''এই কথাঅবধি এই প্রকরণে যত লেখা আছে তাহা ১৮০০ সালের 🕈 আইনের ২৪ ধারাক্রমে বারাণসে বিস্তার হইল।

বা লইয়া থাকে তাহা সে মালগুজারদিগকে মজুরা দিতে হইবেক না এমত বোধ কদাচ করিবেক না। জানিবেন যে উপরের লিথিত ছকুম কেবল ক্রোককরণিয়ার স্বস্ত্রাব্যস্থের কারণেই হইল।— ১৭৯৯ मा। ৭ আ। ২৩ ধা। ৩ প্র।

কোন ভূমি ক্রোক গজপত্র দেওয়াকর্ম চারিগণের কর্ত্তব্য হইবার হইবার ক

বার কথা।

কর্ম চালানিয়া ফুরণের লিথনানুসারে দণ্ডা হইবেক ও দে ইও লইবার আবশাক হই দুং ভূমাধিকারি লে প পুকরণানুসারেই লইবেন। আবে এ ধারাক্রমে স্পৃষ্ট জানান গণ ঐ ৬২ ধারাক্র याहेराङ्क या कूनु १ या नकन जुमाधिकाती निर्क्त व्यापन १ व्यक्तिका মে কর্মচারী না রা রের ব্যাপার করে ও কর্মচারির মাহিয়ানা দিতে না পারে তাহার · থিবার কথা।

হয় তাহার কাগজ পত্ৰ ও আমলাদি গেরে তথাকার অ ধিকারী কিন্তা ইজা রদার কালেকট্র সাহেবপ্রভৃতির স্থা বার কথা।

১১। কোন ভূমি ক্রোক হইলে তৎকালে যাহারা তথাকার গ্রাম হইলে ভাহার কা কর্মচারী দশসনী বন্দোবস্তের মূল হ্রুমের ও ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দা লের ৮ আইনের ৬২ ধারার *** হ্**কুমে**র অনুস**হর নিযুক্ত থাকে তাহা রদিগের উচিত যে যে হিসাবকিতাব তাহারদিগের রাথিবার অর্থে হকুম আছে দে হিদাব কালেক্টর দাহেবদিগের দমীপে কিয়া তা হারদিণের পক্ষহইতে নিযুক্তহওয়া আমীন প্রভৃতির নিকটে যোগা কালেক্টর সা ইয়াদেয়। আর এধারাক্রমে কালেক্টর সাহেবদিগকে হকুম আছে হেবেরা কর্মাচারি যে তাঁহারদিগের যাহার যে ব্যাপা সীমানার মধ্যে সর্ব্তে ঐ ৬২ ধা গণকে নিযুক্ত করা রাজমে কর্মাচারী নিযুক্ত হইয়াছে কি না ইহার তহকীক অবিলয়ে করেন। ও যথায় নিযুক্ত না হই য়া থাকে তথায় তৎক্ষণাৎ নিযুক্ত ক্রান্ এব° ভূম্যধিকারিগণকে ঐ আইনের হুকুমের মতে চলান। নিজাধিকারের ও তাহারা যদি দৈ হকুমের মতে না চলে তবে ঐ ৬২ ধারার ১ প্রক

দিগের প্রতি হকুম নাই যে ঐ ৬২ ধারার লিখনানুসারে কর্ম্ম চালা ইবার কারণ কর্মাচারী নিযুক্ত করে কিস্কু এমন্ত গভিকে দে ভূমাধি কারিগণের কর্ত্তব্য যে তলবমতে কাগজপত্রের যোগান যে রূপে কর্ম্ম যে ভূমি ক্লোক্ চারিরা দিত দেরপে তাহারাও যোগায়। এব॰৲ এ আইনমতে যে ভূম্যধিকারির অধিকার কিয়া ইজারদারের ইজারার ভূমি ক্রোক रेंग्र ठारात निरंगत উठिंछ रहेरवक या ठारात निरंगत निकट्टे मन राल কিয়া গুজন্তা ও পয়ন্তার যে জমা ওয়াদিল বাকী কাগজ থাকে তাহা এবং তাহারদিগের গোমাস্তাপ্রভৃতি তহসীলের সংক্রান্ত নানাপ্র कांत आमलानिरंगरते अ कारलक्षेत्र मार्ट्यिनरंगत स्राप्त किया आमी নে দাখিল ও রুজু নপ্রভৃতি যে কেহ সে সাহেনের প্রস্তে নিযুক্ত হয় তাহার নিকটে করিবার ও তাহা দাথিল করে ও রুজুরাথে। ও তদর্থে কালেকটর দাহেবদিগের না করিলে দণ্ড হই মোহর ও দস্তথাতী পরওয়ানা পাইয়া যদি কোন ভূমির অধিকারী কিম্বা ইজারদার কোন কাগজপত্রাদি যোগাইতে না চাহে কিম্বা সে পরওয়ানা না মানে তবে বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা কালেকুটর নাহেবদিগের হকীকৎ দৃষ্টে সে মোকদ্দমার ভাব বৃক্তিয়া সেই ত্রুটি কারকের যত দণ্ডকরণ বিহিত জানেন্ তাহা এীযুত গবর্নর জেনর লের হজুর কৌন্সেলের সমাতি ও মঞ্রীক্রমে করিতে প্রুম দিবেন। এব॰১ ঐ হজুর কৌন্সেলের বিশেষ কর্তৃত্ব আছে যে ভূম্যধিকারি

^{*} পাট্টাওয়ারির বিষয়ে তাবৎ বিধান ইহার পর লিখিত অধ্যায়ে পাও म्रा शहरव।

প্রভৃতির যে কেই তলববাকী কাগজপত্রাদি দাখিল করিতে না চাহে छोर्रात्क करम् कित्रवादा ह्कूम (मन्।->१२० मा। १ छा। २० था। 8 था।

৯২। যদি কথন কোন অধিকারভূমি এ আইনমতে কোন কালে কটর সাহেবের কিম্বা সরকারী অন্য কোন আমলার ক্রোকে অথবা খা কোন আইনক্রমে সরকারের থাস তহসীলে আইসে কিয়া প্রকারা ন্তবে দরকারী আমলার হাতে এরপে থাকে যে তাহার মালগুজারী য়োতদারআদি প্রজা অথবা মফঃদলী তালুকদার কিয়া কট্কিনাদার প্রভৃতি মালগুজারদিগের স্থানে উদুল তহসীল করিতে হয় তবে এ আইনের ১১ ধারাঅবধি অগ্রের কএক ধারার অনুসারে কালেক্টর দাহেবদিগের কিম্বা ভাঁহারদিগের ব্যাপ্য আমলার প্রতি যে ভারার্পণ হইয়াছে তাহাছাড়া কালেক্টর দাহেবদিগের ক্ষমতাবিশেষ আছে যে দেওয়ানী আদালতে দ্রথাস্ত না করিয়া এ আইনের ২৩ গারাক্রমে সদরের মালগুজার বাকীর দায়ী ইজারদারেরদের ও তাহারদিগের জার ইজারদারদি মালজামিনদিগের স্থানে বাকী উসুলের কারণ যে উপায় করিতে পারেন সে উপায় সেই প্রজাদি মালগুজারেরদের ও তাহার্দিগের মালজামিনদিগের স্থানের বাকী মালগুজারী উদুলের কারণ করিলে যদি সে বাকী শীঘু উসুল হইবার আকার বুকেন তবে তাহাই করি তে পারিবেন। অতএব কালেক্টর সাহেবদিগের কর্ত্র্ব্য যে তহুসী লদারপ্রভৃতি তহসীলের সংক্রান্ত আমলাসকলের নিকটে মালগুজা ও করা মাইবার রীকরণিয়া ভূম্যধিকারিগণ ও ইজারদারদিগের স্থানে বাকী পড়িবার কথা। হকীক পেই আমলাদকলের চালানমতে পাইয়া তদ্ধেট যে রূপ **হকুম ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ১৪ আইনের ৫ ধারানুসারে চালা** ইতে পারেন দেই রূপ ছকুম এমত প্রজাদি মালগুজারদিগের স্থানে বাকী পড়িবার হকীকং তহদীলদারপ্রভৃতি আমলার চালানক্রমে পাইলে তাহাতেও জারী করেন্। এব প্রময়বিশেষে তহসীলদার প্রভৃতি তহদীলের দণ্জান্ত আমলারাও কোন বাকীদার কিয়া তা হার মালজামিনকে পলায়নোনুথ বুকিলে এ আইনের ২৩ ধারার ২ প্রকরণের লিথিত হকুমমতে তাহাতে নিজে ধরিয়া কালেকুটর সাহেবের সন্নিধানে পাটাইতে পারিবেক। কিন্তু এমত কালে সে কালেক্টর সাহেবের উচিত যে সে আসামীকে দেওয়ানী আদালতে সূর্চের। বাকীদার চালাইবার পূর্বের এমত তহকীক করেন যে দেঝামলায় তাহার নামে যে বাকী লিখে দে বাকী যথার্থ কি না ও এ বিষয় তহকীকের कांत्र म वाकीमात कश लाकरक थे भातात लिथि प्र मित्तत অধিক মিয়াদ হইলেও যত দিন পেয়াদার হাওয়ালে রাথা আবশ্যক হয় রাথিবেন কিন্তু এমত মোকদমার নিষ্পত্তি যত ত্বরাতে করিতে

ভূমি ক্রোকে কি থাসতহসীলে আসিবার কালেক্টর সাহে विनिर्गरक विरम्भ ভারার্পণের কথা।

ममरत्त् भालक्ष গের উপর বাকী উসুলের কারণ যে মভাচরণ করা যায় সেই মতাচরণ বাকী मात প্रजामि भान গুজারদিগের প্রতি

তহসীলদারওগ দিগের নামে যে বা কী লিখে তাহা তহ কীক করিবার ক

৯৩। উত্তরকালে বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা ভূমি নীলাম করি বোর্ড রেবিনিউ বার অর্থে যে কোন সময়ে গবর্নর জেনরলের ছজুর কৌন্সেলের র দাহেবেরা আই

পারেন্ তাহা করিবেন ইতি :—১৭৯৯ সা। ৭ আ। ২৫ ধা।

করাইবার কথা।

थे मारहरु फिर्गु প্রতি যে দায় থাকি বেক ও ভাঁহার। যেং কর্মে মনো যোগ করিবেন তা হার কথা।

ৰ্য্য চালাইবার কা রণ আমলা ঠাহরি বার ও ঐ বোর্ডের সাহেবদিগের মঞ্জ রীতে তাহা নিয্কু করিবার কথা।

তে যে যে বিষয়ের বিবেচনা করিতে হ ইবেক তাহার ক

কালেকটর সা হেবেরা ক্রোকী ভূ মির কর্ম চালানের কারণ আমীনপ্রভ তিকে ঠাহরিবার ও তাহারা ঐ বোর্ডের মৠুরে নিযক্ত হট বার কথা।

কালেক্টর সা হেবেরা থাস তহ দীলী ভূমির আম লার বিচক্ষণতার দা রে ঠেকিবার কথা।

এই ধারাক্রমে বের নামে নালিশ হইলে তাহাতে ইং ১৭৯৩ সালের ১৪ আইনের যে২ লকু ম.বহাল থাকিবেক ভাহার কথা।

নমতে ভূমি নীলাম অনুমতি লইবার আবশাক থাকে দে সময়ছাড়া অনা সময়ে তথাকার বিনাঅনুমতিতে আইনমতে ভূমি নীলাম করিবেন ও দে নীলাম স न्दन्तरा ও मावधारन इडेवान मात्र छाँडानमित्रत छेलन थाकिरवक। ও তাঁহারা কালেক্টর দাছেবদিগকেও দাবধান করাইবেন যে নী লাম হইবার ভূমির বাচনি বিশিষ্টরূপে এবণ তাহার জমার ধার্য্যও আইনমতে করেন। আরও বোর্ডের দাহেবদিগের ক্ষমতা আছে যে নীলাম হইবার ভূমি দরকারে ক্রোক্ থাকিবাপর্য্যন্ত ভাহার এত कालकुरेव मा भाभनाती कर्भ हालाई वाव कावन अरम्भीय लाक यछ आमलाव आव হেবেরা ক্রোকী কা শাক হয় ডাহার বরাওর্দ মঞ্জুর করেন্ ও ডাহার থরচ এ আইনের ২৩ ধারাক্রমে দেই ভূমির তহদীলহইতে মিলিবেক। ইহাতে কা লেক্টর সাহেবদিগের কর্ত্তব্য যে ভূমি ক্রোক্ হইলে পর যত শীঘ্ इडेरा शारत म आप्रलात वता अर्प्सत कर्म थे वार्र कारहवर्षि গের মগুরের কারণ পাঠান্। ও তাহাতে কালেক্টর সাহেবেরা সে আমলার চাহর করিতে এমত দাবগান হন্যে আবশাকের অ আমলা ঠাহরি ধিক লোক না হয় এবণ তাহারদিগের মাহিয়ানাও যত অল্প হইতে পারে তাহাই পার্য্য করেন্। ও ঐ বোর্ডের সাহেবেরা সে বরাওর্দ মঞ্ব করিবার কালে এমত বিবেচনা করিবেন যে তাছাতে ঐ হুকুম মতে প্রকৃতরূপে কার্য্য হইয়াছে কি না। আরু কালেক্টর দাভেবে রা ক্রোকী ভূমির কর্ম চালাইনার কারণ আমীনপ্রভৃতি আমলার চা হর করিবার ও তাহারা রুজু থাকিয়া কাস্য চালাইবার কারণ হা জিরজামিন লইবার যে হকুম ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৩ আইনের ১৫ পারায় আছে দে জামিনদিগের চাহর করিয়াও মঞ্জুরীর কারণ ঐ বোর্ডে পাটাইবেন এবং তাহারদিগের বিচক্ষণতার দায়েও কা লেক্টর সাহেবেরা ঠেকিবেন। আর এ আইনমতে কিয়া অন্য কোন আইনক্রমে কোন ভূমির তহদীল থাদে হইবার কারণ এদে भीय लाक আप्रला नियुक्त केतिल म आप्रलात कृतिएञ्चत माय का লেক্টর সাহেবদিগের উপর থাকিবেক ইতি।-১৭৯৯ সা। ৭ আ। ৩০ ধা।—বারাণদ। ১৮০০ দা। ৫ আ। ২৭ ধা।

১৪। কোন ভূমাধিকারী কিয়া ইজারদারেরা মালগুজারী তহ কালেক্টর সাহে সীলের নিমিত্তে তহসীলদার অথবা অন্য আমলা নিযুক্ত থাকিলে যদি তাহার নিকটে সেই ভুমাপিকারী কিম্বা ইজারদার তলবমতে মালগুজারীর সরবরাছ না করিয়া বাকী পাড়ে তবে সেই তহুসীল দারপ্রভৃতিতে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ১৪ চতুর্দশ আইনের ৩ তৃতীয় ধারাক্রমে দেই বাকীর তলবচিঠী করিবেক তাহাতে যদি দেই বাকীদার সেই তলবচিঠীর লিথিত মিয়াদের মধ্যে সে বাকী না দেয় তহসীলদার ওগ তবে সেই তহসীলদারপ্রকৃতিতে সেই বাকীদারের নাম নিদর্শনে য়রহ আমলারা ভূ দেই বাকীর তায়দাদ লিথিয়া কালেক্টর দাহেবের নিকটে পাচা ম্যাধিকারী ও ইজা ইবেক পশ্চাৎ কালেক্টর দাহেবদিগের দমক্ষে যে দকল ভূম্যাধিকা রী ও ইজারদারেরা মালগুজারীর সরবরাছ করে তাছারদিনের মাল

ওজারীর বাকীপড়িলে তাছা আদায়ের কারণকালেক্টর দাচেবেরা রুদার্দিগের স্থানে নিজে যেমত উদ্যোগ করেন্ সেইমতে মফঃদলে দরবরাহকার বাকী বাকী তলবকরণের দার দিগের স্থানের বাকী তহদীল করিতেও দেই কালেক্টর সাহের মতের কথা। নিজে উদ্যোগী হইবেন ইতি।—১৭৯৪ সা। ৩ আ। ১৩ পা।

১৪ পারা। অস্থাবর বস্তু ক্রোক ও নীলামকরণের দ্বারা মালগুজারী আদায় করণ।

ু ৯৫। জানা গেল যে কোনং অপিকার ভূমি এমত কুদুও তাহার উৎপন্ন এত অল্প আছে যে দে ভূমির বাকীর ও মূল্যের অপেক্ষা র দাহেরেরা সময় অপিক থরচ না পড়িলে তাহা ক্লোক হইতে পারে না এহেতৃক তা হার অধিকারিগণ আপন্থ শিরের মালগুজারী দিবার সম্ভাবনা রাখি য়াও বাকী পাড়িয়াছে। অতএব ইহার শাসনার্থে বোর্ড রেবিনি উর সাহেবদিগের ক্ষমতা এ ধারাক্রমে আছে যে যদি কালেকটর দাহেবদিগের পাঠান হকাকৎদৃষ্টে বাকী আদায়ের নিমিত্তে দে বা কীদারদিগের ভূমি ক্রোক না করিয়া তাহারদিগের অস্থাবর বস্তু নীলাম করা উচিত জানেন তবে তদর্থে তাহারদিগের অস্তাবর যত ক্ষমতানুসারে কা বস্তু নীলামের আবশাক হয় যে দাঁড়ার নির্ণয় মালগুজারীর বাকীর হা করিতে প্রজার দায়ে প্রজাদিগের অস্থাবর দুব্য ক্রোক ও নীলাম হইবার অর্থে দিগের অস্থাবর দু আছে সেই দাঁড়ায় তাহা ক্রোক ও নীলাম করান। বাক্যার্থ সে ক্রোক ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৭ আইনের এবণ ১৭৯৫ সা लित ७৫ আইনের তথা ১৭৯১ मालের ৭ मश्वम আইনের অথনা উত্তরকাল তদর্থে যে আইন নির্দ্ধিষ্ট হয় তাহার দাঁড়া দৃষ্টে অতিসা বপানে করিতে হইবেক। কিন্তু জানিবেন যে ভূম্যাদি ক্রোকের সহ চার **ভুকুম মতে কাঠ্য যে সম**য়ে না হুইতে পারে এ ভুকুম কেবল উপ ভুকুমে কালেক্ট্র রের প্রস্তাবিত বিষয়ে সেই সময়ে থাটিবেক। আরু কালেকটর সা সাজেবেরা বাকীদা হেবদিগের প্রতি আদেশ নাই যে বাকীর দায়ে সদরের মালগুজার রদিগের অসুযাবর ভুমাপিকারিগণের কিয়া ইজারদারদিগের অস্তাবর বয় বেচিবার নিদর্শনে ঐ বোর্ডের স্বতন্ত্র হুকুম না হউলে তাহা বিত্রয় করেন। ইহাতে যে সময়ে কালেকটর সাহেবেরা এমত বস্তু বিক্রয় করিতে চাহেন সে সময়ে কওঁৱা যে এই আইনের অনুসারে যে বিহিত বিবে 🐠 । চনা তদর্থে করেন তাহার বেওরা হকীকৎ লিথিয়া ঐ বোর্ডে পা ঠান। এবৎ বাকীদারেরা বাকী দিবার যে আপন্টি করিয়া থাকে তাহা দঙ্গত কি না বিবেচনাপূর্ম্বক লিথিয়া দেই হকীকতের দঙ্গে চালান করেন। আর ব্কিবেন যে এ হুকুম কেবল দুবেজাত বাঙ্গা লায় ও বেছারে ও উড়িষ্টায় চলিবেক বারাণসে চলিবেক না। তথা কার অধিকার ভূমিতে ও অন্যং স্থানবিশেষে অস্থাবর বস্তু ক্রোকের কেবল সুবেজাৎ বা অর্থে যে দাঁড়া চলিবার নির্ণয় ইঙ্গরেজী ১৮০০ সালের ও পঞ্চম আইনের ২২ ধারায় ছইয়াছে তাহাই সাব্যস্ত থাকিবেক ইতি 🖂 ১৮০১ সা। ১ আ। ৪ ধা।

বোর্ড রেবিনিউ বিশেষে বাকীর দা য়ে বাকীদার্দিগে অস্থাবর বন্দ্র ক্রোক ও নীলাম ক রাইতে পারিবার

মুলের লিখিত ব্যক্তে নীলা মের সমস্ত দাঁড়া থাটাইবার কথ:।

ঐ নোর্ডের বিনা বস্থ না বেচিবার ও ভাহা বেচিতে চা হিলে হেওরা লিখি রা পাঠাইবার ক

এধারার ভকুম ঙ্গালায় ও বেহারে ও উড়িফ্যায় চলি বার কথা।

১৫ পারা। · वाकीमात ज्ञाधिकातितरमत करम्मकत्।

এই ধারার ভক্ মছাড়া অন্য তক্ মের মতে ভুমাধি কারিরাবাকী মাল ওজারীর দায়ে ক য়েদ না হইবার ক

মালওজারীর বা की डेभूटलत भटउत কথা।

ভুমাধিকারির।

যে ২ বিষয়ের নিমি ত্তে ইন্সরে জী ১৭৯৩ সালের ১৪ আই নের ভকুমমতে ক বেক ভাহার কথা।

পর তাহাকে যে কালে কালেকটর मार्थिव करावन क था।

সন্তা থিরীতকে লিখিয়া ডাহ। উসু লের যোগ্য ভূমি ইবার কথা।

১৬। সরকারী মালগুজারীর বাকীর দায়ে কোনভুম্যপিকারী কয়ে দুহুইতে পারিবেক না এবং এই আইনের ১৪ চতুদ্দিশ পারার প্রস্থা विष विषय् छ। इन्ने इन्दर्श ११२० माल्य १८ हजू में बाइरान्त ৪০ চড়ারিপশৎ পারার লিখিত অন্য দাওয়ার দায়েও কয়েদ হই বেক না। তাহার দিগের স্থানে মালগুজারীর সরবরাহ নীচের লিথ নানুসারে লওয়া যাইবেক ইতি।—১৭১৪ সা। ৩ আ। ৩ ধা।

১৭। মালগুজারীর বাকীর দায়ে কিয়া ইঙ্গরেজী ১৭১৩ দালের

১৪ চতুদিশ আইনের ৪০ চত্ত্বারিৎশৎ পারার লিখিত কোন প্রকার

দাওয়ার নিমিত্তে যদি কোন ভূম্যাধিকারির ভূমি সমুদায় নীলামে বি ক্রম হইয়া তাহার মূল্যের টাকায় সেই বাকী সমস্থ আদায় না হয় রেদ হওঁতে পারি কিয়া সেই বাকীদারের ভূমি নীলামের ইশতিহার দেওয়া গেলে কেহ সেই ভূমি নীলামে এরীদ না করে তবে প্রথম হেতুতে সেই বা কীদার ও তাঁহার যে পন থাকে তাহাও দিতীয় হেতৃতে দেই বাকী দার ও তাহার নানাবিধ পন সম্ভত্তি মত রহে তাহার উপর তদনুসা त्त्र ताको जापारयत कात्र डेब्र्र्स्को ১१२० मारलत ১৪ চতुर्प्स আইনের মেথ হুকুম বাকীদার ভূম্যপিকারিদিগের প্রতি হইবার বি ভূমাধিকারির ভূনয়ে লেখা যায় তাহার মধ্যে এই আইনের ১১ একাদশ পারার মি বিজ্ঞান হউলে লিখনক্রমে রদহওয়া কএক পারার ত্রুমছাড়া অন্য ত্রুম সমসূত বহাল থাকিবেক এব ১ এই ধারার হুকুমমতে কোন ভূমাধিকারির ভূমি বিক্রয় হউলে পরে তাহার শেষ বাকীর দায়ে কালেকটর সা রেন্দে কালে দে তেব সেই ভূমাপিকারিকে কয়েদ করিলে সে কয়েদ হইবার বেওরা শংবাদ বোর্ড রেবি কৈফিয়^এ বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের স্থানে লিখিবেন তদনুসারে নিউর সাতেবাদলে ঐ সোর্ডের সাকেবেরা সেই বেওরা কৈফিয়ৎ শ্রীযুত গবর্নর্ জেন র খানে দিবার ক রল বালাদ্র কৌশ্সেলের হজুরে মুগোচর করাইবেন ইতি।--১৭৯৪ দা। এ আন। ১৪ ধা।

৯৮। যদি কোন ভূমাপিকারির শিরের মালগুজারীর কিছু টাকা র বাকীর সংখ্যা দালআথিরীতে বাকী পড়ে তবে দে মন গতে কালেকটর দাছেব অবিলম্বে সেই বাকীর পরিমাণ লিথিয়া বোর্ড রেবিনিউত্তে পাচাই নীলামের কারণ স বেন ও তাহার দঙ্গে নীলাম হইবার সময়াবপির সুদ্সমেত সেই বাকী মেত ফিরিস্তি বোর্ড টাকার শোপ দে অধিকারের যত ভূমি নীলামের মুথে মিলিতে পারে রেবিনিউতে পাঠা তত ভূমি নীলামের কারণ তাছার ফিরিস্থিও পাঠাইয়া দিবেন তদ্ধেট দে ভূমি বাকী টাকা উদুলের নিমিত্তে ভূমি নীলামের নিরূপিত দাঁ ভূমি নীলামের ডামতে নীলামে বিক্র হইবেক। তাহাতে যদি দে ভূমি নীলামের মুখে বাকী শোধ মুখে সেই তলবী টাকা সমুদ্য় শোধ না পড়ে তবে তাহার অবশিষ্ট

বাকী সে অপিকারির অবশেষ সমুত্তি নীলামের দ্বারা কিম্বা তাচাকে না পতিলে বাকীদা ন্স্রেজী ১৭১৪ সালের ৩ আইনের ১৪ পারাক্রমে কয়েদ করিয়া রের অফশেন সম্প উদুল করিতে হ্ইবেক।--১৭১১ দা। ৭আ। ২৩ ধা। ৫ প্র।

১১। যে সময়ে কোন কালেক্টর সাহেব ৪ চতুর্থ ধারার ত্রুম মতে কোন জমীদার কিয়া হজুরী তালুকদার অথবা অন্য ভূচ্যাধি কারী কিন্তা ইজারদারকে বাকী টাকার কারণ কয়েদ করিবার মনস্ত করেন সে সময়ে কালেক্টরী মোচর ও আপন দর্থাৎ ও কালেক্ট তেন হাহার কথা। রীর দেওয়ানের মহীয়ক্তে এক দমক বাকী টাকার স°<থ্যা ও যে তারিখে নে টাকা দেওয়া ওয়াজিবী ছিল সেই তারিখ নিদর্শনে এই মতে যেনে বাকীদাৰ দমক হা ওয়ালে হ ওয়া পেয়াদাদিগোৰ নিকটে কুজ হয় পেয়াদারা ভাষাকে লুইয়া জিলার আদালতের জিগলুখা नाय माथिल करत लिथिया पूजे (श्रामात राउघाटन कतिया (मर्डे বাকীদারের উপর তৈনাম করিবেন ও দুই জন পেয়াদার অপিক তৈ নাৎ না কবিবেন। আর পেয়াদারা সে বাকীদারকে পরিয়া জরাতে किञ्चशामास नस ও সে বাকীদার জিञ्जशामास পঁছছিলে সেকালে লার দ্রবার থাকে কি না থাকে কালেক্টর সাহেব সেই বাকী টাকার ^{ভিতল}থানায় বাজী মৃৎখ্যা ও তাহা যে দিনে ওয়াজিবী দেনা সে দিন নিদুর্শনে এক দুর থাম লিথিয়া সেই বাকীদারকে কয়েদ করিবার কারণ সরকারী উকী লের দারা আদালতের জ্জ্মান্থেরে নিকটে দাখিল করাইবেন। দে দর্থান্ত পঁত্তিলে জজসাহেব দে বাকীদারকে দেওয়ানী আধাল তের জিহলখানায় কয়েদ করিবেন এবণ সে বাকীদার সেই বাকী টাকা ও সেপায়ন্ত সে কয়েদ থাকে সেপায়ন্ত যে টাকা তাহায় স্থানে ওয়াজিবী তলৰ হয় তাহাসমেত যাবং বেবাক না দেয় কিয়া কালে কটর সাহের উপরের লিথিত ত্রুম মতে ডাহাকে থালাসকরণের দ্রুগাস্ত যাবৎ দাখিল না করেন তাবং সে বাকীদারকে কয়েদ বাঝি বেন। আব ঐ পেয়াদারা দে বাকীদারকে জিহলথানায় পঁহুছোই বাব বিষয়ে যে কএক দিন নিয়ম থাকে সেই কএক দিনের আপনার লবানার কথা। দিগের তলবানা দিনপুতি একেক জনে প্রত দুট আনার হিসাবে সেই বাকীদারের স্থানে পাইবেক কিন্তু যে সকল জিলায় পেয়াদার রোজ দুই আনার কম দম্বর থাকে দে সকল জিলায় সেই দ্যুর্মাফিক পাইরেক ইহাতে দেই পেয়াদাদিগের নাম ও তাহার্দিগের তল বানার দম্ভর দিন নিরূপণে দেই দম্ভকের পৃষ্ঠে লেখা গাকিবেক আর যে জিলার এলাকায় সেই বাকী টাকার সম্প্রকীয় ভূমি থাকে সে জি লায় সে বাকীদারের বসত না থাকিলে কিয়া তথায় সে হাজির না রহিলে কালেক্টর সাহের দম্তক দুই পেয়াদার হাওয়ালে করিয়া হুকুম দিবেন যে অন্য যে জিলায় দেই বাকীদার বসত করে কিয়া খাজির থাকে দেই অন্য জিলার কালেক্টর সাহেবের নিকটে তা হারা যায় তাহাতে সেই জন্য জিলার কালেক্টর দাহেব সেই পে য়াদাদিগের মঙ্গে আপন পেয়াদা দিয়া সেই বাকীদারকে দেখাইয়া দিনেন পেয়াদারা দেই বাকীদারকে ধরিয়া যে জিলায় তাহানে ধরে

তি শিক্রায় হটবার किया रम करतम ३ ইবার কথা।

কালেকটর সাতে বেরা যেমতে বাকী मानरक करमम करि

পেয়াদারা জি আদালতে গ দারকে পঁডভাইন র ও কালেকটর সা হের জড়সাহেরের निकदं राकीशदं র বিষয়ে দর্থাস্থ कितात असम कत খাত্তের পাত্তের ক

জ্জসাহের বাকী मात्र रक करमम क्रि বাব কথা। পেরাদ।দিগের ভ

দেই জিলার আদালতের জিহলথানায় পঁ**হছায় তাহাতে আদি** জি লার অর্থাৎ সে আসামী যে জিলার বাকীদার সে জিলার কালেক ট্র সাহেব যে জিলার জিহলথানায় সে ঘাকীদার পঁছছে তথায় দে বাকীদারকে কয়েদ করাইবার জন্য এক দ্র্থায় সেই অন্য জি লার দরকারী উকীলের নিকটে পাচাইবেন সে উকীল তথায় দে বাকীদার পঁহুছিলে দে দর্থাস্ত দেই জিলার আদালতের জজসাহে বের লওয়া নিকটে দাখিল করিবেক ও যে জিলার আদালতের জি হলথানায় সে বাকীদারকে লওয়া যায় সে জিলার নাম সেই দম্ভকের পৃষ্ঠে লেখা যাইবেক ইহাতে উপরের লিখিত দুই হেতুছাড়া ফলতঃ যে জিলার বাকীদার তথায় তাহাকে না পাইলে অন্য জিলার কা লেক্টর সাহেবের সহকারিভায় তাহাকে ধরিয়া সেই অন্য জিলার আদালতের জিহলথানায় তাহাকে কয়েদকরাণের হকুম জারী সেও যায় আদি জিলার আদালতের জিহলথানায় সে বাকীদার কয়েদ হ ইলে যে রূপে এই পারার লিথিত অন্য যাবদীয় বিষয়ে দাবপানহওন উচিত তইত এবিষয়েও সেইমত সাবধান হওন উচিত হইবেক তা হাতে কালেক্টর সাহেব কিয়। তাঁহার আমলার স্থানে অথবা দে বাকীণারের ভূমির এতমামে এতারতা বিষয় কার্য্যে যে আমীন নিযুক্ত হয় তাহার উপর দে বাফীদারের যে দাওয়া হয় তাহা দে বাকীদার আদি জিলার আদালতে উপস্থিত করে ও ভথাকার কল সাহের সে মোকদ্দমায় যে হুকুম ও ডিক্রী করেন তদনুসারে অন্য যে জিলায় সে বাকীদার কয়েদ হয় সে জিলার জজসাহেব কাগ্য করি বেন ইতি।—১৭১৩ দা। ১৪ আ। ৫ ধা।

কোন ভ্রম্যধিকা রী অথবা ইজারদা র কয়েদ হইলে তা হার মালওজারীর টাকা তহসীলের কারণ এক জন আ মীন নিযুক্ত হইবার কথা।

বাকীদার লোক নিযুক্ত করি বার কথা।

১০০। যেকালে কালেক্টর দাহেব ৪ চতুর্থ * ধারানুদারে কোন জমীদার কিয়া হজুরী তালুকদার অথবা অন্য ভূমাধিকারী কিয়া ইজা রদারকে কয়েদ করেন দেকালে সেই জমীদারী কিয়া তালুক অথবা অন্য ভূমি কিয়া ইজারা মহালের মালগুজারী তহ্দীলের কারণ জ নেক আমীনকে দরকারী আমলাদমেত নিযুক্ত করিবেন ও আমল। সমেত আমীনের বরা ওর্দের ফর্দ্দ বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের নি কটে পাটাইবেন ঐ বোর্ডের সাহেবেরা সে ফর্দ প্রীযুত গবর্নর্ জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরে দাখিল করিবেন ঐ প্রীয়তের হজুরে দে ফর্দ মগুর অথবা বরাওদ অল্প কিম্বা অধিক করণ যাহা উচিত জানেন্ তাহাই করিবেন তাহাতে আমলার বরাওদী ও আমী আমীনের নিক নের এলাকার অন্যথ এরচের যে টাকা ঐ প্রীযুতের হজুরে মঞ্র টে রুজু লিখিবার হয় তাহা বাকীদারের শিরে পড়িয়া তাহার সমুর্কীয় ভূমির উৎপন্ন হইতে আদায় হইবেক। আর দেই বাকীদারের দেওয়ান কিয়া দে বাকীদার যাহাকে নিযুক্ত করে দে দেই আমীনের ওয়াদিলাতের সকল জমা ও থরচের কাগজের রুজু লিথিবেক। আর সেই বাকী

^{*} এই ধারা রদ হইয়াছে তাহার পরিবর্তে ১৭৯৪ সালের ৪ আইনের ৩। ১৪ ধারা নির্দ্দিষ্ট হইয়াছে।

দারের সহিত তাহার তাবের সকল ইজারদার ও প্রজাদিগের যে করারদাদ হইয়া থাকে তাহা কোন প্রকারে অন্যথা না করিয়া তদনু হিত তাহার ভাবের সারে সেই আমীন তহসীল করিবেক ও সে করারদাদ ইঙ্গরেজী ১৭ মালওজার দিগের ১৩ দালের ৪৪ আইনের দমস্ত ভ্রুমমতে হইয়া থাকে কি না থাকে তথাপি কোনরূপে দে করারদাদের অধিক কাছার স্থানে লইবেক না ইহাতে যদি দে আমীন এই পারার হুকুমের অন্যথা কার্য্য করে তবে তাহার নালিশ দে অমীনের নামে জিলার আদালতে হইতে মীনেরপ্রতি অরার পারিবেক। যদি কোন বিষয়ে বাকীদারের সহিত তাহার তাবের কথা। দকল ইজারদার ও প্রজাদিগের করারদাদ না হইয়া থাকে তবে দে আমীন পরগনার শরে ও দাঁড়ামতে তহ্নীল করিবেক। তাহাতে না হইনা থাকিলে দে আমীন তহনীলের কার্য্যে লিপ্ত থাকিতে কিছু টাকা অপবায় মালগুজারী তহনী করিলে কিয়া সেই জমীদারী অথবা তালুক কিয়া অন্য ভূমি অথবা ইজারার কিছু ক্ষতি হইলে ভুমাধিকারী কিয়া ইজারদারের দাধ্য আছে যে সে কারণে সেই আমীনের নামে নালিশ করে। ইহাতে তের নোক্সান ও যদি বাকীদারের সম্রুকীয় ভূমি এমত অল্ল হয় যে তাহার উৎপল্লে টাকা তসকৃত হই আমীনের সকল থরচ না কুলায় তবে সে ভূমির তহুসীলের কার্য্যের লে আর্থানের উপ ভার কালেক্টর সাহেবের প্রস্তে সে ভূমির নিকট স্থানে যে তহুদীলা র তদারক হইবার দার থাকে অথবা তহদীলের সিরিস্তার এলাকা অনা যে কেহ রাখে কথা। তাহার প্রতি হইবেক ও যে লোককে এ কার্য্যের ভার হইবেক সের্ব কিয়া তহসীলের লোক এই পারানুসারের নিষেধ ও বিধিক্রমে যে যে বিষয় কাঠা এলাকার লোককে আমীনের কর্ত্রবা হইত ও আমীনের প্রতি যে যে মর্মা ওত্কুম চলিত ক্ষুদু অধিকারাদির দেই নিষেধ ও বিধিক্রমে দেইং বিষয়কাগ্য করিবেক ও দেই তংগীলের ভারার্প দকল মর্ম ও হুকুম তাহার প্রতিও চলিবেক ইতি।—১৭৯৩ সা। ণের কথা। ১৪ আ। ৬ ধা।

বাকীদারের স যে করারদাদ হট য়া থাকে তদনুসা রে মালওজারী তহ গীলের বিষয়ে আ

কিছ করারদার লের বিষয়ে আহী নের মতের কথা।

জমীদারীও গয়র

১০১। কোন ভূম্যপিকারী কিয়া ইজারদার মালগুজারীর বাকী টাকার কারণ কয়েদ হইলে যদি জিলার আদালতের ডিক্রীক্রমে কার কারণ কয়েদ দে বাকী তাহার দেওয়া যথার্ম না হয় তবে তাহার দাগ্য আছে যে ^{হয় তাহা}র। অন্যা যে কালেক্টর সাহেব তাহাকে কয়েদ করিয়া থাকেন্ তাঁহার নামে সেই জিলার দেওয়ানা আদালতে সেই বাকী অন্যায় ভলব হইবার বিষয়ে নালিশ করে ইহাতে বিচারান্তে কিছু টাকা তাহার শিরে য থার্থ তলব না হইলে জজদাহেব তাহাকে থালাদ ক্রিয়া দে মোকদ মার অনুসারে যে থরচা ও দণ্ড ফরিয়াদীকে দেওয়ান উচিত জানেন তাহা কালেক্টর দাহেব দেন্ এমত ডিক্রী করিবেন আর সেই তল বের সমস্ত টাকার মধ্যে কিছু দেওয়া যথার্থ হইলে যদি সেই বাকী দার তাহা দেয় তবে জজদাহেব তাহাত্রক থালাদ দিবেন কিন্তু উপ রের লিখিত ঐ দুই বিষয়ে দেই বাকীদার থালাদ হইবার পূর্ফে জজদাহের তাহার স্থানে মাত্রর জামিন ও একরারনামা এই মতে লইবেন যে কালেক্টর সাহেব যদি বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের হুকুমে কিয়া বিনাহুকুমে সে মোকদমার আপীল করেন তবে আপী লের দাহেবদিগের বিচারে যে নিষ্পত্তি হয় তাহা শ্বীকার রাথে ইহা

যাহার। বাকী টা য় বাকী হইবার বি ষয়ে জিলার আদা লতে নালিশ করি তে শক্তি রাখিবার

তে যদি কালেক্টর সাহেব জজসাহেব স্থানে এমত জানান্যে আমি এ মোকদ্দমার আপীল করিব না অথবা মফঃদল আপীল আদালতে* আপীল করণের যে মিয়াদ নিরূপণ আছে দে মিয়াদের মধ্যে আ পীল না করেন্ তবে জজসাহেব সে বাকীদারের স্থানে উপরের লিখ নানুসারে একরারনামা না লইয়া তাহাকে থালাস করিবেন কিন্তু ভূমাধিকারী অথবা তাহার মালজামিন ১ নবম ও ১০ দশম ও ১১ 🕆 একাদশ ধারার লিথিত একরারনামাক্রমে নালিশ না করিলে কিয়। ঐ সকল ধারার লিথিত বিষয়ান্তরক্রমে কার্য্য না করিলে যদি তাহা কে কালেক্টর দাছের কয়েদ করেন ভবে দে কারণে বিচারক্রমে দেই ভূম্যধিকারী কিয়া তাহার মালকামিনের শিরে কিছু টাকা যথার্থ বাকা না হইলেও কিছু তহথরচ ও দণ্ড কালেক্টর সাহেরের দেওয়া উচিত হইবেক না ইতি।—১৭১৩ সা। ১৪ আ। ১২ পা।

ভ্রম্যধিকারির। পেয়াদাদিগেরে না মানিলে কিম্বা ধরা পড়িয়া পেয়াদাদি গের নিকটহইতে পলাইলে অথবা ধ রানাপড়িতে আম দপ্ট হইলে ভাহার তাহার কথা।

জজসাহেব লেক্টর সাহেবের দাওয়া প্রকৃত জানি লে ৪ চারি হফুার মধ্যে বাকীদার আ রিবার কথা।

উশ্তিহার নামা যে ভাষা ও অক্ষরে লেখা যাইবেক ও হার কথা।

১০২। কালেক্টর সাহেব ৫ পঞ্চম পারার লিখনানুসারে কোন জমীদার কিয়া হজুরী তালুকদার অর্থবা অন্য ভূম্যাধিকারিকে মাল ওজারীর টাকা বাকীর কারণ কয়েদ করাইবার জন্যৈ পেয়াদাদিগের মারফতে দস্তক জারী করিতে পাঠাইলে যদি দেবাকীদার দেই দস্তক না মানে কিয়া সেই পেয়াদাদিগের আপনি কিয়া অন্য লোকের মারফতে বেদ্থল করে অথবা ধরা পড়িয়া দেই পেয়াদাদিগের নিক টহইতে পলায় 🏣 ধরা না পড়িতে পূর্বের অল্লফ্ট হয় অথবা আ দিগের সম্পর্কে কা পন খরে কিয়া অকৈট্রি-ব্রাটীতে লুকায় অথবা কোন স্থানে যায় যে লেক্টর সাহেব যে তথায় সেই পোয়াদাদিগের দথল না হউতে পারে তবে এই সকল উদ্যোগ করিবেন হেতুতে কালেক্টর দাছেন সেই বিষয়ের দাওয়ার কৈফিয়ৎ অর্থাৎ বেওরা লিথিয়া দেই বাকীর সমুর্ফীয় ভূমি যে জিলার এলাকায় থাকে সেই জিলার আদালতের জজদাহেবৈর স্থানে সরকারের উকী লের মারফতে দাখিল করিবেন তাছাতে কালেক্টর সাহেবের সেই দাওয়া যথার্থ জানাইবার নিমিত্তে জজসাহেবের নিকটে দেই পেয়া দারা কিম্বা অন্য মাতবর দৃই জন অথবা অধিক জনে সুকৃতি করিয়া দালতে হাজির হই কহিলে তৎকালে তাহারদিগের কথায় ও তাহারা সুকৃতি করিয়া বার কারণ ইশ্তি আদালতের সওয়ালের যে জওয়াব দেয় তাহাতে যদি জ্জুসাহেবের হারনামা জারী ক ভ্ৎপুতায় হয় যে কালেকটর সাহেতের দাওয়া যথার্থ তবে জজদা হেব দেই বাকীদার হাজির হইবার কারণ এইমত ইশ্তিহারনামা যে সেই বাকীর্দার সেই ইশ্তিহারনামা লিখনের তারিখের পর্দিন হইতে ৪ চারি হস্তার মধ্যে আপনি আদালতে হাজির হয় জারী যে যে স্থানে লট্ করিবেন তাহাতে যদি সেই বাকীদারের সেই ভূমি সুবে বাঙ্গালা কাইতে হইবেক তা কিম্বা দুবে উভিযায় থাকে তুবে দে ইশতিহারনামী পারনী ও বাঙ্গা লা ভাষায় ও সুবে বেহারে থাকিলে পারসী ভাষায় ও হিন্দী শব্দে

ও নাগরী অক্লরে লেখা যাইবেক ও সে ইশ্তিহারনামা লেখা হই ১৮৩১ সালের ৫ আইনক্রমে জজসাহেবের ডিক্রীর আপীসকরণ সদর দেওয়ানী আদালতে হইতে পারে।

र अहे थाता ১৭৯৪ माल्यत बाता तम इहेगाटक।

লে পর যত ব্রাতে হয় সেই বাকীদারের সদর কাছারী কিয়া তা ছার অবস্থিতির স্থানে ও কালেক্টর দাছেবের দফুর্থানায় ও আ দালতের কাছারীতেও লট্কান যাইবেক। আর পঞ্চম ধারার লি থনানুসারে পেয়াদারা দথল পাইলে ও বাকীদার কয়েদ হইলে তা মির এতমানের কা হার ভূমির এতমাম অর্থাৎ উদুল তহদীলের ব্যাপারার্থে ৬ ষষ্ঠ গা রার লিথনক্রমে যেরপে জনেক আমীনকে কালেক্টর সাহেব নিযুক্ত করিতেন এ বাকীদারের ভূমির এতমামের কারণেও দেই রূপে দ নেক আমীনকে কালেক্টর সাহেব প্রবৃত্ত করিবেন ইতি ৷--১৭৯৩ সা। ১৪ আন। ১৫ ধা।—বারাণদ ১৭৯৫ সা।৬ আন। ২২ হা।--मछ (मण ১৮০**৩ मा। २**१ আ। २२ धा।

বাকীদারের ভ রণ জনেক আমীন নিযুক্ত ১টবার ক

১০৩। পঞ্দশ ধারার লিথিত ইশ্তিহারনামায় লেথা মিয়াদের মধ্যে কোন বাকীনার আদালতে হাজির না হইলে কিয়া হাজির হ **इ.ल. 3 काल्लक्** हेत्र मार्ट्स्तित माउशांत ज्ञ उग्नांत मि**रल** अव॰ काल्लक् টর সাহেব ও সেই বাকীদারের পক্ষের সাক্ষির কথা শুনিলে যদি কালেক্টর সাহেবের দাওয়া প্রমাণ হয় তবে সে মোকদ্দমা জিলার আদালতে এই রূপে ডিক্রী হইবেক যে সে বাকীদারের ভূমি সরকা রে জব্দ হয় ও সে বাকীদার কিয়া তাহার উত্তরাধিকারিরা কথন তাহা ফিরিয়ানা পায়। তাহাতে দে বাকীদার ইঙ্গরেজী ১৭২৩ দা ত কালের মধ্যে লের ৫ পঞ্চম আইনের ১২ দাদশ ধারার অবধারিত মিয়াদের মোকদমার আর্গা गरभा रम भाकम्प्रात नालिभ प्रकश्मन आश्रीन आमानरिक * ना करत न ना करितन जि তবে জজদাহেব দে মোকদ্মার ডিঞ্রী ও রোয়দাদের নকল শীঘ্ এীযুত গবর্নর্ জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরে পাঠাইবেন । আর সেই বাকীদার সেই মিয়াদের মধ্যে মফঃদল আপীল আদাল তে নালিশ করিলে যদি তথায় জিলার আদালতের ডিক্রী মঞ্র হয় ও সে মোকদ্দমা সদর দেওয়ানী আদালত অর্থাৎ সদর আপীলের যোগ্য না হয় কিম্বা সদর দেওয়ানী আদালতের যোগ্য হইলেও যদি সে বাকীদার ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৬ ষষ্ঠ আইনের ১০ দু সল আপীল আদা শম ধারার নির্দ্ধারিত মিয়াদের মধ্যে সে মোকদ্মার নালিশ সদর (मिथ्यांनी आमानाट ना करत उत्त अहे मूहे प्रांख प्रकःमन आशीन আদালতের সাহেবেরা সে মোকদ্দমার আপনার্দিগের কৃত ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল জিলার আদালতের ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল দমেত এীযুত গবর্নর্জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরে স্বরা তেই পাচাইবেন। আর মফঃদল আপীল আদালতে ডিক্রা হইলে যদি দে মোকদ্মা দদর দেওয়ানী আদালতে উপস্থিত হইয়া তথায় মফঃদল আপীল আদালতের ডিক্রী মঞ্কুর হয় তবে দদর দেওয়ানী আদালতের সাহেবেরা সে মোকদমার আপনারদিণের কৃত ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল মফঃদল আপীল আদালতের আগত ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলদমেত এীযুত গবর্নর্জেনরল বাহাদুর কৌ

বাকীদার মিয়া দের মধ্যে আদাল তে হাজির না হ ইলে কিয়া হাজির হইলে পরে দাওয়া প্রমাণ হইলে ডিক্রী হইবার কথা।

বাকীদার নিয়মি

লার জজসাহেব ডি क्रीमिशरत्त्र नकल <u> এীযুত গবর্নর্ জেন</u> রল বাহাদুর কৌ ন্সেলের হজুর পা ঠাইবার কথা। বাকীদার মফঃ লতে মোকদমার আপীল করিতে ও তথায় জিলার আ। দালতের ডিক্রী ম শুর হইলে পরে সে মোকদমা সদর দেওয়ানী আদাল তে উপস্থিত না হই লে কিম্বা তথাকার যোগ্য না হইলে ম ফঃসল আপীল আ দালতের ডিক্রীদিগ

রের নকল এ 🖼

[📍] আপীল বিষয় ১৮০ পৃষ্ঠে অধোভাগে লিখিত কথা দেখা।

ঠাইবার কথা।

ভাহার কথা।

তে কালেকটর সা হেবের দাওয়া প্র মাণ হউলে ভাঁহার কর্ত্তব্যের কথা।

मकल उप्पान रहे বেক ভাহার কথা।

জিলার আদাল **ে** কালেকটর সা নামঞ্র হইলে কা लक्षेत्र मारहरवत् কর্ত্তব্যের কথা।

আদালতে নিষ্পত্তি হওয়া যে যে মোক मया मन्द्र मिख्या নী আদালতের যো গ্য ভাহার বেওরা কথা।

যুত্তের হজুরে পা স্পেলের হজুরে দাথিল করিবেন। আর যদি জিলার আদালতে কা লেক্টরসাহেবের দাওয়া প্রমাণ না হয় তবে তথাকার জজ সাহেব মফঃসল আপীল পঞ্চম ধারার লিথনানুসারে পেয়াদারা দ্থল পাইলে ও বাকীদার আদালতের ডিক্রী কয়েদ হইবার বিষয় হইলে তাহাকে যেমতে কয়েদ রাথিতেন এ লান লেওয়ান। আ দালতে মঞ্জুর হই মোকদ্মাতেও তাহাকে সেই মতে কয়েদ রাথিবেন কালেক্টর সা লে সে কালে সদর হেব অব্যাজে সে মোকদমার ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল লইয়া দেওয়ানী আদাল সেই ডিঞ্লীর প্রতি আপনার যে আপত্তি থাকে তাহার নিদর্শনী লি হের সাহেবেরা যে থন সহিত বোর্ড রেবিনিউতে পাচাইবেন ঐ বোর্ডের সাহেবেরা তাহা উদ্যোগ করিবেন অবগত হইয়া সে মোকদ্দমার আপীল করিতে হয় কি না হয় যাহা উচিত জানেন তাহাই করিতে কালেক্টর সাহেবকে হুকুম দিবেন। জিলার আদাল তাহাতে যদি ঐ বোর্ডের দাহেবেরা সে মোকদ্দমার আপীল করিতে হকুম দেন্ ও তদনুসারে নিয়মিত কালের মধ্যে আপীল করা যায়

ও তথায় জিলার আদালতের ডিক্রী না মঞ্ব হইয়া সে বাকীদারের ভূমি জব্দ করিবার বিষয়ে হুকুম হয় ও দে মোকদ্দমা সদর দেওয়ানী জিলার আদাল আদালতের যোগ্য না হয় কিয়া সদর দেওয়ানী আদালতের যোগ্য তের ডিক্রী মফঃসল হইলে নির্দ্ধারিত কালের মধ্যে সে মোকদ্দমা তথায় উপদ্বিত না হয় আপীল আদালতে তবে মফঃশল আপীল আদালতের সাহেবেরা অবিলম্বে দে মোকদ নাম ৠুর্ হইলে যে মায় আপনারদিগের কৃত ডিক্রীও রোয়দাদের নকল জিলার আদাল তের ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলসমেত এীযুত গবর্নর জেনরল বা হাদুর কৌন্সেলের হ্জুরে পাচাইবেন। আর যদি জিলার আদা লতে কালেক্টর সাহেবের দাওয়া প্রমাণ হইয়া তথাকার ডিক্রী হেবের দাওয়া প্র মফঃদল আপীল আদালতে নামগুর হয় তবে কালেক্টর দাছেব মাণ হইয়া তথাকা সত্ত্র হইয়া জিলার আদালত ও মফঃসল আপীল আদালতের র ডিক্রী মফঃসল ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলসমেত মফঃসল আপীলের ডিক্রীর উপর আপীল আদালতে আপনার যে আপত্তি থাকে তাহার নিদর্শনী লিখন বোর্ড রেবিনি উর সাহেবদিগের নিকটে পাচাইবেন ঐ বোর্ডের সাহেবেরা ভাহা অবগত হইয়া সে মোকদমা সদর দেওয়ানী আদালতের যোগ্য হই লে তথায় দে মোকলমার আপীল করিতে হয় কি না হয় যাহা উচিত জানেন তাহাই করিতে কালেকটর সাহেবকে হুকুম দিবেন তাহাতে যদি দদর দেওয়ানী আদালতে দে মোকদ্মার আপীল হইয়া তথায় মফঃদল আপীল আদালতের ডিক্রী না মঞ্জর হইয়া वाकीनारतत कृपि जय कतिवात विषय छुकूप इय उरव मनत रम्ख য়ানী আদালতের সাহেবেরা সে মোকদ্মার আপনার্দিগের কৃত ডিক্রী ও রোয়দার্দের নর্কল মফঃদল আপীল আদালভের আগত ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলসমেত প্রীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর

মফঃসল আপীল কৌন্সেলের হজুরে দাখিল করিবেন। আর এই পারার সম্মুর্কীয় মকঃদল আপীল আদালতে নিষ্পত্তিহওয়া যে যে মোকদ্দমা দদ্র দেওয়ানী আদালতের যোগ্য তাহার দন্দেহভঞ্জনার্থে স্লফ্টকরা ঘাই তেছে যে যে বৎসরের বাকী টাকার মোকন্দমা হয় সে বৎসরে সেই বাকী টাকার সম্পর্কীয় ভূমির পেটার সকল তালুকদার ও ইজারদার ও প্রজাবর্গের শিরের মালগুজারীক্রমে যে টাকা ভলব থাকে ভাহা

নিষ্কা ১০০০ এক হাজার টাকার অধিক না হইলে সে মোকদ্মা সদ্ব দেওয়ানী আদালতের যোগা হইবেক না অতএব ১৫ পঞ্চদশ ধারার লিথনানুসারে কালেক্টর সাহেব যে দাওয়ার কৈফিয়ৎ জি লার আদালতের জজসাহেবের নিকটে সরকারী উফীলের দারা দেন তাহাতে ইহাও লেখা থাকে যে সেই বাকী টাকার সমুর্কীয় ভূমির সেই বৎসরের উৎপন্ন সিষ্টা এক হাজার টাকার অধিক হয় কি না ইহাতে যদি বাকীদার পঞ্চদশ পারার প্রস্তাবিত ইশতিহারনামার লিথিত নিয়মিত কালের মধ্যে জিলার আদালতে হাজির না হয় কিয়া সেই নিয়মিত কালের মধ্যে তথায় হাজির হয় ও কালেক্টর দাহের দেই বাকী টাকার দম্মর্কীয় ভূমির দেই বৎসরের উৎপন্ন সিষ্কা এক হাজার টাকার কম লিথিয়া থাকেন ও সে বাকীদার কা লেক্টর সাহেবের দাওয়ার জওয়াব দিবার কালে সেই উৎপন্ন সিক্কা এক হাজার টাকার কম হইবার বিষয়ে আপত্তিনা করে তবে এমত মোকদ্দমা মফঃনল আপীল আদালতহইতেই নিফ্পত্তি পাইবেক ममत (म उरानी जानान छत्र (याता) इहेरतक ना जात यपि कारनक्षेत्र দাহের দে ভূমির উৎপন্ন দিক্তা এক হাজার টাফার কম কিয়া অপিক লিথিয়া জিলার আদালতে দাথিল করিয়া থাকেন ও বাকী দার মিয়াদের মধ্যে তথায় হাজির হইয়া তাহাতে আপত্তি করে তবে জিলার আদালতের জজদাহেব তাহা বৃকিয়া যাহা উচিত জা নেন তদনুসারে নিষ্পত্তি করিবেন আর মোকদ্মা মফঃদল আপীল আদালতে উপস্থিত হইলে তথায় কালেক্টর সাফেবের লিথিত ভূ মির উৎপন্নের উপর বাকীদার যদিআপত্তিনা করে তবে কালেক্টর দাহের ভূমির উৎপন্ন যাহা লিথিয়া থাকেন তাহাই দাব্যস্থ হইবেক তাহাতে যদি বাকীদার আপত্তি করে তবে মফঃদল আপীল আদাল তের সাহেবেরা তাহা বিবেচনা করিয়া সেই সপ্থ্যা যে নিষ্পত্তি বি হিত জানেন তাহাই করিবেন আর মোকদ্দমা মফঃদল আপীল আদা লতহইতে সদ্র দেওয়ানী আদালতে উপস্থিত হইলে সদ্র দেওয়ানী আদালতের সাহেবেরা সে মোকদমা ভাব্য কি অভাব্য হওয়ার নি র্ভর সেই ভূমির গত বৎসরের উৎপন্নের ন্যনাপিকোর প্রতি নিশ্চয় বুকিয়াসেই উৎপন্নের দংখ্যা জিলার আদালত ও মফঃদল আপীল আদালতের নিফ্পত্তিক্রমে অবগত হইয়া সে মোকদ্মা সদর দেও য়ানী আদালতের যোগ্য হয় কি না হয় ধাহা উচিত জানেন তাহার ত্তুম দিবেন। আর এই ধারার লিথনানুসারে থৈ কালে জিলার আদালত কিয়া মফঃদল আপীল আদালত অর্থবা সদর দেওয়ানী যে কোন আদাল আদালতে বাকীদারের ভূমি জব্দের বিষয়ে ডিক্রী হয় সে কালে তেডিক্রী হয় তাহা শ্রীযুত গবর্নর ্জেনরল বাছাদুর কৌন্সেলের ছজুরে তাছার বিবরণ শ্রীযুত গবর্নর জেন দুগোচর ছইয়া তথাকার বিবেচনাক্রমে দে ডিক্রী মঞ্চুর ও দে ভূমির রল বাহাদুর কৌ দম্বন্ধে যে উদেপি কর্ত্তব্য তাহা করণের বিষয়ে যাবৎ ঐ ঞ্রীযুতের ইজু রের হুকুম না হয় তাবৎ দে ভূমি দরকারে জব্দ হইবেক না। তা হাতে ঐ ঞ্রীযুতের কর্তৃত্ব আছে যে সে ডিক্রী অবগত হইয়া পরে ৪ চারি হস্তার মধ্যে দে ডিক্রী জারী করিতে কিয়া তাহার এওজে জেদও নির্ণয় করি

এই ধারাক্রমে ন্সেলের হজুরের বিনাত্তক্মে জারী না হইবার কথা। ভূমি জব্দের এও

থা।

জারী করিতে তকুম কিয়া দও নিরূপণ কথা।

ট্রসাহেবের যেদা ওয়া হয় তাহার স ওয়াল ও জওয়াব महकाद्वत उकीत्न র মার্ফতে চটবার ও ভাহার থ্রচ: স রকারহইতে দিবার ব হা ।

ভূমিজৰ ক্ষমা হ জানার টাক। সর कारवंद वाकी उ मध ও আমীনের বার কথা।

আমীনের তহসী লকরা টাকায় বা কীওগয়রহ শোধ না পড়িলে বাকীদা কথা।

বার বিষয়ে ঐ 🛍 যু বাকীদারের স্থানে তাহার অপরাধ ও শক্তানুসারে যে দণ্ডলওন উ তের কর্তঅর ক চিত জানেন্তাহা লইতে হকুম করেন্। ইহাতে ঐ এীযুত দণ্ড লই বার বিষয়ে হুকুম দিলে যে আদালতহইতে মোকদমার ডিক্রী ও ঐ প্রায় ন্যাব্যার প্রমুক্ষ নিজন তে আন্তর্না ত্রার নিজন কর্মান করে করিবার বিবার করিবার বিবার করেবার বিবার করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার করিবার যেরপে যে আদাল তালক আদালতের ডিক্রী জারী করিবার বিষয়ে যেরপ শক্তি রাথেন তের দারা লওয়া সে রূপ শক্তি সেই দণ্ড লইবার বিষয়েও রাথিবেন ও সেই দণ্ড তথা

ফাইবে তাহার ক কার কালেক্টর সাহেবের স্থানে পঁহছাইবেন। ইহাতে ঐ ত্রীযুতের হজুরহইতে ঐ নিয়মিত কালের মধ্যে দে ডিক্রা জারী করিতে কিয়া ঐ <u>জী</u>যুতের হজুর দৃত্ত লইতে **হকুম নাহইলেও দে** ডিক্রী **বহাল** থাকিবেক। আর হউতে নিয়মিত কা এই ধারাক্রমে কালেক্টর সাহেব যে বাকীদারের নামে জিলার আ मांलाउ नालिम करतन उथाकात এব॰১ प्रकश्मल आशील आमांलउ ও দদর দেওয়ানী আদালতে কালেক্টর সাহেবকে সে মোকল্মার না হইলেও ডিক্রী আপীল করিতে কিয়াু আদামীর দাওয়ার জওয়াব দিতে হইলে তা সাব্যস্থা থাকিবার হার থারচা সরকারহইতে দেওয়া যাইবেক আর সে মোকদ্দমা যে আদালতে উপস্থিত হয় তথাকার দরকারী উকীলের মারফতে দে এই ধারার লিথ মোকদ্মার সওয়াল ও জওয়াব হইবেক কালেক্টর সাহেব সে মো নানুসারে কালেক্ কদ্মার সওয়াল ও জওয়াবকারণ সমস্ত বেওরা সরকারী উকীলকে জ্ঞাত করাইবেন ইতি।—১৭১৩ সা। ১৪ আ। ১৬ ধা।—বারাণস ১৭৯৫ সা।৬ আ। ২৩ ধা।—দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। ২৭ আ। १०४।

১০৪। ১৬ যোড়শ ধারার প্রস্তাবক্রমে কোন বাকীদারের ইয়া দওনিরূপণ হ ভূমি সরকারে জবদ না হইলে আমীনের মারফতে সে ভূমির যে **उँग्रामिला॰ इ**रेग्रा थात्क मत्रकात ও वाकीमात्त्ररु ठाराते हिमाव নিফ্পত্তি হইবেক তদনুসারে আমীনে যে টাকা তহসীল করিয়া থাকে তাহাতে দরকারের মালগুজারী ও আমীনের থরচা ও দণ্ড পোষাই খরচাবাদে বাকীন। য়া অতিরিক্ত হইলে সরকারের মালগুজারী ও আমীনের থরচা ও রকে দেওয়া যাই দণ্ড লইয়া পরে যাহা **কাজিল থাকি**বেক তাহা সেই বাকীদারকে দেওয়া যাইবেক'। ইহাতে যদি আমীনের ওয়াসিলাতে সরকারের মালগুজারী ও আমীনের খরচা ও দণ্ড না পোষায় তবে যাহা অকু লান হয় তাহা সেই বাকীদার না দিলে সেই অকুলান টাকা আদা য়ের কারণ দেই বাকীদারের কিছু ভূমি নীলামে বিক্রুয় করা হাই রের ভূমির কিশ্ বেক ইতি।--১৭৯৩ দা। ১৪ আ। ১৭ ধা।--বারাণদ ১৭৯৫ দা। মতনীলাম হইবার ৬ আ। ২৪ ধা।—দত্ত দেশ ১৮০৩ দা। ২৭ আ। ২৪ ধা।

১০৫। 🖺 যুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের ছজুরে মি জন হইলে দে ১৬ যোড়শ ধারার লিথিত হেতুক্রমে বাকীদারের ভূমি জব্বের

বিষয়ের ডিক্রী মঞ্জুর হইলে ডাড়াতে ঐ এীযুতের কর্তৃত্ব আছে যে ভূমি তাহার ওলা **দেই বাকীদারের শিরে সরকারের যে টাকা প্রকৃত পাওনা হয় তাহ।** রিসদিগকে দেওয়া দিতে ও তাহার ভূমির যে মালওজারীর ধার্য আছে তাহার সরব^{ইতে} অথবা নীলাম রাহ করিতে তাহার উত্তরাধিকারিরা শ্বীকার করিলে অভীষ্ট হয় ভাহারদিগেরে দে ভূমিতে দথল দেওয়ান্ অথবা নীলামে বিক্রয় করান তাহাতে যদি দৈই নাকীদারের উত্তরাধিকারিরা তাহার ভূমি তে দথল পায় তবে দে বাকীদার স্বরাতেই বন্ধনদশাহইতে মুক্তইই বেক আর যদি তাহার ভূমি নীলামে বিক্রয় হয় তবে কি মাল্ঞজারী কি আমীনের থরচা কি সৈই বাকীদারের দুষ্টতায় অপর যে যে থরচ হইয়া থাকে তাহাআদি যে যে বিষয়ে দরকারের পাওনা রহে তাহা সমস্ত সেই বাকীদারের ভূমির মূলা হইতেই লওয়া যাইবেক আর यनि मে ভূমি नीमारमत नेमरत वाकीमारतत भिरत नतकारतत কিছু টাকা পাওনা নাথাকে তবে দে ভূমির মূল্যের টাকা সমস্তই সর কারে লওয়া নায় কিম্বা অপর থরচ করা যায় ঐ প্রীযুতের যে অজী ষ্ট হয় তাহ। করিবেন আর যদি দে ভূমি নীলামের কালে দে বাকী দারের শিরে দরকারের কিছু টাকা পাওনা থাকে তবে তাছা দে ভূমির মূল্যহইতে কর্তুন করিয়া লইয়া যাহা ফাজিল রহে তাহা সর কারেই লওয়া যায় অথবা অন্য থরচ হয় ঐ শ্রীযুত যে উচিত জানেন্ করিবেন ইতি।—১৭১৩ দা। ১৪ আ। ১৮ ধা।—বারাণস ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ২৫ ধা --- দত্ত দেশ ১৮০৩ স।। ২৭ আ ২৫ ধা।

করাইতে জীয়ত গ বর্নর জেনবল বা रामद को*एमाल*ब ক্ষতার কথা।

১०७। जानिरतन य वाकीनात इग्राधिकातिशन अञ्चातनारत्त्रा अ তাহারদিগের মালজামিনেরা তাহারদিগের প্রতি ইম্বরেজী ১৭৯৩ ওয়া জোরের গো দালের ১৪ আইনদতে হওয়া হুকুমের উপর জোর ও টেটামি কদ্মাদকলের উপ করিলে তাহাতে ঐ আইনের ইয়ক ১৫ লাগাইৎ ২১ পারার লিখ নানুসারে যে উপায় থাটে দে উপায় এ আইনের উপরের ধারাসক লের লিথনানুসারে তাহারদিগের প্রতি হওয়া গুরুমের উপর তাহা রা জোর ও চেটামি করিলে তাহাতেও থাটিনেক কিন্তু ঐ ১৪ আই নের ১৬ সোড়শ ও ১৯ উনবিপ্শতি ও২১ একবিপ্শতি ধারার লিখনানুসারে শিক্ষা ১০০০ এক ছাজার টাকার অনুর্স্থ সংখ্যার মো কদ্মার যে ডিক্রী মফঃদল আপীল আদালতদকলে হইত ভাহাই চুড়ান্ত হইবার হুকুম ছিল পশ্চাৎ তা**হার প**রিবত্তে সদর দেওয়ানী আদালতের ভারলাঘনী ইঙ্গরেজী ১৭৯৮ সালের ৫ আইনের ২ ধারাক্রমে হকুম হইয়াছে যে সিষ্টা ৫০০০ পাঁচ হাজার টাকার অনুর্দ্ধ মোকদমার যে ডিক্রা মফঃদল আপীল আদালতসকলে হয় তাহাই চূড়ান্তের তরে পাইবেক। অতএব এ আইনের অনুসারেও সিক্কা পাঁচ হাজার টাকার অনুস্কু মোকদমাসকলের উপর যে ডিক্রী ওয়া জোরের মোক মুফঃদল আপীল আদালতদকলৈ হইবেক তাহাতে ঐ ৫ আইনের প্যাসকলের আপী লিথিত ছকুম বলবৎ রহিবেক। ও জানিবেন যে সদর দেওয়ানী ^{ল সদর} দেওয়ানী আদালতে আপীল হইবার ভারলাঘবী ঐ ৫ আইন জারীর পুরে य त्कान आहेनमरू य त्य म॰ शांत माकक्षमात आशील मनत ति € आहेरनत लिथ

এ আইনমূহে হ র ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৪ আই নের লেখা উপায় খাটিবার কথা।

এ আইনমতে হ আদালতে ইঞ্রে ७ म९ शापुरके इह বার কথা।

ওয়ানী আদালতে হইত দেই২ মোকদ্মার আপীল এখন ঐ ৫ জা ইনের নিরুপিত সংখ্যানুসারে সদর দেওয়ানী আদালতে হইবেক ইতি।—১৭৯৯ দা। ৭ আ। ২৪ পা।

জমীদারীর অংশি ও অযোগ্য ভুমা ধিকারিদিগের ভূ মি যাবৎ সর্বর। হকারের এতমামে হাবদিগেবে করেদ যোগ্য ভুমাধিকা রির ভূমি বাকীমা লওজারীর কারণ নীলাম করিতেও নিষেধের কথা।

ব্রীলোককে হা ষেধের কথা।

আইনের নিদিষ্ট সময়ছাড়া ভূমাধিকারিপ্রভৃতি কাহাকেও হাজিরক ণের বারণের কথা।

অসাধারণে জনী ও ১০ আইনের মৰ্মানুসারে তাহার বিষয় ২ইলেও যে সকল আথকার বি ভাগনা হইয়াথা কে ও সরবরাহকা রের এডমামে রহে তাহারদিগের মাল গুজারীর টাকা উস্

১০৭। যে সময়ে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ৮ আইনের ২৩। ২৪। ২৫। ২৬। ধারাক্রমে কোন জমীদার ও ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১০ দশম আইনের মতে অযোগ্য ভূম্যধিকারিদিগের যে যে ভূমি সরবরাহকারের এতমামে সোপদ হয় সে সময়ে এই আইনের মতা থাকে তাবং তা নুসারে কাহারো সাধা হইবেক না যে ঐ দুই আইনের মতে যে সকল সরবরাহকার নিযুক্ত হয় তাহারদিগের এতমাম থাকিতে মালগুজা করিতে ও সেই অ রীর বাকীর যে টাকা সরকারে তলব হয় তাহা উসুলের কারণ সেই জমীদারীর অংশিদিণের ও অযোগ্য ভূমাধিকারিদিণের কাছাকেও करम करतन् किम्रा অযোগ্য ভূমাধিকারিদিগের ভূমি नीलाम করান্। এব॰ এই আইনের মতে কোন প্রকারে কোন কালেক্টর দাহেবের শক্তিও নাই যে কোন জমীদারীর কর্ত্রী স্ত্রীলোক হইলে তাহাকে আপন নিকটে তলব কিয়া কয়েদ করেন। আরু এদতনুসারে জির করাইতে ও সরকারের সহিত যে সকল ভুমাধিকারির ভূমির বন্দোবস্ত হইয়া করেদ করিতে নি থাকে দে দকল লোককে কিয়া ইজারদার দিগেরে অথবা মালজামি নদিগেরে যে কালে হাজিরকরাণ ও কয়েদকরণের নিয়ম এই আইনে লেখা আছে সে কালছাড়া অন্য সময়ে তাহার্দিগেরে আপন নিক টে হাজির করাইতে ও কয়েদ করিতে পারিবেন না। কিন্তু যে জমী দারীর কত্রী অসাধারণে এক জন দ্রীলোক থাকে ও সেই দ্রীলোকের রাণ ও করেদকর বিষয় ঐ ১০ দশম আইনের লিথিত মর্মানুসার হয় এবং স্লেউতঃ সে জমীদারীর সরবরাহ আপনি করে ও যে জমীদারীর কর্ত্তা অনে কে হয় ওসে জমীদারী বিভাগ না হইয়া থাকে ও ঐ ৮ অইটম আই দারীর করা হউলে নের ২৩। ২৪। ২৫। ২৬। ধারাক্রমে তাহা কোন মরবরাহকার কে সোপদ হইয়া থাকে তবে এই দুই প্রকার জমীদারীর বাকী টা কা কেবল দেই ভূমি কিয়া অন্য বস্তু নীলামক্রমে উদুল হইবেক ইতি।—১৭৯৩ দা। ১৪ আ। ৪৮ ধা।—বারাণদ ১৭৯৫ দা। ৬ আ। ৫৩ ধা।—দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। ২৭ আ। ৫০ ধা। ও ১৮০৩ সা। ৫২ আ। ৬ ধা।

অযোগ্য ভূমাধি काविभागतक करमम না করিবা**র স**ং ক্রান্ত ইঙ্গরেজী ১৭ ৯৩ সালের ১৪ আ

লের মতের কথা।

১০৮। জানিবেন যে ইঙ্গরেজী ১৭১৩ সালের ১৪ আইনের ৪৮ পারার লিথিত যে হকুম বোর্ড রেবিনিউর নিযুক্তকরা সরবরাহ কার্দিণের জিমায় থাকা সাধারণ অধিকারের অধিকারিগণকে কয়েদ করিতে নিদেপের অর্থে আর যানদীয় অযোগ্য ভূচ্যাধিকারি গণকে এব >১ ব্রীলোকপ্রযুক্ত অযোগ্যা চাহরা সমস্ত ভূম্মীধিকারিণী

দিগেরেও কয়েদ করিতে বারণের জন্যে আছে তাহা এব॰ ঐ ১৪ আইনের উল্লিথিত অপর যে দকল হুকুম কালেক্টর দাহেরপুত্তি সরকারী আমলার পাওয়া ক্ষমতানুসারে করা বিষয়ের দায়ে চেকি বার নিদর্শনে আছে তাছাও যদি অন্য কোন আইনমতে রদ কিয়া ফেরফার না হইয়া থাকে তবে এ আইনমতে দেই হুকুম সমস্তই সা ব্যস্ত বহাল থাকিবেক ইতি।—১৭৯৯ দা। ৭ আ। ২৭ ধা।

ইনের লিখিত জক ম বহাল থাকিবার

কালেকট্রসাকে বপ্রভৃতি সরকারী আমলারা দায় ঠে কিবার সংক্রান্তর দৰ্দল না হইয়া থাকা **তকুম সা**ব্যস্থ থাকিবার কথা।

১০১। যে স্থানের অপিকারী কিয়া ইজারদারের আলস্য ও ত্রুটি ছাড়া জলাভাবে কি**য়া জলবৃদ্ধিতে** অথবা অপর নাময়িক উৎপাতে বেরা ৪ ধারাক্রমে কিছা কারণান্তরে দে স্থানে ভূমির চাদ কর্মো ক্ষতি হয় কিয়া দে ভূমি হাজে ও তাহাতে দেই অপিকারী কিম্বা ইজারদারের শিরে মা লগুজারী টাকা এমত বাকী পড়ে যে সে জন্য ৪ চতুর্থ গারাক্রমে সে ব্যক্তি অবশ্য ক্রেদ হয় ইহাতে কালেক্টর সাহেব তাহার আদ্যো বিষয়ে নাক্রিবার পাস্ত আলোচন করিয়া যদি নিশ্চয় জানেন যে সে বাকীদার আপন শিরের বাকী টাকা ৩ তৃতীয় ধারার প্রসন্ধিত পরওয়ানার লিথিত মিয়াদতক আপন সমুকীয় ভূমির উৎপন্নহইতে অথবা নিজহইতে ্ কিয়া কর্জ করিয়া দিয়া পরিশোপ না করিতে পারে তবে কালেক্টর নাহেব নে বাকীদারকে ৪ চতুর্থ ধারাক্রমে কয়েদ না করিয়া দে বিষ য়ের বেওরা ও সে বাকীদারকে কয়েদ না করিবার হেতু বোর্ড রেবি নিউর সাহেবদিগের স্থানে লিথিবেন ইতি।—১৭৯৩ সা। ১৪ আ।৮ আ।—বারাণদ ১৭১৫ সা। ৬ আ। ১৩ ধা।

কালেক্টর সাহে वाकीमात्रिमरशत् व দ্বিকরণের বিষয়ে যে কছতৰ রাথেন তাহা অপর নিদিফ

১১০। জানিবেন যে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৪ আইনের অনু লারে কালেক্টর লাহেবদিগের প্রতি যে ক্ষমতার্পণ হইয়াছে দেক্ষ বেরা আপনারদি মতা কোন মালওজারের শৈথিলা কিয়া নফামীছাড়া খকা ও হাজ: আদি আকাশী উৎপাতে বাকী পড়িলে তাহাতে চালাইতে পারি বার ও না পারিবার অনুমতিও ঐ ১৪ আইনের ৮ গারাক্রমে দে ওয়া গিয়াছে। এইক্ষণে এ আইনের মতে যে ভারাপণি তাঁহারদি গেরে হইতেছে তাহাতেও দেই ক্ষমতা চালাইবেন কিন্তু ম্বকা ও হা 🕏 রেবিনিউতে পা জাআদি আকাশী উৎপাতে বাকী পড়িলে দে গতিকে দেই ক্লমতা টাইতে হইবেক ডা চালাইতে পারিবার অনুমতিক্রমে না চলিবেন। ও তৎকালে সে হার কথা। বাকীদারের উপর কোন হুকুম না চালাইবার হেতুর বেওরা হকীকৎ করিয়া অব্যাজে বোর্ড রেবিনিউতে পাচাইয়া তথাকার হুকুমের অপের বাকী টাকা তল ক্ষায় থাকিবেন। ও এমত গতিকে ঐ বোর্ডের সাহেবেরা কিস্তির বাকী সে টাকা ও তাহার যথার্থ সৃদ তলবের শৈথিলোর তুকুম দিতে ম হইবার কথা। পারেন। কিন্তু তাছার মোকররী জমার মধ্যে কিছু ছাড়িবার হ্কুম ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ২ আইনের ৪৩ ধারার লিথনানুসারে নুমতিতে ঘোকররী

কালেক্টর সাহে গের পাওয়া শক্তি না চালাইতে পারি বার সময়ের কথা।

যে হকীকৎ বো

সংযত সুদ কিন্তি বের শৈথিলা করি তে ঐ বোর্ডের ছকু হজুরের বিনাতা

জ্যাব কিছ্ ছাড়া হাঙ্র কৌলেলের অনুমতি না লইয়া দিতে পারেন্ না ইতি।— ना यादेनावं कथा। ११०० मा। १ जा। १७ मा। १ छ।

১৬ পারা।

नाकीमात है जातमात ও जाशित्मतरमत कर्यमकत्म।

ি দাকীদার ভুমাধিকারিরদের কয়েদকরণ বিষয়ে যে বিধি আছে। । । । র্নাদার ই লারদারেরদের করেদ বিষয়ে ও দে বিধান নিদিন্ট আছে অর্থাৎ ১৭৯৩ সালের ১৪ আইনের ৫ ধারা। তাহা এই অধ্যায়ের ৯৯ সংখ্যাতে मुक्त बहरत है

১১১। ভাহাতে যদি সে বাকীর দায়ী ইজারদার হয় ও সে মাল

डे अरब ही २१२० ২০ পারার ভক্ষ রদ না হইবার ক 271

ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সা লের ১৪ আইনের ৩ ধারাক্রমে বাকী তলৰ না হইটেও আটক হইতে পা

लजाशिनिमिश्रातक क ্রেদ না করাইয়া যত দিন পেয়াদার তে পারিবেন। আর যদি ঐ ১০ দিন মিয়াদের মধ্যে আপন শিরের হাওয়ালে বাথিতে পারেন তাতার ক বাকী শোপ না দেয় কিয়া কালেক্টর সাহেবের তাহাকে থালাসী 811

271

মালের ৩ আইনের জামিন দিয়া থাকে ও সে ইজারদার পালাইয়াও যাইদেক না এমত অনুমান কালেক্টর সাহেবের হয় তবে বাকীর দায়ি ইতারদার ও তাহার মালজামিনকে কয়েদ করিবার তার্থে যে হুকুম ঐ ১৪ আই নের ৫ পারায় লেখা আছে দে হ্রুম যাবৎ দেই বাকীর তলব দেই বাকীর দায়ির উপর ঐ ১৪ আইনের ৩ পারাক্রমে না করা যায় ভা নৎ এমত ইজারদার ও তাহার মালজামিনের উপর জার্ট ক্রিনেন ইজারদার কিন্তা না। কিন্তু যদি দে বাকীর দায়ি ইজারদারের কিন্তা তাহার মাল্ড। ভাগার মালজামিন মিনের পলাইবার ভাব বুকা যায় তবে তৎকালে ঐ ১৪ আইনের ৩ ধারার ভ্রুমমতে চলিবার অপেকা না করিয়া অধিলয়ে ঐ ১৪ আইনের ৫ সারার ভ্কুম সেই ইজারদার কিয়া তাহার মাল্লামি নের উপর চালাইনেন। ইহাতে যদি তহদীলদার কিয়া তহদীলের দ°৲ক্রান্ত অন্য আমল। বুকে যে বাকীর দায়ী যে কোন ই জারদারের রিবার সময়ের কু মালগুজারী তাঙার নিকটে দাখিল হয় সে ব্যক্তি পলায়নোলুগ হউ রাছে ও দে নপ্রাদ ঐ ১৭১৪ নালের ৩ আইনের ১৩ পারাক্রমে কালেক্টর সাহেবের স্থানে পঁহুছাইবার অবকাশ না থাকে তবে লাপ্য রাথে যে কালেক্টর দাছেবের ভকুমের অপেঞা না করিয়া দেই ৰাকীদার কিয়া তাহার মালজামিনকে আটকাইবার কারণ ভা হার নামে দম্বক আপন মোহ্র ও দ্রুখতে লিখিয়া ঐ ১৪ আইনের ৫ ধারানুসারে জারী করিয়া তাহাকে ধরিয়া তাহার উপর আইন মতে যে কর্ত্রা করিবার নিমিত্তে অব্যাজে কালেক্টর সাহেবের কালেক্টর মা স্থানে চালান করে। তাহাতে কালেক্টর সাহেবের ক্ষমতা আছে পেবেরা ইজারদার যে সে বাকীর দায়ী তাঁহার সমীপে পঁহুছিয়া সে বাকী শোধ দিবার ও তাতারদিগের মা কিছু আুকার দেখাইতে পারিলে তাতাকে হচাৎ ঐ ১৪ আইনের ও পারার্ক্তিমে দেওয়ানী আদালতের জেছলথানায় দাথিল না করিয়া দশ দিনের অপিক না হয় এমত মিয়াদে পেয়াদার হাওয়ালে রাথি

চালান্ করিবেন ও তথাকার জেহলথানায় সে আসামী ঐ ১৪ আই মপোর লিখিত নেব ও ধারানুষারে কয়েদ ছইবেক। জানিবেন যে ঐ ১৪ আইনের

দিতে পারিবার প্রবোধ না জন্মায় তবে তাহাকে দেওয়ানী আদালতে

৫ ধারার যে যে ত্রুম ফেরফার হই গা নাবান্ত হইল তাহা ঐ ৫ পা বেওরাক্রমে সকল বাব লিখিত সময় মোকলমায় এবং এ আইনের প্রসাবিত সময় মোকলমায় ইলাক মোকদ্দমায় ও এডদভিবিক্ত যে সকল মোকদ্দমায় চলিবার অর্থে ^{জী ১৭৯৩} সাকে অন্য আইন হয় তাহাতেও থাটিবেক। কিন্তু যদি কালেক্ট্র সাহের এমত কোন বাকীদারের বাকী উদ্বলের কিছু আকার না বার কথা। দেথোন কিয়া অপর কোন হেতৃক তাছাকে কয়েদ করাইতে বিলয় কর। অনুচিত জানেন তবে ভৎকণাৎ তাহার প্রতি ঐ ৫ পারার লি হেবের। নিষিদ্ধ ভ থিত পূকৃত হুকুমের মতাচরণ করিতে নিষেধ নাই বৃকিরেন ইতি।— বুমের অন্যথা চরি ১৭১२ मा। १ जा। २० मा। २ द्या

১১২। ৫ পঞ্চন পারার লিখিত মর্মানুসারে কালেক্টর সাহেব কোন ভুমাপিকারী কিম্বা ইজারদারকৈ কয়েদ করাইবার বিষয়ে পে শহর ঢাকা ও শহর ग्रामामिर्शित भातका छ मस्रक जाती कतिरङ इडेरल ग्रमि स्मर्डे तान्ति मृत्निमानास्त स्य শহর পটেনা কিয়া শহর ঢাকা অথবা শহর মূরশিদাবাদে থাকে ^{বাকীদার}থাকে কি শিষ্ঠ পাটিশা বিশ্বা শিষ্ক চার্লা অবনা বিশ্ব পুলা নারাজ্য বাজ স্থা বসত করে ও কিয়া বসত করে তবে কালেক্টর সাভেব নেই দুষ্টকের পেয়াদাদি হারদিগের প্রতিকা গেরে ভকুম করিবেন যে দেই ভূমাপিকারী কিন্তা ইজারদার যে শুহরে জেকটর সাঙের ৫ থাকে তাহারা দেই শহরের আদালতের জঙ্গাহেবের নিকটে গ্রাম ধারার লি গায় জজসাতের সেই পেয়াদাদিগের সঙ্গে আপন পেয়াদা দিয়া সেই ঝিও সকল ফ্রেট্র ভূমাপিকারী কিয়া ইজারদার রহিবার স্থান দেশাইয়া দেন তাহাতে করণের মণ্ডের 🐟 সেই পেয়াদারা সেই ভূম্যাধিকারী কিয়া ইকারদারকে যে শহরে ^{থা।} গরে সেই শহরের আদলিতের জিহলগানায় লইয়া যায় ভাহার প্রস্বাকীদার হাজির না হইবাতে যে জিলায় সেই বাকীদারের মন্ত্র কীয় ভূমি থাকে সেই জিলায় তাহার পুতি যে দাঁড়া ও উদ্যোগ হুওঁতে ৫ পঞ্চম ধারায় লেখা আছে ও ভূমাধিকারী কিয়া ইজারদার শহর ভাড়া কোন জিলায় প্রা পড়িলে তাশাব প্রতি যে দকল উদ্যোগ হয় সেই সকল উদ্যোগ উপরের লিখিত বিসয়েও হইবেক যদি ভূচ্য গিকারী কিয়া ইজারদার শহর কলিকাভায় গাকে অথবা বসত করে ৩বে কালেক্টর সাহেব সেই দস্তক বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের নিকটে পাচাইবেন ঐ বোর্ডের দাহেবেরা তাছা শ্রীযুক্ত গবরুনর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরে দাথিল করিবেন ঐ এীযুত তাহা অবগতহইয়াসেই হস্তাগত অর্থাৎ ধরাপড়া ভূম্যধিকারী কিম্না ইজারদারকে সেই কালেক্টর সাহেবের মোতালক জিলার আদা লতের জিহলথানায় পাচাইতে হুকুম দিবেন অথবা অপর যে উ দ্যোগ উচিত জানেন তাহাই করিবেন ঐ শ্রীযুতের হন্ধুরের হকুম দেই ভুমাপিকারী কিয়া ইজারদার জিলার আদালতের জিহলথা নায় পাচান গিয়া তথায় কয়েদ হউলে ৫ পঞ্চম পারার লিথিত মর্মা নুসারে ভুমাপিকারী কিয়। ইজারদার জিলায় হাজির থাকিবাতে পরা পড়িয়া তথাকার জিহলথানায় কয়েন হইয়া যেমত অবস্থায় থাকে ইহার অবস্থাও দেই মন্ত হ্ইবেক ইতি।—১৭৯৩ দা। ১৪ আ। ৪৫ ধা।

র ১৪ আইনের ৫ ধারার ভক্ম চলি

ক≀লেকটর সা ভে পারি শর সম য়েৰ কথা।

শহর পাটনা ও

ইজাবদাব পেয়া লে কিম্বা ধরা পড়ি য়া পেয়াদাদিগের নিক্টক্ইতে পলাই লে অথবা ধরানী পড়িতে অসপ্ট হই লে ডাঙার সম্পর্কে त्य उत्मान कवित्व ন ভাহাব কথা। জন্সাতেব লেক্টর সাতেরের দাওয়া প্রকৃত জানি লে ৪ হফুার মধ্যে তে হাছির হটবার কারণ ইশ্তিহারনা মা জারী করিবার 3.21 I

গে গে ভাষা ও অ করে লেখা মাই বেক ও বে ফেছা নে লট্কাইতে হই বেক ভাহার কথা।

ই জারদারের ই জারার মহালের এ ভমামের কারণ জ নেক আমীন নিযক্ত ইইবার কথা।

তিহারনামার মিয়া দের মধ্যে আদাল তে হাজির নাহই লে কিন্তা হাজির হ ইলে তাহার উপর দাওয়া প্রমাণ হই লে ডাথার উজারা মৌকুফের বিষয়ে ডিক্রী হইবার ক थ।।

১১৩। যে কালে কালেকটর সাহেব ৫ পঞ্চম পারার লিখনান্সারে দাদিগেরে না মানি মালগুজারীর টাকা বাকীর কারণ কোন ইজারদারকে কয়েদ করাইতে পেয়াদাদিগের মারফতে দম্বক জারী করেন ও সে ইজারদার সে দমুক না মানে কিয়া দেই পেয়াদাদিগেরে আপনি অথবা অন্য লো কের মারফতে বেদ্থল করে অথবা পরা পড়িয়া দেই পেয়াদাদিগের নিকটহইতে পলায় কিয়া পরা না পড়িতে পূর্ম্বে অল্লুফ্ট হয় অগ্রা আপন ঘরে কিয়া অন্যের বাটীতে লকায় কিয়া কোন স্থানে যায় যে কালেকটর সাতের তথায় সে পেয়াদাদিগের দথল না ছইতে পারে তবে সে কালে এই সকল হেত্তে কালেকুট্র সাহেব সে বিষয়ের দাওয়ার কৈফিয়ৎ লি থিয়া দেই বাকীর সমুর্ফীয় ভূমি যে জিলার এলাকায় থাকে দেই জিলার আদালতের জজদাফেবের স্থানে দরকারের উকীলের মার ফতে দাখিল করিবেন তাহাতে কালেকটর নাহেবের সেই দাওয়া যথার্থ জানাইবার নিমিত্তে জজ্মাহেবের নিকটে দেই পেয়াদারা উজার্নার আদাল কিয়া অন্য মাত্র্যর দুই জন অথবা অধিক জনে মুক্তি করিয়া কহি লে তৎকালে তাহার দিগের কথায় ও তাহারা সুক্তি করিয়া আদ্র লতের সওয়ালের যে জওয়ার দেয় তাহাতে যদি জজসাহেরের হুৎ প্রতায় হয় যে কালেকটর সাংহরের দাওয়া যথার্থ তবে জ্জুসাহের সেই ইজারদার হাজির হইবার কারণ ইশতিহারনামা এইমতে যে **শেই ইজার্দার শেই ইশ্ভিহার্নামা লিথনের প্র্রিন্নইটতে** ৪ ইশ্তিহারনামা চারি হ্ফার মধ্যে আপনি আদালতে হাজির হয় জারী করিবেন।

তাহাতে যদি সেই ইজার্দারের সেই ইজারার ভূমি স্বে রাঞ্চালা ও

मूत উড़िशाय थात्क उत्त तम उन्हिज्ञात्नामा भारती ও राम्नानः

ভাষায় ও মুবে বেহারে থাকিলে পারমী ভাষায় কি हिन्दी শব্द उ

নাগরী অফরে লেখা যাইবেক ও ইশ্ভিগারনামা লেখা হউলে প্র যত ত্রুবাতে হয় সেই ইজার্দারের বসত সে জিলায় হইলে তথায় কিয়া তাহার ইজারার সদর কাছারীতে ও কালেফ্টর মান্তের দয়বুথানায় ও আদালতের কাছারীতেও লটুকান যাইবেক। আর পঞ্চম পারার লিখনানুসারে পেয়াদারা দখল পাইলে ও ইজারদার কয়েদ হইলে তাহার ইজারার ভূমির এত্যামের নিমিত্তে ৬ মঙ পারার লিখনক্রমে যে রূপে জনেক আমীনকে কালেক্টর সাহের নিযুক্ত করিতেন এই ইজারদারের ইজারার মহালের এতমামের কা ^{ইজারদার}ুইশ রণেও সেইরপে জনেক আমীনকে প্রবৃত্ত করিবেন। ইছাতে যদি শেই ইজারদার ইশ্তিহারনামার লিথিত মিয়াদের মধ্যে আদালতে হাজির না হয় কিয়া হাজির হইলে ও কালেক্টর সাহেবের দাও য়ার জওয়ার দিলে এবণ কালেক্টর সাহেরও সেই ইজারদারের পক্ষের সাক্ষির কথা শুনিলে যদি সেই কালেক্টর সাহেবের দাওয়া প্রমাণ হয় তবে সে মোকদ্দমা জিলার আদালতে এই রূপে ডিক্রা इड्रिक (य मिड्रे डेजाव़नारव़त् डेजावा मूर्य वाञ्चालाग् शाकित्ल (य সন সে ডিক্রী হয় সেই সন বাঙ্গালা গত হইলে ও সুবে উড়িঘায় থা কিলে দেই দন বিলায়তী আথের হইলে ও মুবে বেহারে থাকিলে সেই সন ফদলী তামাম হইলে তাহার সেই ইজারা মৌকফ হই

নেক। ইহাতে ইঙ্গরেজী ১৭১৩ দালের ৫ পঞ্চম আইনের ১২ দ্বাদশ ধারায় মোকদ্মার আপীল মফঃদল আপীল আদালতে মিত কালের মথে। করিবার কারণ যে মিরাদ পার্য্য আছে দে মিয়াদের মপ্যে যদি সেই ইজারদার সে মোকদ্মার নালিশ মফঃদল আপীল আদালতে না করে তবে জিলার আদালতের জজদাহেন শীলু দে মোকদ্মার ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল এীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের স্থার পাটাইবেন। যদি দেই ইজারদার দেই মিয়াদের মধ্যে মফঃ দল আপীল আদালতে নালিশ করে ও জিলার আদালতের ডিক্রী তথায় মঞ্জ হয় ও যে মোকদ্দনা দদ্র দেওয়ানী আদালতের আপী লের যোগ্য না হয় কিয়া যোগ্য হউলে উপরেজী ১৭১৩ সালের ৬ ষষ্ঠ আইনের দশম পারায় মোকদমার আপীল সদর দেওয়ানী আদা লতে করিবার কারণ যে মিয়াদ পাণ্য আছে সে মিয়াদের মপ্যে যদি দেই ইজারদার মোকদ্মার নালিশ নদর দেওয়ানী আদালতে না করে তবে মফঃগল আপীল আদালতের সাহেবেরা শীঘু সে মোক দ্মার আপনার্দিগের কৃত ডিক্রী ও রোন্দাদের নকল জিলার আ দালতের ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলসমেত জীমুত গ্রব্নর জেনরল নী আদালতে ওপ বাধাদুর কৌন্সেলের হ্জুরে চালান করিবেন। আর মফঃসল আ পাল আদালতে ডিক্রা হউলে যদি মে মোকদ্দমা সদর দেওয়ানা আ দালতে উপস্থিত হইয়া তথায় মফঃসল আপাল আদালতের ডিক্রী মঞ্জর হয় তবে সদর দেওয়ানী আদালতের সাহেবেরা সে মোকদ মার আপনার্দিগের কৃত ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল মফঃদল আ পীল আদালতের আগত ডিক্রী ও রোরদাদের নকলসমেত এীযুত গবরুনর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরে দাখিল করিবেন। আর যদি জিলার আদালতে কালেক্টর দাহেবের দাওয়া প্রমাণ না হয় তবে তথাকার জজনাহের ৫ পঞ্চন ধারার লিখনানু**সা**রে পেয়া দার। দুখল পাইলে ও ইজারদার কয়েদ হইলে তাহাকে যে মতে কংয়দ রাখিতেন এ গোকদ্দ্যাতেও তাহ।কে শেই মতে কয়েদ রাখি বেন কালেকুটর সাভেব অনাজে সে মোকদ্মার ডিন্রী ও রোম্দা দের নকল লউয়া সেই ডিক্রীর প্রতি আপনার যে আপত্তি থাকে তা খার নিদর্শনী লিখন সহিত বোজ রেবিনিউতে পাচাইবেনঐ বোর্ডের শাহেবেরা তাহা অবগত ২ইয়া সে মোকদ্মার আপীল ক্রিতে হয় অহার কথা। কি ন। হয় যাহা উচিত জানেন্ তাহাই করিতে কালেক্টর মাহেব কে ত্রুম দিবেন। তাছাতে যদি ঐ বোডের দাছেবেরা দে মোকদ তে কালেক্টর সা মার আপীল করিতে হুকুম দেন্ ও তদনুসারে অবধারিত কালের মপ্যে মফঃসল আপীল আদালতে আপীল করা যায় ও তথায় জি লার আদালতের ডিক্রা নামঞ্র ২ইয়া সেই ইজারণারের ইজারা বর্থান্তের বিধয়ে হুকুগ হয় ও সে সোকদ্দমা সদর দেওয়ানী আদা লতের যোগ্য না হয় কিয়া সদর দেওয়ানা আদালতের যোগ্য হইলে তের ডিক্রীমফংশল নিষ্ঠারিত কালের মধ্যে যে মোকজ্মা সদ্ধ দেওয়ানী আদালতে উপ আপাল আদালতে খিত না হয় তবে মফঃদল আপাল আদালতের দাহেবেরা অবিলয়ে শে মোকলমার আপনার্দিগের কৃত ডিক্রা ওরোয়দাদের নকল জি

ইজারদার নিয় আপীল না করিলে জিলার জজসাতের যোকদমার ডিক্রা ও রোয়দাদের নক ल ये आगुराउत राष्ट्र রে পাঠাইবার ক

ইজারদার মফঃ সল আপীল আদা লতে মোকদমার আপীল করিলে ত থায় জিলার আদা লতের ডিক্রীমখুর হউলে পরে সে মে। কদ্মা সদ্ধ্য দেওয়া স্থিত নাহইলে কি স্বা তথাকার সোগ্য মা হটলে মফসেল আপীল আদালতে র সাহেবেরাডিজা मिशरत्त् नकल थे আয়তের হজুরে পা ঠাইবার কথা।

মফঃসল আপীল আদালতের ডিজনি সদর দেওয়ানী আ माल**ए**ड शश्रुत वर्डे লে সে কালে সদর দেওয়ানী আদাল তের সাজেবেরা মে উদ্যোগ 'করিবেন

জিলার আদাল रहरवत माउग्रा ध মাণনা হ'ইলে উা হার কর্তুব্যের ক

জিলার আদাল নামপুর হইলে যে मक्ल उत्गाध दर् বেক ভাষার কথা। হেবের দাওয়া প্র মাণ হইয়া তথাকা র ডিক্রী মফঃসল আপীল আদালতে নাম পুর হইলে কা लक्षेत्र मार्टरात् কর্ত্তব্যের কথা।

জিলার আদাল লার আদালতের ডিক্রা ও রোয়দাদের নকলদমেত এীযুত গবর্নর্ তে কালেক্টর সা জেনরল বাছাদুর কৌন্সেলের ছজুরে পাচাইবেন। আর যদি জি লার আদালতের কালেক্টর দাহেবের দাওয়া প্রমাণ হইয়া তথা কার ডিক্রী মক্ষঃসল আপীল আদালতে নামপুর হয় তবে কালেক্ টর দাহেব দত্ত্র হইয়া জিলার আদালতের ও মফঃদল আপীল আদালতের ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলসমেত মফঃসল আপীল আদালতের ডিক্রীর উপর আপনার যে আপত্তি থাকে তাহার নিদর্শনী লিখন বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের নিকটে পাচাইবেন ঐ বোর্ডের সাহেবেরা তাহা অবগত হইয়া সে মোকল্নমা সদর দেও য়ানা আদালতের যোগ্য হইলে তথায় সে মোকদ্মার আপীল করি তে হয় কি না হয় যাহা উচিত জানেন্ তাহাই করিতে কালেক্টর দাহেরকৈ হুকুম দিবেন তাহাতে যদি সদর দেওয়ানী আদালতে সে মোকদ্মার আপীল হইয়া তথায় মফঃসল আপীল আদালতের जिको नाम अत् रहेशा हेजातमारतत हेजाता वत्थास कतिवात विषरा হ্রুম হয় তবে দদর দেওয়ানী আদালতের সাহেবেরা সে মোকদ মার আপনারদিগের কৃত ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল মফঃদল আ পীল আদালতের আগত ডিক্রা ও রোয়দাদের নকলসমেত শ্রীযুত शतत्त्रत् (जनत्न वाशामुत कोत्मालत शब्द माथिल कतिरवने। মফংসল আপীল আর এই ধারার মোতালক মফংসল আপীল আদালতে নিফ্পত্তি

कषमा मनत (५९ য়ানী আদালতের যোগ্য তাহার বেও রা কথা।

আদালতে নিষ্পত্তি ছওয়া যে যে মোকল্লমা সদর দেওয়ানী আদালতের যোগ্য তাহার হওরা যে যে মে। সন্দেহভঞ্জনার্থে স্লুষ্ট করা যাইতেছে যে যে বৎসরের বাকী টাকার মোকদ্মা হয় সে বৎসরে সেই ইজারদারের ইজারার ভূমির উৎপন্ন मिक्का ১००० अक हाजात छोकात अधिक ना हरेटल (मे माकन्ममा সদর দেওয়ানী আদালতের যোগ্য হইবেক না অতএব এই ধারার লিখনানুসারে কালেক্টর সাহেব যে দাওয়ার কৈফিয়ৎ জিলার আদালতের জজসাহেবের নিকটে সরকারী উকীলের মারফতে দা থিল করিবেন তাহাতে ইহাও লেথা থাকে যে সেই ইজারার ভূমির দেই বৎসরের উৎপন্ন দিছা ১০০০ এক হাজার টাকার উর্ফ্ব হয় কি না ইহাতে ১৬ যোড়শ ধারার লিথনানুসারে কালেকটর সাহে বদিগের প্রতি হুকুম আছে যে বাকীদারের সমুর্কীয় ভূমির উৎ পন্নের সংখ্যা জিলার আদালতে লিথেন কিন্তু যদি সেই উৎপ ন্নের দা৲থ্যার বিধয়ে কিছু আপত্তি জন্মে তবে তাহার নিষ্পত্তার্থে যে যে প্রকার ঐ ১৬ ষোড়শ ধারায় লেথা গিয়াছে কালেক্টর সা হেব যে কালে এই ধারাক্রমে ইজারদারের ইজারার ভূমির উৎপ ন্নের সংখ্যা জিলার আদালতে লিথিবেন তাহাতে কোন আপত্তি জিম্মলেও সে কালে সেই প্রকারানুসারে সেই ইজারদারের আপত্তি এই ধারাক্রমে মিটান যাইবেক। এই ধারানুসারে যে সময়ে জিলার আদালত যে কোন আদাল কিয়া মকঃদল আপীল আদালত অথবা দদর দেওয়ানী আদালতে

তে ডিক্রী হয় তাহা ইজারদারের ইজারা বর্থান্তের বিষয়ে ডিক্রী হয় দে সময়ে জীযুত ঞীযুত গবর্নর ^{জে} গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরে তাহার বিবরণ সুগো नत्र न ता शामृत रको हत इसे शा उथाकात विरवहना करा याव प्र कि कि प्र अपूरतत विधरा

*ভুকু*ন **ঐ ঐি্যুতের হজুরহ্ইতে নাহ্য তাবৎ সেই ইজারা বর্থাস্ত কোলের বিনাভকুম** হইবেক না। আর ঐ শ্রীযুতের কর্তৃত্ব আছে যে সে ডিক্রী অবগত জারী না হইবার হইয়া 8 চারি হফ্টার মধ্যে দে ডিক্রী জারী করিতে কি তাহার এও ^{কথা।} জে ইজারদারের স্থানে তাহার অপরাধ ও সম্ভাবনাক্রমে যে দণ্ড লওন উচিত জানেন তাহা লইতে হকুম করেন্যদি সেই ইজারদার হুইলে ৪ হয়ার দণ্ডের ছকুম হইলে পর তাহার ইজারা পূর্বমত বহাল রাখিতে না মধ্যে সে ডিক্রী জা চাহে তবে ঐ প্রীয়তের ক্ষমতা আছে যে দেই দণ্ড সরকারে দাথিল রী করাইতে অথবা করাইয়া যাবৎ সে ইজারার মৃদত আথের না হয় তাবৎ সেই ইজার তাহার এওজে দত দারের ইজারা বছাল বৃহিতে ত্কুম দেন্ ও যাবৎ দেই ইজারার লইতে ঐ এীযুত আ মুদ্দত গত না হয় তাবৎ দেই ইজারার মালগুজারীর জওয়াব দেই জাুকরিতে ক্ষমতা ইজারদার ও তাহার মালজামিন দেয়। ঐ প্রাযুত দণ্ড লইবার বিস রাথিবার কথা। য়ে হুকুম দিলে যে আদালত হইতে মোকদ্দমীর ডিক্রী ও রোয়দা দের নকল ঐ প্রায়ুতের হজুরে উপস্থিত হয় সেই আদালতের সাহে বেরা ঐ প্রীযুতের হুকুম পাইলে আপনারদিগের মোতালক আদাল হা যে রূপে যে আ তের ডিক্রী জারী করিবার বিষয়ে যে রূপ শক্তি রাথেন দেই রূপ দালতের মারফতে শক্তি দেই দণ্ড লইবার বিষয়েও রাথিবেন ও দে দণ্ড তথাকার কা লওয়া যাইবেক তা লেক্টর সাহেবের স্থানে পঁহুছাইবেন ইহাতে ঐ শ্রীযুতের হজুরহই হার কথা। তে ঐ নিয়মিত কালের মধ্যে দে ডিক্রী জারী করিতে কিম্বা দণ্ড লইতে তৃকুম না লইলেও দে ডিক্রী সাব্যস্থ থাকিবেক। আর এই পারাক্র মে কালেক্টর সাহেব যে ইজারদারের নামে জিলার আদালতে নালিশ করেন তথাকার এবণ্মফঃদল আপীল আদালতে ও দদর দেওয়ানী আদালতে কালেক্টর সাহেবকে সে মোকদ্মার আপাল করিতে কিম্বা আসামীর দাওয়ার জওয়াব দিতে হইলে তাহার থরচা হইবার ও তাহার সরকারহইতে দেওয়া যাইবেক আর সে মোকদ্দমা যে আদালতে এরচা সরকার হই উপস্থিত হয় তথাকার সরকারী উকীলের মারফতে সে মোকদ্দমার তেদিবার কথা। সওয়াল ও জওয়ার হইবেক কালেক্টর সাহেব সে মোকদ্মার সও য়াল ও জওয়ার কারণ সমস্ত বেওরা সরকারী উকীলকে জ্ঞাত করা ইবেন ইভি।—১৭৯৩ সা। ১৪ আ। ১১ ধা।—বারাণস ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ২৬ ধা।—দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। ২৭ আ। ২৬ ধা।

ইজারা ব্রখা স্কের কারণ ডিক্রী ঐ 🗟 যুবের হজু বুহুইতে দিও লাইবা র ভাকুম হইলে ভা

এই ধারানুসারে কালেক্টর সাহে বের যে দাওয়া হয় তাহার সওয়াল ও জওয়াব সরকারের उकील्व भावकरङ

১১৪। ১**২ ঊনবি° শতি ধারাক্রমে কোন ইজারদা**রের ইজারা বর্থাস্ত হইলে তাহার মালগুজারীর যে টাকা আমীনের মার্ফতে তহ্দীল হয় তাহার মধ্যে আমীনের যে থর্চা মঞ্জুর থাকে তাহা বাদে যে ফাজিল রহে তাহা দেই ইজারদারের হিসাবে মজুরা হই বেক। তাহাতে যে সন সেই ইজারা বর্থাস্ত হয় সে সন সেই ইজা রদারের শিরে সরকারের কিছু বাকী হইলে তাহা সেই ইজারদার ও তাহার মালজামিন দিবেক ইহাতে ৩ তৃতীয় ধারার মতে বাকীদারের নামে বাকীর তলবে যে মতে পরওয়ানা জারী হয় সেই মতে কালে ক্টর সাহেব এ বাকীর তলবে সেই ইজারদার ও তাহার মালজামি লব হইবার কথা। নের নামে এক পরওয়ানা পাচাইবেন তাহাতে যদি দেই পরও য়ানার লিথিত মিয়াদের মধ্যে সে বাকী সরকারে দাথিল না হয় Vol. I.

ইজারা বর্থাস্ত হইলে হিসাব নি ষ্পত্তির মতের ক था।

হিসাব নিষ্পত্তি র পর যে বাকী হয় তাহা ইজারদা র ও তাহার মাল জামিনের স্থানে ত তবে কোন মাদের কিস্তির টাকার তেহাই আন্দাজে তাহার পর মাদের ১৫ পোনরই তারিথতক না দিলে কালেক্টর দাহেব দেই বাকীদারের প্রতি ৪ চতর্থ ও ৫ পঞ্চম ধারাক্রমে যে মত উদ্যোগ করিতেন দেই মন্ত উদ্যোগ এই মালজামিনের সম্পর্কেও করিবেন वत्० यि मिटे हेजात्मात हाजित थारक ও मि ममरस करसम ना तरह তবে তাহার সম্বন্ধেও সেই মত উদ্যোগ করিবেন তাহাতে সেই ইজা র্দারের ইজারা বর্থান্তের সময়পর্যান্ত ভাহার মোভালক কোন তালুকদার কিয়া দরইজারদার অথবা প্রজার স্থানে কিছু মালগুজা রীর টাকা পাওনা থাকিলে সেই ইজারদারের সাগ্য আছে যে তাহা উসুলের কারণ তাহার নামে জিলার আদালতে নালিশ করে ইতি। —১৭১৩ সা। ১৪ আ। ২০ ধা।—বারাণস ১৭৯৫ সা। ৬ আ। २१ था।--- प्रख (गण ३৮०० मा। २१ जा। २१ था।

১:১৫। যে কালে কালেকুটর সাহের ৫ পঞ্চম ধারার লিথনানু ভুমাধিকারী কি ৰা ইজাদারের মা সারে বাকীর কারণ কোন ভূম্যধিকারী কিয়া ইজারদারের মালজা লজামিন পেরাদা মিনকে কয়েদ করাইবার নিমিত্তে পরওয়ানা জারী করেন্ ও সে দিগেরে না মানি মালজামিন দে পরওয়ানা না মানে কিয়া দেই পেয়াদাদিগেরে লে কিয়াধরা প আপনি কিয়া অন্য লোকের মারফতে বেদখল করে অথবা ধরা **डिया (श्रवामामित्र)** পড়িয়া দেই পেয়াদাদিগের নিকটছইতে পলায় কিয়া ধরা না র নিকটহটতে প লাইলে অথবা ধরা পড়িতে পূর্বে অম্লুষ্ট হয় অথবা আপন হরে কিয়া অনোর বাটীতে না পড়িতে অস্পন্ট লুকায় অথবা কোন স্থানে যায় যে তথায় সে পেয়াদাদিগের দ্থল হইলে তাহার সম্প না হইতে পারে সে কালে এই সকল হেতুতে কালেকটর সাহেব সে র্কে কালেক্টর শা বিষয়ের দাওয়ার কৈফিয়ৎ লিথিয়া দেই বাকীর দম্বর্কীয় ভূমি যে ट्टर य উদ্যোগ জিলার এলাকায় থাকে দেই জিলার আদালতের জজদাহেবের স্থানে করিবেন ভাহার সরকারের উকীলের মারফতে দাখিল করিবেন। তাহাতে কালেক

টর সাহেবের সেই দাওয়াযথার্থ জানাইবার জন্যে জজসাহেবের নিক জজসাহেব কালে ক্টর সাহেবের দা টে সেই পেয়াদারা কিয়া অন্য মাতবর দুই জন অথবা অধিক জনে ওয়া প্রকৃত জানিলে দিব্য করিয়া কহিলে তৎকালে তাহারদিগের কথায় ও তাহারা দিব্য ৪ হফ্রার মধ্যে মা করিয়া আদালতের সওয়ালের যে জওয়াব দেয় তাহাতে যদি জজসা লজামিন আদাল হেবের ছদোধ হয় যে কালেক্টর সাহেবের দাওয়া যথার্থ তবে তে হাজির হটবার জজসাহের সেই মালজামিন হাজির হইবার কারণ এই মত এক কারণ ইশতিহারনা ইশ্তিহারনামা যে সেই মালজামিন সেই ইশ্তিহারনামা লিথনের মা জারী করিবার পর দিনহইতে ৪ চারি হস্তার মধ্যে আপুনি আদালতে হাজির হয়

जाती कतिरात । ইহাতে यमि मारे जुमाधिकाती किया रेजातमारतत ইশ্তিহারনামা य य अञा ७ अ कृपि मूरत ताक्रमा किया मूरत छेड़िशारि थात्क उरत इन्जिहातनामा ক্ষরে লেখা ঘাইবে পারদী ও বাঙ্গলা ভাষা ও অক্ষরে ও সুবে বেহারে থাকিলে পারদী ক ও যে যে হানে ভাষায় কি হিন্দী শব্দ ও নাগরী অক্ষরে লেখা যাইবেক ও সে ইশ্ লট্কাইতে হইবেক ভিছারনামা লেথা ছইলে পর যত ত্ত্রাতে হয় দে মালজামিনের ভাহার কথা। চিকানা সে জিলার মধ্যে থাকিলে তথায় ও সেই ভূম্যধিকারী কিন্তা ইজারদারের সদর কাছারীতে ও কালেক্টর সাহেবৈর দফ্তরখানায় ও জিলার দেওয়ানী আদালতের কাছারীতেও লটকান যাইবেক।

ইহাতে সেই মালজামিন ইশতিহারনামার লিখিত মিয়াদের মধ্যে আদালতে হাজির না হইলে কিয়া হাজির হইয়া কালেক্টর সাহে তিহারনামার বের দাওয়ার জওয়াব দিলে এবণ কালেক্টর সাহেব ও সেই জা মিনের পক্ষের সাক্ষির কথা গুনিলে যদি কালেক্টর সাহেবের দাও য়া প্রমাণ হয় তবে সে মোকদমা জিলার আদালতের জজসাহেব এই রূপে ডিক্রী করিবেন যে সেই মালজামিনের স্থানে তাহার অপ রাধ ও শক্তানুদারে দণ্ড সরকারে লওয়া যায় ইছতে যদি দেই মাল জামিন ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ৫ পঞ্চম আইনের ১২ দ্বাদশ ধা রার অবধারিত মিয়াদের মধ্যে দে মোকদমার নালিশ মফঃদল আ দও লইতে ডিক্রী হ পীল আদালতে না করে তবে জিলার জজসাহেব সে মোকদমার जिज्ञी ও রোয়দাদের নকল भीघ श्रीयुक গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরে পাচাইবেন। আর সেই মালজামিন সে মিয়া দের মধ্যে মফঃদল আপীল আদালতে নালিশ করিলে যদি তথায় জিলার আদালতের ডিক্রী মঞ্জর হয় ও দে মোকদ্দমা সদর দেওয়ানী আদালতের যোগ্য না হয় কিয়া সদ্ধ দেওয়ানী আদালতের যোগ্য লতের ডিক্রী মধ্বর হইলেও যদি ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৬ ষষ্ঠ আইনের ১০ দশম হইলে পরে সে মো ধারার নির্দারিত মিয়াদের মধ্যে সে মোকদ্দমার নালিশ সদর দেও शानी आमामराज ना करत जरत अहे मुद्दे भरत भक्षश्मम आशीम आमा লতের দাহেবেরা দে মোকদ্মার আপনারদিগের কৃত ডিক্রী ও রো যুদাদের নকল জিলার আদালতের ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলদমেত এীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হন্তুরে স্বরাতেই দল আপীল আদা পাচাইবেন। আর মফঃদল আপীল আদালতে ডিক্রী হইলে যদি লভের সাহেবের। সে মোকদ্মা সদর দেওয়ানী আদালতে উপস্থিত হইয়া তথায় মকঃ ডিক্রিদিগরের নক সল আপীল আদালতের ডিক্রী মঞ্জুর হয় তবে সদর দেওয়ানী আদ। লতের সাহেবেরাসেমোকদ্মার আপনারদিগের কৃত ডিব্র্লীও রোয় দাদের নকল মফঃদল আপীল আদালতের আগত ডিক্রা ও রোয় দাদের নকলসমেত প্রায়ত গাবর্নর্ জেনরল বাহাদুর কৌন্সের হজু 💣 আদালতের ডি রে দাখিল করিবেন। আর যদি জিলার আদালতে কালেকটর সা হেবের দাওয়া প্রমাণ না হয় তবে তথাকার জজসাহেব ৫ পঞ্চম আদালতে মৠ্র হ ধারার লিথনানুসারে পেয়াদারা দ্থল পাইলে ও মাল্জামিন ক্য়েদ^{্ইলে} সে কালে তথা হইবার বিষয়ে হইলে তাহাকে যে রূপে কয়েদ রাখিতেন এ মোক দ্মাতেও তাহাকে দেই রূপে কয়েদ রাথিবেন কালেক্টর দাহেব অব্যাজে দে মোকদমার ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল লইয়া দে ডি ক্রীর প্রতি আপনার যে আপত্তি থাকে তাহার নিদর্শনী লিথনসহিত বোর্ড রেবিনিউতে পাচাইবেন ঐ বোর্ডের সাহেবেরা যাহা অবগত হইয়া সে মোকদ্মার আপীল করিতে হয় কি না হয় তাহা উচিত জানেন্ তীছাই কালেক্টর দাহেবকে হকুম দিবেন। তাহাতে যদি হার কর্তব্যের ক ঐ বোর্ডের সাহেবেরা সে মোকদমার আপীল করিতে ছকুম করেন্ ও তদনুসারে অবধারিত কালের মধ্যে আপীল করা যায় ও তথায় জিলার আদালতের ডিক্রা নামগুর হয় ও লে মোকদ্দমা সদর দেও यानी जानामाउद याता ना इयं कि श्वामनद मि उद्योग जानामाउद

মালজামিন ইশ থিত মিয়াদের ম ধ্যে আদালতে হা জির না হইলে কি যা হাজির হইলে পর ভাহার উপর माउरा প্রমাণ হই লে ভাহার স্থানে ইবার কথা।

মালজামিন মফঃ সল আপীল আদা লতে মোকদমার নালিশ করিলে ও তথার জিলার আদা कष्ममा मनव मिड য়ানী আদালতে উ পশ্তি না হইলে কিন্তা তথাকার যো গ্য না ছইলে ম্ফঃ ल भे श्रीशृष्टत रहा द्र भाषादैयात क

য়ফঃসল আপী की मन्द्र (मध्याभी কার সাহেবেরা যে উদ্যোগ করিবেন তাহার কথা।

জিলার আদাল তে কালেক্টর সা হেবের দাওয়া প্র মাণ নাহইলে তা

জিলার আদাল তের ডিক্রী মফংসল আপীল আদালতে

মাণ হইয়া তথাকা র ডিক্রী মফঃসল আপীল আদালতে নামপুর হটলেকা লেকটর সাহেরের কর্ভবোর কথা।

লে নিক্পত্তিহওয়া যে যে মোকদমা স দর দেওয়ানী আ দালতের যোগ্য ভা হার বেওরা কথা। এই ধারাক্রমে যে কোন আদালতে ডিক্রীহর তাহা জী রল বাহাদর কৌ त्मात्व र खुरुत् বিনাভকুমে জারী না হইবার কথা।

লের মতের কথা।

নামপুর চউলে যে যোগা হইলেও নির্দ্ধারিত কালের মধ্যে দে মোকদ্দমা তথায় উপস্থিত मकल উদ্যোগ হই ना इस তবে प्रकःमल आशील आमान्या मार्यदा अविनास म বেক ভাহার কথা। মোকদ্মার আপনার্দিগের কৃত ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল জিলার আদালতের ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলসমেত এীযুত গবর্নর জেন জিলার আদাল রল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরে পাচাইবেন। আর যদি জিলার আ তে কালেক্টর সা দালতে কালেকটর সাহেবের দাওয়া প্রমাণ হইয়া তথাকার ডিক্রী

ফেবের দাওয়া প্র মফঃদল আপীল আদালতে নামগুর হয় তবে কালেক্টর দাহেব দত্ত হইয়া জিলার আদালতের ও মফঃদল আপীল আদালতের ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলদমেত মফঃসল আপীল আদালতের ডিক্রীর উপর আপনার যে আপত্তি থাকে তাহার নিদর্শনী লিখন বোর্ড রেবিনিউর সাহের্দিগের নিকটে পাচাইবেন ঐ বোর্ডের সাহেবেরা তাহা অবগত হইয়া সে মোকদ্মা সদ্র দেওয়ানী আদালতের যোগ্য হইলে তথায় সে মোকদ্দমার আপীল করিতে হয় কি না হয় যাহা উচিত জানেন্ তাহাই করিতে কালেকটর সাহেবকে হকুম দিবেন তাহাতে যদি সদর দেওয়ানী আদালতে সে মোকদমার আপীল হইয়া তথায় মফঃসল

আপীলের ডিক্রী না মঞ্র হইয়া সেই জামিনদারের স্থানে দও লই বার হুকুম হয় তবে সদর দেওয়ানী আদালতের সাহেবেরা সে মোক

দ্মার আপনারদিগের কৃত ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল মফঃদল আ পীল আদালতের আগত ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলসমেড এীয়ত মফঃদল আপী গবর্নর জেনরল বাছাদুর কৌন্সেলের হজুরে দাখিল করিবেন। এই ধারার মোতালক মফঃদল আপীল আদালতের নিফ্পত্তিহওয়া যে যে মোকদ্দমা সদ্র দেওয়ানী আদালতের যোগ্য তাছার সন্দেহ তঞ্জ নার্থে স্লুষ্ট করা যাইতেছে যে দেই মালজামিনের উপর যে দণ্ডের

ডিক্রী হয় তাহার সণ্খ্যা সিষ্কা ১০০০ এক হাজার টাকার অপিক না হইলে সে মোকদ্দমা সদর দেওয়ানী আদালতের যোগ্য হউবেক না। এই ধারানুসারে থে কালে জিলার আদালত কিয়া মফঃসল আ পীল আদালত অথবা সদর দেওয়ানী আদালতে মালজামিনের স্থানে युष्ठ शवतूनत राजन मध लाहेवात विषया िक कि इस राम कारल आयुष्ठ शवतूनत् राजनतल বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরে তাহার বিবরণ সুগোচর হইয়া তথাকার বিবেচনাক্রমে দে ডিক্রী মঞ্চুরের বিষয়ে যাবৎ ঐ এীযুতের হজুরের হুকুম না হয় তাবৎ দে ডিক্রী জারী ছইবেক না ইহাতে ঐ এীযুতের

কর্তৃত্ব আছে যে দে ডিক্রী অবগত হইয়া পরে ৪ চারি হস্তার মধ্যে সে ডিক্রী জারী করিতে কিয়া সেই দণ্ড অল্প করিতেই বা হউক যাহা দণ্ডের টাকা উদ্ব উচিত জানেন্ তাহাই করিতে হুকুম দিবেন। আর ঐ এীযুতের হজুরহুইতে দণ্ডের সণ্থ্যার বিষয়ে হুকুম হুইলে পর যে আদালত হইতে মোকদমার ডিক্রা ও রোয়দাদের নকল ঐ জীযুতের হজুরে

> যায় সেই আদালতের সাহেবেরা আপনারদিগের মোতালক আদা লতের ডিক্রী জারী করিবার বিষয়ে যে শক্তি রাথেন দেইরূপ শক্তি সেই দণ্ড উদুলের বিষয়েও রাখিবেন ও সেই দণ্ড তথাকার কালেক্

> টর দাহেবের স্থানে পঁত্ছাইবেন ইহাতে ঐ প্রাযুতের হজুরহইতে ঐ নিয়মিত কালের মধ্যে সে ডিক্রী জারী করিতে কিয়া অল্প দণ্ড

লইতে হকুম না হইলেও সে ডিক্রী বহাল থাকিবেক ওযে আদালত হইতে মোকদ্মার ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল ঐ প্রীযুতের হজুরে যায় সেই আদালতের সাহেবেরা সেই দণ্ড উপরের লিখনানুসারে উদল করিবেন। আর এই ধারাক্রমে কালেক্টর সাহেব যে মাল জামিনের নামে জিলার আদালতে নালিশ করেন তথাকার এব॰ কালেক্টর সাহে মফঃসল আপীল আদালত ও সদর দেওয়ানী আদালতে কালেকটর বের যে দাওয়া হয় দাহেরকে দে মোকদমার আপীল করিতে কিয়া আদামীর দাওয়ার জওয়ার দিতে হইলে তাহার থরচা সরকারহইতে দেওয়া যাইবেক আর সে মোকদ্দমা যে আদালতে উপস্থিত হয় তথাকার সুরকারী হইবার ও তাহার উকীলের মারফতে সে মোকদ্দমার সওয়াল ও জওয়াব হুইবেক খরচা সরকারহুই ইতি।—১৭৯৩ সা। ১৪ আ। ২১ ধা।—বারাণস ১৭৯৫ সা। ৬ তে দিবার কথা। আ। ২৮ ধা।—দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। ২৭ আ। ২৮ ধা।

এই ধারানুসারে তাহার সওয়াল ও জওয়াব সরকারের উকীলের মারফতে

১১৬। যদি কালেক্টর সাহেব ৪ চতুর্থ ও ৫ পঞ্চম পারানুসারে কোন ইজারদারকে কয়েদ করেন ও যে আমীন তাহার ইজারার ন ভূমির ইজারদা মহালের মালগুজারী তহদীলে নিযুক্ত হয় দে আমীন দাল আঝি রের স্থানে কিছু মা রীতক যে টাকা উদুল করে তাহাতে সরকারের বাকী ও সে আমী লওজারী বাকী হই নের মোতালক দকল ওয়াজিবী থরচ আদায় না হয় অথবা যে ইজা লে সে কালে ইজা রদার কয়েদ না থাকে কিয়া কয়েদ থাকে ও সাল তামাম হইলে তা ছার শিরে গত দনের কিছু বাকী ওয়াজিনী তলব রহে তবে এই দুই মতে কালেক্টর সাহেব সেই বাকী টাকা মালজামিনের স্থানে এব॰ **উজারদারের স্থানেও তলব করিবেন তাহাতে কালেক্টর সাহেব যে উদ্যোগ করিবে** म मालजाभित्नत नारम रम वाकीत उलात रय शतु अयाना जाती करतन न उाहात कथा। সে পরওয়ানার লিথিত মিয়াদের মধ্যে সে বাকী না দিলে কোন বা কীদার কোন মাসের কিস্তির টাকার তেহাই হিস্যার আন্দাজে তা হার পর মাদের পোনরই তারিএতক না দিলে দে বাকীদারের প্রতি কালেক্টর সাহেব ৪ চতুর্থ ও ৫ পঞ্চম পারাক্রমে যে সকল উদ্যোগ করিবেন সেই সকল উদ্যোগ এই মালজামিনের সম্লুকে বর্ৎ সেই ইজারদার কয়েদ নাথাকিলে তাছার সমৃদ্ধেও করিবেন ও তাছাতে শ্রীয়ত গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের কর্তৃত্ব হুইবেক যে যে সনের বাকীর কারণ ইজারদার ও তাহার মালজামিন কয়েদ রহে তাহার পর সনহইতে সেই ইজারদারের ইজারা বর্থাস্ত করেন্ কিয়া ইজারার মৃদত আথিরীতক তাহার মালগুজারীর সর্বরাহ সেই ইজারদার ও তাহার মালজামিনের স্থানহইতে তাহারদিগের করারদাদ মাফিক করাইবেন ইহাতে ঐ প্রীযুত দেই ইজারা বর্থাস্ত করিলে সেই ইজারদারের সাধ্য আছে যে তাহার ইজারা বহাল থা কিতে তাহার তাবে সকল প্রজা ও তালুকদার ও ইজারদারের শিরে যে বাকী টাকা তলব থাকে তাহা উদ্লৈর নিমিত্তে তাহার্দিগের নামে জিলার আদালতে নালিশ করে ইতি।—১৭৯৩ সা। ১৪ সা। १० था।

বৎসর গতে কো কিশ্বা না থাকে কা লেকটর সাহেব তা হা উস্লের কারণ

১১৭। যদি কোন ইজারদারের শিরের মালগুজারীর কিছু টাকা

ইজারার ভূমির সনু আথিরীতকৈর সালআথিরীতে বাকী পড়ে তবে সে সন গতে যত শীঘু হইতে পারে वाकी इंजावनारवव ও ভাহার মাল জামি নের সম্পত্তি নীলা ইবার কথা।

পারিবার কথা।

বাকীর দায়ী ই জারদার সরকারী বাকী শোধের পর বাব কথা।

কুম মালজামিনদি বাকীর দায়ে কয়েদ হইলে অথবা তাহার ইভারা কিয়া অধিকার গের নিজাধিকার ভূমি ক্রোক করা গেলে তৎকালে বাকীদারদিগের মালজামিনদিগের ভূমি ক্রোকের অ নিজাধিকারভূমি ক্রোক ও নীলাম হইবার অর্থে যে হ্রুম ঐ ১৪ থে চলিবার কথা। আইনের ২৪ সারায় আছে তাহাই সাব্যস্থাকিবেক কিন্তু ভূমি

मात्र मिरशत ধিকার ভূমি কের প্রতি চলিবার অথে বাজলা হইবা র কথা।

ঐ ভূমি খালাদে জাধিকারভূমির ক্রোক থালাদীর হুকুম আছে ইতি।—১৭৯৯ দ।। র মতের কথা।

দেই ইজারদারের কি তাহার মালজামিনের নিজারিকারভূম্যাদি *যে* শমুত্তি থাকে তাহাই সমেত বস্তু নীলামের দাঁড়াক্রমে নীলামে বিক্রন মের মুথে উদুল হ ইইবেক। এতন্তিন্ন হজুর কৌন্সেলের কর্তৃত্ব আছে যে ইঙ্গরেজী ১৭১৩ দালের ১৪ আইনের ২৩ ধারাক্রমে ইজারার মিয়াদ গত না -উজারা পাট্টাবা হউতে সে বাকীর দায়ী ইজারদারের ইজারার পা**ট্টা সন** আইন্দার বাজেয়াস্ত্র হুইতে শুরুতে অর্থাৎ আগামি বৎসর প্রবর্তে বাজেয়াস্তু করেন কিয়া ইজা রার মিয়াদ গত হইবাপযান্ত দে ইজারদার ও তাহার মালজামিনের মারফর্তে মাফিক একরার সরবরাহ লইবেন। তাহাতে যদি হজুর কৌল্পেলে সে পাট্টা বাজেয়াফ্ত হয় তবে সে ইজারদারের দাপ্য আপন পাওনা বা আছে যে সরকারী বাকী শোধ হইলে পর তাহার ইজারা আমলের কীর কারণ আদা যে বাকী পাওনা মফঃদলী তালুকদার ও কট্কিনাদার ও প্রজাইত্যা মীদিগের নামে না দিদিগের স্থানে থাকে তাহা উদুলের কারণ তাহারদিগের নামে লিশ করিছে পারি উপরের ধারার শেষভাগের লিএনানুসারে নালিশ করিতে পারে। ইহাতে জানিবেন যে এ পারাক্রমে ঐ উপরের ধারার অগ্রভাগে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ হকুম রদ হউল । জানিবেন যে এ আইনমতে বাকীর দায়ী কোন সালের ১৪ আই ২% গণ ২৯৭। জানিবেন বে ও আহনমতে বালার দায়। কোন নের ২৪ ধারার ছ ইজারদার কিয়া মালজামিন দিয়া থাকে এমত কোন ভূমাধিকারী

ক্রোক ও নীলামের দণ্কান্ত হুকুমের ফেরফার যে রূপে এ আইন ঐ জকুম ইজার মতে হইয়াছে সেই রূপ বলবৎ রহিবেক। এব॰ এইফাণে সেই নিজা হকুম এই ধারাক্রমে কয়েদহওয়া বাকীর দায়ী ইজারদারদিগের নি জাধিকারভূমি ক্রোক ও নীলাম হইবার প্রতিও চলিবেক ও দেবা কী শোধ দিলে তৎক্ষণাৎ তাছার নিজাধিকার ভূমি তদনুষারে থা লাস ছইবেক যদনুসারে বাকী শোধ পড়িবার দ্বারী ইকারদারের নি

৭ আ। ২৩ ধা। ৬ প্র।

যে সময়ে কালে রেন্দে সময়ে বা

১১৮। যে সমরে কালেক্টর সাহেব এই আইনের লিথিত হে তু ক্টর সাহের মাল ক্রমে কোন ভূমাধিকারির কিয়া ইজারদারের মালজামিনকে কয়েদ করিতে চাহেন দে সময়ে কালেক্টর সাহেব সত্তর হইয়া সেই মাল কী আনায়ের আন জামিনের যে কিঞ্চিৎ ভূমি বিক্রেয় করিলে সে বাকী আদায় হউতে ও আনে তাহার ভূ পারিবার অনুমান করেন্ তাহা ৬ ষ্ঠ ধারাক্রমে ক্রোক করিয়া তথা মি জোক করিবার কার তহসীলে জনেক আমীন নিযুক্ত করিবেন। ভাহাতে সেই মাল জামিনের কিছু ভূমি সে জিলায় না থাকিলে কালেক্টর সাহেব মাল্জামিনের কি সেই মাল্জামিনের যে ভূমি অনা জিলায় থাকে সেই জিলার কালে ছু ভূমি সে জিলায় ক্টর সাহেবের স্থানে সেই তলবের টাকার ও যে ভূমি কোক হুই ন্৷ থাকিলে কালে বৈক তাহার তায়দাদ নিদশনী আপনার লিথনসুদ্ধা জনেক আমিন

কে পার্য্য করিয়া পাঁচাইনেন তগাকার কালেক্টর সাহের আপনার ভূটর মাতের বাকী জনেক পেয়াদাকে হুকুম করিবেন যে আমীনকে দে ভূমি দেখাইয়া উদুলের জন্যে যে দেয় ও নোর্ড রেনিনিউর সাহেবেরা যাবৎ সে ভূমি নীলামের হুকুম উদ্যোগ করিবেন এীযুত গবর্নর্জেনরল বাছাদুর কৌন্সেলের ইজুরছইতে না পান তার্বি আমীন সে ভূমি ক্রোক রাথে ও সে আমীন সে ভূমির যাহা তহসীল করে তাহাতৈ আমলাসমেত আপন সমস্ত এরচ বাদ দিয়া বাকী সেই ভূমির মালগুজারীতে যে জিলায় সে ভূমি থাকে সেই জি লার কালেক্টর সাহেবের নিকটে পাচাইবেক ও সে মালগুজারী শোধ পড়িয়া কিছু ফাজিল হউলে তাহা যে বাকীর কারণ সে ভূমি ক্রোক হইয়া থাকে দেই বাকীর আদায়ে আনিবেক ইহাতে মালজা গিনের যে ভূমি কোল হয় দে ভূমি যদি এমত অল্প হয় যে তাহার উৎপন্নে আমীনের সকল থরচ পোনায় না তবে যে কালেকটর সা হেব সেই মালজামিনের স্থানে বাকী টাকার তলর রাখেন সেই কা লেক্টর সাছের সেই ভূমি যে জিলায় থাকে সেই জিলার কালেক ট্র সাহেবকে লিখিবেন যে সে ভূমির নিকটে তাঁছার ওরফ যে তছ দীলদার কিয়া তহদীলের এলাকার অন্য যে কেছ থাকে তাচাকে मिङ इभित्र अठमारमत नियर्य छकुम रमन ও जाना जिलात कारलक्षेत्र মাতের প্রথম জিলার কালেক্টর মাহেবের লিখনানুমারে কাগ্য করেন আর যে কেছ উপরের লিখনক্রমে সেই ভূমির এতমামদারী তে প্রবৃত্ত হয় ৬ ষষ্ঠ পারার মতে যে সকল বিষয়ে আমীনের কর্ত্তরা হইত ওযে নিষেপ ও বিপির হুকুম আমীনের সম্প্রকে চলিত সেই দকল বিষয় দেই এতমামদারের কর্ত্তরা হইবেক ও তাহার প্রতিও সেই সকল নিষেপ ও বিপির হুকুম চলিবেক ইছাতে যে জিলার কা লেক্টর সাহেবের এলাকায় সে খুমি থাকে সে জিলার কালেক্টর মাহেসের নামে সেই ক্রোকী মোকদ্ব্যার নালিশ গ্রাহ্য হইবেক না কিন্তু যে কালেক্টর দাহেরের লিখনানুদারে দে ভূমি ক্রোকহয় দে কালেকটর সাহেদের জিলায় সে ভূমি থাকিলে সে ভূমির ক্রোকের গোকদমার জওয়াব যে রূপে তাঁচাকে দেওয়া উচিত হইত দেইরূপে এ বিষয়েও তাঁহার জওয়ার দেওয়া উচিত হইবেক। আর বোর্ড বেধিনিউর সাহেবদিগের কর্তুব্য যে যে সনে যে ভূমির বাকী পড়ে র সাহেবেরা এযুত শেই সনের মধ্যে কিম্বা দেই সনগতে সে ভূমি নীলাম ছইবার বিষয়ে ^{গবর্নর্} যাহা উচিত জানেন তাহার হুকুম এীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরহুইতে লন ইতি।—১৭১৩ সা। ১'৪ আ।২৪ধা। —বারাণস ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৩০ ধা।—দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। জালইবার কথা। २१ जा। ७० ४। । २ । ७ थ ।

বোর্ড রেবিনিউ (कोरन्भ লের হজুরহইডে ভূমি নীলামের আ

১৭ ধারা।

কালেক্টর সাহেবের নামে কয়েদহওয়া বাকীদারেরদের নালিশকরণ।

১১১। मकल ज्ञाभिकाती उ हेजातमात्रमिरशत भक्कार्थ लिया যাইতেছে যে কালেক্টর সাহে্বেরা তাহারদিগের করারদাদ সেও উভারদারেরা করা রদাদহটতে বেশী য়ায় কিছু টাকা অন্যায়ক্রমে বেশী হইলে দে কারণে ভাছারদিগের দিলে ভাহা যেমতে যে ক্ষতি হয় তাহা তাহারা বুকিয়া পাইবার নিমিত্তে ইহা নির্দিষ্ট পাইবেক ডাহার ক করা গেল যে কালেক্টর সাহেবদিগের কেছ ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সা

লের ১৪ চতুর্দশ আইনের ৩ তৃতীয় পারাক্রমে যে কোন ভূম্যাপি কারী কিম্বা ইজারদারদের স্থানে মালগুজারীর বাকী কহিয়া যৈ দা ওয়া করেন্ তাহা সমস্ত কিয়া তাহার মধ্যে কিছু যদি সেই ভূমাধি काती किया रेजातमात श्रीकात ও कर्म ना करत उरव अक नियरनत দারা সেই অস্বীকারের বেওরা লিথিয়া কালেকুটর সাহেবকে সং বাদ দিবেক অথবা যদি কোনমতে তাহার উপর দাওয়া না হইবার নিমিত্তে কালেক্টর দাহেবের দেই দাওয়া সমস্ত দেয় তবে দেই ज्ञाधिकाती किया रेजातमात मिरे जनाय माउया मिवात विषया দেই কালেক্টর সাহেবের নামে দেই জিলার দেওয়ানী আদালতে নালিশ করিতে পারিবেক তাহাতে সেই আদালতের জজসাহের অন্যায়ক্রমে যত টাকা কালেক্টর সাহেবের লওয়া প্রমাণ জানেন তত টাকা দেই ফরিয়াদীর ন্যায্য প্রাপ্তব্য অর্থাৎ হক নির্দিষ্টে ডিক্রী করিবেন দেই ডিক্রীর মতে কালেক্টর সাহেব যে দিনে যত টাকা লইয়া থাকেন সেই দিন ইস্তক ডিক্রীর তারিথ লাগাইৎ তত টাকার মুদ বৎসরে শত ভঙ্কায় বার টাকার হিসাবে ধরিয়া মুদ সমেত সেই টীকা সরকারের থাজানাথানা হইতে সেই ফরিয়াদীকে দেওয়া যাই विक अव॰ काल्कि मार्रिकता मकल अग्राप्रिकाती ও ইজাत्रमात्र কিয়া ইজারদারদিগের জামিনদার্দিগের স্থানে সরকারের তর্ফে টাকা লইলে দে বিষয়ের প্রতি যে দকল হুকুম ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৪ চতুর্দশ আইনে লেখা যায়। এই ধারাক্রমে কেহ কালে ক্টর সাহেবের নামে নালিশ করিলেও তাঁহার উপর সেই সকল হকুম চলিবেক ইতি।—১৭১৪ দা। ও আ। ১২ ধা।—বারাণদ ১৮০০ সা। ৫ আ। ২৩ ধা।

কয়েদীরা আপ नात्र मिरशरत करशम রাখাইবার হেতৃ কা লেকটর সাহেবের হানে জিজাদা ক রিবার কারণ জজ মতের কথা।

১২০। এই আইনের মতে মালগুজারী কিয়া সরকারের অন্য পাওনা টাকার কারণ আদালতের ডিক্রীমতে অথবা বিনাডিক্রীতে যে কেহ কয়েদ হয় তাহার সাগ্য আছে যে জিলার আদালতে জজ দাহেবের নিকটে দে বিষয়ের এমত দর্থাস্ত করে যে তদনুদারে জজ সাহের কালেক্টর সাহেবের স্থানে জিজ্ঞানা করেন যে সে লোককে সাহেবের নিকটে দ কিছে তুক কয়েণ রাথেন তাহাতে যে লোক সেই দ্র্থাস্ত করে সে রুখান্ত করিবার সা যদি সদর দেওয়ানী আদালত কিয়া মফঃসল আপীল আদালত ধ্য রাথিবার ও তা অথবা জিলার দেওয়ানী আদালতের ডিক্রামতে কয়েদ রুছে ও দে হাতে জন্ত্রসাহেবের নিমিত্তে জ্বাপীল করিবার যে মিয়াদ ধার্য্য আছে দেই মিয়াদ গত হইয়া থাক্কৈ তবে জজনাহেবের কর্ত্তব্য যে তাহার মোকদ্দমা প্রকৃত কি অপ্রকৃত তাহার বেওরা বিবেচনা না করিয়া কেবল তাহাই তহ কীক করেন্ যে যে লোক দর্থাস্ত করে সে লোক ডিক্রীর টাকা ও কয়েদ হই🖢 তাহার শিরে যে টাকা তলব হইয়া থাকে তাহা দিয়া

আদালতের বি ছে কি না। ইহাতে যদি দে লোক আদালতের ডিক্রীক্রমে কয়েদ

না হইয়া থাকে বর্ণ এই আইনের মতে বাকীদার দিগেরে কয়েদ কবি না ডিক্রীডে কেছ वात विषय कालक्षेत्र मार्टितत य भक्ति আছে उपनुमात करम करम रहेल जाहा হইয়া আপন শিরের তলবের টাকা অসঙ্গত দাওয়া কহিয়া দিতে আ র প্রতি যে যে ছকু পত্তি করে তাহাতেও জজসাহেবের উচিত যে তাহার মোকদ্দমা পুরুত কিয়া অপ্রকৃত তাহার বেওরা বিবেচনা না করিয়া এমত করেন যে সেই ব্যক্তি ১২ দ্বাদশ ধারার লিখনানুসারে কালেক্টর সাহেবের নামে নালিশ করে আর জানিবেন যে ঐ ১২ দ্বাদশ ধারার লিথিত সমস্ত বিষয় কেবল ভূমাধিকারী ও ইজারদারদিগের অবস্থার প্রতি তৎপর না হইয়া মালজামিন ও নীলামী ভূমির থরীদার্দিণের গতি তেও গুরুতর হইবেক কিন্তু যদি কয়েদী লোক আপন শিরের তল বের টাকা ও সে কয়েদ হইলে পর যাহা তাহার শিরে তলব হয় তাহা যথার্থ মানিয়া কহে যে আমি তাহা বেবাক দিয়াছি তবে জজ সাহেবের উপযুক্ত যে সেই কয়েদী আসামী সে টাকা দিয়াছে কি না তাহা তহকীক করেন্ ও সেই দকল তহকীক নয়া মোকদ্দমার সম্ল ৰ্কীয় না ব্ৰিয়া পূৰ্ব্ব বিচারের অবশেষ জ্ঞান করেন ও জজসাহেব সেই কয়েদীর হিসাবদুষ্টে যে সময়ে নিশ্চয় জানেন যে সেই ব্যক্তি যে টাকার কারণ কয়েদ হইয়াছে তাহা সমস্তই দিয়াছে তবে সে সময়ে যদি দেই কয়েদী জামিন ও একরারনামা এই মজমনে দাখিল করে যে আমি যে টাকা দিয়াছি তাহাছাড়া কালেক্টর সাহেব যে টাকার দাওয়া আমার উপর রাথেন কে টাকা এ মোকদমার আ পীল হইলে যদি সরকারের ন্যায্য প্রাপ্তব্যের উপর ডিক্রী হয় দিব তবে তাকে থালাদী দিবেন আরু যদি কালেক্টর দাহেব জজদাহে বের কৃত নিম্পত্তিতে সমাত হন্ তবে জজসাহেব সেই কয়েদীর স্থানে জামিন ও একরারনামা না লইয়া তাহাকে থালাদী দিতে পারিবেন ও যদি কালেকুটর সাহেব জজসাহেবের কৃত নিষ্পত্তি স্বীকার না করেন ও সেই কয়েদী জামিন ও একরারনামা দাখিল না করে ও কা লেকটর সাহের নির্দ্ধারিত মিয়াদের মধ্যে সে মোকদ্দমার আপীল না করেন্ তাহাতেও জজসাহেবকে চাহি যে সেই কয়েণীর স্থানে জা মিন ও একরারনামা না লইয়া তাহাকে ছাড়িয়া দেন ও যদি জজদা হেব বিচার করিলে পরে প্রকাশ পায় যে দেই কয়েদী তাহার শি রের তলবের যে টাকার কারণ কয়েদ হইয়াছে সে টাকার মধ্যে কিছু কিষ্বা দে টাকা সমস্তই আদায় হয় নাই তবে তাহাতে সেই ব্যক্তি যদি সেই টাকার নিমিত্তে এক বৎসরের অধিক কয়েদ রহিয়া থাকে ও জজদাহেবের কৃত এমত নিষ্পত্তি স্থীকার করে যে আপনি থালাস হইলে পর সে টাকা মাফিক কিস্তিবন্দী এক বৎসরের মধ্যে দিবেক তবে সেই কয়েদী এমত মজমূনে একরারনামা লিথিয়া দিলে জজদাহেব তাহাকে কয়েদহইতে থালাদী দিবেন ইহাতে কালেক্টর সাহের ও কয়েদী আসামীর ক্ষমতা আছে যে এই ধারার লিথিত নি ম্পত্তির উপর ৫ পঞ্চম ও ৬ ষষ্ঠ আইনের সমস্ত মোকদ্মার আপী লের বিষয়ের যে বিবরণ লেখা আছে তাহা জ্ঞাত হইট্রা আপীল করেন্ আর কালেক্টর সাহেবদিগের জন্যে সকল মোকসমার নিষ্পা

ম ও তদবীর হইবে ক তাহার কথা।

ত্তির প্রতি যে যে ত্বরা ৩০ ত্রিণ্শৎ ধারায় লেখা আছে দেই২ ত্বা এই ধারার লিথনানুসারে যে সকল মোকদ্মা নিষ্পত্তি হইবেক তা হার প্রতি চলন হইবেক ইতি।—১৭১৩ সা। ১৪ আ। ২১ ধা।— বারাণস ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৩৫ ধা।—দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। ২৭ আ ৷ ৩২ ধা৷

কালেকটর সাহে মালওজারীর টাকা তলব কবিলে কিয়া লইলে তাহা আদা লতে অযথাৰ্থ ঠাছ বিলে ভাহাতে কা তাহার কথা।

১২১। যে সময় কোন জিলার দেওয়ানী আদা**লভে** মালগুজারীর व कारावर चार्त साकममा अरे मरु निष्मान रंग कारनकृष्ठेव गार्व स्य मानश्च জারীর বাকী টাকা এই আইনের মতানুসারে কোন ভূম্যধিকারী কিয়া ইজারদারের স্থানে তলব রাথেন্ অথবা উদুল করিয়া থাকেন্ তাহার মধ্যে কিছু কিয়া তাহা সমস্তই প্রকৃত পাওনা নহে তবে সে সময়ে কালেক্টর নাহেবের কর্ত্তব্য যে সরকারের উকীলের মারফতে লেক্টর সাহেত্রের সে মোকদমার ডিজ্রী ও রোয়দাদের নকল জজসাহেত্রের দ্বানে যে উদ্যোগ কর্ম্বর চাহেন ও জজদাহেবের কর্ত্তব্য যে অব্যাজে দেই মোকদ্মার ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল কালেক্টর সাহেরকে দেন ও কালেক্টর সা হেব সেই ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলসমেত সেই ডিক্রীর উপার আ পনি যে আপত্তি রাথেন সেই আপত্তির নিদর্শনী লিখন বোর্ড বে বিনিউর সাহেবদিগের নিকটে পাচাইবেন ঐ বোর্ডের সাহেবের। তাহা দেথিয়া যদি বুকেন্ যে সে মোকদ্মার ডিক্রী অন্যায় হইয়াছে তবে কালেক্টর সাহেবকে মফঃসল আপীল আদালতে সে মোকদ মার আপীল করিতে অনুমতি করিবেন তাহাতে যদি মফঃদল আ পীল আদালতে সে ডিক্রী মগুর হয় তবে কালেকটর সাহেব মফঃ দল আপীল আদালতের ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল তথাকার সাহে বদিগের স্থানে চাহিবেন ও সেই আপীলের সাহেবেরা সে মোকদ মার ডিক্রী ও রোয়দাদের নকল কালেক্টর সাহেবকে দিবেন কালে ক্টর সাহেব সেই ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলসমেত সে মফঃসল আ পীল আদালতের ডিক্রীর উপর আপনার যে আপত্তি থাকে দেই আপত্তির নিদর্শনী লিখন ঐ বোর্ডের দাহেবদিগের নিকটে চালান করিবেন ঐ বোর্ডের সাহেবেরা তাহা অবিগত হইয়া যদি জানেন যে **मिट प्रकःमन आशीन आमानरिंद जिल्ली जनाय ह**ेंगाहि जरत स মোকদ্দমা সদর দেওয়ানী আদালভের যোগ্য হইলে কালেক্টর সা হেবকে তথায় তাহার আপীল করিবার কারণ ছকুম করিবেন ও যদি 🗳 বোর্ডের দাহেবেরা মফঃদল আপাল আদালতের ডিক্রী যথার্থ জানেন তবে দদর দেওয়ানী আদালতে দে মোকদ্মার আ य काल दार्ज शील कतिएं कालकुष्टेंद्र मार्टिवरक निरम्ध कतिएवन। आंद्र जानि রেবিনিউর সাচে বেন যে ঐ বোর্ডের সাহেবেরা মোকদ্দমার আপীল মফঃসল আপীল বেরা মোকদমার আদালতে করণের বিষয়ে কালেক্টর সাহেবকে অনুমতি করিলে আপীল মফাসল ভাছাতে কালেক্টর সাহেবের উপর যে থরচা কিয়া দণ্ড দিতে

আপীল আদালতে ভাহাতে কালেক্টর সাহৈবের উপর যে থরচা কিয়া দণ্ড দিতে করিতে কালেক্টর জিলার আদালতে ডিক্রী হইয়া থাকে তাহা সরকারহইতে দেও मारहराक अनुष्ठ या याहरतक आंत्र ठमनूमारत यमि थे वार्छत मारहरवता जिलात করেন দে সময়ে আদালতের ডিক্রী যথার্থ জানিয়া আপীল করিতে অনুমতি না

করেন তাহাতে কালেক্টর সাহেবের উপর যে থরচা ও দণ্ড দিতে জিলার আদালতে জিলার আদালতের ডিক্রী হইয়া থাকে তাহার নিশা কালেক্টর যে খরচা ও দও দি সাহেব নিজহইতে করিবেন কিন্তু ঐ বোর্ডের সাহেবেরা জিলার আ^{্তে} কালেক্টর সা দালতের ডিক্রী যথার্থ জানিলেও কালেক্টর সাহেবের সাধ্য আছে তেবের প্রতি ডিক্রী যে সে মোকদ্মার আপীল করেন তাহাতে যদি মফঃদল আপীল হইতে দেওয়া ঘাই আদালতে ক্রালেক্টর সাহেবের দাওয়া প্রমাণ না হয় তবে সে কা বার কথা। বণে কালেক্টর সাহেবের উপর যে থরচা ও দণ্ড দিতে মফঃসল আপীল আদালতে ডিক্রী হয় তাহা কালেকুটর সাহেব নিজহইতে দিবেন ইহাতে ঐ বোর্ডের সাহেবদিগের হুকুমমাফিক কালেক্টর সাহেরকে মফঃসল আপীল আদালত কিয়া সদর দেওয়ানী আদা লতে যে সকল মোকদ্মার সওয়াল ও জওয়াব করিতে হয় সে সকল মোকদ্দমার সওয়াল ও জওয়াব কালেক্টর সাহেবের তর্ফহইতে দরকারী উক্তীলে করিবেক ও তাহার থরচা দরকারহইতে দেওয়া যাইবেক ইতি। - ১৭৯৩ সা। ১৪ আ। ৩০ধা। --বারাণস ১৭৯৫ না। ৬ আ। ৩৬ ধা—দত্ত দেশ ১৮০৩ না ২৭ আ। ৩৩ ধা।

১২২। ১ নবম কিয়া ১০ দশম অথবা ১২ দ্বাদশ কিয়া ১৪ চ তর্দ্দশ অথবা ২২ দ্বাবিৎশতি কিয়া ঊনত্রিৎশৎ ধারার লিথিত সকল বের নামে যে সকল বিষয়ানুসারে জিলার আদালতে কালেক্টর সাহেবের নামে নালিশ মোকদমার নালিশ হইয়া তথায় ফরিয়াদীর দাওয়া অপ্রমাণ হইয়া ডিক্রী হইলে ও ফরি য়াদী সে নিষ্পত্তিতে সন্মত না হইয়া মফঃসল আপীল আদালতে না লিশ করিলে কালেক্টর দাহেব মফঃদল আপীল আদালতে জনেক উকীলকে আপন তর্ফহইতে দে মোকদ্মার সওয়াল ও জওয়াব কারণ প্রবৃত্ত করিবেন তাহাতে যদি জিলার আদালতের ডিক্রী মফঃ বিবেন তাঁহার ক সল আপাল **আ**দালতে মঞ্জর হয় ও ফরিয়াদী তাহাতেও সম্মত না থা। হইয়া সদর দেওয়ানী আদালতে নালিশ করে ও সে মোকল্মা সূদর দেওয়ানী আদালতে শুনা যায় তবে কালেক্টর সাহেব আপন তর্ফ হইতে সে মোকদমার সঙ্খাল ও জওয়াব কারণ সদর দেওয়ানী আ দালতে এক জন উকালকে প্রবৃত্ত করিবেন। আর যদি জিলার আ দালতের ডিক্রী মফঃদল আপীল আদালতে নামগুর হয় তবে কালে ক্টর সাহের মফঃসল আপীল আদালতের সাহেরদিগের স্থানে জি লার আদালত ও মফঃদল আপীল আদালতের ডিক্রী ও রো**য়দাদের** নকল চাহিবেন মফঃসল আপীল আদালতের সাহেবেরা শীঘু সেই দকল নকল কালেক্টর সাহেবকে দিবেন কালেক্টর সাহেব তাহা সমেত মফঃদল আপীল আদালতের ডিক্রীর উপর যে আপত্তি রা থেন তাহার নিদুশনী লিখন ঐ বোর্ডের সাহেবদিগের নিকটে পাচা ইবেন। তাহাতে যদি ঐ∙বোর্ডের দাহেবেরা মফঃদল আপীল ভ1 দালতের ডিক্রী অন্যায় ব্যেন্ তবে কালেক্টর সাহেবকে সদর দেও यांनी जामाना जाशीन करिएं जनूमिक मिरवन। जात यमि ले বোর্ডের সাহেবেরা সে মোকদ্দমার আপীল সদর দেওয়ানী আদাল তে করণ অনুচিত জানেন্ তাছাতেও কালেক্টর মাছেবের সাগ্য

কালেকটর সাহে হয় ভাহার মধোর যে সেমোকদমার উত্তরপ্রভারর স্থ कारत्व उकीलरक করিতে অনুমতি ক

জিলার আদাল তের ডিক্রীমফঃসঙ্গ আপাল আদালতে সাব্যস্থ না হইলে কালেকটর সাহে व्यव य उत्मान क ৰ্ব্য ভাহার কথা। বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা মফাসল ভাপীল আদালতে র ডিক্রী গ্রাহ্যনা कतिरल भन्त मिछ য়ানী আদালতে না লিশ করিতে কালে থা ৷

বোর্ড রেনিনিউর সাহেরদিগের বিনা অনুমহিতেও সদর দেওয়ানী আদাল র ও ডাখার খরচা তাঁহার নিজহইতে मिटंड इडेतात कथा।

বোর্ড রেনিনিউ র সাহেবদিগের অ নুমতিতে কালেকট র সাতেব যে মোক দ্মাউপস্থিত করে ন্ডাহার সওয়াল ও জওয়াব সরকা রী উকীলে করিবা র ও তাহার খরচা সরকারহইতে দিবা ৰ কথা।

জিলার আদাল ल ও জওয়াব কা রণ ঐ সাতেবেরা সেই সকল জিলার আদালতের উকীল দিগেরে নিযুক্ত ক রিবার ও বেটর্ড রে গের বিনাঅনুমতি তে আপীল করি দে আপীল আদা लएउत् उकीलिफर्श রে তাহার সওয়া**ল** ও জওয়াব কা**রণ প্র** বৃ**ত্ত** করিবার **কথা।**

কটর সাফেবকে অ আছে যে সে মোকদ্মার নালিশ সদর দেওয়ানী আদালতে করেন নুমতি করিবার ক কিন্তু তাহাতে যদি কালেক্টর সাহেবের দাওয়া সদ্র দেওয়ানী আ দালতে প্রমাণ না হয় তবে যে থবুচা ও দণ্ড দিতে সদ্ধ দেওয়ানী আদালতে কালেক্টর মাহেবের উপর ডিক্রী হয় তাহা কালেক্টর সাহেব নিজহইতে দিবেন। আর যে কালে কালেক্টর সাহেব ঐ বোর্ডের দাহেবদিগের অনুমতিক্রমে এই ধারার লিখিত বিষয়ানুদা তে নালিশ করিতে রে মফঃদল আপীল আদালত কিয়া দদর দেওয়ানী আদালতে না কালেকট্র সাহে লিশ করেন অথবা রিষ্পণ্ডেণ্ট অর্থাৎ আপীলের আসামী হন্ তবে বের শক্তি থাকিব। তাহার সওয়াল ও জওয়াব সরকারের তরফ উকীলে করিবেক ও তাহার থবচা দরকার্ছইতে দেওয়া যাইবেক ও দে মোকদার যে সওয়াল ও জওয়াবকরণ আবশাক হয় তাহা করিতে কালেক্টর সা হেব দরকারী উকীলকে সমাচার ও অনুমতি করিবেন ইতি।— ১৭১৩ সা। ১৪ আ। ৩১ পা।—বারাণ্ম ১৭১৫ সা। ৬ আ। ৩৭ পা।—দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। ২৭ আ। ৩৪ পা।

১২৩। এই আইনের লিখিত বিষয়ানুসারে কোন ভুগ্যাপিকারী তসকলে কালেকট কিয়া ইজারদার অর্থবা তাহার মালজামিন কিয়া নীলামী ভূমির র সাহেবদিগের থরীদারের স্থানে কালেক্টর সাহেব সরকারের প্রস্তে যে টাকা তলব নামে যে নালিশ করিয়া অথবা লইয়া থাকেন দে মোকদ্দমায় কিয়া সরকারের পুকুত হয় তাহার সওয়া পাওনাছাড়া আপন লাভের জন্যে যে টাকা ঐ সকল ভূচ্যাপিকারিপ্র ভৃতির স্থানে তলব করিয়া অথবা লইয়া থাকেন সে মোকদ্মায় কিয়া এই আইনের হুকুমের অন্যথায় কোন কার্য্য করিলে দে মোকদ্মায় কালেক্টর সাহেবের নামে জিলার আদালতে কোন নালিশ হইলে কিয়। কালেক্টর সাহেব বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের বিনাতানুস তিতে আপীলে নালিশ করিয়া থাকিলে যে আদালতে মোকদ্দমা উপ বিনিউর সাহেবদি স্থিত হয় কালেক্টর সাহেব সেই আদালতের এক জন উকীলকে **সেই মোকদ্মার্ন স**ওয়াল ও জওয়াব করিতে হুকুম দিবেন ইতি।— ১৭১৩ দা। ১৪ আ। ৩২ ধা।—বারাণদ ১৭১৫ দা। ৬ আ। ৩৮ ধা।—দত্ত দেশ ১৮০৩ দা। ২৭ আ। ৩৫ ধা।

এই আইনের ম ১২৪। কালেক্টর সাহেব আপন লাভের জন্যে কোন ভূম্যধিকারী তে কালেক্টর সা কিন্তা ইজারদার অথবা মালজামিন কিন্তা নীলামী ভূমির থরীদারের हिट्टबंद नाटम त्य म्हारन त्य छोका उलव कतिया किम्वा लहेया थारकन्ति स्माकलमाय

অথবা দরকারের যাবদীয় দাওয়াছাড়া যে দকল মোকল্লমা এই পাবার সকল মোকল্যাব লিথিত সমস্ত মোকলমার বাহির জ্ঞান হইয়া এই আইনের লিথিত নালিশ হয় ভাষার বিষয়ানুসারে নিতান্ত তাহার বিচার করিবার নির্ণয় আছে ও বিচার ^{মধ্যে} যে মেক হউবেক তাহাতে এই আউনের অন্যায় আবৃত হন্ ও সে সকল মোকদ্মায় কালেক্টর সাহেবের নামে যে কালে জিলার আদালতে নালিশ উপস্থিত হয় দে কালে কালেক্টর সাহেব সে মোকদমার ভাহার সওয়াল ও ভিক্রী ও রোয়দাদের নকল বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের নিকটে জওয়ার যেমতে ক পাচাইবেন না এমত দকল মোকদ্দমা কালেক্টর দাছেব ও ফরিয়া রিবেন ভাহার ক দীর নিজের জ্ঞান করা যাইবেক ও সরকারের ঢাকরভাড। অন্যং থা। লোকের যে দকল মোকদ্মার জওয়ার তাহারা আদালতে রুজ হই য়া দিবার বিষয়ে যেরপে তুকুম আছে মেই রূপে কালেক্টর মাতে বেরা এ সকল মোকজমার জওয়াব দিয়া যে গ্রচা ও দও দিতে ভাঁচা র্দিগের শিরে ডিফ্রী হয় তাহা নিজহইতে দিবেন ইতি। —১৭৯৩ দা। ১৪ আ। ৩৩ পা।— বারাণদ ১৭৯৫ দা। ৬ আ। ৩৯ পা।— দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। ২৭ আ। ৩৬ পা।

क्या थे मारहरस्त নিজের

১২৫। ৩৩ ত্রয়স্ত্রিপশৎ পারার লিখনানুমারে যে মকল মোকদ মা কালেক্টর সাজেবদিগের নিজের সমুর্ক রাখে আদালতের ডিক্রী থিত সকল মোকদ মতে সে সকল মোকদ্মায় যে লাভ হইবেক তাহাতে তাঁহার্দিরের স্বত্ন তাহাছাড়া কালেক্টর সাহেবেরা আপনার্দিগের এলাকার বিষয়ক্রমে যে যে নালিশ আদালতসকলে করেন কিয়া তদনুসারে তাঁহারদিগের নামে যে যে নালিশ হয় সেই২ মোকলমায় কোন প্র কারে তাঁহারদিগের লাভ দশিবেক না। আর দেইরূপে যদি আদা লতে প্রমাণ হয় যে কালেক্ট্র দাছেবেরা দরকারের পাওনা টাকা উमुल्लन विषए अङे आहेरनन जनाथ। करनन नाहे उरन का नाहर । কালেক্টর সাহেবেরাও কিছু নোকসানের দায় ঠেকিবেন না। কিন্তু উপরের লিখিত বিষয়দুয়ে কালেক্টর সাহেবেরা ৩৩ ত্রর্খ্রিৎশৎ পারার লিথনানুসারছাড়া অপর সকল মোকদ্দমায় যে থারচা ও দও কোন আদালতের ডিক্রীক্রমে পান তাহা আপনার্দিগের মাস কারারী হিসাবে সরকারের জমা থরচের সিরিস্তায় লেগাইবেন। আর এই আইনের মতে সরকারের উকীলের মার্ফতে সওয়াল ও কিবার কথা। জওয়াব হুইয়া যে দকল মোকদ্মার নিফ্পত্তি হয় ও তাহার থরচা এই আইনের *ছকুমদকলের মতে দরকারহইতে দিতে* হয় ও যে বেরা আদালতের দকল মোকদ্মার ও দণ্ডের নিশা প্রথম কালেক্টর দাহেবের কর। উচিত হইয়া পশ্চাৎ সরকারহইতে তাহা দেওয়া কর্ত্রা হ্য় কালে ক্টর সাহেব সে সকল মোকল্মায় যে থরচ করেন সেসকল থরচ মাদকাবারী হিদাবে অনা২ এরচের নীচে কিয়া অনা ফর্চ্দে অথবা আলাহিদা সিরিস্তায় লেখাইতে বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা যেমত হকুম দেন তদনুসারে কাষ্য করিবেন কিন্তু ঐ সকল থরচ লিখিবার লকরিবার কথা। বিধয়ে যাবৎ ঐ বোর্ডের সাহেবদিগের হুকুম না পান তাবৎ কোন थकारत रम मकल श्रवर प्रामकावाती हिमारव नाशिल कताहरवन ना कीजरप रय श्रवरा

৩৩ ধারার লি মাছাড়া এই আই নের মতের অন্য যে যে মোকজমা আদালতসকলে উ পশ্তি হয় তাহাতে কালেকটর সাতেব দিগের লাভ ম। হ ইবার কথা।

কালেকটর সা

তেৰ এই আইনেধ অন্যথানা করিলে আদালতে উপস্থিত যোকদমায় নোক্ সানের দায় না ১১ কালেকটর সাহে ডিক্রীক্রমে দেখর চা ওদওপান ভাচা নিয়ারিত বিষয়ছা ড়া বিষয়ান্তরে সর কারের জ্মা থর চে র শিরিস্থায় দাঝি আদালতের ডি

ও দ্রু সরকারত উও থাবৎ ঐ বোর্ডের সাহেবদিগের অনুমতি না হয় তাবৎ সে সকল তেদেন ডাহা বোর্ড থরচের জওয়াব দিবার ভার কালেক্টর সাহেবদিগের শিরে রহি রেবিনিউর সাহেব বেক ইন্ডি।—১৭৯৩ সা। ১৪ আ। ৩৪ ধা।—বারাণস ১৭৯৫ দিগের ভকুম হট সা। ৬ আ। ৪০ ধা।—দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। ২৭ আ। ৩৭ ধা। লে পর সরকারের থবচেব সিরিস্থায় দাখিল করিবার

১২৬। এই আইনের মোতালক যে যে মোকদ্দমায় কিছু থরচা যে কালে আদা লতের ডিক্রীক্রমে কিয়া দণ্ড আদালতের ডিক্রীক্রমে কোন কালেক্টর সাহেবের স্থান খরচা কিন্তা দও কা ছউতে দেওয়ান যায় ও কালেক্টর দাছেব দে দণ্বাদ বোর্ড রেবি লেক্টর সাহেতবের নিউতে দিলে পর যদি ঐ বোর্ডের সাহেবদিগের নিশ্চয় বোধ হয় স্থানহউতে দেওয়া ন মার সে কালে যে দেই খুরচাদিগর কালেক্টর সাহেবের দেওয়া যথার্থ নহে তবে রোর্ড রেবিনিউর ঐ বোর্ডের সাহেবেরা সে বিষয়ের সমাচার এীযুত গবরুনর জেনরল সাহেবেরা ভাষাকা বাহাদ্র কৌন্সেলের হলুরে করিবেন তদ্দষ্টে ঐ এীয়ত তাহা কালে লেক্টর সাহেবের কুটর সাহেবের দেওয়া যথার্থ হয় কি না হয় যাহা উচিত জানেন তা দিবার ভার উচিত হাই হুকুম করিবেন ইতি।—১৭৯৩ সা। ১৪ আ। ৩৫ ধা।—বারা না জানিলে সে স্থান ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৪১ ধা।—দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। ২৭ আ। ताम श्री युएश्त को ा १४ ५८ ন্দেরে ১ জরে এ তেলা করিবার ক

আদালতের ডি দও কালেক্টর সা কেলনিগের দেনা হ ইলে ভাহাতে যে रन विघटत थे मारह

থা ৷

কথা।

ক্রীক্রমে খর্চা ও জওয়ানকরণ কালেক্টর সাহেবের কর্ত্তর্য হয় তাছাতে কোন প্রকা রে কালেক্টর মাহেবের স্থানে হা েরজামিন লওয়া যাইবেক না আর এই আইনের যে যে হকুসমতে যে যে মোকল্লমার সওয়াল ও জওগার সরকারের উকালের মারফতে হয় ও তাহার থবচাদেওয়া বদিলের স্থানে মা সরকারের সহিত এলাকা রাথে সে থরচা দিবার ও ডি.জীর টাকার লজামিন লওয়া যা নিশার কারণ কোন কালেক্টর সাহেবের স্থানে মালজামিন তলব উবেক ডাহার কথা। ভইবেক না কিন্তু যে যে সোকল্নায় কালেক্ট্র সাহের সরকারের পক্ষে যে টাকা তলৰ করিয়া অথবা লইয়া থাকেন তাহার এরচা ও पछित निना कनाहि॰ काल्लक् हेत माह्यतक निर्क कर्न छैहिछ। হইলে তাহাতে অনাথ লোকের স্থানে তাহারদিণের যাবদীয় গো কদ্মার থরচা ও দণ্ডের নিশার জন্যে যেরূপে মালজামিন লওয়া উচিত হয় সেই রূপে কালেক্টর সাহেবের ফানেও মালজামিন লওয়া যাইবেক কিন্তু আদালতে উপস্থিতহওয়া যে মোকল্লগার থরচা সরকারহইতে দিবার এলাকা রাথে সে মোকদ্মার ডি ক্রীর টাকা দিবার বিষয় হউলে তদর্থে কালেক্টর সাহেবের স্থানে ্মালজাসিন লওয়া যাইবেক না যে সময়ে ৩৩ পারার লিখিত যে যে মোকদ্দনায় কালেক্টর সাহেবের নামে নালিশ হয় সে সময়ে সেই রূপ সকল মোকদ্দমায় আদালতের ডিক্রীর টাকা দিবার ও সকল থরচার নিশা করিবার কারণ যেমতে অন্যং লোকের স্থানে মালজা

১২৭। এই শাইনের মোতালক যে যে মোকদ্যার সওয়াল ও

মিন লওয়া যায় কালেক্টর সাহেবের স্থানেও সেইগতে মালজামিন লওয়া যাইবেক তাহাতে কালেক্টর সাহেবের শিরে ৩৩ পারার লিথনানুসারে যে যে মোকদমার টাকা দিবার বিষয়ে ডিক্রী হয় কিম্বা এই আইনের যে যে ত্কুমের মতে যে থরচা কিম্বা দণ্ডের নিশা কালেকটর সাহেবের করণ উচিত হয় ও সে সকল এরচা যদি সময শিরে না দেন্ তবে জজসাহেব সে টাকা কালেক্টর সাহেবের মাল জামিনের স্থানে দম্বরমাফিক উদুল করিবেন তাহাতে যদি জজদা হেব সে টাকা সেই মালজামিনের স্থানে উমুল করিতে না পারেন তবে জজদাহেব দে বিষয়ের বেওরা এীযুত গ্রব্নর জেনরল বাহা দুর কৌন্সেলের হন্ধরে এত্তেলা করিবেন ঐ এীযুত তাহা সরকারের থাজানাহইতে দেওয়াইয়া তাহার নিশা কালেক্টর সাহেরের মাহি য়ানা হইতে দেওয়াইবেন। আর যে সকল বিসয়ে কালেক্টর সা হেব কোন আদালতের ডিক্রী না মানেন সে আদালতের জড়গাংখ্য ব আদালভের ডি সেই মোকদ্দমার মাফিক কালেক্টর সাহেবের প্রতি তাহার দও দিতে হুকুম করিবেন তাহাতে যদি কালেক্টর দাহের দেই দণ্ডের টাকা না দেন্ তবে জজসাহেৰ তাহার ৰেওরা খ্রীয়ুত গৰবুনৰ জেন রন বাহাদুর কৌন্সেলের হন্তুরে এত্তেলা করিনেন ঐ খ্রীয়ত মেই দও মঞ্র করিলে তাহার নিশা কালেক্টর দাহেবের ম।হিয়ানাহ ইতে দেওয়াইবেন ইতি।—১৭৯৩ সা। ১৪ আ। ৩৬ ধা।—বারা १म ১৭৯৫ मा। ৬ আ। ৪২ পা।—দত্ত দেশ ১৮০৩ দা। ২৭ আ। **७२ था।**

কালেকটব সাডে ক্ৰীনা মানিলে ঠা হার প্রতি যে উ माभ कतिएउ हड़े বেক সাহার কথা।

১২৮। বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের কর্ত্তব্য যে কালেক্টর সা হেবেরা কোন আদালতের ডিক্রীমতে থ্রচা ও দণ্ডের যে টাকা পান বেরা এই ধারার তাহা তাঁহারদিণের মাদকাবারী হিদাবে যেমতে জমা করিতে হয় তাগার হুকুম করেন ও যে মোক্দমার থ্রচার নিশা সর্কার্থইতে করিতে হয় ও যে মোকদমার থরচা প্রথম কালেক্টর সাহেবের শিরে দেন। হইয়া পশ্চাৎ সরকারহইতে দিতে হয় সেই সকল বি ষয়ে যে টাকা থবচা ও দণ্ড কালেক্টর সাহেবেরা দেন সে সফল শ্রচ তাঁহার্দিগের মাসকাবারী হিসাবে অন্যথ থ্রচের নীচে কিয়া মতান্তরে লিথিতে কালেক্টর সাহেবদিগেরে অনুমতি করিবেন উপরের লিথিত সকল টাকার জন্মা ও থর্চ ও আদালতের ডিক্রী মতে যে দকল টাকা দরকারহুইতে দিতে হয় এব॰১ আদালতের ডি জীমতে যে সকল টাকায় সরকারের ম্বন্ধ না হয় তাহার নিদর্শন কা গজপত্র যাহা আবশ্যক চাহিতে হয় তাহা কালেক্টর সাহেবদিগের ষ্টানে তলৰ করিবেন ইতি।--১৭৯৩ সা। ১৪ আ। ৩৭ ধা।--সা রাণ্য ১৭১৫ সা।৬ আ। ৪৩ ধা।—রত্ত দেশ। ১৮০৩ সা। ২৭ আ। ৪০ ধা।

কালেকটৰ সাহে লিখিত যে যে মো কৰমায় আদালতে র ডিক্রীমতে যে থ রচাও দও পান্ কি শ্বা দেন তাহা যের পে আপনার্দিগে র মাসকাবারী হি মাবে লিখিবেন তা হা লিখতে বার্ড রেবিনিউর সাহেনে রা তকুম করিবার ও দে সকল টাকা র ও অন্যং টাকার জমা খরচের নিদ শ্নী কাগজপত্র যা হা আবশ্যক চাহি ভাহাও কালেকট্র সাহেবদিগের স্থা নে তলব করিবার 4911

এই আইনের ম হইতে কালেক্ট্র সাহেবের নামে যে সকল হুকুম হয় **-**তাহা সেই কালেক ট্র সাহেবের স্থা তের কথা।

১২৯। এই আইনের লিথনানুসারে কোন আদালতে মোকদ্দ্যা তে কোন আদালত উপস্থিত হইলে তাহাতে আদালতের যে হুকুম কালেক্টর সাহেবের নামে যে সময়ে হয় সে সময়ে সেই আদালতের রেজিফ্টর্সাহের দেই হুকুমলিখন পত্রের ন্যায় খাম করিয়া তাহার খামের উপর আপন পদের প্রানি দিয়া আপন নাম লিথিয়া সেই কালেক্টর সা হেবের নিকটে পাঠাইবেন কালেক্টর দাহেব দেই হুকুম পঁত্ছি নে পঁডছাইবার ম বার তারিথে দেই হুকুমের রদীদ মতে এক লিখন দেই রেজিইটর সাহেনকে লিখিবেন ইতি।—১৭১৩ সা। ১৪ আ। ৩৮ ধা।—বা রাণ ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৪৪ ধা।—দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। ২৭ আ। ৪১ ধা।

আদালতের যে ক্টর সাহেবদিগে র তরফে মোকদ মার সওয়াল ও জ

কালেকটর সা

১৩০। কালেক্টর সাহেবেরা আপন্থ কার্য্যে বহাল থাকিতে সকল উকীল কালে কিয়া কাগ্য ত্যাগ করিলে ৩৩ পারার লিথিত সমস্ত মোকদ্মাসুদ্ধা এই আইনের লিখনানুসারে যে কোন মোকদ্দমার সওয়াল ও জও য়াব যে কালে তাঁহার দিগের করিতে হয় সে কালে যাবৎ সে মোক ওয়াবে প্রবৃত্ত থা দ্দমা উপস্থিত থাকে তাবৎ সেই কালেক্টর সাহেবদিগের পক্ষে স্ত কে ভাহারদিগের য়াল ও জওয়াব করিতে সদর দেওয়ানী আদালতের ও মফঃসল আ কাগজপত্র এবং ঐ পীল আদালতের যে সকল উকীল প্রবৃত্ত থাকে তাহারদিগের সহিত দাতেবদিগের ভুকু দেই কালেক্টর দাহেবদিগের উভয়তঃ পতাদি অনায়াদে চলিতে মলিখন ডাকের র পারিবার কারণ কালেক্টর সাহেবদিগের শক্তি আছে যে সে দকল সুম না দিয়া চালা উকীলকে যে সময়ে যে হুকুম লিখিতে উচিত জানেন দে সময়ে তাহ। লিথিয়া রমুম না দিয়া সে লিখন ডাকে পাচান্। এব॰ সেই লিখ হেব আদালতের নের গামের উপর উকালের নাম লিথিয়া আপন মোহর করিয়া তা উকীলের নামের হার উপর অন্য কাগজ মড়িয়া তাহাতে যে আদালতে মোকদ্দমা উপ লিখনের আমের স্থিত থাকে দেই আদালতের রেজিইটরনাহেবের নামে শিরুনামা ও উপর অন্যকাগজ দেই থামের অন্য পৃষ্ঠে আপন পদের প্রনিতে নিজ নাম লিথিয়া ও মড়িয়া দেই আদা আপন মোহর করিয়া দেই রেজিউরদাহেবের নিকটে পাচাইবেন লতের রেজিউর্সা রেজিউর সাহেব সেই লিখন পাইয়া উকীলের নামের লিখন যেমত হেবের নামে শির পাইবেন সেই মতেই শীঘু তাহাকে দেওয়াইবেন। আর কোন কা নামা দিয়া ও আপ ন মোহর করিয়া পাঠাইবার কথা। স্থিত করিয়া কাগ্য ত্যাগ করিলে সে সময়েও তাঁহার শক্তি আছে আদালতে যোক যে আপন কার্গো বহাল থাকিবার মতানুসারে যে কালে যে ত্কুম মদা উপস্থিত থাকি যে আদালতের উকালের স্থানে পাচান আবশাক হয় তাহা সেই তে কালেক্টর সা কালে সেই আদালতের রেজিষ্টরসাহেবের মারফতে পাচাইতে হেব কার্যা আগ ক রছেন্। এব ে এই আইনের লিখনানুসারে যে যে আদালতের রিলেও উর্কালের উর্কালেরা কালেক্টর সাহেবদিগের পক্ষে যে কোন মোকদ্মার দও নামের পতাদি বিনা রাল ও জওয়াব করিতে প্রবৃত্ত থাকে তাহার দিগের দাধ্য আছে যে রসুমে সরকারী ডা সাবি সে মোকদ্দমা নিষ্পত্তি না হয় তাবি তাহার যে যে কাগজপত্র কে পাঠাইতে ক্ষম যাবিং সে মোকদ্দমা নিষ্পত্তিনা হয় তাবিং তাহার যে যে কাগজপত্র তা রাখিবার কথা। যে কালে কালেক্টর সাহেবের স্থানে পাচাইতে চাহে সেই কালেই 'কালেকটর সাহে তাহা সেই সাহেব বহাল থাকিলে কিয়া কার্য্য ত্যাগ করিলেই বা বদিগের তরফ মো ২ উক ভাঁহার নিকটে রসুম ন। দিয়া ডাকে পাঠাইতে থাকে ও এমতে

উকীলের কর্ত্তব্য যে সেই সকল কাগজপত্র মড়িয়া তাহার উপর কদমার সংয়াল ও দেই সাহেবের নাম লিথিয়া আপন মোহর করিবেক রেক্সিউরুসা জওয়াব কারণ আ হেব উক্টলের মোহরকরা সেই থামের উপর অন্য কাগজ মড়িয়া দালতের যে সকল সেই কালেক্টর সাহেবের নামে শিরনামা দিয়া তাহার অন্য পঞ্চে আপন ব্যাপারের ধ্বনিতে নিজ নাম লিথিয়া পাচাইবেন ইতি — ১৭৯৩ দা। ১৪ আ। ৩৯ ধা।

বারাণস ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৪৫ ধা। मह (मन ३४०० मा। २१ जा। १२ था।

১৩১। পুর্বের কালেক্টর সাহেবেরা যে সকল কার্য্য করিয়া থা কেন্দে কারণে পরের কালেক্টর সাহেবেরা আদালতে আপত্তি টর সাহেবের কৃত্ এম হইবেক না। কিন্তু কোন কালেকটর সাহেব আপন কার্য্য ছা। ড়িলে পর তাঁহার নামে ৩৩ ধারাক্রমে যে নালিশ উপস্থিত হইয়া থাকে এবণ্ সরকারের তরফ যে টাকা তলবকরণ ও লওনের জন্যে যে মোকদ্দমার থরচা ও দণ্ড এই আইনের লিথিত হুকুমমতে কালে কটর সাহেবের নিজহইতে দিতে হয় সে মোকদ্দমা জিলার আদাল তে উপস্থিত থাকে ও যে মোকদ্দমার আপীল করিতে বোর্ড রেবিনি উর সাহেবদিগের অনুমতি না হইয়া থাকে সে মোকদ্দমা আপীলে উপস্থিত রহে এমত সকল মোকদ্মার সওয়াল ও জওয়াব যেমতে শ্বিতকরণ ওতাহার দেই কালেক্টর সাহেবের আপন কার্য্যে বহাল থাকিতে করণ উচিত ছিল কার্য্য ত্যাগ করিলেও দেইমতে কর্ত্তব্য হইবেক ইতি।—১৭৯৩ হার উচিত হইবেক সা। ১৪ আগা ৪১ ধা।

বারাণস ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৪৭ ধা। मस (मन्प ১৮०) मा। २१ च्या। ४४ धा।

১৩২। কোন কালেক্টর সাহেব দৈবাধীন মরিলে কিয়া আপন কার্য্য ত্যাগ করিলে তাঁহার আমলে এই আইনের মতানুসারে সর কারী উকীলের মার্ফতে সওয়াল ও জওয়াব করিবার ও সর্কার্ছ ইতে থরচা দিবার যোগ্য যে মোকদ্দমা জিলার আদালতে উপস্থিত থাকে ও সেই সাহেবের মরণ কিয়া কার্য্যপরিত্যাগকরণের দিবস পর্যান্ত দে মোকদ্দমার নিম্পত্তি না হইয়া থাকে তবে যে সাহেব তাঁ হার পদাভিষিক্ত হইবেন সেই সাহেব সেই মোকদ্মার সওয়াল ও জওয়াব করিবেন ও দে মোকদমার আপীল হইলেও আপীল আ উত্তরপ্রতাত্তর পরে দালতে তাহার উত্তরপ্রত্যুত্তর যোগাইবেন আর বোর্ড রেবিনিউর র কালেক্টর সা শাহেবদিগের অনুমতিক্রমে মফঃদল আপীল আদালত কিয়া দদর দেওয়ানী আদালতের যে মোকদ্মার সওয়াল ও জওয়াবকরণের ভার পুর্বের কালেক্টর সাহেবের শিরে থাকে ও তাহার সওয়াল ও জওয়াব এই আইনের মতে সরকারী উকীলের মারফতে করিবার এলাকা রছে ও তাহার এরচা সরকারহইতে দিবার বিষয় হয় ডবে VOL. I.

उँकील প্রবৃত্ত থাকে তাহারা আপনার দিগের মওকিকল ঐ সাহেবদিগের স্থা নে কাগ্যপত্র বিনা রসুমে সরকারী ডা কে বেজিফীর সাহে বের মার্ফতে পা ঠাইতে সাধ্য বাঝি বার কথা।

পূর্ব্বের কালেক্ কার্য্যের জওয়ার প বের কালেকটর সা হেব না দিবার ক

কালেকটর সাহে আপন কাৰ্য্য ত্যাগ করিলে যে স কল মোকদমা উপ জওয়াব দেওন তাঁ তাহার কথা।

পুর্বোর কালেক্ ট্র সাহেবের আম লের যে সকল মো কদমানে সাহেবে র মরণ কিন্ধা কর্মা চ্যুতহওনের কালপ যাঁড় নিষ্পত্তিনা হ ইয়া থাকে তাহার হের করিবার কথা।

দেই স্থানাভিষিক্ত **দাহে**ৰ দে দকল মোকদ্দমার দওয়াল ও জওয়াৰ করিবেন ইভি।—১৭৯৩ সা। ১৪ আ। ৪২ ধা।

বারাণস ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৪৮ ধা। म्ड (नम् २४०० मा। २१ छ।। ४६ छ।।

বোর্ড রেবিনিউ র যে যে মোকদ্মা

১৩**৩। বোর্ড রেবিনিউর সাত্রেদিগের অনুমতিক্র**মে কালেক্টর র সাভেবের। যে সাহেব সদর দেওয়ানী আদালতে যে কোন মোকদ্মার ফরিয়াদী যে কালে মদর দে কিয়া আসামী হইয়া থাকেন তাহাতে ঐ বোর্ডের সাহেবেরা কালেক্ টর সাহেবের পক্ষে সে মোকদ্দমার সওয়াল ও জওয়াব আপনারা র উত্তরপ্রভাতন্ত্র। র উত্তরপ্রভাত্তর ক করণ উচিত জানিলে সে কালে অথবা যে সময়ে শ্রীযুত গবর্নর জে রণের ভার আপনা নরল বাহাদুর কৌলেসলের হজুরহইতে হুকুম হয় দে সময়ে ঐ বে রদিগের শিরেল র্ডের সাহেবেরা সে মোকদ্দমার সওয়াল ও জওয়াবের ভার আপ ঈবেন ডাহার ক নারদিগের শিরে লইবেন ইতি।—১৭৯৩ সা।১৪ আ।।৪৩ পা। বারাণস ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৪৯ ধা।

मङ (मग ১৮०**७** मा। २१ च्या। ८७ था।

কালেকটর সঃ দাদ মালওজারীর টাকা চাহিলে দেই দূর কৌন্সেলের জ্ব ক্ষে কিন্তা বোর্ড রেবিনিউর সাহেব দিগের অনুমতিক আপনাকে উৎপাত গ্রস্থ জানিলে এই দৃত রূপে জিলার আদালতের জজ্মা হার কথা।

১৩৪। এীযুত গৰর্নর্জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হৃকুমে ও তের কোন স্থমাধি বোর্ড রেবিনিউর দাছেবদিগের অনুমতিতে কালেক্টর দাছেব কোন কারিপ্রভৃতির স্বা ভুসাধিকারী কিয়া ইজারদার অথবা মালজামিন কিয়া নীলামী ভূমিস খরীদারের প্রতি যে উদ্যোগ করেন তাছাতে তাছারদিগের কেই আ পনাকে উৎপাতগ্রস্ক জানে কিয়া যে কালে কালেক্টর সাহেব সরক। ব্যক্তি দে করারদা রের তরফে কিছু তাছার স্থানে তলন করেন তাছাতে দেই ব্যক্তি এ দকে অসমতকহি মত কছে যে কালেক্টর সাছেব যে করারদাদ্যাফিক্ আমার স্থানে লে আর এলুত গব টাকা তলব করেন তাহা সঙ্গত নহে কিয়াসেই ব্যক্তিকোন আই র্নর্ জেনর ল বাহা নের লিথিত মর্মানুসারে শেই করারদাদের উপর আপত্তি উপস্থিত করে তবে এ সকল বিষয়ে সেই কালেক্টর নাছের সেই উদ্যোগ করি বার কারণে অথবা সেই ক্রার্দাদের মতে টাকা তলক ক্রিবার জন্য জিলার আবালতে উপস্থিত হইবার যোগ্য হইবেন না বর্ণ যাবৎ মে কালেক্ট্র সা জিলার আদালতে দেই ক্রার্দাদ মৌকুফের কিয়া ফিরিবার বিষয়ে ফের দেই ব্যক্তির ডিক্রী নাহয় তাব**ৎ সে করা**রদাদ পূর্মমত বহাল থাকিবেক এব° প্রতি যে উদ্যোগ জিলার আদালতে যাবৎ এমত ডিক্রী নাহয় তাবৎ দেই ভূমাপিক। করেন তাতাতে সে রী কিয়া ইজারদার প্রভৃতিকেও সেই করারদাদের মতে তলবের টাকা দেওয়া উচিত হইবৈক কিন্তু এ সকল গতিকের মোকদ্দমা হই তে লাগিলে তাহ। দরকারের কৃত উদ্যোগের প্রতিযে নালিশ ও দেই করারদাদের উপর যে আপত্তি রাথে তাহার নালিশী আরজী হেবদিগের যে ত তাহার বেওরাযুক্তে এমত দর্থাস্তে যে তাহার বিচার ও বিবেচনার্থে দ্যোগ কর্ব্য ভা জিলার আদালতৈর জ্জুসাহেবের প্রতি শীযুত গ্রব্নর্ জেন্রল বা হাদুর কৌন্সেলের হজুরের হকুম হয় লিথিয়া জিলার আদালতের জজসাহেবের নিকটে দাথিল করে জজসাহেব দেই আরজী শীসু ঐ এীযুতের হজুরে পাচান ঐ এীযুত দেই আরজী অবগত হইয়া পরে যদি তাহার বিধান আপনি না করেন্ ও সে মোকদ্দমা জিলার আদা লতে বিচারের উপযুক্ত হয় তবে তাহার বিচার করিতে জজসাহেব

কে তুকুম দিবেন ও দেই মোকদ্দমার বিচারার্থে ঐ প্রায়ুত্তর হজুরের তক্ম জ্জুলাহেবের প্রতি হইলে জ্জুলাহেব দেই ত্রুমের মজমুন লি থনের দ্বারা সেই ফরিয়াদীকে জানাইবেন ও সেই লিথনের তারিগ হইতে সে মোকদ্দমা সেই আদালতে উপস্থিতহওয়া অন্যং মোকদ গার ন্যায় জানা যাইবেক ও অপর উভয় বিবাদিদিগের সকল গোক দ্দ্যার বিচারের নিমিত্তে যে দকল আইন পার্য্য আছে জন্সাহের ভদনুদারেই সে মোকদ্মার বিচার করিবেন আর এই পারাক্রমে সর কারের নামে যে নালিশ আদালতে উপস্থিত হয় তাহাতে কালেক ট্র দাহেব বোর্ড রেবিনিউর দাহেবদিগের অনুমতি ও বিহিত বি পানকমে তাহার মওয়াল ও জওয়ার করিবেন এবং সরকারের নি ৰ্দ্দিষ্ট জিলার আদালতের উকীলকেও সে মোকদ্দম। মফঃদল আপীল আদালত কিয়া সদ্র দেওয়ানী আদালতে হউলে তথাকার নির্দ্ধারিত উকীলদিগেরেও সেই মোকদ্মার সওয়াল ও জওয়ার কারণ যাহা আবশ্যক হয় তাহা করিতে সমাচার ও অনুমতি করিবেন তালাতে জিলার আদালতে কিয়া মফঃদল আপীল আদালতে ফরিয়াদীর দা ওয়া সাব্যস্ত হইবাতে সে মোকদ্মার ডিক্রী হইলে কালেক্টর সা হেব সেই মোকলমার ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলসমেত সেই ডিক্রীর উপর আপনার যে আপত্তি থাকে তাহার নিদর্শনী লিখন বোর্ড রে বিনিউর সাহেবদিগের নিকটে পাঠাইবেন ইহাতে জ্জুসাহেবের কর্ত্ত বা যে যত স্থরাতে হয় কালেক্টর সাহেবের দর্থাস্তমতে সেই মো কলমার ডিক্রীও রোয়দাদের নকল কালেক্টর সাহেবকে দেন ঐ বোর্ডের সাহেবেরা কালেক্টর সাহেবের পাচান সেই লিখন ও ডিক্রী ও রোয়দাদের নকলদমেত দে মোকদমার প্রতি আপনারদি গের যে মন্ত্রণা চাহরে তাহার নিদশনী লিপি এীযুত গবর্নর জেন রল বাহাদুর কৌন্সেলের হল্বরে পাঠাইনেন তদ্ধেট ঐ এীয়ত সে মোকদমার আপীল সদর দেওয়ানী আদালতে করিতে হয় ন। হয় যাহা উচিত জানেন তাহার হুকুম দিবেন ও এই ধারার লিথিত যে দকল মোকদ্মার থর্চা ও দও যাহা দরকারহইতে দিবার বিষয়ে ডিক্রী হয় তাহা সরকারের থাজানাথানাহইতে দেওয়া যাইবেক ইতি।—১৭৯৩ সা। ১৪ আ । ৪৬ ধা।

বাণার্স ১৭৯৫ সা। ৭ আ ৭ ধা। এবং ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৫১ ধা। महत्मण ১৮०७ मा। २१ जा। ८৮ था। এ**र९ ১৮०७ मा**। २ जा। ३६ था।

১৩৫। কালেক্টর সাহেবদিগের অসাক্ষাৎকালে অর্থাৎ তাঁহারা কর্ম স্থানে না থাকিলে কিয়া তাঁছারদিগের কালেক্টরী দিরিস্থা তেবদিগের থালী রহিলে দিরিস্তার দকল কার্যোর পর্যাবসানার্থে এীযুত গ্রব্নর্ ^{ক্ষাৎকালে} তাতার জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হুকুমমতে কালেক্টরী সিরিস্তার আ সিষ্টাণ্ট এতাবতা ছোট সাহেব অথবা অন্য সাহেবেরা যে কেহ যে কালে প্রবৃত্ত হন দেকালে এই আইনের অনুসারে কালেক্টর সাহে সকল ভব্য বৃত্তি বদিগের প্রতি যে সকল হুকুম ও মত স্থির আছে সেই সকল হুকুম বার কথা

কালেকটর দিগের স্থানে স্থিত সাহে ব্যৱহার তি এই ্রেইনের ও মত সেই ছোট দাহেব প্রভৃতি দাহেবদিগের দমুর্কেও স্থির থাকি বেক ইতি।—১৭৯৩ দা। ১৪ আ। ৪৭ ধা।

এই আইনের স টর সাহেবের অসা কাৎকালে তাঁহার স্থানে স্থিত সাহেব বার কথা। [वादांगम।]

১৩৬। এই আইনের অনুসারে যে সকল হুকুম ও আইন কালে কল অকুম কালেক্ ক্টর সাহেবের সম্পর্কে নিদ্ধার্য আছে সেই সকল ত্কুম ও আইন কালেক্টর সাহেবের অসাক্ষাৎ কালে কিয়া কর্মস্থানে শূন্য রহি বার সময়ে তাঁহার ভারের কার্যা প্রয়োজন করিবার কারণ কালেক দিগের প্রতি চলি টুরী ব্যাপারের আসিফ্টাণ্ট যে যে সাছেব অথবা অন্য যে সাহেবেরা এীযুত গবর্ন ব্র জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলের হুকুমক্রমে নিযুক্ত হন্ তাঁহারদিগের প্রতি চলিবেক ইতি।--১৭৯৫ দা। ৬ चा। ८२ था।

मर तिमा ১৮·० मा। २१ छा। ४३ था

১৮ ধারা।

ভূম্যধিকারি ও অন্যথ ব্যক্তিকে তলব করণ বিষয়ে কালেক্টর সাহেবেরদের ক্ষমতা।

কালেক্টর সাহে প্রভৃতিকে রুজু আ নাইতে পারিবার কথা।

বিহ্লালা। হার। উডিয়্যা। বা রাণস।]

১৩৭। নীলামী ভূমিদকলের ক্রেতাদিগেরে হ্রুম আছে যে তা বেরা আবশ্যক বু হারা আপন্থ ক্রীত ভূমিথাকা জিলার কালেক্টর সাহেবের সুমীপে নিজে রুজু হইয়া কিয়া আপনং গোমান্তা লোককে সমপূর্ণ ভার দিয়া রুজু করিয়া দেই দকল ভূমির অর্থে কবুলিয়ত ও ভাইত কি खितम्त्री माथिल करत्। हेरार्डे यिन कारलक्षेत्र मारहतिराज्ञ বে কেই কেতাদিগের কোন ব্যক্তিকে স্বয়ৎ কেতা জ্ঞান না করেন কিয়া নীলামী কোন ভূমি ইঙ্গরেজী ১৭৯৯ দালের ৭ দপ্তম আই নের ২১ ধারার ৩ তৃতীয় তথা ৪ চতুর্থ প্রকরণের লিথিত হ্রুমের ব্যতিক্রমে ক্রয় হইয়াছে এমত বুকেন্ তবে দে দাহেবের ক্রমতা আ ছে যে দেই স্বয়়ং ক্রেডা ডাঁহার দংকান্ত জিলার নিবাদী হইলে তাহাকে আপন কাছারীতে রুজু আনান্ অথবা যদি দে ব্যক্তি অন্য জিলার নিবাদী হয় তবে দর্থান্ত লিথিয়া তথাকার কালেক্টর দা হেবের স্থানে পাষ্টান্ তদ্ধৃষ্টে সে সাহেব সেই স্বয়^ ক্রেডাকে ডলব করিয়া আপন কাছারীতে আনাইবেন এব^ তাহার বিচার ও বিবে চনার্থে দে ভূমিধাকা জিলার কালেক্টর দাছেব যে মত দর্থাস্ত করেন্ কিন্তা বোর্ড রেবিনিউর লাহেবেরা যে রূপ ছকুম দেন্ তদনু দারে বিচার ও বিবেচনা করিয়া তাছার হকীকৎ বেওরা করিয়া লি থিয়া তাহাতে 🖣 ৭ দপ্তম আইনের ২৯ ধারার ৪ চতুর্থ প্রকরণানু দারে এীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদ্রের হজুর কৌন্দেলের হকুম হইবার কারণ 🖣 বোর্জে পাচাইবেন। আর এ ধারাক্রমে ইহাও হকুম আছে যে কালেক্টর **দাহেবেরা আপনারদি**গের প্রতি দর্ক তৌ ভাবে ভারথাকা কোন বিষয়ের তত্ত্ব জানিবার নিমিত্তে কিয়া আইনমতে অধবা হজুর কৌন্সেলের কি ঐ বোর্ডের হুকুমক্রমে কোন কর্মবিশেষসম্মন্নের জন্যে যাঁহার যে জিলার ব্যাপ্য ভূমাধিকারিপ্র ভৃতি এদেশীয় কোন লোককে আপন সাক্ষাৎ আনান অত্যাবশ্যক

জানিলে তাহাতে যদি নে ব্যক্তি আত্মপক্ষ কোন গোমাস্তাকে সমপূর্ণ ভার দিয়া রুজু করে ও সে গোমাস্তাহইতে সে কর্মনির্বাহ পাইবার কার্য্য চলিলে ভাহা প্রবোধ জন্মে তবে দে ব্যক্তিকে কদাচিৎ আনাইবেন না। যদি কোন কালেক্টর সাহেৰ এ হকুমের অন্যথাচরণ করেন্ তবে ভাহার ক্ষতির দাওয়ায় দে সাছেবের নামে দেওয়ানী আদালতে নালিশ হইতে পারিবেক। এতদবধানে কালেক্টর সাহেবেরা এইক্লণে থাকা ভা রক্রমে আপন্থ দং কান্ত কোন কর্মসমুন্নের জন্যে কাহাকেও ডাকা ইয়া আনিবার আবশাক হইলে তাহাতে কর্ত্তব্য যে দে ব্যক্তির খ্যা তিও নাম ও বসতীর গ্রাম ও তাহাকে ভাকাইবার হেতুনিদর্শনে যথা পারিবার কথা। নিয়মে তলব চিঠী লিখিয়া তাহাতে আপন মোহর ও খ্যাতিযুক্ত নাম দস্তথৎ করিয়া পাচান্ ইতি।—১৮০১ লা। ১ আ। ১০ ধা।

গোমাস্তা হইতে त मनिरवत उलव না হইবার কথা। মুলের লিখিত হকুমের অন্যথাচ রিলৈ কালেক্টর সাহেবদিগের না মে নালিশ হইতে তলবচিঠীর চা লানের মতের ক

১३ धाता।

দত্ত দেশে তহুদীলদারেরদের কার্য্য ও ক্ষমতা।

[এইং বিধান দকল বাঙ্গালা ভাষায় ভর্জমা হয় নাই।]

২০ ধারা।

বারাণস ও দত্ত দেশে রাজস্ব আদায় করণ।

১৫৬। তহসীলদারদিগের কর্ত্তব্য যে ভূমিসকলের শদ্য রক্ষণার্ছে অর্থাৎ ফদলের চৌকীর জন্যে শহ্নাদিগেরে এতাবতা রক্ষকদিগকে জন্যে শহ্না নিযুক নিযুক্ত করে ও তাহারদিগের আথরাজাৎ সেই শদ্যাধিকারিদিগের স্থানহইতে দেওযায় আর সমস্ত মুশঃথসীভূমির অর্থাৎ যে ভূমির মা लखजातीत तत्मावस इहेशा थात्के ठाहात ज्योमात उहेजातेमातता এব°৲ আমানী মহালা**ৎ বাক্যার্থ যে**২ মহাল সরকারের থাস তহ দীলে থাকে তাহার প্রজাও যোতদারদকলে যাবৎ দাল তামামী মা লগুজারী আদায়ের জনো জামিন দাথিল না করে তাবৎ তাহারদি গের ফদল কাটিতে ও উচাইয়া লইতে না দেয় ইহাতে যদি কেহ আদৌ ফদল পাকিবার পুর্বেমালগুজারী আদায়ের নিমিত্তে জামিন দিয়া থাকে তবে তহসীলদারদিগের উচিত নহে যে তাহার কসলের চৌকীতে শহনা রাথে কিম্বা কোনপ্রকারে সেই শন্যাধিকারী অথবা তাহার মালগুজারীর দারিকে থরচান্ত করায় এমতে হেম স্থানে জামিন না দিয়া থাকে সেই স্থানেই চৌকীদার নিযুক্ত হইবেক এব॰১ তথাকার চলনমতে তাহার রোজ কিয়া মাহিয়ানা দেওয়ান যাইবেক ও দেই রোজদিগর কর্মচারির কিতাবতীগ্রাম ধর্চার শামিলে আদিবেক। ইহাতে তহসীলদারদিগের কর্ত্তব্য যে थे চৌকীদারী শ্রুচা অসঙ্গত না হইতে পারিবার কারণ একং শহনাকে পৃথক্ করিয়া একং

ফসলের চৌকীর করিবার ছকুমের

मलक (मग्न ও যে भहनात याहा कर्लग जाहा (महेर मलक लिए) এবং যে দিরিস্তাদারেরা পুর্বেক কামুনগো নামে খ্যাত ছিল তাহার দিগের উচিত যে শহনার নাম ও তথাকার দম্ভরমতে তাহার রোজ দিগরের নিয়ম এব ে যাহার স্থানে সেই রোজদিগর মিলিবেক ডা হার নাম লিখে আর কর্ত্তব্য যে যে মানের মধ্যে যত দম্ভক ছাও য়ালে করিয়া থাকে তাহার ফিরিস্তি শহনাদিগের রোজদিগর যত হয় তাহার নিদর্শনে লিথিয়া কালেক্টর দাহেবের স্থানে পাঠাইতে থাকে। কালেক্টর সাহেব তদ্ধেট যদি বুমেন যে সেই রোজদিগর থরচা অসঙ্গত হইয়াছে তবে তাই। অল্প করেন্ ইতি।—১৭৯৫ সা। ৬ আয়া ২ ধা।

म्**ड** मिन ३४०७ मा। २१ छा। ३२ धादा। २ छ।

কিষ্কির টাকাত র কর্থা।

১৫৭। তহদীলদারদিগের কর্ত্তব্য নহে যে যাবৎ কিস্তির টাকা লব করিবার কালে দিবার কালাতীত না হয় তাবৎ কোন কিস্কির টাকার তলবে দস্তক কিম্বা লিখন পাঠায়। যথায় তথাকার প্রাচীন দাঁড়াক্রমে থাজানার টাকা দুই কিস্তিতে মাদের মধ্যে ও মাদ আথিরীতে দাথিল হয় তথায় সেই কিস্তির টাকা উদুলের নির্দিষ্ট দিন গত না হইবাপর্য্যন্ত দন্তক পাচাইবেক না আর যে স্থানে মাদেং একং কিন্তি দাখিল হয় তথায় যাবৎ মাদ প্রভাত না হয় তাবৎ দম্ভক জারী না করে কিন্তু যদি কেহ কিন্তির টাকা দাখিলের নির্দিষ্ট দিনের পূর্ব্বে অথবা দেই দিনে কিস্তির টাকা না দেয় তবে সে কালে তথাকার তহসীলদারের

র কথা।

তলবানার মতে উচিত যে দেই বাকীদারের নামে দম্ভক পাঠায়। তাহাতে দেই বা কীদার সে কিস্তির টাকা না দিবাপর্য্যস্ত যে পেয়াদা দস্তক লইয়া যায় ভাহাকে প্রথম তিন দিনের দিনপ্রতি /০ এক আনা তলবানা দিবেক তদনন্তর যাবৎ দেই কিন্তির টাকা সমস্ত না মিলে কিয়া দুসরা হুকুম ক্রমে সে দম্ভক মৌকুফ না হয় তাবৎ দররোজা /১০ দেড় আনা দি সাবে দিবেক এতন্ডিন্ন খোরাকীওগয়রহ কিছু থরচা কোনরূপে দে वाकीमाद्वत (मना इहेरवक ना हेिं। - ५ १०० मा। ७ आ। ७ धा।

मह (मन ३४०७ मा। २१ छा। ७ धा।

মজকুরী পেরাদা দিগের স্থানে কার্য্য लंडेटड उरमीलिंग কে যথেষ্ট নিষেধে র কথা।

না পাইবার কথা।

১৫৮। তহসীলদারদিগের প্রতি যৎসম্ভব নিষেধের ত্রুম আছে যে উপরের দিখিত দস্তক কিয়া অন্য কোন দস্তক মজকুরী অর্থাৎ বেবরাওর্দ্ধী পেয়াদাদিগের মারফতে না পাঠায় কর্ত্তব্য যে যে পেয়া দারা আপনারদিগের কার্য্যের কল্যাণের জন্যে জামিন দিয়া সরকারে জমাহওয়া দম্ভক জারীর তলবানা রোজের মধাহইতে মাহিয়ানা পেয়াদারা সর পায় তাহার**দিগের** মারফতে পাটায়। আর সকল তহসীলদারের কারহইতে মাহিয়া উচিত যে তাহারদিগের নিকটে যত পেয়াদা রহে তাহারদিগের না भनवीमीत कर्ष कारलक्षेत्र मार्ट्स्त्र निकरि शाठाइश एम्स अव॰ যে যে কালে তাহারদিগের তগিরী ও বহালী হয় কিয়া তাহারদি গের কাহারো কর্মন্থান শূন্য থাকে তাহার বেওরাও লিথিয়া ঐ সা হেবের স্থানে পাচায় তাহাতে ঐ সাহেবের কর্ত্তব্য যে সে পেয়াদা

দিগেরে চপরাস দেন ও সেই পেয়াদাদিগের উচিত যে কালেকটর সাহেবের স্থানে পাওয়া চপরাসকে আপনারদিগের সঙ্গে রাখে ও তাহা দলে না রাথিয়া আপনারদিগের মোতালক কোন কর্ম্ম না করে আর সে সকল চপরাসের উপর পারসী ও নাগরী অক্ষর ও ভা ষায় এই পাঠ থোদা যায় যে অমৃক মহালের তহসীলদার অমৃকের তাবে চপরাদী ইতি।--> ৭৯৫ দা। ৬ আ ৪ ধা।

हरू हरू न ३४०७ मा २२ छ। । ६ सा।

১৫৯। কিস্তির টাকা উদুলের অর্থে তহসীলদারেরা যে দম্ক জারী করে তাহাতে তহ্দীলদারদিগের কাছারীতে যে সিরিস্তাদারে খাজানা তলবের দ রা কার্য্যে আবৃত থাকে তাহারা দন্ত্রথৎ করিবেক এবণ্থ মানে যত স্তব্দে আপন্থ দন্ত দম্বক জারী হইয়া থাকে তাহার ফিরিস্তি তাহার পর মাদের ৮ তা ^{খৎ ক্রিবার} ও তা রিথে আপন্থ দম্ভথতে কালেক্টর দাহেবের নিকটে পাচাইতে থাকিবেক। আর পেয়াদারা দৌড়ের কালে দম্ভকের মুথে যত রোজ পাইয়া থাকে তাহার হিসাব সিরিস্তাদারদিগের নিকটে দিয়া সেই পাওয়া রোজের মধ্যে অর্দ্ধেক আপনার্দিগের থোরাকীবাদে বাকী था। সেই সিরিস্তাদার্দিগের স্থানে দাথিল করিয়া রুসীদ লইয়া তহসীল দারের দফ্করে দাঝিল করিবেক তাহাতে তহদীলদারন্দিগের কর্ত্তব্য যে যে মাদে যত রুদীদ পায় তাহার ফিরিস্তি আপনং দম্ভএতে সটীক ক্রিয়া তাহার প্র মানের ২০ বিশা তারিখে কালেক্ট্র সাহেবের নিকটে পাঠাইতে থাকে কালেক্টর সাহেবের উচিত যে সেই ফিরি ন্তির সহিত সিরিস্তাদার্দিগের পূর্ব্বের পাঠান ফিরিস্তি মিলান ক রান্। আর সরকারে জমাহওয়া অর্দ্ধেক তলবানা মূলকী থাজা ইবার মতের কথা। नात प्राप्तकाताती हिमारव *(लथान अव*ः मितिस्नामात्रमिर्गरत हकूप्र দেন্যে থাজানাহইতে তাহারদিনের যে মাহিয়ানা দেওয়া যাইত তাহা সেই তলবানা হইতে লয় ইতি। ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৫ ধা।

সিরিস্তাদারের। হার ফিরিজিয় দক্ত খৎ করিয়া কালেক টর সাহেবের নিক টে পাঠাইবার ক

তলবানা খর্চ হ

তহসীলদারের1

महत्म ১৮०७ मा। २१ छा। ६ था।

১৬০। তহুদীলদারদিগেরে যথেষ্ট অনুগ্রহপূর্বাক বিস্তর রসুম দে ওয়া গোল অতএব তাহারা সরকারে এই বিষয়ের দায়ী হইবেক যে দায়ী ঘটবার মর্ম্ম তাহার তাহারদিগের আমলের মধ্যের যে সকল ভূমির থাজানা কা কথা। লেক্টর সাহেবের ব্রাব্রে দাখিল না হইয়া তাহা তহসীলের ভার সেই তহসীলদারদিগের প্রতি থাকে তাহা এবং প্রতিবংসর যে ভূমির স্থিতের বিবেচনা ও ক্তনকী হইয়া আমানী মহালের মতে রাথা যায় তাহার দালিয়ানা মালগুজারী কালেক্টর দাহেবের নিকটে সময়শিরে দিবেক ও সেই স্থিতের তনকী ইন্সরেজী ১৭৯৫ দালের ২ দ্বিতীয় আইনের ২৭ দপ্তবিৎশতি ধারার লিথিত হকুম মতে করা যাইবেক ইহাতে তাহারদিণের দায়ী হইবার মর্মার্থ এই যে তনকা করা স্থিতের মধ্যে যাহা কমী তহদীল করিবেক তাহা যদি তাহারদিনের শৈথিলা ও ক্রটিতে হওন প্রমাণ হয় তবে দে কমী তাহারদিগের ধনসম্ভাত্তির দারা আদায় হইবেক এই মর্মানুসারে

মজমূনে কালেক্টর সাহের তাহারদিগের স্থানে একরারনামাও লে থাইয়া লইবেন আর হুকুম দেওয়া যাইতেছে যে কালেক্টর সাহেব বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের সম্মতিতে সেই তহসীলদারদিগেরে তগীর করিতে পারিবেন এবং তাহারদিগের একরারনামাক্রমে তা হারদিগের নামে সনের মধ্যে কিয়া সন আথিরীতে নালিশ করি তেও শক্ত হইবেন ইতি।—১৭৯৫ দা। ৬ আ। ৬ ধা।

দত্তদেশ ১৮০৩ সা। ২৭ আন। ৬ ধা।

কালেকটর সা র আঞ্জাম লইবার মতের কথা।

১৬১। দকল তহদীলদার ও হজুরী মালগুজারদিগের কর্ত্তব্য যে হেব কিন্তির টাকা গত এক মাদের কিন্তির টাকা আগামি মাদের প্রথম দিনহইতে সপ্তা হপর্যান্ত দাখিল করিতে থাকে তদনন্তর গত কিস্তির যে বাকী পড়ে তাহা আদায়ের কারণ কালেক্টর সাহেব বাকীদারের সমুমদ্ষ্টে দস্তক কিয়া লিখন পাচাইয়া দিবেন অথবা তাহার তরফ যে উকীল সতত কাছারীতে হাজির থাকে তাহার জোবানী কহিয়া পাচাইবেন কিন্তু যাহারা আগামি মাদের ১৪ চৌদ দিনপর্যান্তেও গত কিন্তির কিছু টাকা বাকী রাখিবেক তাহারদিণের উপর কালেক্টর সাহেব আপন মোহর ও দম্তথতে এব > কালেকটরীর দেওয়ানের দম্বথতে দস্তক করিয়া সেই আগামি মাসের ১৫ তারিথে জারী করিবেন এবং যে পেয়াদারা দে দম্তক লইয়া যাইবেক তাহাকে হুকুম দিবেন যে সেই বাকীদারকে অবিলম্বে কালেক্টরী কাছারীতে হাজির করে তাছাতে দয়ক জারীর তারিথহইতে আদৌ তিন দিনের তলবানা দি নপুতি প দুই আনার হারে দেই পেয়াদা পাইবেক তৎপশ্চাৎ যা বৎ দে বাকী সমস্ত শোধ না পড়ে কিয়া বিশেষ হুকুমের অনুসারে দে দম্তক মৌকুফ না হয় তাবৎ প্রতিদিন পূর্ফের দেওয়া রোজঅপে ক্ষা এক আনা অধিক অর্থাৎ দ্রব্যোজা 🗸 তিন আনার হিসাবে পাই বেক। এমত গকল দম্ভক ও অন্য সমস্ত তলবচিচী সরকারে যে চপা রাসীরা মাহিয়ানা পায় তাহার্দিগের মার্ফতে জারী হইবেক ও সে চপরাদীরা যত তলবানা পাইবেক তাহার মধ্যে দ্র্রোজা একং আ না আপনারদিগের থোরাকীক্রমে রাখিবেক। ইহাতে যদি মজকুরী পেয়াদার হাওয়ালে করিয়াও দম্তক পাঠাইবার অত্যাবশ্যক হয় তবে কালেক্টর সাহেব তাহাও করিয়া পাচাইবেন ও সেই মজকুরী পেয়াদারা যে তলবানা পাইবেক তাহার মধ্যে দ্রব্রোজা দুই আনা আপনারদিগের খোরাকীর রাথিবেক। আর কিস্কির টাকা দ্রস্থ জন্যে কিয়া শীঘু উসুলের কারণ কালেক্টর সাহেব জনেক সওয়ার তৈনাৎকরা উচিত জানিলে তাহা করিবেন তাহাতে দেই দওয়ারের তলবানা প্রথম তিন রোজ 1০ চারি আনার হিসাবে পরে বাকী আ দায় না হওয়াপঠান্ত পূর্বোপেক্ষা দিনপ্রতি অধিক প দুই আনা হই বেক এতাবতা দরবোজা 1/০ ছয় আনার হিসাবে পাইবেক ও সে সওয়ার সেই তলবানার মধ্যে নিজের থাদ্য ও আপন স্বোড়ার থোর? কী 1০ চারি আনা রাথিবেক। কিন্তু কালেক্টর সাহেবের কর্ত্তব্য নছে যে সরকারে মাহিয়ানা পায় এতম সওয়ারভাড়া অন্য সওয়ারকে

তৈনাৎ করেন আরু চাকর পেয়াদা কি মজকুরী পেয়াদা কি সও য়ার সকলেই এইকপে জামিন দিবেক যে তাহারা যাহার উপর থা জানা উদুলের কারণ মহদিল ও তৈনাৎ হয় তাহার স্থানে নির্দিষ্ট রোজ তলবানাছাড়া টাকাদিগর কিছুই আপনারদিগের থাদ্য কি ঘোড়ার খোরাকীক্রমে কোনপ্রকারে লইবেক না যদি লয় তবে কা লেক্টর সাহেব সে সংবাদ পাইলে তাঁহার হুকুমে কিয়া সেই পে য়াদাপ্রভৃতির নামে এলাকা বারাণদের শহর অথবা কোন জিলার আদালতে তদর্থে নালিশ হউলে অধিক যত লইয়া থাকে তাহার দ্বিগুণ দণ্ডক্রমে ফিরিয়া দিবেক ইতি।—১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৭ ধা। मह (मण ३४०७ मा। २१ छा। १ धा।

১৬২। উপরের ধারার লিথনক্রমে যত তলবানা জমা হয় তাহা মাস আথীরীতে কালেক্টর সাহেবের নাজির ও সওয়ারের জমাদার কালেক্টর সাহে এব॰ সেই নাজিরের জমাদার কালেক্টর সাহেবের দস্তথভীহিসাবে বের মারফতে যেম कर्मप्राउ प्रमाको थाजानात थाजाक्षीत निकटि माथिन कतिरवक ও ^{उ थत्र हहरवक} দেই ফর্দ্ধ নিদর্শনী লিখনের মতে থাজানার দম্ভরে রহিবেক ও দেই দস্তথতী ফর্চ্বের লিখিত সকল তলবানার মধ্যে কেবল পেয়াদাদি গের ও দওয়ার ওগয়রছের খোরাকী উপরের ধারানুদারে মিনাছ হইবেক ইভি।-১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৮ ধা।

তাহার কথা।

পাওয়া ভলৱানা

मत तान ३४०० मा। २१ छा। ४ था।

১৬৩। ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ দালের ২ দ্বিতীয় আইনে যে হজুরী মা লপ্তজার্দিগের হক্ পাইবার বৃত্তান্ত লেখা গিয়াছে তাহার্দিগের ব্যাহার্দিগের স্থা কাহার কিস্তির টাকা কথন বাকী পড়িলে কালেক্টর সাহেবের ক্ষম নে থাজানা তলব তা আছে যে সেই বাকী থাজানার তলবে তাহার নামে কিয়া তাহার করিবেন তাহার ক জামিনের নামে অথবা আবশাকতাক্রমে সেই উভয়ের নামে দম্ভক কিয়া তলবচিচী পাচান্ ইতি।—১৭৯৫ দা। ৬ আ। ১ ধা।

কালেকটর সাহে

मस (मन ১৮०७ मा। २१ छ्या। २ था।

১৬৪। যে ভূমির থাজানা কালেক্টর দাহেবের বরাবরে দাথিল না হয় তাহাতে তহদীলদারের কর্ত্তব্য যে আপনার পাঠান দম্ভক ঘাহারদিগের স্থা বার্থ হইলে সে যদি পুর্বের মালজামিন দিয়া থাকে তবে সেই মালজা নে থাজানা তলব মিনের সেই দম্ভক পাঠাইবার তারিথহইতে পাঁচ দিনগতে আপন করিবেক ভাহার ক বাকী আদায় না করা বাকীদারের উপর রোজ ইজাফা অর্থাৎ উত্তর্থ তলবানার হার বাড়িবার নিরূপণে দম্ভথতী তলবচিঠী জারী করিবার অনুসারে দম্ভক পাচায়। এরপে দেই মালজামিনকে যে দিনে তহসীলদারের কাছারীতে আনিবার নির্ণয় দম্ভকে হইয়া পে য়াদার প্রতিত্তক্ম হইয়া থাকে সেই দিনপর্যান্ত যে দিবদে তলবানা দমেত দেই বাকী টাকা বাকীদার কিয়া মালজামিনের দারা তাহার বাসম্ভানে অথবা কাছারীতে মিলে সেই দিবসে সে দম্ভক মৌকুফ रहेग्रा পেয়াদার বর্থাস্ত করাইবেক। ইহাতে কালেক্টর সাহে Vol. I.

তহসীলদারের।

বের নিকটে বাকীদার ও মালজামিনদিগকে পাঠাইবার নিমিন্তে মিয়াদের যে ধার্যা নীচের ধারায় লেখা যাইতেছে তদ্ধেট ভাহাব দিগেরে হাজির করাইবার কালের নিরুপণ সেই দম্ভকে লেখা যাই বেক ইতি। - ১৭৯৫ সা। ৬ আ ১০ ধা।

मह (मण ১৮०७ मा। २१ छा। ১० शा।

তহসীলদারেরা লেকটর সাহেবের নিকটে পাঠাইবার কালনিরূপণের ক 1 19

১৬৫। তহদীলদার্দিগের কাহারো উচিত নহে যে কাহাকেও বাকীদারদিগের কা বাকী কিয়া জামিনীর জন্যে লৌহ বেড়ী অথবা কাপ্টের হাড়ি দিয়া কয়েদ রাথে কিন্তু যদি কোন বাকীদার তাহার উপর দম্ভক জারী হইলে দশ দিনের মধ্যে কিয়া কোন মালজামিনের নামে দম্ভকগেলে দে তাহার পাঁচ দিনের মধ্যে বাকী না দেয় তবে ভহসীলদারের কর্ত্তব্য যে তাহাকে বেওরা কৈফিয়ৎসুদ্ধা কালেক্টর সাহেবের নি কটে পাঠায় কালেক্টর সাহেবের উচিত যে এমত সকল মোকদ মার বিচার তহসীলদারদিগের পাঠান কৈফিয়ৎ দৃষ্টে এব ে বছ त्री प्रामधकारत्रत्रापत् ও ठाशात्रिपरगत् प्रामकाप्रिनिपरगत् नार्य यो পন দস্তক কিয়া তলবচিঠী জারী করেন তাহারদিগের মোকদ্মাসক সা লের মতে করেন। এবণ ১০ দশ দিনপর্যান্ত তাহারদিণের কয়েদ হেব বাকীদারদি করিতে ও মহ সিল্দিয়া রাখিতেও পারেন কিন্তু তাহারা কালেকটর

কালেকটর তাহার কথা।

मभरमञ् कथा।

কালেক্টর সা হেবের দর্থান্ত দি वात भजमुत्नत क

থিবার কথা।

গের যত দিন করে সাহেবের নিকটে উপস্থিত হইলে যদি দশ দিনের মধ্যে তলবের দ রাখিতে পারেন্টাকা দেয় কিম্বা এমত ছাদোধ জন্মায় যে তাহা দেই হিন্দী মাদে দি বৈক তবে তাহারা কয়েদ কিয়া মহদিলহইতে থালাদ হইতে পারি বাকীদারদিগেরে বেক। অথবা দশ দিনের পর কালেক্টর দাহেব যে দেওয়ানী আ আদালতের জেহল দালত নিকটম্ব হয় তথাকার মোতালক জেহলথানায় পাচাইবেন। খানায় পাঠাইবার ইহাতে সেই বাকীদারকে কয়েদ করিবার জন্যে দর্থাস্ত লিথিয়া সর কারী উকীলের মার্ফতে তৎকালে দ্রবার থাকিলে কিয়া না থাকি লেও দাখিল ক্রাইতে পারিবেন আর কর্ত্তা যে সে দর্থাস্তে যত টাকা বাকী তাহার সংখ্যা ও সে টাকা যে তারিখে দেওয়া সঙ্গত ছিল সেই তারিথ লেথা যায়। সেই আ**দালতে**র জ্ঞলাহেবের উচিত জজনাহের বাকী যে সেই দর্থাস্ত পাইবামাত্র সে বাকীদারকে আদালতের জেহল मात्रक करवम ता थानाय कराम करतन अव याव मात्र वाको होका अव यह उन्हिन य টাকা দে কয়েদ থাকিবাপঠ্যন্ত তাহার দেওয়া যথার্থ হয় তাহাও সমস্ত না দেয় অথবা কালেক্টর সাহেব তাছার কয়েদ থালাসের মতের দর্থাস্ত না দেন্ তাবৎ দে বাকীদারকেকয়েদ রাথেন্ ইতি।—

मस (मण ३४०७ मा। २१ छा। ३३ धा।

১৭৯৫ সা। ৬ আ। ১১ ধা।

কালেক্টর সাহে कीमाव्रमिरशरव क য়েদ করিবার অর্থে যে ক্ষমতা রাথেন

১৬৬। যে দময়ে কোন অধিকার কিম্বা ইজারার ভূমির যোত ব ১১ ধারাক্রমেবা আবাদের স্থানে তথাকার অধিকারী কিয়া ইজারদারের শৈথিলা ও ক্রটি বিনা অনাবৃষ্টি কিয়া অতিবৃষ্টি অথবা আকাশী অন্যোৎপাত প্রযুক্ত কিয়া কারণান্তর ক্ষতি হয় ও তদনুসারে এত টাকা বাকী সেই অধিকারী কিয়া ইজারদারের শিরে পড়ে যে তৎপ্রযুক্ত ১১একাদশ

ধারার লি*থ*ন**ক্রেম তাহাকে কয়েদক**রণ কর্ত্তব্য হয় ইহাতে কালেক্ তাহা নির্দি**উ** সময় টর সাহেব বিশিষ্ট বিবেচনা ও তহকীকক্রমে যদি বুষেন্যে সেই বিশেষে না চালাই বাকীদার আপনশিরের বাকী আথিরীতক আপন অধিকার কিয়া বার কথা। ইজারার ভূমির উৎপন্নের দারা অথবা নিজহইতে কিয়া কর্জ করিয়া শোধ দিতে পারে না তবে কালেক্টর সাহেবের উচিত যে সে বা কীদারকে ১১ একাদশ ধারার অনুসারে কয়েদ না করিয়া সে মোক দ্দমার বেওরা এব°৲ তাহাকে কয়েদ না করিবার হেতু লিথিয়া বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের নিকটে পাচাইয়া তথাকার হকুমের অপে ক্ষায় থাকেন্ ও তথাকার হুকুম হইলে তদ্মুদারে কার্য্য করেন ইতি। —১৭৯৫ সা। ৬ আ। ১৩ লু।

मह मिन ३४०० मा। २५ व्या। ३७ क्षां।

১৬৭। কথনো কাহারো শিরে বীকী পাড়িলে কিয়া বাকীদার কয়েদ হইলে কালেক্টর সাহেবের কর্ত্তন্য যে যে মহালের তহসীল আলা ইন্ত্রের মতে দারের এলাকাতে দেই বাকীদারের ভূমি থাকে তাহার প্রতি ত্রুম র কথা। करतन् य नितिखामात्रमिरभत्र निहुछ थेकाज्यस्य नत्रकारतत् वाकी या লওয়াজিবী যে পেযাদারা তাছাকে ধরিয়া থাকে তাছারদিগের এর চাসমেত সেই বাকীদার নিজে কিয়া সে মালজামিন দিয়া থাকিলে দেই মালজামিন শোধ না দিলে দেই বৎসর সমপূর্ণপর্যান্ত তাহার ভূমির যে উপস্বস্থ তাহাকে অর্শে তাহাহইতে দেই দন আথিরীতক উদূল করে ইতি।—১৭৯৫ দা। ৬ আ। ১৪ ধা।

বাকী পড়িলে ৰী

मर प्रमा २४०७ मा। ६ छा। २८ था। ५ था।

১৬৮। ইলরেজী ১৭৯৫ সালের ২০ বি°শতি আইনের ৪ চতুর্ধ পারায় হকুম আছে যে যদি কাহার শিরে মালগুজারীর টাকা বাকী সালের ৬ আইনে পড়ে কিয়া সে বাকীদার কয়েদ হয় তবে কালেক্টর সাহেব সেই র ৪ ধারার মর্ম বাকীদারের ভূমি থাকা মহালের তহ্দীলদারকে হুকুম দিবেন যে সে ^{কথা।} তহসীলদার সিরিস্তাদারদিগের সহিত ঐক্য হইয়া সেই বাকীদারকে ধরিয়া আনা পেয়াদাদিগের তলবানামূদ্ধা দেই বাকী টাকা দে বাকী দার নিজে কিয়া মালজামিন দিয়া থাকিলে তদ্য জামিনদার শোধ না দিলে দেই টাকা দে দন আথিরীতক দে ভূমির উপস্থত্ত্বের মধ্যে যাহা দেই বাকীদারের প্রাপ্তব্য তাহাহইতে তইদীল করে। এ ধারা ক্রমে হকুম আছে যে ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ দালের ৬ বন্ধ আইনের লি হেবের। বাকীদার থিত দাঁড়াক্রমে বাকীর কারণ কোন ভূম্যধিকারী কিয়া ইজারদার দিগের দুব্য ক্রোক্ ক্রেদের যোগ্য কিম্বা তদ্য অধিকার অধিবা ইজারার ভূমি ক্রোকের উপযুক্ত হইলে ভাহাতে যদি কালেক্টর নাহেবের বিবেচনায়ু আ ইনে যে দে বাকীদারকে কয়েদ কিয়া তদ্য অধিকার অথবা ইজারার ভূমি ক্রোক্ না করিয়া তাহার বদলে ঐ ১৭৯৫ সালের ৪৫ আই নের এবণ্ম এই আইনের উপরের কএক ধারার লিখিত যে যে বিধি ক্রমে ভূম্যধিকারিগণ ও ইজারদারেরা রাজস্ব উসুলের কারণ আপ নারদিগৌর পেটার প্রজাদির অস্থাবর দুব্য বিক্রম করিতে পারে দেই

वैकारत्की ১৭৯৫

কালেক্টর সা করাইতে পারিবার সময়ের কথা।

বিধিমতে সে বাকীদারের কিয়া তদ্য মালজামিনের অস্থাবর দুব্য নী লামে বিক্রয় হইলে সেই বাকী টাকা অব্যাজে উদুল হইতে পারে ভবে এ গতিকে কিয়া যদি এমত যে সে বাকী আদায়ের যোগ্য অস্থা বর দুব্য সেই বাকীদার ভূম্যাপিকারির অথবা ইজারদারের আছে তথাট তাহাকে কয়েদ কিয়া তস্য অধিকার অথবা ইজারার ভূমি ক্রোক না করিলে সে বাকী উসুল হইতে পারে না তবে এমত গীতি কেও কালেক্টর দাহেব দেই অস্থাবর দুবা প্রস্তৃতথাকা মহালের তহদীলদারকে কিয়াদে মহাল হজুরী নাঁহইলে অনা য়াহাকে নি যুক্ত করা বিহিত বুকেন্ তাহাকেই সে ঝুকীদারের কিয়া তস্য মাল জামিনের অস্থাবর দুব্য সেই বাকী টাকার অনুসারে বিক্রয়ার্থে নি দুব্য যুক্ত করেন। ও তাহাকে হকুম দিবেন যে ভূম্যধিকারিগণ ও ইজা ক্রোক্ ও বিক্রুরের রদারেরা আপনার পেটার প্রজাদির স্থানে পাওনা রাজস্ব উদুলের

অস্থার্ নিষেধ ও বিধির কারণ তাছারদিণের অস্থাবর দুব্য ক্রোক ও বিক্রয় করিবার নিদর্শনী

কালেক্টর সা হেব যে সময়ে তহ मीलमात्रमिशरक वा বিবেন কথা।

দুব্য ক্রোক্ ও নীলা ম করিবার জওয়া র কথা।

আইনের লিথিত নিষেধ ও বিধিদৃষ্টে কার্য্য করে। আর কালেক্ টর সাহেবের ক্ষমতাও আছে যে বিহিতবুকিলে তহসীলদার দিগকে তাহারদিগের তহসীলদারী এলাকার বাকীদারদিগের অস্থাবর দুন্য কীদারদিগের অস্থা ক্রোক ও নীলামের ভার রাথেন্ ও তাহারা সে দাহেবের হকুমের বর দুব্য ক্রোকের অপেক্ষা না করিয়া আপনারদিগের পাওয়া ভারক্রমে সে কার্য্য নিরু ও নীলামের ভার পিত দাঁড়াদৃষ্টে করে। তাহাতে যদি প্রমাণ হয় যে যে টাকার কা তাহার রণ সে দুবা কোক হইয়াছিল সে টাকা যথার্থ দেনা নহে তবে তা হার জওয়াবের দায় তথাকার তহদীলদারের শিরে পড়িবেক। আর তহসীল দারের। যদি ক্রোকহওয়া দুব্য আইনের বিভিন্নমতে বিক্রয় করে তবে তাহার নিশার দায়েও সেই রূপে ঠেকিবেক যে রূপে এ আইনের ২ দ্বিতীয় বের দারে ঠেকিবা ধারানুসারে ভূম্যধিকারিগণের ও ইজারদারদিগের কর্ম চালানিয়া দিগের **উপর** জওয়াবের দার পড়ে ইতি।—১৮০০ সা। ৫ আ। ११ था।

म्ड (म्^म ১৮०७ मा। २१ जा। ১৪ था। २ <u>थ</u>।

সরকারের দত্ত পাটায় নামথাকা দিগের প্রতি বাকীদার্দি গের উপস্বস্ত জন্দে র অর্থের হুকুম চ লিবার কথা।

১৬৯। বাকীদারদিগের উপস্বস্ত্র জব্দের অর্থে ঐ যে হুকুম হইয়া ছে তাহা যে দকল পটীদারের নাম দরকারের দত্ত পাটায় লেখা থাকে ও তাহার৷ তদনুসারে কবুলিয়ৎ দিয়া থাকে সে পটীদারদি গের প্রতিও চলিবেক কিন্তু এরপে ক্ষুদ্র পটীদারদিগের অর্থাৎ সেই পাউার নাম লেখা প্টীদারেরদের অঁ° শিদিগের এব॰ তালুকাতের পেটার গ্রামদকলের জমীদার ও কটকিনাদারদিগের এব ১ ঐ দুই প্রকার ভূমি এতাবতা পটী ও তালুকের প্রজাদিগের স্বত্বলোপ হই त्वक, ना है हार्ड उहमीलमात्र मिर्टिशत कर्जवा य वाकीमात्र मिर्टिशत नि কটে প্রজাপ্রভৃতিতে কবুলিয়ৎ দিয়া থাকিলে সেই কবুলিয়তের অনু সারে ও কবুলিয়ৎ না দিয়া থাকিলে তথাকার দম্ভর্মতে তাহারদি গের স্থানে থাজানা তহদীল করে এমতে বাকীদারদিগের সাধ্য আ ছে যে দিরিস্তাদারেরা যে হিদাব রাথিবেক তাহাছাড়া আপনার্দি

গের পক্ষের জনেককে জমা থরচ লিথিতে বাক্যার্থ কুজুনবীদীর কা রণ নিযুক্ত করে ইতি।—১৭৯৫ সা। ৬ আ। ১৫ ধা। म्ड मि^म ১৮०७ मा। २२ छा। ১৫ धा।

১৭০। যদি কথন কেহ জ্ঞানত উপরের ধারাসকলের লিখিত।ন ষেধ ও বিধির অতিক্রম কিয়া তদনুসারে কর্মা করিতে অত্যাবশ্যক অবুমের অতিক্রম ব্যতিরেকে কর্কশতা করে তবে যাহার প্রতি এমত অতিক্রম কিয়া কর্কশতা হইয়া থাকে দে তদর্থে আপনি অথবা উকীলের মারুফতে এলাকা বারাণসের শহর কিয়া কোন জিলার দেওয়ানী আদালতে নালিশ করিতে পারিবেক। তাহাতে জজসাহেবের কর্ত্তব্য হইবেক যে এমত মোকদ্দমার ফরিয়াদীর আরজীর নকল যে কালেক্টর সা হেব অথবা তহসীলদারের নামে নালিশ হইয়া থাকে তাঁহার নিকটে পাচাইয়া দেন্ এব ে তাহার জওয়াব দিবার কারণ পথের দ্রাদ্র দুষ্টে এক মিয়াদের ধার্যাকরেন ইহাতে কালেক্টর সাহেব কিয়া ত্হদীলদারের উচিত যে আরজীর নকল ও এত্তেলানামা পাইলে পর এত্তেলানামার লিথিত মিয়াদের মধ্যে তাহার জওয়াব যে দকল দা ওয়ার জন্যে দেই ফ্রিয়াদীর প্রতি দস্তক জারী হইয়া থাকে তাহার নিদর্শনে দাখিল করেন। এ রূপে যদি সেই ফরিয়াদী কালেক্টর সাহের কিয়া তহসীলদারের দাওয়া দিতে চাহে তবে জজসাহেবের কর্ত্তব্য যে সে বিষয়ের বিচারে ক্ষমা দেন। অথবা যদি ফরিয়াদী কিয়া তাহার উকীল আপন রদ্ধজওয়াবে দে দাওয়া না মানে ও দেই তলবের টাকা এবণ্ম সোকদ্দমা নিষ্পত্তিপর্যান্ত কিন্তি কিন্তির যত টাকা তাহার স্থানে যথার্থ পাওনা হয় তাহা দিবার অর্থে মালজামিন দেয় এব॰ এমত একরার করে যে আমার স্থানে আদালতের ডিক্রী ক্রমে যত পাওনা দঙ্গত হইবেক তাহা খ্রচাদমেত দিব উবে জজ্ঞা হেবের উচিত যে কালেক্টর সাহেব কিছা তহসীলদারের নামে ফরিয়াদীর মহদীল পেয়াদার বরথাস্ত এবণ দস্তক জারী মৌকুফ করিবার পাঠে এক ভ্রুমনামা পাঠান্ তদনুসারে কালেক্টর সাহেব কিয়া তহদীলদার দে পেয়াদার বর্থাস্ত ও দন্তক জারী মৌকুফ করি বেন। ইহাতে যদি ফরিয়াদীর উপর দাওয়া সকলের মধ্যের কিছু প্রমাণ না হয় তবে জজসাহেব সে ফরিয়াদীকে ছাড়িয়া দিবেন এব^ মোকদ্মার বেওরাদৃষ্টে কালেক্টর সাহেব কিয়া তহসীলদারের স্থানছইতে থরচা ও নোকদান দেওয়াইবার অর্থে যেমত বিহিত জা নেন্ তাহার ডিক্রী করিবেন এব েডিক্রীক্রমে যে নোক্সান নির্দিষ্ট হইবেক তাহা এমত দকল মোকদ্মার অর্থে যে দকল হকুম এই আইনের নীচের ধারায় লেখা যাইতেছে তদনুসারে সরকারছইতে কিয়া কালেক্টর সাহেব অথবা তহ্সীলদারের স্থানহইতে দেওয়ান যাইবেক। আর যদি তলবের টাকাদকলের মধ্যে কিছু পাওনা প্রমাণ হয় তবে তাহা দিলে জজসাহেব ফরিয়াদীকে থালাস করিবেন কিন্তু জজসাহের ঐ উভয় মতেই অর্থাৎ দাওয়ার কিছু প্রমাণ হইলে किश्वा ना इहेला अकतिवामीरक थानाम कतिवाव भूरखे जाहात श्वारन

উপবের লিখিত করিলে কালেকটর भारवत ও उर्शन দারের নামে নালি শহইতে পারিবার

কালেকটর रहर ও उहमीलमा র কাহারো স্থানে খাজানা তলব করি ल म लाक म টাকা সঙ্গতাসঙ্গতে র অর্থে নালিশ ক বিতে শক্ত হইবার

এইরপে জামিন লইবেন যে যদি কালেক্টর সাহেব কিয়া তহসীল দার আপন ইচ্ছায় অথবা বোর্ড রেবিনিউর লাহেবদিগের অনুমতি তে সে মোকদ্দমার আপীল করেন তবে তাহার শেষ ডিক্রী যাহা হয় তাহা দেই ফরিয়াদী মানে। তাহাতে যদি কালেক্টর সাহেব কিয়া তহদীলদার কহেন যে আপীল করিব না অথবা নির্দারিত মি য়াদের মধ্যে আপীল না করেন তবে জজলাহেব লে ফরিয়াদীর স্থানে জামিন না চাহিয়া ছাড়িয়া দিবেন ইতি।—১৭৯৫ না। ৬ আ। ১৬ ধা।

म्ह*रा*ण ३४०७ मा। २१ जा। ३७ था। ५ था।

মৌকৃফ ক্রোক হইবার কথা।

সালের ৬ আইনে র ১৬ ধারার লিখ নানুসারে নালিশ করিবার যে সাধ্য পাইবার কথা। দিলে ক্রোক্মৌকু ফ না হইবার কথা। নালিশের কারণ দুবা কোক্ ও নীলা র কথা।

অসঙ্গতাবধানে পারে। ও তথায় নালিশ হইলে পর বিচারমূথে যত টাকা অসঙ্গত লওয়। টাকা ফিরি ক্রমে কালেক্টর সাহেবের লওয়া প্রমাণ হয় তত টাকা তাহা দিবার য়া দিবার মতের ক দিন ইস্তক ফিরিয়া পাইবার দিবস লাগাইৎ বৎসরে শতকারা ১২ বার টাকার হারে সুদসমেত সরকারের থাজানাহইতে অব্যাজে সেই

১৭১। যদি কোন বাকীদার ভূম্যধিকারির অধিকার কিয়া ইজা সময়ের রদারের ইজারার ভূমি ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ সালের ৬ য় আইনের ১৪ চতুর্দশ তথা ১৫ পঞ্চদশ ধারানুসারে ক্রোক্ হইয়া পরে দেই বাকী টাকা তদনন্তরের যথাসঙ্গত তলবী টাকা ও ক্রোকী থরচাসমেত দে ভূমির উৎপন্নের দারা কিম্বা প্রকারান্তরে দেই দন ফদলী উন্তীর্ণ হইবার পূর্বের মিলে ভবে সে ক্রোক্ মৌকুফ করিয়া সেই ভূমির ক্রোকী দময়ের জমা এরচাদির নিকাশ তাহার অধিকারি কিয়া ইজা এ আইনের দাঁ রদারকে প্রকৃতপ্রস্তাবে বুঝাইতে হইবেক। এব॰ ভূম্যপিকারিগণ ড়াছাড়। কর্ম করি ও ইজারদারের। যে রূপে ঐ ৬ ষষ্ঠ আইনের ১৬ ষোড়শ ধারানু লে তাহাতে ভূমা সারে কালেক্টর সাহেবের কিয়া তহসীলদারদিগের নামে তাঁহারা ধিকারি প্রভৃতিতে ঐ ৬ ষষ্ঠ আইনের দাঁড়ার অন্যথাচরণ করিবাতে জিলাসকলের কি ম্বা শহরের আদালতে নালিশ করিতে পারে দেই রূপে তাঁহারদি গের নামে তাঁহারা এ আইনের দাঁড়াছাড়া চলিলেও নালিশ করিতে পারিবেক। জানিবেন যে এমত নালিশী মোকদ্দমায় যেমতে জজ मार्ट्रात्तर । भूके ३७ श्रातात य व्यवश्वित व्यनुमारत कतिशामीत स्नारन রাথে তাহা বৃদ্ধি জামিন লইয়া তাহার বন্ধন মোচন কিয়ামহদিল বর্থাস্ত করিতে পারেন্ সে মতে সেই ফ্রিয়াদীর উপর কালেক্টর সাহেবের কিয়া বাকী টাকা ুনা তহসীলদারের কৃত বাকীর দাওয়া না মিলিলে তদর্থে ক্রোকহওয়া তাহার অধিকার কিয়া ইজারার ভূমির ক্রোক মৌকুফ হইতে এব॰১ অস্থাবর দুব্যের ক্রোক ও বিক্রয় স্ক্র্ণিত হইতেও পারিবেক না। কা त्। **এই यে मে ताक्ति काल्यक्**रित मार्ट्स्वत किश्वा उड्मीलमारत्त ম মৌকুফ না হইবা নামে, তাহারা অসঙ্গত দাওয়া করিবার হেতুদিয়া নালিশ করিতে পারিবেক কিন্তু যদি কোন ভূম্যধিকারী কিন্তু। ইজারদার কালেক্টর সাহেবের তলবকরা এমত টাকা সমুদায় কিয়া তন্মধ্যের কিছু অস কত মানিয়া দে কথা দর্থাস্ত লিখনের দারা দে লাহেবের স্থানে জা নাইয়া উৎপাত মিটাইবার কারণ আদৌ সে টাকা দিয়া পশ্চাৎ তদর্থে দেওয়ানী আদালতে নালিশ করিতে চাহে তবে তাহা করিতে

ব্যক্তি পাইবেক। ও জানিবেন যে সরকারের পক্ষে টাকা লইবার মোকদ্মায় কালেক্টর সাহেবের নামে নালিশ হইবার নিদ্র্শনে যে মোকদ্মার ইঙ্গরে দকল দাঁড়া ঐ ষষ্ঠ আইনে আছে দে দাঁড়া দমস্তই এ ধারাক্রমে কালেক্টর সাহেবের নামে নালিশ পঁহুছা মোকদমাসকলের প্রতি চলিবেক। আর বৃষিবেন যে কালেক্টর সাহেবের কৃত হুকুমের উপর কোন ভূম্যধিকারী কিম্বা ইজারদার দুদ্যামিক্রমে জোর করিলে এ ৬ আইনের লি কিয়া করাইলৈ অথবা কোন গড়নে দে চ্কুম না মানিলে দে দুদাার খিত দ্দ্যামি দ্র হ প্রতিফলার্থে ঐ ৬ ষষ্ঠ আইনের যে সকল বিধি আছে সে বিধি ইবার দাঁড়া সাত্য সমস্তই সাব্যস্ত থাকিয়া তাহা এ আইনের অনুসারে কালেক্টর সা স্থ রাখিবার কথা হেবের করা হুকুমের উপর কেহ জোর করিলে কিয়া করাইলে অথবা কোন গড়নে দে হুকুম না মানিলে তাহার প্রতিফলার্থে থাটি বেক ও জানিবেন যে দদর দেওয়ানী আদালতে মোকদমাদকলের আপীল হইবার ভার লাঘবী ইঙ্করেজী ১৭৯৮ সালের ৫ পঞ্চম আইনের ২ দ্বিতীয় ধারার অনুসারে সিক্কা পাঁচ হাজার টাকাপ ^{মোকদমা} আপীল গ্যন্তের মোকদ্দমায় মফঃদল কোর্ট আপীলের ডিক্রী চড়ান্ত পাই বার নির্ণয় ঐ সদর দেওয়ানী আদালতে সিষ্কা এক হাজার টাকাপ র্যান্তের মোকদমার আপীল না হইবার অর্থের পূর্ব্ব নিরূপিত হুকু মের পরিবর্ত্তে হইয়াছে এব ১ ঐ ভারলাঘবী ৫ পঞ্চম আইনের দৃষ্টে সদর দেওয়ানী আদালতে মোকদ্দমা আপীলের যোগ্যাযোগ্য ঠাহরিবার বিবেচনা দেই দাঁড়ায় হইবেক যে দাঁড়ায় বিবেচিবার ধার্য্য ঐ ভারলাঘনী ৫ পঞ্চম আইন চলিবার পূর্ব্ব জারীহওয়া আ ইনসকলে হইয়াছে ইতি।—১৮০০ সা। ৫ আ। ২৩ ধা। महारमण ३४०७ मा। २१ छा। ३७ ४।। २ ४।

মূলের লিখিত जी ১৭৯৫ मारलद ৬ আইনের ভক্ম খাটিবার কথা। এ আইনের মতে

मम्द्र मिछश्रानी আদালতে যে যে হওনের যোগ্য তা হার প্রবাচক কথা।

১৭২। [তর্জমাহয় নাই।]

১৭৩। জানিবেন যে ক্রোকের নিদর্শনী ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ দালের ৬ ষষ্ঠ আইনের ১৫ পঞ্চদশ ধারা দাব্যস্ক রাথা গেল কিন্তু ব্ফিবেন সালের ৬ আইনে যে ঐ ১৫ ধারায় তহ্দীলদার্দিগের নামে হকুম আছে যে তাহারা যে করারদাদ তাহারদিগের দহিত বাকীদারদিগের হইয়া থাকে দেই করারদাদদৃষ্টে প্রজাগণের স্থানে মালগুজারী তহসীল করে। তাহাতে যদি এমত বোধ হয় যে তৎকালে কিয়া উত্তরকালে দে ভূমি ক্রোক হইলে যাবৎ ক্রোক থাকিবেক ভাবৎ সরকারের মালওয়া জিবী উদুল হইতে পারিবে না এমতাশয়ে দে রোয়দাদ গড়নের উপর হইয়াছে তবে দে হুকুম অকর্মণ্য হইবেক। ও এমত গতিকে তহ্সীলদারেরা পরগনার চলনমতে মালগুজারী বাকীদারদিগের ও প্রজাগণের উভয়তঃ কিছু করারদাদ না হইয়া থাকিলে যেরপে লই বার হুকুম আছে দেই রূপে দেইবেক। এবণ এ ধারাক্রমে হুকুম হইতেছে যে এ আইন খোষণা পাইলে পর কোন ভূমি ক্রেকি ^{ইতে} পারিবার ম হইবার সময়ে যদি তথাকার প্রজাগণের এমত আপত্তি হয় যে তা ^{তের কথা}!

हेक्टविकी ५१৯৫ র ১৫ ধারা সাব্যস্থ থাকিবার কথা

হারা হাল ভঞ্জনক্রমে কিন্তির নির্দ্ধারিত সময়ের পূর্ব্বে আপনার্দি গের মালগুজারীর টাকা দিয়াছে তবে তাহা ধনা যাইবেক না। ইহাতে ভূম্যপিকারিগণ ও ইজারদারদিগকে নিষেধ আছে যে কি স্তিবন্দীর কিম্বা অন্য করারদাদের অনুসারে অথবা তথাকার চলন মতে যে মালওজারী তাছারদিগের প্রজাবর্গের স্থানে পাওনা তাছা কিস্তির নির্দ্ধারিত সময়ের পূর্বের তলব নাকরে ও নালয়। এব॰১ প্রজাবর্গকেও নিষেপ আছে যে তাহারা কিস্তিবন্দীওগয়রহের অনু मारतत उनवी भानश्रकाती किस्तित निकाति मभरगत शृर्स्य ना राग যদি এ নিষেধের অন্যথায় মালগুজারী দেয় ও তাহার দাঝিলা প্রকৃত কি অপ্রকৃতইবা দর্শায় তবে তদ্দুষ্টে দেই অধিকার কিয়া ইজারার ভূমি ক্রোককরণিয়া দরকারী আমিলার স্থানে দে টাকা মজুরা পাই বৈক না। কিম্বা ভূমাধিকারিগণের ও ইজারদারদিগের নিকটেও এ আইনের লিথিত দাঁড়ায় বাকী উমুলের কারণ কট্কিনাদারদিগের কিম্বা প্রজাগণের বস্তু ক্রোক হইয়া থাকিলেও তাহার ঘোষণা এমতে যে অমুকের বস্তু ক্রোক হইয়াছে পাইলে যাবৎ দে ক্রোক মৌকু ফের অর্থে ঘোষণাপত্র না হয় তাবৎ কিম্বা ভূম্যপিকারিগণ অথবা ইজারদারেরাও যদি এ আইনের লিথিত দাঁড়ায় বাকী উদ্লের কারণ কট্কিনাদারদিগের কট্কিনার মহাল কিয়া প্রজাবর্গের জমার ভূমি ক্রোক করে তবে দে ক্রোকের ঘোষণা পাইয়া পরে যাবৎ দে ক্রোক মৌকুফের ঘোষণা না হয় তাবৎ কালের মধ্যে দেই ক্রোকী বস্তুর দং ক্রান্ত রাজম্বদায়কেরা দেই বাকীর দায়ী কট্কিনাদারপ্রভৃতিকে কিছু রাজম্ব দিলে তাহা দেই ভূমাধিকারিগণের কিম্বা ইজারদারদিগের নিকটেও মিনাছ পাইবেক না যদি এমত প্রমাণ না দশাইতে পারে যে সেই রাজস্ব দিবার সময়ে সেই বস্তুক্রোকের ছোষণা জানিতে পারে নাই। ইহাতে হুকুম আছে যে ক্রোকের কালে ঘোষণাপত্র অধিকার কি ইজারার ভূমির দাধারণাধারণ দর্বত দেওয়া যায়। কিন্তু জানিবেন যে এ ধারীক্রমে বাকীদারেরা প্রজাদির স্থানে কিন্তির নির্দ্ধারিত সময়ের পূর্ব্বে হালভঞ্জনক্রমে কিয়া তাহারদিগের অধিকা রাদি ক্রোক হইলেই বাযাহা কসিয়া লইয়াথাকে তাহার দায়হইতে ছাড়ান পাইনেক না উপরের লিথিত নিযেগ কেবল কোঁকের বিষ য়েই থাটিবেক ইতি।—১৮০০ দা। ৫ আ। ২৪ ধা।

দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। ২৭ আ। ১৫ ধা। ৩ প্র।

কোন ভূমি কো

১৭৪। কোন ভূমি ক্রোক হইলে তৎকালে যাহারা তথাকার গ্রা ক হউলে তাতার মকর্মচারী দশসনী বন্দোবস্তের মূল হুকুমের ও ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ সা কাগজপত্র দেওরা লের ২৭ আইনের ৯ ধারার ছকুমের অনুসারে নিযুক্ত থাকে তাহা তথাকার কর্মচারি রদিগের উচিত যে যে হিসাবকিতার তাহারদিগের রাথিবার অর্থে ছকুম আছেদে হিদাব কালেক্টর দাহেবদিগের দমীপে কিয়াওাঁহার গের পক্ষহইতে নিযুক্তহওয়া আমীনপ্রভৃতির নিকটে যোগাইয়া

কালেক্টর সাহে দেয়। আর এ ধারাক্রমে কালেক্টর সাহৈবদিগকে হুকুম আছে বেরা কর্মচারিগণ যে তাঁহারদিগের যাহার যে ব্যাপ্য সীমানার মধ্যে সর্বতে ঐ ধারা

ক্রমে কর্মাচারী নিযুক্ত হইয়াছে কি না ইহার তহকীক অবিলম্বে কে নিযুক্ত করাইবা করেন্। ও যথায় নিযুক্ত না হইয়া থাকে তথায় তৎক্ষণাৎ নিযুক্ত র চেষ্টা পাইবার করান্ এব° ভূমাধিকারিগণকে ঐ আইনের হুকুমের মতে চলান্। কথা। করান্ এব ১ পৃথা। বিগাবিকাবের আহলের হুকুনের এতে চলাব্।
ত তাহারা যদি সে হুকুমের মতে না চলে তবে ঐ ১ পারার ১ প্রক্ মচালানিরা ক্ষুণ্ রণের লিথনানুসারে দণ্ডা হইবেক ও সে দণ্ড লইবার আবৃশাক ভুমাধিকারিগণ এ হইলে ঐ প্রকরণানুসারেই লইবেন। * আর এ ধারাক্রমে মুষ্ট জা ধারাক্রমে কর্মচা নান যাইতেছে যে কুদুং যে সকল ভূমাধিকারী নিজে আপনং অপি রী না রাখিবার ক কারের ব্যাপার করে ও কর্মচারির মাহিনা দিতে না পারে তাহার था। দিগের প্রতি হুকুম নাই যে ঐ পারার লিখনানুসারে কর্ম চালাইবার কারণ কর্মাচারী নিযুক্ত করে। কিন্তু এমত গতিকে সে ভূমাপিকারি গণের কর্ত্তব্য যে তলবমতে কাগজপত্রের যোগান যে রূপে কর্মচা হয় ডাহার কাগজ রিরা দিত সে রূপে তাহারাও যোগায় এব^০১ এ আইনমতে যে প^{ত্র আমলাদিগে} ভূমাপিকারির অধিকার কিয়া ইজারদারের ইজারার ভূমি ক্রোক রে তথাকার অধি হয় তাহারদিগের উচিত হইবেক যে তাহারদিগের নিকটে সনহাল কারী কিয়া ইজার কিয়া গুজন্তা ও পয়ওম্ভার যে জমাওয়াদীল্বাকী কাগজ থাকে হেবপ্রভূতির স্থানে তাহা এবণ তাহারদিগের গোমস্বাপ্রভৃতি তহসীলের সণ্ক্রান্ত নানা দাখিল ও কৃজ ক প্রকার আমলাদিগেরও কালেক্টর সাহেবদিগের স্থানে কিয়া আমী রিবার ও তাহা না নপ্রভৃতি যে কেহ দে সাহেদের প্রস্তে নিযুক্ত হয় তাহার নিকটে দা করিলে দণ্ড হইব। থিল করে ও রুজু রাথে। ও তদর্থে কালেক্টর সাহেবদিগের মো র ^{কথা।} হর ও দস্তথতী পরওয়ানা পাইয়া যদি কোন ভূমির অধিকারী কিয়া ইজারদার কোন কাগজপত্রাদি যোগাইতে না চাহে কিয়া সে পরও য়ানা না মানে তবে বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা কালেক্টর সাহেব দিগের হকীকৎদৃষ্টে সে মোকদমার ভাব বৃক্তিয়া সেই ত্রুটিকারকের যত দণ্ডকরণ বিহিত জানেন তাহা এীয়ত গবর্নর জেনরলের হজুর कोत्मालत मगाि ७ प्रश्रुतोकाम कतिए छुकूम पिरान । अव^० थे হজুর কৌন্সেলের বিশেষ কর্তৃত্ব আছে যে ভূম্যাধিকারিপ্রভৃতির যে কেহ তলববাকী কাগজপত্রাদি দাখিল করিতে না চাহে তাহাকেও কয়েদ রাথিবার হকুম দেন ইতি।—১৮০০ দা। ৫ আ। ২৫ ধা। मह (मण ১৮०७ मा। २१ जा। ১৫ था<u>रा। १ छ।</u>

১৭৫। যদি দন আথিরীতে কোন তালুকদার কিন্বা জমীদার অথ বা অন্য ভূম্যাধিকারির স্থানে বাকী পড়ে তবে কালেক্টর দাহে সুন আখিরীতে বা বের কর্ত্তব্য যে সেই বাকীর সংখ্যা এবং যে ছেডুতে সে বাকী পড়ে কীদার হইলেডাহা তাহার বেওরাকৈফিয়ৎ লিথিয়া বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের নি রুদিগে ভূমি যাহা কটে পাঠান। তদনন্তর যদি বৃকা যায় যে তাছার অসঙ্গত বায়বাসন করাতে তত বাকী পড়িয়াছে ও তাহা তাহার কিয়া ভাহার মালজা মিনের দ্বারা মিলিবার লক্ষণ দেখা না যায় তবে ঐ বোর্ডের সাহেবে গের সম্বত ব্যয়ক রা কালেক্টর সাহেবের পাঠান কৈফিয়ৎ দৃষ্টে উচিত জানিলে ও রাতেবাকী পড়িলে শীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলের মঞ্র হইলে যে উদ্যোগ করা

যে ভূমি ক্রোক

ভূম্যধিকারির। করা যাইতেক ভাহা

ভূম্যধিকারিদি

^{*} এই আইন প্রকাশহওনের পর পাটওয়ারি বিষয়ক আইন মহান্তর হুইল। পাটওয়ারি ধিষয়ক অধ্যায় দেখা। Vot. I.

था।

বাকী অন্য পটাদা রেরা দিতে চাহিলে তাহারদিগেরে সে है वाकीमाव्यम्दिशव র কথা।

ষাইবেক ভাহার ক কালেক্টর সাহেবকে ত্রুম দিতে ক্ষমত। রাথেন্ যে সেই বাকীদা রের হক্ যাহাকে অধিকারভূমি বলা যায় তাহা তাহার অণ্শি পটী বাকীদারদিগের দারদিগের মধ্যের জনেক কিয়া অধিক জন যে কেছ কিয়া যাহারা দে ভূমি পাইলে দরকারের বাকী শোধ দিতে পারে ও দেই ভূমি লইতেও স্বীকার করে তাহাকে কিয়া তাহারদিণেরে দেন্ ইহাতে জা নিবেন যে এমত সকল বিষয়ে বাকীদার আপনার সমস্ত ভূমিছইতে ভূমি দিতে পারিবা বেদথল হইবেক না কালেক্টর লাছেব তাছার নিজ যোতের কারণ যত ভূমি তাহার পরিবর্ত্তে নির্দিষ্টহওয়া পটীদারের স্বীকারক্রমে **(म** ७ श्रो प्रश्नुत करतन् उठ ज्ञि (महे वाकीमात्रक मिश्रा डाहारक कृपु অংশি পটীদারের ন্যায় জ্ঞান করিবেন এবং যে হারে ক্ষুদু পটীদা রেরা মালগুজারী দেয় সেই হারে সেই বাকীদার দিবেক কিন্তু যে কোন পটীদার নিজে দেই বাকীদারের নিকটে বাকীর দায়গৃস্ত রহে তাহার দাধ্য থাকিবেক না যে দেই বাকীদারের ভূমি লয় তাহাতে কালেক্টর সাহেবের কর্ত্তব্য যে সেই বাকীর দায়গ্রস্ত লোকছাড়া অন্য অংশি পটীদারদিনেরে একেং ভারী অংশী হইতে উত্তরং কৃদাং শিদৃষ্টে জিজ্ঞাদা করেন যে তাহারা দে ভূমি লইতে চাহে কি না ইহা তে ভারী জনেকে লইতে চাহিলে তাহাকেই নতুবা ভারী ও ক্ষুদু যে কএক জনে মিলিয়া লইবার বাসনা করে তাহারদিগেরে দেই ভূমি (पन्।--- ১৭৯৫ मा। ७ जा। ১৭ ধা। ১ প্র।

मह (मण ১৮०० मा। २१ छा। २१ धा ५ छ।

বাকীদারের কে র কথা।

ড়িলে যে মত কর্ত্ত ব্য তাহার কথা।

কর্ত্তব্য কথা।

১৭৬। কোন বাকীদারের অধিকারভূমি জনেক কিয়া অধিক জন कारवं महकारत ज्ञारे भिनातरक मिथवा शिरान महकारत वाकी जानाव ना इह জন হইতে পারিবা তে পারিলে অথবা দে ভূমির অধিকারির দঙ্গত বায়করাতে দে বাকী পড़िয়াছে এমত প্রমাণ না ছইলে যদি দেই বাকীদারের পরিবর্ত্তক কাহারো মন্দ ভা রণ প্রীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলে উপযুক্ত গা হেতুক বাকী প না জানেন তবে ঐ হ জুরের মঞ্জুরীক্রমে বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা কালেক্টর সাহেবকে ক্ষমতাপণি করিবেন যে সেই বাকীদার যদি এমত হুদোধ জন্মায় যে সেই বাকী ও আইন্দা মালগুজারী সময়শি রে দিবেক তবে তাহাকে বহাল রাথেন কিয়া যদি বুকেন্ যে সেই বাকীদারের ভূমির আগামি বৎসরের সমস্ত উপস্বস্থ জব্দ করিলে সর কারের মালগুজারীর দংস্থান হইবেক তবে ১৫ পঞ্চদশ ধারার লি ভূমির তহকীকা থনানুসারে তাহার আগামি বৎসরের উপস্বস্ত জব্দ করিবেন। ওএ তের জন্যে কালেক্ গতিকে কালেক্টর সাহেবের কর্ত্তব্য যে এমত ভূমির উৎপন্ন তহ টর সাহেবের যে ক্রীক আমানী মহালাতে স্থিত বুকিবার অনুসারে যথোচিতক্রমে তাহার করেন্ বাক্যার্থ দারমৃত্তিকা কিয়া পদ্ধ ফেলিলে অথবা বন কাটাই ल कि जल वाहित इंडेवात अर्थ थानवन्ती कताइ लाडेवा याहारा নে ভূমির উপস্থত্ত্বদ্ধি পায় ও অস্থিত না হয় তাহার বিস্তারিত লি থিয়া বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের নিকটে পাচান। -> ৭১৫ সা। ৬ আ। ১৭ ধা। ২ প্র।

मह (मन ১৮०७ मा। २१ जा। ३१ था। २ প्र।

১৭৭। যদি কোন বাকীদার এই ধারার প্রথম প্রকরণের লিথনা নুসারে সরকারের মালগুজারীর স্থিত ভাঙ্গিয়া অসঙ্গত ব্যয়বাসনকর গের বৈদখলী কা ণপ্রযুক্ত আপন অধিকারছইতে অপদস্থ অর্থাৎ বেদ্থল হয় তবে লে তাহারদিগের তাহার অধিকারের মোকররী জমাঅপেক্ষা অধিক যাহা তহসীল ভূমির উপয়অ না হইবেক তাহার মধ্যহইতে দে অধিকারের পত্তন আবাদের থ্রচ তাহা যে যে কালে দিবার নিয়ম আমানী মহালাতের জন্যে করা গি য়াছে সেই২ কালে দেওয়া গিয়া বাকী সরকারে দাখিল হইবেক ও _{হইবেক} এমত জমীদারপ্রভৃতি অধিকারিকে দে যাবৎ নিজহইতে দেই বাকী কথা। শোধ না দেয় কিয়া তাহা শোধের কারণ জামিন দাথিল না করে ও তাহার অধিকারের পত্তনবৃদ্ধির অর্থে সরকারের নিজের যে থর্চ হইয়া থাকে তাহাও আদায় না করে তাবৎ তাহাকে পদার্পণ ও বহাল করা যাইবেক না। কিন্তু এই ধারার ২ দ্বিতীয় পুকরণের লিখনক্রমে সরকারের স্থিত নইটকরণ প্রমাণ না হইলে সে অধিকা ^{গোর মতের} বৈলক্ষ রের মোকররী জমাঅপেকা যাহা অতিরিক্ত উদুল হইবেক তাহা নেই বাকীদারের বাকীতে শোধ পড়িবেক ইহাতে যে কালে সে বাকী তাহার বেদথলী সময়ে তাহার অধিকারের পাত্তন আবাদের জন্যে খরচ হইবেক তাহা সরকারের যে থারচ হইয়া থাকে তাহাসমেত সে অধিকারের উপস্থার কথা। ত্বহইতে শোধ পড়ে কিয়া সেই অধিকারী নিজহইতে অথবা মতান্ত রে দেয় কিম্বা তাহা দিবার কারণ জামিন দাথিল করে অথবা বেও রাকৈফিয়ৎদুষ্টে তাহা সমস্ত কিম্বা যত তলবকরণ সরকারে উচিত জানেন্ তাহা দেয় সে কালে সেই বাকীদার ব্যক্তি বহাল হইবার যোগ্য হইবেক ইতি।—১৭৯৫ দা। ৬ আ। ১৭ ধা। ৩ প্র।

ভুমাধিকারিদি হা প্রথম প্রকরণে র অনুসারে মিলে তাকা যেমতে থার্চ

ভুমাধিকারিদি ণ্য প্ৰমাণ না হইলে তাহার অধিকারে র উপস্বজ্ঞ যে মতে

मह*द*म्म ১৮०७ मा। २१ च्या। ३१ धा। ७ श्रा

১৭৮। এই পারার উপরের লিথিত প্রকরণের হুকুমের অন্যথা এই রূপে হইতে পারে যে যে কালে কোন তালুকদার কিয়া জমী মি কাহাকেও ইজা मात्र अथवा अना ज्ञाधिकाती मानश्रकातीत वाकीत करना विमथन ता मिर्ड मत्कारत হয় সে কালে তাহার ভূমির মালগুজারীর ধার্য্য যে কটে হয় সেই কথা। কটে তাহার সরবরাহ দিতে কবুল না করিলে সরকারের কর্তৃত্ব আছে যে সে ভূমি কিছু কাল নিয়মে কিয়া চিরকালের জন্যে কাহাকেও ইজারাদেন্।—১৭৯৫ সা। ৬ আ । ১৭ ধা। ৪ পু।

বাকীদারের ভূ র কর্তৃত্ব থাকিবার

म्**ड (मृग ১৮०७ म**। २२ छा। **५१ धा। ४ थ**।

১৭১। যদি দন ফদলীর আথিরীতে কোন ভূচ্যধিকারির কিয়া ইজারদারের শিরে বাকী পড়ে তবে কালেক্টর সীহেবের উচিত যে বাকী পড়া টাকার ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ দালের ৬ষষ্ঠ আইনের ১৭ দপ্তদশ ধারানুদারে ^{সংখ্যা}যুত হকীকৎ ংপরেজা ১৭৯৫ শালের ওবও আহনের ১০ শগুদ্দা বারাপুনারে ও তাহা উসুলের উ সেই বাকার দ^থ্যা এব^ দে বাকা পড়িবার হেতুর বেওরাহকীক ও তাহা উসুলের উ করিয়া তাহাতে ঐ ৬ যঠ আইনের ১৭ সপ্তদ্শ তথা ১৮ অফ্টাদশ কালেক্টর সাহেব ধারার লিথিত দাঁড়াদৃষ্টে যে উপায় কর্ভবোর বিবেচনা নিজে করেন্ লিথিয়া বোর্ড রে তাহা সমেত লিথিয়া অব্যাজে বোর্ড রেবিনিউতে পাচাইয়া দেন্। বিনিউতে পাচাই ইহাতে যদি সুবে বারাণদের ভূম্যধিকারিগণের করারদাদমতে তাহা বার কথা।

সন আখিরীতে

দাঁড়ার কথা।

নীলাম হইবার রুদিগের অধিকারভূম্যাদি স্থাবরাস্থাবর বস্তু সমস্তই মালগুজারীর বাকী আদায়ের কারণ নীমামে বিক্রয়ের যোগ্য হয় তথাচ তাহা অ ধিকারের ভাব বৃক্তিয়া ও তথাকার বেওরা জানিয়া যে দং স্থানের দারা সরকারের মালপ্রজারী আদায় হয় তাহা নিতান্ত উড়াইয়াছে এমত গতিক নহিলে বিক্রয় করা যায় নাই কিন্তু প্রীযুত গবর্নর্জে নরল বাহাদুরের কর্তৃত্ব সর্বতো ভাবে আছে যে লে ভূমাদি মালগু জারীর বাকী আদায়ের জন্যে বিক্রয় করেন। এ রূপে কোন ভূম্যাদি নীলাম করিতে হইলে কর্ত্তব্য যে ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ সালের ৭সপ্তম * আইনের ২১ ধারার লিথিত দাঁড়ায় তাহার মধ্যের এইক্ষণে ঐ সুবায় চলিত হুকুমবাদে অর্থাৎ ঐ ১৭১৫ সালের ৬ষষ্ঠ * আইনের ৩২। ৩৩। ৩৪ ধারা আর ইঙ্গরেজী ১৭১৬ সালের যে ৫ পঞ্চম * তথা দ্বা দশ আইন এ ধারাক্রমে ঐ সুবায় চলন হইল ইহাবাদে অন্য যে সকল **माँ** जो थे १३ श्राताय আছে उपमूनात्त मारे ज्यापि नीमाय करा याय ইভি।---১৮০০ সা। ৫ আ। ২৬ ধা।

ইজার্দার সন আখিরীতক বাকী দার হইলে সে অ ধিকারে পুনরায় পর্বাধিকারিকে ব হাল করা যাইবার कथा।

১৮০। সন আথিরী পর্যান্ত যদি কোন ইজারদারের কিছু বাকী পড়েও তাহা দেই ইজার্দারের স্থানে কিয়া তাহার জামিনের দারা সেই দন আথিরীতক আদায় না হয় তবে কালেক্টর দাহেব বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের হুকুমে সে বাকী প্রথম সেই ইজারার মহা লের পূর্ব্ব তালুকদার কিয়া তাহার পেটার গ্রামদকলের জমীদার দিগের স্থানে চাহিবেন তাহাতে যদি দে কিয়া তাহারা সেই বাকী শীঘ দেয় কিয়া আগামি বৎসরের মধ্যে তাহা আদায় করিবার কটে কিস্তিবন্দী করিয়া জামিন দেয় তবে তাহাকে কিয়া তাহারদিগেরে সেই জমীদারীতে বহাল করিতে হইবেক ইতি। —১৭৯৫ সা। ৬ खा। ३৮ था। ३ थ।

১৮১। [जर्जमा इय नाहै।]

বাকীদারের ইজা রা বহাল থাকিতে পারিবার কিম্বা তা হার মহাল কিছুকা লের নিয়মে অথবা देवात कथा।

১৮২। পূর্ব্ব তালুকদার কিয়া জমীদার হউক যদি ইজারদারের वाकी मिर्छ श्रीकात ना करत जरव यमि इजातमात अप्रज श्रुष्कां अन्याय যে তাহার নিজের দেনা দেই বাকী আইন্দায় আদায় করিবেক তবে সেই ইজারদার বহাল থাকিতে পারিবেক নতুবা তাহার বাকী যে চিরুকালের জন্মে কেহ শীখু দিবেক অথবা তাহা দিবার অর্থে কিয়া দেই বাকীর মধ্যে ইজারা দেওয়া যা যাহা তাহার স্থানে তলব হয় তাহা দিবার জন্যে জামিন দিবেক তা হাকেই তাহার ইজারার মহাল দরকারের হুকুমে কিছু কাল নিময়ে কিয়া চিরকালের নিমিতে ইজারা দেওয়া যাইবেক ইতি।—১৭১৫ मा। ७ जा। ১৮ था। २ था।

১৮৩ [ভর্জা হয় নাই।]

[&]quot; এই সকল আইন রদ হইয়াছে।

১৮৪। যদি কোন পূর্ব্বাধিকারিকে পদার্পণ না করা যায় কিন্তু। বাকী পড়া ইজারদারকে বহাল না রাথা যায় অথবা কোন নব্য ইজা রদারের মহালকা রদার সেই বাকী কিয়া ভাহার মধ্যে যাহা সরকারে তলব হয় ভাহা দিতে না চাহে তবে দে ভূমি আমানীতে রহিবেক এবণ উপরের লি থিত ধারার ২ দ্বিতীয় প্রকরণে জমীদারপ্রভৃতি ভূচ্যাধিকারিদিণের ভূমি বেদথল করা গেলে তাহার ভূমির পত্তন ও তরদুদের অর্থে যে হুকুম আছে দেই হুকুম এমত ভূমির পন্তন ও তরদুদের প্রতিও চা লান উচিত হইবেক ইতি।—১৭১৫ সা। ৬ আ। ১৮ ধা। ৩ পু।

বাকীপাড়া ইজা লেক্টর সাহেবের ভাবে আমানীতে র হিতে পারিবার ক

১৮৫ [তর্জমাহয় নাই।]

১৮৬। বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা উচিত্ত জানিলে প্রীযুত গবর্ नत् (जनतल वारामूरतत रुजूत कोरन्मरल अरे भतामर्भ मिरवन या कीत् कात् वाकी বাকীপড়া ইজারদারের স্থানে যাহা পাওনা হয় তাহা তাহার জামি পাড়া ইজারদারদি নের স্থানে তলব হইয়া অধিকন্ত দেই ইজারদারের কবৃলিয়তের গের অখাবর বন্ধ লিথিত কটের অনুসারে তাহা আদায়ের কারণ তাহার অস্থাবর বস্তু অর্থাৎ দুব্যসামগ্রী বিক্রয় করা যায় ইতি।—১৭৯৫ সা। ৬ আ। ১৮ ধা। ৪ প্র।

মালওজারীর বা বিক্রয়ের যোগ্য হ ইবার কথা।

मर प्रमा ३४०७ मा। २१ ज्या। ३४ था। ४ था।

১৮৭। যদি কোন তহসীলদার ৩ তৃতীয় ও ১০ দশম ধারার লি থনানুসারে কোন জমীদার কিয়া অন্য ভূম্যধিকারী অথবা ইজারদার তির্ কেহ আপন কিয়া মালজামিনের উপর গত কিস্তির অথবা থাজানার বাকী অন্য টাকার তলবে চিঠা করিয়া পেয়াদার মারফতে পাঠায় ও দে ব্যক্তি তাহার ভ্রুম না মানে কিয়া যে পেয়াদা তলবচিঠী লইয়া যায় তা হার উপর আপনি কিয়া অন্যের দ্বারা নইতা ও জোর করে অথবা ধরা পড়িলে পর পেয়াদার হস্তহইতে পলায় কিয়া দেখা না দিয়া আপন বাটী অথবা অন্যের বাটীতে লুকাইয়া রহে কিম্বা স্থানান্তরে যায় যে তথাহইতে তাহাকে আনিতে না পরা যায় তবে দেই তহ্নী লদারের কর্ত্তব্য যে তাহার রোয়দাদসমেত বেওরা কৈফিয়ৎ লিথিয়া কাজীর মোহর ও সিরিস্তাদারদিগের দস্তথতে যত ত্বরাতে হয় কালে ক্টর সাহেবের নিকটে পাঠায়। তাহাতে যদি ষেই দুষ্ট কালেক্ টর সাহেবের কাছারীতে শীঘ্ হাজির না হয় তবে কালেক্টর সা হেবের উচিত যে তাহার নফটতার ও কিন্তির টাকার জওয়াব দিবার নিদশনৈ এক দম্ভক দুই জন পেয়াদা কিয়া এক জন সওয়ার যাহা চিত্তে লয় তাহার হাওলাৎ করিয়া পাচান্। ও দে ব্যক্তি যে সময়ে হাজির হয় দেময়ে তাহার মোকদ্মার রোয়দাদের বিবেচনা ও বি চার করিতে মনোযোগী হন এবণ বিচারক্রমে সেই দুষ্টকে দশ দি নের অধিক না হয় এমত নিয়মে কয়েদ রাথেন্ অথবা তাহার স্থানে ফেয়ালজামিন অর্থাৎ পুনরায় নষ্টতা না করিবার অর্থে মাতবরী লন ইছার যাছা বিহিত বুকেন্ করেন্। আর যদি প্রমাণ হয় যে _{য়াদাকে}

ভূম্যধিকারিপ্রস্থ বাকী না দিলেও ৩ ও ১০ ধারাক্রমে র তলবচিঠীনামা নিলে ভহসীলদারে র যে কর্ত্তব্যভাহা র কথা।

দুফীতার স্থাদ কালেক্টর সাহেবে র স্থানে লি.খিয়া পাঠান ভহসীলদা রের কর্তবোর ক

এমত মালপ্রজার কে কালেক্টর সা হেব ডলব করিবার

কালেক্টর সাহে বের এলাকার পে বিচার उंज्ञीत कतिराज्ये দাহেতের ক্ষমতার কথা।

পূর্ব্বক শান্তি দিতে দে ব্যক্তি ভছ্সীলদারের তর্ফ পেয়াদার অকৌশলে হাজির হয় নাই তবে দেই পেয়াদা আপন কার্যাহইতে তগীর হইবেক এবং তহুসীলদার্দিগের কেই তাহাকে কথন কোন থানে পাঠাইবেক না আর যদি কালেক্টর দাহেব বিচারক্রমে নিশ্চয় বুক্তেন্ যে তাহাকে তহ্সালদার অনর্থক তলব করিয়াছে একারণ সে হাজির না হইয়া তাহার হুকুম মানে নাই তবে কালেক্টর সাহেব সে তহদীলদারকে কার্যাহইতে অবসর করিবেন এব এই আইনের অনুসারে পেয়াদা দিণেরে ও তহসীলদার্দিগকে কয়েদ ও তগীর করিবার বেওরা কৈ ফিয়ৎ লিথিয়া মাদেং বোর্ড রেবিনিউর দাহেবদিগের নিকটে পাঠা ইতে রহিবেন ঐ বোর্ডের সাহেবেরা তাহাতে যাহা ভাল জানেন্ তাহা রি ছকুম তাহারদিগের কার্য্যচলনের জন্যে দিবেন ইতি।* -> ৭১৫ সা।৬ আ। ২০ ধা।

ल्ह (ल्ला ३४०० मा। २१ जूरा। **२० श**ा।

কালেক্টর সাহে ব ভুমাধিকারিপ্রভু ভিকে কয়েদ করি বার সমাচার জজ সাহেবের নিকটে পারিবার কথা।

১৮৮। কালেক্টর সাহেবের প্রতি ২০ বিপশতি ধারাক্রমে যে ক্ষমতাপণি হইয়াছে তদনুসারে যে কালে কোন ভূম্যধিকারী কিয়া ইজারদারকে করেদ করেন দে কালে কর্ত্তব্য যে দে সমাচার তাহাকে কয়েদ করিবার তারিথ নিদর্শনে সরকারী উকীলের মারফতে যে দে ওয়ানী আদালতের জজসাহেবের হুকুম চলিবার দীমাদরহদের মধ্যে দেই ভূমাধিকারির অধি**রা**র কিয়া ইজারদারের ইজারার ভূমি থাকে সেই জজসাহেবের নিকটে লিথিয়া পাচান জজসাহেব সেই সমাচারপত্র আদালতের দফ্তরে রাথেন্ এইহেতুক যে তাহাকে কয়েদ রাথিবার নিরূপিত কাল বহিভূতি না হয় ইতি ৷-- ১৭১৫ সা ৬ আ। ২১ ধা।

एड (एम ३৮०७ मा। २१ जा। २३ ४।।

ख्यि नीलाय्यद লে তাহা তহসীল দারের মারফতে ক্রোককরাণ কালে ক্টর সাহেবের ক হ্যব্যের কথা।

১৮১। যে কালে এই আইনের লিথিত মর্মানুসারে কোন ভূমি অকুম হইবার কা নীলামের তুকুম হয় সে কালে কালেকুটুর সাহেবের কর্ত্তব্য যে সেই পর্ণনার তহ্দীলদারের প্রতি হুকুম ক্রেন্ যে দে আপনি অব্যাজে দে ভূমি কোক করে এব° দে ভূমির দরকারী মালগুজারীর তহ দীল আইনের মতে এব॰১ ১৫ পঞ্চদশ ধারার লিথিত ক্রোকী ভূমির অর্থের হুকুমের অনুসারে করিতে থাকে ও সে ভূমির অধিকারিকে তাহা উজ্জাইও নতী ক্রিতে না দেয় এবণ্\ সে ভূমির বন্দোবস্তের কা রণ যে বেওরা কৈফিয়ৎ তাহার স্থানে জানিবার আবশ্যক হয় তাহা জানায় অথবা ঐ হজুরহইতে নীলামের হকুম হইবার অগ্রে যদি দে ভূমি তহ্দীলদার কিয়া অন্যের এতমামে রাথা গিয়া থাকে তবে তা হার উচিত যে উপরের লিথিতানুসারে দে ভূমির সরকারী মালগু

[🍍] বাঙ্গালা ও বেছার ও উড়িয়া। দেশের জমিদারেরা রেবিনিউ কর্মকার কেরদের হুকুম প্রতিপালন না করিলে যে দণ্ডের যোগ্য হইবে বারাণস ও मस मिट्या कि मिनादबद्दामद्र मि जानवार्थ हरेला मि मध हरेदि । গ্রন্থের ১৫ অধ্যায় দেখ।

জারী তহদীল করে ও তাহার অধিকারিকে তাহা উজ্জট্ ও মস্ট না করিতে দেয় ও ভাছার স্থানে ভলবকরা বেওরা কৈফিয়ৎ জ্ঞাত ক রায় ইতি।* -- ১৭১৫ সা। ৬ আ। ৩১ ধা।

১৯০ [ভৰ্জমা হয় নাই।]

১৯১। যে২ জমীদারীর জমা ইস্তমরারীরূপে মোকরুর করা গিয়া ছে এমন জমীদারীব্যতিরেকে যে কোন মহালের নিমিত্তে তাহার বস্তুনাহওয়া কোন अञाधिकां विविधाल कि अञाधिकां विस्तर विशेष नाम लिया क म्हालव मालधका নেরদের স্থানে কবৃলির শণওয়া গিয়াছে এমত ১ মহালের মালগু জারীর বাকী পড়িলে এব ১ ঐ মালগুজারী দিতে হইবার তারিশ্বঅ বধি এক মাদের মধ্যে মালগুজারেরা ঐ বাকী আদায় করিতে ত্রুটি করিলে ঐ জমীদারী নীলাম করিবার কোন প্রতিবন্ধক আছে বোধ इडेल अव° थे वाको आमाग्र इडेवात श्रेकातास्त्र ना धाकित्म का লেক্টর সাহেব কি কালেক্টরের ক্ষমতাপন্ন অন্য কোন সাহেব রণের বোর্ডের সাহেবদিগের অনুমতি লইয়া এীযুত নওয়াব গবর্নর জে নরল বাহাদুরের হকুমের অধীনতায় মালগুজারেব্লুদের প্লাওয়া ও দেওয়া পাটা ও কবুলিয়ৎ রদ করিতে এব॰ ১৫^ই পানের বৎসরের অধিক না হয় এমত যে মিয়াদ ঐ এীযুত কৌন্সেলের বৈচকে নির পণ করেন দেই মিয়াদের নিমিত্তে ঐ মহাল ইজারা দিতে কিয়া ঐ মত মিয়াদে 🗳 মহলে থান তহনীলে রাথিতে ক্ষমতা রাথেন কিস্তু 🇳 নীলামের কোন প্রতিবন্ধক খাকা না থাকার কি বাকী আদায় ছই ইবার কথা। বার প্রকারান্তর থাকা না থাকার বিষয়ে রাজম্বের কার্য্যভারাক্রান্ত সা হেবদিগের নিষ্পত্তিই চুড়ান্ত হইবেক ও মহাল ইজারাবিলিতে কি থান তহদীলে রাথা গেলৈ তাহার মালগুজারেরা যে জমা দিবার ইলেতাহাহইতেবা কবুলিয়ৎ লিথিয়া দিয়াছিল তাহাহইতে যদি অধিক টাকা ঐ মহা লহইতে উৎপন্ন হয় তবে ঐ মহালেতে যত বাকা পড়িয়া থাকে তাহা কিম্বা তাহার যে কোন অ° শ আদায় করিবার অর্থে ইজার দার আলাহিদা একরার লিথিয়া দিয়াছে তাহা কিয়া যাহা আর কোন প্রকারে পাওয়া না গিয়াছে তাহা প্রথমতঃ ঐ অধিক টাকাহ ইতে ঐ মালজজারেরা এীযুত নওয়াব গবর্নর্ জেনরল বাহাদুর যেমত হুকুম দেন দেই মত তাহারদিগের পাটা ও কব্লিয়তের লি থিত মিয়াদের শেষ ্দনের সদর জমার অনুসারে তাহার উপর শত করা ৫ পাঁচ টাকার কম ও ১০ দশ টাকার অধিক না হয় এমত পরিমাণে মালিকানা প্রাইবেক ইতি।—১৮২৫ দা। ১ আ। ৪ ধা।

ইন্তমরারী বন্দো রীর বাকী পড়িলে ঐ বাকীপড়নের তা রিথহইতে এক মা সের মধ্যে তাহা আ माग्न ना इहेटन अ বং ভূমি নীলাম ক প্রতিবন্ধক আছে বোধ হইলে যাঁহা করিতে হই বেক ভাহার কথা। মালগুজারের দে র পাউ। রদ করা গিয়া মহাল ইজা রাবিলিতে রাখা যা

অধিক উৎপন্ন হ কী আদায় হইবার ও মালিকানা দেও য়া যাইবার কথা।

২১ ধারা।

কটক ও পর্যানা পটাসপুরের রাজস্ব আদায় বিষয়ক বিধান।

৯২ ই॰ ২০১। [তর্জমা হয় নাই।]

^{*} এই অধ্যায়ের ৩ প্রকরণ দেখা।

২২ ধারা।

তাগারী দিবার ও তাহা আদায় করণের বিধি।

এই ধারাক্রমে সাহেবদিগের তা भावी मिवात मार्था র কথা।

২০২। বোর্ড রিবিনিউর সাহেবদিগের কর্তৃত্ব আছে যে যে সময় বোর্ড রিবিনিউর ভূমাধিকারী ও ইজারদারদিণের তাগাবী দেওয়া অত্যাবশাক জা নেন সে সময় তাহারদিগের ভূমির জমার ফিশতের উপর ৫ পাঁচ টাকার অধিক না হয় এমত হিঁদাবে দিবেন ও যে দময় তাগাবী দিতে হয় সে সময় এ পুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌলেদের रुज़ुद्ध न° वान कब्रिटन किन्कु यमि कान विश्वास थे हिमाद्वत चिछ রিক্ত ভাগারী দেওয়া আবশ্যক হয় ভবে ভাহা দিবার পুর্বের ঐঞ্জযু তের হন্তুরহইতে হকুম লইবেন ও যে তাগাবী দেওয়া যাইবেক তা হার সুদ ফিশতে দরমাহা ১ এক টাকার হিসাবে লইবেন ইতি।--১৭৯৩ সা। ২ আ। ৪৪ খা।

এই আইনের ম তে মালগুজারীর राकी गाका उनुरल র কারণ যেরূপ ধা র্ঘ্য আছে সেইর পে তাগাবী ও পুল বন্দী ওগয়রহৈর বাকী টাকা উসুল হইবার কথা।

২০৩। দরকারহইতে ভূম্যধিকারী ও ইজারদারদিগেরে যে টাকা जानावी (मध्या यात्र अथवी श्रूनवस्ती किञ्च। जानात प्रतम्मास्त्र जाना অথবা জল বান্ধিয়া রাথিবার কারণ কিয়া জলের নালা কাটাইবার নিমিত্তে অথবা ভূমির অপত্তন ও পত্তনের অপর যে যে কার্য্যার্থে যে সকল টাকা পেশগী দাদন করা যায় তাহার বাকী টাকা যেমতে মালগুজারীর বাকী টাকা উদুলের ধার্য্য আছে তদনুসারে উদুল হই বেক এব মাল গুজারীর বাকী উদুলের বিষয়ে যে দকল মতক্তিয়া আছে তাহার মধ্যে যাহা এমত দকল মোকদ্দমায় চলিতে পারে তাহা চলিরেক ইতি।—১৭৯৩ দা। ১৪ আ। ৪০ ধা।

অন্য বাকী উসু লের মতে ভাগাবী ওগররহ উসুল হই বার কথা।

২০৪। ভূম্যধিকারিদিগের স্থানে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৪ চতুর্দশ আইনৈর ৪০ চত্ত্বারিণ্শৎ ধারার লিখনানুসারে কোন প্রকা রে তাগাৰী ওগয়রহের যে বাকী তলব হয় তাহাও অন্য বাকী উদু লমতে উদূল করা যাইবেক ইতি।—১৭১৪ সা। ৩ আ। ৮ ধা।

বারাণস ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৪৬ ধা। ৫ ১৭৯৫ সা। ২৭ আ। ৪৬ ধা। नर दिन् २४०७ मा। २१ जा। ४० दा। ४ **२४०० मा। ७६ जा। २० दा।**

২৩ ধারা।

হৃদাদার ও দিপাহীদিগের ভূমি রাজস্ব আদায় করণ।

কোন হুদাদার কি সিপাহী সরকা রের বাকীদার হই লে ভাহার সমাচার **अ**क्षेरन्त् अतुषात् मारहराक मिरंड ह ইবার কথা।

२०৫। या कांन कप्रोमात कि मत्रकारत प्रामश्चकातीकत्रिया खना যে কোন ব্যক্তির নাম কালেক্টরীর সিরিশ্ভাতে দাখিল আছে সে वाक्ति यपि कलिकांचा ताजधानीमञ्जूकींय इमामात्र कि निशाशीमितात मध्य छमामात्री कि मिशाशीभित्री ठाकत इस उत्व डाशांक अन् মতি আছে যে দে যে পল্টনে যে কর্মরাথে দেই পল্টনের ও কর্মের নামদম্বলিত এক আরজী তাহার ভূমি যে জিলায় থাকে দেই

জিলার কালেক্টর সাহেবের নিকটে দাথিল করে ও ঐ কালেক্টর সাহেবের কর্ত্তব্য যে এ বিষয়ের নিদর্শন ঐ সকল কথাসম্বলিত রে জিউরী বহিতে ও ঐ জমীদারের জমী ও জমাসমুর্কীয় দম্মরেতে লে থাইয়া রাথেন ও যদি মালগুজারীর বাকী টাকা উদুলের কারণ ঐ হুদাদার কি সিপাহীর ভূমি সমুদ্য় কি তাহার কতক বিক্রয় করি পাহী বাকীদার হ বার যোগ্য হয় তবে কালেক্টর সাহেবের কর্ত্তব্য যে এই আইনেব শেষের লিথিত ৫ পঞ্চম নম্বরের শরওয়ামতে লেথা এক ইঙ্গরেজী চিঠীর শামিলে ঐ বাকী টাকার সংখ্যা ও তাহা যে তারিখে দে ওয়। উচিত ছিল দেই তারিথ ও পদ্টন যত দ্রে থাকে তাহার ও মোকদমার অন্যভাবগতিকের দৃষ্টে যে মিয়াদ উপযুক্ত বোধ হয় দেই মিয়াদের মধ্যে **ঐ** বাকী টাকা দিবার তলবের কথাসম্বলিত **ঐ** কালেক্টর দাহেবের দম্ভথৎ ও তাঁহার ভাবের মোহর ও কালেক ট্রীর সরদার আমলার নিশানীযুক্তে এক এত্তেলানামা থাম ক্রিয়া পল্টনের সর্বার সাহেবের নিকটে পাচাইয়া দেন ইতি ৷—১৮১৬ সা। ১৫ আনা ১ ধা। ১ প্র।

छमापात कि मि ইলে কালেকট্র সা হেবের যে কর্ত্তব্য ভাহার কথা।

২০৬। পল্টনের সরদার সাহেবের কর্ত্তব্য যে কালেকুটুর সাহে বের পাঠান চিঠীর জওয়াব বাকীদারের নিকটে 🎕 এত্তেলানামা পঁ হুছিবার তারিথ কি এত্তেলানামা পঁছছান না হইবার হেতু কথাস হিত লিথিয়া পাচান ইভি। - ১৮১৬ সা। ১৫ আ। ১ ধা। ২ প্র।

২০৭। যদি ঐ হুদ্দাদার কি দিপাহী এত্তেলানামার নিরুপিত মি য়াদের মধ্যে বাকী টাকা দাখিল না করে তবে কালেক্টর সাহেবের ল না করিলে কা উচিত যে মোকদ্দমার সমস্ত বেওয়া কৈফিয়ৎ ঐ এত্তেলানামার লেক্টর নকল এবণ তাঁহাতে ও পল্টনের সরদার সাহেবেতে যে২ চিচীপত্র লেথাপড়া হইয়া থাকে তাহার নকল সহিত বোর্ড রেবিনিউর সা হেবদিগের কি বোর্ড কমিদানর দাহেবদিগের কিয়া দুবে বেহার ও বারাণসদেশের কমিদ্যানরসাহেবের হজুরে পাচাইয়া দৈন ও ঐ দা হেবেরা প্রত্যেক মোকদ্দমাতে কালেক্টর সাহেবকে যে ছকুম দেন্ র্থ সাহেব তদনুসারে কার্য্য করিবেন ইতি।—১৮১৬ সা। ১৫ আ। ১ ধা। ৩ প্র।

বাকী টাকা দাখি বোর্ডহইতে হওয়া হুকুমমত কাৰ্য্য ক রিবার কথা।

২৪ ধারা।

সরকারের নিমিত্তে ভূমি থরীদ করণ।

২০৮। যদি কোন সময়ে কালেক্টর সাহেব সরকারের কিয়া বোর্ড রেবিনিউর হুকুমে মালগুজারীর বাকী আদায়ের কারণ হওয়া নীলামেতে কোন ভূমি সরকারের নিমিত্তে এরীদ করেন্ তবে সরকা त्रत्र थारम थाका किञ्चा देकाता (५७ या आत्र थाताको प्रशासत क्षित्र विषया यथ बाह्रेन ও माँचा निर्मिष्ठ बाह्य महेर बाह्रेन ও में ज़ि **थे श्रीमा प्रहालित करभारा उन्हार्य करिया अव**्यात स्वर प्रहाल हा हो हो है कथा। Vol. I.

সরকারেতে ভু মি থরীদ করা গে লে খাস তচসীলে থাকা মহালাতের সম্পর্কীয় ছকুমমতে সেই ভূমির কার্য্য

সরকারের হয় তাহা থাস তহসীলে থাকুক কি ইজারা দেওয়া যাউক ভাহাতেও ঐ্থ আইন ও দাঁড়া থাটিবেক ইভি।—১৮২২ সা।১১ আ। ৩৬ ধা।

২৫ ধারা।

বিবিধ বিধান।

কালেক্টর সাহে বেরা অবজাদোষে ভেদও করিতে পা রিবার কথা।

२० । प्रामधकाती उरमीरमत कार्याजाताकान्त मारहदमिर्गत वा পন্থ কাছারীতে বিশেষতঃ ন্যায্য বিষয়ের বিবেচনাকরণের কালে ও ভূমি নীলামের সময়ে তাঁহারদিগের প্রভুত্ব রক্ষাপাওনের কারণ এই ধারাতে এ হকুম করা যাইতেছে যে বোর্ড রেবনিউর সাহেব লোক কিম্বা তৎক্ষমতাপন্ন অন্য সাহেবেরা কিম্বা তাঁহারদিগের মধ্যে যে কোন সাহেব অন্যের সহযোগব্যতিরেকে পৃথক্রপে ক্ষমতা রাথেন্ তিনি অ্থবা ভূমির মালগুজারী তহদীলের কালেক্টর দাহে বেরা কিয়া মালগুজারী তহদীলের কর্মে নিযুক্ত দরকারের অবধা রিত চাকর অন্য সাহেবেরা ভাঁহার্দিগের কাছারীতে ভাঁহার্দিগের দাক্ষাৎকারে অবজ্ঞা কিয়া দৌরাত্মা অথবা গোলমালকরণের দোষি ব্যক্তির প্রতি একশত টাকার অধিক না হয় এমত জরীমানার হুকুম पिट शादन ও यपि थे जतीयानात **होका उ**रकरण पाथिल ना इय তবে তাহার পরিবর্ত্তে দেই দোষি ব্যক্তিকে দেই জিলার দেওয়ানী জেলথানাতে ১৫ পনের দিনের অধিক না হয় এমত মিয়াদে কয়েদ রাখিতে পারিবেন এব বার্ড রেবিনিউর ছুকুমের ভাবেতে অন্য যে কোন কার্য্যকারক নীলাম করিবার ভারপ্রাপ্ত হন্ তাঁহারো সেই ক্ষমতা থাকিবেক ইতি।—১৮২২ দা। ১১ আ। ৩৭ ধা। ১ প্র।

বোর্ড কি সরকা কুম হওনব্যতিরে কে উপরের লিখি छ मटअंत विषया थे। কার্য্যকারকেরা যে থা।

বেরা আদালত হই ১১ আ। ৩৭ ধা। ২ পু। তে হইয়া থাকনের मर्ड भे मर७ इ. छ्कू ম মতাচরণ করিবা র কথা।

২১০। বোর্ড রেবিনিউর সাহেবলোকের ও সরকারের আপনা র্হইতে অন্যমূত ছ রুদিগের তাবে মালগুজারী তহুসীলের কার্য্যকারকদিগের করা কর্ম পুনর্বার দৃষ্টি ও রদ বহাল করণের সাধারণ ক্ষমভাক্রমে অন্যমভ হকুম হওনবাতিরেকে উপরের প্রকরণের উক্ত দোষের বিষয়ে এং কার্য্যকারকদিগের দেওয়া হুকুমই চুড়ান্ত হইবেক এব ে জিলার জজ हरूम (मन् जाहाई मार्टरवृद्रामत श्रुष्टि । हरूम कर्ता याहेराउरह य थे काशाकातकिम চুড়ান্ত হইবার ক গের ঐ দোষের দোষির প্রতি করা দণ্ডের হুকুমের নকল পাইবা মাত্র তাঁহারা আদালতহইতে ঐ দণ্ডের হুকুম হইলে যেমন করিতেন জিলার জলসাতে সেইমত তাহা দিল করিতে আচরণ করিবেন ইভি।—১৮২২ সা।

় ২১১। এই ধারাতে ইহাও জানান যাইতেছে ও হকুম করা ুযাই মালওজারী তহ সীলের ভারাক্রান্ত তেছে যে কোন আদালতে যে হুকুম কিয়া কৃষকারী কিয়া ডিক্রা

করা যায় তাহাতে কোন ভুান্তি কি দাঁড়ার ব্যতিক্রম যদি হইয়া থাকে সাহেবেরা আদাল তবে ঐ ভান্তি কি দাঁড়ার ব্যতিক্রমযুক্ত বোধহওয়া হকুম কি কৃব তের ছকুম মতাচর কারী কি ডিক্রী জারী করিতে মাল্ট্রজারী তহসীলের কার্য্যভারা ক্রান্ত কোন শাহেবের কিম্বা সরকারের অন্য কোন কার্য্যকারকের প্রতি ভার হইয়া থাকুক বা না থাকুক অথবা হউক কি না হউক ঐ ভান্তি কি দাঁড়ার ব্যতিক্রমহওয়াতে সরকারের নামে নালিশ হইতে পারিবেক না এব॰৲ কোন আদালতহইতে হওয়া পূর্ব্বোক্তমত কোন না হইবার কথা। ছকুম কি ক্লবকারী কিয়া ডিক্রী অনুসারে করা কোন কার্য্য কিয়া হওয়া কোন ক্লেশপ্রযুক্ত দরকারের কোন কার্য্যকারকের নামে না লিশ হইতে পারিবেক না এব॰৲ যদি কোন ব্যক্তি কি ব্যক্তিরা কোন আদালতহইতে পূর্ব্বোক্তমত হওয়া কোন হুকুম কি রুবকারী কিয়া ডিক্রী অনুসারে করা কোন কর্ম কিম্বা হওয়া কোন ক্লেশপ্রযুক্ত দর কারের নামে কিয়া দরকারের কোন কার্য্যকারকের নামে নালিশ করে তবে দে নালিশ নন্দূট্ হইবেক ও তাহাতে হওয়া সমস্ত থরচা ঐ নালিশ করণিয়ার দিতে হইবেক এব॰৲ সরকারের অবধারিত চা কর কোন সাহেবের প্রতি কোন দাওয়া কিয়া মোকদ্দমা অথবা না লিশ কিয়া এজ্হারের বিচার জজম্বরূপে করিবার ভার হইলে ঐ ভা রপ্রযুক্ত ঐ সাহের যেথ হুকুম কি রুবকারী কি ডিক্রী করেন বিশেষ রপে অন্যপ্রকার হুকুম না হইলে তাহাতে এই ধারার লিথিত কথা দকল থাটে ও থাটিবেক ইতি।—১৮২২ দা। ১১ আ। ৩৮ ধা।

ণ করিতে ভারপ্রাপ্ত হউন কিনাহউন সরকার আদালতে র কোন ভাষিতে নালিসের যোগ্য

জিলাও শহরের দেওয়ানী আদালতসকলের জজসাহেবেরা সপ্তাহের মধ্যে আবশাকতাক্রমে অর্থাৎ মাফিক দরকার ১ এক কিয়া ২ দুই অথবা অধিক দিন নির্দিষ্ট করিয়া কালেক্টর সাহেবদিগের সহিত काशाता प्राप्तक किया जागावी जथवा थानकाषानी किया श्रुष्कृतिनी थनन অথবা পুলবন্দীর এলাকায় এব ে ভূস্যধিকারী ও ইজারদার ও শামিলাৎ তালুকদার ও কট্কিনাদার্দিণের ও প্রক্লাবর্ণের সহিত আপোসী মালের কিয়া পাউার নিরিথ অথবা তাগাবীদাদন কিয়া রের নিমিত্তে সপ্তা থালকাটান অথবা পুষ্কবিণীথনন কিষ্বা পুলবন্দীর বিষয়ের যে২ মো হের মধ্যে এক কি কদ্দমা উপস্থিত হয় তাহার বিচারকারণ আদালতে বদিয়া অন্যং যে দকল মোকদ্মার বিচার নম্বর বিলিক্রমে করিবার হুকুম আছে তাহা অন্যথ দিনের বিচারার্থে রাথিয়া মালের মৌতালকওগয়রহ ঐ সকল মোকদ্মার বিচার ও নিষ্পত্তি সেই২ নির্দ্দিষ্ট দিনে কবি বেন ইতি।—১৭৯৪ দা। ৩ আ। ২২ ধা।

সকল মফঃসল আপীল আদালতে র সাহেবেরা ও স মস্ত জিলা ও শহরে র দেওয়ানী আদা माउद जजमारहरा রা মালের মোতাল ক মোকদমার বিচা ৰা দৃই অথবা অধি क मिन निर्मिष्ठे क्रि বার কথা।

বারাণস ১৭৯৫ সা। ৬ আ। ৪৭ ধা।

৯ অধ্যায় |

থাজানা আদায়করণ।

বন্দোবস্ত ও পাউ।।

১ ধারা।

জমীদার ও পেটাও তালুকদারেরদের মধ্যে বন্দোবস্ত।

১। ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ৮ অফীম আইনের যে যে ত্রুম

ষ্যপ্রধান তালু কদার্দিণের কেই স্বস্থাধান তালুকদারেরা জমীদারীর পেটাছইতে থারিজের যোগ্য থারিজের যোগ্য আপনারদিগের তালুকাৎ থারিজ করিতে পারিবার নিদর্শনে আছে আপন তালুক থা **রিজের দর্থান্ত মু** লের নিণীত এক

রিবার কথা।

দেই ২ কুমের মর্ম্মে জানা গেল যে তাহারদিগের মধ্যের কেহ যদি আপনার সেমত কোন তালুক দশসনী বন্দোবস্তের কালে থারিজের বংসরের মধ্যে না দরথাস্ত্রীনা করিয়া কোন জমীদারীর পেটায় রাথিয়া থাকে তবে সে করিলে পশ্চাৎ খা ব্যক্তি এইক্ষণে যে সময়ে দর্থান্ত করে সেই সময়েই খারিজ হইতে রিজ হইতে নাপা পারে। অতএব নীলামী ভূমির ক্রেতাদিগের হিতার্থে দেইং হুকুম চলিবার কারণ এক মিয়াদের নির্দ্ধাগ্য এমতে করা আবশ্যক হয় যে নীলামী ক্রেডাদিণের ক্রীড ভূমির মধ্যে পড়িয়া থাকা দেমত কোন তালুক ভূমি দেই মিয়াদের পর নীলামী ক্রেতাদিগের হস্তছা ড়ানা হইতে পারে। এপ্রযুক্ত এ ধারাক্রমে হুকুম নির্দিষ্ট হইল যে স্বস্থপ্রধান তালুকেদার দিগের যাহার যে তালুক কোন জমীদারীর পে টায় থাকে সে যদি সে তালুককে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৮ অফ্টম আইনের ৫ পঞ্চম ধারার কিয়া তদিতর কোন আইনের অনুসারে থারিজের যোগ্য়৵বুকে তবে তাহার কর্ত্তব্য যে এ আইন জারীর তা রিথহইতে এক বৎসরের মধ্যে আপনার সেই তালুক থারিজের দর থান্ত সেই তালুকথাকা জিলার কালেকটর সাহেবের সমীপে দেয় ও যদি এই নির্দ্ধারিত মিয়াদের মধ্যে তাহা না দেয় তবে ইহার পর ঐ অফীম আইনের অনুসারে তাহার সে তালুক থারিজ করিবার শ্বত্বা ধিকার থাকিবেক না। আর বৃক্তিবেন যে ইতোমধ্যে দেমত যে তা লুক থারিজের দরথান্ত না হয় সে তালুকের সম্বন্ধে উপরের প্রসঙ্গিত ধারাও ঐ মিয়াদগতে অকর্মণ্য হইবেক এব॰১ তদনন্তর জানা যাই বেক যে দে তালুক দেই জমীদারীর পেটায় নিভান্ত চিহ্নিত ও তাহা

তালুকদার্দিগের

তালুকাতের অধি হইতে থারিজের অযোগ্য। কিন্তু এ আইনের মর্ম্ম এই যে এতদ্ভিন্ন কারিতার বিষয়ে অন্য কোন রূপে সে তালুকের বিষয়ে সেই তালুকদারের স্বস্তাধিকা রের ফের পড়িবেক না। এব েএ ধারাক্রমে মুষ্ট করা যাইতেছে

যে দশসনী বন্দোবস্তের পার যে সকল তালুক নব্য নির্দিষ্ট হইয়াছে হানি না হইবার তাহার বিষয়ে ঐ ৮ অইম আইনের লিথিত থারিজের যোগ্য তালু কাতের সমুর্কীয় ছকুম চলিবার মনস্থও ছিল না। আর ইঙ্গরেজী ১৭১৩ দালের ১ প্রথম আইনের ১ নবম ধারায় প্রস্তাব আছে যে ত্তের পর নিদ্দিষ্ট জমীদারপ্রভৃতি ভূম্যধিকারিগণ সকলেই বিক্রয়ের কিয়া দানাদির দারা নিজাধিকারভূমি সমুদায় কিয়া তন্মধোর কিছু অংশ হস্তান্তর করিতে পারে কিন্তু ঐ ১ প্রথম আইনের ১০ দশম ধারানুসারে তাল্কাতের সংক্রা ত্কুম আছে যে হস্তান্তরগত ভূমি থারিজ করিতে লাগিলে দে দমা স্ত ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ চার কালেক্টর সাহেবকে দিতে হইবেক তাৎপর্য্য এই যে অংশ সালের ৮ আইনে কিদমৎক্রমে ভূমি হস্তান্তরগত হইলে তাহার একং কিদমতের জমার র ভকুম না চলিব। ধার্য্য দেই অধিকারদমুদায়ের জমার হারহারিতে করিতে হয় এব০ র কথা। দেই একং কিসমতের অধিকারির নাম ও জমার সংখ্যা সিরিস্তার বহীতে লিখিতে হয় আর একং কিসমতের মালগুজারীর অর্থে স্বত ন্ত্রং কবুলিয়ত তাহার জনাজাৎ অধিকারির স্থানে লইতে হয় এবং দেই কবুলিয়ত লইবার দিনছইতে দেই একং কিসমতের প্রাপককে স্বতত্ত্র**২ অধিকারী গণ্য করিতে হয়। কিন্তু কোন কি**সম**ং** ভূমি হস্তা ন্তরণত হইবার সমাচার যাবৎ কালেক্টর সাহেবের স্থানে না পঁত্ ছে ও দে ভূমি থারিজ না হয় তাবৎ দে কিদমতের মালগুজারীর বাকীর দায়ে সৈই অধিকারসমূদায় যে রূপে তাহা থারিজ না হইলে থাকিত সেইরূপে নীলামে বিক্রয়ের যোগ্য থাকে। পরেও এ মর্ম্ম দর কারের করসম্রুর্কীয় ভূমি অণ্শাণ্শির এবণ্ তাছার একং অণ্শ কিসমতের জমা ধার্যোর নিদর্শনী ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ২৫ * আইনের ২৮ ধারাতে মুফ্ট করিয়া লেথা গিয়াছে। অতএব জমীদার দিগের কেছ যদি উপরের প্রস্তাবিত আইন ঘোষণা পাইলে পর সালের ২ আইন আপন জমীদারীর কিছু কিসমত থারিজী তালুকের মতে কিয়া অন্য জারী হইলে পর কোন প্রকারে হস্তান্তর করিয়া থাকে ও তৎপ্রাপক ব্যক্তি আইনের লিখনানুসারে স্বতন্ত্রক্রমে সে কিসমতের জমার ধার্য্য করাইতে নিশ্চয় ক্রটি করিয়া থাকে তবে তাহাতে সরকারের স্বস্থ ল্লোপ না হইতে পারিবার নিমিত্তে সে হস্তান্তরকরণ অসিদ্ধ হইবেক। আর যদি কোন ভূমি এমতে আপোদে হস্তান্তরে গিয়া ও তাহার জমার ধার্য্য স্বতন্ত্রক্রমে না হইয়া এক অধিকারের পেটায় রহিয়া পশ্চাৎ দেই অধিকারের দঙ্গে দরকারী মালগুজারীর বাকী আদায়ের কারণ নী লামে বিক্রত্ন হইয়া থাকে কিয়া হয় তবে এই.অবিধিক্রমে সে ভূমি আপোদে হস্তফের হইবার ফল এক কালেই অনর্থক যাইবেক। ও জানিবেন যে এ গতিকে হস্তান্তরে চলিত ভূমি যাবৎ সিরিস্তার বহীতে লেথা না যায় এবং যাবং তাহার জমার ধার্যা মৃতন্ত্রক্রমে না পড়ে তাবৎ দে ভূমি দেই রূপ দাধারণ অধিকারের ন্যায় ধর্ত্তব্য হইবেক যে রূপ সাধারণ অধিকারের কোন অংশ কিসমতের মালগুজারীর বাকী আদায়ের জন্যে সেই অধিকারসমুদায় নীলামের যোগ্য হয়। কিন্তু বুফিবেন যে কোন অধিকারের পেটায় থাকা যে দকল তালুক

🕈 এই আইন রদ হইয়াছে। জমিদারী বন্টন করণ বিষয়ের অধ্যায় দেখ।

मन्जनी वस्मात হওয়া নব্য তালুক

ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ অবিধিক্রমে কোন ভূমি হস্তাস্তরে গে লে তাহাতে সরকা রের স্বত্তলোপ না হইবার কথা।

থারিজের অযো

চলিবার কথা।

গাপেটাই তালুকদ কিয়া দংজ্ঞান্তর ভূমি লিখন পঠনাদি কোন নিদর্শনক্রমে স্বতন্ত্র কলের বিষয়ে এ অধিকারের তুলনায় থারিজের যোগ্য নছে তাছার বিষয়ে এ ধারার ধারার ছকুম না হুকুম কোন পুকারে চলিবার দায় রাথে না। সেমত সকল ভূমি इन्नरं की ১৭৯৩ नालं 88 आहेरात ७ यर्थ धारानूनारं ये वि শেষ বিষয়ের উল্লেখ ঐ ৪৪ আইনের ২ দিতীয় তথা ৫ পঞ্চম ধারায় হইয়া ভাহার বেওরা স্লাইক্রমে ইঙ্গরেজী ১৭৯৪ দালের আইনের ২১ ধারার ৫ পঞ্চম প্রকরণে লেখা গিয়াছে সেই বিশেষ বিষয় বর্জিয়া সাব্যস্থ থাকিবেক ইতি ।—১৮০১ সা। ১ আ[।] ১ ৪ ধা।

ভূম্যধিকারিরা দাদ যে রূপে করি বেক তাহার কথা।

২। ভূমির বন্দোবন্ত জমীদার ও ছজুরী তালুকদার ও অন্য ভূম্য আপনীরদিণেরপে ধিকারিদিণের দহিত হইয়াছে অতএব তাহারদিণের কর্ত্তব্য যেতা টার মফঃদলী তা ছার্দিগের পেটায় মফঃদলী যে দকল তালুকদার থাকিয়া তাহার লুকদার্দিগের মা দিগের মার্ফতে মালগুজারী করে দে দকল মফঃদলী তালুকদারের লওজারীর করার সহিত মালগুজারীর করারদাদ সরকারের যে মিয়াদের উপর আপ নারা করিয়াছে দেই মিয়াদের উপর করে এই নিয়মে যে তাহার। य प्रामश्रकाती उग्राकिती मिर् प्रकःमनी जानूकमात्र मिर्गत स्थान कि রুসদের ক্রমে কি ডন্ডিন্নে তলর করে তাহা সেই মফঃসলী তালুকদা রেরা কবুল করে আর জমীদারপ্রভৃতি ভূম্যধিকারিদিগের কর্ত্তবা যে আপনার্দিগের পেটার মফঃদলী তালুকদার্দিগের দহিত যে করার দাদ করে তাহার কৈফিয়ৎ তাহারদিগের জনাজাতের নাম ও তালুক ও জমার নিদর্শনে লিথিয়া দেই করারদাদের তারিথহইতে তিন মা সের মধ্যে কালেক্টর সাহেবের নিকটে দেয় ইতি।—১৭১৩ সা। ৮ আ। ৪৮ ধা।

এই ধারার লি কথা।

৩। জানিবেক যে ১৮ অফীদশ ধারার লিথিত যে মোকররীদা থিত মোকররীদার রেরা আপনারদিণের ভূমি ১২ ছাদশ বৎদরের অধিক মোকররী দিণের স্থানে জমা জমায় রাথিয়া থাকে তাইাতে তাহারদিণের স্থানে কিছু জমা বেশী বেশীনা চাহিবার কি দরকারের কার্য্যকারকেরা কি ভূম্যধিকারিরা তলব করিবেক না বর্ণ যে মোকররীদারেরা আপনারদিগের ভূমি যত দিনপর্যান্ত মো 🗸 কররী জমায় কেন না রাথিয়া থাকে তথাচ যদি ভূম্যধিকারী তাহার দিগের কাছাকেও এমত করারদাদ লিথিয়া দিয়া থাকে যে পশ্চাৎ ভাছার স্থানে জমার্বেশী তলব করিবেক না তবে দে করারদাদের উল্লেখনকরণ সঙ্গত হ্ইবেক না কেবল যে জমার করারদাদ হইয়া খাকে ভাছাই দেই মোকররীদারের স্থানে তলব করিবেক ইতি।— ১৭৯৩ সা।৮ আ। ৪৯ ধা।

কোন ভূম্যধিকা

৪। ভূমাধিকারিদিগের প্রতি মোকররীদারেরদের স্থানে জমাবে রির ভূমি ^{নাস তহ} শী তলব করিবার নিষেধ স্কুম যাহা ৪১ ধারায় লেখা আছে সে সীল কিমা ইজারা ত্কুম কোন ভূমাধিকারির ভূমি থাস তহসীলে কিম্বাইজারায় থাকি লে সরকারের কার্য্যকারক কিয়া ইজারদারের প্রতি বহাল থাকিবেক য় থাকিলে ৪৯ ধা না ইহাতে দরকারের কাহ্যিকারক ও ইজারদারেরা দেই মোকররী রার লিখিত মর্ম দারের ভূমির জমা সেই পরগনার শরেমাফিক ধার্যা ও তলব করি দুট্টে তাহার মোক তে পারিবৈক ইতি।—১ ৭৯৩ দা।৮ আ। ৫০ ধা।

র্রীদার্দিগের স্থা নে জমা বেশী চাহি তে পারিবার ক

৫। মকঃদলী তালুকদার্দিগের স্থানে গ্রওয়াজিবী টাকা তলব হইবার কারণ তাহার সকল দাঁড়া নীচের কএক প্রকরণানুসারে দারদিগের স্থানে নির্দিষ্ট হইল।-১৭১৩ সা।৮ আ।৫১ পা।

মফঃসলী ভাল্ক অসঙ্গত টাকা চাহি তে বার্ণের নিমি ত্তে সকল দাঁড়া ধা র্য্যের কথা।

৬। কোন জমীদার কিয়া অন্য ভূম্যধিকারির উপর সরকারের জনা বেশী তলব ওয়াজিবী হইলে ইহাতে যদি সেই জমীদার কিয়া অন্য ভুম্যধিকারী পর্গনার দম্বরমাফিক কিম্বা তালুকদারের সহিত যে কর্ট্রিদাদ হইয়া থাকে তাহার নিয়মানুসারে জমা বেশী তলবের শক্তি রাথে অথবা পুর্বে সেই তালুকের জন্য আপন জমায় কিছু ক্মী পাইয়াছে এনিমিত্তে দেই তালুকদারের স্থানে জ্মা বেশীতলব করিতে পারে ও সেই তালুকদারের তালুকে তাহা দিবার জায়দাদ থাকে এমত নহিলে তাহার দাধ্য থাকিবেক না যে আপন পেটার কোন তালুকদারের স্থানে জমা বেশী তলব করে ইতি।—১৭৯৩ দা। ৮আ।৫১ ধা।১পু।

৭। যদি দেওয়ানী আদালতের জজসাহেবের নিকটে প্রমাণ হয় যে কোন জমীদার কিয়া অন্য ভুমাধিকারী আপন পেটার কোন তা লুকদানের স্থানে অসঙ্গত টাকা লইয়াছে তবে ইহাতে সেই জজসা হেব এইরূপে ডিক্রী করেন্ যে সেই জমীদার কিম্বা অন্য ভূমাধিকারী দেই অসঙ্গত টাকার দিগুণ দণ্ডক্রমে আদালতের থরচা দমেত দেই তালুকদারকে দেয় ইতি।—১৭৯৩ সা।৮ আ।৫১ ধা।২ প্র।

৮। [ডজমাহয়নাই।]

১। যদি অপশিদিগের দ্রথাস্তমতে কিয়া আদালতের ডিক্রীক্র মে কোন সাধারণ ভূমি অংশ হয় তবে অংশুশ হইবার পূর্বের্ব যদ্য খ্যে ভূমি অংশ পি সে ভূমির পুর্বাধিকারী ও মফঃসলী তালুকদার ও ইজারদার ও হইলে তাহার পূ প্রজাবর্গের উভয়ত উপরের ধারানুসারে সকল করারদাদ হইয়া থাকে তথাচ ভাহারদিগের যে সকল মফঃসলী তালুকদারের প্রস্তাব ৭ দপ্তম ধারায় আছে তাহাছাড়া অনা দকলের ভূমির জমাইঙ্গরে দিগের উভয়তঃ যে জী ১৭৯৩ সালের ১ প্রথম আইনের ১০ দশম ধারার লিথিত সকল করারদাদ হ হকুম মতে নির্দ্ধার্যা হইবেক কিন্তু দেই ভূমির দকল অংশের অধি ইয়া থাকে তাহা কারিরা আপনার্দিগের সকল অংশের মফঃসদী তালুকদার ও

অংশিদিগের ম ৰ্বাধিকারী ও মফঃ সলী তালুকদার ও हैजातमात ও প্রজা বার কথা।

সমন্ত সাব্যস্থাকি ইজারদার ও প্রজাবর্গের স্থানহইতে ভূমি অংশ হইবার পূর্বের দকল করারদাদের মতে তাহারদিগের যে রাজস্বের ধার্য্য থাকে তা হার অধিক কিছুই সেই সকল করারদাদের লিখনে লেখা মুদত গত হওন পর্যান্ত চাহিতে পারিবেক না যদি দে দকল করারদাদ উপবেব ধারার লিথিত মর্মের ব্যতিক্রমে না হয়। আর সেই সকল তালুক দার ও ইজারদার ও প্রজাবর্গেও আপনারদিগের করারদাদমাফিক কার্য্য করে বর 🕆 সরকারের মালগুজারীর বাকী আদায়ের কারণ সে ভূমি নীলামে বিক্রেয় হওনবাতিরেকে সেই করারদাদ তাহার মূদত আথিরীতক্ সাবাস্থ ও বহাল রহিবেক ইতি।—১৭৯৩ সা। ৪৪ আ। ৩ ধা।

দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। ৪৭ আ। ৩ ধা।

ভূমি একের হস্ত ফঃসলী তাল্কদার उ रेजातमात उ প্র জাদিগের উভয়তঃ যে সকল করার দাদ হইয়া থাকে মি সরকারের মাল ওজারীর বাকী আ मारग़ब कावन भी লাম হওনব্যতিরে সাব্যস্থ রহিবার ক था।

১০। যদি কোন ভূমি সমুদয় কিয়া তাহার অণ\শ সরকারের মাল হউতে অন্যের হ **ওজারীর বাকী আদা**য়ের নিমিত্তব্যতিরেকে নীলাম হইয়া কিয়া স্বে দ্ধে গেলে তাহার চ্ছায় বিক্রয় অথবা দানক্রমে কিয়া মতান্তরে একেরহস্তহইতে অন্যের হস্তে যায় অথবা অধিকারির মরণানন্তর শরা কিম্বা শান্ত্রের অনুসারে তাহার উত্তরাধিকারির হস্তগত হয় তবে তাহাকে ত্কুম নাই যে মফঃদলী তালুকদার ও ইজারদার ও প্রজাবর্গের স্থানহইতে দে ভূমি দমুদয় কিম্বা তাহার অ°\শ অন্যের হস্তগত হওনের পূর্ব্বের করারদাদমীফিক তাহারদিগের যে রাজস্বের ধার্যা ধাকে তাহার তাহা সমস্ত্র সে ভূ অধিক মুদ্দত গত হওনপঠান্ত চাহে যদি সে করারদাদ ২ দ্বিতীয় ধারার লিথিত মর্মের ব্যতিক্রমে না হয়। আর দেই তালুকদার ও ইজারদার ওপ্রজাবর্গেও আপনারদিগের করারদাদমাফিক কার্য্য করে বর॰১ সে সকল করার্ন্দাদ তাহার মৃদ্দত গত হওনপর্য্যন্ত সাব্যস্থ ও বহাল রহিবেক ইতি।—১৭৯৩ সা। ৪৪ আ। ৪ ধা। मङ (मन ३४०७ मा। ४१ जा। ४ था।

এই আইনের ম তে ভূমাধিকারিতে আপন ভূমি মফঃ সলী তাল্করূপে অন্যকে দিতে নি ষেধ না জানিবার আ। ৬ ধা। কথা।

১১। এই আইনের অনুসারে এমত নিষেধ অনুমান না হয় যে কোন জমীদার কিয়া হজুরী তালুকদার অথবা অন্য ভূম্যধিকারী আ পনার ভূমির কিছু স্বেচ্ছায় বিক্রয় কিম্বা দানক্রমে অথবা মতান্তরে মফঃদলী তালুকরপে অন্যেকে না দেয় ইতি।— ১৭৯৩ দা। ৪৪

এই আইনের ম বস্তের ক্রমে মফঃ मनी जानुरकत् रय যোকররী জমার ধা ৰ্যাহইয়াছে তাহা নিবার কথা।

১২। এই আইনের অনুসারে এমত বিধিও ছকুম অনুমান না হয় তে দশসনী বন্দো যে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৮ অইটম আইনের ৫১ ধারার প্রথম প্রকরণের লিথনক্রমে ১০ দশসনী বন্দোবস্তের সময়ে যে মফঃসলী তালুকদারদিগের ভূমির জমা মোকররীমতে নির্দ্ধার্য হইয়া থাকে তাহার উপর বেশীহয় বর ০১ সেই তালুকদার দিগের ভূমির সেই র উপর ইজাফা হ জমা চিরকালের নিমিত্তে বাহাল রহিবেক এব॰১ যে জমীদারীর ইবার হুকুম নাজা মধ্যে এমত ভূমি থাকে দে জমীদারী বিভাগ হইলে দে ভূমি জমা

মোকরীর প্রস্তাবে গণ্য হইবেক অর্থাৎ মোকররী জমার ভূমি বলা যাইবেক ইভি।—১৭৯৩ সা। ৪৪ আ। ৭ ধা।

১০ [তর্জমা হয় নাই।]

১৪। জমীদার কিয়া হজুরী তালুকদার অথবা অন্য ভূমাধিকা উপরের ধারায় রির সহিত যে কেছ করারদাদ করে কিয়া তাছার দিগের কাছারো যে সকল ছকুম আ পক্ষে ভূমির মালগুজারী তহ্দীলের কার্যো নিযুক্ত হয় তাহার ছে তাহার প্রস্তাবে কর্ত্তব্য ইইবেক না যে দেই জমীদারপ্রভৃতির দম্বর্থতী আমলনামা র কথা। [বাঙ্গালা। বে না পাইলে দে কার্য্য করিতে প্রবৃত্ত হয় ইতি।—১৭১৩ দা। ৮ আ। হার। উড়িয়া। ৫৩ পা।

১৫। কর্ত্তব্য যে কোন ভূম্যধিকারী ও মফঃদলী তালুকদার এই আইনের লিথিত মর্মা ও মতৈর ব্যতিক্রমে কোন করারদাদ এব॰ তিতে এই আইনের কোন কাৰ্য্যও না করে ইতি।—১৭৯৩ দা। ৮ আ। ৬৫ ধা।

অধিকারি প্রভ অন্যথায় কোন ক ৱারদাদ নাকরিবা র কথা। [बेब]

২ ধারা।

পাউার হার।

১৬। জানিবেন যে কালেক্টর সাহেৰ পাউ। মঞ্রকরণের বিষয়ে যে হকুম ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৮ অফীম আইনের ৫৮ ধারায় * সালের ৮ আইনে নির্দিষ্টি আছে সে হুকুম কেবল পাউার নক্লা মঞ্জুর করিবার কার র মতে যে পাউ। ণেই কালেক্টর সাহেবের প্রতি লেখা গিয়াছে ও তদনুসারে কা দেওয়া যাইবেক্তা হারো স্থানে প্রজালোকে পাউ। লইলে যদি তাহার নিরিথের বি দ্বিত হইলে তাহার সয়ে কিছু আপত্তি জন্মে তবে দেমতে মালগুজারী নগদ কিছা জি নিষ্পত্তি হইবার ম নিসে দিতে হইলে দে আপত্তির নিষ্পত্তি দেই জিলার দেওয়ানী তের কথা। আদালতে সেই পর্গনার শরেমাফিক ইে রকম ভূমির জমার নিরি থদুষ্টে হইবেক ইতি।—১৭১৪ দা। ৪ আ। ৬ ধी।

इन्द्रिजी २१२७ [g g]

১৭। জানিবেন যে উপরের লিথিত গারার হুকুম কেবল ইঙ্গরেজী ১৭১৩ দালের ৮ অফীম আইনের ৫৮ ধারার মতে প্রথম পাটা দালের ৪৪ আই লইবার বিষয়েই নহে ইজরেজী ১৭৯৩ দালের ৪৪ আইনের মতে কোন পাট্টার মিয়াদ গোলে কিয়া কোন পাট্টা রদ হইলে দুসরা পাউ। লইবার বিষয়েও ঐত্কুম কাফী ও অটল রছিবেক এব॰৲ নয়া পাউ। লইবার বিষয়ের সকল সন্দেহ ভঞ্জনের নিমিত্তে নির্দ্ধিট কর। গেল যে পশ্চাতের লিথিত ঐ আইনের মতে যে প্রজার পাউার র কথা। মৃদ্ধ যায় কিয়া যাহার পাটা রদ হয় দে প্রজা নয়া পাটা লইলে তাহার স্থানে ভূম্যধিকারী কিয়া ইজারদার অথবা অন্য লোকে সেই পরগনার শরেমাফিক দেই রকম ভূমির নিরিএছাড়া বেশী তলব করিতে পারিবেক না কিন্তু যাহার স্থানে পাউ। লইবার বিষয় তা

इक्रद्रिकी ১৭৯৩ নের মতে পাটার মিয়াদ গেলে নয়া পাট্টা দিবার বিষ য়ে ও উপরের ধা রার হুকুম চলিবা

[1 1]

হার স্থানে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ৮ আইনের মতে প্রজালোকে যে নিরিথে প্রথম পাউ। লইয়া থাকে দেই নিরিথেই নয়া পাউ। লইবেক ইতি। - ১৭১৪ সা। ৪ আ। ৭।

১৮। [তর্জমাহয় নাই।]

মিয়াদগতে নয়া র কথা। [বারাণস ৷]

১১। উপরের ধারাসকলের লিথিত হুকুম প্রজারা যে পাউ। পাউ দিতে ছকুমে আদৌ লইবার কারণ চাহিতে পারে কেবল তাহারি উপর বর্ত্তে এমত নহে জানিবেন যে পার্টার মিয়াদ গত হইয়া কিয়া কারণান্তরে কোন পাটা ফিরিয়া নয়া পাটা হইতে লাগিলে তাহার প্রতিও ঐ দকল হকুম চলিবেক আর লেখা যাইতেছে যে ভুমাধিকারী কিম্বা ইজারদার অথবা অন্য কাহারো উচিত নহে যে প্রজাদিগের কা হারো পার্টার মিয়াদ গেলে কিম্বা কারণান্তরে কোন পার্টা ফিরিলে নয়া পাটা দিবার অর্থে তাছার স্থানে সে মত ভূমির পরগনাশরে নি রিথ অপেক্ষা বেশী তলব করে কিন্তু ফদল ফৈরে চাস কিয়া এক জাতি যোতদারের পরিবর্জে অন্য জাতি যোতদার হইলে তাহাতে

त्मत् कथा।

যাহা অথাকার চলনমতে কর্ত্তব্য হয় তাহার বিবেচনা করিতে হই থোদকস্তা ও পা বেক। এতন্তিন্ন এই তৃকুমের অনুসারে ছপ্পরবন্দ অর্থাৎ থোদকস্তা ইকন্তা প্রজাদিগের প্রজাগণের সাধ্য আছে যে পাউ। দিবার কর্ত্তাদিগের স্থানে নির্দ্ধারিত মধ্যে মতের প্রভে নিরিথে নয়া পাটা চাহিত্বে পারে এব পাইকস্তা প্রজারাও তদনু সারে পাউ। চাহিবার শক্তি রাথে যদি ভুমাধিকারী কিয়া ইজারদার তাহারদিগেরে দে ভূমির যোতদারীতে বহাল রাথিতে স্বীকার করে ইহাতে ভুমাধিকারি ও ইজারদারদিগের শক্তার্পণ হুইতেছে যে পা উার মিয়াদ গতে ভাহারদিগেরে পাইকস্তা প্রজাদিগের বহাল রাথে কি না রাথে যাহা বিহিত জানে তাহাই করে কিন্তু এতদনুসারে তাহা বুদিগের এমত ক্ষমতা হইবেক না যে থোদকদ্বা প্রজারা যাবৎ মো কর্রী মালগুজারী দিতে থাকে তাবৎ দে প্রজাদিগেরে বেদথল করে ইতি।—১৭৯৫ সা।৫১ আ।১০ ধা।

২০। [তর্জমাহয় নাই।]

ভূম্যধিকারিরা. আপুনারদিণের অ রদিণের অবশিষ্ট ভূমির বন্দোবস্ত যে দকল হকুম নির্দিষ্ট আছে রূপে উচিত জানে

বশিষ্ট ভূমির ব তদ্ধেষ্ট যেরপ উচিত জানে করে কিন্তু কর্ত্তব্য যে আপনারদিগের নের্ছারিত তাবের ইজারদারদিগের সহিত যে করারদাদ করে তাহাতে মালগু জারীর তায়দাদ এব^ করারের নির্দ্ধার্যাও হর অর্থাৎ যবস্তুবে না महेकरल कहित् थात्क यमि कान जृपित अधिकाती किशा है जातमात काशास्त्र शित ক্ষমতা রাখিবার ক কিছু করারদাদহইতে অধিক লয় তবে দেই অধিক টাকা অসঙ্গতের ন্যায় বোধ হইয়া তাহার স্থানহইতে তাহার দ্বিওণ দণ্ড দেওয়ান যা

২১। জমীদারপ্রভৃতি ভূমাধিকারিদিণের দাধ্য আছে যে আপনা

[বাদালা। বে ইবেক আর যে দকল নিষেধ ছকুমের প্রস্তাব এই ধারায় হইল ডা হার। উড়িফা।

হার বেওরা নীচের কএক ধারায় লেখা আছে ইতি *।--১৭১৩ সা।৮ আ।৫২ ধা।

হৈ। [ডজমাহয়নাই।]

২৩। কোন ভূম্যধিকারীও ইজারদার এবপ তাহারদিগের কার্য্য কোন ভ্রম্যধিকা কারকদিগের সাণ্য থাকিবেক না যে থোদকদ্যা প্রজাদিগের পার্ট্যাস রী কিমা ইজারদার কল এমত প্রমাণ নহিলে রদ করে যে সেই দকল পার্টা গণতাক্রমে নিষ্কারিত গতিকছা ড়া থোদকস্থা প্রজা লইয়া থাকে কিয়া এই আইন জারীর তারিথের পূর্ফের দেই পুজার দিগের পাটা রদ তিনসনী মালগুজারীতে প্রগনার শ্রেছইতে ক্রমী ছইয়া থাকে না করিবার কথা। অথবা দেই প্রজারা গণতাক্রমে জমায় কমী করাইয়া থাকে কিয়া বিজ্ঞালা। বে দরোবস্ত পর্গনার মাপ তাহার মালগুজারীর হারহারীর কারণ হার। উজি্যা।] হইয়া থাকে। আর জানিবেক যে এই ধারার লিথিত দকল দাঁড়া मूर्त (वर्शाः व्र वित्वक ना रेंछि।—১१२० मा। ৮ जा। ५० था।

২৪। যদি জমীদার কি ইজারদার অথব। তালুকদার লোক কিয়া তাহারদিগের কার্য্যকারকেরা প্রজাদিগের কাহারু স্থানে পোস্তের চাসীদিগের স্থানে চাসকরণহেতুক মোকররী থাজানাহইতে কিছু বেশী তলব করে ও লয় তবে দেই প্রজা ও এজেণ্টসাহেবের ক্ষমতা আছে যে দেওয়ানী আদালতের সাহেবের নিকটে তাহারদিগের নামে ইহার নালিশ করেন্ ও ঐ আদালতের সাহেব অবিলয়ে এ বিষয়ের তজরীজ করিয়া যদি ইছা সাবুদ হয় তবে যত বেশী লইয়া থাকে তাহা ফিরিয়া দিবার ওনের মতের কথা। ও তাহার তিন্তাণ জরীমানা দাথিল করিবীর হুকুম এমত অপরা ধির প্রতি দেন ইতি।—১৮১৬ সা। ১৩ আ। ১৭ ধা।

জমীদার আদিরা পোত্তের চাসকরণ হেতৃক মোকররী খাজানাহইতে বে শী তলব করিলে তাহার প্রতিকার হ

২৫। ইঙ্গরেজী ১৭৯৪ সালের ১০ আপ্রিলের পর সরকারের মহাজনী কার্থানা থাতামহাল ও নিম্ক মহালওগ্যুর্হে দকল এ কারারেই ১১ সন মোহর ও ১১ সন সিম্ভা টাকার জিগির লেথা যাইবেক। আর দকল ভুম্যধিকারী ও ইজারদারেরদিগকে নিষেধ আছে যে আপনারদিগের তাবের ইজারদার ও প্রজাবর্গ ও তালুক দারেরদের সহিত ঐ ইঙ্গরেজী ১৭৯৪ সালের ১০ আপ্রিলের পর ১১ সন মোহর ও ১১ সন সিক্লা টাকাছাড়া,অনা রকমের উপর কোন একরারপত্র না করে যদি এই নিষেধের অন্যথায় করারদাদ হার। উড়িয়া।] করে তবে তদনুসারে ভাহারদিগের যত টাকা বাকী আটক ছইবেক তাহা কোন আদালতের বিচারে উসুলের উপযুক্ত হইবেক না সেই কার নিদর্শনে যে বাকী টাকা আপনারদিগের দণ্ডের ম্বরুপ জানিবেক ইতি।—১৭১৩ मा। ७८ जा। २५ था।

পশ্চাৎ সরকারে त ও এদেশস্থ সকল মালওজার ওগয়র হের সমস্ত করার দাদ ১৯ সন মোহ র ও টাকার উপর হইবার কথা। বিঙ্গালা। বে

অন্যপ্রকার টা করারদাদ হয় ভা হার বাকী টাকা উ সুলের উপযুক্ত না হটবার কথা।

[🕈] এই সকল নিষেধ ৫৩। ৫৪। ৫৫। ৫৬। ৫৭ ধারার ১। ২ প্রকরণ ও ৫৯ ৬॰ ধারার ১। ২ প্রকরণে লেখা আছে ভাহা এই গ্রন্থের নানা ধারায় পা ওয়া যাইবে।

নির্দিষ্ট গতিকছা ए। रामरत्मारख র পূর্বে যে সকল কর্রিদার হয় তা হা বহাল রহিবার কথা।

২৬। ইজারদার ও কট্কিনাদার ও প্রজাদিগের যে করারদাদ হাল বন্দোরন্তের পূর্ফে হইয়া থাকে তাহা যদি এযুত গবর্নর জে নরল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরের কোন আইনের ব্যতিক্রমে না হইয়া থাকে তবে তাহা গণতাক্রমে কিম্বা দে করারদাদ দিবার সাধ্য যাহার না ছিল তাহার মারফতে হওন প্রমাণ না হইলে সে করার দাদ তাহার মিয়াদ গতপর্যান্ত দাবাম্ব ও বহাল রহিবেক ৷-- ১৭৯৩ সা।৮ আ।৬০ ধা।১ প্র।

৩ ধারা।

মাথোটওগয়রহ বেআইনী আবওয়াবের বিষয়।

আসল জয়ার স হিত মাথোট ওগয় রহ আবওয়াব মো ট করিবার কথা।

২৭। প্রজাদিগরের স্থানে আবওয়ার ও মাথোটওগররহের যে টাকা জবর করিয়া লওয়া যায় তাহার জেয়াদাতীতে ও তায়দাদ না থাকিবাতে তাহার নিরূপণ হওয়া দৃষ্কর হয় এবণ্ দেই আবওয়াব ওগয়রহ অন্যায় ও অত্যাচারেরো বীজদর্শন হইতেছে অতএব দমস্ত ভুমাধিকারী ও মফঃদলী তালুকদার্দিণের কর্ত্তব্য যে প্রজার্দিণের ঐক্যক্রমে দেই আবওয়াবওগয়রহের বিবেচনা ও তহকীক করিয়া দে সমস্ত আবওয়াবওগয়রহ আদল জমাভুক্ত করিয়া একমোট করে আর যে দকল জমীদারী ও অন্য যে ভূমি বঁড় ও প্রশস্ত আছে তাহার অধিকারিদিণের কর্ত্তব্য যে,যে দকল পরগনার আবওয়াবওগয়রহ অন্য২ স্থানের অপেক্ষা অতিরিক্ত থাকে তাহা উপরের লিখনানুসারে অগ্রে আদল জমার দহিত মোট করে আর তাহা করিবার গতিক এমত করে যে বাঙ্গলা ১১৯৮ দালের শেষপর্যান্ত দুবে বাঙ্গালায় ও ফদলী ও বিলায়তীর 🗗 সন আথিরীতক্ সুবে বেছার ও সুবে উড়ি ষ্যায় তাহারদিণের সমুর্কীয় দকল ভূমির দেকার্যানিষ্পত্তি হয় আর ঐ মিয়াদ ধার্য্যের হেত এই যে সেই সময়ে দকল পার্টা দিবার নি ৰ্ণয় আছে অতএব ইহার হুকুম পশ্চাৎ লেখা যাইতেছে ইতি।— ১৭১৩ দা।৮ আ।৫৪ ধা।

महामि २४०७मा। ०० जा। ४ था। **এ**द९ २४०७ मा । २१ जा। **৫७** था। 🕈 ১২ প্র।

ভুমাধিকারী ও প্রজারদিগের স্থা নে কিছু নয়া আব ওয়াব লইতে নিষে ধের এবং এ হুকু দণ্ডের কথা।

২৮। কোন ভূম্যধিকারী এব∾ কোনপ্রকার ইজারদার ও মকঃ ইজারদার দিগেরে দলী তালুকদারের কর্ত্তব্য নহে যে কিছু নয়া আবওয়াব কিয়া মা থোট কোনপ্রকারে প্রজারদিগের উপর ধার্য্য করে যদি এমত করে তবে তাহার তিনগুণ দণ্ড ঐ দোষকরণিয়ার স্থানে লওয়া যাইবেক আর যদি পশ্চাৎ জানা যায় যে কিছু নয়া আবওয়াব অথবা মাথোট মের অনাথা হইলে ধার্য্য হইয়া কাহারো উদুলে আদিয়াছে তবে দেই আবওয়াবওগ য়রহ যত দিনের লওয়া গিয়া থাকে তত দিনের দণ্ড ঐ অনুসারে গ্রহীতার স্থানহইতে দেওয়ান যাইবেক ইতি।--১৭৯৩ দা। ৮ আ। ৫৫ প্র।

দর দেশ ১৮০৩ সা। ৩০ আ। ৫ ধা।

২১। দকল ভূম্যধিকারী ও মফঃদলী তালুকদার ও ইজারদারদি গের উপরের ধারাসকলের লিখিত দাঁড়াক্রমে পার্টাসকল তৈয়ার ^{ভিকে} যে মিয়াদ করিবার ও তাহা প্রজাদিগেরে দিবার বিষয়ে সুবে বাঙ্গালায় বাঙ্গ পাউ। তৈয়ার করি ला ১১৯৮ माल ও मूरव विदारत कमली ১১৯৮ माल ও मूरव छेड़ि যায় বিলায়তী ১১৯৮ দাল আথিরীতক মিযাদ দেওয়া যাইতেছে ও ঐ মিয়াদ গোলে পর কোন করারদাদ উপরের লিথিত দকল করারদাদের ব্যতিক্রমে মাতবর জ্ঞান হইবেক না ঐ মিয়াদ গেলে পর যদি ভুমাধিকারী কিম্বা মফঃদলী তালুকদার অথবা ইজারদার কলের লিখিত ম কিম্বা প্রজা যে করারদাদে আবওয়াব ও মাথোটওগায়রছ আদল র্মের ব্যতিক্রমের জমাভুক্ত না থাকে তাহার অনুসারে কিছু দাওয়া করে তবে দে দাও করারদাদ সকলের য়া অসাব্যস্থ এবণ আদালেতর এরচাও তাহার উপর ডিক্রী হইবেক অনুসারে ইতি।—১৭১৩ সা।৮ আ। ৬১ ধা।

ভ্ৰম্যধিকারিপ্রভ বার ও প্রজাদিগে द्र मिठात कात्र (म ওয়া গেল তাহার

উপরের ধারাস গেলে পর আদাল তে দাওয়ানা খনা যাইবার কথা।

পাটো লইবার যে সুবে বেহারের শা মিল জিলা রামগড়ে না চলিবার কথা।

৩০। জানিবেন যে ইঙ্গরেজী ১৭১৩ সালের ৮ অফীম আইনের ৫৪ ধারায় ও ৫৬ ধারায় ও ৫৭ ধারায় ও ৫৮ ধারায় ও ৫১ ধা ছকুম আছে তাহা রায় ও ৬১ ধারায় যে দকল হকুম লেখা যায় দে দকল হকুম সুবে तिक्रात्त्र भामिल जिला त्रामगर् विलियक ना के ि। ─ ५ १ २ ४ मा । ৪ আ। ২ ধা।

৪ ধারা 🖰

ভূমির অৎশাৎশি বা বিক্রয় বা হস্তান্তর হইলে পাউার বিষয়ে যে বিধি চলন হইবেক তাহা।

৩১ ই০ ৩৩। [তর্জমা হয় নাই।]

৩৪। অংশিগণের দর্থান্তে কিয়া আদালতের ডিক্রীঅনুসারে যদি সাধারণ কোন ভূমির অৎ শাৎ শি হয় তবে যদি ভূমি বিভাগছ মির অংশসকলের ওনের পূর্ব্বে তাহার মালিক অর্ধাৎ অধিকারিদিণের ও প্রজা ও ইজা রদার ও ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৪৪ আইনের ৭ ধারার লিথিত তালুকদারছাড়া মফঃদলী তালুকদারদিগের মধ্যে কোন করারদাদ হইয়া থাকে তথাপি তাহাতে দৃষ্টি না করিয়া ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দা লের ১ আইনের ১০ ধারার ও ১৭৯৫ সালের ২৭ আইনের ৭ ধারার লিথনানুসারে ঐ ভূমির প্রতি অণ্শেতে হিস্যাওয়ারী জমার নিরূপণ হইবেক কিন্তু দাধারণ ভূমি অ॰৲শিগণের মধ্যে বিভাগ কি আদালতের ডিক্রীক্রমে ঐ ভূমি নমাক কি তাহার কিছু বিক্রয় কি উত্তরাধিকারিত্ব কি বিক্রেয় কি দানক্রমে হস্তান্তর হইলেও যে পাউ। ইঙ্গরেজী ১৮১২ দালের ৫ আইনের ২ ও ৩ ধারার ও এই আই নের ২ ধারামতে দেওয়া গিয়া থাকে তাহা বহাল থাকিবেক ইতি। —১৮১২ সা। ১৮ আ। ৩ ধা। ২ প্র।

বিভাগহওয়া জ্ব জমা নিরূপণের বি ষয়ের দাঁড়ার ক

৫ ধারা।

পার্টা লিথনের প্রকার ও তাহার মর্ম।

ট্রাসকলের মজমূন র হইতে পারিরা র কথা

এই ধারার লি ৩৫। আশা এব ে উদ্মেদ অতিশয় ইহাই জানা যায় যে কিছু থিত মর্ম্মদৃটে পা কাল ব্যাজে সমস্ত ভুমাধিকারী ও মকঃসলী তালুকদারেরা ও ইজার দারেরা ও প্রজাবর্গে ইহাতে আপনার্দিগের লাডদর্শন করিবেক ভামর চালের বে যে ভূমির মালগুজারীর করারদাদের সকল সময়ে ভূমির নির্দ্ধার্গ্য গুরাক্রমে ফেরফা এক২ সংখ্যায় উপর জমাও নিরূপণ করা যায় এবং যোতদারেরা ও চাদিরাও যে চাদ অধিক লাভের তরে যাহা দেই ভূমিতে করে বোদালা। বে আর যে স্থানে এমত দাঁড়া থাকে যে ভূমির পাট্টাদকল চাদের ফের ছার। উড়িযা। কারে পাঠের ফেরফারে হয় ও দে ভূমির অধিকারিরা চাহে যে দেই দাঁড়া দাব্যস্থ রাথে তবে তাহারদিগের কর্ত্তব্য যে ভূমির তায় দাদ ও চাদের রকম ও জমার বেওরা ও যত টাকা জমা তাহার সং থ্যা ও মিয়াদের ধার্য্য এব এই একরার যে নির্দ্ধারিত মিয়াদের মধ্যে দে ভূমির চাদ উচিলে দে ভূমির মালগুজারীর করারদাদ হয় দেই মিয়াদের বাকী মুদ্দতের নিমিত্তে অথবা উভয় স্বেচ্ছায় তাহাছ ইতে অধিক মৃদ্ধতের জন্যে নয়া ভৌলে হইবেক ভূমির পাট্টাসক লে লেখায় ও তদনুসারে সেই ভূমির চাস উচিতে লাগিলে তাহার মালগুজারীর কারণ নয়া পাক্তা উপরের লিথিত মর্মা ও একরার

প্রজারদিরগর মা নিদর্শন পাট্টাসক লিখিবার ক था।

৩৬। কর্ত্তব্য যে যে কোন ভৌল ও দাঁড়াক্রমে প্রকাদিগের মাল লম্ভজারীর টাকার গুজারী দেওয়া সঙ্গত হয় তাহার বেওরা কৈফিয়ৎ বর্ণ নির্দ্ধার্য্যের কালে যত টাকা মালগুজারী ভাহার দংখ্যা পাট্টাসকলে লেখা যায়।-->৭১৩ দা।৮ আ। ৫৭ ধা। ১ প্র।

নিদর্শনে করা যায় ইতি — ১৭১৩ দা।৮ আ। ৫৬ ধা।

[B B]

कि की

৩৭। যেথ কালে জমার বেওরাছাড়া তাহার সংখ্যা না হইতে পারে দেই২ কালে কর্ত্তব্য যে যেমতে যে২ সময়ে চাদের পর ভূমির জমা মাপের মুথে কিয়া তাহার চাস্দুষ্টে নির্দ্ধার্য্য হয় অথবা ভূমির জমা তাহার উৎপন্ন শদ্যে আদায় হয় দেইমতে দেই২ দময়ে মালগু জারী হইবার বেওরা ও একরার যত নগদ ও যত জিনিদ এবং অন্য যে দকল কট হউক তাহা পাট্টাদকলে মুষ্ট ও পরিষ্কার লেখা যায় ইতি।—১৭৯৩ সা। ৮ আ। ৫৭ ধা। ২ প্র।

পাট্টার শরওয়া র সাবেক দাঁড়া রদ

হইবার কথা।

৩৮। इत्राद्धको ১৭৯৩ माल्यद्र ৮ आह्न ७ ১৭৯৪ माल्यद्र ८ আইনানুসারে প্রত্যেকে সমস্ত ভূম্যুধিকারিরা পার্টার শরওয়া প্র ন্তত করিয়া তাহাতে কালেক্টরদাহেবের মঞ্রী করাইয়া লইবার ও ঐ আইনের নির্ণীত শরওয়ামতে যে পাউ। প্রস্তুত না হয় তাহ। মাতবর বোধ না হইবার হুকুমসম্বলিত যে সকল কথা লেখা গিয়া উভয়সমত শর ছে তাহা এই ধারানুসারে রুদ ও রুছিত হইল অভএব উত্তর কালে

ভূম্যাধিকারি দিগের ক্ষমতা ধাকিবেক যে মফঃদলী তালুকদার ও ইজা ওয়ার পাট্টা৷ লি রদার ও প্রজাইত্যাদি আপনারদিগের পেটার সমস্ত লোককে আপু থিয়া দিবার অনুম নারদিণের ও তাহারদিণের উভয়সম্মত ও মনোনীত যে শরওয়া হয় নেই শরওয়ামতে পাটা লিথিয়া দিয়া কবুলিয়ত লয় কিন্তু এই হুকু মানুসারে কোন ভূমাধিকারিকে তাহার আপন পেটার কাহার প্রতি অঙ্ক নির্দিষ্ট না করিয়া আবওয়াব কি মাথোট কিয়া এই প্রকারের আর্থ কোনরূপে কিছু নির্দ্ধার্য্য করিতে অনুমতি আছে ইহা কোন ব্যক্তি না বুঝে বর° এ২ প্রকার বাবসবাবের যে কিছু অঙ্ক নির্দিষ্ট কে তাহা বহাল থা বিনা যে কোন প্রকারে নিয়মিত হয় তাহা দেওয়ানী আদালতের কিবার কথা। বিচারে অত্যদঙ্গত ও বাতিল বোধ হইবেক কিন্তু এমত অদঙ্গত নি য়ম লেখা থাকিলেও অঙ্ক নির্দিষ্টক্রমে উভয়ের লিখিয়া পড়িয়া দে ওয়া থাজানা আদায় করিবার হুকুম দেওয়ানী আদালতহইতে হই বেক ইতি।—১৮১২ সা। ৫ আ। ৩ ধা।

ভির কথা।

অন্ধ নিৰ্দিষ্টছওন বিনা কোন নিয়ম সঙ্গতনা হইবার কি ন্দ্র তাহাব্যতিরিক্ত যাহার নিয়ম থা

৬ ধারা।

পার্টার মিয়াদ ও পার্টা বিলি করণ।

৩১। ইঙ্গরেজী ১৭১৩ সালের ৪৪ আইনের যে ২ ধারা ও ১৭৯৫ দালের ৫০ আইনের যে ২ ধারা ও ১৮০৩ দালের ৪৭ তে অধিক মিয়াদে আইনের ২ ধারার যে ২ প্রকরণেতে ক্সমীদার ও হজুরী তালুকদার ইত্যাদি ভূমাধিকারিদিগকে তাহারদিগের আপন পেটার কাহাকেও ১০ দশ সনের অধিক মিয়াদ পাউ। দিতে নিষেধ লেখা গিয়াছে ^{অও দাড়াতে তোৰ।} তাহা এই ধারানুসারে রদ ও রহিত হইল ও ভূম্যধিকারিদিগ্কে অনুমতি দেওয়া যাইতেছে যে তাহারদিগের ও তাহারদিগের পে টার ইজারদারইত্যাদির যে মিয়াদ ইচ্ছা হয় ও তাহাতে চাসবাস হার। উড়িখ্যা।] ও যোত আবাদের আধিক্য হইতে পারে দেই মিয়াদে পাট্টা লি थिय़ा (मय़ इंडि।—১৮১२ मा। ৫ আ। २ धा।

১০ দশ সনহট পাটা লিখিয়া দেও নের নিষেধ যে ক হইবার কথা। বিদালা। বে

৪০। ইঙ্গরেজী ১৮১২ সালের ৫ আইনের ২ ধারার লিখনের মর্মেতে সন্দেহ জন্মিল একারণ সুষ্ধাট বিবরণ করা যাইতেছে যে ঐ বিষয়ে ধারার যথার্থ মর্মানুসারে এই অনুমতি হইয়াছে যে ভূমাধিকারির। আপনারদিগের ফলোদয়ের নিমিত্তে যে জমায় ও যে মিয়াদে ইচ্চা বর°৲ সর্ব্ব কালের নিমিত্তে পাউ। লিথিয়া দেয় কিন্তু যে কোন ব্যক্তি নিরূপিত কোন মিয়াদপর্য্যন্ত কি আপন জীবনাবধি ভূমির মৃত্যু রাথে কি তাহার শদ্যাদিভোগ কি দান বিক্রয়াদিকরণে সমপূর্ণ ক্ষমতা কি স্বাধীনতা না রাঁথে দে ব্যক্তি আপন মৃত্যের মিয়াদ কি ক্ষমতার অতিক্রমে তাহার পাউ। দিতে পারিবেক এমত বোধ না হয় ইতি।

পাট্টা দেওনের ইঙ্গরেজী **३४३२ मारल**ङ् ६ আইনের ২ ধারার যথার্থ মর্মের ক [4 4]

৪১। এই আইনের অনুসারে এমত নিষেধ অনুমান না হয় যে ভূ মাধিকারিরা বিলায়তী দাহেবলোকছাড়া অন্য কাহাকেও আপ ভূমাধিকারিরা বি পুনারদিগের কিছু ৪৪ আ। ৮ খা। ভূমি দিতে নিষেধ না জানিবার কথা।

বিহ্লালা। বে হার। উড়িয়া।]

প্রজার শক্তি আ স্থানে দণ্ড লওয়াযা ইবার কথা।

মফঃসলী তাল্ক দারেরা ও ইজারদা বার কথা।

লায়তী সাহেবলে। নারদিগের কিছু ভূমি কিঞ্ছিৎকাল মুদ্দতে কিয়া চিরকালের নিমিত্তে ক ছাড়া কাহাকেও কোন এমারত ও অন্যথ ব্যাপারের গৃহ ও বাগাৎআদি করিতে দর গৃহাদি করিতে আ কারের কার্য্যকারদিগের বিনাত্তকুমে না দেয় ইতি।-১৭১৩ দা।

8 ং। ই ॰ ১৪। [তর্জমাহয় নাই।]

৪৫। কোন প্রজার মালগুজারী দেওয়া সম্বত নির্দিষ্ট হইলেপর ছেবে মালগুলারীর সেই প্রজার শক্তি আছে ভূম্যধিকারী কিয়া মুফঃসলী তালুকদার ডৌলবন্দী হইলে অথবা ইজারদার যাহার স্থানে ভূমি লয় তাহার স্থানে কিয়া তাহার পর ভূমাধিকারি গোমাস্তার নিকটে সেই ভূমির পাউ। চাহে যদি সেই ভূমাধিকারি প্রভৃতির স্থানেভূমি প্রভৃতি দে পাউ। দিতে স্থীকার না করে তবে জিলার দেওয়ানী আদা র পাটা চাহে এ জু প্রভাত দে সাজা দিতে স্বাকার না করে তবে ।জলার দেওয়ানা আদা ম্যধিকারি প্রভৃতির লতে তাহা প্রমাণপূর্বকে দেই ভূম্যধিকারিপ্রভৃতির স্বীকার নাকরণের কর্ত্তরা যে পাট্রানে কারণ দেই প্রজা যে থরচান্ত ইইয়া থাকে কিয়া ব্যামোহ পাইয়া য় তাহাতে ভুমাধি থাকে তদনুসারে দণ্ড ভূমাধিকারিপ্রভৃতির উপর হইবেক আরসকল কারিপ্রভৃতিনা করু ভূম্যধিকারী ও মফঃদলী তালুকদার ও ইজারদার দিগের প্রতিও ল হইলে তাহার ইকুম আছে যে তাহারা প্রজারদিণের মালগুজারী ভৌল ধার্য্য করি লে পর একং থান পাট্টা হয় আপনারা দেই প্রজারদিগেরে দেয় না হয় আপনারদিগের গোমস্তাদিগের দ্বারা দেওয়ায়। কিন্তু কোন मकः मनी जानू कर्नात ও ই जात्र नात्त्र माधा इ हे रिक ना त्य जाशन রেরা জ্মাধিকারি দথলী ভূমির পাটা তাহার অধিকারির বিনা অনুমতিতে আপন র বিনাঅনুষতিতে তাহতের মিয়াদহইতে অধিক মুদ্দতের জন্য কাহাকেও দেয় এবং এবং গোমান্তারা কোন গোমস্তার ক্ষমতাও থাকিবৈক না যে ভূম্যখিকারী কিয়া মফঃ আপন মূনিবের বি সলী তালুকদার অখবা অনুপযুক্ত অধিকারিদিগের ভূমির সরবরাহ না অনুমতিতে কাহা কার ফলতঃ য়ে তাহার মুনিব হয় তাহার বিনাঅনুমতিতে কাহাকে কেও পাউ) না দি ও পাউটা দেয় ইতি।— ১৭৯৩ দা।৮ আ। ৫৯ ধা।

म्ह (मृण ১৮०७ मान ७० छा। ১১ था।

প্রজারা মোকর না লইলে ভাহাতে যে কর্ত্তর্য ভাহার কথা।

৪৬। জানা গেল যে थे আইনের স্কুমমাফিক মোকররী নিরিথ রীনিরিখে পাটা ও নক্লামতে স্থানে২ ভূমাধিকারী ও ইজারদার ও শামিলাৎ তালুক দারেরা প্রজাদিগেরে পার্টা দিতে উদ্যত ছিল কিন্তু প্রজারা তাহা লয় নাই অতএব নির্দিষ্ট করা গেল যে ভূম্যধিকারী অথবা ইজার দার কিন্তা শামিলাৎ তালুকদারেরা আইনের হুকুমমাফিক মোকর রী নিরিথ ও নক্লামতে পাউ। কিম্বা পাউাসকলের নক্লা তৈয়ার করি য়া ইঙ্গরেজী ১৭১৩ সালের ৮ আইনের ৫৮ ধারার অনুসারে কালে কুটর লাহেবের মঞ্জুর করাইয়া লেই নক্লামাফিক পাটা প্রজাদিগের দিবার কারণ আপন্থ অধিকার কিয়া ইজারার মহালের দদর কা ছাঁরী অথবা কাছারী সকলে আপন্থ মোহর ও দম্ভখতে এক্থ লি থন লটকাইয়া দেই সং বাদ দিবেক ও প্রজালোকে দেই মোকর্রী নিরিথ ও নক্লা মাফিক পাউা চাহিলে তাহা যে স্থানে যে কালে যা হার মারক্তে পাইবেক তাহার জিগির দেই লিখনে লিখিতে হই

বেক ও তাহাতে জানিবেক যে সেই লিখনের দারা দংবাদ করা ও পাউ। দেওয়া সমান অর্থ এব^ তদনুসারে ইহাও জানাযাইকেক যে ভূমাপিকারী ও ইজাদার ও শামিলাৎ তালুকদারের। ইঙ্গরেজী ১৭১৩ দালের ৮ অফম আইনের ৫১ ধারার হুকুম বজায় রাথি য়াছে এব॰৲ এমতে দ৽৲বাদ করিয়া যে কেহ পাট্টা দিতে উদ্যত থাকে দে ব্যক্তি ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৭ সপ্তদশ আইনে যেমতে দুব্যাদি ক্রোককরণের হুকুম লেখা যায় সেইমতে প্রজাদিগের দুব্যাদি ক্রোক করিয়া কিম্বা তাহারদিগের নামে দেওয়ানী আদালতে নালিশ করিয়া আপন পাওনা মালগুজারী লইতে পারিবেক ইতি। - ১৭১৪ সা। ৪ আন। ৫ ধা।

तातांगम >१३६ मा। ६३ जा। १ था।

🤚 ধারা।

থাজানা দেওন বিষয়ে।*

৪৭। এতন্ডিন্ন বুকিবেন যে এ আইন জারী হইলে পর যে কোন ভূমি ক্রোক হয় তাহার মালগুজারেরা হালভঞ্জিতের আপত্তি করি ইতে পারিবার উ লৈ তাহা ত্রনা যাইবেক না এব
ভুমাপিকারিগণ ও ই্জার্দার পায়ের কথা। দিগকে হ্রুম আছে যে তাহারা কোন প্রজা কিয়া অপর যোতদা রের স্থানে কিন্তিবন্দীর কিয়া অন্য লিখন পঠনের অথবা যে থান কার যে দাঁড়া সেইমতে থাজানা তলবের নির্ণীত দময়ের পূর্ফো কাহার স্থানে কিছু মালগুজারী তলব না করে ও না লয় এব ৭ পুজাদিগকেও দণ্ড হইবেক তাহার সেমতে মালগুজারী দিতে বারণ আছে। ইহাতে যদি প্রজাদির কেহ কথা। পশ্চাথ এই নিষেধের অন্যেথায় নির্ণীত সময়ের পূর্বে কিছু মালগু জারী কাহাকেও দেয় ও পশ্চাৎ দে ভূমি দরকারে ক্রোক হয় কিয়ু। ভূমাধিকারী অথবা ইজারদার ক্লোক করে তবে সেই পূর্নের দেওয়া মালগুজারীর দাখিলা সরকারের তরফ ক্রোকী আমল। কিষ্বাক্রোক করণিয়া ভূম্যধিকারী অথবা ইজারদার যাহার নিকটে দর্শাবেক তা হার নিকটেই সে দাথিলা প্রকৃত কি অপ্রকৃতইবা হউক কদাচ মঞ্জুর হইবেক না। আর যদি কোন মালগুজার কোন ভূমি ক্রোক হইবার যে ইশ্তিহার স্থানে২ দিবার হ্কুম আছে তাহা দৈওয়া গেলে পর লে পর কেহ কাহা ও দে ভূমির ক্রোক বর্থান্ত হইবার ইশ্তিহার দিবার পূর্ফে কিছু মালগুজারী কাহাকেও দেয় তবে তাহাও মজুরা পাইবেনা। কিন্তু যদি বিশিষ্টরূপে এমত বুকাইতে পারে যে সেই ইশ্তিহার হইবার সমাচার সে জ্ঞাত ছিল না তবে সেই পূর্বের দেওয়া মালগুজারী মি নাহ পাইবেক। কিন্তু বাকীদার যত টাকা মালগুজারের স্থানে হাল ভঞ্জিতক্রমে আগামি কি ভূমি কোক হইলে পরেইবা লইয়া থাকে ষের উপর প্রভেদ তাহা সে মালাপ্তজারদিগকে মজুরা দিতে হইবেক না এমত বোধ কথা। কদাচ করিবেক না। ভানিবেন যে উপরের লিথিত হুকুম কেবল ক্রোক করণিয়ার স্বস্থাব্যস্থের কারণেই হুইল।— ১৭৯**৯** সা। ৭ আ। ২৩ ধা। ৩ প্র।

হালভিজ্ঞিত নাহ

ভূমাধিকারি প্র ভূতিতে হালভঞ্জিত क्रिल उ প্রজাদি उ ठाठा फिल्ल तग

ভূমি ক্ৰোক হই কেও মালগুজারী দি লে তাহামজুরানা পাইবার কথা।

ঐ ভকুমের বিশে ষ কথা।

ঐ ছকুমের বিশে

ভ্যাধিকারিগণে था।

शा

ণ্ডা হইবার কথা।

ধাছাড়া কর্মা করি লে দণ্ডা হইবার ক থা।

দিগর দেওয়াও ল

অধিকারিপ্রভৃত্তি

৪৮। উপরের লিথনানুসারে যদি ভূম্যধিকারিগণের ও শুজাদি মা त अ अजामित ना मधजाद्रमितात कर कारात नाम कर्यन वाशन संदाधिकाद्वत मः নাবিধ ষ্প্রাধিকা ক্রান্ত মোকদ্মায় দেওয়ানী আদালতে নালিশ করে ভবে ভংকালে রের বিচার দেওয়া তথাকার জজসাহেব দে মোকদ্দমার বিচার ও নিষ্পত্তি উভয়তঃ ছও নী আদালতে ^{হই} য়া একরার লিখনাদি কাগজপত্রদৃষ্টে কিয়া শরা কি শাল্তমতেইবা অথবা আইনক্রমে কিয়া দে স্থানের আদ্যোপন্তের চলন দামান্য কি অমাধিকারিগণ বিশেষ দাঁড়ার অনুসারে করিবেন। আর জানিবেন যে জমীদার প্রড় যে যে সময়ে প্রজা তি ভূমাধিকারিগণ ও ইজারদারেরা প্রজাদি মালগুজারদিগকে মাল দিগকে তলব করি গুজারীর হিসাব নিষ্পান্তির কারণ কিয়া অপর কোন বিশিষ্ট হেত্ তেও কৰু আনাই তে অথবা তাহারদিগের উভয়তঃ হওয়া একরার লিখনাদি কাগজ তে পারে তাহা ক্লা পত্রদৃষ্টে মাপিয়া বুফিবার যোগ্য তাহারদের হাতে থাকা কোন ভূমি

উ জানাইবার ক মাপিবার নিমিত্তে ভাকিতে কিছা ভাকাইয়া আনিতেও বহালীকৌন আইনমতে নিষেপ ছিল না ও নাই। ছথাচ এ ধারাক্রমে মুষ্ট জানান যাইতেছে যে ভুমাধিকারিপ্রভৃতিতে রাখা দাধ্যানুদারে এমত কর্মা ক तिए आवनाक नाइ रेंग ला जरेना आएमी रम अरानी आमानर प्रत्यास ভূমাধিকারিপ্রভূ করে। ও ইহাতে যদি ভূমাধিকারিপ্রভৃতিতে রাথা দাধামতে কার্য্য তির অকুম প্রজাদি করিতে কেহ প্রতিবাদী হাঁর তবে দেওয়ানী আদালতে তাহা প্রমাণ তে না মানিলে দ হইলে সে নিমিত্তে হওয়া সমস্ত ক্ষতি সমেত যাবদীয় ধরচা পোষা ইয়া দেওয়াইবার কারণ দেই প্রতিবাদির দণ্ড হইবেক। অধিকন্তু मुँगाभित ज्ञान जाहात नारम मारावनारावती ज्ञामानार नानिम

ভুমাধিকারিপ্র হইতে ও দে দুঁদ্যা শাস্তির যোগ্য ঠাহরিতে পারিবেক। কিন্তু যদি ভৃতি ও তাহারদি ভূমাধিকারিগণের কিয়া ইজারদারদিগের অথবা তাহারদিগের আম গের চাকরের। সা লার কেহ আপন, সাপোর বহির্ভূত কোন কর্ম করে তবে উৎপাত গ্রন্থ সে বিষয় সেওয়ানী আদালতে প্রতিপন্ন করিলে সেই কর্মির উপর সমস্ত ক্ষতি ও এরচা দিবার দায় পড়িবেক। ভদ্ভিন্ন মোকদ্দমা ব্বিয়া যে দণ্ড সরকারে লওয়া উচিত তাহাও দিবেক। আর ভূম্য পিকারিপ্রভৃতির দহিত প্রজাদি মালগুজারদিনের লিখনপ্রমের দা রা কোন একরার এতাবতা পাট্টাদিগর দেওয়া লওয়া হইয়া থাকি লে ও মালগুজারীর দাথিলা মালগুজারেরা পাইয়া থাকিলে তদ্যে উভয়তঃ হওয়া সেই একরারে কোন বয়স্ত কিয়া থাজানা ওয়াসীল

উভয়ের ভালর ও বাকীর বিষয়ে যে কিছু দদ্দেহ জন্মে তাহার ভঞ্জন ও দমাধা দর্ক জন্যে ইঙ্গরেজী ১৭ তোভাবে হইতে পরিবেক। অতথব জজদাহেবদিগের ও কালেক্ ৯৩ সালের ৮ আ টুর সাহেবেরদের ক্রিব্য যে এত্দিষয়ে ব্যতিক্রমহইতে না পারিবার ইনমতে একরারী কারণ যে দাঁড়া ও ত্কুম ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ লালের ৮ আইনে নির্দিষ্ট আছে তাহা তাহারদিগের উভয় পক্ষের হিতের জন্যে যে কোন বি ওয়া করিবার দাঁড়া হিত সময়ে দেখান ও বুঝান উচিত জানেন্ সেই সময়েই এই হেতুক জজনাহেংবরা ও দেখান্ ও বুঝান্ যে তদনুসারে চলিলে ভূমাধিকারিপভৃতিতে কৌন

কালেকটর সাহে রপে বেশী তলব করিতে ও প্রজাদিতেও অসমত আশক্তি জন্মাইতে বেরা বুঝাইবার ক পারিবেক না।—১৭৯১ সা। ৭ আ। ১৫ ধা। ৮ পুঁ।

৪১। সকল ভূমাধিকারী ও মকঃদলী তালুকদার ও সকলপুকার

ইজারদায়দিগের কর্ত্তব্য যে আপনার্দিগের তাবের মালগুজারের তে আপনার্দিগে দের শিরের মালগুজারীর কিস্তি সকলের ধার্য্য তাহারিদিগের এলা কার ভূমির শদ্য কাটিবার ও বিক্রয় করিবার কাল নিদর্শনে করে ইহাতে অতিসরিলে মালগুজারেরদের যে ক্ষতি হয় তাহার নালিশ সেই অধিকারিপ্রভৃতির উপর হুইতে পারে ইতি।— ১৭৯৩ দা। ৮ আন। ৬৪ ধা।

৫০। কর্ত্তব্য যে একং ভূম্যধিকারী ও মফঃদলী ভালুকদার ও ভূমির যে প্রকার ইজারদার ও ঐ সকলের যে প্রকার গোমাস্তারা রী ও মফাসলী তা মালগুজারীর তহদীলের কার্য্যে নিযুক্ত থাকে তাহারা যে কালে লুকদারেরা ও ইজা ভূমির যত মালগুজারী তালুকদারের ও ইজারদারের ও প্রজারদি গের স্থানে লয় সে কালে তাহার কবজ লিথিয়া দেয় আর একং কিস্তির টাকা বেবাক আদায়ন্ছইলে পরেও ফারথতা দেয় ইহাতে যে কেহ মালগুজারীর টাকা দেয় সে যদি কবজ না পায় তবে সেই কবজ দিতে চাহে নাই এমত প্ৰমাণ জিলার দেঁওয়ানী আদালতে হই লে পর যে মালগুজারীর টাকার কবজ না পাইয়া থাকে তাহার থায় দও দিতে হট দ্বি**গুণ দণ্ড আসামীর স্থানে পাইবেক।-- ১৭৯৩ সা।৮ আ। ৬৩** বার কথা। ধা। ১প্র।

৫১। যদি কোন গ্রামের প্রজা জলের বৃদ্ধি কিম্বা আকাশী অন্যোৎ পাতের নিমিত্তে পলায় তবে ভূম্যধিকারিদিগেরে ও মফঃদলী তালু গের শিরের মাল কদার ও সকল প্রকার ইজারদার ও ্র সকলের গোমাস্তাদিগের প্ৰতি হুকুম থাকিবেক না যে যে দকল প্ৰজা দে গ্ৰামে ডিষ্ঠিয়া থাকে তাহারদিণের স্থানে সেই পলাতক প্রজাদিণের বিরের মালগুজারী তলব করে ইতি।—১৭১৩ দা।৮ আ। ৬৩ ধা। ২ প্র।

পলাতক প্রজাদি ওজারী হা**জি**রা প্র জাদিগের স্থানে না চাহিবার কথা।

র তাবের মালওজা

রেরদের সহিত ভ মির শস্য কাটিবার

ও ক্রিয়ের সময় নি

मर्गत मालधेजाती

র কিস্তির ধার্য্য ক রিবাব কথা।

সকল ভ্রম্যধিকা

রদারেরা ও তাহার দিণের গোমান্তারা

যত মালপ্রজারী উ

সুল করে ভাহার

কবজ লিখিয়া দি

বার ও ইহার অন্য

৮ ধারা। পেটার তালুক অপশ বা হস্তান্তর হইলে তাহার রেজিষ্টবি করণ।

৫২। আর জমীদারেরদের স্বত্তাধিকার তাহারদিগের ব্যাপা মফঃদলী তালুকদারদিগের উপরেও দাবাস্থ থাকিবার কারণ এ ধারা হস্তান্তর হইলে তা ক্রমে হুকুম হুইতেছে যে সেই মক্ষঃসলী তালুকদারেরা যে সময়ে আ পন্থ তালুক সমূদয় কিয়া তাহার কিছু বিক্রয় কিয়া দানাদির দারা হস্তান্তর করে কিয়া তাহারদিণের তালুক কেহ উত্তরাধিকারিতাক্রমে পায় অথবা অৎশিগণের সহিত অৎশ হয় তবে তাহা জমীদারীর দদর দফ্রুরৈ রেজেফ্টরী অর্থাৎ থারিজদাথিল করাইবেক। ও এমত কোন তাদুক অংশ হইলে তৎকালে দেই অংশানুসারে তাহার থে যে কিস্মতের প্রত্যেক কিন্**মন্তের উপর জ**মার ধার্য্য করিতে হইবেক ও তদনুসারে যে কিন্মতের যঁত জমা ধার্যা পড়ে তাহার মঞ্জুরী যাহার নিকটে দেই মালগুজারী করিতে হয় দেই জমীদারের স্থানে লেখাইয়া লই তে **হইবেক ও এমত** নহিলে সেই **অ° শ ও সে** জমার ধার্য্য অসিদ্ধ

পেটার তাল্ক হার থারিজদাণি लजभीमाती मयुर्द করিবার কথা।

থারিজ দাথিলম্ যতজমাধার্য হয় তাহা জমীদারের মধ্র করাইতে হ ইবার কথা।

ली फिबिस्ड প্রতি বৎসর কালেকটর সাহেবদিগের নিক টে চালান করিবা র কথা।

জ্মালাবেরা পে ও নামঞ্জর হইবেক। এব**ং সেই সম্যক তালুক জ্মালারের** মাল্ড টার তালুকদারদি জারীর দীয়েও বদ্ধ রহিবেক আর জমীদারদিনের প্রতি হকুম আছে গের খারিজদাথি যে দশসনী বন্দোবস্তের কালে তাহারদিগের সহিত মফঃসলী তালুক দারদিগের যে করারদাদ আপোদে হয় তাহার ফিরিস্তি দে তালুক দার্দিগের নাম ও তালুক ও জমার নিদর্শনে লিথিয়া কালেক্টর সাহেবদিগের নিকটে পাঁচায় এইক্লণে কর্ত্তব্য যে এ আইনমতে তা হারদিগের দম্ভরে হওয়া থারিজদাথিলের বেওরা নিদর্শনেও এমত ফিরিস্তি প্রতিবৎসর কিয়া যে সময়ে তলব হয় কালেকটর সাহেবদি গের সমীপে চালান করিতে থাকে ইতি।—১৭৯১ সা। ৭ আ। ১৫ ধা।৮প্র।

১ ধারা।

সুবে বার্য়াণসের রাইয়তেরদের পাট্টা বিষয়ে বিশেষ হুকুম।

[বারাণস।]

৫৩। আমিল ও জমীদার ও ইজারদারওগয়হের। সরকারের যে প্রাপ্তব্যাৎশ অর্থাৎ রাজম্ব প্রজা ও চাসিদিগের স্থানহইতে তহসীল করে তাহা তাহারদিগের স্থানে অসঙ্গতাবধানে তলব করিতে না পা রিবার কাঁরণ এলাকা বারাণসের রেসিডেণ্টসাছের ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ দালের ১২ ফিব্রুআরিতে প্রজাপ্রভৃতিতে যে পাটার অনুসারে মাল গুজারী দিবেক দে পাউ। নির্দ্ধারিত নক্লাক্রমে তাহারদিগের দেওয়া যাইবার কারণ আমীনদিগেরে নিযুক্ত করিয়া পাচাইয়াছিলেন কিন্তু নীচের লিথিত হেতুতে তৎকালে সমস্ত পুজাকে পাট্টা দেওয়া না হইতে সেই আমীনদিগের বর্থাস্ত হইয়াছিল অতএব তাহারদিগের প্রতি যে দকল হুকুম হইয়াছিল তাহার ফলোদয় সমাক প্রকারে হইবার নিমিত্তে তাহার কোন্থ মর্মানিশেষের নিবর্ত্তে ও পরিবর্ত্তে শ্রীয়ত গবর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলের বিহিত বি ধানে আইন নিৰ্দ্ধিষ্ট হইল জানিবেন যে ঐ রেসিডেণ্টদাহের এলাকা বারাণদের যথাকারথ বন্দোবস্ত করিয়াছেন তথাকারথ প্রজাদিগের পাউ।র বিষয়ে এ আইন চলিবেক ইতি।--১৭১৫ সা ৫১ আ। ১ ধা।

প্রজাপ্রভৃতিকে উৌ দেওয়াইবার কারণ কর্তব্যোদ্যো গের কথা।

[1 1 1 1 1 1

৫৪। আমিল ও কানুনগোদিগকে পুনঃপুন এই হুকুম দেওয়া বেলমোক্তামতে পা গিয়াছিল যে তাঁছারদিগের নিকটে যাহারা নগদ কাট। মালগুজারী দেয় এমত নগদী দণ্জার জমীদার ও ইজারদারদিগের স্থানহইতে শাজানা ও সমস্ত আবওয়াবের নিদর্শন থাকে এমতের বেলমোক্তা রয়ী পাউ। প্রজাদিগেরে দেওয়ায় এতদ্ভিন্ন যে স্থানের মালগুজারী ভূমির উৎপন্ন গল্লাজাৎওগয়রহ ফদলের দারা লওয়া যায় তথাকার প্রজাগণকে পাউ। বউাই নিরিথমতে অর্থাৎ ভূমির 👺 পন্ন হৃসলের ভাগসমানক্রমে কিয়া নয়আনা সাতআনা অথবা পাঁচাদুয়া অথবা দুই এক যাহার সংজ্ঞা তেহাই এই সকল ডৌলের এক ডৌল কিয়া তথা কার চলন অন্য দাঁড়ামতে দেওয়ান যাইবেক। আরু আমিলদিগের

প্রতি বার্থ হকুম হইয়াছিল যে আমানী মহালাতের প্রজাদিগেরে ও এইমতে পাউ। দিবেক। কিন্তু তদনুসারের নির্দ্ধারিত নক্লাক্রমে পাউটা দেওয়া যায় নাই এমতানুমান হইয়া এলাকা বারাণদের চারি সরকারের যে সকল কিন্মতের মোকররী বন্দোবস্ত হইয়াছিল সে দকল কিদ্মতে পাটা দেওয়া যাইবার কারণ আমীনেরা ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ দালের ১২ ফিব্রুআরিতে নিযুক্ত হইয়াছিল ও তাহার্দি গেরে হকুম ছিল যে মৃশংখদী গ্রামদকলের অর্থাৎ যে দকল গ্রামের বন্দোবস্ত হইয়া থাকে তাছার তালুকদার ও ইজারদার্দিগের স্থানহ ইতে এবণ আমানী মহালাতের আমিলদিগের নিকটহইতেও নির্দ্ধা রিত নক্লামতে প্রজা ও চাদিদিগেরে পাটা দেওয়াইবেক এব ে মৃশঃ থদী গ্রামদকলের প্রজা ও চাদিদিগের নগদী পার্ট্টায় গুজস্তা ও পয় ওম্বা দুই সনের জমার নিরিথ আর বটাই পাটার অনুসারের ভূমির উৎপন্ন ফদলের ভাগের করার লেখা যাইবেক্চ এডদভিরিক্ত হুকুম ছিল যে যদি আমিল কিয়া ভূমাধিকারিপ্রভৃতি সদহরর মালগুজীর দিণের ও প্রজাগণের মধ্যে পাটার লিথিত করারী নিরিথের আপত্তি হয় তবে তাহার কর্মচারিদিগের কাগজদট্টে ও কানুনগো দিগের সহায়তাক্রমে নিষ্পত্তি পাইবেক এবণ্- ভূমির হালের এতা বতা বর্ত্তমান কালের আকার ও প্রজাগণের জাতি দুট্টে বিবেচনা তাহার জমার নিরিথ বান্ধিয়া যেমতে ফদলী ১১৮৭ সালে বেল মোক্তা রয়ী পাটা দেওয়া যাইত সেই মতে বেলমোক্তা রয়ী পাটা (५७ श शहरतक। -- ১१ २० मा। ७५ जा। २ ४।। ५ थ।

৫৫। উপরের লিথিত বিধির অনুসারে আমীনদিগেরে চ্কুম হইয়াছিল যে যথায় মুটরী চলন অর্থাৎ নানাপ্রকার ভূমি ও হরুর মতের কথা। কম ফনলের উপর গড়ে নগদে কিয়া তাহার উৎপন্ন ফনলের দ্বারা এক নিরিথে থাজানা লইবার দাঁড়াআছে তথায় তাহা বহাল রাথে এব°\ लारकता य स्राप्त अमाँ हा हालाप्त मञ्जू हुए उथाए अ माँ हा সচেফী হইয়া চালায়।—১৭৯৫ সা। ৫১ আ। ২ধা। ২ প্র।

ম্ট্রী পাটার [বারাণস 🗓

৫৬। তুকুম হইয়াছিল যে মৃটরী পাউাছাড়া সমস্ত নগদী পাউ। যে রকম ভূমি যত বিঘা এলাহী তিন দেরার মাপের মুথে কিম্বা পর নগদী পাউার মতে গনার চলন মাপের মুথে অথবা দেরাওয়াত যাহাকে আদ্যাজী মাপ^{্র কুথা।} বলা যায় তাহার মুখে হয় ইহার নিদর্শনে আবওঁয়াব সমেত গড়ে বিঘাপ্রতি যত থাজানা চাহরে তাহা নির্দ্দিষ্ট করিয়া বেলমোক্তা রয়ীক্রমে লিথে কারণ এই যে হরেক রক্তমের মাপের কমী কিম্বা বেশীর প্রভেদদৃষ্টে দে ভূমির জমার নিরিথ বিশেষ করিয়া বুকি বার আবশাক না থাকে অতএষ এই বাঞ্ছা সফলা হইবার জন্মে বিঘার মাপের ফে হুকুম হইল যে মালগুজার ও প্রজাগণ কানুনগোদিগের সহায়তা ও আমীনদিগের মঞ্রীক্রমে বিহার দৃষ্টে থাজানা ও আবওয়াব একতা ক্রমী ও বেশী করি করিয়া বেলমোক্তা র্যার ধার্য্য করে এমতে মালগুজার ও প্রজাদি রা না লিখিবার গের সাধ্যও জ্বাছে যে বিভার মাপ ঐ তিন প্রকারের মধ্যে যে ক্থা

ষ্ট্রী পাট্টাছাড়া [1 10 10]

প্রজাদিগের বে লমোক্রা পাট্টায় রফার থাকন প্রয় ক জমার নিরিখ প্রকার চিত্তে লয় তাহাই কবুল করে ও যেপ্রকার তাহারদিগের কবল পড়ে তাহার উপরেই রয়ী নির্দার্য হইবেক ইহাতে ইঙ্গরে জী ১৭৯৫ সালেরং দিতীয় আইনের ৪ চতুর্থ ধারায় সর্বতে বি খার মাপ এক রকম হইবার জন্যে হেকুম লেথা আছে তাহা বহাল থাকিবেক না।—১৭৯৫ সা। ৫১ আ। ২ ধা। ৩ পু।

পটীদারদিগেরে মতের কথা। বারাণস।

৫৭। আমীনদিগেরে স্কুম ছিল যে যদি পটীদারেরা আপনারদি পাউ^{। দেওরাইবার} গের ভূমির আবাদী পাউনির দর্থাস্ত করে তবে তাহারদিগেরে দর কারের হজুরী পার্টাদারদিগের স্থানহইতে উপরের লিথিত দাঁড়া ক্রমে পাটা দেওয়াইবেক ও এমত দর্থান্ত না করিলে তাহার্দিগের পাটা দেওয়াইবেক না কিন্তু জানিবেক যে দে পটীদারেরা আপনা রদিগের মালগুজারীর দরবরাহ পূর্ব্বমতে করিবেক। অর্থাৎ যে প্রধানদিগের পেটায় কিয়া মারফতে মালগুজারী দিত তাহারদিগের পেটায় কিম্বা মারফতেই দিবেক।—১৭৯৫ সা।৫১ আ।২ ধা। 8 %।

মৃশঃখশী ভূমির হার উপর দম্ভগৎ ও সাক্ষী হইবার

আমানী মহালা তের ভূমির পাটো র ভারের কথা। िक कि

৫৮। হকুম ছিল যে নরকারের হজুরী পাটাদারেরা মুশঃথদী পাড়ী দিবার ও তা ভূমির দকলী পাড়ী আমীনদিগের দহিত একবাক্যতায় আপীনারদি গের দস্তথতে কানুনগোদিগকে দাক্ষী করাইয়া দিবেক। এবৎ আ মানী মহালাতের ভূমির পাটার অর্থে হ্রুম ছিল যে তাহা আমি लाता आश्रनात्र मिरागेत मस्यार ও कानूनर्गामिशरक माक्री ও आभी নদিগের সহী করাইয়া দিবেক। কারণ এই যে আমিলদিগের সাধ্য দিবার মতের কথা। পশ্চাৎ এমত না থাকে যে **দরকারের মালওয়াজিবীতে কমী ও বেশী** বন্দোবস্তের অনুকরিতে পারে জানিবেন যে তাহারদিগের প্রতিকেবল সরকারের সারে আমিলদিনে মোকররী মালওয়াজিবীর আঞ্জাম দিবার ও তাহারদিগের মোতা লক দীমাদরহদ্দের মধ্যে বিরোধ ও বিদয়াদ না হইতে পারিবার এব॰৲ তাহারদিগের উপের যে ক্সণে যে ত্রুম হয় তদনুদারে ব্যাপার করিবার অর্থে ভার আছে।—১৭৯৫ দা। ৫১ আ। ২ ধা। ৫ প্র।

পাট্টার তফসী লে ভূমির রকম ও বিঘার মাপ ও জ মার নিদর্শন লেখা থাকিবার কথা। [1 12 12]

৫১। যে সকল পার্টার নক্লা আমীনদিগের জিম্মা হইয়াছিল তা हात नीटि पूर्वेती किया नगमी अथवा हत्क उला किया वर्णेहि हहेगा যে কোন মতের মালগুজারী দিবার এবং পড়তী ও থীল ও জঙ্গলও গয়রহ ভূমির জমা দিতে হইবার মতের বেওরা লেখা গিয়াছিল অতএব ভূমির আকার ও প্রজাদিণের গতিকদৃষ্টে ঐ সকল মতের এক মতে জমার দরবরাহ করণ প্রত্যেক প্রজার কর্ত্তব্য হইবেক। আর আমীনদিগেরে হকুম ছিল যে যে প্রজারা প্রকারান্তরে আবাদ না করিয়া কেবল মুটরীক্রমে আবাদ করে তাহারদিণের পাট্টায় কে বল মুটরীনামে জমার মোট করিয়া লেথাইবেক এন্ডন্ডিল প্রজাদি গের কৈহ মুটরী ও নগদী ও বউটাই হরেক রকম জমা রাখিলে তা হার পাউনায় যে মতে তফদীল লেখা যাইবেক তাহাও দেই নির্দ্ধা রিত নক্লায় লেখা গিয়াছিল এব°৲ দেই নক্লায় ঐ হরেক রকম জমার

তফদীলছাড়া বিঘার মাপের বেওরা করিয়াও লিথিবার দাঁড়া ছিল এইহেতুক যে ৩ তৃতীয় প্রকরণের লিথিত তিন প্রকার মাপের বিঘা এলাকা বারাণদের স্থানে২ অল্পবিস্তরক্রমে চলন আছে ইহার যে প্রকার মাপের বিঘা চিন্তে লয় তাহাই মালগুজারেরা ও প্রজাগণ উভয়ে কবুল করিতে পারিবেক ও আমীনদিগেরে কেবল এই হুকুম ছিল যে যে প্রকার মাপের বিঘা কবুল পড়িবেক তাহাই প্রজাগণের পার্টায় লেথাইবেক।—১৭৯৫ লা। ৫১ আ। ২ ধা। ৬ পু।

৬০। যে পাউর নক্সা আমীনদিগের জিয়া ছইয়াছিল তাহার পাটার নক্সার তরজমা এই যে খ্রী অমুক প্রতি লিখন আগে নীচের লিখিত তফ কথা। দীলদৃষ্টে তোমার ভূমির দালতামামী জমা বেলমোক্টাদুরতে লওয়া বিরাণদ। যাইবেক ইহা দেওয়ায় দরফ অর্থা আবওয়াবক্রমে কড়াবট লওয়া যাইবেক না।

| নগদী। |
|---|
| একপ্রকার পাউা বাবতে——— |
| মুটরী |
| |
| এলাহী ও তিন দেরার মাপের মুথে কিয়া পর্গনার চলন মা পের মুথে অথবা দেরাওয়াত যাহাকে আন্দান্ধী মাপ বলা যায় তা |
| পের মুখে অথবা দেরাওয়াত যাহাকে আন্দাজী মাপ বলা যায় তা |
| হার মুখে ১২ বারো বিঘা ফিবিঘা ৩৫ ০ তিন টাকা দুইআনার ভি |
| দাবে |
| ২ দ্বিতীয় প্রকার পাউ। বাবতে। |
| থয়রার অর্থাৎ যে ভূমিতে ভারি মূল্যের দুব্য জন্মে |
| এলাছী ৩ তিন দেরার মাপের মুখে কিন্তা পরগনার চলন মাপের |
| মুথে অথবা দেরাওয়াত যাহাকে আন্দাজী মাপ বলা যায় তাহার |
| पूर्व ३० (छत् विधा |
| मूर्ण ३० (७३ १४। |
| জায় |
| ্ইক্সু ১০ দশ বিঘা ফিবিঘা ৫/০ পাঁচ টাকা এক্ আনার হিস। |
| (4) |
| তামাকু ২ দুই বিঘা ফিবিঘা ৬ ছয় টাকার হিদাবে——১২১ |
| তরকারী মূলাওগয়রহ ১ এক বিখার কাত ———— ২/০ |
| ण्डासारा मृगाउगरहरू ३ जरु विचात का ७ |
| ৬৪ ॥४০ চৌষ 🕏 টাকা এগারআনামাত্র |
| ज्या कराया कराया चनाव्यामावाय |

ইহাতে যদি ফদল ফেরের কারণ নয়া পাউ। দিবার দরকার হয় তবে গুজন্তা দুই দনের নিরিথদৃষ্টে কানুনগোদিগের এত্তেলামতে দে ওয়া যাইবেক, তাহাতে কোন আপত্তি হইবেক না এই মতে জমী দার কিম্বা ইজারদার যে কেহ পাউ। দেয় দেই লিথিবেক।

এলাহী ৩ তিন দেরার মাপের মুথে কিস্থা পরগদার চলন মাপের মুখে অথবা দেরাওযাত যাহাকে আন্দাজী মাপ বলা য়ায় তাহার कुरेश ১২ বারো বিঘা-

| জায়- | | | | | |
|-------|------|--------|------|---------|------------------|
| ર | বিঘা | ফিবিঘা | 3110 | হিসাবে- | - o \ |
| | | | | হিসাবে- | -610 |
| | | | | হিসাবে- | onc- |
| ર | বিঘা | ফিবিখা | > | হিসাবে- | -१ ५ |
| > | বিঘা | | | | -320 |
| > | বিঘা | | | | - ho |
| | · | 1. 1. | | | |

5₹/ ১৫৭% ০ পনর টাকা চৌদ্দ আনামাত্র वशाउली -

অর্থাৎ বউটাই যাহার থাজানা ভূমির উৎপন্ন ফদলমুথে লওয়া যায় তাহা এলাহী ৩ তিন দেরার মাপের মুথে কিন্তা পরগনার চলন মা পের মুখে অথবা দেরাওয়াত যাহাকে আন্দাজী মাপ বলা যায় তা হার মুথৈ যত বিঘা হয় তদনুসারে থাজানার টাকা কানকৃত অর্থাৎ তশ্থী সমতে নিৰ্দ্ধাৰ্য্য হইবেক ও তাহার অংশ অব্দাৰ্দ্ধ কিয়া নয় আনা সাতআনা অথচা পাঁচাদয়া অথবা দুই এক ইহার যে মত যথায় চলে দেই মতে নিরূপণ করা যাইবেক ও তাহার টাকা বাজারভাও যাহা যে ফদলের উপর দরকারহইতে নির্দ্ধিট হইবেক তাহাই ধুরা

পড়তী ও থীল ও জঙ্গলওগয়রত্ত্মির জমা উভয় সম্মতিতে নগদী কিম্বা বউাই মতে নিৰ্দ্ধাৰ্য্য হইবেক ইতি।—১৭৯৫ দা। ৫১ আ ৷ ২ পা ৷ ৭ পা ৷

আমীনদিগেৱে তাহার কথা।

[বারাণস।]

> 211

৬১। উপরের লিথনানুসারে আমীনদিগেরে পাঠাইবার সময়ে পাচাইবার হেতুজ সমস্ত জমীদার ও ইজারদারদিগেরে থাতিরজমা দেওয়া গিয়াছিল মীনার প্রস্থৃতিকে যে মোকররী বন্দোবস্তের কালে সরকারের সহিত তাহারদিগের যে জানা ইবার ও তা করারদাদ হইয়াছে তাহার বিচলিত যেরপে কদাচ হইতে পারে না যে সকল বিষয় ত সেইরপে তাহারদিগের তাবে প্রজা লোকেরদের হক্ বরকরার থা হকীক করিয়াছিল কিবার একরার তাহারদিগের উভয়তঃ হইবার কারণ আমিনদিগে রে পাঠান যাইতেছে কিন্তু পাটা দেওয়াইবার কার্য্যে আমীনেরা মোকরর থাকিবাপর্যান্ত জমীদার ও ইজারদারেরা দন্দিগ্ধ ছিল এব॰৲ আমিলরাও এমত এজহার করিয়াছিল যে জমীদার ও ইজার দার্দিগের দন্দিগ্ধতা ও অন্যং কারণপ্রযুক্ত হকুম মতে কার্য্য হই তে পারে না অতএব উত্তর কালে এ কার্য্য হইবার সময়ে ইহার বে ওরা বোধ হইবার নিমিত্তে সেই এজহারের বৃত্তান্ত নীচের প্রকরণে স্লফী করিয়া লেখা যাইতেছে।—১৭৯৫ না। ৫১ আ। ৩ ধা।

৬২। পরণনে চৌরাসীর তপ্পা ও ফরোদের আমীন জাছির করি য়াছিল যে ঐ তপ্পার অনেক স্থানে কর্মচারী নিযুক্ত নাই এব॰১ না থাকিলে যে ক অন্যং স্থানের আমীনেরাও ঐ মত জাহির করিয়াছিল তাহাতে তা র্ত্তর তাহার কথা। হারদিগেরে জওয়ার হুকুম হইয়াছিল যে যথায় কর্মচারী নিযুক্ত না থাকে তথাকার অধিকারী কিম্বা ইজারদারের দারা কর্মচারী নিযুক্ত করায় ও যাবৎ তথায় কর্মচারী নিযুক্ত না হয় তাবৎ গোমাস্তা কিয়া অন্য আমলা যে কেহ তথাকার গ্রামাদির হিসাবী কাগজপত্র রাখি বার কারণ নিযুক্ত থাকে তাহার স্থানে আইনমতে যে কাগ্রজপত্র চা হিবার ক্ষমতা কালেক্টর দাহেব কিয়া জজদাহেবদিগের আছে দে কাগজপত্র তাঁহারদিগের তলব মতে দাখিল করায়।—১৭৯৫ সা। ৫১ আ। ৩ ধা। ২ প্র। a 🐉 .

কর্মচারী নিযক্ত [বারাণস ।]

৬৩। পরগনে চৌনদা ও অন্যথ স্থানের প্রজাদিগের মধ্যে যাহারথ ভূমির উৎপন্ন ফদলের ভাগ ভূম্যধিকারী ও ইজারদার্দিগের সহিত ক জনে পাটা লছ আগোর বউটি মতে করিয়া দিবার দাঁড়া ছিল তাহার ২ অনেকেই তে কবুল না করি আপনারদিণের আবাদ করিবার ভূমির পাউ। বিষা প্রতি জমার নি ^{বার কথা।} রিথ বান্ধিয়া লইতে কবুল করে নাই ইহার বৃত্তান্ত ও তদারকের এক ভৌল ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ দালের ২ দ্বিতীয় আইনের ২১ এক বি° শক্তি ধারায় লেখা গিয়াছে।—১৭১৫ সা। ৫১ আ। ৩ ধা। 921

প্রজাদিগের কএ वि वी

৬৪। পরণনে চৌরাদীর তপ্পা কোণের আমীন জাহির করিয়া ছিল যে জমীদারেরা অনেকেই আপনার্দিগের অধিকার্ভূমির র দারা প্রজাদিগে কিছুং কিসমৎ অন্য জমাদারদিগের স্থানে বন্ধক রাথিয়াছে ও সে রে পার্টা দেওয়াই বন্ধক গ্রহীতারদিগের পাউা নির্দ্ধারিত নিরিথঅপেক্ষা কম দয়ুরে কেবল দদর জমা ভূক্তানের অনুসারে আছে কিন্তু বন্ধকগ্রহীতারা দেই ২ কিসমতের ভূমির যোতদার প্রজাদিগের স্থানে পূর দম্ভরে মাল গুজারী লইতেছে ও হুকুম চাহিয়াছিল যে সে বন্ধকগ্রহীতাদিগেরে তাহারা জমীদারদিগের স্থানে যে নিরিথে পাট্টা পাইয়াছে তদনুসারে কি তাহারা যে দম্ভরে প্রজাদিগের স্থানে লইতেছে দেই দম্ভরে পাউা দেওয়ান যায় ভাহার জওয়াব হুকুম দেই আমীনকে দেওয়া গিয়া ছিল যে দে বন্ধকগ্রহীতাদিগেরে পাউ। না দেওয়াইয়া তাহারা যে দম্ভবে প্রজাদিগের স্থানে মালগুজারী লইতেছে সেই দম্ভবে পাটা সেই বন্ধকগ্রহীতাদিনের স্থানহইতে প্রজাদিনেরে দেওয়ায়। অধিকস্ত হকুম হইয়াছিল যে স্থানান্তরে এমত গতিক হইলে দে স্থানেও এই হুকুমমতে কার্য্য করে।—১৭৯৫ সা। ৫১ আ। ৩ ধা। ৪ প্র।

ব**ন্ধ**কগ্ৰহী তাদিগে বার কথা।

िक की

৬৫। মরইয়াত্র আমীনের এজহারক্রমে জানা গিয়াছিল যে ভৃ ম্যধিকারী ও ইজারদারেরা সরকারের করসম্পর্কীয় যে সকল ভূমি রদারেরা কর্মচারি দথলে রাথে তাহার মধ্যে কর্মচারিদিগের আথরাজাতী চাকরানা দিগেরে বেশী ভূমি মামুলীছাড়া বেশী ভূমি দিয়াছি বলিয়া কতক ভূমি ছাপায় একারণ Vol. I.

জমীদার ও ইজা দিয়াছি বলিয়া আ পানরদিণের দথ দে আমীনকে চ্কুম হইয়াছিল বে এ কারদাজী মঞ্র হইবেক লের ভূমি ছাপাই না কর্মচারিদিগের চাকরানা যে ভূমি মামূলী আছে ভাছা বাদে বার কথা। বাকী সমস্ত ভূমির পার্টা দেওয়ায়।—১৭৯৫ সা। ৫১ আ। ৩ ধা। [বারাণস |] ¢ 21

বট্টাই ভূমির ফ য়া যায় একারণ তা হার জমানগদী দাঁ ড়ার বেলমোক্তাক র কথা।

[B B]

সলের মুল্যের উপ ভ্রুমমতে ভূমির জমার নিরিথ বেলমোক্তাক্রমে ধার্য্য হইবেক কিন্তু त चाव उर्याव लंड स्क्रीन १ झार्ते अठमनूमात्त्र इहेर्ड शास्त्र ना अहेरहकूरू य झान वि শেষ এমত আছে যে তথায় বউটিমতের ভূমির উৎপন্ন ফসলমুথে তাহার মূল্য বাজারভাও ধরিয়া দেই মূল্যের উপর ফি ডঙ্কে কথন মে ধার্যাকরণ কফ্টে এক আরা কুথন দুই আনার হারে আবওয়াব হরেক রকমে চড়াইয়া লইবার স্বীয়ী পড়ে ও তাহা সেওয়ায় সে ভূমির ফি বিঘার উপর দেহী থরচা ১০ তিন আনার হারে লওয়া যায় আর কোন গ্রামে এ মত আবওয়াব ও দেহী ধরচার এক দম্ভর বান্ধিয়া তাহা ফসলমুধে তাহার নিরুপিত মূল্যের উপর তল্কাপ্রতি ধরিয়া লইবার নির্ণয় হয়। ইহাতে জান গৈল যে বউটাই ভূমির জমার ধার্যা কেবল তা হার ফললমুথে মূল্য ধরিয়া দেই মূল্যের উপর যথাকার যে চলন তঙ্কা প্রতি কিয়া বিঘার উপর যে আবিওয়াব চড়ান বিহিত হয় তথায় তাহাই চড়াইয়া হইতে পারে অথবা নগদী দাঁড়ায় বেলমোক্তাক্রমে নির্দ্ধার্য্য হইতে পারে না অতথব সেই আমীনকে চ্কুম হইয়াছিল যে বউাই ভূমির পাটায় আবওয়াবের নিরপণ সে ভূমির ফললমুথে তাহার নিন্ধীরিত মূল্যের উপর যথাকার যে চলন ফি তল্কে অথবা ফি বিষার উপর লেথাইবেক।--১৭১৫ সা। ৫১ আ। ৩ ধা। ७थ।

৬৬। পরণনে বালিয়ার আমীন জাহির করিয়াছিল যে ছজুরের

প্রগনে করেন্দা

[1 16 16]

র বিঘা অন্য স্থানা ইজারদার ও প্রজাদিণের পূর্ববাবধি দাঁড়া এই আছে যে যাহাকে পেক্ষা কম হইবার কাঁচা দেরাওয়াতের গার্টার মাপ কহে তাহার অনুসারে চাসবাস ও হিদাব কিতাব হয় দে কাঁচা মাপের পরিমাণ এই যে তাহার এক বিখায় পাক্ষ।৩ আট কাচা ও আড়াই বিখায় পাকা এক বিঘা হয় এব ে দাপ পদে যাহাকে গোড়মাপা কহে ভাছাতে করা যায়। আর দে পরগনার আমীন জাহির করিয়াছিল যে অনেক কন্ট নহি লে তথাকার প্রজাদিগেরে কাঁচা ও পাকা বিঘার হিসাব করিয়া লা ভালাভ বুকান যায় না একারণ হুকুম হইয়াছিল যে তাহারদিগের পূর্ব্ব দাঁড়া বহাল থাকিবেক কিন্তু ভাহারদিগেরে দেওয়া পাঞ্চায় বি ঘার রকম ও মাপের দাঁড়া তহকীক করিয়া দেখা যাইবেক।— ১१२६ मा। ६५ जा। ७ धा। १ ध

৬৭। জানা গেল যে পরগনে করেন্দার অনেক গ্রামে জমীদার ও

क्रमोहां अ नद

৬৮। উপরের লিখিত হকুম হইবার দিনে প্রগনে করেন্দার আ বরাহকারদিগের উ মীনের দুসরা দওয়ালের জওয়াব স্কুম হইরাছিল যে যথারং ইঙ্গ ভয়ত এক বাক্যত। রেজী ১৭১৫ দালের ২ দ্বিতীয় আইনের ১৭ দপ্তদশ ধারার প্রস্তাব ক্রমে সরবরাছকার নিযুক্ত ছইয়া খাকে তথাকার২ জমীদারেরা তা না থাকিলে সে ম হারদিগের সরবরাহকারদিগের সহিত একবাকা থাকিলে প্রজাদি হালের প্রজাদিগের গের পাউার দম্ভথ করিতে পারিবেক ও অনৈক্য থাকিলে উভয়ের পাউায় কেবল সর মধ্যে কেবল সরবরাহকারদিগের দন্তথৎ হইবেক যাবৎ তথাকার प्रामश्रकादीत मात्र महत्वताहरू। कार्या भारत थारक। -- ১ १ २ ८ मा । ७३ व्या । ७ था । ৮ था

বরাহকারদিগের দ স্তথ্ৎ হইবার ক [বারাণস 🗓

৬১। ঐ পর্গনা করেন্দার আমীন জাছির করিয়াছিল যে এগি দের মৌজে পাছাড়পুরওগয়রছে ছজুরের হকুমুমতে পাট্টা দেওয়া সে সরকারী জমার গিয়াছে কিন্তু এ স্থানের আদ্যোপান্তের দাঁড়া এই যে ভূমির উৎপন্ন ধার্য্য করিতে পা ফদুলের অর্জেক ভাগ দরকারের পাওনা তাহা না দিয়া জ্ঞাদার ও রিবার কথা। পটীদারেরা ও ছপ্পরবন্দ আদামীরা অর্থাৎ গোদকস্তা 🗯 বিকারা ঐক্য হইয়া দেই অর্থেক ফদল ভুক্তাইয়া নগদী জমা নির্দিষ্ট করিয়া থাকে। ভাহাতে তৃকুম হইয়াছিল যে উভয়সমাতিতে যাহারদিণের জমার ধার্যা ঐ করারে হর ভাহারদিগের পাটায় ঐ করার লেখা যাইবেক এডডিন্ন তাহারদিগের পাটা অন্যথ স্থানে যেমতে কদল মুখে তাহার বাজারভাওক্রমে মূল্য ধরিয়া জমার নিরিথ বান্ধিবার দীড়া আছে দে দাঁড়ায় দেখা যাইবেক না।-১৭৯৫ সা। ৫১ আ। ৩ধা। ই প্র।

প্রজারা আপো [اقت الف]

৭০। পরগনে মহম্মাদ্বাদের আমীন জাহির করিয়াছিল যে জন क्रक्रक अभिर्पत् अइक्ररणत् इजातात् श्राप्रमक्रामत् इजात्रमात्रमिरभत् जातमात्रमिरभत् सा স্থানে পাটা লইতে কবৃল করে নাই হেতু এই কছে যে আমরা এ নে থেছেতুক পাটা श्रीप्रमकत्मव शूर्व अप्रीमीविम्रिशव महान इजावमाविम्रिशव स्रात्न পাউ। লইলে আমারদিগের সমুমের হানি হয় ইতি।—১৭৯৫ সা। ভাহার কথা। ৫১ আ। ৩ ধা। ১০ প্র।

কোন২ লোকে ই লইতে চাহে নাই [8 8]

৭১। আমীনদিগেরে নিযুক্ত করিয়া পাঠাইবার ও তাহারা যত কার্য্য করিয়াছিল তাছার সমাচার এযুত গবর্নর জেনরল বাছাদু বার আমীনসকলে রের হজুর কৌন্দেলে পঁছছিলে ঐ হজুরহইতে ইক্ষরজী ১৭৯৫ র বর্থান্তের কারণ দালের ২৬ জুনে তাহার জওয়াব **ত্**কুম হইয়াছিল যে আইনের হ্কু হজুরের *ছ*কুম হট মমতে চলিতে ও তাহা জারী করিতে এলাকা বারাণদে পাচান আ মীনদিগের যে প্রতিবন্ধক জানা গিয়াছে দেই প্রতিবন্ধক অন্য তিন সুবাতেও পাটার সমুর্জীয় আইনের হুকুম জারীহইতে দর্শিরাছে তন্মাৎ প্রায় অনেক স্থানেই আইনমতে প্রজাদিগেরে দিবার কারণ যে দকল পাটা ভৈয়ার হইয়াছে ভাহা ভাহারা লইভে কবুল করে নাই। এব^ যে যে স্থানের ভূমাধিকারী ও প্রজাগণের উভয়সমা তিতে নিরিধের ধার্য পড়িয়া পাষ্টা হইয়াছিল তথাকার সকল পর্গনার নিরিধ সমান নছে এপ্রযুক্ত এব ে অন্যথ কারণেও সে পাটার নিরিধের উপর এইক্ষণে আপত্তি জন্মিয়াছে অভএব ইক্রে জী ১৭৯৪ সালের যে চতুর্ঘ আইনের লিথিত হকুম সূবেজাৎ বাঙ্গা

পাটা দেওয়াই বার কথা।

[182 182]

লা ও বেহার ও উড়িধ্যায় পাট্টা দিবার অর্থে জারী হইয়াছে সেই আইনের মতে প্রজারা দাধ্য রাথে যে ভূম্যধিকারী ও ইজারদার্চি গের সহিত তাহারদিণের পাউার নিরিথের আপত্তি জমিলে তাহার দর্থাস্ত দেওয়ানী আদালতে করিতে পারে ও তাহা করিলে সাবেব নিরিথে অর্থাৎ পর্গনার শরেমাফিক পাট্টা পাইবেক কিন্তু সর্ক রের কর্ত্তব্য নছে যে বিনাআপন্তিতে এতদ্বিষয়ে কিছু হুকুম করেন্ আর এলাকা বারাণদেও সকল পরগনার জমার নিরিখ ও ভূমির রকম এক নতে এপ্রযুক্ত আমীনেরা আপনারদিগের প্রতি অনৈক ক্ষ্ট ম্বীকার না করিলে উভয় সম্মতিতে পাট্টার নিরিখ ধার্য্য করাই তে পারে না ও দদেহের বিষয় ইহাও ছিল যে আমীনেরা কথন জমীদারদ্রিগের ও কথন প্রজাগণের সহকার অনর্থপাতের জন্যে হইত অভএর এই দকল কৈফিয়ৎ ও মর্ম্মদৃষ্টে এযুত গ্রর্নর জে নরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলে আমীনদিগের বর্থাস্তের কার্ণ ব্যবস্থা হইয়ান্ত্রুম হইল যেএলাকা বারাণসে চলিবার অর্থে ইঙ্গরেজী ১৭৯৪ সালের ৪ চতুর্ধ আইনের লিথনানুসারে হুকুম নির্দ্ধার্য্য হুই বেক। ইহাতে অনুমান হয় যে পশ্চাৎ তথাকার কোন গ্রামের জমার নিরিথের আপত্তি জন্মিলে তাহার সমাধা দেই হুকুমের অনুসারে হইতে পারিবেক এবণ আমীনদিনেরে পাচাইয়া আতান্তিক করিয়া পাউ৷ দেওয়াইতে যে দোষ দৰ্শে তাহাও সে হকুমমতে দর্শিবার পথ থাকে নাইতি।—১৭৯৫ সা। ৫১ আ। ৪ ধা।

আমীনদিগেরে দেওয়ান মপুর ও নামপুর হইবার অর্থে হুকু মের কথা।

[বারাণস।]

৭২। উপরের লিথিত হুকুমমতে যে আমীনেরা পাউটা দেওয়াই বরখান্ত করিবার বার কারণ গিয়াছিল তাহারা ইঙ্গরেজী১৭৯৫ দালের ৮ জুলাইতে বরখান্ত হইয়াছিল আর হকুম ছিল যে তাহারা কোন স্থানে হকু মের ব্যতিক্রমে পাউ। দিয়াছে এমত জানা গেলে দে পাউ। রদ হই বেক ও হকুমের ব্যতিক্রমে না হইয়া থাকিলে তাহা বহাল থাকি বেক। এবঁ॰ উভয় সমাতিতে যে পাউ। হইয়া থাকে তাহা হকুমের ব্যতিক্রমে ছইয়া থাকিলেও দাব্যস্থ রহিবেক ও জজদাহেব তদ্নু সারেই নিষ্পত্তি করিবেন। জানিবেন যে এ ছকুমের মতে কাহারে। হানি হইবেক না এইহেতুক যে প্রজারা প্রতিবৎসর ফসল ফিরাইয়া চান করে এ জনো মুটরী পাউাছাড়া অন্য পাউ। সমস্তই প্রতিবৎ দর ন্তন করিয়া দেওয়া যায় ইতি।— ১৭৯৫ সা।৫১ আং। ৫ খা।

পাটা দিবার কারণ অধিক মিয়া দের কথা।

[के के]

৭৩। আমীনদিগেরে হুকুম ছিল যে আপনারদিগের বর্থাস্তের ममरत्र जानूकमात्र ও जमीमोत्र ७ ইजातमात्रमिशत्क छान कताहरतक যে তাছারদিগের অবশিষ্ট প্রজাদিগেরে ২ দ্বিতীয় ধারার নকৃশাক্র মে পাউ। দেওয়া কর্ত্তব্য ও তদনুসারে ভূমাধিকারী ও ইজারদারেরা ফদলী ১২০৪ দাল আশ্বিরীপর্যান্ত সমস্ত পার্টা দিবার কারণ মিয়া দের ধার্যাও এইক্ষণে আছে ও দেই মিয়াদ গতে ৩ ভৃতীয় ধারার ৩ ভৃতীয় ও ১ নবম ও ১০ দশম প্রকরণের লিথিত মর্মের পাউ।

ও প্রীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলের মঞ্বীতে কালেক্টর লাহেব অন্য যে দাঁড়ার ধার্য্য করেন্ তদনুসারের পাউ। ছাড়া অন্য কোন প্রকারের পাউ। মাতবর হইবেক না। জানিবেন যে যাহার পাউ। এই সকল মতের ব্যতিপ্রস্থে হইবেক ভাহার নালি শীলে পাউার সম্প্রবীয় মোকদ্দমা ভিদমিল হইবেক ও লে মোকদ্দ মার তহথরচ দিবার দায় তাহার শিরে পাড়বেক ইতি।—১৭৯৫ লা। ৫১ আ। ৬ ধা।

পত্তনী তালুক।

১০ ধারা।

সাধারণ বিধি।

হেতৃবাদ। দিনীপুর।]

১। যে ভুমাধিকারিদিগের সহিত সরকারের জমার বন্দোবস্ত হ [वाजाना ও মে ইয়াখাকে मेलेनाला तत्मावरस्तत निरमानूनात लाहेर जमीनातत क्रम তা আছে যে আপন জমীদারীর বিলি বন্দোবস্তের নিমিত্তে আপন

হিত বোধানুদারে আপনার অধিকারের মহালাৎ মকঃদলী তালুক ও ইজারাআদিরপে দিতে পারে কিন্তু এক্ষমতাইচ্ছানুরপ নহে বর্ণ ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ৪৪ আইনেতে এই নিয়মে লেখা আছে যে দশসালের অধিক কালের নিমিত্তে জমা মোকরর না করে ও ঐ

১৭৯৩ সালের ৪৪ আইনেতে আর এই হুকুম আছে যে জমীদার আপন জমীদারীর বন্দোবস্তের নিমিত্তে কোন ব্যক্তির সহিত যে কোন করারদাদ করিয়া থাকে সরকারের বাকীর নিমিত্তে জমীদারী নীলাম হইলে নীলামের তারি থহইতে দে করারদাদ বাতিল হইবেক

কিন্তু ঐ আইনের ২ ধারার লিথিত যে নিয়মেতে দশদালের অধিক কালের নিনিত্তে মোকরী জমাতে তালুকইত্যাদি দিতে বারণ আছে তাহা ইঙ্গরেজী ১৮১২ দালের ৫ আইনের ২ ধারানুদারে রদ হই য়াছে কিন্তু দর্মকালের নিমিত্তে দিদ্ধহওনের কথা মুষ্ট ভাহাতে

লেখা নাহি ও ঐ সালের ১৮ আইনেতে ইহা স্লফ্ট লেখা আছে যে जीमारतता जाशन रेष्हाजरम रेस्रमताती क्रमारु प्रकश्मनी ठानुक उ গয়রহ দিতে পারে কিন্তু দরকারের বাকীর নিমিত্তে নীলামহওনের সময়ে ইজরেজী ১৭৯৩ সালের ৪৪ আইনের ও আর্থ আইনের

লিথিত অন্য চ্কুমমতে তাহা অসিদ্ধ হইবেক ও এ চ্কুম এথন পর্যান্ত পূর্ব্রমত জারী আছে ও ইহাতে বুঝা গেল যে জমীদারের ইন্ত মরারী জমাতে তালুকইত্যাদি দিতে ঐ ৫ আইনমতে ক্ষমতা আছে ও তাহার পুর্বেদশদালের অধিক কালের নিমিত্তে মোকররী জমাতে তালুক দিতে নিষেধ ছিল কিন্তু নিষেধসত্ত্বেও বাঙ্গালার অনেকং জমীদার এ প্রকার তালুক দিয়াছিল ও নিষেধকরণের তাৎপর্য্য এই ছিল যে সরকারের মালগুজারীতে বিঘু না হয় কিন্তু পরীক্ষাদারা

কোন হানি বোধ হইল না ইহাতে সরকার তাহা জারীকরাতে ক্লান্ত হুইলেন অন্তএব ১৮১২ সালেতে তাহা রদ হুইল কিন্তু তাহা জারী করণে ক্ষান্তহওন ও রদকরণ মতে ও ১৮১২ দালের ঐ দুই আই

নের কোন আইনেতে ইহার বেওরা মুষ্ট কিছু লেখা নাহি যে তথন কার রেওয়াজমত হওয়া যে দকল অধিকারের করারদাদের নির্দ্ধার্য্য ১৭৯৩ দালের ৪৪ আইনের ২ পারার অন্যমতে এতাবতা ইস্ত

বিহ্লালা ও মে

মরারীইত্যাদি জমাতে হইয়াছে দে দকল অধিকার দিদ্ধ বোধ হই বেক কি না ও দেই করারদাদের দস্তাবেজ আদালতে উপস্থিত হইলে দিনীপুর 🛚 ঐ আইনের মতে তাহা বাতিল কি মাতবর দলীল হইবেক এক্সণে এই দিধা মিটাইবার নিমিত্তে যে দকল মফঃদলী তালুক ও ইজারা ওগয়রহের জমা ইস্তমরারীরপে কি দশসালের অধিক কালের নি মিত্তে জমীদারের তরফহইতে ১৮১২ দালের পূর্ব্বে এতাবতা তাহা দেওনের নিষেধ ও বাতিলহওনের হকুম বহাল থাকনের সময়ে মো করর হইয়াছে দে সকল তালুক ও ইজারাওগয়রহ সিদ্ধ ও সঙ্গতহ ওনের বেওরা লেখা কর্ত্তব্য দ্বিতীয় এই যে দশসালা বন্দোবন্তের তা হুতদারেরা আপনারদিগের ইজারাইত্যাদি দিতে ইচ্ছানুরূপ ক্ষমতা আছে দেখিয়া ন্তন করারদাদের সৃষ্টি করিয়াছে ও প্রথমতঃ তাহা বর্জমানের রাজার জমীদারীতে প্রকাশ হইয়াছে এক্সণে অন্য স্থানেও হইতেছে ও এ অধিকারের প্রকার এই যে জমীদার কোন ব্যক্তিকে ইস্তমরারী জমাতে তালুক দেয় ও তাহার মৃনাফা যে ব্যক্তি তাহা লয় ভাহার ও ভাহার উত্তরাধিকারিদিগের পীওনা সর্ব্বকালের নিমিক্তে করিয়া দেয় ও তালুকদারের স্থানে মালজামিন ও ফেয়ালজামিন লওয়া ও না লওয়ার ক্ষমতা আপনি রাথে কেননা যদি তালুকদার কে জামিন দেওনহইতে মাফ করে তবে তাহার পরে ঐ তালুক বিক্র য়াদির দারা যে ব্যক্তির হাতে যায় দে এড়াইতে পারে না বরণ তা হার স্থানে লইতে পারে ও ইহা এক্ষণকার রেওয়াজ অর্থাৎ চলন মতে জানা গেল ও তাহার দস্তাবেজেতে নিয়মের মধ্যে ইহা লেথা থাকে যে বাকী পড়িলে সে নিমিত্তে জমীদার তাহা বিক্রয় করাইতে পারিবেক ও যদি বিক্রয়ের পণ বাকীর দ^থ্যা যত তত না হয় তবে যাহা বাকী থাকে ভাহা,ভালকদারের শিরে থাকিবেক যে সে নিমি ত্তে তাহার মালআমওয়াল বিক্রয় হইতে পারে ও ঐ দকল এলাকা অর্থাৎ অধিকারকে পত্তনী তালুক বলে ও তাহালওনিয়া অনেকং লোক ঐ সকল নিয়ম ও নিৰ্কান্ধে তাহা অনাথ লোককে দেয় ও তাহারা দর পত্তনীদার কহলায় ও দর পত্তনীদার অন্যেরে দেয় ও ক্রমে এইমত। ও ইহারদিগ্নের প্রত্যেকের দস্তাবেজ এক মজমনে হয় ও এই দকল তালুকের দম্ভাবেজেতে যে থানে লিথে জমীদার বিক্রয় করাইতে পারিবেক বোধ হয় না যে ঐ বিক্রয়েতে জমীদারের হকু বিক্রুয় হয় কি তাহার তালুকদারের হকু এতাবতা তালুক ইহার দিণের মধ্যে কাহার হক বলা যায় যে বাকীহইতে অধিক মৃল্য পাওয়া যাওনমতে বাকীর উপর বেশী যে টাকা থাকে তাহাঁকে পাইতে পারে ইহা জানা যায় ও ইহাও বুকা যায় না যে বিক্রয়ের ভাবার্থ নীলাম কি বিক্রয়ের আরু কোন প্রকার ও দরকারের আ ইনে ও দেশব্যবহারেতে এমত কোন দাঁড়া ও দম্ভর পাওয়া যায় না যে তাহাতে দৃষ্টি করিয়া দৃষ্টাবেজেতে স্লুফ্ট লেথা না থাকনহেতুক হওয়া দিধা মিটাইবার নিমিত্তে এক স্থির মতাবলম্বন করা যায় এনি মিত্তেও বাঙ্গালাতে ঐ তালুকহওনের রেওয়াজ অতিশয় হইয়াছে ও এমত কোন দাঁড়া পাওয়া যায় না যে আদালতেতে তদনুরূপ

मिनीপुत्र।]

বিল্লোলা ও মে কার্য্য করা যায় এজন্যে অনেক হানি হইয়াছে একারণ সরকারের আবশাক হইল যে এ বিষয়ে এমত বিশেষ আইন নির্দিষ্ট করা যায় যে তদ্মারা পত্তনীদার পত্তনীর করারদাদমতে কোনং হকের মালিক হইতে পাবে তাহাজানা যায় এবণ তাহাতে ইহা বেওবা কবিয়া লেখা যায় যে পত্তনীদাবের অন্যেরে দম্ভরমত দরপত্তনী দে ওন সিদ্ধ হইবেক কি না এবণ দরপত্তনীদার ও তাহার পেটার এলাকাদার জমীদারের সহিত পত্তনীদারের করা সাজশহইতে রক্ষা পাইতে পারিবার ও জমীদারের বাকীর নিমিত্তে নীলামহওনেতে জ্মীদারের স্বত্রলোপ ও হানি না হইতে পারিবার নিমিত্তে কোন উপায় স্থির করা যায় এব॰৲ নীলামের নকুশা মোকরর ও তাহা হওনের যেথ নিয়ম তাহার বিবরণকরাও আবশাক বোধ হইল ও যেহেতক সরকারের মালগুজারীর মাহওয়ারী এক কিমিব বা कीत निमित्त कमीमात्रिमितात कमीमात्री नीमाम अत्नत यात्रा इय অতএব যদি জমীদার আপন এলাকার অর্থাৎ অধিকারের করারদা দেতে আপন বাকীর নিমিত্তে নীলামহওনের নিয়ম করিয়া থাকে তবে তাহাকে বৎদরের মধ্যেতে নীলাম করাইবার ক্ষমতা দেওয়া ও এক্ষণকার দম্ভরমত আথেরী দালেতে হওনের নির্ভর না থাকা অন্যায় বোধ হইল না ও ইহা সেই জমীদারের নিমিজে যে আপন এলাকার করারদাদেতে নীলামহওনের নিয়ম করিয়া থাকে যদ্যপিও সাবেক আইনের মতে সাল্আথেরীতে বাকীর জন্যে নীলামের নিযুম করিয়া থাকে এবণ তহদীলের বাবৎ এক্ষণকার আইনের কোনং নিয়ম লোকদিগের চাত্রী ও প্রবঞ্চনাপ্রযুক্ত কার্য্যোপযুক্ত নহে অত এব চাতুরী না হইতে পাইবার ও সেই২ নিয়মের বাঞ্চিত ফলোদয় হইবার নিমিত্তে তাহার তাৎপর্য্য বয়ান ও তাহার কোনং নিয়ম গ্রধরা আবশ্যক বোধ হইল অতএব এই সকল বিষয়ের দৃষ্টে নীচের লিথিতবা নিয়ম এীযুত নওয়াব গবর্নর্ জেনরল বাহাদুরের হজুর कोत्मलहरेख निर्मिष्ठे हरेल य ठोरा जातीर अत्तत ठातिशहरेख মেদিনীপুরের সহিত বাঁঙ্গালার জিলাতে জারী ও চলন হয় ইতি। -१४१२मा १ जा १ था।

वैन्द्रजी ১৭৯৩ মের অন্যমতে দশ র্যো তাল্কওগরুর কথা।

कि की

২। হকুম হইল যে যে কোন করারদাদ পাট্টা ও কবুলিয়তের সালের ৪৪ আই অনুসারে অথবা অন্য নিদর্শন পত্রানুসারে দশসালের অধিক নিরু নের ২ ধারার ভকু পিউ মিয়াদে কি সর্ককালের নিমিত্তে জমার ধার্য্য হইয়া সরকারের তাহুতদার জমীদারের কি অন্য যে ব্যক্তি এমত করারদাদ করিবার সালের অধিক মি ক্ষমতা রাথে তাহার তর্ফহইতে হইয়া এপাঠান্ত বুহাল থাকে তাহা তাহার নিয়মমত সিদ্ধ হইবেক ও তাহা ইঙ্গরেজী ১৮১২ সালের হের যে যে করার ও আইন জারীছওনের পূর্বে যে সময়ে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের দাদ হইয়া থাকে ৪৪ আইনের ২ ধারামতে দশসালের অধিক মিয়াদে তালুকের জমা তাহা সিদ্ধহওনের মোকরর করিয়া দিতে নিষেধ ও এমত করারদাদ বাতিল হইবার ত্কুম ছিল দে সময়ে হইয়া থাকিলে ও নিদর্শনপত্রেতে দে সময়ের আইনের নিয়মের অন্যমতে অধিক মিয়াদের কি দর্বকোলের নিয়ম

लिथा थाकिलिও वहान जांथा घाइरवक जाना कर्छवा य इन्द्राजी ১৭৯৩ দালের ৪৪ আইনের ৫ধারার ত্কুম এই মজমুনে যে জমাদার দিনীপুর। আপন জমীদারীর মহালাৎ যে কোন করারদাদে দিয়া থাকে দরকা বেব বাকীৰ নিমিজে নীলাম হইলে তাহা নীলামের তারিথহইতে বাতিল হইবেক এথনপর্যান্ত বহাল আছে এই ধারা তাহার প্রতিব শ্বক হইবেক না বর্ণ যে২ এলাকা অর্থাৎ অধিকার ঐ ৪৪ আই নের কি অনাথ আইনের স্কুমের বহিতৃত নহে তাহার বিষয়ে জমী দারের করা করারদাদ সরকারী নীলামের তারিথহইতে বাতিল হই বেক ইতি।--১৮১১ দা।৮ আ।২ ধা।

বিলালা ও মে

৩। পত্তনী তালুকনামে যে দকল অধিকারের বয়ান এই আইনের হেতুবাদে লেখা গৈল তাহা তাহার নিদর্শনপত্তের নিয়মমত সর্বকা তাহা দান বিক্রয়া লে সঙ্গত ও সিদ্ধ জানা যাইবেক ও তাহার নিদশনপত্তের লিথিত দিহওন সিদ্ধহওনে নিয়মের মধ্যে তাহা উত্তরাধিকারিকে পঁছছনের নিয়মো সিদ্ধ হই র কথা। বেক ও তদ্বাতিরিক্ত হকুম হইল যে ঐ দকল তালুক তালুকদারের দিনীপুর। ইচ্ছামতে বিক্রয় কিয়্বা দানক্রমে অথবা অন্য প্রকারে হস্তান্তর হইতে পারিবেক ও দেনার নিমিত্তে আর্থ বস্তুর মত বিক্রয়ের যোগ্য হই বেক ও আদালতের ক্রোক্ ও জব্দের হুকুম যেমত অন্যথ স্থাবর বস্তুতে জারী হয় সেইমত ইহাতেও জারী ইইবেক ইতি ৷—১৮১১ मा। ৮ जा। ७ था। ५ था।

পত্তনী ভালুক ও বিক্লোলা ওমে

১১ ধারা।

পন্তনী তালুক হস্তান্তরকরণ।

৪। পত্তনীদারেরা আপনারদিগের পত্তনী তালুক আপন্থ হিত বোধক্রমে দ্রপন্তনী ও ইজারাইত্যাদিরপেঅন্যেরে দিতেপারিবেক পত্তনী ইত্যাদি দে ও অন্যথ করারদাদের ন্যায় তাছারদিগের করা ঐথ করারদাদ্মত ওয়া সিদ্ধহওনের তাহাকরণিয়া উভয় পক্ষের ও তাহারদিগের ওয়ারিদানের ও স্বরূপ কথা। ব্যক্তিরুদিণের কার্য্য করিতে হইবেক কিন্তু জানা কর্ত্তব্য যে তাহার দিগের কোন কৌলকরারেতে বাকীর নিমিত্তে জমীদারের নীলাম কুরাইতে পারিবার আটক হইবেক না ও ঐ নীলামেতে পন্তনী তা লুক জমীদারের স্থানহইতে যেমত কাহারু দ্থলবিনা পত্তনীদার পা ইয়াছিল দেই মত নীলামের থরীদারকে পঁহছিবেক ও পত্তনীদা রের তরফহইতে ঐ তালুকের বিষয়ে যেথ করারদাদ হইয়া প্রাকে তাহা বাতিল হইবেক ইতি।—১৮১১ দা। ৮ আ। ৩ ধা। ২ প্র।

পত্তনীদাবের দর

[B B]

৫। যদি পত্তনীদার হেত্বাদের লিথিত যে দকল নিয়মেতে আপ নি পত্তনী লইয়াছে দেই দকল নিয়মেতে অন্যেরে দরপত্তনী দেয় পত্তনীর তুলা হই তবে লওনিয়া এতাবতা দরপত্তনীদার উপরের ধারার হকুমেতে জমী বার কথা। मारत्त्र मञ्चल्ड পखनीमारत्त्र जूना इहरत्क ଓ ज्ञीय शखनी ଓ ठजूर्थ পন্তনীআদিও ঐ মত হইবেক ইতি।— ১৮১১ সা। ৮ আ। ৪ ধी। VOL. I.

দরপত্তনী আদি

[B B]

জমীদাবের দা ঠনোর কথা।

বিজ্ঞালাও মে দিনীপুর 🗓 সালিয়ানা জমার পারিবার কথা।

न पृष्टे लहेटा প। বিবার কথা।

কিন্তু বাকীর নি কিবার কথা।

১৮১১ সা।৮ আ। ৫ ধা।

রসুম ও জামিন না দেওনপৰ্য্যন্ত দা থিল থারিজ হওয়া মৌকৃফ থাকিতে পারিবার কথা।

জামিনের মাত্র दीत विषया विवास হইলে তাহার নি ইবার কথা।

[4 4]

৬। যেহেতুক পত্তনী ভালুকের মালিকদিণের উপরের লিখনমত थिल शांतिज्ञकदर्ग विकास ଓ मानामि कविवाद क्रमण আছে অতথ্য यमि भे जानुकमाद অধীকারকর। অক তালুকবিক্রয়াদি করে তবে তাহাতে জমীলারের থারিজলাথিলকর শের প্রতিবন্ধকতা ও আটক করা কর্ত্তব্য নহে বর্প উচিত যে বিক্র যুক্রণিয়াকে ছাড়িয়া এরীদারের স্থানে তাহতওগয়রহ লয় কিন্তু জানা কর্ত্তব্য যে জমীদারের দাখিল ও খারিজের রসুম লইবার ক্ষম উপরে শতকরা দুই তা যেমত এক্ষণে আছে তাহা থাকিবেক কিন্তু রসুম এই হিসাবে নির টাকা করিয়া এক পণ ছইল যে পত্তনীর অধিকারের দালিয়ানা জমার হিদাবে শত শতপর্যান্ত রসুম ল করাং দুই টাকা করিয়া রসুম একশত পর্যান্ত লইতে পারিবেক ও ইতে পারে তাহার কোন প্রকারে একশত টাকাহইতে অধিক লইতে পারিবেক না ও অধিক লইতে না অর্দ্ধেক জমাপর্যান্তের মাতবর মালজামিন লইতে পারিবেক কেননা পত্তনী তালুক যে পায় জমীদার আপন থাতিরজমার নিমিত্তে চাহি ূলে তাহার কি তাহার জামিনের মাতবরীর আবশাকতা আছে ও ডিক্রীজারীর নি জানা কর্ত্তব্য যে আদালতের ডিক্রী জারীর নিমিত্তে নীলামহওনমতে মিলে নীলাম হুই ও স্বেচ্ছাপূর্বক করা দানবিক্রয়ের প্রকরণের উক্তমত এই ধারার লি লেও রসুম ও জামি থিত রসুম ও মালজামিন লইবার ক্ষমতা থাকিবেক কিন্তু জমীদারের কি বাকীদারের প্রধান পত্তনীদারের আপন্থ বাকীর নিমিত্তে করাণ नीनारमञ शुक्रतरगरा थे नीनारमञ् थ्रोमारज्ञ नाम माथिनथाजिएकत মিত্তে নীলামহওন রসুম বিনা রেজিইটরীতে দাথিল ছইবেক ও জমীদার রসম তলব না মতে রসুম না থা করিয়া দথল দিবেক কিন্তু মীলজামিন লইতে পারিবেক ইতি।—

৭। জমীদারের ক্ষমতা আছে ষে উপরের মোকররকরা রসুম দা থিল না হইলে কি মাতবর মালজামিন না দিলে থারিজদাথিল করিতে না দেয় কিন্তু জানা কর্ত্তব্য যে যদি এরীদার কি অনা যে ব্যক্তি পায় দে জামিনী উপস্থিত করে ও জমীদার তাছা মঞ্জুর না करत ও थतीमात्रेडेजामि जाहाराज नाताज हरा उरव जिलात मिख्यानी আদালতে মৃৎফরম্ভারপে দর থান্ত দিতে পারিবেক যদি আদালতের তজবীজে জামিনী মাতবর চাহরে তবে জমাদারের উপর হুকুম হই ম্পান্তি আদালতে হ বেক যে মঞ্জুর করিয়া বিক্রয় সিদ্ধ করিয়া অবিলম্বে দাখিলখারিজ করে জানা কর্ত্তবা যে ৫ ধারার ও এই ধারার লিখিত নিয়ম কেবল পত্তনীর সম্যক অধিকার দানবিক্রয়াদিক্রমে হস্তান্তরহওনের সহিত সম্লুকরাথে নিরূপিত জমাতে তাহার কতক বিক্রয় ও দানের সহিত সমুর্করাথিবেক না কেননা জমাদারের জমার ভফ্রিক ও ভক্সীম জমীদারের বিনানুমতিতে হইতে পারে না ইতি।-১৮১৯ সা। ৮ আ ৷ ৬ ধা ৷

এক মাদের ম न ना मिर्टन अनाका ক্রোক্ হইতে পারি বার কথা।

৮। ডিক্রী জারী বাবতে পত্তনী তালুকের নীলামের থরীদার যদি ধ্যে রসুম ও জামি নীলামেতে ধরীদকরণের তারিথছইতে এক মাসপর্যান্ত এই আইনের ৫ খারার হকুমমতে তাহার ধরীদা ভালুকের দাথিল থারিজকরণের নিমিত্তে জমীদারের কিন্তা অন্য যে ব্যক্তিকে ভাহার জনা দিতে হয়

[[[[

তাহার কাছারীতে না যায় তবে এক মাসের পরে জমীদারইত্যাদিরা যাবৎ দাঝিল ও থারিজের নিয়ম মভাচরণ না করে তাবৎ অধিকার ক্রোকে ও দথলে রাথণের কারণ আপন ক্ষমতাক্রমে সরেজমীনে দা জওয়াল পাটাইতে পারিবেক এব ে যদি জমীদার আপন বাকীর নি মিত্তে এই আইনের নিয়মমতে পত্তনীর অধিকার নীলাম হইলে জা নতের কার্য্য হটবা মিনী তলব করে ও নীলামের ধরীদার ধরীদের তারিধহইতে এক মাদের মধ্যে তাহা না দেয় তবে জমীদারের ঐ মত ক্ষমতা আছে যে তাহার ধরীদা অধিকার যাবৎ মালজামিন না দেয় তাবৎ ক্রোকে ও দথলে রাথণের কারণ সাজওয়াল পাঠায় ও ক্রোকের কালের উৎ পন্ন যত টাকা এই ধারানুসারে পাওয়া যাঁয় তাহাহইতে এরচএর চাদমেত জমা মিনাহ দিয়া যত টাকা বেশী থাকে তাহা এরীদারের নিমিত্তে আমানৎ থাকিবেক ও যদি ক্রোকী আমলের উৎপন্ন টাকা জমাহইতে কম হয় তবে বাকীর জওয়াব থরীদারের দিতে ছইবেক ও তাহার এলাকা অর্থাৎ অধিকার নীলামইতাাদিহওনের যোগ্য হইবেক যেমত তৈহোর দথলে থাকিলে হইত ও এপ্রকারেতে জমী দার কি অন্য যে ব্যক্তি ক্রোক করিয়া থাকে তাহার দরপেশকরা হিসাবে যাহা লেখা থাকে তাহাই প্রথমতঃ প্রমাণ বোধ করা যাই বেক ও তহসীলের উপায়ের প্রকরণে সরাসরীতে এই প্রমাণ বিষ্কর ইতি।—১৮১৯ দা।৮ জা।৭।

ঐ ক্লোকে আয়া র কথা।

বিলালাও মে **मिनोश्रह**।]

১২ ধারা।

পত্তনী তালুকের বাকী থাজানা বিষয়ে সরাসরী তজবীজ।

১। এব° यनि তালুকদারের জমীদারের ইশ্ভিছারের কৈফিয় তের লিখনমত পাওনী স্থীকার না করে তবে তাহার ক্ষমতা আছে ভ করিলে সরাস य इम्जिशादत प्रिशामत प्राप्त प्राप्त कामती जनवीक एउटा निमास की उनवीक रहेगात **प्रविश्व करत भरत जभौमात्रक अञ्च भिग्नात्मत भरश कर्नामा अवश्व वाकी** সাবৃদহওনের অনাথ দলীল গুজরাইবার ছকুম হইবেক যে হইতে পারিলে সরাসরী মোকদ্মা নীলামের দিবস উপস্থিতহওনের পুর্বে নিষ্পত্তি করা যায় ও ঐ নিষ্পত্তিমতে নীলাম হইবেক অথবা তাহা হওয়া রুহিত হইবেক কিন্তু যদি নীলামের অবধারিত দিবসপর্যান্ত করিলেও বিনা আ निक्श खिना इय उत्व माउया कता नांगे विनिम्न नोनाम भना याई मानत्व नीनाम स्मो বেক ইহাতে যদি জমীদার কি তাহার স্বরূপ ব্যক্তি ইশ্তিহারের লিখিত বাকীলওনের নিমিত্তে জেদ করে তবে নীলাম মৌকুফ ছই বেক না ও ভাছার জওয়াব দিবার দায় জমীদারের শিরে থাকিবেক ও তাহার পরে দরাদরী নালিশেতে তজবীজ করা যাইবেক না কিন্তু যদি বাকীদার ভলবী টাকা নগদ কি ভাহার বাঙ্গাল বেন্ধনোট অথবা কোমানির কাগজ আমানৎ করে তবে হইবেক ও তাহা দেওয়ায় নীলাম রুদ হইবারও তাহাতে হওয়া ক্ষতি ধরিয়া পাইবার নিমি ত্তে নমুরী নালিশ করণব্যতিরিক্ত আর কোন উপায় নাহি ইতি। ~~ > > > > 제 I > 페 I > 8 제 I 친 앱 I

বাকীদার দর্থা

[अंखे।]

কিন্তু ঐ নালিশ কুফ না হইবার ক

रेक्टवकी ১৮১२ কর্ণানুসারে জজ সাহেবেরা যাহা২ করিয়াছেন তাহার অন্যথা না হইবার কথা।

मिनीश्रुतः।]

১০। ইঙ্গরেজী ১৮৩১ সালের ৮ আইন জারীহওনের পরঅ সালের ৮ আইনে বধি করিয়া ১৮১৯ সালের ৮ আইনের ১৪ ধারার ২ প্রকরণে যে র ১৪ ধারার ২ প্র সরাসরী বিচারকরণের হুকুম আছে জিলা বা শহরের জজসাহেবের দ্বারা তাহার বিচার হইবেক কি না এ বিষয়ের সন্দেহহওয়াতে পুন রায় হুকুম হইতেছে যে এ আইন জারীহওনের পূর্ব্বেও পূর্ব্বের লি থিত প্রকরণের হ্রুমানুসারে জজসাহেবেরা যে সরাসরী বিচার ও হুকুম করিয়াছেন তাহা শেষোক্ত আইনের হুকুমক্রমে মালগুজারীর বাঙ্গালা ও মে কালেক্টর সাহেবের দ্বারা তাহার বিচার বা নিষ্পত্তি করা উচিত ছিল বলিয়া অন্যথা হ্ইবেক না ইতি। - ১৮৩২ সা। ৭ আ। ১৬ ধা। ৩ প্র।

১৩ ধারা।

বাকী থাজানা বিষয় পত্তনী তালুক বিক্রয়করণ।

প্রনীদারের শি হার অ্ধিকার অ সিদ্ধ না হইবার ক et1 1

[1 16 16]

১১। এই ধারার প্রস্তাবিত এলাকাদারদিণের শিরে বাকীপড়াতে রে বাকীপড়াতে তা তাহারদিগের এলাকা ইঙ্গরেজী ১৭৯৯ সালের ৭ আইনের ১৫ ধা রার ৭ প্রকরণের হুকুমমতে ইজারাআদি বাতিলহওনের মত বা তিল হইবেক না বর্ণ ঐ এলাকা পত্তনীদারের করারদাদের মধ্যে থাকিয়া জমীদারের বাকীর নিমিত্তে নীলামেতে বিক্রয় হইবেক অত এব পণের মধ্যে যত টাকা বাকীহইতে বেশী হয় তাহা পত্তনীদারের হকৃ হইবেক ও তাহা পাইবার অধিকারী পত্তনীদার বর্ণ তাহা যেই বিষয়ে বিলি হইবেক তাহার নিরপণের ছকুম ১৭ ধারাতে লেথা যাইবেক ইতি।—১৮১১ সা।৮ আ ৩ ধা। ৩ প্র।

তালুকের করার য়ম থাকিলে জমী দার বৎসরে দুইবা র ভাহা করিতে পা রিবার কথা।

[4 4]

১২। দরকারের তাহতদার জমীদারদিগের ক্ষমতা আছে যে যে मारम नीमारमत नि অधिकारत्रत कोमकतारत्रत मसारवाजर कमीमारत्र नीमाम कता है বার ক্ষমতা থাকিবার কথা লেখা থাকে তাহাতে যদি বাকী পড়ে তবে বৎসরের মধ্যে দুইবার নীচের বেওরা করিয়া লেখা ভারিখে পশ্চাৎ যেথ নিয়মের কথা লেথা যাইতেছে তদনুসারে নীলামের নিমিত্তে দর্থান্ত করে ও ঐ ক্ষমতা যে দকল এলাকা অর্থাৎ অধিকা রের করারদাদেতে সময়ের নিয়ম ও নিরপণবিনা নীলামের ক্ষমতার কথা লেখা থাকে কেবল দেই দকল অধিকারের নিমিত্তে নছে বর্°১ যে সকল অধিকারের দস্তাবেজেতে সাবেক আইনের মতে সনের আ থিরীতে হওনের নিয়ম থাকে তাহার নিমিত্তেও থাকিবেক ইতি। —১৮১১ সা।৮ আ।৮ ধা। ১ প্র।

গত সালের বা

[1 1 1

১৩। বৈশাথ মানের ১ পছিলা তারিথে এতাবতা যে নালের কীর নিমিতে খল বাকীর তলব থাকে তাহা তামামহওনের পর হালদালের ১ প্রথম সালেতে নীলাম হ দিবলে জমীদার তালুকদারদিগের কি অন্য যাহারদিগের এলাকা ইবেক ও তাহার অর্থাৎ অধিকারের দস্তাবেজে উপরের প্রকরণের উক্ত প্রকারের হয় তাহারদিণের নামে গুজন্তা দনের বাকীর ভফদীলদম্বলিত এক

আরজী জিলার দেওয়ানী আদালতে ও এক আরজী জিলার কালে কটর সাহেবের নিকটে দাখিল করিবেক ও ঐ কৈফিয়তের আর্জী ঐথ কাছারীতে যেথানে সকলে দেখিতে পায় সেই স্থানে এই মজম নের ইশতিহারসহিত লট্কান যাইবেক যে যদি তলবী বাকী এই সনের আগামি মাস অর্থাৎ জৈন্তের ১ পহিলা তারিথের পর্বের আদায় না হয় তবে ঐ তারিথেতেই কৈফিয়তের লিথিত এলাকা ঐ তারিথপর্যান্ত বাকী দাথিল নাকরণ মতে নীলাম হইবেক কিন্তু যদি হার জারীকরণের পহিলা জৈত রবিবার কি পালি পর্বের দিন হয় তবে তাহার পর ভুকুম যে দিন পর্বের ও রবিবার না হয় দেই দিন নীলামের নিমিত্তে মো করর হইবেক ও ঐ মজমূনের দোসরা ইশ্তিহার জমীদারী কাছারী তে লটকান যাইবেক ও তাহার নকল কিয়া ভিন্ন ২ লাট লাটের কথা লেখা খোলাসা মকঃসলেতে পাঠান যাইবেক যে বাকীদাবদি গের কাছারীতে কি তাহারদিগের এলাকার প্রধান ক্রম্বা কি মৌজা তে দেওয়া যায় ও যদি এই দকল নিয়মের কোন নিয়মছাতা যায় তবে তাহার জওয়াব জমীদারের দিতে হইবেক ও মফঃদলেতে পা চাইবার ইশ্তিহার এক জন পেয়াদার মারকতে পাচান যাইবেক ও ঐ পেয়াদার আবশ্যক যে বাকীদারের কি তাহার নায়েবের স্থানে দিয়া তাহার রুদীদ লয় ও তাহা যদি না হইতে পারে তবে তাহার আশপাশের তিন জন মাতবর দাক্ষির দাক্ষ্য প্রমাণে ঐ ইশতিহার পঁছছিবার ও জারী হইবার মজমুনে এক লিখন লেখাইয়া লয় যদি রদীদ কি ঐ লিথনের দ্বারা এমত জানা যায় যে ১৫ বৈশাথের পূর্বের মফঃদলেতে পঁছছিয়াছিল তবে ঐ লিখন নিরপণকরা দিনে নীলাম করণের অর্থে মাতবর দলীল হইবেক ও যদি আশপাশের নিবাসি লোকেরা তাহা লিথিয়া দিতে ওজর করে তবে পেয়াদার আবশ্যক যে নিকটের মুন্দেফের কাছারীতে কি মুনদেফ না থাকিলে থানাদা রের কাছারীতে গিয়া ইশতিহার লইয়া যাওনের ও জারীকরণের অর্থে তাহার নিকটে হলফ করিয়া এ বিষয়ের সূর্টিফিকট্ তাহারদি গের একের দম্বর্থৎ ও মোহবে লেথাইয়া আনে ইতি ৷--১৮১৯ সা।৮আ।৮ধা।২প্র।

১৪। ঐ মত কার্ত্তিক মাদের ১ পহিলা তারিথেতে জমীদারের কর্ত্তব্য যে হালসালের আথিরী আখিন লাগাইতের বাকীর কৈফি ণে নীলাম হইবেক য়ৎসম্বলিত আরজী ঐ দুই কাছারীতে দাঞ্জিকরিয়া অগ্রহায়ণ মাদের ১ পহিলা তারিথে বাকীদারের এলাকা অর্থাৎ অধিকার নী লামহওনের কথাসম্বলিত ইশ্তিহার একথাযুক্তে লট্কাইয়া দেও য়ায় যে ইশতিহারের লিথিত বাকী তামাম আদায় না হইলে কিয়া इंस्टर रेनगांथ नाशाइ॰ आथिती कार्खिक मार्किक किस्तिनमी कमी দারের যত টাকা পাওনা হয় তাহার চৌথাই বাকী থাকিলে ইশ্তি হারের লিথিত ভারিথে নীলাম করা যাইবেক ইতি।—১৮১১ সা। ৮ जा। ৮ श। ७ थ।

मकःमल हेणाउ

পহিলা অগ্যায় ও তাহার নিরম। বিলালা ও মে मिनीशृत् ।]

বেজিষ্টব সাহে চইবার কথা। বিজ্ঞালাও মে দিনীপুর।]

নগদ দিতে হইবেক নতুবা দুই ঘড়িবা मि श्रेनद्रीय नीलाम कता याहरतक।

नदाग्न नीलाम रहे (नक्।

১৫। এই আইনমতে দর্থাস্ত করিলে পর যে এলাকা অর্থাৎ বের দারা নীলাম অধিকার নীলাম হইতে পারে তাহা তাহার জিলার দেওয়ানী কাছা वीर्फ (मुख्यानी जामानरज्ज त्विकिस्वनार्श्यव रक्षत्व नीनाम रहे বেক ও বেজিট্টরসাহেব উপস্থিত না থাকিলে তাঁহার স্থানে যিনি থাকেন তাঁহার হজুরে নতুবা জজসাহেবের হজুরে হইবেক ও নীলা পণের শতকরা মী এলাকা অর্থাৎ অধিকার যে ব্যক্তি মূল্য বেশী কছে তাহাকে দে ১৫ টাকাতৎক্ষণাৎ ওয়া যাইবেক ও বাকীদার দেওয়ায় জমীদার কিবাকীদারের পেটার এলাকাদার যে হউক দে নীলামেতে লইতে পারিবেক ও পর্ণের টা কার মধ্যে শতকরা ১৫ টাকা নীলাম সারা হইবামাত্র নগদ দিতে হইবেরু ও যে সাহেবের হজুরে নীলাম হয় ভাঁহার ক্ষমতা আছে যে যাহার স্থানে ঐ আন্দাজ টাকা থাকনের কি দুই খড়ি পরে দিতে

পারিবার প্রতায় না হয় তাহার ডাক না মঞ্জর করেন্ ও শতকরা ১৫ পানর টাকা নগদ কি তাহার বাঙ্গাল বেন্ধনোট কি কোয়ানির কাগজ ইত্যাদি দুই ঘড়ির মধ্যে না দিলে ইশ্তিহারী লাট পুনরায় পণের বাকী অ ঐ মজলিসেতে নীলাম করা যাইবেক ও শতকরা ১৫ পনের টাকা উম দিবনে না দি দিয়াও যদি পণের বাকী টাকা নীলামের অফীম দিবসের দুই প্রহর লে নবম দিবলে পু পর্যান্ত্র না দেয় ভবে দুই প্রহরের পরে লোকদিগ্কে নবম দিবলে এতাবতা তাহার পর দিবস নীলামের নিমিত্তে জমা হইবার কারণ জানাইবার নিমিত্তে জিলার সদর শহরের সদর বাজারেতে ঢোল ফিরাইয়া ধেঁডুরা দেওয়া ঘাইবেক তাহার পরে ঐ লাট নিরূপিত সময়ে বিক্রয় করা যাইবেক ও যদি প্রথম নীলামহইতে কম মূল্যেতে বিক্রয় হয় তবে দ্বিতীয় নীলামহইতে প্রথম নীলামেতে যত টাকা বেশী হইয়া থাকে তাহা প্রথম নীলামের থরাদারের দেনা হইবেক ও তাহা ডিক্রী জারীর মতে লওয়া যাইবেক ও তাহার দাথিলকরা শতকুরা ১৫ পনের টাকা পণের টাকার মধ্যে ধরা গিয়া তাহা ফি বিয়া দেওয়া যাইবেক না ইতি।—১৮১১ দা। ৮ আ। ১ ধা।

डेक्ट्रबंबी ১৮১৯ র নীলামের বাবৎ माँ जामकल जभीमा রের বাকীর নিমি তে অন্য নীলামের বার কথা।

कि की

১৬। যদি সরকারে মালগুজারীকরণিয়া কোন জমীদার ইঙ্গরেজী দালের ৮ আইনে ১৮১১ দালের ৮ আইনের ৮ ধারার ১ প্রকরণের প্রস্তাবিত প্রকা রের কোন তালুক তালুকদারের শিরে বাকা পড়াতে নালাম করা ইতে ও ইঙ্গরেজী ১৮১১ সালের ৮ আইনভিন্ন অন্য কোন আই নের নিয়মানুসারে সরাসরা তজবীজেতে নীলাম করাইবার অনুমতি স্হিত সম্পর্ক রাখি লইতে চাহে তবে দে নীলাম জমীদার দর্থাস্ত করিলে পর জিলা কি শহরের আদালতের রেজিফীর সাহেবের অথবা তাঁহার আকটিঙ্গ সাহেবের ও তিনি উপস্থিত না থাকিলে জজদাহেবের কিয়া তাঁহার আকটিন্ন সাহেবের মারফতে হইবেক ও তাহাতে ইন্ধরেজী ১৮১১ শালের ৮ আইনের সমস্ত হুকুম ও নিয়মমতে কার্য্য করা যাইবেক ∙ ইতি।—,১৮২০ मा। ১ আ। २ ४।। ১ ४।।

১৭। নীলামের পূর্ব্বে ১০ দশ দিন মিয়াদে ইশ্তিহারনামা আ मन मिन शिशारम

দালতের কাছারীতে এব েকালেকটরী কাছারীতে লটকান যাই ইশ্তিহার দিবার तक इंडि।─ऽ৮२०मा।ऽ ञा।२ धा।२ थ।

১৮। ইঙ্গরেজী ১৮১১ সালের ৮ আইনের ১ ও ১১ ও ১৩ও ১৫ ও ১৭ ধারার লিথিত হুকুম ঐ নীলামের সহিত সম্লুক রাখি तिक इंडि।—১৮२० मा। ১ खा। २ धा। ७ था।

১৯। ইঙ্গরেজী ১৮১৯ সালের ৮ আইনের এবণ ১৮২০ সা লের ১ আইনের যেথ ভাগে লেখা আছে যে পত্তনী তালুক অথবা দিনীপুর। বিক্রয়যোগ্য অন্য২ অধিকার রেজিষ্টর সাহেব অথবা আকটিঙ্গ রে জিম্টর সাাহেবের দ্বারা অথবা তিনি উপস্থিত না থাকিলে জজ বা মাজিষ্টেইসাহেবের দারা নীলাম হইবেক এব ে ঐ আইনের যেথ ভাগে হকুম আছে যে ঐ তালুক অথবা বিক্রয়যোগ্য অন্য কোন অধিকার নীলামের পূর্ব্বে যাহাই করিতে হইবেক তাহা এব ^ ঐ নী লামসম্প্রবীয় অন্যথ কর্মা জজদাহেব করিবেন তাহা মতান্তর হইবাতে ত্কুম হইল যে উত্তর কালে দেই দকল নীলাম এবণ তৎসম্পর্কীয় অন্যথ কাষ্য মালগুজারীর কালেক্টর অথবা ডেপুটী কালেক্টর সা হেবের দ্বারা কি কালেকটর বা ভেপুটী কালেক্টর সাহেবের প্রধান আদিটাটেদাহেবের দারা হইবেক এব° অন্যথ সরাসরী মোকদ মার উপর ইঙ্গরেজী ১৮৩১ দালের ৮ আইনের ৪ ধারার হুকুমা নুসারে আইন না থাটনছেতুক যেমত রাজস্বের কমিদ্যনরসাহেবের

২০। জানান যাইতেছে যে এই ধারানুসারে রাজম্বের কার্য্যভা রাক্রান্ত দাহেবেরা যাহা করিবেন তাহার উপর ইঙ্গরেজী ১৮২২ দা লের ৭ আইনের ২৩ ধারার হুকুম থাটিবেক ইতি।—১৮৩২ সা। ৭ আন। ১৬ ধা। ২ প্র।

নিকটে আপীল হইতে পারে দেইমত আইন না থাটনহেতৃক এ মোকদ্দমারো উপর ঐ সাহেবের নিকটে আপীল হইতে পারিবেক

ইতি।—১৮৩২ দা। ৭ আ। ১৬ ধা। ১ প্র।

২১। নীলামের সময়ে লট্কান ইশ্তিহার থুলিয়া লইয়া কৈফি युट्य निथि विनिमाल नाउँ मकन नीनाम अब याई राक ও जमी দারের তর্ফহইতে এক ব্যক্তি ইশ্তিহারের লিথিত'বাকীদার লো কের মহালাতের বাবৎ নীলামের তারিথ লাগাইতের উদ্লের কৈ किय़ भूका ও प्रकश्माला इम् जिहात जाती ह अत्मत्र मलील (भेगामात আনা त्रेनीम कि निथनमध्ये शाकित थाकित्वक ও यावध वाकीत रिक्षिय़॰ (मथा ना याय ७ मत्नव वाकी थे, कन निभ्छय ना इय এव° যাবৎ ঐ রুদীদ কি লিখন পড়া না যায় তাবৎ কোন লাট নীলাম করা ঘাইবেক নাও উপরের লিথিত যে দকল নিয়মমতাচরণ করা গিয়া থাকে তাহার কথা আলাহিদাং রুবকারীতে লিথিয়া সিরি শতাতে রাখা ঘাইবেক যদি এই আইনের ৮ ধারার ৩ প্রকরণে

এই আইনান্সা द्ध रुउग्ना नीलारम র সহিত্যে২ ধা রা সম্পর্ক রাখিতে ক তাহার কথা।

[বালালা ও মে

इन्द्रिकी ১৮১৯ সালের ৮ আইন ও **३४२० मारलत् ३** আইনঅনুসারে রে জিউরসাহের ও জ জসাহেবদিগের ছা রা যে২ কার্য্য হই ত তাহা রাজস্বের কার্য্যভারাক্রান্ত সা হেবদিগকে অৰ্পণ হইবার কথা।

[1 1

এই ধারানুসারে করা কার্য্যের উ পর ইঙ্গরেজী ১৮ ২২ সালের ৭ আই নের ২৩ ধারার ছ কুম থাটিবার কথা।

बिबे নীলামের নক্শা। िक की

জমীদারের বাকী त य कि कि व मा থিল করিতে হইবে ক তাহার কথা।

কথা।

দ্ভাবেজের সাচা লিথিত প্রকারের নীলাম হয় তবে বাকী নীলামের তারিথপ্যান্ত ইর জওয়াব জমীলা বৈশাথাবধি ভামাম কার্ত্তিক লাগাইৎ ছয় মালের কিস্তির টাকার রের দিতে হইবার চৌথাই বটে কি না ইহা বুকা যাইবার নিমিত্তে বাকীদারের কিস্তিব ন্দীও দরপেশ করিতে ছইবেক ও যে দকল দস্তাবেজ দরপেশকরণের হকুম হইল তাহা যথার্থ ও প্রকৃত প্রস্তাবহুওনের জওয়াব জমীদারের দিতে হইবেক যে সাহেব নীলাম করেন তাঁহার সহিত কোন এলাকা নাহি কিন্তু তাঁহার মজলিদ ভরা পুরাছ্ওনার্থে মনোযোগ না করণের ও গরজীহওনের ও এই আইনের নিয়মের অন্যথাকরণের জওয়াব দিতে হইবেক ইতি।—১৮১১ সা। ৮ আ। ১০ ধা।

আমানৎকরণবি ना रहेवात कथा। বিঙ্গালা ও যে

मिनोश्रुत् ।] কিন্তু নীলাম বদ হইবার নিমিয়ে না

বার কথা।

২২। যদি জমীদারের তলবী যে বাকী টাকার নিমিত্তে ইশুতিহার না নীলাম মৌকুফ ছইয়া থাকে তাহা নীলামের নিমিত্তে মোকররছওয়া দিবলপার্যান্ত আদায় না হয় তবে এই আইনের ১ ও ১০ ধারার উক্তমতে নিশ্চয় নীলাম করা যাইবেক কোন প্রকারে উপরের লিখনমতে তলবী টাকা আমানৎ হওনবাতিরিক্ত মৌকুফ ও বিলম্ব করা যাইবেক না যদি কেহ জমাদারের বাকী স্বীকার না করে কি অন্য কোন হেতুতে লিশ করিতে পারি নীলাম সিদ্ধ না হওনের ও তাহা করাইতে জমীদারের ক্ষমতা না থা কনের দাওয়া দরপেশ করিতে চাহে তবে ভাহার ক্ষমতা আছে যে আদালতেতে নম্বরী নালিশ করে ও তাহার দাওয়া দাবুদ হইলে আ দালতের তামাম থরচা ও থেসারৎ ধরিয়া পাওনের সহিত নীলাম রদহওনের ডিক্রী হইবেক ও ঐ নীলামের থরীদার দম্ভরমত এই দা ওয়াতে আসামী হইবেক•ও যদি নীলাম রদহওনের ভিক্রী হয় তবে আদালতের হাকিমের এমত দাবধানহওয়া আবশ্যক যে থরীদারের কোন প্রকার ক্ষতি না হয় যাহা হয় তাহা জমীদারের পক্ষে হয় ইতি।—১৮১১ সা।৮ আ। ১৪ ধা। ১ প্র।

পহনীর পেটার था।

[4 4]

২৩। পত্তনীদারের পেটার যে সকল তালুকদারের তালুকের দস্তা ভালুক নীলামহও বেজের মজমূন পত্তনীদারের দ্যুতিকের মজমূনমাকিক তাহার বিষ য়েতে ইহা লৈথা গিয়াছে যে বাকীপড়াতে করারদাদ বাতিল হয় না অতএব তাহারদিগের স্থানে জমাতলবকরণিয়া ব্যক্তি যদি আপন বাকীর নিমিত্তে যাহার শিরে তলব এতাবতা বাকী থাকে তাহার এলাকা করারদাদের নিয়মমতে নীলাম করাইতে চাহে ভবে উচিত যে ১৭৯৯ দালের ৭ আইনের ১৫ ধারা ও চলিত অন্য আইনের মতে দালআথেরীতে নীলাম করাইবার অনুমতি পাইবার নিমিত্তে দন্তরমত কার্য্য করে কিন্তু উচিত যে ঐ মীলাম পূর্বে যেমত লেখা গোল দেইমত ভরা পুরা মজলিদে ও রেজিইটরলাহেবের* কি তাঁহার আকটি~ অর্থাৎ স্বরূপ যে সাহেব থাকেন তাঁহার ও তিনি উপস্থিত al थाकित्म जजमारहत्वत्र प्रात्रकरु इत्र ও मन मिन प्रितारम थे नीमा মের ইশ্তিহার আদালতের ও কালেক্টরীর কাছারীতে লট্কান यांग्र ও अहे आहेरनद निश्चिष्ठ नीनारमद अना त्यर निग्नम छोहाद

^{*} ३३ म॰था (मथ ।

দিগের অবস্থা যোগ্য হয় তাহা পত্তনীদারের ন্যায় তাহারদিগের বর্ত্তিবেক ইভি।—১৮১১ সা।৮ আ। ১৬ ধা।

১৪ ধারা।

পত্তনী তালুকের নীলাম মৌকুফকরণে পেটার এলাকাদার দিগের ক্ষমতা।

২৪। পেটার তালুকদার প্রধান তালুকদারকে মালগুজারী দিলে ও প্রধান তালুকদার জমীদারকে না দিলে ১২ ধারার হুকুমমতে পে দারদিগের নিমি টার তালুকদারদিগের পক্ষে হানি হয় অতএব পেটার যে২ এলা তে নীলাম মৌকুফ কাদারেরা নীলামেতে বিনাকসুরে উদস্ত হয় তাহারদিগকে নীলাম ^{হওনের} উপায় হি মৌকুফ করাইবার ক্ষমতা দেওয়া আবশাক বোধ হইল একারণ নী চের লিথিতব্য দাঁড়া লেথা যাইতেছে ইতি।—১৮১১ সা।৮ আ। ১০ধা। ১প্র।

পেটার এলাকা র করণের কথা। বিজ্ঞালা ও মে **मिनीপর** ।]

২৫। প্রথম দরজার তালুকদারের এলাকা অর্থাৎ অধিকার জমী দারের বাকীর কারণ নীলামের নিমিত্তে এই আইনের ৮ ধারার ২ ও ৩ প্রকরণের লিখনমত ইশতিহারের কৈফিয়তে লেখা গেলে দ্বি তীয়দরজার সমস্ত এলাকাদারেরা কি তাহারদিগের কোনং জন জমী দাবের মোগারকার নীলামের মজলিসেতে বাকী যত টাকা জাহির করে তাহা আমানৎ রাথিয়া নীলাম মৌকুফ করাইতে পারিবেক ও ঐমত নীলামের দিবদের পূর্ব্বে তাহারদিণের প্রথম দরজার তালুক দারের শিরে বাকী থাকনের অনুমান হইলৈও সাবধানার্থে আমানৎ রাথিতে পারিবেক কারণ এই যে আমানতের টাকার সংখ্যা নীলা মের দিবসে জমীদারের তলবী বাকীর সমান সাবৃদ হইলে নীলাম মৌকুফ হইবেকও যদি বেশী হয় তবে যত বেশী হয় তাহা আমানৎ রাথণিয়াকে কিরিয়া দেওয়া যাইবেক ও আমানৎ রাথা টাকা জমী দারকে দেওয়া যাইবেক ইতি।--১৮১১ সা।৮ আ। ১৩ ধা। र थ।

তাহার নিয়ম এ তাবত৷ বাকী আমা নৎ রাখণের কথা। [40 40]

২৬। যদি ঐ আমানৎ যে ব্যক্তির শিরে তাহার ব্যাপক ব্যক্তির ওয়াজিবী বাকী থাকে তাহার তরফহইতে হয় তবে বাকীর অর্থে কী টাকা আমানং ওর্গারবা বালে বালে তার্য় ওর্বস্থতি হয় ওবে বালায় এবে রাখিলে শোধ হই দেওয়া যাওনের জিগির দিয়া দিতে হইবেক কারণ এই যে যদি ইশ্ বার কথা। তিহারের লিথিত বাকীদার সেই সালের ও ক্রিস্তির বাকীর দাওয়। তাহার নামে করিয়া থাকে তবে তত টাকা শোধ পায় এবণ তাহার পরে দে নিমিত্তে তাহার নামে আদালতে নালিশ হইলেও তাহা শোধ হয় ইতি।—১৮১৯ সা।৮ আ। ১৩ ধা।৩ প্র।

আপন শিরের বা

[a a]

২৭। যদি আমান থকর ণিয়ার শিরে কিছু বাকী না থাকে তবে ভাহার রাথা টাকা আগামি কিস্তিতে নীলাম মৌকুফহওনের নিমি ^{আমানৎ} কোটিয়া লওয়া যাইবেক না বর্∾ ইশ্ভিহারের লিথিত এলাকা ভাহাতে এলাকা ব দার ভাহার ঐ টাকার দেনদার বোধ হইবেক ও যে তালুক ঐ টাকা VOL. I.

টাকা নিজের ন্ধক হইবার কথা। الق اق

দেওয়াতে নীলামহইতে বাঁচে তাহা ঐ দেওয়া টাকাতে বন্ধক হই বেক ও বন্ধক দুব্যেতে বন্ধকলওনিয়ার যেমত দাওয়া থাকে দেইমত টাকাদেওনিয়ার দাওয়া ঐ তালকেতে থাকিবেক এতাবতা তাহা দথ

বাকীদার আপ লের দ্র্থাস্ত ক্রিবামাত্র দেওয়ান যাইবেক যে আমানতের টাকা ন অধিকার ফিরি তাহার মনাফাহইতে সে পায় ও ইশ্তিহারের লিথিত বাকীদার য়া পাইবার উপা যদি তাহার স্থানহইতে তালুক ফিরিয়া লইতে চাহে তবে তাহার য়ের কথা। এই দুই কর্মোর এক কর্মা করা উচিত যে হয় আমানতের টাকা আ

[বালালা ও মে মানতের তারিথহইতে দ্থলপাওনের তারিথপ্যান্ত শতকরা ১২ मिनीপुर ।] বার টাকার ছিসাবে সুদসমেত দেয় কি নম্বরী নালিশ করিয়া ইহা দাব্দ করে যে ঐ আমানতের টাকা দুদদমেত তালুকের মুনাফাহই তে দে পাইয়াছে ইতি।—১৮১১ দা।৮ আ। ১৩ ধা। ৪ প্র।

১৫ ধারা।

পত্তনী তালুক ক্রয়করণিয়ারা যে২ স্বত্ব প্রাপ্ত হন তাহা।

নীলামহওয়া ভা কৃত সমস্ত নিয়ম छाजाहेबा श्रदीमात কে পঁছছিবার ক 1 19

[4 4]

২৮। এই আইনানুসারে জমীদারের বাকীর নিমিত্তে যে২ তালুক लूक वाकीमाद्वत नीलाम इस मिट्र ठालूक जाहात विषय वाकीमाद्वत कि जाहात উত্তরাধিকারির কি অন্য স্বরূপব্যক্তির তরফহইতে যেথ করাদাদ ও নিয়ম হইয়া থাকে দে সমস্ত করারদাদ ও নিয়ম ছাড়াইয়া নীলা মের থরীদারকে পঁছছিবেক কিন্তু যদি জমীদার ঐ বাকীদারকে যে সে করারদাদে কি বিশেষ কোন কৌলকরারেতে তালুক দিতে ক্ষম তা দিয়া থাকে ও দস্তাবেজেতে তাহার কথা ল্লফ্ট লেথা থাকে তবে তাহার বহির্ভত হইবেক না ও এ বিষয়ে বিশেষ ও মুষ্ট হুকুম হইল যে এলাকাদারৈর করা কোন বিক্রয় কি দানে কি দেওয়া বন্ধকে কিয়া কটে বিক্রয়করাতে অথবা অন্য আচরণেতে তাছার শিরে বাকী পড়িলে এলাকা জমীদার যেরপে দিয়াছিল সেই রপে এতাব তা তাহাতে অন্য কোন জনের দুখল থাকনব্যতিরেকে নীলামের নিমিত্তে জমীদারের হাতে আদিবার আটক ও বাধা হইবেক না কিন্তু যদি নীলাম হইলে তাহা বহাল থাকিবার নিয়ম করারদাদের নিয়মের মধ্যে থাকে এব ে নীলামের পরে তাহা বহাল থাকিবার ম্লাফী অনুমতি জমীদারের স্থানে লইয়া থাকে তবে বহাল থাকিবেক ইতি।—১৮১৯ সা।৮ আ। ১১ ধা ১প্র।

নীলাম হইলে ইজারাওগয়রুছ অ সিদ্ধ হইবার কথা। [A A]

২১। এবণ বাকীদার ইজারাওগয়রহের যে সকল পাট্টানুসারে বাকীদারের দেওর। উপরি ব্যক্তিকে আপনার ও চাদী প্রজালোকদিগের মধ্যগত করিয়া থাকে দে সমস্ত পাউ। ও তাহা দিবার ক্ষমতা তাহাকে স্লফ্টরূপে দেওয়া গিয়া থাকনব্যতিরিক্ত নীলামহওয়াতে বাতিল হইবেক কে ননা এমত এলাকাদারেরা বাকীদারের যে হকু এতাবতা অধিকার তাহার কিছু ও কিঞ্চিদ শে পাইয়াছে ও তদ্বারাব্যতিরিক্ত জমীন দ্থালকরণের ও প্রজালোকের স্থানে তহসীলকরণের অধিকারী নহে ও ঐ অধিকার সমাক জমার জনো নীলামহ ওয়াতে যায় অতএব ঐ এলাকাদার্দিগের হকু যাহা তাহারি হিস্যা তাহা সুতরাৎ যাইবেক উতি।—১৮১১ সা।৮ আ।১১ ধা।২ প্র।

৩০ । এই ধারানুসারে তালুকের থরীদারপ্রভৃতি যাহারা প্রজা লোক ও জমীদারের মধ্যেতে থাকে তাহারা থোদকস্তা প্রজালোক যোত জমী দেওয়া কি বহুকালের কি পুরুষানুক্রমের নিবাসি অন্য চাদী লোককে তাহা য়। वृत्तिराव क्रमीर्टेट विषयम कविराउ शाविरवक ना व्यव वाकीपाव কি তাহার মূরুপ যে ব্যক্তি হয় সে উপরের উক্ত চাদী ও প্রজালো দিনীপুর।] কের সহিত জমা নিশস্তীর যে নিয়ম ও কৌলকরার বিনাচক্রান্ত ও চাত্রীতে করিয়া থাকে তাহাও বাতিল করিতে পারিবেক না কিন্তু যদি দেওয়ানী আদালতে নম্বরী নালিশেতে ইহা দাবদ হয় যে পাউা দিবার সময়ে পাড়ীতে লেথাথাকা জমাহইতে অধিক জমা চাসির শিরে ওয়াজিবী দেনা ছিল তবে পারিবেক ইতি।-১৮১১ দা। ৮ আ। ১১ ধা। ৩ প্র।

৩১। এই আইনের ১১ ধারাতে যে যথার্থ নীতি ও প্রকৃত দাঁড়া लिथा (शल जाहा नर्खकारल जभीनारतत उग्नाजियी जभात योकीत नि लारभर वाकीना মিত্তে হওয়া নীলামের মোকজমার নিষ্পত্তির নিমিত্তে তদনুসারে রের পেটার এলা কার্য্যহওনের উপযুক্ত অতএব ঐ ধারা সাবেক ও হালের নীলামের মোকদমার সহিত ঐ দুই নীলাম যথার্থ ও সঙ্গত হইলে সমুর্ক রাথি বেক ও সাবেক নীলাম সঙ্গতহওনের ভাবার্থ এই যে যথায় যে কালে হইয়া থাকে তথাকার দেই কালের রীতিমত হইয়া থাকন। জানা কর্ত্তব্য যে ঐ হুকুমে এতাবতা নীলামের সময়ে নিয়ম ও করার ব্যর্থ হওনের ত্রুমেতে এই আইন জারীহওনের পূর্বে হওয়া নীলামের প্রকর্ণ ছাড়া। থরীদারের বাকীদারের পেটার এলাকাদারদিগের সহিত করা কৌ লকরারের হানি হইবেক না ও ঐ কৌলকরার ম্লফ্ট শব্দেতে হইয়া থাকে কিম্বা উভয়ের করা ব্যবহারেতে বোধ ও ব্যক্ত হয় দুই তুলা ও ইহাও জানা কর্ত্তব্য যে পেটার এলাকাদারদিগের এলাকা অসিদ্ধহ ওনের অর্থে এই আইনে যে হুকুম লেথা যায় তাহা কেবল জমার বাকীর নিমিত্তে নীলাম হওনমতে সমুর্ক রাখিবেক ও এলাকাদারের স্বেচ্চাপুর্বক কৃত বিক্রয় ও দানের সহিত ও ডিক্রী জারীর নিমিত্তে হওয়া নীলামের সহিত ও এলাকাদার জমীদারের নিকটে ইস্তাফাক রণের সহিত সম্লুক রাখিবেক না কেননা ঐ বিক্রয় ও দানাদি ক্রিয়া তে অধিকার যেরূপে বিক্রয় কি দানকর্ত্তাআদি নিয়মকারি ব্যক্তির ছিল সেইরপে এরীদার কি গ্রহীতাদি লওনিয়ার হস্তগত হয় ও ইহারা তাহার ম্বরূপ ব্যক্তি হয় অতএব পেটার এলাকাদারেরা যে মত বিক্রয়কারাদির নিকটে ছিল এরীদারাদির নিকটেও সেইমত থাকিবেক ইতি। -- ১৮১১ দা। ৮ আ। ১২ ধা।

পর্বে হওয়ানী কাদারদিগের এলা কা অসিদ্ধহওনের হুকুম।

প্রজালোকের

বিক্লোলা ওমে

[اقت اهـ]

ষেচ্ছাপূৰ্ব্বক কৃত विकास छ मार्नेद

১৬ ধারা।

বিক্রেতারদিগকে পত্তনী তালুকের দখল দেওন। ৩২। এই আইনমতে इওয়া নীলামের থরীদারের স্থানে সমৃদয়

জমীদারের মার র নিয়মের কথা मिनीश्रव ।]

कट प्रथम পाওत होका जामार इहेवामाज थे थतीमात नीमामकत्रिया मारहरतत स्रोन হইতে টাকার রদীদসম্বলিত এক দটিফিকট পাইবেক পরে উচিত [বাঙ্গালা ও মে যে সটিফিকটস(মত জমীদারের কাছারীতে দাথিল থারিজের নি মিত্তে যায়ও জামিন তলব হইলে অর্দ্ধেকজমাপর্যান্তের জামিন দিতে হইবেক ও জামিন দিলে পর দথলের হকুমনামা ও এক ইশ্তিহার এই মজমুনে পাইবেক যে সমস্ত প্রজা ও অন্য অন্যেরা থরীদারের নিকটে রুজু হইয়া নীলামের তারিথহইতে তাহার নিকটে মালগু জারী করে এবং জমীদারের আবশ্যক যে বিক্রয়ছওয়া তালুকের যে দকল কাগজ তাহার কাছারীতে মৌজুদ থাকে তাহা সমস্ত থরী

জমীদারের টাল দারকে দেখায় ও যদি জমীদারের তলবমত জামিন দিলে পর জমী মটামের উপারের দার আবশ্যকী তৃকুমনামা দিতে ও দাখিলখারিজ করিতে টালমটাল কথা।

करत उरव थत्रीमात आमामराउरा अविषयत नामिम कतिया मथरमत হকুমনামা লইয়া নাজিরের মারফতে ডিক্রী জারীকরণেতে যেমত দ্মর আছে দেইমতে দথল পাইতে পারিবেক কিন্তু যদি জামিনের মাতবরীর বিষয়ে জমীদারের আপত্তি নিমিত্তে টালমটাল হয় তবে এই আইনের ৬ ধারার মতে তাহার তদারক করা যাইবেক ইতি।--১৮১১ সা।৮ আ। ১৫ ধা। ১ প্র।

৩৩। থরীদার তাহার অধিকারের দরেজমীতে দথল পাইবার

দখল পাওনের এতিবস্ককতা করি নিমিত্তে গেলে যদি বাকীদার কি তাহার পেটার তালুকদারেরা লে তাহার উপায়ে র কথা।

[2 2] আদালতহইতে ইশ্তিহার জারীহও

েরে কথা।

প্রতিবন্ধক হয় কিম্বা প্রতি বন্ধকতার চেম্টা ও তদবীরে থাকে অথবা তাহার থরীদার এলাকাহইতে তহসীলকরণেতে ব্যাঘাত জন্মায় তবে থরীদারের ক্ষমতা আছে যে তৎক্ষণাৎ জিলার দেওয়ানী আদালতে সহায়তাকরণের অর্থে দর্থাস্ত করে ও ঐ আদালতহইতে আদাল

তের মোহর ও জজদাহেবের দস্তথতে এক ইশ্তিহার এই মজমুনে জারী হইবেক যে হেছেতুক দর্থাস্তকর্ণিয়া জনীদারের বাকার নি মিত্তে নীলামহওয়া এলাকার থরীদার বটে অতএব বাকীদারের তা नुरुव नमस रक् अर्था श्रम् अप यमज थे वाकीमात क्रमीमातत स्थात পাইয়াছিল দেইমত তাহা দম্দ্যদ্র থাস্তকর্ণিয়ার হইয়াছে ও কা हाक जाती हु अरा विना प्रकानित उहिमीत्नत क्रमजा जाहाति वरि ইহাতে যদি প্রজাদিগের মধ্যে কেহ এরীদার কি তাহার মোধারভিন্ন অন্য জনকে এক কর্পদক দেয় তবে তাহা ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৭ আইনের ১৫ ধারামতে সরাসরী নালিশেতে কিয়া ইঙ্গরেজী ১৮১২ সালের ৫ আইনের মতে তাহার মালআমওয়াল ক্রোক মৌ কুফীর নিমিত্তে আপন করা দর্থান্তের তজবীজেতে কি কোন প্রকা রেতে শোধ পাইতে পারিবেক না ইতি।—১৮১২ সা।৮ আ।১৫ था। र था।

৩৪। ঐ ইশ্তিহারনামা জারী হইলেও যদি দাবেক বাকীদার তালুকদার কি তাহার পেটার অন্য এলাকাদারেরা থরীদারের দ্ধা করিলে পোলীস লপাওনে প্রতিবন্ধক হয় কিয়া কোন প্রকারে কাহারু তর্ফহইতে দাঙ্গা হইবার অনুমান হয় তবে এমত হকুম আছে যে ঐ থরীদার সহায়তার দর্থান্ত করিলে পোলীদের কার্য্যকারক লোকেরা কিয়া দরকারের অন্য যে কার্য্যকারক থাকে তাহারদিগহইতে যে দহায়তা হইতে পারে তাহা করে ওযদি দাঙ্গা ও হঙ্গামা উপস্থিত হয় তবে যে ব্যক্তি থরীদারের হরুপাওনের প্রতিবন্ধকতা ও বাধা করিয়া থাকে তাহার জওয়াব তাহাকেই দিতে হইবেক ইতি া─১৮১৯ সা ৮ আনা ১৫ ধা। ৩ প্র।

অভিপ্রভিবন্ধকতা আদিহইতে সহায় তা হইবার কথা। বিহ্লালাও যে मिनीशृत ।]

১৭ ধারা।

পত্তনী তালুক নীলাম হইলে নীলামের টাকা লইয়া যাহা করিতে হইবে তাহা।

৩৫। এই আইনমতে হওয়া নীলামের পণের টাকা যেং বিষয়ে বিলি হইবেক তাহার অর্থে নীচের লিখিতব্য নিয়ম নির্দিষ্ট হইল টাকা বিলি হইবাব ইতি।—১৮১১ সা।৮ আ।১৭ ধা।১প্র।

নীলামের পণের কথা।

[4 4]

৩৬। নীলামের পণের টাকাহইতে শতকরা ১ একটাকা হিসাবে ঐ কর্মকারি লোকদিগের থরচআদির নিমিন্তে সরকারে লওয়। যা রে শতকরা এক টা ইবেক ইভি ৷—১৮১**৯ না ৷ ৮ আ ৷ ১৭ ধা ৷ ২ প্র ৷**

প্রথমতঃ সরকা কা লওয়া যাইবার কথা।

৩৭। পরে যে বাকীর নিমিত্তে নীলাম হইয়া থাকে সেই বাকী সু দসুদ্ধা ও ইশ্তিহার লইয়া যাওনিয়ার এরচাআদি নীলামের এরচ থর্চাদমেত বাকী তলবকরণিয়াকে দেওয়ান যাইবেক কিন্তু জানা কর্ত্তব্য যে নীলামের পণের টাকা যে সালের বাকীর নিমিত্তে ইশ্তি বাকীব্যতিরেকে দে হার ও নীলাম হয় তাহার পূর্বে সালের বাকী আদায়েতে থরচ পড়ি ওয়ান যাইবার ক বেক না কেননা যে সালেতে বাকী পড়ে সেই সালেতে তাহা তহসীল था। করণের নিমিত্তে তদবীর ও নিয়ম নির্দ্দিষ্ট হইয়াছে তাহার মত কার্য্য করা গেলে বাকী থাকে না ও সময় বহিয়া পেলে দেনাপাওনার ন্যায় হইয়া পড়ে ও দেনাপাওনা আদায়ের নিমিত্তে নমুরী নালিশ অবধারিত আছে ইতি।—১৮১১ সা।৮ আ। ১৭ ধা। ৩ প্র।

[4 4] পরে জমীদারের বাকী তাহার খরচ থ্রচাসমেত বকেয়া

[46 [46]

৩৮। ঐ বাকী ও থরচথরচা আদায় হইয়া যাহা বেশী থাকে উ চিত যে তাহা যে সাহেব নীলাম করেন তিনি কালেক্টর সাহেব কি ^{কা কালেক্ট}র সা আসিফ্টাণ্ট কালেক্টর সাহেবের থাজানাথানায় আমানৎ রাথান যে বাকীদারের পেটার তালুকদারদিগের মধ্যে কেহ কিয়া অন্য যে ব্যক্তি বাকীদারের দানাদিক্রমে মূল্য পাওনযোগ্য হক্দার হইয়া থাকে দে ব্যক্তি আপন হকের বদলৈ কিছু দাওয়া করে কি না ইহা দেখা যায় ইতি।—১৮১১ সা।৮ আ। ১৭ ধা। ৪ প্র।

পণের বাকী টা হেবের থাজানাথা নায় আমানৎ হই বার কথা। [के के]

আ। ১৭ ধা। ৫পু।

मह्रशहनीमात् अ য়া করিতে পারিবা ব কথা।

मिनीशव ।

৩১। যে কোন ব্যক্তি নীলামহওয়া বস্তুতে আপন হকু অর্থাৎ গয়রহেরা দুই যা স্বত্ত আছে জানে সে নীলামের তারিথহইতে দুই মাসের মধ্যে ঐ নী দের মধ্যে আমান লামের বস্তুর পরিবর্ত্তে আপন দেওয়া পণের দাওয়া কিয়া আপন তের টাকার দাও হকের থেসারৎ ধরিয়া পাইবার দাওয়া আদালতে নম্বরী নালি শেতে করিতে পারিবেক যদি আদালতের তজবীজে ঐ ফরিয়াদীর বালালা ও মে হক্ দাবুদে হয় তবে তাহার ঐ দুব্যের পণের কি মূল্যের কিয়া থে সারতের বদল যাহা ন্যায়মতে ওয়াজিবী হয় তাহা পাইবার ডিক্রী ও তাঁহারা ডিক্রী হইবেক ও যদি আদালতে এ প্রকার দাওয়ার মোকদ্দমা একের হইলে হারহারীর অধিক থাকে তবে যাবৎ দে সমস্ত মোকদ্মার নিষ্পত্তি না হয় তা পে পাইবার কথা। বৎডিক্রী পাওনিয়া কোন জনকে কিছু নীলামের পণের টাকাছইতে দেওয়ান যাইবেক না কারণ এই যে আমানতের টাকা যে২ ডিক্রী হয় তাহার টাকার সম্বন্ধে কত হয় তাহা বকা গিয়া যদি ডিক্রীর টাকা আমানতের টাকাহইতে অধিক হয় তবে আমানতের টাকা ডিক্রীর উপর ছারহারী হইয়া বিভাগ হইবেক ও ডিক্রীর যাহা১ বাকী থাকে তাহার নিমিত্তে করজা ডিক্রীর ন্যায় ডিক্রী জারী করিয়া

জমা বেবাক দে পারিবার কথা।

[A A]

৪০। কিন্তু জানা কর্ত্তব্য যে দিতীয় দরজার তালুকদারদিণের ওনব্যতিরিক কেই কোন তালুকদার কিয়া অন্য কোন মূল্য পাওনযোগ্য হক্দার যে ক দাওয়া করিতে না রারদাদের নিয়মের মধ্যে জমা আদায়করণ এতাবতা দেওনের নিয়ম থাকে তদ্নুসারে নীলামেতে তাহার স্বত্বলোপ হওনহেতুক তাহার এওজ কিয়া বদল নীলামের দিবসপর্যাম্ভ যত টাকা জমা তাহার ওয়া জিবী দেনা ছিল তাহা দাখিল করিয়া দেওন কি আদালতে আমানৎ করণ দাব্দকরণব্যতিরিক্ত কোন প্রকারে পাইতে পারিবেক না ইতি।—১৮১১ সা।৮ আ। ১৭ ধা।৬ প্র।

বাকীদারের স্থানহইতে দেওয়ান যাইবেক ইতি।—১৮১১ দা।৮

দৃই মাদের মধ্যে रहेल वाकीत (व [ब ब]

বার কথা।

৪১। যদি বাকীদারের পেটার কোন এলাকাদার কিয়া অন্য হকু কেই দাওয়াদার না দারের তরকহইতে দুই মাদের মধ্যে নীলামের পণের টাকার উপর কোন দাওয়া দরপেশ না হয় তবে যাহার এলাকা নীলাম হইয়া শী টাকা বাকীদার থাকে সে ব্যক্তি আমান থাকা সমুদ্য টাকা পাইবার নিমিত্তে দর থাস্ত করিয়া আমানতের টাকার উপর প্রতিবন্ধকতার দাওয়া না থা এব[্] দাওরা দর কনের কথা লেখা এক দটিফিকট আদালতের মোহর লইয়া কালে পেশ হইলে ভাহা কৃটর সাহেবের নিকটে লইয়া গিয়া রসীদ দিয়া যত টাকা আমানৎ বাদে আমানতের থাকে তাহা লইতে পারে এব ে যদি দুই মাদের মধ্যের সমস্ত দাওয়। বাকী টাকাও পাই দার্দিগের দাওয়ার সংখ্যা আমানতের সংখ্যা কম হয় তবে সমস্ত দাওয়ার টাকা মোটে যত হয় তাহাহইতে যত টাকা বেশী থাকে তাহার নিমিত্তে ও দন্তুরমত এক সটিফিকট লইতে পারে। এব॰১ দিতীয় দরজার তালুকদার কিয়া অন্য হকুদারে। ডিক্রী জারীর দম য়ে নীলামের পণের টাকার আমানৎহইতে আপন পাওনা হিস্যার ন° থ্যা লেথা দটিফিকট আদালতের মোহরে লইতে ও দম্ভরমতে

তাহার লিথিত টাকা পাইতে পারে ইতি।—১৮১১ না।৮ আ। ১৭ ধা। ৭ প্র।

8২। ঐ দকল লোকদিগের মধ্যে যাহার প্রয়োজন হয় দে ব্যক্তি যাহার গরজহর আমান থাকা নগদ টাকা দমুদয় কি তাহাইতে কতক লইয়া তা দে দরকারী কাগজ হার বদলে কোয়ানির কাগজ কি তাহার মত আর যে কাগজেতে আদি দিয়া নগদ মাদে২ সুদ পাওয়া যায় তাহা দাখিল করিতে পারিবেক ও ঐ কাগ লইতে পারিবার ক জের হিদাব শেষবারে পাওয়া গবর্ণমেণ্ট গেজেটেতে খবরহওয়া ভিদ্কোট এতাবতা কমী কি বেশী ধরিয়া করা যাইবেক ইতি।— বিলালা ও মে ১৮১৯ দা।৮ আ। ১৭ ধা।৮ প্র।

সরাসরীতে নালিশ*।

১ ধারা।

জাবেতামতে মোক্দ্মা না করিয়া সরাসরীতে মোক্দ্মা করণ।

যেমতেতে জিলা হেবেরা উভয় বি বাদিকে নম্বরী না লিশ করিতে পরা কথা।

১। ইঙ্গরেজী ১৮১২ সালের ৫ আইনের ২০ ধারামতে জজসা ও শহরের জজসা হেবদিগের মালগুজারীর বাবৎ নালিশের তজবীজ ঐ আইনমতে সরাসরীরপে করিয়া নিষ্পত্তি করিতে ক্ষমতা ছিল বটে কিন্তু প্রকৃ তার্থ ঐ আইনের শুদ্ধ তাৎপর্য্য এমত ছিল না যে যদি কেছ আপন মর্শ দিবেন তাহার বিবাদ মিটিবার নিমিত্তে সরাসরী তজবীজের পরিবর্তে হকীয়তের তজবীজহওনের মনস্ব করে তবে দাওয়ার দুং খ্যার দৃষ্টে মুন্দেফ দিগের নিকটে কি জিলা কি শহরের জজনাহেবদিগের কিয়া প্রবি স্যাল কোট আদালতের সাহেবদিগের হর্ত্তুরে নম্বরীতে করিতে পা বিবেক না এক্সণে জিলা ও শহরের জজসাহেবদিগের উচিত যে মা লগুজারীর বাকীর বাবৎ উপস্থিত যে কোন মোকদ্দমার নিষ্পত্তি আইনমতে স্রাস্রী তজ্বীজের দ্বারা হইতে পারে তাহাতে যদি ঐ দাহেবদিগের বিবেচনায় এমত বোধ হয় যে ঐ মোকদ্মার হ্কীয় তের তজবীজ হইলে উভয়ের বিবাদ অতিশীঘু ও সুন্দর নিষ্পত্তি হইবেক তবে উভয় বিবাদিকে নম্বরী নালিশ করিতে পরামর্শ দেন ইতি।—১৮২১ সা। ২ আ। ৪ ধা।

মালগুজারীর বা স্রীমতে নালিশ হ ইতে পারিবার যো कथा।

বিশেষ বিধির ক 1 19

इन्द्रकी ১৮৩১ সালের ৫ আইনানু সারে যে সকল মৃ

কীর নিমিত্তে সরা দিগকে জাবেতামতে নালিশ করিতে আখাস দিবার নিমিত্তে এই ছকুম হইল যে এই প্রকার দাওয়ার নালিশ চলিত আইনানুসারে দরাদরীমতে হইতে পারিবার যোগ্য হইলেও তাহা জাবেতামতে উ গ্য হইলেও তাহা জাবেতামতে উপ পদ্ধিত হইলে তাহার আরজী চলিত আইনের নিরুপিত মূল্যের দি দ্বিত হইতে তাহার কি মূল্যের ইফীম্ল কাগজে লেথা যাইবেক কিন্তু জানা কর্ত্তব্য যে যদি আর্জ্রী নিরুপিত পূর্বের করা সরাসরী ফয়সলা অন্যথাকরণের মনস্তে নালিশ হইয়া মুলোর দিকি মু থাকে তবে তাহাতে এ ছকুম থাটিবেক না কিন্তু ইফ্টাম কাগজের ল্যের ইক্টাম্পকার্গ মূল্য দিবার নিমিত্তে যে সকল আইন চলন আছে সেই সকল আ জে লেখা যাইবার ইন ঐ মোকদ্মাতে থাটিবেক ইতি।—১৮৩১ সাঁ।৮ আ।৮ ধা।

২। যে ব্যক্তিরান্সালগুজারীর বাকীর উপর দাওয়া রাথে তাহার

৩। মালগুজারীর বাকীর নিমিত্তে যেথ নালিশ জাবেতামতে উপ স্থিত হইয়া থাকে তাহা গ্রাহ্য ও তাহার বিচার ও নিষ্পত্তি করিতে যে ক্ষমতা মুনদেফেরা এক্ষণে রাথে তাহার অতিরিক্ত ইঙ্গরেজী

সরাসরী মোকদমার বিষয়ে এই গ্রন্থের ৭ অধ্যায়ের ৪ ধারা ও ডা হার পর কএক ধারা দেখ।

১৮৩১ দালের ৫ আইনানুসারে যে দকল মুনদেক কোনং জিলায় নদেফ নিযুক্ত ইহ নিযুক্ত হইবেক তাহারদের ক্ষমতা আছে যে পেটাও রাইয়ত কি বেক তাহারী অন্যা অনুব্যক্তিরা আপনারদিণের মালের ক্রোক্ এব॰ কয়েদ নিবার যেতে ছওয়া ক্রো ণের ইচ্ছা করিয়া নালিশ করিলে কিয়া ঐ ক্রোকৃ ও কয়েদের নি মিত্তে ক্ষতির দাওয়া করিলে ঐমত দাওয়া গ্রাহ্য ও তাহার বিচার ও নিষ্পত্তি করে ইঙ্গরেজী ১৮১৪ সালের ২৩ আইনের ১৩ ধারায় কিয়া অন্য কোন আইনে মৃনদেকের প্রতি ক্ষতির মোক্দমার নি ষ্পত্তি করিতে যে নিষেধ আছে তাহা এমত নালিশে থাটিবেক না ইতি া—১৮৩১ সা।৮ আ।১১ ধা।

২ ধারা।

সরাসরী মোকদ্দমা জজসাহেবের দ্বারা বিচার না হইয়া কালেক্টর সাহেবের দ্বারা বিচার হওন রিষয়।

৪। ইঙ্গরেজী ১৭৯৯ দালের ৭ আইন ও ১৮০০ দালের ৫ আ ইন ও ১৮০৩ দালের ১৮ আইন ও ১৮১২ দালের ৫ আইন ও নুসারে জজদাহেব ১৮১৩ দালের ৭ আইন ও ১৮১৭ দালের ১১ আইন ও ১৮২৪ দিগের দ্রাদ্রীন দালের ১৪ আইনের কিয়া চলিত অন্য কোন আইনের যে২ স্কলের ^{লিশে}র বিচার করি হকুমানুসারে মালগুজারীর বাকীর কি তাহা অন্যায়েতে তহুসীলক রণের বিষয়ি সরাসরী নালিশ কিম্বাদাওয়া শুনিতে এবণ সেই সকল মোকদ্দমা কালেক্টর দাহেবকে বিচারের নিমিত্তে দোপদ্দ করিতে জিলা কিয়া শহরের জজদাহেবদিগের প্রতি ক্ষমতা আছে ঐ দকল এই ধারাক্রমে রদ হইল ইতি।—১৮৩১ সা।৮ আ।২ ধা।

৫। এই আইন জারীহওনের তারিথঅবধি কোন জ্জুসাহেবের ক্ষমতা থাকিবেক না যে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৪ আইন ও তদনু লিশ না হউলে উ রপ অন্য কোন আইনানুসারে জাবেতামতে নালিশ না হইলে উপ পরের লিখিত প্র রের লিখিত প্রকারের কোন দাওয়া গ্রাহ্য করেন ইতি ৷—১৮৩১ সা।৮ আ। ৩ ধা।

 এই আইন জারীহওনের তারিথঅবধি উপরের লিথিত প্র কারের যে দকল দরাদরী মোকদ্দমা জিলা ও শহরের আদালতদ রী মোকদ্দমা আদা কলে উপস্থিত হইয়া থাকিবেক ঐ সকল মোকদ্দমা জিলাসকলের লভে উপস্থিত হই কালেক্টর সাহেবদিগের নিকটে বিচার ও নিষ্পত্তির কারণ পাঠান য়া থাকে তাহা কা ষাইবেক ইভি।—১৮৩১ সা।৮ আ।৫ ধা।

৭। মালগুজারীর বাকীর কিয়া তাহা অন্যায়েতে তহ্সীলকরণের শম্রকীয় নালিশের অতিবাহুলাপ্রযুক্ত কিম্বা অন্য কোন হেতুপ্রযুক্ত ইহা কর্ত্তব্য বোধ হইলে দকল কালেক্টর দাহেবের প্রতি এই আ রিপোর্ট করিবার ইনানুসারে হকুম আছে যে সেই এলাকার কমিদ্যানর সাহেবের অনু নিষিত্তে তহসীলদা VOL. I.

কের বিষয়ে ক্ষতির দাওয়ার নিষ্পত্তি • করিতে পারিবার কথা।

ম্নদেফের দাবা ক্ষতির মোকদ্মা নিষ্পত্তি করিতে যে সকল নিষেধ আ ছে তাহা এমত না লিশে না থাটিবার কথা।

যে সকল ছক্মা বার ক্ষমতা আছে তাহা রদ হইবার

জাবেতামতে না কারের কোন দাও য়া গ্রাহ্য করিবার ক্ষতা জজসাহেব দিগের না থাকিবা র কথা।

যে সকল সরাস লেক্টর সাহেবের নিকটে পাঠান যা ইবার কথা।

সরাসরী মোক দমা তদন্ত করিয়া ট্র সাহেবের ক্ষম লবেজী ১৮২৪ সা আ ১৩ ধা। লের ১৪ আইন জা রীছওনের পুর্বে যে সকল হুকুম কা লেক্টর সাহেবের উপর থাটিয়াছে ঐ সকল ভক্মানুসা द्ध डेल्एमण लाहे বার কথা।

হাদুরের হজুর কৌ ন্সেলহইতে বিশে ষ কমতানাপাই লে কালেকটর সা তেনা পারিবার ক থা ৷

রের নিকটে পাঠা মতি পাইয়া এমত কোন দাওয়া সেই জিলার মধ্যে তহসীলদারের ইতে রাজবের কমি নিকটে এই মনস্থে পাঠাইবেন যে তাহা তদম্ভ করিয়া রিপোর্ট কনে স্যানরসাহেবের অ এব০১ ইন্সবেজী ১৮২৪ সালের ১৪ আইন জারীছওনের পুর্বেয নুমতিক্রমে কালেক্ সকল ছকুম এপ্রকার মোকদ্দমা কালেক্টর সাহেবের নিকটে সো পর্দ্ধ হইলে তাহার উপর থাটিয়াছে সেই সকল হকুমমতে সকল তহ তংগীলদারের। ই দীলদারের। আপনং কর্মনির্বাহ করিবেক ইতি।—১৮৩১ সা। ৮

৮। ইঙ্গরেজী ১৮২১ দালের ৪ আইনের ৮ ধারার ৩ প্রকরণ শুধরিবাতে এই ধারাক্রমে হুকুম হইল যে এীযুত নওয়াব গবরুনর ^{এ বুতু নওয়াব গ}জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলছইতে বিশেষ ক্ষমতা না পাইলে বর্নর জেনরল বা কালেকটর সাহেবের আসিষ্টাণ্ট সাহেবেরা এই আইনানুসারে কা লেক্টর সাহেবকে অর্পণকরা ক্ষমতা পাইবেন না বিশেষ ক্ষমতা পা ইলে তাঁহারা কালেক্টর সাহেবের পাঠান মোকদ্মাসকল নিস্পত্তি করিতে পারিবেন কিন্তু কালেক্টর সাহেব যেমত উচিত বৃকেন সেই হেবের আদিটাত মত ঐ দকল ফয়দলা দর্বদা পুনর্দ্ধটি করিবেন কিয়া ওধরিবেন সালেবেরা এই আ এব॰ ঐ মোকদ্দমার আপীল সর্বেশেষে এই আইনের ৪ ধারার উনানুসারে মোকদ লেথা হুকুমমতে রাজস্বের কমিদ্যানর দাহেবের নিকটে হইতে পারি মার নিষ্পত্তি করি বেক ইতি।--১৮৩১ সা।৮ আ।২১ পা।

৩ ধারা।

वाकी शाकानात विषयः मतामती त्याकल्या। গ্রেম্বার করণের হুকুম।

জমীদার ওগয়র হ বাকীদার ও মাল জামিনদিগকে আ টক করাইতে পারি বার কথা।

১। জমীদার ও তালুকদারপ্রভৃতি ভূম্যধিকারিগণের সাধ্য আছে যে তাহারদিগের কাহার মালগুজারীর বাকীর দাওয়া মফঃদলী তালু কদার কিয়া কট্কিনাদার অথবা যোতদারওগয়রহ পেটার মালও জারদিগের কাহার উপর থাকিলে দে বাকীর কুলান যদি দেই বাকী দারের দুব্য কিন্তা সে মালজামিন দিয়া থাকিলে সেই মালজামিনের সম্লুত্তি ক্রোক্ করিবাতেও না হইতে পারে কিম্বা সে বাকীদার অথবা তাহার মালজামিন সাক্ষাৎ থাকিলে তাহারদিগের স্থানে সে বাকী তলব করিলে পর কি তলব করিবার পূর্ব্বেই বা দে বাকীদার কিয়া মালজামিন যদি পলাইতে উদাত বুঝা যায় তবে দেই পলায়নোনুগ বাকীদার কিয়া মালজামিনকে নীচের লিখনানুদারে আটক করাইতে পারে।—১৭১১ সা। ৭ আ। ১৫ ধা। ১ পু।

বারাণস ১৮০০ সা। ৫ আ। ১৪ ধা। ২ প্র। मर (म^{मा।} ১৮०७ मा २৮ छ। ७२ ४। । २ <u>४</u>।

১০। মা**লগু**জারীর বাকী পাওনিয়া ভূম্যধিকারিগণ ও ইজারদা त्त्रता ও তাহারদিগের নিযুক্তকরা গোমীস্তাওগয়রহ চাকরদিগের কিমা কমিসানরদি দাধ্য আছে যে বাকী উদুলের কারণ জ্ঞলাহেবদিগের স্থানে দর্থাস্ত দেয়। তাহাতে যদি কোন বাকীদারকে কিয়া সে মালজামিন দিয়া। থাকিলে দেই জামিনদারকে পলায়নোমুথ বুকে তবে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৪০ আইনের মতে নিযুক্তইওয়া সেই গির্দের কমি ঠের কথা। সানরের নিকটে দরখাস্ত বাকীর বেওরাযুক্তে এব° সে বাকী শোধ না দিয়া দে আদামী পলাইতে উদ্যত হওনপ্রযুক্ত তাহাকে আটক করিবার প্রার্থনাযুক্তে লিথিয়া দাথিল করিতে পারে। ও এমত দর্থাস্ত কমিদানর পাইলে তাহার কর্ত্তব্য যে সেই পলায়নোনুথ কমিদানরেরা যেম বাকীদার কিম্বা মালজামিন যদি তাহার গির্দের নিবাদী চাহরে তবৈ ভাচরণ করিবেক তৎক্ষণাৎ তাহাকে ধরে ও দে বাকী তৎকালে না মিলিলে ইঙ্গরেজী ২৪ খড়ী মোতাবেক বাঙ্গলা ৬০ দণ্ডের মধ্যে তাহাকে জজদাহেবের নিকটে চালান করে। ইহাতে সেই জজদাহেবের উচিত যে তাঁহার স্থানে সে আসামী পঁহুছিলে তাহার প্রতি যে মতাচরণ তাহাকে চালানকর। আসা ধরিবার দর্থান্ত আদৌ তাঁহার স্থানে দিলে ও তাঁহার ত্রুমে দে মী জজদাহেবদিগে আসামী ধরা পড়িলে করিতেন সেই মতাচরণ নীচের লিথনানুসারে র স্থানে পঁছছিলে করেন্। কিন্তু কোন কমিদ্যনরের কর্ত্তব্য নহে যে কোন বাকীদার ^এ কিয়া মালজামিনকে জজসাহেবের নিকটে চালান না করিয়া ৬০ দণ্ডের অধিক আটক রাথে যদি রাথে তবে তগীরের যোগ্য হইবেক এবং তাহার নামে দেই অবধি আটক রাথিবার মোকদ্দমায় না লিশ হইতেও পারিবেক। কিন্তু যদি সেই বাকীদার কিয়া মালজ। মিন আপন শিরের বাকীর হিসাব নিষ্পত্তির কারণতথায় থাকিবার বার কথা। অর্থে কিছু মিয়াদের দর্থাস্ত লিথিয়া দেয় ও আটক করণিয়া তাহা তে সন্মত[ি]হইয়া যত মিয়াদ দেওয়া বিহিত তাহার নিদর্শনে দে দর^{্শেষ।} থাস্ত্রের কপালে কিয়া পৃষ্ঠে আপন মঞ্কার দস্তথৎ এমত স্লফীর্থে করে যে তদ্ধেট দেই মিয়াদ ভরিয়া তথায় থাকিবার নির্ণয়ে কিছু সন্দেহ নারহৈ তবে সেই আসামীকে তাব**ৎ তথায় রাথিতে** পারি বেক।—১৭৯৯ সা। ৭ আ । ১৫। ২ প্র।

দর্থান্ত পাইলে

জজসাহেবদিগের

গের নিকটে দর্থা

স্ক দিতে পারিবার

দর্থাস্তের পা

সময়ের কথা।

কমিদ্যানরদিগের **শাহেবদিগের** কর্ত্তবোর কথা। কোন আসামী

কে কমিসানরেরা ৬০ দণ্ডের অধিক না রাখিতে পারি

ঐ ছকুমের বি

বারাণস ১৮০০ সা। ৫ আ। ১৪ ধা। ১ প্র। मृद्ध रम्^{मा} ३४०७ मा। २४ छा। ७२ ४। । २ <u>थ</u>।

১১। কেহ উপরের লিথিত দর্থান্ত আদৌ জ্ঞসাহেবের স্থানে দিতে চাহিলে তাহা শীখু দাঝিল হওয়া উচিতের কারণ আদালতের র হানে আদৌ দর বৈঠক থাকিতে কিয়া নাঁ থাকিতেও আপনি কিয়া আপনার নির্দিষ্ট খাস্ক দিলে ডাঁহার কর্মকর্ত্তা আদালতের চিহ্নিড উকীল হউক কি না হউক ভাহার ^{দিগের কর্তবোর ক} দার। দিতে পারে ভাছাতে জজসাহেবের কর্ত্তব্য যে সে বাকীদার কিয়া মালজামিন তাঁহার আদালতের দীমানার মধ্যে থাকিলে ডৎ ক্ষণাৎ এক দম্ভক তাহাকে ধরিবার ও ধরা পড়িয়া যে বাকী না দিলে তাহাকে আপন স্থানে পঁত্ছাইবার নিদর্শনে লিথিয়া পাচাইবেন। তাছাতে যদি সেই বাকীর দায়ী সে দস্তক দেথিয়া তৎক্ষণাৎ কিয়া মতের কথা।

জজসাহেবদিগে

मस्क ठालात्व

হিসাব নিষ্পত্তির কারণ ধার্য্য পাওয়া ৬০ দণ্ডের মধ্যে সেই তলবী বাকীর হিসাব নিম্পত্তি না করে তবে সেই দম্ভকবছনিয়ার উচিত যে সেই দম্ভকের লিখিত ছকুমমতে কার্য্য করে অর্থাৎ সেই আদা মীকে ধরিয়া আদালতে পঁইছোয় । কিন্তু যদি সে আসামী তথায় থাকিয়া দে হিসাব নিষ্পত্তি করিবার কারণ ঐ নিরপিতের অধিক किछू कान भिराद्यात नतथास निथिया दिस ও कतियानी जाहारज সমতি হইয়া সে দর্থাস্তের কপালে কিছা পৃষ্ঠে আপন মঞ্রীর দস্ত **এৎ করে তবে দম্ভকবহনিয়া তদনুসারে বিলম্ব করিতে পারিবেক।**

দম্বক জারী মৌ ও ফরিয়াদী যদি এমত দম্তক জারী মৌকুফ করাইতে চাহে তবে রা কৃফ হইবার সময়ে জীনামার অনুসারে দরথাস্ত লিথিয়া দিলে তদ্দ্টে সে দস্তক জারী ও মৌকুফ হইতে পারিবেক ও পলায়নোমুথ আসামীর তলবী দম্তক ছাড়া এ মতের কোন দস্তক বহিবার অর্থে দুই জনের অধিক পেয়াদা

র কথা।

দস্তকের পেয়াদা কথন হইবেক না। এব° এমত দস্তক বর্থাস্তের পর দস্তক্বহ্নিয়া যত জনহটতে পা তলবানা রোজ ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ১৪ আইনের ৩ ধারাক্রমে রিবেক তাহার ক দিনপ্রতি দুই আনার হারে ও স্থানবিশেষে ইহারো কম দে স্থানের माँज़ामृत्हें शाहरा इहेरल शाहरेतक।—5933 मा। 9 खा। se তলবানার হারে পা। ৩ প্র।

বারাণস ১৮০০ সা। ৫ আ। ১১ ধা। ৩ প্র। मह तम ১৮·৩ मा। २৮ छा। ७२ था। ७ <u>थ</u>ा।

মজ্রপ্রভৃতি ও দেওয়ানী ও ফৌজ

কোয়ানির বাণিজ্যের কুচীর রেসিডেণ্টসাহেবের অধীন চুক্তিকারক অনাথ কর্মকর্তা এতদেশীয় মজুরইত্যাদি অনাথ লোক এবং তাঁতিরা ও লোকের উপর অ বণিকেরা কর্মকারিরা ও যেং লোক কোম্লানি বাহাদুরের বাণিজ্য কারি সাহেবেরদের স্থানে দুবা দাথিল করিতে একরার লিথিয়া দি দারী আদালতের য়াছে তাহারা এং আদালতের এলাকার মধ্যে বাসকারি এদেশীয় পরওয়ানা ইজ্যাদি অন্য লোক এব ে সরকারের কার্য্যকারক সাহেবদিগের অধীন থাকা জারী হইবার ক এতদেশীয় অনাং লোকের মত দেওয়ানী ও ফৌজদারী আদালতের দাহেবেরদের ও দেশের দরকারী কর্মকারক অনাথ দাহেবেরদের অধীন থাকিবে এব°৲ এই প্রকরণদ্বারা তাহারদের এই প্রকার অধী নহওয়া জানান যায় এব ে তাহারদের উপর আদালতের পরওয়া নাইত্যাদি জারীকরণের প্রকারের কিছু বিশেষ হইবেক না ইতি।— ১৮২১ সা। ১ আ। ৩ ধা। ২ প্র।

মালগুজারীর বা

১৩। ইঙ্গরেজী ১৭৯৯ সালের ৭ আইনের ১৫ ধারাতে ও কীদারকে গ্রেফ্টার ১৮০০ দালের ৫ আইনের ১৪ ধারাতে ও ১৮০৩ দালের ২৮ আ করিবার অথে যে ইনের ৩২ ধারাতে এমত ত্রুম নির্দিষ্ট হইয়াছে যেযদি কোন কট্ জিলা কি শহরে বা
কনিদার কি যোতদার কিছা মালুগুজারীকরণিয়া অনা ব্যক্তি বাকী সেই জিলা কি শহ দার হয় ও দেইছেতুক তাহার কি তাহার মালজামিনের নামে তা রের জজসাহেবের হারদিগকে গ্রেফ্টার করিবার নিমিত্তে দর্থান্ত দরপেশ হয় তবে বা নিকটে দর্থান্ত দর কীদার কি তাহার মালজামিন ঐ দর্থান্ত দিবার সময়ে যে জিলা পেশ হইলে জন্সা কি শহরের অধিকারের ভূমির মালওকারীর বাকীর দাওরা হয়

সেই জিলা কি শহরের অপিকারে বাস করিতে থাকিলে ও ভূমি দুই হেবের তৎক্ষণাৎ অধিকারে থাকিলে যে অধিকারে তাহার অধিক ভূমি থাকে সেই তাহার নামে দফ্ অধিকারে রহিয়া থাকিলে ভাহারদিগ্রে গ্রেফ্টার করিবার কারণ জারী করিতে হ দন্তক জারী হইতে পারে কেননা যে ভূমির মালগুজারীর বাকীর দা বার কথা। ওয়া হয় সে ভূমি যে অধিকারে থাকে সে অধিকারভিন্ন অন্য অধি কারে উপরের উক্ত আইনের লিথিত সরাসরী তজবীজ সুন্দররূপে **इहेर्डि शार्त्र ना किन्छ वाकोमात प्रामध**कातीकत्र निशामिर्रादे ७ ठा হারদিগের মালজামিনদিগের উপর সর্ব্বপ্রকারে দম্ভক জারী হইতে পারে এ নিমিত্তে যদ্যপি তাহারা যে ভূমির মালগুজারীর বাকীর দা ওয়া হয় সে ভূমি যে জিলা কি শহরের অধিকারে থাকে সে জিলা কি শহরের অধিকারেতে বাস না করিতে থাকে কি ভাছার্দিগকে না পাওক্লা যায় তথাপি তাহারদিগকে গ্রেফ্লার করিবার কারণ অন্য *ত্*কুম **স্থিনিটি**করা আবশ্যক হইল একারণ এই ধারানুসারে এমত হুকুম নির্দ্ধিট হইল যে যে কোন মফঃদলী তালুকদার কি কট্কিনা দার কিম্বা যোতদার অথবা অন্য মালগুজারীকরণিয়ার কি তাহারদি গের মালজামিনের স্থানে মালগুজারীর বাকী পাওনা থাকে দে যদি তাহা তলবের সময়ে না দিয়া যে ভূমির বাবৎ এমত বাকীর দাওয়া হয় সে ভূমি যে অধিকারে থাকে সৈ অধিকার্ডিন্ন অন্য জিলা কি শহরের অধিকারে বাস করিতে থাকে তবে ঐ বাকী যে জমীদার কি ভূমির অন্য অধিকারী কিয়া ইজ্ঞারদারের পাওনা হয় তাহার কিয়া। তাহারদিগের মোধারকারের ক্ষমতা আছে যে এক আর্জীতে নী চের নিরূপিত তফদীল ও বাকীদার কি ভাহার মালজামিনকে গ্রে ফ্রারকরণের প্রার্থনা লিথিয়া বাকীদার কি তাহার মালজামিন যে জিলা কি শহরের অধিকারে থাকে কিম্বা পাওয়া যায় সেই জিলা কি শহরের জজসাহেবের নিকটে দেয় ও সেই জজসাহেবের উচিত যে এমত আর্জী দাথিল হইলে পর তৎক্ষণাৎ বাকীদার কি তাহার মালজামিনকে গ্রেম্ভার করিবার কারণ ইঙ্গরেজী ১৭৯১ সালের ৭ আইনের ১৬ ধারার ও ১৮০০ সালের ৫ আইনের ১৪ ধারার ৩ প্রকরণের ও ১৮০৩ সালের ২৮ আইনের ৩২ ধারার বয়ান করিয়া লেথা দম্ভক জারী করিবার হুকুম দেন ইতি।—১৮১৭ সা। ১১ আ १० सा। १ दा।

১৪। যদি কোন ব্যক্তি উপরের প্রকরণের মতে কিম্বা উপরের প্র স্তাবিত আইনের লিখনমতে কোন বাকীদার মালগুজারীকরণিয়া কি জীর মজমূনের ক তাহার মালজামিনকে গ্রেম্ভার করিবার প্রার্থনা লিথিয়া কোন আর জী কোন আদালতে দিতে চাহে তবে তাহার উচিত যে বাকীদারের ও তাহার মালজামিনের নাম ও নিবাস ও যে মহালের বাবৎ মাল গুজারীর বাকীর দাওয়া হয় সে মহালের নাম ও তাহার অতিরিক্ত দেই মহালের দালিয়ানা জমার ও বৎদরের নিরূপিত দময়শিরে এতাবতা কিস্তি২ যত২ টাকা দিতে হয় তাহার সৎখ্যা ও যোতদার কি মালগুজারীকর্ণিয়ার কিয়া তাহার মালজামিনের স্থানে যত

নালিসের আর

টাকা উসুল হইয়া থাকে ভাহার সংখ্যা ও যে বাকী আদায়ের কা রণ গ্রেম্বারীর আরজী দিতে চাছে তাছার সংখ্যা ও দাওয়া করা বাকী টাকা বাকীদারের স্থানে তলব হইয়াছিল কি না ও যদি তলব ছইয়া থাকে তবে তাহাতে দে কি করিলেক তাহার কথা আরজীতে निथिय़ा (मर् ইভি।—১৮১৭ मा। ১১ আ। ১৫ ধা। **২ প্র**।

নাকীদার গ্রেফ্রা माग्न ना कतिरल कि যে ভাহাকে গ্ৰেফ্ৰা র করাইয়া থাকে কথা।

ওয়ার ভূমি থাকে সেই জিলার জন্স হেবের হজুর হাজি

राकीमारवद म হিত মোকদমার কা থা।

जामिनी ना मिवाब

১৫। যদি বাকীদার কি ভাছার মালজামিনকে এই ধারার ১ প্রথম র হইয়া বাকী আ প্রকরণের মতে তাহারদিণের গ্রেম্ভারীর দম্ভক জারী হইলে পরে যে জজদাহেবের আদালতহইতে দন্তক জারী হইয়া থাকে তাঁহার অধিকারেতে পাওয়া যায় ও দে গ্রেফ্টার হইয়া তলবী বাকী টাকা ভাহার সহিত রফা না দেয় কি যে ব্যক্তি ভাহাকে গ্রেফ্টার করাইয়া থাকে ভাহার সহিত না করিলে জজদা তলবী টাকার রফা না করে ও তাহাতে উপরের লিথিত আইনের হেবের যাহা করি লিখনমতে তাহাকে দেখানকার দেওয়ানী আদালতে হাজির করা তে হইবেক তাহার যায় তবে ঐ আদালতের জজলাহেবের উচিত যে বাকীদার কি তা হার মালজামিনের স্থানে যে ভূমির বাবৎ বাকীর দাওয়া হয় দে ভূমি যে জিলা কি শহরের অধিকারে থাকে দে জিলা কি শহরের বাকীদার যে জি আদালতে তাহাকে না পাচান যাওনের হেতু ও দেই ভূমি দুই জিলা লার অধিকারে দা কি শহরের অধিকারে থাকিলে যে অধিকারে দেই ভূমির অনেকং ভূমি থাকে দে অধিকারে তাছাকে না পাঠান যাওনের কারণ জিজ্ঞা দী করেন্ তাহাতে যদি ঐ বাকীদার কি তাহার মালজামিন তাহার র হইবার জামিনী মাতবর হেতু না জানায় কি যে অধিকারে দাওয়ার ভূমি থাকে দেই না দিলে জজনাতে অধিকারেতে নিরূপিত মিয়াদের মধ্যে হাজিরহওনের নিমিত্তে মাত বের যাহা করিতে বর জামিন না দেয় তবে সেই বাকীদার কি তাহার মালজামিনকে হইবেক তাহার ক মজকুরী পেয়াদা মহদিল দিয়া যে জিলা কি শহরের অধিকারে ঐ ভূমি থাকে দেই জিলা কি শহরের জজদাহেবের হজুরে পাচান যা ইবৈক ও ঐ পেয়াদা লোকের ডলবানা বাকী তলবকরণিয়া স্থানছই গল পাচাইবার ক তে দেওয়ান যাইবেক ও এমতং প্রকারেতে মোকদ্মার কৈফিয়্ৎ গ্রেফ্টারীর কথা লেখা আদল আরজী ও ঐ মোকদমার মোতালক সমন্ত কাগজ সহিত যে জজসাহেবের নিকট গ্রেফ্টারহওয়া ব্যক্তি বাকীদার কি ভা কে পাঠান যায় তাঁহাকে জ্ঞাভ করণার্থে পাঠান যাইবেক ও যে ব্যক্তি গ্রেফ্টার হইয়া আদিয়া থাকে দে যদি আপনাকে যে জিলা মাতবর কোন হেড় কি শহরের অধিকারে যে ভূমির মালগুজারীর বাকীর দাওয়া হয় কহিলে তাহার গ্রে সেই ভূমি থাকে সেইজিলা কি সহরের জজসাহেবের নিকটে না পা ফ্রারীর আরজী আ চান যাওনের হেতু জানায় কিয়া ঐ জজসাহেবের নিকট আপনি ন্য কাগজের সহিত হাজির হইবার নিমিত্তে মঞ্রহওনের যোগ্য মাতবর জামিনী দিতে জন্ত্রের হল্প পারে তবে কেবল গ্রেফ্টারীর আরজী ও সে মোকদ্মার মোতালক রে পা**ন্ধা** যাইবার সমস্ত কাগজ ঐ জিলা কি শহরের জজনাহৈবের নিকটে পাচান যা ইবেক ইডি।—১৮১৭ সা। ১৯ আ। ১৫ ধা। ৩ প্র।

১৬ যদি কোন বাকীদার কি তাহার মালজামিন উপরের প্রকর র জলসাহেবের বা ণের মতে যে ভূমির বাবৎ মালওজারীর বাকীর দাওয়া হয় দেই

ভূমি যে জি**লা কি শহরের অধিকারে ধাকে সেই জিলা কি শহরে**র কীদার কি ডাহার আদালতে আপনি হাজির হইবার অর্থে জামিনী দিয়া তদনুসারে মালজামিনের প্রতি হাজির হর তবে ঐ আদালতের জজনাহেবের উচিত যে অনাং প্রকা যেমতাচরণ করিতে রেতে এক্ষণকার চলিভ আইনমতে বাকীদার কি ভাছার মালজামিন তাঁহার অধিকারের মধ্যে গ্রেফ্কারহওনমতে তাহার প্রতি যেমত আ চরণ করেন দেইমত আচরণ এমতেও ঐ বাকীদার কি তাহার মাল জামিনের প্রতি করিবেন ইতি।—১৮১৭ সা। ১৯ আ। ১৫ ধা। 8 211

হইবেক ভাহার ক

১৭। ইঙ্গরেজী ১৮১৭ সালের ১১ আইনের ১৫ ধারার হকু মের অতিরিক্ত এই প্রকৃম হইল যে যদি জমীদারের কিয়া তালকদা তাহার বাকীদারে রের কি অন্য যে ব্যক্তি মালগুজারীপাওনের অধিকার রাথে তা হার বাফীদার এক জিলায় বসত করে ও অন্য জিলায় তাহার এলা কা থাকে তবে বাকী তলবকরণিয়া প্রত্যেক ব্যক্তি ঐ দুই জিলার যে জিলায় ইচ্ছা সেই জিলার জজসাহেবের নিকটে সরাসরী নালি শের দর্থাস্ত করিতে পারিবেক ও বাকীদারের এলাকার জিলার জজসাহেবের নিকটে দর্থাস্ত করিলে বাকীদারের নিবাদের জি লার জজসাহেবের নিকটে ডাক মার্ফত দম্ভক পাচাইতে হইবেক যদি তিনি পারেন তবে গ্রেফ্কার করিয়া পেয়াদা দঙ্গে দিয়া এলাকার জজসাহেবের নিকটে পাঠাইয়া দিবেন ও যদি বাকীদার রুপোশ হয় ও তাহাকে ধরা যাইতে না পারে তবে দস্তকের পেয়াদার জো বানবন্দীর্ সঙ্গে নাজিরের রিটর্ণ অর্থাৎ কৈফিয়ৎ উপযুক্ত তদ্বীর ও উপায়করণের কথা দহিত আদালতের দাহেবের ছাঘোধের নিমিত্তে পাঠাইয়া দিবেনু ইতি।—১৮১১ সা। ৮ আ। ১১ ধা।

বাকীপাওনিয়া র নিবাদের জিলা তে কি ভাহার এলা কার জিলাতে সরা मदीएं मदशास क বিতে পারিবার ক

১৮। ইঙ্গরেজী ১৭৯৯ সালের ৭ সপ্তম আইনের ২৫ পঞ্চদশ ধারাতে এবণ ১৮০০ দালের ৫ পঞ্চম আইনের ৪ চতুদিশ ধারাতে ইত্যাদি দালের ক এব০১ ১৮০৩ সালের ১৮ অফ্টাবিণ্শ আইনের ৩২ দ্বাত্তিণ্শ ধা এক আইনের কএ রাতে এমত ছকুম লেখা গিয়াছে যে কোন পার্টাদার প্রজার স্থানে সরকারের প্রকৃত মালগুজারীর বাকী পড়িলে সে পাউাদার প্রজাকে মজমুনের বিস্তারি এবং তাহার মালজামিনকে ধরা যাইবেক ও এমত বাকীর দাওয়ার মোকদ্দমা তথাকার জজসাহেবের নিকট উপদ্বিত হইলে আদালতে দে বাকীর বিষয়ে দরাদরীমতে বিচার করা যাইবের্ক কিন্তু যদি কেহ রীমতে অন্যথ যেথ এ কথার মর্ম ও তাৎপর্য্য বিবেচনা করিয়া বুষে তবে মুষ্ট বুষিতে মোকদমার বিচার পারিবেক যে অল্পু২ দিনের অর্থাৎ এক বৎসরের মধ্যে কিয়া বৎস করণের হুকুম আ রের প্রথমারস্তে যে বাকী পড়ে কেবল এইমন্ত মালগুজারীর বাকীর ছে তদর্থে মিয়াদ বিষয়ে এই ছকুম থাটিবেক। কিন্তু জানা কর্ত্তব্য যে প্রকৃত মালগু নির্ণয় করিবার ক জারীর বাকী পড়নের সময়অবধি তাহার নালিশকরণের সময়পর্য্যন্ত যদি দাদশ মাদহ ইতে অধিক কালাতীত হইয়া থাকে তবে দে বাকীর রণেতে জজনাহেব দাওয়ার মোকদ্মার বিচার ও নিষ্পত্তি সরাসরীমতে ছইবেক না ও কালেক্টর সা अव॰ উপরের লিথনাদুলারে আরং যত মোকল্লমা সরাসরীমতে হেবের্লিগের যা

हेक्टब्रुजी ১৭৯৯ ক ধারার লিখিত ত করিবার এবৎ মা লওজারীর বাকীর মোকদমা ও সরাস

হা কর্ত্তরত তাহার শুনিবার হ্কুম আছে দে দকল মোকদ্দমার আরম্ভঅবধি নালিশকর ণের সময়পর্যান্ত যদি দাদশ মাসহইতে অধিক কালাতীত হইয়া থাকে তবে তাহার বিচার ও নিষ্পত্তি সরাসরীমতে হইবেক না কিন্তু এই হুকুমের দারা জজসাহেব এব॰৲ কালেক্টর সাহেব এব॰৲ রেজি ফ্রিসাহেবদিগের প্রতি বাকীর নিকাশ ও বন্দোবস্তু করিতে বারণ হইবেক না যদি সে বাকী দ্বাদশ মাসহইতে অধিক কালের হয় তখাপি উচিত যে তাহার বন্দোবস্ত ও নিকাশ করেন্ এব^ যে সময়ে ভাল বৃকেন্ অবশ্য এমত বাকীর নিকাশ ও বন্দোবস্ত করিবেন ইতি -- ১৮०৫ मा। २ जा। ३ था। ३ था।

उत्रहा ३१२२ কুম মতে জুমাধিকা থাকিবার কথা।

১১। জানা কর্ত্তন্য যে যদি ভূম্যধিকারিগণ কিম্বা ইজারদারেরা ^{ইতাদি} কএক সা কাহার নামে এমত নালিশ করে যে অমুক আমার তরফ কম্মকর্তা লের কএক আইনে কিস্থা আমার জমীদারীর সরবরাহকারী করিত অথবা এপ্রকার চা কর হইয়া আমার এত টাকা লইয়া চাকরী ত্যাগ করিয়াছে এক্লণে রিগণ আপন কর্ম দেয় না কিয়া হিসাবকিতাব বুকাইয়া দিতে চাহে না অথবা আপন কর্ত্রাদি লোকের মা ভারের কর্ম্মকার্য্য করিতে ডাচ্চ্ল্য ও অসম্বভাচরণ করে আর এই মে তহরীল তসরুফ মোকদ্দমার বিচার সরাসরীমতে হওনের দর্থান্ত করে এবং ঐ কর্ম্ম ইত্যাদি বিষয়ে না কর্ত্তাকে কয়েদ করাইতে চাহে তবে এমতে ইঙ্গরেজী ১৭৯৯ সালের লিশ করিলে সে ৭ সপ্তম আইনের ২০ বি৽৲শ ধারাতে এব৽৲ ১৮০০ সালের ৫ মোকদ্মার বিচার পঞ্চম আইনের ১৯ উনবিৎশে ধারাতে এবং ১৮০৩ দালের ২৮ সরাসরীমতে হট অফ্টাবিৎশ আইনের ৩৮ অফটিতিৎশ পারাতে এমত মোক্দ্মার বার ও উপরের লি বিচার সরাসরীমতে করণের হুকুম লেথা গিয়াছে কিন্ত উপরের থিত দাদশ মাসের ভিত্তিক ভাতত গোসের ঘিষাদ আর্থাৎ নিরূপিত কাল এমত মোকদ মিয়াদ এক্ষণে তা লিথিত দ্বাদশ মাদের মিয়াদ অর্থাৎ নিরূপিত কাল এমত মোকদ হার প্রতি নিয়ম মার বিষয়ে নিয়ম থাকিবেক ইতি।—১৮০৫ সা। ২ আ। ১ পা। र थ।

কালেক্টর সাহে উপস্থিত হটলে গত বৎসরে যে মালগু ণ্ডি করিবার এবৎ কোন এক্রার্নামা না থাকিলে বেশীর উপর দাওয়া না মঞ্জ করিবার ক

২০। সরাসরী মোকদ্দমার বিষয়ি চলিত হুকুম শুপরিবাতে এই বের ফমুতা এইপ ত্কুম হইল যে দ্রাদ্রীমতে কালেক্টর দাহেবেরা মোকদ্মার র্যান্ত খাটিবে যে মা নিষ্পত্তি করিতে যে সকল ক্ষমতা পাইয়াছেন **ঐ স্**কল ক্ষমতা এই পগ্যন্ত সমুর্ক রাখিবেক যে মালগুজারীর দাওয়া উপস্থিত হইলে গত বৎসর সকলে যে মালগুজারী দিয়া থাকে তাহার নিরিথমত ঐ জারী দিয়া থাকে দাওয়ার নিষ্পত্তি করিবেন কিন্তু বেশীর নিমিত্তে লেখা কোন প্রকৃত তাহার নিরিখমতে একরারের দ্বারা তাহা প্রমাণ না হইলে ঐ বেশীর উপর কোন দা ঐ দাওয়ার নিক্ষ ওয়া গ্রাহ্য করিবেন না ইতি।—১৮৩১ দা। ৮ আ। ১০ ধা।

২১। জাবেতামতে দস্তকজারীহওনের পর যদি নাজিরের রিট আসামী হাজির না হউলে দ্রাদ্রী রণ অর্থাৎ কৈফিয়ৎ তলাশ করিয়া আদামী না পাওয়া যাওনের

কথাসম্বলিত দাথিল হয় তবে দর্থান্তদেওনিয়ার ক্ষমতা আছে যে তে ডিক্রী ছইডে পা দিরিশতার উকীলের কি আপন মোধ্যারের মারফতে মোকদ্মার রিবার কথা। তজবীজ একমাদপর্যান্ত এই আশয়ে মৌকৃফথাকনের দর্থান্ত দা থিল করে যে যদি ইহার মধ্যে পারে তবে দম্তক জারী করাইয়া আদামা গ্রেম্কার করায় ও দেই মাদের শেষে হাজির না হওনমতে ইশ্তিহার দেওয়ায় ও ইশ্তিহারের মিয়াদ অতীত হইলে মোকদ মার তজবীজ করায় অথবা মৌকুফ না করাইয়া ১৫ পনের রোজ মি য়াদে এই মজমূনে ইশ্তিহার লট্কাইয়া দেওয়ায় যে ইশ্তিহারের মিয়াদ গত হইলৈ আদামী হাজির হয় বা না হয় মোকদ্দমা দ্রাদ্রী মতে নিষ্পত্তি হইবেক ও হাজির না হওনমতে ফরিয়াদীর দস্তাবেজ দেখিয়া একতর্ফী তজরীজ করা যাইবেক ইতি।—১৮১১ সা।৮ আ। ১৮ ধা। ৩ প্র।

৪ ধারা।

নিমকপোথানীরদের নামে নালিশ হইলে যাহা হইবে তাহা।

২২। মালগুজারীর বাকীদার প্রজাগণকে ও তাহার্দিগের মাল জামিনদিগকে ধরিবার ও কয়েদ করিবার নিদর্শনী ইঙ্গরেজী ১৭১১ লের ৭ আইনের সালের ৭ সপ্তম আইনের ১৫ পঞ্চদশ পারার ১।২।৩।৪।৫। ১৫ ধারার নির্দ্ଧী ৬। প্রকরণের নির্দ্ধারিত স[্]ক্লেপে বিচার কর্তুব্যের হুকুম নিমকপো রিত স[্]ক্লেপে বি ধানীর এলাকাদার প্রজাবর্গের উপর ইস্বরেজী ১৭১৩ সালের ২১ চার কর্ছব্যের ভুকু আইনের ১৮ ধারার নিরুপিত পোধানীর কাল কাত্তিক মাদ প্রবৃত্ত হইতে আষাঢ় মাদপর্যান্ত থাটিবেক না এইহেতুক যে তাহারদিগের উপর পোগ্রানীর মালওজারী এত ভারী হইবেক না যে তাহা ১৭৯৩ সালের ১৭ আ কালে না আটিবার हेरात् अव॰ ১१৯৫ मारलव ७८ आहेरात् ७ ১१৯৯ मारलव १ আইনের অনুসারে তাহারদিগের ভূমির শদ্য ও অস্থাবর বস্তু সময় শিরে ক্রোক্ করিবাতে উসুল না হহতে পারে। কিন্তু যদি নিমকপো ধানীর এলাকাদার কোন প্রজার শিরের মালগুজারার বাকা তাহার ভূমির শস্যাদি অস্থাবর বস্তু ক্রোক্ করিবাতে এব ে মালজামিন দিয়া থাকিলে সেই মালজামিনহইতেও আদায় না হয় তবে সেই বাকী পাইবার স্বস্তবান ভূম্যধিকারী কিম্বা ইজারদার অথবা তাহার দিগের নিযুক্তকরা গোমীস্তারা ইঙ্গরেজা ১৭১৩ সালের ২১ আই নের ১৯ ধারায় যেমত লেখা আছে তদনুসারে কাথ্য করিতে সাধ্য র।থিবেক। জানিবেন যে সেই আইনের ঐ ১১ ধারার এবং ২০ ধারার তথা ২১ ধারার সকল হকুম তাহা ইঙ্গরেজী ১৭৯৯ সালের মকপোখানীর ৭ সপ্তম আইনের কিয়া এ আইন জারীর তারিথের পূর্বের জারীহও লাকাদারদিণের না য়া অন্য কোন আইনের অনুসারে রদ হইয়া থাকে কি না থাকে ত মে পোখানীর কা থাচ সাব্যস্ত ওবলবৎ রাথা গেল ইতি।—১৮০১ সা। ১ আ। ১ ধা।

[১৭৯৩ সালের ২৯ আইন ১৮১৯ সালের ১০ আইনের দারা রদ হই য়াছে এবং বোধ হয় যে নীচে লিখিতব্য বিধান ১৭৯৩ সালের ২৯ আই বার কথা। নের ১৯।২০।২১ প্রকণের পরিবর্ষে নির্দ্ধারিত হইল।]

ম নিমকপোখানীর এলাকাদার দিগের

বাকীর দায়ী নি লে ই৭ ১৭৯৩ সা লের ২৯ আইনের ১৯ ধারাক্রমে না লিশ হইতে পারি

নিমকপোগ্রানীর এলাকাদার দিগের স্থানে মালগুলারী র বাকী উসুল করি বার দাঁড়া নির্দিষ্টে র কথা।

২৩। নিমকপোঝানীর কাঠ্য আটক না হইবার এব॰৲ নিমকপো প্রানীর এলাকাদারেরা যে সকল ভুম্যাদির মালগুজারীর এলাকা রা থে তাছার সরবরাছ দিতে কসুর না করিতে পারিবার নিমিত্তে না চের হুকুম নির্দিষ্ট হইল ইতি।—১৮১৯ সা। ১০ আ।২০ ধা। ১পু।

২৪। যে সকল লোক নিমকপোগ্রানীর করারদাদ করিয়া ও

কি তহদীলদারের কাছারীতে কোন প্রকারে তলব করা যাইবেক না

যদি ঐ ভূমাধিকারিপ্রভৃতির কেহ নিমকের এলাকাদার কাহারু উ

নিমকপোখানীর স্ময়ের মুধ্যে নিম তাহা তৈয়ার করিতে থাকে তাহারদিগের ইস্তক কার্ত্তিক লাগাইৎ কী আসামীর তলব আথোরী আষাঢ় কোন ভূম্যধিকারী কি ইজারদার কি সরবরাহকার র কাছারীতে না হ ইবার কথা।

দ্রব্যাদি ক্রোক পর ঐ সময়ের বাবৎ কিছু মালগুজারীর দাওয়া রাথে ও ঐ সময়ের কিখা আদালতে না মপ্যেই তাহা উদুল করিতে চাহে তবে দে কারণে চলিত আইনের লিশ অথবা এজেন্ট মতে তাহার দুবাদি ক্রোক্ করে অথবা দেই বাকীদারের নামে তা সাহেবের নিকটে হার দাওয়ায় দেওয়ানী আদালতে নালিশ করে কিয়া সেই বাকীর দ্রখান্তক্রমে বাকী দাওয়ার ফর্দ নিমকপোধানীর এজেণ্টসাহেবের নিকটে দাথিল করে W11

যে তদনুসারে সেই নিমকপোধানীর এজেণ্টসাহেব উচিত বুকিলে দেই বাকী টাকা দে বাকীদারের স্থানহইতে দেওয়ান্ অথবা আপনি দিয়া তাহার পাওনা আগামি কিন্তীর দাদনীর টাকাহইতে মালগু জারীর বাকী আদায় করেন এই হে তুক যে সেই লটখটিতে নিমকপো ধানীর কার্য্যের ভণ্ডুল না হয় ইহাতে যদি সেই ফরিয়াদী আদৌ নি মকপোঞ্জানীর এজেণ্টসাহেবের নিকটে নালিশ করিলে সে সাহেব डाहारड मरनारयां ना करत्न उरत माउग्रामात रम कात्रण साहे वा কীদারের দুব্যাদি ক্রোক্ করিবেক কিয়া দেওয়ানী আদালতে নালিশ कतिरवक। यिनि मुत्रानि काक् करत उरत मारे वाकीमारतत स्रास्त मत কারের যে নিমক ও নিমকের দাদনীর টাকা ও নিমকপোথানীর দর জ্ঞাম থাকে তাহা বাদে ক্রোক্ করিবেক ও ঐ নিমক ওদুব্য সকল বা কী টাকা আদায়ের নিমিত্তে বাকীপাওনিয়ার তরফহইতে কি আদাল তের হুকুমেতে কোন প্রকারে ক্রোক্ ও বিক্রয় কি আর কিছু হই তে পারিবেক না ইতি।--১৮১১ मा। ১০ আ। ২০ ধা। ২ প্র।

বাকীর কারণ স রকারী নিমক ও দা मनीत छोका ও नि মকপোখানীর সর শ্বীম কোক না হই বার কথা।

নিমক মহালেব এলাকাদারের না মে কেহ নালিশ ক রিতে লাগিলে তা হার নালিশী আর

২৫। নিমক্পোঞ্জানীর এজেণ্টদাহেবের তাবের কোন আমলার নামে কিয়া নিমকী কার্য্যের করারদাদ করিয়া তাহাতে নিবিষ্টথাকা অন্য কোনু লোকের নামে কেহ কোন মোকদমায় দেওয়ানী আদা লতে নালিশ করিতে লাগিলে তাহার নালিশী আরজীতে দেই আ জীতে দেই আসামী সামী নিমকী যে কার্যোর এলাকাদার হয় তাহার প্রস্তাব লিখিবেক নিমকী যে কার্য্যের যদি এমত আদামীর নামে শ্রাবণ কি ভাদু কি আখিন মাদে আদাল এলাকাদার হয় ডা তহইতে তলবচিচীহয় তবে তাহা অন্য এলাকার লোকদিণের উপর হার জিগির লিখি যে প্রকারে হয় সেই প্রকারেই হইবেক এব ে যদি এমত আদাম র নামে ইন্তক কার্ত্তিক লাগাইৎ আথেরী আষাঢ়ের মধ্যে ঐ তলবচিঠী হয় তবে তাহা ফরিয়াদীর আরজীর নকলসমেত এক থামেতে মড়ি

য়ু জজদাহেব কিম্বা রেজিফীরদাহেবপ্রভৃতি তাহার উপর আপন কার্য্যের নিদর্শনে দস্তথৎ করিয়া নিমকপোথানীর এজেণ্টসাহেবের সে নিম্কী এলাকা নামে শির্নামা দিয়া তাঁছার নিকটে পাচাইবেন। ও যে জামিনী র আসামীর নামে তলৰ আদামীর স্থানে করা ও লওয়া আবশ্যক বোধ হয় তাহাতে নিমকপোথানীর এজেণ্টসাছেবের ক্ষমতা থাকিবেক যে আপনি তা হার জামিনী লিথিয়া দেন কিয়া আপন কোন আমলা কি অন্য যা হাকে উপযুক্ত জানেন্ তাহাকে দিয়া লেথাইয়া দেওয়ান্ কিয়া ঐ যাচপ্ৰ্যুম্ব নিম্কী আসামীকে নিজে কোন জামিন ঠাহরিয়া দিতে হুকুম দেন ও যদি আ এলাকার আসামী সামীর নিজে জামিন দিতে হয় তবে তাহাতে কাহ্যক্রমে ঐ তলবচিঠী র নামে এজেউসা আদালতের কোন পেয়াদার হাওয়ালে হইয়া থাকিলে দে যদি জা হেবের মারফতে ত মিনের মাতবরীতে সন্দেহ করে ও নিমক পোঝানীর এজেণ্টসাছের লবচিচী জারী হট সে জামিনকে মাতবর কছেন্ তবে ঐ পেয়াদা সেই জামিন লইবেক। বার কথা। যদি জামিনী তলবহওনমতে ঐ সাহেব সে আসামীর জামিন আপন আমলাদিগের কাহাকেও অথবা অন্য কোন লোককে দেওয়ান উচিত না জানেন ও দে আসামী আপনিও এমত জামিন দিতে না পারে যে তাহাকে নিমকপোথানীর এজেণ্টদাহেবের মাতবর জ্ঞান রাইতে পারিবার হয় তবে নিমকপোঝানীর এজেণ্টসাহেব সেই আসামীকে আদাল তের পেয়াদার সহিত সেই আদালতে পাচাইবেন কিয়া যদি ঐ তলবচিঠী আদালতের পেয়াদার হাওয়ালে না হইয়া আদিয়া থাকে তবে নিমকপোথানীর এজেটদাহেব দে আদামীকে আপন লোকের সহিত আদালতে পাচাইবেন ইতি।—১৮১১ সা। ১০ আ। ২১ ধা। ১প্র।

২৬। উপরের প্রকরণক্রমে নিমকের এলাকার আসামীর জামিনী লিথিয়া দিতে নিমকপোঞ্জানীর এজেণ্টদাহেব আপন আদিষ্টাণ্টদা হেব প্রীযুত কোম্লানি বাহাদুরের দরকারের চিহ্নিত চাকর হন কি তন্তিন্ন হন তাঁহার কিয়াঁ কোন দেওয়ানী আদালতের চিহ্নিত কোন উকীলের অথবা অন্য যাহাকে উপযুক্ত জানেন তাহার প্রতি ভার দিতে পারিবেন আর ঐ নিমকপোগ্রানীর এজেণ্টদাহেবের কর্ত্তব্য যে যে সকল লোকের প্রতি এমত জামিনী লিথিয়া দিবার ভার দেন্ তাঁ হারদিগের নামনবিদীর ফর্দ তাঁহারদিগের প্রত্যেকের থাকিবার স্থান থা নির্দিষ্টে লিথিয়া দেওয়ানী আদালতের জজসাহেবের নিকটে পা ঠান্ তদনুসারে জজসাহেব কোন আসামী তলব করিতে হইলে যদি আপন থাকিবার স্থানহইতে তাহার চিকানা দর হওনহেতৃক কিয়া

আবণাদি তিন্যা যেমতে তলবচিঠী জারী হইবেক তা হাব কথা।

কাৰ্ত্তিকাদি আ

আসামীর জামি ন এজেন্টসাহেব আ পনি হইতে কিয়া অন্য লোককে দেও

ষে২ গতিকে আ দালতের পেয়াদার সঙ্গে আসামীকে যাইতে হইবে তা হার কথা।

নিমকপোগানীর এজেন্টসাহে বেরাউ পরের প্রকরণের লিখনক্রমে নিমকী এলাকানার লোক मिरशत जाभिनी नि থিয়া দিতে আসি ফান্টসাহেব আদি বে ভার দিতে পা রিবার কথা।

জামিনী লিখিয়া দিতে ভার হয় যা হারদিগের তাঁহার দিগের থাকিবার স্থান নির্দিষ্টে নাম নবিসীর ফর্দ জজ সাহেবদিগের নিক টে পাঠাইবার ক

জজসাহেবেরা ভ লবচিষ্ঠী এজেন্টসা रहरमिरशंत निकरण না পাচাইয়া ঐ আ কারণান্তরে বিহিত ব্যেন্ তবে নিমকপোধানীর এজেণ্টদাহেবের নিকাঐনাহেবপ্রস্থ নিকটে তলব চিচী না পাচাইয়া এই ধারার ১ প্রথম প্রকরণের লি ভির নিকটে পাঠা খানক্রমে জামিনী লিখিয়া দিতে ভার থাকে ঘাঁছারদিগের প্রভি তাঁ ইবার ক্ষমতা রাখি ছার্দিগের কাছারু নিকটে পাচাইতে পারিবেন ও এমত হইলে সেই বাৰ কথা। वाक्तित कर्त्वा य मिरे जनविष्ठी निमक्तिशाक्षानी अर्जिनाहरवत নিকটে গেলে তাঁহার যে দাঁড়ামতাচরণ করিতে হইত সেই মতাচ রণ করেন ইতি।--১৮১৯ সা। ১০ আ। ২১ ধা। ২ প্র।

নিমকী এলাকাব দে নালিশী আর লীতে সে আসামী নিমকী এলাকাদার হওনের প্রস্তাব না থাকাতে অনা আ 1 19

২৭। যদি নিমকপোধানীর এজেণ্টসাহেবের তাবের কোন আ কোন আসামীর না মলা কিয়া মলঙ্গীওগায়রহ করারদাদের আসামীর নামে কেহ কোন य नानिन रहेल विषय (एथ्यानी जानानर नानिन कविया मह नानिनी जावजीर দে আসামীর নিমক মহালের এলাকাদারীর জিগির না লিথিয়া থাকে ও তাহাতে ইম্বক ১ কার্ত্তিক লাগাইৎ আথেরী আঘাঢ় এই কালের মধ্যে অন্য এলাকার লোকের তলবমতে দে আদামীর নামে তলবচিঠা হইয়া দেওয়ানা আদালতের পেয়াদার হাওয়ালে হয় ও দামীর মতে তাহার যে পেয়াদার হাওয়ালে দেই তলবচিঠী হয় দে যদি নিমকপোথা তলব্চিট্টী হইলে নীর এজেণ্ট্সাহেব কিয়া ওাঁহার তাবের কোন আমলা অথবা সেই তাহা যেমতে জারী আসামীর কথাক্রমে সে আসামীকে নিমক মহালের এলাকাদার জানে হইবেক ভাহার ক তবে সে পেয়াদা দেই আসামীর চিকানার নিকটে নিমক মহালের মোতালক য়ে আসিষ্টাণ্টসাহেব আদির প্রতি জামিন হইবার ভার থাকে তাঁহার অথবা আড়ঙ্কের প্রধান আমলার নিকটে গিয়া দেই তলবচিচী দিবেক তদনুসারে সে বিষয়ে এই ধারার প্রথম প্রকরণ ক্রমে নিমক পোঞ্জানীর এজেট্সাহেবের যে মতাচরণ কর্ত্তব্য হইত সেইমতাচবণ ঐ আসিষ্টাণ্টসাহেব কিয়া প্রধান আমলাদির কর্ত্ব্য হইবেক যদি আদালতের সেই পেয়াদা কেবল সেই আসামীর মুথে দে আসামী নিমক মহালৈর এলাকাদার শুনিয়া দে কথায় সন্দেহ রাথে কিয়া সম্পেহ না রাথিয়া এমত ভাবে যে সে আসামী তাহার চিকানার নিকটের যে আসিষ্টাণ্টসাহেব আদির প্রতি জামিন হইবার ভার থাকে তাঁহার কি আত্মঙ্গর প্রধান আমলার নিকটে তলবচিচী লইয়া আমার যাওনের মধ্যেতে পলাইবেক তবে এ দুই মতেই দে পেয়াদা দেই আসামীসুদ্ধা তলবচিঠী লইয়া তাহার ঠিকানার নিক টের নিমকী এলাকার ঐ আসিষ্টাণ্টসাহেবআদির নিকটে যাইবেক এবং যাবং ঐ আসামীর জামিদী লেখা না-হ'র তাবং তাহাকে ছা ডিবেক না ইতি।—১৮১১ সা। ১০ আ। ২১ ধা। ঠ প্র।

এই ধারানুসারে नर्वाष्ठिरी अम्बद्धक जा রী ছইবার বেওরা किंकिश॰ मिडे हि

২৮। এই ধারার উপরের প্রকরণের মতানুসারে নিমকী কোন নিমকী এলাকার আসামীর উপর যে তলবচিচী ও দম্ভক নিমকপোগ্রানীর এজেণ্টসা আসামীর উপর ড হেব অথবা তাঁহার তাবের আসিফাণ্টসাহেব কিয়া প্রধান যে আম লার মারকতে জারী হয় দেই নিমকপোঞ্জানীর এজেটনাহেব কিয়া আদিষ্টাণ্টদাহেৰ অথবা প্রধান আমলা দেই চিচীর পৃষ্ঠে যেমতে ঠীদিগরের পৃষ্টে এ তাহা জারী হয় ও যে লোক সে আসামীর জামীন হয় তাহার বেওরা

লিথিয়া ঐ তলবচিঠীআদি ফিরিয়া পাঠাইবেন ইতি।-১৮১১ জেউসাহের বিশ मा। ३० व्या । २३ था। ७ था।

আসিফান্ট সাহের অথবা প্রধান আ মলার লিখিবার ক

২১। এই ধারার কোন পুকরণমতে কোন নিমকপোধানীর এজেণ্ট সাহেব আপনি কিয়া তাঁহার তাবের কোন প্রধান আমলা নিমকী তাঁহার তাবের আম এলাকার কোন আসামীর হাজির্জামিন হইলে কিয়া সেই আসা মীর দেওয়া কোন জামিনকে মাতবর করিলে দৃই মতেই মাফিক এক রার সে আসামীর শিরে যে দাওয়া পড়ে তাহার নিশা সেই আসামী কিয়া তাহার দেওয়া জামিনে না করিলে সেই দায়ের নিশা সেই নি মকপোগ্রানীর এজেট্সাহেবকে করিতে হইবেক অতএব নিমক পো ধানীর এজেণ্টসাহেবের কর্ত্তব্য যে আড্সের কর্মানির্ব্বাহকরণের ও মঙ্গীওগয়রহ নিমকী এলাকাদার্দিগের জামিনহওনের ও নালি শের তদারককরণের ভারে মাতবর ও সুখ্যাত লোক্তক চাহরাইয়া প্রধান আমলা নিযুক্ত করেন্ ও তাহারদিগের কর্ম চালাইবার দাঁ ড়ার নিমিত্তে যে২ ত্রুম মনোনীত ও উপযুক্ত হয় তাহা তাহারদি গের দেন্ ও যাহাকে প্রধান আমলা নিযুক্ত করেন্ তাহার স্থানে এমত মাতবর মালজামিন লন যে সেই প্রধান আমলাহইতে কোন কার্য্যের ত্রুটি হইলে দে কারণে নিমকপোধানীর এজেণ্টসাহেবের যে নোক্লান হইতে পারে তাহা তাহার স্থানে ধরিয়া পাওয়া যাইতে পারে ইতি।—১৮১১ সা। ১০ আ। ২১ ধা। ৭ প্র।

এজেউসাহের ও ला जाभिनी रच अ করার করেন ও যে জামিনী মাতবর ক হেন তাহার নিশা তাঁহারদিগের দিতে হইবার কথা।

৩০। নিমক মহালের আমলা কি এলাকাদারদিগোর কেহ কোন মোকদ্দমার আসামী হইলে নিমকপোঞ্জানীর সময়ের মধ্যে তাহার তলবে চিচী যে মতে জারী করিতে হয় তাহারদিগের কাহারু নামে কোন মোকদমার সাক্ষ্য দিবার কারণ স্পীনা সে সময়ে জারী ক বিতে হইলেও তাহা দেই মতেই জারী করা যাইবেক ও যদি দে কারণে দে কালে ভাহারদিগের কাহাক্তেও আদালতে ভলবকরণ আ ৰশাক হয় তবে জজদাহেৰ তলৰ কৰিয়া যত স্বৰাতে পারেন্ তা হইবেক তাহার ক हात

खावानवन्दी कृतिया नहेया खावाडिक विनाय कृतिरास अहेरह था। তৃক যে সে লোক নিমকের কর্মেছাড়া হইয়া যত কম হইতে পারে তাহার অধিক কাল না থাকে ইতি।—১৮১২ না। ১০ আ। ২১ ধা।৮প্র।

যে কালে নিমক महात्वत अलाकामा রদিগের নামে সা ক্ষ্য দিবার নিমিষ্টে সপীনা জারী করি उ इश म काल তাহা যেমতে জারী

৩১। নিমকমহালের এলাকাদারছাড়া অন্য লোকের উপর তল বচিচী কিয়া দম্ভক জারী করিতে লাগিলে যদি নিমকপোধানীর এ জেণ্টসাহেব কিয়া তাঁহার ভাবের বিলায়তী অথবা এদেশী আমলারা উপরের লিখিত প্রকরণের মডাচরণ করেন তবে তাঁহারদিগের নামে আদালতে তাহার নালিশ হইবেক। ও উপরের প্রকরণের হকুমের ভাবার্থ কেবল এই যে আদালত ও ইনসাফের বাধাছওন ভা অনেয়র পক্ষে

তাঁহার ভাষের আ यलामिरशत उपरत র প্রকরণের অক্ষ মতাচরণ নিমকী এ লাকাদার লোকছা করিতে নিষেধের বিনা নিমকপোধানীর কর্মাচলনের হানি কিছুমাত্র না হয় অতএব দেওয়ানী আদালতের জজসাহেব ও ফৌজদারীর সাহেবদিগের ক্ষম

अलाकामात् अरम निरनाक मिरगरत रय বার কথা।

রণেতে যাহা২ করি তে হইবেক তাহার कथा।

দেওয়ানী আদা তা আছে যে ঐ প্রকরণের লিথিত হকুমসত্ত্বেও আদালতের কর্ম লত ও ফৌজদারীর চলিবার নিমিত্তে নিমকমহালের মোতালক কোন এদেশী আমলা সাহেবের। নিমকী কিয়া অন্য এলাকাদারকে কোন মোকদ্দমার করিয়াদী কিয়া আদা মী অথবা দাক্ষিক্রমে নিমকপোধানীর কালের মধ্যেও আপনারদি সমরে হাজির করা গের নিকটে তলবকরণ আবৃশাক ও উপযুক্ত হইলে তাহা করিতে ইতে চাহেন সেই এব° অনাথ লোকের উপর এমত বিষয়ে যে মতে হকুম জারী সময়ে হাজির কর। করেন সেই মতেই তাহার উপর হকুম জারী করিতে পারেন্ কিন্তু ইতে ক্ষমতা রাখি যদি দেওয়ানী আদালতের জজসাহেব কিয়া ফৌজদারীর সাহেবেরা ঐ দকল ছকুমের ব্যতিক্রমে এমত কার্য্য করেন তবে যে কারণে এ ক্ষমতাচরণক করেন তাছার বেওরা তাঁহারদিগের রুবকারীর বহীতে দেখাইবেন ও এই প্রকরণের লিখনক্রমে অত্যাবশ্যকজন্য যে২ তলবচিচী ও দন্তক জারী করিতে হয় তাহাতে আবশ্যকতার প্রস্তাব লেথাইবেন যে এই প্রক্রেণের ত্রুমমাফিক জজ ও ফৌজদারীর সাহেবদিগের ক্ষমতা আবশাকতাজন্য যে আছে তদনুসারে ইহাতে তলবের হুকুম লেখা গেল কিন্তু জ্জ ও ফৌজদারীর সাহেবেরা আবশ্যকছওনবিনা কদাচ ঐ ক্ষমতামতাচরণ না করেন্ ইভি।—১৮১৯ দা। ১০ আ। २३ था। ३ था।

নিমকমহালের শি লোকের উপর যেমতে আদালতের ডিক্রী জারী হইবে ক তাহার কথা।

মালপ্রারীর কা

৩২। যদি জজসাহেব নিমকমহালের মোতালক কোন এ দেশি আ এলাকাদার এদে মলা কিয়া অন্য এলাকাদার কাহারু উপর কোন মোকদ্দমার ডিক্রী করিয়া ইস্তক > কার্ত্তিক লাগাইৎ আথেরী আষাঢ় ইহার মধ্যে তাহা জারী করিতে হ্রুম দেন্ তবে তাহাতে,দে আসামী ঐ কালের মধ্যে আপনি আটক না হইয়া তাহার দুবাাদি ক্রোক হুইতে পারি বেক কিন্তু সরকারের নিমক ও দাদনিব্র টাকা ও নিমকপোঞ্জানীর যে সরজাম তাহার স্থানে থাকে তাহা সে ডিক্রীর আঞ্চামের কারণ ক্রোক করা যাইবেক না ও নিমকপোগ্রানীর কাল গেলে নিমকপো ধ্বানীর এজেণ্টদাহেবের মাফ্টিক তলব দুে আদামীকে জজদাহেবের নিকটে হাজির করিয়া দিতে হইবৈক কিঁব্ধ শ্রাবণও ভাদু ও আখিন মালে এব॰ নিমকপোঞ্জানীর সময়ের মধ্যে ও নিমকপোঞ্জানীর এ জেণ্টদাহের আদালতের দাহেবকে দরকারের কোন উকীলের মার ফতে তৎকালে এমত আদামীর নিমকের কার্য্যেতে হাজির থাকিবার আবশ্যক না থাকনের সম্থাদ দেওনমতে তাহার নিজের এবং দুব্যা দির প্রতি দম্ভরমতে হকুম জারী ও আচরণ করিতে পারা যাইবেক ইতি।—১৮১৯ সা।১০ আন। ২২ ধা।

৫ ধারা।

পরাপরী মোকদ্দমা পরাপরীমতে বিচার ও নিষ্পত্তিকরণ। ৩৩। মালওজারীর বাকীর কিয়া তাহা অন্যায়েতে তহুসীলক

বুণের সম্মর্কীয় দাওয়ার সরাসরী নালিশ প্রথমতঃ মালগুজারীর কা লেকটর সাহেবদি শেকটর সাহেবের নিকটে উপস্থিত করিতে হইবেক এব এমত গের বারা সরাসরী मकल विषरा ठाँ होत्रात्र करा निक्ने खि जारिकामण इएसा नालिन स्माकममा शाहा हो है ভিন্ন চূড়ান্ত হইবেক কিন্তু এই হেতুপুযুক্ত যে আপীল হইবেক যে বার এবং জাবেতা ঐ মোকদ্মাতে আইন থাটিবেক না কেবল দেই হেতুপ্রযুক্ত দেই এলাকার রাজস্বের কমিদানর দাহেবের প্রতি ক্ষমতা আছে যে দরা সরী ফয়সলার তারিথঅবধি এক মাসের মধ্যে আপীল হইলে তাহা গ্রাহ্য করেন্ এবং রাজত্ত্বের কমিদ্যনরদাহেবেরা আপীল গ্রাহ্য করিলে এব ে ঐ মোকদমার রোয়দাদ তলব করিলে পর আইন না থাটিবার লিথিত হেতু প্রমাণ না হইলে ঐ মোকদ্দমা থরচার সহিত ন্রসাহেবের নিক্ ভিদ্মিদ করিবেন কিন্তু যদি এমত বোধ হয় যে ঐ মোকদ্দমা দরাদ টে বেহেতুক আপী রী নালিশের মত এই আইনের লেখা ছকুমানুসারে তানিবার যোগ্য নতে তবে রাজস্বের কমিদানরদাহেবের কর্ত্তব্য যে কালেক্টর সাহে বের সরাসরী ফয়সলার অন্যথা করিয়া ঐ মোকদ্দমার বিষয় বুকিয়া চলিত আইনের হকুমানুসারে যেমত আবশ্যক ও উচ্চিত বুকিবেন थ।। সেইমত ভুকুম করিবেন ইতি।—১৮৩১ সা। ৮ আ। 8 ধা।

মতে হওয়া নালিশ ভিন্ন অন্য নালিশে তাঁহারদিগের করা নিম্পান্তি চূড়ান্ত হই বাব কথা।

রাজখের কমিস্য ল হইতে পারিবেক তাহার এবৎ তাহা তে যে মতাচরণ ক রিবেন তাহার ক

৩৪। কালেক্টর সাহেব আপন জিলার মধ্যে যে কোন স্থানে কোন সময়ে যান্ কি থাকেন্ সেই স্থানেই ঐ প্রকার মোকদ্মাসকল র সকল লোকের স ন্তনিতে ও তাহার বিচার ও নিষ্পত্তি করিতে পারেন্ কিন্তু আবশ্যক যে ঐ শ্রবণ ও নিষ্পত্তি সরকারী কোন কাছারীতে কিয়া সকল লো কের সমাগমের অন্য স্থানেতে এব ৭১ উভয় পক্ষ কি তাছারদিগের নিযুক্তকরা মোধার কি উকীলেরা হাজির হইলে তাহারদিগের শা ত্তিকরিতে পারিবা ক্ষাৎকারে করা যায় ইড়ি।—১৮২৪ দা। ১৪ আ। ১ ধা।

মোকদমার বিচা मक्त यनि इय उत्व কালেক্টর সাহেব জিলার যে সে স্থা নেতে তাহার নিষ্প র কথা।

৩৫। জিলা ও শহরের জজসাহেবেরা ও রেজিফীরসাহেবেরা মা লগুজারীর বাকীর বাবৎ কিয়া জমী কি ফসল দথলকরণের কাজি রেজিইর সাহেবে यात वाव॰ विवादमत विषय थे जिलांत नैतरामत प्रत्या रहेया थाकि লে অথবা জজদাছেবদিগের কি রেজিইটরদাছেবদিগের বিবেচনায় সরেজমীতে মোকদ্মার তজবীজ করিলে সদর মোকামে করণাপে का मुन्द्रज्ञर्थ विवास्त्र ममाधा इहैरवक महामही माकन्ममात्र विघात स हम उथाम करि ও নিষ্পান্তি করিবার নিমিত্তে জিলার সরহদের মধ্যের যে কোন তে পারিবেন তাহা স্থানে হয় তথায় বৈঠক করিতে পারিবেন ইতি।—'১৮২১ সা। ২ র কথা। আ।১০ধা।২প্র।

যেমতেতে জজ ও রা সরাসরী মোক দ্দমার বিচার ও নি क्शिंख जिलात मत्र দের মধ্যে যে স্থা

৩৬। যদি জজসাহেবদিগের কি রেজিষ্টরসাহেবদিগের উপরের লিখিত সরাসরী মোকদ্মার তজবীজ করিবার নিমিত্তে সদর মোকা প্রকারেতে আদাল মহইতে অন্তরে বৈঠক করিতে হয় তবে তাহাতে আদালতের মোক ततो छेकोलिंगिरात शांकित थांकिवांत आवनाक श्रेरवक ना ७ वे ना হেবদিণের উচিত যে উভয় বিবাদির কি তাহারদিণের তরফহইতে

উপরের লিথিত লের মোকররী উ कीलिंगरगत राजित থাকিবার আবশ্য क ना इहैवात क থা।

যাহারা মোকরর হয় তাহারদিগের দাক্ষাৎ মোকদ্মার বিচার ও নিষ্পত্তি করেন্ ইতি।—১৮২১ সা। ২ আ। ১০ ধা। ৩ প্র।

সরাসরী ভলবী তাহার মালজামি নের জামিনী মঞ্জুর হইবার কথা।

৩৭। যেহেতৃক ইঙ্গরেজী ১৭৯৯ সালের ৭আইনের ১৫ ধারাতে ब সারা না হওন ও ১৮০০ সালের ৫ আইনের ১৪ ধারাতে ও ১৮০৩ সালের ২৮ আইনের ৩২ ধারাতে বাকীদারদিগের কি তাহারদিগের মালজামি নদিগের জামিনী জজসাহেবের কি রেজিইটরসাহেবের কিছা কালে ক্টর সাহেবের নিকটে সরাসরী তজবীজ করা সারা না হওনপর্যান্ত মঞ্চুরহওনের বিষয়ে কোন হকুম লেথা যায় নাহি একারণ জিলা কি শহরের জজ্ঞসাহেবদিগের উপদেশের নিমিত্তে নীচের লিথিতব্য দাঁড়া নিৰ্দিঊ হইল ইতি।—১৮১৭ সা। ১৯ আ ৷ ১৬ ধা। ১ প্ল ৷

জলসাহেব সরা র কথা।

৩৮। যদি কোন মফঃদলী তালুকানার কি কোন কট্কিনাদার সরী তল্পনীল সারা কিয়া যোতদার কি অন্য মালগুজারীকরণিয়া অথবা তাহারদিগের না হওনপর্যান্ত মা মালজামিন মালগুজারীর বাকী টাকা তলবের কারণ উপরের ধারার তবর জামিনী মঙ্কু লিথিত আইনের বিবরণ করিয়া লেথা দন্তক জারীহওনমতে গ্রেফ্টার হয় ও সম্যক কি কতক দাওয়া না মানিয়া আপনি কি তাহার মাল জামিন সরাসরা তজবীজ সারা না হওনপর্যান্ত হাজির থাকিবার কা রণ মাতবর জামিনী দিতে পুব*র্ত্ত* হয় তবে জজসাহেবের ক্ষমত। আছে যে উভয় বিবাদির দরপেশকরা হিসাবের কাগজ ও দস্তাবেজ দৃষ্টিক রণানুসারে কিয়া কৈফিয়ৎ তলবের নিমিত্তে জিলার কালেক্টর সা হেবকে মোকদ্দমা দোপদ্দকরণানুসারেই বা যে প্রকারে হউক সরা দরী তজবীজ করা ও সার। নিম্পত্তির হুকুম না হওনপর্যান্ত বাকাদা রের কি তাহার মালজামিনের জামিনী মঞুর করেন ইতি।—১৮১৭ मा। ১১ जा। ১৬। र প्र।

স্রাস্রী নালিশে নাম পুরের তকুম পারসী ভাষায় লি থিতে কালেক্ট্র সাহেবের ক্রম্তা থাকিবার এবং ঐ তে হওয়া নালিশে র আর্জীমত গ্রহণ করিতে আদালতে র কার্য্যকারকের প্র তি ক্ষমতা থাকিবার কথা।

विरमप्त विधित क कथा।

৩১। জানা কর্ত্তব্য যে যে কোন সরাসরী নালিশের আরজী এই র আরজীর পিঠে আইনের হুকুমানুসারে কালেক্টর সাহেবের নিকটে উপস্থিত হই বেক তাঁহার ক্ষমতা আছে যে দেই আরজীর পিচে নামঞ্রকরণের ছকুম পারদী ভাষায় লিথিয়া ও জাবেতমিতে নালিশ করিতে হকুম করিয়া আরজীদেওনিয়াকে তাহা ফিরিয়া দেন্ এব ে আদালতের কার্য্যকারকদিগের কর্ত্তব্য যে ঐ আরজী জাবেতামতে প্রথমতঃ না আরজী জাবেতাম লিশ করিলে যেমত, গ্রহণ করিতেন সেইমত গ্রাহ্য করেন ইতি।— ১৮৩১ সা।৮ আ। ইধা। ১প্র।

> ৪০। জানা কর্ত্তব্য যে রাজস্বের কমিদ্যনর দাহেবের নিকটে কা লেক্টর সাহেবের হুকুমের উপর সরাসরী আপীল উপস্থিত হইলে ভাঁছার ক্রমতা আছে যে এমত নালিশসকল গ্রাহ্য করিতে ও তাহার

বিচার ও নিষ্পত্তি করিতে কালেক্টর সাহেবকে হুকুম করেন এবং তাহা গ্রাহ্য কি অগ্রাহ্যকরণ সম্লুকীয় স্থানহেতুক কি অন্য কোন হে তুক জাঁহার বিবেচনায় উচিত বোধ হইলে তাঁহাকে অন্য কোন হুকুম দেন ইতি।—১৮৩১ সা।৮ আ। ১ ধা। ২ প্র।

৪১।ঐ প্রকার মোকদ্দমাতে ফরিয়াদী ও আদামীর স্থানে না লিশী আর্জী ও তাহার জওয়াবব্যতিরেকে আর কোন সওয়াল ও ও তাহার জওয়াব জওয়ার লওনের আবশ্যক হইবেক না ও যদি ফরিয়াদী কি আদামী কোন সময়ে আপন গুধরা নালিশী আরজী কি গুধরা জওয়াব কি বেওরা জ্ঞাপনার্থে আর কোন কাগজ দাখিল করিতে চাহে তবে তাহা লওয়া যাইবেক ইতি।—১৮২৪ দা ১৪ আ। ৭ ধা।

নালিশী আর্জী ব্যতিরেকে কোন সওয়ালজও য়াব না লওয়া যাই বার কথা।

৪২।ঐ পুকার মোকদ্মাতে মোগ্রারনামা ও ওকাল নামা ও সওয়াল ও জওয়াব ও নিষ্পত্তিপত্র ঐ মোকদ্দমার দাওয়ার ^{য়াবই গ্রাদি} দ^থ্যা যত টাকা হউক llo আটআনা মূল্যের ইফী**স্লু**কাগজে লে থা যাইবেক এবণ্ম ঐ প্রকার মোকদ্দমাতে যেথ কাগ্যন্ত দরপেশ করা যায় কিয়া উভয়পক্ষের যেথ দাক্ষী তলব করা যায় তাহার নি মিজে কোন ফীস লওয়া যাইবেক না ও উভয় বিবাদির ঐ কাগজ দাথিল করিবার ও সাক্ষী তলব করাইবার দর্থান্ত ইফীম্লুকাগজে নালওয়া যাইবার লিথিবার আবশ্যক হইবেক না ইতি।—১৮২৪ সা।১৪ আ। কথা। ৮ ধা।

সওয়াল ও জও আট আনা মুল্যের ইফ্টাম্পকাগজে লি থিতে হইবার কথা। দ্রপেশ করা কা গজের উপর ফাস

৪৩। এই আইনের ৪ ধারার লিথনানুসারে উপরের লেথামত যে সকল সরাসরী মোকদ্দমা কালেক্টরসাহেবের নিকটে উপস্থিত বের নিকট উপস্থি হইবেক ঐ সকল মোকদ্মার আরজী ঐ মোকদ্মার নালিশ জাবে তামতে দেওয়ানী আদালতে হইলে যে মূল্যের ইফীয়ুকাগজে লেথা যাইত তাহার দিকি মূলোর ইউীয়ুকাগজে লেখা যাইবেক কিন্তু জানা কর্ত্তব্য যে যদি ফরিয়াদী যথার্থরূপে নিরুপিত ইউাম্প্রকাগজের মূল্য দিতে না পারে কিয়া য়দি কালেক্টর সাহেব অন্য কোন হেতু প্রযুক্ত তাহা মাফ করা উচিত বুকেন্ তবে কোন মফঃদলী তালুকদার কথা। কি ইজারদার কি রাইয়তের নালিশের আরজী ١١০ আট আনা মূল্যের ইন্টাম্পুকাগজে গ্রাহ্য করিতে তাঁহার প্রতি ক্ষমতা থাকিবেক ইতি।— ১৮৩১ সা।৮ আ।৭ ধা।

কালেকটর সাহে তহওয়া স্রাস্রী নালিশের আরজী যে মুলোর ইফ্টাম্প কাগজে লেখা বাই বেক তাহার কথা। বিশেষ বিধির

৪৪। উপরের দুই পুকরণের লিথনানুসারে কোন জজসাহেবের নিকটে বাকীদারেরদের কিয়। মালজামিনদিগের কাছাকেও পঁত্ নিকটে উপরের লি ছাইলে তৎকালে সে সাহেব সেই আসামীর স্থানে দাওয়ার জওয়াব তলব করিবেন তাহাতে যদি করিয়াদীর দাওয়া সম্যক কিম্বা তন্ম ধ্যের কিছু মিথ্যা এমত জওয়াব আসামী দেয় তবে দাঝিলাদিগর কাগজপত্র এবণ্ উভয়ের হিদাবকিতাবদৃষ্টে দণ্চ্চেপে বিচার করি বেন। অথবা কালেক্টর সাহেনকে সে মোকদ্মার বিচারের ভার VOL. I.

জ্ঞসাহেবদিগের খনানুসারে আসা মীপঁছছিলে তাহা বু বিচার সংক্ষেপে করিবার কথা।

এ বিচারের ভার

রিবার কথা। ঘুনা হইতে পারে .ও কমিস্যনর দিগের বিচারের যোগ্যও না হয় তাহা কালে

বার কথা।

কালেকটর সাহেব সেই রূপে দিবেন যে রূপে ইলরেজী ১৭৯৪ সালের ৮ আইনের দিগকে দঁপিতে পা ১৩ ধারাক্রমে মালগুজারীর দক্তনান্ত মোকদমার কিয়া পুর্বে যে <u> শকল মোকদ্দমার বিচার মাল আদালতে হইত সে সকল মোকদ্দমার</u> যে মোকদমার বি বিচারের ভার দিতে পারেম। আর এইক্ষণে দেওয়ানী আদালভের চার আদালতে শী জজসাহেবদিগের প্রতি বিশেষ হুকুম হইতেছে যে তাঁহারা কিয়া তাঁ হারদিগের রেজিষ্টরসাহেবেরা আর্থ কর্মের বাহুলাপ্রযুক্ত এমত কোন মোকন্দমার বিচার ও নিষ্পত্তি অবিলম্বে না করিতে পারিলে ও সে মোকদ্দমা তাঁহার্দিগের ব্যাপ্য কমিদ্যন্র্দিগের বিচারের কটর সাহেবদিগ যোগ্য না হইলে তাহার বিচারের ভার কালেক্টরসাহেবদিগকে দি কে সঁপিতে পারি বেন। ইহাতে ভূম্যধিকারিগণ ও ইজারদার্দিগের সাধ্য আছে যে স°<ক্ষেপে বিচার্যা মোকলমার সওয়ালও জওয়াব কালেক্টরসাহেব দিগের কি জজসাহেবদিগের নিকটে করিবার কারণ যাহাকে নিযুক্ত করা বিহিত বৃক্তে তাহাকেই সমাক ভারাপিয়া নিযুক্ত ও রুজু করে। ১१२२ मा। १े जा। ১৫ धा। ८ धा।

কালেকটর সা কুমে দৃষ্টি রাখিয়া করিবেন তাহার ক

হাজির হইবার টর সাহেব সেই ফ মতারাথিবার ক था।

৪৫। ঐ প্রকার মোকদ্মার বিচার ও নিষ্পত্তিকরণেতে কালেকট হেবেরা ঐ মোকদ রসাহেবেরা এই আইনের লিথিত ত্রুমমতে কার্য্য করিবেন এবং মার নিশ্পৃত্তি যে ছ যে২ বিষয়েতে এই আইনের লিথিত ইকুম্নমুক না রাথে দে দকল বিষয়েতে ঐ প্রকার সরাসরী মোকদ্দমার বিচার ও নিষ্পত্তি দেওয়া নী আদালতে হইবার নিমিত্তে যে২ হুকুম লেখা গিয়াছে দেই২ হুকুমমতে কার্য্য করিবেন এবণ্ উভয় পক্ষীয় লোকদিগ্রেও দাক্ষি ছক্ম দিবার বিষ দিগকে হাজির করাইবার বিষয়ে এবণ নিঞাত্তির হুকুম জারীকর য়ে দেওয়ানী আদা পের বিষয়বাতিরেকে দামানাতঃ ঐ প্রকার মোকন্দমাতে আবশাক লভেতে যে ক্ষমতা যে দকল হকুম ইত্যাদি দিবার বিষয়ে দেওয়ানী আদালভের সাহেব আছে ছকুম জারী দিগকে যে ক্ষমতা অর্পণ করা গিয়াছে কালেক্টর সাহেবও সেই ব্যভিরেকে কালেক্ ক্ষমতা রাখিবেন ও নিষ্পত্তির হুকুম জারীকরণের বিষয়ে নীচের লি থিতবা হুকুমমতাচরণ করা যাইবেক ইতি।—১৮২৪ সা। ১৪ আ। 8 811

इक्टब्रकी ३४२२ র ২৩ ধারার ৩ প্র করণে ফয়সলা জা রীকরিতে যেসক ল হকুম আছে তা হা এই আইনানুসা রে কালেক্টর সা रहरवंद कहा क्यम লার উপর খাটিবা র কথা।

৪৬। যে২ মোকদ্দমাতে বিশেষ টাকা কিয়া কোন থরচা দেনার সালের ৭ আইনে কি ক্ষতিপুরণের বিষয়ে ফয়সলা হয় সেই সকল ফয়সলা জারীকরণে ইঙ্গরেজী ১৮২২ দালের ৭ আইনের ২৩ ধারার ৩ প্রকরণের যে২ স্থল সমূর্ক রাথে আহা এই আইনানুসারে কালেক্টরসাহেবদিগের করা ফয়সলাতে সমানরূপে থাটিবেক ইতি।—১৮৩১ সা।৮ আ। १० था।

কালেক্টর সাহে

৪৭। এই আইনের ছারা ভূমির মালগুজারী তহুসীলের কালেক্ বেরা, আপনারদি টর দাহেবদিগকে এ ক্ষমতা দেওয়া যাইতেছে যে এই আইনের লিখ

নানুসারে সণ্খ্যা নিরূপিত কতক টাকা কিয়া খরচা অথবা ক্ষতিপু গের নিষ্পত্যানুসা রণ দেওয়াইতে হইবার অর্থে কালেক্টর সাহেব যে২ নিষ্পত্তি রে কার্যা করীই করেন্ তাহাতে মালগুজারীর বাকী আদায়করণের কারণ যেরপে বার ক্ষমতা রাখি করা যায় সেই রূপ যে কালেক্টর সাহেব ঐ নিষ্পত্তি করিয়া থাকেন ^{বার কথা।} *দেই সাহেব ঐ টাকা যাহার পাইবাব* অর্থে নিফ্পত্তি হইয়া থাকে তাহার নিমিত্তে উদুল করিবেন কিন্তু দরাদরী বিচারপূর্বকে কোন জনেরপাইবার অর্থে যে নিম্পত্তি করা যায় ঐ নিম্পত্তি টাকা উদুল করিবার নিমিত্তে ঐ দাহেব কোন ভূমি কি বাটী কিয়া অন্য স্থাবর বস্তু বিক্রয় করিতে পারিবেন না ও ভূমি কি বাটী কিয়া জলের সোঁ তাইত্যাদি ভোগদখলের বিষয়ে যদি কোন নিষ্পত্তি হয় তবে তাহা অবজ্ঞা কিম্বা ভাহার বিপরীভাচরণ হইলে যে কালেক্টর সাহেব ঐ নিষ্পত্তি করেন দেই সাহেব আদালতের সাহেবেরা নীলামের এরী দারদিগকে থরীদা বস্তুতে দখল দেওয়াইবার নিমিত্তে আইনানুসারে যেমত ও যে ক্ষমতাচরণ করেন সেই মতে ও সেই ক্ষমতাক্রমে ঐ ভূমি ইত্যাদিতে দথল দেওয়াইতে পারেন্ এবণ্ জিলা কি শহরের আদা লতের সাহেব কালেক্টর সাহেবের ঐ ক্ষমতাচরণকরণেতে সহায়তা করিবেন এবণ্ ঐ ক্ষমতাক্রমে কালেক্টর সাহেবেরা যে কোন হুকুম করেন ঐ হকুম আদালতের দাহেবেরা নিজে করিলে যেমত করি তেন সেই মত করিয়া ঐ হকুমের কার্য্য করাইবেন এবণ কালেক্টর সাহেবেরা আবশাক কি উপযুক্ত বুকিলে যে জনকে ঐ ভূমাদিতে দুখল দিবার নিষ্পত্তি হইয়া থাকে সেই জনকে তাহার ভোগদুখল করণেতে স্থির রাথিবার নিমিত্তে এক কি তাহাহইতে অধিক পোয়াদা কিয়া মির্ধা অথবা দওয়ারইত্যাদি রাথিতে পারেন ইতি।— ১৮२२ मा। १ जा। २० ४।। ० ४।

৪৮। জ্জুলাহেবদিণের কেহু মালগুজারীর বাকীর কোন মোক দ্দমা বিচারার্থে কালেকুটর সাহেবদিগের কাহাকেও ভার দিয়া থা জিয়া দিবার ও খর কিলে তাহার রিপোর্ট অর্থাৎ নেওরাহকীকৎ সে কালেক্টর সাহে চাসমেও ক্ষতি পো বের স্থানে পাইলে পর তদ্ধেট কিয়া কাছাকেও না ভারদেওয়া কোন মোকদ্মার বিচার আপনি করিয়া পরে যদি বুর্বেন্ যে সেই বাকী টাকা আসামীর দেনা অযথার্থ চাহরিল কিয়া ফরিয়াদী জানিয়া শুনিয়া অসঙ্গত নালিশ করিয়াছিল অথবা ফরিয়াদীর দাওয়া সমৃদয়ের মধ্যেয়ৎ কিঞ্চিৎ প্রমাণ হইল তবে সে আসামীকে ছাড়িয়া দিবৈন এবণ তাহাকে ক্ষতি পূরণ ও সমাক্ থরচাও দেওয়াইবেন। আর যদি সমুদয় দাওয়া কি তাহার মধ্যে কিছু ভারীই বা প্রতিপন্ন হয় তবে দে আদামীকে তাবৎ শক্ত কয়েদে রাথিবেন যাবৎ দে সময়ে যত দিনক বাকী টাকা মাদে শতকরা এক টাকার হারে সুদ ও নালিশী থরচা মেদরাখিতে হইবে मरप्रज ना (मश अथवा जाहात थालारमत कात्र गरेतियांनी मत्थास ना करत । ও करम रहेरन अप्रज जानापीत प्रशामा ও प्राकमपात जार ताकी य राद मि विखिशा मिनश्रिकि চार्ति जानात जिथिक ७ अक जानात ना ना रहा उ रहेटव जारात अंत्रेल विश्वि विविध्नाक्षात्र जाशांत्र ये थामा थेत्र मिर्वात श्कूम कथा।

আসামীকে ছা ষাইয়া দেওয়াইবা র সময়ের কথা।

আসামীকে যে ক তাহার কথা। আসামীর খো জজদাহেব করেন্ তাহা দে আদামী কয়েদ থাক্রাপর্যান্ত ইঙ্গরেজী ১৭১৩ দালের ৪ আইনের ৮ ধারার প্রণালীপূর্ব্বিক দেই ফরিয়াদী যোগাইবেক।— ১৭৯৯ দা। ৭ আ। ১৫ ধা। ৫ পু।

উপরের ধারাস রবরাহকার ও কা रुथा।

৪৯। জানিবেন যে উপরের ধারাদকলের লিথিত যে যে হুকুম দদ কলের লিখিত ভা রের মালগুজার ভূম্যধিকারিগণ ও ইজারদারদিগের প্রতি মালগুজা রাপণ্যুত অকুম স রীর বাকী উসুলের ভারাপণের নিদর্শনে আছে সেইং ছকুম যাবদীয় অযোগ্য অধিকারির অধিকারের ও দাধারণ অধিকার ভূমিদকলের লেক্টরসাহেবপ্রভু সরবরাহকারদিগের সরবরাহকারীতে এব॰ কালেক্টর সাহেবদি বং সময়বিশেষে গের কর্তৃত্বে ও সরকারী অন্য যে আমলারা কোন অধিকারের সর रम **डा**র তাহারদি কারী জমা ধার্য্যের নিমিত্তে কিয়া বিষয়ান্তরজন্যে অথবা ভূম্যাধিকারী গের নিযুক্তকরা আ কিয়া ইজারদারের সহিত বন্দোবস্ত না হওনপুযুক্ত থাস তহুসীলে মলারাও পাইবার আদিয়াথাকা কোন ভূমির তহদীলের নিমিত্তে নিযুক্ত হইয়া থাকে তাহারদিগের কর্মকারিত্বেও চলিবেক। আর এ আইনের ২ দ্বি তীয় ধারাক্রমে যে শক্তি ভূম্যধিকারিগণ ও ইজারদারদিগের চাক রেরা পাইয়াছে সে শক্তি এমত সরবরাহকারদিগের এব ্ কালেক টর দাহেবদিগের ও দরকারী অন্য আমলাদিগের নিযুক্তকরা গো মান্তাপ্রভৃতিতেও পাইতে পারিবেক যদি তাহারদিগের মনিবেরা সে শক্তি তাহারদিগেরে দেয় ইতি।—১৭৯৯ সা। ৭ আ। ১৯ ধা।

উপরের লিখিত **Q11**

दर्छियात् कथा।

৫০। জানিবেন যে উপরের ধারাদকলের লিখনানুদারে যে ক্ষমতা ভকুম এধারার প্র জিলাসকলের জজসাহেবদিগকে দেওয়া গিয়াছে ও যে সকল কর্ম স্তাবিত শহরসকলে তাঁহারদিগের কর্ত্তবা হইয়াছে সেই সকল ক্ষমতা শহর জাহাঙ্গীরন র জজসাহেবদিগের গর ওমুরশিদাবাদ ও আজামাবাদের জজসাহেবদিগৃকে ও অপিত इडेग़ाष्ट्रे ଓ मारे मकन कर्मा ७ जाहात्र मिलात कर्ल्या इडेरवक। এব॰৲ ঐ দকল ধারার লিথিত অপর যত ত্কুম ঐ দকল শহরে চলি এ আইনের ১৫ তে পারে তাহাই চলিবেক। বুকিবেন যে এ আইনের ১৫ ধারার ধারার তকুম ভূমা উল্লিথিত সমস্ত ত্কুম সদর ও মফঃসলের নানাবিধ আমলার উপর ধিকারিপ্রভৃতির ও এবণ এ দেশীয় লোক ভূমাধিকারী ও ইজারদারের প্রতি এবণ যে তাহারদিনের গো গোমান্তাপ্রভৃতি আপন্থ মনিবের পক্ষে অধিকার কিয়া ইজারার ভূমির দরবরাহ অথবা মালগুজারী উদুল তহদীল করে তাছারদি গের প্রতিও বর্ত্তিবেক। তাহাতে যদি কোন ভূম্যধিকারী কিয়া ইজা রদার আপনার কোন চাকরের স্থানে তাহার ইস্তে কর্মা থাকনের কা লের নগদ কিম্বা অন্য 'বিষয়ের নিকাশ অথবা অপর যে দাওয়া থা কে তাহা দে পদস্থ থাকিতে কি অপদস্থ হইলেই বা চাহিলে না দেয় তবে তৎকালে এ আইনের ১৫ ধারার লিখিত যে হুকুম বাকী উসু लের কারণ বাকীদারদিগ্কে আটক ও কয়েদ করাইবার অর্থে চলে লের জজদাহেবেরা ও কমিদানরেরা যেরপে বাকীদারদিগের স্থানে বাকী উদুলের কারণ ভূম্যধিকারিগণ ও ইজারদারদিগের দহায়তা

করেন দেইরূপ এমত বিষয়েও সহকার থাকিবেন ইতি।—১৭১১ मा। १ जा। २० था।

৫১। মালগুজারীর বাকী টাকা উদুলকরণের বাবৎ কি ভূমি ভোগদথলকরণের বাবৎ ও মোটে আর্থ যে দকল বিষয়ের নালিশ দরী মোকদমার দ দরাদরীমতে করিতে আইনেতে হুকুম আছে তাহার বাব্থ যেথ দ্রা দরী মোকদ্দমা কোন আদালতে উপস্থিত হইয়া তাহার দওয়াল ও জওয়াবের কারণ যে২ উকীল বাদী কি প্রতিবাদির তরফহইতে মো করর হয় সেই উকীলেরা তাহাতে সরাসরীভিন্ন মতে মোকদ্দমার নালিশ হইলে যে রমুম পাইত দেই রমুমের চারি হিদ্যার এক হিদ্যা পাইতে পারিবেক ইতি।—১৮১৪ দা। ২৭ আ। ৩২ ধা।

उकीरलदा मदा ওয়াল ও জওয়াব করণেতে সেই মো কদ্মার নালিশ স বাসরীভিন্ন হইলে যেরসুম পা ইত তাহার সিকি পাইবার কথা।

৫২। যথন জিলা কি শহরের আদালতে কিম্বা মফঃদল আপীল আদালতে অথবা সদর দেওয়ানী আদালতে উপস্থিত হওয়া সরাসরী কি সরাসরীভিন্ন কোন মোকদ্দমার ফরিয়াদী কি আপেলাণ্ট আদাল তের কোন উকালকে উকাল মোকরর করিবেক তথন দেই ফরিয়া দী কি আপেলাণ্টের কর্ত্তব্য যে পূর্য্বে উকীলের রসুমের বাবৎ যে জামিনী দাখিলকরণের অর্থে হকুম হইয়াছে তাহার বদলে সরাসরী ভিন্ন মোকলমাতে এই আইনের ২৫ ধারার লিথিত হুকুমমত হিসা বে ও সরাসরী মোকলমাতে এই আইনের ৩২ ধারার হকুমমত হি নাবে ঐ উকীলের রসুমের যত টাকা হয় তত টাকা আদালতের তহ বীলে আমানৎ রাথে ও যাবৎ রসুমের টাকা আমানৎ না রাথে র টাকা আমানৎ তাবৎ কোন উকীলকে যোত্রহীন ব্যক্তিদিগের মোকন্দমা ও যে সকল মোকদ্দমার কারণ বিশেষরূপে আইনেতে হুকুম হইয়াছে তাহাছাড়া আপন মওত্কেলের মোকদমার কিছু সওয়াল ও জওয়াব ও ঐ মো কদ্দমার সম্প্রকীয় কোন কার্য্য করিতে অনুমতি নাছি এবণ আসামী ও রিস্লাণ্ডেন্টের মোকররকরা উকীলদিণের রসুমের কারণ তাছার দিগের স্থানে ঐ মত আমানতের জন্যে টাকা তলব করা যাইবেক ও যাবৎ ঐ মত রুসুমের টাকা আমানৎ না রাথে তাবৎ উকালদিগের কর্ত্তব্য নছে যে উপরের লিখিত প্রকারব্যতিরেকে মোকদমার সও য়াল ও জওয়াব ও তাহার সম্লুকীয় কোন কার্য্য করে ইতি।*--১৮১৪ मा। २१ जा। २० था। ५ था।

উকীলের রসুমে র বাবৎ জামিনা দা খিলকরা মৌকুফ হ ইবার কথা।

उकीरलव वसूरम রাখিবার কথা।

৫৩। এই আইনের লিখনক্রমে যে২ মোকদ্দমা কালেকৃটরসাহে ঐ উভয়বিবাদি বদিগ্রকে সমর্পণ করা যায় ঐ সকল মোকদ্মার উভয় বিবাদিরা আ রা আপনং সম্মত

* উকীলের রসুম আমানৎ করণ বিষয় ৫১। ৫২ সংখ্যা তৎপর বিধান ৫৩ সংখ্যার সঙ্গে ঐক্য নাই কিন্তু ১৮১৪ সালের ২৭ আইন যে রুদ হই য়াছে এমত দেখাযায় না অতএব অগতা তাহার বিধান এই গ্রন্থে লেখা গেল হইতেপারে যে ৫৩ সংখ্যার বিধানের বিষয় পশ্চাৎ তকুম হইয়াছে অতএব বোধ করি যে তাহার পূর্ব্বকার বিধান রদ হইয়াছে।

পারিবার কথা।

উকীলের মেহন তানা দে ও তাহার নিয়োকা থাকিয়া চুকাইবার কথা।

উকীল কি প্রতিনি পন্থ পক্ষের সওয়াল ও জওয়াব করিবার নিমিত্তে যে কোন লো ধি নিযুক্ত করিতে ককে মোগ্রার কি উকীল কি প্রতিনিধিরূপে নিযুক্ত করা উপযুক্ত বোপ করে দেই জনকে লিখিত পত্রের দ্বারা ক্ষমতাপ্রাপ্ত করিয়া আ পন মোঝার কি উকাল কি প্রতিনিধি করিতে পারে ও ঐ মোঝার কি উকীলের মেহনতানার ধার্যা ঐ মোধার কি উকীল ও তাহার নিয়োক্তা একতা হইয়া করিবেক কিন্তু ঐ প্রকার মোধ্যারইত্যাদির করা কার্য্যের দৃষ্টে ঐ কার্য্যের পরিবর্ত্তে যাহা কালেক্টর সাহেব উপযুক্ত ব্যেন্ যে জনের পরাজয় নিষ্পত্তি হয় সেই জনের তাহার অधिक मिएँ इडेवात हकूम मिरवन ना डेंडि।--১৮२৪ मा। ১৪ আ।৬ধা।

৬ ধারা।

সবারী ডিক্রী অন্যথা করণার্থ জাবেতামতে নালিশ করণ বিষয়।

তাহাতে অসমা আদালতে জাবেতা মতে নালিশ করি তে পারিবার কথা।

৫৪। যে কোন ব্যক্তি এই আইনানুসারে কালেক্টর সাহেবের ত হইলে দেওয়ানী করা সরাসরী নিক্পত্তিতে অসমত হইয়া তাহাঅপেক্ষা সুন্দররূপে মোকদ্মার বিচার ও নিষ্পত্তি করাইতে চাহে দে ব্যক্তি জিলা কি শহরের দেওয়ানী আদালতে জাবেতামতে দে মোকদমার নালিশ করিতে পারিবেক এব ১ ঐ মোকদমার নালিশ দরপেশকরণের সময়ে ঐসরাসরী নিম্পত্তির ক্রকারী নালিশী আরজীর সঙ্গে দাথিল করিতে হইবেক ইতি।—১৮২৪ দা। ১৪ আ। ১০ ধা।

সংক্ষেপ বিচার মোকদমার নালি শ পুনরায় হইতে পারিবার কথা।

৫৫। যদি জজসাহেবদিগের কেহ কোন ভূম্যধিকারির কিম্বা ইজা মুখে অগ্রাহাহওয়া রদারের মালগুজারীর বাকীর দাওয়া এ আইনের ১৫ ধারার অনু দারে দ^ক্ষেপে বিচারের কালে অগ্রাহ্য করেন্ তবে দেই ভূমাধি কারী কিন্তা ইজারদারের সাধ্য আছে যে পুনরায় সে নালিশ সূত্র্য সূক্ষা বিচারমূথে বিচারের দাঁড়ামতে দেওয়ানী আদালতে করে। ও তথায় বিচারমূথে দাওঁয়া প্রমাণ হর যদি প্রমাণ হয় যে সংক্ষেপে বিচারকালীন অগ্রাহ্যহওয়া ডাইার লে যে ডিক্রী হই দাওয়া সঙ্গত বটে তবে তাহার যত ক্ষতি হইয়া থাকে ও যে থরচা বেক্ ভাষার কথা। সেই দুইবার বিচারমুথে লাগিয়া থাকে তাহা এবং মালগুজারীর বাকী টাকা মাদে শতকরা এক টাকার হারে সুদ সমেত পাইবেক ইতি।—১৭১১ দা। ৭ আ। ১৭ ধা।

মালওজারীর কা कथा।

৫৬। যেহেতুক মালগুজারীর বাকীর কিন্তা তাহা অন্যায়ক্রমে তহ লেক্টর সাহেবের সীলকরণের সম্মর্কীয় সরাসরী ফয়সলার উপর জাবেতামতে নালিশ করা সরা সরা কর উপদ্বিত হইলে চলিত আইনসকলে এমত কোন মিয়াদ নির্দারিত সলার উপর জাবে আমতে নালিশ ঐ নাহি যে ঐ মিয়াদ গত হইলে তাহা গ্রাহা হইবেক না সেই হেতুক मार्टरद् करा क्या अरे धाताज्यम ह्रूम इरेन् य अम्ब नकन विषय मानश्वातीत का সলার তারিখছই লেক্টর লাহেবের করা দরাদরী ফয়দলার উপর জাবেতামতে হও তে এক বৎসত্ত্বেদ্ধ মা নালিশ মঞ্জুর করিতে কালেক্টর সাহেবের ফয়সলা যাহার উপর খ্যে গ্রাহ্য হইবার হইয়া থাকে তাহাকে ঐ কয়সলা দিবার কিয়া দিতে চাহিবার তারিথ

হইতে এক বৎসর মিয়াদ নির্দারিত হইল ইতি।—১৮৩১ সা।৮ আনা ৬ ধা।

৫৭। এই আইনের ১৫ ধারাক্রমে জিলাসকলের দেওয়ানী আদা লতের যথায় যে মোকদ্দমার ডিক্রী সংক্ষেপ বিচারমূথে হইয়া থাকে ধারাক্রমে সংক্ষে তাহার আপীল মফঃদল আপীল আদালতে হইবার যোগ্য কি না পে এই দন্দেহতঞ্জনার্থে এ ধারাক্রমে মুফ্ট জানান যাইতেছে যে সে মো কদ্দা তথায় আপীল ছইবার যোগ্য ছইবেক না। কারণ এই যে যে কেহ তদনুসারে আপনাকে উৎপাতগ্রস্ত মানে তাহার সাধ্য আছে কালে ইফাল্গয়ুত যে উপরের লিখনদুষ্টে দেওয়ানী আদালতে সূক্ষ বিচারের দাঁড়াম কাগজছাড়া অন্য তে নালিশকরিয়া প্রকৃত প্রস্তাবে বিচার করায় আর ইছাও হকুম আ রমুম না লাগিবার ছে যে নালিশের কালে কি নিদর্শন কাগজপত্র দর্শাইবার সময়ে যে ক্রথা। রমুম লাগে তাহা উপরের ধারার লিথনানুসারে সংক্রেপে বিচার্য্য মোকদমায় লওয়া याইবেক না। কিন্তু জানিবেন যে ইঙ্গরেজী ১৭৯৭ সালের ৬ আইনের এব°৲ আর যে কোন আইনমতে আসল ও নকল কাগজপত্র ইফীয়ুযুত কাগজে লিথিবার হুকুম আছে দে সকল আইন এমত সকল মোকদ্মায় চলিবেক ইতি।*-১৭১১ সা। ৭ আ। ১৮ ধা।

এ আইনের ১৫ বিচারহওয়া যোকদমার আপী ল না হইবার কথা।

৫৮। জানা কর্ত্তব্য যে যে বিষয়ের মোকদ্দমা এই আইনানুসারে বিচার্য্য হয় তাহার উপর আপীল হইলে যদি জ্ঞাত হওয়া যায় যে কোন মোকদমার ঐ বিষয়সমুর্কীয় অন্য কোন মোকদ্দমা উপস্থিত হইয়া তাহার নি ম্পত্তি হইয়াছে তবে সেই সকল মোকদ্মার রোয়দাদ তলব হইয়া পড়া যাইবেক এব ০১ আপীলের মোকদ্দমার যে কয়দলা জারী হই বেক সেই ফয়দলা আপীল না হওয়া অন্য দকল মোকদ্দমাতেও থাটিবেক কিন্তু জানা কৰ্ত্তব্য যে এমত দকল বিষয়েতে যথাৰ্থ সন্থাদ খিল হইয়া পড়া যা উভয়পক্ষকে দেওয়া যাইবেক যে তাহারা মুয়ণ কিম্বা উকীলের দারা হাজির হইয়া প্রত্যেক মোকদ্দমা চালায় ইতি।— ১৮৩১ সা। ৮ আ। ১৭ ধা।

আপীল হওয়া বিষয়ে নিক্পত্তিহও য়া অন্যথেং মোক দমার সম্পর্ক রাথে मिरे मकल याकम यात ताग्रमाम मा ইবার এবং আপী লহওয়া মোকদ্মা उ य क्यमना इह বেক সেই ফয়সলা অন্য সকল যোকদ মাতে থাটিবার ক 1 19

বিশেষ বিধির

৫১। এই আইনের লেথা গুরুমানুদারে যে দকল ফয়দলা কালে কৃটর সাহেবেরা করিবেন ভাছাতে ইঙ্গরেজী ১৮২২ সালের ৭ আ সালের ৭ আইনে ইনের ৩১ ধারার লিথিত হুকুমদকল এই ধারাক্রমে থাটিবেক ইতি।—১৮৩১ मा।৮ আ। ১৯ ধা।

* ইক্টাম্প বিধানের আইন তৎপশ্চাৎ সংশোধিত হইয়াছে ঐ সংশো ধিত আইন এই গ্রন্থের শেষে সংগ্রহ করাষাইবে।

वेक्टब्रजी ১৮२२ র ৩১ ধারার ছকু মসকল কালেকটর मार्टिकित्राक्त अह আইনমতে করাফ ग्रमलात डेशत था টিবার কথা।

৬০। কোন কালেক্টর সাহেবের সরাসরী বিচারপুর্ব্বক করা নি হেবের নিষ্পরির ফপত্তি মতান্তর কি রদ করিবার নিমিত্তে আদালতে যথন জাবেতা উপর্ আদালতে মতে নালিশ দরপেশ হয় তথন ঐ আদালতহইতে ঐ দরাস্রী বিচা রনমুর্কীয় সমস্ত কাগজ তলবের হুকুম হইবেক ও ঐ কাগজ ঐ মোক কদমার সমস্ত কা দ্দমার মিসিলের শামিলে রাথা যাইবেক ইতি।—১৮২২ সা। **৭** গজ তলব হইবার আ। ৩১ ধা। ১ প্র। ও তাহা মিসিলের মধ্যে রাঝা যাইবা র কথা।

ভূমির মালওজা স্থিত হয় তাহা প্রধা ন সদর আমীন ও সদর আমীন ও ম নসেফেরা গুনিতে পারিবার কথা।

৬১। ইঙ্গরেজী ১৮৩১ দালের ৮ আইনের ১৯ ধারা মতান্তর রীর বিষয়ে কালে হইবাতে ছকুম হইল যে ভূমির মালগুজারীর বিষয়ে কালেক্টর ক্টর সাহেবের ক সাহেবের করা সরাসরী ফ্রসলা অন্যথাকরণের নিমিত্তে জাবেডা রা সরাসরী ফরস মতে মোকদ্দমা মূল্য বুক্তিয়া প্রধান সদর আমীন ও স্বর আমীন ও অর্থে জাবেতামত মুনদেকের নিকটে উপস্থিত করা যাইতে পারিবেক ইতি।—১৮৩২ যেং মোকদমাউপুনী। ৭ আয়। ১০ ধা।

৬২। উপরের ধারার ৫ পঞ্চম প্রকরণের অনুসারে কয়েদহওয়া

উপরের ধারার ৫ প্রকরণের মতে কয়েদহওয়া লোক **मि** अप्रामी आमान তে নালিশ করিতে পারিবার কথা।

কোন আসামা যদি তাহার উপর হওয়া দাওয়ার বিচার দেওয়ানী আদালতে করাইতে চাহে তবে সাধ্য রাথে যে যে ভূম্যধিকারী কিম্বা ইজারদার তাহাকে কয়েদ করাইয়া থাকে তাহার নামে নালিশ করে ও তাহাতে দে দাওয়া প্রমাণ না হইলে যত ক্ষতি হইয়া থাকে তাহার নিশা থরচাসমেত কয়েদকরণিয়ার স্থানহইতে দেওয়ান যাইবেক। অসঙ্গত দাওয়ার আরে যদি ধরাপাকড়াহইতে ছাড়ান পাইবার কারণ কিয়া উপরের করেদ থাকিলে কি লিথিত ধারাক্রমে কয়েদ হইতে থালাদ হইবার নিমিত্তে আদৌতল বের টাকা দিয়া পশ্চাৎ তাহার দাওয়া দেওয়ানী আদালতে করে ও তথায় এমত সাব্যস্থ হয় যে তৎকালে সে টাকা দিবার দায় তা হার শিরে সঙ্গত ছিল না তবে তদর্থে উপরের লিখনানুসারে ডিক্রী হইবেক এব° দক্ষতঅপেক্ষা যত টাকা অধিক দিয়া থাকে তাহা মালে শতকরা এক টাকার হারে মুদ দমেত ফিরিয়া পাইবেক ইতি। — ১৭৯৯ সা। ৭ আং। ১৬ ধা।

শ্বা দে দাওয়া দিয়া शालाम रहेरल ध মাণপূর্বক তাহার ला डार्थ य जिकी হইবেক ভাহার ক থা।

৭ ধারা।

এক বিষয় সমুর্কীয় দুই কিয়া ততোধিক নালিশ ভিন্নং আদালত হইলে যাহা কর্ত্তর তাহা।

এই আইনশ্বিসা ৬৩। এক বিষয়সমুৰ্কীয় দুই কিম্বা ততোধিক নালিশ ভিন্নং আদা রে গ্রাহ্য এক বিষ লভে ছওনপ্রযুক্ত কফ্টবোধ ছইয়া এই ধারাক্রমে ছকুম ছইল যে यमम्प्रकीय मुद्रे कि यमि जजमारश्रेतत कर्गशानत इस स्य अहे आहेनानुमारत स्य कान ভঙোধিক নালিশ বিষয় বিচার্য্য হয় ভাহার সমুর্কীয় কোন মোকদ্দমা আপনার আদা

লতে কিয়া আপনার তাবে কোন আদালতে উপস্থিত আছে আরু হইলে যে২ হুক্যম সেই বিষয়সমূর্কীয় নালিশ পূর্ব্বে কালেক্টর সাহেবের নিকটে হই ভাচরণ করিতে হই য়াছে তবে জজসাহেবের কর্ত্তব্য যে সেই মোকদ্দমা কালেকটুর না বেক ডাছার কথা। হেবের নিকটে পাচাইবার ত্কুম দেন্ এব প কালেক্টর সাহেবের উচিত যে দুই নালিশের নিষ্পত্তি করেন ইতি।—১৮৩১ সা। ৮ আ > 8 था।

৬৪। ঐ মত যদি কালেক্টর দাহেবের কর্ণগোচর হর যে যে বিষ য়সমুর্কীয় নালিশ আপনার নিকটে উপস্থিত আছে সেই বিষয়সমু ৰ্কীয় নালিশ পূৰ্ব্বে জাবেতামতে জজদাহেবের আদালতে হইয়াছে তবে তাঁহার কর্ত্তবা যে ঐ মোকদ্দমার বিচার স্থগিত রাথিয়া জজদা হেবের নিকটে নথী পাচান্ এব ১ ঐ জজসাহেব দুই মোকদমার নি ষ্পত্তি আপনি করিবেন কিয়া আপনার তাবে কোন কাছারীতে বি চারের নিমিত্তে পাঠাইবেন ইতি।—১৮৩১ সা।৮ আ।১৫ ধা।

যদি কালেকটর <u> শাহেবের</u> বোধ হয় যে এই আইনানুসারে যে বিষয়ের নালিশ তাঁ হার নিকটে উপস্থি তহইয়া আছে এই বিষয়ের নালিশজা বেতামতে পুর্বের জ জসাহেবের নিকটে উপস্থিত হইয়াছে তবে ঐ মোকদমার বিচাব স্থগিত রাখি য়া জজসাহেবের নি करणे नथी পाठा है বার কথা। আদালতের কার্য্য

কারকেরা এই আ

ইনানুসারে বিচার্য্য এক বিষয়ের সকল

মোকদমা নিষ্পাত্তি

র কারণ এক কাছা

রীতে পাঠাইতে চে

৬৫। জানান যাইতেছে যে জজসাহেবের এবণ্ তাঁহার অধীন আ দালতের কার্য্যকারকদিগের কর্ত্তরা যে হইতে পারিলে এই আইনা নুসারে বিচার্য্য এক বিষয়ের সকল নালিশের মোকদ্দমা নিষ্পত্তির নিমিন্তে এক কাছারীতে পাচান আর অধীন আদালতের কার্য্যকার কদিগের কর্ত্তব্য যে যদি মালগুজারীর বাকী কি তাহা অন্যায়েতে তহদীলকরণের সম্মুর্কীয় কোন বিষয়ের মোকদ্দমা আপনার আদা লতে উপদ্বিত হইয়া আছে এব°৲ তাহারা জ্ঞাত হয় যে দেই বিষয় 👸 করিবার কথা। দম্বর্কীয় কোন মোকদ্দমা অন্য আদালতে উপস্থিত আছে কি কালে কটর সাহেবের নিকটে সরাসরীমতে নালিশ উপস্থিত হইয়াছে তবে ঐ মোকদ্মার বিচার স্থগিত রাথিয়া নথী জজসাহেবের নিকটে পা ঠায় ইতি।--১৮৩১ দা।৮ আ। ১৬ ধা।

৮ ধারা।

थाजाना आमाग्र कर्रगविषर्य कृष्णिथकात्रिर्द्राम् र खु ও क्रम्या।

৬৬।কথন কোন কট্কিনাদার কিয়া যোতদারপ্রভৃতি মালগু জার উপরের লিথনানুসারে ধরা আসিয়া যদি অব্যাজে বাকী টাকা উসুল না হইবাডক না দেয় ও সে নিমিত্তে জজসাহেবের স্থানে চালান হয় তবে সে বা कींद्र बजुदान कुमाधिकांद्री किया रेकांद्रमात्त्रद्र माधा चाष्ट्र य म বাকীদার আদামীর কট্কিনার মহাল কিছা যোতের ভূম্যাদি কোক রিবার কথা। VOL. I.

मध्य मृत वाकी वाकीमाद्वत म्यूना ভুমাদি বস্ত ক্লোক থাকিতে পা

করে ও তাহার দরবরাহ তাবৎ নিজ আমলার ঘারা কিয়া অপর যে মতে করান বিহিত ভানে করায় যাবৎ সেই বাকী ও সে বন্ধ ক্রোকু হইলে পর আরু যে বাকী পড়ে তাহাসুদ্ধা মোটে যত টাকা

ধ্যে বাকী শোধ প फ़िल उकाकी मम রের নিকাশ বাকী 971

বাকী চাহরে সেই মোটটাকা মাসে শতকরা এক টাকার হারে সুদ চানিপ্রভৃতির ছা সমেত সেই বস্তুর উপস্থত্বাদির ছারা উসুল না হয়। কিন্তু ভূম্যাধ নে বেশী তলব করা কারিগণ ও ইজারদারেরা যে সময়ে এমতে বস্তু কোক্ করে সে সম · অকর্ত্তব্যের কথা । য়ে উচিত নছে যে তৎকালে চাসীপ্রভৃতি ক্ষুদুৎ যে প্রজাদিগের স্থানে যত মালগুজারী সেই বাকীদার আসামী পাইত তাহার বেশী সেই বাকীদার আসামী ও চাসীপ্রভৃতিতে মিলিয়া গড়ন করিয়া আইনের সম্বংশরের ম বহির্ভূত কিছু কর্মানা করিয়া থাকিলে তলব করে। আর যদি সেই বাকীদার আসামী বাকী টাকা মাসে শতকরা এক টাকার হারে সুদ সমেত সেই সনের মধ্যে দেয় তবে তৎক্ষণাৎ সে ক্রোকৃ বর্থান্ত হই দার পাইবার ক বেক এব॰ ক্রোককরণিয়া সেই বস্তু ক্রোক থাকিবাপর্যান্তের নিকাশ প্রকৃতপুস্তাবে সেই আসামীকে দিবেক।—১৭১১ সা। ৭ আ। ১৫ ধা। ৬ প্রা

বারাণস ১৮০৫ সা। ৫ আ । ১৪ ধা। ৬ প্র। महातम ३४०७ मा। २४ छा। ७२ था। ७ था।

मच्यमदुर यस्य বাকী না মিলিলে ভূমাধিকারিপ্রভৃতি তে যে মডাচরণ ক রিতে পারে তাহার কথা।

৬৭। সুবেজাৎ বাঙ্গালা ও বেহার ও উড়িয়ার মধ্যের যে সুবার যে ভূমি হয় তাহার মালগুজারীর বাকী টাকা সেই সুবার চলল সন বাঙ্গালা কিয়া ফদলা অথবা বিলায়তীর ভিতরে বাকীদারের কিয়া মালজামিনের অথবা দে ভূমিকোকের দারা উসুল না হইলে সেই वाकीमादित मञ्जूकीं इ जृति रेय ज्ञतीमादित किया जेना ज्ञाधिकादित অধিকারের মধ্যে থাকে অথবা সে সনের অধিক মিয়াদীপাউ।ই যে ইজারদারের ইজারার মধ্যে রহে সেই জমিদারপ্রভৃতিতে দাধারাথে যে আইন্দা দন সুরু হইতে এতারতা তাহার পরবর্ৎদর প্রবর্ত্তে দেই বাকীদারের সংক্রান্ত ভূমির বন্দোবস্ত অপর যে মতে করণ বিহিত দেই মতেই তন্মধ্যের স্বত্ত্বানদকলের স্বত্ত্ব দাবাস্থ রাথিয়া করে। আর যদি সে বাকীদার কেবলৈ এক সনের জন্যে কট্রিনাদার হইয়া খাকে কিয়া তাহার পার্টার মিয়াদ সেই সনে শেষ হয় তবে সুতরাৎ বাকীদারের ইজা ভদ্ধিক মুদ্দতে কট্কিনা রাথিবার দাওয়া করিতে পারে না। কিন্তু রার পাউার মি যদি পাউটার মিয়াদ গত না হইয়া থাকে ও মালগুজারীও না দিবাতে করার বিচলিত হয় তবে সেই পাটাদেওনিয়া যথাভীষ্টক্রমে সে পাউ। বাজেয়াম্ব করিতে কিম্বা না করিতে পারিবেক। আর যদি हरेंदेड भारितात तम वाकीमात प्रकश्मनी **जामूकमात अधवा श्रकाता**स्टर ज्ञित खांग . বান হয় ও তাহার সংক্রান্ত ভূমি সনন্দ কিয়া এদেশীয় চলন অন্য প্রকার কাগজপত্রাদির অনুসারে হস্তান্তর হইতে পারে ডবে দেওয়া নী আদালতে দর্থান্ত করিয়া তাহার ভূমিকে মালগুলারীর বাকী बाकीमाद्रव मे । উमूरलद कांद्रव विकार कहाईए माधा शोकिरक । ও जोड़ा कहिरल कांड कृषि हिकला म कृषित धरीमाता मारे मत्नत निभित्त पूर्व छानवात्नत गार

বোধ ইইবেক। কিছা যদি বাকীদার কেবল এমত পাউটি প্রজা হয়

ग्राम गंड रडेक कि না বৎসর গতে সে বাজেয়াকু কথা।

व रवांगा हरेल वि

যে মোকররীমতে কিয়া তথাকার দাঁড়াক্রমে মালগুজারী যাবৎ করে ক্রন্ন হইবার ও অ ভাবৎ সে ভূমিতে তাহার স্বস্থ সান্যস্থ থাকিতে পারে কিন্তু সে ভূমি যোগ্য হইলে তাহা হস্তান্তর করিবার স্বস্থনা রাখে তবে সে ভূমির অধিকারী কিয়া ইজা র হাতছাড়া করা রুদারপ্রভৃতি যে কেছ যতকাল মিয়াদনির্দিষ্টে আপন স্বত্ব সে প্রজা কে অপিয়া থাকে তাহার শক্তি আছে যে সেই বাকীদার প্রজা করা রের অন্যথা করিলে তাহার হস্তহইতে দে ভূমি ছাড়াইয়া লয়। ইহাতে ভূমাধিকারিণণ ও ইজারদারেরা এ প্রকরণের লিথিত হস্তা ন্তুর হুইবার যোগ্য ভূমি বিক্রয় করাইবার কারণছাড়া অপর সকল তির আপন শক্তি विषरसङ् आमामरा मेद्रथास ना कृतिया आश्नाद्रमिरगद भक्तानुमारत भरा कार्या कृतिया কার্য্য করিতে পারিবেক। কিন্তু যদি তাহারা কিন্তা তাহারদিগের র কারণ আদাল আমলারা আপনারদিগের শক্তির বহির্ভূত কোন কর্মা করে ও তাহা তে পাটাদিগর কাগজপত্তের অনুসারে কিয়া তথাকার আদ্যোপা ন্তের দাঁড়াক্রমে কোন প্রকার মালগুজারের স্বস্থ লোপ হয় তবে তা কিলা নিজ আমলা ছার নিশার দায় সেই অধিকারী কিয়া ইজারদারের শিরে পড়িবেক। আর জানিবেন যে এ আইনের মর্ম্ম কোন প্রকারে ভূম্যধিকারিগ ণের দায় ঠেকিবার ণের ও প্রজাদির স্বস্তু নিরূপণার্থে নহে তাহারদিগের স্বত্বের বিচার কথা। দেওয়ানী আদালতে হইবার দায় রাখে। ইহার মর্ম কেবল বাকী দার্দিগের স্থানে মালগুজারী উসুলের দাঁড়া ধার্য্যের নিমিত্তে তাহা তে যদি কাহার স্বস্ত্র লোপ হয় তবৈ কর্ত্তব্য যে এমত মোকদ্দমার বি চার ও নিষ্পত্তি শীঘু হইবার দাঁড়ার সংক্রান্ত এ আইনের লিথিত ত্কুমমতে আপন স্বত্ব লোপ হইবার এবং ক্ষতি ও থরচার দাও याय (मुख्यानी जामालराज नालिम करत्। -> १३३ मा। १ जा। ३৫ व्हेटल जामालराज ধা। ৭ প্র।

বারাণস ১৮০০ সা। ৫ আ । ১৪ ধা। ৭ প্র। मह (मन ১৮०७ मा। २৮ जा। ७२ था। १ था।

৬৮। উপরের লিথনানুসারে যদি ভূমাধিকারিগণের ও প্রজাদি মালগুজারদিগের কেছ কাছার নামে কথন আপন স্বত্তাধিকারের র ওপ্রজাদির নানা সংক্রান্ত মোকদ্দমায় দেওয়ানী আদালতে নালিশ করে তবে তৎকা বিধু স্বজাধিকারে লে তথাকার জজদাহেব দে মোকদ্দমার বিচার ও নিষ্পত্তি উভয়তঃ হওয়া একরার লিথনাদি কাগজপত্রদুষ্টে কিম্বা শরা কি শাস্ত্রমতেই বা অথবা আইনক্রমে কিয়া দে স্থানের আদ্যোপান্তের চলন সামান্য कि विश्मिष में। ज़ात अनुमारत कतिरवन। आत जानिरवन रय अभीमात প্রভৃতি ভূমাধিকারিগণ ও ইজারদারেরা প্রজাদি মালগুজারদিগকে যে যে সময়ে প্রজা মালপ্তজারীর হিদাব নিষ্পত্তির কারণ কিয়া অপর কোন বিশিষ্টহে দিগকে ওলব করি 'তুতে অথবা তাহারদিণের উভয়তঃ হওয়া একরার লিখনাদি কাগজ ও ও রুজু আনাই পত্রদৃষ্টে মাপিয়া বুঝিবার যোগা তাহারদের হাতে থাকা কোন ক জানাইবার ক ভূমি মাপিবার নিমিত্তে ডাকিতে কিম্বা ডাকাইয়া আনিতেও বহালী था। কোন আইনমতে নিষেধ ছিল না ও নাই। তথাচ এ ধারাক্রমে মৃষ্ট্ জানান যাইতেছে যে ভূমাধিকারিপ্রভৃতিতে রাথা সাধ্যানুসারে এমর্ড कर्म कदिए जारभाक नाहे या तम जतना जातो त्म अपनी जानामाजु

ভুমাধিকারিপ্রভু তে দর্থাস্ত না করি

তাহারা নিজের র কৃত অসঙ্গতাচর

उ इहेवात कथा।

এই আইন লো কদিগের মত্য সাব্য স্থের অর্থে নির্দি ষ্ট জানিতে না হই বার কথা।

কাহার স্বজ্ঞ নফী নালিশ করিতে পা রিবার কথা।

ভূম্যধিকারিগণ র বিচরে দেওয়ানী আদালতে হইতে পারিবার কথা।

ভূম্যধিকারিগণে তে পারে তাহা ক্প ष्ट्रेवात् कथा।

ভুমাধিকারিপ্রভূ দর্থান্ত করে। ও ইহাতে যদি ভূমাধিকারিপ্রভৃতিতে রাথা দাধাম ভির্ম ছকুম প্রজাদি তে কার্য্য করিতে কেছ প্রতিবাদী হয় তবে দেওয়ানী আদালতে তাহা তে না মানিলে দণ্ডা প্রমাণ হইলে সে নিমিত্তে হওয়া সমস্ত ক্ষতি সমেত যাবদীয় এরচা পোষাইয়া দেওয়াইবার কারণ দেই প্রতিবাদির দণ্ড হইবেক। অধি

ণ্ডা হইবার কথা।

কন্ত সেই দ্দামির জন্যে তাহার নামে দায়ের সায়েরী আদালতে স্বমাধিকারিপ্রস্থ নালিশ হইতে ও দে দুঁদ্যা শান্তির যোগ্য চাহরিতে পারিবেক। কিন্তু ভি ও ভাহারদিগের যদি ভূম্যধিকারিগণের কিম্বা ইজারদারদিগের অথবা ভাহারদিগের চাকরের। সাধ্যছ। আমলার কেহ আপন সাধ্যের বহির্ভুত কোন কর্ম্ম করে তবে উৎপা ড়া কর্ম করিলে দ তগ্রস্ত দে বিষয় দেওয়ানী আদালতে প্রতিপন্ন করিলে দেই কর্মির উপর সমস্ত ক্ষতি ও থরচা দিবার দায় পড়িবেক। তদ্ভিন্ন মোকদ

মা বুকিয়া যে দণ্ড সরকারে লওয়া উচিত তাহাও দিবেক। আর ভূমাধিকারিপ্রভৃতির দহিত প্রজাদি মালগুজারদিগের লিখনপঠনের দ্বীরা কোন একরার এতাবতা পাট্টাদিগর দেওয়া লওয়া হইয়া থা কিলে ও মালগুজারীর দাখিলা মালগুজারেরা পাইয়া থাকিলে তদ্ ষ্টে উভয়তঃ হওয়া সেই একরারে কোন বয়ন্ত কিম্বা থাজানা ওয়া দীল ও বাকীর বিষয়ে যে কিছু সন্দেহ জন্মে তাহার ভঞ্জন ও সমা উভয়ের ভালর ধা দর্বতোভাবে হইতে পারিবেক। অতএব জজদাহেবদিগের ও মনো ইন্সরেমী ১৭ কালেক্টর সাহেবেরদের কর্ত্তবা যে এতদ্বিষয়ে ব্যতিক্রম হইতে না

ইনে নির্দিষ্ট আছে তাহা তাহারদিগের উভয় পক্ষের হিতের

জনো যে কোন বিহিত সময়ে দেখান ও বৃষান উচিত জানেন্ সেই

সময়েই এইছেতুক দেখান্ ও বুঝান্ যে তদনুসারে চলিলে ভুমাধি

২৩ সালের ৮ আ পারিবার কারণ যে দাঁড়া ও হুকুম ইঙ্গরেজী ১৭১৩ সালের ৮ আ ইনমতে একরারী **পাট্টা ও দাখিলাদি** शब्द प्रथमा । ध लक्ष য়াকরিবার দাঁড়া জন্তসাহেবের। ও কারিপ্রভৃতিতে কোন রূপে বেশী তলব করিতে ও প্রজাদিতেও অস कालেक्টর সাহে ক্বত আপত্তি জন্মাইতে পারিবেক না।--১৭৯৯ সা। ৭ আ। ১৫ বেরা বৃষাইবার ক খা।৮ প্র। el I

বারাণস ১৮০০ সা। ৫ আ। ১৪ ধা। ৮ প্র। म्**व (मृण ३४०७ जा। २४ छा। ७२ ४। । ५ छ।**

देशरवंजी ३१२७ র ১৫ খারার বিব রণেতে হওয়া ছি शांत्र कथा।

৬১। বাকীদারের এলাকা ক্রোককরণের বিষয়ে ইঙ্গরেজী ১৭১১ দালের ৭ আইনে দালের ৭ আইনের ১৫ ধারার কর্মের বিবরণেতে কএক দিখা ও সন্দেহ জন্মিয়াছে বিশেষতঃ এ বিষয়েতে যে বাকীদারকে গ্রেস্থারক রণের দম্ভক জারীহওনবিনা তাহার এলাকা ক্রোকহওয়া সঙ্গত বটে কি না ও ঐ ধারার নিয়মের মধ্যে কি তাহার পরে জারীহওয়া অন্য কোন আইনেতে ইহা কিছু মুষ্ট লেখাও নাহি যে বাকীদারের উপর দস্তকজারী না করণমতে তাহার বাকীর নিমিত্তে সরাসরীতে ডিঞ্লী হইতে পারে ও আসামী লোককে গ্রেফ্টারকরণবিনা এলাকা ক্রোক ও সরাসরী তজবীজহওয়া মামূল অর্থাৎ রীতি না থাকনহেতুক প্র জারা ও জমীদারের পেটার এলীকাদারেরা ফুপোশহওয়াকে এড়াই ৰার সুগম উপায় দেখিয়া তাহাই হইয়া থাকে কেননা জানে যে দম্ভ কের মিয়াদের মধ্যে ধরা না পড়িলে আদালতহইতে মালআমওয়া : সৈত্র দ্বারা বকেয়া টাকা দেওয়াইবার কোন রাহা নম্বরী নালিশব্য

তিরিক্ত নাহি এই সকল ব্যাঘাতের তদারকের নিমিত্তে নীচের লিথি তব্য নিয়মসকল ঐ ৭ আইনের ১৫ ধারা শুধরণক্রমে ও তাহার মর্মের বিবরণের অর্থে নির্দিষ্ট হইল ইতি।—১৮১৯ সা।৮ আ। ३२ था। ३ था।

৭০। এক্ষণকার আইনের মতে জমীদার লোক ও তালুকদার লোক ও ইজারদারইত্যাদিরা বকেয়া টাকা তহসীলের নিমিত্তে লিশকরণের পরে তাহা আসামীর স্থানে তলবকরণের পুর্বেক কি তাহাকরণের পরে জমীদার ইজারাআ সরাসরীহইতে দম্ভক জারী করাইতে পারে তাহা সত্তে এক্ষণে এমত দি জোক করিতে চুকুম হইল যে ঐ সকল লোকদিগের মধ্যে যে ব্যক্তি হয় সে তালু পারিবার কথা। কদার লোকের কি ইজারদারদিগের কিয়া অন্য যাহারা জমীদার ও প্রজালোকের মধ্যেতে অধিকারের দ্থীলকার থাকে ভাহারদিগের কাহারু নামে বাকীর নিমিত্তে সরাসরীরূপে দর্থাস্ত দাথিলকরণের পরে আসামী গ্রেফ্লার হয় বা না হয় আপন তর্ফহইতে এলাকা ক্রোককরণের ও প্রজালোকের স্থানে তহসীলকরণের নিমিন্তে সরে জমীনে সাজাওল পাচাইতে পারিবার কিন্তু সাজাওল পাচাইবার ক্ষমতা ইচ্ছানুরূপ নহে বর্ণ তাহাতে নিয়ম এক এই যে দ্র্থান্তের ধি এক মাস গত হ লিখিত তলবী বাকীপড়নের সময়অবধি এক মাস গত হইলে পরু ইলেও দেই মাসে পাঠাইতে পারিবেক এক মাসের পূর্ব্বে ক্ষমতা নাহি এতাবতা ভাদ রু কিন্তির সমুদয় মাদের বাকীর নিমিত্তে কার্ত্তিকের ১ পহিলা তারিথের পূর্ব্বে ক্রোক করিতে পারে না যদি তাহার দর্থান্ত আখিনের প্রথমে গুজারিয়াও থাকে ও দিতীয় এই যে যদি মাসের কিন্তির সমূদয় টাকা বাকী থাকে এতাবতা ভাদের কিস্তির সমৃদয় টাকা বাকী না থাকিলে ভাদের কি মির মধ্যের এক টাকা বাকীর নিমিত্তে ক্রোক করিতে পারে না ইতি। ->৮১৯ मा। एजा। ५৮ था। र था।

বাকী পড়নঅব টাকা বাকী থাকি

৭১। জাবেতামত দম্ভকজারীহওনের পর যদি নাজিরের রিটরণ অর্থাৎ কৈফিয়ৎ তলাশ কবিয়া আসামী না পাওয়া যাওনের কথা না হইলে সরাসরী সম্থলিত দাখিল হয় তবে দর্ধান্তদেওনিয়ার ক্ষমতা আছে যে সিরি ^{তে ডিক্রী হইতে} পা শ্তার উকীলের কি আপন মোধ্যারের মারফতে মোকদ্দমার তজবীজ রিবার কথা। একমাসপর্যান্ত এই আশয়ে মৌকুফথাকনের দর্থান্ত দাথিল করে যে যদি ইহার মধ্যে পারে তবে দম্ভক জারী করাইয়া আসামী গ্রেফ্লার করায় ও সেই মাসের খেষে হাজির না হওনমতে ইশতিহার দেও য়ায় ও ইশ্ভিহারের মিয়াদ অতীত হইলে মোকদমার তজবীজ করায় অথবা মৌকুফ না করাইয়া ১৫ পনের রোজ মিয়াদে এই মজ মনে ইশ্তিহার লট্কাইয়া দেওয়ায় যে ইশ্তিহারের মিয়াদ গত ইইলে আসামী হাজির হর বা না হয় মোকন্দমা সরাসরীমতে নি ষ্পান্তি হইবেক ও হাজির না হওনমতে ফরিরাদীর দস্তাবেজ দেথিয়া একতরফী তন্তবীন্দ করা যাইবেক ইতি।—১৮১১ সা।৮ আ। ১৮ - খা। ৩ প্র।

আসামী হাজির

मवामवी जिजी বার কথা।

৭২। বাকীর ডিব্রল হইলে ডিব্রলির আসামী যদি ইজারদার কিয়া হইলে জমীদার ই তাহার নায় অনা এলাকাদার এতারতা যে এলাকাদারের এলাকার জারাওগয়রহ অ করার্নাদ বাকীর নিমিন্তে বাতিল হইতে পারে দেইরূপ হয় তবে দিন্ধ করিতে পারি ফরিয়াদী ডিঞ্লিছওয়া এলাকা আপন তরফহইতে অদিদ্ধ করিয়া তা র কথা। সরাস্রীতে হও হার হাতছাড়া করিয়া লইতে পারে জানা কর্ত্তব্য যে স্রাস্রী তজ্বী নর বির্মাণ বিজ্ঞা জেতে বাকীর যে ডিক্রী হয় সে ডিক্রী জারীকরণেতে বাকীর এলাকা ওয়া ভিন্ন অন্যন্থা সেওয়ায় স্থাবরবম্ভ বিক্রেয় করিতে পারা যাইবেক না এতাবতা যদি বর বন্ধতে জারী হ আসামী এই আইনের ৩ ধারার উক্ত প্রকারের তালকদার কিয়া

ইতে না পারিবার অন্য যে প্রকার এলাকা বাকীর নিমিত্তে আইনের অনুসারে নীলাম হইতে পারে দে পুকার এলাকাদার হয় তবে তাহার উপর যাহা বাকী থাকে তাহার নিমিত্তে বাকীর এলাকা বিক্রয় করা যাইবেক ও যদি জমীদাব কি অনা দাওয়াদার ঐ বাকীর নিমিত্তে যে এলাকার বাবৎ বাকী তাহা সেওয়ায় স্থাবরবস্তু কি অন্য এলাকা নীলাম করা ইতে চাহে তবে তাহা নমুরী ডি ক্রীবিনা হইতে পারিবেক না ইতি। - ३৮३२ मा । ५ खा । ३৮ था । 8 था ।

প্রজালোকের যো রিবার কথা।

৭৩। এই ধারার ২ ও ৪ প্রকরণেতে বাকীদারদিণের এলাকা অ ভল্লমী অসিদ্ধ ও সিদ্ধ ও ক্রোক হওনের বিষয়ে যে সকল নিয়মের প্রসঙ্গ হইল তাহা ক্রোক হইতে না পা কেবল জমীদার ও প্রজার মধ্যেতে হওয়া তালুক ও ইজারা ও অনাং এলাকার সহিত সম্পর্ক রাথে ও থোদকদ্যা প্রজালোকের ও প্রাচীননি বাদী চাদিলোকের যোতের দহিত সম্মর্ক রাখিবেক না ও তাহারদি গের স্থানে যে বাকীর দাওয়া রাথে দে সর্ব্রদা চলিত আইনের মতে বৎসরের মধ্যে আপন বাকীর নিমিত্তে আসামীর ফসলওগয়রত মালআমওয়াল ক্রোক করিতে কি তাহাকে গ্রেফ্লারকরণার্থে দম্ভক জারী করাইতে পারিবেক কিন্তু যদি সাল্আথেরীতে জমীদারের

তে সরাসরী নালি শ করিতে পারিবা র কথা।

কিন্তু সালআখে কি তালকদারের কি ইজারদারের বাকী থোদকস্তা প্রজালোকের কি রীতে তাহা ছাড়াই প্রাচীননিবাসি চাসিলোকের মধ্যে কাহারু শিরে থাকে তবে সরাসরী য়া লইবার নিমি তে নালিশ করিয়া দস্তক জারী করাইতে পারিবেকও যদি আসামী কু পোশ হয় কি অন্যহেত্ক গ্রেফ্টার হইতে না পারে তবে এই ধারার ৩ প্রকরণের নিয়মের মত আচরণ করা যাইবেক ও যদি দাওয়াদার বৎদরের মধ্যে যেমত তাহার করা উচিত দেই মতে বাকীর ডিক্রী পাইয়া সে ডিক্রী জারী না হইয়া থাকে তবে সে ডিক্রী তাহার মাত বর দলীল হইবেক জারী না হইয়া থাকন প্রমাণহইলে ও আদালতে वाकी मार्व इडेल यंति अविलाभु आनाग्र ना इत उत्त अत्थाती मा লেতে দাওয়াদারকে অনুমতি দেওয়া যাইবেক যে আসামী প্রজার এলাকার জমীনের যে প্রকার বিলি বন্দোবস্ত করিতে চাহে তাহা করে ইতি। -- ১৮১১ না। ৮ আ। ১৮ ধা। ৫ প্র।

ই ধারা।

মিখ্যা ও ক্লেশদায়ক নালিশ ও তলব।

৭৪। প্রায় সর্বাদাই মালগুজারেরা অপনারদিগের দুবা ক্রোকক তহসীলের আম

রণিয়ার নামে এব পত্রদীলের আমলার নামে ফৌজদারীআদালতে লার নামে কেছ অঘ মিথ্যা নালিশ করে এব°৲ তাছার দিগের যে কেছ যে মোকদ্দমার কিছু থা নালিশ করিলে জানে না তাহাকেও সে মোকদমায় সাক্ষী মানে তাহার কারণ এই যে কিঘা সাক্ষ্য দিবার সেই লট্থটিতে তহসীলের কার্য়ের ভণ্ডুল হয় ও গৌণ পড়ে অভ ^{জন্মে} বৃ^{থা} তলব ধ এব এরপ অবিহিত কর্মা কথন না হইতে পারিবার ও ইহা করণি য়ার শাস্তি হইবার নিমিত্তে আইনমতে যত উপায় হইতে পারে তা হাই আদালতে করা কর্ত্তব্য। আর যে সময়ে এ প্রকার অসঙ্গত মো কদ্দমা মাজিফ্টেট্সাহেবের স্থানে পঁহুছে সে স্যয়ে তাঁহার উচিত যে ইঙ্গরেজী ১৭১৩* দালের ১ আইনের ১০ ধারার ছুকুমের মতা চরণ যথাশক্তি করেন্। আর যদি জমিদারীওগয়রহের তহসীলের ও ৪ আইনের ৬ধা *ব*∾ক্রান্ত কোন আমলাকে অকারণে সাক্ষ্য দিবারনিমিত্তে দেওয়ানী রামতে কার্য্য করি আদালতে তলৰ করা যায় তবে কর্ত্তব্য যে ইঙ্করেজী ১৭৯৩ সালের ৪ আইনের ৬ ধারাক্রমে তাহার সমৃদয় থরচ যাহার দর্থাস্তে তাহার তলব হইয়া থাকে দে লোকের স্থানহইতে দেওয়ান্ অধি কন্ত হকুম আছে যে যদি কেহ চপলতাক্রমে কিয়া বিনা বিশিষ্ট হেতুতে জনীদারের কিয়া তালুকদারের অথবা অন্য ভূম্যধিকারির किश्वा रेजावनारवत शक्तत उरमीरलव मा क्या ध्रामीन किया। আমলাকে দেওয়ানী কিয়া ফৌজদারী আদালতে তলব করায় ও তাহাকে অয়থা তলব করাইবাতে ভুমাধিকারির কিয়া ইজারদারের মালগুজারীতে কিছু ভণ্ডুল কিয়া অপর ক্ষতি হয় তবে যে কেহ

রাইলে তাহার শা রি আদালতে চই वात मगरम् कथा। थे मभएग्र डेक्टर् জी ১৭৯৩ সালর ৯ আইনের ১০ ধারা বার কথা।

क्ट उरमी लात আমলাকে অকার (१ उनर क्राइटन নোকসান ও খরচা त मारम ठिकिवात

* যে কালে ফৌজদারীর সাহেব ৮ অফাম ও ৯ নবম ধারার লিখিত কে वल काम्मलकृत्व ও वार्ष्माहरम् अन्तर्व किया निम्मृत अमुमुख अ अकात्रवाद रहरवता रह कारल নালিশের ন্যায় কোন নালিশ জানেন সে কালে ঐ সাহেবের ক্ষমতা আছে ৮। ৯ ধারার লিখ যে ৮ অউম ধারায় শাস্ত্রির পরিপীমার নিরূপণের বিষয়ে যে সকল দাঁড়া ও নের ন্যায় কেবল কায়দা আছে তাহা বিবেচিয়া দণ্ডল ওন কিম্বা কয়েদ্বাঞ্গক্রমে ফ্রিয়াদীকে ব্যামোহদায়ক ও শাস্তি দেন ইতি।—১৭৯৩ সা। ৯ আ। ১০ ধা।

य काल को जमातीत मारकरतत निकरण माति शिष्ठ किया कर्षे कथा शालित মোকদমা অথবা অন্যথ ক্ষুদু মোকদমার নালিশ পঁছছে সে কালে ঐ সাহে বের কর্তৃত্ব আছে যে সে সকল মোকদমা দায়ের ও সায়েরের আদালতে সোপর্দ না করিয়া ভাহার বিচার ও নিষ্পত্তি আপনি করেন। ভাহাতে যদি দাওয়া প্রমাণ হয় তবে আসামীকে ১৫ দিনের অধিক না হয় এমত মৃদতে করেদ রাথেন কিম্বা সিককা ৫০ টাকার অতিরিক্ত না হয় এমত সংখ্যায় তা হার স্থানে দণ্ড লন যদি জমীদার কিম্বা তালুকদার অর্থবা অন্য ভূম্যধিকারী যাহার সালিয়ানা মালগুজারী সিককা ১০০০০ দশ হাজার টাকার অধিক হয় কিন্তা আয়মা ভূমির যে অধিকারির সালিয়ানা মালপ্রজারী সিককা ৫০০ পাচ শৃত্ত টাকার উর্ক্ব হয় অথবা নিক্ষর ভূমির যে অধিকারির সাম্বৎসরিক উৎপন্ন সিককা ১০০০ এক হাজার টাকার অতিরিক্ত হয় এমত সকল লোক হেবেরাএই ধারার আসামী হয় তবে তাহারদিণের দণ্ড সিককা ২০০ দৃই শত টাকার অধিক লিখিত মোকদমার कथन इटेरक ना किन्छ मरखंद मा शानिक भाग विषय को जमादीव मारह বের কর্ত্তব্য যে উপরের লিখিত মর্মা ও মোকদমার বেওরা ও আসামীর বিষয় ও শক্তি বুঝিয়া যাহা উচিত জানেন তাহাই নিরপণ করেন্ ইতি। ১৭৯৩ সা।৯ আরো৮ ধা।

ফৌজদারীর সা অসকত নালিশ জা নেন সে কালে ফরি ग्रामीटक माछि मि তে তাঁহারদিগের হৃদ্যভার কথা।

যে সকল যোকদ মার বিচার ও নি ম্পন্তি করিতে ফৌ जनातीत मारहविम গের ক্ষমতা আছে তাহার কথা।

ফৌজদারীর সা আসামীকে যে শা স্তি দিবেন তাহার বেওরার কথা।

তাহাকে তলৰ করাইয়া খাকে তাহার নামে সেই ক্তির দাওয়া হইতে পারে ও তাহা দেওয়ানী আদালতে কিয়া ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৪০ আইনের মতে নিযুক্ত হওয়া কমিদ্যানরদিগের বিচার্য্য নে মোকদ্দমা হইলে ভাহারদিগের নিকটে প্রমাণপূর্বক অন্যায়গ্রস্ত আপন ক্ষতির নিশা ধরচাসুদ্ধা সেই তলবকরণিয়ার স্থানহইতে পाইবেক ইভি।-->१३১ मो। १ ष्या। ১२ धा।

১০ ধারা।

কালেক্টর সাহেবের রিপোর্ট।

লময়ে২ রিপো**ট** नाटश्विमरशद छकु मक्राय उपातम हो হণ করিবার কথা।

৭৫। এই আইনানুসারে নালিশকরা যে সকল মোকদ্দমার নি পাঠাইবাতে ও এই ফপত্তি হইয়া কিম্বা উপস্থিত হইয়া খাকে সময়েং তাহার রিপোর্ট আইনমতে অন্যথ করণেতে এব শামান্যতঃ এই আইনের চ্কুমসমুর্কীয় অন্য সকল কর্মক্রণেতে কা কর্মনির্বাহকরণেতে কালেক্টর নাহেবেরা রাজন্ত্বের কমিদ্যান্রসা রাজবের কমিসান হেব কিম্বাসদর বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের হকুমের দ্বারা উপ त ও नमत त्वार्छत् (मण शाहरवन हैछि।—১৮৩১ मा। ৮ আ। ১৮ थी।

ক্রোককরণবিষয়ক বিধান।

১ ধারা।

বাকীদার ও তাহার জামিন।

১। তাবের কট্কিনাদারেরা ও তালুকদারেরা ও প্রজাবর্গ যাবৎ গাপন্থ শিরের বাকী টাকা তলব হইলে পর দিতে ক্রটি না করে ভিতে যে কালে বা 3 যদাপি মালজামিন দিয়া থাকে ও সেই মালজামিনেও হাজির াকিলে তলবমতে বাকী টাকা দিতে যাবৎ আপত্তি না করে তাবৎ চট্কিনাদার ওগয়রহ বাকীদার দিগের মধ্যে গণ্য ছইবেক না। মার লাচারিতে বাকীদারের সম্পৃত্তি ক্রোক ছইলেও কোনমতে তা ার মালজামিন জামিন দারীহইতে ছাড়ান পাইবেক না ইতি।-১৭৯৩ সা। ১৭ জ্ঞাত ধা।

লেও কোন প্রকারে জামিনদারী হইতে মালজামিন ছাডান না পাইবার কথা।

वाकीमात्र मिरशत्

কটকিনাদারপ্রস্ত

कीमाज्ञामरभव महि ত গণনায় আসিবে

ক ভাহার কথা।

प्रवापि क्यांक हरे

২। ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ১৭ আইনের ৫ ধারার লিথিতের মধ্যে হকুম আছে যে তাবের কট্কিনাদারেরা ও তালকদারেরা ও সালের ১৭ আই প্রজাবর্গ যাবৎ আপনং শিরের বাকী টাকা তলব হইলে পর দিতে নের ৫ ধারার ষা ক্রটি না করে ও যদি মালজামিন দিয়া থাকে ও সেই মালজামিনও হাজির থাকিলে তলবমতে বাকী টাকা দিতে যাবৎ আপত্তি না করে তাবৎ কট্কিনদারওগয়রহ বাকীদার্দিগের মধ্যে গণ্য হইবেক না এ হকুম রদ হইল। হরুরকম মালগুজারের। অর্থাৎ নানাপুকার রা जश्रमायरकता किश्विक्मीव निर्मिष्ठे मिरन किश्वा खना कताती मितरम खिक्मीव जातिश्व অথবা দিননির্দিষ্টে কোন করার না হইয়া থকিলে তথাকার দাঁড়া ক খাজানা না দি ক্রমে থাজানা তলব হইবার দিবলে আপনার্দিগের শিরের মাল্ঞ জারী না দিলেই বাকীদার চাহরিবেক। ও সে বাকীদারেরা তলব মতে বাকী না দিলে দে বাকী মালজামিনের স্থানে তলব হইয়া থাকে কি না থাকে তথাচ তৎক্ষণাৎ সেই বাকীর অনুসারে তাহারদিগের <u>দ্ব্যাদি ক্রোকের যোগ্য হইবেক।</u> তাহাতে যুদি কৈহ মালজামিন কৃ হইবার কথা। দিয়াথাকা কোন প্রজাদির দুব্যাদি সে মালজামিনের নিকটে বাকী তলব না করিয়া আগে ক্লোক্ করে তবে সে প্রজাপ্রভৃতিতে সে সমা ন দুব্যাদি ক্লোক্ চার আপন মালজামিনকে দিবেক এব ে দুব্যাদি নীলাম ছইবার হইবার স্মাচার পুর্বে সেই বাকী দিতে চাহিলেও দিতে পারিবেক। অথবা সেই ক্রোকৃকরণিয়া নিজে সে সমাচার সেই মালজাজিনকে জানাইয়া তা হার স্থানে বাকী টাকা চাহিবেক। ইহাতে যদি ক্রোক্করণিয়া বা ক্রোক্বার্ত্তা মাল कीमारतत किश्वा मानजामिरनत अथवा थे উভয়ের मुत्रामि ক্রোক্ आमिनक मिरड & করা বিহিত বুকে তবে তাহাও তত কোক করিতে পারে যাহা বা তাহার দানে বাকী

VOL I.

हेक्ट्रकी ५१२० हा देन इहेन भार

মালপ্রজারেরা কি লেই বাকীদার ঠা হরিবার কথা।

তলবমতে বাকী ना मिलार वाकीमा রের দুব্যাদি ক্রে

প্রজাদিতে আপ মালজামিনকে দিবা

আইকানিয়াও

কথা।

আটুকানিয়া আ षाविदवद्याय वाकी দারের কি মালজা মিনের অথবা ঐ উ করিতে পারিবার সময়েব কথা।

আদৌ মালজামি নের সম্পত্তি ক্রোক হইতে পারিবার ক श्री।

যাহারা স্পষ্টতঃ মালজামিন নির্দিষ্ট করিয়া অন্যথ লো কের নামে কট্কি নালয় তাহারা য য়ৎ কট্কিনাদার বোধ হইবার কথা।

চাহিতে পারিবার কীর অনুসারাপেক্ষা অধিক ঠাহর না হয়। কিন্তু মালজামিনের দু ব্যাদি তাবৎ ক্রোকু হইবেক না যাবৎ বাকীদারের স্থানে বাকী তলব না করা যায় ও সে তলব বার্থ না হয়। তাহাতে যদি বাকীদার পলায় কিয়া অদেখা হয় ও মালজামিনেও সে বাকী তলবমতে শোধ না দেয় তবে সে মালজামিনের সম্লুত্তি ক্রোকের উপযুক্ত সেইরুপে ভয়ের দুব্যই বাকী হইবেক কিন্তু যেরপে বাকীদার দাক্ষাৎ থাকিলেও তলবমতে বাকী র অনুসারে ক্রোক শোধ না দিলে ক্রোক হইত ইতি।--১৭১১ সা। ৭ আ। ৩ ধা।

> বারাণস ১৮০০ সা ৫ আ ৩ ধা। हर दिन ३४०० मा। २४ जा। ६ श।

৩। যে যে লোক আপন্থ সন্তান কিয়া অন্য সম্লুকীয়দিণের নামে আপনার দিগেরে অথবা বিনামে যে সকল ভূমি কট্কিনা লইয়া মুষ্টতঃ আপনার্দিগে রে তাহারদিগের মালজামিন নির্দিষ্ট করিয়া সেই কট্কিনার বন্দো বস্তু ও সমস্ত কর্ম্মের ভার স্বহস্তে রাথিয়া বস্তুতঃ আপনারা কট্কিনা দার হয় তাহারা দেই দকল ভূমির স্বয়ৎ কট্কিনাদার গণ্য হইবেক ও তাহারদিগের অস্থাবর সমস্ত দুব্যাদি এই আইনের লিথনানুসারে যে মতে তাহারদিগের নিজনামে কট্কিনা থাকিলে বাকির কারণ ক্রোকের যোগ্য হইড দেই মডে ক্রোক হইবেক ইডি।—১৭৯৩ সা। ३१ व्या । २१ था।

> वां वां भन ३१३६ मा । १६ छा । २६ था। मद्य (मण ३४००। २४ छ्या। २६ था।

২ ধারা।

ক্রোককরণের ক্ষমতা ও অন্যায়রূপে ক্রোককরণের দণ্ড।

যে যে লোকের ও বিক্রয়ের যোগ্য ও তাহা যে যে লো কে ক্রোক ও বিক্রয় করিবার সাধ্য রা থিবেক তাহার ক **e** 1

৪। সকল জমীদার ও হজুরী তালুকদার ও অন্য ভূম্যধিকারী ও य य पुरा ब्लाक नमत है जामात्रमिरगरत में कि मिथता योहेर एक ये छोहोता प्रामक्षे जा রীর বাকীর কারণ আপনারদিগের তাবে সমস্ত কট্কিনাদার ও তা লুকদার ও প্রজাবর্গের সমস্ত ভূমির উৎপন্ন নানাবিধ শস্যাদি সাম গ্রী এবং গরুপুতৃতি পন্ত ও গৃহস্থালী দুব্য সামগ্রীআদি অস্থাবর সমু ত্তি যাহা সেই বাকীদারদিগের নিজ বাটীতে কিয়া ভন্ডিন স্থানে অথ ৰা অন্যের বাটীতে কিয়া স্থানান্তরে তাহারদিগের অধিকার ভূমি অপিবাইজারা মহালের মধ্যে কিন্তা বাহিরে থাকে তাহা দেওয়ানী **আন্মান্ত্রতার জজসাহের কিয়া সরকারের অন্য আমলার বিনা এত্তে** লায় কৈনক করিয়া বিক্রয় করে কিন্তু যে সকল বাকীদার শ্রীয়ত কো ম্লানি বাহাদুরের সরকারের মহাজনী দুব্য সামগ্রী প্রস্তুতের ও নিমক পোঞ্জানীর কার্য্যে নিযুক্ত আছে তাহারদিগের সর্প্তাম ও গৃহস্থালী দুব্যাদি অস্থাবর সম্পৃত্তি ক্রোকের পর যেমতে এত্তেলা দিতে ৩১ এক ত্রি° শৎ ধারায় লেথা আছে সেই মতে এত্তেলা দেয় আর ভাবে ভা

লুকদারেরা ও তাহারদিগের পেটার সকল কট্কিনাদার ও প্রজাব র্গের স্থানহইতে যথার্থ বাকী লইতে উপরের লিথনানুসারে ক্ষমতা प्रकश्मनी जानूकमात अ ममत है जातमात्र मिश्नित स्वाप्त यि मकन करे কিনাদার কট্কিনা লইয়া থাকে ভাহারাও আপনারদিগের পেটার সমস্ত দরকট্কিনাদার ও শামিলাৎ তালুকদার ও প্রজাবর্গের স্থানহই তে বাকী লইবার জন্যে উপরের লিখনক্রমে সাধ্য রাখে অভএব উপরের লিথিত দকল প্রকার ভূমাধিকারী ও ইজারদারদিণেরে এই ধারাক্রমে যে শক্তি অপুণহুইল তাহারা এতদনুসারে নীচের লি থিত সমস্ত ধারার মর্মাদৃষ্টে সাবধানে কার্য্য করিবেক ইভি। ১৭৯৩ मा। ১१ जा। २ था।

वां वां शत ३१३६ मा । ६६ छा । २ ४।। मह मिन ३४०७ मा। २४ छा। २ था। ३ था।

৫। ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৭ আইনের ২ ধারানুসারে সদ রের মালগুজার জমীদার ও তালুকদারপ্রভৃতি ভূমাধিকারিগণ ও দালের ১৭ আই ইজারদারদিগের যাহার২ প্রতি মালগুজারীর বাকী আদায়ের কারণ স্বস্বব্যাপ্য প্রজাদির ভূমির শদ্য ও পখাদি জন্তু এবণ অপর দুব্যাদি অস্থাবর যে সকল সম্প্রতিযে যেমতে ক্রোক অর্থাৎ আটক করিবার ক্ষমতার্পণ হইয়াছে তাহারা তদর্থে এ আইনের হুকুমদৃষ্টেও দেই২ মতে দে দকল দম্লুত্তি ক্রোকের ভার আপনারদির তহুসীলের সং कां च नारवर ७ भाषासाउभवत् च प्रामानिस्भित्व मे ५१ चाहित्व ৩২ ধারার প্রস্তাবিত কুকী শিরে রাথিয়া দিতে পারে। ও *দে* নায়েব ওগয়র্হ আমলারাও পাওয়া ভারক্রমে বাকী আদায়ের নিমিত্তে নে পাওয়া ভারক্র আপন্থ মনিবের ধার্যামতে ক্রোকের ব্যাপার করিতে পারিবেক ও তাহা করিতে দে আমলারা আইনের মর্ম্ম জানিয়া ও শ্বনিয়া তাহার অন্যথাচরণ করিলে দণ্ডের দায়ে তাহারা ও তাহারদিগের মনিবে রাও ঠেকিবেক। কিন্তু জানিবেক যে এ ধারাক্রমে সম্যক ঐ ১৭ আ ইনের কিয়া ইঙ্গরেজী ১৭১৫ সালের ৩৫ আইনের অথবা ক্রোকের দ°্রুনান্ত অপর কোন আইনের হুকুমের অন্যথাচরণ করিলে সেহে ।।কিবার কথা। তুক যে দণ্ড করিবার নিরূপণ ভূম্যধিকারিগণ ও ইজারদারদিগের ও তাহারদিগের চাকর নায়েবওগয়রহ আমলার প্রতি আছে তাহা থাচরণ না করিলে তৎকালে করা যাইবেক না যে কালে এমত দ্লুফী দা বুঝা যাইবেক যে তাহারা ঐ সকল আইনের মর্ম্ম জানিয়া ও স্তনিয়া কিয়া ক্রোকের **স°্কান্ত অপর সমুদয় হকুম জ্ঞাত হইয়া সে কর্মা করিয়াছে। ও** তৎকালে এমত ল্লফ্ট না বুঝা গেলে আইনের অন্যথায় সে কর্ম্ম করি তে উৎপাতগ্রন্তের যে অপচয় হইয়া থাকে কেবল তাহারি নিশা সেই ক্রোককরণিয়ার স্থানহইতে দেওয়ান যাইবেক। তাহাতেও পোষাইরা দিতে হ যদি এমত প্রমাণ হয় যে ক্রোককরণিয়া সে কর্ম্ম করিয়া পরে আই ইবার কথা। নের অন্যথা হওন চাহরিয়া দে সময়ে কিয়া দাওয়ার নালিশ তাহার নামে হইবার পূর্বে অন্য কোন সময়ে সেই অপচয় ধরিয়া দিতে ^{তে উদাত} হওরা

ইঙ্গরেক্তী ১৭৯৩ নের ২ ধারাক্রমে ভ্যাধিকারি প্রভূ তির যে ভার আছে সে ভার ভাহার। নিজ নায়েবআদি কে দিতে পারিবার কথা।

মনিবদিগের স্থা মে নায়েবআদিতে কার্য্য করিতে পারি বার কথা।

নায়েবআদির ও তাহার্দিগের মনি বদিগের শিরে দায়

আইনের অন্য मधना इहेतात क

অযথা ক্রোক জা তদারে করা প্রমাণ না হউলে কেবল অন্যায়ার্তের ক্ষতি

আটকানিয়া দি

मिएंड ना इहेतात क था।

অপচয় ফরিয়াদী চাহিয়াছিল ও উৎপাতগ্রন্ত করিয়াদী তাহা লয় নাই তবে লে ড লয় নাই প্রমাণ হই পচয়ের কিছুই দিবার দায়ে সেই ক্রোককরণিয়া ঠেকিবেক নাইতি লে তাহা পুনরায় — ১৭৯৯ সী। ৭ আং। ২ ধা। বারাণস ১৮০ • সা। ৫ জা। ২ ধা।

मरु (मण ১৮·७ जा। २৮ छा। २ था। २ <u>था।</u>

ক্রোককারকদি द्राधिकादि मिर्गत ৰজ থাকিলে তাহা রা সেইটাকার অ

৬। যে কালে ক্রোককারকদিগের কোন ব্যক্তির মরণ হয় দে কা গের কোন মৃত্যু লে তাহার যে যে উত্তরাধিকারী সেই মৃত ব্যক্তির পাওনা যে সকল ক্তির প্রাপ্তব্য বাকী টাকার স্বস্ত্রবান অর্থাৎ হকদার থাকে তাহারা দেস্বত্ত্বের অধি কারী রহিবেক ও তাহারা সেই সকল বাকী টাকা উদুলের কারণ বাকীদারেরদের ও দে দকলের জামিনদারদিগের যে দুব্যাদি এই আইনের মতে ক্রোকু হইতে পারে তাহা এই আইনের মতানুদারে ধিকারী হইবার ক জোক করিতে পারিবেক। এব°৲ জানিবেক যে অযোগ্য ভূম্যধিকারি দিগের অধিকারের সরবরাহকারেরা এব॰১ সাধারণ যে ভূমির অধি অযোগ্য অধিকা কারী অযোগ্য ও যোগ্য দুই কিয়া অধিক জনে পাকিয়া তাহার রিদিণের ভূমির স মধ্যে যোগাতাক্রমে যে কেহ সেই অধিকার সমুদয়ের সরবাহকার রবরাহকারেরা ও রছে দেই ব্যক্তিরা ও উপরের প্রস্তাবিত দর্বরাহকারেরা দেই সাধারণ ভূমির সর সকল অধিকারের স্বয়° কর্ত্তা হইলে যে রূপে দুব্যাদি ক্রোকু করি

বার ক্ষমতা রাথিত ইহারা ঐ সকল অধিকারের সরবরাহকারিতেও

দি ক্রোককরণের ক্ মতা রাখিবার ক সেইরপে ক্ষমতা রাখিবেক এব ে এমতে কর্ত্তাদিগের প্রতি যে নিষেধ 411

ও দণ্ড বিধান আছে দেই নিষেধ ও দণ্ডেতেও তাহারা বন্ধ থাকি বেক ইতি।—১৭৯৩ দা। ১৭ আ। ৩০ ধা। বারাণস ১৭৯৩ সা। ৪৫ আ। ২৮ ধা। नव मिन ३४०७ मा। २४ छा। २४ था।

উপরের ধারাস কলের লিখিত ভা রাপণিযুত হুকুম স রবরাহকার ও কা লেকট্র সাহেবপ্রভূ

৭। জানিবেন যে উপরের ধারাসকলের লিথিত যে যে হুকুম সদ রের মালগুজার ভূম্যধিকারিগণ ও ইজারদারদিগের প্রতি মালগুজা রীর বাকী উদুলের ভারাপণের নিদর্শনে আছে দেইং হকুম যাব দীয় অযোগ্য অধিকারির অধিকারের ও সাধারণ অধিকারভূমিসক ভিকে বর্ত্তিবার এ লের সরবরাহকারদিগের সরবরাহকারিতে এব॰১ কালেক্টর সাহে বং সমরবিশেষে বদিগের কর্তৃত্বে ও সরকারী অন্য যে আমলারা কোন অধিকারের সে ভার ভাহারদি সরকারী জমা ধার্য্যের নিমিত্তে কিয়া বিষয়ান্তরজন্যে অথবা ভূম্যাধি গের নিযুক্তকরা আ কারী কিয়া ইজারদারের সহিত বন্দোবস্ত না হওনপ্রযুক্ত থাস তহ মলারাও পাইবার সালে আসিয়া থাকা কোন ভূমির তহসীলের নিমিত্তে নিযুক্ত হুইয়া থাকে তাহারদিগের কর্মাকারিত্বেও চলিবেক। আর এ আইনের ২ দিতীর ধারাক্রমে যে শক্তি ভূমাধিকারিগণ ও ইজারদারদিগের চাকরেরা পাইয়াছে সে শক্তি এমত সরবরাহকারদিগের এবণ্ কা লেক্টরসাহেবদিগের ও সরকারী অন্য আমলাদিগের নিযুক্তকরা গোমান্তাপ্রভৃতিতেও পাইতে পারিবেক যদি তাহারদিগের মনিবেরা দে শক্তি তাঁহারদিগেরে দেয় ইতি।—১৭৯৯ সা। ৭ আ। ১৯ ধা। বারাণস ১৮০০ সা। ৫ আ। ১৮ ধা।

मस्ट मिना २४०**० जा**। २४ च्या। **७७ थ**ा।

৮। যে সকল লোক দুবাদি ক্রোককরণের ক্ষমতা রাথে ভাহার দিগের কাহারো গোমাস্তা কিয়া পেশকার অথবা চাকর কিয়া কা পনারদিগের গো র্য্যকারক আমলায় যদি তাবের কট্কিনাদার কিম্বা তালুকদার অথব। প্রজাবর্গের কিয়া তাহারদিগের মালজামিন কাহারো দুব্যাদি ক্রোক ইবার কথা। ও বিক্রয়ের বিষয়ে এমতে উদ্যুক্ত হয় যে তাহাতে এই আইনের বি পরীত দর্শে তবে কর্ত্তব্য যে এমত ক্রোক কিম্বা বিক্রয় অথবা নিষিদ্ধ বিষয় সেই গোমাস্তাপ্রভৃতির মনিবদিগের অনুমতিতে কিয়া জ্ঞাত সারে হইয়া থাকে কিয়া না হইয়া থাকে তথাচ উৎপাতগ্রস্ক ব্যক্তি তাহার নালিশ দেই গোমাম্ভাপ্রভৃতির মনিবদিগের নামে করে কিন্তু জানিবেক যে দেই মনিব যাহাকে যে বাকীদারের দ্বাদি ক্রোক ক রিতে পাঠায় দেওয়ানী আদালতের জজদাহেবের নিকটে যদি সেই মনিবের অনুমতি ও জ্ঞাতদারে ২১ একবিণ্শতি ধারার ব্যতিক্রম দেই লোক অন্তঃপুরে প্রবেশ করিবার ও সদর দারাদি ভাঙ্গিবার বিষয়ে প্রমাণ না হয় তবে এই ধারার মতানুসারে সে মনিব কয়েদ হইবেক না ইভি।—১৭৯৩ সা। ১৭ আ। ৩২ ধা।

ভূমিপ্রভৃতিতে আ মান্ডাআদির কৃত ব্যাপারের দায়ী হ

वां तां गम २१३६ मा । ८६ च्या । २৯ था । मर प्रमा ३४०७ मा। २५ छा। २৯ था।

১। ভূম্যধিকারী ও ইজারদারদিগেরে তাহারদিগেরে তাবের কোন कऐकिनामात ও ठालूकमात ও প্रজाকে किञ्चा ठाष्ट्रात्रमित्रात्र प्राम्ब हेजातमात्रता वाकी মিন কাহাকেও বাকী টাকা উদুলের কারণ কয়েদ কিয়া নিগ্রহ করিতে নিষেধ আছে ইহাতে যদি কোন ভুমাধিকারী ও ইজারদার এই নিষেধের অন্যথায় কাহাকেও কয়েদ কিয়া নিগ্রহ করে তবে দে কারণে উৎপার্ত্রাস্তের সাধ্য আছে যে তাহার নালিশ সেই অত্যা চারির নামে ফৌজদারী আদালত কিয়া দেওয়ানী আদালতে করে তাহাতে জজদাহেব দে মোকদ্মার গতিকানুদারে দণ্ডক্রমে টাকা আদালতের এরচাসমেত অত্যাচারির স্থানহইতে উৎপাতগ্রস্তকে দেওয়াইবেন ইভি।— ১৭৯৩ দা। ১৭ আ। ২৮ ধা।

ভূমাধিকারী ও मार्किरशस्त्र करम्म কিম্বা নিগ্রহ করি লে তাহারদিগের দ ণ্ডের কথা।

वादावन ১৭৯৫ मा । ८६ छा । २७ धा । मर (मण ১৮०७ मा। २৮ व्या। २৮ था।

১০। ক্রোককারকদিগের কেছ আপন তাবের কট্কিনাদার ওতা लूकमात ७ श्रुजामिरात मत्रश्रामे ७ गृष्ट्यांनी मुत्रामि क्लाक कतिरम क्रुवा वहेरम पुरा। যদি দেওয়ানী আদালতের জজলাহেবের নিকটে বিচারে এমত প্রমাণ দি জোকের দত্তের হয় যে তাহারদিগের শিরে কিছু বাকী নিতান্তই নাই তবে এমতে দেই ক্রোকী দুবাদি ভাহার কর্ত্তাকে ক্রোককারক ব্যক্তির ফিরিয়া দেওয়া উচিত হইবেক কিয়া সেই দুবাদি বিক্রয় অথবা নই কিয়া অস্থিত হইয়া থাকিলে সেই ক্রোককারক দণ্ডক্রমে সেই দুবাাদির মূ লোর তুল্য টাকা আদালভের এরচাসমেত দিবেক ইতি 🖳 ১৭৯৩ সা। ১৭ আ। ৬ ধা।

वाहायम ১৭৯६ मा । ८६ छ। । ७ ४। । मह तम् ३४०० मा। २४ छ। । ५ था।

বাকীর দাওয়াস

৩ ধারা। 🕽

ক্রোককরণবিষয়ক বিশেষ বিধি।

ক্রোককারকেরা ় নিমিত্তে পাঠায় তা হাকে যে তারিখে मिंडे वाकी होका मि

[বাঙ্গালা। হার। উড়িফ্যা। বা রাণস 🏻

১১। ক্রোককারকেরা যাহাকে বাকীদারের দুব্যাদি ক্রোক করিতে ঘাহাকে ক্রোকের পাচায় কর্ত্তব্য যে তাহাকে আপনং মোহর ও দম্বর্থতে এক লিখন যে বাকীর নিমিত্তে বাকীদারের দুব্যাদি ক্রোক করিতে হয় সেই বা কীর মোট ও যে তারিখে সে বাকী দেওয়া সঙ্গত ছিল সে তারিখ ওয়া সঙ্গত ছিল সে যুক্তে দেয় ও সেই লোক সেই লিখনকে ক্রোকের কর্তৃত্বের নিদর্শন ই ভারিখনিদর্শনে লিপির মতে জানায় আর যে দিনে দুর্যাদি ক্রোক করে দেই দিনে বাকীর সংখ্যার এ সেই লিখনের নকলের পৃষ্ঠে ক্রোকী দুব্যাদির ফিরিস্তি যে স্থানে क निथन पिरांत क क्यांकी पुरापि बार्थ मिन्से स्नान निर्मित्ये निथिया राकीपांतरक पर এবং জ্ঞাতকারণ সেই নকলের পৃষ্ঠে ইহাও লিখে যে সেই দুব্যাদি ক্রোক হইবার পর দিনহইতে ১৫ পঞ্চদশ দিনের দিবদে বিক্রয় হইবেক কিন্তু ভূমির উৎপন্ন শদ্যাদির ন্যায় কোন দুব্য ক্লেত্রইতে কাটা না গিয়া ক্রোক ছইয়া থাকিলে তাহাতে সেই নকলের পৃষ্ঠে এমত লিখে যে দেই দুবা কাটা গিয়া এই আইনের ১৩ ত্রয়োদশ ধারার লিথনানুসারে যে দিনে সংগ্রহ অর্থাৎ জমা হয় সেই দিন হইতে ১৫ পঞ্চদশ দিনের দিবসে সেই দুব্য বিক্রয় হইবেক ইহার ছাড়ান কদাচ হইবেক না যদি বাকীদার ক্রোকী থরচাসমেত বাকী টাকা ক্রোকী দব্যাদি বিক্রয়ের নির্দ্ধারিত দিনের পর্ফের্য না দেয় কিয়া অসঙ্গত বাঁকী কহিয়া আপত্তি উপস্থিত করিয়া নীচের লিখ নানুসারে ক্রোক থালাসের হুকুম না পায় আর যদি বাকীদার গর হাজির হয় তবে পৃষ্ঠে লিথিবার প্রস্তাবিত দকল বিষয় যুক্তে দেই লিখনের নকল ক্রোক হইবার দিনহইতে ও তিন দিনের মধ্যে তা হার বসতির স্থানে লট্কান যাইবেক যদি ক্রোককারকেরা কাহারে। দুবাদি ক্রোকের নিমিত্তে কাহাকেও এমত লিখন না দিয়া নিযুক্ত করিয়া দুব্যাদি ক্রোক করায় কিম্বা দেই নিযুক্তহওয়া লোক দেই লিখন হন্তে রাথিয়া পৃষ্ঠে লিথিবার প্রস্তাবিত দকল বিষয়যুক্তে তা ছার নকল বাকীদরিকে না দেয় অথবা বাকীদার হাজির না থাকি লে দে লিখনের নকল নিয়মিত কালের মধ্যে তাহার বদতির স্থানে লট্কায় তবে এই তিন গতিকের কোন গতিক প্রকাশ হইলে কোক কারকদিগের যে বাকীর দাওয়ায় সৈই দুব্যাদি ক্রোক হয় সে বা কীর দাওয়া মিখ্যা হইবেক জজসাহেব বাকী দারের দুব্যাদি ক্রোক কারকদিগের স্থানহইতে ফিরাইয়া দেওয়াইবেন কিয়া দে দুব্যাদি বিক্রেয় অথবানষ্ট কিয়া অস্থিত হইয়া থাকিলে দণ্ডের মতে দেই দুবাাদির মূলোর তুলা টাকা আদালভের থরচাসমেত দেওয়াইয়া দিবেন ইতি ১৭৯৩ সা। ১৭ আ।৮ ধা।

বারাণস ১৭৯৫ সা। ৪৫ আ।৮ ধা।

১২। ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৭ সপ্তদশ আইনের ৯ নবম ও इन्द्रकी ५१२०

১০ দশম যে দুই ধারায় তলবের বাকী টাকা বাকীদারে অসঙ্গত সালের ১৭ আই কহিয়া বিচারক্রমে দে বাকী দেওয়া সঙ্গত হইলে তাহা নিষ্পত্তির নের ১০১০ ধার। তারিথপর্যান্ত সুদ ও আদালতের থ্রচাদমেত দিবার ক্রারে মাল সমুদ্য এবং ৮ ধা জামিন দিয়া নিয়মিত কালের মধ্যে দেওয়ানী আদালতে নালিশ করিতে চাহিয়া তদনুসারে মালজামিন দিলে সেই বাকীদারের দুব্য ক্রোককরণে ক্রোককারক ক্ষান্ত হইবার স্কুম ছিল এইক্ষণে দে দুই হার। উড়িয়া। বা ধারা সমুদ্য রদ হইল এব 🛰 ঐ ১ ৭ আইনের ৮ অফীম ধারার মধ্যের 🔬 রাণ্স 🗍 এই বৃত্তীস্ত যে কিয়া বাকীর আপত্তি উপস্থিত করিয়া ঐ ১ নবম ও ১০ দশম ধারার লিথনানুসারে ক্রোক মৌকুফের হুকুম রদ করা গেল ইতি। ১৭৯৫ সা। ৩৫ আ। ২ ধা।

রার কিছ বতান্ত রদ বিক্লোলা।

১৩। ইঙ্করেজী ১৭১৩ সালের ১৭ সপ্তদশ আইনের ৮ অফীম ধারাক্রমে বাকীদারদিনের দুব্যসামগ্রী ক্রোক করিবার শক্তি যাহারা রদিণের দুব্য ক্রো রাথে তাহারদিগেরে ছকুম আছে যে তাহারা যাহাকে বাকীদারের দুবাদি ক্রোক করিতে পাচায় তাহাকে আপন্থ মোহর ও দস্তথতে একং লিখন দেয় এইক্লে এই ত্কুম জারী হইল যে পশ্চাৎ তাহা রা সে লিথনে আপন্থ মোহর না করিয়া কেবল দস্তথৎ করে ইতি।—১৭৯৫ সা। ৩৫ আ। ৩ ধা।

যাহারা বাকীদা কের সাধ্য রাখে ভাহারা এই ধারার লিখনে কেবল আ পন্থ দন্তখৎ করি বার কথা।

১৪ [তর্জমাহয় নাই।]

১৫। কোন জমীদার কিয়া হজুরী তালুকদার অথবা অন্য ভূম্যধি कारी किया मनती इजादमात थाजानात वाको उमुल्यत निमिर्छ ठा हात मखारक হার পেটার মফঃদলী তালুকদার কিয়া ইজারদার অধবা প্রজাইত্যা মাওয়াদীল বাকীর দির জিনিদপত্র ক্রোক করিতে চাহিলে তাহার উচিত যে ক্লোককর ণের সময়ে কিম্বা তাহার পুর্ব্বে ঐ বাকী টাকা তলবের কথা লিথিয়া এক দস্তাবেজ ঐ বাকীর তফদীলসুদ্ধা জমাওয়াদীলবাকীর হিদাবদ মেত বাকীদারের নিকট পাচাইয়া দেয় ওযাবৎ এই দাঁড়ার মতাচ রণ যথার্থরূপে না হয় তাবৎ থাজানার বাকী আদায়ের নিমিত্তে জি না ছইবার কথা। নিদপত্র ক্রোক ও নীলামহওয়া দঙ্গত ও দিদ্ধ ইইবেক না অতএব উপরের লিথিত ঐ দস্তাবেজ জমাওয়াসীল বাকীর হিসাবসমেত থোদবাকীদারের হাতে দেওয়া কর্ত্তব্য কিন্তু ডাহার অস্লুইটথাকন কি পলাইয়া যাওনপ্রযুক্ত ইহা না হইতে পারিলে ঐ দস্তাবেজ জমা ওয়াসীল বাকীর হিসাব সহিত তাহার বাসস্থানে লট্কাইয়া দেওয়া কর্ত্তব্য ইহাতে তাহার হাতে দেওনের মত বোধ হইবেক ইতি।— ১৮১২ সা। ৫ আ। ১৩ ধা।

কাগজসমেত বাকী পঁছছিলে ভাহার জিনিস ক্লোক ও

১৬। ক্রোককারকদিগের ভরকহইতেযে লোক যে বাকীদারের দ্ব্যাদি ক্রোক করিতে যায় তাহার নিকটে দেই বাকীদার ২ দুই জন মাফিক টাকা দিলে দাক্ষির সমক্ষে সে বাকী টাকা দিতে চাহিলে সেই লোকের উচিত ^{ক্লোক খালাদের} ক

বাকী আদায়ের

যে সেই বাকী টাকা তৎক্ষণাৎ লইয়া সেই দুব্যাদি ক্ৰোকহইতে হস্ত উচায় ইতি।—১৭৯৩ দা। ১৭ আ। ৭ ধা।

वादावम ১৭৯৫ मा। ८६ चा। १ था। मह (मण ১৮०७ मा। ६৮ जा। १ था।

मिवरम्ब मर्था ছকুমের কথা। রাত্তে দুব্যাদি क्तांक कहिरल मर्थ ব কথা।

১৭। কর্ত্তব্য যে বাকী আদায়ের কারণ দর্য্যোদয় হইলে পর ও দুবাদি ক্লোকের অন্ত ছইবার পুর্বের অর্থাৎ দিবাভাগে দুব্যাদি ক্রোক হয়। ইহাতে যদি ক্রোককারকদিগের কেছ স্থ্যাস্তোদ্যের মধ্যে এতাবতা রাত্রে দুব্যাদি ক্রোক কিয়া ক্রোকের যত্ন করে তবে তাহার বাকীর দাওয়া মিখ্যা হইবেক ও দুব্যাদি ক্রোক করিয়া থাকিলে তাহা তাহার কর্তা কে ফিরিয়া দিবেক কিয়া তাহা বিক্রয় অথবা নম্ট কিয়া অস° স্থান হইয়া থাকিলে আদালতের থরচাসমেত তাহার নিশা করিতে হই বেক ইভি।—১৭৯৩ সা। ১৭ আ। ১৭ ধা।

> বারাণস ১৭৯৫ সা। ৪৫ জা। ১৫ ধা। म्ह (मण ১৮·० मा। २৮ जा। ১৫ ४।।

ক্রোক রকার য়ে নিষেধের কথা। 8H 1

১৮। তাবের কট্কিনাদার কিম্বা তালুকদার অথবা প্রজাদিণের নিমিত্তে কোন ুমু কেছ যদি আপন দুব্যাদি ক্রোকহইতে রক্ষাকরণের নিমিত্তে তঞ্চক ব্যাদি দানের বিষ ক্রমে কাছাকেও দান করে তবে দেওয়ানী আদালতের জজনাহেবের নান্ত্র্বর ক্ষা। যাহার স্থানে উ নিকট ইহা প্রমাণ হইলে সেই সাহেব সেই দুব্যাদি ক্রোককারককে পরের লিখনক্রমে সোপদ করিবেন। এব ে যাহাকে সেই দুব্যাদি তঞ্চকে দান হইয়া দান হইয়া থাকে থাকে তাহার স্থানহইতে দেই দুবাদির মূল্যের অর্দ্ধেক আনওয়ান তাহার দণ্ডের रू দণ্ড আদালতের থরচাদমেত ক্রোককারকে দেওয়াইবেন ইতি।— ১৭৯৩ দা। ১৭ আ। ১৮ ধা।

> वादानमः। ১৭৯৫ मा। ৪৫ छा। ১७ धाः मह (मृण ১৮०७ मा। २৮ जा। ३७ था।

কটুকিনাদারপ্রস্থ इमिर्गित मुरामि

১১। তাবের কট্কিনার ও তালুকদার ও প্রজাদিগের কেহ্ যদি ভিষাহার আপনা আপন দুব্যাদি ক্রোকের প্রতিবাদী হয় কিয়া ক্রোক হইলে তাহা বলক্রমে কিয়া গোপনে উচাইয়া লয় তবে দেওয়ানী অদালতের ক্রোকে বার্ষক হয় জন্তুসাহের প্রমাণপূর্মকে তাহাকে তাহার এ বিষয়ের সহকার লো কিয়া ক্রোক হইলে পুর তাহা বলে কি কদিগের সহিত বৃদ্ধিদালে তাবৎ বন্ধু রাথিবেন যাবৎ সেই দুষ্ট সেই ৰা গোপনে উচাই দুব্যাদি পুনরায় ক্রোককারকদিগেরে অর্পণ না করে কিয়া আপন য়া লয় ভাহারদি শিরের বাকী আপন দুবান্তির ক্রোক ও বিক্রয়ে অথবা মতভেদে গের শান্তির কথা। ক্রোক ও অদালতের থবুচাসমেত না দেয় ইতি।—১৭১৩ সা। ১৭ আন। ১৯ ধা।

> वां तां नम ३१३६ मा । ८६ छा । ३१ था। महत्मण ३४०७ मा। २४ जा। ३१ था। ३ था।

দুব্য কোকের প্র ২০। যদি মালগুজারদিগের কেহ কোকী আইনমতে মালগুজা ভিবাদির প্রাক্তি বি ক্লীক বাকীর কারণ ভাছার দুব্যাদি ক্রোক হইতে লাগিলে ভাছাতে

নিজে কিম্বা অন্যের ম্বারা এমত প্রতিবন্ধক হয় যে তাহাতে ক্রোক শেষদও হইবার ক না হইতে পারে কি ক্রোক হইলে পরেই বা জোরে কিয়া ছাপাইয়া খা। দে দুবা উঠাইয়া লয় তবে দেপ্রযুক্ত এইক্ষণে চ্কুম হইতেছে যে দে ওয়ানী আদালতে এরপ প্রমাণ হইলে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৭ আইনের ১১ ধারার লিখিত দণ্ড এবণ যত দুব্য উচাইয়া লইয়া থাকে তাহার মূল্যের দ্বিগুণ দণ্ড সে লোকের উপর করা যাইবেক। ও তাহাতে ক্রৌককরণিয়ার দাধ্য আছে যে যথায় দে দুব্য পায় তথায় পুনরায় কোক করে। এব°৲ এমতাপরাধী ও যাহার সেই উচাইয়া লইলে নে প্রতিবন্ধকতার বিষয়ে দে অপরাধির সহকার হইয়া থাকে তাহারাও দু^{ব্যে}র মু^{ল্যে}র দি দেই দুব্য ক্রোক হইবার কালে হন্নামা ও গণ্ডগোল বাধাইয়া ছিল**ু** একারণ ধরা পড়িবার এব°৲ দায়ের ও দায়েরী আদালতে বিচারের যোগ্য হইবেক। তাহাতে পোলীদের দারোগাগণের কর্ত্তব্য যে এমত দমাচার পাইবামাত্র অবিলয়ে আপনি যথাস্থানে গিয়া দে গগুগো দ্ব্য যথায় মিলে লের মধ্যবর্ত্তি লোকদিগেরে ধরিয়া মাজিষ্টেটদাহেবের নিকটে পাচ। উথায় তাহা পুনর। ইবার অর্থে আইনমতে যথাসাধ্য চেষ্টা পায়। এবণ ক্রোককর্ণিয়া য় ক্রোক হইতে পা আইনের অনুসারে ক্রোকী কর্ম করিতে পারিবার কারণেও সহায় হয়। আর বাকীদার ও তাহার মালজামিনছাড়া অন্য কেহ কোন ক্রোকী দুব্য আপন সম্পৃত্তি কহিয়া দাওয়া করিলে যদি ক্রোককরণি য়া সে দুব্য বিক্রয় করে তবে সে দাওয়াদার আপন দাওয়ার বিষয়ে দেওয়ানী আদালতে প্রমাণ করিতে পারিলে ও ক্রোককরণিয়া যে বাকীর কারণ দে দুব্য ক্রোক করিয়াছিল দে বাকীর দায়ী দে দা ওয়াদার বটে এমত প্রতিপন্ন না করিতে পারিলে সেই দাওয়াদার ইলে পোলীদের দেই ক্রোককরণিয়ার স্থানে দে দুবোর প্রকৃত মূল্য এব**্দ সে মোকদ** আমলার কর্ত্তব্যের মার ভাব দৃষ্টে যত এরকা ও অপচয় ধরিয়া দেওয়ান সম্ভবে তাহাও পাইবেক। े কিন্তু বাকীদারের দথলে থাকা ভূমির কাটা কি অকাটা অর্থাৎ অদ^ গৃহীত শদ্য কোক হইলে যদি কৈহ তাহাতে এমত দা ওয়া করে যে সৈ শদ্য ক্রোকের পূর্ব্বে তাহার স্থানে বিক্রয় কিয়া বন্ধকাদি হইরাছে তবে দে দাওয়া মালগুজারীর বাকীর দাওয়ার পারিবার কথা। উপর বলবৎ হইবেক না কারণ এই যে আদ্যোপান্ত সর্বতোভাবে ভূমির উৎপন্ন শন্য ভূম্যধিকারিগণের মালগুজারীর টাকার ভুক্তানে শিরে খরচাও নে আছে ও করারদাদের অনুসারে কি কোন করারদাদ না থাকিলে ক্সানের দায় পড়ি তথাকার দাঁড়ামতে মালগুজারী উদুল না হইলে দে বাকী উদুলের কারণ ভূমির যত শদ্য ক্রোক ও নীলাম করিবার আবশ্যক হয় ততই ক্রোক ও নীলাম করিতে ভূমাধিকারী শক্তি রাথে ইতি।—১৭১১ আনাণ আনা ১ ধা।

বারাণস ১৮০০ সা। ৫ আ। ৯ ধা। ल्ड (लग ১৮०७ मा। २৮ ज्या। ५१ था। २ क्षा

২১। ক্রোকী ধনাধিকারী ভিন্ন কেহ দেই ধন বলক্রমে কিয়া। ক্রোকী ধনাধিকা গোপনে উঠাইয়া লইলে ইহা দেওয়ানী আদালতের জজসাহেবের রী ছাড়া অপরে সে নিকটে প্রমাণপূর্বকে দে **নাহেব ভাহাকে বন্ধিশালে ভাব**ৎ বন্ধ রাথি সু^{ব্য} জোরে কিখা Vol. I,

কেহ কোকী দুবা धगम् विद्याधिया দিতে হইবার কথা।

উঠাইয়া লওয়া রিবার কথা।

এমত কর্মিরা দা য়ের ও সায়েরী আ দালতের বিচারের যোগ্য হইবার ক शा

এমত সংবাদ পা কথা।

उक्ताको पुरानी লাম হইলে তাহার দাওয়া দেওয়ানী আদালতে হইতে

ক্রোককর পিয়ার বার সময়ের কথা। মালগুজারীর বা কীর দাওয়ার উপ র অন্যদাওয়া বল বৎ না হইবার ক था।

স্কির কথা।

লুকাইরা উচাইরা বেন যাবৎ দেই দুবা কোককারকদিগেরে পুনরপণ না করে কিয়া লইলে তাহার শা তাহার মূলোর ভুলা টাকানা দেয় ও অধিক**ন্ত দেই দু**বোর মূলোর সমানে দণ্ড আদালতের থরচাসমেত দাথিল না করে ইতি।-১৭२७ मा। ১৭ जा। २० ४।।

বারাণস ১৭৯৫ সা। ৪৫ জা। ১৮ ধা। मस्य मिन ३४०७ मा। २४ जा। ३४ था।

৪ ধারা।

चর বাটীর তল্লাস লওন বিষয়।

বাকীদারের দ্ব্যা যে যে স্থানের দারা

বসতবাটীর দার ভঙ্গ করিবার বিষ য়ে নিষেপের কথা।

লে শান্তির কথা।

ষয়ও দুব্যাদি না थारक उथाय मुदा। দি কোক করিতে ক্রোককারক গেলে जाराज मध्य कथा।

২২। ক্রোককারকদিগের দাধ্য আছে যে বাকীদারের দুব্যাদি দিক্রোকের নির্মিত্তে ক্রোকের কারণে ছোড়াশাল কিয়া গোহালী অথবা থামার কিয়া গোলা অথবা গোলাবাটী কিয়া অপর যে২ স্থানে বাকীদারের দুব্যা কোককারকের। খু দি থাকে দেইং স্থান বলক্রমে থোলে এব° যে বদত বাটীর পুর হার নির্ণয়ের ক দার অর্থাৎ সদরদরওয়াজা থোলা থাকে তথায় গিয়া অন্তঃপুরের দ্বার ছাড়া এই দকল স্থানের যে যে স্থানে দুব্যাদি রহে ভাহা ক্রো অন্তঃপুরের দ্বার ককরণের নিমিত্তে দেই ই স্থানের দ্বার ভাঙ্গে। কিন্তু এই ধারার লি খোলা থাকে কিনা থিত মর্মাহ্ইতে কোন প্রকারে কোককারকদিগের এমত শক্তি বোধ থাকে তথাচ তথায় ও অনুভব না হয় যে তাহারা কিয়বা তাহারদিগের চাকর অথবা গমনের বারণের ক পেশকারেরা অন্তঃপুরের দার ও থিডকীর গমনাগমনের পথ থোলা থাকে কি না থাকে তথায় যায়। এব॰ যে বাটীর দদর দার রোধ কিম্বা কুলুপদেওয়া থাকে তাহা ভাঙ্গিতে ও তাহার মধ্যে যাইতে চেফী করে। যে কেছ ইছার অন্যথায় অন্তঃপুরে যায় কিয়া কোন বাটীর অন্তঃপুরে গমন কুলুপলাগান সদর দ্বার ভাঙ্গে সে লোক ছয় মাসপর্যান্ত কারাগারে করিলে কিয়া বসত বন্ধ রহিবেক এব° যে বাকী টাকার কারণ দুব্যাদি ক্রোক হয় সে বাটীর কুলুপলাগা টাকা কোককারকেরা পাইবেক না এব॰ যে দুবাদি কোক হইয়া ন পুর্যার ভিন্ন করি থাকে ভাহা দেওয়ানী আদালতের জজদাহেব ক্রোককারকদিগের স্থানহইতে বাকীদারকে ফিরাইয়া দেওয়াইবেন কিয়া তাহা বিক্রয় অথবা নষ্ট কিম্বা অন্থিত হইয়া থাকিলে দেই দুব্যাদির অনুসারে যে কোন বাটাও ভারি দও আদালতের থরচাসমেত নিশা দেওয়াইবেন। যে কোন গয়রহ স্থানে বাকী বাটী কিয়া খোড়াশাল অথবা গোছালী কিয়া থামার অথবা গোলা দারের দখলের বি কিয়া গোলাবাটী কিয়া অপর যে স্থানে বাকীদারের দখলের বি ষয় না থাকে দেই বাটীওগয়রছে যদি তাহার দুব্যাদি ক্রোকের নি মিত্তে কোন ক্রোককারক প্রবেশ করে ও যায় ও তথায় সে বাকী দারের কিছু দুব্যাদি না মিলে তবে এমতে দেই বাটীওগয়রছের কর্ত্তা তাহার ক্ষতির দাওয়ায় দেই ক্রোককারকের নামে দেওয়ানী আদালতে নালিশ করিলে জজসাহের সেই মোকদ্দমার গতিকক্রমে দও আদালতের থ্রচাদমেত দেই ক্রোককারকের স্থানহইতে দেই বাটীওগয়রছের কর্তাকে দেওয়াইবেন ইতি। ১৭৯৩ সা। ১৭ আ। २३ था।

> वॉर्जानम ১৭৯৫ मा। ४६ छा। ১৯ धा। त्रता १४०० जा। २४ जा। **१५ आ।** १५ छ।

২৩। জানা গেল যে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৭ আইনের ২১ ধারার লিথনানুসারে কাহার বসতবাটীর সদর ঘার বলক্রমে না সালের ১৭ আই শুলিতে এব°৲ অন্তঃপুরেপ্রবেশিতে যেহেতুক ক্রোক্করণিয়ার প্রতি ^{নের ২১}ুধারার নিষেধ আছে সেহেতুতে দোষ দর্শিল অতএব ঐ নিষেধকে নীচের নিষেধ পরিবর্তিবা निथनानुमारत निवृञ्ख अ शतिवर्ज कता शिन। इंशांट यिन व्यायार যে কোন বাকীদার আপন দুবাদি আপন বসতবাটীতে রাথিয়া টার সদর দার জো দদর দ্বার রোধ করিয়াছে কিয়া যে অন্তঃপুরে এদেশাচারক্রমে রে শুলিতে পারিবা অনোর প্রবেশকরণ অনুচিত তথায় রাথিয়াছে তবে ক্রোককরণিয়ার র সময়ের কথা। সাধ্য আছে যে সেই এলাকার পোলীসের দারোগার নিকটে তাহার দর্থাস্ত করে ও তাহাতে দে দারোগার উচিত যে আপন পক্ষের জনেক লোককে তথায় পাঠায় ও দেই লোকের দাক্ষাৎ ক্রোককর ণিয়া সে বাটীর সদর দ্বার সেইরূপে জোর করিয়া খোলে যেরূপে পুর্ব্বে অন্তঃপুরছাড়া অন্য মহলের দ্বার সহসা থুলিতে পারিত। ও দারোগার লোকের সমক্ষে অন্তঃপুরস্থা ব্রীগণকে ইহাও জানায় যে পাইলে হাহ। অব্যা তাহার। তথাহইতে স্থানান্তরে যায় তাহাতে যদি সে স্ত্রীগণ বিশিষ্ট ^{জে উঠাইরা লইবা} খরণী হয় ও এদেশাচারে অন্য পুরুষের সম্মুথ দিয়া তাহারদিণের গতিকরণ না সম্ভবে তবে তাহারা স্থানান্তর যাইতে যে আয়োজন আবশ্যক চাহি তাহা যোগাইয়া দেয় ও তাহারা দে অন্তঃপুর ছা ড়িলেপর তথায় প্রবেশিয়া বাকী শোধের যোগ্য যে কিছু দুবা পায় তাহা ক্রোক করিতে পারে ও দে দুব্য মিলিলে কর্ত্তব্য যে অব্যাজে তথাহইতে উঠাইয়া লইয়া পরে দেই ব্রীগণের রহিবার নিমিত্তে দেই অন্তঃপুর ছাড়িয়া দেয়। ও এ আইনমতে এমত বোধ না হয় যে কেহ এই প্রস্তাবিত দাঁড়াছাড়া অন্য দাঁড়ায় কাহার বসতবাটীর ডাছাড়া কর্ম করি সদর দ্বার খোলে কিয়া অন্তঃপুরে প্রবিষ্ট হয় যদি কথনকেহ এ ধা^{্লে দণ্ড চই}বার ক রার অন্যথাচরণ করে তবে তাহার ভারি দণ্ড করা যাইবেক এব° থা। যে বাকীর কারণ দুব্য ক্রোক হয় দে বাকীর দাওয়াও মিখ্যা হই বেক ইতি।—১৭৯৯ দা। ৭ আ। ১০ ধা।

ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ র কথা। আটকানিয়ারা বা

অন্তঃপুরে দুবা

বারাণস ১৮০০ সা। ৫ আ। ১০ ধা। मह (मग ১৮०७ मा। २৮ जा। ३৯ था। २ প्र।

২৪। যদি ক্রোকের শক্তিমানদিগের কেহ তথাকার এলাকার পোলীদের দারোগার নিকটে দুব্য ক্রোকের কালে প্রতিবন্ধক ও পোলীদের দারে৷ গণ্ডগোল না হইতে পারিবার কারণ তথায় পোলীসের কোন আ গা আপন পক্ষের মলা সাক্ষাৎ থাকিবার নিমিত্তে দর্থাস্ত করে তবে সে দারোগার কাহাকেও ক্লোকে কর্ত্তব্য যে তাহাতে যথাদাধ্য আনুকুলা করে। এব° যাহাকে আ ক্লাৎ থাকিবার কা পন পক্ষহইতে পাটায় ভাহারো উচিত যে গগুগোল না হইতে পা রুণ পাটাইবার ক রিবার নিমিত্তে যথাশক্তি ব্যাপার পায় এব° ক্রোককরণিয়া যে था। কর্মা করে তাহাও গোড়াগোড়ি জ্ঞাত হয় এইহেতুক যে পশ্চাৎ কথন জজ কিম্বা মাজিক্ট্রেইনাছেবের স্থানে দে বিষয়ের দাক্ষ্য দিবার গণ গোলাদি নিবা

দর্থান্ত র কালে তথায় সা

পাঠান লোক

বার এবং আটকা আ। ১১ ধা। নিয়ার কৃত কর্ম জ্ঞাত হইবার কথা।

রণার্থে ষজ্ঞ করি তাৎপর্য্য হইলে তাহা তথায় দিতে পারে ইভি।—১৭৯৯ সা। ৭

বারাণস ১৮০ • সা। ৫ জ্যা ১১ ধা। मर (मण ১৮·७ मा। २৮ का। 55 क्षा ७ छ।

৫ ধারা।

যে দুবা ক্রোকের যোগা ভদিষয় বিধি ৩ এব॰১ ১৯ সণ্খ্যা দেখ।

যে যে দুবা কো যোগ্য ভাহার কথা

২৫। যাহারদিগেরে ক্রোকের শক্তি অর্পণ হইল ডাহারা আপ

ও বিক্রম হওন শরা র মতে ব্যতিক্রম ও নামপুর তাহা ক্রো ক ও বিক্রায়করণের নিষেধের কথা।

নিষিশ্ব দ্ব্যাদি ত্তের কথা।

ক ও বিক্ররের অ নারদিগের তাবে দকল কট্কিনাদার ও তালুকদার ও প্রজাবর্গের ভূমি ও বাটী ও অন্য স্থাবর বস্তু ক্রোক ও বিক্রয় করিতে পারিবেক না এবণ্ম প্রীয়ৃত কোম্লানি বাহাদুরের সরকারের মহাজনী দুব্য সামগ্রী প্রস্তুতের কার্য্যে নিযোজিত তাঁতী কিয়া কারীগর অথবা অপর যাহ। রদিগের স্থানে ঐ সরকারের বক্সাদি সামগ্রী ও দাদনীর টাকা থাকে তাহা এব॰ তাঁতী কিয়া কারীগরপ্রভৃতি ব্যবসায়ী অথবা মজুরদি বেদুব্যাদি ক্রোক গের তাঁত ও দূতা ও কাঁচা রেশমআদি এবং ঐ ব্যাপারের অন্য ব্যাপারী ও মজুরলোকের যে যন্ত্র ও হাতিয়ারওগয়রহ সরঞ্জাম বাকী আদায়ের নিমিন্তে ক্রোক ও বিক্রয়ের অযোগ্য ও এ প্রকার কোক ও বিক্রয় শরার মতের বাতিক্রম ও নামঞ্বর তাহা ক্রোক ও বিক্রয়ের নিষেধ জানা গিয়া বাকীদারের শিরের যে বাকীর কারণ তাহা ক্রোক করা গিয়াথাকে সে বাকী মাফ ছইবেক। এবপ দেওয়া ক্রোক ওবিক্রয়ে দ নী আদালতের জজসাহেব সেই ক্রোকী দুব্যাদি ডাছার কর্ত্তাকে ফি রাইয়া দেওয়াইবেন কিম্বা দেই ক্রোকী দুব্যাদি যদি অম্বাবরতাপুয ক্ত নষ্ট কিম্বা অস্থিত হইয়া থাকে তবে সেই দুব্যাদির মূল্যের তুল্যে ক্রোককারকদিগের স্থানহইতে নিশা দেওয়ান যাইবেক এবণ্ যে দুব্যাদি ক্রোক ও বিক্রয়ের জন্য ডাহার কর্ত্তার যে ক্ষডি প্রমাণ হয় তাহাও দণ্ডের মতে আদালতের থরচাসমেত সেই কর্দ্রাকে দেওয়ান যাইবেক ইতি।—১৭৯৩ সা। ১৭ আ। ৩ ধারা।

> বারাণস ১৭৯৫ সা। ৪৫ আ। ৩ ধা। मस मिन ३४०७ मा। २४ जा। ७ था।

বাকী আদায়ের কারণ তদৃপযুক্ত দু वामि भिनित्न त्य সকল দুব্য ক্রোকক রণের নিষেধ আ ছে তাহার কথা।

এই লিখিত ছক মের অন্যথা হইলে मर्थंद कथा।

২৬। বাকী আদায়ের কারণ তাবের সকল কট্রিনাদার ও তালু কদার ও প্রজাদিগের লাঙ্গলওগয়রছ চাসের ছাতিয়ার ও ছালিয়া গৰু ও বীজধান্যাদি ক্লোক হইবেক না যদি বাকী আদায়ের আনও য়ানে তাহারদিগের অন্য গরুআদি পশু কিন্তা ধান্যাদি শদ্য অথবা দুব্যান্তর যাহা তাহারদিগের স্থানে থাকে তাহা ক্রোককারকদিগের হন্তগত হয়। যদি কেহ এই ধারার হুকুমের ব্যতিক্রম করে তবে তা হতে যাহার যে ক্ষতি হয় দণ্ডক্রমে তাহার তুল্য টাকা আদালতের থরচাদমেত দেই বাতিক্রমকারির স্থানহইতে উৎপাতগ্রস্তকে দে ওয়ান যাইবেক অতএব ক্লোককারকদিগের কর্ত্তব্য যে এই ধারার

মর্মাদৃষ্টে অতিদাবধানে থাকে ইতি।— ১৭৯৩ দা। ১৭ আ।

वादांगम ১৭৯৫ मा । ৪৫ छा । 8 धा । मह (मण ३४०% मा। २४ छा। ३ शा।

২৭। থাজানার বাকীর নিমিত্তে লাঙ্গলইত্যাদি কৃষিকর্মোর দ্ব্য লাকলইতাদি জাত ও হালের গরুইত্যাদি ও কারীগরলোকের হাতিয়ার সর্জ্বাম কোক ও নীলাম ক বাকী টাকা আদায়হওনের উপযুক্ত অনা দুবা বাকীদারের না থাকি রিচে নিষেধের ক লেও ক্রোক ও নীলামের যোগ্য বোধ ছইবেক না ইতি ৷—১৮১২ দা। ৫ আহা। ১৪ ধা।

২৮। যে দকল লোক নিমকপোখানীর করারদাদ করিয়া ও ভাহা তৈয়ার করিতে থাকে তাহারদিণের ইস্তক কার্ত্তিক লাগাইৎ আথে সময়ের মধ্যে নিম রী আষাঢ় কোন ভূম্যধিকারী কি ইজারদার কি সরবরাহকার কি কী আসামীর তল তহ্সীলদারের কাছারীতে কোন প্রকারে তলব করা যাইবেক না যদি ঐ ভূম্যধিকারিপ্রভৃতির কেহ নিমকের এলাকাদার কাহারু উপর ঐ সময়ের বাবৎ কিছু মালগুজারীর দাওয়া রাথে ও ঐ সময়ের মধ্যেই তাহা উসুল করিতে চাহে তবে দে কারণে চলিত আইনের মতে তা হার দুব্যাদি ক্রোক করে অথবা সেই বাকীদারের নামে তাহার দাও য়ায় দেওয়ানী আদালতে নালিশ করে কিয়া সেই বাকীর দাওয়ার কিয়া আদালতে না ফর্দ্ধ নিমকপোথানীর এজেণ্টসাহেবের নিকটে দাথিল করে যে তদনুলিশ অথবা এজেট সারে সেই নিমকপোঝানীর এজে**টসাহে**ব উচিত বৃত্তিলে সেই বাকী ^{সাহেবের} নিকটে টাকা সে বাকীদারের স্থানহইতে দেওয়ান অথবা আপনি দিয়া তা হার পাওনা আগামি কিন্তীর দাদনীর টাকাহইতে মালগুজারীর বাকী আদায় করেন এইহেতুক যে সেই লট্থটিতে নিমকপোধানীর কার্য্যের ভণ্ডল না হয় ইহাতে যদি দেই ফরিয়াদী আদৌ নিমকপো থানীর এজেণ্টসাহেবের নিকটে নালিশ করিলে দে সাহের তাহাতে মনোযোগ না করেন্ তবে দাওয়াদার দে কারণের দেই বাকীদারের দ্যাদি ক্রোক করিবেক কিয়া দেওয়ানী আদালতে নালিশ করি (वक। यपि मुवापि क्यांक करत जरव मार्डे बाकीपादात ज्ञान मत কারের যে নিমক ও নিমকের দাদনীর টাকা ও নিমকপোধানীর সর রকারী নিমক ও দা ঞ্জাম থাকে তাহা বাদে ক্রোক করিবেক ওঞা নিমক ও দুবাসকল দনীর টাকা ও নিম বাকী টাকা আদায়ের নিমিত্তে বাকীপাওনিয়ার তর্ফহ্ইতে কি আদালতের হুকুমেতে কোন প্রকারে কোক ও বিক্রয় কি আর কিছু বার কথা। হইতে পাবিবেক নাইতি। - ১৮১১ না।১০ আ। ২০ ধা।২ প্র।

নিমকপোখানীর ব ভূমাধিকারিআ দির কাছারীতে না হইবার কথা।

দুব্যাদি ক্লোক मृत्थास्करम वाकी উসুল হইবার ক

বাকীর কারণ স কপোখ্যানীর সর শ্বাম ক্লোকনা হই

২১। ক্রোককারকেরা যে কালে আপনারদিগের ভাবের কট্কি নাদার ও তালুকদার ও প্রজাদিগের ভূমির উৎপন্ন শদ্যাদির ন্যায় শদ্যাদি কাটা না যে দুবা ক্ষেত্ৰহইতে কাটা না গিয়া থাকে তাহা ক্ৰোক করে দে গিয়া থাকে তাহা कार्ल जारा नमस्मित्र कांग्रेडिया मारे कृपित भित्र छेशयुक्त सात-কিয়া থামারে অথবা গোলায় সংগ্রহ করাইবেক ও সেই ভূমির

ভূমির উৎপন্ন যে इटरक उरा द्वारन র কথা।

জমা হইবেক ভাহা শিরে থামারআদি না থাকিলে কর্ত্তব্য যে দেই ভূমির শিরে দেই পর্গনার দীমার মধ্যে যত নিকটে থামার কিছা উপযুক্ত স্থান মিলে তথায় দংগ্রহ করায় ইহাতে দেই দুব্য কাটাইবার ও দংগ্রহ করিবার থরচ তাহা ছাড়িয়া দিবার কালে তাহার কর্তার স্থানে কিয়া তাহা বিক্রয় হইলে কাহার মূল্যহইতে আদায় হইবেক ইতি।—১৭৯৩ সা। ১৭ আ ১৩ ধা।

वादानम ১৭৯৫ मा। ४৫ आ। ১১ धा। मह (मग ১৮·৩ मा। २৮ আ। ১১ था।

ভূমির উৎপন্ন সামগ্রী ক্রো ক ও বিভাগের প্র তি স্থকুমের কথা।

৩০। এই আইনের লিথনানুদারে এমত বোধ না হয় যে যাহারা এই আইনের মতে ক্রোক করিবার ক্ষমতা রাথে তাহারা বউাই মতের পাট্টাদারদিণের ভূমির শস্যাদি সামগ্রী যাহা কাটা না গিয়া থাকে তাহা ক্রোক করিয়া তাহার অর্দ্ধেক কিয়া যত অণশ ইঙ্গরেজী ১৭১৫ সালের ২ দ্বিতীয় আইনের হুকুমক্রমে তাহারদিগের প্রাপ্তব্য হয় তাহা লওনব্যতিরেকে দে শদ্যাদি দামগ্রী দমন্ত তদরুপ করে। যদি করে তবে দে ভূমির প্রজা আপনাকে অন্যায়গ্রস্ত বৃকিলে তা হার নালিশ দেওয়ানী আদালতে করিতে পারিবেক ইতি৷—১৭৯৫ সা। ৪৫ আ। ৩০ ধা।

প্রগনার সীমা ন্তবে ক্লোকী বন্দ্ৰ ল ইতে নিষেধের ক

ক্ৰোকী বস্তু স্থান বিশেষে রাখিবার কথা।

৩১। যে পরণনায় যে পশু ও দুব্যাদি ক্রোক হইয়া থাকে তাহা ক্রোককারকেরা দেই পর্গনার সীমান্তরে না লয় বর্ণ যে স্থানে ক্রোক হয় তথায় যাহার স্থানে তাহা গচ্ছিতকরণ উচিত জানে তা হার স্থানে গছায়। অথবা সেই স্থানের নিকট যে স্থান সেই পরগ নার বাহির না হয় এমত স্থানান্তরে সর্বতোভাবে সাবধানে রাথে

ইতি। ১৭৯৩ দা। ১৭ আ। ১২ ধা।

वादांगम ১৭৯৫ मा। ৪৫ छा। ১० था। म्ड (मृग ১৮०७ मा। २৮ छा। ১० धा।

ক্রোকী পশু ও দু ব্যাদি ক্রোককারক দিগের নিজ কার্য্যে আনিতে নিষেধের

ক্রোককারকেরা পশুর আবশ্যক থা দ্য সামগ্রী আয়োজ নকরণের ও তাহার ধর্চ আদায় হও নের মতের কথা।

৩২। ক্রোককারকেরা ক্রোকী পন্তকে আপন চাদ কর্ম্মে ও অপর কার্য্যে না থাটায় এবং ক্রোকী অন্য দুব্যাদিও ব্যয় ও ব্যবহার না করে। এব**ু সেই পন্ত**র আবশ্যক থোরাক দিতে থাকে তাহার থরচ তাহা ছাড়িয়া দিবার সময়ে তাহার কর্ত্তার স্থানে কিয়া তাহা বিক্রায় হইলে তাহার মূল্যহইতে আদায় হইবেক ইতি।—১৭১৩ সা। ১৭ আব ১৪ ধা।

বারাণস ১৭৯৫ সা। ৪৫ আ। ১২ ধা। मस्ट (मन्न ३४०० जा। २४ ज्या। ३२ धा।

ক্রোকী ধন রক্ষ ণের শৈথিলো ক্রো ककाइकमिरशङ्ग म ণ্ডের কথা।

৩৩। ক্রোকী ধন যাবৎ ক্রোককারকের হস্তবশ থাকে তাবৎ আ দ্যোপান্ত সর্বপ্রকারে তাহার রক্ষণাদি না করিবাতে যদি সেই ধন চোরে যায় কিম্বা হারায় অথবা শীতলে কিম্বা উত্তাপে অর্থাৎ জলে

কিয়া রৌদাদিতে অথবা অন্য হেতুতে নম্ট ও ক্ষতি হয় তবে তাহার নিশা তাহার কর্তার স্থানে ক্রোককারকেরা করিবেক ইতি ।— ১৭১৩ সা।১৭ আ।১৫। वादावम ১৭৯৫ मा । ८६ छा । ১० था।

দত্ত দেশ ১৮০৩ সা। ২৮ আ। ১৩ ধা।

৩৪। বাকীর নিমিত্তে যে দুব্যাদি ক্রোক করিতে হয় তাহা বাকীর আনওয়ানে সম্ভবক্রমে ক্রোক হয় তাহার বহির্ভূত না হয়। তাহাতে মানে দুব্যাদি ক্রো ক্রোককারকদিগের কেহ বাকীর আনওয়ানছাড়া দুব্যাদি ক্রোক করিলে যদি বিচারক্রমে এমত প্রকাশ হয় যে ক্রোককারকেরা বাকী আদায়ের অনুমানে দেই ক্রোকী দুব্যাপেক্ষা অল্প মূল্যের দুব্যান্তর ক্রোক ক্রিতে পারিত তবে এমত দেওয়ানী আদালতের জ্জুলাহেব ক্রোককারকদিগের স্থানহইতে সেই মোকদ্দমার গতিকের যোগ্য দণ্ড আদালতের থরচাসমেত সেই দুব্যাধিকারিকে দেওয়াইবেন ইতি।—১৭৯৩ দা। ১৭ আ। ১৬ ধা।

বাবাণস ১৭৯৫ সা। ৪৫ আ। ১৪ ধা। हर दिन ३४०७ मा। २४ **छा।** ३८ था।

৬ ধারা।

ক্রোককর্ণিয়ার কর্ত্তব্য কার্য্য।

৩৫। বাকীর কারণ ভাবের কোন কট্কিনাদার কিম্বা ভালুকদার অথবা প্রজার দুব্যাদি ক্রোক হইলে যদি দে লোক ক্রোককারকের বাকীর আপত্তি উপ স্থানে মালজামিন দিয়াপাকে ও বাকীর আপত্তি উপস্থিত করে তবে সেই মালজামিন সেই সংগৃহীত দুব্যাদি ক্রোক হইবার দিনের পর দিনহইতে ৫ পাঁচ দিনের মধ্যে এব॰ অস॰ গৃহীত ভূমির উৎপন্ন শ্সাদির নাায় যে দুব্য ক্ষেত্রহুইতে কাটা না গিয়া থাকে তাহা কাটা গিয়া এই আইনের ১৩ ত্রয়োদশ ধারার লিখনানুসারে যে দিনে নংগ্রহ হয় দেই দিনহইতে ৫ পাঁচ দিনের মধ্যে দেওয়ানী আদাল তের জজসাহেব কিয়া পরগনার কাজী অথবা ক্রোককারকের স্থানে জামিন দিয়া দুই জনকে দাক্ষী করাইয়া এই মজমুনে একরারনামা নের মধ্যে বাকীর যে দে কিয়া বাকীদার দেই একরারনামার লিথিত তারিথহইতে আপত্তির মোকদ ১৫ পঞ্চদশ দিনের মধ্যে সেই মোকদ্দমার বিচারের কারণ দেও য়ানী আদালতে নালিশ করিবেক ও বিচারান্তে যে বাকী টাকা তা হারদিগের শিরে দেনা পড়ে দে টাকা যে তারিখে বাকীদারের দে ওয়া সঙ্গত ছিল সেই তারিথছইতে ডিক্রীর তারিথঅবধি সেই টা দিবার কথা। কার সুদ বৎসরে ফিশত ১২ বার টাকার হিসাবে ধরিয়া সেই সুদ এব॰ আদালতের এরচাসমেত সে টাকা দিবেক লিথিয়া দেয় তবৈ এমতে ক্রোককারক সেই দুবাদি ক্রোককরণে ক্লান্তছইবেক যদি ঝিয়া দিলে ক্রোক দেই মালজামিন নিয়মিত কালের মধ্য এমত একরারনামানা লি থিয়া দেয় তবে ক্রোককারক সেই ক্রোকী দুব্যাদি ক্রোক রাখিয়া

বাকী টাকার স ক হইবার কথা। বাকী টাকার আ নওয়ানছাড়া দুব্যা मि क्लोक रहेर्ड म ণ্ডের কথা।

মালজামিন দিয়া স্থিত করিলে কটকি নাদারপ্রভৃতির দু ব্যাদি ক্রোক থালা সেব কথা।

মালকামিন ১৫ দি মা দেওয়ানী আদা লতে উপস্থিত করি বার কারণে এক রারনামা লিথিয়া

এক্রার্নামা লি थालादम्य कथा।

এই আইনের ২২ দ্বাবিৎশতি ধারার লিখনানুসারে বিক্র করি বেক ইহার নিবারণ কদাচ হইবেক না যদি সেই দুব্যাদি বিক্রয় হইবার দিনের পূর্বে ক্রোকী ধরচাসমেত বাকী টাকা আদায় না মালজামিন কিলা হয়। যদি মালজামিন একরারনামা লিথিয়া দিয়া আপনি কিলা বা

বাকীদার নিয়মিত কীদার নিয়মিত কালের মধ্যে দেওয়ানী আদালতে নালিশ না করে তবে ক্রোককারক বাকী টাকা মালজামিনের স্থানে তলব করিবেক কালের মধ্যে বাকী র আপত্তির মোক তাহাতে যদি দেই মালজামিন অব্যাজে দে টাকা না দেয় তবে ক্রোক দ্দমা দেওয়ানী আ কারকের সাধ্য আছে যে সেই মালজামিন ও বাকীদারের কিয়া দালতে উপস্থিত না তাহারদিগের একের দুব্যাদি ক্রোক করিয়া এই আইনের ২২ দা করিলে ক্লোককা হার কথা।

র থাকিতে না পা রিলে কিন্তা একরা র্নামা লিখিয়া দি মতের কথা।

নের দুব্যাদি ক্রোক ও বিক্রয়ের নিষে ধের কথা।

উপরের লিখিত था।

হুকুমের অন্যথাক্র কথা।

রক যাহার স্থান বিপশতি ধারার লিখনানুসারে বিক্রয় করে ইহার ছাড়ান কদাচ হইতে বাকী টাকা হইবেক না যদি সেই দুব্যাদি বিক্রয় হইবার দিনের পূর্বের কোকী উসুল করিবেক তা থ্রচাসমেত বাকী টাকা আদায় না হয়। যদি দেই মালজামিন এক রারনামা লিথিয়া দিতে না চাহে কিম্বা দিতে শৈথিলা করে অথবা মালজামিন হাজি দৈবাৎ দ্রস্থ জন্যে গ্রহাজির রহিবাতে নিয়মিত কালের মধ্যে একরারনামা লিথিয়া দিতে না পারে ও সেই বাকীদার এই দুই গতিকের কোন এক গতিক প্রকাশ হইবাতে এই আইনের ১ নবম তে না চাহিলে ও ধারার লিখনানুসারে জামিন দেয় তবে তাহার দ্ব্যাদি ক্রোককরণে ক্রোক খালাদের ক্রোককারক ক্ষান্ত হইবেক ও এই ধারার লিথিত বাকী টাকা ও ক্রোককারক ও বাকীদার ও জামিনের গতি ১ নবম ধারার লিথিত বাকী টাকা ও ক্রোককারক ও বাকীদার ও জামিনের গতির ন্যায়

এই ধারার লি অদর জানা যাইবেক। অপর ভূম্যধিকারী ও ইজারদারদিগের নি থিত বিষয়ছাড়া বি ষেধ আছে যে এই ধারা ও ১ নবঁম পারার গতিকছাড়া গতিকান্তরে ষয়ান্তরে মালজামি আপনার্দিণের তাবের মালজামিন ও কট্কিনাদার ও তালুকদার ও প্রজাদিগের দুব্যাদি ক্রোক না করে কিন্তু য়দি বিনামে মালজামিন থাকে তবে এই আইনের ২৭ দপ্তবিৎশতি ধারায় যেরপ লেখা যায় সেইরূপে তাহার দুব্যাদি ক্রোক হইবেক। অপর দকল গতিকে ছাড়া অপর সকল ভুমাধিকারী ও ইজারদারদিণের কর্ত্তব্য যে তাবের সকল মালজা বিষয়েই মালজামি মিন ও কটকিনাদার ও তালুকদার ও প্রজাদিগের উপর যে দাওয়া নের স্থানে দাওয়া রাথে তাহা দেওয়ানী আদালতে উপস্থিত করে। ইহাতে যদি কেহ বুঝিয়া লইবার ক উপারের লিথিত হেতুছাড়া তুকুমের অন্যথায় কোন মালজামিনের দুব্যাদি ক্রোক কিয়া বিক্রয় করে তবে দে কালে দেই মালজামিন জামিনদারীহইতে থালাস ও অবসর হইতে চাহিলে হইতে পারি দুব্যাদি ক্রোক ও বেক এবণ জজসাহের ক্রোকী দুব্যাদি ক্রোককারকের স্থানহইতে বিক্রয় হইলে দণ্ডের ফিরাইয়া দেওয়াইবেন ও তাহা বিক্রয় কিছা নইট অথবা অস্থিত হইয়া থাকিলে আদালতের এরচাসমেত তাহার মূল্যের তুল্য টাকা त निभा कताहरतन हे जि ।--- ১ १ २ ७ मा । ১ १ আ । ১ ० धा ।

মালজামিন লা

৩৬। যে সকল লোকেরা বাকীদারদিগের জিনিসপত্র ক্রোককর রাখণিয়া বা**ষ্টার্যায়** ণের ক্ষমতা রাখে তাহারদিগের মধ্যে কোন ব্যক্তি যে ইজারদার কি বাকীর ওজার ষ্টার কট্রিকনাদার কিয়া প্রজা কি মফঃদলী তালুকদারের মালজামিন না য়। পনের দিনের প্রাকে ভাহার জিনিসপত্র ক্রোক করিলে জিনিসের মালিক অর্থাৎ

স্থামী যদি বাকীর ওজর করিয়া জিনিস ক্রোকছওনের দ্বিতীয় দিবসহ মধ্যে তালার নালি ইতে পাঁচ দিবসের মধ্যে কিয়া ক্রোকী জিনিদ ভূমির উৎপন্ন ধা শ দেওয়ানী আদা ন্যাদি শস্য ছইলে যদি টাকা না গিয়া থাকে তবে ঐ ধান্যাদি শস্য লতে করিবার এক থামারে আদিয়া প্রাদীহওনের দিতীয় দিবদহইতে পাঁচ দিবদের রারনামা লিখিয়া মধ্যে আদালতের দাহেবের কিয়া কালেক্টর দাহেবের অথবা পর ক করাতে ক্লান্ত হ গনার কাজীর কিয়া কমিদানরইত্যাদি যেথ ব্যক্তি ক্রোকী জিনিদ নী ইবার কথা। লাম করণের ক্ষমতা রাখে তাহার দাক্ষাৎ কিয়া খোদ ক্রোককরণি য়ার সাক্ষাৎ যদি মাতবর জামিনীর সহিত এক একরারনামা এই মজ মূনে লিথিয়া দেয় যে আমি এই একরারনামার তারিথহইতে পনের দিবসের মধ্যে এই মোকদ্দমাতে দেওয়ানী আদালতে নালিশ কবিব ও বিচারানুসারে যত টাফা আমার শিরে বাকী ঠাহরে তাহার শত করা সালিয়ানা ১২ বার টাকা হিসাবে ঐ টাকাদেওনের উচিত সম থিয়া না দিলে জি য়হইতে ডিক্রীহওনের তারিথপর্যান্ত এই মৃদতের যে সুদ হয় তাহা ও আদালতের থরসেদমেত দিব তবে এমতে ক্রোককরণিয়ার কর্ত্তব্য যে ঐ জিনিসপত্ন কোক করাতে ক্ষান্ত হইয়া যাহার জিনিস তাহাকে দেয় আর যদি জিনিদের মালিক এইপ্রকারে নিয়মিত দিবদের মধ্যে একরারনামা লিথিয়া না দেয় তবে ক্রোককরণিয়ার ক্ষমতা আছে যে জিনিস ক্রোক বাথিয়া নীচেতে বেওবা কবিয়া যেমতং লেথা যা ইতেছে দেইমতে নীলাম করায় ইহার মৌকুফী নীলামের দিবদের লতে নালিশ করি পর্যের ঐ বাকীর টাকা ক্রোকের থরচাসমেউ দেওনবিনা যাইবেক না আরু যদি জিনিসের মালিক একরারনামা লিথিয়া দিয়া নিয়মিত দিব দের মধ্যে দেওয়ানী আদালতে নালিশ না করে তবে ক্রোককরণিয়া ব্যক্তি বাকীর টাকা জামিনদারের স্থানে তলব করিবেক তাহাতে যদি ঐ জামিনদার তৎক্ষণাৎ না দেয় তবে ক্রোককরণিয়া ব্যক্তি জা মিনদাবের ও বাকিদারের কিম্বা এই দুই জনের মধ্যে এক জনের এই আইনের ১৪ ধারার পুস্তাবিত দ্ব্যাদিছাড়া অস্থাবর বস্তু ক্রোক করিয়া বিক্রয় করাইতে পারিবেক ইহার মৌকুফী নীলামের দিব দের পুর্বের ঐ বাকী টাকা জোকের থরচাসমেত দেওনবিনা যাইবেক ना इं जि। -- ১৮ ১२ मा। ८ जा। ১৫ ४।।

একরারনামা লি নিস ক্রোক থাকি য়ানীলাম হইবার

দেওয়ানী আদা লিখিয়া দিয়া নালি শ না করিলে জামি নের বাকী তলব হ ইবাব কথা।

৩৭। যে সকল লোকেরা বাকীদারলোকদিগের জিনিসপত্র ক্রো ককরণের ক্ষমতা রাথে তাহারদিণের মধ্যে কোন ব্যক্তি আপন পে ণিয়া বাকীদার বা টার যে ইজারদার কিয়া কট্কিনাদার অথবা,পুজা কিয়া তালুকদা বের মালজামিন থাকে তাহার জিনিস বাকী আদায়ের নিমিত্তে ক্রোক করাতে জিনিদের মালিক বাকীর বিষয়ে কোন ওজর করিলে তাহার মালজামিন যদি ক্রোকহওনের পর দ্বিতীয় দিবসহইতে পাঁচ দিবদের মধ্যে ও দে জিনিদ ভূমির উৎপন্ন ধানাদি শদ্য হইলে যদি কাটা না গিয়া থাকে তবে তাহা থামারে আসিয়া গাদীহওনের দিবদের পর দ্বিতীয় দিবসহইতে পাঁচ দিবদের মধ্যে জজসাহেবের কিয়া কালেক্টর সাহেবের অথবা পর্গনার কাজীর কি কমিদানর ইত্যাদি যেথ ব্যক্তি ক্রোকী জিনিস নীলামকরণের ক্রমতা রাথে তা

VOL. I.

মালজামিন বাথ কীর ওজর করিলে যেমতে তাহার জি নিসেব ক্রোকী মৌ ক্ফ হইবেক তাহা র কথা।

ना मिरल जिनिम ক্রোক থাকিবার ক शा

শেব আবজী দাখি লনাকরিলে কো কুকুবুণিয়া জামিন দারের ও বাকীদা মিত দিবদের মধ্যে দেওয়ানী আদালতে নালিশ না করে তবে বের জিনিস ক্রোক কোককর্ণিয়া ঐ মালজামিনের স্থানে বাকীর টাকা তলব করিবেক বাখিতে পারিবার তাহাতে যদি ঐ মালজামিন তৎক্ষণাৎ বাকার টাকা না দেয় তবে কথা।

দাখিল না হওনম তে বাকীদার অন্য जायिन मिरल ३६ ধারার লিখিত দাঁ ডার মহাচরণ হই বার কথা।

इक्रद्राजी ১৮১२ সালের ৫ আইনের ১৫ ও ১৬ ধারা ও ধরিবার কথা।

হার সাক্ষাৎ কিয়া থোদ ক্রোককর্ণিয়ার সাক্ষাৎ দুই জন সাক্ষির দাক্ষা প্রমাণে এক একরারনামা এই মজমনে লিথিয়া দেয় যে আমি কিয়া বাকীদার এই একরারনামার তারিথহইতে পনর দিবদের জামিনদার এক মধ্যে এই মোকদমাতে দেওয়ানী আদালতে নালিশ করিব ও বিচা রারনামা লিখিয়া রানুসারে আমার কি বাকীদারের শিরে বাকীর যত টাকা দেনা ঠাহ রে তাহা তাহার শতকরা দালিয়ানা ১২ বার টাকা হিসাবে ঐ টা কাদেওনের উচিত সময়অবধি ডিক্রীহওনের দিবসপর্যায় এই মদ তের যে সুদ হয় তাহাও আদালতের থারচাসমেত দিব তবে এমতি ক্রোককরণিয়া ব্যক্তির কর্ত্তব্য যে তৎক্ষণাৎ জিনিস ক্রোক করাতে ক্ষান্ত হয় আর যদি ঐ মালজামিন নিয়মিত দিবদের মধ্যে এই প্রকার একরারনামা লিখিয়া না দেয় তবে ক্রোককরণিয়া ঐ জিনিস ক্রোক রাথিয়া নীচেতে বেওরা করিয়া যে প্রকার লেখা ঘাইতেছে জামিনদার নালি সেই প্রকারেতে নীলামে বিক্রয় করাইতে পারিবেক ইহার মৌকুফী ঐ বাকী টাকা ক্রোকের থ্রচাসমেত সেই জিনিস নীলামহওনৈর দি বদের পূর্বের দেওনব্যতিরিক্ত হইবেক না আরু যদি ঐ মালজামিন আপন নামে কি বাকীদারের নামে একরারনামা লিথিয়া দিয়া নিয়

দুব্যাদিছাড়া ক্রোক করিয়া নীচেতে বেওরা করিয়া যে পুকার লেখা যাইতেছে দেই প্রকারে বিক্রয় করাইতে পারিবেক ইহার মৌকুফী জামিনের তরফ ঐ বাকীর টাকা নীলামের দিবদের পূর্বের দেওনবিনা হইবেক না **इ**हेटड अकरावनामा जात यनि थे मालजामिन थे अकरावनामा लिथिया निट्ड ना চाट्ड কি গয়ঙ্গচ্চ করে কিম্বা কার্য্যক্রমে যদি এমত কোন স্থানে থাকে যে দরপ্রযুক্ত নিয়মিত দিবদের মধ্যে একরারনামা লিথিয়া দেওয়া হই তে পারে না ও এই দুই মতের কোন মতহওনেতে যদি ঐ বাকীদার এই আইনের ১৫ ধারার নির্ণীত মতে একরারনামা লিথিয়া দিয়া অন্য জামিন দেয় তবে ক্রোককরণিয়া জিনিদ ক্রোককরাতে ক্লান্ত হইবেক ও উপরের ধারার লিথিত দাঁড়া অপ্রভেদে ঐ ক্রোককর ণিয়া ও বাকীদার ও তাহার জামিনের প্রতি থাটিবেক ইতি।— ১৮১২ সা। ৫ আ ১৬ ধা।

ক্রোককরণিয়া ব্যক্তি মালজামিন ও বাকীদারের কিয়া এই দুই জনের মধ্যে এক জনের জিনিসপত্র এই আইনের ১৪ ধারার উক্ত

৩৮। ইঙ্গরেজী ১৮১২ দালের ৫ আইনের ১৫ ও ১৬ ধারার লিথনানুসারে ত্কুম হইয়াছে যে যে সকল লোকের মালামাল মাল ওজারীর নিমিতে ক্রোক হইয়া সেই মালওজারীর দাওয়ার উপর আপত্তি করিতে নালিশ করিবার জন্যে মালজামিন দিবেক তাহা অধরিবাতে এই ধারাক্রমে ছকুম হইল যে যদি সমুদয় দাওয়ার উপর আপত্তি না করিয়া কেবল কতক অংশের উপর আপত্তি হয় তবে যাহারদিগের মালামাল ক্রোক হইয়া থাকে তাহারদিগের

ক্ষমতা আছে যে দেই কতক অংশের দাওয়া দিয়া এবং অবশিষ্ট আপত্তির নিমিত্তে মালজামিন দিয়া ক্রোক থালাস করে ইতি।— ১৮৩১ সা।৮ আ। ১২।

৩৯। কোন প্রজা কি ইজারদার কিয়া কট্কিনাদার অথবা মফঃ যে ব্যক্তি জামিন দলী তালুকদারের জিনিদ ক্রোক হউলে যদি দে ব্যক্তি জ্মীদারের ^{দিতে} না পারে ডা তলব করা বাকীর ও তাহার শতকরা মাদে ১ এক টাকা হিসাবে সু হাকে থেসারতের দাওয়াসমেত বাকী দের ও আদালতের থরচার ও ক্রোকের থরচার টাকার মাতবর জী টাকার মোকদমা মিন দিতে না পারে তবে তাহার ক্ষমতা থাকিবেক যে ঐ বাকীর টা তে দেওয়ানী আদা কার মোকদ্মাতে ক্রোককরণিয়ার নামে দেওয়ানী আদালতে না লতে নালিশ করি লিশ করে কেননা আদালতের বিচারানুসারে যদি এমত বোপ হয় তে অনুমতি হইতে যে তাহার জিনিদ অনর্থক ক্রোক ও নীলাম হইয়াছে তবে তাহাতে পারিবার কথা। তাহার যে ক্ষতি হইয়া থাকে তাহার বদল আদালতের হুকুমানুসারে বৃক্তিয়া পায় ইভি।—১৮১২ সা। ৫ আ। ১৭ ধা।

৪০। এই আইনের দ্বিতীয় ধারার লিথিত নানা প্রকার ভূমাধিকা রী ও ইজারদারপ্রভৃতিরা এই আইনের লিথিত সমস্ত মর্মাদৃষ্টে নানুসারে এযুত কোষ্লানি বাহাদুরের দরকারের মহাজনী দুব্য দামগ্রী প্রয়তে কোম্পানি বাহাদু প্রীযুত কোষ্ণান বাহাদুরের সরকারের মহাজনা দুবা বাল্লা মুল্ল রের সরকারের ম র কার্য্যে ও নিমিকপোঝানীর ব্যাপারে যে সকল লোকনিযুক্ত আছে হাজনী সামগ্রা হৈ তাহারদিগের দুবাদি মালগুজারীর বাকী টাকা আদায়ের কারণ য়ারীর ও নিমক এয়ত কোমানি বাহাদুরের সরকারের তেজারতা কুঠার সাহেবদিগ পোখানীর কার্য্যে কে ও নিমক মহালের দাহেবদিগ্কে ও অপর আমলাকে এতেলা নিযুক্ত বাকীদার না করিয়া প্রথমতঃ ক্রোক করিবার ক্ষমতা রাথে কিন্তু ক্রোককার দিগের বেওরা ক কেরা যে কোন তাঁতী, কিয়া মলঙ্গীর দুব্যাদি বাকীর দায়ে যে দিন था। ক্রোক করে তাহার পর দিনহইতে তিন দিনের মধ্যে দেই দ্ব্যাদি ক্রোককরণের বিষয় এক লিখনের দ্বারা তেজারতী কুঠীর সাহেব কিয়া নিমক মহালের দাহেবের নিকটে অথবা যে স্থানে দ্ব্যাদি ক্রোক হয় তাহার দল্লিকটে তেজারতী কার্থানার পেটার যে কুটা কিয়া নিমক মহালের মফঃদল যে কাছারী থাকে তথাকার আমলা **मिरागत स्नात्म न॰ वाम मिरवक এই (इ जूक या मिट्टे क्वांको मुवामि** বিক্রয়ের যে দিন নির্দিষ্ট হয় তাহার পূর্বের সেই সাহেবেরা এই আ ইনের ব্যতিক্রম না হয় এমতে সেই তাঁতী কিম্বা মলঙ্গীর দ্ব্যাদির ক্রোক থালাদ অথবা অপর যে গতিক উচিত্র জানৈন্ তাহা করেন্ ইন্ডি।—১৭৯৩ সা। ১৭ আ।৩১ ধা।

85। থাজানার বাকী আদায়ের কারণ নীলামহওনার্থে জিনিদ ক্রোক হইলে কর্ত্তব্য যে নীলামহওনের পূর্ব্বে ঐ পুকার জিনিস কে নীলাম হওনের পূ নাবেচার ওয়াকিফহাল লোক দিগের দ্বারা তাহার মূল্য চাহরা ও বের তাহার মূল্য নিরূপণ করা যায় অতএব ঐ ওয়াকিফহাল লোকদিণের কর্ত্তব্য যে তাহার মূল্য নিরূপণের বৃত্তান্তুসম্বলিত এক দর্টিফিকট অর্থাৎ দন্তা বেজ लिथिश (एए य भे मिर्िकिक नौना प्रश्यन दिवान जिन

ক্রোকী জিনিস আমীনদিগের মার ফত নিরূপণ হইবা র ও নিরূপণহওয়া মুলোর দ্ভাবেজ

বাকীদারের নিক দিবদ কি ইহাহইতে অধিক দিবদ পুর্বের জ্ঞাত হওনার্থে জিনিদের টে পঁছছাইবার ক মালিক অর্থাৎ স্বামিকে দেওয়া যায় ইতি।--১৮১২ সা। ৫ আ। 211 1 PS 46

मुवामि विज्ञास পূর্বে বাকীদার বা কী টাকা দিতে চা হিলে ক্ৰোক খালা সের কথা।

মের অন্যথা হইবা তে ক্রোককারকের मध्यत् कथा।

৪২। যদি বাকীদার ভাহার দুব্যাদি ক্রোক হইলে পর দেই র নিণ্ডি দিনের দুব্যাদি বিক্রন্থ হইবার দিন নিষ্কর্মের পুর্বের ভাহার স্থানের ভলবের টাকা ক্রোকী আবশ্যক থরচাসমেত ২ দুই জন মাতবর সাক্ষির সম ক্ষে দিতে চাহে ভবে ক্লোককারকের কর্ত্তব্য যে দে বাকী টাকা থব চাদমেত তাহার স্থানে তৎক্ষণাৎ লইয়া ক্রোকী দুব্যাদি অবিলয়ে ছাড়িয়া দেয় ইহাতে ক্রোকী ধরচার বিষয়ে কিছু বচনা ও আপত্তি এই ধারার ছুকু হইলে তাহা পরগনার কাজীর নিকটে নিষ্পত্তি পাইবেক। যদি ক্রোককারকদিগের কেহ এই ধারার ব্যতিক্রমে কার্য্য করে তবে সে নালিশ দেওয়ানী আদালতের জজদাহেবের স্থানে হইলে দেই সা হেব মোকদ্দমার গতিকানুসারে তাহার দণ্ড আদালতের থরচাসমেত ফরিয়াদীকে দেওয়াইবেন ইতি। ১৭৯৩ সা। ১৭ আ। ১১ ধা।

বারাণস ১৭৯৫ সা। ৪৫ আ। ৯ ধা। मह (मण **२४०० मा**। २४ छा। २ था।

৭ ধারা।

ক্রোকছওয়া দুবা নীলামকরণের ক্ষমতা।

বাকী আদায়ের কারণ যে দুব্য ক্লো ক হয় ভাহার নীলা মের শক্তি যাহারা ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সা লের ৪০ আইনের প্রের কথা।

৪৩। ক্রোকছওয়া দুব্য অনায়াসে নীলাম হইবার কারণ যাহার। ইক্লরেজী ১৭৯৩ দালের ৪০ চত্তারিণ্শৎ আইনের মতে দিল্লা ৫০ পঞ্চাশ টাকাঅবধির মোকদ্মাসকলের বিচার ও নিষ্পান্ত্যর্থে কমিস্যনরী সনন্দ পায় ভাছারদিগেরে শক্তি দেওয়া গেল যে যে কালে ভাছারদিগের রহিবার পরগনার বাকীদারদিগের দুব্য ক্রোক মতে কমিসানর হয় হয় ও ক্রোককারকেরা সে দুবা নীলামের কারণ ভাহারদিগের ভাহারদিণেরে অ নিকটে দর্থান্ত করে সেকালে তাহারা ইক্সরেজী ১৭৯৩ সালের ১৭ সপ্তদশ আইন এব॰১ এই আইনের অনুসারে ক্রোকৃহওয়া দুবা নীলামের জন্যে কাজীদিগের প্রতি যে সকল স্কুম নির্দিষ্ট আছে ত দ্যেট সেই দুব্য নীলাম করে আর কাজীদিগেরো কর্ত্তব্য যে ঐ ১৭ স প্রদশ আইন এব°৲ এই আইনক্রমে তাহারদিগের যে ক্রমতা আছে তদনুসারে কার্য্য করিতে থাকৈ আর যে সময়ে কোন পরগনায় কো কছওয়া দুব্য অনায়াদে নীলামের নিমিন্তে অন্য লোককে ঐ শক্তি অপ্লকর্ণ আবশাক হয় দে সময়ে জজসাহেবদিগেরে হকুম আছে যে অনাং লোককে ঐ শক্তি অপিয়া নিযুক্ত করেন্ কিন্তু যাহারা ক্রোকহওয়া দুব্য নীলাম করিবার ক্ষমতা রাথে তাহারদিগের কাহা রো প্রতি চ্কুম থাকিবেক না যে তাহার নিজের পাওনার বাকী টা কার কারণ যে দুবা ক্রোক হয় তাহা আপনি নীলাম করে এমত लाकमिरशत याँचात निरक्तत शालनात वांकीत करना य काल वांकी

দারের দুবা ক্রোক করিতে হয় দে কালে ভাহা নীলামের নিমিত্তে অন্য যে লোক ক্রোকহওয়া দুব্য নীলাম করিবার ক্ষমতা রাথে তাহার নিকটে দর্থান্ত করে ইতি।— ১৭৯৫ দা। ৩৫ আ। ৮ধা। वादावम ১৭৯৫ मा। १६ छा। २१ ४६। धा। मस्द्र तम्म ३४०७ मा। २४ व्या। २१ शा । ७ श्रा

৪৪। ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৪০ আইনমতে সিঞ্চা ৫০ পঞ্চাশ । ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ টাকার অনুর্দ্ধ দণ-খ্যাও মূলোর মোকদ্দমার বিচারার্থে নিযুক্তহওয়া সালের ৩৫ আই সনন্দ্রদার কমিদ্যনর্দিগকে ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ সালের ৩৫ আইনের নের ৮ ধারার মজ ৮ ধারানুদারে ভার এব° হকুম আছে যে দর্থান্তের কালে ক্রোকী ^{মুনের ক্থা।} मुँठा আইনের বিধানদৃষ্টে নীলাম করে। এতভিন্ন কোকী দুবা অবিলম্বে বিক্রয়ার্থে যত লোক নিযুক্ত করিবার আবশ্যক থাকে তাহা জিলাসকলের জজসাহেবেরা করিবার কর্তৃত্ব রাথেন্ ও করি বেন। ও তাহা করিলে ঐ ১৭৯৩ দালের ১৭ আইনমতে যে ভার কাজীদিগকে অর্পণ হইয়াছে সে ভার পশ্চাৎ সকল কাজীকে দেও লিখনানুসারে ও য়াআবশ্যক হইবেক না। জানিবেন যে **ঐ** ৪০ আইনমতে কাজী ^{ইঞ্}রেজী প্রভৃতি যাহারা মোকদ্দমার বিচারার্থে কমিদ্যনরী ভার পাইয়াছে সালের ৪০ আই এবং ঐ ৩৫ আইনের ৮ ধারানুসারে ক্রোকী দুব্য নীলামের ভার পায় কেবল তাহারাই ঐ ১৭ আইনের অনুসারে এবণ্ ঐ ১৭ আ ইনের পরিবর্ত্তী স্থকুমমতে ক্রোকী দুব্য নীলাম করিতে পারিবেক। আর ঐ জজদাহেবদিগের কর্ত্তব্য যে এ আইনমতে অন্য যাহারদি কথা। গেরে ক্রোকী দুব্য নীলামের কারণ নিযুক্ত করিতে হয় ডাহারদিগে রে সুখ্যাতি ও কর্মযোগ্য চাহরিয়া নিযুক্ত করেন ও যাহার। নিযুক্ত জজসাংখবের। হয় তাহারদিগেরে নীচের লিথিত বেওরানিদর্শনে সনন্দ আপন খ্যাত দস্তথতে ও আদালতের মোহরে দেন্। সে বেওরা এই যে আমি অমুক জিলার দেওয়ানী আদালতের জজ এপ্রযুক্ত ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ দালের ৩৫ আনের মতে যে ভার রাখি তদনুসারে তোমাকে উপ রের প্রস্তাবিত ঐ ৩৫ আইন এবণ ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ১৭ আইন ও ১৭৯১ দালের এই ৭ আইনক্রমে মালগুজারীর বাকী আদায়ের কারণ ক্রোকহওয়া দুব্য নীলামের নিমিত্তে কমিদ্যনরী কার্য্যে নিযুক্ত করিলাম তুমি অমূক প্রগনার অমুক মোকামে থা কিয়া ঐ দকল আইনের লিথিত ক্ষমতাক্রমে কিয়া অপর যে আইন ভোমার কর্ম চালানের নিমিত্তে পাচান যায় তদনুসাঁরে ক্রোকছওয়া দুব্য নীলামের ক্রার্য করিবা এবণ আপন কর্মের প্রভিদিনের রুব কারী অর্থাৎ নিত্য বিবরণ লিপি সাবধানে রাখিবা যে তাহা তলব হইলে তৎকালে পাওয়া যায় ইতি।—১৭৯৯ দা। ৭ আ। ৬ধা। वाहावम ১৮०० मा। ६ छा। ७ शा।

উপরের ধারার ওয়া কমিস্যনরেরা ক্রোকী দুব্য নীলাম করিডে পারিবার

জিলাসকলের লোক ঠাহরিয়া নী লামের কার্য্য ভারি वात् कथा।

[[]উক্ত ধারার মধ্যে "আর ঐ জলসাহেবদিগের কর্বব্য" এ কথাঅবধি "তৎকালে পাওয়া যায় ইতি" এ কথাপর্যান্ত ১৮০৩ দালের 🤪 আইনের ২৭ ধারার ২ প্রকরণের স্বারা দত্ত দেশে বিস্তার হইয়াছে।]

मिश्रामी त्यांक लात उरमीनमारत রা আপন্য ভারক্র বার কথা।

তলবমতে কমিদান রেরা সকলেই বেও দালতের বিনাত্তকু যে তগীর নাহই বার কথা। নিযুক্ত করেন্ ও সনন্দ দেন্ তাহারদিগেরে নিযুক্ত করিবার ও

ঐ কমিদানরের। নিযুক হইবার ও সনন্দ দিবার বার্ত্তাও লিথিয়া পাচাইবেন ইতি। -১৭৯৯ সা। ৭ সনন্দ পাইবার সূ আ। ৭ ধা। মাচার হলুরে পা ठेविंड इहेरात क

৪৫। যে সকলে ইঙ্গরেজী ১৭১৩ সালের ৪০ আইনের অন দমার বিচ'রের ক সারে দেওয়ানী মোকদমার বিচারার্থে কমিসানরী কার্যে আর যে মিসানরেরা ও মা সকলে কালেক্টর সাহেবদিগের স্থানহইতে সরকারী মালওয়াজি বীর তহসীলদারী কর্মে নিযুক্ত-হয় তাহারদিগের যাহারা 🗳 ১৭১৩ स्म ब्लाकी मुरा मी नात्नत ১१ आहेत्नत १० धाताक्रास ब्लाकी मुरा मीनास्मत मिक লাম করিতে পারি রাথে তাহারা যাবৎ কমিদানরী কার্যোও তহদীলদারী কর্মে নিযুক্ত থাকে তাবৎ আপন্থ ভারাবলম্বনে ক্রোকী দুব্য নীলামের সীধ্য রাথিবেক তাহাতে এ কার্য্যের নিমিত্তে পৃথক্ দনন্দ তাহারদিণেরে জিলাসকলের দিবার তাৎপর্য্য থাকিবেক না। কিন্তু ক্রোকী দুব্য নীলামের কমি জজসাহেব দিগের সানরদিগের সকলেরি কর্ত্তব্য যে তাহারদিগের স্থানে যে স্মাচার জিলা দকলের জজদাহেবেরা তলব করেন্ তাহার বেওরা লিথিয়া রা লিখিবার কথা। পাচায়। আর যাহারা এ আইনের ৬ ধারাক্রমে সনন্দ পায় তাহা এই আইনের ৬ রদিণের বিরাগ কোনপ্রকারে দদর দেওয়ানী আদালতে প্রমাণ না ধারাক্রমে সনন্দ্রপা ইইলে তাহারদিগের পাওয়া সনন্দ্র ফিরিয়া লওয়া যাইবেক না ওয়া কমিদ্যনরের। অর্থাৎ তাহারা অপদস্ত হইবেক না। ইহাতে ঐ জজদাহেবদিগের সদর দেওরানী আ প্রতি যেরপে দেওরানী মোকদ্দমার বিচারকারক কমিদ্যানরদিগের তগীরী ও বহালীর সমাচার ঐ ৪০ আইনমতে হজুর কৌন্সেলে লিখিতে ইকুম আছে দেই রূপে এ আইনক্রমে যে কমিদ্যনরদিগকে

> বারাণস ১৮০০ সা। ৫ জা। ৭ ধা। म्हल्म ३४०७ मा। २४ खा। २१ था। <u>१ था</u>।

৪৬। [তর্জমা হয় নাই।]

শহরসকলের জজ मिर्गत मण्ड क्या मानद्रमिशटक नि বার কথা।

৪৭। শহর জাহাঙ্গীরন্গর ও মুরশিদাবাদ ও আজীমাবাদের নাহেবেরা জিলা জজনাহেবদিগকে ক্ষমতাপণি হইতেছে যে আপনারদিগের এলাকার সকলের জজনাহেব মালগুজারীর বাকী আদায়ের কারণ কোকছওয়া দুবা নীলাম করি তে যত জন কমিদ্যানর নিযুক্ত করিতে হয় তাহ। দেই মতে করিবেন যুক্ত করিতে পারি যেমতে জিলার জজনাহেবদিগের প্রতি কমিদানরদিকে নিযুক্ত করি বার অর্থে হকুম আছে ইতি।--১৭১১ সা। ৭ আ। ৮ ধা।

শহর বারাণসের কথা।

৪৮। শহর বারাণদের জজদাহেবকে ক্ষমতার্পণ হইতেছে যে আ জনসাহেব জিলাস পন এলাকার মালগুজারীর বাকী আদায়ের কারণ ক্রোকহওয়া কলের জলসাহেব দুবা নীলাম করিতে যত জন কমিসানর নিযুক্ত করিতে হয় তাহা দিগের মতে কমিসা প্রস্থিমতে করিবেন যে মতে জিলাসকলের জনসাহ্বদিগের প্রতি করিতে পারিবার কমিদানরদিগকে নিযুক্ত করিবার অর্থে হ্কুম আছে ইভি।—১৮০০ मा। ६ जा। ৮ था।

প্রগনার কাজী ৪৯) পরগনার কাজী হাজির না থাকিলে কিয়া মোকরর না রহি লে এই আইনের মতে যে চ্কুম চালাইতে কাজীর প্রতি আজ্ঞা হাজির না থাকিলে আছে তাহা চালাইবার ভার তথাকার তহসীলদারের প্রতি হইবেক কিষা মোকরর না ও তথায় তহদীলদার রুজু না থাকিলে কিয়া তথাকার তহদীলদা বহিলে ভাহার প্র রীতে কেহ মোকরর না রহিলে যাহাকে জজসাহেব এ হকুম অপ িছ বওয়া চকুম জা ণের বিবেচনা করেন্ ভাহার প্রতি ভার হইবেক ভাহাতে কাজার রী করিজে যে যে ণের বিবেচনা করেন তাং।র আতে ভার হংবেক ভাহাতে কালাস লোক ক্ষমতা রাঝি প্রতি যে সকল নিষেধ আছে তাছা সমস্তই সেই তহুসীলহারপ্রভৃতির বেক তাহার কথা। প্রতি থাকিবেক ও তাহার অন্যথায় যাহার যে কার্য্য তদনুসারে দণ্ড কবা যাইবেক ইতি।—১৭১৩ দা। ১৭ আ। ২১ ধা।

বারাণস। ১৭৯৫ সা। ৪৫ আ। ২৭ ধা। ১ প্র। मह (मण ১৮°३ मा। २৮ जा। २१ था। ५ था।

৮ ধারা।

নীলামের মতের কথা।

৫০। যে কালে কাহারো দুব্য ক্রোক হয় সে কালে ক্রোককার কের কর্ত্তব্য যে যে দিন সেই দুব্য ক্রোক হয় তাহার পর দিনহইতে নীলামের মডের ক পাঁচ দিন গতে অফ্টাহের মধ্যে এব° দে দুবা ভূমির যে শদ্য কাট। था। না গিয়া থাকে তাহার ন্যায় হইলে ইঙ্গরেজী ১৭১৩ সালের ১৭ সপ্তদশ আইনের ১৩ ত্রয়োদশ ধারার লিথনানুসারে সেই শস্য কাটা গিয়া যে দিন থামারে রাশি হয় তাহার পর দিনহইতে পাঁচ দিন গতে অফীহের মধ্যে দেই দুব্যের মূল্যের ঠাহর ও নীলামের জন্যে পর্গনার কাজীর নিকটে দর্থান্ত করে। কাজীর উচিত যে সেই সেই কাজী জননুদা দুব্যের ফিরিস্তি অর্থাৎ ডফদীল জাযের ফর্ম নীচের লিথিত মর্ম্মযুক্তে রে যে উদ্যোগ ক আপন বাটীর সদর দ্বারে এবং দুব্য নীলামের কারণ যে স্থান নির রিবেক তাহার ক পণ হয় তথায় লট্কাইয়া দেওয়ায়। সেই মর্মের বেওরা এক এই যে দুবা নীলামের স্থাননিরপণ যে স্থানে ক্রোককারক সেই দুবা রা থিয়া থাকে অথবা তাহার নিকটস্থ যে গঞ্জ কিয়া বাজার অথবা হাট হয় অথবা অন্য যে স্থানে দকলের গমনাগমন থাকে ফলডঃ যে স্থানে (म मुता উक्रमृत्ना विक्रमृश्चन काजी ठाइत करत (मह स्रान इहेरवक। দ্বিতীয় দুবা নীলামের তারিথনির্ণয় যে দিন সেই দুবা ক্রোক হয় তাহার পর দিনহইতে পঞ্চদশ দিবস ইহাতে সে দুবা ভূমির যে শদ্য নিরূপণের কথা। कांगा ना शिशा शास्त्र जाहात नाम हहाल है बदल की ११३० मारलत ১৭ সপ্তদশ আইনের ১৩ ত্রয়োদশ ধারার লিখনানুসারে সেই শস্য ^{র্দরে}র কথা। কাটা গিয়া যে দিন থামারে রাশি হয় তাহার পর দিনহইতে পঞ্চ मन मित्रम इडेटतक। जुजीय मुत्रा नीनात्मत नमय निर्मिष्ठे त्य नमत्य অনেক লোকে ঐছিক ব্যাপারকার্য্য করিবার বাসনা রাথে সেই সম নির্দিটের কথা। য়ে হইবেক এইহেতুক যে সে সময়ে বিস্তুর লোক একতা হইতে পারে। তদনন্তর কাজীর কর্ত্তব্য যে দেই দুব্যের মূল্য চাহরিবার জন্যে বিখাসী ও মাতবর যে লোকেরা আপন্থ ব্যবসায় কিছা ভার র ক্রমে ভাহা <u>ঠাহরের যোগ্যভারাথে ভাহারদিণেরে</u> আমীন মোকরর্ ক্রোকহওয়া <u>দু</u>বেয করে। সেই আমীনদিগের উচিত যে সেই পর্গনার সময়শিরের র মূল্য ঠাহরিবার

ক্ৰোকহওয়া দ্বা

ক্রোককারক ক্রো ক হওয়া দুব্য নীলা মের কারণ প্রগনা ব কাজীর নিকটে দর্থান্ত করিবার ও

কাজী এই ধারার লিখিও স্থানে দুব্যে त उक्तमीरलद कर्फ লটকাইয়া দেওয়া ইবার কথা। নীলামের স্থান নীলামের দিননি

নীলামের সময়

প্রগনার কাজী বিবেচনাক্রমে

জন্যে আমান মোক দরের অনুসারে একং দুবোর মূল্য চাহরিয়া সেই সকল দুবোর তফ রর ছইবার কথা। সীলের ফর্দ্দি একং দুবোর মূল্য নিদর্শনে দুরস্ত করিয়া সেই ফর্দের নীচে এই পাঠ যে আমরা এই সকল দুবোর মূল্য চাহর আপনার দিনের যথাসাধ্য বুদ্ধি ও বিবেচনাক্রমে করিয়াছি লিথিয়া তাছাতে

দারদিগের দৃষ্টির কারণ নীলামের দি ন নীলামের স্থানে আনা যাইবার ক

দ্ব্য একত্র কিম্বা ইবার কথা।

চইতে অতিরিক্ত হ ইলে-ভাহা দুব্যাধি কারী পাইবার ক থা ৷

অপে মুল্য হইলে ম হইবার কথা।

ক্রোক ও নীলামের कर्फ विद्यक्ता कहि বার কথা।

নির্দ্ধারিত মতের वाडिकास ब्लाक्ट इर्तिक इंजि।--> १२० मा। ७० चा। ७ स। ওয়া দুব্য বেচাইলে

দণ্ডের কথা। ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ থ্যের বাকীদারকে म्याम मियात छ इक्ट्राक्की ५१२६ म।

ঐ ফর্দ এই ধার। আপনার দিগের মোহর ও দস্ত এৎ করে। কাজীর কর্ত্তব্য যে সেই র লিখিত ছানে২ ফর্দের উপর আপন মোহর করিয়া তাহাআপন বাটীর দদর ঘারে এব ে নীলামের কারণ যে স্থান নিরূপণ হয় তথায় লটকাইয়া দেও দেই দুব্য কিন্তা য়ায়। আর উচিত যে দেই দুব্য নীলামের দিন প্রাতঃকালে যে দকল ভাহার নমুনা খুরী লোক তাহা কিনিবার বাসনা করে তাহারদিগের দৃটির নিমিতে নীলামের স্থানে আনা যায় কিয়া ভূমির যে শদ্য এক স্থানহইতে স্থা নান্তরে উঠাইতে ও লইতে ব্যয় বাছলা হয় তাহার ন্যায় দেই দুবা ছইলে দেই একং দুবোর নমুনা বাচনি না করিয়া আনা যায়। এব॰ কাজী সেই দুব্য এক লাটে কিয়া অনেক লাটে অর্থাৎ একত্র অথবা পৃথকং করিয়া যেমতে নীলামকরণ বিহিত জানে দেই মতেই করে পার্থকো নীলায় হ ও যে কেহ অধিক মূল্য কহে কর্ত্তব্য যে দেই ব্যক্তিই দে দুব্য এরীদ

করে। ইহাতে যদি সেই দুবা নীলামের টাকা বাকীর অনুসারঅপে নীলামের টাকা ক্লা অধিক হয় তবে যে টাকা অধিক হয় তব্বা ক্রোক ও নীলামের বাকীর আনওয়ান থারচা বাদে দেই দুবোর অধিকারী পাইবেক। যদি দেই দুবা নীলা মের টাকা বাকী টাকা এবং ক্রোক ও নীলামের থরচায় না ক্লায় তবে ক্রোককারকের ক্ষমতা থাকিবেক যে সেই অবশিষ্ট বাকী টাকা আদায়ের কারণ দেই বাকীদারের অন্যথ দামগ্রী ক্রোক করিয়া নী লাম করায়। ইহাতে কাজীর উচিত যে ক্রোক ও নীলামের যে সকল বাকীদারের অন্য থরচের কর্দ্ধ তাহার নিকটে ক্রোককারক দেয় তাহা দেখিয়া ও তহ দ্বা জোক ও নীলা কীক করিয়া দে দকল এরচের মধ্যে যাহা অদঙ্গতানুমান করে তাহ বাদ দেয়। যে লোকেরা ক্রোক করিবার সাধ্য রাথে তাহারদিগের পরগনার কাজী কেছ যদি ক্রোক হওয়া দুবাসামগ্রী এই ধারার লিখনানুসারছাড় মতান্তরে বিক্রয় করায় তবে যে বাকীর নিমিত্তে দুবাসামগ্রী কোব হইয়া থাকে দে তাহা না পাইয়া অপরাধী হইবেক এবং বিক্রীত দুব্যের মূল্যও আদালতের এরচাদমেত দুব্যাধিকারিকে দেওয়ান য

वादावम ३१३६ मा। १६ छा। २० था।

৫১। ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৭ আইনের ৮ ধারার মধ্যে দি সালের ১৭ আই থিত যে হকুম দুব্যাদি ক্রোক হইবার পর দিনহইতে পঞ্চদশ দিনে? নের ৮ খারার ম দিবদে তাঁহা বিক্রয় হইবার নিদর্শনে লিথিয়া বাকীদারকে জানাই বার অর্থে আছে এবণ্ ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ সালের ৩৫ আইনের ৫ ধারার মধ্যের যে তুকুম দুব্য ক্রোক হইবার পর দিনহইতে পঞ্চদ লের ৩৫ আইনের দিবদে তাহা নীলাম হইবার নির্ণয়ে আছে দেইং হ্রুম এই ধার ৫ খারার মধ্যের ক্রমে রদ হইল। আর ক্রোকী দুব্যাদির ফিরিস্তিযুতে যে লিএন वि নীলামের মিয়াদ থিয়া বাকীদারকে দিতে হয় তাহাতে কেবল বাকী টাকার সংখ্যাৎ যত শীখু নীলামকরা কর্ত্তবা তাহার মিয়াদ ধার্য্য করিয়া লিথিয়

বিশেষ জানাইবে যে দেই মিয়াদের মধ্যে কোকী থ্রচাসমেত বাকী ^{ধার্যোর ছকুম} ফের लाध ना मिल्न प्रियान शूर्वत मित्रम डाहात त्काकी मुतामि नीनाम চুইবেক। তাহাতে যদি বাকীদার সে লিখন পাইয়া বাকী টাকা না দ্য় কিয়া শীঘু বাকী টাকা দিবার অর্থে ক্রোককরণিয়ার হুদোধ না জন্মায় অথবা দে বাকীদার পলায় কিন্তা এমতে গাঢাকা হয় যে কোনপুকারে সে লিখন তাহার স্থানে না পঁছছিতে পারে তবে ক্রাককর্ণিয়ার কর্ত্তব্য যে যে কাজী কিম্বা ক্রোকী দুব্যাদি নীলামের শক্তিমান অন্য যে কেহ নিকটে থাকে ভাহার স্থানে দেই ক্রোকী দ্যাদি শীঘু নীলাম করিবার কারণ দর্থান্ত পাঠাইয়া দেয়। ও সে নর্থান্তে বাকীর পরিমাণ এব॰ দে দুব্য থাকিবার চিকানা লেখে লামের দর্থান্ত কা এব॰৲ যদি ক্রোককরণিয়া ঐ ১৭ আইনের ১২ ধারাক্রমে এক স্থান জী কিমানীলামের इरें छानास्तरत मुवा छेठारेया लहेतात वामना करत छटा यथाय निकटे शोठारेवात উচাইয়া লইবার বাসনা করে তথাকার নাম সেই দর্থান্তে লিথিয়া দেয় ৷ তাহাতে কাজী কিয়া অন্য যে কেহ সে বিষয়ের ভার রাথে তাহার উচিত যে দে দর্থান্ত পাইলে পর ৩৫ আইনের ৫ পা পর কাজীপ্রভতিতে রার হুকুমমতে এব^ নীচের লিথিত বিধিক্রমে কার্য্য করে বাক্যার্থ নীলাম করাইবার দুব্য ক্রোকের পর ১৫ পনের দিনের দিবদে নীলামের মিয়াদনির্ণ কথা। য়ের বদলে ঐ ৫ ধারার অপর বিধিদুটো দুবোর মূল্য চাহর করা ইয়া যত শীঘু তাহা নীলাম করা কর্ত্তব্য তাহার মিয়াদ ধরিয়া লি থিয়া সে সমটার জানাইবার কারণ হাটের দিন ঢোল পিটায়। ও তাহাতে এমত নিয়ুর্য জানায় যে সেই দিনের পর মধ্যে এক হাট লে পাঁচ দিনেরপর वारि षिठीय शास्त्रेत पिन रम मुवा नीलाम श्रेरवक। किन्तु कथन কোন দুব্য ক্রোক হইবার দিনইইতে পাঁচ দিন গত না হইলে নী লাম হইতে পারিবেক না। আর কাটা না গিয়াথাকা কোন শদ্য ক্রোক হইলে তাহা কেহ কথন ক্রোক করিলে তাহাঁ ঐ ১৭ আইনের ১৩ ধারার হুকুম নীলামে উপরের মতে কাটাইয়া জড় করাইয়া যাবৎ উপরের লিথনানুসারে ঢোল অকুম চলিবার ক পিটাইায়া জানান না দেয় তাব^e তাহা নীলাম হইতে পারিবেক ^{থা।} না। ইহাতে ক্রোককরণিয়ার উচিত যে ক্রোকী দুবা শীঘু নীলামের কারণ তাহার পূর্বের এই যে দাঁড়া ফেরফার হইতেছে এ জনো এীযুত কোম্লানি বাহাদুরের দরকারের মহাজনী ব্যাপরের কিয়া নিমকপোঝানীর ব্যাপারের এলাকাদর কাহার দ্ব্যাদি মালগুজারীর বাকী আদায়ের কারণ ক্রোক করিলে পর সে সমাচার তথাকার কর্ম কর্ত্তা সাহেবপুজৃতির স্থানে ঐ ১৭ আইনের ৩১ ধারার লিথনানু ব্য নীলামে বিলয় দারে যত ফটিতি পঁছছাইতে পারে পঁছছায়। ও দে কর্মকর্তা দা হেবপুভৃতিতে দে সমাচার পাইয়া দে বাকী টাকা আদায় পঁছছাই তে यु फिन विलम् मम्रद उठ फित्नत प्राथा रम मुवाफि नीलाप ना করে। এমতে ক্রোক্করণিয়ার সাধ্য আছে যে সে সমাচার লিথি या भराजनी कृष्ठीत नाट्य किम्रा निमकमहारलत नाट्य अथवा कू कथा। চীর গোমান্তা কিয়া নিমকটোকীর দার্রোগা ফলতঃ যাহার ব।।পা

ফার হইবার কথা। উত্তরকালে বাকী দারদিগকে যে সমা চার দেওয়া যাইবে ক তাহার কথা।

আট্কানিয়া নী শক্তিমান অন্যের

দর্থান্ত পাইলে

দুবা কোক হই য় না হইবার কথা। ক্ষেত্রে থাকা ফমল

সরকারের এলা কাদারের দুব্যাদি क्लांक इहेंटल रम ग মাচার সেই এলা কার সাহেবদিগর কেদিবার ও সে দু করিবার কথা।

ঐ সাহেব কিম্বা গোমান্তা দিগরের निकरि में लिसन्था ঠাইতে পারিবার সেই বাক্লীদার হয় ভাঁছার নিকটেই বিহিত বুঝিয়া পাচাইতে পারে ইতি।—১৭৯৯ সা⊦৭ আ। ৪ ধা। वादायम ১৮०० मा। ६ छ।। ६ ४।।

৫২। [ভর্জমাহয় নাই।]

নিরূপিত যুলো লাম মৌকুফ থাকি বার কথা।

৫৩। ক্রোকী জিনিদ নীলামহওনের সময় যদি নিরপণ করা মূল্যে র সমান মুল্য না তে কোন ব্যক্তি ভাহা থরীদ করিতে না চাহে তবে দেথানকার আ পাওয়া গেলে নী ইন্দাবাজারের দিবসপর্যান্ত নীলাম মৌকুক থাকিবেক ও দে দিবদ নীলামের দম্ভরেতে যে মূল্য পাওয়া যায় তাহা প্রথম দিবদ নীলাম হইলে যে মূল্য পাওয়া যাইতে পারিত তাহাহইতে কম না হইলে मिंड प्राचारिक वे जिनिम विकास कहा याहरतक हेि ।—১৮১२ मा। ৫ আ । ১৯ ধা।

नीलारमञ्जूनाधा বার কথা।

৫ ৪। ক্রোকী দুব্যাদি নীলামের সাধ্যবান কাজীপ্রভৃতিতে দুব্য নীলা वात्नता त्रमूम शाष्टे प्रात इणि छिहात मिवात ও नीमाम कतिवात अव । इम्रात जी ১१৯৫ দালের ৩৫ আইনের ৫ ধারানুদারে ভাছার মূল্য চাছরিবার এর **एक निमित्त्र ७ निज त्वज्ञान वार्थ क्रम्म मुवा नीलारम विक्रम्मर**थ যত টাকা হয় ভাহার টাকার প্রতি / এক আনার হারে পাইবেক ও দে রসুম নীলামী টাকায় কর্ত্তন ছইয়া অবশিষ্ট যে থাকিবেক তাহা কোকী এরচাসমেত বাকীর মোটে মজুরা পড়িয়া যত অকুলান হয় তাহার দায় সেই বাকীদারের শিরে রহিবেক কিন্তু বাকীদার আপন দেনা দিবাতে কিয়া অপর কোন হেতুতে যদি নীলাম থামে

नीमामी কর্ম ভালমতে করি বার প্রার্থনার ক था।

বিরুদ্ধাচরণ করি লে দণ্ড হইবার ক 1 19

তবে তাহারা রমুম পাইবেক না। কেবল দে দ্ব্যাদি ক্রোক করিতে যথার্থ যে এরচ লাগিয়া থাকে তাহাছাড়া অন্য কিছু এরচা সে বা क्लारक, नाधा कीमादात स्थात न**ु**शा याहरतक ना हेहारा अहे श्रार्थना य क्लाकी দুবা নীলামের সাধাবানেরা এই রসুম পাইবার ভর্নায় সর্বতোভা বে প্রকৃতপ্রস্তাবে ঐ ভারিত কর্ম বিশিক্টরপে করে। আর যদি ব। কীদার কিয়া ক্রোককার অর্থবা এরীদার কিয়া নীলামকার বিরুদ্ধাচ রণ কিয়া কোন অত্যাহিত এতৎকর্মে করে তবে আইনমতে তৎক্ষ ণাৎ তগীরের যোগ্য হইবেক অধিকন্ত আইনের লিখিত অন্যদণ্ডের এব ে উৎপাতগ্রন্তের ক্ষতি পোষাইয়া দিবার দায়েও চেকিবেক ইতি।—১৭৯১ সা। ৭ আ। ৫ ধা।

> वाज्ञावन ३४०० मा। ६ छा। ६ शा। मस तमा ३४०७ मा। २४ छा। २० धा। २ छ।

দুবাদির মূল্য निक्रेशन छ विज्ञास কাজী বিরুদ্ধাচরণ করিলে ভাহার শা बित कथा।

৫৫। কাজীর কর্ত্তব্য যে দুব্যাদির মূল্য নিরূপণ ও বিক্রয়করণে কিছু বিরুদ্ধাচরণ না করে যদি করে তবে তাহা দেওয়ানী আদালতের জজসা হেবের নিকটে প্রমাণ হইলে সেই বিরুদ্ধাচরণে বাকীদারের যে ক্ষতি হয় তাহা আদালতের থরচানমেত জজনাহেব দেওয়াইয়া তাহার বেওরা এীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্দেলের হজুরের এত্তে াকারণ সদর দেওয়ানী আদালতের সাহেবদিগের নিকটে লিখি বন তদ্যেট গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলে সেই কাজীর ত্রুটি নশ্চয় জানিশে তাহাকে কজায়ী থেদমৎহইতে তগীরকরণ উচিত ্ইলে করিতে হুকুম দিবেন ইতি।—১৭৯৩ দা। ১৭ আ। ২৩ ধা। वादाणम ১৭৯৫ मा । ४६ छा । २১ धा । म्ह (मृग ১৮०७ मा। २৮ जा। २**५ था।**

৫৬। ক্রোককারক ও কাজী ও মুকীমদিগেরে এই নিষেধ আছে ্য ক্রোকী দুব্যাদির কোন দুব্য চক্রান্তৈ ও তঞ্চকে আপনারা ক্রয় না খরীদ করিতে ক্রো চরে যদি কোন কাজী কিয়া মুকীম এই হুকুমের অন্যথায় কার্য্য করে ক্লার্ক ও কাজী চবে সে দুব্য তাহার কর্ত্তাকে ফিরিয়া দেওয়া তাহারদিগের সঙ্গত 🥞 ংইবেক কিয়া তাহা নফ্ট অথবা অস্থিত হইলে সেই দুব্যের আনও ্যানে নিশা দিবেক এব॰১ সেই দুব্যের মূল্যের টাকা জব্দ হইয়া বাকীদারের বাকী আদায়ে আদিবেক এব°৲ আদালতের থরচাও তাহারদিগের দেওয়া উচিত হইবেক দেওয়ানী আদালতের জজদা হেব তাহার বেওরা এীযুত গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্দেলের হজুরে এত্তেলাকারণ সদর দেওয়ানী আদালতের সাহেবদিগের স্থানে লিখিবেন তদ্যেই গ্রন্নর্ জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলে সে কাজীকে কজায়ী থেদমুৎ ছইতে তগীতকরণ উচিত জানিলে তাহা করিতে হুকুম দিবেন আর যদি ক্রোককারকদিগের কেহ এই ধারার নিষে ধের অন্যথায় কার্য্য করে তবে যে দুব্য ধরীদ করে তাহা দেই দুব্যা ধিকারিকে ফিরিয়া দিবেক কিয়া তাহা নফ্ট অথবা অস্থিত হইয়া থাকিলে তাহার মূলোর তুলোর নিশা করিবেক এব॰ যে বাকীর দাওয়ায় সে দুবা ক্রোক করিয়া থাকে সে দাওয়াও মিখা হইবেক এব॰ আদালতের থরচাও তাহার দেওয়া উচিত হইবেক ইতি।— ১৭৯৩ দা। ১৭ আ। ২৪ ধা।

तातालम ১৭৯৫ मा। ৪৫ আ। २२ था। म्ह (मण ३४०७ जा। २४ छा। २२ धा।

৫৭। বাকীদার কিয়া ভাছার পক্ষের কাছাকেও ক্রোকী দুব্যাদি ক্রয় করিতে আজ্ঞা নাই ইতি।—১৭৯৩ দা। ১৭ আ। ২৫ ধা। वाज्ञानम ১৭৯৫ मा। ৪৫ जा २७। था। म्ड (मृग ১৮०७ जा। २४ छा। २७ धा।

तकाकी मुवामि খবীদ করিতে বাকী मात्रमिरगरत निरम ধের কথা।

द्याकी मुकानि

মুকীমদিগেরে বারণের কথা।

৫৮। কর্ত্তব্য যে ক্রোকছওয়া দুবা নীলামের সময়ে তাছার মূল্যের টাকা নগদ লওয়া যায় এবং থরীদার তাছার টাকা না দিয়া কোন সালের ১৭ আই দুব্য উচাইয়া লইতে না পারে ইহাতে যে দিন নীলাম হয় তাহার পর দিনহইতে পাঁচ দিনের মধ্যে যদি ধরীদার দুবোর মূল্য আদায় না হইয়া থাকে তত দুব্য পুনরায় কাজীর মারফতে দে যে দিনাবধা রণ করে দেই দিনে যে রূপে হইতে পারে দেই রূপেই নীলাম হই বেক আর যদি মূলোর টাকা কিছুই না দেয় তবে সমন্ত দুবাই পুন

इंबर्डिकी ५१२७ নের ২৬ধারার লি থিত দাঁড়ার পরি বর্ত্তে ক্রোকহওয়া : দুব্য নীলামের টা কা উনুলের আর্থে

কথা।

যে সকল দাঁড়া ব্র্নার নীলামে বিক্রেয় করা যাইবেক এব॰১ দেই প্রথম থরীদার প্রথম ধার্য হইল তাহার নীলামের মূল্যটাকার শত ভব্ধায় ১০ টাকার হারে এবং তন্ডিন যে ক্ষতি প্রথম নীলামের মূল্যের উপর দিতীয় নীলামে হয় তাহা দেই দিতীয় নীলামের ধরচীসমেত দেই বাকীদারকে দিবেক আর দিতীয় নীলামে লাভ হইলে দে লাভের টাকাও বাকীদারের হিদা বে মুজরা হইবেক ইতি।—১৭৯৫ সা। ৩৫ আ। ৭ ধা।

> বারাণস ১৭৯৫ সা। ৪৫ জা। ২৪ ধা। मर (मन ३४०७ मा। २४ व्या। २८ था।

১ ধারা।

কোকা ব্যাপার বিষয়ে মোকদ্দমা।

ইঙ্গবেজী ১৭৯৯ সালের ৭ আইনে র নিণীত মতে স্রা मती विष्ठाद्वत् क

 ৫৯। এই আইনের ত্রুমানুসারে যে সকল মোকদ্দমা দেওয়ানী আদালতে উপস্থিত হয় তাহার বিচার ইঙ্গরেজী ১৭১১ সালের ৭ আইনের লিখিত ত্রুমানুসারে সরাসরীমতে হইবেক ইতি।— ১৮১२ मा। ৫ जा। २० था।

যোকদমার কা গজ কৈফিয়ৎ তল বের অর্থে কালেক্ টর সাহেবের নিক টে পাঠাইবার ক

৬০। উপরের উক্ত মোকদমাসকলের বিচারছওনেতে বিলম্ব না হওনের নিমিত্তে কর্ত্তব্য যে এই মত প্রত্যেক মোকদ্দমা উপস্থিত হইবামাত্র ইঙ্গরেজী ১৭৯৪ দালের ৮ আইনের ১৩ ধারার লি থিত ছকুমানুসারে তাহার কাগজপত্র কালেক্টর সাহেবের নিকটে কৈফিয় তলবের অর্থে পাঠান যায় ইতি। ১৮১২ সা। ৫ আ। २३ श।

নিক্রপিত সময়ে मिरगत सारन रेक ফিয়ৎ তলব করিবা র কথা।

৬১। কালেকটের সাহেবেরা উপরের উক্ত কর্মনির্বাহ করিতে कालक्षेत्र मारहर विमञ्ज ना करतन अ विषया वार्ज दिविनिष्ठत ও वार्ज क्रिमानरतत দাহেবদিগের প্রবোধহওনার্থে ঐথ বোর্ডের দাহেবদিগের উচিত যে আপনারদিগের তাবে কালেক্টর সাহেবদিগের স্থানে ঐ কর্মনি র্বাছকরণের শরেওয়ার কৈফিয়ৎ নিরূপিত সময়েতে তলব করিতে থাকেন্ ইতি।--১৮১২ সা। ৫ আ। ২২ ধা।

সরাসরী বিচা মত হয় ভাহারা পুনর্কার আদালতে নালিশ করিতে পা রিবার কথা।

৬২। উভয় বিবাদির মধ্যে কোন ব্যক্তি দরাদরী বিচারের নিষ্পা রেতে যাহারা অস ত্তিতে নারাজ অর্থাৎ অসম্মত হইলে তাহার ক্ষমতা থাকিবেক যে এক্ষণকার চলিত আইনের নির্ণতিমতে সরাসরীভিন্ন অন্যপ্রকারে মোকদমার বিচার ও সমুদয় বৃত্তান্তের যথার্থ তদন্তহওনার্থে পুনর্কা त (मुख्यांनी ज्यानानुष्ठ नीनिन करत इंडि।--১৮১१ मा। ६ जा। ২৩ ধা।

৬৩। যাহারা বাকীর দায়ে আপনারদিগের দুব্যাদি ক্রোক ও বি যে সকল লোক আপনারদিগের দু ক্রয়ে আপনারদিগের উৎপাতগ্রস্ত মানে তাহারা এই আইনেরসকল ব্যাদি ক্লোক ও বিঁ ভ্কুমদৃষ্টে ক্লোককারক দিগের নামে দেওয়ানী আদালতে নালিশ

করিতে কোন প্রকারে আপনারদিগেরে নিরাশ ও নিবারিত না জা ক্রুয়ের কারণে আ নে। এব শকল ভূমাধিকারী ও ইজারদারপ্রভৃতি যাহারদিগের পনারদিগেরে উৎ ক্রোককরণের ক্ষমতা আছে তাহার কোন ব্যক্তিও এমত অনুমান পাত্রস্ত জানে তা না করে যে আপন ভাবের কট্কিনাদার কিয়া তালুকদার অথবা প্রজাদিগের শিরের বাকী টাকা উদুশের নিমিত্তে তাহারদিগের বিতে শক্ত এইবার মালজামিনদিগের যে দকল দ্বাদি এই আইনের মতে ক্রোক ও বিক্রয় হইতে পারে তাহা আপনি ক্রোক ও বিক্রয় করিতে না চা हिला जाहात्र मिरात नाम मिल्यानी आमामर नामिम कतिर नि विवीकी पाका छेत्र বারিত হইয়াছে ইতি।—১৭৯৩ দা। ১৭ আ। ৩৩ ধা।

বারাণ্স ১৭৯৫ সা। ৪৫ আ। ৩১ ধা।

৬৪। দেওয়ানী এলাকার আদালতসকলের জজসাহেবদিগকে ই ঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৭ আইনের ৩৪ ধারাক্রমে র্ভুম আছে যে ঐ ৩৪ ধারামতে উপদ্বিতহওয়া মোকদ্দমাদকলের বিচার অনাং মোকদ্মার অগ্রে করেন্ আর ইঙ্গরেজী ১৭৯৪ সালের ৩ আইনের ১৭৯৪ সালের ৩ ২২ ধারানুসারে ত্রুম আছে যে মোকররী জমার ও সরকারী মাল আইনের ২২ধারা धकातीत म॰ कास भारकस्मामकरलत विठातार्थ रेवंडरकत कांत्र म मरू ठलिए इहेवा প্তাহের মধ্যে বিহিত বৃক্তিয়া দিনেক দুই দিন কি**স্থা** ততোধিক দিন^{ুর ক্থা।} নির্দ্ধার্য্য করেন। এইক্ষণে হুকুম হইতেছে যে জিলা ও শহরদক লের দেওয়ানী আদালতের জজসাহেবেরা ও রেজিফীরসাহেবেরাও কার আদালতসক এমত মোকদ্দমানকলের আপীল মফঃদল আপীল আদালতদকলে লের সাহেবেরদে হইলে তথাকার জজসাহেবেরাও যথাসাধ্য উপরের লিথিত হুকু র ও কমিদানরদি হ্রণ তথাকার জজনাহেবের।ত থ্যালায় তারের । ।। বর্ণ বর্মালগুরারীর মের মতাচরণ করিবেন। এবং ঐ ১৭১৩ সালের ৪০ আইনের অনু গের মালগুরারীর মের মতাচরণ করিবেন। এবং ঐ ১৭১৩ সালের ৪০ আইনের অনু গের মালগুরারীর দারে নিযুক্তহওয়া ক্মিদানরেরাও তাহারদিগের বিচার্য্য মালওজা রীর বাকীর মোকল্মানকলের বিচার ও নিষ্পত্তি তাহারদিগের স্থানে উপস্থিতথাকা অপর যাবদীয় মোকন্দমার আগে করিবেক। এ আগে করিতে ছই ধারাক্রমে মুষ্ট জানিবেক যে ক্রোক থাকিবার কালে কোন সমুত্তির বার কথা। किছ हानि ও অপচয় দর্শিলে তাহার অধিকারী দে দাওয়ার না লিশ দেওয়ানী আদালতে করিতে পারিবার নিরূপণে এবং ভুমাধি কারিগণ ও ইজারদারেরাও বাকী আদায়ের কারণ বাকীদারদিগের কিয়া তাহার্দিগের মালজামিনদিগের দুব্যাদি নিজে ক্রোক না করি য়া তল্লিমিত্তে দেওয়ানী আদালতে নালিশ করা বিহিত জানিলে তথায় নালিশ করিতে পারিবার নিদর্শনে যে ছুকুর্ম ঐ ১৭ আইনের ৩৩ ধারায় আছে দে হকুমের মতে ঐ ৪০ আইনের অনুসারে নি সালের ১৭ আই যুক্তহওয়া কমিদানরদিণের নিকটে মুনদিকী ভারক্রমে দিয়া ৫০ পঞ্চাশ টাকার অনুর্দ্ধ মালগুজারীর বাকীর মোকদ্দমা উপস্থিত হই ৫০ টাকার অনুর্দ লে কিয়া দেওয়ানী আদালতের জজসাহেবেরা সেমত মোকল্মা রাজৰ বাকীর মো বিচারার্থে তাহারদিগের নিকটে পাচাইলে তাহারদিগকেও সে মো কুদমার বিচার ক কদ্মার বিচার করিতে নিষেধ ছিল না ইতি।—১৭৯৯ সা। ৭ আ। 1 B C ?

হারা দেওয়ানী আ কথা।

ভম্যধিকারিপ্রস্থ লের কারণ দেওয়া নী আদালতে নালি শ করিতে শব্দ হই বার কথা।

इक्ट्रिकी ১৭৯৩ मारलद ३१ आई নের ৩৪ ধাবা ও

দেওয়ানী এলা সকলের বিচার অ

इक्रदिकी ১৭৯৩ নের ৩৩ ধারাক্রমে भिगानदात्रदात्र कः রিতে নিষেধ না থাকিবার কথা।

বারাণস ১৮০০ সা। ৫ আ। ১৩ ধা।

৬৫। [তর্জমা হয় নাই]

এই আইনের ম কদমা আদালতে উপস্থিত হয় ভাহা র বিচার ও নিষ্প ত্তি অনাথ মোকদ মার অগ্রে করিবা র কথা।

৬৬। मकल (मध्यांनी खानालाख्य जनमाट्यिनताय स्राप्त এই তের যে সকল মো আইনের মতে যে সকল মোকদমার নালিশ উপদ্থিত হয় তাহাতে কর্ত্তব্য যে সেই সাহেবেরা সেই দকল মোকলমার নিষ্পত্তি আদাল তে উপস্থিতহওয়া অন্যথ মোকদ্দমার অগ্রে করেন্ ইতি।—১৭৯৩ সা। ১৭ আ। ৩৪ ধা।

वां तां वज ३१३६ जा। १६ छा। ७२ छा। मरु (मण ३४०७ मा। २४ छा। ७३ था।

ইঙ্গরেজী ১৮৩১ বেক তাহারী অন্যা কথা।

তাহাএমত নালিশে না খাটিবার কথা।

৬৭। মালগুজারীর বাকীর নিমিত্তে যেং নালিশ জাবেতামতে সালের ¢ আইনা উপস্থিত হইয়া থাকে তাহা গ্রাহ্য ও তাহার বিচার ও নিষ্পত্তি করি নুসারে যে সকল মু তে যে ক্ষমতা মুনদেকেরা এক্ষণে রাখে তাহার অতিরিক্ত ইঙ্গরেজী ১৮৩১ সালের ৫ আইনানুসারে যে দকল মুনদেক কোনং জিলায় রেঙে হওয়া ক্রো নিযুক্ত হইবেক ভাহারদের ক্ষমতা আছে যে পেটাও রাইয়ত কি কের বিষয়ে ক্ষতির অন্য ব্যক্তিরা আপনারদিগের মালের ক্রোক এব॰ কয়েদ নিবার দাওয়ার নিষ্পত্তি পের ইচ্ছা করিয়া নালিশ করিলে কিম্বা ঐ ক্রোক ও কয়েদের নিমি করিতে পারিবার তে ক্ষতির দাওয়া করিলে ঐমত দাওয়া গ্রাহ্য ও তাহার বিচার ও নিষ্পত্তি করে ইলরেজী ১৮১৪ সালের ২৩ আইনের ১৩ ধারায় মুননেফের ধারা কিয়া অন্য কোন আইনে মুনদেফের প্রতি ক্ষতির মোকদ্মার নিষ্প ক্ষতির মোকদমা ত্তি করিতে যে নিষেধ আছে তাহা এমত নালিশে থাটিবেক না নিষ্ণান্তি করিতে যে ইতি।—১৮৩১ সা।৮ আ।১১।

১০ ধারা।

ক্রোককরণিয়ারদিগকে পোলীদের দারোগা যে সহায়তা করিবে তাহা।

এই প্রকরণের লি রা যাওনের কথা।

৬৮। জানান যাইতেছে যে ইঙ্গরেজী ১৮১২ দালের ৩ আই থিত ধারার লিখি নের ৮ ধারা এই ধারানুসারে রদ ও রহিত হইল ও মালগুজারীর বাকী টাকা উসুলকরণের কারণ মালআমওয়াল ক্রোককরণিয়াদি গের সহায়তা করিবার নিমিত্তে পোলীসের দারোগাদিগকে ক্ষমতা দেওনের অর্থে ইঙ্গরেজী ১৭৯৯ সালের ৭ আইনের ৯ ও ১০ ও ১১ ধারাতে ও ১৮০০ সালের ৫ আইনের ৯ ও ১০ ও ১১ ধারাতে ও ১৮০৩ দালের ২৮ আইনের ১৭ ও ১৯ ধারাতে যে সকল হকুম লেখা যায় তাহা নীচের লিখনক্রমে ওখরণের যোগা হ ইল ইতি।—১৮১৭ না। ২০ আ। ২৭ ধা। ১ প্র।

वाकीमारतज्ञा वा 👉 ७১। জমीमाর मिरागत ও ই জারদার দিগোর ও তাছার দিগোর সরব কী পাওনিয়ার স রাহকারদিগের কিয়া একণকার চলিত আইনের মতে অন্য যে২ ব্য কে বরাবরী করি জিকে মালগুজারীর বাকী টাকা উদুলের কারণ বাকীদারদিগের লে কি করিবার আ মাল আলওয়াল ক্রোককরণের ক্ষমতা দেওয়া গিয়াছে ভাহারদি নুমান হইলে হকুম গোর ক্ষমতা আছে যে যদি ঐ ক্ষমতার কার্য্য এতাবতা ক্রোককরণেতে

কিম্বাকোককরা বন্তু হেকাজাতে রাথণেতে বাকীদারেরা তাহারদি নামা পাচান যাই গের সহিত বরাবরী করে কিয়া করিবেক এমত বোধ হয় তবে যে বার কথা। দারোগার থানার অধিকারের সরহদে ইহা হয় তাহার নিকটে এক আরজী ক্রোককরণের কি ক্রোককরা মাল হেফাজাতে রাথণের সহা য়তা করিবার অর্থে এ কথা লিথিয়া দেয় যে ক্রোককরণের সময়ে বরাবরী হইয়াছে কি তাহা হইবেক বোধ হইতেছে ও আর্জীদেও নিয়া হলফ কি হলফনামানুসারে আরজীর লিথিত বৃত্তান্ত সভা জা মাইলে দারোগার কর্ত্তব্য যে এক জন মজকুরী পেয়াদাকে এই আই নের শেষের লিখিত ২০ নম্বরের শরওয়ামতে লেখা এক হুকুমনামা আপন দম্ভথ ও থানার মোহরযুক্ত দিয়া পাচাইয়া দেয় ইতি।— ३৮३१ मा। २० जा। २१ धा। २ था।

২০ বি°শতিতম নম্ব।

ক্রোককরণিয়ার্শ্ব সহকারিভা করিতে যে মজকুরী পেয়াদা ভৈনাৎ হয় ভাহার স্থানে যে ছকুমনামা দেওয়া ঘাইবেক ভাহার শরওয়া।

অমুক ক্রোককরণিয়া কি অমূক সরবরাহকার হলফ করিয়া জাহির করি লেক যে অমুক বাকীদার কি ভাহার মালজামিনের স্থানে মালগুজারীর বাকী পাওনা এত টাকা উদুল হওনের নিমিত্তে তাহার অমৃক দুব্য ক্লোককরা আব শ্যক হইয়াছে ও ডাহা করণেতে বরাবরী ও প্রতিবন্ধকতা করিয়াছে কিম্বা মা তবর হেতৃতে বোধ হইতেছে যে বাধা ও প্রতিবন্ধকতা করিবেক একারণ থা নাহইতে অমূক বাকীদারের কি ভাহার মালজামিনের অমূক দুবা ক্লোক কর ণের সহকারিতার নিমিত্তে মজকুরী পেয়াদা তৈনাৎ হইল অতএব বাকীদার অমৃককে কিখা ভাহার মালজামিন অমৃককে জানান যাইভেছে যে যদি দে দা ওয়া সতাহওনের বিষয়ে কোন ওজর রাখে তবে তাহার কর্ত্তব্য যে ইঙ্গরেজী ১৮১২ সালের ৫ আইনের ১৫ ও ১৬ ধারার ছকুমমতে জিলার জজসাহে বের কিন্তা কালেকটর সাহেবের অথবা পর্গনার কান্সীজি মুনসেফের নিক টে দর থান্ত দাখিল করে কিন্ত ইহার মধ্যে তাহার দাওয়ার টাকা দিতে কিদা আপন দুবাবিনা হন্ধামা ফসাদ ও মোজাহেমীকরণে ক্রোক করিতে দিতে হইবেক ও যদি ইহার অনামত করে তবে মাজিটেট্সাহের এক্ষণকার চলিত আইন মতে তাহার যে শান্তি উপযুক্ত বুঝেন তাহা পাওনের যোগ্য হইবেক। -->৮১৭ সা। ২০ আইনের আপেণ্ডিব্র।

 ৭০। মজকুরী পেয়াদার আবশাক যে উপরের লিখিত ক্রুমনামা যেপেয়াদাকে পা বাকীদারকে দেখার ও বাকীদারের তরফহইতে বরাবরী কি হলাম। চান যায় দে জেন ও ফসাদ না হইতে পারিবার নিমিত্তে যে২ তদবীর ও উপায় করা ককরণিয়ার ক্রিয়া আবশ্যক হয় যথাসাধ্য তাহা করে ও বাকীদার যাবৎ বাকী টাকা না দেয় তাবৎ এক্ষণকার চলিত আইনানুসারে ক্রোককরণিয়াকে যে ক্ষমতা দেওয়া গিয়াছে দেই ক্ষমভামতে কার্য্যকরণেতে তাহার সহা রতা করে এব মজকুরী পেয়াদার আবশাক যে ক্রোককরণিয়ার ভাবণতিক ও ক্রিয়ার প্রতি দৃষ্টি রাখে কেননা জজসাহেব ও মাজি

ও আচরণ দেখি বার কথা।

821

ষ্ট্রেলাহেবের হল্পুরে তাহার জোবানবন্দীর আবশাক হইলে তাহা করাইয়া দিতে পারে ইভি।—১৮১৭ সা। ২০ আ।২৭ ধা। ৩প্র।

যে পেয়াদাকে পাঠান যায় তাহার मह्म बदाबदी इहै ल्ल थीनात माद्रा গা কি মহরির কি র কথা।

রোগা কি মৃহরির कि जभामाद्वेत वा টীর ভিতর তালাশ করিতে হইবার ক था।

৭১। যদি ,উপরের লিথিত হুকুমমতে পাঠান কোন পেয়াদা থা নার দারোগার নিকটে এমত জোবানবন্দী লেখাইয়া দেয় যে কর্মের নির্বাহকরণেতে বরাবরী উপস্থিত হইয়াছে কিম্বা ক্রোকক রণিয়ার দর্থাস্ত হলফের অনুসারে যে দারোগার নিকটে দাথিল জমাদার তাহার ম হইয়া থাকে দেই দারোগা ইহা জানিতে পায় যে দাঙ্গা ফদাদ হই দদ করিতে ঘাইবা বার মত বরাবরী হইয়াছে কিয়া হইবেক তবে দারোগার কর্ত্তব্য যে দহায়তা করিবার ও হঙ্গামা ফ্লাদহওনের নিবারণকরণের নিমিত্তে থানার কেবল দা আপনি সরেজমীনে যায় অথবা থানার মৃহরির কি জমাদারকে পাচা ইয়া দেয় এব ে দারোগার আবশ্যক যে যদি কোন ক্লোককরণিয়া একণকার চলিত আইনের মতে পাওয়া ক্ষমতাক্রমে বাকীনারের ক্রোককরণের উপযুক্ত দুবা দামগ্রী যে বাটীতে ছাপান থাকে তা হার দদর দরওয়াজা কি ভিতরকার দরওয়াজা আনা তালাশীর নিমিত্তে ভাঙ্গিতে কি জোর করিয়া পুলিতে চাহে তবে তাহার সহায়তা করিতে আপনি সরে জমীনে যায় অথবা থানার মৃহ্রি কি

মতনের লিখিত প্রকার ব্যতিরেকে থানার বরকদাজ লোক ক্রোককরণি য়াদিগের সহায়তা করিতে নিযুক্ত না হইবার কথা।

৭২। পোলীদের থানার বরকন্দাজ লোক মালগুজারীর বাকী টাকা উদুলের নিমিত্তে ক্রোককরণিয়াদিগের সহায়তা করিবার জন্যে নিযুক্ত হইবেক না কিন্তু যদি উপরের লিথিত হুকুমমতে থা নার দারোঁগা কি মুহরির কি জমাদার সরেজগীনে যায় তবে তাহার দিগের তাবে থাকিঁয়া সহায়তা করিবেক ইভি।—১৮১৭ দা। ২০ আ ৷ ২৭ ধা ৷ ৫ পু ৷

জমাদারকে পাঠাইয়া দেয় ইতি।—১৮১৭ সা। ২০ আ। ২৭ ধা।

जभीमात अ नीटन র চাসকরণিয়া কি অন্য প্ৰজা কি জন্য ন্যক্তিকে পায় হাড়ি কি আর কিছু দিয়া কয়েদ রাখিতে বা রণহওনের কথা।

৭৩। জমীদার ও ইজারদার ও সরবরাহকারদিগকে ও নীলের চাসকরণিয়া লোককে ও অনাং ব্যক্তিরদিগ্কে নিষেধ করা যাইতে ছে যে তাহারদিগের নিকটে কোন বাবতে দেনদার থাকা কোন প্রজা কি অন্য কোন ব্যক্তিকে পায় হাড়ি কি আর কিছু দিয়া কয়েদ না রাথে ও পোলীদের দারোগাদিগের আবশাক যে যদি তাছার্দি গের কোন প্রকারে এই ছকুমের অন্যথাচরণ করণের সম্বাদ পায় তবে মাজিষ্ট্ট্লাহেবের হজুরে ঐ লাহেবের হজুরহইতে মোকদমার ভাবদুষ্টে ও এক্ষণকার চলিত আইনের মতে উপযুক্ত প্রকুম হই বার নিমিত্তে এবিষয়ের রিপোর্ট করে ইতি।—১৮১ ন সা। ২০ আ। ২৭ ধা। ৬ প্র।

य (भन्नामा, मुत् কারের মাহিয়ানা

৭৪। যে পেয়াদা সরকারহইতে মাহিয়ানা না পায় এতাবতা কোন মজকুরী পেয়াদা यদি এই আইনের লিখনমতে পোলীদের কোন দারোগার হকুমে কোন কর্মে নিযুক্ত হয় তবে তাহাকে যে

ব্যক্তির কর্মা করিবার নিমিত্তে নিযুক্ত করা যায় তাহার স্থানহইতে করণিয়ার মদদ ক প্রতিদিন ২ দুই আনা হিসাবে তলবানা অর্থাৎ রোজ দেওয়ান যাই রিতে মোকরর হয় বেক ও পোলীদের কোন দারোগা মজকুরী পেয়াদার মার্ফতে ভাহার ভলবানা নি কোন হকুমনামা ঐ পেয়াদা যে ব্যক্তির কর্ম করিবার নিমিত্তে নি যুক্ত হইবেক তাহার স্থানে পেশৃগী অর্থাৎ আগামী উপরের লিথিত হিসাবে তলবানার যত টাকা আন্দাজী মোট হয় তাহা না লইয়া পাঠাইতে পারিবেক নাও পোলীদের দারোগারা এ বিষয়ে পুরা থবরদারী করিবেক যে কোন মজকুরী পেয়াদা দে যে ব্যক্তির কর্মোর নিমিত্তে নিযুক্ত হয় তাহার স্থানে চক্রান্তে কি মুফ্টক্রমে উপরের নি রপিত তলবানা দেওয়ায় আর কিছু তলবানা কি ইনাম না লয় ও না চাহে এব ে যদি তাহারা ঐ পেয়াদার কোন প্রকারে এই তুকুমের অন্যমতকরণের সম্বাদ পায় তরে মাজিফৌট্সাহেবের হস্তুরে তাহার রিপোর্ট করিবেক ইতি।—১৮১৭ সা। ২০ আ। ২৭ পা। ৭ প্র।

রূপণ হওনের ক

১১ ধাবা।

ক্রোককরণিয়ার নামে অযথা নালিশকরণের দণ্ড।

৭৫। প্রায় সর্বদাই মালগুজারেরা আপনারদিগের দুব্য ক্রোকৃক রণিয়ার নামে এব^ তহসীলের আমলার নামে ফৌজদারী আদাল লারনামে কেহ অ তে মিথ্যা নালিশ করে এবৎ তাহারদিগের যে কেহ যে মোকদ্মার কিছু জানে না তাহাকেও দে মোকলমায় দাক্ষী মানে তাহার কারণ এই যে সেই লট্থটিতে তহদীলের কার্য্যের ভণ্ডল হয় ও গৌণ পড়ে অতথৰ এরপ অবিহিত কর্মা কথন না হইতে পারিবার ও ইহা করণিয়ার শাস্তি হটুবার নিমিত্তে আইনমতে যত উপায় হইতে তে হইবার সময়ের পারে তাহাই আদালতে করা কর্ত্তব্য। আর যে সময়ে এ পুকার কথা অসঙ্গত মোকদমা মাজিষ্টেট্সাহেবের স্থানে পঁছছে দে সময়ে তাঁ হার উচিত যে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ১ আইনের ১০ ধারার জী ১৭৯৩ দালে ১ ত্ত্রুমের মতাচরণ যথাশক্তি করেন। আর যদি জমিদারীওগয়র হের তহসীলের সণ্জান্ত কোন আমলাকে অকারণে সাক্ষ্য দিবার নিমিত্তে দেওয়ানী আদালতে তলব করা যায় তবে কর্ত্তব্য যে ইঙ্গ রেজী ১৭৯৩ সালের ৪ আইনের ৬ ধারাক্রমে তাহার সমৃদয় থরচ যাহার দর্থান্তে তাহার তলব হইয়া থাকে লে লোকের স্থান আমলাকে অকার হইতে দেওয়ান্ অধিকন্ত হকুম আছে যে যদি কেই চপলতাক্রমে ণে তলক করাইলে কিয়া বিনাবিশিষ্ট হেতুতে জমিদারের কিয়া তালুকদারের অথবা নোক্সানও এরচা অন্য ভূম্যধিকারির কিম্বাইজারদারের পক্ষের তহুসীলের স**্**ক্রাস্ত ^{র দায়ে} চেকিবার প্রধানাদি কোন আমলাকে দেওয়ানী কিয়া-কৌজদারী আদালতে তলব করায় ও তাহাকে অয়ধা তলব করাইবাতে ভূম্যধিকারির কিয়া ইজারদারের মালগুজারীতে কিছু ভণ্ডল কিয়া অপর ক্ষতি হয় তবে যে কেহ তাহাকে তলব করাইয়া থাকে তাহার নামে দেই ফতির দাওয়া হইতে পারে ও ভাহা দেওয়ানী আদালতে কিয়া ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ৪০ আইনের মতে নিযুক্তহওয়া কমিদ্যন Vol. I.

তহসীলের আম যথা নালিশ কবি লে কিন্তা সাক্ষ্য দি বার জন্যে রুথা ত লব ধরাইলে তাহা র শাস্তি আদাল

अभिप्राह्म देवाद আইনের ১০ ধারা ও ৪ আইনের ৬ ধারামতে কার্য্য ক

क्टि उदमीलिय

রদিগের বিচার্যা লে মোকদ্দমা ছইলে ভাহারদিগের নিকটে প্রমাণ পূর্ব্বক অন্যায়গ্রস্ত আপন ক্ষতির নিশা থরচাসৃদ্ধা সেই তলবকরণি য়ার স্থানহইতে পাইবেক ইতি।—১৭৯৯ লা। ৭ আ। ১২ ধা। বারাণদ ১৮০০ লা। ৫ আ। ১২ ধা।

১০ অধ্যায়।

আদালতের ডিক্রীক্রমে নীলামে ভূমি বিক্রয়করণ।

১ ধারা।

বিক্রয়ের সাধারণ বিধি।

🕽 । যে কালে আদালতের ডিব্রীক্রমে সরকারের করসম্প্রর্কীয় কোন ভূমি নীলামে বিক্রয় করিতে হয় লে কালে যে আদালতের জজসাছে ক্রীক্রমে সরকারের বৈর মারকতে দে ডিঞ্লী জারী করিতে হয় দেই আদালতের জজসা হেবের কর্ত্তব্য যে সে মোকদ্দমার রোয়দাদ ছাড়িয়া কেবল জিঞীর <u> ভুকুমের নকল তাহার ইঙ্গরেজী তরজমাদমেত বোর্ড রেবিনিউর</u> সাহেবদিগের নিকটে পাচান্ ইতি।—১৭৯৩ সা। ৪৫ আ। ২ ধা। वादांगम। ১৭৯৫ मा। २० छा। २ धा।

मह (मृग ১৮०० मा। २६ छा। ১৬ धा।

কর্সম্পর্কীয় ভূমি নীলামে বিক্ৰয় হই বার কালে সেইডি ক্রীর ছকুমের নক ल जाहात है करत जी তর্জমাসমেত বো র্ড রেবিনিউর সা ट्यिं प्रिंग् निक्रि

আদালতের ডি

২। বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের কর্ত্তব্য যে যত স্কুরাতে পারেন ভূমির মধ্যের যাহাবিক্রয় হইলে ডিক্রীর মতাচরণ হয় তাহা নীলামে বিক্রয় করান্ ও দে ভূমির অধিকারির হিতার্থে কর্ত্তব্য যে আপনা র্দিগের সমক্ষে কিয়ু যে জিলার মোতালকে দে ভূমি থাকে সেই জিলার কালেক্টর দাহেবের স্থানে দেই নীলাম হয়। আর এই আইনের ছকুমমাফিক আপনারা যে ক্ষমতা রাথেন্ তদনুসারে যে ইবার সংবাদ এন্ কালে কোন ভূমি নীলাম করাইতে হয় সে কালে এযুত গবরুনর জেনরল বাহদুর কৌন্সেলের হস্তুরে তাহার বিহিত বিধানের নিমিত্ত সমাচার করেন ইভি।—১৭৯৩ সা। ৪৫ আ। ৩ ধা।

वाज्ञावम ১৭৯৫ मा। २० छा। ७ धा। मस् (मण ১৮०७ मा। २७ जा। ३१ था।

পাঠাইবার কথা। বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা যত জারা তে ভূমি নীলাম ক রাইভে পারেন ভা হা করা ইবার কথা। ভূমি নীলামকরা ভ গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্দে লের হজুরে বিহিত विधानार्थ मिवात

 । ইক্রেজী ১৭৯৩ সালের ৪৫ আইনের এবং ১৭৯৫ সা লের ২০ আইনের এব°১ ১৮০৩ সালের ২৬ আইনের কি চলিত ^{ক্রীর} মতাচরণকর অন্য যে কোন আইনের যেথ কথাক্রমে এ হুকুম আছে যে আদাল তের ডিক্রীর মতাচরণার্থে ভূমি নীলাম করিতে হইলে তাহা সরকা রের মালগুজারীর কালেক্টর কিছা সরকারের রাজস্বের সিরিশ্ডা

আদালতের ডি ণার্থে ভূমি নীলাম করিবার চলিত আইনের

কথা।

কথা।

কোনং অবুমের অ সম্প্রকীয় অন্য কোন কার্য্যকারক সাহেবের দারা করা যায় ঐথ চ্কুম র্থ সুক্ষাফীকরণের এই প্রকরণের ছারা নীচের লিখনক্রমে সূত্রইট করা ও শ্বধরা যাই ও তাহা অধরণের তেছেইতি।— ১৮২৫ সা। ৭ আ। ২ ধা। ১ প্র।

রাজবের কার্য্য ।দিগের নিকটে সম্বা দ দেওনবিনা ভূমি নীলাম হইতে না পারিলে আদাল তের সাহেবেরা যে মতাচরণ করিবেন তাহার কথা।

৪। আদালতের ডিক্রী কি অন্য নিষ্পত্তির টাকা উদুল করিবার ভারাক্রান্ত সাহেব কারণ ভূমি নীলামকরণের আবেশ্যক ছইলে এব॰ যে জন थे ডি कीत कि जना निष्मखित छैकि। উमुलकत्रावत श्रार्थना करत थे जन নীলাম করা বাইবার নিমিত্তে যেথ ভূমি দেখায় এখ ভূমি যদি এ প্রকার হয় যে ঐ ডিক্রীর কি নিষ্পত্তির মতাচরণকরণের ক্ষমতাপ্রাপ্ত আদালতের দাহেবেরা সরকারের মালগুজারী তহদীলের ভারাক্রান্ত সাহেবদিগের নিকটে সমাচার দেওনব্যতিরেকে নীলাম করিতে পা রেন্ না তবে ঐ ডিক্রীর কি নিষ্পান্তির মতাচরণকরা যে আদালতের সাহেবের কর্ত্তব্য ঐ সাহেব ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৪৫ আইনের ও ১৭৯৫ দালের ২০ আইনের ও ১৮০৩ দালের ২৬ আইনের হুকুমমত ঐ ডিক্রী কি নিম্পত্তিপত্রের নকল ও তর্জমা তৎস্থানের বোর্ড রেবিনিউর সাহেবলোকের নিকটে পাচাইবেন এবণ্ ঐ সময়ে 🗳 ডিক্রী কি অন্য নিষ্পত্তি যে জনের টাকা পাইবার অর্থে হইয়া থাকে দেই জন যে লোক কি লোকদিগের স্থানে ঐ টাকা পাইবেক তাহার কি তাহারদের অধিকৃত যে২ ভূমি দেথাইয়া দিবেক তাহার বেওরা লিথিয়া ঐ বোর্ডে পাচাইয়া দিবেন ইভি।-১৮২৫ সা। ৭ আন। ৪ ধা। ২ প্র।

নীলাম করিতে ৫। বোর্ড রেবিনিউর সাহেবলোক উপরের উক্ত পত্র পাইলে **হইবার ভূমির জি উপরের লিথিত আইনের হুকুমমত কার্য্য করিবেন এব° যে**ং লার কালেক্টর সা ভূমি নীলাম করিতে হয় তাহা যে জিলার মধ্যণত হয় সেই জিলার হেবকে বোর্ড রেবি কালেক্টর সাহেবের নিকটে ঐ প্রকারে পাওয়া বেওরাপত্তের নিউর সাহেবেরা নকল পাঠাইবেন এব ে ঐ ডিক্রীর কি অন্য নিষ্পত্তির টাকা উসুল नीनारमत् निमिरत করিবার নিমিত্তে ঐ বেওরাপত্তের লিথিত যে২ ভূমি নীলাম করা যত ভূমি উপযুক্ত বোধ হয় জীহা উপযুক্ত বোধহয় এবং ঐ টাকা উসুল হইতে কুলীয় এমত কোনং হির করিতে ছকুম ভূমি নীলাম করিবার নিমিত্তে বাচনি করিতে ঐ কালেক্টর সাহেব দিবার কথা। কে হকুম দিবেন ইতি।—১৮২৫ দা। ৭ আ। ৪ ধা। ৩ প্র।

নীলামের ইশ্ভি ক ভাহার ও ভাহা র পাঠের কথা।

৬। কর্ত্তব্য যে ভূমি নীলাম হইবার পুর্ব্বে ইশ্তিহারনামা দেওয়া হারনামা যেঠুছা যায় ইহাতে যদি সমুদ্য ভূমি নীলাম হয় তবে তাহার একজাই নে লট্কান ঘাইবে জমা অথবা কিসম ওয়ারীক্রমে বিক্রয় ছইলে কিসম ওয়ারী জমা ইশ্তিহারনামায় লেখা রহে এব ে যে স্থানে নীলাম হইবেক সেই ছাবের নির্ণয় ও নীলাম হইবার তারিথ ও বার ও সময় ভাহাতে ঁলেথা যায় আর যে সন ভূমি নীলাম হয় সে সনের বাকী মালগুজারী যাহা এরীদারের দেওয়া উচিত হইবেক তাহাও দেই ইশৃতিহারনা মায় লেখা থাকে কিন্তু যদি সেই মালগুজারীর সংখ্যা দ্বির না হই তে পারে তবে তাহার দংখ্যা যেমতে হইবেক তাহা ইশ্তিহারনা

মায় লেখা রহে ইহাতে ইশ্তিহারনামা ভূমি সুবে বাঙ্গালা কিয়া সূবে উড়িয়ায় থাকিলে পারনী ও বালালা অক্ষর ও ভাষায় ও দুবৈ বেহারে থাকিলে পারদা ও নাগরী অক্ষর ও ভাষায় লেখা গিয়া জিলার দেওয়ানী আদালতের কাছারীতে ও কালেকটর দা হেবের দম্ভুর্থানায় ও দেই অধিকারভূমির মধ্যের প্রধান গ্রামে ও বোর্ড রেবিনিউর সক্রটরীর দম্ভরথানীয় সকল লোকের দৃষ্টিপা তের স্থানে লট্কান যায়। এব॰ নীলামের পূর্বের এক মাদের কম না হয় এমত কাল থাকিতে ঐ সকল স্থানে ইশ্তিহারনামা লটকান স্থানে ডাহার অন্য যায় আর ১৩ ত্রয়োদশ ও ১৪ চতুর্দ্দশ ধারাক্রমে ও অপর যে নিয় নিয়মের ইশ্তিহার মের ধাষ্য হয় তদনুসারে নীলামের কটের বেওরা কর্দ নীলামের লট্কান যাইবার দিবলে ব্র॰১ ভাহার ভিন দিন পূর্বে নীলামের মোকামে সকল লো কের দৃষ্টিপাতের স্থানে লট্কান যায় ইতি।—১৭৯৩ দা। ৪৫ আ। **ડર** શો

নীলাম হইবার

বারাণস ১৭৯৫ সা। ২০ আ। ১২ ধা।

৭। যে ভূম্যাদি নীলামকরণের প্রয়োজন হয় তাহার উপর কা लक्षेत्र मार्टित्त निकटि कान माउरा किया जामानराज जिल्लीत वा कान माउरा কি অন্য নিষ্পত্তিপত্রের লিখিত টাকার দায়ি জনের কি জনেরদের কি প্রতিবন্ধক উপ ঐ ভূম্যাদিতে অধিকার নাহি সুতরা ে তাহা ঐ টাকা উদুদের নি ছিত হইলে কালে মিন্তে নীলামের যোগ্য নহে এইরপ প্রতিবন্ধকতার দর্থান্ত উপস্থিত হইলে যে আদালতের সাহেব ঐ ভূম্যাদি নীলাম করিবার নিমিত্তে নিকটে ঐ দাওয়া কালেকুটর সাহেবের নিকটে হুকুম পাঠাইয়া থাকেন্ সেই আদাল কি প্রতিবন্ধকের বে তের সাহেবের নিকটে ঐ কালেক্টর সাহেব ঐ দাওয়ার কি প্রতি ওরা লিখিয়া পাঠা বন্ধকতার এব ১ ঐ রিষয়ে যাহাং আপন দিরিশ্তায় লেখা থাকে ইবার ও ডাহার উ তাহার বেওরা লিথিয়া পাচাইবেন এবণ তাহার প্রত্যুত্তরে যেং লুকুম পাওয়া যায় ভদনুসারে ঐ নীলামের কার্য্য করিবেন অথবা না করিবেন ইভি।--১৮২৫ সা। ৭ আ। ৪ ধা। ৪ প্র।

নীলামের বিষ কটর সাহেব আদা नटब्र मारहरवत् ত্তর পাইলে তদন সারে কার্য্য করিবা র কথা।

৮। উপরের প্রকরণানুসারে আদালতের কোন ডিব্রে কি অন্য নিষ্পত্তির মতাচরণ যে আদালতহইতে হয় দেই আদালতের সাহে হওয়া ভূমির বিষ বের নিকটে ঐ ভূম্যাদির বিষয়ে হওয়া কোন দাওয়ার কি প্রতিবন্ধ য়ে কোন দাওয়া কভার দর্থান্ত কালেক্টর সাহেবের নিকটহইতে পাচান গেলে কিয়া আদালতের ত্কুমমতাচরণার্থে যে ভূমাদি নীলামকরণের প্রয়োজন হয় তাহার বিষয়ে যে জজ কি অনা কর্মকারি দাহেব তাহা নীলামের হুকুম দিয়া থাকেন দেই লাহেবের নিকটে কোন পাচান গেলে জজ मा अयोगात मा अया मत्र**ाम क**तिरम **थे मार्ट्स्ट्र कर्ज्ठा य उरक्रा** देजामि मार्ट्य जा ঐ দাওয়াসভা হওয়ানা হওয়ার ও তাহার কোন হেতুথাকা নাথা হার সরাসরী বি कांत्र महामही विरवण्ना कहिरवन अव पार्याक रवाध इरेल थे वि ट्राप्ता कहिराह अ विष्मा कहा भूनं ना इ अनभशिष्ठ थे नीनाम कहिएक विनम् कहिवाह হুকুম কালেভ্টর সাহেবকে দিবেন কিন্তু কালেক্টর সাহেবের ঐ নীলামের ইশ্ভিহার দেওনের পর উপযুক্ত মিয়াদের মধ্যে এ দা লামে বিলম্ব করি

নীলামের ছকুম কি প্রতিবন্ধক উপ স্থিত হওনের কথা কালেকটর সাহে বের নিকটহইডে বৎ আবশ্যক হই ' লে কালেকটর সা ररराक थे खिम नी

১৫। [তৰ্জমাহয় নাই।]

১৬। ভূমি ক্রোক ও বিক্রম্ম করিতে যে থরচা হয় ভাছা বোর্ড ভূমি ক্লোক ও নী লামের থরচা ভূমা রেবিনিউর লাহেবদিগের মঞ্রীক্রমে ভূমাধিকারির শিরে পড়িয়া ধিকারির শিরেপ তাহা দে ভূমির তহদীলের অদ্দরে কর্ত্তন হইবেক ও তাহাতে আ ড়িবার কথা। দায় না হইতৈ পারিলে দে ভূমি বিক্রয়ের মূলাহইতে লওয়া যাই বেক ইতি।—১৭৯৩ দা। ৪৫ আ। ৬ ধা।

বারাণস ১৭৯৫ সা। ২০ আছ। ৬ ধা। **मर (म्य ১৮०७ मा। २७ जा। २० शा।**

ভুম্যধিকারিরা র এতমামদার আ মীনের জমা থরতে র রুজু লিখিবার কারণ আপনার্দি

उरमील कतिरतक তাহার কথা।

তাহারদিগের ভূমি অধিকারির কর্ত্তব্য যে আপন তরফ জনেক আমলাকে সেই এতমা মদার আমীনের জমা থরচের রুজু লিথিতে প্রবৃত্ত করে। আর সেই আমীনের কর্ত্তব্য যে সে ভূমির অধিকারির দহিত তাহার তাবের কট্কিনাদার ও শামিলাৎ তালুকদার ও প্রজাদিগের যে করারদাদ গের ভরফ আমলা থাকে সেই করারদাদ ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ৪৪ আইনক্রমে নিযুক্ত করিবার ক হউক কি না হউক তথাচ তদ্দুদারে তাহারদিণের স্থানে মালগুজারী তহ্দীল করে তাহার অধিক না লয় তাহাতে যদি অতিক্রম করে তবে আমীন যে মতে সে কারণে সেই আমীনের নামে সেই জিলার দেওয়ানী আদালতে নালিশ হইতে পারিবেক আর যদি দেই ভূম্যধিকারির সহিত তা হার তাবের কোন কট্কিনাদার কিয়া শামিলাৎ তালুকদার অথবা প্রজার কিছু করারদাদ না হইয়া থাকে তবে কর্ত্তব্য যে তাহার স্থানে মালগুজারী দেই পরগনার শরেমাফিক তহ্দীল করা যায় ইহাতে যদি দেই আমীন দেই ভূমির এতমামদার থাকিতে দে ভূমির কিছু থাজানা তদরুপ কিম্বা বিষয়ান্তরে কিছু ক্ষতি করিয়া থাকে তবে সে জন্য তাহার নামে সেই ভূমাধিকারী কিয়া কট্কিনার ইজারদার দেওয়ানী আদালতে নালিশ করিতে শক্ত হইবেক ইতি।— ১৭৯৩ সা। ৪৫ আ। ৭ ধা।

১৭। যে ভূমির ক্রোক ও এতমামে আমীন নিযুক্ত হয় দে ভূমির

বারাণস ১৭৯৫ সা। ২০ জা। ৭ ধা। मस (मण ३४०७ मा। २७ छा। २५ छा।

অমীনের প্রতি কুম আছে ভাহা সে ভূমির এতমামের ভার তহসীলদারপ্র ৮ ধা। ভৃতি আমলাকে হ ইলেও ডাহার প্র তি বহাল রছিবার

১৮। নীলাম হইবার ভূমি ক্রোকের এতমামদার আমীনের প্রতি নীলাম ছইবার জু যে দকল ত্কুম উপরের ধারায় লেখা গেল ঐ মত ভূমির এতমামে তহ্দীলদারপ্রভৃতির যে আমলা নিযুক্ত হইবেক তাহার প্রতিও দেই দকল হকুম বহাল থাকিবেক ইতি।—১৭৯৩ দা। ৪৫ আ।

वां राज्य ३१३६ मा । २० छा । ५४।। मस्याम ३४०० मा। २७ छा। २२ था।

নীলাষ হইবার · ১১। নীলাম হইবার ভূমি ক্রোকের কারণ বোর্ড রেবিউনির

সাহেবদিগের হকুমে কালেকুটর সাহেব এই আইনের ৫ পঞ্চম ধারা ভূমি ক্রোকের কা ক্রমে যে কোন এতমামদার আমীন কিয়া আপন তরফ অন্য আম রণ কোন আমলা লাকে নিযুক্ত করেন্ ভাছারদিণের কাছারো সহিত যদি সেই ভূল্য নিযুক্ত হইলে ভাহা পিকারী কিয়া সেই ভূমি ইজারা দেওয়া গিয়া থাকিলে তাহীর ইজারদার অথবা তাহার জামিনদার আপনি জোর করে কিয়া অন্যের মারকতে করায় তবে ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ১৪ চতুর্দশ আইনের ৫ পঞ্চম ধারাক্রমে কোন ভূমাধিকারী কিয়া ইজারদার ভাছার কথা। অথবা জামিনদার জোর করিলে কিম্বা করাইলে তাহার প্রতি কালে কুটর সাহেব যে মতাচরণ করিয়া থাকেন্ ঐ ভূম্যধিকারী কিয়া ইজা রুদার অথবা জামিনদারের প্রতিও দেই মতাটরণ করিবেন ভদ্ডিন্ন কেহ এই ধারাক্রমে অপরাধ করিলেও তাহার সমৃচিত জামিনদা রের উপর নালিশ হইলে তাহার সমৃচিত যে মত হ্র সেইমত হই বেক ইভি।—১৭৯৩ সা। ৪৫ আ। ৯ ধা।

বারাণস ১৭৯৫ সা। ২০ আন। ৯ ধা। मह (मन ১৮०७ मा। २७ जा। २७ धा।

৩ ধারা।

যে ভূমি নীলামে বিক্রয়হওনের ত্রুম হয় তাহার জমা নির্দ্ধার্য্যকরণ।

২০। যে কা**লে** দরকারের করদম্বর্কীয় কোন ভূমির কিছু অ**°**শ নীলামে বিক্র হয় সে কালে কর্ত্তব্য যে তাহার মোকররী জনার লামে বিক্রয় হইলে পার্য্য ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ দালের ১ প্রথম আইনের ১০ দশম ধারা ক্রমে হয় ইতি।---১৭৯৩ দা। ৪৫ আ । ৪ ধা।

वाज्ञावम ১৭৯৫ मा। २० छा। ४ था। हरू (हम ১৮०७ मा। २३ **छा। ১৮ था।**

২১। যে কালে কোন ভূমি নীলামে বিক্রয়ের হুকুম হয় দে কালে কালেক্টর সাহেবের মেহির ও দস্তথতে এক ত্কুমনামা পাইলে খাইজারদার ভূমি সেই ভূমির অধিকারী কিয়া সে ভূমি ইজারা দেওয়া গিয়া থাকিলে তাহার ইজারদারের কর্ত্তব্য যে আপনি কালেক্টর সাহেবের নি যুক্ত করা দে ভূমি ক্রোকের এতমামদার আমীন কিয়া অন্য আম লার নিকটে ফুজু হয় অথবা আপন তরফ জনেক ওয়াকিফকার এমত গোমাস্তাকে রুজু করে যে তাহাহইতে দে ভূমির মোতালক দকল কার্য্যের সরবরাহহওনে কালেক্টর সাহেবের ছঘোধ অর্থাৎ থাতিরজনা হয় ও তাহারা দেই ভূমি সমুদ্য কিয়া তাহার যে গোমাতা রুজু না অংশ বিক্রেয় হয় তাহার জনা এরচ ও জনাওয়াদীলবাকীওগয়র্ছ করিলে ভাহার দ কাগজপত্র ঐ আমীনপ্রভৃতির নিকটে দাথিল করে এইছেতুক যে দেই কাগজ দৃষ্টে দেই বিক্রীত ভূমির মোকররী জমার ধার্যা করা যায় ইহাতে যদি কোন ভূমাধিকারী কিম্বা ইজারদার এ হকুম না মানিয়া আপনি কিয়া আপনার তরফ ওয়াকিফকার গোমাস্তাকে দে ভূমির জমাধরচাদি কাগজ আমানপ্রভৃতির নিকটে দাথিল করি

ভূমির অংশ নী তাহার মোকররী জ মার ধার্য্য ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১ প্রথম আইনের ১০ দশম ধারাক্রমে হ

র সহিত কেহ জো

র করিলে কিম্বাক

রাইলে তাহার যে

ইবার কথা। ভুমাধিকারী কি র মোকররী জমার ধার্য্যকারণ আমীন প্রভৃতির নিকটে হি সাবকিতাব দিতে আপনি রুজুনাহ ইলে কিন্তা আপন তর্ফ ওয়াকিফকার ৩৫৪ আদালতের ডিক্রীক্রমে নীলামে ভূমি বিক্রয় করণ। [১০ অধ্যায়।

য়া কালেক্টর সাহেদের ভকুমের মতাচরণ করিতে ত্রুটি করে তরে বোর্ড রেবিনিউর সাহেবদিগের ক্ষমতা আছে যে দে কারণে তাহার দিগের অপরাপ ও শক্তানুসারে দিন প্রতি যত দণ্ড লওন উচিত জানেন তাহার নিরূপণ করিয়া তাব দেই দণ্ড লওয়াইতে থাকেন যাবৎ তাহারা কালেক্টর মাহেবের দেই হুকুমমতে কাঠ্য না করে ও দিন প্রতি তাহার যে দণ্ডের নিরূপণ হয় তাহা মঞ্রকারণ এীযুড গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হজ্বে সম্বাদ দেন ও সেউ **ष्ट वाको भान छजाती उमूनकत्र (५त इक्स्प्राट उमून कत्।** गाग् ইতি।—১৭১৩ দা। ৪৫ আ। ১০ পা।

दादानम ১৭৯৫ मा। २० छा। ১० था।

কালেক্টর সাহে ইলে ভ্রমাধিকারী কিয়াইজারদার আ পন পাটওয়ারী অ टात क्शा ।

২২। কালেক্টর সাহেবের হুকুমনামা পাইলে পর ভূম্যপিকারী বের তকুমনামা পা কিয়া ইজারদারের কর্ত্তব্য যে আপন তর্ফ কর্মচারী কিয়া জমিদা तीर्षिभरतत অন্য আমলাকে দেই ভূমির উদুল তহদীলকারণ এব° ইপরেজী ১৭১৩ দালের ৮ অফ্টর আইনের ৬২ পারাক্রমে দে ভূ থবা জমীদারীদিগ মির মোকররী জমার ধাগ্যের নিমিত্ত কাগজপত্র ওয়াকিফ করাই রের অন্য আমলা বার জন্য আমীনপ্রভৃতির নিকটে রুজু করে ইহাতে যদি কেহ অন্য কে আমীনপ্রভৃতি মত করে তবে তাহার দণ্ড উপরের পারার লিখনানুসারে হউবেক র নিকটে কুজ করি। ইতি।—১৭১৩ সা। ৪৫ আ। ১১ পা। दोतांगम ১৭৯৫ मा । २० जा। ১১ दा।

৪ পারা।

নীলামে থরীদার ও ভূমির মূল্য।

नीमारभव कारम লোর ফিশতে ৫ পাঁচ টাকার হিসা বে বায়না সরক। রে দিবার কথা।

নিয়মিত কালের থার কথা।

২৩। এই আইনের মতে ভূমি নীলামের দময় তাছার ধরীদার খরীদার ভূমির মু সেই ভূমির মূল্যের ফিশতে ৫ পাচ টাকার হিসাবে বায়না সরকারে দাথিল করিবেক। পরে যদি দেই থরীদার দেই ভূমির মূল্যের টাকা नियंभिष्ठ काटलत भरभा ना (मयं उटन सम्बे वायनोत होका मत्कादन জব্দ হইয়া সেই ভূমি পুনরায় নয়া ভৌলে নীলাম হইবেক ও তাহার থরচা পহিলা থর্টানার দিবেক তাহাতে যদি সেই ভূমির মূল্য প্রথম মধ্যে মুলোর টাকা নীলামের সময়াপেকা দুসরা নীলামে অল্প হয় তবে তীহাতে যে নোক্ আদায় না হুইলে দান হয় তাহার নিশাও পহিলা থ্রীদার করিবেক যদি দে ভূমি যেমত হইবেক ত। দুসরা নীলামে অধিক মূল্যে বিক্রয় হয় তবে তাহা ভূম্যধিকারির হি मारत प्रजुता পড़िरतक इंजि।--- ১৭১० मा । ८८ जा । ১० था ।

পহিলা খরীদার নোক্ষান তাহার থর**চাসমেত না দি**

২৪। যদি পহিলা থরীদার উপরের লিথনানুসারে বায়নাক্রমে বায়নার টাকা কি টাকা সরকারে দাথিল না করে অথবা দুসরা নীলাম করিতে হইলে ধা দুসরা নীলামের যে নোক্সান হয় তাছা দুসরা নীলামের থরচাসমেত না দেয় তবে कर्नुता य मिरे थेतीमात काल्लक्षेत्र मार्टरतत जिलाग् थाकिरल का লেক্টর সাহের ও কলিকাতায় থাকিলে বোর্ড রেবিনিউর সাহেবের।

বারাণস ১৭৯৫ সা। ১০ আ। ১৩ ধা।

আপনাবদিগার মোহর ও দম্বতে দেই টাকার তলবে তাহার লে চাহার প্রতিবে নামে এক ত্রুমনামা ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ১৪ চতুর্দশ আইনের উল্যোগ এইবেক ও ৩ তৃতীয় ধারার লিখনানুসারে ভুম্যধিকারী ও ইজারদারদিগের হার কথা। শিবের মালগুজারীর বাকী টাকার তলবে যেমতে কালেক্টর সাহে বের পরওয়ানা যায় দেই মতে পাচান ও দেই টাকার দরবরাছ যেমতে আদালতের জিক্রীর মতাচরণ হয় সেই মতে লওয়া যাইবেক ইতি।—১৭৯৩ সা। ৪৫ আ। ১৪ ধা।

বাবাণস ১৭৯৫ সা। ২০ আ। ১৪ ধা।

২৫। এই আইনের মতে যে দকল ভূমি নীলামে বিক্রয় করা যায় দে সকল ভূমির মালগুজারীর বাকী কিয়া মৌকুফী টাকাযাহানী শাবেকু বাকী কিখু লাম হইবার বৎদরের পূর্বের দরন দরকারের পাওনা থাকে তাহা नीलारमत थतीमारतत मिर्वात निर्वय नीलारमत करि ना थाकिरल रम টাকা দে ভূমিরু মূল্যের টাকাহইতে আদায় হইবেক। অথবা সে ভূমির পূর্বাধিকারির স্থানে লওয়া যাইবেক ও দে সহজে দে টাকা না দিলে তাহার উদ্লের কারণ তাহার দুবান্তির জব্দ হইবেক কিয়া তাহাকে কয়েদ করা যাইবেক বর ে তদর্থে তাহার দুবান্তির জব্দ ও কৃফী টাকা মাহার তাহাকেও করেদকরণ উচিত হইবেক। ইহাতে সেই পূর্ব্বাধিকা দেওয়া সঙ্গত হইবে রির তাবের কট্কিনাদার ও শামিলাৎ তালুকদার ও প্রজাবর্গের ক আগার কথা। ফানে সে ভূমি নীলামের পূর্দের যে মালগুজারী তাহার পাওনা থা কে সে তাতীর স্বস্ব অর্থাৎ হক্ জানিয়া চাহে তাতা উদুলের নিমি কীটাকা প্রাধিকা ত্তে তাহারদিগের নামে দেওয়ানী আদালতে নালিশ করে এব°৲ তা বির প্রাপ্তরা হউলে হাহইতে স্বস্ত্যাগী হইয়া তাহা লইতে ও থর্চ করিতে ঐ থ্রাদা রকে অনুমতি দিতেও পারিবেক ইতি।—১৭৯৩ দা। ৪৫ আ। 30 811

বারাণস ১৭৯৫ সা। > ৽ আ। ১৫ ধা।

২৬। এই আইনানুসারে ভূমাাদি নীলাম করিতে হউলে ঐ নীলা মের সময়ে ডাকনিয়ালোকদিণকৈ সর্প্রদা স্লুইরপে ইছা জানাইতে হইবেক যে আদালতের ডিক্রীর কি অন্য নিষ্পত্তিপত্তের লিথিত যে টাকা উদুল করিবার নিমিত্তে ঐ নীলামের হুকুম হয় দেই টাকার দায়ি জনের ঐ ভূম্যাদিতে যে শ্বন্ধ ও লাভ থাকে তাহার। ঐ ভূমিতে অতিরিক্ত আর ীকছুই পাইবেক না ইতি।—১৮২৫ সা। ৭ আ। ৩ ধা। ৭ প্র।

২৭। আদালতের ডিক্রীর কি নিষ্পত্তির টাকা উদুল করিবার নি মিত্তে কালেক্টর সাহেব কি রাজস্বের সিরিশ্তান্মুকীয় অন্য কাঠ্য কারক সাহেব ভূমি নীলাম করিতে হউলে ঐ নীলামের সহিত উপ রের ধারার শেষ প্রকরণের লিথিত হুকুম সম্পর্ক রাথিবেক এনণ ঐ

भीलारभत करहे মৌক্ফী টাকা নী লামের গ্রীদার দি বার কথানা থাকি লে সে তাহানানি বার কথা।

ঐ বাকী কিন্তা গৌ মালওজারীর বা

ভুমাদি নীলাম হুইড়ে এইলে ডাক নিয়াদিগকে ডিক্রা র লিখিও টাকার দায়ি জনের ঐভ্ ম্যাদিতে থাকা স্ব ত্যের ও লভ্যের অ তিরিক আর কিছ না পাউবার কথা সর্ফানা জানাইতে হ उराज कथा।

আদালতের ডি জীর কি নিক্সান্তির টাকা উসুলের নি মিত্তে কালেক্টর কি ব'ড়ম্বের অন্য মের সহিত উপরের ধারার শেষ প্রকর ণের লিখিত হুকুম সম্পর্ক রাখিবার কথা।

সকর ভূমি নীলা কুম লেখা গেল তা হার যত হুকুম নি कर खुभि नीलारम्ब

ধিকারিরপরিবর্চে ১৭৯৩ সা। ৪৫ আ। ১৭ ধা। দে ভূমির প্রতি সর কারের মালগুজারী র দাওয়া থাকিলে তাহা লোপ না হই বার কথা।

কার্যাকারক সাহেব প্রকার নীলামের বিষয়ে এক্ষণে যে সকল চ্কুম চলন আছে তাহা ভূমি নীলাম করি শুধরণের নিমিত্তে নীচের লিথিতবা স্কুম নির্দিষ্টি করা যাইতেছে তে হইলে এ নীলা ইতি।—১৮২৫ সা। ৭ আ। ৪ ধা। ১ প্র।

২৮। আদালতের ডিক্রীক্রমে সরকারের করসম্পর্কীয় ভূমি নীলা মের অর্থে উপরের মের বিষয়ে যে দকল ছকুম উপরের ধারায় লেখা গেল ইছার ধারার যে সকল ছ মধ্যের যেং হুকুম নিষ্কর ভূমি নীলামের বিষয়ে চলিতে পারে তা হাই চলিবেক ও দে ভূমিতে তাহার পূর্ব্বাধিকারির যে শ্বত্ব ছিল নীলামের থরীদার কেবল দেই স্বত্বেই স্বত্ববান হইবেক। অধিকস্ত প্রতি চলিতে পারে এই জানিবেক যে ইঙ্গরেজী ১৭১৩ সালের ১১ উনবিৎশতি ও তাহা চলিবার ক ৩৭ সপ্তত্তি শৎ আইন এব পশ্চাৎ যে সকল আইন জারী হয় তা হার ক্রমে সে ভূমিতে সরকারী মালগুজারীর যে দাওয়া থাকে তাহা নিক্ষর ভূমির অ সে ভূমির অধিকারির পরিবর্ত্তে লোপ পাইবেক না ইতি।—

> वां तां भम ३५৯ ६ मा । २० छा । ३५ धा । मरु (मन २४०० मा। २७ ज्या। २७ था।

৫ খারা।

বারাণদ বিষয়ে বিশেষ বিধান।

ভূমি বিক্রয় হই ত্রুর হয় কেবল তা হার স্বস্ত বিচলিত হইবার কথা।

[বারাণস।]

২১। এলাকা বারাণদের মধ্যে অনেক প্রকার দনন্দী ভূমি আছে লে যাহার দায়ে বি তাহাতে কোন একং তালুক কিয়া জুমিদারী অথবা এামৈ তাহার অধিকারিদিগের একের মত্ত্বের অন্তর্গর্ভে অন্যাধিকারিদিগের মৃত্ বর্ত্তিতেছে এবণ দেই একং ভূমির মালগুজারীর সরবরাহ একং পাঝীর অনুসারেই তাহার অধিকারিদিগের মধ্যের জনেক দুই জন প্রধানের মারফতে ইঙ্গরেজী ১৭১৫ দালের ২ দ্বিতীয় ও ৬ ষষ্ঠ আ ইনের লিথনক্রমে হয় অতএব জানিবেক যে এমতে একাধিকারির ষত্ত্বের অন্তর্গর্ভে অন্যাধিকারিদিগের মৃত্ব দাব্যম্ থাকিবার যে ভূমি কেছ থরীদ করে তাহার থরীদার কেবল সেই অধিকারির ম্বত্তেই স্বস্ত্রবান হইবেক যাহার দায়ে সে ভূমি বিক্রেয় হয় এতন্ডিন্ন অন্যাধি কারিদিগের শ্বর্তাহাতে বিচলিত হইবেক না ইতি।—১৭৯৫ मा। ५० जा। ५२ धा।

৬ ধারা।

বাটীঘর ও বাগান ও ফলের বাগান ও নিষ্কুর ক্ষুদুং ভূমিথও नीनाम विजयकत्व।

७०। इन्नद्रको ১৭৯৩ माल्नद्र ८৫ चाईत्वद्र थर०५ ১৭৯৫ ক্রীর মুডাচুর্ণকর সালের ২০ আইনের এব॰১ ১৮০৩ সালের ২৬ আইনের কি চলিত ণার্থে ভূমি দীলাম অন্য যে কোন আইনের যে২ কথাক্রমে এ ত্কুম আছে যে আদাল

তের ডিক্রীর মতাচরণার্থে ভূমি নীলাম করিতে ছইলে তাহা সরকা করিবার বিষয়ে চ রের মালগুজারীর কালেক্টর কিয়া সরকারের রাজস্বের সিরিশ্তা সিত আইনের কো সম্লুকীয় অন্য কোন কার্য্যকারক সাহেবের দ্বারা করা যায় ঐং ভুকুম^{ন্} ভুকুমের অর্থসু **बहैर श्रकतर्गत बाता नीराव नियनकाम मूझके कता ও एधता याह** তেছে ইতি।—১৮২৫ দা। ৭ আ। ২ ধা। ১ প্র।

৩১। উপরের উক্ত আইনের লিথিত ছকুম বাটীঘর কি বাগান কি ফলের বাগান কি নিষ্কর ক্দুৎ ভূমিথগু নীলামের সহিত সমুর্ক কীর মভাচরণার্থে রাথে ইহা বোধ করা যাইবেক না ও আদালতের কোন ডিক্রীর কি বাটীছর কি বাগান অন্য নিষ্পত্তির মতাচরণকরণের নিমিত্তে ভূম্যাদি নীলামকরণের কিফলের বাগানকি আবশাক হইলে ঐ ডিক্রীর কি নিক্পত্তির মতাচরণকরণের ক্ষমতা নিক্ষর ক্ষুদু হ ভূমি পন্ন আদালতের সাহেবের কি কোন কার্য্যকারক সাহেবের দ্বারা ঐ নীলাম পূর্ব্বমন্ত বোর্ড রেবিনিউর দাহেবদিগের কি জিলার কালেক্ হেবদিগের অকুমা রুসাহেবের কি রাজম্বের সিরিশ্তা সম্লু**র্কীয় অন্য কোন কার্য্যকারক নু**সারে হইবার ক সাহেবের জ্ঞাতসারকরণব্যতিরেকে করা যাইবেক ইতি।—১৮২৫ ^{থা ।} সা।৭ আনা২ ধা।২ প্রা

আদালতের ডি এও আদালতস্প কীয় কর্মকারি সা

৩২ । আইনানুসারে ভুম্যাদি বিক্রয়করণদারা আদালতের কোন ডিক্রীর কি অন্য নিষ্পত্তির মডাচরণ করিবার ক্ষমতাপন্ন জজ কি স্পন্তানুসারে ভূমি রেজিষ্টর কি অন্য কর্মকারি দাহেবের ক্ষমতা আছে যে আদা র নীলাম অস্থাবর লতের ডিক্রীর কি অন্য নিষ্পত্তির মতাচরণার্থে যেমন নীলামের যোগ্য কোন অম্বাবর বস্তু নীলামকরণের হুকুম দিতে পারেন দেই মত তদর্থে নীলামের যোগ্য কোন বাটী হার কি বাগান কি ফলের বাগান কি নিম্বর কোন ক্ষু ভূমিথণ্ড নীলাম করিতে হকুম দেন্ ইভি।—১৮২৫ সা। ৭ আ ি২ ধা। ৩ প্র।

আদালতের নি বন্তর নীলামকরণে র প্রকারে করা যা

৩৩। জিলা ও শহরের আদালতের জজ ও যে রেজিফীরসাহেবের। আদালতের ডিক্রীর কি নিষ্পন্তির মতাচরণকরণের নিমিত্তে সামা স্থাবর বন্ত নীলাম ন্যতঃ ঐং আদালতের নাজিরদিগকে কিয়া ঐ জজ কি রেজিউর্সা করণের ভার দেও হেব আপন্থ মোকামে সদ্র আমীনদিগকে এবং আপন্থ সরহদ্দে त प्राप्त जनार स्राप्त ज्थाकात प्रमानकिष्ति वस्रावत वस्र नीलाप করিবার ভার দেন্ ঐ সাহেবদিগ্কে এই প্রকরণের দারা ক্ষমতা দেওয়া যাইতেছে যে আবশাক বোধ হইলে এই আইনের ছকুমা বার কথা। নুসারে যে২ বাটী ছর কি বাগান কি ফলের বাগান কি নিষ্কর সূদ্ কোন ভূমিথণ্ড নীলাম করা কর্ত্তব্য তাহা নীলাম করিবার ভার এই কর্মকারিদিগ্কে দেন্ ইতি।—১৮২৫ দা। ৭ আ। ৩ ধা। ১ প্র।

যাহারদিগকে অ য়াযায় ভাহারদিগ কে বাটী ঘরইত্যা मि नीलामकत्रावत् ভার দেওয়া যাই

৩৪। আদালতের কোন ডিব্রের কিয়া অন্য নিষ্পত্তির মতাচর ণার্থে অস্থাবর কি উপরের উক্ত মত স্থাবর বস্তু ক্রোক করা গিয়া বিশের জিশ দিন নীলাম করিতে হইলে ঐ নীলাম হইবার কথা এবং তাহার সময় ও স্থানের নিরূপণ ও যে বস্তু নীলাম হইবেক তাহার বেওরা এবং

नीमारमत् छ।.. পূর্বে ভাহার ছো ষণা দেওয়া যাই

যে টাকা উসুল করিবার নিমিত্তে ঐ নীলাম করা যাইবেক তাহার দংখ্যা ঐ নীলামের ঘোষণা দিবার হুকুমহওনের তারিখের পর ও ঐ নীলামহওনের নিমিত্তে নিরূপিত দিনের পূর্ব্ব ৩০ ত্রিশ দিনের কম না থাকে ঐ নীলামের নিরূপিত দিনের এত দিন পুর্বে দেই দে

কথা।

শের চলিত ভাষাতে ছোষণা দেওনদ্বারা প্রচার করা যাইবেক ও যে ছোষণা দেওনের স্থানেতে ঐ বস্তু ক্রোক থাকে দেই স্থানে দম্ভরমতে চোল পিটাইয়া ও প্রচার করণের ঐ ঘোষণা দেওয়া যাইবেক এব ে যে গ্রামে কি নগরে ঐ বস্তু ক্রোক হয় তাহার মধ্যগত দকল লোকের দৃষ্টিগোচর কোন স্থানে এবং ঐ স্থানের মুনদেকের কাছারীতে এব ে তথাকার জিলার কালেকটর मार्टितर े अव॰ जिलात य जज कि त्वि किसेत्मार्टित अ नीलासित হুকুম দিয়া থাকেন্ তাঁহারো কাছারীতে তদর্থে ইশ্তিহারনামা লট্ कान याहरतक ও व नीलाम नमत आमीरनत माता इहरू इहरल छा হারো কাছারীতে ঐ ইশৃতিহারনামা লট্কান যাইবেক ইতি।— ১৮२৫ मा। १ जा। ७ ४। । ७ था।

ক্রোক ও নীলা মের হুকুম এক সম য়েও দেওয়া যাইতে পারিবার কথা।

বিশেষরূপে ছক্ র এবং ঐ নীলাম আইনবিকৃদ্ধ কোন কর্ম ভাহাতে হইয়া থাকিলে অসিদ্ধ হ ই বার কথা।

দেওয়া যায়।

৩৫। ঐ প্রকার হইলে ঐ নীলামের হুকুম যে জজ কি রেজিষ্ট্র সাহেব কি আদালতের অন্য কার্য্যকারক সাহেব দেন তিনি ঐ বিষ য়ের সকল অবস্থা বিবেচনাকরণের পরে বিষয়বিশেষে যেমন উপ যুক্ত বোধ হয় দেইমত ঐ ক্রোক ও নীলামের দস্তুর মত ত্রুম পরেং

ম করা ছোষণা দে কিয়া একেবারে দিতে পারিবেন কিন্তু উপরের প্রকরণের বিশেষ ক ওনবাভিরেকে কো রিয়া লিখনমত পূর্বেই শ্তিহার দেওনবাভিরেকে কোন নীলাম ন নীলাম না ছওনে কোন প্রকারে হইবেক না এব ে যে জজ কি রেজিউর কি অনা কার্য্য কারক সাহেব ঐ নীলামের ছকুম দিয়া থাকেন সরাসরী বিচারেতে সেই সাহেবের প্রতায়জনক ঐ নীলামের বিষয়ে আইনবিরুদ্ধ কাগ্য হওনের প্রমাণ পাওয়া গেলে তাহাতে ঐ নীলাম অসিদ্ধ হইবেক কিন্তু আবশ্যক যে জিলা ও শহরের আদালতে মৃৎফর্ক্সা দর্থান্তের যদি ইফ্টাম্পকার্গ নিমিত্তে যে ইফ্টাম্পকাগজের আবশ্যক হয় সেই ইফ্টাম্পকাগজে লি

জে লিখিত দর্খান্ত থিত এব°৲ আইনবিক্লে যে কার্য্য হইয়া থাকে তাহার বেওরাযুক্তে এক মাসের মধ্যে এক আরজী যে জজ কি রেজিউটর কি অন্য কার্য্যকারক লাহেবের দারা ঐ নীলামের ত্তুম ত্ইয়া থাকে নীলামের পরে এক মাদের মধ্যে ঐ সাহেবের নিকটে উপস্থিত করা যায় ইতি।—১৮২৫ সা। ৭ আ। ৩ ধা। ৩ প্র।

নীলাম অসিদ্ধ হ ইলে এবং কোন চা ত্রী প্রকাশ নাপা ইলে খরীদার আ পন খরীদের টাকা ∙ যেমন উপযুক্ত বুঝা याग्र जूनजुका कि তাহাব্যতিরেকে পা

ইবার কথা।

৩৬। কোন নীলাম উপরের প্রকরণাসারে কিয়া আর কোন কা রণপ্রযুক্ত অদিদ্ধ হইলে যদি তাহাতে এরীদারের কোন চাত্রীও প্রবঞ্চনী প্রকাশ না হয় তবে ঐ এরীদার ঐ এরীদকরা বস্তু ফিরিয়া দিলে বিষয়বিশেষে যেমত হুকুম হয় সেইমত সুদসুদ্ধা কি ভাহাব্যতি রেকে আপন থরীদের টাকা ফিরিয়া পাইবেক ইতি।-১৮২৫ সা। ৭ আ । ৩ ধা। ৪ প্ল।

৩৭। এই ধারানুসারে জিলা কি শহরের জজ কি বেজিষ্ট্রসাহে বের করা সরাসরী নিষ্পত্তির উপর আপীল হইবার বিষয়ে চলিত সাহেবের করা নি তুকুমানুসারে প্রবিন্সাল কোর্টে দরাদরী আপীল হইতে পারিবেক ম্পরির উপর প্রবি ইতি।—১৮২৫ সা। ৭ আ। ৩ ধা। ৫ প্র।

৩৮। এই ধারানুসারে যে ভূমাদি নীলাম হইবার ইশ্ভিহার দে ওয়া গিয়া থাকে দেই ভূম্যাদির কোন দাওয়া উপস্থিত হইলে কিয়া য়া বন্ধর উপর দা ঐ ইশ্তিহারনামার লিথিত মিয়াদের মধ্যে ঐ নীলামহওনের কোন ওয়া কি তাহার নী প্রতিবন্ধক উপস্থিত হইলে ঐ দাওয়া কিয়া প্রতিবন্ধকতার তজ্ঞবীজ যে জজ কি রেজিফ্টর কি অন্য কার্য্যকারক সাহেবের নিকটহইতে ঐ নীলামের হুকুম হইয়া থাকে সেই সাহেবের নিকটে হইবেক কিয়া তাহার তজবীজ করিয়া রিপোর্ট করিবার নিমিত্তে কোন সদর আমীন কি তথাকার মুনদেফের প্রতি ভার দেওয়া যাইবেক এবং ন্যায়ের প্রতিবন্ধকতার নিমিত্তে ঐ দাওয়াদির আরজী দিতে ইচ্ছা পূৰ্ব্বক ও অনাৰশাক বিলম্ব করা গিয়াছে ইহা বোধ না হইলে যদি তিবন্ধক উপস্থিতক আবশাক বোধ হয় তবে যাব**ৎ ঐ** দাওয়া কি প্রতিবন্ধকতার বিবে ^{রিতে ইচ্ছা}পূর্বক চনা না হয় তাবৎ ঐ নীলাম করিতে বিলম্ব করা যাইবেক কিন্তু আব শ্যক যে ঐ আর্জী যে জজ কি রেজিফ্টর কি অন্য কার্য্যকারক সা হেব ঐ নীলামের হুকুম দিয়া থাকেন তাঁহার নিকটে ঐ নীলামের ইশ্তিহার দেওয়া যাওনের পর যত শীঘ হইতে পারে তত শীঘু সর্মানা দেওয়া যাইবেক ও আর্জীদেওনিয়ার প্রবঞ্চনাকরণের অভি দাওয়া উপদ্বিত হ প্রায় বোধ হইলে নীলাম করিতে বিলম্ব করা যাইবেক না এব ে ঐ ইলে নীলামে বিলম্ব দাওয়াদার নীলামের পরে জাবেতামতে দেওয়ানী আদালতে না না করা ঘাইবার লিশক্রণদ্বারা আপন দাওয়া ব্যিয়া পাইবার উপায় করিতে পারে ইতি।—১৮২৫ সা। ৭ আ। ৩ ধা। ৬ প্ল।

৭ ধারা।

বিবিধ বিধান।

৩৯। চলিত আইনানুসারে জিলা এব ্শহরের আদালতের জজ সাহেবদিগের পুতি হুকুম আছে যে আপনারদিগের কি আপনারদি মির বিষয়ে ডিক্রীর গের রেজিষ্টর দাহেবলোকের করা দকল ডিক্রীর নকল ও দকল মতাচরণ করিবার কি নিষ্কুররূপে দথলকরা ভূমি ছত্তাধিকারের কি দথলের বিষয়ে নিমিত্রে কালেক্টর উপরকার আদালতহইতে তাঁহারদিগের নিকটে পাচান ডিক্রাসক লের নকল আপন্থ অধিকারের কালেক্টর সাহেবদিগের এব° বোর্ড রেবিনিউর সাহেবলোকের নিকটে ঐং সাহেবদিগের সিরিশ্ তার রেজিইটরী বহীতে তাহার যাহা লিথিতবা তাহা লিথনের ও লে দেওয়ানী আদা কর্ত্তব্য মতান্তরকরণের নিমিত্তে পাটান্ এক্ষণে তদতিরিক্ত দেওয়ানী লডের সাহেবের। আদালতের জজ সাহেবদিগ্রে এই ধারাক্রমে এক্ষমতা অর্পণ করা যাইতেছে যে যদি তাঁহারদিগের ইছা বোধ হয় যে ঐ দকল ডিক্রার র কথা। মতাচরণে তাহার লিথিত বস্তুতে যাহারদিগ্কে দ্থল দেওয়াইতে

জজ কি বেজিষ্টর ন্সাল কোর্টে আ পীল হইতে পাবি বাব কথা।

ইশ্তিহার দেও লামের প্রতিবন্ধক উপস্থিত হইলে আ দালতের কার্য্যকার ক সাতেবেরা যেক প কার্য্য করিবেন তাহার কথা।

ঐ দাওয়া কি প্র বিলয় নাক্রাগে লে নীলাম করিতে বিলম্ব করা যাইবা ব কথা।

কিন্তু প্রবঞ্চনার্থে এবৎ দাওয়াদার দা ওয়া বুঝিয়া পাই বাব নিমিতে দেও য়ানী আদালতে না লিশ করিডে পারি বাব কথা।

মালপ্রজারীর ভ সাহেবদিগের সহা য়তা হউলে ঐডি ক্রীর মভাচরণ পূর্ণ রূপে হইবেক বৃত্তি ঐ সহায়তা চাহিবা ৩৬০ আদালতের ডিক্রীক্রমে নীলামে ভূমি বিক্রয়কর্ণ। [১০ অধ্যায়।

হয় তাহারদিগকে দথল দেওয়ানদারা হউক কি ওয়াসিলাতের হি সাব দুরম্ভ কর্ণদারা কি আর কোন কার্য্যকরণদারাই বা হউক তথাকার কালেকটর সাহেবের সহায়তা পাইলে ঐথ ডিক্রীর মতা চরণ অবিলম্বে ও সমপূর্ণরূপে হইতে পারে তবে ঐ সহায়তা করিবার নিমিত্তে কালেকটর সাহেবদিগকে লিথিয়া পাচাইবেন ইতি ৷— ১৮২৫ সা। ৭ আ। ৬ ধা।

ভূমির খারিজদা বার কথা।

৪০। কোন ভূমি নীলামে বিক্রয় হইলে পর কালেক্টর সাহে থিল বহীতে লিখি বের কর্ত্তব্য যে ইঙ্গরেজী ১৭১৩ দালের ১১ ঊনবিৎশতি ও ৩৭ সপ্তত্রি° শৎ ও ৪৮ অফ্টচত্বারি° শৎ আইনের মতে যে ভূমি যেমত তাহার গতিক ও মহাল ব্রিয়া সরকারের থারিজদাথিলৈর সিরি শতার বহীতে দে ভূমির থারিজদাথিলের কৈফিয়ৎ লিথেন্ ইতি। —১৭১৩ সা। ৪৫ আ। ১৮ ধা। বারাণস ১৭৯৫ সা।২০ আ। ১৮ ধা। দত্ত দেশ ১৮০৩ লা। ২৬ আ। ২৭ ধা।

১১ অপ্রায়।

জমিদারীর বাটওয়ারা।

১ ধারা।

জমিদারীর বাটওয়ারা কিম্বা একশামিলকরণ।

১। যে কোন জমিদারী কিয়া হজুরী তালুক অথবা অন্য ভূমির এই ধারার লি মালপ্তজারী বরাবর সরকারে পঁহছে তাহা যদি দুই কিয়া ততোঁধিক থিত প্রকারেতে জ অংশেতে অংশ করিতে হুকুম হ্য় তবে কর্ত্তব্য যে তাহার অংশের মিদারী ওগয়রহের বাটওয়ারার বিস অর্থে এবণ সেই একং অপ্শের সরকারের জমার ধার্য্যের বিষয়ে য়ের ভার কালেক যে জিলার মধ্যে দেই জমিদারীওগয়রহ থাকে দেই জিলার কালে **ऐत मार्टितरक इंडे** ক্টর সাহেবকে ভার হয় ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ। ৩ পা। বার কথা।

২। কোন প্রকার সাধারণ অধিকারভূমির সহিত এই আইনের লিখিত দাঁড়া সমুক্ রাখে ইহাতে সন্দেহ না থাকিবার নিমিত্তে এই মন্ত দাঁড়া সাধারণ পারানুসারে মুষ্ট করিয়া লেখা যাইতেছে যে ঐ সমস্ত দাঁড়া যে অধি কারভূমির মোটে এক জমা হয় ও তাহার প্রত্যেক অ^০১ শী তাহাতে হিত্র শপর্ক রাখিবা নিনাটিক্টেতে সম্মিলিত স্বত্বাধিকার রাথে ও তাহার স্বতস্ত্রৎ কিস মতে স্বতন্ত্রক্রমে শ্বত্তাধিকার না রাথে সেই দকল দাগারণ অধিকার ভূমির দহিত সম্পর্ক রাখিবেক কিন্তু যে অনেক দাঁড়া লেখা যায় যে একং অপশের ভূমি ছাড়াছাড়ি ও বেন্দাফোড়া না হয় এবৎ একং অপ্শের ভূমির নির্বাচনী তুলা মূল্য গৌরবে হয় এবপ ভূমির অপ্ শাৎশ বিনা তারতমো সমানহওনৈর বিষয়ি আর্থ দাঁড়ীযে অধি কারভূমির অংশিরা মোট অধিকারের উপর প্রত্যেকে সমানস্বত্তা পিকার রাথে কেবল ভাহার অৎশাৎশকরণের বিষয়ে থাটে। ও ভূমির যেং অংশ কিসমত প্রত্যেকে ডিল্লং মহাল হয় ও পূর্কের অধিকারির স্থানহইতে থরীদকরাতে কি অন্য প্রকারেতে দথলে আ শিয়াছে ও আইনমতে মোট অধিকারের শামিলহ**ইতে থারিজ**হও নের যোগ্য হয় ও এই আইনের ৮ ধারার লিখিত দাঁড়ানুসারে মোট অধিকারের জমার মোকাবিলায় ওয়াজিবী হিদ্যা বটে কিন্তু তাহার অনা২ অপ্শের উপর আলাহিদা জমা মোকরর হইয়া পৃথক্ করু লিয়ৎ দাথিল হইবার জনো মোট অধিকারের শামিলে রহিয়াছে ভাহার দহিত দম্লুক রাথে নাও জানা কর্ত্তব্য যে এমতং গতিকে এই আনের লিথিত যে সকল দাঁড়াতে জমার ধার্য্যকরণের ও জমার VOL I.

এই আইনের স অধিকার ভূমির স

লিখিত দাঁড়া তাহা বিক্রায় কি হস্তান্তর খাটিবার **ब्हे** एक কথা। ' জমার ধার্য্য গো মপুরীতে ও জমায় क्यों मिए इडेस्न তাহা হজুর কৌন্দে লের মধুরীব্যতীত কথা।

নির্ণাত অংশের ধার্য্যের নিমিত্তে হিসাবের কাগজপত্র দাখিল করিবার ও তাহা দে জমার ধার্যাকরণের থিবার ও ভূমির প্রত্যেক অংশের উপর স্বতন্ত্রক্রমে জমার ধার্য্য না অর্থে এই আইনের হওনপর্যান্ত বাকীর দায়ে মোট অধিকার বাধিত থাকিবার এবং যদি জমিদারীওগয়রহ অংশাংশ হইলে পর দশ বংশরের মধ্যে এযুত নওয়ার গবরুনর জেনরল বাহাদুরের হজুরে ইহা বৃঝা যায় যে জমি দারীওগয়রহের অংশাংশ হওনকালে তাহার অংশের জমার ধার্যা অয়থার্থরূপে ও কার্নাজীতে হইয়াছে এমতে সেই দকল ডাগ্রড়ি করিতে হই জমা পুনরায় ন্তুন করিয়া ধার্য্য করাইবার কর্তৃত্ব ঐ নওয়াব গবর ल जाहा तार्ड त्व नत् जनतल वारामूरत्व थाकिवात कथा लाथा यात्र मारे कमन माँजा বিনিউ কি বোর্ড এই আইনের লিথিত আর্থ দাঁড়ার সহিত সম্লর্ক রাথিবেক কিন্তু কমিদানরের বিনা উপরের লেখা গতিকে ও অন্য দমস্ত গতিকে পুনরায় গোড়াগুড়ি জমার ধার্য্য যথন হয় তথন তাহার কৈকিয়ৎ বোর্ড রেবিনিউ কি বোর্ড কমিদ্যনর দাহেবদিগের হজুরে মঞ্রীর কারণ দিথিয়া পাচা ইতে হইবেক ও তাহা তথায় যাবৎ মঞ্র না হয় তাবৎ এব ে মঞ্রী মাত্রর না হইবার জমায় কমী দিয়া ধার্যা করিতে হইলে তাহা জীযুত নওয়ার গ্রুবনর জেনরল বাহাদুরের হজুরে মঞ্জুর না হইবাপ্যান্ত মাতবর ও দিদ্ধ হইবেক না ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ ৩০ ধা।

জমিদারীওগয়র অংশ করাইতে চা হিলে তাহার দর থান্ত কালেক্টর সা ट्टरवड़ निकरणे मि বার ও তদনুসারে আচরণ হইবার ও তাহার খরচা তাহা রদিগের স্থানে আ

৩। যদি কোন জমিদারী কিন্তা হজুরী তালুক অথবা অন্য ভূমির তের অংশিরা তাহা দকল অংশিরা চাছে যে দেই জমিদারী ওগরর হ দুই কিয়া ততো ধিক অণ্পেতে অণ্শ করায় তবে কর্ত্তব্য যে তাহার। তাহার এক দর্থান্ত আপনারদিগের মোহ্র ও দন্তথতে এবণ্মাতবর চারি জন **দাক্ষির প্রমাণে একং অংশির অংশের সংখ্যাযুক্তে আর** দেই সকল অংশিরা আপনারদিণের অংশে পৃথক্থ ভোগদথলের অর্থে কিয়া তাহারদিগের সকলের মধ্যে দুই জন অথবা ততোধিক জনে আপনারদিগের অপ্শের ভূমি এক শামিলে রাখিবার কারণ বাসনা রাথিলে তাহার নিদর্শনে কালেক্টর সাহেবের নিকটে দেয় দায় হইবার কথা। ও এমত দর্থাস্ত দিলে পরে কালেক্টর সাহেব ভাহার মতে সেই ভূমিবিভাগ করিবেন ও তাহার কৈফিয়ৎ বোর্ড রেবিনিউ কি বোর্ড কমিদ্যনরদাহেবদিগের হজুরে জ্ঞাতকরণার্থে লিথিয়া পাচাইবেন ও তাহা অংশাংশকরণের সমৃদয় থরচ অংশাংশ করা সমাপ্ত হইলেপর মোট জমিদারীর জমার উপর ধরা গিয়া সমস্ত অংশির দিগের শিরে তাহারদিগের অপশের জমার আন্দাজে দেনা পড়ি বেক ইডি।—১৮১৪ সা। ১৯ আ। ৪ ধা। ১ প্র।

সাধারণ কোন জ শিগণের মধ্যে এক কি দুই কি তভোধি ক জনে আপৰং অৎশের ভূমি পৃথক

৪। যে কোন জমিদারী কিয়া হজুরী তালুকওগয়রছের অংশি মিদারীআদির অ৭ গণের মধ্যহইতে এক জন কি দুই জন কিয়া তাহাহইতে অধিক জন আপন্থ অপশ পৃথক্রপে ডোগ্যলকরণের অথবা দুই জন কি ততোধিক জন আপনারদিগের অংশের ভূমি এক শামিলে রাথি বার ইচ্ছা করে তাহারদিগের কর্ত্তবা যে অপিনারদিগের বাদনামত রুপে ভোগদ্থল 💏 দর্থান্ত আপনারদিগের ঘোছর ও দন্তথতে ও মাতবর চারি

জন সাক্ষির প্রমাণে সেই জিলার কালেকটর সাহেবের নিকটে দেয় করিবার ইচ্ছা রাখি ও এমত দর্থান্ত দিলে ঐ কালেক্টর সাহেবের উচিত যে তাহার লে তাহারদিগের ই সহিত যে সকল ব্যক্তিরা এলাকা রাথে তাহারদিগকে জানাইবার ^{চ্ছামতে} কার্য্য হই কারণ নীচের লিথিত বিবরণক্রমে ইশৃতিহার দেন্। তাহার বিবরণ এই যে এই ইশ্ভিহারনামা জারীহওনের তারিথহইতে ১৫ পনর দিনের মধ্যে ঐ ভূমির অংশাংশ দাথিলছওয়া দর্থাস্তের অনুসা রে হইবেক। আরু যদি ঐ মিয়াদ অতীতহওনের পুর্বের ঐ দর্থাম্ভ সম্মাক জমিদারী কি ভাছার কোন কিসমৎ ভোগদ্থলকরণিয়া কোন দারীআদির অং ব্যক্তি কিয়া ব্যক্তিরা আপন কিয়া আপনার্দিণের মোহর ও দম্ভ থতী ও মাতবর দুই জন দাক্ষির প্রমাণী এক লিখনের দারা কালেক টরু সাহেবের নিকটে এমত ওজর ও আপত্তি করে যে মৃদ্যীরা এতাবতা যাহারা আমারদিগের ভূমির কিসমৎ ভোগদথলের এজা হার করিতেছে তাহারা তাহার ইকিয়ৎ অর্থাৎ স্বস্তাধিকার রাথে ना उत्य अम्राउ प्रविधासुकत्विमाता याव आश्रनात्रिप्तित इक्षाती त्वह अन्त कत्त् দেওয়ানী আদালতে প্রমাণ না করে কিম্বা ঐ ওজরকরণিয়া ব্যক্তির। তবে আদাতলে ৰজ আপনারদিগের মোহর ও দন্তথতী ও চারি জন দাক্ষির প্রমাণী এক প্রমাণ না হউলে কা লিখনের দারা কালেক্টর দাহেবের নিকটে ঐ দর্থাস্তদেওনিয়াদি লেক্টর দাহেব তা গের হকদারী কবল না করে তাবৎ ঐ সাহেবের কর্ত্তব্য নহে যে সেই জমিদারীওগয়রছ অণ্শাণ্শ করান ইতি।-- ১৮১৪ সা। ১১ আগা৪ ধাাং প্রা

বার ও ভাছার খর চা ভাছারদিগের প্র তোকের দিতে হই

কেহ কোন জমি শাৎশের ও হিস্যা তে ভোগবান রহি বার অর্থে কালেক টর সাহেবের নিকট मृत्था कु मिरल यमि হা অংশাংশ না ক রাইবার কথা।

৫। ভূমির হিদ্যা থারিজ করিয়া লইবার দাওয়ার বিষয়ে যদি তাহার ত্রফহইতে ওজরের লিথন উপরের লিথিত প্রকারে ও উপ না হইলে কালেক্ রের প্রকরণের নিরূপিত মিয়াদের মধ্যে দাঝিল না হয় তবে কালেক্ টর সাহেব যেমত টর সাহেবের কর্ত্তব্য যে সেই দাওয়ার ভূমির অংশাংশ পশ্চাৎ যে প্রকারের প্রদঙ্গ করা ঘাইবেক দেই প্রকারে করিয়া তাহার কৈ ফিয়ৎ বোর্ড রেবিনিউর কি বোর্ড কমিদ্যানর ইহার যেথানকার সহিত সে মোকদমা সম্লর্ক রাথে তথাকার সাহেবদিগের হজুরে জ্ঞা তক্রণার্থে পাঠাইয়া দেন ও তাহার অৎশাৎশের থরচা বটিওয়ারা করা সমাপ্ত হইলে পর দরোবস্ত অর্থাৎ সমাক্ জমিদারীর জমার অনুসারে সমস্ত অংশিগণের শিরে তাহারদিগের অংশের জমার আন্দাজমতে দেনা হইবেক কিন্তু ভূমির অণ্শিগণেরা তাহারদিগের প্রত্যেকের শিরে ঐ থরচা যত করিয়া পড়িবেক তাহার বন্দোবস্ত আপনার৷ মিলিয়া করিতে পারিবার নিষেধ এই দাঁড়ানুসারে হই বেক ना ও কালেক্টর সাহেবের কর্ত্তব্য যে অ॰ শিগণের মধাইই তে এক জন কিয়া তভোধিক জন ঐ এরচার বাবৎ প্রকৃত যত টাকা দিতে হইবেক তাহা সমাকৃ যদি দাথিল করে তবে তাহা লন্ ও ইহার অন্যথা যদি 🗳 টাকা আদায় না হয় ত্যুব এই প্রকরণের স্লুফ করিয়া লেখা দাঁড়ামতে তাহারদিগের প্রত্যেকের স্থানে তলব করেন্ আরু যদি অংশাগণের মধ্যে এক জন কি ততোধিক ব্যক্তি আপনং অংশের টাকা দিতে ক্রেটি করে তবে কর্ত্তব্য যে সরকারের মাল

আচরণ করিবেন ভাহার কথা।

ধুজারীর বাকী টাকা উদুলের বিষয়ে যে দকল হকুম নির্দিষ্ট আছে সেই মতে ঐ টাকা উদুল করেন ইতি।—১৮১৪ দা। ১৯ আ। ৪ ধা। তপ্রা

ভিন্ন ৰভেৱ জ হিসা সকল খারি জহওনের বিষয়ে উপরের লেখা কথা था।

৬। এই ধারার লিথিত যে সমস্ত কথা সাধারণ জমিদারী এতাবতা মিদারীর পৃথক্ যাহাতে অনেক অপশির মৃত্ব সম্মিলিত থাকে তাহা অপশাপশহও নের নিমিত্তে নির্দিষ্ট হইল দেই দকল কথা যে জমিদারীতে অং শিগণের স্বস্তুসমূলীয় মহালাতের দীমানিরপণ করা এভাবতা যে সম্পর্ক রাখিবার ক ভূমির অংশ মহালবিশেষে মতন্ত্রং থাকে এমত জমিদারীর অং শীপশ ও অপশসকল থারিজহওনের বিষয়েতেও থাটিবেক ইতি। —১৮১৪ সা। ১১ আ। ৪ ধা। ৪ প্র।

আদালতের সা দারীর কোন হিস্যা তেকাহার ৰজ্ঞ সা বাস্থওনের ডিক্রী

৭। যদি দরকারের করসমুর্কীয় ভূমির রকমওয়ারী কিছা মহাল হেবেরা কোন জমি বিশেষে স্বতন্ত্র নীমানিরপণছওয়া কোন ছিল্যার উপর কাছার ছক্ অর্থাৎ শ্বন্তু সাব্যস্ত্র থেনের ডিব্রেল্লী কোন আদালতহইতে হয় ও কা লেক্টর সাহেবের নামে এই মজমুনে এক হুকুমনামা হয় যেঐ জমি कंद्रत्व मगरम नाती किया जामूक अ० भा० भ करतेन ও मिहे क्रिमाती अगरमह मत ওয়ারার ধরচা আ কারের থাসতহসীলে অথবা ইজারাতে না থাকিলে অমৃক অমৃক দায়ের ছকুম তাহা কে আদালতহইতে হওয়া ডিক্রীর মতে তাহারদিগের হিস্যাতি ভে লিখিবার কথা। দথল দেওয়ান্ তবে সে আদালতের সাহেবের কর্ত্তব্য যে এমত ছকুম দেওনের সময়ে এ বিষয়েরো ছকুম দেন্ যে ডিক্রীর লিথিড জমিদারী কি ভূমির হিস্যা বাটওয়ারা ও থারিজ করিবাতে ও তাহা তে দ্থল দেওয়াইবাতে ও সরকারের জমার ধার্য্য করিবাতে যে থরচ পত্র হয় তাহা সমস্ত যে ব্যক্তি কিয়ুা যাহারাঐ হকৃ অর্থাৎ স্বস্থ কবুল না রাথিয়া থাকে তাহারদিগের শিরে দেনা হইবেক কিন্তু যদি ঐ দাঁড়ার অন্যমতাচরণ করিবার কোন বিশিষ্ট হেন্ডু জানা যায় তবে আদালতের সাহেবদিগের প্রতি অনুমতি থাকিবেক যে ঐ এর চার টাকা করিয়াদী ও আদামী উভয় পক্ষের কিয়া ভাহারদিগের এক পক্ষের উপর মোকদ্মার ভারদৃষ্টে ন্যায় ও বিচার্য্যমতে যে স∾থ্যায় হয় তাহা দেওনের হকুম দেন্ ও আদালতের সাহেবদি গের ইহাও উচিত যে এই ধারার নির্দারিত দাঁড়ানুসারে যে সকল হকুম দেন্সে সমস্ত ছুকুমের নকল কালেক্টর সাছেবকে জ্ঞাত ও অবগতকরণীর্থে এই মজমূনে এক ছকুমনামার সহিত যে ডিক্রীমতে ঐ জমিদারী কিয়া তালুক অণ্মাণ্ম করিয়া অমুক অমূককে তাহা **इपिराग्र हिमारिंड मथेन मिख्यान् थे कारनकृष्टेत्र मार्हरदेत् निकरिं।** পাঠাইয়া দেন ইভি।—১৮১৪ সা। ১৯ আ। ৫ ধা।

य मकल किन

৮। যদি দুই কিছা তভোধিক জমিদারী অথবা যে তালুক পূর্ব্বে মং পূর্বেকোন জ কোন জমিদারী কি তালুক কি চৌধরাইর কিলমং ছিল তাহা এক মিদারী কি হলুরী জনের ভোগদখলে আইলৈ অথবা এপ্রকার জমিদারী কিয়া তালুক ভালুক কি চৌধ ওগয়রছ অংশ হইয়া তাহার দুই কিদমৎ কিয়া তভোধিক কিদ মতে এক জন কি দুই জন অথবা তভোধিক জন ভোগবান ও দ্ধলী রাইর শামিল ছিল কার থাকে তবে তাহারদিগের দাধ্য থাকিবেক যে দেই দকল কিদমৎ তাহা পুনরায় এক এক শামিল করাইয়া আপনারদিগের ভোগদখলে রাখে ও কর্ত্তব্য শামিল হইতে পা যে এপ্রকার কিসমৎসকল এক শামিল করাইবার দর্থান্ত তাহার রিবার ও সেই ম অধিকারী কিয়া অধিকারিদিগের স্নোহর ও দন্তথতে এব॰ মাতবর তে তাহার রেজি ২ দুই জন দাক্ষির প্রমাণে কালেকৃটর দাহেবের নিকটে দেওয়া যায় আর এমত দর্থাম্ভ দিলে পর সেই কালেক্টর সাহেবের কর্ত্তব্য যে যদি তাঁহার বিবেচনায় কোন আপত্তি না থাকে তবে দুর্থাস্কের লিথিতমতে কার্য্য করেন ও ভাহার কৈফিয়ৎ কালেকট্রী সিবিশ্র वहीरा माथिल कतिया अ विषरयत मागानत वार्ड तिविनिष्ठ कि বোর্ড কমিদ্যনর ইহার যে থানকার্দম্মর্কীয় দে মোকদ্দমা হয় তথা কার সাহেবদিগের হজুরে পাচাইয়া দেন ইতি।—১৮১৪ সা ১১ আ। ৬ ধা।

ঊরী হইবার কথা।

१ ধারা।

যে নিয়মক্রমে জমিদারীর বাটওয়ারা ও জমা নির্দ্ধার্য্য হইবে তাহা।

১। কোন জমিদারী কিয়া হজুরী তালুকওগয়রহ অপশাপশক রণের হকুম হইলে কর্ত্তব্য যে তাহার অংশাংশকরণে এমত দাব শাংশকরণেতে এ ধান হওয়া যায় যে তাহার একং কিসমতে দরোবস্ত অর্থাৎ সম্চয়ং কং অংশের ভূমি মহাল কিয়া গ্রামদকল আইদে এব ে দেই ভূমির দকল গতিক দে স্থানে বা হট্যা এ থিয়া উভয়তঃ নৈকটা অর্থাৎ সম্মোষ্যক্রমে একং কিসমতের মোতা লক মহালাৎ কিয়া গ্রামদকল যত নিকটবর্ত্তী হইতে পারে তাহাই 🔐। হয় যে প্রত্যেক কিদমতের ভূমি যথাদাধ্য একত্র থাকে কিন্তু যে কোন জমিদারী কি তালুকওগয়রহৈর অণ্শাণ্শকরণের হুকুম হ্য় দে জমিদারী কি তালুকওগয়রহে যদি এত গ্রাম না থাকে যে তাছার একং কিসমতেতে দরোবন্ত অর্থাৎ সমূচয় গ্রাম কিয়া গ্রামসকল আ দিতে পারে তবে কর্ত্তব্য যে দে গ্রাম কিন্তা গ্রামদকলের অৎশাৎশ এপ্রকারে করাযায় যে এক২ কিসমতের ভূমি যথাসাধ্য একত্র ও এক স্থানেতেই রহে ইতি।—১৮১৪ সা।১১ আ। ৭ ধা।

জমিদারীর অং কত্ৰ থাকে এমত সা বধান হইবার ক

১০। জমিদারীওগয়রছের অণ্শাণ্শকরণের ছকুম হইলে পর কর্ত্তব্য যে তাহার একং কিলমতের জমী সুবে বাঙ্গালা ও বেহার ও অংশাংশ হওনের উড়িষার মধ্যের জমিদারী ও হজুরী তালুকের বাবৎ ইল্রেজী সময়ে হাহার একং ১৭৯৩ দালের ১ আইনের দিখিত দাঁড়ানুসারে ও বারাণদ দেশের অ^{১শের} মধ্যের জমিদারী ও হ জুরী তালুকওগ্যুরহের বাবৎ ইঙ্গরেজী ১৭৯৫ ধার্যা ও ভূমির मार्ला १ १ आहेरान अमूनार ७ श्रीयुष्ठ न अग्रांव छेजी त वाहामूरत विस्ति महिल्ल দক্ত দেশেতে ইঙ্গরেজী ১৮০৩ সালের ২৫ আইনের মতে ও জয়করা ভাষার কথা। দেশেতে ইঙ্গরেজী ১৮০৫ দালের ১ আইনের অনুদারে ও জিলা कंपेरकरा भे नत्नत्र ३२ चारेरानत्र चनुनारत् धार्या एय किस्न अकर कि দমতের মধ্যে যেথ মহাল ওগ্রাম আইদে তাহার নির্বাচনী করিবার

জমিদারীআদি

অর্থে কর্তুরা যে শরে রাস্তা ও নৌকা গমনাগমনের উপযুক্ত নদ নদীর নিকটবর্ত্তির ন্যায় এক২ মহালওগয়রছের দোষ ও গুণ ও যে ভূমি যেমত তাহার রকম ও নেওরা এবণ তাহার উৎপন্ন এবণ পতিত ভূমির দংখ্যা আর তথায় ভূমির কত নীচহইতে জল উচে এব॰১ পুষ্করিণীর অল্পতা ও বাহুল্য এব৽১ পুল ও থালের গতিক এন॰ সে ভূমির মূল্যের যে কিছু বেওরা থাকে ও পশ্চাৎ হউতে পারে এই সমস্ত বিষয়ের বিবেচনা হয় আর তদনুসারে একং কিসম তের মোতালকসকল মহাল ও গ্রাম সকলের নির্মাচনী বিশিষ্ট বি বেচনায় ও বিনাপক্ষপাতে করা যায় ইতি।—১৮১৪ সা। ১৯ আ। P 811

১১। তিজুমাহয় নাই।।

জগীদারি আদি আপন দখলে রা থিতে পারিবার ক

১২। জয়িদারীওগয়রङ অ॰ শয়ওনের সময়ে য়দি দৈবাৎ কোন নে কোন অংশির কিয়া গ্রাম আইদে তাহাতে থাকে তবে দেই বাটীর কর্ত্তা যে ভূমি নাটা অন্য অংশির তে সেই বাটী থাকে তাহার যথার্থ যে রাজম্ব দেই অংশির পাওনা হয় তাহা দিতে চাহিলে দেই নাটীর ভূমিতে যেং কারথানা ও এমা ড়িলে দেই নাটীর হয় তাহা।৭তে চাহিলে দেই নাটীর ভূমিতে যেহ কার্থানা ও এমা কথা দেই নাটী যে রত থাকে তাহাসমেত আপন ভোগদথলে রাথিতে পারে অতএব ভামতে থাকে তা এমতে কর্ত্তবা যে সেই ভূমির চতুঃদীমা ও তাহার রাজস্বের দংখ্যা হার খাজানা দিতে তক্দীমনামায় অর্থাৎ অণ্শাণ্শের লিখনে বেওরা ক্রিয়া লেখা চাহিলে দে বাটা যায় ইতি।--১৮১৪ সা। ১৯ আ। ৯ ধা।

জমিদারীওগয়র্হ

১৩। যে কোন অপিকারভূমিতে তাহার আবাদের কারণ পুস্ক অংশাংশ ১৪নের রিণীও ঝীল ও থাল ও পুল তৈয়ার করা গিয়া থাকে দে অধিকার সময়ে পৃক্ষরিণী ও ভূমির অংশহউতে লাগিলে সেই ভূমির যে স্থানের আবাদের নীল ও খাল ও পু নিমিত্তে দেই পুষ্করিণীওগয়রহ তৈয়ার হইয়া থাকে দেই স্থান যে লের বিষয়ে নির্দ্ধা অ°িশির অ°িশে চিহ্নিত হয় সেই অ্°িশির মোতালকেই তাহা গা কিবেক কিন্তু যে দকলস্থানে ঐ পুষ্কবিণীওগয়রছ বড় ছওন কি তা হার তৈয়ারহওনের অনাং কারণপুষুক্ত এমত আবশাক হয় যে তাহা দুই কিয়া ততোধিক কিনমতের অধিকারিদিগের দথলে শরা কতীমতে থাকে ইহাতে কর্ত্তব্য যে যথাদাধ্য এ বিষয়ের নিরূপণ যে দেই পুস্করিণীওগয়রহহইতে দেই একং কিসমতেতে কত লাভ দ**ি**শ বেক এব°৲ তাহার মরম্বতী থরচ কি হিদাবে একং কিদমতের অধিকারিদিগের শিরে পড়িবেক তাহার তক্সীমনামা অর্থাৎ অণশাপ্শের লিথনে লেথা যায় ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ। १० थ।

লর ও দরগা অংশদিবের সাধারণে রহিয়া থাকে তাহা অংশ ভূমির মধ্যের দে উলৈ পরেও পূর্ম্বমতে থাকিবেক যদি সেই অংশিরা সেই অপি বালয় ও দরগার কার ভূমি অংশের কালে আপনারা উভয়তঃ মতান্তরে কিছ না বিষয়ের দাড়ার ক স্থির করে আর তাহা করিতে হউলে সেই অপিকারিদিগের কর্ত্র যে তাহার সম্বাদ আমীনকে দেয় এইহেতক যে সেই আমীন তাহার বে ওরাকৈফিয়ৎ অপশাপশের লিখনে দাখিল করে অর্থাৎ লিখে ঐতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ। ১১ ধা।

১৫। এই আইন জারী হইলে পর ভূমি দুই অংশ কি তাহা হউতে অপিক অপ্শৈতে বিভাগহওনের ত্রুম হউলে দেই ভূমির ^{মার ধার্য এই}লে বিভাগছওন ও তাহার একং অংশের জমা নিরূপণছওনের মুম্যা ব্রি ১০ দশ বৎসকের মধ্যে যদি এীযুত নওয়ার গবরুনর জেনরল বাহাদুরের হজুরে এমত নিশ্চয় জানা যায় যে ঐ জমা নিরপণ্য ওনে তে কিছু চাতুরী প্রবঞ্চনা কি বড় ভুল হইয়াছে এমতে ঐ শ্রীযুতের গ্লমতা আছে যে চলিত আইনানুসারে পুনরায় তাহার একং অ° শের জনার পায়্যকরণের হুকুন দেন ইতি। 🗕 ১৮১১ দা। ১১ আ। নরায় ভাগার জন্ম O 81 1

কোন ভুগির জ পর ভাতাতে কিছ ভল কি প্রদেশ ১ ইয়াছে ইহা দশ বৎসরের মধ্যে 🗟 ন্তের হজ্রে নিশ্চ য় ৰোপ হউলে পু ধায়োর তক্ম দি তে পারিবার ক

১৬। জানা কর্ত্তন্য যে ঐ দশসনী মিহাদের প্রগম দিবযের গণনা যে তারিখে বোর্ড রেবিনিউ কি বোর্ড কমিদ্যানর ইছার যে বোর্ডের ন্যাপ্য অধিকারেতে ঐ ভূমি আছে সেই বোর্ডের সাহেবলোকের হাজুরহাইতে তাহা বিভাগ ও তাহার জমার নিরপণহওনের মঞ্রীর নিসয়ে তুকুন হয় দেই তারিএঅবধি হইবেক ও যাবৎ কোন এক এঅবলি উপরের ভূমির বিভাগহওন ও তাহার জমার ধাস্যহওনের মঞ্বীর বিষয়ে উক্ মিয়াদের গণ বোর্ড রেবিনিউ কি বোর্ড ক্যিমানরের সাহেবদিগের হজ্বহহতত নিদ্ধারিত মতে থাস অর্থাৎ বিশেষ হুকুম না হয় তাবৎ ভূমি বিভাগ ও তাছার জ্যার নিরপণ পুরা বোধ হউবেক না চলিত আইনের এই মর্ম ইতি।--১৮১১ সা। ১১ আ। ৪ ধা। ১ প্র।

বোর্ড রেবিলিউ কিবোড ক্ষিমান রের মাতের লো কের মপুর্বার ভারি না ১ইবার কথা[।]

১৭। এই পারার ১ প্রকরণের মন্মানুসারে প্রকাশ করা যাউতেছে যে কোন ভূমির প্রত্যেকে এতাবতা একং অংশের অর্থে ডাল্স জংশ গ্রাণুডের কি অর্থাৎ পাট্টা ও তাহার মোকাবিলায় কর্বলিয়ৎ লেখা গেলেও কিন্তু বোর্ড রেবিনিট কি যাবং শ্রীযুত নওয়ার গরবুনর জেনরল নাছাদুরের ছজুরছউতে কি বোর্ড ব্যিষ্যাননের বোর্ড রেবিনিউর কিয়া বোর্ড কমিশ্যনরের সাফেবলোকের হঞ্জর সাফেবলোকের ম ইতে তাহ। মঞ্চরহওনের বিষয়ে নির্জারিত মতে থাস অর্থাৎ বিশেষ প্রাণীদিন। পাউ। ও তুকুম নাখ্য় তাবিৎ ঐ সকল অংশ স্বতন্ত্রং ভূমির মত বোধ হুইবেক না ইতি। -- ১৮১১ সা। ১১ আ। ৪ পা। ২ প্র।

কোন ওলিক কর্লিন্ডের অনু মারে সভন্ন> বোধ না ১ইবার কথা।

১৮। যে জমিদারী কি হজুরী তালকওগয়রহ দুই কিম্বা ততোধিক অংশেঅংশ করিতে হুকুম হয় তাছার একং অংশের জ্লমার পায়ে গণতা ও ত্রুটি না হাইতে পারিবার কারণ মুস্ট করা যাইতেছে যে

অধিকার ভূমির : ভাংশ হউলে যদি দশ বৎসারের মাসো

শেই অধিক টাকা দিবার ছকুম করি তে श्रीयुख्त कर्द् তেরে কথা।

বাটওয়ারার স কথা।

ঞ্ছিত নওয়াব গবর্ যদি ইঙ্গরেজী ১৮১১ দালের ১০ আইনের ৩ ধারার লিখিত প্রকা নর্বাহাদুরের হজু রে বাটওয়ারা মঞ্রহ্ওনের সময়াবধি ১১ একাদশ বৎসরের মধ্যে রে ইছা বুঝা যায় কথনো இন্যুত নওয়াব গবর্নর জেনরল বাছাদ্রের হজুরে প্রমাণ যে ভূমির অংশ হয় যে সেই জমার ধার্য অধিকারভূমির অংশের কালে গণতা ও অংশসকলের জমা তাটিপ্রযুক্ত যথার্থক্রমে হয় নাই তবে ইহাতে ঐ এীযুতের কর্তত্ব অষথার্থ ধার্য্য হই আছে যে এই আইনের ৮ ধারার লিখিত দাঁড়াক্রমে দেই একং য়াছে তবে তাহার অংশের অংশকালের উৎপল্লের যে আনওয়ান দাক্ষির দারা ও জমা পুনরায় ধার্য্য যে দকল অনুসন্ধান ও দম্বাদবাদ মিলে তাহাতে জানিতে পারা যায় করাইতে এবং বে তদনুসারে সেই একং অংশের জমার ধার্যা পুনরায় করিতে হুকুম অধিকারি দিগের দেন এব ে যে সকল লোকের অংশের জনা সঙ্গতের ন্যুন অর্থাৎ অংশের জমা অপ্প প্রাজিবীইইতে কম প্রায় হইয়া থাকে তাহারদিগের হকে এমত তাহারা যে সকল তুকুম দেন্যে তাহারাযে সকল লোকের অংশের জমা সঙ্গতের অ অধিকার্ব্বর অং ধিক ধার্যা হইয়া থাকে তাহার্দিগের স্থানে দেই অধিক টাকার শের জমা অধিক নিশা করে আর যদি তাহারা দেই অধিক টাকানা দেয় তবে দেই নির্দ্ধার্য হইয়া থা টাকা যেমতে সরকারের মালগুজারীর বাকী উদুলের নিমিত্তে নির্দ্ধা কে তাহারদিগেরে গ্র আছে দেইমতে কালেক্টর দাহেবের মারফতে উদুল হয় ইতি। ->৮>৪ मा। >> जा। २৫ धा।

১৯। যে সাধারণ জমিদারীতে অনেক অংশির মৃত্ব সমিলিত মরে বাকাপড়া টা থাকে অংশিগণের দরখাস্ত কালেক্টর রাহেবের হজুরে উপস্থিত কার বিষয়ে দাঁড়ার হওনাধীন কি আদালতের হকুমনামামতে যদি তাহার বাটওয়ারা আরম্ভ হয় ও বাটওয়ারা সমাপ্ত ও মঞ্চুরহওনের পূর্ব্বে দেই জমিদা রীতে বাকী পড়ে তাহার প্রত্যেক অংশির প্রতি তাহারা আপনার দিগের হিস্যাতে ভোগবান থাকে বা না থাকে অনুমতি আছে যে ঐ বাকীর সংখ্যার দৃষ্টে আপনারদিগের হিদ্যার আন্দাজ টাকা কালে ক্টর সাহেবের হজুরে দাখিল করে ও ঐ সাহেবের কর্ত্তব্য যে তাহা লইয়া তাহারদিগের হিদ্যার ওয়াদীল বাকী করেন্ আর উত্তরকালে বাকী টাকা আদায়ের কারণ অংশাংশ না হওয়া জমিদারীর কি ঞ্চিৎ বিক্রয়করা আবশ্যক হইলে কেবল বাকীদারদিগের হিস্যা বি ক্রয় হইবেক ও এই দকল প্রকারেতে নীলামের থরীদারের অর্থাৎ ক্রয়কর্ত্তার হক অর্থাৎ স্বস্ত্রে অণ্শাণ্শ করা যাইবেক ও বাকী দার অধিকারিরা লে জমিদারী বাটওয়ারাক্রমে যে মত স্বতন্ত্রং অণ্ শ পাইত ও তাহা সম্যক সর্বপ্রকারেতে বিক্রয় হইবেক সেইমত স্বতন্ত্রক্রমে থরীদার সে জমিদারীর এক হিস্যা কি হিস্যাসকল ভোগ দ্ধল করিতে অধিকার রাখিবেক এবণ্ দর্বপ্রকারে ঐ বাকীদার দিগের সমাক্ মত্ত্বর অধিকারী হইবেক ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ। ৩৩ ধা।

২০। যে জমিদারীর মোটে এক জমা ধাকে তাহার স্বতক্রং অ॰ ক্মহালের জমার শত্রুমে দীমানিরপণছওয়া মহালের থারিজছওনের হুকুম হইলে তাহার জমার ধার্যাকরণেতে যে নানাপুকার বিলম্ব ও ব্যাঘাত হয় ধার্যাকরণে তিলম ও সেহেতুক লোকদিগের যে ক্ষতি দুঃথ হয় যথাসাধ্য তাহার নিবা নাহইবার অর্থে দাঁ রণহওনার্থে নীচের লিখিত ছকুম ঐ সকল মহালের প্রতি থাটিবেক ডার কথা। ইতি।--১৮১৪ मा। ১১ আ। ৩৪ ধা। ১প্র।

২১। সাধারণ জমিদারীর মধ্যে মতন্ত্রক্রমে সীমানিরপণছওয়া যে কোন মহালের অধিকারী আইনানুসারে তাহা থারিজ করিয়া সারা না হইতে যে লওনের অধিকার রাথে ও দেই মহালের থারিজ ও তাহার উপর বাকী পড়ে তাহার দরকারের জমার ধার্যাহওনের আরম্ভ হইয়া দেই জমার ধার্যাহওয়া সমাপ্ত ও মঞ্জরহওনের পুর্বের ঐ মহাল যে জমিদারীর শামিল থাকে তাহাতে যদি বাকা পড়ে আর সেইহেতুক সেই সমাকু জমিদারী কি ম্বা তাহার কোন অংশ বিক্রয়করা আরশ্যক হয় এমতে ঐ মহালের অধিকারি ব্যক্তির ক্ষমতা আছে যে সেই মহালের উৎপন্নের দুষ্টে মোট জমিদারীর জমার সম্বন্ধে শতকরা মালিকানা ও তহসীলের থরচ ১০ দশং টাকা করিয়া একুনে কুড়ি টাকাবাদে ভাহার শিরে বাকীর যত টাকা পড়ে তাহা কালেকটর সাহেবের হজরে দেয় ও এমতে যদি ঐ মহাল তাহার ভোগদথলে না থাকে তবে কর্ত্তবা যে তৎক্ষণাৎ সে মহালেতে তাহাকে দথল দেওয়া যায় ও ঐ বাকীর টাকা উপস্থিতকরণের সময়ে তহকীককরণেতে কিয়া দাক্ষির দাক্ষ্য অথবা দস্তাবেজ অর্থাৎ নিদর্শনপত্রাদির দ্বারা কালেক্টর সাহেবের চিত্তে যদি নিশ্চয় এমত বোধ হয় যে ঐ মহালের উৎপন্নের সংখ্যা নিরূপণ অপ্রকৃত হয় নাহি তবে কর্ত্তব্য যে ঐ টাকা লইয়া দে মহা লের নামেতে ওয়াসীল বাকী করেন আর যদি শেষেতে বাকী আদা য়ের নিমিত্তে দেই জমিদারীছইতে কিছু বিক্রয়করা আবশাক হয় তবে সে মহাল ছাড়িয়া বিক্রয় হইবেক ও তাহার থারিজ ও জমার ধার্য্য অণ্ শিগণের স্বত্বের দৃষ্টে মামূলমতে অর্থাৎ পূর্ব্ব রীতিক্রমে হই তে পারিবেক ও জানা কর্ত্তব্য যে সমস্ত অংশিগণের জমার বন্দোবস্ত ও ধার্য্য হইলে পর ঐ মহালের অধিকারির দাথিলকরা টাকা বাকীর বাবৎ যে টাকা তাহার প্রকৃত দেনা হয় তাহার সংখ্যার অতিশয় বোধ হইলে তাহা কালেকটর সাহেবের নিকটহইতে ফিরিয়া পাই তে পারিবেক ও ঐ কালেকটর দাহেবের কর্ত্তব্য যে তাহার স্থানে যত টাকা বেশী লইয়াছিলেন তাহীর আর যে বাকীদারদিগের শিরে হি সাবেতে বাকীর টাকার প্রকৃত দ**্**খ্যার কম হইয়া পড়িয়াছিল তা হার্দিগের স্থানে সরকারের মালগুজারীর আর্থ বাকীর টাকা যে প্রকারে উদুল করেন দেইমতে লন্ আর এইমত তাহা না হইয়া যদি এমত বুঝা যায় যে ঐ মহালের অধিকারী বাকীর যে টাকা তাছার শিরে পড়িয়াছিল তাহার কম দিয়াছে তবে কর্ত্তব্য যে তাহার স্থান **इहें एक महेंग्रा या बाकोमां व्यक्तिकारित पिराव किया विकास** ছিল তাহারদিগ্রু দেন ইতি। ।—১৮১৪ সা। ১১ আ। ৩৪ ধা। र थ।

জমার ধার্য্যকর। বিষয়ে দাঁডার ক

৩ ধারা।

অংশাংশকারী আমীনেরদের নিযুক্তকরণ ও মেহনতানা মির্কারিতকর্ণ।

কালেক্টর সাহে বের মোকররকরা আমীনের ভারাজ মিদারী ওগররহের অংশাংশ হইবার ও তাহার জমার উ পর শতকরা নির্দ্ধা রিত হিসাবে আমী ন মেহনতানা পা ইবার কথা।

২২। জমিদারীওগয়রহের অগ্শাৎশকরণের ছকুম হইলে কা লেক্টর সাহেবের উচিত যে জনেক মাতবর লোককে তাহার অং শাৎশ করিবার নিমিত্তে আমীন নিযুক্ত করেন্ ও তাছার এবং তা হার আমলার মেহনতানার নিমিত্তে জমিদারীর জমার উপর শত করা যে হিসাবে পশ্চাৎ লেখা যাইতেছে সেইমতে নিৰ্দ্ধাৰ্য্য হইবেক। — ইতি ১৮১৪ मा। ১৯ **আ। ১**২ ধা।

ভূমির অংশাং মীন নিযুক্ত হইতে ক তাহার হলফের পাঠের কথা।

২৩। কালেক্টর সাহেবের ক্ষমতা ও তাঁহার প্রতি হুকুম আছে শের কারণ যে আ যে জমিদারীওগয়রহ অংশ করিতে আমীন প্রবৃত্ত হইবার পুরের দেই আমীনকে নীচের লিখিত পাঠক্রমে হলফ অর্থাৎ দিব্য করান্ তাহার পাচ এই যে আমি অমৃক অমৃক জিলার মধ্যের অমুক অমৃ কের অধিকার অমুক জমিদারী কি তালুকওয়রহের অণ্শাণ্শের কারণ নিযুক্ত হইলাম অতএব দিব্য করিতেছি যে আমি দর্মতো ভাবে যথার্থক্রমে ও বিনা পক্ষপাতে ও যথাদাধ্য স্বরাক্রমে ঐ অধি কারে অ॰৲শা৽৲শ করিব আর যত অ৽৲শ করিতে তৃকুম হয় তাহার একং অপ্শের উপর সরকারের জমা আপন বৃদ্ধি ও বিবেচনাক্রমে প্রীযুত নওয়াব গবর্নর জেনরল বাহাদুর কৌন্সেলের হজুরের আইনের মতে নির্দ্ধার্য্য করিব আর ঐ অধিকারের অৎশাৎ শের কিয়া ঐ অধিকারের অণ্শাণ্শের মন্ত্রকীয় কোন বিষয়ে কিছু রসুম কিয়া সওগাত অথবা কোন কিছু ইনাম কোন অংশী কিয়া তাহার দিগের পক্ষের কাহার স্থানে স্লু**ফ্টক্র**মে অথবা চক্রান্তে আপনি লইব না এব॰ অন্য কাহাকেও লইতে দিব না এব॰ এই আইনের লি থিত হকুমানুসারে আমার যে লাভের ধার্য্য হয় তাহা ছাঁড়া কিছুই আপন কার্য্যের দারা গ্রহণ করিব না এব॰ যে ভূমির অংশাণ শের নিমিত্তে নিযুক্ত হইলাম তাহার হিসাবওগয়রই যে কাগজপত্র আমার হস্তগত হঁয় তাহা কালেক্টর সাহেবের স্থানে দিব ইতি।— ১৮১৪ সা। ১৯ আঁ। ১৩ ধা। ১ প্র।

হলফের অন্য ম তে কার্য্য করিলে আমীনের প্রতিফল হইবার কথা।

২৪। জিলার ফৌজদারী আদালতে যদি এমত প্রমাণ হয় যে ঐ আমীন হলফ অর্থাৎ দিব্যের অন্যথা কিছু নগদ কিয়া জিনিল অথবা অপর বস্তু কোন অংশী কিয়া তাহার পক্ষের কোন লোকের স্থানে ম্বুক্তকমে কিয়া চক্রান্তে আপনি লইয়াছে অথবা অন্যকে লইতে দি য়াছে তবে আপনি যাহা লইয়া থাকে কি অন্যেরে লইতে দিয়া থাকে তাহার সংখ্যা কিয়া মূল্যের তিনপ্তণ জরীমানা অর্থাৎ দণ্ড সরকারে দাথিল করাণ যাইবেক ও সে ছয় মাসের অধিক না হয় এমত

মিয়াদে কয়েদ থাকিবেক ও এই প্রকরণের অনুসারে যে দাওয়া হয় তাহা ফৌজদারীর সহিত সম্বর্ক রাথিবেক ও কালেকটর সাহেব সব কারী উকীলের মারফথ এমত দাওয়ার ফরিয়াদী ছইবেন কিন্তু এই প্রকরণানুসারে এ হকুমও আছে যে ঐ আমীনের নামে দেওয়ানী আদালতেও নালিশ হইতে পারে ও দেওয়ানী আদালতে ঐ দাওয়া প্রমাণ হইলে সেই নগদ টাকা কিয়া জিনিস যাহার স্থানে লইয়া থাকে তাহাকে ফিরিয়া দেওয়ান যাইবেক এব ে তাহার স্থানহইতে আদালতের এরচাও ফরিয়াদীকে দেওয়ান যাইবেক এব॰১ সে যাবৎ ডিক্রীর টাকা না দেয় কিয়া ঐ ডিক্রীর টাকা ভাহার জিনিস বিক্রয় দ্বারা আদায় না হয় তাবৎ কয়েদ থাকিবেক ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ। ১৩ ধা। ২ প্র।

 १८। काल्किक्र नार्खित कर्ड्या या अधिमाती कि ठालुक्छ तथ्य রহের অংশাংশের কারণ যে আমীন নিযুক্ত হয় তাহার নাম এবং কিছু নিদর্শন আমী তাহার সকল অংশিদিগের নাম ও একং অংশির অংশেব সংখ্যা নকে দিতে কালেক্ আর অপশক্রমে যত জন ভূম্যধিকারী হইবেক তাহার নিদর্শনে এবং একং অংশের অধিকারির শামিল যত জন অংশী রহিবেক ।।। তাহাযুক্তে ও আপন মোহর ও দস্তথতে ঐ আমীনকে এক সনন্দ দেন এব॰ সেই আমীন জমিদারীওগয়রহের অ॰ শের ব্যাপারে যে আ ইনের অনুসারে করিবেক তাহার নকল এবণ সেই জমিদারীওগয়র হের মোতালক যেথ বিষয় কালেক্ট্রী দিরিস্তার বহীতে লেথা থাকে তাহারো নকল ঐ আমীনের স্থানে দেন্ ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ। ১৪ ধা।

সনন্দ্রাদি যে টর সাহেবকে গুকু ম আছে ভাহারক

আমীনের মেহনতানা অর্থাৎ শ্মের বেতন ও তাহার আমলার থব্রচ নীচের ভফ্নীলের লিথিত হিঁসাবে দেওয়া যাইবেক ইতি।

যে হিসাবে আ মীনকে মেহনতানা দেওয়া যাইবেকডা হার ওফসীলের ক eti i

তফসীল

যে জমার সংখ্যা পাঁচ শত টাকার অধিক না হয় তাহার উপর শতকরা ১০ দশ টাকা করিয়া।

যে জমার সণ্খ্যা পাঁচ শতের অধিক এক হাজারপর্যান্ত হয় তা হার প্রথম পাঁচ শতের উপর শতকরা ১০ দশ,টাকা ওবাকী টাকার উপর শতকরা ৮ আট টাকা করিয়া।

যে জমার সংখ্যা এক হাজারের অধিক আড়াই হাজারপর্যান্ত হয় তাহার এক হাজার টাকাপগ্যস্ত উপরের উক্তমত এতাবতা প্রথম পাঁচ শতের উপর শতকরা ১০ দশ টাকা ও আর পাঁচ শতের উ পর শতকরা৮ আট টাকাআর বাকী টাকার উপর শতকরা ৫ পাঁচ টাকা করিয়া।

যে জমা আড়াই হাজারের অধিক পাঁচ হাজার টাকাপগ্যন্ত হয় তাহার আড়াই হাজার টাকাপর্যন্ত উপরের উক্তমত এতাবতা প্র থম পাঁচ শতের উপর শতকরা ১০ দশ টাকা ও আর পাঁচ শতের উপর শতকরা ৮ আট টাকা তাহার পর দেড়হাজারের উপর শত করা ৫ পাঁচ টাকার হিসাবে আর বাকী টাকার উপর শতকরা ৩ তিন টাকা করিয়া।

যে জমার সংশ্যা পাঁচ হাজারের অধিক দশ হাজার টাকাপর্যান্ত হয় তাহার পাঁচ হাজারপর্যান্ত উপরের উক্তমত এতাবতা প্রথম পাঁচ শতের উপর শতকরা ১০ দশ টাকা ও আর পাঁচ শতের উপর শতকরা ৮ আট টাকা তাহার পর দেড় হাজারের উপর শতকরা ৫ পাঁচ টাকা ও তাহার পর আড়াই হাজারের উপর শতকরা ৩ তিন টাকা আর বাকা টাকার উপর শতকরা ২ দুই টাকা হিসাবে।

যে জমার নং থ্যা দশ হাজারের অধিক পঁচিশ হাজারপর্যন্ত হয়
তাহার দশ হাজারপর্যন্ত উপরের উক্তমত এতাবতা প্রথম পাঁচ
শতের উপর শতকরা ১০ দশ টাকা ও আর পাঁচ শতের উপর শত
করা ৮ আট টাকা তাহার পর দেড় হাজারের উপর শতকরা ৫
পাঁচ টাকা তাহার পর আড়াই হাজারের উপর শতকরা ৩ তিন
টাকা তাহার পর পাঁচ হাজারের উপর শতকরা ২ দুই টাকা আর
বাকী টাকার উপর শতকরা ১ এক টাকা হিসাবে।

যে জমার সংখ্যা পঁচিশ হাজারের অধিক পঞ্চাশ হাজারপর্যন্ত হয় তাহার পঁ, চিশ হাজারপর্যন্ত উপরের উক্তমত এতাবতা প্রথম পাঁচ শতের উপর শতকরা ১০ দশ টাকা আর পাঁচ শতের উপর শতকরা ৫ করা ৮ আট টাকা তাহার পর দেড় হাজারের উপর শতকরা ৫ পাঁচ টাকা তাহার পর আড়াই হাজারের উপর শতকরা ৩ তিন টাকা তাহার পর পাঁচ হাজারের উপর শতকরা ২ দুই টাকা তাহার পর পনের হাজারের উপর শতকরা ১ এক টাকা আর বাকা টাকার উপর শতকরা গাঁ০ আট আনা হিসাবে।

যে জমার সংখ্যা পঞ্চাশ হাজারের অধিক লক্ষ টাকাপর্যান্ত হয় তাহার পঞ্চাশ হাজারপর্যান্ত উপরের উক্তমত এতাবতা প্রথমতঃ পাঁচ শতের উপর শতকরা ১০ দশ টাকা আর পাঁচ শুতের উপর শতকরা ৮ আট টাকা তাহার পর দেড় হাজারের উপর শতকরা ৫ পাঁচ টাকা তাহার পর আড়াই হাজারের উপর শতকরা ৩ তিন টাকা তাহার পর ৫ পাঁচ হাজারের উপর শতকরা ২ দুই টাকা তাহার পর পনের হাজারের উপর শতকরা ১ এক টাকা তাহার পর পাঁচশ হাজারের উপর শতকরা ১ এক টাকা তাহার পর পাঁচশ হাজারের উপরশতকরা গৈ০ আট আনা আর বাকী টাকার উপর শতকরা গৈ০ চারি আনা হিসাবে।

যে জমার সংখ্যা এক লক্ষের অধিক যত টাকা হয় তাহার এক লক্ষপর্যান্ত উপরের উক্তমত এতাবতা প্রথম পাঁচ শতের উপর শত করা ১০ দশ টাকা আর পাঁচ শতের উপর শতকরা ৮ আট টাকা তাহার পর দেড় হাজারের উপর শতকরা ৫ পাঁচ টাকা তাহার পর আড়াই হাজারের উপর শতকরা ৩ তিন টাকা তাহার পর পাঁচ হা জারের উপর শতকরা ২ দুই টাকা তাহার পর পনের হাজারের উপর শতকরা ১ এক টাকা তাহার পর পাঁচিশ হাজারের উপর শতকরা 11০ আট আনা তাহার পর পঞ্চাশ হাজারের উপর শত করা 1০ চারি আনা আর বাকী টাকার উপর শতকরা পুদুই আনা হি সাবে।

উপরের লিথিত হিসাবে টাকার কসুর ধরা যাইবেক না ইতি।— ১৮১৪ मा। ১৯.আ। ১৫ ধা। ১ পু।

২৬। উপরের লিথিত প্রকরণেতে আমীনের নিমিত্তে যে মেহন তানা মোকরর হইয়াছে তাহা কেবল আমীনের মেহনতানা ও তা আবশ্যক হইলে হার আবশ্যকী আমলার থরচকারণ বোধ করা যাইবেক কিন্তু যদি ^{যে আমীন দে} নি ভূমি জরীব করা উচিত হয় তবে অন্য যত কৃদু আমীন ও আমলা ঐ জরীবের কর্মা নির্বাহের নিমিত্তে আবশ্যক হয় তাহা মোকরর ক রিতে হইবেক ও তাহারদিগের মাহিয়ানা কালেক্ট্র সাহেব **যাহা** था। স্থির করেন্ তাহা জমিদারীর অংশিগণের শিরে তাহারদিগের প্রত্যে কের অপশের দৃষ্টে দেনা হইবেক ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ। १६ सार दा

ভূমি জরীব করা মিটে মোকরর হই বেক সে খড়ন্ত্র মেহ নতানা পাইবার ক

২৭। কালেক্টর দাহেবদিগের কর্ত্তব্য যে আমীনকে সনন্দদিবার সময়ে উপরের প্রস্তাবিত হিদাবে তাহার মোট রসুমের তিন অ০১ ব আমীনকৈ দনন্দ শের মধ্যস্ইতে কেবল এক অংশ তাহাকে পেশনী অর্থাৎ আগা দিবার সময়ে ভাষা মীরূপে দেন্ ও বাকী দুই অংশের বিষয়ে নীচের লিখিত মতে কায্য র রসুমের তিন অং করিবেন ইতি।—১৮১৪ সা। ১৯ আ। ১৫ ধা। ৩ প্র।

কালেক্টর সাহে শের এক অংশ তা হাকে দিবার কথা।

২৮। অণ্শাগণের কহতমতে কিয়া দস্তাবেজের দারা অথবা যে অন্যের বৃদওয়া সমাচার গ্রাহ্য উপযুক্ত হয় তদনুসারে কালেক্টর সার মধ্যে আর এক হেবের যাখন এমত বোধ হয় যে অপশাপশ করা অর্জেক হইয়াছে অপশ আমীনকে এমতে ঐ দাহেব বাকী দুই অংশের এক অংশ দেই আমীনকে পেশগী দেওয়া যা দিবেন ওাঁযে সময়ে কালেকটর সাছেব এমত জানেন যে অংশ করা সারা হইলৈ তথন অবশিষ্ট যে অণ্শ তাহা ঐ আমীনকে দিবেন ইতি। ১৮১৪ সা। ১১। ১৫ ধা। ৪ প্র।

বাটওয়ারাহওনে '

২১। যদি বোর্ড রেবিনিউর কি বোর্ড কমিস্যানর সাহেবদিগের হজুরে আমীনের বাটওয়ারা করা নামঞ্র হয় তবে ঐ সাহেবদিগের মঞ্ক হইলে যে ম ক্ষমতা আছে যে মোকদ্দমার ও আমীনের করা কর্মের ভাবগতিক বৃক্তিয়া আপনার্দিগের বিবেচনা মতে তাহার মেহনতানার বাকী হইতে যাহা বিহিত বোধ হয় জব্দ অর্থাৎ সরকারে বাজেয়াফ্ত করেন कि ना करतन इंजि।-->৮>৪ मा। >२ जा। >৫ धा। ৫ थ्र।

বাটওয়ারা না তাচরণ হইবেক তা হার কথা।

৩০। আমীন বাটওয়ারাকরণের ভূমিতে যাওনের সময়ে কালেক্ টর সাহেবের কর্ত্তব্য যে বাটওয়ারা করা সমাপ্ত হইবার নিমিত্তে যে মিয়াদ উপযুক্ত বুফেন্ তাছা নিরূপণ করেন কিন্তু যদি অধিক কাল মিয়াদকরণের আবশ্যক হয় তবে কর্মনির্ব্বাহ পাওনের প্রতি 🛍 🗓

নিরূপিত মিয়া দের মধ্যে বাটওয়া রা করা সারানা इहेटल माँजात क

দ্ফিকরণাপীন কালেক্টর সাহেবের ক্ষমতা আছে যে বারে বারে তাহার উপর অন্য মিয়াদ বেশী করেন কিন্তু যদি ঐ আমীন যে কর্ম ভাহার করা উচিত তাহা না করে কিয়া আপনার প্রতি অর্পণ হওয়া কর্মা নিস্নাছকরণেতে আবশাকব্যতিরেকে কিছু বিলয় কি ডাচ্ছলা করে কিয়া তাহার কিছ ত্রুটিপুমাণ হয় এমতে ঐ সাহেবের ক্ষমতা আছে যে সেই আমীনকে তাহার কর্মাহইতে তৎক্ষণাৎ সম্লেগু করি য়া এ বিষয়ের কৈফিয়২ অর্থাৎ বৃত্তান্ত বিলম্বের ছেতুসহিত যে বোর্ডে উপস্থিত করিবার যোগ্য বিষয় ইয় দেই বোর্ডের দাহেবদিগের হজু রে গোচর করান কালেক্টর সাহেবের কৈফিয়ৎ পাইলে পর বোর্ডের সাহেরেরা বিশিষ্টহেত্ব পাইলে সেই আমীনের বাকী মেহ নতানা জন্দকরণের সহিত তাহার প্রতি অর্পণহওয়া কর্মোর ভারহ তে তাহার তগীরহওনের ভুকুম দিবেন কিয়া বাটওয়ারার কর্মা সমা ধাহওনের কারণ অন্য যে ভকুম বিহিত বোধ হয় তাহা দিবেন ইতি।—১৮১৪ মা।১১ আ।১৫ ধা।৬ প্র।

শতকরা নিরূপণ করা টাকাতে মেহন তানা নাকুলাইলে যেমত আচরণ হই বেক তাহার কথা।

৩১। যদি বাটওয়ারা করিতে এত অধিক কাল হয় যে শতকরা যে মেহনতানা মোকরর আছে তাহাতে আমীনের মেহনতানা ও তাহার আমলার থরচ কুলায় না এমতে বোর্ডের সাহেবদিগের ক্ষমতা আছে যে মোকদ্দমার ও আমীনের করা কর্মের ভাব ব্রিয়া আপ নার্দিগের বিবেচনা মতে এই আইনানুসারে যে জরীমানার টাকা উদুল হইয়া থাকে তাহা সম)ক কি তাহাহইতে কতক সেই আমী নকে দেন ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ। ১৫ ধা। ৭ প্র।

আমীন তগীর হ মীন নিযুক্ত হয় ডা হাকে জরীমানার ও পূর্ব্ধে আমীনের জৰহওয়া বাকী মে

৩২। আমীন যদি আপন কর্মাহইতে তগীর হয় ও অন্য আমীন ইলে দিঙীয় যে অ। বাটওয়ারা সমাপ্ত করিবার জন্যে তাহার স্থানে নিযুক্ত হয় ভবে বোর্ডের সাহেবদিগের ক্ষমতা আছে যে জরীমানার যত টাকা উসুল হইয়া থাকে ও মাসুল আমীনের বাকী মেহনতানার যত টাকা সর কারে জব্দ হইয়া থাকৈ তাহা দ্বিতীয় যে আমীন ঐ কর্মা সমাধাকরি হতানার টাকা দে বার জন্যে মোকরর্ হয় তাহাকে তাহার মেহনতানা ও তাহার ওয়া যাইবার কথা। আমলার থরচের নিমিত্তে দেন ইতি। - ১৮১৪ সা। ১১ আ। ১৫ মা। ৮ র।

৪ ধারা।

আমীনেরদের ও ভূমাধিকারিরদের কর্ত্তব্য কার্যা।

মের কথা।

অংশ হইবার ভূ ৩৩। আমীন দরে জমীনে পঁহুছিলে পর তাহার কর্ত্তব্য যে আপনি মি আপুনি দেখি যে জমিদারীওগয়রহের অংশাংশের নিমিতে নিযুক্ত হয় তাহার তে আমীনকে ছকু সমস্ত ভূমি আপনি দেখে এই ছেতুক যে এই আইনের ৭ ও ৮ ও ১ ১০ ও ১১ ধারার লিথিত দাঁড়াক্রমে একং অপশের জন্য ভূমি নি র্ব্রাচিতে পারে ইতি।—১৮১৪ দা। ১৯ আ। ১৬ ধা।

 ৩৪। যে জমিদারীওগয়রহের অ॰ শকণের হুকুম হয় তায়ার অধিকারিগণ কি তাহারদিগের যে২ নায়ের সরে জর্মানে থাকে তাহা মির অধিকারিনি রদিগের উচিত যে একং মহাল ও গ্রামের তৎকালের উৎপন্নের কাগজপত্র এবপ অন্য যে কিছু হিসাব ও সম্বাদ বাদ তাহার্দিগের স্থানে আমীন চাহে তাহা তাহার স্থানে দেয় এইছেতৃক যে আমীন তদ্ধে সেই যে একং অংশ থারিজ হয় তাহার উপর সরকারের জুমা এই আইনের লিখিত দাঁড়ানুমারে পাগ্য ক্রিতে পারে ইতি। _{মের ক্রা}। ১৮১৪ मा। ১১ আ। ১৭ धा। ১ धा

अ९मर हैगात स গের সরকারের জ মার ধার্য্য কারণ আমীমের তলসক রা হিসাপদিগর তা হাকে দিবার ভক

৩৫। ঐ অপিকারিগণ কিয়া তাহারদিগের যে নায়েবেরা মরে জমীনে থাকে তাহারদিগের উচিত যে আমীনের তলবসতে যে কিছু মির অপিকারী ও হিসাব তাহাকে দেয় তাহা প্রকৃত প্রস্তাবে থাকিবার নিমিত্তে তা হার নিকটে হলফ করে আর যে সকল লোককে হলফ করাণ আ দালতে ফুমা হইতে পারে তাহার্দিগের ন্যায় যদি তাহারা হয় তবে কালেকটর সাহেবের কর্ত্তব্য যে আমীনকে ক্ষমতা দেন যে সেই হিসাব প্রকৃতপ্রমাবে থাকিবার জন্য সেই অপিকারী কি নায়েবদি গোর স্থানে কেবল একরারনামা অর্থাৎ নিয়মপত্র লয়। ও যদি সেই অধিকারিরা তলরকরা হিমার না দেয় ভবে তাহারদিগের মকলের ^{না দিলে ঐ} অধিকা মধ্যে যে কেছ তাহা ছাপাইয়া রাখে লে যাবৎ মেই ছিমাব আমীন হিদিগের খানে এ কে নাদেয় তাবং যেই গতিকের বেওরা ও অপরাপির বিষয়ও শক্তি নামানা লইবার ক দুষ্টে বোর্ড রেবিনিউ কি বোর্ড ক্যিন্যনর্গাহেবদিগের বিবেচনায় দিনপুতি যে হারে দণ্ডলওন উচিত জানেন তাহাই তাহার উপর সজত হউনেক আরু কালেকটর মাহেবের কর্ত্রা যে সেই দণ্ডের টাকা মালপ্রজারীর বাকী উমুলের কারণ যেমত হুকুম আছে তদনু गারেই উসুল করেন ইতি।—১৮১৪ না। ১১ আ। ১৭ ধা। ২ প্র।

অংশ সইবার ভ্র নায়েলদিলের হিলা ব প্রকৃত ক্টবার জ र्था ३ लघ कतिएउ কি একরারনামা দি उठ ७५ ध्यातः कथा।

তল্পক্রা হিসাব

৩৬। অপিকারিরা কি তাহার্দিগের যে নায়েবেরা মরে জমীনে থাকে তাহার্দিগের কর্তুরা যে জমিদারীওগয়র্ভের কর্মচারীআদি মির অংশ করিতে •আঘলাকে আমীনের নিকটে হাজির করার এইছেত্ক যে হিসাব ব্যাইয়া দেয় আরু সেই জ্মিদারী ওগ্যুর্হের অংশাংশের ও তা হার একং অপশের জনার পাধ্যের নিমিত্তে যে কিছু সম্বাদ বাদ ও কাগজপত্র আর্মান চাহে তাহা দেই কর্মচারীওগয়রহে কছে ও দেয় মদি সেই অপিকারিরা তাছার্দিগকে ছাজিরুনা করে তবে উপরের প্রকরণানুসারে হিসাবওগয়রহ কাগজপত্র না দিলে যে জরীমানা অর্থাৎ দণ্ডের ধার্য্য আছে তাহাই তাহার্দিগের প্রতি মঙ্গত হই বেক আরু যদি কোন পাটওয়ার্বা আপনার হিসাব দিতে না চাহে কিয়া ইঙ্গরেজী ১৭৯৩ সালের ৮ আইনের ৬২ পারা ও ঐ পারার মোতাবেক যেথ পারা ১৭৯৫ দালের ২৭ আইনে ও ১৮০৩ শা লের ২১ আইনে আছে তাহার লিথিত দাঁড়ার ব্যতিক্রমে অন্য

যে অধিকার ভ্র তকুম হয় ভাহার অধিকারি দিগের অ পিক।রের লা কৰ্মচারি দিগকে আমীনের নিকটে হাজির করিতে হুকু মের কথা।

নে কর্মাচারিরা আপনার দিগের হি সাব নাদেয় কি ই अरत् की ३१३३ मा লের ৮ আইনের ५२ स्रोतः छ ५१५७ সালের ২৭ আই নের ও ১৮০৩ সা

লের ২৯ আইনের কোন কর্ম করে তবে ঐ ধারার লিখিত মতাচরণ তাহার প্রতি করা অন্য যাইবেক ইতি।--১৮১৪ দা ১১ আ। ১৭ ধা। ৩ প্ল। ব্যতিক্রমে কর্ম করে তাহার দিগের দণ্ডের কথা।

কাগজনা দিলে য়াতে প্ৰতিবন্ধকতা করিলে বোর্ডের সা হেবেরা জরীমানা করিবার কথা।

ক তাহার কথা।

৩৭। যে সাধারণ ভূমির অংশাংশকরণের ত্কুম হইয়া আইন কি অন্যপ্রকারে ভূমতে অংশাংশ হয় সেই সাধারণ ভূমির অংশিগণের মধ্যে কোন মির অংশাংশহও অংশি যদি তলবকরা হিসাবের কার্গজ পত্র না দেওয়াতে কি অন্য কোন প্রকারে জানিয়া স্তনিয়া ভূমির অণ্শাণ্শহওয়াতে প্রতিবন্ধ কতা করে তবে বোর্ড রেবিনিউ কি বোর্ড কমিদ্যানর দাহেবেরা কা লেক্টর সাহেবের পাচান কৈফিয়ৎ পাইলে পর মোকদমার ভাব যে সময়াবধি অ দৃষ্টে যত টাকা জরীমানা করা উচিত জানেন সেই অংশির তত প্রাধির দিনুড়ি জ টাকা জরীমানা করিবেন ও আইনমতে মালগুজারীর বাকী টাকা যে রীমানাদিতে হইবে প্রকারে লওয়া যায় সেই প্রকারে ঐ টাকা লওয়া যাইবেক কিন্ত জানা কর্ত্তব্য যে যদি এই আইনের লিথিত কোন দাঁড়ানুসারে হি দাবওগয়রহ কাগজ মৌজুদকরণের নিমিত্তে বোর্ড রেবিনিউ কি বোর্ড কমিদানর দাহেবদিগেরম গুরীক্রমে কালেক্ট রদাহেব দিনং জরীমানা মোকরর করিয়া থাকেন্^ইতবে বোর্ড রেবিনিউ কি বোর্ড কমিদানর দাহেবেরা তাহার অন্য মত হুকুম না দিলে এব॰১ কালেক টর দাহেব প্রথমতঃ দে বিষয়ে অন্য কোন প্রকার ত্রুম না দিয়া থা কিলে যে তারিথে ঐ.জরীমানার থবর অপরাধিকে দেওয়া গিয়া ছিল দেই তারিথঅবধি ঐ জরীমানা সম্যক কি তাহার কতক তাহার দিতে হইবেক ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ। ২১ ধা।

যে অধিকার্ভ্ হাজির হইতে না পারিলে উকীল মোখার পাঠাইবার কথা।

৩৮। যে জমিদারী কি হজুরীতালুকওগররহের অংশাংশ কর মির অংশকরণের ণের ছকুম হয় তাহার অংশিদিগের মধ্যে কেই যদি পীড়াপ্রযুক্ত ছকুম হয় তাহার কিয়। কারণান্তরে কালেক্টর সাহেবের কি আমীনের নিকটে হাজির হইতে না পারে কি না চাহে তবে তাহার কর্ত্তব্য যে এক জনকে উকাল নিযুক্ত করিয়া যাবৎ অংশাংশের বিষয় নিষ্পত্তি না হয় করিয়া তাবৎ এই আইনের অনুসারে যে সকল নিষ্পত্তি তাহার কর্ত্তব্য হয় দেই দকল কর্মের কর্তৃত্ব ভার তাহাকে দিয়া পাচাইয়া দেয় ইতি। - ১৮ ১ ८ मा। ১১ जा। २७ था।

৫ ধারা।

আমীনের রিপোর্ট পাইলে কালেক্টর ও বোর্ডের যাহা কর্ত্তব্য তাহা।

আমীন অধিকার ভূমির অংশাংশ করা সারা হইলে পর ভাহার যে কা গ্ৰপ্ৰাদি কালেক নের কথা।

৩১। যে কালে আমীন জমিদারীওগয়রছের অংশাংশের কার্য্যও একং অংশের সরকারের জমার যে ধার্য্যের নিষ্পান্তি করে সে কালে তাহার কর্ত্তব্য যে অপশাপশের কাগজপত্র ভূমির বেওরাকৈফিয়ৎ अव नतकारतत क्रमात धार्शनिमर्गान मृत्रस केतिया कारलकृष्ठेत मा টর সাহেবকৈ দি হেবের নিকটে দেয় আর উচিত যে একং অপ্শের শামিলে যেং বেক তাহার মক্ষম মহাল ও গ্রাম আইলে তাহার নাম আর সেই একং মহাল ও

গ্রামের তৎকালের গত তিন সনের উৎপন্নের স্প্থ্যা আরু সেই একং অংশের উপর সরকারের যে জমা ধার্য্য করে ভাছার সংখ্যা এবং একং অংশের মোতালক ভূমির নির্বাচনী যেমতে হয় তা হার বিবরণ এবং যে২ হিসাবের অনুসারে সেই আমীন সরকা রের জমার ধার্য্য করে তাহার যে বিস্তারিত কালেকটর সাহেবেব জ্ঞাতসারের কারণ অপবশ্যক হয় এবণ্ এই আইনের ৯ ও ১০ ও ১১ ধারার লিথিত পুষ্করিণী ও দেবস্থলীআদির বিষয়ে যে বন্দোবস্ত হয় তাহা সমস্ত বেওরা করিয়া সেই সকল কাগজে লেখা যায় ইতি। 一3と38 利132 國13と 到1

৪০। আমীন উপরের ধারার লিখনানুসারে কাগজপত্র কালেক টর সাহেবের নিকটে দিলে পর সেই সাহেবের কর্ত্তব্য যে তাহার পত্র দেখিলে পর ত বিবেচনা ও তহকীক করিয়া এব ে অ শিদিণের কেহ নিজে কিয়া কদীমনামা দুরন্তক উকীলের মারফতে দেই কাগজের প্রতি যে আপত্তি ও এজহার তাঁ ^{রিতে}ু ^{কালেক্টর} হার নিকটে করে তাহা জ্ঞাত হইয়া একং অংশের শামিল করা দকল মহাল ও গ্রামের নাম ও দেই একং মহাল কিয়া গ্রামের তৎ কালের উৎপন্ন এব° দেই একং মহাল কিয়া গ্রামের উপর যে _{জয়নের কথা।} জমা ধার্য্য হইয়া থাকে তাহার সংখ্যা এবং সেই একং অংশের অধিকারী কি অধিকারিদিগের নাম আরু কোন অণ্শ দুই জন কিয়া ততোধিক জন অংশির ভোগ দথলে শরাকতৈর মতে আসিয়া থা কিলে সেই একং অৎশির অৎশের আন্দাজের নিদর্শনে এবৎ এই আইনের ১ ও ১০ ও ১১ ধারার লিথিত যে কোন বিষয়ের প্রতি যেমত নিয়ম হইয়া থাকে তাহার বেওরাসমেত এক তকদীমনামা তৈ য়ার করিয়া ভাহার নকল বোর্ড রেবিনিউ কি বোর্ড কমিদ্যনর দাহে বদিগের হন্তুরে আপন অভিপ্রায় ও মতের কথা যে কিছু ইহা বৃকি বার কারণ আবশাক হয় যে ভূমির অণ্শাণ্শ ও তাহার একং অংশ নিরূপণ হজুরের আইনানুসারে হইয়াছে কি না তাহা সমেত পাঠাইয়া দেন ইতি।—১৮১৪ দা। ১১ আ। ১১ ধা। ১ প্র।

ইরসালী কাগজ সাহেবদিগের ছকু মের কথা।

তক্সীমনামার ম

৪১। কিন্তু 🗳 তক্সীমনামা অর্থাৎ অৎশাৎশ পত্র বোর্ড রেবি নিউ কিষা বোর্ড কমিদ্যনর দাহেবদিগের হজুরে পাচাইবার পুর্বের কি বোর্ড কমিদ্যনর কালেক্টর সাহেবের কর্ত্তব্য যে তাহার নকল অংশিদিগ্কে দেন ও যদি দকল অংশতে আপনার দিগের মোহর দম্ভথতে ও চারি জন মাত্রর সাক্ষির প্রমাণে এক একরারনামা এই মজমূনে লিথিয়া দাখিল করে যে ঐ ভূমিরযে অংশাংশ জ্ঞাত হইয়াছি তাহাতে আ যে মতাচরণ কর্বব্য মরা রাজী অর্থাৎ সমাত আছি কিয়া তাহারদিগের মধ্যে কেছ অ^১ তাহার কথা। শাপ্রের ফর্চের নকল পাওনের পর পনের দিনের মধ্যে সেই অপ্ শাংশের উপর কিছু ওজর অর্থাৎ আপত্তি না করে তবে কালেক গণেরে অবিলখে দ টর সাহেবের কর্ত্তবা যে প্রথমপ্রকারে এতাবতা তাহারদিগের সমত্ শাক তাহার কথা। থাকনের একরারনামা পাইলে পর ও দিতীয় প্রকারে এতাবতা ঐ নিয়মিত কাল গত হইলে পর দেই দকল অংশিগণকে তাহারদি Vol. I.

বোর্ড রেবিনিউ সাহেবদিগের হজু রে তকসীমনামা পা ঠাইবার পূর্বেক কা লেক্টর সাহেবের

যেমতেতে অংশি থল দেওয়ান আব গের অপ্শেতে দথল দেওয়াইয়া তাহার কৈফিয়ৎ জনার নিরূপণ সম্থলিত ভূমির তকদীমনামার নকল ও তরজমা**ল**হিত বোর্ড রেবি 🗔 নিউ কি বৌর্ড কমিদ্যনর সাহেবদিগের হজুরে পাচইয়া দিবেন কিন্তু

করিতে ক্ষমতা রা থিবার কথা।

বোর্ড রেবিনিউ জানা কর্ত্তব্য যে এমত নির্দ্ধার্য্য করা জমা বোর্ড রেবিনিউ কি বোর্ড কি বোর্ড কম্স্যন ক্রিস্যনর সাহেবদিগের হজুরে যাবৎ মঞ্জুর না হয় তাবৎ সিদ্ধ বোধ র সাহেবেরাজমার হইবেক না ও ঐ সাহেবদিগের ক্ষমতা আছে 🗷 তক্সীমনামাতে যে ধার্যাহওয়া মঞ্র কিছু ফেরফার এই আইনের ৮ ধারার প্রস্তাবিত আইনের লিথিত হুকুমের মতে করণের আবশাক হয় তাহা করেন এব ে ঐ সাহেবদি গের ক্ষমতা থাকিবেক যে ভূমির অংশাংশও একং অংশের জনার ধার্য্য ও তক্সীমনামার লিথিত অন্যথ বিষয় যে প্রকারে ধার্য্য পা ইয়া থাকে জমায় কমীকরণভিন্ন তাহাই মঞ্র ও গ্রাহ্য করেন্ অথবা যে প্রকারে বিহিত বুকেন ফেরফার করেন এব॰ যে সময়ে ঐ সাছে বেরা ভূমির অংশাংশের বিষয়ে আপনার্দিণের নিফাত্তিছওনের পুর্বের্বে যেথ নৃতন তহকীক করা আবশাক ব্কেন্ তাহা করাইয়া লন্ ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ। ১১ ধা। ২ প্র।

অৎশিগণেরা ভ কসীমনামার প্রতি আপত্তি করিলে কা লেক্টর সাহেবের যে কর্ত্তব্য তাহার ক 1 19

कथा।

8 । যদি অ**^শি**রা কি তাহারদিগের মধ্যে কেহ উপরের প্রকর ণের নির্দ্ধারিত পনের দিনের মধ্যে অপশাপশের ফর্দ্দে উপর কোন ওজর অর্থাৎ আপত্তি করে তবে কালেক্টর সাহেবদিগের কর্ত্তব্য य जाहात्रितिरत जौहात्रितित ख॰ (माउ मथन ना मि अहाहिशा অবিলম্বে ঐ ওজর লেখা কাগজের নকল ও তর্জনা তক্সীমনামার ফর্দের নকল ও তর্জমা ও আমীনের দেওয়া সময় কাগজপত্র কি তাহার যে কতক যে বিষয়েতে ঐ ওজর হইয়াছে তাহার সহিত দম্লুক রাথে তাহা ও আর্থ যে দম্বাদ বাদ বেটে রেবিনিউ কি বোর্ড কমিদানর দাহেবদিগের যথার্থ বিচারের অর্থে গুণদায়ক হয় তাহার সহিত ঐ সাহেবদিগের হজুরে পাচান ইতি।—১৮১৪ সা। ১৯ আ। १९ था। ० छ।

৪৩। তকদীমনামা অর্থাৎ অণ্শাণ্শপত্রের বিষয়ে বোর্ডের দা তক্সীমনামার বিষয়ে বোর্ডের সা হেবেরা যে নিষ্পান্তি করেন তাহাই শেষ হকুম ও চূড়ান্ত বোধ হইবে হেবেরা যে নিষ্পত্তি ক ও কালেকৃটর সাহেব ঐ সাহেবদিগের তরফইইতে শেষ হুকুম করেন তাহাই চূড়া পাইলে পর তাঁহার কর্ত্তব্য যে অ**ংশিদিগকে তাহারদিগের** অং ত্ত হহবার ও এ সা
হহবদিগের নিষ্পা
হহবদিগের নিষ্পা
শহওয়া ভূমির সাবেক যে কৈফিয়ৎ তাহার সিরিশ্তার বহীতে ন্ত হইবার ও এ সা কালেকটুর সাহের লেথা থাকে তাহার সহিত অবিলম্বে মিলাইয়া সেই কৈফিয়তে যে অংশিগণকে অং ভূলচুক পান তাহা দুরম্ভ করিয়া দেই ভূমি অণ্শাণ্শের কৈফি শেতে দখল দেওয়। র জাপন সিরিশ্তার বহীতে লেথান ইতি।--১৮১৪ সা। জুমির আমে ১৯ জা। ২০ ধা। ১ প্র। শাৎশের কৈফিয়ৎ আপন সিরিশ্ভার বহীতে লেখাইবার

৪৪। যে ভূমির অণ্শাণ্শের কৈফিয়ৎ কালেক্টর সাহেব পুথ মতঃ অংশদিণিকে জ্ঞাত করাইয়া থাকেন্ দে ভূমির অংশাংশের গত হইলে বিশিষ্ট বিষয়ে অংশদিগের ওজর অর্থাৎ আপত্তি নির্দ্তীপত মিয়াদ এতা বতা পনের দিবস গত হইলে পর ওজর দরপেশ করিতে বিলম্বহও নের বিশিষ্টহেত্ব না দর্শাইলে বোর্ডরেবিনিউ কিয়া বোর্ড কমিদান র সাহেবেরা শুনিবেন না ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ। ২০ ধা। र थ।

নিকুপিত মিয়াদ হেতবাভিরেকে ও জর না ওনা যাইবা ব কথা।

৪৫ । কালেক্টর সাহেবের করা অণ্শাণ্শের উপর ওজর অর্থাৎ আপত্তির দর্থাস্ত বোর্ড রেবিনিউ কি বোর্ড কমিদ্যানর দাহে দিগের হজুরে দর বদিগের নিকটে দাথিল হইলে যদি দে দকল ওজর স্লুষ্ট অযথার্থ ও কেবল ক্লেশ দেওনার্থে বোধ হয় তবে ঐ সাহেবেরা মোকদ্দমার ভাব ও অপরাধির সংস্থান বৃক্ষিয়া যে জরীমানা করা উপযুক্ত বৃক্ষেন্ তাহার হুকুম দিবেন ওঁঐ জরীমানার টাকা মালগুজারীর বাকী টাকা যেপ্রকারে উদুল করিবার হুকুম আছে দেই প্রকারে উদুল হইবেক ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ।২০ ধা। ৩ প্র।

৬ ধারা।

শালিসির দ্বারা অথবা গুলিবাঁট শরতী করিয়া ভূমির বাটওয়ারাকরণ। ,

৪৬। এই আইনের ৪ ধারার ১।২ প্রকরণের লিথিত গতিকেতে যদি কোন জমিদারী কি হজুরী তালুকওগয়রছের অধিকারিরা আ মির অংশ করিতে পোদে এমত নিয়ম করে যে দেই জমিদারীওগয়রছের অংশের ব্যাপার আপনারা নিষ্পত্তি করে এবণ সরকারের জমাও আপনারা সেই একং অংশর উপর নির্দ্ধার্য্য করে এবং সেই জমিদারীওগয় রছের অৎশাৎশের অপর সকল বিষয়ের সরবরাহ হজুরের আই নের অনুসারে দেয় তবে এমতে দেই অধিকারিদিগের কর্ত্তব্য যে আ নিষ্পত্তি করিবার পনার্দিগের মোহর ও দস্তথতে দেই মজমুনেই এক আর্জী ৪ চারি কিলা মধ্যন্দিগের জন মাতবর দাক্ষির প্রমাণে কালেক্টর সাহেবের নিকটে গুজরায় ছারা নিষ্পাত্তি করা ইহাতে সেই সাহেবের উচিত যে সেই আরজী ওজরিলে পর তদনু ইবার ক্ষমতা রাখি সারে আমীনকে ত্রুম দেন্। কিন্তু এমতেও সেই অধিকারিদিগের বার কিন্তু দুই মতে কর্ত্তব্য হইবেক যে যে সকল হিসাবের তলব আবশ্যক আছে তাহ। আমীনকে দর্শায় ও তাহা প্রকৃতপ্রস্তাবে থাকিবার অর্থেও দিব্য করে কিয়া কেবল নিয়মপত্র লিথিয়া দেয় আর কর্ত্তব্য যে ভূমির অং শাণ্ম ও এ**কং অণ্**শের জমার ধার্য্য এবণ্ সেই ভূমির অণ্শের মোতালক অপর সকল হিসাবকিতাব সেই আমীনের সাক্ষাৎ ও তাহার দেখা শ্বনায় হয় এইহেতুক যে দে বিষয় সমস্তই হজুরের আইনের অনুসারে হইয়াছে এমত জওয়াব দিবার ভার সেই আমী নের শিরে থাকিবেক আর ঐ মত যদি উপরের লিথিত গারা ও প্রকরণের লিখিত গতিকে যে জমিদারীওগয়রছের অংশকরণের ত্কুম হয় ভাহার দক্ষ অধিকারিরা আপোদে এমত নিয়ম করে

বোর্ডের সাহেব থান্ত কেবল কাজী য়া ফসাদের নিমি তে বোধ হইলে জ রীমানা লওয়া যাই বাব কথা। জরীমানা উসুলে র অর্থে যে আচরণ করা যাইবেক তা হার কথা।

যে অধিকার্ড হুকুম হয় তাহার অধিকারিরা ধারার লিখিত গ অংশের ব্যাপার আমীনের সাক্ষাৎ হইবার কথা।

যে ভূমির অণ্শাণ্শের ও তাহার একং অণ্শে দরকারের জমার ধার্য্যের ও ভূমির অণ্শাণ্শের সম্পর্কীয় অপর সকল বিষয়ের নিষ্পা ন্তির অর্থে এক জন মধাস্থ কিয়া ততোধিক জনকে আদরণ করে তবে তাহারদিগের কর্ত্তব্য যে সেই মজমুনেই এক আরজী এক জন মধাস্থাদরণ হইলে সেই মধাস্কের নামনিদর্শনে ও দুই জন মধাস্থ কিয়া ততোধিক জন আদরণ হইলে সেই মধ্যম্বদিগের এব°৲ এক জন আমীন চাহরাইয়া তাহারো নাম লিথিয়া চারি জন মাতবর দাক্ষির প্রমাণে কালেক্টর দাহেবের নিকটে দেয় এমতে আরজী দিলে পর সেই সাহেবের কর্ত্তব্য যে সরকারের আমীনকে হ্কুম দেন্ যে মধ্যস্থাদরণী নিয়মপত্র এতাবতা দালিদী একরারনামা দেই অধি কারিদিগের স্থানে লেথাইয়া লয় আর দেই অধিকারিদিগের উচিত যে আবশ্যক দকল হিদাবকিতাব মধ্যম্বকে দর্শায় ও তাহা প্রকৃতপ্র দ্রাবে থাকিবার বিষয়ে সেই সরকারী আমীনের নিকটে দিবা করে কিয়া কেবল নিয়মপত্র লিথিয়া দেয় আর কর্ত্তব্য যে মধ্যস্থদিগের দ্বার। ভূমির অণ্শোণ্শের ও সরকারের জমার ধার্য্যের এবণ্শ সেই অংশের মোতালক অপর বিষয় সমস্তই আমীনের সাক্ষাৎ ও তা হার দেখা ন্তনায় নিচ্পাত্তি পায় এইছেতুক যে তাহা মধাস্থদিগের ঘারা হজুরের আইনসকলের অনুসারে নিষ্পত্তি হইয়াছে এমত জওয়াব দিবার ভার দেই আমীনের শিরে থাকিবেক। আমীনের দেখা ম্বনায় অধিকারিরা কিয়া উপরের লিখিত গতিকে তাহারদি গের মধ্যস্থেরা ভূমির অংশ ও দরকারের জমার ধার্য্য ও তাহার মোতালক অপর সকল বিষয়ের নিষ্পত্তি করিলে পর সেই আমী নের কর্ত্তব্য যে এই আইনের ১৮ ধারার লিথনক্রমে সমস্ত কাগজ পত্র ও নিদর্শন লিপি কালেক্টরসাহেবের নিক্টে দেয় তাছা দিলে পর দেই দাহেবের উচিত যে দে ভূমির অৎশাৎশের নিষ্পত্তি অধি কারিদিগের কিম্বা তাহারদিগের মধ্যস্থদিগের ঘারব্যতিরেকে সরকা রের তরফ আমীনের মারফতে হইলে যে মতাচরণ করিতেন সেই মভাচরণ করেন্ এব ে আমীনের মারফতে জমিদারীওগয়রহের অপশের অর্থে যে দকল দাঁড়া ও ছকুম এই আইনে লেখা আছে **म्या प्राप्त अब्योग विश्व किया अधिकाति पिरागत किया जाहा ति पिरागत** মধ্যস্থদিগের দারা যে ভূমির অংশাংশ নিষ্পত্তি পায় তাহার প্রতিও চলিবেক ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ। ২২ ধা।

অৎশিগণেবা আ আপনারদিগের বি বেচনাক্রমে যে বা টওয়ারা করে তাহা ্র শর্চার বিষয়ের দাঁড়ার কথা।

৪৭। জানা কর্ত্তব্য যে আমীনের দ্বারা বাটওয়ারার বিষয় নির্ব্বাহ মীনের স্থারতায় পাওনের এরচথরচা দিতে হইবার বিষয়ে এই আইনে যে সকল দাঁড়া ও চুকুম আছে দেই সমস্ত দাঁড়া ও চুকুম উপরের লিথিত ধা রানুসারে অধিকারিদিগের আপোসে কিয়া তাহারদিগের মোকরর করা দালিদেরদিগের দারা আমীনের দহকারিডাক্রমে যে ভূমির অৎশাৎশ নিৰ্বাহ পায় তাহার বিষয়েও থাটিবেক কিন্তু যে আমীন এমত অংশাংশকরণের ভারে নিযুক্ত হয় সে আমীন এই আইনের ১৫ ধারানুসারে আমীনের মেছ্নতানার নিমিত্তে যে রসুম মোকরর ছইয়াছে কেবল তাহার অর্দ্ধেক পাইবেক ইতি।—১৮১৪ সা। ১৯ আ ৷ ২৩ ধা ৷

৪৮। জমিদারী কি হজুরী তালুকওগয়রহের অংশাংশ বিরুদ্ধা চরণ ও পক্ষপাত না হইতে পারিবার কারণ এমত দাঁড়া নির্দ্ধার্য ইলে পর ভাহার হইল যে যে কালে কোন জমিদরীওগয়হের অংশ করিতে তুকুম অধিকারিরা আপ হয় সেকালের তাহার অংশ যদি দুই কিয়া ততোধিক অংশে নং অংশ লইতে বুর লেকালের ভারার অংশ বাদ দুব করে। তভোগেক অংশে যেই গতিকে ধলী তুলাতাক্রমে হয় তবে সেই সকল অংশের অংশিদিগের কর্ত্তবা বাট শরতী করিবে যে সেই সকল অ॰৲শ লইবার সমাধার্থে কালেক্টর সাহেবের কাছা क ভাহার কথা। রীতে গুলীবাঁট শরতী করে ও দেই গুলীবাঁট শরতী করিতে কিছু ব্যাঘাত ও বিরুদ্ধাচরণ হয় নাই এমত জওয়াব দিবার ভার দেই সাহেবের শিরে থাকিবেক অতএব ঐ দাঁড়াক্রমে জমিদারী কি তালুক অণ্শাণ্শ করিতে হইলে যদি চারি অণ্ণে চারিং আনা হয় কিয়া তিন অংশে এক অংশ আট আনাও অন্য দুই অংশ চারি ২ আনা হয় তবে জমিদারীওগয়রহের অংশ ও সরকারের জমার ধার্য্য ও অপশের মোতালক অপর সকল বিষয় নিষ্পত্তি হইলে প্রথমমতে চারিং আনা দংখ্যার অংশের যে চারি অধি কারী হয় ও দিতীয়মতে চারিং আনা দংখ্যার অংশের যে দুই অধিকারী হয় তাহারাই আপন্থ অংশ লইবার কারণঐ দাঁড়ামতে গুলীবাঁট শরতী করিবেক কিন্তু যদি একং জ্বীণ্শের অধিকারিরা আপোদে এমত নিষ্পত্তি করে যে অমৃকং অংশ অমৃক অমৃকের ভোগদথলে আসিবেক তবে তাহারদিগের উচিত যে আপনীরদি গের দম্ভথতে ও দুই জন মাতবর দাক্ষির প্রমাণে এক দর্থাম্ভী আর জী এই মজমুনে যে অসুকং অণশ অমুক ব্যক্তির অধিকার নির্দ্দিষ্ট নিষ্পত্তি হইলে কালেক্টর সাহেবের নিকটে দেয় পশ্চাৎ সেই সা হেবের কর্ত্তব্য যে তদনুসারে তাহারদিগের দথল দেওয়ান্ ইতি।— ১৮১৪ সা। ১৯ আ। ২৪ ধা।

ভামির অংশ হ

৭ ধারা।

ভূমাধিকারি যদি ক্রী হয় অথবা ভূমি থাসতহসীলে থাকে তবে যাহা কৰ্ত্তব্য ভাহা।

৪১। যে জমিদারী কিয়া হজুরী তালুকের অংশাৎশকরণের অধিকার ভূমির *ছকু*ম হয় তাহার অ°৲শিগণের মধ্যে কোন ক্রীলোক যদি অনুপযুক্ত ^{অ৲}শ করণের হকু জানা যায় কিয়া কেহ অল্প বয়সের হয় অথবা অন্য যে কেহ অপিন মু হইলে সেই জু ভূমির ব্যাপার কার্য্যকরণের যোগ্যতা না রাথে তবে কালেক্টর সা মির আৎশিগণের হেবের কর্ত্তব্য যে তাহার সন্থাদ বোর্ড রেবিনিউ কি বোর্ড কমিসা পযুক্ত থাকে তাহা নর সাহেবদিগের হজুরে দেন্ ও সেই সাহেবদিগের প্রতি যথেষ্ট রদিগের বক্তাধি তাকীদ আছে যে সেই অধিকার ভূমির অংশাংশের কালে এপ্রকার কারের রক্ষণার্থে নালায়ক অর্থাৎ অনুপযুক্ত অংশিদিণের স্বস্তুলোপ না হয় এমত বোর্ডের সাহেবদি সাবধান ও মনোযোগী হুন্ ও যদি সাধারণ অধিকার ভূমির অধিকা গেরে ছকুমের ক রিদিগের মধ্যে উপরের শিথিতমতে কএক জন অনুপযুক্ত হয় ও থা।

ওসী অর্থাৎ অধ্যক্ষ রাথে তবে সেই অধ্যক্ষ এই আইনানুসারে তাহা রদিগের ভূমির অংশের বিষয়ে যাহাথ কর্ত্তব্য তাহা করিবেক ইতি -- ১৮ ১ ८ मा। ১৯ व्या । २१ ४। :

সরকারের খাস জারাতে যে ভূমি থাকে তাহার অং শের বিষয়ে যে দা। ড়া খাটিবেক ভাহার কথা।

৫০। যে কোন জমিদারীওগয়রহ সরকারের থাসতহসীলে কিয়া তহসালে কিমা ই ইজারায় প্রাকে সে জমিদারীওগয়রত অংশাংশকরণের ত্রুম হ ইলে তাহার অংশাংশকরণেতে এই আইনের লিথিত যে সকল দাঁড়া ভূমির অংশের বিষয়ে সমুর্ক রাথে তাহার যত দাঁড়া সেই জমি माती अरोग्नतरहत विषया क्लम উচिত इटेरवक जाहारे क्लियक अठ এব তাহার মালগুজারী তহুদীলের কারণ সরকারের তরফ যে সকল তহসীলদার কিয়া ইজারদার নিযুক্ত থাকে তাহারদিণের কর্ত্তব্য যে তলবমতে দেই জমিদারীওগয়রহৈর মোডালক যে কিছু হিসাবকি তাব ও অনাথ নিদর্শনী কাগজপত্র তাহার্দিগের স্থানে থাকে তাহা মৌজুদ করিয়া দেয় ও দেই জমিদার ওগয়রহ অত্পাত্প হইলে পর এই আইনের ৮ ধারার লিখিত দাঁড়াসকল তাহার প্রতি চলন উচিত হইবেক ইতি।--১৮১৪ সা। ১৯ আ। ২৯ ধা।

৮ ধারা।

যে ভূমির বাটওয়ারা হইতেছে ভাছার দরকারের জমার তল্য যাহার শিরে থাকিবে তাহা।

যাবৎ অৎশহও Q: 1

৫১। যে কোন জমিদারীওগয়রহের জমা আদায়ের করারদাদ য়া ভূমির অধিকা তাহার সকল অধিকারিদিগের সহিত হইয়া থাকে এই আইনানু রিরা আপন্য অং সারে সেই জমিদারীওগয়রছের অংশাংশকরণের ত্কুম হইলে শে দখল নাপায় যাবৎ ভাহার অংশের বিষয় সমুদয় নিষ্পত্তি হইয়া একং অংশের ভাবং দেই সমূদ্য অধিকারিরা আপনং অংশে দথল নাপায় তাবং দেই জমিদারী অ্মির সরকারের জমার তলব তাহা ওগায়রহ সাধারণ জমিদারীসকলের অধিকারিদিগের তরফহইতে विमार्ग नकरनत य नवदत्राह्कात प्राक्तत हम डाहात अठमाप्त थाकिरवक अद॰ শিরে থাকিবার ক ইহার পর যেথ প্রকারের প্রসঙ্গ শেথা যাইবেক ডাহাছাড়া সেই জমিদারীওগয়রহ সমৃদয়ের উপরেই সরকারের জমার তলব সঙ্গত वृहिरवक हें डि ।-- ১৮ 3 8 मा। ১३ আ। २৮ धा।

অবিভক্ত জমিদা **अधि**मादी কেবল বৎসরের শেষ হই ल नीलाम करा या · ইবার কথা।

৫২। অবিভক্ত ভূমি বাটওয়ারা অর্থাৎ বিভাগের সময়ে তাহাতে রী এবং ক্লোককরা যে বাকী পড়ে ভাছীর নিমিত্তে যে বৎসরেতে ঐ বাকী পড়ে সেই বৎসরের শেষপর্যান্ত ঐ ভূমি নীলামের যোগ্য হইবেক না ঐ মতে যে ভূমি আদালভের ছ্কুমমতে ক্রোক করা যায় সেই ক্রোক থাক নের সময়েতে ভাহাতে যে বাকী পড়ে তৎপ্রযুক্ত সেই ভূমি সেই वश्मात्वत्र (भव ना रहेला नोमाप्तात्र (यात्रा हेहेरतक ना हेछि।--१८१ मा। ११ छा। ७ धा। ७ धा।

১ ধারা।

বাটওয়ারার রেজিইটরী।

৫৩। জানা কর্ত্তবা* যে এই আইন জারী হইলে পর যে দকল বাট ওয়ারা মঞ্জর হয় ইঙ্গরেজী ভাষা ও অক্ষরেতে তাহা রেজিইটরী বহী রা মঞ্জর হইয়া রে তে লেখা ঘাইবেক ও দেই বহাতে জমিদারীর ও প্রত্যেক অধিকা জিটারী বহাতে লে রির নাম ও তাহার জমা বাটওয়ারা আরম্ভের সময়ে যে প্রকার খা ঘাইবার কথা। ছিল এবণ ভিন্নথ হিস্যার ও তাহার অধিকারিদিগের নাম ও তা হার যে জমা বাটওয়ারা মঞ্রহওনের পর স্বতন্ত্রং অংশতে নির্দ্ধার্য্য হয় ঐ বাটওয়ারা মঞ্চরহওনের তারিথসহিতে লেখা যাই বেক আর যদি বাটওয়ারা মঞ্জরহওনের তারিথ অবধি দশ বৎস রের মধ্যে ঐ দকল বাটওয়ারাইওয়া হিদ্যার কোন হিদ্যাতে বাকী গ্রহণনেতে দশ বৎ পড়ে ও বাকী আদায়ের কারণ তাহা বিক্রয় করা আবশ্যক বোধ ^{সরের মধ্যে} ভূমি হয় এমতে কালেক্টর দাহেবের উচিত ও তাঁহার প্রতি ত্রুম আছে 🔼 বাকী পড়িলে হয় অন্তে বাটাকুল । তাহা আদানের দে যে বাটওয়ারাহওনের সময়ে জমার ধার্যাকরণেতে কার্সাজী কি মিত্তে ভূমি বিক্রয় চুক ভূল হইয়াছে কি না ইহা বুঝা যাইবার নিমিত্তে যথাসাধ্যে করা আবশাক হই বাকী পড়নের হেতু ও কারণের যথোপযুক্ত অনুসন্ধান করেন্ আর লে কালেকটর সা বাকী পড়নের কারণ কোন প্রকারে প্রকাশ পায় কর্ত্তব্য যে তাহার হেবেরা ভাহার হৈ কৈফিয়ৎ দমস্ত বৃত্তাস্তুদমূলিত যে বোর্ডের ব্লুকুমমতের তাবে হয় ফিয়ৎ বোর্ডে লি তথাকার সাহেবদিগের হজুরে লিথিয়া পাঠান যে ঐ সাহেবেরা সে থিয়া পাচাইবার কৈফিয়তের প্রতি দৃষ্টি করিয়া এমত বিবেচনা ও প্রবিধান করেন ^{কথা।} যে পুনর্বার যে প্রত্যেক হিদ্যা আদল জমিদারীর অণ্শাণ্শক্রমে বিভক্ত হইয়াছে নূতন করিয়া তাহার জমার ধার্যাকরণার্থে হুকুম দি বার অনুমতি প্রাযুত নওয়াব গবর্নর জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলছইতে লওয়া বিহিত কি না ইতি।—১৮১৪ না। ১১ আ। 03 WI

অযথার্থ ক্রয়া ধা

১০ ধারা।

বাটওয়ারার পর কারসাজীক্রমে দথল দেওনের ব্যাহাত না হওনের বিধান।

৫৪। যাহাতে অনেক অৎশির মুদ্র সন্মিলিত থাকে এমত সাধা রণ জমিদারীর যে অণ্শিগণ আপনার্দিগের ছিস্টা থারিজ করিয়া ওয়ার। হওনের বি লইবার অধিকার রাথে তাহারদিগকে তাহারদিগের হিস্যাতে দথল যমে তাহার অ১ দেওয়াইবার বিষয়ে কারসাজী অর্থাৎ চক্রান্তক্রমে কোন প্রকার ব্যা শিগণের কারসাজী খাত ও বিলম্ব না হইতে পারিবার নিমিত্তে এই ধারানুসারে এমত ক্রমে সর্বপ্রধারে निर्मिक हरेन या यमि त्वार्ज द्विनिष्ठ किया तार्ज क्रिजानद नात्र्व विनय ६ गाणात्र इ निराहरण के निर्माण দিগের চিত্তে এমত লয় যে জমিদারী ভোগদথলকরণিয়া কোন র কথা। ব্যক্তি কিয়া ততোধিক জনের ব্যাঘাত জন্মানক্রমে আমীনের সন ন্দের লিখিত প্রথম মিয়াদের মধ্যে বাটওয়ারাকরা সমাপ্ত হইল না

জমিদারীর বাট

[&]quot; এ অধ্যায়ের শেষ দেশ।

কি হইতে পারিবেক না এমতে ঐ দাহেবদিগের ক্ষমতা থাকিবেক যে যে অৎশী আপন হিস্যার প্রতি ভোগবান না থাকে কালেক্টর দাহেব কিয়া অনোর দারা তাহার দর্থাস্ত উপস্থিত হইলে তাহার মতে এমত হুকুম দেন যে বাটওয়ারা হইলে পর ঐ অংশির শিরে জমার যত টাকা প্রকৃত দেনা হইবেক ও এ জমা সমস্ত রকমওয়ারী হিস্যাতে মুষ্টও প্রকাশ থাকিবেক ও তাহার উপর শতকরা অধিক কুড়ি টাকা এডাবডা মালিকানার অর্থে শতকরা ১০ দশ টাকা ও তহুদীলের থরচার নিমিত্তে শতকরা ১০দশ টাকা যথার্থ তদন্তক্রমে জমিদারীর যত ভূমির উৎপন্নহইতে আদায় হইতে পারে ও ইহার অধিক না হয় তত্ত ভূমিতে ঐ অধিকারিকে তৎক্ষণাৎ দথল দেওয়া যায় কিন্তু জানা কর্ত্তব্য যে ঐ ভূমির বিষয়ে এই বন্দোবন্ত পুরা বুঝা যাইবেক না বরণ যে ভূমি ঐ অণ-শিকে দেওয়া গেল ডাহার উৎ পন্নের সংখ্যাতে উত্তরকাল কথন সমাক্ জমিদারীর উৎপন্নের দুষ্টে কিছু কমী বেশী প্রকাশ হইলে তাহার ও জমিদারী বাটওয়া রা হইলে পর হিদ্যার মালিয়ত অর্থাৎ মূল্যের বিষয়ি আর্থ সমস্ত বিষয়ের নিষ্পত্তি হইতে পারিবার নিমিত্তৈ কর্ত্তব্য যে মামূলমতে অর্থাৎ পূর্ব্বাবধি যেমত রীতি থাকে দেই মতানুসারে ঐ জমিদারীর বাটওয়ারা হয় যে ঐ বাটওয়ারা হইলে পর সমস্ত ভিন্নং অংশির দহিত তাহারদিগের প্রত্যেকের প্রকৃত যত টাকা জমা দিতে হইবেক তাহার মোতাবেক ভূমির নিরপণহতন দর্মপ্রকারে এই আইনের ৭ ও৮ ধারার লিথিত দাঁড়ামতে হয় ইতি।—১৮১৪ সা। ১১ আ। ৩২ খা।

১১ ধারা।

বোর্ডের কার্য্য।

বহালী আইনস কলের ছকুম চলি বার ও নূতন আইন তৈরার ছইবার ম তের কথা।

৫৫। বোর্ড রেবিনিউ ও বোর্ড কমিদ্যানর সাহেবেরা এই আইনানু দারে কর্মকার্য্যের নির্ব্বাহ করিবেন ও আরং দমন্ত কর্মাদির নির্বাহ আলাহিদা যে দকল হকুম দকাং প্রীযুত নওয়াব গবর্নর্ জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলহইতে প্রকাশ হয় তদনুদারে করিবেন আর যদি বুকেন্ যে কোন বিষয়ের উপায় হজুরের নির্দ্ধারিত আইনের কোন আইনেতে লেথা যায় নাই তবে কর্ভ্বরা যে দে বিষয়ের হকুম প্রীযুক্ত নওয়াব গবর্নর্ জেনরল বাহাদুরের হজুর হইতে চাহেন ইতি। ১১৪ সা। ১৯ আ। ৩৫ ধা।

১২ ধারা।

দত্ত দেশে বাটওরারার বিষয়ে বিশেষ বিধান। ৫৬ [ই^ লা॰ ৭২ তরর্জমা হয় নাই।]

১৩ ধারা।

জমিদারীর বাটওয়ারা কিম্বা একশামিল করণের রেজিফীরীর রসুম ١

৭৩। ইঙ্করেজী ১৭৯৩ দালের ২১ একবিণশতি ও ১৭৯৫ দা লের ৩০ ত্রিৎশৎ আইনের অনুসারে এদেশীয় অক্ষর ও ভাষায় দরকারের মালগুজারীর মোডালক দফ্তরদকল রাথিবার জন্যে যে মুজমিলনবীদী দিরিস্তা নির্দিষ্ট ও তাহার আমলা নিযুক্ত হইয়াছে ত্ত্বিপ্রসাদাৎ ভূম্যধিকারিগণের অধিকার ভূমির মৃত্যাধিকারের প্রতি আঘাত ও পুরঞ্জনা হইবার পথ রোধ হইয়াছে অতএব যাহারা তা হার ফলপ্রাপ্ত হয় অর্থাৎ যাহারদিণের অধিকারভূমি দে দিরিশ্তায় লেখা যায় ভাছারদিগের উপর কিছু থরচা চড়ান উচিত ভানিয়া **এিযুত গরর্নর্ জেনরল বাহাদুরের হজুর কৌন্সেলে নীচের লি**থিত হুকুম নিৰ্দ্ধাৰ্য্য হুইল জানিবেন যে এ আইন সুবেজাৎ বাদালা ও বে হার ও উড়িয়ার এব ১ এলাকা বারাণসের জিলা ও শহরসকলে পঁচুছিলে পর এ ত্রুমমতে কাঠ্য হইবেক ইতি।-- ১৭৯৭ সা। ১৫ আনা ১ ধা৷

হেতৃবাদ।

৭৪। কালেক্টর সাহেবেরা সকর কি **নিম্কর** অধিকারভূমি অ**ং**শ ও শামিল হইবার কৈফিয়ৎ লিথিবার বিষয়ের রসুম নীচের লি ও শামিল হইবার থিত বেওরাক্রমে লইবেন।—১৭৯৭ সা। ১৫ আ। ২ ধা। ১ প্র।

অধিকার অংশ কৈফিয়ৎ লিখিবার রসুম লইবার মডে त कथा।

৭৫। কোন সকর অধিকার ইন্সরেজী ১৭৯৩ সালের ২৫ পঞ বি॰ শতি ও ১৭৯৫ সালের ২৬ ষড়বি॰ শতি আইনের অনুসারে অংশ ও শামিল হ অংশ কিয়া শামিল হইলে তাহার যত ভূমি অংশ হইয়ানামা ইবার বিষয়ের রসু ন্তবে যায় অথবা যত ভূমি স্থনাম ছাড়িয়া নামান্তবের শামিলে আ ইসে তত ভূমির সালিয়ানা জমার উপর শতকরা 1০ চারি আনার ছারে। -- ১৭৯৭ সা। ১৫ আ। ২ ধা। ২ প্র।

সকর অধিকার মের মডের কথা।

৭৬। কোন নিষ্কর ভূমি অংশ হইলে কিয়া কোন সনদের লি নিক্ষর ভূমি অৎ থিত ভূমির মধোর কিছু ভূমি পুরের বিভাগ স্ইয়া পুমরায় তৎশা শুও শামিল হইবা ১ মিলে আসিলে তাহার যত ভূমি অংশ হইয়া নামান্তরে যায় কিয়া র বিষয়ের রসুমের স্থনাম ছাড়িয়া নামান্তরের শামিলে আইলে তত ভূমির সায়ৎসা ^{মতের কথা।} রিক উৎপদ্মের উপর শতকরা ২া৷০ আড়াই টাকার হারে ইতি 🛶 ১৭৯৭ मा। ১৫ छा। २ था। ७ थ।

৭৭। কালেক্টর লাহেবেরা বিক্রয় কিছা দান অথবা প্রকারান্তরে অধিকার হস্তা কোন সকর কিয়া নিষ্কুর অধিকার ভূমিসমূদ্য অথবা তাছার মধোর বর ছইবার কৈফি ১ কিছু হস্তান্তর হইলে তাহার কৈফিয়ৎ লিথিবার বিষয়ের রসুম সংলিথিবার রসুম লইবার মতের ক নীচের থিলিত বেওরাক্রমে লইবেন।— ১৭৯৭ সা। ১৫ আ। ৩ धा । ३ थ्रा

৭৮। কোন দকর অধিকার হস্তান্তর হইলে তাহার যত ভূমি 'সকর অধিকার হত্তাবর হইবার বি হস্তান্তর হয় তত ভূমির সালিয়ানা জমার উপর শতকরা চারি আ बरवत इन्रावह म नांत्र हारता->१२० ना। ১৫ व्या। ७ था। २ था।

় ৭৯। কোন নিষ্কুরভূমি হস্তান্তর হইলে যত ভূমি হস্তান্তরে যায় নিষ্কর ভূমি হস্তা ন্তর হইবার বিষয়ে ভাছার সামুৎসরিক উৎপল্লের উপর শতকরা ২ ১১০ আড়াই টাকার র রসুমের ^{মতের} হারে ইতি।—১৭৯৭ সা। ১৫ আ। ৩ ধা। ৩ প্র। कथा।

সালিয়ানা জমা শ 1 18

৮০। জানিবেন যে এ আইনের যথায় দালিয়ানা জমা শব্দ লেথা দের বুম্পভির ক যায় তাছার অর্থ এই যে যে ব্ৎসর যে অধিকার অণ্শ কিয়া শা মিল অথবা হস্তান্তর হয় ও তাহার কৈফিয়ৎ লেখা যায় সেই বৎস রের মোকররী বন্দোবস্তের অনুসারে তাহার যে রাজস্বের ধার্য্য পড়ে ভাহাকেই দালিয়ানা জমা জান করিতে হইবেক। ভাহাতে যদি দে অধিকার ইজারা হয় তবে ইজারদারের কব্লিয়তের লিথিত জমা দৃষ্টে ও দে অধিকারের বন্দোবস্ত তাহার অধিকারি কিশ্বা ইজারদা রের সহিত না হইলে তাহার আট্সাট্টা উৎপন্নত্রমে ধরিতে হই

সাধৎসরিক উৎ বেক। আর এ আইনৈর যে স্থানে সামৃৎসরিক উৎপন্ন শব্দ শেখা बित्र कथा।

পদ শব্দের বৃত্প যায় তাহার বেওরা এই যে যে বৎসর উপরের লিথিত নিম্কুর ভূমি অংশ কিয়া শামিল অথবা হস্তান্তর হয় ও তাহার কৈফিয়ৎ লেথা যায় তাহার পূর্ব্ব বৎসরে সে ভূমির অধিকারী কিয়া ভোগবানকে যত রাজম্ব অর্শিয়া থাকে কিয়া অর্ণৈ সেই মোটের উপর চাছরিবার

बोद्र मरजू कथा। কালেক্টর সাহে বের হুকুম না মানি ल म्टब्र कथा।

এই ধারার লি দায় রাথে। ইহাতে যাহার স্থানে সে ভূমির উৎপল্পের হকীকৎ ৰিত হকীক**ৎ মিলি প্রাকে তাহার কর্ত্তব্য যে দে হকীক**ৎ কালেক্টর দাহেবের লিথিত তলবমতে দাখিল করে। যদি এতদ্বিয়ে দে সাহেবের হকুম না মানে তবে সে সে হকীকৎ দাখিল না করিবাপঠান্ত দিনপ্রতি যে হারে দণ্ড বোর্ড রেবিনিউর সাহেবেরা সে লোকের সময় ও শক্তি দৃষ্টে নির্ণয় করেন তাহা তাহার দেওয়া উচিত হইবেক ইতি।--১৭৯৭ সা। ১৫ অয়। ৪ ধা।

৮১। এই আইনের লিথিত রসুম ও দণ্ড কালেক্টর সাহেবের इत्रूम अ वध छेत्र লের মডের কথা। তলবমডে দিবেক নতুবা তাহা মালগুলারীর বাকী আদায় করিবার মতে উসুল করা যাইবেক ইতি।—১৭৯৭ সা। ১৫ আ। ৫ ধা।

শত মৃদ্যুর অধি ৮২। এই আইনের অমুসারে কাহারো স্থানে সকর কিয়া নিম্নর ··ক রুসুম লইডে না কোন অধিকারসমূদর কিয়া তাহার কিশ্মৎ অংশ অথবা শামিল পারিবার কথা। কিছা হস্তান্তর হইতৈ লাগিলে তাহাতে সিল্লা ১০০ একশত টাকার অধিক রদুম লওয়া যাইবেক না। ইছাতে যদি উপরের লি থিত বেওরাক্রমে কোন সকর কিছা নিষ্কুর অধিকারভূমি অংশ

কিয়া শামিল অথবা হস্তান্তর হইবার কৈফিয়ৎ লিথিবার বিষয়ের ্রসুম পূর্ব্ব প্রস্তাবিত হারে সিম্কা একশত টাকার অতিরিক্ত হয় তথাচ কর্ত্তব্য নহেযে একশত টাকার অধিক তলব করেন কিয়া লন ইতি। —১৭৯৭ সা। ১৫ আ। ৬ ধা।

৮৩। দকর অধিকার অপশ ও শামিল হইবার বিষয়ের যে রসুম এ আইনের ২ দিতীয় ধারাক্রমে লইতে হয় তাহা কৈফিয়ৎ লিথি সুম যাহারু ২ দানে বার কালে লইতে হইবেক ইহাতে যে সুবায় সে অধিকার থাকে ডা हा इक्रादेखी ११२७ मालिद २० शक्षिये भेषि ७ ११२० मालिद ২৬ ষড়বিৎশতি আইনের অনুসারে অৎশ হইবার থরচা যাহার২ উপর **চাহরে তাহার**২ স্থানেই দেই রসুম লওয়া যাইবেক। আর যদি অপশ কিয়া শামিলহওয়া ভূমি নিষ্কর হয় তবে যাহারদিগের নামেদে ভূমি লেখা যায় তাহারদিগৈর জনাজাতের অংশ দুষ্টে তা হার রসুম লইতে হইবেক ইতি।—১৭৯৭ না। ১৫ আ। ৭ ধা।

২ ধারাক্রমে র लक्ष्मा याहरतक जो

৮৪। ৩ তৃতীয় ধারার অনুসারে ভূমি বিক্রয় কিয়া দান অথবা প্র कांत्रास्ट्रत इस्रोस्ट्रत इस्तात विषयात तमूम याहात नारम रम जुमि द तमूम याहात চলে তাহার স্থানে সে ভূমির কৈফিয়ৎ এক্তেকালী অর্থাৎ থারিজনা স্থানে লওরা ঘাই थिली दहीरा लिथिदात नेप्रास लिखा याहरतक है जि।-- ১ १ २ १ ना। ১৫ আ। ৮ ধা।

৩ ধারার অনুসা বেক ভাহার কথা।

৮৫। কালেক্টর সাহেবেরা এই আইনের অনুসারে যত রসুম উ রসুম সরকারে मून करतन् जारा मतकारत माथिल कतिरवन ও थे मार्ट्यिमरेशत माथिल करिवात छ ভাহার রুলীদ দিবা করিবা যে যাহারদিপের স্থানে রসুম পান্তাহারদিণেরে তাহার त्रनीम (मन् इंडि। - ১৭৯৭ ना। ১৫ আ। ३ धा।

ও ভাষাকে ও এদেশীয় চলন ভাষা ও অক্ষরেতে কালেক্টরী ও বোর্ডর সিরিশ্তাতে রাধা ঘাইবেক। রকমওয়া অধিকারা রী হিন্যা কিশ্বা অধি গের নাম কারিছি সংখ্যা 4 প্রগ গ্রাম্বের v 7 न्या न्या स्थित अकर कि

> রা ম**ু** বাউওয়া č

